“हिंदी और उर्दूका मन एकसाथ जाना है। हिंदुस्तानी शब्दका इस्तेमाल भी खुलकर किया है। सन् १९१८ में इंदौरके हिंदी साहित्य सम्मेलनमें मैंने जो कुछ कहा* था, वही आज भी कह रहा हूँ। हिंदुस्तानीका मतलब उर्दू नहीं, बल्कि हिंदी और उर्दूकी वह खूबसूरत मिलावट है, जिसे उत्तरी हिंदुस्तानके लोग समझ सकें, और जो नागरी या उर्दू लिपिमें लिखी जाती हो। यह पूरी राष्ट्रभाषा है, बाकी अधूरी।’

महाबलेश्वर, [illegible]-५-४५ मोहनदास करमचंद गांधी

* हिन्दी भाषा वह भाषा है, जिसको उत्तरमें हिंदू व मुसलमान बोलते हैं, और जो नागरी अथवा फ़ारसी लिपिमें लिखी जाती है। यह हिंदी एकदम संस्कृतमयी नहीं है, न वह एकदम फ़ारसी शब्दोंसे लदी हुई है।

२

[भारतके संविधानसे]

यूनियनकी दफ्तरी भाषा देवनागरी लिखावटमें हिंदी होगी।

यूनियनके दफ्तरी मतलबोंके लिए हिंदसोंका जो रूप काममें लाया जायगा वह हिंदुस्तानी हिंदसोंका अन्तर-कौमी रूप होगा। [३४३-(१)]

यूनियनका फ़रज होगा कि हिंदी भाषाके फैलावको बढ़ाए, और उसका इस तरह विकास करे कि वह भारतकी मिलीजुली कल्चरके सब अंगोंको जाहिर करनेका साधन बन सके, और उसकी आत्माको छेड़े बिना, जो जो रूप, जो शैली और मुहावरे हिंदुस्तानीमें और आठवीं पट्टीमें दर्ज भारतकी दूसरी भाषाओंमें* काम आते हैं उनको उसमें रचा पचाकर, और जहां कहीं जरूरी या चाहनी हो उसकी शब्दावलीके लिए पहले संस्कृतसे और फिर दूसरी भाषाओंसे शब्द लेकर, उसे मालामाल करे। [३५१]

*दर्ज की गई भारतकी दूसरी भाषाएँ ये चौदह हैं —

१ आसामी २ बंगला ३ गुजराती ४ हिंदी ५ कन्नड़ ६ कश्मीरी ७ मलयालम् ८ मराठी ९ उड़िया १० पंजाबी ११ संस्कृत १२ तामिल १३ तेलुगु १४ उर्दू।

हिंदी-गुजराती कोश

सपादक
मगनभाई प्रभुदास देसाई



गूजरात विद्यापीठ
अमदावाद-१४

मुद्रक
जीवणजी डाह्याभाई देसाई
नवजीवन मुद्रणालय, अमदावाद – १४
प्रकाशक
मगनभाई प्रभुदास देसाई
महामात्र, गूजरात विद्यापीठ
अमदावाद – १४

पहेली आवृत्ति, १९३९, २०००
बीजी आवृत्ति, १९४६, ५०००
सुधारेली वधारेली त्रीजी आवृत्ति, १०,०००

देशना अप्रतिम राष्ट्रभाषाप्रचारक

पूज्यश्री गांधीजीने

अनुक्रमणिका

त्रीजी आवृत्तिनुं निवेदन

दस वरसे आ त्रीजी सुधारेली वधारेली आवृत्ति बहार पडे छे तेथी संतोष थाय छे. आम जोतां बीजी आवृत्ति लगभग पांच वरसमां खपी गई हती. एटले नवी आवृत्ति जल्दी बहार पडवी जोईती हती. तेम न थई शकवाथी हिंदीना अभ्यासीओने सोसवुं पडयुं छे. ते माटे क्षमा मागुं छुं.

आ दस वरसमां आपणी दुनिया बदली गई छे. आपण स्वतंत्र थया अने आपणा देश माटे कई भाषा राजभाषा हो ते आपणी राष्ट्रीय बंधारण सभाए नक्की कर्युं. ए भाषानुं स्वरूप शुं हशे तेनी चोक्कस व्याख्या आपवामां आवी; अने तेनी लिपि देवनागरी हशे अने आंकडा तेमना अंग्रेजी रूपमां रहेशे एम ठराव्युं. ए भाषा हिंदनी बधी भाषाओ वच्चे वहीवटी आंतरभाषा हशे अने ते तरीके तेने, आवता १५ वरसमां आपणा राष्ट्रीय राजवहीवटमां दाखल करवी, एम पण आववामां आव्युं.

आ निर्णय आपणी राष्ट्रीय आगेकूचनी एक भारे मजल कापनारो छे. तेनी असर भारे दूरगामी हशे ए उघाडुं छे.

एनी रूए, बे लिपिनो प्रश्न ऊकली गयो गणाय. तेथी उर्दू लिपिमां पण शब्दो लखीने गई आवृत्ति बहार पाडेली, ते आ आवृत्तिमां चालु राखवानी जरूर न रही. ए आवृत्तिना प्रारंभे गांधीजीए लखेला बे बोल आ प्रस्तावनामां संघर्या छे. तेमां आ कोशनो उपयोग करी तेने वधारे सारो बनाववामां मदद करवा विषे जे उल्लेख छे ते भणी वाचकोनुं ध्यान खेंचुं छुं.

गई आवृत्तिओमां जणावेलुं के गुजराती अने हिंदीमां समान शब्दो संघर्या नथी, एवा शब्दोनी संख्या पंदर हजार करताय वधारे हशे. तेमां सुधारो करीने एवा शब्दो आ नवी आवृत्तिमां उमेरी लेवामां आव्या छे. ते उपरांत पण बधु हिंदी शब्दो लीधा छे. तेने सारु केटलुंक साहित्य पण जोईने शब्दो वीणीने संघर्या छे. आ काममां विद्यापीठना विद्यार्थीओए ठीक ठीक मदद करी छे. ते जे साहित्य भणता, तेमांथी तेमणे शब्दो काढी आप्या हता. आम करतां

अगाउनी आवृत्तिना निवेदनोमाथी

१

राष्ट्रभाषाने शिक्षणमा स्थान होवु जोईए एम गाधीजी दक्षिण आफ्रिकाथी हिंद आव्या त्यारथी सतत कहेता आव्या छे एटले, राष्ट्रीय शिक्षणना शरूआतथी तेमा तेने अनिवार्य स्थान आपवामा आव्यु छे, अने ते मुजब विद्यापीठना स्थापनाथी राष्ट्रभाषाना शिक्षणने तेमा स्थान रह्यु छे बल्के, विद्यापीठना ध्येयोमा ज ए विषे एक कलम छे के विद्यापीठमा राष्ट्रभाषा हिंदी हिंदुस्तानीने आवश्यक स्थान हशे अने तेनी न साथ ए भाषानी व्याख्यानी स्पष्टता करवा नोंध मूकवामा आवी छे के, हिंदी हिंदुस्तानी ए भाषा के जे उत्तरना सामान्य हिंदु मुसलमान बोले छे अने देवनागरी अथवा फारसी लिपिमा लखाय छे

१९३०थी ३४ना युद्धना दिवसो बाद ई स १९३५मां विद्यापीठ नवेसर पोतानु काम शरू कर्यु त्यारे राष्ट्रभाषाने अंगे एक वधु काम पण तेणे उपाड्यु, अने ते पोताने स्थानेथी बने तेटलो राष्ट्रभाषाप्रचारने मदद करवानु अने अंगे १९३६मा विद्यापीठ मटळे एक कार्यांश पण आकी हतो अने तेमां गुजरातनी प्रजाने उपयोगी थाय एवो नानकडो राष्ट्रभाषानो कोश करवो एवु एक काय हतु आ कोश ते अनुसार करवामा आव्यो छे

गुजरातमा राष्ट्रभाषाप्रचारनु काम एक रीते जोईए तो साव सहेलु छे अहिंदीभाषी प्रान्तोना भाषाओमा गुजराती भाषा कदाच हिंदुस्तानीना साथे घणी ज मळती आवे छे बेना शब्दभंडोळमा तद्भव अने तत्सम शब्दो ठीक ठीक प्रमाणमा सरखा छे अथवा फेरफार छे तो एवो जूनागढ के भणेलो गुजराती वाचक सामान्य हिंदी शब्दोनो अर्थ कल्पी शके एटलु ज नहि गुजरातमाथी हिंदी लखको पण पाक्या छे वळी व्रजभाषा साथनो तेनो सास्कृतिक सबध सैकाथी एकसरखो चालतो आवेलो छे राष्ट्रभाषाना स्वयसिद्ध प्रचारक समा साधुसन्यासीओ गुजरातना गामडामा हमेश फरता रह्या छे अने तेमणे हिंदी साथनो तेनो स्पर्श सतत चालु राखेलो छे अने तेथी गुजरातमा गिरिधर करताय कदाच तुलसी-रामायण वधारे वचाय छे कबीर अने दादुना भजनो तेमना पथ मारफत हजी जीवता रहेला छे आ उपरांत गुजराती वेपारी पण करोडोना भाषाने कामचलाउ जाण्या वगर ओछो ज रहे एवो छे? गुजरातना मुसलमान राजाओना काळमा फारसी अरबीनी असर पण तळपदी भाषामा ओछी ऊतरी नथी एटले गुजरातने माटे राष्ट्रभाषाप्रचारकार्य सहेलु छे एमा प्रश्न नथी

पण तेथी ज कदाच ए विषे उपेक्षा थवानो पण भारे भय रहे छे मात्र वेपार के मुसाफरीनी सवड पूरतो ज परिचय जरूरी छे एम जो मनाय तो तेटला परिचयथी आपण एक बोली जरूर शाखी लई शकीए परन्तु राष्ट्रभाषा एवी बोली मात्र नथी तेणे तो हिंदनी एकतानु अने आपणी हिंदी सस्कृतिनु वाहन बनवानु छे प्रजाना राजकारणनी भाषा तो आज आपणी नजर सामे ते बनी रही छे अनेक प्रांतीय साहित्य-प्रवाहो ए ज मोटी राष्ट्रगगामा मळवाना छे आज आपणा प्रांतीय साहित्यो सहेजे बनी जतो परस्पर सबध कदाच साचे छे

पण तेनी कोई नातिरीति के नियमबद्ध पद्धति आपण हजी नथी विकसावी ए काम पण आगळ जता राष्ट्रभाषाने ज माथे आवशे एमा कोईने शका छे ?

राष्ट्रभाषानु भावु स्वरूप होवाथी तेने आपण मात्र एक बोली रूप जाणीने निरात वाळीए तो सास्कृतिक प्रगतिमा गुजरात पाछळ ज पड एमा शका नथी एटले भाषा तरीके तेनु अध्ययन थवु जोईए वधवु जोईए अने विकसवु जोईए तेने माटे ब दिशाओ देखाय छे —(१) प्रौढ वग हिंदी प्रचारनी परीक्षाओ आपवाने निमित्त भाषानो शास्त्रीय अभ्यास शरू करे, (२) शाळाना विद्यार्थीओना अभ्यासक्रममा राष्ट्रभाषाने स्थान मळवु जोईए,— जे सुधारो मे शरूमा कह्यु ए प्रमाणे गाधीजी आन्दोलनथी दशमा आ या त्यारथी वहेला आव्या छे प्रौढ वर्गोनी शरूआत गुजरातमा थई छे ए सौने खबर छे तनी गति दिवसे दिवसे वधशे एमा शका नथी अने मुखनी वात ए छे के केळवणीना महासभावादी प्रधानोए शाळामा हिंदुस्तानो शिक्षणनी भाजी बाबतने पोताना कायमा स्थान आप्यु छे

आ उपरात एक त्रीजो वग पण जरूरनो छे, अने ते उपरना ब वर्गोने मददरूप एवा राष्ट्रभाषाना प्रचारको अने तेना शिक्षकोनो आ वगना उत्पत्ति पण आजे गुजरातमा प्रारभिक दशामा ज छ जेम जेम आपणी राष्ट्रीय अस्मिता वधती जशे अने तथा घरोघर राष्ट्रभाषानी किंमत वधार ने वधारे जोता थईशु तेम तेम आ शिक्षक-प्रचारक-वर्ग वधवु ज जोईशे — ते वधशे त अने ए वग उपरना बे वर्गोने पछा पहोंची वळशे

राष्ट्रभाषानो आ गुजराती कोश आ त्रणे वर्गोने लक्षमा राखीने करवामा आव्यो छे शाळानो विद्यार्थीवग कदाच आ कोशने एकदम न पण अपनावी शके परतु राष्ट्रभाषाप्रेमी प्रौढ लोक अने ते भाषाना शिक्षकवगने आ कोशथी पूरती मदद मळशे एम मानु छु हिंदीमा अर्थो आपना कोशो आज घणा छे परतु ते कोशो आपणे माट बे रीते ऊणपवाळा छे एक तो शीखवानो प्रारभ करनारने हिंदीमा ज आपेला अर्थो बरोबर न फावे, त अर्थो जो गुजरातीमा आपवामा आव तो सरलता पड बीजु प्रचलित हिंदी कोशोमा राष्ट्रभाषानी दृष्टि राखीने अने जरूर विचारीने शब्दो सघरायेला नथी होता तेमा हिंदी साहित्यनी जरूर ध्यानमा राखेली होय छे — अने ते योग्य ज छे तेथी करीने ते कदमा मोटा अने अन्यभाषाभाषीने माटे बिनजरूरी विस्तारवाळा थई पड छे आवी त कोशो प्रारभना अभ्यासमा काम दई शकता नथी

आ कोशथी आ ऊणपो आपोआप टळे छे तमा शब्दोना पसदगी राष्ट्रभाषाना स्वरूपने बरोबर ख्यालमा राखीने करवामा आवी छे फारसी अरबी शब्दो जे सामान्य रीते उत्तरना हिंदु मुसलमानोमा बोलाय छे तेमने पण आ कोशमा स्थान आपवामा आव्यु छे आ कामने अगे विद्यापीठना सेवक भाई गिरिराजजी तथा प० सुरेशचद्रजीनी मदद लीधी छ भाई गिरिराज दिल्ही प्रातना छ अने उर्दू सारी पठ जाण छ ए आ कामने माटेनी तमनी योग्यता बताववा पूरतु छे प० सुरेशचद्रजी युक्त प्रातना वतनी छे अने वृदावन अयोध्या वगेरे विभागोना हिंदीथी परिचित छे आ बेउ भाईओए मळीने हिंदी हिंदुस्तानीनी व्यापक दृष्टिए शब्द-पसदगी करवामा कीमती मदद करी छ तेथी ज आ कोशनु काम सतोषप्रद ने सहेलु तथा झट बनी शक्यु छ

कोशनो विस्तार नाहक वधी न जाय तेटला माटे शब्दो लेवामां ए धोरण राख्युं छे के जे शब्दो समान रूपे ने समान अर्थमां गुजरातीमां पण वपरातां होय तेमने आ कोशमां आपवा जरूर नथी. ए नियमथी मोटा भागना संस्कृत शब्दो — पूछना, मारना, आदमी, खोदना, खरचाळ वगेरे जेवा शब्दो आ कोशमां नथी लीधा — सवरा, नजरना पण नथी. परंतु जे शब्दोना हिन्दीमां के अर्थमां लिंगमां फरक होय तेवा लीधा छे. जेम के आंखना अजर मां गुजरातीना हिन्दुस्तानीमां लिंगफेर छे, पदार्थ, पाननां महसूल, महसूल मां नाडमाफेर छे, मजार, मसाला वगेरे जेवा अनेक शब्दोना अर्थमां छे. लिंगफेरने अंगे एक वस्तु नोंधवा जेवी छे. हिंदीमां नपुंसक लिंग नथी. एटले जे शब्दो गुजरातीमां नपुंसक लिंगी छे अने हिंदुस्तानीमां पुलिंग छे तेमने छोडी दीधा छे. ए लिंगफेरवाळा शब्दो लीधा नथी.

शब्दोना अर्थोनो विस्तार करवामां पण गुजरातने जेवा कोशनी आजे जरूर छे ते ख्यालमां राखीने चालवाथी आपोआप केटलुंक लाघव साधी शकायुं छे.

तुलसी, कबीर, सुरदास जेवा भक्त–कविओ ने आपणे त्यां लोकप्रिय छे तेमना शब्दोने जो वस्तुं स्थान आपवामां आवे तो कोशनी उपयोगिता सहेजे वधी जाय ए ख्यालथी ते कविओना ने ज्ञाने स्थान आपवामां आव्युं छे. पण तेनो अर्थ एम नथी के तेमनां काव्योमांना ने कविओना लखाणोना बधा ज शब्दो आ कोशमांथी मळी रहेशे एम आ शब्दसंग्रहनी पसंदगी करवामां गुजरातनी तात्कालिक जरूरने मुख्यत्व नजर सामे राखवामां आव्युं छे अने तेथी ज ते संग्रह आवडो नानो ने माफक किंमतनो करी शकायो छे.

राष्ट्रभाषाप्रचारने माटे लेवाती परीक्षाओमां तथा गुजरात विनय मंदिरना सात श्रेणीओमां चालता पाठ्यपुस्तकोना शब्दो आ कोशमां आवी जाय ते हेतुथी ते पुस्तको जोई जवामां आव्यां छे. ते उपरांत पण केटलुंक सामान्य वचातुं साहित्य जोवामां आव्युं छे. वळी, शब्दपसंदगी माटे मुख्यत्वे उपलब्ध कोशोमांथी साथी विणामणा करवामां आवी छे अने तेम करवाने माटे हिंदी ने देवनागरनी नानी मोटी ने मध्यम एम त्रण आवृत्तिओ काशी विद्यापीठनो 'हिंदीशब्दसंग्रह', गेवरड बेटे कृत हिंदीभाषानो (अंग्रेजी) शब्दकोश, श्री रामचंद्र वर्मा कृत 'उर्दू-हिंदी शब्दकोश', इंडियन प्रेसनो 'Hindustani English Dictionary', पं. रामनरेश त्रिपाठी कृत 'हिंदुस्तानी कोश' तथा बीजा केटलाक कोशोनो उपयोग करवामां आव्यो छे. ते सर्व ग्रंथोना विद्वान संपादकोनो आ स्थळे हुं आभार मानुं छुं.

हिंदी शब्दोना गुजराती अर्थो आपवामां एक ए ख्याल पण राख्यो छे के मूळ हिंदी शब्दने मळतो जो गुजराती शब्द होय अने ते अर्थमां होय तो तेने नोंधवो. आथी करीने तुलनात्मक भाषाभ्यासीओने थोडी घणी सामग्री आ कोशमांथी मळशे एम मानुं छुं. केटलाक तद्भव शब्दो जे बेउ भाषामां समान रूपे ने समान अर्थमां छे ने जे हुं उपर कही आव्यो एम आ कोशमां नथी लीधा, ते अलग वीणी काढ्या होय तो सारुं एम एक समान्य मुरब्बीनी सूचना हती. ए रसिक काम तो हवे आथी अलग रूपे कयारेक करवा उपर छोडवुं जोईए. अत्यारे तो कोशनो उपयोग करनारने तेना विना कशी अडचण नथी पडवानी एटलुं समाधान छे.

उपरनी मर्यादामां रहीने काम करतां, लक्षावधि केवळ हिंदी शब्दसागरमांथी १५३२० शब्दो आ कोशमां समाया छे ते उपरांत, बंने भाषामां तत्सम एवा संस्कृत तथा अन्य शब्दो जे आ कोशमां छोडी दीधा छे ते उमेरो तो एटला ज बीजा थाय, एमां शंका नथी एटले के, कुल ३० हजार उपर शब्दो जेटलुं काम आ कोशथी सरे एम गणाय कोशमां नोंधेला शब्दो साथे व्याकरण अने कंईक व्युत्पत्ति आपवामां आवी छे तथा शब्दोनी साथे तेमना रूढ शब्दप्रयोगो पण नोंध्या छे तेमां पण जे रूढिप्रयोगो गुजरातीमां पण ते ज रूप चाले छे—अने तेवा घणा छे—तेमने नथी आप्या केम के गुजराती वाचकने ते परिचित ज छे

ता० ३०-४-३९ म० प्र० देसाई

२

ई० स० १९३० ना मे मासमां 'राष्ट्रभाषानो गुजराती कोश' नामथी प्रसिद्ध थयेला हिंदुस्तानी-गुजराती शब्दकोशनी नवे नामे ने सुधारीवधारेली आ बीजी आवृत्ति छे पहेली आवृत्ति लगभग त्रणेक वर्षमां ज पूरी थई गई हती पण वच्चे १९४२-४नो गाळो आवतां तेनी नवी आवृत्ति आटली मोडी बहार पाडवी पडी छे

आ वर्षोमां राष्ट्रना जीवनना अनेक क्षेत्रो जेम राष्ट्रभाषा-प्रचार विषे पण मोटो फेरफार थयो छे देशनु आ काम एक पगलुं आगळ वध्युं छे ई० स० १९४२ सुधी आ रचनाकार्य हिंदी साहित्य संमेलनना वर्धा समिति मारफत चालतुं हतुं ते सालमां छेवट ए संस्थाए स्पष्ट कर्युं के ते तो नागरी लिपि अने हिंदी शैलीनो ज अनुक्रमे राष्ट्रलिपि अने राष्ट्रभाषा तरीके प्रचार करशे, आ तेनी मर्यादा छे तेणे राष्ट्रभाषानुं राष्ट्रमान्य हिंदुस्तानी नाम पण अपनाववा तैयारी न बतावी बेउ लिपि द्वारा लखाती उत्तर हिंदनी जे आम लोकभाषा ते राष्ट्रभाषा छे एवी व्याख्यामां आम तेणे फेरफार कर्यो आथी पूर्ण राष्ट्रभाषानुं ए काम करवा माटे राष्ट्रना आ रचनाकार्यना नेताओए हिंदुस्तानी प्रचार सभानी स्थापना करी अने तेनुं काम आपणे त्यां शरू थयुं

आ स्थितिमां कोशे पोतानुं शब्दभंडोळ वधारवा उपरांत बेउ लिपिनो पण समावेश करवो जोईए तो उपरना कार्यमां कोशे पोतानो फाळो आप्यो एम कहेवाय आ दृष्टिए आ नवी आवृत्तिमां शब्दोने बेउ लिपिमां आप्या छे एटले के नागरी जोडे उर्दू लिपिमां पण ते छाप्या छे आ करी शकायुं तेथी संतोष थाय छे

शब्दभंडोळ वधीने कुल १६००० थयुं छे शब्दो उमेर्या छे ते चालु वंचातुं केटलुंक हिंदुस्तानी साहित्य जोईने केटलाक मित्रोए पण लेवा जेवा शब्दोनी नानी मोटी यादी मोकली छे ए बधाना नाम गणाव्या वगर ते सौनो आभार मानुं छुं

शब्दो संघरवा अंगे आकरी मर्यादा आ आवृत्तिमांय चालु रही छे एक एवी सलाह हती के गुजराती तथा हिंदुस्तानी बंनेना एकसरखा शब्दो के जे आ कोशमां नथी संघर्या तेय लेवा आ शब्दो लगभग १५००० थाय छे

आ शब्दोनी यादी भाषाशास्त्रनी दृष्टिए करवा जेवी खरी पण आ कोशमां ते उमेरवाथी कद वधे ने किंमत वधे जे तेना प्रचारमां बाधा आणे एटले नवजीवन कार्यालय आ

शब्दो आ वेचाय नथी लीधा आजना मोंघवारीना आमेय किंमत तो सारी पेठ वधी ज छे जेने माटे तो कशो उपाय नथी

गई आवृत्तिमा राष्ट्रभाषानु स्वरूप ए मथाळे पू गांधीजीना विचारोने आमुख तरीके आपेला आ वखते तेमणे खास बे बोल * लखी आप्या होवाथी ते भाग जतो कर्यो छे गांधीजीना विचारो जाणवा माटे हवे तेमनु राष्ट्रभाषा विषे विचार ए नामनु स्वतंत्र पुस्तक प्रसिद्ध थयु छे, ते वाचक जुए

छेवटमा एक वात हिंदुस्तानी भाषाना प्रचारने अंगे एक गेरसमज थता जोवामा आवे छे, ते ए के तेमा फारसी अरबी ने संस्कृत शब्दोनी अदलोबदलो के आपापाटी करवाना होय छे पण भाग्ये ज कोई एम माने छे आ तो एक अवळो दलील ज छे आ कोशनी पाछळ एवी कोई दृष्टि न मानवा विनंती छे आजनी स्थितिमा हिंदी + उर्दू बेउ शब्दोनु भंडोळ चालवानु लेखक पोताना रुचि अने शिक्षण प्रमाण सहेजे अहींथी के तहींथी शब्दो लखशे जे शब्दो ने जे शैली सामान्य जनताने वधु समजाशे ने गमशे ते वधु चालशे आ मोटी कसोटीने जो लेखको अनुसरे, तो आपोआप तेनो सरळ लोकभाषा तरफ वळशे ते हिंदी हशे तो सरळ हिंदी बनशे ने उर्दू हशे तो सरळ उर्दू बनशे अने ए दिशामा जता बेउ शैलीओ एक प्रचलित लोकभाषा जेने हिंदुस्तानी नामथी कहेवामा आवे छे तेनी वधुमा वधु नजीक आपोआप पहोंचशे आ काम कोशनु नथी कोशे तो चालु स्थितिमा काम दे एवो शब्दसंग्रह आपवानो छे एथी ज एम केटलाक कहे छे के आने तो उर्दू शब्दकोश + हिंदी शब्दकोश = पूरो हिंदुस्तानी शब्दसागर गणाय

एक आवी ऊंडी विचार दिशा पण प्रवर्ते छे अने ते ए के पायाना हिंदुस्तानीने जेवु एक रूप संशोधवु जोईए तेने माटे जरूरी एवु नानु पायारूप शब्दभंडोळ खोळवु आवा प्रयत्नो पण एक बे जगामा छे राष्ट्रभाषाना खेडाण अने वृद्धिने अर्थे आवा आवा विविध अभ्यासो थवा जोईए प्रांतीय भाषाओ अने हिंदुस्तानीमा एकसरखा शब्दोनी यादीओ थवी जोईए आ बधु खूब उपयोगी काम छे ने तेमा अभ्यासीओ लागशे तो ज एक राष्ट्रभाषा निर्माणना महान कामने सारु वैज्ञानिक मदद पण मळी शकशे

आ कोश तैयार करवा माटे शब्द-पसंदगी लोकमा प्रचलितताने धोरण करवानो नेम राख्यो छे एने पायाना के संपूर्ण हिंदुस्तानीनो कोश मानवानी भूल न करवामा आवे एनी नेम एटली ज छे के आजे आपणे त्यां हिंदुस्तानी प्रचारना जे प्रगति छे तेने तेणे पहोंची वळवा मथवु ते अर्थ जेटलो सफळ तेटलो एनी कृतार्थता छे एने वापरनाराओ ए दृष्टिए एने आगळ उपर सुधारवावधारवा सक्रिय मदद करता रहे ए विनंती छे

१२-३-४६

म० प्र० देसाई

बे बोल

हिदुस्तानी-गुजराती कोषनी आ बीजी आवृत्ति छे। एवो कोष आपणी भाषामा बीजो मे नथी जोयो। नागरी ने उर्दू लिपिमा साथ शब्दो आपवावाळा काष ए नवु साहस लागे छे। जो नागरी अने उर्दू लिपि साथे जाणवा ने हिन्दी अने उर्दू रूपमा साथे बोलवानी आवश्यकतानो स्वीकार थाय, ता आवा कोषोनी जरूरियात बहु छे।

आ कोष वापरवानी रीत सामान्य कोष वपराय छे तेम नथी। आ कोषने हिन्दुस्तानीनो अभ्यासी वारवार जुए तो तेमाथी बन्ने लिपिनु ने बन्ने बोलीना शब्दोनु तेनु ज्ञान सहेजे वधे। आ कोषना सदुपयोगनी बीजी रीत ए छे के, तेमा भूल रही गई होय तो तेनी नाध करी लेवी ने जे शब्दो न मळे ते लखी लेवा, ने एनी नोध वखतावखत सपादकने मोकल्या करवी। सपादक पोते सूचनानो घटतो उपयोग नवी आवृत्तिन सारु करी शके अथवा वधारा तरीके जेनी पासे कोष होय ते नजीवे दामे नवी आवृत्तिनु काम लई शके। वळी मूळ कोष खरीदनारने ते पुरवणी तरीके मोकली शकाय।

मारी उमेद छे के आ साहसने गुजराती जनता वधावी लेशे।

मद्रास जता ट्रेनमा,
२१-१-४६

मो० क० गाधी

कोश वापरनारने सूचनाओ

१ कोशमा वपरायली संज्ञाओनी समजूती आ प्रमाणे छ

पु० पुल्लिंग (नाम)	(प) एटले के मुख्यत्वे पद्यमा वपराय छे
स्त्री० स्त्रीलिंग (नाम)	ब० व० बहुवचन
वि० विशेषण	ए० व० एकवचन
अ० अव्यय	अ अरबी
स० सर्वनाम	फा फारसी
अ० क्रि० अकर्मक क्रियापद	स संस्कृत
स०क्रि० सकर्मक क्रियापद	तु तुर्की
	इ अ इंग्रेजी

२ शब्दना क्रम गोठववामा अनुनासिक के अनुस्वारवाळो अक्षर ते वगरना अक्षरनी अगाउ मूकवामा आव्या छ एटले दा०त० कां क्र वगेरे वई'नी पहेला आवे ते सिवाय बाबीनी गोठवणी वर्णक्रमानुसारीनी सामान्य रसमना क्रममा छे

३ शब्दना पेटामा तेना रूढिप्रयोग तथा तद्भव ने घट समजाय एवा शब्दो मूक्या छे जेम के,

(१) 'कॅचेरा'नु स्त्रीलिंग 'कॅचेरिन' ते शब्द जोडे (स्त्री० –रिन) एम करीने बताव्यु छे

(२) 'कफन' शब्दमा '– को कोडी न होना' एटले के 'कफनको कोडी न होना' रूढिप्रयोग आप्या छ

(३) वि० साथे तेनु स्त्रीलिंग रूप कौंसमा स्त्री० करीने टांक्यु छ जेम के, काहिल वि० [स्त्री० –ला] मूळ शब्द परथी बनतु नाम आप्यु छे त्या कौंसमा [नाम] करीने आप्य छे जम के **गिडगिडाना** [नाम **–हट**] एटले के, **गिडगिडाहट** **गिलकार** [नाम **–री**] **लँगडा** वि० [अ० क्रि० **–ना**] एटले के **'लँगडाना'** वगरे तेम ज क्रियापद विशेषणनु पण समजवु

८ मूळ शब्दना विकल्प होय तो तेमने आखा लखवाने वदले, शक्य होय त्या, नीचे प्रमाणे टकावीने मूक्या छे जेम के,

तिकोना (–निया) = तिकोना, तिकोनिया
तिरछ (–छा) ई = तिरछई, तिरछाई
रिझा (०व) ना = रिझाना, रिझावना

एटले के, आ – सना तेनी पूर्वेना अक्षरने वदले लेता थता शब्दनो अने आ ० सज्ञा तेमा उमेरीने बनता शब्दनो विकल्प सूचव छे

अंक पु०(सं) अंक संख्यानो आंकडो (२) आंक निशान (३) नाटकनो अंक (४) खोळो –देना, –भरना, –लगाना = भेटवु बथमां अकवार देना [आंकडानु गणित

अंकगणित पु० (सं) संख्यानु–

अंकडा स्त्री० जुओ अंकुश

अंकन पु० (सं) आंकवु ते आंकणी

अंकपाली स्त्री० (सं) धाव आया

अंकमाल पु० गळे बाथ भरी भेटवु ते –देना = भेटवु [धान

अंकरा पु० घउ भेगु ऊगतु एक हलकु

अंकवार स्त्री० बाथ, छाती –देना, –भरना = भेटवु छाती सरसु चांपवु

अंकाई स्त्री० आंकवु ते जुओ अंकाव

अंकाना स०क्रि०(आंकना नु प्रेरक) अंकाववु, अदाज कराववा (२) परखाववु परीक्षा कराववा [अटकळ

अंकाव पु०आंकवानु काम(२)अदाज,

अंकित वि० (स) आकेलु क अकायेलु

अंकुडा पु० आकडा

अंकुडी स्त्री० नाना आकडा

अंकुडोदार वि० आकडावाळु

अंकुर पु० (स)अंकुर, नवा फूटेला फणगा -आना,उगना,निकलना,फूटना, फेंकना = अंकुर फूटवा [अंकुरवाळु

अंकुरित वि० (स) अंकुर फूटेलु,

अंकुश पु० (स)हाथीनो अंकुश (२) प्रतिबंध, काबू, दाब(–देना,रखना)

अंकुशग्रह पु० (स) महावत

अंकुस पु० अंकुश

अंकुसी स्त्री० आकडो हुक

अंखार पु० अंखर अक्षर (२) नेत्र ...

अंखारी स्त्री० अंखर, गाळो (२)

अंखडी स्त्री० आख [मिचौली

अखमीचनी स्त्री० जुओ आंख

अंखिया स्त्री० आख

अंखुआ पु० (स अंकुर) बावमायी फूटेला अंकुर के कूपळ –आना, उगना, निकलना, फूटना, फेंकना, लेना = अंकुर फूटवा [ऊगवु

अंखुआना अ० क्रि० अंकुर फूटवा

अगड-खगड वि० वच्चुघटचु, तूटचु फूटचु (२) पु० भगार

अंग पु० (स) अंग, शरीर (२) भाग, टुकडा –करना = अंगीकार करवु –देना = बाथमां लेवी करवी –मोडना = आळसथी शरीर मरडवु (२)आळस खावा –लगना = पचवु लाही व्हे पुष्ट थवु (२) काइना शरमा आववु –लगाना = भेटवु (२) स्वीकारवु, अपनाववु (३) लग्न कराववु

अंगज वि० (स) अंगमायी जन्मेलु (२) पु० पुत्र, परसेवो, वाळ, काम, क्रोध इ० अंगजा स्त्री० पुत्री

अँगडाई स्त्री० शरीर फाटवु ते (जम के ताव आवता पहला) (२) आळसथी के शरीर जकडाईने अक्कड थयु होय तेथी शरीरना अगो ताणता फलाववा ते —तोडना = आळसु बठा रहवु, काम न करवु
अँगडाना अ० क्रि० शरीर फाटवु (२) आळस काढवा के अगा अक्डावाथी शरार ताणवु — खेंचवु
अगण पु० आगणु [बखतर, कवच
अगत्राण पु० (स) अगरखु (२)
अगदान पु० (स) पीठ दखाडवी, युद्धमा पाछु पडवु ते
अँगना पु० (प) आगणु
अगना स्त्री० (स) सुदर स्त्री
अगभग पु० (स) अगनी खाड, अपगता (२) वि० खाडीलु
अगभगी स्त्री० (स) भगी, नखरा, शरीरना कामुक चाळा
अगभाव पु० (स) अगनी चेष्टाथी बतावातो मनोभाव
अगभूत पु० (स) जुओ 'अगज', पुत्र (२) वि० अतगत, अगनु
अगमद पु० (स) अग फाटवु के कळवु ते (२) अग दाबनार — चपी करनार
अँगरखा पु० अगरखु 'अगा'
अँगरा पु० अगारो
अँगराना अ० क्रि० जुओ 'अँगडाना'
अँगरेज प० अग्रज
अँगरेजी स्त्री० अग्रेजो भाषा
अगलेट पु०, स्त्री० शरीरनु काठु—बाधो
अँगवना स० क्रि० (प) सहवु खमवु वेठवु [कामदेव
अगहीन वि० (स) अपग (२) पु०
अगा पु० अगरखु
अगाकडी स्त्री० अगार उपर शकीने करेली रोटी, बाटी
अगार पु० (स) अगारा — उगलना = अगारा जवा बाल काढवा, आग वधावरी — पर पैर रखना = जाणी जोईने नुकसान के मुश्केलीमा ऊतरवु लाल अगारा = वि० लाल चोळ, खूब गुस्से थयलु
अगारक पु० (स) अगारो (२) मगळ ग्रह [झाड
अगारपुष्प पु० (स) इगारी, इगुदीनु
अगारमणि पु० (स) माणक [वेल
अगारवल्ली स्त्री० (स) चणोठीनी
अगारा पु० अगारा
अगारिणी स्त्री० (स) सगडी (२) सूर्यास्तनी दिशा — पश्चिम
अगारी स्त्री० नानो अगारो, तणखो (२) चिनगारी (३) सगडी
अँगारी स्त्री० शेरडीना साठा परना पान (२) गडरी, शरडीना वडवा
अँगिया स्त्री० (स अगिका प्रा० अगिया) चोळी, स्त्रीनु कापडु
अगी पु० (स) देहधारी
अगीकार पु० (स) स्वीकार
अगीकृत वि० (स) स्वीकृत, मजूर, अपनावेलु
अँगीठा पु० (स० अग्नि + स्था) मोटी सगडी अँगीठी स्त्री० सगडी
अगुर पु० अगुल, आगळ
अगुरी स्त्री० अगुली आगळा
अगुल पु० (स) आगळ
अगुली स्त्री० (स) आगळी (२) हाथीनी सूढनु टरवु

अगुल्यादेश पु०(सं) इशारो, आंगळीथी निशानी करवी ते [ते, बदनामी

अगुल्यानिर्देश पु० (सं) आंगळी चींधवी

अगुश्त पु० (फा) आंगळी

अगुश्तनुमाई स्त्री० (फा) आंगळी—दशामणु, बदनामी, कलंक, लांछन

अगुश्तरी स्त्री० (फा) अँगूठी, वींटी

अगुश्ताना पु० (फा) सीवती वखते दरजी आंगळी पर पहेरे छे ते अंगूठी

अंगुष्ठ पु० (सं) अंगूठो

अँगुसी स्त्री० जुओ 'अँकुसी (२) सोनीनी फूंकणी, बकनाल'

अँगूठा पु० (सं अंगुष्ठ) अंगूठो —चूमना=खुशामत करवी (२) ताबे—अधीन थवु —दिखाना=ठेंगो बताववो, नाइ करवा के देवा ना कहेवी अँगूठे पर मारना=तुच्छ गणवु, परवा न करवी

अँगूठी स्त्री० 'अगुश्तरी' वींटी

अंगूर पु० (फा) अंगूर—द्राक्ष

अंगूरी वि० अंगूरनुं बनेलुं के तेना रंगनु (२) पु० आछो लीलो रंग

अँगौठी स्त्री० जुओ 'अँगीठी'

अँगोछना स० क्रि० अंगूछाथी शरीर लूछवु [टुवाल

अँगोछा पु० अंगूछो [illegible]

अँगोछी स्त्री० नानो [illegible] टुवाल (२) [illegible]

अंगारा पु० [illegible]

अंघ्र—अंघ्रि [illegible]

अंघस पु० [illegible] [illegible]

अंघिया स्त्री० [illegible]

अंघ्रि पु० (सं) पग

अंघ्रिप पु० (सं) [illegible]

अँचरा पु० अंचल, साडीना छाती पर आवतो भाग, पालव

अंचल पु० (सं) पालव (२) छेवाडाना भाग (३) किनारा

अँचला पु० साधुओ धोतियाने बदले वींटे छे ते कापडानो टुकडो

अँचवना स० क्रि० जुओ 'अचवना'

अंछर पु० जादुमंतर —मारना=जादु करवा के मंत्र मारवा

अंज पु० कमळ

अंजन पु० (सं) आंजणु के आंजवु ते(२) काजळ, सुरमो (३) शाही (४) एक जातनु वगडु (५) माया

अंजनशलाका स्त्री० (सं) सुरमो आंजवानी सळी [आंजणु

अंजनसार वि० अंजनवाळु, सुरमा

अंजनहारी स्त्री० जुओ 'अंजनी (२) माटीनु घर करती एक जातनी भमरी

अंजना,—नी स्त्री० आंखनी आंजणी

अंजवार पु० (फा) एक औषधि

अंजर-पंजर पु०(सं पंजर) पांसळां के तेना माळा (२) अं० [illegible], [illegible] —ढीला होना=[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [अंजजर

अंजल,—ला पु० जुओ अंजलि (२)

अंजलि,—ली स्त्री० (सं) अंजलि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अंजलि(—ली)पुट पु० (सं) अंजलि

अँजवाना [illegible] [illegible] [illegible],

[illegible] ([illegible], [illegible])

अंजही स्त्री० [illegible]

अँजाना स० क्रि० जुओ 'अँजवाना'

अजाम पु० (फा) आखर, अत (२) परिणाम – करना, – देना, – पर पहुँचना = पूरु करवु, निपटाववु

अजाम–कार अ० आखरे, छवट

अजित वि० (स) अजायलु के आजेलु

अजीर पु० अजीर के तेनु झाड

अजुमन स्त्री० (फा) सभा, मडळ सस्था

अँजुरी(–ली) स्त्री० अजलि, खोबो

अँजोर,–रा पु० अजवाळु, प्रकाश [(दीवो)

अँजोरना स० क्रि० चेतावबु प्रगटाववु

अँजोरा पु० जुओ अँजोर (२) वि० अजवाळावाळु अँजोरा पाख = अजवाळियु [अजवाळियु

अँजोरी स्त्री० अजवाळु (२) चादनी,

अझा पु० (म अनध्याय) अणोजा, छुट्टी

अँटना अ० क्रि० समावु, बराबर आवी रहेवु, पूरतु होवु ['अडबड'

अटसट अ० पाया वगर, अप्रस्तुत,

अटा पु० गोळो (२) मोटी काडी–कोडो (३) 'बिलियड'नी रमत

अटा गुडगुड वि० नशामा चकचूर, बेहोश [जगा

अटाघर पु० 'अटा'–बिलियड रमवानी

अटाचित अ० चत्तापाट – लावुछट पडेलु – करना = चित करवु, पछाडवु – होना = बहोश थईने पडवु (२) नकामु के बरबाद थवु

अँटिया स्त्री० पूळी, पुळटी

अँटियाना स० क्रि० आटी के गूचळी करवी (२) आगळीओ वड छुपाववु

अटी स्त्री० बे आगळीओ वच्चेनी जगा के गाळो (२) ओटी (३) (दोरानी) आटी के ते उतारवानु अटरण (४) आटी, विराधभाव – करना = छतरी लेवु (२) अटरवु – रखना = छुपाववु, दबावी राखवु

अँटीतल पु० घाणाना बळदनी आखनु ढाकण

अड पु० (स) 'अडा', ईंडु (२) पेळ, गाळो, अडकाश (३) ब्रह्माड (४) (देहना) पच कोश

अडकोश पु० (स) अड के अडनी कोथळी (२) ब्रह्माड (३) फळनु छोतरु

अडज पु० (स) ईंडामाथी थता जीव (साप, पक्षी, माछली इ०)

अडबड स्त्री० अडसट–उटपटाग वात, बकवाद (२) वि० उटपटाग, नकामु, ढगधडा वगरनु

अडवृद्धि स्त्री० (स) गुह्यागनी गोळी बधवानो रोग

अडस स्त्री० कठिनता, मुश्केली, सकट

अडा पु० अड, इडु – ढीला होना = साधा गगडी जवा, खूब श्रम पडवो, थाकी जवु – फूट जाना = भ्रम के भेद खूली जवो – सरकना = पागोठा हलाववा, मथवु – सेना = घर-कुकडी बनी बठा रहेवु (२) बाळ बच्चाने गोदमा लईने सूवु

अडाकार वि० (स) ईंडाना आकारनु, लबगोळ [लबगोळ

अडाकृति स्त्री० (स) ईंडानो आकार,

अडी स्त्री० दिवेली के दिवेलो, एरडी के एरडो (२) एक रशमी कापड

अँडुआ पु० साढ, खसी न करेलु पशु, 'आडू', 'वधिया' – बल = साढ (२) (ला) सुस्त माणस

अँडुआना स० क्रि० खसी करवु

अडल वि० (पेटमा) इडावाळु

अत पु० (स) अत, आगर (२) परिणाम, फळ (३) मात, मरण (४) जुआ 'आत' (५) अ० अत (६) (प) अयत्र, बीज अल्ग –करना =हद करवा (२) पतम करवु –पाना = अद के मम पामवो –चनना = माग परिणाम आववु, फळ थवु –विगडना = बूर फळ आववु (२) अवगति थवी –होना = नाग थवा

अतक पु० (म) यमराजा (२) सनि पात मूगारा (३) शिव [पडी

अतकाल पु० (स) आगरनी–मातनी

अतक्रिया स्त्री० (स) मया आदनु कारज, अत्येष्टि [गत, निपुण

अतग पु० (स) अतरयामी (२) पार

अतगति स्त्री० (स) मरण

अँतडी स्त्री० आतरडु अतडियाका बल खोलना = बहु दिवसा बाद खावानु मळ त्यारे खूब पेट भरीने खावु –गलेमें पडना = कोई आपत्तिमा फसावु –जलना = खूब भूख लागवी

अतपाल पु० (स) द्वारपाळ (२) सरहदना रक्षक

अतरग वि० (स) अदरनु (२) नजीकनु, आत्मीय (बहिरग या ऊल्टु) (३) पु० दोस्त

अतर पु० (स) अतर वच्चेना गाळा के तेनु माप (२) मन अत-करण (३) अतरपट पडदा (४) अल्पता (५) (प) अदर

अतरजामी पु० अतर्यामी परमेश्वर

अतरदिशा स्त्री० (स) बे दिशा वच्चेनी दिशा, खूणा [कपनसिट्टी'

अतरपट पु० (स) आड, पडदा (२) जुआ

अँतरा पु० आतरा, गाळा (२) एकातरा ताव (३) खूणा (४) वि० एक छोडीने बाजु

अतरा अ० वच्चे, मध्यमा (२) पास, नजीक (३) विना, सिवाय (४) पु० गीतना अतरा (५) सवार साज वच्चेना समय –त्मिका [अत करण

अतरात्मा स्त्री० (स) जीवात्मा (२)

अतराय पु० (स) विघ्न बाधा हरकत

अतराल पु० (स) अतरियाळ, वचगाळो (२) घरा के घरमाना जगा

अतरि(–री)क्ष, –ख पु० (स) आकाश (२) वि० अतर्धान, अलोप

अतरित वि० (स) अदर करेलु रोकेलु के समायेलु (२) छूपु, अतर्धान (३) ढाकेलु [भूचिर

अतरीप पु० (स) टापु द्वीप (२)

अतरीय वि० (स) अदरनु (२) पु० धोतियु [–अस्तर जेवु कपडु

अँतरौटा पु० चीणी साडी नीचे पहरातु

अतर्गत वि० (स) अदरनु, अदर आवेलु (२) छूपु गुप्त [भावना

अतर्गति स्त्री० (स) मनना भाव के वृत्ति,

अतर्द्धान प० अतर्धान, अलोप

अतर्नाद पु० (स) अतरना अवाज

अतर्बोध पु० (स) आत्मज्ञान

अतर्भाव पु० (स) अदर रुपावु के समावु ते (२) अतरना भाव – मतलब आशय

अतर्भूत वि० (स) अदर समायेलु (२) पु० जीव, प्राण

अतर्मुख वि० (स) अदरनी बाजु मुखवाळु (२) 'बहिर्मुख'थी ऊल्टु

अतर्यामी वि० (२) पु० (स) अतरजामी, भगवान

अतवर्ती वि० स्त्री० सगर्भा (२) अदरना

अतर्वाणी पु० विद्वान, पडित
अर्तविकार पु० (स) भृत्य, तरस, इ० शरीरधम [ब्रह्मावत
अतर्वेद पु० (स) दोआब (२) (स)
अतर्वेशिक पु० (स) जनानखानानो रक्षक, खाजा [थयलु
अतशय्या स्त्री० मरणनो खोका (२) स्मशान (३) मत्यु
अर्तहित वि० (स) गुप्त, अतर्धान
अतस पु० अत करण
अतसद पु० चेलो, अतवासी
अतस्थ वि० (स) अदरनु (२) अतरियाळ (३) पु० य, र, ल, व चार अधस्वर
अतस्सलिल वि० (म) जमीननी अदर [जेनो प्रवाह हाय एवु [फलु नदी
अतस्सलिला स्त्री० (स) सरस्वती के
अत करण पु० (स) मन, चित्त
अत पुर पु० (स) जनानखानु
अतावरी स्त्री० आतरडा
अतिम वि० (म) आखरी, सौथी छडनु (२) सौथी श्रेष्ठ [अत्यज
अतेवासी पु० (स) शिष्य (२) चाडाल,
अत्य वि० (स) अतिम, आखरी
अत्यकर्म पु० (स) अत्यष्टि क्रिया, कारज [मनायलो त
अत्यज पु० (स) वर्णामा छल्लो
अत्याक्षरी स्त्री० अतकडीनी रमत
अत्यष्टि पु० (म) उत्तरक्रिया कारज
अत्र पु० (स) आतरडु [रोग
अत्रवृद्धि स्त्री० (स) आतरडानो एक
अदर अ० (फा) अदर, मही
अंदरसा पु० एक मीठाइ, अनारसु
अदरी (-रूनी) वि० (फा) अदरनु भीतरनु
अदाज पु० अदाज अडसट्टा अटकळ, अनुमान (२) ढब ढग, रीत (३) भाव, चेष्टा -उडाना = चाळा पाडवा -करना, -लगाना = अदाज काढवो
अदाजन अ० (फा) अडसट्ट, अदाजथी
अदाजपट्टी स्त्री० जुआ 'कनकूत'
अदाजा पु० (फा) अदाज, अटकळ
अदेशा पु० (फा) चिंता, फिकर (२) अदेशा, सशय (३) डर, आशका (४) दुविधा, डामाडोळपणु
अदोख्ता वि० (फा) बचत, जमा सघरेलु
अदोर पु० (प) शाकवकोर [फिकर
अदोह पु० (फा) शाक, दु ख (२) चिंता,
अध वि० (म) आधळु (२) अज्ञान, असावध (३) पु० आधळो (४) घुवड (५) चामाचीडियु (६) अधकार
अधक पु० (स) आधळो
अधकार पु० (म) अधारु [नरक
अधकूप पु० (स) अधारो कूवो (२) एक
अधखोपडी स्त्री० मूख, अक्कल वगरनु माणस
अधड पु० आधी, तोफान
अधधुध पु० जुआ 'अधाधुध'
अधपरपरा पु० (स) गाडरियो प्रवाह
अधबाई स्त्री० आधी वावटाळ
अधरा पु० आधळो (२) वि० अध
अधा वि० (२) पु० आधळा -दीया = मद बळता दीवा -बनना = जाणी जोईने ध्यान पर न लेवु आख आडा कान करवा अधकी लकडी या लाठी = एकमात्र आधार (२) एकनो एक छोकरा
अधाधुध स्त्री० अधाधूधी अधेर
अँधियार -रा वि० (२) पु० जुओ अँधरा
अँधियारी स्त्री० पशुओना आख पर बधाती पट्टी के ढाकण, 'अँधरी
अधेर पु० अधेर, अ याय, गरबडगोटो
अधेर खाता पु० अधेरखातु

अंधेरना स० क्रि० अंधारु करवु
अंधेरा पु०(२)वि० अंधारु —घुप या
धुप=अंधारु घोर, गाढ अंधकार
अंधेरे मुह, मुह अंधेरे=नरभाखळ
मळसकं [वद पक्ष
अंधेरिया स्त्री० अंधारु (२) अंधारियु,
अंधेरी पु० अंधकार (२) अंधारी
रात (३) अवड आंधी (४)बळद
घोडानी आंख पर बधाता पडदा
—कोठरी=पट गभ गूढ(२)गुप्त भेद
—डालना या देना=आंखमा धूळ
नाखवी, दगा देवा छतरीने खाडामा
नाखवु [ढांकण अँधियारी'
अँधोटी स्त्री० बळद के घोडानी आंखनु
अंब स्त्री० अंबा माता (२) पु० आंबो
अंबक पु० (स) आंख
अंबर पु० (अ) एक सुगंधी चीज
जे वहेल माछलीमांथी मळे छे (२)
एक अत्तर [छटा
अंबर डंबर पु० सूर्यास्त वेळाना रगनी
अंबर बेलि स्त्री० अमरवेल, अंतरवेल
अँबराई स्त्री०, —व पु० (स आम्र+
राजा) अमराइ, आंबावाडियु
अंबा स्त्री० (२) पु०(स) जुओ अंब
अंबार पु० ढगलो, 'ढेर
अंबारी स्त्री०'अमारी, हाथीना अंबाडी
अंबिया स्त्री० नानी काची केरी, मरवा
अंबिया पु० (अ 'नबी नु ब० व०)
नबी अने पैगम्बरो
अँबिरथा अ० (प) वृथा, व्यर्थ
अंबु पु० (स) पाणी
अंबुज पु० (स) कमळ
अंबुधर पु० (स) वादळ
अंबुधि,—निधि पु० (स) समुद्र

अंबुप,—पति पु०(स) समुद्र (२) वरुण देव
अंबुशायी पु० (स) विष्णु
अंबोह पु० (फा) टोळु, भीड
अंभ पु० पाणी
अंभोज पु० (स) कमळ
अंश पु० (स) भाग (२) अपूर्णांकनो
अंश (३) गुणाना मापनो अंश
अंशपत्र पु० (स) भागीदारीनु खतपत्र
अंशी वि० (स) अंश—भागवाळु (२)
अवतारी (३) पु० भागियो
अंशु पु० (स) किरण (२) बहु
थोडो—नामभात्र भाग (३) सूतरनो
तांतणो (४) सूर्य
अंशुमान,—ली पु० (स) सूर्य
अंस पु० अंश भाग, खड
अंसर पु० (अ) जुओ 'अंसर
अँसुआ,—वा पु० (प) आंसु, आंसु
अँसुवाना अ० क्रि०(प) आंसु भरावा
अंह, अंहस पु० (स अंहस्) पाप
अउ, अउर अ० (प) जुओ 'और'
अऊत वि० (प) अपुत्र, वांझियु
अएरना स० क्रि० (प) ग्रहण करवु,
स्वीकारवु
अकंटक वि०(स)निष्कंटक, निर्विघ्न
शत्रु वगरनु [व्यभिचारी
अकच्छ वि० नागु (२) काछडीछूटु,
अकड स्त्री० अक्कडाट, अक्कडावु ते
(२) अक्कडाई, एंट, जीद (३)
घमण्ड, गर्वी (४) धीटपणु, धृष्टता
अकडना अ० क्रि० अक्कडावु (जुओ
'अकड) (२) मिजाज करवो (३)
शेखी मारवी (४) हठ करवी
अकडबाई स्त्री० शरीरनो अक्कडाट,
तेथी थती पीडा के दुखावो

अकडबाज वि० शखीखोर, अहंकारी
अकडबाजी स्त्री० अकडाई, शखी
अकडाव पु० अकडावु ते
अकड(-डत) वि० 'अकड'वाळो (जुओ अकड'), अभिमानी, घमडी
अकथ, अकथनीय, अकथ्य वि० (स) न कही शकाय के न कहेवा जेवु
अकद पु० (अ) प्रतिज्ञा, वायदो
अक़दस वि० (अ) पाक, पवित्र
अकनना स० क्रि० (प) सांभळवु
अकना अ० क्रि० गभरावु
अकबक स्त्री० बकबकाट नकामो लवारो (२) गभराट धडक (३) वि० निस्तब्ध अवाक [चकित थवु
अकबकाना अ० क्रि० गभरावु (२)
अकबर वि० (अ) सौथी मोटु, महानमा महान
अकबरी स्त्री० एक प्रकारनी मीठाई (२) लाकडा परनु एक प्रकारनु नकसीकाम
अकबाल पु० जुओ 'इकबाल'
अकर वि० करवामां कठण (२) कर के महेसूलमां माफ (३) कर-हाथ विनानु
अकरकरा पु० (स आकरकरभ) अक्कलगरो
अकरण पु० (स) कर्मनो अभाव (२) ईश्वर (३) वि० अकरणीय
अकरणीय वि० (स) न करवा लायक
अकरास स्त्री० अकडावु ते, जुओ 'अँगडाई' (२) आळस
अकरासू वि० स्त्री० गर्भवती
अकरी स्त्री० वावणियो [करनार
अकर्मण्य वि० (स) आळसु, काम न
अकर्मी पु० (स) पापी, दुष्कर्मी
अकलंक,-कित वि० (स) निर्दोष [बेचेन
अकल वि० (स) अकळ (प्रभु) (२) आकुळ,

अकल स्त्री० (अ) अक्कल
अकलखुरा वि० आपमतलबी, एक
अकलन अ० (अ) अक्कलमां, सम
अकलियत स्त्री० लघुमती
अकलीम स्त्री० (अ) देश, प्रांत
अकवन पु० 'आक', आकडा
अकस पु० (अ) वेर, खार
अकसना स० क्रि० वेर, द्वेष, खार रा
अकसर अ० जुओ 'अक्सर'
अकसरियत स्त्री० जुओ 'अक्सरि
अकसाम पु० (अ 'किस्म'नु व०व प्रकार (२) कसम, शपथ
अकसीर स्त्री० (अ) रसायण रोग मटाडवानो कीमियो (३) रामबाण [(२) दव
अकस्मात अ० (स) अचानक, ओ
अकह,-हुवा वि० (प) जुओ अक
अकांड वि० (स) शाखारहित अकस्मात, अकारण
अकाउंट पु० (इ) हिसाब नामु [
अकाउंटंट पु० (इ) नामु लखनार हि
अकाज पु० नुकसान, अकाय (२) बूरु काम (३) अ० अकाज, व्यर्थ, न
अकाजना अ० क्रि० नुकसान जवु मरवु (३) स० क्रि० हानि क
अकाट्च वि० कापी न शकाय मजबूत [न
अकाम वि० (स) निष्काम (२)
अकाय वि० (स) अशरीरी निरा
अक़ायद पु० (अ) 'अकीदा'नु व०
अकारत,-थ अ० व्यर्थ, निष्फळ निर
अकाल पु० (स) दुकाळ (२) कव
अकालमूर्ति स्त्री० (स) अविनाशी पुरुष [नानक
अकाली पु० काळा फटो बांधता

अकास पु० (प) आकाश
अकासबानी स्त्री० आकाशवाणी
अकासबेल स्त्री० अमरवेल
अकिंचन वि० (स) गरीब
अकिल स्त्री० अक्कल
अकिलदाढ़ स्त्री० डहापणनी दाढ
अकीक पु० (अ) अकीक पथ्थर
अकीदत स्त्री० (अ) धार्मिक श्रद्धा (२) कोई धर्मनी मूळ मान्यता न स्वीकारे ते ए धर्मनो न गणाय [मजहब
अकीदा पु०(अ) दृढ विश्वास (२) धर्म
अकीर्ति स्त्री० (स) अपकीर्ति, अपजश
अकील पु० (अ) (स्त्री० –ला) अक्कलमंद बुद्धिमान
अकुंठ वि० (स) अकुंठित तीक्ष्ण
अकुल, –लीन वि० (स) हल्का कुळनुं (२) पु० हलकुं ऊतरतुं कुळ
अकुलाना अ० क्रि० (स० आकुल) जल्दी करवुं, उतावळा थवुं (२) गभरावुं, अकळावुं
अकूत वि० बेशुमार, अपरिमित
अकूबत स्त्री० (अ) दंड, सजा
अकृत वि० (स) स्वयंभू (२) नकामुं खराब
अकेला वि० (स्त्री० –ली) एकलुं (२) अपरिणीत (३) पु० एकांत निर्जन स्थान –दम=एक ज प्राणी –दुकेला=एकलदोकल
अकेले अ० एकले एकाकी (२)मात्र, फक्त –दुकेले=अ० साव एकलुं
अक्का स्त्री० (स)माता (२)मोटी बहेन
अक्खड वि० मनस्वी, उद्धत (२) झघडाखोर (३) असभ्य (४) नीडर (५) लाखावाळुं

अक्सर पु०(प) अक्षर [भला, गुण
अक्सा पु० घर घर अनाज लादवाना
अक्टोबर, अक्तूबर पु० ऑक्टोबर मास
अक्द पु० (अ) गांठ (२) करार (३) नाता (४) इकरार [धर्मान्वित
अक्रम वि० (स) क्रम विनानुं अ
अक्रिय वि०(स) कर्म न करनारु (२) जड, निश्चेष्ट
अक्ल स्त्री०(अ) अक्कल बुद्धि समज –का चरन जाना=बुद्धि–समज न होवी –का दुश्मन, –का पूरा= बेवकूफ मूर्ख –खर्च करना= विचारवुं बुद्धि लगाववी.
अक्लमंद वि० (फा) अक्कलमंद, समजदार, बुद्धिमान
अक्लमंदी स्त्री० समजदारी बुद्धिमत्ता
अक्ष पु० (स) रमवाना पासा के तेनी रमत (२) पृथ्वीनी धरी (३) त्राजवानी दांडी (४) आंख अक्षि
अक्षत वि० (स) अखंड, आखुं (२) पु० अक्षत – चोखा, डांगर इ०
अक्षम वि० (स) क्षमा वगरनुं (२) अशक्त [अजर अमर
अक्षय,–य्य वि० (स) अविनाशी,
अक्षर वि० (?) पु० (स) अक्षर
अक्षरौटी स्त्री० कक्को, वर्णमाळा
अक्षुण्ण वि० (स) अतूट, आखुं
अक्षोट पु० (स) अखरोट
अक्षौनी स्त्री०(प) अक्षोणी, अक्षौहिणी
अक्षोभ वि० (स) गंभीर, शांत (२) नीडर, क्षोभरहित (३) पु० शांति
अक्स पु० (अ) छाया, प्रतिबिंब (२) चित्र, छबी, तसवीर [घणुं अधिक
अक्सर अ० (अ) अकसर प्राय (२)वि०

अक्सरियत स्त्री० बहुमती [सतत
अखड वि० (स) आखु, अतूट, पूरु,
अखज पु० 'अख्ज', ग्रहण करवु ते
अखडत पु० अखाडियो, मल्ल
अखतो, ०ज स्त्री० अखात्रीज
अखनी स्त्री० मासनो सरवो
अखबार पु० (अ 'खबर'नु ब०व०) अखबार, छापु
अखरना स० क्रि० खटकवु, कठवु (२) दु खदायी के बूरु लागवु [नकली
अखरा वि० खरु नहि त, बनावटी,
अखरावट,-टी स्त्री०जुओ 'अक्षरौटी'
अखरोट पु० अखरोट के तेनु झाड
अख़लाक पु० (अ) आदत (२) स्वभाव (३) नीति के सदाचार
अखाड़ा पु० अखाडा(कुस्तीनो, साधुना) (२) सभा, दरबार, रगभूमि (२) तमासगीरानी के गानार वगाडनारनी मडळी
अखियाँ स्त्री० (प) आख
अखिल वि० (स) आखु, बधु, पूरु
अख़ीर पु० (अ)'आखिर', आखर, अ त, समाप्ति
अखूट वि० अखूट, अक्षय
अख वि० (प) अक्षय, अखूट
अखोह पु० खाडाटकरावाळी जमीन
अखौट, -टा पु० घटीनो खीलडो
अख्खाह अ० अहा,आश्चयसूचक शब्द
अख्ज पु० (अ) लेवु ते, ग्रहण, 'अखज'
अख्तियार पु० 'इख्तियार', अखत्यार
अगड पु०(स)त्रवध,द्रायपग वगरनु घड
अग वि० (स) न चालनारु (२) पु० पवत (३) चाड
अगडधत्ता वि० ऊचु ताड जवु

अगडबगड वि० (२) पु० आडअगड, ढगधडा वगरनु, नकामु ('अगड बगड' पण लखाय छ) [अनक्ष्य
अगणनीय, अगणित, अगण्य वि०(स)
अगति स्त्री० (स)दुगति, खराब दशा
अगती वि० पापी, दुराचारी (२) अ० अगाउथी
अगन,-नी स्त्री० अग्नि [काण
अगनू स्त्री०, -नेउ,-नेत पु०(प)अग्नि-
अगम,-म्य वि०(स) अगम्य, अकल (२) अत्यत, अथाक
अगमानी पु०(२)स्त्री० जुओ 'अगवानी'
अगमासी स्त्री० जुआ 'अगवासी'
अगर पु० (स अगरु) अगर, चदन
अगर अ० (फा) जो, यदि -मगर करना=विवाद करवो, तक दोडाववो (२) गरबडगोटाळामा नाखवु
अगरई वि० अगरना रगनु
अगरचे अ० (फा) जाके
अगरबत्ती स्त्री० अगरबत्ती, धूपसळी
अगराज़ स्त्री०(अ 'गरज़'नु ब०व०) मतलब, हेतु (२) जरूरियातो
अगरी स्त्री० आगळी, उलाळी
अगरु पु० (स) चदननु लाकडु
अग़लब अ०(अ) घणु करीने, प्राय, घणी सभव छ के [तिम, ब बाजुए
अग़ल-बग़ल अ० (फा) आसपास आम
अगला वि० (स अग्र) आगलु आगळनु (२) पूवनु, पहेलानु (३) प्राचीन, पुराणु (४) आगळ पर आवनारु, आगामी (५)पु० (स्त्री० -ली) पूवज (६) आगवान [तयार थवु
अगवना अ० क्रि० 'आग -आगळ वधवु
अगवासी स्त्री० हळनु तुगु

अगवाई स्त्री० नाम—आगळ जइन मलार रत्वा त जावाना (२) पु० आगवान, अग्रसर [जावानी)
अगवान पु० आवानी करनार (जुआ
अगवानी स्त्री० नाम जन मलार रत्वा त (२) विवाहमा जानन नाम त्वा जवाना विधि (३) पु० आगवान
अगस्त पु० ऑगस्ट मास (२) अगस्त्य ऋषि
अगहन पु० अग्रहायण मागसर मास
अगहनिया वि० मागसरमा थनार (धान)
अगहनी स्त्री० मागसरमा त्यानी फसल
अगहुड अ० (प) आगळ
अगाऊ वि० अगाउथी पहेला उदा० उसका अगाऊ कुछ दाम द दो (२) अ० (प) आगळ अगाडीथी
अगाडी अ० अगाडा आगळ (२) पु० वस्तुनो आगळनो भाग (३) घोडानी अगाडी
अगाड अ० अगाडी
अगाध वि० (स) अगाध घणु ऊडु (२) अपार (३) अगम गहन (४) पु० खाडा [अग्नि
अगिन वि० अगणित (२) स्त्री० अगन
अगिनबोट पु० आगबोट
अगिया स्त्री० एक वनस्पति (२) आगिया
अगियाना अ० क्रि० आग ऊठवी
अगिया बैताल पु० आग जवा नावी माणस [नाचवानी क्रिया
अगियारी स्त्री० आगमा धूप इ०
अगियासन पु० आगियो
अगोतपछीत अ० आगळ पाछळ (२) पु० आगळ न पाछळनो भाग
अगुआ पु० आगवान, मुखी, नेता (२) पचात वगर करीन विवाह गाठवनार
अगुआई स्त्री० आगवानी, सरदारी
अगुआना स० क्रि० आगवान बनाववा य ठराववा (२) अ० क्रि० आगळ थवु
अगुण वि० (स) गुणरहित (२) मूर्ख (३) पु० अवगुण
अगुरु वि० (स) हलकु, भार नहि एवु (२) गुरु वगरनु (३) पु० चन्दन (४) नामस
अगुवा पु० जुओ अगुआ'
अगुवानी स्त्री० जुओ 'अगवानी'
अगूता अ० आगळ सामे [व्यक्त
अगोचर वि० (स) इद्रियातीत, अ
अगोट पु० आड रोकाण
अगोटना स० क्रि० रोकवु (२) बद करवु (३) धरवु (४) अ० क्रि० रोकावु आड आववा
अगोरना स० क्रि० राह जोवी (२) रखवाळी करवी
अगोरिया पु० रखवाळ [टोचडु
अगौरा पु० शेरडाना छेडाना भाग—
अग्नि स्त्री० (स) आग दवता (२) जठराग्नि
अग्निकर्म पु० (स) हवन (२) अग्निदाह
अग्निक्रिया स्त्री० (स) अग्निदाह
अग्निदाह पु० (स) मडदु बाळवु ते, अग्निसस्कार [थवी त
अग्निमांद्य पु० (स) मदाग्नि भूख मद
अग्निसस्कार पु० (स) अग्निदाह
अग्निसेवन पु० (स) तापवु त
अग्य वि० (प) अज्ञ, अजाण
अग्यारी स्त्री० जुओ अगियारी'
अग्र पु० (स) आगळनो भाग (२) वि० आगळनु, पहेलु, उत्तम (३) अ० आगळ, अग्रे

अग्रगण्य वि० (स) आगळ गणातु
अग्रज,–जन्मा पु० (स) मोटो भाई (२) ब्राह्मण
अग्रणी,–सर पु० (स) आगेवान
अग्रहायण पु० (स) जुओ 'अगहन'
अग्राह्य वि० (स) त्याज्य, ग्रहण करवा माटे अयोग्य
अग्रिम वि० (स) आगामी (२) मुख्य
अघ पु० (स) पाप (२) दुःख
अघट वि० अघटित, अयोग्य (२) दुघट दुष्कर (३) अक्षय, घटे नहि एवु (४) एकरस, स्थिर [अयोग्य
अघटित वि० असभव, अशक्य (२)
अघवाना स० क्रि० 'अघाना'नु प्रेरक
अघाई स्त्री० सतोष, तृप्ति, धरावु ते
अघाट पु० कायमी भागवटानी–वेची न शकाय एवी मालकीनी जमीन
अघात वि० अगाध, घणु, मनमान्यु
अघाना अ० क्रि० धराईने खावु (२) सतोष पामवु (३) प्रसन्न–खुशी थवु
अघी पु० (स) पापी, कुकर्मी
अघोर वि० (स) शोभीतु, सौम्य (२) अतिघोर, भयकर (३) पु० (स) महादेव
अघोरपथ पु० अघोरी बावाओनो पथ
अघोरी पु० एक भयकर अने मेली साधना करनार (२) वि० अति मलु ने घृणा उपजावे एवु
अचभा पु० अचबो, आश्चर्य
अचक वि० खूब, बहु (२) पु० अचवा
अचकन पु० एक जातनो लाबो कोट
अचर वि० (स) स्थिर जड
अचरज पु० आश्चर्य
अचल वि० (स) अचळ (२) पु० पर्वत
अचवन पु० आचमन (२) जमीन हाथ मो धोई कोगळा करवा ते
अचवना स० क्रि० 'अचवन' करवु (जुओ 'अचवन')
अचाचक,अचानक अ० अचानक, ओचि
अचार पु० 'आचार', अथाणु
अचित वि० (स) निश्चित, बफिक
अचित्य वि० (स) अचितनीय, अन (२) बहद, धायाथी खूब (३) आकस्मिक, अणधार्यु
अचिर वि० (स) जल्दी, तरत
अचीता वि० (स्त्री० –ती) अणधार्यु आकस्मिक (२) अचित्य, बहुमा
अचूक वि० निश्चित, अमोघ (२) अ० अवश्य, जरूर (३) होशियारीथी
अचेत वि० (स) बेहोश, बभान (२) आकुल व्याकुल (३) अजाण (४) अणसमजु मूढ
अचैन पु० बेचेनी, व्याकुलता
अच्छ वि० (स) स्वच्छ, निमळ
अच्छत पु० अक्षत, चोखा
अच्छरा,–री स्त्री० (प) अप्सरा
अच्छा वि० (स्त्री० –च्छी) उत्तम उमदा (२) तदुरस्त, नीरोगी (३) अ० सारु, 'हा, ठीक' अथसूचक उदगार **अच्छे आना**=बराबर अवसर पर आववु
अच्छाई स्त्री०, –पन पु० उत्तमता 'अच्छा' हावु ते [(२) नीरोग
अच्छा बिच्छा वि० सारु सारु, चूटे
अच्युत वि० (स) अचळ, अटळ निश् (२) पु० विष्णु [पस्ताव
अछताना पछताना अ० क्रि० खू
अछरा,–री स्त्री० (प) अप्सरा

अछरीटो स्त्री० जुओ 'अक्षरोटी'
अछूत वि० अस्पृश्य(२)नवु, ताजु; पवित्र (३)हरिजन(आ अर्थ आधुनिक छे)
अछूता वि० जुओ अछूत १,२ अर्थ
अछोह पु० अभाव, शांति(२)निष्ठुरता, निर्दयता [अज-तरफ =तरफथी
अज (फा) थी अथवा प्रत्यय उदा०
अज पु० (स) स्वयंभू प्रभु (२) कामदेव (३) बकरा के घटा
अजगंधा स्त्री० (स) अजमो
अजगर पु० (स) अजगर, साप
अजगरी स्त्री० अजगरवत्ति, श्रम वगरनी आजीविका (२) वि० अजगरना वत्तिवाळु
अजज़ा पु० (अ जुज़ नु ब० व०) टुकडा, अंश, भागो
अज़दहा पु० (फा) अजगर
अज़दहाम पु० भीड, गरदी
अजदाद पु०(अ)पूर्वज वडवा, बापदादा
अजनबी वि० (अ) अजात, अपरिचित (२) अजाण्यु (३) परदेशी
अजनास पु० (अ) वस्तुभाव, जणस (२) घरखरी, सरसामान
अजन्म, –मा वि० (स)अनादि, नित्य
अजपा वि० न जपातु, न बोलातु
अजब वि० (अ) अजब, 'अजाब'
अज़-बर अ० (फा) याददास्त परथी
अज़ बस अ०(फा)खूब, बहु [चमत्कार
अज़मत स्त्री० प्रताप महत्ता (२)
अज़माइश स्त्री० अजमायश, 'आज़माइश' [मावबु
अज़माना स० क्रि० 'आजमाना', अज-
अज़मूदा (ह०) वि० 'आजमूदा', अजमावायलु, प्रयोगमा आवेलु
अजमोद पु० अजमा
अजय पु० (स) हार (२) वि० अजय
अजय्य वि० (स) अजय
अजर वि० (स)जरा के घडपण रहित (२) न पचे एवु
अजल स्त्री० (अ) मोत
अज़ल स्त्री० (अ) अनत अनादि होवु ते (२) आराम (३) मूळ, ऊगम रोज़े अज़ल= (सष्टिनी) उत्पत्तिना दिन
अजल गिरिफ्ता, अजल रसीदा वि० जनु मोत आव्यु होय ते
अज़ली वि० (अ) शाश्वत
अजवाइ(–य)न स्त्री० अजमा
अजस पु० (प) अयश, अपयश
अजसी वि० बदनाम, अपजशवाळु
अजस्र अ० (स) सदा, हमेश
अज़हद अ० (फा) हद उपरात, बहु
अजहू(–हूँ) अ० (प) हजी पण, हमणा पण, आज पण
अजाचक, अजाची पु० न मागनारो
अजाती वि० नात बहार
अजान वि० अज्ञान, अणसमजु (२) पु० अज्ञानता, अजाण
अज़ान पु० (अ) बाग अज़ान
अज़ाब पु० (अ) दु ख (२)संकट(३) पाप
अजायब पु० (अ)अजब विचित्र वस्तु ('अजीब'नु ब० व०) [नियम
अजायब खाना अजायब घर पु० म्यु-
अजित वि० (स) नहि जितायलु (२) पु० (स) विष्णु शिव के बुद्ध
अजिन पु० (स) मृगचर्म
अजिर पु० (स) आगणु (२) हवा
अजी अ०(स अयि) बोलाववा माटनो 'हे' 'ए' भावनो उदगार

अजीज वि० (२) पु० (अ) अजीज, प्यारु (२) सगुसगा
अजीब वि० (अ) अजब, विचित्र, विलक्षण
अजीम वि० (अ) वृद्ध जन पूज्य (२) वि० विशाळ, बहु मोटु
अजीम उश्शान वि० (अ) बहु शानदार
अजीयत स्त्री० (अ) अत्याचार, परपीडन
अजीरन, अजीण पु० अजीरण, अपचो
अजुगत पु० (प) अजुगती व अजगत वात (२) वि० आश्चर्यजनक
अजूबा वि० (अ) अजायब, अद्भुत
अजेय वि० (स) न जीती शकाय एवु
अजो पु० (अ अज्व) भाग, हिस्सो
अजोग वि० (प) अयोग्य
अजोता पु० (अ+जातना) चत्री पूर्णिमा (आ दिवस बळद जोडाता नथी)
अज्ञ वि० (स) अज्ञान, अणसमजु
अज्ञात वि० (स) अजाण, अपरिचित
अज्ञान पु० (स) अज्ञान, अजाणपणु (२) वि० अज्ञान, नादान, मूख
अज्ञानी वि० (स) नादान मूर्ख [अगम्य
अज्ञेय वि० (स) न जाणी शकाय एवु,
अज्म पु० (अ) निश्चय
अज्म बिल-जज्म पु० (अ) दृढ निश्चय
अज्र पु० (अ) बदलो, महेनताणु (२) षच
अज्व पु० जुआ जजा
अटबर पु० ढर', ढगलो [सकोच
अटक स्त्री० अटक, अडचण, रुकावट (२)
अटकना अ० क्रि० अटकवु, रोकावु (२) लाग्या रहवु, वळगवु (३) विवाद करवो, झवडवु
अटकर स्त्री०, अटकरना स० क्रि० जुओ 'अटकल', अटकलना' [अदाज
अटकल स्त्री० अटकळ, अनुमान (२)
अटकलना स० क्रि० अटकळवु, अनुमानवु
अटकल-पच्चू पु० अटकळ-कल्पना (२) वि० उटपटाग, म्याजी (३) अ० अध्धर, अदाजथी [क घन
अटका पु० जगन्नाथजाने चडावाता भात
अटकाना स० क्रि० अटकावबु, रोकवु
अटकाव पु० रोकाण, विघ्न, अडचण
अटना अ० क्रि० अटवु, नमवु, रखडवु
अटपट वि० (स्त्री० अटपटी) अटपटु, अघरु, कठण, गूढ (२) उटपटाग, ठेकाणा वगरनु [गूचावु, गभरावु
अटपटाना अ० क्रि० अटकवु, लथडावु,
अटर्नी पु० (इ एटर्नी) एक वती काम करवा बीजाने कायदेसर नीमेला प्रतिनिधि
अटल वि० अटळ, ध्रुव पाकु [चोपडी
अटलस पु० एटलास, भूगाळना नकशानी
अटवी स्त्री० (स) जगल
अटा स्त्री० अटारी
अटाटूट वि० बेसुमार, खूब
अटाला पु० (स अट्टाल) ढगलो (२) सरसामान (३) कसाईवाडो [खूब
अटूट वि० अतूट मजबूत (२) लगातार
अटेरन पु० अटेरण (२) घोडान चक्कर फरववानी रीत (३) कुस्तीनो एक दाव
अटेरना स० क्रि० अटरणथी सूतर उतारवु, अटेरवु (२) खूब दारू पीवो
अट्टसट्ट पु० अडसट्ट — गमे तम करातो वात बकवाद
अट्टहास पु० (स) जोरथी हसवु ते
अट्टालिका स्त्री० (स) अटारी
अट्टी स्त्री० आटी (सूतर के दोरानी)
अट्ठा पु० गजीफानो अठ्ठो
अट्ठाईस वि० अठ्ठावीस, २८

अट्ठानवे वि० अठ्ठाणु ९८
अट्ठावन वि० अठ्ठावन ५८
अट्ठासी वि० अठ्ठ्यासी ८८
अठ वि० (प) आठ (प्राय समासमां)
अठई स्त्री० आठम
अठखेली स्त्री० विनोद खेल (२) चपळता (३) मस्तानी चाल ।
अठत्तर वि० अठ्ठ्योतेर, इठ्ठ्योतेर ७८
अठन्नी स्त्री० आठ आनी अडधो
अठवन्ना पु० वणवाना ताणा जनो पर ल्पेट। रखाय छ ते वाम वे लाकडी (अठवाडु सरखावो)'
अठमासा पु० अषाढथी महा सुधी खडानो रहेनो गरडानी जमीन क खतर [गीनो
अठमासी स्त्री० आठ मासानो सानयो,
अठवासा पु० जुओ अठमासा (२) वि० आठ मास जन्मेलु
अठवारा पु० अठवाडियु
अठहत्तर वि० अठ्ठ्योतेर इठ्ठोतेर ७८
अठारह वि० अढार, १८
अठासी वि० इठ्यासी 'अट्ठासी ,८८
अठोत्तरी स्त्री० १०८ दाणानी जपमाळा
अडगा पु० रुकावट विघ्न —डालना, —लगाना = अडचण करवी, वचमा आववु (२) अडगो, कुस्तीनो एक दाव (३) स्त्री० जथाबध माल थाय क वेचाय त धाम
अड पु० हठ जीद
अडग वि० अटग अटळ
अडगोडा पु० ढारना कातनो डरो
अडचन, —ल स्त्री० अडचण, मुश्केली
अडतालीस वि० अडताळीस, ४८
अडतीस वि० आडत्रीस, ३८
अडदार वि० अडियल (२) मस्त
अडना अ० क्रि० अटकवु रोकावु (२) हठ करवी, मडया रहवु
अडबग वि० पु० ऊटपटांग अगमान( ) विकट दुगम ( ) विलक्षण अनोखु
अडसठ वि० अडसठ ६८
अडाड पु० ढारनो वाड, अडाळु
अडान स्त्री० थाभवानी जगा पडाव
अडाना स० क्रि० अटकाववु, रोकवु (२) वचमा वस्तु नाखी रोकवु ठासवु सीडवु (३) पु० एक राग, अडाणो
अडार पु० 'ढर', ढगलो (२) वाळवाना लाकडा के तनी दुकान
अडिग वि० जुओ 'अडग
अडियल वि० अडियल (२) सुस्त, जड
अडी स्त्री० हठ, जक (२) अडी ओपटी
अडूसा पु० (स अटरूष) अरडूसो
अडोल वि० अडग, स्थिर [पास
अडोसपडोस पु० आडोशपाडोश आस-
अडोसीपडोसी पु० आडोशीपाडोशी, आडोशपाडोशमां पासे रहनार
अड्डा पु० (स अट्टा) थोभवानी जगा (२) अड्डो (३) केन्द्र धाम (४) पलोन वणवा पाजरामा होय छ एवी आडी (५) नाडु वणवा के भरतकाम जवामा वपरातु लाकडानु चोकठु
अड्रेस स्त्री० (इ) सरनामु, ठेकाणु
अढतिया पु० आडतिया, दलाल
अढवना स० क्रि० (प) काम चळगाडवु, काम कहेवु
अढाई वि० अढी
अढुक पु० ठोकर
अढुक्ना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) अढळवु

अढ़्या पु० अढी शरनु तोल या माप (२) अढियाना गडियो

अणि, –णी स्त्री० अणी, भोंकाय एवो छडा (२) छडानो भाग

अणिमा स्त्री० (स) योगनी आठ सिद्धिमानी एक — अणु जम सूक्ष्म थवु ते

अणु पु० (स) नानामा नानो कण (२) जरासरखु माप (३) वि० अति सूक्ष्म क झीणु

अणुवीक्षण पु० (स) सूक्ष्मदशक यत्र (२) झीणु कातवु के दूधमायी पोरा काढवा त [व्याकुल, वचेन

…द्रिक वि० (स) अ…द्रित (२)

…, अतएव अ० (स) तेथी, तेटला माट

…नु वि० (स) शरीररहित (२) पु० …मदेव

… पु० (अ इत्र) अत्तर

…दान पु० (फा इत्रदान) अत्तरदानी

…सी अ० (स इतर + श्व) परम…सथी पहेलानो के ते पछा आववानो …त, त्रीज दिवसे

…त वि० (स) अणधार्युं, ओचिंतु

… वि० (स) अचिंत्य, तकथी पर

… स्त्री० (अ) अतलस कपडु

…र्शी वि० (स) खूब ऊड़ु

…पु० (अ तौर'न व० व०) …रणी चालचलगत

…स्त्री० (स) अळसी

… (अ) दान, भट –करना … –लेना = अपावु, मळवु

… (अ अता) दक्ष, प्रवीण …कु, चालाक (३) जाते …क्षिसथी शीखी ले एवु

… जुओ 'इताव'

अतालीक़ पु० (तु) उस्ताद, शिक्षक

अति वि० (स) घणु (२) स्त्री० अतिशयता

अतिक्रम पु० (स) उल्लघन, भग (२) अवळो वर्ताव [(३) अग्नि

अतिथि पु० (स) महेमान (२) संन्यासी

अतिया पु० (अ) भट-दाननी चाज

अतिरजन पु० (स) अत्युक्ति, वधारीन कहेवु ते

अतिरजित वि० (स) अतिशयोक्तिवाळु

अतिरथी पु० (स) एकलो अनक जोड लड एवा योद्धो

अतिरिक्त अ० (स) सिवाय, वाद करता (२) वि० अतिरिक्त, वधारेनु

अतिशय वि० (स) खूब, बहु

अतीत वि० (स) गत, थई गयलु (२) जुदु, अलग (३) पु० यति, अतिथि

अतीव वि० (स) घणु

अतीस पु० (स) एक वनस्पति–औषधि

अतुराई स्त्री० आतुरता, जल्दी (२) चचळता, चपळता [थवु

अतुराना अ० क्रि० आतुर के उतावळा

अतुल वि० अपार, खूब (२) अनुपम, अजोड (३) पु० तलनो छोड

अतोल, अतौल वि० जुओ 'अतुल'

अत्तवार पु० आतवार, रविवार, 'ईतवार' [गाधी, दवाओ वचनार

अत्तार पु० (अ) अत्तारी, अत्तरियो (२)

अत्यत वि० (स) खूब, घणु

अत्याचार पु० (स) अन्याय, जुलम (२) दुराचार (३) दभ, ढाग

अत्र अ० (स) अहो [अविश्वात

अथक वि० अथाक, न थाके एवु,

अथ च अ० (स) अन, वळी

अथमना, अथवना अ० क्रि० आथमवु

अवरा पु (स्त्री , –री) मोटो ऊंट
अथवा अ० [स] के या किंवा
अथाई स्त्री मंडळीने बेसवानो चोतरो
ओटलो (२) मंडळी
अथान (–ना) पु० अथाणु
अथाह वि० अगाध अपार (२) अगाध
ज्ञानवाळु (३) गूढ ऊंडु गंभीर (४) समुद्र
अथिर वि० (प) अस्थिर चंचळ
अघोर वि० (प) घणु मोटु बहु
अदङ वि० [स] दंड न भरनार कर के
(२) कर-माफीवाळु इनामी, महेसूल-
माफ (जमीन) (३) उद्दंड स्वच्छाचारी
अद(–दा)ग वि० डाघ वगरनु निष्कलंक
अदद स्त्री० [अ] संख्या के गणतरी
अदन पु० [अ] आदम के बनावीने जे
बागमा खुदाए राख्यो मनाय छे ते बाग
अदना वि० [अ] मामूली सामान्य
(२) क्षुद्र, नम्र अदनु –च जाला
=नाना मोटा बधा
अदब पु० [अ] अदब विनय, आदर (२)
साहित्य वाङ्मय –करना=आदरथी
वर्तवु मान आपवु –देना=विवेक
शीखववो (२) शिक्षा करवी, दंडवु
अदबदाकर अ० अवश्य, जरूर टेकथी
अदम पु० [अ] अभाव न होवु ते
(समासमा) उदा० अदम परवी
=कशमा जरूरी परवी न करवी ते
अदम सबूत=प्रमाणनो अभाव
अदय वि० [स] निर्दय
अदरक पु० आदु
अदरा पु० आर्द्रा नक्षत्र
अदल पु० [अ] न्याय, इन्साफ
अदल-बदल पु० अदलाबदली, फरफार

अदवान स्त्री० खाटलाना पागत तरफ
राखवानी दोरी (पागतो) [व०
अदविया (०त)स्त्री०[अ] दवा नु ब०
अदहन पु० [स आदहन] आधण
अदांत वि दांत न आव्या होय एव(पशु)
अदात वि [स] अद्रिव्यमत दानारु(२)
उदार [नवभाव नमगग (२) ढग
अदा वि [अ] चतर चूकतं( )स्त्री०
अदाग वि० अदाग निष्कलंक पवित्र
अदायगी स्त्री० [अ] अदा–चकतं थवु ते
अदालत स्त्री० [अ] अदालत कचेरी
(२) न्यायाधीश –खलीफी=नाना
कामोनी अदालत –दीवानी=दीवानी
अदालत –माल=महेसूली अदालत
अदालती वि० अदालतनु लगतु (२)
अदालतमा लडनार
अदावत स्त्री० [अ] अदावत वेर
अदावती वि० वेरी, अदावत राखनार
अदिन पु०[स]नठारा दिवस, दुर्भाग्य
अदीठ वि० [स अदृष्ट] न दीठेल (२)
गुप्त, छूपु [शिक्षक
अदीब पु० [अ] विद्वान, पंडित (२)
अदीम वि० [अ] नष्ट (२) अप्राप्य
अदू पु० [अ] शत्रु, वेरी
अदूर अ० [स] पास [अणसमजु
अदूरदर्शी वि० [स] टूंकी दृष्टिवाळु,
अदृश्य वि० [स]न देखाय एवु (२)
अगोचर (३) अलोप [नसीब
अदृष्ट वि०न जोयेलु (२)अलोप(३) न०
अदेखो वि० अदेखु, देखी न शके एवु
अदेस पु० आज्ञा(२) (साधुओमा)प्रणाम
अदेह वि०[स]अदेही (२)पु०कामदेव
अद्धा पु०अरधु ते –द्धी स्त्री० अर्धी दमडी
अद्भुत वि०[स]विचित्र, आश्चर्यजनक

अद्य अ० [स] हमणा, आज
अद्यापि अ० [स] हजी पण
अद्रि पु० [स] पर्वत [पु० ब्रह्म
अद्वैत वि० [स] एकलु (२) अजोड (३)
अधग पु० अधाग, पक्षाघात
अधगो वि० अर्धांगनु रोगी
अध अ० [स] नीच [(२) विनाश
अध पतन, अध पात पु० [स] अधोगति
अध वि० [स अर्द्ध] (समासमां) अर्धुं उदा० 'अधकचरा (२)(प) अ० अध
अधकचरा वि० अरकचरु, अधूरु (२) काचु, शिखाउ
अधकपारी(-ली) स्त्री० आदाशीशी
अधकहा वि० अस्पष्ट के अर्धुं कहेलु
अधन्ना पु०, -न्नी स्त्री० बेरु, अध आनो
अधपई स्त्री० [हिं० आधा+पाव] - अध पा'नर (बंगाली) अटलु माप के ताल, पाशेरी के पाशेरो
अधबीच अ० अधवच बच्चावच [दुष्ट
अधम वि० [स] नीच, हलकु (२) पापी,
अधमरा, अधमुआ वि० अधमूउ
अधमण वि० [स] ऋणी देवादार
अधर पु० [स] नीचलो होठ (२) अध्धर स्थान, अंतरीक्ष (३) वि० बूरु, नीच
अधम पु० [स] कुकर्म, दुराचार
अधवा स्त्री० [स] विधवा
अधसेरा पु० अच्छेरो
अधाधुन्ध अ० अधाधूधी होय तम
अधार पु० (प) आधार
अधारी स्त्री० आधार (२) साधुओ टेको माटे लाकडानी एक बनावट राखे छे ते (३) मुसाफरीनो थायणा, थेलो
अधावट वि० अर्धुं उकाळेलु (दूध)
अधिक वि० [स] खूब वधारेनु फाजलु
अधिकांग वि० [स] वधारना अवयववाळु
अधिकांश पु० [स] मोटो भाग (२) वि० अधिक (३) अ० मोटे भागे, घणु करीने [वडाई, महिमा
अधिकाई स्त्री० (प) अधिकता (२)
अधिकाना अ० क्रि० (प) अधिक थवु, वधवु [(२) योग्यता, लायकात
अधिकार पु० [स] हक, सत्ता, कबजो
अधित्यका स्त्री० [स] पहाडी उच्च प्रदेश, 'टेबललेन्ड'
अधिमास पु० [स] अधिक मास
अधिया स्त्री० अर्धो भाग (२) अधनी भागीदारी (३) पु० अर्धो भागीदार
अधियाना स० क्रि० अधु करवु, अर्धु अर्धु वहेंचवु
अधियार पु० जुओ 'अधिया'
अधियारिन स्त्री० 'अधियार' नु स्त्री०
अधियारी स्त्री० अर्धी भागीदारी
अधिरथ पु० [स] सारथि
अधिवेशन पु० [स] अधिवशन, बेठक
अधिष्ठाता पु० [स] अध्यक्ष, वडो
अधिष्ठान पु० [स] निवास (२) नगर (३) पडाव (४) आधार, टेको (५) अधिकार, सत्ता
अधीन वि० [स] आधीन, आश्रित, तावानु (२) पु० दास
अधीर वि० [स] गभरायलु, (२) चंचळ, उतावळियु (३) असंतोषी
अधुना अ० [स] अत्यारे, हवे
अधूत वि० [स] नीडर, अडग
अधूरा वि० अधूरु, अपूर्ण -कर देना = कमजोर करी देवु -जाना=गर्भपात थवो -होना = अणसमजु होवु
अधेड वि० आधेड

अधेला पु० अडधो, अरधोजी
अधेली स्त्री० आठ आनी, अर्धी
अधोगति स्त्री०[स]पतन अवनति दुर्दशा
अधोतर पु० एक जातनु जाडु कपडु
अध्यक्ष पु०[स]स्वामी मालिक(२) नायक, वडा (३) अधिकारी
अध्ययन पु० [स] अभ्यास, भणवु ते
अध्यवसाय पु०[स]सतत उद्योग करते ने महेनत (२) निश्चय [धारा
अध्यापकी स्त्री० अध्यापकनु काम के
अध्वर पु० [स] यज्ञ
अनग पु०[स]कामदेव [(३)शेषनाग
अनत वि०[स]अपार(२) पु० विष्णु
अनतर अ० [स] पछी (२) निरतर
अन नकारवाचक उपसर्ग (हिंदी शब्दोमा, गुजराती अण पेठ वपराय छे उदा० अनगढ)
अन-अहिवात पु० विधवापणु रडापो
अनइस वि० बूरु खराब, अनस
अनकरीब अ० [अ] नजीक पासे
अनख पु० [स अन+अक्ष] क्रोध (२) ईर्षा, द्वेष (३) नजर न लागे ते माटे करातु काळु टपकु
अनखाना अ० क्रि० गुस्से थवु, चिडावु
अनखाहट पु० क्रोध नाराजगी
अनगढ वि० (स्त्री०,–ढी) घडया वगरनु (२) स्वयभू (३) बडाळ अणघड
अनगना वि० अगणित (२) पु० गर्भनो आठमो मास ['अनगना'
अनगिन(०त,–ना) वि० अगणित,
अनजान वि०अजाण, नादान(२)अज्ञात, अपरिचित [असावधानीमा
अनजाने अ० अजाण्ये, वगर समज्ये,
अनत अ० (प) अन्यत्र, बीजे स्थान (२) [स] वि० न नमेलु [स्त्री०अहंकार
अनति वि० [स] अति नहि, थोडु (२)
अनदेखा वि० न देखेलु, 'अदीठ'
अनध्याय पु० [स] रजानो दिवस, अणोजो
अनन्नास पु० अननासनु फळ
अनपच पु० अजीर्ण, बदहजमी
अनपढ वि० अभण, निरक्षर मूर्ख
अनबन स्त्री० अणबनाव [अविद्ध
अनबि(–ब)धा वि० वध्या वगरनु
अनबोल (०ना,–ला) वि० मूगु(प्राय पशु माटे) [कुंवारु
अनब्याहा वि०(स्त्री० –ही)अविवाहित,
अनभल पु० भलु नहि ते अहित
– ताकना = बूरु ताकवु
अनमन (–ना) वि० (स्त्री० –नी) अन्यमनस्क, उदास, खिन्न [अनवद्ध
अनमिल वि० (स्त्री०,–ली)मेळ वगरनु,
अनमेल वि० मेळ वगरनु, 'अनमिल (२) सेळभेळ वगरनु, विशुद्ध
अनमोल वि० अमूल्य उत्तम
अनरस पु० रसहीनता(२)अरुचि(३) अणबनाव –पडना = अणबनाव थवो
अनर्थ पु० [स]खोटो के ऊलटो अर्थ (२) खराबी, नुकसान (३) अधमनो पैसा
अनर्थक वि० [स] अनर्थ करे एवु(२) व्यर्थ नकामु
अनल पु० [स] अग्नि
अनवट पु० अणवट स्त्रीनु अगूठियु
अनवद्य वि० [स] निर्दोष, अनिंद्य
अनवरत वि० [स] सतत, निरतर
अनवासना स० क्रि० नवु वासण पहेलप्रथम वापरवु

अनशन पु० [स] उपवास
अन-सखरी स्त्री० ... निखरा'
अनसुना वि० (स्त्री० -नी) न सांभळेलु
अनसुनी करना= सांभळ्युं ना सांभळ्युं करवु, ध्यान न देवु [नहीं ते
अनसूया स्त्री० [स] असूया के ईर्षा
अनहोता वि० गरीब (२) असंभव (३) आश्चर्यजनक [असंभव विलक्षण वात
अनहोनी वि० स्त्री० असंभव (२) स्त्री०
अनाकानी स्त्री०आंख आडा कान करवा ते (२) आनाकानी
अनागत वि० [स] नहि आवलु, गैर हाजर (२) अजाण्यु (३) अजन्मा, अनादि (४) अ० (५) अचानक
अनाचार पु० [स] दुराचार, कुरीति
अनाज पु० अन्न, धान्य
अनाडी वि०अनाडी, नादान, अणसमजु
अनात्म वि० [स] जड (२) पु०आत्माथी ऊलटो – जड पदार्थ
अनाथ वि० [स] असहाय, दीन, दुःखी
अनादर पु० [स] अवज्ञा, अपमान
अनादि वि० [स] आदिरहित, अजन्मा
अनाप शनाप पु० नकामो बकवाट
अनाम वि० [स] नाम विनानु (२) अप्रसिद्ध
अनामय वि० [स] नीरोगी (२) निर्दोष (३) पु० तंदुरस्ती [जुओ 'अनाम'
अनामा स्त्री०अनामिका (२) वि०स्त्री०
अनायत स्त्री० [अ] कृपा, महेरबानी
अनायास अ० [स] विना महेनत (२) अचानक [दारूखानानी कोठी
अनार पु० [फा] दाडम (२) नेना घाटनी
अनारदाना पु० [फा] एक जातना खाटा अनारना सूकवेला दाणा
अनारी वि०जुओ 'अनाडी (२) अनार-दाडमना रंगनु, लाल

अनाथ पु० [स] नाथ नहीं ते (२) अथवा
अनावश्यक वि० [स] बिनजरूरी [जरूरी
अनावृष्टि स्त्री० [स] वरसादनो अभाव,
अनाह पु० [स] पेट चडवानो एक रोग
अनिंद (-द्य) वि० [स] निर्दोष, उत्तम
अनिच्छा स्त्री० [स] इच्छा न होवी ते
अनित्य वि० [स] नश्वर, अस्थायी (२) क्षणभंगुर (३) असत्य
अनिद्र वि० [स] ऊंघ जेने न आवे ते (२) पु० ता... रोग
अनिमि(-मे)ष अ० [स] एकटसे, निरंतर
अनियमित वि० [स] नियमरहित, अव्यवस्थित (२) अनियत
अनियारा वि०(प) अणियाळु, अणीदार
अनिर्वचनीय वि० [स] अवर्णनीय
अनिल पु० [स] पवन, वायु
अनिवार्य वि० [स] जरूरी (२) जरूर थनारु, टाळी न शकाय एवु
अनिष्ट वि० [स] न इच्छेलु (२) पु० अहित, बूराई
अनी स्त्री० [स अनि] अणी (२) वस्तुनो आगळनो भाग (३) समूह, झुण्ड (४) (५) [हिं आन=मर्यादा] ग्लानि,
अनीक पु० [स] युद्ध (२) सेना (३) [अ + हिं नाक=अच्छु] बूरु, खर
अनीठ वि० [स अनिष्ट] (प) अनि अप्रिय (२) खराब
अनीति स्त्री० [स] अन्याय (२) अ
अनीश वि० [स] अनाथ (२) पु० ई (३) जीव के माया
अनीस पु० [अ] दोस्त (२) प्रम सहानुभूति राखनार (३) वि०(जुओ 'अनीश'

अनुकंपा स्त्री० [स] दया
अनुकरण पु० [स] देखादेखी करवु ते
अनुकूल वि० [स] माफक (२) तरफ क मददमां रहेनार (३) प्रसन्न राजी
अनुकूलना स० क्रि० (प) अनुकूळ थवु
अनुकृति स्त्री० [स] नकल अनुकरण
अनुक्रम पु० [स] क्रम, क्रमवार होय ते
अनुक्रमणिका स्त्री० [स] क्रम (२) सूची, सांकळियु [नाकर
अनुग, ०त वि० [स] अनुगामी (२) पु०
अनुगति स्त्री० [स] पाछळ जवु ते (२) अनुसरण (३) मरण [थवु ते
अनुगमन पु० [स] अनुसरण (२) सती
अनुगामी वि० [स] पाछळ पाछळ जनार, अनुयायी (२) आज्ञांकित
अनुगृहीत वि० [स] ऋणी, आभारी
अनुग्रह पु० [स] दया, उपकार, महेरबानी (२) अनिष्ट-निवारण
अनुग्राहक वि० [स] अनुग्रह करनार
अनुचर पु० [स] नोकर, दास
अनुचित वि० [स] अयोग्य, खोटु
अनुज पु० [स] नानो भाई
अनुज्ञा स्त्री० [स] आज्ञा, हुकम [पस्तावो
अनुताप पु० [स] दाह (२) दुःख (३)
अनुदिन अ० [स] रोज
अनुनय पु० [स] विनंती, प्राथना (२) मनाववु ते [(वग)
अनुनासिक वि० [स] नाकमाथी बोलातो
अनुपम, –मेय वि० [स] उत्तम अजोड
अनुपयुक्त वि० [स] अयोग्य
अनुपयोगी वि० [स] नकामु
अनुपस्थित वि० [स] गेरहाजर
अनुपस्थिति स्त्री० [स] गेरहाजरी
अनुपात पु० [स] त्रिराशि
अनुपातक पु० [स] महापाप
अनुपान पु० [स] दवानु अनुपान
अनुप्रास पु० [स] अनुप्रास, एक वर्णालंकार
अनुभव पु० [स] अनुभव (२) लागवु प्रतीत थवु ते –करना=खबर पडवी मालूम थवु, लागवु
अनुभवना स० क्रि० अनुभववु
अनुभवी वि० [स] अनुभववाळु जाणकार
अनुभाव पु० [स] महिमा मोटाई
अनुभूति स्त्री० [स] अनुभव साक्षात्कार
अनुमति स्त्री० [स] हुकम, आज्ञा (२) रजा, वहालो [धारणा
अनुमान पु० [स] अटकळ अंदाज कयास,
अनुमोदन पु० [स] खुश थवु ते (२) समर्थन टेको [नोकर दास
अनुयायी वि० [स] अनुसरनार (२) पु०
अनुरक्त वि० [स] आसक्त (२) लीन
अनुराग पु० [स] प्रेम, प्रीति
अनुराध पु० [स] विनंती प्रार्थना [प्राग्य
अनुरूप वि० [स] समान (२) अनुकूळ
अनुरोध पु० [स] बाधा, रोकवु ते (२) प्रेरवु ते (३) आग्रह, दबाण
अनुलोम पु० [स] ऊचेथी नीचे जवु ते (२) संगीतमां अवरोह [मातांतर
अनुवाद पु० [स] फरी कहेवु ते (२)
अनुशासन पु० [स] आज्ञा (२) उपदेश
अनुष्टुप पु० [स] अनुष्टुभ छंद
अनुष्ठान पु० [स] कामनो आरंभ, मंडाण (२) देवनु पुरश्चरण
अनुसंधान पु० [स] शोधखोळ, तपास
अनुसंधानना स० क्रि० (प) खोळवु (२) विचारवु [करवु ते
अनुसरण पु० [स] अनुसरवु ते अनुकरण

अनुसार अ० [स] मुजब, प्रमाण
अनुसाल पु० (प) पीडा, दुख
अनुस्वार पु० [स] स्वर पछी उच्चारमा आवतो एक अनुनासिक वर्ण के तेनु चिह्न—अनस्वार
अनूठा वि० [प अनुत्थ] (स्त्री०,—ठी) अनूठु, अदभुत (२) अद्वितीय, उत्तम
अनूढा स्त्री० [स] अविवाहित स्त्री (पण प्रेम राखती) [कगयेलु
अनूदित वि० [स] अनुवादित, भाषांतर
अनूप वि० अनुपम
अनृत पु० [स] असत्य जूठ
अनेक वि० [स] घणु (सख्यामा)
अनेग वि० (प) अनेक
अनेरा वि० [प अनल] (स्त्री०,—री) नकामु, निष्प्रयोजन, व्यर्थ
अनक्य पु० [स] मतभेद, फूट
अनम, —सा वि० 'अनइस', वह
अनोखा वि० अनोखु, निरालु (२) नवु (३) सुदर
अदलीब स्त्री० [अ] बुलबुल
अन्न पु० [स] अन्न, अनाज (२) भात (३) (प) वि० अन्य
अन्नकूट प० [स] अनकोट
अन्नछत्र पु० अन्नक्षेत्र [आजीविका
अन्नजल पु० [स] दाणोपाणी (२)
अन्नदाता पु० [स] मालिक स्वामी शेठ
अन्नसत्र पु० [स] अन्नक्षेत्र
अन्ना स्त्री० [तु] माता (२) धाव
अन्य वि० [स] बीजु (२) पराय
अन्यत्र अ० [स] बीजे ठकाणे
अन्यथा वि० [स] विपरीत, ऊलटु (२) असत्य (३) अ० नहि तो, तो पछी
अन्य पुरुष पु० [स] त्रीजो पुरुष (व्याकरणमा) [(३) जुलम
अन्याय पु० [स] गेरइनसाफ (२) अनर
अन्योन्य स० परस्पर, अन्योन्य
अन्वय पु० [स] सबध, मेळ (२) कवितानो अन्वय (३) वंश, खानदान
अन्वाअ स्त्री० व० व० [अ] 'नौ' – रीत, प्रकार–नु व० व०
अन्वान पु० जुओ 'उन्वान'
अन्वित वि० [स] युक्त, –वाळु
अन्वीक्षण पु०, अन्वीक्षा स्त्री० [स] ध्यानथी जोवु ते (२) खोज, तपास
अन्वेषण पु० [स] खोज, तपास, शोध
अन्सर पु० [अ] मूळ तत्त्व
अपग वि० अपंग, लूलु (२) अशक्त
अपकर्म पु० [स] खराब काम
अपकाजी वि० स्वार्थी, मतलबी
अपकार पु० [स] अनुपकार, हानि (२) अपमान, अनादर
अपकारक, अपकारी वि० [स] अपकार करनार (२) विरोधी
अपकीर्ति स्त्री० [स] बदनामी
अपक्व वि० [स] काचु
अपघात पु० [स] आपघात (२) हत्या, हिंसा (३) विश्वासघात
अपच पु० अजीर्ण, अपचो
अपछरा स्त्री० (प) अप्सरा
अपजस प० अपयश बदनामी [मूर्ख
अपठ, अपढ वि० 'अनपढ', अभण (२)
अपत्य पु० [स] सतान
अपथ पु० [स] विकट के खराब मार्ग
अपथ्य वि० (२) पु० [स] पथ्य नहि एवो (आहार)
अपन सर्व० (प) आपणे

अपनपो पु० (प) जुओ अपनापन
अपनयन पु० [स] दूर करवु ते
अपना सर्व०[स आत्मन] (स्त्री० –नी) पोतानु (त्रण पुरुषमा वपराय) (२) पु० स्वजन अपनी अपनी पडना = पोतपोताना पडी होवी अपना तक रखना = खानगी राखवु –सा मुह लेकर रह जाना = शरमिंदु थई रही जवु, पाछा पडवु जनवु
अपनाना स० क्रि० अपनाववु पोतान अनुकूळ के वश करवु पोतानु करवु
अपनापन पु० अपनायत स्त्री० अपनावट (जुओ अपनाना) आत्मीयता
अपन आप अ० आपोआप पोतानी मळे
अपभ्रंश पु० [स] पतन (२) विकृति, बगाड (३) वि० विकृत बगडेलु
अपमान पु०[स] अनादर, अवगणना
अपमानना स० क्रि० अपमान करवु
अपमानी वि० अपमान करनार
अपमृत्यु स्त्री० [स] कमोत
अपयश पु० [स] अपकीर्ति बदनामी
अपरंच अ० [स] वळी उपरांत (२) तोपण
अपर वि० [स] पहेलु (२) पाछलु (३) बीज
अपरस वि० अस्पृश्य
अपराध पु० [स] गुनो (२) कसूर भूल
अपराधी वि० [स] गुनेगार
अपराह्न पु० [स] पाछलो पहोर
अपरिग्रह पु० [स] (दान) न लेवु ते (२) असंग्रह, त्याग
अपरिचित वि० [स] अजाण्यु अनात
अपरूप वि० अपूर्व अद्भुत (२) [स] बेडोळ, बदरूपु
अपलक्षण पु० [स] खोटु चिह्न, दोष
अपवश वि० (प) परवश पी ऊलटु, स्वाधीन
अपवाद पु० [स] विरोध, खंडन (२) बदनामी निंदा (३) दोष कलंक (४) सामान्य नियमथी भिन्न ते (५) आज्ञा आदेश
अपवादक, अपवादी वि० [स] निंदाखोर (२) विरोधी बाधक [उदाहरण
अपव्यय पु० [स] नकामु खरचवु ते,
अपशकुन पु० [स] खराब शुकन
अपशब्द पु० [स] खोटो के अर्थ विनानो शब्द (२) गाळ (३) वायुनो अवाज
अपसना अ० क्रि० (प) नासी जवु
अपसोस पु० (प) अफसोस
अपसोसना अ० क्रि० (प) अफसोस करवो
अपाग पु० आंखनो खूणो (२) वि० अंग
अपात्र वि० [स] अयोग्य
अपान पु० (प) आत्मज्ञान (२) अभिमान (३) [स] अपान वायु
अपार वि० [स] अपार, बेहद, असंख्य
अपाहज (–हिज) वि० लूलुलंगडु, अपंग काम न करी शके एवु (२) आळसु
अपि अ० [स] वळी, पण (२) जरूर
अपितु अ० [स] परंतु (२) बल्के
अपील स्त्री० [इ] उपला कोर्टमा अपील (२) निवेदन
अपुत्र वि० [स] पुत्ररहित
अपूर्ण वि० [स] अधूरु
अपूर्व वि० [स] अनोखु, उत्तम
अपेक्षा स्त्री० [स] इच्छा (२) जरूरियात (३) तुलना, सरखामणी (४) आशा, भरोसो
अप्रतिम वि० [स] अद्वितीय अनुपम
अप्रसिद्ध वि० [स] अजाण्यु (२) गुप्त

अप्रस्तुत वि० [स] प्रसंग के स्थान बहारनु असबद्ध
अप्राप्त वि० [स] नहि मळलु के मळवेलु (२) पराग, अप्रस्तुत
अप्रामाणिक वि०[स]प्रमाण विनानु, उटपटांग(२)विश्वासपात्र नहि तेवु
अप्रासंगिक वि० [स] प्रसंग विरुद्ध, अप्रस्तुत
अप्रिय वि० [स] अणगमतु(२)अरुचिकर
अप्रैल पु० एप्रिल मास [करणी
अफआल पु०[अ फेल'नु ब०व०]कृत्यो,
अफई प० [अ] काळो नाग
अफगान [अ] अफगान, काबुली
अफजल वि० [अ] उमदा, सर्वोत्तम
अफजाइश स्त्री०[फा] वृद्धि, वधारो
अफतारी स्त्री०उपवासनु–रोजानु पारणु
अफयून स्त्री० [फा] अफीण
अफरना अ०क्रि०पेट भरीने खावु,धरावु (२)अफरावु(३) ऊबना अरुचि थवी
अफरा पु० आफरा
अफलातून पु० [अ] प्लेटो (२) बहु अभिमानी माणस –का साला=घमंडी माणस [खबर (–उडाना, फलाना)
अफवाह स्त्री० [अ] अफवा, ऊडती
अफशा वि० जुओ इफशा
अफसर पु० ऑफिसर –माल=महेसूल खातानो अमलदार
अफसाना पु० [फा०] कहाणी कथा
अफसुरदा वि० [फा] दुःखित, मूंझायलु (नाम,–दगी स्त्री०) [पस्तावो
अफसोस पु० [फा] अफसोस, खेद
अफीम स्त्री०अफीण [नो व्यसनी
अफीमची, अफीमी पु०अफीणिया अफीण-
अफू पु० [अ अफव] क्षमा, माफी
अफूनत स्त्री० [अ] बदबो, दुर्गंध
अब अ० आ वखत, हमणां, हवे –तब होना या लगना=मरणपथारीए पडवा –तब करना=आजकाल करवो, बहानां काढी ढील करवी
अबखरा पु० [अ] वाफ, वराळ
अबतर वि० [फा] बूरु, खराब (२) बगडेलु, भ्रष्ट [बगाड
अबतरी स्त्री० खराबी (२) अवनति,
अबद स्त्री० [अ] अनंतता अमरता
अबदी वि० [अ] अनंत, अमर
अबरक पु० [स अभ्रक] अबरख [कपडु
अबरा पु०[फा] अस्तर नु ऊलटु उपलु
अबरी स्त्री०[फा]एक जातना चीकणा कागळ (२) एक पीळो पथ्थर
अबरू स्त्री० आंखनी भमर, 'अब्रू'
अबल वि० [स] निबळ, कमजोर
अबलक(–ख) वि० [अ] कावरचीतरु, सफेद अने काळा के लाल रंगनु
अबला स्त्री० [स] अबळा स्त्री
अबवाब पु० [अ] (बाब'नु ब० व०) अध्याय (२) एक मुसलमानी कर
अबस अ० [अ] व्यर्थ नाहक
अबा पु० [अ] डगला जेवो पहेरवानु ढीलु कपडु
अबादान, अबादानी जुओ 'अवादान', 'अवादानी' [(२) अपार
अबाध वि०[स]बाधा के अडचण रहित
अबाधित वि० [स] अबाध (२) स्वतंत्र
अबाध्य वि० [स] न रोकाय एवु, अनिवार्य [एक पक्षी
अबाबील स्त्री० [फा] काळा रंगनु
अबार स्त्री० (प) विलंब, वार, ढील
अबास पु० (प) आवास, निवास

अबीर पु० [अ] अबील [गु० तवा रग
अबीरी वि० [अ] अबीलना रगनु (२)
अबुहाना अ० क्रि० धूणवु, 'अभजाना
अबूझ वि० अबोध, अणसमजु
अबे अ० (नाना के ऊतरता माणस माटे मरावन)ए अल्या —तबे करना = निरादरसूचक वात्वु
अबेर स्त्री०(प) [प अवेला] विलम्ब
अबोध वि० [स] जुओ 'अबूझ'
अबोला पु०रिसाइने न बोलवु ते अबोला
अब्ज पु० [स] कमळ (२) अबज सख्या
अब्द पु० [स] वरस (२) वादळ
अब्धि पु० [स] समुद्र
अब्बा पु० [फा] बाप
अब्बास पु० [अ] एक फलझाड
अब्बासी स्त्री० इजिप्तनो एक जातनो कपास (२) एक जातनो लाल रग
अब्र पु० [फा] अभ्र, वादळ
अब्रह्मण्य पु० [स] ब्राह्मणने उचित नहि एवु — कुकर्म पाप
अब्रू स्त्री० [फा] जुओ अबरू
अब्रे बारा पु० [फा] वरसादनु वादळ
अभग वि० [स] अखड अविनाशी
अभक्ष्य वि० [स] न खाइ शकाय तवु — निषिद्ध
अभय वि० [स] नीडर (२) पु० नीडरता
अभागा,-गी वि० अभागी
अभाग्य पु० [स] दुभाग्य कमनसीब
अभाव पु० [स] न हावु ते (२) कमी खोट
अभिक्रमण पु० [स] चडाई हुमला
अभिगमन पु० [स] पास जवु ते (२) सभाग
अभिचार पु० [स] मत्रथी मारण मारण करवु ते
अभिजात वि० [स] कुलीन खानदान (२) योग्य मान्य (३) सुदर
अभिजित वि० [स] विजयी (२) पु० एक नक्षत्र
अभिज्ञ वि० [स] जाणकार (२) निपुण
अभिज्ञान पु० [स] स्मृति आळख (२) आळखनी निशानी
अभिधान पु० [स] नाम (२) शब्दकोश
अभिनदन पु० [स] आनद (२) मनाव (३) प्रशसा (४) नम्र विनती
अभिनय पु० [स] चाळा, नकल (२) नाटकना वेश भजववा ते
अभिनव वि० [स] नवु (२) ताजु
अभिनिवेश पु० [स] अदर पसवु ते (२) एकाग्रता (३) दृढ सकल्प
अभिनेता पु० [स] अभिनय करनार, नट
अभिप्राय पु० [स] मतलब, आशय
अभिभावक वि० [स] वश करनार हरावनार
अभिभूत वि० [स] वश, पराजित
अभिमत वि० [स] इष्ट, वाछित (२) समत (३) पु० मत अभिप्राय (४) मननी वात
अभिमान पु० [स] गर्व अहकार
अभिमानी वि० [स] गर्विष्ठ अहकारी
अभिमुख अ० [स] सामे सन्मुख
अभियुक्त वि० [स] आरोपी प्रतिवादी
अभियोक्ता पु० [स] वादी फरियादी
अभियोग पु० [स] आरोप, फरियाद (२) चडाई हल्ला
अभियोगी पु० [स] जुओ अभियोक्ता
अभिरुचि स्त्री० [स] रुचि चाह पसदगी
अभिलाष पु० -षा स्त्री० [स] इच्छा कामना, लालसा
अभिवादन पु० [स] नमस्कार (२) स्तुति
अभिशाप पु० [स] शाप (२) मिथ्या आरोप

भिषेक पु० [स] जळ छाटवु ते (जेम के राजानो) (२) शिवलिंग पर जळाधारी
भिसरना अ० क्रि० (प) जवु (२) इष्ट जगाए के प्रियने मळवा जवु
भिसार पु० [स] प्रियजनने नक्की जगाए मळवा जवु ते
भी अ० [हिं अव+ही] हमणा ज, जवघडी
भीक वि० [स] नीडर
भीष्ट वि० [स] इष्ट, मनवाछित
भुआना अ० क्रि० [स आह्वान] भत आव्यु हाय एम धूणवु ने हाथ पग हलाववा [अपूर्व, अनोखु
भूत वि० [स] पूर्वे नहि बनलु,
भेद पु० [स] एकसमानता (२) वि० एकसमान
अभ्यग पु० [स] तेलनी मालिम
अभ्यतर पु० [स] अतर (२) मध्य वच (३) अ० अदर [सत्कार
अभ्यथना स्त्री०[स]विनती(२)स्वागत
अभ्यस्त वि० [स] महावरावाळु, कुशळ
अभ्यागत पु० [स] अतिथि
अभ्यास पु० [स] फरी फरी काई करवु ते (२) टव, आदत
अभ्युत्थान पु० [स] उत्थान, उदय उन्नति
अभ्युदय पु० [स] उदय उत्पत्ति उन्नति
अभ्र पु० [स] वादळ (२) आकाश (३) 'अभ्रक', अबरख
अभ्रक पु० [स] अबरख
अमका पु० [स अमुक] अमुक, फलाणा
अमचूर पु० आमचूर
अमन पु० [अ] शाति, चेन (२)रक्षण, बचाव

अमन-अमान, अमन चन पु० सुख शाति, सुखचैन
अमर वि० [स] न मरे एवु (२) पु० देव
अमरख पु० (प) अमष, क्रोध
अमरबेल, अमरवल्ली स्त्री० अतरवेल
अमरसी वि० केरीना रसना रगनु, सोनेरी [आबावाडियु
अमराई स्त्री०, अमराव पु० अमराई,
अमराज पु०[अ 'मज़'नु ब०व०] राग
अमरू पु० एक जातनु रेशमी कपडु
अमरूत(-द) पु० [फा ?] जामफळ
अमरैया पु०(प) अमराइ, आबावाडियु
अमष पु० [स] क्रोध, रीस
अमल पु०[अ]अमल, सत्ता, नशो इ०
अमलतास पु० गरमाळानी सीग
अमल दर-आमद पु०[फा]अमल थवो त
अमलदारी स्त्री० अधिकार (२) एक प्रकारनी विघोटी
अमला पु०[अ]कचेरीमा काम करनार, अमलदार (२) स्त्री० [स] लक्ष्मी
अमली वि० [अ] अमलमा आवनारु, व्यावहारिक (२) अमल करनारु (३) नशावाज, कफी [मातो
अमवात स्त्री० ब० व० [अ] मरणो,
अमहर पु० काची छोलली केरीनी सूकी चीर, चीरियु
अमात्य पु० [स] प्रधान, वजीर
अमान वि० [स] अमाप, बहु (२) मान क गव रहित, नम्र (३) तुच्छ, अपमानित [तेम रावला वस्तु
अमानत स्त्री०[अ]अनामत राखवु त क
अमानतदार पु० अनामत राखनार, जन त्या अनामत रखाय त

अमाना अ० क्रि० समावु, पूरु मावु (२) फुलावु, गर्व करवो
अमानी स्त्री० [अ] मजूर पासे राजी के पगार पर जाते काम करावबु ते (२) वि० [सं] मान वगरनु, निरभिमानी, नम्र
अमानुष,-षी वि० [सं] मनुष्यनी शक्ति बहारनु (२) पाशवी, राक्षसी
अमाप वि० बेहद, खूब
अमामा पु० [अ] जुओ 'अम्मामा'
अमारी स्त्री० [अ] अंबाडी
अमाल पु० [अ] हाकेम, अमल करनार
अमावट स्त्री० केरीना रसने सूकवीने करेला पापड (२) एक जातनी माछली
अमावस, अमावस्या [सं] स्त्री० अमास
अमिट वि० (स्त्री०,-टा) मटी न शके एवु, स्थायी (२) अटल, अवश्यभावी
अमित वि० [सं] अमाप, बहु
अमिताभ पु० [सं] बुद्धदेव
अमिय पु० [सं अमृत] अमी
अमिल वि० दुर्मळ, दुलभ (२) ऊंचुनीचु, अणसरखु (३) मळ वगरनु
अमिली स्त्री० 'इमली', आमली (२) मळ न होवो ते, अणबनाव
अमी पु० (प) अमी, अमृत
अमीन पु० [अ] अदालतना एक अमलदार (२) थापण राखवा माटे विश्वासु माणस
अमीर पु० [अ] सरदार, उमराव (२) श्रीमंत, धनी
अमीराना वि० [अ] अमीरना जेवु, अमीरी [अमीर जेवु
अमीरी स्त्री० अमीरपणु (२) वि०
अमीरो-कबीर वि० [अ] 'अमीर व-कबीर', खूब धनवान
अमुक वि० [सं] फलाणु [मिथ्या
अमूलक वि० [सं] मूळ वगरनु (२) असत्य,
अमूल्य वि० [सं] खूब कीमती
अमृत पु० [सं] अमृत, सुधा (२) पाणी (३) दूध, घी (४) खूब स्वादिष्ट वस्तु
अमृतबान पु० माटीनु रोगान करेलु वासण (घी अथाणु इ० राखवानु)
अमेय वि० [सं] अपरिमित, अमाप, बेहद
अमोघ वि० [सं] अचूक, अटल
अमोल, ०क वि० (प) अमूल्य
अमोला पु० आंबानो नवो छोड
अमौआ पु० केरीना सूका रस जेवा रंग के तेवा रंगनु कपडु
अम्दन अ० [अ] जाणी जोईने, इरादाथी
अम्मा (-म्मी) स्त्री० अम्मा, मा
अम्मामा पु० [अ] एक प्रकारना माटो (मुसलमानी) फेटो
अम्मारी स्त्री० हाथीना अंबाडी
अम्र पु० [अ] वात, अर्थ, मुद्दो, कहेवानी मतलब, विषय (२) आज्ञा, विधि (३) (व्या०) आज्ञार्थ -व निही=विधिनिषेध
अम्ल वि० [सं] खाटु (२) पु० खटाश (३) तेजाब
अम्होरी स्त्री० अळाई
अयन पु० [सं] गति (जेम के सूर्यनी) (२) घर, आश्रम (३) ढोरनु थान
अयां वि० [अ] साफ, स्पष्ट
अयान वि० (स्त्री० -नी) अजाण, अज्ञान (२) [सं] वाहन वगरनु, पगपाळु
अयानत स्त्री० [अ] सहायता
अयानो वि० (प) अज्ञानी
अयाल पु० [फा] घोडा के सिंहनी केशवाळी, याळ (२) [अ] परिवार, बालबच्चा

अयुत पु० [प] दश हजारनी संख्या
अयोग्य वि [स] अवटित, नालायक
अय्याका वि० [अ] विलासी, विषयी
अय्यार पु० [अ] ठगो, चालाक माणस
अर० पु० एरण
अरड ककडी स्त्री० एरणकाकडी, पपयु
अरई स्त्री० हांकवानी परोणी
अरक पु० [अ] अर्क, रस (२) परसेवो
– उतारना, –खींचना, –निकालना = अर्क काढवो अरक–अरक होना = पसीनाथी भोजाइ जवु परसेवा परसेवो थई जवु [करनार
अरकाटी प० गिरमीटियाओनी भरती
अरकान पु० [अ ?] मुख्य प्रधान सरदार
अरग, ०जा पु० [स अगरु] अरगजा
अरगजी वि० अरगजाना जेवा रंग के सुगंधवाळु
अर(–ल)गनी स्त्री० वळगणी, कपडा इ० सूकववानी दोरी [धक लाल
अरगवानी पु० [फा] लाल रंग (२) वि०
अरगाना अ० क्रि०(प) चप रहेवु (२) जुओ 'अलगाना
अरघा पु०[स अर्घ] अर्घ्य आपवानु एक पात्र (२) शिवलिंग जमा स्थपाय छे ते
अरज स्त्री० जुओ 'अर्ज'
अरजी स्त्री० अरजी, विनती (२) वि० अरज करनार [(२) सूर्य
अरणि, –णी स्त्री० [स] अरणीनु झाड
अरण्य पु० [स] जगल, वन
अरण्यरोदन पु० अरण्यरुदन
अरथ पु० (प) अर्थ
अरथाना स०क्रि० (प) अर्थ समजाववो
अरथी स्त्री० ठाठडी [मर्दन करवु
अरदना स० क्रि० [स अर्द] कचडवु,
अरदली प० [अं आर्डरली] चपरासी, पटावाळो
अरदास स्त्री० [फा अर्जदाश्त] विनती, प्रार्थना, अरजी (२) भेट
अरना पु० (स्त्री०,–नी) जगली पाडो (२) सुताई गवलु छाण, जे बाळवामा वपराय छे (३) अ०क्रि० जुओ 'अडना'
अरनी स्त्री० [स अरणी] अरणीनु झाड
अरब पु० अबज सख्या (२) घोडो (३) [अ] अरबस्तान देश
अरबा वि०[अ]चार, ४ (२)पु० निराशि
अरबाब पु० ब० व० [अ] मालिक
अरबी वि० [फा] अरब देशनु (२) स्त्री० अरबी भाषा(३)पु०अरबी ऊट के घोडो
अरमान पु० [फा] इच्छा, चाह होंश
अरराना अ० क्रि० अरर एवो शब्द काढवो, अरेराटी छूटवी
अरवा प० ताको, गोख
अरवाह स्त्री० ब० व० [अ] अरवा, आत्मा (२) फिरस्ता, देवदूतो
अरविंद पु० [स] कमळ
अरवी स्त्री० एक कद, अळवी
अरस पु० आळस (२) वि० नीरस, फीकु (३) असभ्य, गमार
अरसट्टा पु० अडसट्टो अदाज
अरसना परसना स० क्रि० स्पर्शवु, भेटवु
अरस परस पु० 'डाहीना घोडा' जेवी एक रमत
अरसा पु० [अ] अरसो समय, मुदत
अरहट पु० [स अरघट्ट] रहेंट
अरहन पु० [स रंधन] (शाक वडामा नखातो) चणानो लोट
अरहर स्त्री० तुवर [स्थाना घाडा
अराक पु० [अ इराक] इराक देश के

अराज वि० राजा विनानु, अवर (२) पु० अराजकता, अव्यवस्था
अराजक वि० [प] राजा विनानु
अराजकता स्त्री० [स] जुओ 'अराज'
अराज़ी स्त्री० [अ] जमीन (२) खतर
अराति पु० [न] शत्रु (२) काम क्रोधादि षडरिपु
अराधन पु० आराधन
अराधना [स] आराधवु, पूजवु
अरारू(–रो)ट पु० [इ एरारूट] एक कंद
अराल वि [प] कुटिल, वांकु (२) पु० मद गळतो हाथी
अरि पु० [प] शत्रु, दुश्मन
अरिष्ट पु० [स] दुःख, पीडा (२) आफत, अपशुकन
अरी अ० स्त्री माटनु संबोधन, 'हे'
अरीज़ा वि० [अ] निवेदित अरज करायलु (२) पु० अरजी
अरु अ० (प) अने, 'और'
अरुचि स्त्री०[प] अनिच्छा (२) मंदाग्नि (३) घृणा [उलझना'
अरुझना अ० क्रि० फसावु गूंचवावु
अरुझाना स० क्रि० जुओ 'उलझाना'
अरुण वि० [स] लाल (२) पु० सूर्य (३) सिंदूर
अरोगना स०क्रि०(प) आरोगना, खावु
अर्क पु० [अ] जुओ 'अरक'
अर्करेज़ी स्त्री० [अ+फा] खूब महेनत
अर्गल पु०[स] आगळो, भूगळ
अर्घ पु० [स] पूजानो एक विधि (२) पूजापा (३) किंमत
अर्घ्य वि० [प] पूज्य (२) कीमती
अर्चन पु० [प] पूजन (२) आदर-सत्कार
अर्ज़ स्त्री० [अ] विनती, अरज, प्रार्थना (२) पु० पनो, चोडाई (३) जमीन
अर्जदाश्त स्त्री० [फा] अरजी, विनतीपत्र
अर्जन पु० [स] कमावु–पेदा करव ते
अर्जमंद वि० [फा] आबरुदार, लायक
अर्ज़ा वि० [फा] सस्तु
अर्ज़ानी स्त्री० [फ] सस्तापणु
अर्ज़ी स्त्री० [अ] अरजी, 'अर्जदाश्त'
अर्ज़ी दावा पु० [फा] दावा–अरजी
अर्थ पु० [स] अर्थ, मायनो (२) हेतु (३) लाभ (४) संपत्ति
अर्थकर वि० [प] लाभकारक
अर्थमंत्री पु० [स] नाणाप्रधान
अर्थवेद पु० [स] शिल्पशास्त्र
अर्थशास्त्र पु० [स] संपत्तिशास्त्र
अर्थ-सचिव पु० [स] जुओ 'अर्थमंत्री'
अर्थात अ० [स] यानी, एटले के
अर्थी स्त्री० जुओ 'अरथी'
अर्दन पु० [स] पीडवु ते हिंसा
अर्दली पु० जुओ 'अरदली'
अर्द्ध वि० अर्ध, 'आधा'
अर्द्धांग पु० [स] लकवा, पक्षाघात
अर्द्धांगिनी स्त्री० [स] स्त्री, पत्नी
अर्द्धांगी वि० लकवा थयेलु (२) पु० शिव
अर्पण पु० [स] आपवु ते (२) भेट
अर्पना स० क्रि० अरपवु आपवु
अर्बुद पु०[स] दस करोडनी संख्या [नानु
अर्भक पु० [प] बाळक (२) वि० नादान,
अर्वाचीन वि० [प] आधुनिक, नवु
अर्श पु० [अ] मुसलमानो मान छे ते सौथी ऊंचु – खुदानु धाम (२) (स) हरस रोग –पर चढ़ाना=खूब ताराफ करवी –पर दिमाग होना=बहु अभिमान होवु

अहत,-न्त पु० परमज्ञानी, बुद्ध, तीर्थंकर
अलंकार पु० [सं] आभरण, घरेणु
अलक पु० वाळ, लट
अलकतरा पु० [अं] डामर
अलख वि० अलक्ष्य, अगोचर –जगाना =पोकारीने प्रभुस्मरण करवु, अलख जगाववो
अलखधारी, अलखनामी पु० 'अलख' 'अलख' पोकारी भिक्षा मागनार एक जातनो साधु
अलग वि० जुदु, भिन्न (२) सुरक्षित, बचेल
अलगनी स्त्री० जुओ 'अरगनी'
अलगरजी वि० [अ] बेपरवा
अलगाई स्त्री०, –व पु० अलगपणु
अलगाना अ० क्रि० अलग थवु, छूटु पडवु(२)स०क्रि० अलग करवु हठाववु
अलगोजा पु० [अ] अलगोजा – एक जातनी वांसळी
अलपाका पु० आल्पाको, 'आल्पाका'
अलफा पु० विना बांयनु लांबु कुरतु
अल्फाज पु० [अ 'लफ्ज़'नु ब० व०] शब्दो (२) पारिभाषिक शब्द
अलबत्ता अ० [अ] अलबत्त, बराबर
अलबम पु० [फा] 'आल्बम', चित्रो मढवानी पोथी [कठण उर्दू
अलबी-तलबी स्त्री० अरबी, फारसी के
अलबेला वि० (स्त्री०,–ली) [सं अलभ्य +हिं प्रत्यय ला] अलबेलु फांकडु (२) सुंदर, अनोखु
अलभ्य वि० [सं] दुर्लभ (२) अमूल्य
अलम पु० [अ] दुःख (२) झंडो
अलमस्त वि० [फा] अलमस्त मदमत्त, चकचूर (२) मस्तानी, बेफिकर
अलमारी स्त्री० अलमारी, कबाट
अलमास पु० [फा] हीरो [बारनु
अलल-टप्पू वि० अललटप्पु, ठेकाणा
अलल-बछडा पु० (हिं अल्हड+बछडा) घोडानो वछेरो (२) अल्लड आदमी
अललाना अ० क्रि० चीस पाडवी, गळु फाडीने बोलवु
अलवांती वि०स्त्री० [सं बालवती] प्रसूता
अलवाई वि०स्त्री० एक मासनी वियाएली (गाय, भेंस) 'बाखडी'थी ऊलटु
अलवान पु० [फा] ऊननी चादर
अलस वि० [सं] आळसु
अलसान, अलसानि (प) स्त्री० आळस सुस्ती (२) शिथिलता
अलसाना अ० क्रि० आळसमां पडवु, सुस्त थवु
अलसी स्त्री० [सं अतसी] अळसी
अलसेट स्त्री० (प) ढील (२) अडचण (३) झघडो
अलसेटिया वि० 'अलसेट' करनार
अलसौंहा वि०(स्त्री०,–हीं) आळसयुक्त, सुस्त [पराढिये
अलस्सुबाह अ० [अ] वहेली सवारे,
अलहदगी स्त्री० [अ] इलायदापणु, जुदाई
अलहदा वि० [अ] इलायदु, अलग
अलहदी वि० आळसु, 'अहदी'
अलान पु० [सं आलान] हाथीनु आलान
अलानिया अ० [अ] खुल्लंखुल्ला, स्पष्ट
अलाप पु० आलाप
अलापना अ० क्रि० बोलवु, वातचीत करवी (२) गावु
अलामत पु० [अ] निशानी चिह्न
अलार पु० जुओ 'अलाव' (२) [सं] कमाड
अलाल वि० आळसु (२) नवरु, नकामु

अलालत स्त्री० [अ] बीमारी 'अलील परथी नाम [डर तारणी
अलाव पु० [? अलात]अलाव आगतो
अलावा अ० [अ] सिवाय
अलिजर पु [ग]माटलना पाणीना घडा
अलिंद पु० [म अलिन्द] भमरो(२)[म] घरना द्वार आगळना ओटलो के छतु
अली पु० [? अलि] भमरो (२) [म आलि] सखी (३) पंक्ति
अलीक वि० [प] जूठु असत्य (२) अप्रतिष्ठित
अलील त्रि० [अ] बीमार
अलुमीनम पु० एल्युमिनियम धातु
अलेख वि० अलय (२) अगणित
अलोक वि० [प] अदृश्य (२) निर्जन एकांत (३)पु० परलोक (४) निंदा, अपयश [अस्वाद
अलोना वि० [स अलवण] अलूण,फीकु,
अलोप वि० अदृश्य, लोप
अलौकिक वि० [म] अद्भुत, अपूर्व
अल्कत वि० [अ] रद के समाप्त वस्तु
अल्काब पु० [अ] इल्काब
अल्काबो-आदाब अल्काब-व आदाब', जुओ 'आदाब व अल्काब'
अल किस्सा अ० [अ] टूकमा
अल-गरज, अल् ग़ज़ अ० [अ] मतलब के टूकमां तात्पर्य के
अल्प वि० [म] थोडु (२) नानु
अल्ल पु० [अ आल] अटक, उपनाम
अल्लम गल्लम पु० नकामो बकवाद, अगडवगड
अल्लाना अ० क्रि० जुओ अल्लाना
अल्लामा स्त्री० कर्कशा, वढकणी स्त्री
अल्लाह पु० [अ] अल्ला, ईश्वर
अल्लाहताला पु० खुदाताला
अल्लाह अली ? [अ] ईश्वर सहाय छ (विदाय वखतनो बोल) [? ?
अल्लाह बिदा ? [अ] ?जाननो छ?
अल्हडत पु० अल्हड छ?ु गात ?
अलहुक ? [अ] ?(?) ठोर
अल्हा पु० ?? —मारना=? मारवा
अल्हड वि० अ?ड, नादान ?रूफ (?) पु० नहि पलोटायेलो वाछडो
अव अ (प) 'आर, अव (२) [ग] एक उपाय
अवकाश पु० [ग] खाली जगा, आकाश (?) समय ( ) नवराश (४) फारगत, अंतर
अवगत वि० [म] जाणेलु(२)नीच गयेलु
अवगतना स० क्रि० [स अवगत]समजवु विचारवु [दुर्गति, पतन
अवगति स्त्री० [?] समज, बुद्धि (२)
अवगाह वि० (प) अगाह, बहु ऊंडु (२) पु० ऊंडु के ? स्थान (?) [म] पाणीमा पडी नाहवु ते
अवगाहना अ० क्रि० नाहवु (२)डूबकु मारवु (३) स० क्रि० ऊंडु ऊतरी विचारवु, तपासवु
अवगुंठन पु० [म] ढांकवु के सताडवु ते (२) घूमटो, बुरखो
अवगुण पु० [म] दुर्गुण, दोष, अवगाव
अवग्रह पु०[म] बाधा, अडचण (२) शाप
अवघट वि० विकट, दुर्गम, कठण
अवचट अ० 'अचट', अचानक (२)पु० मुश्केली, मूंझामण
अवज्ञा स्त्री० [म] अपमान, अवगणना
अवटना स० क्रि० 'औटना', उकाळवु

अवडेर पु० झनट, वखेडो गरबड (२) फर चक्कर [नाखव, फसावबु
अवडेरना स० क्रि० फर – चक्करमा
अवडरा वि० चक्करमा नाख एवु, चाटवाळु, गरबडियु
अवतस पु० [स] भूषण (२) हार, माळा (३) मालो (४) श्रेष्ठ व्यक्ति शिरामणि
अवतरण पु० [स] पार ऊतरवु ते (२) जन्मवु ते (३) नकल (४) सीडी, घाट
करेनी सीडी [भूमिका
अवतरणिका स्त्री० [स] प्रस्तावना,
अवतार पु० [स] अवतरवु ते, जन्म (२) इश्वरनो अवतार
अवदात वि० [स] निमळ, शुद्ध (२) स्वत, गार (३) पीळु
अवद्य वि० [स] अधम, हीन
अवध पु० अयाध्या (२) स्त्री० अवधि
अवधान पु० [स] ध्यान, एकाग्रता
अवधारण पु० [स] निश्चय, निरधार
अवधि स्त्री० [स] सामा, हद (२) अ० पयत, सुधी
अवधा स्त्री० अवध–अयाध्यानी बोली (२) वि० अयोध्या सबधा
अवधूत पु० बावा, सयानी
अवन पु० [स] रक्षण (२) (प) अवनि
अवनति स्त्री० [स] पडती (२) नीच नमवु ते
अवनि स्त्री० [स] पृथ्वी
अवम पु० [स] अधिक मास
अवमतिथि स्त्री० [स] क्षय पना तिथि
अवमान पु० [स] अपमान [अग
अवयव पु० [स] अग, भाग (२) शरीरनु
अवयवी वि० [स] अनेक अवयववाळु (२) पुरु, सपूर्ण (३) पु० देह
अवर वि० (प) अ य, बीजु (२) हलकु, नाचु (३) निबळ
अवरेखना स० क्रि० लखवु, चीतरवु (२) अनुमानवु, कल्पवु, मानवु
अवरेब पु० 'औरेब', वक्र गति (२) कपडानो वाका काप (३) कठिनाइ (४) झघडो, खचताण [रूवु ते
अवरोध पु० [स] अडचण (२) घरा
अवरोह पु० [स] ऊतरवु ते, अवनति
अवर्ण वि० [स] वर्णरहित (२) खराब रगनु
अवर्ण्य वि० [स] अवर्णनीय
अवलघना स० क्रि० लाघवु
अवलबन पु० [स] आधार, टेका
अवलेप पु० [स] लेप (२) घमड
अवलेपन पु० [स] चापडवु ते (२) जुओ अवलेप
अवलेह पु० [स] चाटवानु औषध
अवलोकन पु० [स] जावु ते (२) तपास
अवश वि० [स] परतत्र, लाचार
अवशिष्ट वि० [स] बचेलु, बाकी
अवशेष पु० [स] शेष, बाकी (२) समाप्ति (३) वि० बाकी (४) समाप्त
अवश्य अ० [स] जरूर (२) वि० बन्या न थाय तेवु
अवसर पु० [स] मोको, लाग (२) फुरसद (३) वार
अवसाद पु० [स] विषाद, खेद (२) नाश
अवसान पु० [स] मरण (२) अत, समाप्ति (३) साज
अवसि अ० (प) अवश्य
अवसेर स्त्री० [स अवसर] विलब, ढील (२) चिंता, फिकर (३) हरानगत
अवसेरना स० क्रि० पजववु, दुख दवु

अवस्था स्त्री० [म] दशा, हालत (२) उमर [(२) नाश
अवस्थित वि० [म] हाजर, विद्यमान
अवस्थिति स्त्री० [म] स्थान
अवहेलना स्त्री० [म] अनादर (२) स०कि० अनादर करवो [मठूंठी
अवां(-वा) पु० 'आवा', कुभारनी
अवांतर वि० [स] अन्तर्गत ( ) पु० मध्य, वच्चे
अवाई स्त्री० (हि० आना) आववु ते
अवाक वि० [म] चूप (२) चकित
अवाङ्मुख वि० [म] अधोमुख ऊंधु (२) शरमायेलु
अवाची स्त्री० [म] दक्षिण दिशा
अवाच्य पु० [म] गाळ (२) वि० न बोलवा जेवु जेवु (३) नीच
अवाम पु० [अ] आमजनता
अवाम उन्नास पु० जुओ अवाम
अवायल वि० [अ] प्राथमिक, शरूनु (अव्वल'नु ब०व०)
अवार पु० [त] नदीना आ किनारा पारनो, ऊन्टु [नो चापडा
अवारजा पु० [फा अवारिज] हिसाब
अविच्छिन्न, अविच्छेद वि० [म] अतूट, लगातार अखड [माया
अविद्या स्त्री० [स] अज्ञान, मोह (२)
अविधि वि० [स] विधि-नियमथी विरुद्ध, नियम बहारनु
अविरथा अ० (प) वृथा, नाहक
अविरोध पु० [म] विरोधनो अभाव (२)मळ समानता [(२) न्याय
अविवेक पु० [म] अविचार अणसमज
अविश्वास पु० अणभरासो(२) निश्चय
अवेज पु०[अ एवज](प)बदलो, अवज

अवेर स्त्री० ढील, मोडु थवु ते वार
अवेतनिक वि० [त] वेतन वगरनु, मानद
अव्यक्त वि०[म] अगोचर (२) अज्ञात (३) पु० प्रकृति (४) जीव (५) अव्यक्त राशि
अव्यक्त गणित पु० [म] बीजगणित
अव्यय वि [म] नित्य, निर्विकार (२) पु० व्याकरणनो अव्यय शब्द
अव्यवस्था स्त्री० [म] व्यवस्था के नियमनो अभाव गरबड
अव्युत्पन्न वि० [त] अजाण, अणसमजु
अव्वल वि० [अ] अवल पहेलु (२) उत्तम, श्रेष्ठ (३) पु० शरूआत, आदि उदा० अव्वल्से आखिर तक
अशक वि० [म] नीडर, निःशक
अशअश करना=खूब खुश के सतुष्ट थवु
अशआर पु० [f] (शेर नु ब०व०) काव्यनी टूको
अशकुन पु० अपशुकन
अशक्त वि० [म] नबळु, शक्ति वगरनु
अशक्ति स्त्री० [म] नबळाई, कमजोरी
अशक्य वि०[स] असभव शक्तिबहारनु
अशखास [अ शरम नु ब०व०] घणा माणसो टोळु जनसमूह
अशजार पु [अ] झाडो, वृक्षसमूह
अशन पु० [म] खावु ते (२) खोराक
अशरफ पु० भलो माणस मोटरा
अशरफी स्त्री० [फा] सोनानो एक सिक्को (२) एक पीळु फूल
अशराफ वि० शरीफ भलु (माणस)
अशिया स्त्री० [अ] चीजो, वस्तुओ
अशिष्ट वि० [स] असभ्य, असस्कारी
अशुद्ध वि० [स] मेलु, अपवित्र (२) भूलभरेलु

अशुन पु० (प) अश्विनी नक्षत्र
अशुभ वि० [स] खराब, भूंडु, अमंगळ (२) पु० आफत (३) पाप
अशेष वि० [स] पूरु, बधु (२) खतम, समाप्त (३) अनेक, बहु
अशौच पु० [स] अपवित्रता, अशुद्धि (२) सूतक
अश्क पु० [फा] आंसु [वादळ
अश्म पु० [स] पथ्थर (२) पर्वत (३)
अश्मरी स्त्री० [स] पथरीनो मूत्ररोग
अश्रु पु० [स] आंसु
अश्लील वि० [स] बीभत्स, गंदु
अश्व पु० [स] घोडो [नक्षत्र
अश्विनी स्त्री० [स] घोडी (२) एक
अषाढ पु० अषाढ मास
अष्ट वि० [स] आठ **०म** वि० [स] आठमु **०मी** स्त्री० आठम
असंक्रांति मास पु० [स] अधिक मास
असंख्य वि० [स] अगणित
असंगत वि० [स] अजुगतु, अनुचित
असंतोष पु० [स] अतृप्ति (२) अप्रसन्नता
असंभव वि० [स] अशक्य, 'नामुमकिन'
असंभावना स्त्री० [स] असंभव
अस वि० (प) आवु, आ प्रकारनु (२) समान, तुल्य
असकताना अ० क्रि० आळस करवु, आळसमां जवु
असकसा पु० तलवारनु म्यान अंदरथी साफ करवानु लाकडानु एक ओजार
असगंध पु० एक औषधि, अस्सी गं
असगुन पु० अपशुकन
असत् वि० [स] खराब, स्वगत (२) जूठु (३) असाधु

असत्य वि० [स] मिथ्या, जूठु
असबग पु० [फा] रेशम रंगवामां आवतु एक खुरासानी घास
असबाब पु० [अ] चीज, वस्तु, सामान
असमंजस स्त्री० [स] दुविधा (२) अडचण
असमय पु० (स) दुःखनो—खराब समय (२) अ० कवखते
असर पु० [अ] असर, प्रभाव
असरार अ० (प) लगातार, सतत (२) पु० ब० व० [अ] भेद, गुप्त वातो
असल वि० [अ] खरु, साचु (२) उच्च, श्रेष्ठ (३) शुद्ध, भेळसेळ वगरनु (४) अकृत्रिम (५) पु० जड, मूळ पायो
असलह पु० [अ] शस्त्र, हथियार
असला अ० [अ] जरा पण (२) कदापि, हरगिज
असलियत स्त्री० [अ] साच, तथ्य (२) मूळतत्त्व, सार (३) जड, मूळ
असली वि० असल, खरु (२) मूळ, मुख्य (३) शुद्ध, निर्मळ
असवार पु० सवार **—री** स्त्री० सवारी
असह वि० असह्य
असहयोग पु० असहकार
असहा वि० अदेखु, ईर्षाळु
असाच वि० असत्य, मिथ्या
असा पु० [अ] सोटो, दंडो
असाढ पु० [स आषाढ] अषाढ मास
असाढ़ी वि० अषाढनु (२) स्त्री० अषाढी पाक (३) अषाढी पूनम
असाध्य वि० [स] न थई शके एवु, कठण (२) न मटी शके एवो (रोग)
असामी पु० [अ आसामी] आसामी, व्यक्ति (२) देणदार (३) साथियो

(४)अपराधी (५) स्त्री० वश्या, रखात (६) नाकरी, जगा
असार वि० [स] सार वगरनु (२) गाऊ (३) तुच्छ
असालत स्त्री० [अ] कुलीनता(२)नव्य
असालतन् अ०[अ] स्वत, खुद
असावधानी स्त्री० सावधान न होवु त, गाफल
असावरी स्त्री० आसावरी राग
असास पु० [अ] नड, पायो, मूळ
असासा पु०[अ]असबाब माल, मपत्ति
असि स्त्री० [स] तलवार
असित वि० [स] काळु (२) खराब वक (३) वाकु
असिस्टट वि०[इ] मददनीश महायक
असी स्त्री० [स] एक नदी ज काशी पास गगाने मळ छ
असीम वि० [स] अपार बहु
असीर पु० [फा] कदी
असील वि० [अ] खानदान (२)सुशील
असीस स्त्री० (प) आशिष
असीसना स०क्रि० आशिष दवी
असु पु० (प) अश्व (२) अ० आशु शीघ्र (३) [स] प्राण
असुबि(-वि)धा स्त्री० अगवड
असुर पु० [स] राक्षस
असूझ वि० अधकारमय (२) अपार (३) विकट, कठण
असूया स्त्री० [स] ईर्षा दाष
असूल पु० जआ उसूल' तथा 'वसूल'
असेसर पु० [इ] एसेसर
असोज पु० [स अश्वयुज] आसो मास
अस्त वि० [स] आथमेलु (२) पु० नाश, अदृश्य थवु त
अस्तबल पु० [अ] तबेलो, घोडाशाल
अस्तर पु० [फा] नीचेनु पड के थर (२) कपडानु अस्तर
अस्तरकारी स्त्री [फ] चूनाथी धोळवु के प्लास्टर करवु ते
अस्तव्यस्त वि० रफदफ, आडुअवळी
अस्ति स्त्री० ०त्व पु० हस्ती हयाती
अस्तु अ० [स] ठीक भले [बूराइ
अस्तुती स्त्री० स्तुति (२) [स] निंदा,
अस्तुरा पु० [फा] अस्तरो
अस्तेय पु० [स] चोरी न करवी ते, पाचमानो एक यम
अस्त्र पु०[स] फकवानु शस्त्र (२) बदूक के ढाल जवु हथियार(३)नस्तर
अस्त्रचिकित्सा स्त्री० [स] वाढकापन वदक
अस्त्रवेद पु० [स] धनुर्विद्या
अस्त्री पु० अस्त्रधारी सामान्य माणस
अस्थि स्त्री० [स] हाडकु
अस्थिर वि० [स] डगमगतु चचळ, अनिश्चित (२) (प) स्थिर
अस्ना पु०(अ) वचाळनो समय, दरमियान
अस्नान पु० (प) स्नान
अस्प पु० [फा] अश्व
अस्पताल पु० इस्पिताल, दवाखानु
अस्फज पु० [इ स्पज] वादळी
अस्मत स्त्री० [अ] पापभीरुता (२) स्त्रीनु पातिव्रत्य, शियळ
अस्मिता स्त्री० [स] अहकार, हुपणु
अस्वस्थ वि० [स] बेचन (२) बीमार
अस्सी वि० ८० अशी [गर्व
अह, ०कार पु०, ०ता स्त्री० [स] अह-
अहवाद पु० [स] गर्व, घतराजी

अह अ० आह ! (२) पु० दिवस
अहक स्त्री० (प) इच्छा
अहकना अ० क्रि० प्रबल इच्छा करवी
अहक़र वि० [अ] अति तुच्छ
अहकाम पु० [अ हुक्म'नु ब० व०] आज्ञाओ, हुकमो
अहतमाल पु० [अ] भय, आशंका
अहद पु० [अ] वायदो, करार (२) सुलेह (३) (राज्यनो) समय
अहदनामा पु० [फा] करारनामु (२) सुलेहनामु
अहदी वि० [अ] आळसु (२) नवरु, नकामु (३) पु० अकबरना समयनो एक सिपाही जने बोलावे त्यारे ज काम आवे, बाकी बेठा रहेतो ते
अहना अ० क्रि० [स अस्] होवु (जाना 'अहै,' 'अहा' ए ज रूपो मळे छे)
अहनिसि अ० (प) अहोरात, रातदिवस
अहम वि० [अ] खास महत्त्वनु, बहु जरूरी
अहमक़ वि० [अ] बेवकूफ, मूर्ख
अहमियत स्त्री० [अ] महत्त्व
अहमेव पु० अहंकार, घमंड
अहरन स्त्री० [स आधरण] एरण
अहरा पु० [प आहरण] जेरणानो ढग के तेनी आग (२) पाणीनो मोटो जमाव ज्यांथी खतरामां पाणी लेवाय
अहरी स्त्री० परब (२) हाज के पाणीनो कूडो
अहल पु० [अ] व्यक्ति जण (२) मालिक (३) लोक (४) वि० लायक, योग्य, शक्तिवाळु
अहलकार पु० [फा] काम करनार, गुमास्ता, नोकर
अहलमद पु० [फा] अदालतनो एक अमलदार
अहवाल पु० ब० व० [अ] हवाल, समाचार (२) दशा, हालत ('हाल' नु ब० व०) [उपकार
अहसान पु० [अ] अहेसान, आभार,
अहसानमंद वि० [फा] आभारी
अहाता पु० [अ] वाडो (२) चार तरफनी वाड के दीवाल
अहार पु० (प) आहार, खोराक
अहारना स० क्रि० (प) आहार करवो (२) चोटाडवु (३) कपडामां आर नाखवो
अहाली-मवाली पु० ब० व० साथीओ तथा नोकर चाकर लोक
अहाहा अ० हर्षनो उद्गार
अहिंसा स्त्री० [स] कोईने जावने न मारवु के पीडवु ते
अहिंस्र वि० [स] अहिंसक [मूत
अहि पु० [स] साप (२) राहु (३) खल,
अहित पु० [स] हानि, नुकसान (२) वि० शत्रु, वेरी (३) हानिकारक
अहिनी स्त्री० [स अहि] सापण
अहिफन पु० [स] अफीण (२) सापनी लाळ
अहिवात स्त्री० हेवातण स्त्रीनु सौभाग्य
अहिवाती वि० स्त्री० सौभाग्यवती, सधवा
अहीर पु० [स] (स्त्री०-रिन) आहीर, गोवाळ
अहुटना अ० क्रि० (प) हठवु, दूर खसवु [भगाववु
अहुटाना स० क्रि० (प) हठाववु,
अहेतुक वि० [स] विना कारण (२) व्यर्थ

अहेर पु० [स आखेट] शिकार के तना थनार प्राण।
अहेर पु० शिकारी (त जानना क
भाग र करनारा माणस)
अहेरो वहोर अ० फरी फरी वारवार
शिक
अहोर

अहोरा-बहोरा पु० विवाहना एक रात (जमा कन्या सासरे जइ त ज दहाड पाछा पियर आवे छ) (२) अ० (प)वारवार

आ

पु० अंक (२) चिह्न (३) भाग
आक पु०आंकडा, संख्या
अश स०क्रि० आंकवु परीक्षा करवी
आकड वि० [स आकर] ऊंडु (२)
आकना (३) [स अक्रय्य] मांघ
आंकर पु० अंकुर
घणु ० आंकनारा
आकुस स्त्री० आंख (२) दष्टि,
आकू ध्यान (३) विचार,
आख (४) परख, पिछान (५)
नजर ट (६) मतान वात्स्व
विवेक या उठना = आंख आवर्वी
कृपाद I=आंख ताकवु(२)गूरु ताकवु
–आना जाना = (मरती वखते)
–उठान पूतळीओ ऊंचे चडी जवी
–उलट I=आंख उघडवी (२)
आखनी ढवी, समजवु –गडना =
–खुलन खूंची (२) टक टक ताकवु
भ्रम ट च्छाथी आंख चाटवी आखें
जाख-द रना, चार आखें करना
(३) इ सामे जोवु –आखें चुराना
चार व ना=आख आडी करवी,
= आख जावु आखें डबडवाना=
दा छिप आंखमा आंसु आववा
साम न
अ० क्रि

(२)आंखमा आंसु आववा –निकालना =आंख काढवी – बचाना = साम न आववु, सतावु आखें बिछाना=प्रेमथी स्वागत करवु (२) वाट जावी –भर देखना= बरोबर जावु –मारना =आंखा मारवी इशारो करवो –में चरबी छाना=गवथी छकी जवु आखामें फिरना=ध्यान पर चडवु, याद रहेवु आखामें रात काटना=कष्ट के चिंताथी रात जागवु –लगना=ऊंघथी आख मळवी (किसीसे) आख लगना=प्रेम थवो –लडना=प्रेम थवो –सेंकना= नेत्रसुख लेवु –होना =परख होवी, समज के विवेक होवो
आखडी स्त्री० आख
आखफोड टिड्डा पु० एक लीलु जीवडु (२) कृतघ्न
आखमिचौली, आखमीचली स्त्री० संता कूकडीनी रमत
आगन पु० आंगणु, घरना चाक
आगी स्त्री० जुओ 'अंगिया'
आघी स्त्री० बारीक कपडे मढेली चाळणी
आच स्त्री० [स अर्चिस] आच, गरमी (२) आग (३) तेज (४) आघात

चाट (५) हानि, अनिष्ट (६) विपत, सकट (७) प्रम, महाव्रत
आचल पु० अचरु, छडा, पाल्व, 'अचरा' (२) जुआ 'अंचल'
आजना स०कि० आजव अजन लगाववु
आट स्त्री० अगूठा न तर्जनी वच्चना हस्ळानो माग (२) वर (३)आटी, गाठ (४) गठ्ठा, पूळो (५) दाव, जोग
आटना अ० कि० जुआ 'अँटना'
आट-साट स्त्री० दावपच, प्रपच
आटी स्त्री० आटी (२) आटी (३) सूतरनी आटी (४) गिल्ली
आठी [स अष्टि, प्रा अट्ठि] ठहा, फ इ० ना लाचो (२) गाठ (३)गाटली
आत स्त्री०आतरडु –उतरना=आतरडु ढील पडी नीचे ऊतरवाथी एक रोग थवो आतोका वल खुलना=धरावु आते कुलकुलाना या सूखना=भूखनी पीडा थवी आतें गलेमें आना=खूब श्रम पडवो, आतरडा ऊचा चडी जवा
आदू पु० [स अदू] वेडी, बधन
आदोलन पु० [स] हिलचाल
आधरा वि० आधळु
आधी स्त्री० आधी, जोरथी हवा वाई धूळ धूळ थई जवी त सखत वावाझोडु (२) वि० आधी जवु तेज
आब पु० आवो के केरी [हळदर
आबाहलदी स्त्री० आमाहलदी, आवा-
आयवाय स्त्री० 'अडवड', नकामी वात
आव पु० आम, काचा मळ
आवठ पु० धार, किनार
आवडा वि० (प) ऊडु
आवल पु० गभनी ओर
आंवल-नाल स्त्री० जन्मेला बालकनो नाळ
आवला पु० [स आमलक] आमळु
आंवलोहू पु० आमनो राग, मरडो
आंवाँ पु० जुआ 'अवाँ'
आंसिक वि० [स] अंशवाळु, थोडु (पूरु नहि) [छ
आंसी स्त्री० माठाई,जे मित्रामा वहेचाय
आंसू पु० आसु –गिराना, ढालना=रडवु –पीकर रह जाना=मनमा ने मनमा ज दुःख दाबावी रवु
आहुड पु० वासण
आहाँ अ० आहा, 'ना' दर्शावता उद्गार
आइ स्त्री० (प) आयु, उमर
आइंदा वि० [फा] आवनार, आगतुक (२)पु० भविष्य (३) अ० आगळ, भविष्यमा, हवे पछी
आई स्त्री० [हिं आना] मत्यु (२)'आना' नु भूतकाळ स्त्री० रूप (३) जुओ 'आइ'
आईन पु० [फा] नियम, कायदो
आईना पु०[फा]आयना आरसी –होना =स्पष्ट होवु आईनमें मुह देखना= पोतानी लायकात विचारवी-जोवी
आईनी वि०[फा]कानूनी कायदाने लगतु
आक, आकडा पु० आकडो
आकन पु० खेडेला खेतरमाथी वहार फेंकेल घास चाखरा इ०
आकबत स्त्री० [अ] सापराय, मरण पछीनी अवस्था, परलोक
आकर पु० [स] भडार (२) खाण
आकरिक पु० [स] खाणियो, खाणनु काम करनार
आकरी स्त्री० खाणनु काम
आकर्षण पु० [स] खेचाण
आकलन पु० [स] सग्रह (२) गणतरी (३) ग्रहण करवु के तपासवु ते

आकला वि० (स्त्री० –ली) आकळु
आकली स्त्री०आकुळता,व्यग्रता बेचेनी
आकस्मिक वि० ओचित्, अणधार्यु
आकांक्षा स्त्री० [स] इच्छा
आकांक्षी वि० [स] इच्छुक
आका प० [स आकाश] अठठी चूला
आका प० [अ] मालिक धनवान, शेठ
आकार पु० [स] घाट, स्वरूप (२) बनावट (३) निशानी [जबरख
आकाश पु० [स] गगन, आसमान (२)
आकाशबेल स्त्री० अतरवेल [मडप
आकाशी स्त्री० छायो करवा बाधेलो
आकिल वि०[अ] बुद्धिमान अक्कलमद
आकीर्ण वि० [स] व्यापत, भरेलु
आकुचन पु० [स] सकडावु त
आकुठन पु० [स] शरम, लज्जा
आकुल, –लित वि० [स] व्याकुळ, गभरायेलु (२) व्यापेलु [नाना भाव
आकृति स्त्री० [स] आकार (२)मां बे
आक्रमण पु० [स] हल्लो, चडाई (२) आक्षेप, निंदा
आक्षेप पु०[स]आरोप आळ (२)व्यग
आखत पु० अक्षत – चासा
आखता वि० [फा] खसी करेला (जडकाश काढी नाखलो) घाडा
आखर पु० (प) अक्षर
आखा पु० जुआ 'आधी' (२) वि० [स अक्षय] आखु, पूरु
आखातीज स्त्री० अखात्रीज
आखिर वि० [फा] अतिम (२) पु० आखर, अत (३) अ० अत, आखरे
आखिरकार अ० [फा] आखर, अते
आखिरत स्त्री० [अ] मरणदिन (२) कयामत (३) परलोक
आखिरी वि० [फा] आखरी, अंतिम
आखु पु० [स] उदर
आखेट पु० [स] शिकार
आखेटक प० शिकार(२)वि०शिकारी
आखेटी पु० शिकारी
आखोट पु० [स अक्षोट] अखरोट
आखोर पु० [फा] ओगाट (२)नकामी रद्दी वस्तु (३) वि० नकामु, रद्दी
आख्ता वि० जुआ 'आखता'
आख्या स्त्री० [स]ख्याति(२)व्याख्या
आख्यात वि० [स] कहेल (२)विख्यात
आख्यान पु० [स] वर्णन (२) कथा
आख्यायिका स्त्री० [स] कथा, वार्ता
आग स्त्री० आग, ताप '–होना, –बबूला (बगूला) होना या बनना= क्रोधमां आवी जवु
आगत स्वागत पु० आगता स्वागता
आगमपु०[स]आगमन(२)भविष्यकाळ (३) बननारी वात(४)वेद, शास्त्र(५) वि०आगामी –करना=उपाय करवो –बांधना=आवनारी वात नक्की करवी
आगमज्ञ(–ज्ञा)नी वि० भविष्यवेत्ता
आगमना पु०[स आगमन]आगळ जनारी मेना (२)पूर्व दिशा(३)वि०(स्त्री०–नी) आगमनार–आगळ चूकनार साहसिक
आगमवाणी स्त्री० भविष्यवाणी
आगम-सोच(–ची)वि० अगमचेतीवाळु आगळनु विचारनार, दूरदर्शी
आगमी पु० जोषी, भविष्य जानार
आगर पु०[स आकर]खाण(२)ढग ढेर(३) निधि (४) मीठाना अगर (५) [स आगार] घर (६)छाज, छापर (७) वि० [स अग्र] श्रेष्ठ(८) दक्ष, चतुर
आगरी पु० अगरिया

आगल पु० [स अगल] आगळो (२) वि० आगलु (३)अ० आगळ, अगाउ
आगा पु० [तुर्की] शठ, आका, मालिक
आगा पु० कोई वस्तुनो आगलो भाग (२) छाती (३) मोढु (४) कपाळ, माथु (५) अगरखाना आगळनो भाग
आगाज पु० [फा] प्रारम्भ, शरूआत
आगापीछा पु० दुविधा आनाकानी (२) परिणाम
आगार पु० घर (२) खजानो, भडार
आगाह वि० [फा] वाकेफ
आगाही स्त्री० [फा] जाण, खबर
आगिल(-ला) वि० (प) आगळनु, आगलु (२) भविष्यनु
आगे अ० 'आगळ' जेवा वधा अथमा प्रयोग थाय छे
आगोश स्त्री० [फा] गोद, खोळो
आग्नेय वि० [स] अग्नि सबधी (२)पु० सोनु
आग्रह पु० [स]जोर करीने के खूब कहेवु ते, अनुरोध (२) हठ के भारपूर्वक काई करवु ते [आक्रमण
आघात पु० [स] धक्को (२) प्रहार,
आचरण पु० [स] वर्तन, आचरवु ते (२) लक्षण, चिह्न (३) रथ
आचरना स० क्रि० आचरवु, वर्तवु
आचार प० [फा] जुओ 'अचार'(२) [स] आचरण, चालचलगत
आचारजी स्त्री० गोरपदु
आचारी वि० आचारवान (२) पु० रामानुजी वैष्णव
आज अ० आजे (२) हमणा
आजकल अ० आजकाल, आ दिवसोमा -लगना=मरण पासे आववु
आजमंद वि० [फा] लालचु, लोभी
आजम वि० [अ अजजम] वहु मोटु, महान, मुख्य
आजमा वि० [फा] अजमावी जानार, परीक्षक [कसोटी
आजमाइश स्त्री० [फा] अजमायश,
आजमाना स०क्रि० अजमावनु, पारखवु
आजमूदा वि० [फा] अजमावलु
आजा पु० [स आर्य] (स्त्री० -जी) बापना बाप, दादा
आजाद वि० [फा] आझाद, स्वतत्र (२) बेफिकर (३) नीडर (४) स्पष्टवक्ता (५) उद्धत
आजादगी, आजादी स्त्री० आझादी
आजार पु० [फा] आजार, रोग (२) दुःख, तकलीफ
आजिज वि० [अ] दीन, नम्र (२) सपडायेलु, सपटामणमा आवलु
आजिजी स्त्री० [अ] दीनता
आजीविका स्त्री०[स] निर्वाह, वृत्ति
आजुर्दगी स्त्री० [फा] दुःख, खेद
आजुर्दा वि० [फा] खिन्न, दुःखी
आज्ञा स्त्री० [स] आज्ञा, हुकम (२) मजूरी अनुमति
आज्ञापन पु० [स] जाहेर करवु ते, सूचन
आटना स० क्रि० दबाववु ढाकी नाखवु
आटा पु० आटो, लोट (२) भूको आटे दालका भाव मालूम होना=ससार व्यवहारनी गम होवी
आठ वि० आठ, ८ आठ-आठ आसू रोना=खूब रोवु आठो गाठ कुम्मत= सव वाते सपूर्ण (२) चतुर (३) धूर्त
आडंबर पु० [स] मोटो आवाज (२) ढोंग, दभ, देखाव, उपरनी टापटीप (३) तबु (४) एक मोटु ढोल

आडबरी वि० ढागी, दभी
आड स्त्री०आड पडदा(२)रक्षण आशरो (३) रोकाण, प्रतिबध (४) पियळ, आडु तिलक(५)प० वीछीनो डख
आडन स्त्री० ढाल
आडना स० क्रि० रोकवु (२) मना करवी (३) आडमा मूकवु गीरववु
आडा वि० आडु वाबु, वच्चे आवतु
आडे आना=आडा आववु रोकवु वच्चे पडवु आड हाथो लेना=व्यगोक्तियी कोइने शरमाववु
आडी स्त्री० तवला मदग वगाडवानी एक ढव (२) करवती, आरी (३) पु० ओथ देनार, रक्षक
आडू प० एक खटमधुरु फळ, पीच
आढ़ पु० स्त्री० आड, ओथ(२)अतर, आतरो —आढ़ करना=आजकॉल करवु, ढील करवी, टाळवु
आढक प० चार शेरनु माप के मापियु
आढत स्त्री० आडत के तनो माल रहेतो होय ए स्थान
आढ़तिया पु० आडतियो 'अढतिया'
आढ्य वि० [स] सयुक्त, —वाळु
आतक पु० [स] भय (२) रोग
आतकवाद पु० [स] त्रासवाद
आततायी पु० [स] अत्याचारी, पापी
आतप पु० [स]ताप, गरमी (२) ताव
आतपी पु० [स] सूर्य
आतमा स्त्री० आत्मा
आत(—ति)श स्त्री०[फा]आतस अग्नि
आतशक पु०[फा]चादा गरमी उपदशनो राग
आतशकी वि० चादीनु रोगी
आतश-खाना पु० पारसीनी अगियारी
आतश दान पु०[फा] सगडी [पारसी
आतश परस्त पु० [फा] अग्निपूजक,
आतशी वि० आतस—अग्नि सबधी (२) तापथी न फूटे एवु (काच)
आतिथ्य पु०[स]परोणागत महेमानगीरी
आतिश स्त्री०आतस, आग (२)गुस्सो
आतिशबाजी स्त्री० आग साथे खेलनु ते (२) आतसबाजी, दारूखानु
आतुर वि० [स] अधीरु, व्यग्र, बचेन गभरायलु(२)दुखी (३) रागी (४) अ० जल्दी [(२)उतावळ
आतुरता,आतुरी स्त्री०अधीराई गभराट
आत्मघात पु० [स] आपघात
आत्मज पु० [स] पुत्र (२) कामदव
आत्मज्ञान पु०[स]आत्मानो साक्षात्कार
आत्मत्याग पु० [स] स्वार्थनो त्याग
आत्मनिवेदन पु० [स] सवस्व अर्पण करवु ते (२)नवधाभक्तिनो एक प्रकार
आत्मसात अ० [स] एकरूप, पोतारूप थई जवु होय एम
आत्मा स्त्री० [स] आत्मा [मानसिक
आत्मिक वि०[स] आत्मा सबधी (२)
आत्मीय वि० [स] पोतानु (२) पु० सगुसबधी
आत्यतिक वि० [स] अतिशय
आथना अ०क्रि० (प) होवु
आदत स्त्री०[अ]स्वभाव प्रकृति(२)टेव
आदतन् अ० [अ] आदतने लईन, स्वभावत [आदमी, माणस
आदमजाद पु० आदमनु सतान,
आदमियत स्त्री०[अ]मनुष्यत्व माणसाई
आदमी पु० [अ] माणस (२)नोकर, सेवक —बनना=सभ्यता शीखवी
आदर पु० [स] सन्मान, आवरू

आपसमें अ० परस्पर, अदरअदर
आपा पु० पोतानु अस्तित्व (२) अस्मिता, अहकार (३) सुधबुध, भान (४) स्त्री० मोटी बहेन (मुसल्मानोमा)
आपात पु० [स] पतन (२) अचानक थवु ते (३) आरभ (४) अत
आपातत अ० [स] अचानक अकस्मात (२) आखर
आपाधापी स्त्री० पातपातानी चिता के कामनु ध्यान (२) खचताण
आपापथी वि० मनस्वी, कुपथी
आपुस पु० जुओ आपस
आप्त वि० [स] प्राप्त (२) कुशळ (३) विश्वासपात्र, प्रमाण गणाय एवु
आफत स्त्री० [अ] आपत्ति, कष्ट, मुसीबत —उठाना=दुःख सहवु —का परकाला=हाशियार (२) आकाश पाताळ एक करनार भारे उद्योगी (३) उधमातियु, उपद्रवी —ढाना =उधमात दगो मचाववो (२) तक-लीफ–दुःख देवु —मचाना=उधमात मचाववा (२) उतावळ करवी —लाना =पीन्न के चपट ऊभी करवी
आफताब पु० [फा] सूरज
आफताबा पु० [फा] (पाणी गरम करवानु) एक प्रकारनु वासण
आफताबी स्त्री० [फा] मोटु छत्र (२) दारूखानानी एक जात (३) घर सामनी नानी आगरी (४) वि० गाळ (५) सूर्यने लगतु
आफरीन अ० [फा] शाबाश, वाह
आफाक पु० [अ] दुनिया, ससार
आफियत स्त्री० [अ] क्षमकुशळ
आफिस पु० [इ] आफिस, कार्यालय
आफू स्त्री० अफीण
आब स्त्री० [फा] चमक, काति (२) शाभा (३) पु० पाणी
आबकारी स्त्री० [फा] शराब गाळवानी के वेचवानी जगा (२) मादक पदार्था वाबतन महसूल, खातु
आबखारा पु० [फा] प्यालो, कटोरा
आबखोरे रहना = मानता मानवी
आबगीना पु० [फा] आयना (२) हीरो
आबगीर पु० [फा] तळाव (२) वणकरना कूचडो
आबजोश पु० [फा] मुनक्का जेवी एक द्राक्ष (२) सूप, मरवा (३) पाणी ऊकळवु ते [(२) शोभा
आबताब स्त्री० [फा] चमक, रोनक
आबदस्त पु० [फा] हाजरूमा लई जवानु पाणी के ते वापरवु ते —लेना=शौच जइने धावु
आबदाना पु० [फा] अन्नजळ निवाह —उठना=अन्नजळ ऊठवु
आबदार वि० [फा] चमकदार, पाणीदार
आबदारी स्त्री० [फा] चमक, काति
आबदीदा वि० [फा] अश्रुपूर्ण
आबनाए स्त्री० [फा] सामुद्रधुनी
आबनूस पु० [फा] अबनूस सीसम जेवु एक काळु लाकडु, 'एबनी' —का कुन्दा =सीसमनो ककडो, अति काळो माणस
आबनूसी वि० अबनूस जवु के तेनु बनलु
आबपाशी स्त्री० [फा] (खेतरमा) पाणी पावु ते, पाण
आबरवा स्त्री० [फा] एक जातनु बारीक मलमल्न कपडु (२) पु० वहेतु पाणी
आबरू स्त्री० [फा] आबरू, इज्जत
आबला पु० [फा] छालु, फोल्लो —पडना=फोल्लो पडवा

आबशार पु० [फा] धरणु (२) धोध
आबहवा स्त्री०[फा]आबोहवा,हवापाणी
आबा पु० ब०व० [अ] बापदादा वडवा
—व इजदाद = बापदादाओ
आबाद वि०[फा]वसेलु,वस्ती वाडी वगेरे
वाळु, समृद्ध [के जमीनदार
आबादकार पु० एक प्रकारनो खातेदार
आबादान वि० 'आबाद' जुओ
आबादानी स्त्री० 'आबादी' जुओ
आबादी स्त्री० [फा] वस्ती, जनसंख्या
(२) वसवाटनी जगा
आबिद पु०[अ] इबादत करनार,भक्त
आबी वि० [फा] पाणीनु (२) फीक
आछा रंगनु (३)पु० दरियानु मीठ
आबेरवां पु० [फा] जुओ 'आबरवाँ'
आबेबका, आबहयात पु० [फा] अमृत
आब्दिक वि० [स] वार्षिक
आभ स्त्री० आभा, शोभा (२) पु०
आब, पाणी (३) अभ्र, आकाश
आभरण(—न) पु० [स] आभूषण (२)
भरण-पोषण [प्रतिबिंब
आभा स्त्री० [स] कांति, तेज (२)
आभार पु०[स]बोजो भार (२) गृहस्थ
जीवननो भार (३) आभार उपकार
आभारी वि० [स] आभार के उपकार
माननारु, आभार तळे आवेलु
आभीर पु० [स] आहीर, गोवाळ (२)
एक छंद के राग
आभूषण पु० [स] घरेणु [भीतरनु
आभ्यंतर,—रिक वि० [स] अंदरनु
आमंत्रण पु० [स] नोतरु
आमंत्रित वि० [स] नोतरेलु
आम पु० [स आम्र] आंबो के केरी
(२) आम, जळम (३) वि० [अ]
सामान्य, मामूली (४) जाणीतु, प्रसि
(वस्तुनी साथे वपराय छे)
आमखास पु० राजानी खास बेठक
दीवानेआम
आमद स्त्री०[फा] आववु ते (२) आवक
आमदनी स्त्री० [फा] आमदानी,
आवक (२) आयात, परदेशथी
आवतो माल
आमन स्त्री० शियाळु पाक (२) एक
ज पाक देती जमीन
आमनस्य पु० [स] वमनस्य
आमना सामना पु० सामासामी आवी
जवु ते, वाझवाझा
आमने-सामने अ० आमने-सामने, एक
बीजानी सामे, माहामाहे
आम फहम वि०[अ +फा] आमजनताने
समजाय एवु, सरळ
आमय पु० [स] रोग, बीमारी
आमरख पु०जुओ 'अमरख', अमष क्रोध
आमलक, आमला पु०'आवला', आमळ
आमादगी स्त्री० [फा] तयारी
आमादा वि० [फा] तयार, तत्पर
आमाल पु० [अ] करणी, कम
आमाल-नामा पु० [अ] नोकरनी
'सर्विस बुक', तनी लायकात, काम
इ०नु रजिस्टर
आमास पु० [फा] सोजा
आमाहलदी स्त्री० जुओ 'आंबाहलदी'
आमिख पु० जुओ आमिष'
आमिल पु० [अ] नोकर, गुमास्तो
(२) सिद्ध पुरुष
आमिष पु० [स] मांस (२) प्रिय
भोग्य वस्तु (३) लाभ, लालच
आमी स्त्री० नानी केरी, मरवो

आमीन अ० [अ] तथास्तु
आमुख पु० [स] प्रस्तावना
आमूदा वि० [फा] तजरु ठीरठाक करी गाठवल
आमेज वि० [फा] मिश्रित (प्राय समासमा उदा० दद-आमेज)
आमेजिश स्त्री० [फा] मिलावट, मिश्रण भळ
आमोख्ता पु० [फा] तयार करला पाठ क रसन –करना या पढ़ना= जूना पाठ फरी करी जवा
आमोद पु० [स] आनन्द मनोरजन
आमोद प्रमोद पु० [स] मजा, मनोरजन
आमोदी वि० आनदी
आम्र पु० [स] आबा के करा
आयँ-जायँ पु० जुआ जायबाय'
आय स्त्री०[स]आय आवरा, आमदानी
आयत स्त्री० [अ]निशानी (२)कुराननी आयात (३) वि० [स] चाडु विशाळ
आयद वि० [अ] आरोपित
आय-व्यय पु० [स] आवक अन खच
आयस पु० [स] लोढु (२) बखतर
आयसी वि० लाखडी (२)पु० बखतर
आयसु स्त्री० (प) आदश, आज्ञा
आया स्त्री० आया (२) अ० [फा] प्रश्नाथक 'शु'
आयात प०[स] परदेशथी थती आयात
आयास पु० [स] प्रयास, प्रयत्न
आयु स्त्री० उमर, आयुष
आयुध पु० [स] हथियार
आयुर्वेद पु० [स] वदक
आयुष्मान वि० [स] दीर्घायु, चिरजीवी
आयुष्य पु० [स] आयु, उमर
आयोजन पु० [स] प्रबध तयारी (२) साधनसामग्री
आरभ पु० [स] शरूआत
आरभना अ०क्रि० शरू थवु (२)स०क्रि० शरू करव
आर पु० [स] रातु लोढु (२) पित्तळ (३) किनारो (४) पडानो आगो (५) स्त्री० [स अर] पराणानी आर ( ) वीछी क माखीनो डख (७) [स आरा] मोचीनी आरी (८) [अ] तिरस्कार (९) वर (१०) लाज शरम
आरकत वि० [स] लाल
आरज वि० [स आर्य] (प) आर्य
आरजा पु० [अ] बीमारी, रोग
आरजी वि० [अ] अवास्तविक (२) कामचलाउ
आरजू स्त्री० [फा] इच्छा (२) विनति
आरण्य, ०क वि० [स] अरण्यनु क ते सबधी, जगली
आरत वि० आर्त, दुखी, व्याकुल
आरति स्त्री० दुख, अर्ति (२) [स] वराग्य, निवृत्ति [गीत
आरती स्त्री० दवनी आरती के तनु
आरन पु० (प) वन, अरण्य
आर पार पु० बेउ किनारा (२) अ० आरपार, सोसरु
आरब्ध वि० [स] आरभायेलु
आरस पु० आळस (२) स्त्री० आरसी
आरसी स्त्री० आरसी, दपण (२) स्त्रीओनु हाथनु एक घरेणु
आरा पु०[स] करवत (२) मोचीनी आर
आराइश स्त्री० [फा] सजावट (२) बगीचामा कागळनी फूलवाडी करे छे त
आराजी स्त्री० [अ] जमीन, खेतर

आराति पु० [स] शत्रु, वैरी
आराधना स्त्री० [स] पूजा, उपासना (२) स० क्रि० आराधव, पूजवु
आराम पु० [स] बाग (२) [फा] चेन, सुख (३) थाक खावो ते आरामसे = निराते, फुरसदे, धीरे धीरे
आराम कुरसी स्त्री०[फा + अ] आराम खुरसी [(२) आळसु
आराम तलब वि० [फा] आरामप्रिय
आरास्ता वि० [फा] सजेलु
आरिफ वि०[अ] सतोषी (२) प० साधु
आरियत स्त्री० [अ] उछीनु मागी आणवु ते
आरिया स्त्री०[स आरू] आरियु चीभडु
आरी स्त्री० आरी, नानी करवत (२) पराणानी आर (३) मोचीनी आरी (४) [स आर] बाज तरफ (५) कोर
आरी वि० [अ] थाकेलु, कटाळेलु —आना = कटाळवु, थाकव
आरूढ वि० [स] सवार थयेलु चडेलु (२) दृढ, मक्कम (३) तयार, तत्पर
आरोग,—ग्य वि० नीरोगी, तदुरस्त
आरोगना स० क्रि० आरोगवु, खावु
आरोग्यता स्त्री० तदुरस्ती, स्वास्थ्य
आरोप पु० [स] आक्षेप, तहोमत (२) खोटी कल्पना के आरोपण
आरोपना स०क्रि० (प) आरोपवु (२) लगाववु, रोपवु
आरोह पु० [स] उपर चडवु ते (२) चडाई (३) ऊगवु ते
आरोही वि०[स] चडनार (२) पु० सवार
आर्जव पु० [स] ऋजुता, सरळता
आर्टिकिल स्त्री० [इ] लेख
आर्त्त वि०[स] 'आरत', दुःखी व्याकुळ
आर्त्ति स्त्री० [स] पीडा, दुःख
आर्थिक वि० [स] अर्थ सबधी
आर्द्र वि० [स] भीनु
आर्द्रा स्त्री० [स] एक नक्षत्र (२)
आर्य,—र्य वि० [स] उत्तम, श्रेष्ठ
पु० श्रेष्ठ पुरुष
आर्ष वि०[स] ऋषि सबधी(२)वेदने ल
आलब,०न पु० [स] आलबन, टेक आधार
आल पु० हरिताल (२) बखेट, प्र (३) [स आर्द्र] भीनाश (४) स्त्र [अ] दीकरीनी सतति (५) वश
आल-औलाद स्त्री० [अ] बाळबच्चा परिवार
आलकस पु० आळस (—सी वि० आळ —सना अ०क्रि० आळसवु)
आल-जजाल स्त्री० झखट, जजाळ
आलथी-पालथी स्त्री० बन्ने पग ज पर चडावीने बेसवानु आसन
आलपीन स्त्री० [पो आल्फिनट टाकणी, पिन
आलबाल पु० आळवाल क्यारो
आलम पु०[अ] दुनिया (२) दशा (भीड, समूह
आलमारी स्त्री० जुओ 'अल्मारी
आलय पु० [स] जगा (२) घर
आलवाल पु० [स] क्यारो
आलस वि० आळसु (२) पु० आळ
आलसी वि० आळसु
आलस्य पु० [स] आळस
आला पु० [स आलय] ताको, गो (२) [स आर्द्र] भीनु (३) वि० [अ उत्तम श्रेष्ठ (४) पु० [अ] ओजा
आलाइश स्त्री० [फा] गदकी, मळ

आलात पु० [स] वळतु लाकडु (२) [अ] ओजारो साधनसामग्री 'उपकरण' –काश्तकारी = खेतीना हळलाकडा
आलान पु० [स] हाथी बांधवाना खीलो के दोर या साकळ [आलाप
आलाप पु० [स] वातचीत (२) संगीतनो
आलापचारी स्त्री० खूब आलापथी गावु ते
आलापना स० क्रि० गावु सूर काढवा
आलापाला प० झाडनो आलोपालो
आलापी वि० [स] बोलनार (२) गावामां आलाप लेनार
आलिंगन पु० [स] भेटवु ते
आलिंगना स० क्रि० (प) आलिंगवु–भेटवु
आलि स्त्री० [स] सखी (२) वीछी (३) भमरी (४) हार, पंक्ति
आलिम वि० [अ] पंडित विद्वान
आली स्त्री० [स] सखी (२) वि० स्त्री० (हि आल) भीनी (३) वि० [अ] उच्च, उत्तम
आलीजाह वि० [अ] ऊंचा दरज्जानु
आलीशान वि० [अ] आलेशान, भव्य विशाळ, भभकदार
आलू पु० [स] बटाटा
आलूचा प० [फा] आलु जेवु थाड के फळ
आलूदा वि० [फा] खरडायेल
आलूबुखारा पु० [फा] आलुबुखार
आलेप पु० [स] लेपण
आलेख्य पु० [स] चित्र (२) वि० लखवा जेवु
आलोक पु० [स] प्रकाश, रोशनी (२) चमक [तपास
आलोचन पु० [स] विवेचन, गुणदोषनी
आल्हा पु० एक छन्द (२) एक वीर पुरुषनु नाम
आव-आदर पु० आदर-सत्कार
आवज (–झ) पु० [स आवाद्य प्रा आवज्ज] एक जातनु पुराणु वाद्य
आवा पु० (प) आववु ते, आगमन
आव भगत स्त्री० जुओ आव-आदर
आवरण प० [स] ढांकण पडदो (२) अज्ञान
आवर्दा वि० [फा] आणेलु (२) कृपापात्र
आवली स्त्री० [स] पंक्ति हार
आवश्यक,–कीय वि० [स] जरूरी
आवा पु० कुंभारनो निभाडो
आवागम (–व) न पु० आवागमन आववु जवु, जन्ममरण
आवाज स्त्री० [फा] ध्वनि, अवाज (२) बोल –उठाना = विरोध करवो –देना, मारना, लगाना = जोरथी पोकारवु, बूम मारवी –पडना = अवाज बेसवो (२) अवाज दई बोलाववु –में आवाज मिलाना = स्वर मेळववो (२) हामां हा भणवी
आवाजा पु० [फा] कटाक्ष, टोणो –कसना,–फेंकना,–मारना, –सुनाना = टोणो मारवो
आवाजाही स्त्री० आववु जवु आवागमन
आवारगी स्त्री० [फा] बदमासी कुमार्ग (२) रखडेलपणु, 'आवारा' पणु
आवारजा पु० [फा] 'अवारजा' जमा उधारनो चोपडो
आवारा वि० [फा] नकामु, रखडल (२) वठी गयेलु (३) बदमास कुमार्गी
आवारागर्द वि० [फा] रखडल नकामु
आवास पु० [स] रहेठाण (२) घर
आवाहन पु० [स] मंत्रथी देवने बोलाववा ते
आविष्कार पु० [स] प्रगट थवु ते (२) शोध 'ईजाद [घेरायेलु
आवृत्त वि० [स] छूपु, ढंकायेलु (२)

आवृत्ति स्त्री० [म] वारवार करवु के पढवु ते, अभ्यास
आवेश पु० [म] जोश, जोर
आवेज़ा पु० [फा] लटकतु आभूषण, एरिंग
आवेदक वि० [स] अरजी के निवेदन करनार
आवेदन पु० [म] निवेदन (२) अरजी
आवेदनपत्र पु० [प] अरजीपत्र
आवेग पु० [म] जोश, आवेश (२) वायुनो रोग
आशका स्त्री० [म] शका, डर, सदेह
आशकार वि० [फा] प्रगट जाहेर खुल्लु
आशना वि० [फा] परिचित (२) प्रमी (३) प्रेमपात्र, यार
आशनाई स्त्री० जाणपिछाण (२) प्रेम (३) अनुचित सबध, यारी
आशय पु० [स] हेतु इरादो (२) इच्छा वासना (३) स्थान–जम के जलाशय
आशर पु० [म] राक्षस
आशा स्त्री० [म] इच्छा, उमद (२) भरोसा (३) दिशा
आशिक पु० [अ] आशक, आसक्त
आशियाँ, आशियाना पु० [फा] पक्षीनो माळो (२) झूपडु
आशिष, स्त्री०, आशीर्वाद पु० [म] दुवा
आशु अ० [म] झट, जल्दी
आशुग वि० [स] जलदी जनार (२) पु० वायु (३) बाण
आशुफ्तगी स्त्री० [फा] हालहवाल, बेहाली, परशानी
आशुफ्ता वि० [फा] बेहाल, परेशान, गभरायेलु
आशोब पु० [फा] आसनो पाडा

आश्चय,–र्य पु० [स] अचबो, नवाई, ताजुबी –करना, –मानना, –होना= आश्चर्य पामवु
आश्चर्यि(–र्यि)त वि० ताजुब, चकित
आश्रम पु० [म] विश्रामनी जगा (२) ऋषिनो आश्रम (३) जीवननी चार अवस्था – ब्रह्मचय गहस्थ वगर
आश्रमी वि० [म] आश्रम सबधी (२) आश्रममा रहेनार
आश्रय पु० [म] आशरो, आधार (२) शरण (३) घर
आश्रयी वि० [स] आश्रय लेनार
आश्रित वि० [स] आशरे रहेलु के आवेलु (२) आधीन
आश्लेषा स्त्री० [स] एक नक्षत्र
आश्वास,०न पु० [स] दिलासो, सात्वन
आश्विन पु० [स] आसो मास
आषाढ पु० [स] अषाढ मास
आषाढ़ा स्त्री० [स] एक नक्षत्र
आषाढी स्त्री० [स] अषाढी पूनम
आस स्त्री० आशा (२) लालच, कामना (३) आधार, भरासो (४) [फा] दळवानी घटी
आसकत स्त्री० (वि०–ती, क्रि०–ताना) सुस्ती, आळस [मोहित
आसक्त वि० [म] राग के वासनावाळु,
आसक्ति स्त्री० [स] राग चाहना, मोह
आसते अ० आस्ते, धीमे
आसन पु० [म] बेसवानी रीत, बठक (२) ठराणु, जगा (साधुनी)
आसना अ० क्रि० [स अस्] होवु
आसनो स्त्री० नानु आसन
आसन्न वि० [स] पासेनु, नजीकनु
आसपास अ० पास, आजुबाजु, गारवरक

आसमान पु० [फा] आभ, आकाश —के तारे तोड़ना, —टूट पड़ना = अचानक विपत्ति पडवी दिमाग आसमान पर होना = बहु अभिमान थवुं —पर चडवा = माथे चडाववुं —में छेद करना = कठण के अशक्य काम करवुं —सिर पर उठाना = भारे धांधल मचाववुं

आसमानी वि० आसमान रंगनु (२) आकाशनुं (३) दैवी (४) स्त्री० ताडी

आसरना स०क्रि० (प) आशरो लेवो

आसरख [प्रतापकी(३)आशा

आसरा पु० आश्रय आधार (४) राह

आसव पु० [स] अर्क (२) दारू (३) औषधिनी एक रीत

आसवी वि० दारू पीनार

आसा स्त्री० (प) आशा (२)[अ असा] राजाओनी आगळ रखाती छडी

आसाइश स्त्री० [फा] आसाएश आराम

आसान वि० [फा] सहेलुं सरल

आसानी स्त्री० [फा] सरळता, सुगमता

आसामी वि० आसाम देशनुं के तेने लगतुं (२) स्त्री० आसामी भाषा (३) पु० व्यक्ति, जण

आसार पु० [अ] चिह्न लक्षण (२) चाडाई, पहोळाइ (३) स्त्री० [स] मुसळधार वृष्टि

आसावरी स्त्री० एक राग आशावरी (२) पु० एक जातनुं कबूतर के सुतराउ कपडुं

आसिन पु० आश्विन —आसो मास

आसीन वि० [स] बेठेलुं, विराजेलुं

आसीस स्त्री० आशिष (२) पु० उशीकुं

आसु अ० (प) आशु, शीघ्र (२) स० आनुं, 'इसका'

आसुर पु० (प) आश्विन मास

आसुर वि०[स] असुर —राक्षसने लगतुं (२) पु० असुर [स्त्री

आसुरी वि० राक्षसी (२) स्त्री० असुर

आसूदगी स्त्री [फा] तुष्टि आसूदा पणुं

आसूदा वि० [फा] संतुष्ट (२) संपन्न शांतिपूर्ण (नाम —दगी स्त्री)

आसेब पु [फा] भूतप्रेत वळगवुं ते (२) दुःख पीडा कष्ट

आसोज पु० [स अश्वयुज्] आसो मास

आसौं अ० आ वर्ष आ साल

आस्तिक वि० [स] आस्थावाळु, ईश्वर, वेद इ० मां माननार

आस्तीन स्त्री० [फा] कपडानी बांय —का सांप=मित्र थईने शत्रुता करनार मार आस्तीन

आस्था स्त्री०[स] श्रद्धा पूज्यभाव (२) बेठक, सभा (३) अपेक्षा, आशा

आस्पद पु० [स] स्थान (२) पद प्रतिष्ठा (३) वंश, खानदान

आस्वाद पु०[स] स्वाद, मजा, लहेजत

आह अ० पीडा शोक, खेद इत्यादि सूचक उद्गार (२) स्त्री० दुःख के क्लेशसूचक शब्द, हाय —पड़ना = कोईनी हायनो शाप लागवो —भरना = निसासो नाखवो —लेना = कोईनी हाय लेवी, सताववुं [सटकारो

आहट स्त्री० पगनो अणसारो, आवकारो

आहत वि० [स] घायल, जखमी (२) जर्जरित, जूनुं (३) कंपित

आहन पु० [फा] लोढुं (वि० —नी)

आहनगर पु० [फा] लुहार

आहनगरी स्त्री० लुहारकाम [कठोर

आहनी वि०[फा] आहन —लोढानुं (२)

आहर पु० [म जह] समय (२) [स आहव] युद्ध (३) [स आहाव] नानु तळाव, तळावडी
आहरी स्त्री० नानी तळावडी
आहव पु० [स] युद्ध (२) यज्ञ
आहवन पु० [म] हवन करवु ते
आहा स्त्री० हाक (२) पोकार
आहा अ० अहा! अहो!
आहार पु० [म] खोराक
आहित वि० [म] मूकेलु, स्थापलु (२) गीरो मूकेलु
आहिस्तगी स्त्री० [फा] मदता धीमापणु (२) कोमळता
आहिस्ता अ० [फा] आस्ते धीमे, 'आसते' (२) वि० धीमु (३) कोमळ
आहुक पु० [म] एक राजा, कृष्णना वडवो
आहुत पु० [म] आदर, सत्कार, आतिथ्य (२) भूतयज्ञ
आहुति स्त्री० [स] हवन के तेनी सामग्री
आहू पु० [फा] मृग (२) खोड, ऊणप
आहूत वि० [स] आह्वान करेलु, बोलावेलु
आह अ० क्रि० (प) 'हु', छे
आहो–जारी स्त्री० 'आह व जारी', रोककळ, हायहोय
आह्निक वि० [स] दनिक (२) पु० राजी
आह्लाद पु० [स] आनद, खुशी
आह्वय पु० [स] नाम, सज्ञा
आह्वान पु० [म] बोलाववु ते (२) यज्ञमा देवनु आह्वान (३) अदालतना 'समन्स'

इ

इक स्त्री० [इ] शाही
इग पु० [म] इशारो, चिह्न (२) हालवु चालवु ते (३) हाथीदात
इगला स्त्री० इडा नाडी (योग)
इगलिश वि० [इ] अग्रेजी (२) स्त्री० अग्रेजी भाषा
इगलिस्तान पु० इग्लड देश
इगित पु० [म] चाळा, इशारा
इगुदी स्त्री० [म] इगारी, हिंगोट
इगुर पु० जुओ 'इगुर'
इंगुरोटी स्त्री० सिंदूरनी डबी
इच स्त्री० [इ] इच माप
इंधना अ० क्रि० एचवु, खचवु, ऍचना
इजन पु० एन्जिन, इजिन
इजीनियर पु० इजनेर
इजील स्त्री० यहूदीनु धर्मपुस्तक, जूना करार
इडुरी स्त्री०, इडुवा पु० ऊढण, उढाणी
इतकाम पु० [अ इतिकाम] बदलो, प्रतिशोध, सामु वेर लेवु ते
इतकाल पु० [अ] अन्तराल, मोत (२) एकथी बीजी जगाए जवु ते
इत(–ति)लाव पु० [अ] टूटणी, परुण्णा
इतजाम पु० [अ] प्रबध, बदोबस्त
इतजार पु० [अ] इतजारी, राह, वाट
इत(–ति)हा पु० [अ] अत, हद
इंदारा पु० कूवा, 'इनारा'
इदु पु० [म] चद्र (२) कपूर
इदुर पु० [म इन्दूर] उदर

इद्र वि० [स] विभूतिमान (२) श्रेष्ठ मोटु (३) पु० इन्द्रदेव
इद्रगोप पु०[स] चामासानु एक जीवडु
इद्रजाल पु० [स] जादु, माया
इद्रजाली पु० [स] जादुगर
इद्रधनुष पु० [स] मेघधनुष
इद्राणी स्त्री० [स] इन्द्रनी स्त्री, शचि (२) मोटी इलायची
इद्रिय स्त्री०[स] ज्ञान के कमना साधन रूपी शरीरनो कोई अवयव
इद्री स्त्री० इन्द्रिय
इद्री-जुलाब पु० पशाब वधारे एवी दवा
इसाफ पु० [अ] इन्साफ, न्याय (२) फसलो –पसद=न्याय मागनारो
इक वि० एक
इकइस वि० 'इक्कीस' एक्वीस २१
इकट्ठा वि० [स एकस्थ] (स्त्री०–ट्ठी) एकत्र, एकठु, जमा
इकतरा पु० एकातरो ताव
इकता,०ई स्त्री० (प) एकता
इकतान वि० एकतान, एकाग्र
इकतार वि० एक्तार, बरोबर (२) अ० लगातार [कपडु
इकतारा पु० एकतारा (२) एक जातनु
इकतीस वि० एकत्रीस, ३१
इकदाम पु० [अ] अपराध करवानी तयारी (२) इरादो
इकबारगी अ० सहसा, एकदम, 'एकबारगी'
इकबाल पु० [अ] 'एकबाल', भाग्य (२) ऐश्वय [आदर
इकराम पु० [अ] दान, इनाम (२)
इक़रार पु० [अ] एकरार, वायदो
इकला वि० एकलु, 'अकेला'
इकलाई स्त्री० एकलापणु (२) साफाना जेवु एक मीणु वस्त्र (रेशमी प्राय)
इकलौता पु० एकनो एक छोकरो
इकल्ला वि० एकवडु (२) एकलु
इकसठ वि० एकसठ, ६१
इकसाम पु० जुओ 'अकसाम
इकहरा वि० 'एकहरा एकवडु
इकाई स्त्री० जुआ 'एकाई
इकात वि० (प) एकात एकलु
इकावन वि० ५१ 'इक्यावन'
इकासी वि० इक्यासी', ८१
इक्का वि० [स एक] एकाकी, एकलु (२) अद्वितीय (३) पु० गजीफानो एक्को (४) एक्को–गाडी (५) एकल्वीर एक्को
इक्का-दुक्का वि० एकलदोकल
इक्कीस वि० एकवीस, 'इकइस' २१
इक्तफा पु०[अ] धरपत, सतोष तृप्ति
इक्यावन वि० ५१, एकावन
इक्यासी वि० ८१, एकाशी
इक्षु पु० [स] शेरडी, 'ईख'
इख़राज पु० [अ] निकास (२) खच
इख़राजात पु० [अ 'खच नु व० व०] खच, व्यय
इखलाक पु० जुआ अखलाक
इख़लास पु०[अ] एखलास मत्री प्रेम
इख़्तराज पु०[अ] अखतरा (२) शोध
इख़्तसार पु० [अ] सक्षेप
इख़्तियार पु० [अ] अखत्यार अधिकार, सामर्थ्य
इख़्तिलाफ पु०[अ] विरोध, अणबनाव
इच्छना स० क्रि० (प) इच्छवु, चाहवु
इच्छा स्त्री० [स] मरजी, कामना
इच्छित वि० इच्छेलु, इष्ट
इच्छु,०क वि० [स] इच्छनार

इजतराब पु० [अ इजतिराब] गभराट (२) बेचेनी
इजतिनाब पु० [अ] परहेजी (२) सयम
इजमाल पु० [अ] समस्त, समष्टि (२) सहियारी माल्की [अमल
इजरा पु०[अ] जारी करवु(२) व्यवहार,
इजराय पु०[अ] अमल, उपयोग (२) चालु करवु ते प्रचार
इजलास पु० [अ] बेठक (२) कचेरी
इज़हार पु० [अ] जाहेरात, प्रकाशन (२) साक्षी, जुबानी
इजाजत स्त्री० [अ] आज्ञा, हुकम (२) परवानगी, हुक्म
इजाफा पु०[अ] चडती वृद्धि (२) बचत
इजाबत स्त्री० [अ] मजूरी, स्वीकार (२) मलत्याग
इजाया पु० [अ] एक यहूदी पेगबर
इजार स्त्री० [फा] इजार, पायजामो
इजारबद पु० [फा] इजारबन्द, नाडु -का ढीला=छूटी काछडीनो, कामी
इजार(-रे)दार वि० [फा] इजारदार ठेकेदार
इजारा पु०[अ] इजारो (२) अधिकार
इज्जत स्त्री० [अ] आबरू -उतारना= आबरू खावा के खराब करवी -करना=मान आपवु -देना=आबरू खोवी-दई देवी(२)जुओ '-करना' -होना=आदरमान थवु-कराबु
इठलाना अ० क्रि० वेडशी मारवी (२) नखरा करवा (३) जाणी जोईने मोडु करवु (नाम, इठलाहट स्त्री०)
इत अ० [स इत] आ बाजू, अहीं
इतना(-नो) वि० (स्त्री०-नी) आटलु
इतनमें अ० एटलामा

इतमाम पु० [अ] समाप्त करवु, पूरु करवु ते
इतमीनान पु० [अ] विश्वास (वि०-नी)
इतर वि० [स] बीजु (२) फालतु, साधारण (३) ऊतरतु हलकु (४) पु० 'इत्र', अत्तर [अणबनाव
इतराजी स्त्री० नाखुसदगी, विरोध,
इतराना अ० क्रि० घमड करवो (२) 'इठलाना' (नाम, इतराहट स्त्री०)
इतरेतर अ० [स] परस्पर, जदर जदर
इतलाक पु० [अ] 'इजराय', अमल बजावणी के तेनी नोध
इतवार पु० आतवार, रविवार
इताअत स्त्री०[अ] आज्ञापालन तावदारी
इताति स्त्री० (प) जुओ 'इताअत'
इताब पु०[अ] कोप, खफगी [अंत
इति अ०[स] पूरु (२) स्त्री० समाप्ति,
इतेक वि० 'इतना', आटलु
इतो,-त्तो वि० (प) 'इतना', आटलु
इत्तफाक पु० [अ] इत्तिफाक, मेळ, एकता (२) सजोग, अवसर -पडना= सयोग आववो, मेळ खावो
इत्तफाकन [अ], इत्तफाकसे अ० सजोगवशात, अकस्मात
इत्तफाकिया वि० [अ] आकस्मिक
इत्त(-त्ति)ला स्त्री०[अ] खबर सूचना
इत्तसाल पु० [अ] मेळाप (२) सबध
इत्तहाद पु० [अ] एकता (२) दोस्ती
इत्तिला स्त्री० जुओ 'इत्तला'
इत्तिहाम पु०[अ] दोष आक्षेप तहोमत -देना=दोष दवो आक्षेप मूकवो
इत्तो वि० (प) जुओ 'इतो'
इत्यम् अ० [स] आम आ मुजब
इत्यादि अ० [स] वगेर

इत्र पु० [अ] अत्तर
इत्रफ(-फि)रोश पु०[अ] अत्तर वेचनार
इधर अ० आ बाजु अहीं **–उधर** अ० = अहीं तहीं (२) आसपास **–उधर करना** = ऊलटमूलट करवु रफेदफे करवु फदी नाखवु **–उधरकी बात** = सांभळेली वात अफवा (२) ठेकाणा वगरनी वात **–उधरमें रहना** = व्यर्थ समय खोवो **–उधर होना** = आघापाछा थवु (२) बगडवु भलाई जवु **–की उधर करना या लगाना** = अहींनी वात त्यां करवी सळगाडा करवा **–की दुनिया उधर होना** = असंभव वात बनवी
इन स० 'इस'नु ब० व०
इनसान पु० [अ] इन्सान, मनुष्य
इनसानियत स्त्री० [फा] माणसाई
इनान स्त्री० [अ] लगाम
इनाम पु० [अ] इनाम, बक्षिस
इनाम इकराम पु० इनाम अकराम, बक्षिस अने आदरमान
इनायत स्त्री०[अ] कृपा अनुग्रह (२) अहेसान, आभार, अनुग्रह (३) भेट एनायत **–करना** = भेट आपवं
इनारा पु० इँदारा, कूवो
इनेगिने वि० गणतर, थोडुक, चुनंदा
इक(-कि)श्राफ पु० [अ] जाहेर के खुल्लु थवु के पकडावु ते
इन्किलाब पु० [अ] क्रांति पल्टो
इन्किसार प० [अ] नम्रता
इत(ति)हा स्त्री० जुओ इतहा'
इंशा स्त्री० [अ] लेखनशैली **–की किताब** = पत्रलेखननी चोपडी
इन्सान पु० [अ] मनुष्य आदमी
इन्सानियत स्त्री० [फा] आदमियत मानवता [राज्य त
इन्सिदाद पु० [अ] कायमा लत वे
इन्ह स० (प) इन आ
इफरात स्त्री० [अ] अधिकता
इफलास पु [अ] गरीबी, दरिद्रता
इफशा वि० [अ] जाहेर खुल्लुं
इफतार पु० [अ] रोजा तोडवा–नास्तो करवो ते
इबरत स्त्री० [अ] समज, बोध
इबरानी वि० [अ] यहूदी (२) स्त्री० हिब्रू
इबलीस पु० [अ] शेतान
इबादत स्त्री० [अ] प्रार्थना, भक्ति
इबारत स्त्री० [अ] शैली
इब्तदा, इब्तिदाइ स्त्री० [अ] आरंभ, जन्म (२) मूळ ऊगम
इब्तदाई वि० [फा] शरूनु, प्रारंभिक
इब्न पु० [अ] पुत्र
इब्नत स्त्री० [अ] पुत्री
इमकान पु० [अ] शक्ति
इमदाद स्त्री० [अ] मदद
इमदादी वि० मदद अने मळती होय तेवु
इमरती स्त्री० [स अमृत] एक मीठाई
इमराज पु० मरज नु ब० व० रोगो
इमरोज अ० [फा] आज
इमला पु० [अ] श्रुतलेखन
इमली स्त्री० आमली
इमशब अ० [अ] आज राते
इमसाल अ० [फा] आ साल
इमाद प० [अ] थांभलो (२) आधार, विश्वास
इमाम पु० [अ] नेता, आगेवान (२) मुसल्मान धर्मगुरु
इमामदस्ता पु० खाडणी – पराई

इमामवाडा पु० ताजिया डुवाडे के तेनो उत्सव ज्या करे ते स्थान
इमारत स्त्री०[अ]इमारत, मोटु मकान (२) अमीरी
इमि अ० (प) आम
इम्त(-म्ति)ना पु०[अ] मनाई, निषेध
इम्तियाज पु० [अ] विवकवुद्धि, पारख
इम्तिहान पु० [अ] परीक्षा
इम्दाद स्त्री० [अ] जुआ 'इमदाद'
इम्साक पु० [अ] थभाववु, रोकवु ते (२) तोटो, कमी, ताण
इयत्ता स्त्री० [स] सीमा, हद, मर्यादा
इरशाद पु० [अ] आज्ञा, हुकम
इरसाल पु० [अ] (पत्र) मोकलवो ते (२) भरणु (महसूल)
इराक़ी वि० इराक देशनु (२) पु० एक जातना घोडा [इरादापूर्वक
इरादतन् अ० [अ] विचारपूर्वक,
इरादा पु०[अ] ख्याल, विचार, सकल्प
इरतकाब पु०[अ] कोई अपराध करवो ते (२) कोई काम माथे लेवु ते
इर्द गिर्द अ० आसपास चोतरफ गिर्द
इर्शाद पु० जुआ 'इरशाद'
इलज़ाम पु० जुओ 'इल्ज़ाम'
इलहाक पु० [अ] सबध, मेळाप
इलहाम पु० [अ] ईश्वरी अवाज,' अतरनाद
इलाका पु० [अ] सबध, क्षेत्र, लागतु वळगतु हावु ते (२) जमीनदारी (३) राज्य, इलाको
इलाकेदार पु० [फा] जमीनदार
इलाज पु० [अ] दवा, चिकित्सा (२) उपाय, युक्ति
इलाम पु० 'अलान', आज्ञा, सूचना
इलायची स्त्री० इलायची, एक तेजानो
इलावा अ० जुओ 'अलावा'
इलाही पु० [अ] अल्ला, ईश्वर (२) वि० ईश्वरी -खर्च = नकामु के वधारे खर्च -गज=अकबर चलावेलो गज (३३ इचना)
इल्ज़ाम पु०[अ]आरोप, आळ, आक्षेप -देना, लगाना = आरोप मूकवो
इल्तिजा स्त्री० [अ] प्रार्थना, निवेदन
इल्तिमास पु० [अ] प्रार्थना, 'इल्तिजा'
इल्म पु० [अ]विद्या, ज्ञान, आवडत
इल्लत स्त्री०[अ] बीमारी (२) झघड, पचात (३) दोष, अपराध (४) कुटेव
इल्लिल्लाह् श०प्र० [अ] हे ईश्वर ! महाय कर
इव अ० [स] पेठे, जेवु
इशरत स्त्री० [अ] आनद, खुशी (२) चेन, सुख, भोगविलास [प्रकाशन
इशाअत स्त्री० [अ] प्रसिद्ध करवु ते (२)
इशारत स्त्री०[अ]इशारा, सकेत सान
इशारतन अ० [अ] इशारा के सकेतथी
इशारा पु० [अ] इशारो (२) बारीक के थोडीक मदद, आधार
इश्क पु० [अ] महोबत, प्रेम, अनुराग
इश्कपेचाँ पु०[अ] लाल फूलनी एक वेल
इश्त(-श्ति)हार पु० [अ] नोटिस, जाहेरात, जाहेरखबर
इश्तिआल(-क) स्त्री० [अ] उत्तेजना, उश्केरणी -देना=उश्केरवु
इश्तियाक पु० [अ] इच्छा, आतुरता
इश्तिहार पु० जुओ 'इश्तहार
इष्ट वि० [स] इच्छेलु, वांछित (२) पु० इष्टदेव (३) मित्र (४) इट
इष्टका स्त्री० [स] इट

इष्टि स्त्री० [म] इच्छा (२) यज्ञ
इस स० आ ('यह'नु विभक्तिरूप)
इसपज पु० [इ स्पज] वादळी 'इस्पज'
इसपात पु० पोलाद, एक जातनु मजबूत लाढु
इसबगोल पु० [फा] जुआ 'इस्पगोल'
इसराफ पु०[अ] उड़ाऊपणु उडाउपणु
इसरार पु०[अ] हठ (२) आग्रह, अनुरोध
इसलाम पु० [अ] इस्लाम [(२)हजामत
इसलाह स्त्री०[अ] सुधारणा सशोधन
इसहाल पु० [अ] झाडा थई जवा ते
इसारत स्त्री० इशारत निशानी
इसे स० इस न चोथी तथा बीजीनु रूप
इस्कात पु० [अ] पतन, पडवु ते
इस्तग़ासा पु० [अ] दावो, फरियाद (अदालतमा)
इस्तदुआ स्त्री० [अ] विनती, निवेदन
इस्तमरारी वि० [अ] कायमा, नित्य
इस्तहकाम पु० [अ] मजबूती दृढता
ईस्तिजा पु०[अ] पशाव करीन ढफायी इन्द्रीने मुसलमान शुद्ध करे छे ते
इस्तिकबाल पु०[अ] स्वागत करव ते
इस्तिक़लाल पु० [अ] धय, दढता
इस्तिरी स्त्री० धोबीनी अस्तरी
इस्तिलाह स्त्री० [अ] कोई शब्दना खास पारिभाषिक उपयोग
इस्तिलाही वि० [अ] पारिभाषिक
इस्तिस्ना स्त्री० [अ] अपवाद (२) न मानवु ते
इस्तीफा पु० [अ इस्ति–अफा]राजीनामु
इस्तेमाल पु० [अ] उपयोग, वापर
इस्पज स्त्री० जुओ 'इसपज'
इस्पग़ोल पु०[फा]इसपगाळ, ऊटियु जीरु
इस्म पु० [अ] नाम सज्ञा
इस्लाह स्त्री० [अ] जुओ 'इसलाह'
इह अ० [स] अही, आ लोकमा
इहतिमाम स्त्री० [अ] कोशिश, प्रयत्न (२) प्रबध, व्यवस्था (३) निरीक्षण
इहतियात स्त्री० [अ] सावधानी जुओ 'एहतियात' –न् अ० सावधानीथी
इहसान पु० [अ] अहसान, आभार, कृतज्ञता –मद वि० आभारी
इहा अ० 'यहा', अही
इहाता पु० [अ] जुओ 'अहाता'

ई

ईगुर पु०[स हिंगुल, प्रा इंगुल] हिंगळोक
ईचना स०क्रि० खेचवु एचवु
ई जानिब श० प्र० अमे (मोटा लोक नानानी जोडे वातमा पोताने माटे आ वापरे छ)
ईट स्त्री० [स इष्टका] इट –चुनना= दीवाल बनाववा इटो चणवी डेढ़ या ढाइ ईंटकी मसजिद अलग बनाना= बधाथी ऊलटु वहेवु के करवु –पत्थर=काइ नही –से इट बजना= कोई घर के नगर नाश पामवु
ईंटा पु० इट
ईडरी स्त्री० ऊढण, 'इडुरी'
ईधन पु० इधण, बळतण [आख
ईक्षण पु०[स] जोवु के तपासवु ते(२)
ईख स्त्री० [स इक्षु] शेरडी, ऊख'

ईखना स० क्रि० [स ईक्ष्] (प) जोवु
इछना स० क्रि० (प) इच्छवु, 'इच्छना'
ईछा स्त्री० (प) इच्छा
ईजा स्त्री० [अ] ईजा –देना,पहुँचाना= ईजा पहोचाडवी–करवी –पहुँचना= ईजा पहोचवी–थवी
ईजाद स्त्री० [अ] शोध, नवु काई शोधवु के बनाववु त
ईठ पु०[स इष्ट](प) मित्र[स्त्री० इठी]
ईठि स्त्री० (प) दोस्ती
ईठा स्त्री० भाला, बरछी(२) ईठ'नु स्त्री०
ईढ स्त्री० (प) जिद्द, हठ
ईति स्त्री० [स] खेती बगाडनार उपद्रव विघ्न वगर (२) पीडा, दु ख
ईद स्त्री० [अ] मुसलमानोनी ईद –का चाद देखना=प्रियदर्शन करवु –के पीछे टर=वखत चूक्या पछी शो लाभ ।
ईदगाह स्त्री० ईदनी नमाजनी जगा
ईदश वि० [स] आवु
ईप्सा स्त्री० [स] इच्छा, अभिलाषा
ईप्सित वि० [स] इच्छित
ईमान पु० [अ] आस्था, आस्तिकता (२) सद्वृत्ति, नेक नयत (३) सत्य, सच्चाई –कापना = अनरमा डर लागवा –देना = ईमान छाडवु – जन करवु ०दार वि० ईमानवाळु
ईरान पु० [फा] ईरान देश
ईर्षा, –र्ष्या स्त्री० [स] अदेखाई, वेर
ईर्षा(–र्ष्या)लु वि० वरीलु, अदेखु
ईश पु० [स] ईश्वर (२) स्वामी राजा (३) अगियार सख्या
ईशान पु० [स] जुओ 'ईश' (२) ईशान खूणा [महादेव
ईश्वर पु० [स] भगवान, प्रभु (२)
ईषत्,–द अ० [स] जरा थोड
ईस पु० ईश ईश्वर
ईसवी वि० [फा] इस्वी, ईसु सबधी
ईसा, ईसामसीह पु० [अ] ईसु ख्रिस्त
ईसाई वि० [फा] ख्रिस्ती, खिस्ती
ईहा स्त्री०[स] इच्छा (२) लोभ, लालच

उ

उगल स्त्री० जुओ 'अगुल'
उँगली स्त्री० जुओ 'आगळी' (किसीकी ओर) –उठाना = आगळी चीधवी –ना दोष काढवो (२) आगळी अडकाडवी, जराय हानि पहोचाडवी –करना = सताववु –पकडते पहुँचा पकडना = आगळो आपता पाचो पकडवो उँगलियो पर नचाना=पोताने फावे तेम कराववु–चलाववु पाचो उँगलियाँ घीमें होना = बधा रीते लाभ ज थवो
उँघाई स्त्री० जुओ 'ओघाई'
उँघाना अ० क्रि० ऊघ आववी
उचन स्त्री० खाटलाना वाणन तग करवानी पागतनी दोरी
उचना स० क्रि० उचन' खेचवु
उचाई स्त्री०, उँचान(–व, –स) पु० ऊँचाई

उचास वि० ४९, ओगणपचास 'उनपचास

उछ,०वृत्ति स्त्री० खळु थया पछी खतरमा पडेला दाणा निवाहने माटे वीणी लेवा ते

उँजरा,–ला पु० जुओ 'उजाला'

उँडेलना स० क्रि० जुओ उडेलना'

उदुर पु० [म] उदर

उँह अ० ना सूचवता उद्गार (२) दुःखनो उदगार

उऋण वि० [स उत्+ऋण] ऋणमुक्त

उकटना स०क्रि० वारवार कहेवु

उकटा वि० (स्त्री० –टी) वारवार (अपराध के उपकार) कही बतावनार

उकटा पुरान पु० गईगुजरी के दबाई रहेली वातान विस्तारथी कहेवु ते

उकठना अ० क्रि० सुकाव, सुकाईन लाकडा जवु थवु

उकठा वि० सूकु

उकडूँ पु० [स उत्कुटार] एडी पर अद्धगडु के उभडक बसवु ते

उकताना अ०क्रि० अधीरु थवु गभराव (२) ऊबना', कटाळी जवु

उकबा पु० [अ] प्रलय (२) परलोक

उकलना अ०क्रि० छूटु – अलग पडव गूचायलु के चोडलु ऊखडवु ऊकलवु

उकलाइ स्त्री० ऊल्टी, वमन

उकलाना अ०क्रि० ऊलटी करवी आववु

उकसना अ०क्रि० ऊभा थवु उपर आववु (२) अकुर नीकळवा

उकसाना स० क्रि० (उकसना नु प्रेरक) उपर करवु (२) उश्केरव (३) दीवानी बत्ती वधारवी [फूटवु खीलवु

उकसौहा वि० ऊभरातु उपर ऊठतु (२)

उकाब पु० [अ] गरुड पक्षी के गीध

उका(–के)लना स क्रि० (छोडु के पड) साल्वु उखाडवु (२) चोटलु उखाडवु

उकासना स०क्रि० (प) उपर करवु (२) उश्केरवु

उकेलना स० क्रि० जओ 'उकालना'

उकौना पु० गर्भवतीनो दोहद

उक्त वि०[स]कहेलु बालेलु [कहेवत

उक्ति स्त्री० [स] कथन वचन (२)

उक्दा पु०[अ] गाठ (२) कोयडो समस्या

उखडना अ०क्रि० ऊखडवु (२) घाडानी चालमा भग पडवो (३) सगीतमा ताल के सूर बगडवा (४) हठवु अलग थवु (५) तूटी जवु **उखडी उखडी बातें करना**=विरक्तिथी वातो करवी **पर या पाव उखडना**=एक जगाए ठरी–ठाम न थवु

उखम पु० (प) उष्मा गरमी

उखल पु०, **उखली** स्त्री० [स उलूखल] खाडणियो [एक दाव

उखाड पु० उखाडवु ते (२) कुस्तीनो

उखाडना स०क्रि०उखाडवु('उखडना नु प्रेरक) **गड मुर्दे उखाडना**=गईगुजरी पाछी काढवी **पर उखाड देना**=पग काढवा हठावव

उखारी स्त्री० शेरडीनु खतर

उगटना स०क्रि० जुओ 'उकटना

उगना अ०क्रि० ऊगवु

उगलना स०क्रि० [प्रा उग्गिलन] ओकवु (२) थूकी काढवु **उगल पडना**=बहार नीकळी आववु **जहर उगलना**=झेर जवु गमे एव बालवु

उगलवाना, उगलाना स०क्रि० 'उग-लना न प्रेरक

उगवना, उगाना स० क्रि० 'उगना'नु प्रेरक, ऊगववु
उगार(–ल) पु० थूक, गळफो के कफ
उगालदान पु० थूकदानी
उगाहना स० क्रि० उघराववु, एकठु करवु
उगाही स्त्री० उघराववु ते (२) उघराणु (३) व्याजवटु धीरधार
उगिलना म०क्रि० जुओ उगलना'
उग्र वि० [स] प्रचंड, प्रबळ तेज (२) पु० महादेव
उघटना स०क्रि० ताल आपवो (२) गईगुजरी वारवार काढवी (३) भलु-बूरु कोइने कहवु (जुओ 'उक्टना')
उघटा वि० जुओ 'उक्टा'
उघड(–र)ना अ०क्रि० ऊघडवु (प्रेरक उघाड(–र) ना)
उचकन पु० वशान एक बाजु ऊचु करवा नीचे मुकातु टेकण
उचकना अ०क्रि० ऊचु थवु (२) कदवु (३) स०क्रि० ऊछळीने लेवु (प्रेरक उचकाना)
उचका अ० अेकदम अचानक
उचक्का पु० (स्त्री०–क्की) ऊचकी जनारा–चोर ठग बदमाश
उचटना अ०क्रि०अलग थवु, हटवु (२) उखडवु (३) भडकवु(४) विरक्त थवु
उचड(–र)ना अ० क्रि० ऊपड्वु (२) हठवु अलग थवु
उचना अ०क्रि०(प) ऊचु थवु, उचक-ना (२) स०क्रि० ऊचु करवु
उचरग पु० पतंगियु
उचरना अ०क्रि० आचरवु, बालवु(२) जुओ 'उचडना
उचाट पु०, उचाटी स्त्री० [स उच्चाट] उदासीनता, मन न लागवु ते
उचाटना स०क्रि० 'उचटना'नु प्रेरक(२) जीव हठाववो–काढी लेवा
उचाड(र)ना स०क्रि० 'उचडना'नु प्रेरक
उचाना स० क्रि० ऊचु करवु
उचारना स० क्रि० (प) उच्चारवु, बोलवु (२) जुओ 'उचाडना'
उचित वि०[स] योग्य, घटतु, वाजबी
उचेलना स० क्रि० जुओ 'उकेलना'
उच्च वि० [स] ऊचु (२) श्रेष्ठ
उच्च(–च्चा)रण पु०[स] उच्चारवु ते
उच्च(–च्चा)रना स० क्रि० ऊचरवु उच्चारवु, बोलवु
उच्चार, ०ण पु० [स] बोलवु ते
उच्छव पु० (प) ओच्छव
उच्छाव पु० (प) उत्साह
उच्छाह पु० (प) जुओ 'उछाह'
उच्छिष्ट वि०[स] एठु (२) पु० एठवाड (३) मध [उछाछळु
उच्छृंखल वि० [स] उद्दंड, निरकुश,
उच्छेद पु० [स] खंडन, नाश
उच्छ्वास पु० [स] श्वास [भटवु
उछग पु० (प) खाळो, गोद–लेना=
उछकना अ०क्रि० (प) छाक के नशो ऊतरवो, भानमा आववु
उछर(–ल)ना अ०क्रि० ऊछळवु, कूदवु (२) खूब राजी थवु (३) ऊपसवु (प्रेरक उछार(–ल)ना)
उछल-कूद स्त्री० खेलवु कूदवु ते (२) अधीराई, अजपो
उछलना अ० क्रि० जुओ 'उछरना'
उछादना स०क्रि० मन ऊचु करावु(२) (प) छाँटना', वीणवु

उछार(-ल) स्त्री० ऊछळवु – कूदको मारवो ते (२) छलग (३) ऊलटी
उछार(-ल)ना म० क्रि० 'उछरना'नु प्रेरक
उछाला पु० उछाळो, जोश (२) ऊलटी
उछाह पु० [स उत्साह] (वि० ही) उत्साह, उमग (२) उत्सव (३) उत्कठा, इच्छा
उजड(र)ना अ० क्रि० उज्जड, वेरान, अस्तव्यस्त थवु, नाश पामवु
उजड्ड वि० [स उद्दड] गमार असभ्य, मूर्ख (२) उद्दड निरकुश
उजबुक पु०[तु] एक जातनो तातार(२) वि० बेवकूफ मूर्ख
उजर पु० उजर, जुओ 'उज्र'
उजरत स्त्री० [अ] मजूरी (२) भाडु
उजरा वि० (प) जुओ 'उजला'
उजलत स्त्री० [अ] उतावळ, जलदी
उजलवाना स० क्रि० (घरेणा शस्त्र इ०) धोवडाववु साफ कराववु
उजला वि० (स्त्री०–ली) उज्ज्वळ ऊजळु, धोळु (२) स्वच्छ
उजागर वि० (स्त्री०–री) वगझगतु (२) प्रसिद्ध
उजागरा पु० उजागरा
उजाड(-र) पु० उज्जड स्थान (२) जगल (३) वि० उज्जड, वेरान
उजाड(र)ना स० क्रि० उजाडवु
उजान अ०नाम प्रवाह (भाठा थी ऊलटु)
उजारा(ला) पु० अजवाळु प्रकाश (२) वि० उज्ज्वळ
उजारी(-ली) स्त्री० चादनी
उजालना स० क्रि० (घरेणु, शस्त्र इ०) धावु, साफ करवु अजवाळवु (२) जाळवु, बाळवु
उजास पु० उजास, अजवाळु
उजियार पु० (२) वि० (प) जुओ 'उजारा (–ला)' ['उजालना'
उजियारना स० क्रि० (प) जुओ
उजियारा(-ला) पु० जुओ 'उजारा'
उजियारी स्त्री०(प) चादनी(२)प्रकाश
उजीर पु० (प) वजीर, प्रधान
उज्जल अ० जुओ 'उजान' (२) वि० (प) उज्ज्वळ
उज्ज्वल वि०[स] चळकतु, ऊजळु (२) धोळु, निमळ
उज्यारा पु० (प) जुओ उजारा'
उज्यास पु० (प) उजास
उजेर,–रा,–ला पु० (२) वि० जुओ 'उजारा'
उज्र पु०[अ] उजर वहानु (२) वाधा हरकत आपत्ति (३) माफी क्षमा
उज्र-स्वाही स्त्री० मरण प्रसगे दिलासो देवा–बेसवा जवु ते
उज्रदारी स्त्री० [फा] अदालतमा कोई मागणीनी सामे पोतानो वाधो रजू करवा ते
उज्र-माजिरत स्त्री०[अ] माफी, क्षमा
उझकना अ० क्रि० ऊछळवु (२) जोवा माटे ऊचु थवु (३) चमकवु
उझरना अ० क्रि० ऊछळवु उपर आववु
उझ(झि)लना स० क्रि० [स उज्झरण] प्रवाहीने उपरथी रेडवु ढाळवु (२) अ० क्रि० (नदीमा) रेल आववी
उटग वि० मापमा नानु (कपडु)
उटगन पु० एक छाड (पाननी शाक भाजी थाय छे) [करवु
उटकना म० क्रि० अटकळवु, अनुमान
उटज पु० [स] झूपडी

उठेंगन पु० जठीगण, टको
उठेंगना अ० क्रि० उठगव्, अठिगवु (२) सूवु पडया रहवु [बध करवु
उठगाना स० क्रि० (कमाड) वासवु,
उठना अ० क्रि० [स उत्थान] ऊठवु **उठ जाना**=मरी जवु **उठती जवानी**= ऊगती जुवानी
उठबठ स्त्री० ऊठवेस, ऊठवु वेसवु त, अजपा (२) ऊठवेस कसरत
उठल्लू वि० रखडल, अस्थिर
उठाईगीर(रा) वि० उठावगीर (२) बदमाश
उठाऊ-चूल्हा वि० उठल्लू, अस्थिर
उठान स्त्री० **उठाव** पु० [स उत्थान] ऊठवु त, उठाव (२) आरम्भ (३) उठाव, उपाड
उठाना स० क्रि० उठाववु **उठा देना**= खर्ची नाखवु उडावी दवु **उठा रखना**=बाकी राखवु
उठौआ(वा) वि० उठावीने आघुपाछु लई जवाय एवु
उठौनी स्त्री० उठाववु ते (२) उठाववानी मजूरी (३) उठमणा जेवा एक रीति (४) खेडूताने फसल पर अगाउथी दिराता नाणा
उडकू वि० ऊडी शके एवु
उडखाना अ० क्रि० अप्रिय लागवु
उडचक पु० चोर, 'उचक्का'
उड(र)द पु० जुआ 'उरद' **—पर सफदी**=धूळ पर लीपण
उडन स्त्री० ऊडवु ते
उडनखटोला पु० विमान
उडनछू वि०छूकरा जनारु गोटलीमार **—होना**=छू थई जवु
उडना अ० क्रि० ऊडवु (२) स० क्रि० कूदीने पार करवु **उड चलना** अ०क्रि० झपाटामा चालवु (२) कुमार्गे जवु (३) रोफमा चालवु (४) रसोई स्वादिष्ट बनवी
उडव पु० ओडव जातना राग
उडसना अ० क्रि० पथारी के बिस्तरा ल्पेटवो (२) नष्ट थवु
उडाऊ वि० ऊडनारु, उडाका (२) उडाउ, खरचाळ
उडाका(कू) वि० ऊडनारु, ऊडी शकनारु [कूदका, छलग
उडान पु० 'उडन', ऊडवु ते (२)
उडाना स० क्रि० उडाववु, 'उडना'नु प्रेरक
उडासना स० क्रि० बिस्तरा उठाववा-समटवा
उडिया वि० ओरिसा देशनु वासी
उडीसा पु उत्कल, ओरिसा
उडुंबर पु० [स] उमरडो
उडु स्त्री० [स] तारा (२) पक्षी (३) नाविक (४) पाणी
उडुप पु० [स] चद्र (२) होडी
उडंस पु० माकण
उडलना स० क्रि० रेडवु, ढाळवु
उडनी स्त्री० (प) आगियो
उड्डयन पु० [स] ऊडवु ते
उढकना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) रोकावु, थोभवु (३) टेको लेवो अढेलवु (प्रेरक-उढकाना)
उढरना अ० क्रि० नातरे जवु
उढरी स्त्री० रखात (२) नातरे आवेली स्त्री
उढाना स० क्रि० ओढाडवु, ढाकवु

उढावनी, उढौनी स्त्री० आढणी
उतग वि० (प) उत्तुग ऊच
उत, ०त अ० (प) ते तरफ त्या
उतना वि० (स्त्री० –नी) एटलु
उतरन पु० ऊतरेलु काढी पण वस्त्र
उतरना अ० क्रि० ऊतरव
उतराई स्त्री० नीचे ऊतरवानी क्रिया (२) नदी पार ऊतरवानु खर्च (३) उतार ढाळवाळी जमीन
उतराना अ०क्रि० [म उत्तरण] पाणीनी उपर आववु (२) ऊछळवु ऊभरावु (३) प्रगट थवु (४) स०क्रि० उतरावबु
उतरायल वि० ऊतरलु पुराणु
उतलाना अ० क्रि० उतावळ करवी
उतान वि० [म उत्तान] चीत, चत्तु
उतायल अ० (प) जुआ 'उतावल'
उतायली स्त्री० (प) जुओ उतावली'
उतार पु० ऊतरवु ते (२) नदीनो उतार (३) ज्वर, कैफ इ० ना उतार
उतारन स्त्री० उतारेलु – जीर्ण वस्त्र 'उतरन' (२) माथा पर दाणा इ० उतारीने वाळवा ते 'उतारा'
उतारना स० क्रि० उतारवु
उतारा पु० उतारो ऊतरवानी जगा(२) नदी पार करवी ते (३) भूत इ० माटे दाणा वगेरे उतारवा ते के तेनी वस्तु
उतारू वि० तयार, तत्पर
उताल अ० –ली स्त्री० (प) जुओ अनुक्रम उतावल, –ली
उतावल अ० जल्दी(२)स्त्री० उतावळ
उतावला वि० (स्त्री० –ली) उतावळु
उतावली स्त्री० उतावळ
उतृण वि० ऋणमुक्त
उत्त अ० 'उत', त्या, ते तरफ
उत्कठा स्त्री० [म] तीव्र इच्छा
उत्कट वि० [म] तीव्र, उग्र
उत्कर्ष पु०[म] श्रेष्ठता मोटाई (२) चढती उन्नति
उत्कुण पु० [म] माकण
उत्कृष्ट वि० [म] उत्तम श्रेष्ठ
उत्कोच पु०[म] लाच [पहेला पुरुष
उत्तम वि०[म] श्रेष्ठ –पुरुष=(व्या०)
उत्तमर्ण पु०[म] ऋण धीरनार महाजन
उत्तर पु० [म] उत्तर दिशा (२) जवाब (३) वि० पछीनु (४) चडियातु (५) अ० पछी
उत्तर क्रिया स्त्री० [म] कारज
उत्तरदाता पु० [म] जवाबदार माणस
उत्तरदायित्व पु० [म] जवाबदारी
उत्तरदायी वि० [म] जवाबदार
उत्तराधिकार पु० [म] वारसो –री पु० वारस
उत्तरायण पु० [म] उतराण
उत्तरीय पु० [स] उपरणु (२) वि० उत्तरनु (३) उपरनु
उत्तरोत्तर अ० [स] एक पछी एक, क्रमश (२) लगातार
उत्ता वि० 'उतना', एटलु
उत्ताप पु० [म] गरमी (२) दुख पीडा (३) शाप [थयेलु
उत्तीर्ण वि० [म] पारगत (२) पास
उत्तुग वि० [स] ऊचु, श्रेष्ठ
उत्तू पु०[फा] कपडा पर भात पाडवानु एक ओजार, जे गरम करीने वपराय छे,या त द्वारा थतु काम(२)वि०नशामा चकचूर –करना=खूब मारवु पीटवु
उत्तूकश, उत्तूगर पु० [फा] 'उत्तू नु काम करनार (जुआ 'उत्तू')

उत्तेजन पु० –ना स्त्री० [स] उत्तेजवु ते, प्रोत्साहन [उन्नति, चडती
उत्थान पु० [स] ऊठवु ते (२)
उत्थापन पु० [स] उठाडवु–जाग्रत करवु ते (२) हलावबु–डगावबु ते
उत्पत्ति स्त्री० [स] उद्भव, पेदाश, जन्म (२) आरंभ
उत्पन्न वि० [स] पेदा थयेलु, जन्मेलु
उत्पल पु० [स] कमळ
उत्पाटन पु० [स] उखाडवु ते, निकंदन
उत्पात पु० [स] उपद्रव, आफत (२) उधमात खळभळाट
उत्पादन पु० [स] पेदा करवु ते उत्पन्न
उत्सर्ग पु०[स] छोडवु ते त्याग (२)दान
उत्सव पु० [स] तहेवार, मगळ पर्व (२) आनंद
उत्साह पु०[स]उमग आनंदनो उछाळो
उत्सुक वि० [स] आतुर (२) तत्पर
उथपना स०क्रि० (प) उखाडवु, उथापवु, उजाडवु
उथलना अ० क्रि० [स उत्+स्थल] ऊथलवु, गबडवु (२) डामाडोळ थवु (३)पाणी ओछु थवु (जुओ 'उथला') –पुथलना=ऊथलपाथल थवु
उथल पुथल स्त्री० (२) वि० ऊथल-पाथल, ऊलटपूल्ट
उथला वि० छछरु, ऊडु नहि एवु
उदंत वि० दांत वगरनु (पशु माटे) (२) पु० [स] खबर
उदंतक पु० [स] उदंत, समाचार
उदक पु० [स] पाणी
उदय पु० (प) [स उद्गीथ] सूर्य
उदधि पु० [स] समुद्र
उदबस वि० (प) वेरान, सूनु

उदय
(२)
उदर
उदाई
(३)
उदार
ते

उद्दाम वि० [सं] उद्दाम निरंकुश (२) स्वतंत्र (३) महान गंभीर (४) पु० वरुण (५) एक वृत्त

उद्दिष्ट वि० [सं] दर्शावेलुं (२) अभिप्रेत उद्देश

उद्दीपन पु० [सं] उत्तेजित करनार के तेज करनार पदार्थ

उद्देश पु० [सं] इच्छा ( ) हेतु, कारण –श्य वि० (२) पु० ध्येय

उद्धत वि० [सं] उग्र न माठ एव (२) माथे ऊंच

उद्धरना स० क्रि० उद्धार करवो ( ) अ० क्रि० ऊगरवु उधरवु

उद्धार पु० [सं] मुक्ति छुटकारो (२) उन्नति (३) उधार वगरव्याजु देव

उद्धृत वि० [सं] उगारेलु उतारेलु

उदध्वस्त वि० [सं] नाश्य तूटघु

उदबोध, ०न पु० [सं] ज्ञान जागति

उद्भट वि० [सं] प्रबळ, श्रेष्ठ

उद्भव पु० [सं] उत्पत्ति (२) उन्नति

उद्भास पु० [सं] प्रकाश (२) प्रतीति

उद्भिज(–ज्ज,–द) पु० [सं] उद्भिद वनस्पति

उद्यत वि० [सं] तयार तत्पर

उद्यम पु० [सं] महेनत (२) उद्योग कामधंधो –मी वि०

उद्यान पु० [सं] बाग

उद्यापन पु० [सं] कोई व्रत नियमनी पूर्णाहुतिनी उजवणी

उद्योग पु०[सं] जुओ 'उद्यम' –गी वि०

उद्रेक पु०[सं] अतिशयता खूब वृद्धि

उद्वह पु० [सं] (स्त्री० हा) पुत्र

उद्वहन पु० [सं] उपर खेंचवु ते (२) उद्वाह, विवाह

उद्वासन पु० [सं] स्थान छोडाववु, भगाडवु ते (२) मारवु ते वध

उद्वाह पु० [सं] विवाह

उद्विग्न वि० [सं] उद्वेगवाळु [आतुर]

उद्वेग पु० [सं] व्याकुळता (२) मानसी

उधडना अ० क्रि० ऊखडवु (चामडु) अलग थवु उघडावु

उधर अ० ए तरफ सामी बाजु

उधरना अ०क्रि० (प) उद्धार छूटवु (२) जुओ 'उधरना ( ) स० क्रि० उद्धारवु

उधराना अ० क्रि० विखराई जवु, हवाथी ऊडी जवु (२) उन्मत्त थवुं

उधार पु० [सं उद्धार] करज ऋण, देवु (२) उधारे उछीनुं लेवुं ते (३) उद्धार –खाए बैठना=कोईने खाईनी आशा के आधार पर बेठा रहेवुं

उधारना स० क्रि० (प) उद्धारवु

उधेडना स०क्रि० उधेडवु (२) सीवण उकेलवु (३) विखेरवु

उधेडबुन स्त्री० [हिं उधेडना, बुनना] साधछोड विचारणा (२) पचात

उन स० उस नु ब० व० (२) [सं] अस्मा एक कम ए अर्थमा वपराय छे उदा० उनतीस'

उनइस वि० उन्नीस', १९

उनचालीस, उनतालीस वि० ओगण-चालीस, ३९

उनचास वि० 'उचास', ४९

उनतीस वि० ओगणत्रीस, २९

उनमना वि० जुओ 'अनमना'

उनमान पु० (प) अनुमान अदाज (२) माप (३) वि० समान

उनमानना स०क्रि० अनुमानवु अदाजवु

उत्तेजन

उत्तज

ते

उत्पा

उत्पा

वर

उत्पा

ज

उत्प

उत्पर

उत्पा

उत्पा

उ

उत्पा

उत्सग

उत्सव

(२)

उत्साह

उत्सुक

उथपना

उथापव

उथलना

ऊथलव

(३) पाणी

—पुथलना =

उथल-पुथल स्त्री

पाथल ऊलटपूल

उथला वि० छछरू,

उदत वि० दात वगरनं

(२) पु० [स] खबर

उदतक पु० [स] उदत, सम

उदक पु० [स] पाणी

उदय पु० (प) [स उद्गीय] सूय

उदधि पु० [स] समुद्र

उदबस वि० (प) वेरान, सुनु

उपविंगा स्त्री० [स] सूणा

उपदेश,-स पु० बोध, शिखामण

उपदेशक पु० [स] उपदेश आपनार

उपदेश(-स)ना स० क्रि० उपदेशवु

उपद्रव पु० [स] उत्पात गाळभळाट (२) उत्पात, दांफिसाद वखडा

उपद्रवी वि० [स] उत्पातियु, वखडा करनारु [नखमां रवु

उपधरना स० क्रि० (प) अपनाववु

उपधा स्त्री० [स] छळ कपट (२) उपाधि, पंजात [तकिया

उपधान पु० [स] टेको आधार (२)

उपनना अ० क्रि० (प) ऊपजवु ऊगवु (प्रेरक उपनाना)

उपनय,०न पु० [स] जनाई के उपवीत संस्कार [तखल्लुस

उपनाम पु० [स] बीजु नाम (२)

उपनिवेश स्त्री०[स]वसाहत, कालोनी

उपन्यास पु० [स] नवलकथा

उपपत्ति स्त्री० [स] साबिती प्रतिपादन करवु ते (२) हेतु

उपभोग पु० [स] माणवु, भोगववु ते

उपमा स्त्री० [स] तुलना (२) एक अलंकार [स्त्री० धाव

उपमाता पु० [स] उपमा देनार (२)

उपमान पु० [स] जेनी उपमा अपाय ते

उपमाना स० क्रि० (प) उपमा देवी सरखाववु

उपमेय पु०[स] जेने उपमा आपवानी ते

उपयुक्त वि० [स] योग्य, वाजबी

उपयोग पु०[स] खप (२) योग्यता (३) फायदा, लाभ (४) प्रयोजन जरूर

उपयोगी वि० [स] खपनु (२) लाभदायी (३) माफक, अनुकूळ

उपरत वि० [स] विरक्त (२) मरेलु

उपरति स्त्री० [स] वैराग्य (२) मरण

उपरना पु० उपरणु (२) अ० क्रि० जुओ 'उपडना' ऊखडवु

उपरफट(-ट्टू) वि० फालतु छूटक (२) ठाणा वगरनु हराम [अधमा)

उपरात अ० ते पछी (समयवाचक

उपराचढ़ी स्त्री० चडसा चडसी स्पर्धा

उपराना अ० क्रि० उपर आववु (२) प्रगट थवु (३) स० क्रि० उपर करवु उठाववु [आराम

उपराम पु० [स] उपरति, वैराग (२)

उपराला पु० उपराळु पक्ष लेवो ते -करना=उपराळु लेवु

उपरावटा वि० माथु ऊंचु राखनारु, गर्विष्ठ, अक्कड

उपरि अ० [स] उपर

उपरी उपरा पु० चडसा-चडसी, अहमहमिका, पडापडी, स्पर्धा

उपरना पु० उपरणु

उपरनी स्त्री० उपरणी, ओढणा

उपरोक्त वि० उपर के पहेलु कहेलु

उपरौंछा पु० अंगूछो, टुवाल (२) अ० उपरनु [(स्त्री० ठी)

उपरौठा वि० उपरनु, उपर आवेलु

उपर्युक्त वि० [स] उपरोक्त

उपल पु० [स] पथ्थर (२) 'ओला', करा (३) रत्न (४) वादळ

उपलक्ष,०क्ष्य पु०[स] चिह्न (२) उद्देश -में=(अमुक) दृष्टि के विचारथी

उपलब्ध वि० [स] मळेलु (२) जाणेलु

उपलब्धि स्त्री०[स] प्राप्ति (२) ज्ञान

उपला पु० [स उत्पल] छाणु, जरणु

उपली स्त्री० नानु जरणु

उनमुना वि० (प) मौनी, चूप
उनसठ वि० ओगणसाठ, ५९
उनहत्तर वि० ओगणोतेर, ६९
उनींदा वि० [स उन्निद्र] (स्त्री०–दी) ऊंघतु ऊंघ भरायेल
उन्का पु० [अ] एक कल्पित पक्षी (२) वि० अप्राप्य (३) दुर्लभ
उन्नत वि० [स] ऊंचु (२) उत्तम
उन्नति स्त्री० [स] ऊंचाई (२) चडती, तरक्की
उन्नाब पु० [अ] एक जातनु बोर (हकीमो दवामा वापरे छे)
उन्नाबी वि० उन्नाब ना रंगनु, घेरु लाल (२) पु० तेवो रंग
उन्नासी वि० ओगण्याएंशी, ७९
उन्निद्र वि० [स] निद्रा रहित (२) विकसित, खीलेलु
उन्नीस वि० ओगणीस, १९ **–बिस्वे**= अ० मोटे भागे घणु करीने **–बीस होना** =(बे वच्चे) भेद होवो, एकथी बीजु चडवु **–होना** = गुण के मात्रामां थोडु घटवु [विभ्रांत
उन्मत्त वि० [स] मदांध (२) पागल
उन्मन, ०स्क वि० [स] उदास, व्यग्र
उन्माद पु० [स] पागलपणु, चित्तभ्रम
उन्मार्ग पु०[स] खोटो मार्ग दुराचार
उन्मीलन पु० [स] खूलवु के खोलवु ते
उन्मुख वि० [स] उत्सुक (२) उद्यत
उन्मूलन पु०[स] जडमूळथी उखेडवु ते
उन्मेष पु०[स] पलकारो (२)झबकारो थोडो प्रकाश (३) खीलवु ते
उन्वान पु० [अ] (पुस्तक इ०नु)नाम दीपक (२) ढंग, रीत
उन्स पु० [अ] महोबत, प्यार
उन्हें स० तमने ('उन'नी बीजी ने चोथी विभक्तिनु रूप)
उपंग पु० एक वाद्य
उपकरण पु० [स] साधन सामग्री (२) छत्र चमर इ० राजचिह्न
उपकार पु०[स]भलाई(२)लाभ,फायदो
उपकारक, उपकारी वि०[स] उपकार करनार
उपकार्या स्त्री० तंबू [कृतज्ञ
उपकृत वि०[स] उपकार थयेलो, आवेलु,
उपक्रम पु० [स] आरंभ (२) भूमिका
उपक्रमणिका स्त्री०[स] अनुक्रमणिका सांकळियु
उपखान पु०(प)उपाख्यान, पुराणी कथा
उपग्रह पु० [स] कैद, बंधन (२) नाना के मोटा ग्रहनो ग्रह
उपचार पु० [स] इलाज दवा (२) सेवा, पूजन (३) लांच
उपज स्त्री० ऊपज, पेदाश (२) नवी सूझ, शोध, कल्पना (३) कपोलकल्पित
उपजना अ० क्रि० ऊपजवु
उपजाऊ वि० उपजाउ, फळद्रूप (भूमि)
उपजाना स०क्रि० उपजावदु, पेदा करवु
उपजीवन पु० [स] निर्वाहमां पराव लंबन [निशान, चिह्न
उपटन पु० 'उबटन', उपटण (२)
उपटना अ० क्रि० निशान पडवु, जेम के शाही पूठवानु के भारथी रेखा (२) ऊखडवु (प्रेरक –उपटाना
उपडना अ० क्रि० ऊखडवु, ऊपडवु (२) 'उपटना', निशान पडवु
उपत्यका स्त्री० [स] तळेटी
उपदंश पु० [स] चांदी के गरमी राग (२) गजक

उपदिशा स्त्री० [स] खूणो
उपदेश,-स पु० बोध, शिखामण
उपदेशक पु० [स] उपदेश आपनार
उपदेश(-स)ना स० क्रि० उपदेशवु
उपद्रव पु० [म] उत्पात, खळभळाट (२) उधमात दगोफिसाद, वखेडो
उपद्रवी वि० [म] उधमातियु वखेडो करनारु [शरणमा लेवु
उपधरना स० क्रि० (प) अपनाववु,
उपधा स्त्री० [स] छळ कपट (२) उपाधि, पचात [तकियो
उपधान पु० [म] टेको, आधार (२)
उपनना अ० क्रि० (प) ऊपनवु, ऊपजवु (प्रेरक उपनाना)
उपनय,०न पु० [स] जनोई के उपवीत सस्कार [तखल्लुस
उपनाम पु० [स] बीजु नाम (२)
उपनिवेश स्त्री०[म]वसाहत, 'कालोनी'
उपन्यास पु० [म] नवलकथा
उपपत्ति स्त्री० [म] साबिती प्रतिपादन करवु ते (२) हेतु
उपभोग पु० [स] माणवु भोगववु ते
उपमा स्त्री० [स] तुलना (२) एक अलकार [स्त्री० धाव
उपमाता पु० [स] उपमा देनार (२)
उपमान पु० [म] जनी उपमा अपाय ते
उपमाना स० क्रि० (प) उपमा देवी सरखाववु
उपमेय पु०[स] जने उपमा आपवानी त
उपयुक्त वि० [म] योग्य, वाजबी
उपयोग पु०[म] खप(२)योग्यता(३) फायदो, लाभ (४) प्रयोजन जरूर
उपयोगी वि० [म] खपनु (२) लाभदायी (३) माफक, अनुकूळ

उपरत वि० [स] विरक्त (२) मरेलु
उपरति स्त्री० [म] वैराग्य (२) मरण
उपरना पु० उपरणु (२) अ० क्रि० जुओ 'उपडना', ऊखडवु
उपरफट(-ट्टू) वि० फालतु, छूटक (२) ठेकाणा वगरनु, नकामु [अथमा)
उपरात अ० ते पछी (समयवाचक
उपराचढी स्त्री० चडसा-चडसी, स्पर्धा
उपराना अ० क्रि० उपर आववु (२) प्रगट थवु (३) स० क्रि० उपर करवु, उठाववु [आराम
उपराम पु० [स] उपरति, वैराग (२)
उपराला पु० उपराळु पक्ष लेवो ते -करना=उपराळु लेवु
उपरावटा वि० माथु ऊचु राखनारु, गर्विष्ठ, अक्कड
उपरि अ० [म] उपर
उपरी उपरा पु० चडसा-चडसी, अहमहमिका, पडापडी, स्पर्धा
उपरना पु० उपरणु
उपरनी स्त्री० उपरणी, ओढणी
उपरोक्त वि० उपर के पहेलु कहेलु
उपरौछा पु० अगूछो, टुवाल (२) अ० उपरनु [(स्त्री० ठी)
उपरौठा वि० उपरनु, उपर आवेलु
उपर्युक्त वि० [म] उपरोक्त
उपल पु० [स] पथ्थर (२) 'ओला', करा (३) रत्न (४) वादळ
उपलक्ष,क्ष्य पु०[म] चिह्न (२) उद्देश -में=(अमुक) दृष्टि के विचारथी
उपलब्ध वि० [म] मळेलु (२) जाणेलु
उपलब्धि स्त्री०[म] प्राप्ति (२) ज्ञान
उपला पु० [स उत्पल] छाणु, जेरणु
उपली स्त्री० नानु जरणु

उपल्ला पु० काई वस्तुना उपलो भाग

उपवन पु० [म] बाग [–सी वि०

उपवास पु० [स] न खावु ते, लाघो

उपवीत पु० [म] जनाई

उपशिष्य पु० [म] शिष्यनो शिष्य

उपसहार प०[म] समाप्ति (२) साराश

उपस स्त्री० दुगध, वदवो

उपसना अ०क्रि० गधावु सडवु, वासी थवु (प्रेरक उपसाना)

उपसग पु० [म] अपशुकन (२) दैवी उत्पात (२) व्याकरणमा उपसग–अनु, अव इ० [भाग, खाडी

उपसागर पु०[म] नानो समुद्र, समुद्रनो

उपस्थ पु० [म] गुह्य इद्रिय (२) पेढु (३) गोद (४) वि० पासे बेठेलु

उपस्थित वि० [स] हाजर (२) याद

उपस्थिति स्त्री० [स] हाजरी

उपहार पु० [स] भेट, नजराणु

उपहास पु० [स] –सी स्त्री० (प) हासी (२) निंदा

उपही पु० (प) अजाण्यु माणस परदेशी

उपाग पु०[स] अगनु अग, अगनो भाग, अश (२) तिलक

उपात्य वि० [स] छेल्लानी पहेलु

उपाइ, उ, व पु० (प) उपाय

उपाख्यान पु० [म] पुराणी कथा (२) वत्तात

उपाट(ड)ना स०क्रि० (प) उखेडवु

उपादान पु० [स] प्राप्ति, (२) जाण, बोध (३) मूळ पदाथ जमाथी वीजु काई वने त, कारण

उपाधि स्त्री० [स] उपाधि (पीडा, इल्काब चिह्न वगेरे अर्थो) (२) छळ, कपट, 'उपधा'

उपाधी वि० [स उपाधिन्] उपद्रवी उपाधि के उत्पात करनारु

उपाध्याय पु० [स] शिक्षक, गुरु –य स्त्री० शिक्षिका –यानी स्त्री० गुरु पत्नी –यी स्त्री० गुरुपत्नी(२)शिक्षिका

उपानत(-ह) पु० [स] उपान, जोडा, पगरखु [करवु, रचवु

उपाना स०क्रि० (प) पेदा करवु (२)

उपाय पु० [स] युक्ति, इलाज (२) पासे जवु ते

उपायन पु० [स] उपहार, भेट

उपारना स०क्रि० (प) जुओ उपाटना

उपार्जन पु० [स] कमावु ते, कमाणी

उपार्जित वि० [स] कमायलु मळवेलु

उपालभ पु० [स] ठपको, 'उलाहना'

उपाव पु० (प) उपाय

उपास पु० उपवास

उपासक पु०[स] उपासना करनार, भक्त

उपासना स्त्री० [स] प्राथना, भक्ति पूजा (२) स०क्रि०(प) सेवापूजा करवी (३) अ० क्रि० उपवास करवो

उपासी वि० (प) उपासक(२)उपवासी (३) स्त्री० उपासना

उपास्य वि० [स] पूज्य, आराध्य

उपेक्षा स्त्री०[स] उदासीनता बेपरवाई (२) अवगणना

उपेक्षित वि० [स] उपेक्षा करायलु

उपेक्ष्य वि० [स] उपेक्षा करवा जेवु

उपना वि० (प) उघाडु, नागु

उपोद्घात पु०[स] प्रस्तावना भूमिका

उपोषण, उपोसथ पु० उपवास

उफ अ० [अ] शोक पीडा के दुःखना उद्गार – ऊह

उफ(-फु)क पु० [अ] क्षितिज

उफन्ना अ० क्रि०(प) जुओ उफनना
उफ्तादगी स्त्री० [फा] नम्रता
उफतादा वि० [फा] पडतर (खतर)
उफनना, उफनाना अ० क्रि० [स उत्+फन] ऊभरावु उछाळा मारवा
उफान पु० ऊभरा उछाळो
उफ़्फ़ पु० जुओ उफ
उबकना अ०क्रि० ऊलटी आववी ओकवु
उबकाई स्त्री० ऊलटी ऊब्का
उबटन पु० [स उद्वर्तन] उपटण उपटन, मालिस माटेना एक सुगंधी बनावट
उबटना अ० क्रि० उपटण मालिस करवु
उबरना अ० क्रि० [स उद्धारण] ऊगरवु (छूटवु के बचत थवा)
उबरा वि० (स्त्री० -री) ऊगरेलु
उबलना अ० क्रि० [स उद्+वल्न] ऊकळवु, खळखळ करतु ऊछळवु (२) ऊभरावु
उबहना स० क्रि० (प) हथियार खेंचवु–म्यानमाथी काढवु (२) उलेचवु (३) जुआ जातना (४) वि० उघाड-पगु [छुटकारा
उबार पु० [स उद्वारण] उगारो,
उबारना स० क्रि० उबरना'नु प्रेरक
उबारा पु० कूवाना हवाडा
उबाल पु० ऊभरो, ऊछाळो, 'उफान'
उबालना स० क्रि० उबलनानु प्रेरक
उबासी स्त्री० [स उश्वास] बगासु
उबाहना स० क्रि० जुओ 'उबहना'
उबि(-बी)ठना स० क्रि० अरुचि थवी मनमाथी ऊतरी जवु (२) अ०क्रि० गभरावु, जाव गभरावो
उबेना वि० (प) जुओ 'उबहना'
उबरना अ० क्रि० (प) उद्धारवु, बचाववु
उभड(र)ना अ० क्रि० ऊचु थवु ऊठी आववु फूलवु (२) ऊपजवु (३) सभवु (४) वधवु
उभय वि० [स] बन्ने
उभा स्त्री० आभा दिशा
उभाड पु० ऊभार (२) वृद्धि
उभाडना स० क्रि० 'उभडना'नु प्रेरक (२) उत्तेजवु, बहेकाववु
उभे वि०(प) उभय [अधिकता
उम(-म)ग स्त्री० उमग (२) जोश,
उमें(-म)गना अ०क्रि०ऊमगवु ऊमडवु ऊभरावु (२) उमगमा आववु
उमड स्त्री० भरती, भरावो वृद्धि
उमड(-डा)ना अ० क्रि० ऊमडवु ऊभरावु (२) ऊमटवु (जम के वादळ) (३) आवेशमा–जोशमा आववु
उमदा वि० जुओ 'उम्दा
उमर स्त्री० जुओ 'उम्र
उमर-कैद स्त्री० जनमटीप -दी पु०
उमरा, ०व पु० ('अमीर'नु ब०व०) उमराव लोक, अमीरो
उमस स्त्री० [स उष्म] बफारो गरमी
उमाह पु० (प) उत्साह, उमग
उमूम वि० [अ] साधारण आम
उमेठ(उ)ना स० क्रि० [स उद्वेष्टन] ऐठना, आमळवु
उम्दगी स्त्री०[फा] उमदापणु उत्तमता
उम्दा वि०[अ] उमदा अच्छु भलु सारु
उम्मत स्त्री०[अ] जमात फिरका (२) एक सप्रदायनी मडळी (३) औलाद, परिवार

उम्मी पु०[अ] नानपणमा वाप वगरनो थयेलो जेथी मा के दाईए उछेरेलो त (२) अभण (३) महमद पेगवर (४) कोई 'उम्मत नो माणस
उम्मी(-म्मे)द [फा] उमेद
उम्मेदवार पु० [फा] इच्छुक (२) उमेदवार -री स्त्री०
उम्र स्त्री० [अ] उमर, आयु
उर पु० छाती (२) हैयु, दिल
उरग पु० [स] साप
उरझना अ०क्रि० (प) जुओ 'उलझना'
उरण पु०[स] घेटु, मेंढु(२)युरेनस ग्रह
उरद पु० अडद 'उद
उरदी स्त्री० नाना दाणाना अडद
उरबसी स्त्री० उर्वशी
उरबी स्त्री० (प) उर्वा, पृथ्वी
उरमाल पु० (प) रूमाल
उरला वि० पछीनु,पाछलु(२)विरलु
उरस वि० फीकु, नीरस (२) पु० उर, छाती (३) हृदय
उरसना स०क्रि० ऊचु नीचु करवु
उरसिज पु० [स] स्तन
उराहना पु० जुओ 'उलाहना'
उरिण(-न) वि० उऋण, ऋणमुक्त
उरु वि०[स] विशाळ लाबुपहोळु (२) पु० (प) ऊरु, जाघ
उरुवा पु० घुवड जवु एक पक्षी, 'रुरुआ'
उरूज पु० [अ] वृद्धि, चडती
उरूस स्त्री० [अ] वधू
उरे अ० आगळ (२) दूर
उरेह पु० चित्र क ते दोरवु ते
उरेहना स०क्रि० चित्र दोरवु
उरोज पु० [स] स्तन
उर्द पु० 'उरद', अडद
उर्दू स्त्री०[तु] अधिक अरबी फारसी शब्दोवाळी हिंदी भाषा जे फारसी लिपिमा लखाय छे (२) पु० छावणी -ए मुल्ला स्त्री० ऊची उर्दू ०बाजार पु० लश्करनु वजार
उर्फ पु० [अ] उपनाम, उरफे बोलातु बीजु नाम
उर्मि स्त्री० (प) ऊर्मि
उर्वरा स्त्री०[स] उपजाउ जमीन (२) पृथ्वी (३) वि० स्त्री० उपजाउ, फळद्रुप (जमीन)
उर्वी स्त्री० [स] पृथ्वी [मरणतिथि
उर्स पु० [अ] ओरस, पीर वगरेनी
उलग वि० [म उत्तग्र] नागु
उलघना स०क्रि० उल्लघवु (ओळगवु के न मानवु—लोपवु)
उलका स्त्री० उल्का, खरतो तारो
उलच(-छ)ना स०क्रि०जुओ 'उलीचना'
उलझन स्त्री० फास गूच (२) कोयडो, समस्या (३) चिंता
उलझना अ०क्रि० (ऊलटु 'सुलझना' फसावु, जकडावु (२) लपटावु (काममा लीन थवु (४) मुश्केली फसावु (५) झघडवु, तकरार कर (६) वाकु थवु, जामळ चडवो
उलझना-पुलझना अ० क्रि० वरो फसावु ~लपटावु
उलझाना स० क्रि० 'उलझना'नु प्र
उलझा-पुलझा वि० वाकु के सापु(भलु के वूह
उलझाव, उलझेडा पु० फसावु त (२ झघडो, वखडो (३) चक्कर प
उलझौहाँ वि०फसावनार के लाभावना

उलटना अ० क्रि० [स उल्लोठन] ऊलटवु (२) स० क्रि० ऊलटु के ऊधु करवु (३) अस्तव्यस्त करवु (४) ऊलटी करवी [गोटाळो
उलट-प(-पु)लट स्त्री० ऊलटपूलट,, उलट-फर पु० फरफार, पलटो परिवर्तन
उलटा वि० (स्त्री०-टी) ऊलटु -हाथ = पु० डावो हाथ उलटी खोपडीका = जड, मूख उलटी गगा बहना = न बनवानु बनवु उलटी मालापरना = वूरु ताकवु उलटी सास चलना = मरवा वखतनो सास चालवो उलटी सीधी सुनाना = झाटकवु, धमकाववु उलटे छुरेसे मूडना=बेवकूफ बनावीने काम काढवु उलटे पाव फिरना = तरत पाछु फरवु उलटे मुह गिरना = बीजानु अनिष्ट करवा जता पोतानु थवु
उलटा-प(-पु)लटा वि० ऊलटपूलट
उलटा पलटी स्त्री० फेरफार, अदला-बदली
उलटाव पु० पलटो, फरफार
उलटी स्त्री० ऊलटी (२) गाटमडु
उलटे अ० ऊलटु, जवळी रीते -पाव फिरना = तरत ऊभे पग पाछु फरवु
उलथना स० क्रि० ऊथलपाथल के ऊलटपुलट करवु, उथलाववु (२) अ० क्रि० (प) ऊथलावु
उलथा पु० ताल प्रमाणे ठेकवु ते (२) पासु फरववु ते (३) ऊथला गुलाट (४) जुओ 'उलथा
उलद स्त्री० (प) वरसादनी यडी
उलदना अ० क्रि० खूब वरसवु (२) स० क्रि० (प) वरसाववु
उलफत स्त्री० [अ] प्रेम, उल्फत'
उलरना अ० क्रि० (प) ऊछळवु, कूदवु
उललना अ० क्रि० (प) ऊछळवु
उलहना अ० क्रि० खील्वु (२) उल्लासवु (३) जुओ उलाहना'
उलाक पु० 'डाक', टपाल
उलाक पत्र पु० पत्तु पोस्टकार्ड
उलाकी पु० टपाली
उलार वि० उलाळवाळु (गाडु)
उलारना स० क्रि० उछाळवु (२) उलाळवु
उलाहना पु० आठभा ठपका के राव' फरियाद (२) स० क्रि० दोष दवो निंदवु
उलीचना स० क्रि० उलेचवु
उलूक पु० [स] घुवड
उलूखल पु० [स] खाडणियो (२) गूगळ
उलेडना स० क्रि० (प) जुओ 'उडलना'
उलेल स्त्री० (प) उमग जोश उछाळो (२) वि० अकेल, नादान बेपरवा
उल्का स्त्री० [स] खरतो तारो (२) प्रकाश (३) मशाल
उल्कापात पु० [स] तारो खरवो ते (२) उत्पात दगो खळभळाट
उल्था पु० भाषातर तरजुमो
उल्लघन पु० [स] लाघवु ते (२) उल्लघन, अवगणना
उल्लघना स० क्रि० उल्लघवु 'उलघना'
उल्लास पु० [स] प्रकाश, झळक (२) हर्ष आनद (३) ग्रथनो भाग के खड
उल्लासी वि० आनदी
उल्लू पु० [स उलूक] घुवड (२) उल्लु मूरख -करना, बनाना=उल्लु बनाववु -का पट्ठा = मूर्ख -फँसाना = बराबर चुगलमा लेवु -बनना, होना = उल्लु बनवु -सीधा करना = काम बनाववु-साधी लेवु [लगवु ते
उल्लेख पु० [स] वर्णन, 'जिक्र' (२)

त्व पु०[म] उल्व ओर(२) गर्भाशय
ीर पु० [म] खस, वीरण
ा स्त्री० [म] अरुणोदय के तनी
ालिमा
पु० [म] ऊट [(३) डुगळी
वि०[स] गरम (२) पु० उनाळो
ता स्त्री० -त्व पु०[म]गरमी ताप
ीव पु०[स]पाघडा नाफो(२)मुगट
पु०, -ष्मा स्त्री० [म] गरमी
पव० विभक्तिओमा यतु 'वह' नु
जम के 'उसन उसको
ा पु० वासण माजवानो कूचो
ा स०क्रि० उकाळवु(२) पकाववु
ा स० क्रि० उसनना नु प्ररक
उसास स्त्री० लावो श्वास
स्त्री० अवकाश छूटा
० उस ही, ए ज

उसीसा पु० ओठीगण (२) ओशीकु
उसूल पु० [अ] सिद्धान्त
उसूलन अ०[अ]सिद्धातथी,सिद्धातपूवक
उस्त(-स्तु)रा पु० अस्तरो, 'उस्तुरा'
उस्त(-स्तु)वार वि० -री स्त्री० जुओ 'उस्तुवार'
उस्ताद पु० [फा] शिक्षक गुरु (२) वि० उस्ताद, चालाक (३) निपुण (नाम -दी स्त्री०)
उस्तानी स्त्री० [फा] गुरुपत्नी (२) शिक्षिका (३) चालाक, ठगारी स्त्री
उस्तुरा पु० [फा] अस्तरो
उस्तुवार वि०[फा]मजबूत(२) सपाट (३)सीधु, सरळ(नाम, -री स्त्री०)
उहदा पु० [अ] होद्दो, 'ओहदा'
उहवाँ, उहाँ अ० वहाँ', त्या
उहो, उह स० 'वही', ते ज

ऊ

ऊँघन स्त्री० जरा ऊघनु
वु ते, ढणको
ामाग, अघेडो-एक छोड
क्रि० ऊघनु झोकु खावु,
जावी जवी
वु
० ऊचुनीचु (२) नानुमोटु
, सारुनरसु, लाभालाभ
ऊचु -नीचा सुनाना=
कहेवु, वढवु -बोल=
-सुनना=पाछु साभळवु
ऊचाई (२) माटाई,

ऊँचे अ० ऊचे, उपर (२) ऊचेथी, जोरथी (बोलवु) (पर) ऊँचेनीचे पडना = खराब टवमा के बूरा काममा फसावु
ऊँछना अ० क्रि० ओळवु
ऊँट पु० ऊट ०वान पु० ऊटवाळो
ऊँडा वि० ऊडु (२) पु० चरु (३) भायरु
ऊँदर पु० उदर
ऊँहूँ अ० ना नही बतावतो उदगार
ऊ अ०(प) भी, पण(२)स०ते 'वह'
ऊआबाई वि०नकामु, व्यथ (२)ठग
विनानु (३) स्त्री० खोटो गभर

ऊक पु० (प) लू (२) ताप, जाव (३) भूल, चूक
ऊकना अ० क्रि० चूकवु, लक्ष्य छूटवु (२) स० क्रि० भूलवु (३) जाळवु बाळवु
ऊख पु० [स] ईख शेरडी [णिया
ऊखल प० [स ऊलखल] उखळ खाड
ऊगना अ० क्रि० ऊगवु ऊठवु
ऊज प० (प) उपद्रव, उधमात
ऊजड,-र वि० उज्जड वगान
ऊजर,-रा वि० (प) ऊजळु
ऊटक-नाटक प० नकामु के ढंगधडा वगरनु काम
ऊटना अ० क्रि० (प) उत्साहमा आववा जवु (२) तर्कवितर्क करवा ऊहना
ऊटपटाग वि० उटग ठेकाणा वगरनु (२) वाहियात व्यर्थ
ऊडी स्त्री० डूबकी, 'गोता'
ऊढ़ वि० [स] परणेलु
ऊढ़ना अ० क्रि० (प) परणवु (२) अनुमानवु, तर्कवितर्क करवा
ऊत वि० अपुत्र (२) मूर्ख
ऊतला वि० (प) उतावळु, वेगवाळु
ऊद पु० [अ] अगरु, चदन (२) जुओ 'ऊदबिलाव
ऊदबत्ती स्त्री० अगरबत्ती
ऊदबिलाव पु० जळबिलाडी 'ऑटर'
ऊदा वि० [अ ऊद, फा कबूद] ऊदु
ऊधम पु० उत्पात उधमात
ऊधमी वि० उधमातियु
ऊधो पु० उद्धव, आधवजी
ऊन पु० घटा बकरानु ऊन (२) वि० [स] कम, बाकी (३) तुच्छ (४) पु० खेद, दुख
ऊना वि० ऊणु, कम, अधूरु
ऊनो वि० ऊनन (२) कम, थोडु (३) स्त्री० उदासीपण, खेद
ऊपर अ० उपर ऊपर ऊपर अ० चूपरीथी बाड न जाण एम -की आमदनी=ऊपरनी तथी आवक -तले=उपर नीचे (२) एक पछी एक एम क्रममा -तलेके =एक पछी एक ए क्रमनु (भाई बहेना माट) -लेना=हाथ पर जवाबदारी लेवी
ऊपरी वि० उपरनु वहारनु (२) देखाव पूरतु
ऊब स्त्री० कटाळा (२) 'ऊभ', उमग, उत्साह
ऊबट पु० [स उद+वत्य] वठण अटपटा रस्ता (२) वि० जुओ 'ऊबडखाबड [अटपटु
ऊबडखाबड वि० ऊचु नीचु, असमान,
ऊबना अ० क्रि० कटाळवु गभरावु
ऊभ वि० (प) ऊभु (२) स्त्री० कटाळो (३) हाश, उमग (४) गरमी
ऊभना अ० क्रि० (प) ऊभवु, ऊठवु
ऊमर पु० उमरडा
ऊमी स्त्री० उबी, घउ जव वगरेनु डूडु
ऊरु पु० [स] जाघ [शक्ति
ऊर्ज वि०[स] बळवान (२) पु० बळ,
ऊर्ण पु० [स] ऊन
ऊर्ध्व वि०[स]ऊचु उपरनी तरफनु ऊभु
ऊर्मि,-र्मी स्त्री०[स] ल्हेर, तरग (२) पीडा, दुख (३) छनी सख्या
ऊल जलूल वि० असबद्ध, कढगु (२) अनाडी (३) अशिष्ट
ऊषा स्त्री० [स] उषा, वहेली सवार
ऊष्म वि० [स] गरम (२) पु० उष्मा

ऊष्मा स्त्री० [स] गरमी ताप (२) उनाळो (३) वाफ वराळ
ऊसर पु०[स ऊषर]ऊसर–खारी जमीन
ऊह अ०[स] जोह' (२) पु० अनुमान (३) तर्क, दलील (४) अफवा
ऊहापोह पु० तर्कवितर्क, शाच विचार

ऋ

ऋक् स्त्री० [स] वदनी ऋचा (२) पु० जानवर [नक्षत्र
ऋक्ष [स] -च्छ पु० रींछ (२) तारो,
ऋग्वेद पु० [स] एक वेद
ऋचा स्त्री० [स] वेदना मंत्र
ऋच्छ पु० जुओ 'ऋक्ष'
ऋजु वि०[स]सरळ सीधु(२)अनुकूळ
ऋण पु०[स]देवु –उतरना, –चढ़ना= देवु ऊतरवु, चडवु –पटाना=देवु पतववु–चूकते करवु
ऋणी वि० देवादार (२) आभारी
ऋतु स्त्री० [स] मासम (२) स्त्रीनो मासिक धर्म–रजोदर्शन
ऋतुम(-व)ती वि०स्त्री०[स]रजस्वला
ऋतुराज पु० [स] वसंत ऋतु
ऋत्विज पु०[स]यज्ञ करावनार ब्राह्मण
ऋद्ध वि० [स] समृद्ध, संपन्न
ऋद्धि स्त्री० [स] समृद्धि, आबादी
ऋद्धि सिद्धि स्त्री० [स] रिद्धिसिद्धि
ऋन पु० ऋण –िया,–नी वि० ऋणी
ऋषभ पु० [स] पोठियो (२) एक विशेष नाम [तत्त्वज्ञानी
ऋषि पु० [स] वेदना मंत्रोना द्रष्टा

ए

ऐंच पेंच पु० दावपेच, युक्ति
एंजिन पु० इजिन
ऐंडा-बेंडा वि० सीधु वाकु आडुअवळु
ऐंडी स्त्री० एक जातनो रेशमनो कीडो के तेनु रेशम (२) जुओ 'एडी'
ऐंडआ पु० ऊढण
एकंग वि० एकलु
एकगा वि० एकागा, एक तरफनु
एक वि०[स]एक –आख न भाना= जरा पण ठीक न लागवु –आख से देखना=सौ साथे समान भाव राखवो –न चलना=जरा पण न फाववु, एक पण युक्ति न चालवी
एक-आध वि० एकाद
एक-कलम अ० एक झपट एकीसाथ
एकज,०मा पु० [स] शूद्र (२) राजा
एकटक अ० एकीटसे, अनिमेष
एकड पु० एकर (जमीन)
एकतरफा वि० [फा] एकतरफी पक्ष पातवाळु, एक बाजुनु [समानता
एकता स्त्री० [स] ऐक्य, मेळ (२)
एकताक वि० (प) बराबर सरख

एकतान वि० तल्लीन, एकाग्र
एकतारा पु० एकतारो (तबूरा)
एक्तालीस वि० ४१, एकताळीस
एकतीस वि० ३१ एकत्रीस [जगाए
एकत्र अ० [स] एकठ अेक (२) एक
एकत्रित वि० एकठ भेगु थे करेलु
एकदम अ० तरत झट (२) एकसाथे
एकन्नी स्त्री० एक आनी
एकबारगी अ० [फा] 'इकबारगी' अचानक(२)एक ज साथे एक ज वारमा
एकबाल पु० [अ] जुओ 'इकबाल'
एकमत वि०[स] समत समान मतनु
एकरदन पु० [स] गणेश
एकरार पु० जुओ इकरार [तेवु ज
एकरूप वि० [स] समान (२) जवु न
एकल वि० (प) एकलु (२) अजोड
एकला वि० एकलु
एकलौता वि० जुओ 'इकलौता
एकवाज स्त्री० एक ज सतानवाळी—कावच्च्या
एकवेणी वि० सादो अबोडा वाळनारी (स्त्री) (२) वियोगिनी के विधवा
एकसठ वि० ६१ एकसठ [मधु ज
एकसर वि० एकलु (२) [फा] तमाम
एकसा वि० [फा] समान, एकसरखु
एकसा वि० (स्त्री०,–सी) समान
एकहत्तर वि० ७१, इकोतेर
एकहत्था वि० एकहथ्थु
एकहरा वि० 'इकहरा' एकवडु -बदन =एकवडो काठो [एक अंकवाळु
एकाकी पु०[स]एकअंकनु नाटक(२)वि०
एकांगी वि०[स]एकतरफी (२)हठीलु
एकांत पु० [स] निर्जन जगा (२) वि० तद्दन अलग (३) निर्जन, सूनु
एकांतिक वि० [स] एकने ज लागु पडतु, खास एकदेशीय
एका पु० एकता, मळ
एकाई स्त्री० एकम स्थान के तेनी सख्या (२) कोई वस्तुनो घटक—एकम, 'युनिट' (३) एकता
एकाएक(की) अ० एकाएक, ओचिंतु
एकाकार वि० [स] एकसमान
एकाकी वि० [स] एकलु
एकाक्ष वि० [स] काणु, एक आखवाळु
एकाग्र वि० [स] एकध्यान, तल्लीन
एकादश वि० [स] अगियार
एकादशाह पु० [स] अगियारम
एकादशी स्त्री० [स] अगियारस
एकीकरण पु० [स] एक करवु ते
एकेंद्रिय वि० [स] एक ज इंद्रियवाळु (प्राणी) (२) तल्लीन एकाग्र
एकोतरसो वि० १०१, एकसो एक
एकौझा वि० एकलु
एक्का वि० एकलु (२) पु० टोळाथी अलग फरतु पशु पक्षी (३) एकागाडी (४) गंजीफानो एक्का
एक्कावान पु० एकावाळो
एक्की स्त्री० एक बळदनी गाडी,एका (२) गंजीफानो एक्को
एक्यानबे वि० ९१, एकाणु
एक्यावन वि० एकावन ५१ 'इक्यावन'
एक्यासी वि० 'इक्यासी', एकाशी
एखनी स्त्री० [फा] मासनो शरवो
एगानगी स्त्री० [फा] एकता, मळ (२) मैत्री
एजंट पु० [इ] एजंट, आडतिया
एजेंसी स्त्री० [इ] आडत (२) एजंटनी जगा

एड(-डी) स्त्री० एडी [सपादनकाय
एडिटर पु० [म] सपादक -री स्त्री०
एडी स्त्री० जुओ 'एड'
एडीकाग पु० [इ] सेनापति इ० नी नहनालमा हाजर रहनार कमचारी
एतकाद पु० [फा] विश्वास
एतदाल पु० [अ] बराबरी, समानता
एतना वि० (प) 'इतना', आटलु
एतबार प० [अ] इतवार, भरोसा -उठना=विश्वास जतो रहवो -करना, मानना=विश्वास करवो -खोना=विश्वास खोवो-गुमाववो
एतमाद पु० [अ] विश्वास, भरोसो
एतराज पु० [अ] वाधो, विराध
एतवार पु० 'इतवार', आतवार
एता वि० (प) 'इतना', आटलु
एतिक वि० स्त्री० (प) आटली
एरड पु० [स] एरडा ०ककडी स्त्री०, ०खरबूजा पु० एरणकाकडो, पपयु
एराक पु० [अ] इराक देश

एलची पु०[तु] राजदूत, एलची ०गीरी स्त्री० एलचीनु काम
एला स्त्री० [म] इलायची
एव अ० [स] एम (२) जने
एवज पु० [अ] जवेज, वदलो
एवज-मुआवजा प०[फा] अदलोवदलो
एवजी स्त्री० अवजी माणस
एह म० (प) 'यह, आ
एहतमाम पु० [अ] जुओ 'इहतिमाम'
एहतमाल पु०[अ] सहन करवु ते (२) आशका, सदेह
एहतियाज पु०[अ] जरूरियात हाजत
एहतियात स्त्री०[अ] सावधानी, खबर दारी सभाळ (२) परेज
एहसान पु० [अ] 'अहसान', उपकार, कृतज्ञता, आभार
एहसानफरामोश पु० [अ] कृतघ्न, अहेसान भूली जनार
एहसानमन्द वि० [अ] कृतज्ञ
एहो अ० ह, ए

ऐ

ऐँ अ० 'ए' एवो, न साभळयु होय त्यारे फरी पूछवाना उदगार
ऐँचना स०क्रि० एचवु, खचवु (२) वीजानु करज पोते ओढवु
ऐँचाताना वि० एचाताणु, वाडु
ऐँचातानी स्त्री० खेंचताण, पालपोताना पश्नु ताणवु त [आळवु (मायु)
ऐँछना स० क्रि० (प) 'ऊँछना',
ऐँठ स्त्री० एट, ठउकी अकडाई (२) गव (३) विराध, द्वेप

ऐँठन स्त्री० लपेट, वळ, आमळ
ऐँठना स०क्रि० मरोडवु, आमळवु (२) छळथी के डरावीने वसूल करवु (३) अ०क्रि० वळ चडवो, अमळावु (४) अकडावु, अक्कड थई जवु (पेट ऐँठना=पेट दुखवु) (५) पतराजी-घमड करवो (६) सीधी वात न करवी, वाकु वालवु
ऐँठा पु० दोरडाने वळ देवाने लाकडानी एक बनावट-आजार

ऐंठू वि० मिजाजी, अभिमानी; ऍंठ वाळु
ऐंड पु० 'ऐंठ', ठसकी, गव (२) पाणीनो भमरो (३) वि० नकामु
ऐंडदार वि० घमडी
ऐंडना अ०क्रि० ऐंठना अ०क्रि० जुओ (२) स०क्रि० आमळवु (३) 'अँगडाना', आळस काढवी (४) आळसु पडया रहवु
ऐंडबैंड वि० (प) वाकुचूकु, 'एंडबेंडा'
ऐंडा वि० (स्त्री०-डी) वाकु
ऐंडाना अ० क्रि० आळस खावी (२) एट देखाडवी
ऐंडा-बेंडा वि० वाकुचूकु
ऐ अ० ए, हे, अयि
ऐक्य पु० [स] एकता
ऐगुन पु० (प) अवगुण
ऐच्छिक वि० [स] इच्छानुसार मरजियात
ऐजन वि० [अ] एजन, एनु ए ज उपर मुजब
ऐजाज पु० [अ इअजाज] आदर सन्मान
ऐतिहासिक वि० [स] इतिहास सबधी के तेमा मळतु (२) इतिहास जाणनार
ऐदाद स्त्री० [अ अअदाद] 'अदद' नु ब०व०, सख्या, गणना
ऐन पु० अयन, घर (२) [अ] आख (३) वि० [अ] योग्य ठीक (४) बराबर, पूरेपूरु
ऐनक स्त्री० [अ ऐन=आख] चश्मा
ऐपन प० चोखा ने हळदर भेगा वाटीने करातु एक पीठी जेवु लेपन (पूजामा वपराय छे)
ऐब पु० [अ] ऐब, दोष कलक -निकालना=कशामा दोष बताववो -लगाना=कलक लगाडवु
ऐबक पु० [फा] दास, गुलाम
ऐब-गो वि० [फा] निंदक, ऐब कहेनार
ऐब-गोई स्त्री० [अ +फा] निंदा
ऐब-जो वि० [अ +फा] दोषदृष्टिवाळु ऐब-दोष जोय करनार छिद्रान्वेषी
ऐब-जोई स्त्री० [अ +फा] दोषदृष्टि, छिद्र जोवा ते
ऐब पोश स्त्री० [अ + फा] ऐब ढाकनारु
ऐबी वि [ ] ऐबवाळु (२) काणु के बीजी रीते खोडवाळु
ऐमाल प० [अ] काम करणी
ऐया स्त्री० दासी के दादीमा
ऐयाम पु० [अ] समय, वखत -से होना=रजोन अटकाव आववा
ऐयार पु० [अ] चालाक उस्ताद
ऐयारी स्त्री० चालाकी पक्काइ, उस्तादी
ऐयाश वि० [अ] आरामी, विलासी (२) विषयी कामी
ऐयाशी स्त्री० भोगविलास, एशआराम
ऐरा-गैरा वि० [अ] अजाण्यु (२) तुच्छ, हीन
ऐराब पु० [अ] झेर, जबर, पेश इ० सज्ञा
ऐरावत पु० [स] ऐरावत हाथी (२) वीजळी के तथी चमकतु वादळ (३) इद्रधनुष [करवु ते
ऐलान पु० [अ इअलान] घोषणा, प्रगट
ऐवान पु० [फा] महेल (२) मोटो ओरडो-हॉल
ऐश, ०आराम पु० [अ] एशआराम चेन
ऐश्वर्य पु० [स] वैभव, सपत्ति (२) प्रभुत्व
ऐसा वि० (स्त्री० सी) आवु आवो जातनु -तसा, वैसा=सामान्य, मामूली ऐसी तसी करना=खराब के बेआबरू करवु
ऐसे अ० आम आ रीते [सत्कारवु
ऐहिक वि० [स] आ लोकनु, दुन्यवी,

ओ

ओ अ० हा, जा (२) ओम्, ॐ
ओकार पु० नाम मंत्र
ओगना स० क्रि० (ताडीनु पड्) ऊजवु
ओठ पु० होठ, होठ ' –चबाना = क्रोध जने दुःख प्रगट करवु
ओडा वि० (प) ऊडु (२) पु० खाडो
ओक स्त्री० ऊल्टी, ओकवु ते (२) पु० खोवो अजलि (३) [स] घर
ओकना अ० क्रि० आक्वु (२) आरडवु
ओकाई स्त्री० आक्वु ते
ओखली स्त्री० [स उलूखल] खाडणियो –में सिर देना=कष्ट सहवा तदार थवु
ओखा वि० रूखु, सूकु (२) कठण, अटपटु (३) खोटु, भळतु (४) आछु (५) पु० (प) बहानु
ओघ पु० [स] समूह, ढगलो
ओछा वि० (स्त्री०–छी) तुच्छ, क्षुद्र, नीच (२) छछरु, ऊडु नहि (३) हल्कु नानु (४) कम, ओछु
ओछाई स्त्री० 'ओछापन' ('ओछा जुओ)
ओज पु० ओजस, तेज
ओजस्वी वि० [स] तेजस्वी, प्रभावशाळी –स्विता स्त्री०
ओझ, ओझर पु० ओझरी, पट
ओझल पु०, स्त्री० ओझल एकात (२) आड (३) पडदो –करना=सताडवु –होना=सतावु, पडदा पाछळ थवु
ओझा पु० [स उपाध्याय] (स्त्री० ओझाइन) एक जातनो ब्राह्मण (२) भूत काढनार, भूवो
ओझाई स्त्री० भूवानो कामधधो
ओट स्त्री० आड, आथ
ओटना म० क्रि० लोढवु (२) एकनी एक वात कूटवी
ओटनी, ओटी स्त्री० लोढवानो चरखो
ओठंगना अ० क्रि० अठींगवु, टेक्वु
ओठंगाना स० क्रि० टेकववु (२) वारणु वासवु
ओडन पु० ढाल
ओडना स० क्रि० ओडवु, रोकवु, वारण करवु (२) हाथ ओडवो, धरवु, पसारवु
ओडा पु० मोटो टोपलो (२) खोट, कमी, तोटो
ओढ़ना स० क्रि० ओढव (२) पोता पर जवाबदारी लेवी (३) पु० ओढवानु वस्त्र
ओढनी स्त्री० ओढणी
ओढ़र पु० बहानु
ओढ़ाना स० क्रि० ओढाडवु
ओत स्त्री० आराम (२) लाभ, बचत (३) आळस (४) वि० [स] वणेल
ओतप्रोत वि० [स] एकमेकमा मळी गयेलु (२) पु० ताणोवाणो (३) माटु (लग्ननु)
ओता,–तो,–ता वि० (प) 'उतना' एटल
ओद(–दा) वि० भीनु
ओदन पु० [स] भात, राधेला चोखा
ओदा वि० जुओ आद [विदारव
ओदारना स० क्रि० चीरवु, फाडवु
ओनचन स्त्री० खाटलानी पागथनी खेचवानी दोरी

आनचना न० क्रि० 'आटारू' समाधी
ओना पु० तळावनु पाणी नीकळवानो
मार्ग – गरनाळ –लागवं = तळाव
ण्डल नगरनु – अनाज पाणी
नीकळवा मांडवुं
ओनामासी स्त्री० [ॐ नमः सिद्धम्]भण
तरनो आरंभ (२) प्रारंभ मांडवानुं पण
ओप स्त्री० ताप (चमक छाया आदि)
ओपचो पु० चकारवाळो गाढो माल
ओपचानाना पु० नारी
ओपना स०क्रि० ( ) अ०क्रि० आपवु
ओफ अ० जुओ उफ
ओबरी स्त्री० नानु घर, कोटडी
ओरनाटन पु० (मराठी ओरा=माल+
ऊटन=वर) उगमउटन
ओर स्त्री० [स० अवार] बाजु, तरफ
(२) पण (ज्यार आना पूर्वे संख्यावाचक
वि० आ० छे त्यारे पु मा० पयाय थाय
छ उदा० पन्द्र चारा ओर) (३)
अंत, आरो –निभाना या निबाहना
= अन्त सुधी पोतानुं कर्तव्य पूरु करवुं
ओरहा पु० होरहा', चणाना छोडे
पापटा
ओरा पु० (प) 'आला, करा
ओराना अ० क्रि० पूरु थवु
ओराहना पु० जुआ 'उलाहना
ओरी स्त्री० 'आ ती, नेवुं
ओलदेज(-जी) वि० हालैंडनु फिरगी,
वलदानु
ओलवा,भा पु० उपालंभ, महेणु

ओर क्रि० [ ] भीर ( ) । पूरण
(३) माना नार (४) आड (५)
नार भरण (६) न ग
ओलती स्त्री० छापरा ।व
ओला पु० आग रा (२) एक
मीठाई ( ) वि० गुप्त गूढ
ओलाहना पु० जुआ उलाहना
ओलियाना अ० क्रि० नाखवा दरा (२)
स० क्रि० घुसाडव, नाखव घुसाडवुं
ओली स्त्री० आर गाद (२)गाल्य
(३) गाळा
ओषधि, –धी स्त्री० [स] औषध दवा
ओष्ठ पु [स] होठ
ओस स्त्री० झाकळ –पडना या पड़
जाना= झीमळाव ( ) उमंग जतो
रहवो ( ) नरमीदार पडवुं [रस
ओसर(-रिया) स्त्री० नाटक नजान
ओसरा पु०, –री स्त्री० वारी, दाराव
ओसाई स्त्री० फटकवा अनाज ऊपणवु
ते ते तेनी मजूरी [ऊपणवु
ओसाना स० क्रि० फटकवा अनाज
ओसार पु० फेलावा विस्तार पहोळाई
ओसारा पु० आगारा मोटी ओसरी
ओसारी स्त्री० आगरा
ओसीसा पु० 'उसीसा' ओशीकु
ओह अ० आश्चर्य, दुःख इ० ना उद्गार,
आह ! अरे !
ओहदा पु० [अ] होद्दो
ओहदेदार पु० [फ] होद्देदार [–पददो
ओहार पु० रथ पालखी वगेरेना आढा
ओहो अ० आश्चर्य के आनंदनो उद्गार

औ

औंगना स० क्रि० (गाडी) ऊजवी, 'जागना'

औंगा वि० [स अवाक] मूगु मक

औंगी स्त्री० मूगापणु, चूपकी

औंघ(-घा)ना अ० क्रि० 'ऊँघना', ऊघमा झोकु खावु

औंघाई स्त्री० ऊघनु झोकु

औंजना अ० क्रि० 'ऊबना', अकळावु

औंठ स्त्री० किनार, काठो

औंडा वि० (स्त्री० -डी) ऊडु

औंधना अ० क्रि० ऊधु थवु, ऊलटावु (२) स० क्रि० उलटाववु

औंधा वि० (स्त्री० -धी) ऊधु औंधी खोपडीका=मूर्ख, जड औंध मुह गिरना=बरोबर फसावु (२) भूल करवी

औंधाना स० क्रि० 'औंधना' नु प्रेरक

औक़ात पु० [अ वक्त नु ब०व०] समय, वखत (२) स्त्री० शक्ति, गजु –बसर करना=जीवननिर्वाह करवो

औगी स्त्री० दारीनो कोरडो (२) बळदनो परोणो (३) जानवरने फसाववा माटे करातो खाडो

औगुन पु० (प) अवगुण

औघड पु० [स अघोर] (स्त्री –डिन) अघोरी पथनो माणस (२) मनस्वी, मोजी माणस (३) वि० ओघड, अवघड, विचित्र [अनोखु

औघर वि० अवघड, विचित्र (२)

औचक अ० अचानक, एकाएक

औचट अ० 'औचक', अचानक (२) अजाणमा, भूलमा (३) स्त्री० उचाट साकड, मुश्केली

औचित्त वि० (प) निश्चित, बफिक

औचित्य पु० [स] उचितता, योग्यत

औज पु० [अ०] ऊचाई (२) प्रताप तेज, ओजस

औजड वि० (प) अनाडी

औज़ार पु० [अ] ओजार

औझड(–र) अ० लगातार, निरत

औटना स० क्रि० उकाळवु (२) अ क्रि० ऊकळवु

औटाना स० क्रि० उकाळवु

औढर वि० गमे तेम ढळी जाय ए ढोचका जवु

औथरा वि० (प) छछरु, 'उथल

औदार्य पु० [स] उदारता

औद्योगिक वि० [स] उद्योग सब

औध पु० (प) अवध, अयोध्या

औध,-धि स्त्री० (प) अवधि, स

औना पौना वि० अधुपोणु, थोडु (२) अ० ओछुवत्तु करीने औने पौने करना=जेटलु मळे तेटल वेची देवु, फटकारी मारवु

औपचारिक वि० [स] उपचार स (२) केवळ उपचार पूरतु

औपनिवेशिक वि० [स] उपनिवे सस्थान विषेनु

औपन्यासिक वि० [स] उपन्य नवलकथा विषेनु (२) अद्भुत पु० नवलकथाकार

औम स्त्री० [म अवम] क्षयतिथि
और अ० अने (२) वि० बीजु (३) अधिक –का और=वाईनु काई –क्या=हा, बरोबर ए अथनो उदगार
औरत स्त्री० [अ] आरत स्त्री
औरेब पु० वक्र गति (२) कपडानो वाका काप (३) पच, छळ युक्ति
औलाद स्त्री० [अ] आलाद, वश
औला मौला वि० मोजी, धनी मनस्वी
औलिया पु० [अ 'अली'नु ब० व०] ओलियो, सिद्ध, पीर [सव अष्ठ
औवल वि० [अ] अवल, प्रथम, मुख्य
औषध,–धि स्त्री० दवा, आसड
औसत पु० [अ] सरासरी (२) वि० मध्यम साधारण
औसतन अ० [अ] सरेराशे
औसना अ० क्रि० गरमी पडवी (२) सडवु, वासी थई बगडवु
औसर पु० (प) अवसर
औसान पु० (प) अवसान, अत (२) परिणाम (३) [फा सूधबूध, होश
औसाफ पु० [अ] सदगुण के खास गुण
औसेर स्त्री० (प) जुओ 'अवमर'
औहाती वि०स्त्री०(प)जुओ अहिवाती

क

क पु० [स] पाणी (२) सुख (३) अग्नि (४) काम
कक पु० [स] एक पक्षी
ककड(–र) पु० [स ककर] काकरो कक्कर (२) गागडो
ककडी स्त्री० काकरी (२) गागडी
कँकडी(री)ला वि० काकराळु काकरावाळ
ककण(न) पु० हाथनु ककण
ककरीट स्त्री० [इ कोंक्रीट] काक्रेट
कँकरीला वि० जुओ 'कँकडीला'
ककाल पु० [स] हाडपिजर
ककाली पु० एक नीच जाति (२) वि० कर्कशा (स्त्री)
कँखवारी स्त्री० बगलमा थतो फाल्लो
कँखौरी स्त्री० 'काख बगल (२) जुओ कँखवारी'
कगन पु० ककण –को आरसी क्या? =प्रत्यक्ष वातनो पुरावो शा माटे?
कँगना पु० ककण (२) ककण बाधता के छोडता गवातु गीत
कँगनी स्त्री० नानु ककण (२) कागरी (३) दाता के दातावाळु गाळ चक्कर, कोग-व्हील (४) स्त्री० काग अनाज चीणा
कगला, कगाल वि० कगाळ गरीब
कगाली स्त्री० कगालियत
कँगूरा पु० कागरो शिखर, टोच (२) किल्लाना बुरज
कघा पु० कासका (२) फणी 'कघी'
–करना=वाळ ओळवा
कघी स्त्री० नानी कासकी (बे बाजु दातवाळी) (२) फणी –चोटी करना =माथ ओळी करी सजवु
कँघरा पु० [स्त्री० –रिन] 'कघा' बनावनार
कचन पु० कचन सोनु (२) एक जिप्सी जेवी जात जेमनी स्त्रीओ नृत्य

गुणकानु काम करे छे –का कौर खिलाना=खूब प्रेमथी राखवु –बरसना =खूब धन मळवु [विदया
कचनी स्त्री० कचन जातनी स्त्री (२)
कचुक पु० [स] जामो (२) वस्त्र (३) बखतर (४) सापनी काचळी
कचुकी स्त्री० [स] चोळी (२) पु० अत पुरनो रक्षक (३) साप
कॅचुरि,–ली स्त्री० (प) सापनी काचळी
कॅचेरा पु० [स्त्री० –रिन] काचकाम करनारो
कज पु० [स] कमळ (२) ब्रह्मा
कजई वि० राखोडी रगनु
कजड(–र) पु० एक रानीपरज(दोरडा भागवा वगेरे काम करे छे)
कजा पु० [स करज] एक जातनी काटाळी झाडी (२) वि० राखोडिया रगनु (३) ते रगनी आखवाळु, भूखरी आखवाळु [कजूसाई
कजूस वि० कृपण पाजी –सी स्त्री०
कटक पु० [स] काटो (२) विघ्न (३) रोमाच
कटकित वि० [स] काटावाळु (२) पुलकित, रोमाचित
कटर पु० [इ डिके टर] सुदर (दारू वगेरेनो) शीशो
कटाइन स्त्री० भूतडी डाकण (२) वढकणी स्त्री, ककशा
कॅटिया स्त्री० खीली (२) माछली पकडवानो आकडो (३) कूवामा नाखवानी बिलाडी (४) माथानु एक घरेणु
कॅटीला वि० काटावाळु
कटूनमेंट स्त्री० [इ] छावणी, कॅम्प
कटोप पु० कानटोपी
कदूवट पु० कद्रावट, ठेको
कठ पु० [स] गळु (२) अवाज (३) काठो, तट –करना=मोढे करवु –खुलना=गळु खूलवु, अवाज बरोबर नीकळवो –फूटना=गळु खूलवु(२) हैडियो फूटवो –बठना=गळु के अवाज बेसवो
कठमाळा स्त्री० [स] कठमाळनो रोग
कठा पु० काठलो (२) कपडानो कॉलर (३) कठो, मोटी कठी
कठाग्र वि० कठस्थ, मोढे
कठी स्त्री० कठी –देना या बाधना= कठी बाधवी चेलो करवो –लेना= वैष्णव थवु मद्य-मास छोडवु
कडरा पु० एक शाक (२) स्त्री० [स] धोरी नस
कडा पु० छाणु –होना=सुकावु, दूबळ पडवु (२) मरी जवु
कडाल पु० एक वाद्य, तूरी (२) [स कडोल] धातुनु पाणीनु एक वासण
कडी स्त्री० नानु छाणु
कडील स्त्री० [अ कदील] दीवो (२) (दिवाळीमा) शोभाना करातो कागळना दीवो
कडीलिया स्त्री० दीवादाडी
कत(–थ) पु० (प) कथ, स्वामी
कथा स्त्री० [स] गोदडी
कथी पु० कथावाळो, साधु
कद पु० [स] कदमूळ (२) [फा] साकर
कदरा स्त्री० [स] गुफा
कदप पु० [स] कामदेव
कदला पु० सोनाचादीनी चीप के तार
कदा पु० कद (शकरियु के अळवी)
क़दाल स्त्री० [अ] 'कडील', दीवो

कदुक पु० [म] दडा (२) उगीदु (३) सोपारी (४) एक वणग्रध
कँदला नि० मलिन गदु ['करधना
कँदोरा पु० कदनी स्त्री० कदोरो
कध पु० (प) डाळी (२) कधा खभा
कधा प० स्कध खभा –डाल देना, –डालना=गळद थूसरु उतारवु (२) नाहिमत थव के थवव –देना= ठाठडी ऊचकवी (२) मदद करवी कधसे कधा छिलना=खूब भीड होवी
कधार प० कदहार नगर
कधावर स्त्री० चूमरा (२) खेस
कँधला पु० साडीनो खभा परनो छडो
कप प० कॅम्प (२) [म] कप्र, कापवु ते
कँपकँपी स्त्री० कपारी, कमकमी
कपन पु० [स] कापवु त कप
कँपना अ० क्रि० कपवु (२) डरवु
कपनी स्त्री० [इ] वेपारी मडळी, कपनी –कागद=चलणी नोट
कपा पु० पक्षी पकडवानी वासनी एक बनावट
कँपाना स० क्रि० कपाववु (२) डराववु
कपास पु० [इ] होकायत्र (२) वर्तुल दोरवानो कपास [त
कपू पु० कॅम्प, छावणी, कपु
कपोज पु० [इ] छापवान बीबा गाठववा
कपोजिटर पु० [इ] बीबा गोठववानु काम करनार
कपौंडर पु० [इ] दवा बनावी आपनार कपाउडर
कबल पु० [म] कामळो, धाबळो
कँवल पु० कमळ
कँवल-गट्टा पु० कमळकाकडीनु बी
कस पु० [स] कासु के तेनु वासण (२) प्याला (३) मजीरा (४) कस मामो

कई वि० कई, घटलुक
ककडी(–री) स्त्री० काकडी –के चोरको कटारीसे मारना=कीडी पर कटक आणवु जरा दोषनी भार शिक्षा करवी
ककनी स्त्री जुओ 'कँगना ( ) एक मीठाई [वणमाळा
ककहरा पु कक्का क ख ह सुधीनी
ककोडा,–रा पु० ककाडु 'सखमा'
ककोरना स० क्रि कोरवु खातरवु
कक्कड पु० सूका (चलममा पीवानो)
कक्का पु० प्राचीन एक देश (२) नगारु (३) काको
कक्ष पु० [स] काख बगल (२) कक्षा, दरज्जा (३) कदोरा
कक्षा स्त्री० [स] कक्षा श्रेणा, दरज्जो (२) सरखामणी (३) काख, बगल (४) काछडो
कखौरी स्त्री० जुओ 'कँखोरी
कगर-पु० ऊचा किनारो (२) कागरी (३) कोर, किनार (४) अ० किनारा पर (५) पासे
कगार पु० 'कगर' (नदीना) ऊचो किनारो (२) टेकरा
कच पु० [म] वाळ (२) कुस्तीनो एक दाव (३) 'कच' एवो कापवा के भाकवानो रव, कच भच (४) वि० कच्चा नु समासमा आवतु रूप उदा० 'कचपाया'
कचक स्त्री० कचडावायी थागवु ते
कचकच पु० कचकच, बकवाद
कचकचाना अ० क्रि० कचकचवु (२) दात कचकचाववा–पीसवा
कच(–ज)कोल पु० भिक्षापात्र

कचदिला वि० पोचा दिलनु न जीरवी शके एवु [कचपच, कचरच

कचपच पु० गीचोगीच होवु ते, भीड (२)

कचपची (चिया) स्त्री० कृत्तिका नक्षत्र

कचपेंदिया वि० काचा तळियानु (२) अस्थिर मननु [परिवार

कचबच पु० 'कच्चेबच्चे' कच्चाबच्चा,

कचर कचर पु० कचर कचर चाववानो अवाज (२) कचकच

कचरकूट पु० खूब कूटवु-मारवु ते (२) खूब पेट भराने भोजन

कचरना स०क्रि० [स कच्चरण] पगथी कचडवु दबाववु [(३) कचरो

कचरा पु० काकडी (२) काचु खडबूचु

कचरी स्त्री० एक वेल जेना फळ खावामा आवे छ

कचलोदा पु० कणकनो लूओ

कचलोहू पु० दूझता घामाथी झरतु पाणी

कचवासी स्त्री० जमीननु एक माप

कचवाट स्त्री० कचवाट खद अणगमा

कचहरी स्त्री० कचेरी -चढना=अदालते मामलो लई जवो -लगना=दरबार भरावो, ठठ जामवो [कचाश

कचाई स्त्री० काचापणु (२) कम अनुभव,

कचारना स०क्रि० कपडाने (कचरी धोबीने) धावा

कचालू पु० एक कद (२) एक जातनी तेनी वानी -करना, -बनाना= खूब पीटवु

कचिया पु० दातरडु

कचियाना अ०क्रि० हिंमत हारवु पाछु पडवु (२) शरमावु

कचूमर पु० कचुबर -करना, निकालना =खूब कूटवु, पीटवु (२) नाश करवु

कचोना स०क्रि० घर दईन खोसवु, भाकवु

कचोरा पु० कटारा, प्यालो

कचौडी (-री) स्त्री० अडदनी दाळ वगेरेना पूरणनो एक प्रकारनी पूरी

कच्चा वि० काचु (२) पु० काचा नरडो (३) जटवु, दाढ -करना= जूठु साबित करवु (२) शरमाववु -पडना=जूठु ठरवु कच्चे जीका होना=गभरावु

कच्चा चिट्ठा पु० खरेखरी वात, रहस्य, गुप्त भेद [वगरनो हाथ

कच्चा हाथ पु० काचा-आवडत

कच्ची वि० स्त्री० काची (२) स्त्री० काची रसोई *-गोली खेलना*=नादान होवु [खाड

कच्ची चीनी स्त्री० ओछी साफ करेली

कच्ची पक्की स्त्री० गाळ

कच्ची बही स्त्री० काचो चोपडो [वात

कच्ची बात स्त्री० अश्लील लज्जाजनक

कच्ची रसोई स्त्री० दाळभात जवी पाणीनी-बोटाय एवी रसोई

कच्चे पक्के दिन पु० चार पाच मासनो गभकाळ (२) व ऋतु वच्चनो गाळो

कच्चे बच्चे पु० कच्चाबच्चा, छोकराछया

कच्छ पु० [स] कछोटो (२) काचबो (३) कच्छ प्रदेश [काचबी)

कच्छप पु० [स] काचबा (स्त्री०-पी=

कछनी स्त्री० काछडो -काछना, -बाधना, -मारना=काछडो मारवो

कछान (-ना) पु० काछडो

कछार पु० [स कच्छ] समुद्र के नदी किनारानी कापवाळी जमीन

कछु (०क) वि० (प) 'कुछ', काई

कछुआ, –वा पु० काचवा
कछुई स्त्री० काचवी
कछोटा, कछौटा पु० 'कछनी' काछडो कछोटा [दाप, खाड
कज पु० [फा] वक्रता वांकापणु (२)
कजरा पु० काजळ (२) वि० काळी आंखवाळो (•ळ॰)
कजरारा वि० काजळवाळु (२) काळु
कजलाना अ०क्रि० [हिं काजल] काळु पडवु (२) (देवता) कजळावा बुझावु (३) स०क्रि० मेश आंजवी
कजली स्त्री० मेश(२)गंधक न पारानी कजली (३)एक प्रकारनु (वषान) गीत
कजलौटा पु० काजळनी डबी
कजा स्त्री० [अ] मरण (२) नसीब (३) नमाज के रोजानो समय चूकवो ते –करना = मरवु
कजा(-ज्जा)क पु० [तुर्की] लूटारु, कजाक –की स्त्री० लूट (२) दगो, छळकपट
कजावह[फा],कजावा पु० ऊंटनो काठडो
कजिया पु० [फा] कजिया झघडा (२) कोटनो झघडो –पाक होना= कजियो पतवो [दोप, खाड
कजी स्त्री० [फा] 'कज' वक्रता (२)
कज्जल पु० [स] काजळ मेश
कज्जाक पु० –की स्त्री० जुओ 'कजाक'
कटक पु०[स] फोज सेना (२) कडु कंकण (३) चटाई सादडी
कटकई स्त्री० (प) फोज कटक
कटकट स्त्री० दांतानो कटकट अवाज (२) कचकच ऋघडो
कटकटाना अ०क्रि० दांत कटकटाववा
कटखना वि० करडे एवु (२) पु० युक्ति
कटघरा पु० लाकडानु (जवु क,–कठरा-याळु साक्षी माट काटमा हाय छ) पांजरु
कटडा पु० भसनु पाडु
कटती स्त्री० वचाण रात
कटना अ०क्रि० कपावु (२) वीतवु (३) शरमावु ययवाण पटवु ('जाना' नी साथे) कटती कहना=काईनु कापतु –तेने घसातु कहवु
कटनी स्त्री० कापवानु ओजार के कापणी –काटना=आमतम िशभाग करवा –मारना=वशाख जठमा घास झाखरा खोदी काढवा (खडवा पहेला)
कटरा पु० नानु बजार (२) पाडु
कटवा वि० कपातु के कपायलु –ब्याज पु० कापतु व्याज
कटवाना स० क्रि० कपाववु
कटसरया स्त्री० काटामरियो
कटहरा पु० जुओ 'कटघरा'
कटहल पु० [स कटकि फल] फणस
कटहा वि० [स्त्री० –ही] कटखना करड एवु [के मजूरी
कटाई स्त्री० कापवानु –कापणीनु काम
कटाकट पु० कटकट अवाज (२) लडाई, कटाकट
कटाकटी स्त्री० मार-काट कापाकापी
कटाक्ष पु० [स] वक्र दृष्टि (२) कटाक्ष, व्यंग्य
कटान स्त्री० काटवु ते (२) कापणी
कटाना स० क्रि० कटाववु कपाववु
कटार, –री स्त्री० कटार हथियार
कटाव पु० कापवु के कापेलु ते (२) कापी करीने बनावेल वेलबुट्टा
कटि स्त्री० [स] केड कमर [कटिबंध
कटिबंध पु० कमरपटो (२) पृथ्वीनो

फटीला वि० [स्त्री० –ला] फाट ळ (२) जणादार (२) तीक्ष्ण (४) प्रभाव पाडे एव ज्जस्ना

कटु [स] ०क वि० कडवु [र वेण

कटूक्ति स्त्री [स] कडवी – अप्रिय वाणी

कटोरदान प० रसोई ाकी राखवानु एक वासण गरमु [वाटको

कटोरा पु० (–री स्त्री०) कटोरो

कटौती स्त्री० कोई रकममाथी अमुक भाग धमादा काढवो ते, धमादा लागो (२) दलाली (३) अदाजपत्रमा मुकातो काप – 'कट'

कट्टर वि० करडे एवु (२) कट्टर चस्त, दढ (३) हठीलु (४) अधश्रद्धाळु

कट्टहा पु० मरणने अगेनु दान लेनार ब्राह्मण, 'महाब्राह्मण'

कट्टा वि० हृष्टपुष्ट, 'हट्टा-कट्टा (२) बळवान (३) पु० जडवु, 'कच्चा'

कट्ठा पु० पाच हाथ चार आगळ जटलु जमाननु एक माप (२)काठा घउ

कठ पु० समासमा आवता (१) काठी, लाकडु के (२) जगली ह्रकु ए अथ बताव छ उदा० 'कठपुतळी, कठकेला' (३) [स] कठ ऋषि के एक उपनिषद

कठकेला पु० खासडियु केळु

कठफोडा पु० लक्कडफोडो कठफोडवा'

कठडा(–रा) पु० जुओ 'कटरा (२) जुओ 'कठौता'

कठताल पु० करताल

कठपुतली स्त्री० काष्ठनी पूतळी (२) जेम नचावे एम नाचे एवी व्यक्ति

कठफोडवा पु० जुओ 'कठकाला

कठबाप पु० बाजो सावका बाप

कठमलिया प०कठी पहेरनार–वगव(२) ठग–भगत, जूठो साधु

कठमस्त(–स्ता) वि० पाडा जेवु अल मस्त, हृष्टपुष्ट (२) व्यभिचारी (–स्ती स्त्री०)

कठरा पु० जुओ 'कठडा'

कठला पु० मादळियु के तेवी बच्चान पहेरावाती माळा

कठवत स्त्री०, –ता पु० जुओ 'कठला'

कठिन वि० [स] कठण

कठिनता, कठिनाई स्त्री० कठणाई

कठिनी स्त्री० लखवानो चाक, खडी

कठिया वि० कठण (२) कठण कातला वाळु उदा० 'कठिया बदाम, गहू'

कठियाना अ० क्रि० सुकाईने लाकडा जवु थई जवु

कठला, कठौता पु० लाकडानु एक पहोळु मोटु वासण कथरोट

कठोर वि०[स] कठण(२)निर्दय निष्ठुर

कठौता पु० जुओ 'कठला' –ती स्त्री० नाना कथरोट,

कडक स्त्री० कडाको, गजना (२) चपळता तडपवु ते (३) ददनो चसको (४) राकाईने बळतरा साथ पेशाब थवानो रोग

कडकड पु० कडकड अवाज

कडकडाता वि० कडकड अवाज करत (२) तज, प्रचड

कडकडाना अ०क्रि० कडकड अवाज थवो (२) (घी इ०) ककडवु (३) स०क्रि० कडकड अवाज साथे तोडवु (४) (घी इ०) ककडाववु

कडकडाहट स्त्री० ककडाट, कडकड अवाज

फडकना अ०क्रि० रउकड अवाज करवो (२) जोरथी तडकीन अवाज करवो (३) वडाका साथ फाटवु के तूटवु

फडखा पु० [हिं कडक] लडाइमां गावातु युद्धीत कखा

कडखत प० कखद—कखा गानार

कडबग अ० काळा न धोळा गाळवाळ

कडवा स्त्री० जारनी कउ 'कडवी'

कडवा वि० कडवु कडवा

कडवी स्त्री० जुआ कडवा

कडा प० कड (२) वि० [स कडु] [स्त्री० —डी] कठण (३) कडक (४) उग्र ग.रत दढ (५) तेज प्रचड (६) मुश्केल, दुष्कर (७) असह्य (८) करश

कडाई स्त्री० कडा' पणु

कडाका पु० कडाका [लांघो (२) अवाज]

कडाकेका वि० धारदार तेज खूब

कडाबीन स्त्री० [तु करावीन] नानी कानी नाळना बदूक

कडाहा पु० [स कटाह प्रा क ाह] कढयु

कडाही स्त्री० कडाइ

कडी स्त्री० [हिं कडी] माळनी एक कडी (२) कडी लटकाववानो आकडो (३) गीतनी कडी (४) लगाम (५) मुश्केली मुसीबत

कडुआ वि० [स्त्री० कडुई] कडवु (२) क्रोधी (३) अप्रिय कटु (४) कठण कडुआ —करना=धन बगाडवु —घूट= कडवा घूटडो कठण काम —मुह=कटु बोल्नार माढु —होना=गुस्से थवु

कडुआ तेल पु० सरसियु

कडुआना अ०क्रि० कडवु लागवु (२) गुस्से थवु (२) आखमा कळतर थवु

कडुआपन पु० कडुआहट स्त्री० कडवापण

कडए कसले दिन पु० ब० व० गराब— दुख पीडा के विपत्तिना दहाडा

कढना अ० क्रि० [स कर्षण] नीकळवु, बहार आवयु उदय थवो (२) नासी जवु (३) (दूध) घाटु थवु —ढन

कढाई स्त्री० कढाई 'कडाई' (२) कढवा परथी लाग

कढवाना, कढाना स० क्रि० (कढाना नु प्रेरक)

कढाव प० मोटुकडु कढाव त

कढी स्त्री० गु.नामा कढी —का सा उबाल=क्षणिक जोशना उभरा —म कोयला=दाळमा काट

कढोरना स०क्रि० (प) घसडवु घसडीन बहार काढवु

कण प० [स] कण दाणो —णिका स्त्री० नानो कण

कत प० [अ] कत कलमनो काप

कत अ० (प) केम ? शा माटे ?

कतई अ०[अ] बिलकुल एकदम नितात

कतना अ०क्रि० कतावु कातवानु काम थवु

कतनी स्त्री० 'कतरनी' कातर

कतब पु० जुआ 'कत्बा

कतरन स्त्री० कातरवाथी पडता टुकडा कापला—कापलीओ

कतरना स०क्रि० [स कर्तन] कातरवु

कतरनी स्त्री० कातर, कची

कतरब्योत स्त्री० कापकूप आम तेम करवु ते (२) जावु विचारवु ते, गडभाग

कतरवाना स०क्रि०कतरावु कतराना'

कतरा पु०[अ]टुकडो खड (२) बुंद,बिंदु

कतराई स्त्री० कातरवानु काम के तेनी मजूरी

कतराना स० क्रि० कतरावनु (२) अ० क्रि० कतराता जवु वाका फटावु
कतल पु० [अ क़त्ल] कतल, हत्या
कतलबाज पु० शिकारी, जल्लाद
कतला पु० [अ कतरा] सापनो टुकडो, फाड (२) एक माछली
कतलाम पु० [अ क़त्ले आम] सवसंहार, कतलेआम
कतली स्त्री० नानो टुकडो (मीठाई वगरेना)
कतवाना स० क्रि० कतावबु [वगर
कतवार पु० कूडोकचरो, रद्दी घास
कतहुँ (-हूँ) अ० क्याय काई जगाए
कता स्त्री० [अ कतअ] बनावट आकार (२) ढग (३) कपडानु वेतरण, 'कट
कताई स्त्री० कातवु ते के तेनी मजूरी
क़ता कलाम पु० [अ] वातमा वच्चे कहेवा लागवु-नडवु ते
कताना स० क्रि० 'कतवाना'
कतार स्त्री० [अ] पक्ति, हार (२) समूह जूथ
कतारा पु० लाल शेरडी
कति (०क, ०ेक) वि० केटलु, केवडु
कतिपय वि० [स] केटलुक
कतेक वि० जुओ 'कतिक'
कतौना स्त्री० जुओ 'कताई'
कत्ता पु० छरो वास फाडवानु ओजार
कत्तिन स्त्री० (मजूरी पर) कातनारी स्त्री
कत्ती स्त्री० छरा कटार
कत्थई वि० कथ्थाई (रगन)
कत्थक पु० गावा वजावा न नाचवानु काम करतो एक जात [वाड
कत्था पु० [स क्वाथ] काथो के तेनु
कत्बा पु० [अ] (मकान मसीद वगेरे पर लखातो के कोतरातो) लेख

क़त्ल, कत्लेआम पु० [अ] जुओ अनुक्रम 'कतल', 'कतलाम'
कथचित अ० [स] कदाच
कथक पु० [स] कथाकार (२) पुराणी (३) जुओ 'कत्थक'
कथकीकर पु० काथानु झाड
कथक्कड पु० कथा करनार
कथना स० क्रि० कहेवु [बकवाद
कथनी स्त्री० (प) कथनी वात (२)
कथरी स्त्री० गोदडी, कथा
कथा स्त्री० [स] कथा, वार्ता (२) धर्मनी कथा (३) खबर, हाल (४) वादविवाद बोलाचाली
कथानक पु० [स] कथा (२) नानी कथा
कथावस्तु स्त्री० [स] वार्तानु वस्तु
कथित वि० [स] कहेलु कहेवायलु
कथोपकथन पु० [स] वातचीत (२) वादविवाद
कदब पु० एक झाड 'कदम' (२) ढगलो
कद स्त्री० [अ कद्द] द्वेष (२) हठ (३) अ० [स कदा] क्यारे
क़द पु० [अ] कद ऊचाई
कद आवर वि० [अ+फा] कदावर, ऊंच
कदम पु० कदबनु झाड
क़दम पु० [अ] कदम पगलु -उठाना =पग उपाडवा, जल्दी चालवु -निकालना = (घोडाने) पलोटवो, केळववो -फरमाना, रजा करना= पधारवु, आववानी के जवानी तस्दी लेवी -बढाना=पग उपाडवो (२) आगळ वधवु -भरना=चालवु पगलु माडवु -मारना=दोडधाम करवी (चालवामा) खूब सपाटो मारवो -लेना=चरणस्पर्श करवो

कदमचा पु० [फा] पग मूकवानी जगा, जरी के जानवमा
कदमबोसी स्त्री० [अ] मोटाने पगे लागवु ते तमनी शुश्रूषा
कदर स्त्री० [अ] कदर किंमत
कदरज वि० कदरज कजूस (२) पु० एक पापीनु नाम
कदरदा(-दान) वि० गुणग्राही कदरदान
कदराई स्त्री० कायरता भीरुता
कदर्य वि० [स] कदरज कजूस
कदली स्त्री० [स] केळ
कदह पु० [अ] कटोरो वाडको
कदा अ० [स] क्यारे ?
कदाच(-चि) अ० (प) कदाच रखेन
कदाचित् अ० [स] कदाच (२) क्यारेक
कदापि अ० [स] क्यारे पण (प्राय नकार जोडे)
कदामत स्त्री० [अ] कदीमपणु -पसद वि० जुनवाणी कॉन्सर्वेटीव
कदीम(-मी) वि० [अ] जूनु पुराणु
कद्दू पु० [फा] जुओ कद्दू
कदूरत स्त्री० [अ] मेल गदापणु (२) वमनस्य अणवनाव
कद्दावर वि० [फा] कदावर
कद्दू पु० दूधी (तुमडा घाटनी) (२) काळु 'कुम्हडा'
कद्दूकश पु० [फा] छीणी
कद्दूदाना पु०[फा] झाडामा नीकळता धोळा नाना अमुक कीडा
कद्द-आदम वि०[अ]कदमा माणस जटलु
कधी अ० कदी -कधार=कदा कदी
कन पु० कण (२) प्रमाद (३) भिक्षान्न (४) शरीरशक्ति (५) समासमा 'कान' बदले आवे छे उदा० 'कनपटी'

कनक पु० घउनी एक जात (२) घउनो लोट (३) [स] सोनु (४) धतूरा
कनकटा पु० कानकट्टा (२) कान काटी लनारा [एक राग
कनकटी स्त्री० कानना पाछला भागनो
कनकना वि० जरामा तूटी जाय एवु, बरड (२) जरामा चिडाय एवु चीडियु (३) खजवाळ लावे एवु (४) अरुचिकर (नाम ०हट स्त्री०)
कनकनाना अ०क्रि० खजवाळ लागवी (२) न रुचवु
कनकी स्त्री० कणकी [जाणनारी
कनकूत पु० खडा पाक आकवो ते,
कनकौवा पु० कनकवो पतग
कनखजूरा पु० कानखजूरो
कनखियाना स०क्रि० त्रांसी नजरे जोवु के आखथी इशारा करवा
कनखी स्त्री० त्रांसी नजरे जोवु ते (२) आखनो इशारो -मारना=आखथी इशारो करवो के ना कहेवु
कनखोदनी स्त्री०कानखोतरणु-तेनी सळी
कनगुरिया स्त्री०(कानमा नखाती) सौथी नानी आगळी
कनछेदन पु० कान वीधवा ते
कनटोप पु० कानटोपी
कनपटी स्त्री० कान न आख वच्चेनी जगा लमणो
कनफटा पु० कानफटा गोरखपंथी साधु
कनफुका वि० [स्त्री० -की] कानमा मत्र फूकनार (गुरु)
कनफुसका वि०[स्त्री०-की] कानफूसियु
कनफुसली स्त्री० कानफासणी
कनरस पु० सगीत के वाता साभळवानो रस (वि० -सिया)

कनवास पु० कॅन्वास कपडु
कनसलाई स्त्री० नानो कानखजूरो
कनसार पु० कसारा
कनस्तर पु०[इ कॅनिस्टर] टिननो डब्बो
कनाअत स्त्री०[अ] सताप (२) सयम (३) सबूरी, खामोशी
कनागत पु० [स कन्यागत] श्राद्ध (२) श्राद्धनु पखवाडियु [जाडो पडदो
कनात स्त्री० [अ] तबनो कनात के
कनारी स्त्री० कानडा भाषा
कनिया स्त्री० गोद खोळो
कनिष्ठ वि० [स] नानामा नान (२) छेक ऊतरत [आगळी
कनिष्ठा,-ष्ठिका स्त्री० [स] टचली
कनी स्त्री० कणी (२) हीराकणी (३) कणको (४) बुद
कनीज़ स्त्री० [फा] दासी नोकरडी
कनीनिका स्त्री० [स] आखनी कीकी (२) कन्या
कने अ० कने, पास (२) तरफ बाजु
कनठा वि० काणु (२) वाडु
कनेठी स्त्री० कान आमळवो ते
कनर पु० करेण -रिया वि० करेणना फूलना रगनु
कनौडा वि० काणु (२) अपग खोडवाळु (३) प० खरीदलो दास (४) कृतज्ञ माणस (५) नीच क्षुद्र आदमी
कनौती स्त्री० पशुनो कान के तनो छेडा (२) काननी वाळी (३) कान ऊचा करवानी रीत
कन्ना पु [स कण, प्रा कण्ण] पतगनी कन्ना (२) किनार कोर
कन्नी स्त्री० पतगनी बे बाजु (२) कन्नी पतगनी लाबी पूछडी (३) किनार -खाना या मारना = (पतगनु) गिनावु, कन्नानु -देना = पतगन छूट आपवी
कन्या, -न्यका स्त्री० [स] कुवारी छोकरी (२) दीकरी
कन्हाई, कन्हया पु० कृष्ण (२) प्रिय माणस (३) सुदर छोकरा
कपट पु० [स] दगो, छळ (२) छुपाववु ते
कपटना स० क्रि० कापी लेवु, चातरवु
कपटी वि० [स] कपट करे एवु दगाबाज
कपडछ(-छा)न पु० कपडाथी चाळवु ते (२) वि० तेवी रीत चाळलु अति बारीक [भडार
कपडद्वार पु० वस्त्र भडार, कापडना
कपडमिट्टी स्त्री० दवा बनाववाना पात्रनु माढु बध करवा कपडु बाधी माटीनो लेप करवो ते
कपडा पु० [स कपट प्रा कप्पट,-ड] कपडु, वस्त्र कपडे आना, कपडास होना = स्त्रीने मासिक धम आववो
कपडा लत्ता पु० कपडालत्ता
कपडौटी स्त्री० जुओ 'कपडमिट्टी'
कपाट पु० [स] कमाड, बारणु
कपार(-ल) प० कपाळ (२) खोपरी ( ) ठीकर के एवु भिक्षापात्र
कपाली पु० [स] शिव (-) एक जातनो मागण -सा धुभिक्षारी
कपास स्त्री० [स कर्पास] कपास
कपासी वि० कपासना फूलना रग, आछु पीळु (२) पु० तेवो रग
कपि पु० [स] वादरो (२) हाथी
कपित्थ पु० [स] कोठु के कोठी

कपिल वि [सं] भूरु (२) धोळु (३) पु० एक ऋषि [गाय
कपिला स्त्री० [सं] कपिल रंगनी (सीधी)
कपिश,-स वि० माटी रंगनु
कपूत पु० कुपुत्र खराब छोकरा
कपूर पु० कपूर पदार्थ
कपूरी वि० कपूरनु बनेलु के तेना रंगनु (२) पु० तेवो रंग (३) कपूरी पान
कपोत पु० [सं] कबूतर (२) पक्षी
कपोती स्त्री० कबूतरी (२) वि० कबूतरना रंगनु
कपोल पु० [सं] गाल [बनावटी वात
कपोलकल्पना स्त्री० [सं] गप, जूठ
कपोलकल्पित वि० [सं] बनावटी जूठु
कप्तान पु० कॅप्टन (वहाण या सेना इ०नो)
कफ पु० शरीरनो कफ (२) [फा] हथेळी के पगनु तळियु (३) फीण (४) [इं] खमीसना कफ कफे अफसोस मलना=पस्तावामां हाथ घसवा
कफगीर पु० [फा] कडछी
कफन पु० [अ] शबनु कफन -की कौडी न रखना=कमावु एटलु वापरी नाखवु -की कौडी न होना या रहना=अत्यंत गरीब होवु -फाडकर बोलना=एकदम जोरथी बोलवु -लपेटना, सिरसे बांधना=जान जोखममां नाखवा मरणिया थवु
कफन-खसोट वि० (नाम -टी) कंजूस अत्यंत लोभी
कफनाना स०क्रि० कफनमां मडदु लपेटवु
कफनी स्त्री० फकीरनो चोळो कफनी
कफस पु० [अ] पांजरु (२) पक्षीना चबूतरी (३) कैदखानु (४) हवा उजास वगरनी सांकडी जगा (५) शरीर

कफा(-फ्फा)रा पु० [अ] पापोनु प्रायश्चित्त
कब अ० क्यारे? -का, के, से=क्यारनु
कबड्डी स्त्री० हुतुतुतु
कबर स्त्री० जुओ 'कब्र' ०स्तान पु० जुओ 'कब्रिस्तान'
कबरा, -री वि० [सं कर्बर प्रा कब्बर] (स्त्री०-री) काबरु काबरचीतरु
कबरिस्तान पु [अ] कब्रस्तान
कबल अ० [अ] पहेलां, पूर्वे (२) वि० पूर्वनु पुराणु
कबस पु० [?] पेटनु एक दरद
कबा पु० [अ] एक जातनो लांबो ने खूलतो झभ्भो [के काम
कबाड(-र) पु० रद्दी नकामी वस्तु
कबाडा पु० नकामी वात झघडो
कबाडिया, कबाडी पु० भांग्या तूटया के रद्दी मालनो वेपारी (२) नकाम के तुच्छ काम करनार (३) झघडाखोर
कबाब पु० [अ] मांसनी एक वानी
कबाबी वि० कबाब वेचनार (२) मांसाहारी
कबाय पु० कबा एक जातनो झभ्भो
कबार पु० रोजगार वेपार (२) कबाड
कबाला पु० [अ] करारो, वेचाणखत सोदानो दस्तावेज
कबाहत स्त्री० [अ] बूराई दुष्टता (२) मुश्केली अडचण [मित्र कबीर
कबीर वि० [अ] श्रेष्ठ महान (२) पु०
कबीला स्त्री० [अ] स्त्री, जात (२) कबीलो, परिवार
कबुलवाना कबुलाना स०क्रि० कबुलाववु
कबूतर पु० [फा] कबूतर, कपोत
कबूतरबाज वि० [फा] कबूतर पाळनार

कबूद वि० [फा] आसमानी, नील
कबूल पु० [अ] स्वीकार, कबूल्त
कबूलना स० क्रि० कबूलवु, स्वीकारवु
कबूलियत स्त्री० [अ] कबूल मजूरीनो दस्तावेज कबूलतनामु
कबूली स्त्री० [फा] चणानी दाळनी खीचडी [कब्जियात
कब्ज पु० [अ] ग्रहण, पकड (२)
क़ब्जा पु० [अ] (तलवारनी) मूठ, दस्ता (२) कब्जा अधिकार (३) नरमादा, वरडवा
कब्जादार पु० [फा] कब्जो धरावनार आसामी (२) वि० कबजावाळु
क़ब्जियत स्त्री० [अ] कबजियात
क़ब्र स्त्री० [अ] कबर –में पाव या पैर लटकाना=मरण पासे होवु (२) बहु घरडा थवु
कब्र(–ब्रि)स्तान पु० [फा] कब्रस्तान
कभी अ० कोई पण वखते क्यारे पण –कभी, –कभार=अवारनवार, क्यारे क्यारे –का अ० क्यारनु घणा वखतथी –न कभी=कोई ने कोई वखत
कभू अ० (प) जुआ 'कभी'
कमगर पु० [फा कमानगर] कमान बनावनार (२) हाडवैद (३) चितारा (४) वि० दक्ष निपुण
कमगरी स्त्री० 'कमगर'नो धंधो के काम
कमचा पु० शारडी फरववानु कामठा जेवु ओजार
कमडल पु० कमडळ (साधुनु)
कमडली वि० कमडलु राखनार साधु (२) पाखडी (३) पु० ब्रह्मा
कमडलु पु० [स] (साधुनु) कमडळ
कमद पु० कबध (प) (२) [फा] जगली पशुने बाधवानो पाश
कम वि० [फा] थोड, ओछु (२) खराब (प्राय समासमा) जेम के कमनसीब
कमअसल वि० [फा + अ] वर्णसकर
कमखाब पु० [फा] किनखाब
कमची स्त्री० [तु] पातळी साटी, चाबुक
कमच्छा स्त्री० कामाक्षी देवी
कमजोर वि० [फा] कमजोर, अशक्त (नाम –री स्त्री०)
कमठ पु० [स] काचबो (२) कमठाळ, वास (३) साधुनी तूमडी
कमठा पु० [स कमठ] कामठु, धनुष्य
कमठी स्त्री० कमठाडु (२) [स] काचबी
कमतर वि० [फा] बहु ओछु
कमती स्त्री० (२) वि० कमी, ओछु
कमनीय वि० [स] सुदर मनोहर
कमनत पु० बाणावळी, तीरदाज
कमबख्त वि० [फा] कमनसीब, दुर्भागी (नाम, –ख्ती स्त्री०)
कमयाब वि० [फा] दुर्लभ
कमर स्त्री० [फा] केड कमर –टूटना= निरुत्साह निराश थवु
कमर पु० [अ] चद्रमा
कमरकाट,-टा पु० किल्लानी उपरनी (कागरा इ०वाळी) वडी के दीवाल
कमरख स्त्री० कमरखी के कमरख फळ
कमरखी वि० कमरखना आकारनु
कमरबद पु० [फा] कमरबध (पटो, नाडु इ०) (२) वि० तत्पर
कमरा पु० कोटडी ओरडो (२) कॅमेरा (३) कामळो
कमरिया पु० एक प्रकारनो हाथी

कमल पु०[म] कमळनु फूल क नला (२) कमळा रोग [बीज
कमलगट्टा पु० कमळकाकडी कमळनु
कमलबाई स्त्री० कमळाना राग
कमला स्त्री०[म] लक्ष्मी (२) कातरा जवु एक जीवडु (३) अनाजमा पडतु एक जतु टाला' [(म) ब्रह्मा
कमली स्त्री० नानी कामळी (२) पु०
कमवाना स०क्रि० 'कमाना नु प्रेरक
कमसिन वि० [फा] कम उमरनु
कमसिनी स्त्री० [फा] बाळपण
कमसे कम अ० ओछामा ओछु (२) काई नहि ता
कमाई स्त्री०कमाणी के तेनु काम के धधो
कमाऊ वि० कमाउ कमानारु
कमान स्त्री० [फा] धनुष (२) कमान (घरनी) (३) तोप के बदूक
कमान स्त्री० [इ कमाड] लश्करी आज्ञा के नोकरी
कमाना स०क्रि० कमावु (२) कमाववु केळववु कमीन दढ करवु (३) नानु मोटु (सेवानु) काम करवु(४)क्रम करवु
कमानिया पु० जुआ कमनैत'
कमानी स्त्री० स्प्रिंग कमान
कमाल पु०[अ] सपूर्णता (२) कुशळता (३) अदभुत काम (४) वि० कमाल
कमालियत स्त्री० [अ] कमालपणु
कमासुत वि० कमाउ (२) उद्यमी
कमिटी स्त्री० [इ] कमिटी समिति
कमिश्नर पु० [इ] कमिशनर
कमिश्नरी स्त्री० कमिशनरनी कचेरी के तेनु काम के तेनी हकूमतनो प्रदेश
कमी स्त्री० [फा] कमी, ऊणप (२) हानि नुकसान

कमीज(-स) स्त्री० [अ] खमीस
कमीन पु० कसबाय
कमीना वि० [फा] कमी जाछ क्षुद्र [नाम -नगी,-नो (स्त्री०) ०पन पु०]
कमीशन पु० [इ] कमिशन दलाली (२) खास काम माटे नीमलु मडळ— कमिशन
कमीस स्त्री० जुओ 'कमीज
कमून पु० [अ] जीरु
कमूनी वि० [फा] जीरावाळु के जीरा सबधी (२) स्त्री० (जीरानी) एक दवा
कमेटी स्त्री० कमिटी समिति
कमेरा पु० काम करनारो मजूर नोकर
कमेला पु०पशु मारवानी जगा कतलखानु
कमोरा पु० माटीनु एक वासण (जेवु के घडा, माटलु)
कमोरी स्त्री० माटली नाना कमोरा
कम्बख्त वि० [फा] कमबख्त कमनसीब
कम्मा पु० ताडपत्र पर लखलो लेख
कम्युनिज्म पु० [इ] साम्यवाद
कम्युनिस्ट पु० [इ] साम्यवादी
कयाफा पु० [अ] चहेरो सिकल सूरत ०शिनास वि० [फा] चहेरो जोई मनना भाव समजनार
कयाम पु० [अ] रोकावु ते के तेनी जगा विश्राम (२) स्थिरता निश्चय
कयामत स्त्री० [अ] कयामत (२) प्रलय (३) ऊथलपाथल खळभळाट
कयास पु० [अ] कयास ख्याल अनुमान -दौडाना, -लगाना, -लडाना = कयास बाधवो ख्याल दोडाववा -में आना= समजावु, ख्यालमा आववु
कयासी वि० कल्पित ख्याली
करक पु० [म] हाडपिंजर

करज,–जा पु० [म] जुओ 'कजा'
करड प० [म] मधपूडा (२) करडियो के टोपली
करतोना पु० [इ क्वोरंटाइन] चेपी रोगना स्थानमायी आवनारने अमुक वखत एक स्थान रोकी लेवामा आवे छे ते जगा
कर पु० [म] हाथ (२) किरण (३) करवेरा (४) हाथीनी सूढ (५) (प) 'का – न' सबधक प्रत्ययना अर्थमा
करई स्त्री० एक माटीनु वासण (२) अनाजनो भडार
करक स्त्री० जुओ 'कडक' (२) [म] करवडो कमन्डलु (३) दाडम
करकट पु० कतवार, कचरो
करकना अ०क्रि० जुओ 'कडकना'
करकरा वि० [स कर्कर] ककरु
करकराहट स्त्री० ककरापणु(२)आखमा काकरी पडवानी पीडा
करकस वि० (प) ककश
करखा पु० जुओ 'कडखा (२)उश्केरणी (३) मेश 'करिखा'
करगह, करघा [फा कारगाह] पु० साळ के तेना पावडीनो खाडो
कर(–ल)छा पु० कडछा
कर(–ल)छी स्त्री० कडछी
करछुला पु० मोटा कडछो(भाडभूजानो)
करज पु० [म] नख (२) आगळी
करण पु [म] ओजार साधन (२) इद्रिय (३) देह शरीर (४) (व्या) त्रीजी विभक्तियी सूचवातो अर्थ
करणोय वि० [स] करवा योग्य
करतब पु० कर्तव्य काम (२) हुनर कळा (३) करामत, जादु
करतबी वि० पुरुषार्थी (२) निपुण, 'करतब'वाळु (जुओ 'करतब')
करतल पु० [म], –ली स्त्री० हथेळी
करता पु० कर्ता (२) बदूकनी गोळी जाय तेटलु अतर
करतार पु० परमेश्वर, जगकर्ता
करताल पु०, –ली स्त्री० [स] हाथनी ताळी (२) वगाडवानी करताल (३) मजीरा [कळा हुनर
करतूत(–ति) स्त्री० करतूक, काम(२)
करद वि०[स] कर आपनार, आधीन (२) स्त्री० [फा कारद] छरी
करदा पु० खरीदेला मालमा कचरा इत्यादि होय ते खाद के ते पटेनु बारदान कपाय ते (२) नवा माल पेटे जूनो आपी बदलो करता उपर आपवानु रहेतु बाकी वळतर
करदोरा पु० कदोरो
करधनी स्त्री० कदोरो
करधर पु० वादळ मेघ
करनफूल पु० काननी फूलवाळी
करनबीक पु०[ज] अक काढवानु एक मानु वासण [स०क्रि० करवु
करना पु० एक जातनु माटु लीबु (२)
करनाई स्त्री० [अ करनाय] शरणाई
करनाटक पु० कर्णाटक प्रात –की पु० कर्णाटकी (२) जादुगर के खेलाडी
करनाल प० [अ करनाय] 'करनाइ' (२) मोटु ढोल (३) एक जातनी तोप
करनी स्त्री० करणी (२) मरणक्रिया (३) कडियानु लेलु [अमलदार
करनल पु०[इ कर्नल]एक ऊचा लश्करी
करपर वि० कृपण, कजूस (२) स्त्री० (प) कपर, खापरी

करवरना अ०क्रि० क॒रव॒न॒ ररता
करवला पु० [अ] तारत डगाउवानी नगा (२) निजळ प्रश्न ( ) त्रस्नान (४) (म) हारर ऊमनन ज्या माया त स्थान [( ) रमर रेड
करस प० [त] हाथा र ऊटन वच्च
करम पु० वम काम (-) वरम नसीब (२) [अ] महरबाना कृपा (४) उदारता
करमकल्ला पु० करमकल्लो, वाजी
करमठ, करमो वि० कमठ कमकाडी
कर(-ल)मुहा वि० अजा कलमहा'
करवट स्त्री० [म करवर्तन] पासाभर सूवु त पासु -खाना, -होना=फरी जवु -न लेना=कोइ काय विषे ध्यान न रासवु -बदलना, -लेना=पासु बदलवु (२)पलटवु करवटें बदलना= पथारीमा बचेन पासा घस्या करवा
करवट, करवत पु० [स करपत्र] करवत आडियु -लेना =(काशीए) करवत मलाववु
करवर स्त्री० विपत्ति, सक्ट, मुसीबत
करवा प० करवडा, धातु माटीनो नाळवाळो लोटो ०चौथ स्त्री० कारतक वद चाथ (स्त्रीओ 'करवा'थी गारी पूजा कर छे)
करवाना स० क्रि० करावबु, 'कराना
करवार(-ल) प०[स करवाल]तलवार
करवाली स्त्री० नानी तलवार, कटार 'करौली
करवीर पु० [स] करेण (२) तलवार
करवया वि० करनार करवयो
करश्मा पु० [फा] चमत्कार अदभुत करामत
करष(-षा)पु०[स कष] वर अणवनाव
करष(-स)ना स० क्रि (१) आकरव खचव (२) सूकवव (३) गटव एकठ कर
करसान प० 'किसान, खडून
करसायर(-ल) प० काळो मग
करसी स्त्री छाणाना टकडा
करह पु० ऊट (२) फलनी कळी
करात प० ररवत
करांती पु० वरणियो [गाप
कराइत प० 'करत एक यरी काळो
कराई स्त्री० काळप शामळापण (२) करवानी के करावयानी हिमत (३) दाळनु भूस
कराना स०क्रि० करावबु [सगाई
करावत स्त्री०[अ]समीपता (२)सबध
करावा पु०[अ] माटा काचनो शीशो
करावीन स्त्री० [तु] जुना बडावीन
करामात स्त्री०अ०व०चमत्कार करदमा'
करामाती वि० सिद्ध, चमत्कारी
क़रार पु०[अ] स्थिरता (२) धीरज, सतोष (३) आराम चेन (४) करार वायदो ठराव (५)[म कराल?]कराड, भखड 'करारा' -आना=आराम थवो चेन पडवु -देना=नक्की करवु ठराव करवा -पाना=ठरवु, नक्की थवु
क़रार-दाद पु० [अ +फा] लणदेणने अगनो करार
करारा प० कराड भेखड (२) वि० कराल तीक्ष्ण तेज, कठोर
कराल वि०[स] विकराळ भयानक
कराव(-वा) पु० नातरु काईने त्या ठाम बेसवु ते
कराह पु० पीडाथी आह करवु ते

कराहना अ० क्रि० पीडाथी आह् आह् करवु ['कडाही'
कराहा, कराही जुआ अनुक्रमे 'कडाहा',
कराहियत स्त्री० [अ] अप्रसन्नता, अणगमो (२) अयोग्य के निंद्य काम (४) घणा 'नफरत'
करिखई स्त्री० 'कराई', काळप
करिखा पु० 'करखा', मश
करिणी [स] -नी स्त्री० हाथणी
करिया वि० काळु (२) पु० खलासी (३) हल्सु
करिहा(०व) स्त्री० कमर कटि
करी पु० [स] हाथी
करीन वि० [अ] निकट सगत जोडेनु
करीना पु०[अ]रीत ढग [लगभग
करीब अ० [अ] पास, नजदीक (२)
करीम वि० [अ] दयाळु (२) पु० ईश्वर
करीर [स] -ल पु० वासनो फणगो (२) काटाळु एक झाड केरडो
करीह वि० [अ] चीतरी चडे एवु घृणाजनक
करुआ वि० (प) कडवु 'कडुआ'
करुआई स्त्री० (प) कडवापणु कटुता
करुण वि० [स] दयाळु (२) पु० करुण रस, दया
करुणा स्त्री० [स] दया (२) शोक
करे(-ले)जा पु० 'कलेजा', कलेजु
करेब स्त्री० [इ क्रेप] करेप एक बारीक रेशमी कपडु
करेमू पु० एक भाजी
करेर वि० कठोर
करे(-र)ला पु० कारेली के कारेलु
करत पु० जुओ 'कराइत [माटी
करल, -ली मिट्टी स्त्री० काप जेवी काळी
करला पु० जुआ 'करेला'
करोड वि० करोड सख्या
करोडी पु० खजानची
करोदना, करोना स० क्रि० खणवु, खोतरवु, खोदवु
करौंदा पु० [स करमर्द] करमदी
करौत पु० 'करात' करवत (२) स्त्री० रखात-दासी
करौता पु० करवत (२) जुआ 'करावा'
करौती स्त्री० आरी (२) नानो 'करावा' (३) काचनी भठ्ठी
करौली स्त्री० जुओ 'करवाली'
कर्कट पु० जुओ 'करकट'
कर्कर पु०[स] करकर (२) वि० कर्कश
कर्कश वि० [स] कठोर (२) पु० तलवार (३) शरडी
कर्चूर पु० [स] सोनु
कर्ज(-र्जा) पु०[अ]करज देवु -उठाना, -खाना,-लेना=देवु करवु(२)सपाटामा आववु -उतारना, -पाक करना=देवु चकते करवु
कर्जख्वाह पु० लेणदार
कर्जदार प० देवादार
कर्जा पु० जुआ कर्ज'
कर्ण पु० [स] कान (२) सुकान (३) काटखूण त्रिकोणनी कर्णलीटी (४) (स) कर्ण [सुकान
कर्णधार पु०[स] नाविक सुकानी (२)
कर्त्तन पु०[स] कापवु ते (२) कातवु ते
कर्त्तव्य पु० [स] फरज (२) वि० करवा योग्य
कर्त्ता पु० [स] कर्ता
कर्त्तार पु० करतार प्रभु
कर्दम पु०[स] कादव (२) मास (३) पाप

क़न प [अ] नाया नमन
कपूर प० [स] कपूर
कपुर पु [त] नान (२) वि० नागर
कम प [त] तन नाम (४) करम नगार ( ) ब्रितारम
कमक(–का)र प० म्हार वे नानी(२) नागर (३) मठन (४) अग्नि
कमचारी प०[त] ।नयरना(२) मिन्दार
कमठ वि०[त] कामडुगाळ (२) मध्या पूजा इ० नियमित करनार
कमण्य वि० [स] उद्यागी प्रयत्नशील
कममास प० [स] श्रावण मास
कमयुग प० [त] कलियुग
कर पु०[अ] विनय (२) वभव प्रभाव —व फर=वभव अने शाभा
कर्रा वि० कडा कठण मुश्केल
कर्राना अ०क्रि० कर्रु थवु
कलक प० [स] डाघ (२) एब
कलँगी स्त्री० कलगी
कलंदर पु०[अ] एक जातना मुसलमान विरागी साधु (२) मदारी
कल पु० [स] मधुर ध्वनि (२) वि० मदर (३) स्त्री० [स कल्य, प्रा कल्ल] आरोग्य (४) आराम सुख कळ, नताप (५) अ० काले (६) स्त्री०कळा, युक्ति (७) कळ, यत्र —पाना=कळ वळवी शांति के सताप थवा —से अ० आरामथी (२) धीरे धीरे
कलई स्त्री०[अ] कलाई (२) वहारनो ओप (३) चूनाथी धोळवु ते —उडना, उतरना=कलाई ऊतरवी —करना, पोतना=धोळवु —करना, होना=कलाई करवी के थवी —खुलना=उघाडु पडवु —न लगना=युक्ति ना चालवी
क़लईगर प०कलाई करनारो कलईवाळो
क़लईदार वि०[फा] कलाई करेलु [कद
कलक प० [अ] रज (२) दुःख चिंता
वल्कल ।० [स] गडनाळ नरण वह न वस्त्र(२) ... ( )स्त्री० लपडा
कल्का वि० जाडा मिजाज ...
कल्कानि स्त्री हगलाग मनाग्ला
कलटर प० कलेक्टर
कलगी स्त्री [तु] पानी के मुगट इ० नी कलगी (२) मकानना उपरना भाग
कल्छा, कलछी जुओ करछा करछी'
कलछुला प जुओ 'करछुला
कलत्र स्त्री० [स] स्त्री पत्नी
कलदार वि० कळ–चावी के छापवाळु (२) प० कलदार रुपिया
कलधूत प०[स] चादी [मधर ध्वनि
कलधौत पु० [स] सानु (२) चादी (३)
कलप पु० [स कल्प] वाळनो कल्प (२) जुओ 'कलफ
कलपना अ० क्रि० कल्पात करव कल्पवु (२) स० क्रि० कापवु
कलफ पु० कपडानी अस्तरी करवामा नखाती आर(२)चहेरा परनु काळु चाठु
कलबल पु० उपाय युक्ति (२) कलबल गरबड
कलबूत प० [फा कालबूद] कालबूत(२) (पाघडी टापी इ० नो) फरमो
कलम पु० स्त्री० कलम (लखवानी के रोपवानी) (२) चित्रकारनी पीछी के शिल्पीनु टाकणु (३) धरु करी ववातु धान(४)कान पासे हजामतमाथी बाकी रखाता नाना वाळ —खीचना, फेरना, वा मारना=लखेलु रद करवु चेकी नाखवु —तोडना=लखवामा हद करवी

कलम-कसाई पु० [अ] गणेशी छता लोकन हानि करनार
कलमतराश पु० [फा] चाकु
कलमदान पु०[फा] कलमदानी, कलम-खडियो गखवाना डब्बा के तेनु साधन
कलमबंद वि० स्पष्ट (२)ठीक, बराबर
क़लम री स्त्री० [फा] राज्य, सल्तनत
कलमा पु०[अ]वाक्य वात(२)कलमा
–पढना=मुसलमान थवु (२) कलामा पर श्रद्धा राखवी
कलमी वि०[अ]लखेलु कलमबन्द'(२) कलमी (आंबा इ०) [(३) अभागी
कलमुहाँ वि० काळा मानु (२) कलंकित
कलवरिया स्त्री० दारूनु पीठु
कलवार पु० कलाल
कलश(–स) पु०[स] कळश, घडा(२) मंदिर इ० नु शिखर
कलसा पु० कलश कळशियो (२) मंदिरनु शिखर
कलसी स्त्री० नानो 'कलसा
कलह पु० [स] झघडो, लडाई
कलहनी, कलहारी वि०स्त्री० लडकणी, झघडाळु (स्त्री)
कलही वि० कलहप्रिय, लडकणु
कला वि० [फा] मोटु, वडु
कला स्त्री०[स] कळा (२) युक्ति छळ
कलाई स्त्री० हाथनु कांडु(२) कलावा' नु अल्पतावाचक रूप [–बरफी
क़लाकंद पु०[फा]मावानी एक मीठाई
कलाधर पु० [स] चंद्र (२) शंकर
कलाप पु०[स] झुड गुच्छ (२) मोरनु पूछ (३) चंद्र (४) वाणनु भाथु
कलापी पु० [स] मोर (२) कोयल

कलाबत्तू पु०[तुर्की–कलाबतून]कसबू सोना चांदीना तारनाळा रेशमा दा के तारु माळियु [उस्ता
कलाबाज़ वि० गुलकूद के नटक्रियाम
कलाबाज़ी स्त्री० गुलाट, गाटमडु
–करना, खाना=गाटमडु खानु
कलाम पु०[अ] वाक्य (२) वातचीत (३) प्रतिज्ञा (४) वांधो, शकको
कलार(–ल) पु० 'कलवार', कलाल
कलावा पु० सूतरनु कोकडु, लाल नाडाछडीनु कोकडु
कलिंग पु०[स] कलिंगडु, तडबूच (२) कालिंगडा राग (३) एक प्राचीन देश
कलिंदी स्त्री०[स]कालिंदी, जमना नदी
कलि पु० [स] झघडो (२) पाप (३) कलियुग (४) वि० काळुं
कलिका स्त्री० [स] कळी
कलिमल पु० [स] पाप
क़लिया पु०[अ]रसादार पकावेलु मांस
कलियान पु०[फा] एक जातनो हुक्को
कलियाना अ०क्रि० कळीओ बेसवी (२) पक्षीने पांख आववी
कलियुग पु० [स] कळियुग
कलींदा पु० कलिंगड तडबूच
कली स्त्री० फूलनी के पहेरणनी कळी (२) पक्षीनी नवी आवेली पांख(३) हुक्काना नीचेनो भाग (४)[अ कलई] पथ्थर वगरेना टुकडा जनो चूनो बने छ –लेना=झाडन कळी बसवी
कलील वि० [अ] अल्प थोडु
कलीसा पु०[फा]यहूदी के ख्रिस्ती देवळ
कलीसिया पु०यहूदी के ख्रिस्ती धर्ममंडळ
कलुख,–ष [स] पु० पाप मेल (२) वि० पापी मलीन

कलुपाई स्त्री० चित्तनी कलुपता
कलुपित वि० [स] पापी मलिन, दोषित
कलूटा वि० [स्त्री० –टी] काळ
कलेऊ पु० कलेवा, नास्ता
कलेजा पु० कलेजु काळजु (२) छाती –उलटना=ऊलटी करता जीव गभरावो –ठंडा करना=सतोषवु –निकलना=जीव जवो जेवु लागवु –निकाल कर रखना=सर्वस्व दई देवु –पक जाना=सहन करी करीने थाकी जवु –मुहको या मुह तक आना=आकुळव्याकुळ के बेचेन थवु गभरावु कलेजे पर साप लोटना= काई साभरी आवता शोक थवो
कलेजी स्त्री० पशुना काळजानु मास
कलेवर पु०[स] शरीर (२)खोखु ढाचो
कलेवा पु० नास्तो (२)भाथु (३)कन्या जवी विवाहनी एक रीत –करना= खाई जवु (२) मारी नाखवु
कलया स्त्री० गुलाट गोटमडु
कलोर स्त्री० वाछडी
कल्लोल पु० कल्लोल
कलोलना अ० क्रि० कल्लोलवु आनदवु
कलौंजी स्त्री० एक जातनु शाक
कलौटा वि० जुओ 'कलूटा'
कल्कि पु० [स] कल्कि अवतार
कल्प पु० [स] (ब्रह्माना दिवस जेटलो) लाबो काळ (२)वेदनु (छमानु) एक अग
कल्प-तरु, –द्रुम पु० [स] कल्पवृक्ष
कल्पना स्त्री० [स] रचना बनावट (२) मननी कल्पनाशक्ति (३) कल्पी काढेली वात, मान्यता
कल्पवास पु० [स] माह महिनामा गगातट पर सयमपूर्वक वास –एक व्रत
कल्पान्त पु० [स] प्रलय
कल्पित वि० [स] कल्पेलु
कल्ब पु० [अ] हृदय (२) बुद्धि (३) मध्य भाग (४) खोटी चादी के सोनु
कल्मष पु० [स] पाप, मेल
कल्माष वि० [स] काबरचीतरु (२)काळु
कल्य पु० [स] सवार (२) शराब
कल्याण पु० [स] कल्याण भलु (२) सोनु (३)एक राग (४)वि० भलु सारु
कल्लर पु० कल्हर खारी माटी, ऊस (२) ऊखर जमीन
कल्लाच वि० जुओ 'कल्लाश' (२) शठ बदमाश गुडो
कल्ला पु० अवाज (२) अकुर (३) दीवानु मोढियु (४) [फा कल्ला] जडबु (५) गळु, बकरी इ०नु माथु –मारना=डिंग मारवी छाटवु
कल्लातोड वि० जडबातोड जबरदस्त
कल्लादराज वि० [फा] बहु बोलनार बकवादी [नाम –जी स्त्री०]
कल्लाना अ० क्रि० वागवाथी के कशाथी चामडी बळवी बळतरा थवी (२) असह्य थवु
कल्लाश वि० [तु] गरीब कगाळ (२) नफट निलज्ज (३) दारूडियो
कल्लोल पु० [स] तरग मोजु (२)क्रीडा, गमत आनद
कल्लोलिनी स्त्री० [स] नदी
कल्ह अ० काले, काले
कल्हर पु० जुओ 'कल्लर'
कल्हारना स० क्रि० तळवु (२)अ०क्रि० 'कराहना' दु खनो उद्गार काढवो
कवच पु० [स] बखतर (२) ढाकण (३) मोटु ढोल डको

कवन स० (प) 'कौन' काण

कवर पु० [इ] क्वर, पूठु के परवीडियु (२) [स] वाळना गुच्छो (३) मीठु(४) [स क्वल] कोळियो

कवरो स्त्री० [स] वेणी

कवल पु० [म] काळिया

कवलित वि० [म] काळियो कराई गयेलु भक्षित

क़वाम पु० [अ] किमाम', चासणी, उकाळीने मघ जवो करला रस

क़वायद पु० [अ कायदा' नु व०व०] नियम, शिस्त (२) स्त्री० क्वायत (३) व्यवस्था, शिस्त (४) व्याकरण

कवि पु० [स] कवि, काव्य रचनार (२) [स] शुक्राचाय

कविता स्त्री०[म] पद्यरचना, काव्य

कवित्त पु० कवित्व कविता

क़वी वि०[अ] जबरु, बळवान, मजबूत

कवोठ पु० 'क्या कोठु

कवी हकल वि० [अ] कदावर, मोटु

कवेला पु० कागडानु बच्चु

कवेलू पु० नळियु ['कौवाल'

कव्वाल पु० [अ] कवाली गानार

कव्वाली स्त्री०[अ] कवाली 'कौवाली'

कश पु० [म] चाबुक (२) [फा] खेच, आकपण (३) हूका के चलमनो दम

कशक़ा पु० [फा] टीलु तिल्क

कश मकश स्त्री० [फा] खचताण (२) भीड धक्काधक्की (३) विचारमा पडवु ते

कशा स्त्री० [स] दोरी (२) चाबुक

कशिश स्त्री०[फा] खच, आकपण (२) अणबनाव –शे सिवल स्त्री० [फा] गुरुत्वाकपण

कशीदगी स्त्री०[फा]वमनस्य,अणबना

कशीदा पु० [फा] कशीदा, जरी भरतकाम (२) वि० खेंचेलु

कश्ती स्त्री०[फा] कस्ती, होडी (२ धातुनो टाट (३) शेतरजनु एक महोरु–हाथी

कश्नीज़ पु० [फा] धाणा

कश्मीर पु० काश्मीर प्रदश

कश्मीरी वि० काश्मीरनु, तेने लगतु (२) स्त्री० काश्मीरी भाषा (३) पु० काश्मीरनो वतनी के त्यानो घोडो

कषाय वि० [म] तूरु (२) गे रगनु (३) पु० मननो विकार (जन)

कष्ट पु० [म] दुख, पीडा (२) सकट

कस पु० परीक्षा, कसणी (२) काब, वश (३) कस, सार (४) [फा] व्यक्ति, माणस (५) स्त्री० बाधवानी कस (६) (प) केम ? कवी रीत ? –का=काबूमा होय ते, आधीन

कसक स्त्री० सणको, सळक (२) जून वेर (३) इच्छा होश (४) सहानुभूति –निकालना=जूनु वेर वाळवु

कसकना अ० क्रि० चसको के लपको मारवो, सळकवु

कसकुट पु० कासु–मिश्र धातु

कसना स० क्रि० कसवु (खचवु ता करवु पारखवु पीडवु इ०)(२)ठासीने भरवु (३) अ०क्रि० तग थवु जकडावु (४) ठासाईने भरावु

कसनी स्त्री० बाधवानी रसी (२)कसणी (३) परीक्षा

कसब पु० जुओ 'कस्ब'

क़सबा पु० जुओ 'कस्बा'

कसबी वि० जुओ 'कस्बी'

क़सम स्त्री० [अ] कसम, सोगन —उता रना=मानतु काम करवु —दिलाना, देना, रखना=कसम लेवडाववा —लेना=कसम खावा
कसमसाना अ०क्रि०मळवळवु गळभळवु (२) गभरावु आघुपाछु थवु [नाम कसमसाहट स्त्री०]
कसर स्त्री० [अ] कसर ऊणप (२) द्वेष, वेर (३) ए विकार —काढना, निकालना=जूनी बाकीनी भरपाई करवी कसर काढवी (२) वेर लेवु
कसरत स्त्री० [अ] कसरत व्यायाम (२) अधिकता, बहुल्य
कसरत राय स्त्री० [अ] बहुमती
कसरती वि० कसरत करनार (२) दृढ ने मजबूत (शरीर)
कसवाना स०क्रि० (जमीन) कसाववु
कसाई पु० (स्त्री०–इन) कसाई (२) वि० निर्दय
कसाना अ०क्रि० कमाणु थवु (२) स्वादवु (३)स०क्रि० कसना नु प्रेरक कसवाना
कसाफ़त स्त्री० [अ] गंदकी (२) स्थूळता
कसाब पु० कस्साब कसाई
कसार पु० [स कृसर] कसार
कसाला पु० कष्ट (२) महेनत
कसाव [स कषाय] कसाणापणु, काट
कसीदा पु०[अ] स्तुति के निंदा करता काव्यनो एक प्रकार
कसीदा पु० जुओ 'कशीदा' [जाडु
कसीफ़ वि० [अ] गंदु मेलु (२) स्थूळ,
कसीर वि० [अ] घणु, बहु
कसीस पु० हीराकसी
कसूभा वि० [स कुसुंभ] कसुंबी
कसूर पु० [अ] कसूर, गुनो, अपराध
क़सूरमंद, कसूरवार वि०[फा] गुनेगार, अपराधी
कसे वि० [फा] कोई (व्यक्ति)
कसेरा पु० [स्त्री०–रिन] कंसारो
कसैला वि० [स्त्री० —ली] कमाणु, कषाय स्वादन
कसैली स्त्री० सोपारी [वाडको
कसोरा पु० वाडको वटको(२)माटीनो
कसौटी स्त्री०[स कषपट्टी प्रा कसवट्टी] कसोटी [(वि०, –रिया)
कस्तूर (–रा,–रिया)पु० कस्तूरी मृग
कस्तूरी,–रिका स्त्री० [स] कस्तूरी
क़स्द पु० [अ] इरादो
क़स्दन् अ०[अ]इरादापूर्वक जाणी जोईने
कस्ब पु० [अ] कसब, धंधो हुनर-कळा (२) पेदाश (३) वेश्यावृत्ति
कस्बा पु० [अ] कसबो
कस्बात पु० ब० व० कसबा नु
कस्बाती वि० कसबामा रहेनारु
कस्बी वि०[अ]कसबी कसबवाळु (२) स्त्री० वेश्या
क़स्मिया अ०[अ]कसम खाईने सोगनथी
कस्र पु० [अ] महेल [(गणित)
कस्र स्त्री० [अ] जर्ब (२) अपूर्णांक
कस्र– शाशरिया पु० दशांश अपूर्णांक
क़स्साब पु० [अ] कसाई, कसाब '
०ख़ाना पु० कतलखानु
कहँ अ० (प) 'कहा', क्या (२) बीजी तथा चोथीना प्रत्यय तरीके वपराय छे
कह-कशा स्त्री० [फा] आकाशगंगा
कह-कहा पु०[फा]अट्टहास्य —लगाना= खडखड हसवु
कहगिल स्त्री० भीत लीपवानी गार
क़हत पु०[अ] सूब अछत (२) दुकाळ

कहतजदा पु० दुकाळियो, खूब भूख्यो
कहतसाली स्त्री०[अ] दुकाळनो समय
कहता पु० कहनार
कहन स्त्री० कथन (२) वचन, वात (३) कहेवत (४) कवन कविता
कहना स०क्रि० कहेवु –बदना=नक्की करवु कहबदकर=प्रतिज्ञापूर्वक, दढ संकल्पथी कहनेकी बात=कहवा मात्र –खरेखर नहि एवी वात
कहनावत, कहनूत स्त्री० कहेवत
कहनी स्त्री० कथनी 'कहानी'
कहर पु० [अ] केर, जुलम (२) क्रोध (३) आफत (४) वि० भयकर –टूटना =आफत आववी –ढाना=केर वतावयो
कहरन अ० [अ]बळजारीथी
कहल पु० कठारो वफारो
कहलना अ० क्रि० तापथी अकळावु क्दवु
कहलवाना, कहला(–वा)ना स० क्रि० कहेवडाववु
कहवा अ० (प) क्या ?
कहवा पु० [अ] काफो बुंद कॉफी
कहा अ० क्या ?
कहा पु० कहेण आज्ञा (२) स० शु ? (व्रजभाषा) (३) अ० (प) केवी रीते
कहाकही स्त्री० बोलाबोली 'कहा सुनी'
कहाना स० क्रि० कहाववु
कहानी स्त्री० कहाणी कथा (२) जूठी –कहेवानी वात
कहार पु० पालखी इ० ऊचकनार–भाई
कहावत स्त्री०कहवत(२)मरणनी चिठ्ठी
कहा-सुना पु० भूलचूक (कहेलु साभळेलु)
कहा-सुनी स्त्री० तकरार बोलाबोली
कहीं अ० कोई जगाए क्ही क्या
कहूँ(–हूँ) अ० (प) जुओ 'कहीं'

काइयाँ वि० चालाक, पाकु, पह
काँकर पु० (प) काकरा –रा काकरी –चुनना=दुखमा दिवस
काख स्त्री० काख, बगल
काखना अ० क्रि० कराजवु (२ के पीडाथी ऊह् करवु
काखासोती स्त्री० जनाई पेरे पहेरवानी रीत
काखी वि० (प) काक्षी, इच्छ
कागडी स्त्री० काश्मीरमा गळे नानी शगडी
काग्रेस स्त्री ०कॉंग्रेस महासभा वि० कॉंग्रेसने लगतु(२)पु० कॉं
काच स्त्री० काछडी (२) का
काचन पु० [स] सोनु (२)
काचरी(–ली) स्त्री० सापनी क
काजी स्त्री०आथो चडवा दईने ब एक खाटो प्रवाही पदार्थ (२) दूधनु के दहीनु पाणी [ढोर
काजी हाउस स्त्री० [इ काइ
काटा पु० काटो (२)कूवामा न बिगाडी (३) हिसाबनो ता आकडो (रास्तेम)काटा बिछा विघ्न नाखवु –बोना=बूरा –होना=बहु दूबळु थवु तोल=बरोबर तोल काटोमें =अति प्रशंसा करवी
काटी स्त्री० नानो काटो (
काठा पु० कठ (२) काठलो (
काडना स०क्रि० कचरवु कू
काडी स्त्री० जमीनमा दाटले (२) वास के लाकडाना ना
काडी-कफन पु० ठाठडीनो स
कात पु० [म] पति

काता स्त्री० [म] पत्नी, प्रिय स्त्री
कातार पु०[म] गाढ़ु वन [सौंदय
काति स्त्री०[म] चमक, तेज(२)शाभा
काती स्त्री० (प) वीछीनो डख (२) कातु छरी
कादना अ०क्रि० [म क्रदन] रोवु
कादव पु० कादव 'ादो
कान्दा पु० कादो, डुगळी (२) कादव
कादो पु० कादव
काध पु० (प) काव, खभो –देना= मदद करवी –मारना=दगा देवो
काप स्त्री० काने पहेरवानो काप– एक घरेणु (२) पतगनी कमान
कापना अ०क्रि० कापवु ध्रूजवु
काँय काय, काव काव कागडानो काका (२) नारवकार
कावर(–रि) स्त्री० कावड
काँवरिया पु० कावडवाळो, कावडियो
कास पु० एक जातनु घास
कासा पु० कासु (२) जुओ कासा
कासागर, कासार पु० कासानु काम करनार–कमारो
का छठ्ठी विभक्तिनो प्रत्यय (स्त्री० –की)(२)व्रजभाषामा 'किस' 'कौन ना विभक्तिरूपना आदेश जम के 'काको,' 'कासा
काई स्त्री० लील (२) मल (३) काट –छुडाना=मल के दु खदारिद्र दूरकरवु
काऊ अ० (प) कदी (२) सव काई (३) कशु, काई
काक पु० [स] कागडो
काकदत पु० (ला) असभव वात
काकरेज, काकरेजी पु० [फा] काळो– कावरेज, घरो लाल जावडो रग

काका पु० काको
काकाकौआ, काकातूआ पु० काकाकावो
काकी स्त्री० काकी (२) [म] कागडी
काकु पु० [म] व्यगमा बोलवु ते
काकुल पु० [फा] कान पर लटकती लट
काख पु० [फा] माटु आलेशान मकान महेल
काग पु० कागडो
कागज पु० [अ] कागळ (२) दस्तावेज (३) छापु (४) सरकारी नाट –का रुपया=चलणी नाट –की नाव= नाशवत के नकामी वस्तु –पत्र= कागळपत्र (२) दस्तावेज
कागजात पु० ब० व० [अ] कागळपत्र
कागजी वि० कागळनु के कागळ जेवु पातळु (जेम के कागजी नीबू) (२) लखेलु (३) पु० कागदी
कागद पु० कागळ, 'कागज'
कागर पु० (प) कागळ (२) पीछु
कागारोल पु० कागारोळ शोरबकोर
काच प० [म] काच काच'
काचा वि० (प) 'कच्चा काचु
काछ पु० [म कक्ष] पेढु ने जाघ वच्चेनो भाग (२) काछडी
काछना स० क्रि० काछडी घालवी (२) हथेळी के चमचीथी उपर उपरथी लेवु
काछनी स्त्री० 'कछनी काछडी
काछा पु० काछडो
काछी पु० काछियो
काछे अ० (प) पासे, नजीक
काज पु० काज काम (२) प्रयोजन (३) धधारोजगार (४) बटनना गाज
काजर(–ल) पु० काजळ

क़ाज़ी पु०[अ]काजी, (इस्लाम प्रमाणे) न्यायाधीश
काजू पु० काजु के तेनु झाड
काजू-भोजू वि० काचुपाचु, तकलादी
काट स्त्री० कापवु ते (२) घा, जखम (३) चालबाजी, दगोकपट
काटछाट स्त्री० मारामारी, लडाई (२) ओछावत्तापणु, कापकूप
काटना स०क्रि० कापवु (२) कापी लेवु कमी करवु (३) समय विताडवो (४) करडवु, डसवु काटो तो खून नहीं = बिलकुल स्तब्ध थई जवु
काटू वि० कापनारु (२) डरामणु
काठ पु० काष्ठ, लाकडु —कबाड = भाग्योतूटचो सामान —का उल्लू = जड, पाका मख —की हाडी = दगा दे एवी नाटकाउ चीज —होना = काष्ठवत —स्तब्ध के अक्कड थवु
काठडा पु० लाकडानी कथरोट
काठी स्त्री० शरीरनु काठु (२) ऊटनो काठडो, घोडाना जिननु काठु
काड लिवर आयल पु० [इ] कॉड माछलीनु तेल
काढना स०क्रि० काढवु (२) कढाईमा तळीने काढवु पकाववु (३) (चित्र) काढवु, आलेखवु
काढ़ा पु० काढो, क्वाथ
कातना स०क्रि० कातवु
कातर वि०[स]दुःखी बेचेन(२)बेबाकळु अधीर(३)गभरायेलु, बीनेलु [छरी
काता पु० कातेलु सूतर, दोरो(२)कातु,
कातिक पु० कारतक मास
कातिब पु० [अ] लहियो, लखनार
क़ातिल वि०[अ]कतल करनार, घातक
काती स्त्री० कातर (२) चाकु (३) कटार [गोदडी, कथा
काथ पु० (प) खावानो काथो (२)
कादंबरी स्त्री०[स] कायल, मेना (२) वाणी, सरस्वती (३) एक जातनो दारू
कादर वि० कातर, डरपोक
कादिर वि० [अ] सशक्त, समर्थ
कान पु० कण, कान (२) काननु एक घरेणु (३) स्त्री० जुओ 'कानि' (४) [फा] खाण —उठाना = साभळवा तैयार थवु —कतरना, —काटना = मात करवु, चडियाता थवु माथे चपटी भभराववी (२) धोको देवो, छेतरवु —करना, देना, धरना = ध्यान देवु, कान देवा —पर जू न रेंगना = कशी परवा न करवी —फूकना, भरना = कानभंभेरणी करवी —भर जाना = साभळी साभळीने कटाळवु कानमे तेल या रूई डालना = कान बंध करवा —न साभळवु के ध्यान पर न लेवु —होना = मतेज थवु भान आववु कानोकान खबर न होना = जराय खबर न होवी
कानन पु० [स] वन (२) घर
कानफरेंस स्त्री० [इ] परिषद
काना वि०[स्त्री०—नी]काणु(२)डखल (फळ) (३) तीरछु वाकु (४) पु० लखवानो काना (ा)
कानाकानी, कानाफूसी, कानाबाती स्त्री० कानमा वात कहेवी ते [सकाच
कानि स्त्री० लोकलाज मर्यादा (२)
कानी वि०स्त्री० सौथी नानी (—ऊंगली) (२) काणी —कौडी स्त्री० काणी कोडी फूटी बदाम

कानीन वि० [स] कन्याथी पेदा थयेल
कानीहाउस पु० जुओ 'काजी हाउस'
कानून पु० [फा] कायदो –छाटना, बघारना, लडाना=कानूनी चर्चा–कायदावाजी करवी तकवाजी लडाववी
कानूनगो पु० [फा] तलाटीओनो एक उपरी-अमलदार
कानूनदा पु० [फा] कानून जाणनार
कानूनदानी स्त्री० [फा] कायदानु ज्ञान
क़ानूनन अ० [अ] कायदेसर
कानूनिया वि० कानून जाणनार (२) तकरारखोर
कानूनी वि० कायदा कानूनने लगत, तं सबधी कानो
कानोकान अ० कानोकान एकथी बीजे
कान्फरेन्स स्त्री० [इ] परिषद
कान्स्टिट्युशन पु० [इ] राज्यबधारण
कान्स्टेबिल पु० [इ] पोलीसनो सिपाई
कान्ह, ०र पु० कहान श्रीकृष्ण
कान्हडा पु० कानडा राग
कापालिक पु० [स] खपाला बावो–शिवभक्त
कापाली पु० [स] शकर महादेव
कापी स्त्री० [इ] नकल के नोट
कापुरुष पु० [स] कायर बायलो माणस
काफ पु० [अ] अरबी फारसी वर्णमाळानो एक अक्षर (२) एक कल्पित पर्वत –से क़ाफ तक=आखा विश्वमा
काफिया पु०[अ] काफिया अत्यअनुप्रास –तग करना=पजवव
काफिर वि० [अ] एक जातिनु (अफगानिस्तानना सरहद परनो) (२) काफर गैरमुस्लिम (३) नास्तिक (४) निर्दय (५) दुष्ट

काफिरिस्तान पु० [अ] अफघानिस्ताननो 'काफिर' जातनो प्रदेश
काफिरी स्त्री० काफिरिस्तान' नी भाषा
काफिला पु० [अ] काफलो
काफी वि० [अ] काफी, पूरतु (२) स्त्री० एक राग (३) कॉफी पीणु [जवु
काफूर पु०[फा] कपूर –होना=ऊडी थई
काफूरी वि० कपूरनु के तेना रगनु
काब स्त्री० [तु] मोटी तासक थाळ
काब(–बु)क पु० [फा] कबूतरखानु
काबर वि० काबरचीतरु
काबलियत स्त्री० जओ काबिलीयत
काबा पु० [अ] मक्कानु काबा स्थान
काबिज़ वि० [अ] अधिकारवाळु (२) दस्त रोकनारु कबजियात करनारु
काबिल वि० [अ] योग्य लायक (२) विद्वान ०(–ले)तारीफ वि० प्रशसनीय वखाणवा लायक ०दीद वि० जोवा लायक
काबिलीयत स्त्री० [अ] योग्यता, लायकात (२) पाडित्य विद्वत्ता
काबुक स्त्री० [फा] कबूतर राखवानी पेटी कबूतरखानु
काबुल पु० [फा] काबुल प्रदेश –में क्या गधे नहा होते ?=सारा साथे नठारु नथी होतु ? गाम होय त्या ढेडवाडो होय
काबुली पु० [फा] काबुली (२) वि० काबुलनु के तेने लगतु [हकूमत
काबू पु० [तु] काबू कबजो सत्ता,
काम पु० काम इच्छा वासना (२) कर्म काम –आना=काममा आववु (२) लडाईमा मरवु –का=कामनु उपयोगी –तमाम करना=काम पूरु करवु

(२) मारी नाखवु –निकलना, बनना= काम सफळ थवु –रखना=सवध के लेवादेवा होवी के राखवा (२) कठण के मुश्केल पडवु –से काम रखना= पोते पाताना काममा ध्यान राखवु –होना=काम थवु (२) मरवु (३) खूब तकलीफ पडवी

कामकाज पु० कामकाज कामधधो

कामकाजी वि० कामकाजवाळु उपयोगी

कामगार वि०[फा] मफळ, कामियाव (२) पु० कामदार

कामचलाऊ वि० कामचलाउ, जेनाथी काम चाली जाय एवु [आळसु

कामचोर वि० काममा जीव चोरनार,

क़ामत स्त्री० [अ] कद आकार

कामदानी स्त्री० भरतकाम के ते करेलु एक कपडु

कामदार वि० कसवी भरतवाळु (२) पु० काम करनार प्रबधकर्ता

कामधाम पु० कामकाज

कामधेनु स्त्री० [स] कामधेनु गाय

कामना स्त्री० [स] इच्छा [विघ्न थईने

काम ना-काम अ० [फा] लाचारीथी

कामयाब वि० [फा] सफळ कृतार्थ

कामयाबी स्त्री० [फा] सफळता

कामरी,–रिया स्त्री० कामळी

कामरू,०प पु० [स] कामरूप देश

कामरेड पु०[इ] साथी (साम्यवादी), 'काम्रेड' [कमळानो रोगी

कामल [स], –ला पु० कमळो –ली पु०

कामा पु० [इ] 'कॉमा', अल्पविराम

कामिनी स्त्री०[स] (सुदर के कामयुक्त) स्त्री (२) दारू

कामिल वि०[अ] पूरु, कुल (२) योग्य,

कामी वि० कामगरु, कामकाजी (२) [स] कामी, विषयी

कामुक वि०[स] इच्छुक, कामी [नाटक

कामेडी स्त्री०[इ] 'कॉमेडी' सुखांत

काम्रेड पु० [इ] जुओ 'कामरेड'

काय स्त्री० [स] काया, देह

कायथ पु० कायस्थ जातिना माणस

कायथी स्त्री० कैथी लिपि

कायदा पु०[अ] कायदा (२) सिद्धांत, नियम(३)वर्तनना ढग(४)व्यवस्था, क्रम (५) बाळपोथी –बाधना=नियम करवा

कायदादा वि०[फा] विवेक सभ्यतानां नियम जाणनार, सभ्य

कायदे-आज़म पु०[अ] सौथी मोटो नेता

कायफर,–ल पु० कायफळ झाड के फळ

कायम वि०[अ] कायम स्थिर,स्थापित निश्चित, मुकरर

कायम मिज़ाज वि० शांत मिजाजनु

कायम-मुकाम वि० [अ] अवजी

क़ायमा पु० [अ] काटखूणो

कायर वि० डरपोक बीकण ०ता स्त्री०

कायल वि० [अ] माननारु कबूल करनारु –करना, –माकूल करना= समजाववु मनाववु –होना=समजवु, मानवु स्वीकारवु

कायस्थ पु०एक हिंदु जाति के तेनो माणस

काया स्त्री० काया, देह, शरीर

कायाकल्प पु० वृद्धने तरुण करवानो एक औषधोपचार [फेरफार

कायापलट स्त्री० कायापलटो भारे

कायिक वि० [स] देह सबधी शारीरिक

कायिका स्त्री० [स] व्याज [पेथी

कारड, ०व पु०[स] हसनी जातनु एक

कारधमी पु० [स] रसायनशास्त्री

कार वि० [स] (समासमा अंते आवे त्या) करनार, जम के, कुंभकार (२) पु० [फा] कामकाज (३) स्त्री० [इ] मोटर
कार–आमद वि० [फा] काममा आवे एवु उपयोगी [एवु अनुभवी
कार–करदा वि० [फा] काम करेलु होय
कारकुन पु० [फा] कामकाज करनार, कारकुन गुमास्तो
कारखाना पु० [फा] कारखानु (२) कारभार व्यवसाय (३) घटना मामलो –नेदार पु० कारखानदार
कार–खास पु० [फा] खास काम
कारखैर पु० [फा] पुण्य काम
कारगर वि० [फा] असरकारक (२) उपयोगी काममा आवे एवु
कार गुजार वि० [फा] कर्तव्यपरायण
कारगुजारी स्त्री० [फा] कर्तव्यपालन (२) होशियारी, आवडत
कार चोब पु० [फा] भरतकाम माटे कपडु तंग राखवानु चोकठु (२) भरत करनारो
कार चोबी वि० [फा] भरतकामने लगतु (२) स्त्री० भरतकाम कोतरकाम
कारटून पु० [इ] 'काटून' व्यंगचित्र
कारट्रिज, [इ] कारतूस पु० [पो] बंदूक पिस्तोलना कारतूस [सबब (२) साधन
कारण पु० [स] कारण हेतु प्रयोजन,
कारन पु० कारण
कारनामा पु० [फा] काईना कार्योनो हेवाल
कारनिस स्त्री० [इ] दीवाल परनी कागरी 'कार्निस'
कारनी वि० प्रेरक (२) पु० बुद्धिभेदक
कार-परदाज वि० [फा] काम करनार, कामदार मुनीम
कार-परदाजी स्त्री० [फा] मुनीमी, कामदारपणु
कारबंद वि० [फा] आज्ञाकारी
कारबन पु० [इ] 'कार्बन' एक रसायणी मूळतत्त्व
कारबार पु० [फा] कारभार धंधा
कारबारी वि० [फा] कामकाजवाळु (२) पु० कारभारी [लगतु कार्बोनिक
कारबोनिक वि० [इ] कार्बननु के तेने
कारवाई स्त्री० [फा] काम (२) कार्यवाही (३) कारस्तान गुप्त प्रयत्न [काफला
कारवा पु० [फा] यात्रीओनी टोळी
कारवा-सराय स्त्री० [फा] धर्मशाळा
कारसाज वि० [फा] काम पार उतारनार कार्यकुशल [गुप्त चालबाजी
कारसाजी स्त्री० [फा] कार्यकौशल्य (२)
कारस्तानी स्त्री० [फा] चालबाजी, कारस्तान होवा ते
कारा स्त्री० [स] कैद बंधन (२) पीडा
कारागार, कारागृह पु० [स] कैदखानु जेल
कारावास पु० [स] कैद
कारिंदा पु० [फा] मुनीम कारकुन
कारिक पु० [अ] कुर्की–जपती करनार
कारिका स्त्री० [स] छंदमा करेलु विवरण (२) नटी (३) व्याज
कारिख स्त्री० जुओ 'कालिख
कारी वि० [फा] काम ठीक करी बतावे एवु होशियार (२) कारी घातक (३) पु० (कुरान) पढनार (४) [स] (समासने अंते)–त करनार जम क कल्याणकारी
कारीगर पु० [फा] कारागर अमुक कार्यमा कुशळ माणस –री स्त्री० कारीगरनु काम के कुशळता
कारुण्य पु० [स] करुणा दया

क़ारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस –का खजाना =अपार धन

क़ारूरा पु० [अ] पेशाब (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी

कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'

कारोबार प० जुओ 'कारबार कामकाज

कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड, पत्तु

कार्तिक पु० [स] कारतक महिनो

कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'

कार्पण्य पु० [स] कृपणता, कजूसी, दया

कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारबन'

कार्बानिक वि० [इ] जुओ 'कारबोनिक'

कार्य पु० [स] काम

कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक

कार्यकर्ता पु० [स] काम करनार [करनार

कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो

कार्यालय पु० [स] दफतर कचेरी, ऑफिस

कारवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'

काल पु० [स] काळ, समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळा रंग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल', काले –काटना =वखत गाळवा–गुजारवा

कालकूट पु० [स] एक भयंकर झेर–औषधि [(२) जेलनी अंधारी

कालकोठडी (–री) स्त्री० काळी कोटडी

कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा

कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२) दिवाळीनी रात

कालनिशा स्त्री० [स] घोर अंधारी रात

कालपुरुष पु० [स] काळ यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप

कालबंजर पु० पडतर जमीन

कालबुद [फा] कालबूत पु० जुओ 'कलबूत', कालबूत

कालभैरव पु० [स] शिव

कालरात्रि, –त्री (–त, –ति) स्त्री० [स] जुओ 'कालनिशा'

कालांतर पु० [स] बीजो समय

काला वि० काळु (२) (ला) भारे, बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप

कालाकलूटा वि० काळुभमर, काळुमश

कालाचोर पु० काळो चोर भारे भूंडा के चोर माणस

काला नमक पु० संचळ [बाजा

काला पहाड पु० भारे (दु खनो) के असह्य

काला पानी पु० काळुपाणी, देशनिकाल (२) दारू

कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यांनो साप (३) हाथी

कालिंदी स्त्री० [स] यमुना नदी

कालिका स्त्री० [स] काळका, काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराब

कालिख स्त्री० [स कालिका] मेश, काजळ

कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)

कालिब पु० [अ] शरीर, देह (२) कालबूत

कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२) अंधारु (३) जुओ 'कालिख'

कालिय पु० [स] काळो नाग (यमुनानो)

काली स्त्री० [स] कालिका, काळी माता (२) काळी स्त्री (३) काळो रंग, शाही, वादळ पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू

कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमां काळो नाग रहेतो हतो

कालीन वि० [ग] (गमासमा) गाळनु रे त सबधी
कालीन पु० [अ] गालीचा
काली मिच स्त्री० मरी
कालू स्त्री० काल माछला
कालोनी स्त्री० [इ कालानी] वसाहत
कालौंछ स्त्री० गाळापण (४) कालिस'
काल्पनिक वि० [स] कपट कल्पित
काल्ह, –ल्हि अ० (प) काल
कावा पु० [फा] घाडान गाळ गाळ फरववा त [गुन्नाचाय
काव्य पु० [स] कविता (२) (स)
काश अ० [फा] इश्वर कर आम थाय एवो उदगार [फाक टुकडो
काश स्त्री० [तु] फठ इ०नी चीरी,
काशाना पु० [फा] झूपडी नानु घर
काशि,०का,–शी स्त्री०[स] काशी नगरी
काशी-करवट पु० काशीनु करवत के ते मुकाववानु काशीनु तीर्थस्थान –लेना= काशीनु करवत मुकाववु
काशीफल पु० कोळु
काश्त स्त्री० [फा] खती (२) गणात
काश्तकार पु० [फा] खेडूत(२)गणोतिया
काश्तकारी स्त्री० [फा] खती
काश्मीरा पु० एक जातनु गरम कापड
काश्मीरी वि० काश्मीरनु (२) पु० काश्मीर निवासी (३) रगरनु घाड (४) स्त्री० काश्मीर प्रदशनी भाषा
काश्मीय पु०[स] केसर [भगवु वस्त्र
काषाय वि०[स] भगवा रगनु (२) पु०
काष्ठ पु० [स] लाकडु (२) इधण
कास पु०[स] खासी (२)कास–दभ घास
कासनी स्त्री०[फा] एक वनस्पति–औषधि
कासा पु० [अ] कटोरो, भिक्षापात्र
कासार पु० [स] तळाव
क़ासिद पु० [अ] कासद
क़ासिर वि०[अ] टूंकवाळ(?)असमथ
कास्टिंग वोट पु० [इ] सरखा मत पडता अपातो निर्णायक मत
कास्टिक पु० [इ] कास्टिक सोडा
काह अ० (प) श ? वात ?
काह स्त्री० [फा] सूकु घास
काहकशा पु० [फा] जुओ 'कहकशा'
काहिल वि० [अ] आळसु सुस्त
काहिली स्त्री० [अ] आळस सुस्ती
काही वि० [फा] घासना रगनु घरु लीलु
काहु(–हू) स०(प) काइ पण, 'किसी'
काहू पु० [अ] एक छाड, जेना बी दवामा वपराय छ
काहे,काहेको अ०(प) शा माटे ? केम ?
कि अ० जुओ 'किम'
किंकर पु० [स] दास, चाकर
किंकिणी स्त्री०[स] कदोरा (२) एक जातनी खाटी द्राक्ष
किंकिनी स्त्री० 'किंकिणी' कदोरो
किंगरी स्त्री० रावणहथ्था जवी सारगी
किंतु अ० [स] पण परतु
किंपुरुष पु० [स] किन्नर (२) हल्को वणसकर माणस
किंवदती स्त्री०[स] अफवा ऊडती वात
किंवा अ० [स] अथवा के
कि अ०(प) केवी रीत ? (२)[फा] के
किकियाना अ०क्रि० किकियारी पाडवी (२) रोवु रोककळ करवी
किचकिच स्त्री० कचकच (२) तकरार
किचकिचाना अ०क्रि० दात कचकचाववा के पीसवा के वेसाडवा

किचकिचाहट, किचकिची स्त्री० दात पीसवा ते [पडवो
किचडाना अ० क्रि० (आखमा) कचरो
किचपिच, किचरपिचर स्त्री० जुओ 'कचपच', भीड (२) वि० अस्पष्ट
किछु वि० (प) 'कुछ'
किटकिट पु० कटकट कजियो
किटकिटाना अ०क्रि० किटकिट' अवाज करवा (२) क्रोधथी दात पीसवा (३) दातमा काकरी आववा जेवु लागवु –कचर कचर थवु
किटकिना पु० चाल, चालाकी (२) मोटा क ट्राक्टनो पटा क ट्राक्ट अपाय ते
किटकिना(–ने)दार पु० 'किटकिना'– पेटा क ट्राक्ट लेनार
किट्ट पु० [स] मेल, काटरडो
कित अ० (प) क्या (२) कई तरफ
कितक वि० (प) केटलु केवु
कितना वि० (२) अ० [स्त्री०–नी] केटलु
कितने(०ए)क वि० केटलाक
किता पु० [अ] सिलाईनो काप (२) ढग (३) सख्या (४) विभाग, टुकडो
किता वि० (स्त्री० –ती) 'कितना
किताब स्त्री० [अ] किताब ग्रथ (२) वही (३) धर्मग्रथ–कुरान के बाइबल
किताबखाना पु० [अ+फा] पुस्तकालय
किताबत स्त्री० [अ] लखवु ते
किताबी वि० [अ] किताबना आकारनु, ने लगतु (२) पु० किताबना धर्मनो– यहूदी, खिस्ती के इस्लामी [केटलु
कितिक वि० (प) 'कितक', 'कितना'
कितेक वि०(प) केटलुक (२) केटलाएक
कितेब स्त्री० (प) किताब
कित्त अ० (प) क्या ?
कितो वि० (२) अ० (प) जुओ 'कितना'
किधर अ० क्या, कई बाजू
किधौं अ० (प) या, अथवा
किन स० 'किस' नु ब०व० (२) अ०(प) 'क्या न', भलेने (३) पु० चिह्न डाघ
किनका पु० अनना टुकडो (२) कणको
किनकी स्त्री० 'किनका' नु अल्पत्ववाचक
किनार स्त्री० [फा] पास, बाजू (२) नेटवु ते (३) पु० जुओ 'किनारा' दर किनार=बाजूए रह्यु, क्या वात!
किनारदार वि० किनारीवाळु
किनारा पु० किनार, कार (२) [फा] किनारो –करना, खींचना=दूर थव हठी जवु किनारे लगना=किनारे पहोचवु, समाप्त थवु किनारे होना= अलग के दूर थवु
किन्नर पु० [स] कुबेरना गणोनी एक देवयोनि (स्त्री० –री)
किफायत स्त्री० [अ] काफी – पूरतु होवु ते (२) किफायत बचत(३)सस्तापण, कम किंमत
किफायती वि० सभाळीने–कम खरच करनारु करकसरवाळु
किबला पु० [अ] नमाज पढवानी– काबानी पश्चिम दिशा (२)मक्का(३) बाप (४) पूज्य वडील [बादशाह
किबला ए–आलम पु० [अ] ईश्वर (२)
किबलानुमा पु० [फा] पश्चिम दिशा बतावनारु अरबी खलासीनु एक यंत्र
किबला रू वि० काबा तरफ मोवाळ
किम् स० [स] कयु ? शु ?
किमपि अ० [स] काई पण वस्तुय
किमरिक(–ख) पु० [इ कॅम्ब्रिक] एक जातनु कापड

किमाछ पु० 'केवाँच', कौच
किमाम पु० जुआ 'क्वाम'
किमार पु० [अ] द्यूत, जूगटु ०खाना पु० [फा] जुगारखानु
किमारबाज वि० [फा] जुगारखोर
किमाश पु० [अ] जात प्रकार ढग
किमि अ०(प)कवी रीत, केम [किमन
किम्मत स्त्री० चालाकी, हाशियारी (२)
कियत वि० [म] कितना केटलु
किया=क्यु करना नु भूत० रूप
कियारी स्त्री० क्यारी (२) मीठाना अगर
किरटा पु० किरानो युरेशियन (तुच्छकारमा)
किरवा पु० नानो वाक्रो
किरकिरा वि० करकरवाळु –हो जाना, होना=रगमा भग पडवो
किरकिराना अ०क्रि० करकर लागवी (२) करकरथी पीडा थवी [नाम –हट स्त्री०]
किरकिरी स्त्री० करकर (२) अपमान
किरच स्त्री० बीरच करच (जेम के काचनी) (२) अणीदार सगीन
किरण(-न)स्त्री० [स] किरण –फूटना =सूर्य ऊगवो
किरपा स्त्री० (प) कृपा
किरपान स्त्री० किरपाण तल्वार
किरम पु० करम, कीडा, कृमि
किरमिच पु० कॅवास कपडु [रग
किरमिज पु० एक लाल – किरमजनो
किरमिजी वि० किरमजी रगनु
किरयात पु० करियातु 'चिरायता'
किरराना अ०क्रि० दात पीसवा–कचकचाववा [डब्बा
किराची स्त्री० गाडु (२) भारखानानो
किरात पु०[स] एक प्राचीन जाति (२) 'किरयात', करियातु (३) माईस
किरान अ० (प) पास नजीक
किराना पु० कराना करियाणु
किरानी पु० जुआ 'केरानी
किराया प० [अ] किरायु, भाडु
किरायदार पु० भाडु राखनार
किरासन, किरासिन पु० केरोसीन
किरिच स्त्री० जुआ किरच
किरिमदाना पु० किरमज कीडो, जमाथी ते नामनो रग बने छ
किरिया स्त्री० (प) सोगन (२) कर्तव्य (३) मतकर्म क्रिया
किरियाकरम पु० क्रियाकर्म मृतक्रिया
किरीट पु० [स] मुगट
किर्म पु० [फा] किरम' करम –पीला=रगमनो कीडो –शबताव पु० आगिया कीडो
किर्मिज पु० जुआ किरमिज
किलक(–कार,–कारी) स्त्री० किल कारी हर्षध्वनि (२) जुआ किलिक'
किलकन स्त्री० किल्कारवु ते
किलक(–कार)ना अ०क्रि० किलकारी मारवी किलकारवु
किल्कार,–री स्त्री० किल्कारी
किल्कारना अ०क्रि० जुआ 'किलकना'
किलकिल स्त्री० कचकच झघडा (२) [स] खुशानो किलकिलाट
किलकिला स्त्री० खुशीनो किलकिलाट (२) एक पक्षी (३) गजता समुद्र
किलकिलाना अ०क्रि० किल्कारवु [नाम –हट स्त्री०]
किलकीस्त्री०मुतारनु एक ओजार, गरमी
किलना अ०क्रि० 'कीलना' नु कमणि

किलनी स्त्री० जूवा, क्थीरी (कूतरा इ० पशुने चोंटे छ ते)
किलबिलाना अ०क्रि० जुओ 'कुलबुलाना'
किलवाना स०क्रि० 'कीलना' नु प्रेरक रूप
किला पु०[अ] किल्ला –फतह करना, सर करना=मोटा गढ जीतवो, भारे मोटु काई काम करवु
किलाबदी स्त्री० किल्लेबदी
किलिक, किल्क स्त्री०[फा] कल्मन् वरु
किलेदार पु० [फा] किल्लेदार, गढवी
किल्लत स्त्री०[अ] ऊणप, कमी(२)तगी
किल्ला पु० खीलो, खूटा
किल्ली स्त्री० मेख, खूटी (२) कूची –ऐंठना या घुमाना=चावी फेरववी, युक्ति करवी
किवाड(-र) पु० [स्त्री०–डी] कमाड –देना, लगाना=कमाड बध करवु
किशमिश स्त्री० [फा] किसमिस, द्राक्ष
किशमिशी वि० किसमिसवाळु के तेना रगनु
किश(–स)लय पु० [स] कूपळ
किशोर पु० [स] ११ थी १५ वरसनी उमरनो छोकरो (स्त्री० –री)
किश्त स्त्री० [अ] शेतरजमा राजाने शेह पडवी ते (२) पाकनु खतर
किश्तवार पु० [फा] तलाटीना खाताना नवरीनो चोपडा
किश्ती स्त्री० [फा] जुओ 'कश्ती'
किश्वर पु० [फा] देश, मुलक
किस स० 'कोन' नु विभक्तिमा थतु रूप
किसब पु० कसब धधो
किसबत स्त्री० [अ] हजामनी थेली
किसमत स्त्री० जुओ किस्मत'
किसलय पु० जुओ 'किशलय'
किसान पु० [स कृपाण, प्रा किसान] खेडूत –नी स्त्री० सती
किसी स० 'काई' नु विभक्तिमा थतु रूप जेम के, 'किसीने', 'किसीको' इ किसी न किसी=काईनु कोइ, काई एक
क़िस्त स्त्री० [अ] हप्तो (महसूल के देवानो), कीस
क़िस्तबन्दी स्त्री० [फा] किस्तबधी, हप्ता चूकववानु नक्की करवु ते
किस्त-ब किस्त,किस्तवार अ०हप्ते हप्ते
किस्यल स्त्री० [अ] जुओ 'किसवत'
किस्म स्त्री०[अ]किसम,जात,रीत,प्रकार
क़िस्मत स्त्री० [अ] नसीब (२) अमुक जिल्लाओनो बनेलो प्रात
किस्मतवर वि० [फा] नसीबदार
किस्सा पु० [अ] किस्सो कथा (२) वृत्तात (३) झघडा [नकामी वात
किस्सा कहानी स्त्री० काल्पनिक के
किस्सा-कोताह,–मुख्तसर अ० [फा] टकमा के, तात्पर्य के
की 'का' प्रत्ययनु स्त्री० (२) स०क्रि० करी, 'किया' नु स्त्री०
कीक स्त्री० 'चीख' चीस [–देना,मारना]
कीकना अ०क्रि० चीस पाडवी 'चीखना'
कीकर पु० बावळियो
कीकरी स्त्री० बावळनी एक जात (२) एक जातना सिलाई
कीच पु० कीचड [पीयो
कीचड(–र) पु० कीचड (२) आखनो
कीट पु० [स] कीडो (२) कीट्ट मेल
कीडा पु० [स कीट, प्रा कीड] कीडो (२) मकोडो (३) जू, माकण इ० (४) साप [(२) काडी
कीडी स्त्री० कीडा नु अल्पतावाचक

कीनखाब पु०जुओ 'कमखाव', किनखाव
कीना पु० [फा] कीनो, वेर ०वर वि० कीनाखार
कीप, कीफ [फा] स्त्री० नाळचु
कीमत स्त्री० [अ] किमत (वि० –ती)
कीमा पु० [अ] मासनो खीमा
कीमिया पु० [फा] रसायणी क्रिया (२)कामिया [क्री जाणनार
कीमियागर पु० [फा] रसायणी क्रिया
कीमुख्त पु० [फा] गधेडा के घोडानु चामडु (लीलु दाणादार होय छे ते)
कीर पु० [स] कीर पोपट (२)काश्मीर (३) व्याध शिकारी [कीर्तनकार
कीर्तन पु०[स]गुणगान भजन –निया पु०
कीर्ति स्त्री० [स] यश ख्याति
कील स्त्री० [स] खीली के काटो (२) कुभारना चाकडानी के घटीनी वचली खीली –खीलडा
कीलक पु० [स] खूटी (२) खाला (ढोर बाधवाना)(३)मत्रना मुख्य भाग
कीलना स०क्रि० खाली मारवी (२) वश करवु (३) मत्रनु मारण करवु
कीला पु० खाला खूटा [खीली
कीली स्त्री० धरी (२)कीली कूची(३)
कीश पु० [स] वानर
कीसा पु० [फा] थेलो (२) खिस्सु
कुंअर(–वर) पु०[स्त्री०–री] कुंवर, पुत्र (२) राजपुत्र
कुंआ(–वा)रा वि० कुवारु (स्त्री०–री)
कुंई स्त्री० कुमुदिनी 'कुइ'
कुकुम पु० [स] कंकु (२) केसर
कुंकुमा पु० हाळीमा गुलाल भरी नाखाता लाखना गोळा [(वाळ)
कुंचित वि० [स] वाकु (२) वाकडिया
कुंची(–जी) स्त्री० कूची
कुज पु०[स] कुज, लतामडप (२) [फा =खूणो] शालनी खूणा परनु भरतकाम
कुंजडा पु०[स्त्री०–डिन,–डी] शाकभाजी वावनार वेचनार जाननो आदमी, कुजडा त वामा श्रष्ठ
कुजर पु०[स]हाथी (२)(समासनअते)
कुजा पु० कूजो 'कूजा'
कुजी स्त्री० कूची चावी (२) टाकानी चोपडी
कुठ वि० [स] बुठ्ठु, मूरख
कुठित वि० [स] कुठ मूरख (२) रूधायल, रोकायलु
कुड पु०[स] पाणीनो कुड, हाज (२) (अग्निनो) कुड
कुंडरा पु० कूडाळु (२) ऊढण
कुडरा पु० कूडु (२) माटलु
कुडल पु० [स] कुडळ (काननु)
कुडलिया पु० कुडळिया छद
कुडली स्त्री० जन्मकुडली (२) जलेबी (३) पु० [स] साप (४) मोर
कुडा पु० कूडु (२) कमाननी सामळनो नकूचो
कुडी स्त्री० पथ्थर के माटीनु कूडा जवु वासण (२) रसोडना साकळ (३) साकळना आकडा
कुत पु० [स] भालो (२) ज
कुतल पु० [स] वाळ
कुद पु०[स] कुद फूलनाड के फूल (२) नवनी सख्या (३) वि० [फा] बुठित बुठ्ठ (४) मद
कुदजहन वि० मदबुद्धि
कुदन पु० [स] चोख्खु सानु
कुंदरू पु० घिलोडु – शाक

कुदा पु० लाकडानु न हि चीरेलु मोटु ठूणगु–डीमचु (२) वदूकनो कुदा– लाकडानो मूठनो भाग (३) दस्तो, मूठनो भाग (४) कुदी करवाना मागरी (५) कुस्तानो एक दाव
कुदी स्त्री० कपडाने मोगरीथी टीपी सफाईदार करवु ते –करना=टापव मारवु, धीबवु
कुदीगर पु० कपडान कुदी करनारो
कुँदेरना स०क्रि० खरादव
कुँदेरा पु० खरादी
कुभ पु०[स] घडा (२) हाथीनु कुभ-स्थळ (३) एक राशि
कुभकार, कुभार पु० [स] कुभार
कुँभिलाना अ०क्रि० चामळावु
कुभी पु० [स] हाथी (२) मगर (३) स्त्री० नाना कुभ–घडो
कुभीर पु० [स] मगर ['कुँआरा'
कुअर(–रेटा), कुँवारा जुआ कुँअर'
कुँहकुँह पु० कुकुम ककु
कु उपसग=खराव, नीच नानु, अल्प इ० भाव वतावे
कुआ प०, [स कूप प्रा कूव] कूवा –खोदना=कूवा खोदवा, बीजानु बूरु ताकवु (२) राटला कमावा मथवु कुएँमें बास डालना=खूव खोळव कुएँमें बास पडना=खूव खोळ थवी कुएँमें भाग पडना=वधानी वुद्धि मारी जवी
कुआर पु०(वि० –रा, –री)आसो मास
कुइया स्त्री० कूई, नानो कूवो
कुईं स्त्री०कूई(२)[स कुव]कुमुदिनी 'कुँई'
कुकटी स्त्री० कावटी रू [सकोचावु
कुकडना अ०क्रि० कोकडु वळी जवु,
कुकडा पु० कूकडो
कुकडी,–री स्त्री० 'खुखडी', सूतरनी कोकडी (२) कक्डी मरघी (२) मकाईदोडो
कुकडूकू अ० कूकडेकूक
कुकरना अ०क्रि० जुआ 'कुकडना'
कुकरी स्त्री०जुआ 'कुकडी' [(स्त्री०-री)
कुकुर पु० कुक्कुर कूतरु
कुकुर-खासी, कुकुर-ढासी स्त्री० सूकी उधरस ठासा
कुकुर माछी, कुकुरौंछी स्त्री० वगाई
कुकुर मुत्ता पु० कूतरानो कान बिलाडीना टोप
कुक्कुट पु० [स] कक्डा (२)चिनगारी
कुक्कुर पु० [स] कूतरु
कुक्ष पु०, –क्षि स्त्री० [स] कूख पट
कुच पु० [स] स्तन
कुचकुचाना स०क्रि० लगातार कोचवु (जम के मुरब्बानु आमळु) (२) थोडु कचरवु
कुचना अ०क्रि० सकाचावु, सकडाव
कुचलना स०क्रि० कचडवु, मसळवु, पगथी रगदव
कुचला पु० झेरकचालु
कुचाली वि० कुचालवाळु दुराचारी
कुचाह स्त्री० (प) अशुभ वात
कुचील(–ला), कुचला वि०[स कुचल] (स्त्री०–ली) मेला कपडावाळु (२) गदु मेलु
कुछ वि० थोडु, केटलुक काईक –एक वि० थोडुक –ऐसा वि० एवु काईक –विलक्षण –का कुछ=शुनु श काईनु काई ऊलट –कुछ=काई काई थोडु –हो=चाहे ते हो

कुज पु० [स] मंगळ ग्रह (२) झाड
कुजा अ० [फा] क्यां क्या ठाण
कुज्जा पु० जुओ कूजा
कुटट स्त्री० कूटियु मारपीट
कुटका पु० कटको टुकडो
कुटकी स्त्री० बटको (२) चाणा ' [illegible]
कुटनहारी स्त्री० [illegible] स्त्री–गारा
कुटना पु० कूटणा (२) नन [illegible]
मारनार–चुगलीखोर [नाम ०ई](२)
अ०क्रि० कूटव मारा पाटव(२)[illegible]
कुटवाना स०क्रि० स्नान वहरावा
कूटणाना कुमार्गे ल्ई जवा
कुटनी स्त्री० कूटणी [illegible]
कुटाई स्त्री० कूटव त [illegible] तनी मजूरी
कुटिया स्त्री० कुटीर झूपडी
कुटिल वि० [स] वाक दुष्ट कपटी
कुटी स्त्री० ०र पु०[स] जुओ कुटिया
कुटुंब पु०[स] कुटुंब परिवार
कुटुम पु० कटम कुटुंब परिवार
कुटौनी स्त्री० खाण्डाण काम [illegible] तनी
मजूरी –पिसौनी=दळवु खाण्डवु ते
कुट्टनी स्त्री० [स] कूटणा 'कुटनी'
कुट्टी स्त्री० कापडा बारीक चारा (२)
बट्टा करवो मैत्री छोडवी ते
कुठला पु०[स काष्ठ प्रा कोट्ठ](अल्प०,
–ली) कोठलो (२) चूनाना भट्ठी
कुठाउँ,कुठाव पु० स्त्री०कुठाम कठेकाणु
कुठार पु० कोठार (२)[स] कुहाडी (२)
फरसी [[स] कुहाडी
कुठारी पु० कोठारी भंडारी (२)स्त्री०
कुठाली स्त्री० अगीठी
कुठाहर,कुठौर पु० कुठाम(२)कु अवसर
कुठिया स्त्री० कोठी (अनाजनी)
कुडकस्त्री०इडा मूकती बंध थयली मरघी
कुडकुडाना अ०क्रि०मनमां बळवु गडगडवु
(२) गतरमां पक्षी उडाव्या
कुडकुडी स्त्री० पटमां गुडगुड बाल्यु ते
कुडबुडाना अ०क्रि० कुडकुडाना, मनमां
बडबडवु बळव–गुस्सा थवं
कुडौल वि० बेडोळ [illegible]
कुढंग पु० खोटो मगार ढंग (२) वि०
जओ कुढंगा
कुढंगा,–गी वि० [illegible] भद्दा (२)
बूरा चालनु [वळवु ते
कुढ़न स्त्री० [स क्रुद्ध] मनमां ने मनमां
कुढना अ० क्रि० बळव बळापा करवा
कुढाना स०क्रि० चीडव्वु दुखी करवु
कुतका पु० [तु] कूतकु [illegible]
कुतना अ० क्रि० अंदाज अडसट्टो थवो
कुतर पु० [अ कुत्र] वर्तुलना व्यास
कुतरना अ०क्रि० दांतथी करडी लेवु
(२) वच्चथी कातरी लेवु
कुतवार,–ल पु० [illegible] कोटवाळ
कुतिया स्त्री० कूतरी
कुतुब पु० [अ] ध्रुव तारा
कुतुब स्त्री० (किताब नु ब०व०)
चोपडाओ
कुतुबखाना पु०[अ+फा] किताबखाना'
कुतुबनुमा पु० जुओ कुतुबनुमा
कुतुब–फरोश पु० [अ +फा] बुक्सेलर
कुतूहल पु० [स] उत्कठा इच्छा (२)
कौतुक खेल (३) अचबो
कुत्ता पु० [स्त्री० –त्ती] कुत्तो (२)
कुतरियु घास (३) उलाळो (४)
वदूकनो घोडा कुत्तेका हुडक=हडकवा
(–उठना=हडकवा थवा अधीरु बनवु)
कुत्तेखसी=व्यर्थ नकामु काम कुत्तने
काटना=पागल थवु

कुत्ब पु० [अ] ध्रुव तारा (२) धरी (३) नेता
कुत्बनुमा पु० [अ +फा] होकायंत्र
कुत्ब शुमाली पु० उत्तर ध्रुव प्रदेश
कुत्सा स्त्री० [स] निंदा –त्सित वि० निंद्य नीच
कुदकना अ०क्रि० कूदवु
कुदक्का पु० कूदको
कुदरत स्त्री० [अ] प्रकृति माया (२) महिमा शक्ति [प्राकृतिक(२)दैवी
कुदरती वि० स्वाभाविक, असली,
कुदान स्त्री० कूदवु ते कूदको, छलंग –भरना=कूदवु (२) पु० [स] खोटु अपात्र दान
कुदाना स० क्रि० कुदाववु, 'कुदवाना'
कुदार, ल, री,-ली स्त्री० [स कुद्दाल] कोदाळी [द्वेष
कुदूरत स्त्री० [अ] हृदयनो मेल, कीनो,
कुदृष्टि स्त्री० [स] खराब नजर, पापदृष्टि [एक दाव
कुद्रव पु० [स] कोदरा (२) तलवारनो
कुधर पु० [स कुध्र] पर्वत (२) शेषनाग
कुधातु स्त्री० [स] लोखंड
कुनकुना वि० कोकरवायु
कुनना स० क्रि० खरादवु
कुनबा पु० [स कुटुंब प्रा कुडुंब] कुटुंब
कुनबी पु० कणबी
कुनवा पु० खरादी
कुनह स्त्री० [फा] तत्त्व तथ्य (२) बारीकी (३) [फा कीना] द्वेष, वेर
कुनाई स्त्री० खरादीकाम के तेनी मजूरी (२) खरादता पडतो भूको वहेर
कुनैन स्त्री० क्विनीन [रस्तो
कुप(–प)थ पु० [स] खराब के खोटा
कुपढ़ वि० अभण, मूर्ख
कुपथ पु० [स] जुओ 'कुपथ'
कुपथ्य पु० [स] शरीरने ना माफक त
कुपना अ०क्रि० (प) कापवु, गुस्से थवु
कुपाठ पु० [स] खोटो पाठ के सलाह शिखामण
कुपात्र वि०[स]अयोग्य,नालायक,अपात्र
कुपार पु० (प) अकूपार, समुद्र
कुपित वि० [स] गुस्से थयेलु
कुप्पा पु० (स्त्री० –प्पी) चामडानो कुप्पो –होना=फूलवु के हृष्टपुष्ट थवु
कुफर, कुफ्र [अ] पु० काफरपणु, इस्लाम मा नास्तिकता
कुफ्ल पु० [अ] ताळु
कुबडा पु० [स कुब्ज] (स्त्री० –डी) खूंधा (२) वि० खूंधु कूबडु
कुब्ज वि० [स] कूबड, खूंधु
कुमक स्त्री० [तु] कुमक मदद (२) पक्षपात (वि० –की) –पर होना= पक्ष लेवो
कुमकुम पु० केसर (२) जुओ 'कुमकुमा'
कुमकुमा पु० [तु] काचनो रंगबेरंगी नानो गोळो (छतमा टंगाय छे ते)(२) जुओ 'कुंकुम'
कुमरिया पु० एक जातनो हाथी
कुमरी स्त्री० [अ] कबूतर जेवु एक पक्षी
कुमाच पु० [अ कुमाश] एक जातनु रेशमी कापड [(३) वि० कुंवारु
कुमार पु० [स] छोकरो (२) राजकुमार
कुमारबाज वि० [अ किमार+बाज] जुगारी [छोकरी–कन्या
कुमारी, –रिका स्त्री० [स] कुंवारी
कुमार्ग पु० [स] खोटो–पापी रस्तो
कुमुद पु० [स] कमळ

कुम्मत पु० [अ] लाखनो रग पे ते रगना घोडा
कुम्हडा पु० [स कुष्माड] कोळु कुम्हड (०की) बतिया = नबळा पोचो माणस (२) नानु काचु कोळु
कुम्हलाना अ० क्रि० चीमळावु
कुम्हार पु० (स्त्री० –रिन) कुभार
कुम्ही स्त्री० (प) पाणी पर फेलाती एक वेल
कुरग पु० [स] हरण (२) खराब रग के लक्षण (३) वि० खराब रगनु (स्त्री० –गिन = हरणी)
कुरआ पु० [अ] रमवानो पासो (२) वात नक्की करवा नखाती चिठठी वगेरे
कुरकी स्त्री० जुओ 'कुर्की'
कुरकुर पु० कडकड थतो अवाज (जेम के पापडना) [एव कडक
कुरकुरा वि० 'कुरकुर' अवाज साथे भागे
कुरता पु० [तु] कुरतु, पहरण
कुरती स्त्री० सदरा जेवु स्त्रीनु कुरतु
कुरना अ० क्रि० (प) 'कूरा'–ढग थवो
कुरबत स्त्री० [अ] नजदीक, समीपता
कुरबान पु० [अ] बलि वलिदान कराय ते –जाना, –होना = वारी जवु, न्योछावर थवु
कुरबानी स्त्री० वलिदान [(स्त्री० –री)
कुरर [स], –रा पु० टिटोडी क्रौंच पक्षी
कुरसी स्त्री० [अ] खुरसी (२) मकाननी बमणी (३) पढी –देना = मान आपवु
कुरसीनामा पु० [अ+फा] वशावळी
कुराई (–य) स्त्री० (प) कुराह, कुमार्ग (२) खाडाटेकरावाळी भो
कुरान पु० [अ] कुरान धर्मग्रथ
कुरानी वि० मुसलमान कुराननु लगतु
कुराह स्त्री० कुमार्ग, खोटो राह
कुराही स्त्री० जुओ 'कुराह' (२) वि० दुराचारी
कुरिया स्त्री० झूपडी (२) नानु गामडु
कुरियाल स्त्री० पक्षी मोजमा आवी पाखो फफडावे ते –मे आना = मोजमा आववु –में गुलाल लगना = रगमा भग पडवा
कुरी स्त्री० (प) वश खानदान (२) टुकडो
कुरुई स्त्री० वास के मुजनी नानी टोपली
कुरुख वि० [कु+रुख] नाराज
कुरुम पु० (प) कूर्म, काचबो [करोदना
कुरेद (–ल) ना स० क्रि० खणवु, खोदवु
कुर (–रौ) ना स० क्रि० (प) (जुओ 'कूरा') ढगला करवो
कुर्क वि० [तु] जप्त करेलु –अमीन = जप्ती-अमलदार
कुर्की स्त्री० जप्ती 'कुरकी'
कुर्ता पु० [तु] जुओ 'कुरता' –ती जुओ 'कुरती'
कुर्ब पु०, ०त स्त्री० [अ] 'कुरबत', समीपता [के प्रदेश
कुर्ब व जवार पु० [अ] आसपासनी जगा
कुर्मी पु० कणबी [पृथ्वी
कुर-ए-अर्ज पु० [अ] पृथ्वीनो गोळो,
कुर्स पु० [अ] सूर्यबिब (२) गाळी
कुर्सी स्त्री० जुओ 'कुरसी' ०नामा जुओ 'कुरसीनामा' [मरघा
कुलग पु० [फा] एक जातनु सारस (२)
कुल पु० [स] कुळ, ओलाद (२) वि० [अ] बधु तमाम [के रोटी
कुलचा पु० [फा] एक जातनी मीठाई
कुलच्छन पु० (२) वि० कुलक्षण –नी पु० (२) स्त्री० कुलक्षणवाळो के –वाळी

कुल-जमा अ० [अ] कुल मळीन (२) केवळ मात्र
कुलजम पु० [अ] गाल समुद्र
कुलट पु० व्यभिचारी -टा स्त्री० खराब स्त्री [कळथी-एक धान
कुलथ पु०, -थी स्त्री० [म कुलत्थिका]
कुलफ पु० कुफल, ताळु
कुलफत स्त्री [अ] चिंता फिकर
कुलफा पु० [अ] एक जातनु शाक
कुलफी स्त्री० कुल्फी नळी जमा मलाई इ० ठारवामा आवे छे
कुलबुल पु० वलवल
कुलबुलाना अ० क्रि० वलवल करवी (२) खदबदवु (३) मळवळवु
कुल-मुख्तार पु० [फा] कुल मुखत्यार
कुलह(-हा) स्त्री० कुलाह, टोपी(२) शिकारी पक्षीनी आख परनु ढाकण
कुल्ही स्त्री० कानटोपी
कुलाच, -ट स्त्री० छलग, कूदको
कुलावा पु० [अ] मिजागरु (२) मोरी (३) माछलीनो काटो
कुलाल पु० कुभार(२)घुवड -ली स्त्री०
कुलाह पु० [फा] एक जातनी टोपी
कुलिश,-स प० [म] वज्र (२) हीरो
कुली पु० [तु] गुलाम (२) रेलवेना कुली-मजूर ०क्वारी पु० हलका पछात लोक
कुलीन वि० [स] कुलवान खानदान
कुलुफ पु० ताळु कुफल [(हिमालयनी)
कुलूत [स] पु० एक पहाडी जाति
कुलेल स्त्री० कल्लोल, क्रीडा
कुल्फी स्त्री० जओ 'कुलफी'
कुल्य पु० [स] कुलीन पुरुष [(२) नदी
कुल्या स्त्री० [स] कुलीन स्त्री (२) नहेर
कुल्ला पु०, कुल्ली स्त्री० कोगळा
कुल्लियात पु० कुल कृतिओनो सग्रहग्रथ
कुल्ली वि० [अ] कुल बधु
कुल्हड पु० [स कुल्हर] कुलडी, चडवो
कुल्हाडा पु० कुहाडो
कुल्हाडी स्त्री० कुहाडी
कुल्हिया स्त्री० कुलडी (नानी) -मे गुड फोडना = कुल्डीमा गोळ भागवो, गुप्त रीते काम करवु
कुवलय पु० [स] भरु कमळ
कुवा पु० कूवो [-री वि०
कुवार, कुवार पु० 'कुआर', आसो मास
कुवेर पु० [स] कुबेर
कुव्वत स्त्री० जुओ 'कूवत'
कुश पु० [स] कुश घास
कुशल वि० [स] कुशळ, चतुर (२) स्त्री० कुशळता खुशी ०क्षेम पु० क्षेमकुशळ -लाई, -लात स्त्री० (प) कुशळता खुशी
कुशाग्र वि० [स] तीक्ष्ण तेज
कुशादगी स्त्री० [फा] विस्तार, मोकळाश
कुशादा वि० [फा] खुल्लु, मोकळु (२) विस्तृत विशाळ [गायक नट
कुशीलव पु० [स] कवि नाटचारण (२)
कुश्ता पु० [फा] धातुनी भस्म
कुश्ती स्त्री० [फा] कुस्ती -खाना = कुस्तीमा हारवु -मारना = कुस्तीमा हराववु-पछाडवु
कुश्तोखून पु० [फा] मारकाप खूनरेजी
कुष्ठ प० [स] कोढ -ष्ठी वि० कोढियु
कुष्माड पु० [स] कोळु [०लाई(त)
कुस,०ल,०लाई(त) जुओ 'कुश,०ल,
कुसवारी पु० रेशमनो कीडो
कुसीद पु० [स] व्याज, 'सूद'

कुसुभ पु० [स] कसुंबानु फूल
कुसुंभा पु० कसुंबो (रंग के अफीणनो)
कुसुंभी वि० कसुंबी कसुंबी
कुसुम पु० [स] फूल (२) एक नेत्ररोग
कसूर स्त्री० [अ] कसूर भूल ०मंद, ०वार वि० अपराधी भूलवाळु
कुह(-हु)कना अ० क्रि० [स कुहन] पक्षीए कुहुकुहू - मधुर बोलवु टहुकवु
कुहन वि० [फा] जूनु पुराणु
कुहनी स्त्री० [स कफोणि] कोणी
कुहरा पु० धुमस
कुहराम पु० [अ कहर-आम] रोककळ
कुहाना अ० क्रि० रूठवु रिसावु
कुहासा पु० 'कुहरा' धुमस
कुहुकना अ० क्रि० जुओ 'कुहकना'
कुहू स्त्री० [स] अमास (२) कुहू कुहू अवाज
कूच पु० वणकरना कूचडो (२) रती
कूचा पु० झाडु सावरणा
कूची स्त्री० सावरणी (२) पीछी के कूचडो
कूंच पु० क्रौंच पक्षी
कूंजना अ० क्रि० कूजवु
कूंड स्त्री० लढाना टोप (माथा माटे) (२) हळना चास (३) एक वासण
कूंडा पु० कूडु -डी स्त्री० जुओ 'कुंडी'
कू पु० [फा] गली
कूई स्त्री० कुमुदिनी
कूक स्त्री० मोर कोयल इ० नो टहुका (२) घडियाळ, वाजा इ०नी चावी -देना=चावी आपवी
कूकर पु० कूतरु ०कौर पु० एठुजूठु तुच्छ वस्तु
कूका पु० एक शीख संप्रदाय
कूच पु० [स] स्तन (२) [तुर्की] कूच प्रस्थान -कर जाना=मरी जवु
(किसीके) देवता कूच कर जाना= होशकोश ऊडी जवा -बोलना=उपडवु
कूचा पु० [फा] गली ०गर्दी स्त्री० नकामी रखडपट्टी ०बंद पु० एक तरफ रस्तानी गली - बंध गली
कूज, ०न स्त्री० [स] ध्वनि अवाज (२) पक्षीनु कूजनु ते
कूजना अ० क्रि० जुओ 'कूजना'
कूजा पु० [फा] कूजा माटीनु पाणी माटेनु वासण (२) माटीना वासणमा जमावेला साकरनो अगाळ गागडा
कूट पु० [स] शिखर (२) कपटकपट (३) ढगलो (४) वि० अचळ स्थिर (५) कूट करटी (६) बनावटी जूठु
कूटना स० क्रि० कूटवु खाडवु (२) मारवु ठाकवु (३) (घटी इ०) टाकवी
कूटू पु० एक छोड के तेनु बी, जनो लोट फराळमा चाले छ
कूडा [स कूट प्रा कूड =ढेर] 'कनवार कचरोपूजो (२) नकामी चीज ०कचरा, ०करकट पु० कूडो कचरो कचरापट्टी ०खाना पु० कचरापटी
कूढ वि० नासमज बेवकूफ
कूढमग्ज वि० मंदबुद्धि
कूत स्त्री० अनुमान अंदाज अडसट्टो
कूतना स० क्रि० अनुमानवु अंदाजवु
कूद स्त्री० [क्रि० कूदना=कूदवु] कूदवु ते
कूद-फांद स्त्री० कूदवु के ऊछळवु ते
कून स्त्री० [फा] गुदा
कूप पु० [स] कूवो
कूब, कूबड पु० [स कूबर] खूंध (२) कोई चीजनु वांकापणु
कूर वि० क्रूर (२) दुष्ट, बूरु (३) नकामु (४) जड मूर्ख

कूरा पु० [स कूट, प्रा कूड] (स्त्री० –री = ढगली) ढगलो (२) भाग, अंश
कूर्म पु० [स] काचबो
कूल पु० [स] किनारो (२) तळाव
कूला, कूल्हा पु० थूलो
कूवत स्त्री० [अ] ताकात, शक्ति
कृच्छ्र पु० [स] कष्ट, दुःख (२) वि० कठण, कष्टमय [सतयुग
कृत वि० [स] करेलु (२) पु० काम (२)
कृतकृत्य वि० [स] कृतार्थ, सफळ, धन्य
कृतघ्न वि० [स] निमकहराम, उपकार न माननार [कदर करनार
कृतज्ञ वि० [स] निमकहलाल, उपकारनी
कृतांत पु० [स] यम (२) शनिवार (३) सिद्धांत
कृतार्थ वि० [स] कृतकृत्य
कृति स्त्री० [स] काम, रचना (२) जादु (३) एक छंद (४) कातर व छरी
कृती वि० [स] कृतार्थ, नसीबदार (२) कुशळ, होशियार (३) भलु, पवित्र (४) वह्यागरु [(३) कृत्तिकानक्षत्र
कृत्ति स्त्री० [स] मृगचर्म (२) चामडु
कृत्तिका स्त्री० [स] एक नक्षत्र
कृत्य पु० [स] काम (२) वि० करवा योग्य
कृत्रिम वि० [स] बनावटी, नकली
कृत्स्न वि० [स] आखु, बधु, समग्र
कृपण वि० [स] कंजूस (२) दीन, क्षु
कृपा स्त्री० [स] महेरबानी दया
कृपाण (–न) पु० [स] किरपाण तलवार
कृपाल,–लु [स] वि० कृपाळु कृपा के महेरबानीवाळु
कृमि पु० [स] करम, जंतु कीडो
कृश,–शित वि० [स] दूबळु पातळु (२) नानु, क्षुद्र

कृषक पु० [स] किसान, खेडूत
कृषि स्त्री० [स] खेती
कृष्ण वि० [स] काळु (२) पु० श्रीकृष्ण
कृष्णाष्टमी स्त्री० [स] गोकळआठम
कें कें स्त्री० चें चें अवाज
केंचली स्त्री० सापनी कांचळी
केंचुआ (–वा) पु० अळसियु, मरसियु (२) झाडामां नीकळता सफेद लांबो करम
केंचुरि (–ल,–ली) स्त्री० जुओ 'केंचली'
केंद्र पु० [स] केन्द्र, मध्यबिंदु [एकत्रित
केंद्रित, केंद्री वि० [स] मध्यमां आवेलु,
केंद्रीय वि० [स] केंद्रित (२) मुख्य
के स० (प) कोण ?
केउ स० (प) कोई
केंकडा पु० करचलो [पु० मोर
केका स्त्री० [स] मोरनो टहुको –की
केडा पु० नवो अंकुर कूपळ (२) नवजुवान
केत पु० केतन, घर (२) केतकी [घणु
केतक पु० [स] केवडो (२) (प) केटलु (३)
केतकी स्त्री० [स] केवडो [निशान
केतन पु० [स] घर स्थान (२) धजा,
केतली स्त्री० कीटली चादानी
केता वि० [स्त्री० –ती] केटलु 'कितना'
केतिक वि० केवु (२) केटलु
केतु पु० [स] धजा (२) एक ग्रह
केतो वि० (प) जुओ 'केता' 'केतक'
केदली स्त्री० कदली केळ
केदार पु० [स] वावेलु खेतर (२) क्यारडो (३) झाडनो क्यारो
केंद्र,–द्री इ० जुओ 'केंद्र'
केयूर पु० [स] बाजुबंध
केर [स कृत] (स्त्री० –री) (प) केरु, नु अर्थनो एक प्रत्यय
केराना पु० 'किराना', करियाणु

केरानी पु० 'किरानी' युरेशियन (२) कारकुन
कराव पु० वटाणा
करी स्त्री० काची नानी करी 'अंबिया'
केरोसिन पु० [इ] ग्यासतेल
केला पु० केळ के केळु [रति–क्रीडा
केलि (–ली) स्त्री० [स] हांसी खेल (२)
कवका पु० प्रसूतिमां अपातो एक मसालो
केवट पु० [स कवत] एक वर्णसंकर जात, माछी के नाविक
कवटी (दाल) स्त्री० अनेक प्रकारनी भगी दाळ
केवडई वि० केवडाना रंगनु
केवडा,–रा पु० केवडो तेनु फूल के अत्तर
केवल वि० [स] केवळ, फक्त (२) शुद्ध पवित्र उत्तम –ली पु० केवळ ज्ञानवाळो
कवाच स्त्री० कौवच, गौच
केवा पु० [स कुव] कमळ
केवाड पु० किवाड कमाड
केश (–स) पु० [स] वाळ
केशरंजन, केशराज पु० [स] भमरो
केश (–स)र पु० [स] केसर
केश (–स)री पु० [स] केसरी सिंह के घोडो [(२) केश, वाळ
केस पु० [इ] केस, किस्सो मामलो
केसर पु० [स] केसर (२) केशवाळी याळ
केसरिया वि० (२) पु० केसरी के ते रंग
केसरी पु० जुओ 'केशरी'
केसारी स्त्री० एक हलकु धान
केहा पु० केका मोर
केहि स० (प) 'किस किसका' कोने
केहूँ, –हू स० (प) कोई (२) कवी के काई रीते [वाड
कचा पु० मोटी कातर (२) वि० 'भगा',
कची स्त्री० [तु] कातर (२) गाणसी –करना=कापवु –काटना=फरी जवु, नामुकर जवु (२) छूपीथी सरकी जवु –बांधना=बे जाघो वच्चे दबाववु –लगाना=कापवु कातर चलाववी
कडा पु० चाल रीत ढग (२) चालाकी, चाल्बाजी (३) माप अदाज –करना =अदाज काढवा
कप पु० [इ] कॅम्प, पडाव छावणी
क वि० 'कितना' (२) अ० या अथवा
क स्त्री० [अ] वमन
कतव पु० [स] छळकपट ठगाई (२) जूगटु (३) वि० ठगार के जुगारी
कतून स्त्री० [अ] (सोनरी के रूपरी) एक जातनी कपडा पर लगाडाती फीत
कथ,–था पु० कोठीनु झाड
कथिन स्त्री० कायस्थ स्त्री
कथी स्त्री० शिरोरखा वगरनी नागरीने मळती एक लिपि
कद स्त्री० [अ] कैद बधन (२) कैदखानु (३) प्रतिबंध, रोकावट (४) शरत, मर्यादा –काटना, भरना=केदनो वखत पूरा करवो–गुजारवो –लगना=प्रतिबंध मुकावो, शरत के मर्यादा होवी
कदक स्त्री० [अ] पाटफालियो, कागळो राखवानी फाईल
कदखाना पु० [फा] कदखानु
कद–तनहाई स्त्री० अंधारी कोटडीनी केद
कद–महज स्त्री० [अ] सादी केद
कदी पु० [अ] कैदी
कधौं अ० (प) या, अथवा
कप पु० [इ] कप, टोपी
कफ पु० [अ] केफ नशो

रण (३) आश्चयनो क
-तलब करना=रफियत
रण पूछवु
ग] केफी नगावाज
[इ] राज्यनु प्रधानमडळ
लु एक बचाट
इ] कमरा 'कमरा'
खरा रग (४) सफेद बळद
कलडर इ० स० नु पचाग
म] मुक्ति, एकता
) कई वार
] रोकड नाणु
[इ] रोकड खजानची
] सम्राट बादशाह
त्री०-सो) केवु कोना जवु
रीते (२) केम, शा माटे
) जुओ 'वेसा'
क० कोचव घोचवु भोकवु
ल्लानो एक छडो जेनार्थी
छे -भरना=(स्त्रीनो)
छ्याना स० क्रि० काई
ने ते कडे खासवो (२)
टकी करी त खोसवी
डी के आकडो (२) वि०
कडामा परावेलु
ओ'कोंपल ०ना अ०क्रि०
ठवी
रीनी साख
कूपळ, नवा कोमळ पान
व० (प) कोमळ
लु 'कुम्हडा' [प्रत्यय
ोण (२) चार्यी ने बीजीनी

मारो
कोइरी पु० 'काछी' जात
कोइल, -लिया स्त्री० कोयल पक्षी
कोइली स्त्री० काळा डाघवाळी एक
जातनी केरी
कोई स०(२)वि० कोइ(३)अ० लगभग
उदा० काई दस आदमी [काईक
कोउ, -ऊ स० (प) काई ०क स० (प)
कोका पु० [अ] दूध भाई, एक धावन
धावल [वल
कोकाबेरी(-ली) स्त्री० भरा कमळना
कोकिल पु० [स] कायल (२) अगारो
कोकिला स्त्री० [स] कायल
कोकी(-के)न स्त्री० [इ] कोकन-एक
केफो आपधि
कोको स्त्री० कागडो (वाळभाषामा)
कोख स्त्री० कूख -उजड जाना,उजडना
=सतान मरी जवु (२) गभपात थवो
-खुलना=बाळक थवु -बद होना,
-मारी जाना=वध्या थवु
कोच पु० [इ] वगी (२) बेसवानो काच
कोचक वि० [फा] नानु
कोचना स० क्रि० 'कोचना', कोचव
भोकवु काचा करेला=वळियाना
डाघवाळो चहेरो
कोचवान पु० कोचमन गाडीवाळो
कोजागर पु०[स]कोजागरी शरद पूनम
कोट पु० [स] किल्लो (२) [इ] कोट,
डगलो (३) [स कोटि] समूह, कराड
कोटर पु० [स] झाडनी बखोल
कोटि स्त्री० [स] धनुषना छडो (२)
वग, कक्षा (३) करोड सख्या (४)समूह
कोटिक वि० करोडो अगणित
कोटी स्त्री० जुओ कोटि'

कोठ वि० खटायलु (दात माटे)
कोठडी(-री) स्त्री० काटडी नानी ओरडी
कोठा पु० मोटी काटडी (२) अटारी, उपरनो ओरडो (३) कोठा-खानु के पेट इ० [-री पु०
कोठार पु० भडार कोठार वखार
कोठिला पु० कोठल। 'कुठला'
कोठी स्त्री० माट भव्य मकान (२) कोई कामकाज माटनी पढीन के कचेरीनु माटु मकान (३) गभाशय (४) खाळ कूवामा उतारवानी कोठी [साहुकार
कोठीवाल पु० महाजन माटो वपारी,
कोठेवाली स्त्री० वश्या
कोडना स० क्रि० गाडव खोदवु
कोडा पु० कोयडो
कोडी स्त्री० वीसनी काडी, वीसी
कोढ पु०पत-काढनो राग -की खाज, -में खाज=दुख पर दुख आववु -चूना, टपकना=काढ गळवा
कोढी वि० कोढियु (स्त्री० -ढिन)
कोण पु० [स] खणो [दिशा
कोत स्त्री० (प) कौवत बळ (२) काण
कोतल पु० [फा] कोतल सवार वगरना सजला के सवारीना खास घाडा
कोतवाल पु० कोटवाळ, फाजदार
कोतवाली स्त्री० पालीसथाणु के काटवाळनु काम के पद [-ती)
कोता(०ह) [फा] वि० नानु कम (स्त्री०
कोताही स्त्री० [फ] कमी, वाकी कसर
कोयला पु० कायळा (२) पर -ली स्त्री० रायळी थेली
कोदड पु० [स] धनुष्य
कोद स्त्री० (प) 'कात', दिशा

कोदई, कादरा, कोदव, कोदो, कोद्रव [स] पु० कोदरा कोदो देकर पढना या सीखना=अधूरी ढग वगरनी केळवणी लेवी छाती पर कोदो दलना=सामो जाण तम एवु काम करवु जथी तेने वूरु लागे [खूण भरावु
कोना पु० खूणो कोण -झाकना=
कोना-खँतरा पु० खाचाखाचरा
कोनिया स्त्री० खूणामा मुकाती अभराई
कोप पु०[स] क्रोध गुस्सो ०ना स०क्रि० कोपवु -पी वि० क्रोधी
कोफ्त स्त्री० [फा] पीडा दुख (२) लाढा पर सोना चादीनु जडित काम
कोफ्ता पु०[फा] एक जातना कबाब-मासनी वानी
कोया पु० [फा] मागरी मूठ
कोरी स्त्री० रागी करमलला गावी
कोमल वि [स] कोमळ मदु
कोय स० कोइ
कोयल स्त्री० कायल पक्षी
कोयला पु० कोलसा कायला
कोया पु० आखना डाळा के खूणा (२) फणसनु चापु (३) रेशमना कोशेटा
कोर स्त्री० कार (किनार, धार) (२) द्वेष वर (३) दाष खामी (४) पक्ति हार (५) वि० [फा] अध -दबना= लागमा आववु [सत्तासाछापणु
कोर कसर स्त्री० दाष न खामी (२)
कोरट पु०[इ] कोर्ट आफ वार्डस वालीनु काम करती कोर्ट
कोरनिश [फा] स्त्री० कुरनिस चूकीने करती सलाम
कोरमा पु० [तु] खूब धीमा तळेलु मास

कोरा वि० (स्त्री०-री) नया (२) पु० सादु रगनी वापड (३) नाद, साळा
कोरि वि० (प) नाटि, वराढ
कोरी,-ली पु० (हिंदु) वणकर
कोल पु० [ ] कोली स्त्री० गाम, साळा
कोलाहल पु० [ ] कळाहाळ, गारगरार
कालिया स्त्री० साकडी गली (२) पगी जवु गतर
कोली स्त्री० जुआ 'गाज (२) पु० जुआ 'मारो'
कोल्हू पु० कालु के घाणी -काटवर मुगरो बनाना = धाडा लाभ माटे मोटी हानि वहारवा -का वल = घाचीना बळद जेवो
कोविद वि० [स] कुशळ, प्रवीण
कोश(-ष) पु० [स] खजाना (२) सघरेलु धन (३) शब्दकोश (४) ढाकणु, आवरण
कोशिश स्त्री० [फा] प्रयत्न, महेनत
कोष पु० [स] जुआ 'काश'
कोष्ठ पु० [स] काठो, पट (२) भडार
कोष्ठक पु० कोष्टक
कोष्ठी स्त्री० जनमातरी
कोस पु० गाउ क्रोश
कोसना स० क्रि० महणु मारवु भाडवु शापवु -काटना = शाप अने गाळा देवा पानी पी पीकर कोसना = खूब 'कोसना.'
कोसा काटी स्त्री० शाप, निंदा
कोह पु० क्रोध (२) [फा] पहाड
कोहकनी स्त्री० [फा] भगीरथ काम
कोहन,-ना वि० [फा कुहन] पुराणु
कोहनी स्त्री० 'कुहनी' कोणी
कोहनूर प० [फा] कोहिनूर
कोहबर पु० [स काष्ठवर] विवाह द०मा पूजवाना कुलदेवतानु स्थान
कोहराम पु० [फा] जुआ 'कुहराम'
काहसार पु० [फा कुहसार] पहाड क पहाडी प्रदेश
कोहान पु० [फा] ऊटनी खूध
कोहाना अ० क्रि० रावावु, गुस्स थवु, रूसणु लवु
कोहाव(-व) पु० (प) रूसणु
कोहिस्तान पु० [फा] पहाडी दश
कोही वि० क्रोधी (२) पहाडी
कौंच(-छ) स्त्री० कौवच
कौंध(-धा) स्त्री० वीजळीना चमकारा (अ० क्रि० कौंधना = वीजळी चमकवी)
कौंसल पु० [इ] वकाल, वारिस्टर
कौंसिल स्त्री० [इ] काउन्सिल, धारासभा ०र पु० तेनो सभ्य [कागारोळ, शार
कौआ पु० कागडो ०र, ०रोर पु०
कौटिल्य पु० [स] कुटिलता फरव
कौटुंबिक वि० [स] कुटुंब सबंधी (२) पु० घरनो वडील
कौडा पु० मोटी काडी कोडो (२) तापणी
कौडियाला वि० कोडीना रगनु (२) पु० एक झेरी साप (३) कजूस धनिक
कौडी स्त्री० काडी (२) धनसपत्ति -फिरना = दावमा मारी काडी पडवी
कौतुक पु० [स] कुतूहल (२) अचबो (३) हासीखल (४) विवाहनु कंकण
कौतुकी,-किया पु० कौतुक करनार (२) विवाहनो पुरोहित
कौतूहल पु० [स] कुतूहल
कौथ स्त्री० [कौन + तिथि] कई तिथि के तारीख ? (२) शो सबंध ?
कौया वि० केटलामु ?

कौन स० काण –सा=कोण –हाना=
ना अधिकार छे (२) शा सबब के
सगाइ छे ?
कौपीन पु०[स] लगाटी (२) पाप गुनो
कौम, कौमियत स्त्री०[अ] कोम जात
(२)राष्ट्र(ब०व० अकवाम,वि० कौमी)
कौमार पु० [स] कुमारावस्था
कौमियत स्त्री० जुआ 'कौम' मा
कौमी वि० [अ] राष्ट्रीय
कौमुदी स्त्री० [म] चादनी (२) आसो
या कारतक पूर्णिमा
कौर पु० [स कवल] कोळियो (२)
घटीमा एक वार आराय एटलु–चपटी
कौरना स०क्रि० शेकवु
कौरा पु० कमाड पाछळनो भाग कौरे
लगना=कमाड पाछळ सताबु
कौरी स्त्री० बाथ भरवी ते
कौल पु० [म] वाममार्गी (२) खानदान
(३) [कवल] जुआ 'कौर'
कौल पु०[अ]कोल प्रतिज्ञा (२) कथन,
वाक्य –(ब) करार=कोलकरार
परस्पर प्रतिज्ञा –का पूरा, पक्का
या धनी=सत्यवादी
कौवा पु० (स्त्री०–वी) कागडा कावा
(२) धूर्त –गुहार, –रोर=शोरबकोर
कौवे उडाना=नवरु हावु
कौवाल,कौवाली [अ]जुओ कव्वाल,-ली
कौशल,–ल्य पु०[म]कुशळता(२)मगळ
कौस स्त्री० [अ] धनुष कमान –ए
कजह, कौस-कुजा=इद्रधनुष
कौस्तुभ पु० [म] एक मणि
क्या स० शु ? –कुछ, –क्या=बधु
–खूब ! =वाह ! धन्य !
क्यारी,–री स्त्री० क्यारा
क्यो अ० केम ? शा माटे ? (२) (प)
'कसे' –कर अ० 'कसे, केवी रीते
–कि अ० एटला माटे के –नही अ०
जरूर, बेशक
क्रदन पु० [स]रुदन(२)युद्ध माटे पडकार
क्रतु पु० [म] यज्ञ
क्रम पु० [स] एक पछी एक आवे ते
व्यवस्था (२) पगलु (३) (प) कर्म
क्रमिक वि० [म] क्रममा आवतु, क्रमबद्ध
क्रमेल,०क पु० [म] ऊट
क्रय पु० [म] खरीद
क्रयविक्रय पु० [म] वेपार
क्राति स्त्री०[म]मोटो पलटो(२)सूर्यमार्ग
क्रिकेट पु० [इ] क्रिकेट रमत
क्रिया स्त्री० [म] करवु ते, कर्म (२)
कोई धार्मिक क्रिया
क्रियाकर्म पु० [म] अत्येष्टि क्रिया
क्रिस्तान पु० (वि० –नी) ख्रिस्ती
क्रीडा स्त्री० [म] खेल, रमत
क्रीत(०क) पु० [स] बार प्रकारना
पुत्रमानो एक (२) वि० खरीदेलु
क्रूर वि० [म] घातकी, निर्दय (२) पु०
भात राधेला चोखा (३) बाज पक्षी
क्रूस पु० ख्रिस्ती धर्मचिह्न क्रास
क्रोड पु०[म]गोद खोळो (२) बाथ, छाती
क्रोडपत्र पु० [म] (पुस्तक के छापानु)
परिशिष्ट पुरवणी, वधारो
क्रोध पु०[म] गुस्सो –धी वि० क्रोध
करनारु (२) पु० एक सवत्सर
क्रोश पु०[स] कोस, अतर (२) रोवु ते
क्रोष्टु,०क पु० [स] शियाळ, कालु
क्रौंच पु०[स] एक पक्षी –ची स्त्री०
तेनी मादा
क्लब पु० [इ] क्लब, काई मडळीनी बेठक

क्लर्क पु०[इ] क्लार्क, कारकुन –र्की
 स्त्री० कारकुनी [थाक
क्लांत वि० [स] थाकेलुं –न्ति स्त्री०
क्लॉक पु० [इ क्लॉक] मोटुं घडियाळ
क्लास पु० [इ] वर्ग दरज्जो, श्रेणी
क्लिप स्त्री० [इ] चाप (कागळो इ०
 राखनारी)
क्लिष्ट वि० [स] जल्दी पडे के पाडेलुं,
 समजवामां कठण–अस्पष्ट [डरपोक
क्लीब,–व पु० [स] नपुंसक (२) वि०
क्लेद पु० [स] भेज (२) पसीनो
क्लेश पु० [स] कंकास दुःख, राग-
 द्वेषादिनी पीडा
क्लोरोफार्म पु० क्लोरोफार्म, शस्त्र-
 क्रियामां सुंघाडाती दवा
क्वचित अ० [स] कोक ज वार
क्वथ, क्वाथ पु० [स] काढो, क्वाथ
क्वारा, क्वारा वि० (स्त्री०–री) कुंवारुं
क्वारंटाइन पु० [इ] क्वारेंटीन
क्वार पु० आसो मास [लग्न थवुं
क्वारपन पु० कुंवारापणुं –उतरना=
क्विनाइन स्त्री० [इ] 'कुनैन' दवा
क्षंतव्य वि०[स] माफ करवा जेवुं क्षम्य
क्षण पु० [स] 'छन' क्षण – पळ
क्षणभंगु (प), ०र वि० [स] क्षणमां
 नाश पामे तेवुं
क्षणिक वि० [स] क्षण जेटलुं, अनित्य
क्षत वि० [स] घायल (२) पु० घा जखम
क्षति स्त्री० [स] हानि नाश, नुकसान
क्षत्र पु० [स] क्षत्रिय (२) बळ (३) राज्य
क्षत्राणी स्त्री० क्षत्रियाणी
क्षत्रिय, क्षत्री पु०[स] क्षत्रिय जातिनो
 माणस –याणी स्त्री०
क्षपणक पु० [स] (बौद्ध के जैन) सन्यासी
क्षपा स्त्री० [स] रात (२) हळदर
 ०कर पु० चंद्र
क्षम वि० [स] (समासमां) –ने योग्य
 ०ता स्त्री० शक्ति, बळ (२) योग्यता
क्षमना स० क्रि० (प) क्षमा करवी
क्षमा स्त्री० [स] माफी, दरगुजर करवुं
 ते (२) धरती
क्षमी वि० [स] क्षमावान (२) समर्थ
क्षम्य वि० [स] क्षंतव्य, माफीने लायक
क्षय पु० [स] क्षीण थवुं ते, ह्रास,
 नाश (२) क्षय रोग (३) घर, मकान
क्षर वि० [स] चल नाशवंत अनित्य
क्षात्र वि० [स] क्षत्रिय संबंधी (२) पु०
 क्षत्रियनुं तेज कर्म [(३) थाडुं
क्षाम वि० [स] क्षीण पातळुं (२) दुबळुं
क्षामा स्त्री० [स] पृथ्वी [(४) वि० खारुं
क्षार पु० [स] खार (२) माठुं (३) भस्म
क्षिति स्त्री० [स] पृथ्वी (२) स्थान,
 जगा ०ज पु० दृष्टिमर्यादा (२) झाड
क्षिप्र वि० [स] तरत जल्दी (२) तरु,
 वेगीलुं [गयेलुं दूर थयेल
क्षीण वि० [स] दूबळुं कमजोर (२) घसी
क्षीर पु० [स] दूध (२) जळ [(२) कंजूस
क्षुद्र वि० [स] नानुं अल्प (२) तुच्छ नीच
क्षुधा स्त्री० [स] भूख ०तुर, ०त वि०
 भूख्युं ०लु वि० खाउधरु, भुखाळवुं
 –धित वि० भूख्युं [अशांत चंचळ
क्षुब्ध, क्षुभित वि० [स] खळभळेल,
क्षुर पु० [स] छरो अस्तरो (२) पशुनी खरी
क्षुरी स्त्री० [स] छरी (२) पु० वाळंद
 (३) खरीवाळुं पशु
क्षेत्र पु० [स] खेतर जमीन (२) काय
 क्षेत्र (३) तीर्थस्थान (४) देह
क्षेम पु० [स] खेमकुशळ

क्षोणि –णी स्त्री०[स]धरती,पृथ्वी ०प पु० राजा
क्षोभ पु० [स] गडबडाट गाभरुं (२) आवेश, गुस्सो
क्षोम पु० [स] शणियुं (२) वस्त्र
क्षार पु० [स] हामामा
क्ष्मा स्त्री० [स] पृथ्वी
क्ष्वेलिका स्त्री० [स] मश्करी, गम्मत

ख

खए,०र वि० खालो(२)उजड वेरान
खँखार पु० जुओ खखार
खँखारना अ०क्रि० खोंखारवुं खांसवुं
खग पु० खडग तरवार
खगहा वि० दांतवाळु (२) पु० गेंडो
खँगारना,खँगालना स०क्रि० खखाळवुं धोवुं (२) खाली करवुं खखरी नाखवुं
खँचना अ० क्रि० निशान पडवुं अंकावुं
खँचाना स० क्रि० आंकवुं निशान पाडवुं (२) जल्दी जल्दी लखवुं
खँजडी,–री स्त्री० बजाववानी खंजरी
खजर पु० [अ] खंजर कटार
खँजरा स्त्री० जुओ 'खँजरी'
खड पु० [स] भाग (२) खांड
खडन पु० [स] भांगवं, तोडवुं ते
खँडनी स्त्री० साथ कर
खँडर पु० जुओ 'खँडहर'
खँडसाली स्त्री० खांडनुं पाणी (२) जानयाजाने वास्तो पाणी शरबत इ० मोकलवुं ते
खँडरा पु० चणाना लोटनुं एक पकवान
खँडसार,–ल स्त्री० देशी खांडनुं कारखानुं
खँडसारी स्त्री० एक जातनी देशी खांड
खँडहर, खँडर पु० [खड+घर] खंडेर
खंडित वि०[स] भांगेलुं, तूटेलुं अपूर्ण
खडिया स्त्री० नाना कद–टुकडा
खडौरा पु० जुओ आगल पर मोठाई
खतरा पु० खाडो तगाडो ख्वाब
खता पु० (अल्प०–ती स्त्री०) खाळो पानडो [( ) खाधरा
खदक स्त्री० [अ] किल्लानी खाई
खदा पु० (प) मादनाग [हानखु
खदा प [फा]नस्य ०रू, ०पनार वि०
खनी स्त्री० कुन्टा
खँभवाना स० क्रि० माग करवुं
खभार प० (प) छावणी डर नवूं
खम(–भा) पु० (स्त्री० –भिया)थांभो थाभलो [डर (३) नाक
खभार पु० (प) गभराट चिंता (२)
खई स्त्री० खई क्षय (२) लडाई (३) वधडो [अनुभवी माणस
खक्खा पु० जुओ 'कहकहा' (२)
खखरा पु० दगडा (२) वासना टोपलो
खखार पु०गण्फा कफ इ० ज खांसारीने कढाय छे
खखारना अ०क्रि०खाखारवुं 'खँखारना'
खग पु० [स]पक्षी (२) तीर (३) वादळ (४) चद्र सूय के तारा (५)हवा
खगना अ० क्रि० (प) खची जवुं, अदर पसी जवुं – भोकावुं (२) मनमा चोटी जवुं, असर थवी

खनि,-नी स्त्री० खाण (२) गुफा ०न वि० खाणमां थनारं
खपची,-च्ची स्त्री० सळीयोनी नाना
खपटा,-रा पु० [? खपर] नळियुं
खपडी स्त्री० ... जवुं ... माथ
... (२) ...
खपरत स्त्री० नळियाना छापरा घर
खपत,-ती स्त्री० खपत ... (२) समावेश
खपना अ०क्रि० खपवुं (२) हगन थवुं
खपरा पु० जुओ 'खपडा
खपरिया स्त्री० ... (२) नानुं नळियुं-खपरा'
खपरल स्त्री० जुओ 'खपड़ैल'
खपाच,-ची स्त्री० खाचा, खपाटियुं
खपाना स० क्रि० 'खपना'नुं प्रेरक
खप्पर पु० खापरी (२) भिक्षापात्र
-भरना=खप्परना दारू वगर दवीन चडाववा(२)सतावेश माग पूरा करवी
खफकान पु०[अ] (वि०-नी) गांडपण
खफगी स्त्री०[फा] खफा, कोप, नाराजी
खफा वि० [अ] नाराज (२) क्रोध-गुस्सामां आवलुं (नाम -फगी स्त्री०)
खफी वि०[अ] झीणुं, नाराव (अक्षर माट) (२) छूपुं, गुप्त
खफीफ वि० [अ] थोडुं (२) तुच्छ (३) सामान्य (४) लज्जित
खबर स्त्री [अ] खबर समाचार (२) होश, भान (३) जाण -उडना = अफवा फेलावी -लेना= मदद करवी (२) खबर लई नाखवी, सजा करवी
खबरगीर [अ+फा] जासूस (२) संरक्षक, पालक
खबरदार वि० [फा] हुशियार, सावधान (स्त्री० -री)
खबररसाँ पु० [अ+फा] खबरियो, दूत
खबास पु० [अ] खवास, भूत, रावण
खब्त पु० [अ] (वि० -ब्ती) गांडपण, धून, खोटी मानणुं [नकल करवुं,मिश्र करवुं
खभरना स०क्रि० खभळ एम करवुं (२)
खम पु० [अ] वांकापणुं, कुबाव
-खाना = झूकवुं (२) हारवुं
-ठोकर = दृढतापूर्वक, जारथी
-ठोकना = कुस्तीमां जाव ठोकी तैयार थवुं
खम दम पु० साहस पुरुषार्थ
खमदार वि० [फा] वांकुं, नमेलुं
खमियाजा पु० [फा] आळसथी अंग मरोडवुं के बगासुं खावुं ते (२) नमनुं फळ भोगववुं ते
खमीदा वि० [फा] वळलुं, झूकेलुं नम
खमीर पु० [अ] आथो चडाव ते खमीर (२) तमाकुनो गीरा, राब (३) स्वभाव
खमीरा पु० [अ] एक जातनी पीवा माटेनी तमाकुनी बनावट (२) वि० पु० मीठाईमां बनावेली (औषधि)
खमीरी वि० खमीरवाळुं (२) स्त्री० खमीरवाळी एक जातनी रोटी
खमाच, खमाची जुओ 'खामाश-शी
खम्माच स्त्री० खमाच रागिणी
खय स्त्री० (प) क्षय [विश्वासघात
खयानत स्त्री० [अ] बेईमानी दगो;
खयाल पु०[अ] ख्याल (विचार ध्यान, स्मरण) (२) ख्याल -गानपद्धति
खयालात पु० [अ] खयाल'नुं ब०व०
खयाली वि०[अ] ख्याली, कल्पित (२) ख्यालने लगतुं

खर पु०[स] गधडा (२) खच्चर (३) खड, घास (४) वि० कठण, सखत (५) तेज, तीक्ष्ण (६) नुकसानकारक
खरक पु० [स खडक] ढारना वाडो के चरा (२) खाटियानु वारणु (३) स्त्री० जुओ खटक
खरकना अ० क्रि० जुओ 'खटकना'
खरका पु० दातखोतरणु –करना = तनाथी दात साफ करवा [अवाज
खरखर अ० ऊघमा नाक बोलवाना
खरखशा पु० [फा] झघडा
खरगोश पु० [फा] खरहा, ससलु
खरच,–चा पु० खरचो खर्च
खरचना स० क्रि० खरचवु वापरवु उपयोगमा आणवु
खरचीला वि० जुओ खर्चीला
खरदरा वि० खरबचडु [बुद्धिनु
खर दिमाग़ वि०[फा] मूख, गधडानी
खरनफ्स वि० [फा] लपट
खरब पु० खव सख्या
खरबूजा पु० [फा] खडबूचु
खरभर पु० खळभळ, शोर गरबड
खरभर(–रा)ना अ० क्रि० खळभळवु (२) शोर मचाववा
खरमस्ती स्त्री० [फा] दुष्टता
खरमा(–वा)स पु० मगळ काय न करवाना–पोष अने चत्र–मास
खरल पु० वाटवाना खल –करना = खलमा वाटवु
खरवास पु० जुओ 'खरमास'
खरसा पु० एक पक्वान (२) उनाळो (३) खरडियु (४) खूजली लूखस –सला वि० खूजलीवाळु (पशु)
खरसान स्त्री० धार काढवाना पथ्थर
खरहरा पु० 'खररा' खररा (२) सावरणो [सिवा, खारा ?
खरहरी स्त्री० नानो 'खरहरा' (२) एक
खरहा पु० ससलु
खरा वि० तेज, तीक्ष्ण (२) खरु (सानु, साफ घणु शकाइ गयलु इ०) (३) स्पष्टवक्ता
खराई स्त्री० खारापणु (२) सवारना खावाना समयमा मोडु थवाथी थतो लीव शरीरमा थती विक्रिया –मारना =नास्तो करवा
खराऊँ स्त्री० जुओ 'खडाऊँ'
खराद पु [फा खर।द]खराद, सघाडो (२) स्त्री० खरादवानु काम
खरादना स० क्रि० खरादवु
खरादी पु० खरादवानु काम करनार
खराब वि० [अ] खराब, बूरु नठारु (२) बेहाल दुदशामा पडेलु (नाम, –बी स्त्री०) [तद्दन पायमाल
खराब व खस्ता वि०[फा]खराबखास्ता,
खराबा पु० [फा] बरबादी खराबी
खराबात स्त्री० [अ] उज्जड जमीन, खरावा (२)वेश्यावाडो (३)दारूनु पीठु
खराबी स्त्री० जुओ खराब मा
खराश स्त्री० [फा] खराच' खसरको, उझरडो छोलावु त
खरास स्त्री० [फा खरीस] घटी
खरिया स्त्री० दोरीथी वणली थोळी जेवी जाळी (२) छाणानी राख (३) जुओ खडिया'
खरियाना स० क्रि० 'खरिया'मा भरवु (२) कवजे करवु
खरिहान पु० जुओ 'खलियान'
खरी स्त्री०जुओ 'खडी'(२)खोळ 'खली'

खरीता पु० [अ] (स्त्री० –ती) थली (२) खीसु (३) खरीतो
खरीद स्त्री० [फा] खरीदवु ते के खरीदेली चीज
खरीदना स० क्रि० खरीदवु, वेचातु लेवु
खरीद-फरोख्त स्त्री० [फा] क्रय विक्रय (२) खरीदेली चीज
खरीदार पु० [फा] खरीदनार, घराक
खरीदारी स्त्री० [फा] घराकी, खपत
खरीफ स्त्री०[अ]खरीफ–चोमासु पाक
खरोच(–ट) स्त्री० छालावानु चिह्न, 'खराश' (२) एक पकवान
खरोच(–ट)ना स० क्रि० छालवु
खरोट, ०ना जुओ 'खरोच, खरोचना'
खरोश पु० [फा] शोर बकोर
खरोष्ट्री,–ष्ठी स्त्री० खरोष्ठी लिपि
खर्च, र्चा पु० [अ खर्ज] खरच
खर्चना स० क्रि० जुओ 'खरचना'
खर्चीला वि० खरचाळ, उडाउ
खर्जूर पु० [सं] खजूर के तेनु झाड
खर्पर पु० [सं] खप्पर (२) खोपरी
खर्ब,–र्व पु० मा अबज, खर्व संख्या (२) वि० नानु (३) ठींगणु
खर्रा पु० खरडो (२) लांबो हिसाब के दस्तावजनो कागळ
खर्राच वि० [फा] खरचाळ, उडाउ
खर्राटा पु० ऊंघमां नाक बोलवानो अवाज –भरना, मारना, लेना = घसघसाट ऊंघवु
खव पु० जुओ खव
खल वि० [सं] धूर्त, दगाबाज (२) दुष्ट नीच (३) निर्दय क्रूर (४) निलज्ज (५) पु० वाटवाना खल ०ई (प) स्त्री० दुष्टता खलता
खलक पु० खलक, जुओ 'खल्क'
खलकखुदा पु०, खलकत स्त्री० ईश्वरनी सृष्टि
खलखलाना अ० क्रि० खळखळवु
खलडा पु० खाल, काचु चामडु
खलडी स्त्री० खालडी, खाल
खलना अ० क्रि० वह, माठु लागवु
खलफ पु० [अ] पुत्र (२) वारस
खलब(–भ)ल,–ली स्त्री० खळभळ, 'खरभर' [(२) खळखळवु
खलब(–भ)लाना अ०क्रि० खळभळवु
खलल पु० [अ] खलेल, हरकत
खलल-अंदाज वि० खलेल पाडनार
खलवत स्त्री० [अ] एकांत
खलवतखाना पु० खानगी वात माटेनी बेठक खलवत (२) जनाना
खला पु० [अ] खला खाली जगा (२) आकाश (३) जाजरू [खोतरणु
खलाल वि० [अ] (धातुनु) दांत
खलास वि० [अ] पूरु खलास (२) मुक्त (३) च्युत भ्रष्ट
खलासी पु० खलासी (२) स्त्री० मुक्ति छुटकारो
खलित वि० (प) स्खलित खरेलु
खलिया(–हा)न पु० खळु (२) ढगं
खलियाना स० क्रि० खाल उतारवी (२) खाली करवु
खलिश स्त्री० [अ] पीडा (२) चिंता (३) डखवु ते
खलिहान पु० जुओ 'खलियान'
खली स्त्री० खोळ [मिलनसार
खलीक वि० [अ] सुशील, सज्जन,
खलीज स्त्री० [अ] अखात, खाडी
खलाता पु० [फा] जुओ 'खरीता'

ख़लीफा पु० [अ] अध्यक्ष (२) बुजरग (३) खलीफ (४) हजाम (५) दरजी (६) बावरची
ख़लील पु० [अ] साचा मित्र
खलु अ० [स] खरेखर, नक्की, अवश्य
ख़ल्क स्त्री० [अ] खल्क सृष्टि (२) मनुष्यमात्र
खल्लड पु० खल्डा खालटी (२) मढाक के चामडानी थलो (३) खल (वाटवाना) [गाल (२) तालिया
खलवाट पु० [स] ताल पडी जवानो
खवा पु० खभो [कूवास्तंभनो खाडा
खवाई स्त्री० खावु ते (२) वहाणना
खवाना स० क्रि० 'खाना'नु प्रेरक
खवा(-व्वा)स पु० [अ] खवास दास
खवासिन स्त्री० दासी खवासण
ख़वासी स्त्री० खवासनु काम चाकरी
खवया पु० खानार
खशखाश स्त्री० [फा] खसखस
ख़स स्त्री०[फा] वीरणना वाळो–खस
खसकना अ० क्रि० खसवु सरकवु (धीमेथी, चूपचाप)
खसख(-खा)स स्त्री० जुओ 'खशखाश'
खसखसा वि० भभर छूटु (२)वारीक, खसखस जेवु [घर के ओरडो
ख़सख़ाना पु०[फा]खसनी टट्टीआ वाधेल
खसपास स्त्री० जुओ खशखाश
खसना अ०क्रि० (प)खसवु खसकना'
ख़सम पु०[अ]खसम, पति (२)मालिक (३) 'ख़स्म,' शत्रु
ख़सरा पु० [अ] तलाटीनु खतरान अगेनु पत्रक (२) काचो रोजमेळ (३) 'ख़ारिश', खूजली (४) ओरी–माता नीकळे ते
ख़सलत स्त्री०[अ]स्वभाव,प्रकृति(२) आदत, टव [पाडवु
खसाना स० क्रि० नीचे खसडवु, नीचे
ख़सासत स्त्री० [अ] 'ख़सीस' पणु
खसिया, खसी पु० बकरो (२) खसी करेल पशु (३) नपुसक
ख़सीस वि० [अ] कजूस
खसोट,-टी स्त्री०('खसोटना' परथी नाम)
खसोटना स० क्रि० जोरथी उखाडवु, मचवु (२) छीनवु
ख़स्ता वि० [फा] छूटु, भभरु (२) दुःखी (३) भागलु (४) घायल (नाम –स्तगी स्त्री०)
ख़स्सी पु० [अ] जुओ 'खसी'
खा पु० जुओ खान
खाखर वि० पालु (२) काणाकाणावाळु
खाग पु० काटो (२) गडा के सूवरनो आगळनो दात के शिगडु (३) स्त्री० कमी ऊणप
खागना अ०क्रि० कमी थवु (२) ल्गडावु
खागी स्त्री० कमी 'खाग'
खाचा पु० (स्त्री० –ची)टोपला 'चावा'
खाड स्त्री० साफ कर्या वगरनी खाड (२) (प) खाडा
खाडना स० क्रि० खदवु, तोडवु (२) चाववु (३) खाडवु
खाडा पु० खाडु (२) खड भाग
खाभ पु० 'खभा, थाभला (२) परवाडियु, खाम [करवु
खाभना स० क्रि० परवीडियामा बंध
खावा पु० पहाळा खाई
खासना अ० क्रि० [स कासन] खासवु
खासी स्त्री० उदरस
खाई स्त्री० (कोट इ०ना) खाई

खाऊ वि० खाउधरु, खूब खानार
खाक स्त्री० [फा] खाख, धूळ –उड़ना =नाश थई जवु, धूळ ऊडवी –उडाना या छानना=मार्या मार्या फरवु –छानना=पूरी तपास करवी
खाकसार वि० [फा] अल्प, तुच्छ
खाक-स्या(-सिया)ह वि०[फा] धळ-धाणी–बळीने खाख थयेलु
खाका पु० [फा] नकशानो योजनानु स्वरूप (२) अदाजपत्र (३) खरडा –उडाना=मश्करी करवी
खाकी वि० [फा] माटीना रगनु (२) वगर पायेलु खेतर (३) पु० राख चाळनार एक वैष्णव साधु (४) खाकीशाहनो अनुयायी [नाकावु
खागना अ० क्रि० जुओ 'खागना' (२)
खाज स्त्री० खूजली
खाजा पु० खाद्य (२) खाजु
खाट स्त्री० खाटलो पलगडी
खाट खटोला पु० खाटलापाटला इ० घरवखरी, बिस्त्रा–पाटला
खाडी स्त्री० दरियानी खाडी
खात पु० [म] खोदेलु ते–तळाव, कूवो के खाडो
खातमा पु०[फा] खातमो (मृत्यु के अत)
खाता पु० वखार (२) खातु
खातिम पु० [अ] खतम करनार
खातिर स्त्री० [अ] खातर बरदास, सन्मान (२) अ० खातर माटे –में आना=ध्यानमा आववु (२) लेखावु, वखणावु
खातिर-ख्वाह अ० इच्छा मुजब
खातिर-जमा स्त्री०[अ]विश्वास,खातरी
खातिर तवाजा स्त्री०[अ] आदरसत्कार
खातिरदारी स्त्री० [फा] खातरदारी, बरदास, आदर- [खातरी
खातिरी स्त्री० खातर, आदर (२)
खाती स्त्री० सुतार (२) खादली जमीन
खातून स्त्री०[तु] मोटा घरनी खान दान स्त्री [खातर नाखवु
खाद स्त्री० खातर –डालना, देना=
खादर पु० नीची क्यारीनी जमीन
खादिम पु० [अ] खिदमतगार, नोकर
खाद्य वि० [स] खावा जेवु (२) पु० खावानी चीज [तिनी रात के सामग्री
खान स्त्री० खाण (२)[स] खावु ते के
खान पु० [तु] खा, खान, सरदार
खानए खुदा पु० [फा] मस्जिद
खानक पु० खाणिया, खाण खोदनार (२) कडियो
खानक़ाह स्त्री०[अ] फकीरोनो तकियो
खानखानाँ पु० [फा] खान-खानान, खानानो खान [स्त्री० वेश्या
खानगी वि०[फा] खानगी, अगत (२)
खानदान पु०[अ] वश, कुल –नियत स्त्री० खानदानी, कुलीनता –नी वि० खानदानवाळु, कुलीन [रात
खानपान पु० [स] खावुपीवु ते के तेनी
खानम स्त्री० खाननी स्त्री, बेगम, कुलीन स्त्री [रसोइयो
खानसामा,–मा पु०[फा] अंग्रेजी ढबनो
खाना स० क्रि० खावु (२) करडवु, डसवु मुहकी खाना=खूब नीचु जोवु (२) हारवु [कि, डाकखाना)
खाना पु० [फा] घर, जगा, खानु(जेम
खाना खराब वि० खराबखास्ता, पाय माल (२)लफगु 'आवारा'(नाम–बी)
खाना खुदा पु० [फा] मसीद

खाना-जगी स्त्री० घरना लड़ाई (२) आतर-युद्ध, यादवी
खानाजाद पु० [फा] दास, गुलाम
खाना तलाशी स्त्री० [फा] झडती, तपास
खाना दामाद पु० घरनमाई
खानादार पु० [फा] गृहस्थ -री स्त्री० [फा] गृहस्थानु कामकाज
खाना-नशीन वि० [फा] (नाम -नी) कामकाज छाडी घर पकडीने बठलु
खाना पुरी स्त्री० [फा] कोठाना खाना भरवा ते (२) वखत विताडवा ते
खाना बदोश वि० [फा] घरबार वगरनु (नाम -शी स्त्री०) [घरानी गणतरी
खाना शुमारी स्त्री० [फा] (गामनी)
खाना साज वि० [फा] घेर बनेलु
खानि स्त्री० [स] खाण ०क स्त्री० (प) खाण
खाब पु० (प) ख्वाब स्वप्न
खाम वि० [फा] (नाम -मी) कमी, अधरु, काचु, खामीवाळु -करना= ढाकवु बध करवु
खाम पु० 'खाम, परबीडियु (२) थाभा (३) खभ, थाभलो
खाम खयाल वि० [फा] गेरसमजु, बेवकूफ [भूलभरेलो ख्याल
खाम खयाली स्त्री० [फा] खोटा-
खामखाह(-ही) अ० खामखा
खामना स० क्रि० 'खाभना' (२) माटी के लोटथी कशानु मो बध करवु
खामोश वि० [फा] चूप, शात मौन (नाम, -शी स्त्री०)
खायफ वि० [अ] कायर डरपाक
खाया पु० [फा] मरघीनु ईंडु (२) अडकोश
खार पु० क्षार (२) खारी माटी (३) धूळ
खार पु० [फा] काटा (२) खार, द्वेष -खाना=दात वळवु, द्वेष राखवो
खारवा पु० खारवा, खलासी (२) लाल जाडु एक जातनु कपडु, खादवा
खारा वि० खारु (२) पु० एक चोखडा टोपला (३) [फा] एक जातनु लाटी-दार कपडु
खारिक पु० खारेक [अलग रित
खारिज वि [अ] बहिष्कृत बातल (२)
खारिश(-त) स्त्री० [फा] खजवी
खारी वि० खारु, 'खारा
खारुआ(-वा) पु० एक जातनो लाल रग के ते रगवाळु कपडु
खाल स्त्री० खाल, चामडी (२) नीची जमीन (३) खाडी (४) खाली जगा
खाल पु० [अ] शरीर परनो तल
खाल खाल वि० काई काई, थोडुक, एकलदोकल
खाल(-लि)सा वि० (२) पु० जुओ 'खालिसा -करना, खालसे लगाना= जप्त करवु (२) खतम करवु
खाला वि० नीचु -ऊँचा=ऊचुनीचु असमान (२) साहसरसु
खाला स्त्री० [अ] मासी -जीका घर= सहेलु काम
खालिक पु० [अ] सरजनहार ईश्वर
खालिस वि० [अ] शुद्ध, निर्भेळ
खालिसा वि० [अ] खालसा-केवळ एक ज मालिकीनी के सरकारी (जमीन) (२) पु० शीख पथ
खाली वि० खाली ठालु रहित, नकामु (२) अ० फक्त केवळ -जाना= खाली, नकामु जवु (जम के निशान)

खालू पु० [अ] मासा
खाविंद पु० [फा] खसम, पति (२) मालिक
खास वि० [अ] खास विशेष, 'आम'थी ऊलटु (२) पोतानु, खुद -कर= खास करीने, प्रधानत
खास कलम पु० [अ] खानगी मंत्री
खासगी पु० [अ०] राजा के उमरावनो साथी (२) स्त्री० रखात
खासदान पु० [अ+फा] पानदानो
खास बरदार पु० [फा] राजा के मोटा सरदार आगळ चालतो सिपाही
खासा पु० [अ] राजभाग, मोटा लोकनु खाणु (२) एक जातनु मलमल (३) वि० खासु, रूडु (४) स्वस्थ, नीरोगी (५) सुंदर (६) पूरु
खासियत स्त्री० [अ] खास गुण, लक्षण स्वभाव, विशेषता
खासी वि० स्त्री० 'खासा'नु स्त्री० (२) स्त्री० राजानी खास तरवार के बंदूक इ०
खास्सा पु० [अ] खास गुण, खासियत
खाह-मखाह अ० खामुखा
खिंचना अ० क्रि० खेंचवु (२) अनुराग कम थवो (३) भाव तेज थवा (प्रेरक-खिंचाना, खिंचवाना)
खिंचाई अ० क्रि० खेंचवानी क्रिया के तेनो मजूरी
खिचडवार पु० मकरसंक्रांति
खिचडी स्त्री० [स कृसर] खीचडी (२) 'खिचडवार' -पकाना=गुप्त काई सलाह थवी ढाई चावलकी खिचडी अलग पकाना=सौनो समति विरुद्ध के जुदा काई करवु ति खच ताण
खिंचाव पु०, ०ट, -हट स्त्री० खेंचवु
खिज(-झ)ना अ० क्रि० खिजावु
खिजलाना अ० क्रि० खिजावु (२) स० क्रि० खीजववु
खिजा स्त्री० [फा] हेमंत, पानखर ऋतु
खिजा(०व)ना स० क्रि० खीजववु
खिजाब पु० [अ] वाळनो कलप
खिजालत स्त्री० [अ] शरम, लज्जा
खिझना अ० क्रि० जुओ 'खीजना'
खिझा(०व)ना स० क्रि० जुओ 'खिजाना'
खिडकी स्त्री० बारी
खिताब पु० खिताब, इलकाब
खित्ता पु० [अ] देश, प्रदेश
खिदमत स्त्री० [अ] सेवा, चरदासचाकरी
खिदमत-गार, -गुजार वि० [फा] (नाम, -री) स्वामीभक्त सेवक
खिदमती वि० खिदमतगार, सेवा कर नार (२) खिदमत संबंधी
खिन पु० (प) क्षण -खिन=प्रतिक्षण
खिनखिनाना अ० क्रि० नाकमांथी गण गणता रावु
खिन्न वि० [स] उदास, व्याकुल
खिपना अ० क्रि० (प) खपवु (२) -मां मग्न थवु, खपवु
खियानत स्त्री० जुओ 'खयानत'
खियाना अ० क्रि० घसाई जवु (२) 'खिल्लाना' [हासी, खल
खियाल पु० ख्याल विचार (२)
खिरद स्त्री० [फा] अक्कल
खिरद मंद वि० [फा] अक्कलमंद बुद्धिशाळी
खिरनी स्त्री० रायण के रायणु
खिरमन पु० [फा] जुओ 'खलियान'
खिराज पु० [अ] कर मालगुजारी, साथ (२) खंडणी
खिराम स्त्री० [फा] चाल (२) मस्त चाल

ख़िरामा वि० [फा] मस्तानी चाले चालनारु —ख़िरामा=धीरे धीरे, मस्त चाले (चालवु)

खिलंदरा(–डा) वि० खेलनु कूदतु

ख़िलअत स्त्री० [अ] खिल्लत राजा तरफथी मानना पोशाक

ख़िलक़त स्त्री० [अ] सृष्टि (२) भीड

खिलकारी स्त्री० खेल गमत

खिलखिलाना अ० क्रि० खीली के खडखड हसवु

ख़िलत(–ति) स्त्री० जुओ 'खिल्अत'

खिलना अ० क्रि० खीलवु (२) शोभवु (३) वच्चेथी फाटवु (४) जुदा अलग थवु छूट पडवु

ख़िलवत स्त्री० [अ] 'खल्वत' एकांत जगा —खाना=खल्वत खाना'

खिलवाड (–र) पु० जुओ 'खेलवाड'

खिलाई स्त्री० खावु के खवडाववु ते (२) धात्री बच्चांने रमाडनार स्त्री

खिलाऊ वि० उदार

खिलाड(–डी) पु०(स्त्री०–डिन) खेलाडी (२) जादूगर

खिलाना स० क्रि० खेलाना, खाना, 'खिलना' नु प्रेरक

ख़िलाफ़ वि० [अ] सामेनु, विरुद्ध

ख़िलाफ़-क़ानून वि० [फा] गेरकायद कायदा विरुद्ध

ख़िलाफ़ गोई स्त्री० [फा] जूठु बोलवु ते

ख़िलाफ़त स्त्री० [अ] इस्लामना खलीफानु पद [[फा] रूढि विरुद्ध

ख़िलाफ़ दस्तूर, ख़िलाफ़ मामूल वि०

ख़िलाफ़ मरज़ी वि० [फा] मरजी विरुद्ध

ख़िलाफ़ वर्ज़ी स्त्री० [अ+फा] अवज्ञा (२) अयोग्य वात

खिलाल स्त्री० [अ] रमत के बाजीमा हार (२) जुओ 'ख़लाल' (४) अंतर

खिलौना पु० खिलोणु रमकडु

ख़िल्त पु० [अ] शरीरनो कफ धातु

खिल्त मिल्त वि० मिश्रित भेगु

खिल्ली स्त्री० [illegible] हासी मजाक (२) पाननु मोटु बीडु (३) खीली

ख़िश्त स्त्री० [अ] इंट (वि० –श्ती)

खिसकना अ०क्रि० जुओ 'खसकना'

खिसाना अ०क्रि० जुओ 'खिसियाना'

ख़िसारा पु० [अ] घट खोट हानि

खिसियाना अ०क्रि० खिसियाणु पडवु, शरमावु (२) चिडावु

खिसी स्त्री० शरम (२) धृष्टता

खींच स्त्री० खेंच [खेंचताण

खींचतान, खींचाखांची, खींचातानी स्त्री०

खींचना स० क्रि० खेंचवु

खीज,–झ स्त्री० खीज [खिजावु

खीज(–झ)ना अ०क्रि० खिजना खीजवु

खीन वि० क्षीण [नाम ०ता, ०ताई]

ख़ीमा पु० [अ] खेमा तंबु

खीर स्त्री० दूधपाक [प्राशन कराववु

खीर चटाना=बाळकने पहेलवहेलु अन्न-

खीरा पु० [स क्षीरक] काकडी जेवु एक फळ [जुओ 'खिरनी'

खीरी स्त्री० ढोरनु आवळु वाख' (२)

खील स्त्री० धाणी (२) कील खीली

खीला पु० खीलो

खीली स्त्री० खिल्ली पानना बीडा

खीवन,–नि स्त्री० मदनी मस्ती

खीस स्त्री० खीज क्रोध (२) लज्जा शरम (३) दांतरापणु (४) कटु (५) वि० नष्ट, पायमाल

खीसा पु० [फा कीसा] खिस्सु (२) थेला

खुआर वि० खुवार, 'स्वार' (नाम-री)
खुश्क वि० शुष्क, खाली, निधन [शस्त्र
खुखडी स्त्री० (दोरान)काकडु(२)कूकरी
खुगीर पु० [फा खागीर] खोगीर, घाडानु जीन, नमदो -की भरती= नकामा वस्तुओ के लाकोना जथा
खुचर, खुचुर स्त्री० खणखोद, दापदष्टि
खुजलाना स० क्रि० खजवाळवु (२) अ० क्रि० खजवाळ जाववी
खुजलाहट स्त्री० खजवाळ, खूजली
खुजली स्त्री० खूजली
खुजाना स० क्रि० (२) अ० क्रि० जुओ 'खुजलाना' [आशका
खुटक स्त्री०, -का पु० 'खटक', खटको
खुटकना स० क्रि० खूटव उपरथी टूपवु
खुटका पु० जओ 'खुटक', खटको
खुटचाल स्त्री०खोटी-बदचाल(वि० ली)
खुटना अ० क्रि० खूटवु, पूरु थवु
खुटपन(-ना) पु०, खुटाई स्त्री० खोटापणु दोष
खुटाना अ०क्रि० जुओ 'खुटना
खुट्टी स्त्री० रवडी
खुट्ठी स्त्री० जुओ खुरड' [पगनी वेठक
खुड्डी(-ड्ढी) स्त्री० जाजरूना खाडा के
खुतवा पु० [अ] तारीफ स्तुति (२) प्रवचन (जेम के, जुमानी नमाज बाद, पगवर वगरेनी प्रशसा करीने अपातु)
खुत्थी, -थी स्त्री० खूपरो जडियु (२) अनामत (३) पैसा राखवाना वासळी (४) सपत्ति [आपाआप
खुद अ० [फा] स्वय, जाते -ब खुद=
खुदक(-कु)शी स्त्री० [फा] आत्महत्या
खुद-काम, -गरज वि० [फा] स्वार्थी, आपमतलबी

खुदकुशी स्त्री० जुओ 'खुदकशी'
खुद-गरज वि० [फा] आपमतलबी, स्वार्थी (नाम -जी स्त्री०)
खुददार वि० स्वमानी -री स्त्री० स्वमान
खुदना अ० क्रि० खादावु
खुद नुमा वि० [फा] (नाम, -माई स्त्री०) अभिमानी, आप-वडाई करनार
खुद-परस्त वि० [फा] स्वार्थी, मतलबी (२) मगरूर [स्वत
खुद ब खुद अ० [फा] पातानी मेळे,
खुद बीनी स्त्री० [फा] गर्व, घमड
खुद मतलब वि०, -बी स्त्री० जुओ 'खुदगरज, -जी'
खुद मुख्तार वि० [फा] स्वतत्र, आनाद (नाम -री स्त्री०)
खुर्रा पु० फुटकळ चीज
खुदराई स्त्री० [फा] स्वच्छाचार
खुदराय वि० [फा] स्वेच्छाचारी
खुदरौ वि० [फा] आपाआप ऊगनार जगली (झाड के छोड)
खुदवाई स्त्री० खोदवानु काम के मजूरी
खुदवाना स० क्रि० खादाववु
खुद सिताई स्त्री० [फा] आत्मश्लाघा
खुदा पु० खुदा, परमेश्वर खुदा करके= बहु महेनत मुश्केलीथी -का कारखाना पु० दुनिया -का घर पु० मसीद (२) स्वर्ग -की मार स्त्री० ईश्वरी कोप-शाप -को दरमियान देना= ईश्वरने साक्षी राखवो
खुदाई स्त्री० जुओ 'खुदवाई'
खुदाई स्त्री० [फा] ऐश्वर्य (२) सृष्टि
खुदा-तरस वि० [फा] ईश्वरथी डरनार (२) दयाळु
खुदा दाद वि० [फा] ईश्वरदत्त

खुदानख्वास्ता = खुदा न करे, न करे नारायण
खुदा परस्त वि० [फा] ईश्वरभक्त
खुदाया अ०[फा] या खुदा! हे राम!
खुदावंद पु०[फा] मालिक स्वामी (२) मोटा लोक माटे संबोधन—खुदावंत
खुदा हाफिज़ श० प्र० [फा] खुदा हाफेज, 'ईश्वर तमारु रक्षण करो' एवा विदाय वाल
खुदी पु० [फा] अभिमान, दावो
खुद्दी स्त्री० चोखादाळ वगरेनु कारमु
खुनक वि० [फा] ठंडु, शीत
खुनकी स्त्री० [फा] ठंडक शरदी
खुनखुना पु० बच्चानु रमकडु—घूघरो
खुनस स्त्री० (वि –सी) खुन्नस क्रोध
खुनसाना अ० क्रि० क्रोधे भरावु
खुफिया वि० [अ] गुप्त छूपु
खुफिया पुलिस स्त्री० छूपी पोलीस
खुभना अ०क्रि० 'चुभना',खपवु भोकावु
खुभी,–भिया स्त्री० काननु लविंगियु (२) हाथीना दात पर घलाती खोळी
खुम पु०[फा] दारूनु वासण ०कदा, ०खाना पु० दारूनी दुकान
खुमरा पु० (स्त्री०–री) एक मुसल्मान फकीर
खुमार [अ] पु०, –री स्त्री० खुमारी, मद (२) नशो ऊतर्ये जणाती थकावट (३) जागरणनी असर
खुमी स्त्री० दातमा जडावाती सोनानी खीली (२)हाथीना दात पर चडाडाती खोळी (३) बिलाडीना टोप जेवी वनस्पति
खुर पु० [स] चोपगानी खरी
खुरखुरा वि० खरबचडु 'खरदरा'
खुरचन स्त्री० खुरचन, उखाडी उतरडी एकठु करेलु ते
खुरचना [स क्षुरण] उखाडवु, उझरडवु
खुरजी स्त्री०[फा] खुरजी(२)मोटो थेलो
खुरदरा वि० जुओ 'खरदरा'
खुरदा पु० जुओ 'खुर्दा' –करना= परचूरण करावबु वटाववु
खुरपका प० ढोरनो (मो के खरीनो) एक रोग
खुरपा पु० [स क्षुरप्र] मोटी खूरपी
खुरपी स्त्री० खरपी [नाळ जडवी ते
खुर बंदी स्त्री० घोडा इ०नी खरीए
खुरमा प० [अ] खुरमु—एक मीठाई (२) खारेक
खुर्शीद पु० [फा] खुर्दाद सूरज
खुराक स्त्री० [फा] खाराक (२) दवानो डोझ [विधार खानार
खुराकी स्त्री० [फा] खाराकी (२) वि०
खुराफात स्त्री० [अ] बहूदी नकामी वात (२) गाळ (३) वखडो
खुरिश स्त्री० [फा] खावापीवानी सामग्री सीधुसामान
खुरी स्त्री० खरीनु चिह्न
खुर्द वि० [फा] नान छोटु सूक्ष्म
खुर्दबीन स्त्री० [फा] सूक्ष्मदर्शक यंत्र
खुर्दबुर्द अ० [फा] नष्ट भ्रष्ट, खेदान मेदान
खुर्दरा वि० जुओ 'खुरदरा
खुर्द साल वि० [फा] उमरमा नानु –ली स्त्री० नानपण
खुर्दा पु०[फा] परचूरण, खुरदो (२) नानी मोटी चीज –फरोश पु० फुट कळ चीजोना वपारी
खुर्दी स्त्री० [फा] नानपण

खुरम वि० [फा] प्रसन्न, खुश (नाम -मी स्त्री०)

खुर्राट वि० वृद्ध अनुभवी (२) लुच्चु, चालाक [खुलासाथी बरोबर

खुलना अ० क्रि० खूलवु खुलकर = खुला वि० खुल्लु

खुलासा वि० [अ] खुल्लु (२) पु० सारांश (३) खुलासो [श्रद्धा

खुलूस पु०[अ] सरळता पवित्रता (२)

खुले आम, -खजाने, -बंदा, -बाजार, -मदान, खुल्लमखुल्ला अ० जाहेरमा, खुल्लंखुल्ला

खुल्क पु० [अ] सुशीलता, सज्जनता

खुश वि [फा] खुशी राजी (२) सारु

खुश आमदेद [फा] भले पधार्या

खुश किस्मत वि० (नाम -ती स्त्री०) नसीबवान भाग्यशाळी

खुशको स्त्री० जुओ 'खुश्की'

खुश खत वि०[फा] सुदर अक्षरवाळु (२) पु० सुदर लखाण

खुशखबरी स्त्री० [फा] खुश खबर, शुभ समाचार

खुश खुराक वि०[फा] खावामा शोखीन

खुश खुल्क वि०[फा] उत्तम स्वभावनु, सज्जन

खुश गवार वि० [फा] प्रिय, मनोहर

खुशगुलू वि० [फा] मधुर स्वरवाळु

खुश-जायका वि० [फा] स्वादिष्ट

खुश दामन स्त्री० [फा] सासु

खुश दिल वि० [फा] आनदी, प्रसन्न, हसमुखु (नाम -ली स्त्री०)

खुश-नसीब वि० [फा] नसीबदार (नाम -बी स्त्री०) [स्त्री०)

खुशनुमा वि० [फा] सुदर (नाम ०ई

खुश बदन वि० [फा] सुखी

खुश-बू स्त्री० [फा] खुशबो, सुगध ०दार वि० सुगधी

खुश मिजाज वि० [फा] प्रसन्न, खुश

खुशहाल वि० [फा] खुशाल, सुखी (नाम -ली स्त्री०)

खुशामद स्त्री० [फा] खुशामत

खुशामदी वि० [फा] खुशामतियु ०टट्टू पु० खुशामतियो [इच्छा, मरजी

खुशी स्त्री० [फा] आनद, राजीपो (२)

खुश्क वि० [फा] शुष्क, सूकु (२) नीरस ०साली स्त्री० सूकु वर्ष

खुश्की स्त्री० [फा] शुष्कता (२) खुशकी, जमीनमार्ग (३) अकाळ, सूकु वर्ष

खुसर पु० [फा] मसरो

खुसरवाना वि० [फा] शाही, राजवी

खुसरू पु० [फा] बादशाह

खुसिया पु० [अ] अडकोश

खुसुरफुसुर स्त्री० जुओ 'कानाफूसी', गुसपुस (२) अ० धीमे गुचपुच

खुसूफ पु० [अ] चद्रग्रहण

खुसूमत स्त्री० [अ] दुश्मनी

खुसूस अ० खसूस खास ०न् अ० [अ] खास करीने, खसूस [विशेषता

खुसूसियत स्त्री० [अ] खासियत,

खूखार वि० [फा] लोही पीनार (२) खूनखार, क्रूर भयकर

खूट पु० खूणो (२) तरफ, बाजु (३) खड (४) स्त्री० काननो मेल (५) पूछपरछ, टोकवु ते [खूटवु, कम थवु

खूटना स०क्रि० पूछवु गाछवु टोकवु (२)

खूटा पु० ढोरनो खीलो खूटो

खूटी स्त्री० खूटा, खाली (जम के सतार इ०नी) (२) छोडनु ठूठियु खेतरमा रही जाय ते (३) सीमा, हद

खूदना अ० क्रि० खूदवु, गूदवु (२) कूदीने गदडवु
खूरेज वि० [फा] लाही रडनार
खूरेजी स्त्री० [फा] खूनरेजी
खू स्त्री० [फा] आदत, खो
खूटना अ० क्रि० खूटवु-कम थवु क पूरु थवु (२) बंध थवु
खूद, खूदड(-र) पु० दरतुन साफ कर्ये नकामा रहेता कचरो कचरापटी
खून पु० [फा] खून (लोही हत्या) -खुश्क होना या सूखना=खूब भयभीत थवु -सफेद होना=स्नेह सुजनता जता रहेवा
खून खराबा पु० मारफाट मारामारी
खून खार,-ख्वार वि० जुओ 'खूंखार
खूनरज,-जी जुओ 'खूरेज,-जी
खूनी वि० खून करनार (२) घातकी ०बवासीर स्त्री० दूझता हरस
खूब वि०[फा] अच्छु उमदा (२) अ० अच्छी रीत
खूब कला स्त्री०[फा] एक घासना बाज
खूबसूरत वि० [फा] सुदर, रूपाळ (नाम -ती स्त्री०)
खूबानी स्त्री० [फा] जरदालु
खूबी स्त्री०[फा] भलाई उमदापणु (२) विशेषता खूबी [गुण्य अरसिक
खूसट,-र पु० उल्लु घुवड (२) वि०
खेकसा, खेखसा पु० कंकोडु
खेचर पु०[स] पक्षी (२) विमान (३) तारा ग्रह, वायु (४) वादळ
खेटकी पु० [स] शिकारी
खेडा पु० [स खेट] नानु गाम खडु
खेत पु० खेतर (२) रणक्षेत्र -आना= लडाईमा मरवु -कमाना=खडखातर करी सारी खेती करवी (२) पाक उत्पन्न करवो -करना=लडवु, युद्ध करवु -रहना=जुओ 'खेत आना'
खेतिहर प खेडुत [खेतीवाडी
खेती, खेतीबाडी(-री) स्त्री० खेती
खेद प०[स]खेद, दुख, ग्लानि(२)थाक
खेदना स० क्रि० खदेडवु (२) पीछो पकडवो
खेदा प० शिकार [नमय काढवो
खेना स०क्रि० हकसवु नाव हाकवी (२)
खेप स्त्री० आटो, फेरो (२) एक आटामा लदाईने जनार वटलु -भरना =खेपनो भार लादवो
खेपना स० क्रि० [स क्षेपण] वितावडु, गुजारवु
खेमटा पु० एक प्रकारनु गायन के नाच
खेमा पु० [अ] तबू ०गाह पु० ज्या घणा तबू लाग्या होय ते जगा
खेल पु० रमतगमत (२) मामला (३) तमाशो
खेलकूद स्त्री० रमतगमत
खेलना अ० क्रि० खेलवु, रमवु -खाना =खेलवु कूदवु रमतमा जीवन गुजारवु
खेलवाड पु० खेल, क्रीडा, तमासो (२) गमत मजाक [मजाकी विनोदी
खेलवाडी वि० भारे रमनार (२)
खेला खाया वि०दुनियाजोयलु अनुभवी
खेलाडी वि० जुओ खेलवाडी' (२) पु० खेलाडी (३) तमासो करनार
खेलाना स० क्रि० खेलावव रमाडवु
खेलार पु० जुओ 'खेलाडी
खेवट, -टिया पु० खेवट सुकानी (२) तलाटीनो एक चोपडो
खेवना स० क्रि० 'खेना नाव चलावी

खेवा पु० नावमा नदी पार करवी ते के तेनु भाडु (२) वार, समय

खेवाई स्त्री० नाव चलाववी ते के तेनी मजूरी [पु० सगु

खेश वि० [फा ख्वेश] पोतानु (२)

खेस पु० ओढवा पाथरवा माटेनी एक जातनी जाडी चादर

खेसारी स्त्री० एक हलकु अन्न–दाळ

खेह(०र) स्त्री० खेर, खेरटी, धूळ

खैचना स० क्रि० जुओ 'खींचना'

खैर पु० खेर वृक्ष (२) काथो

खैर स्त्री० [फा] क्षेमकुशळ (२) अ० खेर, भले

खैरअंदेश वि०[फा]शुभचिंतक खेरखाह

खैर-आफियत [फा] क्षेमकुशळ

खैर-खा(-ख्वा)ह वि० [फा] खेरखा, शुभेच्छक (नाम –ही स्त्री०)

खैर-बाद पु० [फा] 'कुशळ हो' एवो बोल

खैर मकदम पु०[अ]स्वागत भले पधारो

खैरसार पु० खेरसार, काथो

खैरा वि० कथ्थाई काथाना रंगनु

खैरात स्त्री० [अ] खेरात, पुण्यदान (वि० –ती)

खैरियत स्त्री०[फा]खेरियत राजीखुशी

खोंच स्त्री० खूच, 'खराच' (जेम के, कपडामा कांटो भरावाथी) (२) पु० मूठीमा आवे तेटलु (अन्न इ०)

खोंटना स०क्रि० खूटवु, टूपवु चूटवु

खोडर पु० जुओ 'खोडरा'

खोडा,–डहा वि० खाडु, अपंग (२) आगला दांत विनानु

खोंता,–तल पु० माळो (पक्षीनो),'खोता'

खोप स्त्री० बखियो (टाको) (–भरना, मारना)

खोपना स०क्रि० भाकवु, खूप एम करवु

खोंसना स०क्रि० खोसवु

खोआ,–या,–वा पु० जुओ 'खाया'

खोई स्त्री० घाणी (२) गेरडीनो कूचो (३) वरसादमा माथे ओढातो कामळो

खोखला वि० पोलु

खोगीर पु० [फा] घोडानु जीन, नमदा

खोज स्त्री० खोळ, तपास (२) निशान, चिह्न (पगलु, चीला इ०) –खबर लेना =खबर अंतर पूछवी –मारना, मिटाना =नामनिशान न रहेवा दव

खोजना स०क्रि० खोळवु, ढूढवु, तपासवु

खोजा पु० खाजो–जनानानो (नपुंसक) सेवक (२) सरदार [जासूस

खोजी (–जिया) पु० खोळ करनार

खोट स्त्री० [स] दोष, बूराई (२) हलकी वस्तुनु मिश्रण

खोटा वि० खाटु, बूरु (नाम –ई स्त्री०

खोड स्त्री० देवनो कोप

खोडरा पु० कोटर झाडनी बखाल

खोता पु० पक्षीनो माळो

खोद पु० [फा] बख्तरनो टोप

खोद पु० खणखोद, पडपूछ

खोदना स० क्रि० खादवु (२) कोतर (३) भाकवु, खोसवु, खोरवु

खोद पूछ स्त्री०, खोद विनोद प पूछपरछ, खणखाद, तपास

खोदाई स्त्री० 'खुदाई'

खोना स० क्रि० खावु (२) बगाड (३) अ० क्रि० खोवावु

खोंचा पु० [फा ख्वान्चा] खूमचो

खोपडा, –रा पु० खापरी (२) म (३) कोपरु के नारियेळ

खोपडी, –री स्त्री० खोपरी के म

खोपा पु० छापरा के मकानना रस्ता पर पडता खूणा, करो (२) अवाडो
खाय स्त्री० [फा गृ] खो आदत
खोया, –वा पु० दूधना मावो
खोर स्त्री० गाडी गला (२) स्नान (३) ढोरना गमाण (४) जुओ 'खाड'
खोर वि० [फा] खानार (समासमा उदा० आदमखोर)
खोरना अ० क्रि० नाहवु
खोरा पु० कटोरा (२) पाणीनु पात्र (३) वि० खाडु, आग, वाडो [–की'
खोराक पु०, –की वि० जुओ खुराक,
खोल पु० खाळ, गलफ (२) उपरनी चामडी (जे प्राणी उतारे छ) कांचळी (३) माटो ओछाड
खोलना स० क्रि० खोल्वु, उघाडवु
खोली स्त्री० खोळ, गल्फ
खोवा पु० 'खोया', मावो [लूम
खोशा पु० [फा] अनाजनु डूडु के फळनी
खोह स्त्री० गुफा, खो
खौ स्त्री० खाडा (२) अन्न राखवानु भायरु
खौज पु० [अ] गहन विचार
खौफ पु० [अ] खोफ डर (वि०–नाक)
खौर स्त्री० तिलक 'टीका (२) स्त्रीओनु मायानु एक घरेणु
खौरना स० क्रि० तिलक करवु (२) खौर' घरेणु पहरवु
खौरा पु० (कूतरा बिलाडाने थती) लूखस (२) वि० तेनु रागी
खौलना अ० क्रि० ऊकळवु
खौलाना स० क्रि० प्रवाही गरम करवु
ख्यात वि० [स] जाणीतु, प्रसिद्ध (नाम –ति स्त्री०)
ख्याल पु० जुओ 'खयाल (२) खेल, क्रीडा
ख्याली वि० कल्पित (२) खेल करनार –पुलाव पकाना=शेखचल्लीना तरंग करवा
ख्रिष्ट पु० ईसु ख्रिस्त
ख्रिष्टान पु० 'ख्रिस्तान' ख्रिस्ती
ख्रिष्टीय वि० ख्रिस्ती
ख्वा वि० [फा] (समासने अंते) रहेनार, गानार पढनार एवा अर्थमा
ख्वादा वि० [फा] भणेल, शिक्षित
ख्वाजा पु० [फा] मालिक सरदार (२) सद्गृहस्थ (३) व्यंडळ खोजा
ख्वाजा सरा पु० [फा] खोजो, रणवासमा राखवा नपुसक बनावेलो त
ख्वान पु० [फा] थाळ, मोटी थाळी
ख्वानचा पु० [फा] 'खोंचा' खूमचो (२) नानी थाळी
ख्वाब पु० [फा] निद्रा (२) स्वप्न ०गाह पु० सूवानो ओरडो
ख्वार वि० [फा] खुवार, पायमाल (२) तिरस्कृत [नाम –री स्त्री०]
ख्वास्तगार वि० [फा] इच्छुक [नाम –री स्त्री०]
ख्वाह अ० [फा] अथवा (२) स्त्री० इच्छा
ख्वाह मख्वाह अ० [फा] जरूर अवश्य, खामुखा, इच्छाए के अनिच्छाए
ख्वाहिर स्त्री० [फा] बहेन
ख्वाहिश स्त्री० [फा] खाएश, इच्छा

ग

गग स्त्री० गगा नदी(२)पु०एक कवि
गग बरार पु० [गगा+फा बरार] गगाना के काई नदीना काप ठरी नीकळी जावेली जमीन, डरटा'
गग शिकस्त पु० [गगा+फा शिकस्त] नदीथी तणाई के धावाई गयेली जमीन
गगा स्त्री० [स] गगा नदी –उठाना= गगाना सम खावा –पार करना= देशनिकाल करवू –पीना=जूठा सम खावा [काळुधाळ
गगा-जमुनी वि० मिश्र, वभय्यु (२)
गगाजल पु० [स] गगाजळ (२) एक रेशमी कापड –ली स्त्री० गगाजळ लाववानु पात्र –उठाना=गगाना सम खावा [एक मादु वासण
गगाल पु० 'कडाल' धातुनु पाणीनु
गगालाभ पु० [स] मृत्यु
गगासागर पु० गगाना समुद्र सगम (२) एक जातनी मोटी चारी
गगोत्तरी स्त्री० गगात्री
गगोदिक पु० [स] गगाजळ
ग पु० माथानी ताल (२) सजाना (३) ढेर, गज [(२) नाश
न पु० [म] अवज्ञा, निरस्कार
ना न० क्रि० अनादर करवा (२) न करवु [माथाना ताल
वि० माथ ताल्वाळु (२) पु०
पा स्त्री० जाळीदार गूथेली थेली
स्त्री० गजाफराक (२) गजा, ढग
, गजेड़ी वि० गजेरी

गजीफा पु० [फा] पानाना गजीफा
गँठकटा पु० जुआ 'गिरहकट'
गँठजोडा, गँठबधन पु० वरकन्याना वस्त्र गाठवानी क्रिया [भाग
गड,०स्थल पु०[स]कपाळ के लमणाना
गँडा पु० गाठ (२) मतरला दारा, तावीज के मादळियु (३) पशुना गळाना काठला (४) आडी लीटीआना हार, चटापटा (जेम के साप पर) (५) चार काडी जेटला दाम
गँडासा पु० (स्त्री० –सी) घासचारो कापवानु ओजार–धारवाळु फळु
गँडेरी स्त्री० शेरडीना वडवा, गडरी
गदगी स्त्री० [फा] गदकी
गँदला, गदा [फा] वि० गदु
गदुम पु० [फा, स गोधूम] घउ
गदुमी वि० घउवणु
गध पु० [स] महेक, वास, साड
गधक पु०[स]गधक खनिज [प्रवाण
गधर्व पु०[स]एकदेव-जाति(२)सगीत
गधाना अ० क्रि० गधावु, वास मारवा
गधी पु० तेल अत्तर वचनार (२) वरसादमा थतु मावणियु जावडु
गधीला वि० (१) गदु, गधातु
गभीर वि० [स] ऊडु अगाध, गहन (२) शात सौम्य
गँव स्त्री० अवसर, मारा (२)मतलब, प्रयाजन, (३) उपाय, युक्ति
गँवई स्त्री० (वि० –ईवा) गामनी वस्ती
गँवरदल वि० गमार, गामडियु

गँवर मसला पु० गामठी कहेवत के उखाणा
गँवाना स० क्रि० [स गमन] गुमावव्
गँवार, –रू वि० गमार (२) गामडियु
गँवारी स्त्री० गमारपण (२) गमार स्त्री (३) वि० गमार जेवु (४) बदसूरत
गस पु० (प) (मननी) गाठ, द्वेप, झर (२) स्त्री० तीरना अणी
गँसना स० क्रि० बराबर जकडवु के गाठवु के बांधवु (२) ठासीने वणवु (३) अ० क्रि० ठसाठस वणावु के भरावु, ठासावु
गँसीला वि० अणीदार (२) ठासेलु
गई करना=जवा देवु जतु करवु
गई-बहोर वि० खोवाई गयलान फरी दनार के बगडेल्याने सुधारनार
गऊ स्त्री० गाय ०घाट पु० ढोरन पाणी पावा माटनो घाट
गगन पु० [स] गगन आकाश (२) शून्य ०चुंबी, ०भेदी ०स्पर्शी वि० बहु ऊंचु [स्त्री० नाना घडा
गगरा पु० गगरा घडा –री, रिया
गच पु० गच दईने पेसी जवु ते (२) चूना वगरेथी करेली पाकी फरस के त करवाना चूना वगरे मसालो (३) गच्ची अगाशी [काम
गचकारी स्त्री० 'गच'नु के चूना इ०नु
गज पु० [स] हाथी
गज पु० [फा] गज वार –इलाही =अकबरना ४१ आगळना गज
गजक पु० [फा] दारू पीने कराती नास्ता (२) तल्पापडी (३) नास्ता
गजट पु० [इ] सरकारी गॅझेट
गजब पु० [अ] गजव (२) कोप
गजबका वि० अपूर्व, विलक्षण
गजर पु० गजर चाघडिया
गजर दम अ० सवारे
गजरा पु० फूलमाळा (२) गजरी– काडानु एक घरेणु
गजल स्त्री० [अ] फारसी उर्दूमा एक प्रकारनी कविता – गजल
गजवान पु० [स] महावत
गजानन पु० [स] गणपति
गजाल पु० [अ] हरणनु बच्चु
गजी स्त्री० हाथणी (२) पु० [स] हाथी पर चडनार
गजी स्त्री० [फा] गजिय ०गाढा पु० जाडु सस्तु गजिया जवु कपड
गज्झा पु० गज, ढेर
गझिन वि० गाढु घट्ट
गटकना स० क्रि० गटकावव् गट करी जव, खाई हडप करी जव
गटपट स्त्री० अधिक मेळ सहवास
गट्ट अ० गट अवाज –करना=गटकावव्
गट्टा पु० काडु (२) घूटण (३) गाठ (४) हुक्काना सर (५) एक मीठाई
गट्ठर पु० मोटी गामडी
गट्ठा पु० 'गट्ठर (२) गठठा गाठियो (जेम के डुगळीनो) [(२) गाठ
गट्ठी स्त्री० नाना गठठा के गासडा
गठन स्त्री० रचना बनावट
गठना अ० क्रि० गाठवु जोडवु (२) मोटा बखियाथी सावव् (जूता गठना) (३) गाठवु फावतु आववु, वनवु (४) दाव के गुप्ततामा सामेल थवु
गठरी स्त्री० गामडी पोटलु (२) जमा करेली मिल्कत –मारना=धन ठगवु, धूती आणवु

गठवाना, गठाना स० क्रि० गठाववु (२) सिवडावबु (३) टाका के बखिया भरावबवा
गठित वि० गाठेलु, रचेल
गठिया स्त्री० थेला, खुरजी(२)साधाना दरदना एक राग
गठियाना स० क्रि० गाठ मारवी
गठी बखिया पु०आटीने मारेलो बखियो
गठीला वि० (स्त्री० –ली) गाठाळु (२) मजबूत
गठौत, –ती स्त्री० गाठवु ते मित्रता
गड पु० [म] आड (२) आथ (३) वाड (४) गढ
गडगडा पु० एक जातना हूका
गडगडाना अ० क्रि० गडगडवु, (वादळ) गजवु (२) हूको गगडाववो
गडगडाहट स्त्री० गगडाट
गडदार पु० हाथी जोडे भाला लई चालनार माणस
गडना अ० क्रि० गडवु, पेसी जवु (२) शरीरमा भाकावा जवु दद थवु (३) गडावु, दटावु, दफन थवु (४) स्थिर थवु, जामवु गडे मुर्दे उखाडना= गईगुजरी पाछी काढवी
गडपना स० क्रि० 'गटकना', हडपवु
गडप्पा पु० खाडा (२) कळण
गडबड वि० ऊचुनीचु (२) अव्यवस्थित (३) पु० अव्यवस्था, गरबड (४) गोटाळो, उपद्रव [माल, गोटाळो
गडबडझाला, गडबडाध्याय पु० गोट-
गडबडाना अ० क्रि० गरबडमा पडवु (२)गगडवु,गोटाळा थवा (३) स० क्रि० गरबडमा नाखवु (४) बगाडवु (५) चक्रावा के भुलावामा पाडवु
गडबडिया वि० गडबडियु, गडबडवाळु
गडबडी स्त्री० जुओ 'गडबड'
गडमड वि० सेळभेळ, भग, एकठु
गड(–डे)रिया पु० गडरिया, भरवाड
गडहा पु० 'गडढा', खाडो
गडा पु० 'गड्डु' ढेर, ढगलो
गडाना स० क्रि० भोकवु 'गडना'न प्रेरक (२) दटाववु, गडाववु
गडारी स्त्री० गोळाकृति (२) घरावा, घेर (३) गरगडी के तेना खाडावाळो घेराव(४)'गडा', आडा लीटीओना हार
गडआ, –वा पु० जुओ 'गड्वा'
गडँई स्त्री० नानो 'गडवा', वारा
गडँर, –ल वि० [स] कूबड, खूधु
गडँ(–डो)लना पु० वाबागाडी
गडँवा पु० नाळचावाळो लाटा–गडवा
गडँरिया पु० जुओ 'गडरिया'
गडोलना पु० जुओ 'गडुलना'
गड्डु पु० (स्त्री० –ड्डी) गंज, थाक्डा, खरखला, गडी (२) खाडो
गड्डब(–म)ड्डु वि० अस्तव्यस्त, आड अवळु (२) पु० गरबडगोटा
गड्डा पु० गाडु
गडढा पु० खाडा
गढत वि० बनावटी, कल्पित (वात)
गढ पु० गढ, किल्लो (२) खाई [आकृति
गढत, –न स्त्री० 'गठन', घडवु ते (१)
गढ़ना स० क्रि० घडवु बनाववु (२) घडी काढवु(३)घडी नाखवु, मारवु
गढ़वाल पु० किल्लेदार
गढ़ा पु० 'गडढा', 'गडहा', खाडा
गढ़ाई स्त्री० घडवानु काम के मजूरी
गढ़ाना अ० क्रि० मुश्केला पडवी के मुश्केल थवु (२) 'गढ़ना'नु प्रेरक

गढ़(-ढ़)या पु० घडनारा
गण पु० [म] गण, समूह (२) शिवनो गण (३) छदना गण (४) जाति, वग
गणक पु० [म] जाशी
गणतत्र पु०प्रजाशाही राज्य के तेनु तत्र
गणना स्त्री० [म] गणतरी, लेखु, हिमाव अदाज
गणराज्य पु० [म] 'गणतत्र' प्रजातत्र
गणिका स्त्री० [म] गुणका वश्या
गणित पु० [म] हिमाव के तेना विद्या
गण्य वि० [म] गणनापात्र (२) प्रतिष्ठित माय
गण्य मा य वि० [म] प्रतिष्ठित
गत स्त्री० गति, दशा (२) वि० [म] गयेलु वीतेलु —बनाना = दुर्दशा करवी टीपवु [लाकडी
गतका पु० ढालल्कडी के ते खेल्वानी
गति स्त्री० [म] जवु ते (२) चाल (३) वडप वेग (४) दशा (५) मरण बादनी स्थिति
गत्ता पु० कागळनी थोकडी
गत्तालखाता पु० माडी वाळवानी रकमनु खातु
गद पु० [म] रोग (२) विष
गदका पु० जुओ 'गतका'
गदगद वि० गदगद
गदना स० क्रि० (प) कहेवु
गदर पु० उपद्रव खळभळाट (२)बळवा
गदरा(०ना) वि० पाकवा आवेलु, नरम (फळ इ०)
गदराना अ० क्रि० (फळ) पाकवा पर आववु, नरम थवु (२)जुवानीथी शरीर भरावा लागवु (३) आख आववी (४) मदु थवु (५) वि० जुओ 'गदरा'

गदला वि० 'गंदला', गदु
गदहपचीसी स्त्री० गध्धापचीसी
गदहपन पु० गध्धापणु, मूखता
गदहा प० [स्त्री० -ही] 'गधा, गधेडु (२) [म] वद्य
गदा पु० [फा] भिखारी, फकीर (२) स्त्री० [म] गदा हथियार
गदाई वि० तुच्छ, क्षुद्र (२) रद्दी, नकामु (३) स्त्री० भीख-वत्ति
गदी वि० [म] रोगी (२) गदाधारी
गदेला पु० गदलु (२) नानो छाकरो
गदोरी स्त्री० हथळी
गदगद वि० [म] हष इ०थी लागणीवश बनेलु(जथी वाणी पर असर थाय)
गद्द पु० नरम जगामा धब दईने पडवु ते (२) भारे खाधाना पेटमा भार
गद्दर वि०काचुपाकु (२)पु० माटु गदेलु
गद्दा पु० गादडु गादी [भारे वफा
गद्दार वि० [अ] भारे वळवाखोर (२)
गद्दी स्त्री० नानु गादडु (२) गादी (३) हथेळी के पगनु तळियु
गद्दी नशीन वि०गादीए बेठेल(२)वारस
गद्य पु० [म] गद्य लखाण
गधा पु० 'गदहा' गधेडु
गनगनाना अ० क्रि० कपवु, ध्रूजवु
गनगौर स्त्री०चत्र सुद त्रीज स्त्रीओनी गौरीपूजा [भारे स्वतत्र
गनी वि० [अ] भारे धनवान (२)
गनीम पु० [अ]शत्रु (२) डाकु लुटारा
गनीमत स्त्री० [अ] लूटनो के मफतियो माल(२)गनीमत, सतोषनी सारी वात
गनूदगी स्त्री० [फा] ऊघ आववी ते
गन्ना पु० शेरडी
गप स्त्री० जुओ 'गप्प'

ग़प स्त्री० [फा] गप, डिंग(२)पु० गफ्फो ल्ईने खावु ते [खाई जवु
ग़पकना स० क्रि० गपकाववु गव गव
गपडचौथ स्त्री० नकामी गप, गपाटो
गपना स० क्रि० (प) गप मारवी
गपशप स्त्री० गपसप, नकामी–नवरा पहोरनी वात, बकवाद
गपागप अ० गपगप (जल्दी खावु)
गपिया,–हा (प) वि० गप्पी
गपोडा पु० गपोडो गप
गप्प स्त्री०गप –प्पी वि० गप मारनार
गप्फा पु० गफ्फा, गफ दईने मरातो बूको (२) लाभ, फायदा
गफ वि० [फा] ठस, गाढु, घट्ट
ग़फलत स्त्री० [अ] सावधानी, पर्वा या खबर होवानो अभाव (२) भूल
ग़फर वि० [अ] क्षमावान (ईश्वर)
ग़फ्फार वि० [अ] भारे दयाळु (ईश्वर)
ग़बन स्त्री०[अ]सुपरत विष बेईमानी करवी–हडप करी जवु ते
गबरू वि० [फा खूबरू] गभरु, नव-जुवान (२) भोळु (३) पु० पति
गबरून पु० एक जातनु जाडु कपडु
ग़बी वि० [अ] गबा मूरख
गब्बर वि० गर्विष्ठ (२) मद सुस्त (३) गब्बर, कीमती धनवान
गब्र पु० [फा] अग्निपूजक–पारसी
गभस्ति पु० [स] सूर्य (२) किरण
गभीर वि० [स] गभीर
गभुआ(–या)र वि० जन्मथी राखेला (वाळ)(२)नवा वाळवाळु,नानु(वाळक)
गम स्त्री० गम पहोंच सूझ
ग़म पु० [अ] गम, दुःख (२) चिंता
गमक स्त्री० सुगंध (२) संगीतनी गमक

ग़मकदा पु० [फा ससार
गमकना अ० क्रि० महेकवु
ग़मख़ोर, ग़मख़्वार वि० [फा] गमखार, गम खाय एवु, सहिष्णु
ग़म-ग़लत पु० [अ] दुःख हल्कु कर ते (२) खेल तमासो (३) दारू
ग़मगीं, –गीन वि०[फा]गमगीन,उदास
ग़म गुसार वि० [फा] दुःखभजन
गमछा पु० टुवाल, अगूछो [हावभाव
ग़मज़ा पु० [अ] (प्रियानो) नखरा के
गमन पु० [स] जवु ते (२) स्त्रीसग
गमनना, गमना अ० क्रि० (प) जवु
ग़मनाक वि० [फा] दुःखद
गमला पु० फूलझाडनु के आजरूनु कूडु
गमाना स० क्रि० 'गँवाना', गुमाववु
गमार वि० 'गँवार', गामडियु
ग़मी स्त्री० [अ] गमी, शोक (२) मरण बादनो शोक (३) मरण
गम्य वि० [स]जवाय, पहोंचाय एवु(२) साध्य (३) समजाय एवु
गय पु० [स] घर (२) आकाश (३) [प्रा गय] गज, हाथी
गया गुजरा, गया-बीता वि० ऊतरी गयेलु, नकामु, खराब
गयावाल पु० गयावाळ, गयानो पंडो
गर पु० (प) गळु गरदन (२) [स] वर, विष (३) राग (४) [फा] 'करनार' अथवा प्रत्यय जेम के सोदागर
ग़रक वि० [अ] लीन, डूबलु
ग़रक़ाब वि० [अ] गरकाव, निमग्न (२) पु० डुबाय एटलु पाणी
ग़रकी स्त्री० [फा] डूबवु ते (२) अतिवृष्टि रेल(३)नीचाणवाळी जमीन
गरगरा पु० 'गराडी', गरगडी

गर चे अ० [फा] अगरच, जाके
गरज स्त्री० वादळ के सिंहनी गर्जना
गरजना अ० क्रि० गर्जवु
ग़रज स्त्री० [अ] गरज जरूर (२) आशय, मतलब (३) चाह, इच्छा (४) अ० निदान, आखर (५) साराश के, मतलब के
ग़रज मंद, ग़रजी (–ज़ू) वि०गरजवाळु
गरदन स्त्री० [फा] गळु डोकु –उठाना = विरोध करवो, सामे थवु –में हाथ देना या डालना = गरदन पकडी बहार काढवु
गरदनिया स्त्री० गरदन पकडी बहार काढवु ते
गरदनी स्त्री० घोडाना ओढो (२) कुस्तीना एक दाव
गरदा पु० गर्द, गरदा, धूळ
गरदान स्त्री० [फा] [व्या] क्रियापदनु रूपाख्यान (२) पु० पाळेलु कबूतर
गरदानना स० क्रि० वारवार कहेवु (२) गणवु लेखवु मानवु
गरदूं पु० [फा] आकाश (२) गाडी
गरना अ० क्रि० निचोववु (२) (प) गळवु गल्ना
ग़रब पु० [अ] पश्चिम दिशा
गरब पु० गर्व घमंड –गहेला वि० गर्विष्ठ
गरब(–बा)ना अ० क्रि० गर्व करवो, फुलावु
गरबा पु० गरबो
ग़रबी वि० [फा] पश्चिमनु
गरबीला वि० गर्विष्ठ अभिमानी
गरम वि० [फा] ऊनु (२) क्रोधी (३) तीक्ष्ण उग्र
गरमाना अ० क्रि० गरम थवु (२) उमंग के आवेश या क्रोधमां आववु (३) स० क्रि० तपाववु, उकाळवु
गरमाहट स्त्री० गरमी, गरमावो
गरमी स्त्री० गरमी, ताप (२)आवेश, क्रोध (३) उमंग जुस्सो (४) उनाळो (५) गरमीनो रोग –निकालना = गर्व हणवो तोरी उतारवी गरमियामें = उनाळाना दिवसोमा
गरल पु० [स] झेर
गरां वि०[फा]भारे(वजन के किंमतमा)
गराव पु० ढोरना गळानु वेंवडु दोरडु –गाळियु
गरा प० 'गला', गळु
गराडी स्त्री० गरगडी (२) घसारानो कापो
गरानी स्त्री०[फा]मोघापणु(२)भारेपणु
गरारा वि० गर्ववाळु (२) प्रबळ
ग़रारा पु० [अ] कोगळो
गरिमा स्त्री० [स] गुरुता भारेपणु, गौरव (२) एक सिद्धि
गरियार वि० मंद गळियु (ढोर)
गरिष्ठ वि० [स] भारे (पचवामा) (२) खूब भारे
गरी स्त्री० नारियळनो गोटो
ग़रीज़ पु० [अ] स्वभाव, प्रकृति
ग़रीज़ी वि० [अ] स्वाभाविक सहज, कुदरती
ग़रीब वि० [अ] निर्धन, रंक (२) कंगाल, दीन (३) नम्र (४) परदेशी पराय (नाम –बी स्त्री०)
ग़रीब उल्–वतन वि०[अ] विदेश वसतु
ग़रीब ख़ाना पु० [अ+फा] मारु मकान ए अर्थनो नम्रतानो शब्द

ग़रीब-गुरबा पु० गरीबगरबा, दीन गरीब लोक
गरीब नवाज़, -परवर वि० [फा] गरीबने पाळनार, तेनो वली
ग़रीबाना वि० [फा] गरीबने योग्य, गरीब ढगनु ['गरीब']
ग़रीबी स्त्री० [फा] गरीबाई (जुओ
गरु, ०अ, ०आ, -रू वि० (प) गुरु, भारे मोटु [मगरूरा, गव
ग़रूर पु० -री स्त्री० [अ गुरूर]
गरेबा,-बान पु०[फा] कपडानो कालर -फाडना = खूब दुःखथी रोककळ करवी गरेबानमें मूं डालना = शरमावु, मो संताडवु
गरेरी स्त्री० गरेडी, गरगडी
गरोह पु० [फा] जथो, झुंड दळ
ग़र्क़ वि० [अ] गरक लीन, मग्न
ग़र्ज़ स्त्री० जुओ 'गरज' गरज
गर्जन पु०, -ना स्त्री० [स] गजवु ते के तेनो अवाज
गर्त पु० [स] खाडो (२) कबर
गर्द स्त्री० [फा] गरद, धूळ (किसाकी) गदकी न पाना = मामे काई न चालवु
गर्दखोर, गर्दखोर(-रा) वि० [फा] धूळखाउ (२) पु० पगलुछणियु
गर्द गुबार पु० धूळ
गर्दन पु० [स] गधेडु
गर्दाबाद वि०धूळथी भरेलु,उज्जड,वेरान
गर्दिश स्त्री० [फा] चक्कर, फेरा (२) आपत्ति तकलीफ मुश्केली
ग़र्ब [अ] 'गरब', पश्चिम [गर्भाशय
गर्भ पु० [स] गर्भ, हमेल (२) कूख
गर्भपात पु० [स] गर्भ पडी जवो ते
गर्भवती स्त्री० [स] सगर्भा, बजीवी
गर्भाशय पु०[स]गर्भ रहेवानु अंग, कूख
गर्भिणी वि० स्त्री० [स] सगर्भा
गर्भित वि० [स]गर्भयुक्त(२)पूर्ण,भरेलु
गर्म वि०[अ]'गरम' (नाम -र्मी स्त्री०)
गर्व पु० [स] अभिमान, घमड [करवो
गर्वाना अ० क्रि० (प) 'गरवाना', गर्व
गर्वी, ०ला वि० गर्ववाळु, घमडी
गर्हण पु०, गर्हा स्त्री०[स]निंदा, बूराई
गर्हित वि० [स] निंदित, बूरु, खराब
गर्ह्य वि० [स] निंदापात्र
गल पु० [स] गळु
गलका पु०आगळी पर थतो एक फोल्लो
गलगज पु०घोघाट,शोर (अ०क्रि० ०ना)
गलगल स्त्री० एक जातनु मोटु खाटु लींबु (२) एक पक्षी
गलगुथना वि० हृष्टपुष्ट, गोळमटोळ
ग़लत वि० [अ] खोटु भूलभरेलु (२) असत्य (नाम -ती स्त्री०)
गल तकिया पु० गालमसूरियु
ग़लत नामा पु० [अ + फा] शुद्धिपत्रक
ग़लत फहमी स्त्री० [अ] भ्रम, गेरसमज
ग़लता पु० [अ] एक जातनु रेशमी कपडु (गजियाणी ?)
ग़लती स्त्री० जुओ 'गलत'मा (-खाना, करना)
गलथना पु० गलस्तन (बकरीनो)
गलना अ० क्रि० ओगळवु (२)ठडीथी ठरवु (३) निष्फळ थवु
गलफडा पु० पाणीमा श्वास लेवान जळचरनु अवयव (२) जडबु
गलफासी स्त्री० फासो(२)झझट,जजाळ
गलबाही स्त्री० गळे वळगवु ते
ग़लबा पु० [अ] प्रभावनी अधिकता (२) आक्रमण हल्लो

गला पु० गळ —काटना=बहु हानि बहाचाटवी(२)गळामा मजूरी लागवी —घुटना=श्वास रावावा —घोटना= गळु दबावबु (२) जबरदस्ती करवी गले मढना,लगाना=माथ मारवु,गळे वळगाडवु
गलाऊ वि० ओगळ एवु (जम के दाळ)
गलाना स० क्रि० आगाळवु नरम करवु (२) खरावु
गलियारा पु०, —री स्त्री० नाना गली
गली स्त्री० गळी, शेरी
गलीचा पु० जुओ 'गालीचा
गलीज वि० [अ] गलीच (२) अपवित्र (३) घट्ट थाडु (४) पु० गदकी (५) मळ
गलेफ पु० 'गिलेफ' गलेफ खोळ
गलेबाज वि० सारु गानार
गप्प स्त्री० गप टिग (२) लघु कथा
गल्लई वि० गल्लाने लगतु (२) पु० भाव के अनाजमा लेवातु महेसूल के माथ [टाळु धारी
गल्ला पु० गुल, शोर (२) [फा] टोळु
गल्ला पु० [अ] फसलनी ऊपज (२) अनाज (३) गल्लो वकरो
गल्लेबान पु० [फा] गडरिया
गवँ स्त्री० लाग दाव, मोका
गवँसे अ० लाग जाईने (२) धारेथी
गवन पु० गमन (२) 'गौना' पहेलु आणु वळावबु ते
गवनचार, गवना पु० गौना पहेलु आणु
गवनमेंट, गवर्मेंट स्त्री० [इ] सरकार
गवर्नर पु० [इ] प्रदेशनो हाकेम —री स्त्री० तेनु काम के तेनो प्रदेश
गवाक्ष [स] (—ख, —छ) पु० झरूखो, अटारी
गवारा वि०[फा]गवारा,फावत मनपसद (२) स्वाभाव मजूर
गवास पु० कसाई [—ही स्त्री०)
गवाह पु० [फा] साक्षी पूरनार (नाम
गवेल, गवहा वि० गामडानु देहाती
गवेषणा स्त्री०[स]खोज तपास,मशाधन
गवैया पु० गवैयो, गायक
गव्य पु० [स] गायमाथी मळतु (छाण, दूध इ०) (२) गायनु धण
गश पु० —शी स्त्री० [अ] मूर्च्छा बहानी चक्कर —खाना=चक्कर आववी, बेहोश थवु
गश्त पु० [फा] गस्त, पहेरा (२) भ्रमण
गश्ती वि०[फा] गश्त मारनार घूमनार (२) स्त्री० कुलटा
गसना अ० क्रि० ग्रसवु, पकडवु, जकडवु
गसीला वि० (स्त्री० —ली) खूब गाढ, जकडेलु, घट्ट (जम के, वणाट)
गस्सा पु० ग्रास, कोळियो
गह स्त्री० पकड (२) मूठ, हाथो
गहगहा वि० प्रफुल्लित(२) धामधूमवाळु
गहगहाना अ० क्रि० खूब प्रसन्न थवु (२) (झाड के पाक) लमलमवु
गहगहे अ० धामधूम के सुशाथी
गहडोरना स० क्रि० (पाणी) डहोळवु हलावी गदु करवु
गहन वि० [स] कठण, दुगम (२) गाढ ऊडु (३) गभीर (४) पु० (प) ग्रहण (५) हठ, जिद
गहना पु० घरेणु (२) स० क्रि० ग्रहवु
गहबर वि० (प) गह्वर दुगम(२) व्याकुल गभरायलु
गहर स्त्री० (प) विलब वार (२) वि० घरु, दुगम

गहरना अ० क्रि० (प) ढील के वार करवी (२) वढवु, चिडावु
गहरा वि० घेरु, (२) ऊंडु (३) गभीर (४) घाटु –हाथ=बरोबर सपाटा
गहरे लोग=ऊंडा–भारे उस्ताद
गहराना अ० क्रि० घेरु थवु (२) स० क्रि० घेरु करवु (३) अ० क्रि० 'गहरना', वार करवी [('गहना'नु प्रेरक)
गहवाना, गहाना स० क्रि० पकडाववु
गहिरा वि० जुओ 'गहरा'
गहेजुआ पु० छछुंदर [गाडु
गहेला वि० हठीलु (२) घमडी (३) घेलु,
गह्वर पु० [स] गुफा बखोल (२) गुप्त जगा (३) झाडी, जगल
गाछना स० क्रि० गूथवु
गांज पु० गज, ढेर
गांजना स० क्रि० गज करवा
गांजा पु० गांजो
गांठ स्त्री० गांठ (२) गठडी (३) शरीरना सांधो (४) (शेरडी सडियानी) गांठ
गांठगोभी स्त्री० नोलकोल
गांठना स० क्रि० गांठ मारवी (२) साथे जोडवु (३) फाटयुतूटयु ठीक करवु, ममारवु मतलब गांठना=मतलब साधवो काम काढवु
गांडर स्त्री० एक जातनु घास, खस
गांडा पु० गडेरी वडवा
गांथना स० क्रि० गूथवु
गांधी स्त्री० [स] चामासामा थतु माकणियु जतु (२) हिंग (३) गांधी
गांव, गाव प० गाम –मारना=गाम भागवु, धाड पाडवी
गांस स्त्री० बधन (२) वेरभाव (३) रहस्य भेद (४) अधिकार (५) गांठ
गांसना स० क्रि० बीधवु, नाखवु (२) गूथवु (३) पकडमा राखवु (४) ठांसवु
गांसी स्त्री० तीर बरछी इ० नु फळु (२) कपट, मनना मेल
गाइड पु० [इ] पुस्तकना गाइड (२) रस्तो इ० बतावनार, भोमियो
गाउघप्प वि० पारकु हडप करनार
गाउन पु० [इ] झब्बो (वकील, ग्रॅज्युएट इ० पहेरे छे ते)
गागर (–री) स्त्री० गागर, नानो घडो
गाच स्त्री० [इ गॉझ] गाय
गाछ पु० झाड (२) छोड
गाज स्त्री० गजना (२) वीजळी (३) पु० फीण [राजी थवु
गाजना अ० क्रि० गाजवु (२) राचवु,
गाजर स्त्री० गाजर कद [पाउडर
ग़ाज़ा पु० [फा] मो पर घसवानो एक
ग़ाज़ी पु० [अ] गाझी धर्म माटे लडनार वीर (मुसलमान) (२) वीर पुरुष
गाड स्त्री० खाडो [ठोकवु (२) सताडवु
गाडना स० क्रि० गाडवु, दाटवु (२) अदर
गाडर स्त्री० गाडर घेटु, मेढु
गाडा पु० (प) गाडु, वेलगाडी (२) खाडो (फसाववाने माटेनो)
गाडी स्त्री० गाडी –छूटना=स्टेशनथी गाडी ऊपडवी
गाडीवान पु० गाडीवाळा–हाकेडु
गाढ वि० गाढु, घट्ट (२) मजबूत, दृढ (३) प० सकट, मुश्केली
गाढ़ा वि० घाटु, घट्ट (२) गूढ घन (३) घोर विकट (४) पु० गजियु, खादी (५) मस्त हाथी गाढ़ेका साथी या सगी = सकटनो मित्र सहायक
गाढ़ेकी कमाई = महेनतनी कमाणी

गाढ़े दिन=मुश्केलीना दहाडा
गाढ़े अ० (प) सारी पेठे, बराबर (२) जारथी, दढपणे
गात पु० गात्र, शरीर, अग (२)गुप्त अग (३) स्तन (४) गर्भ –से होना=गर्भ रहवा
गाता पु० [म] गवयो
गाती स्त्री० गातडी वाळी पहेरानु वस्त्र
गात्र पु० [स] शरीरनु गात्र – अग
गाथा स्त्री० [स] कथा (२) स्तुति (३) एक छद
गाद स्त्री०प्रवाहीमा नीच ठरतो कचरो
गादड, –र वि० कायर डरपोक (२) मुस्त मद (३)पु० गळिया बळद
गाध वि० [स] छछरु (२) थाडु (३)पु० जगा (४) तळियु (पाणीनु) (५) लोभ
गान पु० [स] गावु ते गायन गीत
गाना स० क्रि० गावु (२) वणववु (३) वखाण क स्तुति करवी –बजाना=मोजमजा – आनद करवो
ग़ाफ़िल वि० [अ] गाफल असावध
गाभ, गाभा पु० कूपळ(२)गोदडा रजाई अदरनो गाभो (३) कशानो अदरनो भाग – गाभो
गाभिन, –नी वि० स्त्री० गाभणी
गाय स्त्री० गाय धेनु
गायक पु० [स] गानार गवया
गाय गोठ स्त्री० गोशाळा
ग़ायत वि० अत्यत (२) असाधारण(३) स्त्री० छल्ली हद
गायताल वि० 'गताल', नकामु रद्दी (२) पु० नकामु ढोर
गायत्री स्त्री० [स] गायत्री मत्र के छद
गायन पु० [स] गवयो(२)गान गायु ते
ग़ायब वि० [अ] गब अलोप(२)(व्या) त्रीजा (पुरुष)
ग़ार पु० (अ) खाडो (२) गुफा(३) [फा] 'करनार' अथवा प्रत्यय
ग़ारत वि० [अ] नष्ट पायमाल
गारद स्त्री०[इ गाड]चोकीदार टुकडी (२)पहेरा –में करना, देना, रखना=पहेरामा राखवु [साथ घसवु
गारना स० क्रि० निचोवव (२) पाणी
गारा पु० (माटी चूनानो)चणवा माटेनो गारो
गारी स्त्री० (प) गाळ गाळी –आना, पडना, लगना=कलक लागवु –लाना =कलक लगाडवु
गारुडी पु० [स] सापना मत्र जाणनार
गार्जियन पु० [इ] वाली सरक्षक
गार्ड पु० [इ] (गाडीनो) गार्ड
गार्डेन पु० [इ] बाग
गाल पु० [स गल्ल] गाल (२) बकबक करवानी आदत (३) मध्य भाग वच (४) ग्रास फाको –करना=बकबक करवु –पर गाल चढना=हृष्टपुष्ट थवु –फुलाना=रिसावु –बजाना या मारना=डिंग मारवी
गालगूल पु० (प) बकवाद, नकामी वात
गालमसूरी स्त्री० एक मीठाई
गाला पु० पूणी [(३) सभवित
ग़ालिब वि० [अ] बळवान (२) विजयी
ग़ालिबन् अ० [अ] सभवत
गाली स्त्री० गालि गाळ [गाळागाळी
गाली गलौज स्त्री० गाली गुफ्ता पु०
ग़ालीचा पु० [फा] गालीचो
गालू वि० गप्पी, लडाकी
गाव पु० [फा] गावडी, गाय

गाव-कुशी स्त्री० [फा] गावध
गाव जबान स्त्री० [फा] एक बुट्टी
गाव तकिया पु० [फा] मोटो तकियो
गावदा वि० मूर्ख अणसमजु [जतु
गाव दुम वि० [फा] उपरथी पातळु थतु
गाह पु० ग्राह, पक्ड (२) मगर (३) ग्राहक
गाह स्त्री० [फा] जगा, स्थान (उदा० इबादत-गाह) (२) वखत
गाहक पु० ग्राहक, घराक [सोदो थवो
गाहकी स्त्री० घराकी वेचाण —पटना=
गाह-गाह, गाह ब गाह, गाहे गाहे अ० कदी कदी क्यारे क्यारे [करवु
गाहना स० क्रि० डूबकी मारवी (२) खळु
गाहा स्त्री० गाथा, कथा [मान
गाहो स्त्री० फळ गणवानु पाचनु एक
गिंजना अ० क्रि० चाळाईने मेलु के खराब थवु, 'गींजना'नु कर्मणि
गिआन पु० (प) ज्ञान
गिउ पु० (प) गळु, गरदन
गिचपिच, गिचिरपिचिर वि० अस्पष्ट, गमे तेमना क्रममा, गुचपुच
गिजगिजा वि० पाणीपोचु, लचपच
ग़िज़ा स्त्री० [अ] भोजन, खोराक
गिटपिट स्त्री० गाटपीट
गिट्टक स्त्री०, गिट्टा पु० चलमनो तवो
गिट्टी स्त्री० मरड के ठीकरु (२) गिट्टा'
गिडगिडाना अ० क्रि० नम्रताथी विनंती करवी (नाम, —हट स्त्री०)
गिद्ध पु० गीध पक्षी
गिनती स्त्री० गणतरी (२) संख्या (३) हाजरी (४) १ थी १०० सुधी आंक —के=गणतर थाडाक
गिनना स० क्रि० गणवु, लेखवु [प्रेरक
गिनवाना, गिनाना स० क्रि० गिनना'नु
गिनी, गिन्नी स्त्री० गीनी सिक्को
गिने गिनाये, —चुने=थाडाक, गणतर
गिरगिट पु० काचडो, 'गिरदान'
गिरजा (०घर) पु० ख्रिस्ती देवळ
गिरदान पु० जुओ 'गिरगिट'
गिरदाब पु० [फा] पाणीना भमरो
गिरदावर पु० जुओ 'गिदावर'
गिरना अ० क्रि० गरवु, पडवु —पडना =पडवु आखडवु
गिरफ्त स्त्री० [फा] पकडवु — गिरफ्तार
गिरफ्ता, —फ्तार वि० [फा] गिरफ्तार, केद पकडलु
गिरमिट पु० गिरमीट, 'ॲग्रीमेन्ट'
गिरवाना स० क्रि० जुओ 'गिराना'
गिरवी वि० [फा] गीरवलु, गीरवी
गिरवी-गाठा पु० गारो
गिरवीदा वि० [फा] मोहित, आसक्त
गिरवीदार पु० [फा] गीरो राखनार
गिरवीनामा, गिरवीपत्र पु० गीरो-खत
गिरह स्त्री० [फा] गाठ (२) खीसु (३) वारनो १६ मो भाग (४) गुलाट
गिरहकट वि० खीसाकातरु
गिरहबाज पु० [फा] गिरेबाज, गुलाट खातु ऊडनारु एक पक्षी
गिरॉं वि० जुओ 'गरा' (२) अप्रिय
गिरा स्त्री० [स] वाणी, वाचा (२) भाषा (३) जीभ (४) सरस्वती
गिराना स० क्रि० गिरना'नु प्रेरक; पाडवु
गिरानी स्त्री० जुओ गरानी'
गिरामी वि० [फा] पूज्य, वयोवृद्ध
गिरावट स्त्री० पडवानी क्रिया के रीत
गिरि पु० [स] पर्वत ०जा स्त्री० पार्वती
गिरिफ्त स्त्री०, —फ्ता (०र) वि० जुओ 'गिरफ्त, —फ्ता (०र)'

गिरी स्त्री० तूग गर, अदरना मावा
गिरेवान पु० जुओ 'गिरेबान'
गिर्यां स्त्री० तानु गाळिउं (२) वि० पडनार, पडतु
गिरो वि० [फा] गिरो, गीरवी
गिर्जा, गिर्जाघर पु० जुओ 'गिरजा'
गिर्द अ० [फा] आसपास चारेतरफ
गिर्दाब पु० पाणीनो भमर–वमळ
गिर्दावर पु० [फा] (तपास करनार अमलदार) फरतो चार करनारो
गिल स्त्री० [फा] माटी (२) गारो
गिल्कार प० [फा] (नाम –री स्त्री०) प्लास्टर करनार
गिलट पु० गिल्ट ढाळ
गिलटी स्त्री० गाठ (गाड बाधवाथी बनी के गाया परनी)
गिलन पु० गॅलन माप
गिल्ना स०क्रि० [स गिरण] निगळना, गळवु (२) मनमा दाबी राखवु
गिलबिलाना अ० क्रि० अस्पष्ट–गरबड सरबड बोलवु
गिलम स्त्री० नरम ऊनना गालीचो के पाथरणु (२) वि० नरम मुलायम
गिलमिल पु० एक सारी जातनु कापड
गिल्हरी स्त्री० खिसकोली
गिला पु० [फा] फरियाद (२) ठपको
ग़िलाजत स्त्री० [अ] गदकी (२) विष्टा
ग़िला(ले)फ पु०[अ] गलफ खोळ(२) माटी रजाई (३) म्यान [गारो
गिलाव,–वा पु० कीचड(२)चणवा माट
गिलास पु० ग्लास, प्यालो
गिली वि० [फा] माटीनु
गिलेफ पु० जुओ 'गिलाफ'
गिलोय स्त्री०[फा]एक वेल 'गुरच' गळो
गिलोरी स्त्री० पानना बीडा
गिलोरीदान पु० पानदानी
गीजना स० क्रि० (कपडा इ०)मसळवु गळवु, चोळी नाखी बगाडवु
गीव स्त्री० ग्रीवा गरदन
गीत पु० [स] गायन
गीति स्त्री० [स] गान (२) एक छद
गीता स्त्री० [स] गुणिया
गीदड पु० शियाळ (२) वि० डरपोक
गीदी वि० [फा] बायलु डरपोक (२) बेशरम
गीध पु० गीधडा गीध
गीधना अ० क्रि० वकरा लागवा, लालचमा पडवु [लगाजरा
ग्रीवत स्त्री० [अ] चाडीचुगली (२)
गीला वि० भीनु पलळेलु
गुग [फा] –गा वि० मूगु
गुगा स्त्री० आमळो आमळ
गुचा पु० [अ] कळी (२) नाचरग
गुज स्त्री० [स] गुजारव (२) गळानु एक घरेणु
गुजन पु० [स] गुजारव
गुजना अ० क्रि० गजवु, गणगणवु
गुजा स्त्री० [स] चणाठी के तनु बीज के तटलु–रतीभार वजन (२) गुजन
गुजाइश स्त्री० [फा] समावानी जगा, अवकाश (२) सुभीता, सवड
गुजान वि० [फा] घन, घाडु
गुजार पु० गुजारव
गुडली स्त्री० ऊढण
गुडा पु० गुडो दाड बदमाश
गुथना अ० क्रि० गूथवु [गूथवु
गुधना अ० क्रि० 'गूधना' गूदवु (२)
गुधाई स्त्री० गूदवु के गूथवु ते

गुफ पु० [म] गूथण (२) झघडो, पचात (३) 'गलमुच्छा', थोभिया [पचात
गुफ्तन पु० [ग] (२) गूथण (२) झघडो,
गुबज (-द) [फा] पु० गुबज, घुमट
गुबा पु० ढीमणु, 'गुल्मा'
गुआ पु० चीकणी सोपारी
गुआर, -री स्त्री० गवार, 'ग्वार'
गुइया पु०, स्त्री० साथी, भेरु, सखी
गुग्गुर (-ल, -लु) पु० गूगळ, एक ओषधि
गुच्ची स्त्री० गत्री (गीलीदडा इ० खलवानी)
गुच्छ, -च्छा पु० [स] गुच्छो, गाटा
गुजर पु० [फा] गुजर, गति पहोच, प्रवेश (२) समय वीतवो ते (३) निभाव निवाह, गुजारो [पार करवानो घाट
गुजरगाह स्त्री० [फा] रस्ता (२) नदी
गुजरना अ० क्रि० गुजरवु (समय वीतवो के वीतवु) (२) काई स्थाने थईने जवु के आववु (३) बनवु, नभवु
गुजर जाना=गुजरी जवु
गुजर-बसर पु० [फा] गुजरान, निभाव
गुजरान पु० गुजरान, गुजारो
गुजश्ता वि० [फा] गत, भूत (काळ)
गुजारना स० क्रि० विताडवु समय काढवा (२) पहोचाडवु
गुजारा पु० [फा] गुजारो (२) होडी उतारे ते स्थान (३) टालनी जगा
गुजारिश स्त्री० [फा] निवेदन, विनती
गुझिया स्त्री० एक मीठाई-घूघरो
गुटकना स० क्रि० गटक दईने गळवु (२) अ० क्रि० कबूतरनु बोलवु [पुस्तक
गुटका पु० गुटिका, गोळी (२) गुटको
गुटरगू स्त्री० कबूतरनो अवाज
गुटिका, गुटी स्त्री० गोळी

गुट्ट पु० दल, जूथ, मुड -करना= मळीने मसलत करवी -बाधना=टोळी जमाववी, दळ एकठु करवु
गुट्टबदी स्त्री० पोतानु जूथ जमाववु ते
गुट्ठल वि० गोटलीवाळु (फळ) (२) जड, मूख (३) पु० गठठा (४) गाठ, ढीमणु
गुठली स्त्री० गोटली, ठळियो, गाटलो
गुडबा पु० काची केरी बाफीन चासणीमा आथ ते, गाळकेरी जेवु एक अथाणु
गुड पु० [म] खावानो गोळ
गुडगुडाना अ० क्रि० गुडगुड अवाज करवो (हूका) गगडाववा
गुडगुडी स्त्री० हुक्का [लाडु
गुडधनिया, गुडधानी स्त्री० एक प्रकारनो
गुडहर (-ल) पु० एक झाड के तेनु फूल
गुडाकू पु० गडाकु, तमाकु
गुडिया स्त्री० ढीगली -का खल= रमतनु काम
गुडी स्त्री० पतग 'गुड्डी' [गिलोय'
गुडूची स्त्री० [म] गळो अतरवल,
गुड्डा पु० ढीगला (२) मोटो पतग
गुड्डी स्त्री० पतग (२) एक नानो हुको
गुण पु० [म] लक्षण, धम (२) स्वभाव, शक्ति प्रभाव, तासीर (३) सारी तारीफ, सद्गुण
गुणना स० क्रि० गुणवु
गुणा पु० गुणाकार
गुत्थमगुत्था पु० परस्पर लपटाई फसाई जवु ते (२) बथ्थंबथ्था
गुत्थी स्त्री० गाठ गूच
गुथना अ० क्रि० [स गुत्सन] फूल, मणका इ० गूथावु (२) खराब सिवावु (३) (लडवा) बाझवु (प्रेरक गुथवाना)
गुथवा वि० गूथलु

गुदकोल पु० जुओ 'गुदाकुर'
गुदगुदा वि० मासल (२) मुलायम
गुदगुदाना अ० क्रि० गलीपचा थवी के करवी (२) विनोद करवो (३) उत्कठा उत्पन्न करवी
गुदगुदाहट, गुदगुदी स्त्री० गलीपची (२) विनोद उमग (३) उत्कठा
गुदडी स्त्री०गोदडी –बाजार=गुजरी, जनी वस्तुआनु बजार –में लाल= तुच्छ जगामा कीमती चीज
गुदना अ० क्रि० भोकावु गादो वागवो (२) पु० छूदणु
गुदरना अ० क्रि० (प) गुजरवु स०क्रि० (२) निवदन करवु, कहेवु
गुदाकुर पु० [म] हरस
गुदा स्त्री० [म] मळद्वार [कोमळ
गुदाज वि० [फा] मासल, दळदार (२)
गुदाना स० क्रि० गादाववु, भोकावबु
गुदारा पु० नदी पार ऊतरवु ते के तनी जगा 'गुजारा
गुद्दा पु० झाडनु मोटु डाळ
गुद्दी स्त्री० अदरनो गर (२) बाची आखें गुद्दीमें होना या चली जाना= ना दखाबु दे समजावु
गुन पु० (प) गण
गुनगुना वि० गूगणु (२)जुओ 'कुनकुना'
गुनगुनाना अ० क्रि० गूगणु बोल्वु
गुनना स० क्रि० गुणवु (२) गणवु (३) गोखवु (४) विचारवु
गुनहगार वि० [फा] गुनेगार
गुना प्रत्यय सख्याने लागता तटला गणु' अथ थाय दा० त० दसगुना (स्त्री० –नी) [गुनेगार
गुनाह पु० [फा] गुनो ०गार, –ही पु०

गुनिया पु० जुओ 'गोनिया'
गुन्ना पु० [अ] अनुस्वार
गुपचुप अ० चुपचाप छानुमानु (२) स्त्री० एक मीठाई [ज्ञान, गूढ
गुप्त वि० [म] छूपु, सतायलु (२)
गुप्तचर पु० [म] जासूस
गुप्तमार स्त्री० मूढ मार
गुप्ती स्त्री० गुप्ती हथियार
गुफा स्त्री० [म] पहाडनी गुफा –गुहा
गुफ्तगू, गुफ्तार स्त्री० [फा] वातचीत
गुफ्फा पु० फूलनो गुच्छो (२) टोपीनु फूमतु [क्रोध द्वेष दुख वगेरे
गुबार पु०[अ]धूळ (२) मनमा दबावेलो
गुबा(–ब्बा)रा पु० गुबारो, बलून
गुम वि०[फा]गुम(२)अप्रसिद्ध(३)गुप्त
गुमटा पु० (माथानु) ढीमणु
गुमटी स्त्री० गुबज घमट
गुमनाम वि० [फा] अजाण्यु अप्रसिद्ध (२) नाम वगरनु
गुमर पु० गुमान (२) गुबार मनमा दबायेलो क्रोध इ० (३) घुसपुस वात
गुमराह वि० [फा] राह भूलेलु (२) नीतिभ्रष्ट कुमार्गे वळेलु
गुमसुम वि० चूप स्तब्ध, सूमसाम
गुमान पु० [फा] अनुमान, कयास, ख्याल (२) गुमान गव
गुमाना स० क्रि० गुमावबु खोवु
गुमानी वि० घमडी अभिमानी
गुमाश्ता पु० [फा] गुमास्तो मुनीम ०गिरी स्त्री० गुमास्तागीरी
गुम्मट पु० घूमट
गुम्मा पु० मोटी इट (२) वि० चूप
गुर पु० गुरुमन्त्र, युक्ति चावी
गुरगा पु० चेला(२)नोकर (स्त्री० –गी)

गुरगावी पु० [फा] एक जातना जोडा
गुरदा पु० [फा गुर्द, स गोद] मुत्रपिंड, 'किडनी' (२) साहस, हिंमत
गुरबत स्त्री० [अ] परदेश निवास (२) मुसाफरी (३) नम्रता
गुरिया पु० माळानो मणको, दाणा (२) नाना टुकडो [मोटु, भार
गुरु पु० [स] गुरु, शिक्षक (२) वि०
गुरुआनी स्त्री० गुरुनी स्त्री के स्त्री-गुरु, गाराणी [धारण करवु ते
गुरुडम पु० गुरु बनी बमवु–गुरुपणु
गुरुद्वारा पु० शीख मंदिर
गुरुमुख वि० गुरुमंत्र लीधेलु, दीक्षित
गुरुमुखी स्त्री० (शीख धर्मग्रंथनी) एक लिपि [माणस
गुरु घंटाल पु० वडो चालाक–घट
गुरूब पु० [अ] तारा के सूरना अस्त
गुरूर पु० [अ] जुओ 'गरूर'
गुरेज स्त्री० [फा] कशाथी नासवु, दूर रहेवु के बचवु ते (२) विपर्यांतर
गुरेरना स० क्रि० आंख फाडीने जोवु
गुर्ज पु० [फा] गदा जेवु एक शस्त्र
गुर्दा पु० जुओ 'गुरदा'
गुर्रा पु० [अ] श्रेष्ठ वस्तु (२) बीज, मोहरमनो बीजनो चांद –बताना =काई आप्या वगर टाळवु उन्वावी देवु
गुर्राना अ० क्रि० घूरकवु (२) (बिल्लीनो) घरघर अवाज थवा
गुर्वी, –विणी स्त्री० [स] गर्भवती (स्त्री)
गुल पु० [फा] गुल (फूल, गुलाब, बत्तीनो मोगरो) (२) हसता गाल पर पडतो खाडो (३) तमाकुनो गल (४) डाम (५) गुल्शार (६) लमणो (चिराग)
गुल करना = बुझावदु –कतरना =काई विचित्र बनवु –खाना = डाम खावो, डभावु –खिलना = विचित्र बनाव बनवो (२) बखेडो थवो
गल अब्बास पु० [फा] एक फूलझाड
गुलकारी स्त्री० [फा] फूलनु भरतक
गुलगपाडा पु० शोर, गुल
गुलगश्त पु० [फा] बागमा फरवु
गुलगीर पु० [फा] बत्ती कापवानी कात
गुलगुल वि० जुओ 'गुलगुला'
गुलगुला पु० एक मीठाई (२) वि नरम 'गुलगुल', मुलायम [पावड
गुलगूना पु० [फा] मुख पर लगाववान
गुलचीं पु० [फा] माळी
गुलछर्रा पु० अनुचित स्वच्छंद व भागविलास गुलछर्रे उडाना=माज मजा करवी [भयुभादयु सुद
गुलजार पु० [फा] बाग (२) वि०
गुलझटी स्त्री० गाठ [मात
गुलथी स्त्री० लोचा थाय एम रधायली
गुल्थी स्त्री० (पाणामा जेम के छोट नाखता पडी जाय छे एवी) गागडी
गुलदस्ता पु० [फा] गुलदस्त, फूलनो गोटो
गुलदान पु० [फा] फूलदानी
गुल दुम पु० [फा] बुलबुल
गुलनार पु० [फा] दाडमनु फूल के तेना जेवा लाल रग
गुलमा पु० गुल्म ढीमणु
गुलमख स्त्री० [फा] गाळ मायानी मख
गुलशन पु० [फा] बाग [हजारी
गुलहजारा पु० [फा] एक फूलझाड,
गुलाब पु० [फा] गुलाबनु फूल के छाड (२) गुलाबजळ
गुलाब-जामुन पु० गुलाबजावु मीठाई (२) एक फळझाड

गुलाब-पाश पु० [फा] गुलाबदानी
गुलाबी वि० [फा] गुलाबना रंगनुं, गुलाबनुं (२) पु० गुलाबी रंग (३) स्त्री० शराबनो प्यालो (४) एक मठाई
गुलाम पु० [अ] गुलाम (२) सामान्य नोकर –मी स्त्री०
गुलाल पु० गुलाल रातो रंग जेवो भूको–गुलाल
गुलाला पु० गुलनार–एक फूल, गुलनार
गुलिस्तां पु० गुलिस्तान बाग
गुलू पु० [फा] गळु (२) स्वर
गुलूबंद पु० [फा] गलपटो, गलूबंद
गुलेल स्त्री० गलोला फेंकवानी कामठी गलोल
गुलेलची पु० गलोला फेंकी जाणनार
गुलेला पु० [फा गुलूल] गलोलो (२) गलोल
गुल्फ पु० [स] घूंटी, टखना'
गुल्म पु० [स] पेटनो गोळानो रोग
गुल्ला पु० [फा] गलोलो (२) शोर, गुल्
गुल्लाला पु० एक लाल फूल
गुल्ली स्त्री० ठळियो (२) गिल्ली नाई
गुवार पु० जुओ 'ग्वाल' गोवाळ
गुवारपाठा पु० जुओ ग्वारपाठा
गुसल पु० जुओ 'गुस्ल'
गुसाई पु० गोसाई गोस्वामी (२) प्रभु
गुस्ताख वि० [फा] (नाम –खी स्त्री०) बेअदब, अविवेकी अशिष्ट
गुस्ल पु० [अ] गुसल, स्नान
गुस्लखाना पु० [फा] गुसलखानुं, नाहवानी ओरडी
गुस्ले-सेहत पु० [अ] बीमारीमांथी नीकळ्ये करातुं स्नान

गुस्सा पु० [फा] गुस्सो, क्रोध –ठंडा होना=गुस्सो शांत थवो –नाक पर रहना=जराक्मां गुस्से थवुं –पाना, –पी जाना, –मारना=गुस्सो रोकी राखवो –दबाववो –फूक देना= गुस्सो दूर करवो मनगमतुं करवुं
गुस्सावाळ, गुस्सावर [फा] गुस्सैल वि० क्रोधी, चीडियुं
गुहना स० क्रि० गूंथवुं (२) सांधवुं मारवो
गुहराना अ० क्रि० जुओ गोहराना
गुहा स्त्री० [स] गुफा
गुहाना स० क्रि० गुंथावुं प्रेरक गुहवाना
गुहार,–रि स्त्री० रक्षा माटे बूम गोहार
गुह्य वि० [स] गुप्त छूपुं छानुं (२) गूढ (२) पु० गूढ भेद रहस्य
गूंगा वि० जुओ गुंग –मूगुं
गूंच स्त्री० जुओ गुंचा चणोठी
गूंज स्त्री० गुंजन (२) पडघो (३) भमरडानी आर
गूंजना अ० क्रि० गुंजवुं (२) पडघो पडवो
गूंथना स० क्रि० गूंथवुं, गूथना
गूदा पु० गादी' गूदो, माटीनो लादो
गूधना स० क्रि० गूंदवुं मसळवुं
गू(०ह) पु० गू, विष्टा
गूग(–गु)ल पु० गगळ, 'गुग्गुल'
गूजर पु० गोवाळोनी एक जात
गूजरी स्त्री० 'गूजर' स्त्री (२) पगनुं एक घरेणुं [गुझिया'
गूझा वि० गुह्य गुप्त (२) पु० जुओ
गूढ़ वि० [स] गुह्य गुप्त (२) अक्कळ
गूथना स० क्रि० गूंथवु (२) साधवु
गूदड(–र) पु० चीथरुं, धागो

गूदा पु० गर, फळ के कोई चीजनो अदरनो मावो, मगज [एक घास
गून स्त्री० रसी, दोरडु (नावनु) (२)
गूना पु० [फा] वण, रग (२) प्रकार
गूनागू, –गून वि० [फा] विधविध, भात भातनु (२) रगबेरगी
गूमा पु० एक छोड–औपधि
गूलर पु० उमरडो –का कीडा=कूप-मडुक –का फूल=दुलभ वस्तु
गृध्र पु० [स] गीध
गृह पु० [स] घर [घरककास
गृह-कलह, गृहयुद्ध पु० घरना झघडो,
गृहस्थ पु० [स] घर ससारी (२)खेडूत
गृहस्थी स्त्री० गहस्थनु कतव्य (२) गहव्यवस्था (३) कुटुब के घरनो सरसामान (४) खेतीवाडीनो रोजगार
गृहिणी स्त्री० [स] स्त्री घरवाळी
गृही पु० [स] गहस्थ [स्वीकृत
गृहीत वि० [स] ग्रहण करलु, मानेलु,
गेंगटा पु० जुओ 'केकडा'
गेंडना स० क्रि० घेरवु खेतरनी चारे कोर हदनो पाळा बाधवा
गेंडली स्त्री० गूचळु कुडाळु (जेम के, सापनु) –बाधना, –मारना=गूचळु वळवु
गेंडा पु० शेरडीना उपला पान (२) शरडी (३) गडा', गडो
गेंडुआ, –वा पु० तकिया (२) मोटी गद दडो [उढाणी
गेंडुरी, –ली स्त्री० जुओ 'गेडली'(२)
गेंद पु० दडो ०घर पु० क्रिकेट, टेनिस, बिलियड इ० रमवानु स्थान ०तडी स्त्री० मारदडीनी रमत
गेंद-बल्ला पु० गेडीदडो (२) क्रिकेट
गेंदा पु० एक फूलझाड, हजारी
गेंदुआ, –वा पु०(गोळ)तकियो,ओशीकु
गेगला वि० मूरख, बाघु
गेटिस पु० [इ गाटर] मोजा बाधवाना पट्टी–गाटर
गेती स्त्री० [फा] ससार
गेय वि० [स] गवाय एवु
गेरना स० क्रि० गेरववु, पाडवु, 'गिराना' (२) घरवु
गेरवाँ, गेराव पु० जुओ 'गराव',गाळियु
गेरुआ वि० गेरु रगनु, भगवु (२) पु० घउना गेरवो रोग
गेरू स्त्री० गेरु माटी
गेसू पु० [फा] वाळनी लट, जुल्फु
गेह पु० [स] घर
गेहनी स्त्री० (प) गहिणी घरवाळी
गेहुँअन पु० घउवर्णो एक झरी साप
गेहुँआ वि० घउवर्णु
गेहूँ पु० घउ
गैंडा पु० गेंडो
गैती स्त्री० तीकम के कादाळी
ग़ैब पु० [अ] गेब, अदप्ट, परोक्ष विषय
ग़ैबत स्त्री० [अ] चुगली गीबत, निंदा
ग़ैबी वि०[अ]परोक्ष, गुप्त, अजाण, गूढ
गैयर पु० (प) गयवर, मोटा हाथी
गैया स्त्री० गाय
गैर स्त्री० (प) अधर, अयायना अधावूधी (२) निंदा
ग़ैर वि० [अ] अन्य बीजु (२) परायु, अजाण्यु, परजन (३) अभाव सूचवता नेर पूवग
ग़ैर-आबाद वि० [अ] उज्जड, वरान, पडतर (जमीन) [अनावश्यक
ग़ैर जरूरी वि० [अ] बिनजरूरी,

ग़ैर ज़िम्मेदार वि० [अ] बिनजवाबदार, अविश्वासपात्र
ग़ैरत स्त्री० [अ] लाज, शरम
ग़ैरतदार, ग़ैरतमंद वि० लज्जाळु, शरमाळ
ग़ैरमनक़ूला वि० [अ] स्थावर, स्थिर
ग़ैरमनकूहा वि० स्त्री [अ] अविवाहिता (२) रखात
ग़ैरमामूल, -ली वि० [अ] असाधारण
ग़ैरमुनासिब वि० [अ] गैरमुनासिब अयोग्य गेरवाजबी
ग़ैरमुमकिन वि० [अ] असंभव, अशक्य
ग़ैरवाजिब वि० [अ] गेरवाजबी अयोग्य
ग़ैर-सरकारी वि० सरकारी नहि एवु
ग़ैरहाज़िर वि० [अ] गेरहाजर (नाम –री स्त्री)
गैरिक पु० [स] गेरु (२) सोनु
ग़रीयत स्त्री० [अ] गरीबापणु परजनता
गैल स्त्री० गली रस्तो [एक माप
गैलन स्त्री० [इ] गॅलन – प्रवाहीन
गैलरी स्त्री० [इ] गॅलरी
गैस स्त्री० [इ] गॅस वायु
गोंठ स्त्री० कमर परना धोतियाना गाठ – आटो [गाड
गोंड पु० एक आदिवासी पहाडी परज,
गोंडा पु० वाडा (ढारनो) (२) महाल्लो, पाडो (३) आंगणु
गोंद पु० गुंदर ०दानी स्त्री० गुंदरियु
गोंदनी स्त्री० गूंदानु झाड
गो अ० [फा] जोके (२) प्रत्यय – 'कहनार' अथवा उदा० बदगो= बूराई करनार (३) स्त्री० [स] गाय (४) इंद्रिय
गोइंठा पु० सूकु छाण अडायु
गोइन्दा पु० [फा] बातमीदार(२)गुप्तचर
गोइयाँ पु०, स्त्री० जुओ गुइयाँ – साथी दोस्त
गोई स्त्री० [फा] कहेवानु (समासना उत्तर पदमां)(२)गाडी , गाडी, गाडली [ढांकवा छाट
गोक्षुर [स] गोखरु ना गायनी खरी
गोखा पु० गोख, बारी
गोघातक, –घाती, –घ्न वि० [स] गाहत्या करनार
गोचर पु० [स] गोचर, चरो
गोज़ पु० [फा] गांड मरबी ते, वाछूट
गोजई स्त्री जव अने घउं(भेगां वाव्यां ते)
गोजर पु० कानखजूरो
गोजरा पु० जुओ गोजई
गोजी स्त्री लाकडी (२) डांग
गोझा पु० गूजु खिस्सु (२) एक पकवान (३) एक काटाळु घास
गोट स्त्री० गोट किनारीना पट्टी, मुगजी (२) मंडळी (३) शतरंजनु महोरु (४) मिजबानी, जमण
गोटा पु० सोनेरी रूपेरी फीत किनार
गोटी स्त्री० कूटी (२) शतरंजनु महोरु
गोठ स्त्री० गोशाळा गोठो (२)गोठ (मिजबानी, सहेल के गोष्ठी)
गोड़ पु०पग(स्त्री० –ड़िया=नाना पग)
गोड़इत पु० गामनो चोकीदार
गोड़ना स० क्रि० गोडवु खोदवु जेथी माटी तळे उपर थई पोचु थाय
गोडा पु० खाटला वगरेनो पायो (२) घाडा (३) क्यारो आलवाल
गोड़ाई स्त्री० गोडवुं ते के तेनी मजूरी
गोड़ारी स्त्री० खाटलानी पागत (२) जूतियु [युक्तिबाज
गोड़िया स्त्री० जुओ 'गोड़' मां (२)पु०

गोडा स्त्री० लाभ, फायदा(२) गाड',पग
गोत पु० गोत्र, खानदान(२)(प)समूह
गोता पु० [अ] डूबकी –खाना=गोथु खाई जवु,फरेबमा सपडावु –मारना =डूबकी खावी (२) वच्चे डूबकी मारी जवु–जता रहवु
गोता खोर, –मार पु० डूबकी मारनार
गोत्र पु० [स] गोत्र कुल(२)समूह,दळ
गोद स्त्री० गोद, खोळा –पसारकर =खोळो पाथरीने, साव वश थईने –बठना = दत्तक जवु –भरना= खोळो भरवा
गोदनहरा पु० बळिया टाकनार
गोदना स० क्रि० गोडव खोसवु (२) गोदावबु (३)पु० छूदणु (४) वळिया टाकवानी सोय –गोदना=छूदणु छूदवु
गोदनी स्त्री० वळिया टाकवानी सोय
गोदा स्त्री० गोदावरी नदी (२) पु० नवी फूटली डाळी (३) वड पीपळ इ० ना पाको टेटा
गोदान पु० [स] गायनु दान करवु त
गोदाम प० माल्नु गोडाउन' –वखार
गोदी स्त्री० गोद, खोळो (२) आगबोट इ० नी गादी [गायोनु धण
गोधन पु० [स] गायो रूपी धन (२)
गोधूम पु० [स] घउ [सध्यानो समय
गोधूलि, –ली स्त्री० [स] गोरज–
गोन, –नी स्त्री० [स गोणी] गूण, छाल्कु (२) टाट [गोवना'
गोना स० क्रि० (प) गोपवु, छुपाववु,
गोनिया स्त्री० कडियानो ओळवो (२) पु० गूणो ऊचकनार
गोनी स्त्री० जुओ 'गोन' [गोवाळियो
गोप, –पाल पु० [स] गायोनो रखवाळ,
गोपाष्टमी स्त्री० [स] कारतक सुद आठम [(२) गोवाळण
गोपी, –पिका स्त्री० [स] व्रजनी गोपी
गोपुर पु० [स] मदिर के नगरनु द्वार –दरवाजा
गोफन, –ना पु० गोफण
गोफा पु० कूपळ नवा फणगा (२) स्त्री० गुफा
गोबर पु० गोमय, छाण (गायनु)
गोबरगणे(–ने)श वि० कदरूपु, बडोळ (२) मूर्ख, बेवकूफ
गोबरी स्त्री० लीपण (२) छाणु
गोबरला पु० छाणनो कीडो
गोभी स्त्री० एक शाक, फ्लावर'(२) एक घास (३) छोडनो एक रोग, 'गोभ' पण कहे छे
गोमय पु० [स] गोबर', छाण (गायनु)
गोमाय, –यु प० शियाळ
गोमुख पु० [स] गायनु मुख (२) माळा जपवानी गामुखी –नाहर, –व्याघ्र =देखवामा सीधो पण अति वाको माणस
गोमेध पु०[स]गायना बलिथी थतो यज्ञ
गोयदा पु० जुओ 'गोइ'दा
गोय पु० (प) दडो 'गद'
गोया अ० [फा] के जाणे, जाण के
गोर स्त्री० [फा] घोर कबर (२) वि० गोर, गोरु –व कफन=अत्यष्टि क्रिया
गोर कन पु० [फा] घोर खोदनार
गोरखधधा पु० झघडो, पचात
गोरखा पु० गुरखो
गोरस पु० [स] दूध, दही वगेरे
गोर(–रि)स्तान पु० [फा] कब्रस्तान

गोरा वि० गोरु (२) पु० गोरो – विलायतनो माणस (नाम ०ई स्त्री०, वि० स्त्री० –री)
गोरिल्ला पु० गोरीलो वादरो
गोरिस्तान पु० जुओ 'गोरस्तान'
गोरू पु० ढोर, पशु
गोलदाज़ पु० तोपची
गोलबर पु० घुमट (२) गोळाई
गोल वि० (१) पु० [स] गोळ वर्तुळ (२) [इ] फूटबॉल इ०नो गोल
ग़ोल पु० [फा] गोळ, मंडळी, जूथ
गोलक पु० [स] माटीनु मोटु कूडु (२) वकरो गल्लो (३) फंड (४) गोलक (गोळा इ०)
गोलगप्पा पु० एक नानी पूरी
गोल मिर्च स्त्री० मरी
गोला पु० गोळा (२) नारियळनो गोटो (३) मोटु दाणा बजार (४) वळो
गोलाई स्त्री० गोळाई गोळपणु
गोला बारूद स्त्री० दारूगोळो इ० युद्धसामग्री
गोली स्त्री० गोळी
गोलोक पु० [स] स्वर्ग (२) व्रज
गोवना स० क्रि० (प) जुओ 'गोना'
गोश पु० [फा] कान
गोश-गुज़ार वि०[फा](नाम –री स्त्री०) सांभळेलु –करना=निवेदन करवु, कहेवु [ल्टकतो मोतीनो तारो
गोशमाल पु० [फा] पाघडीमांथी
गोश माली स्त्री० [फा] कान आमळवा त (२) चेतवणी
गोश वारा पु० [फा] काननी वाळी के कुंडळ (२) पाघडीनो तरो (३) तोरो कलगी (४) सरवाळो तारण
गोशा पु० [फा] खूणो (२) एकांत (३) तरफ बाजू [(२) संसारत्यागी
गोशानशीन वि० [फा] एकांतवासी
गोशाला स्त्री० [स] गौशाळा
गोश्त पु० [फा] गोश, मांस
गोष्ठ पु० [स] गायो गमाण के गौशाळा (२) गोष्ठी वातचीत (३) मंडळी
गोष्ठी स्त्री० [स] वातचीत मंत्रणा (२) सभा मंडळी
गोसाइँ पु० गोसाई 'गुसाइँ'
गोस्तना, –नी स्त्री० [स] द्राक्ष
गोस्पंद, गोस्फंद स्त्री०[फा] घेटु, बकरु
गोह स्त्री० घो [गुहार (२) शोर
गोहरा पु० छाणु गोहरा,–री स्त्री० जुओ
गोहराना अ० क्रि० गुहरावु, मोटथी बोलवु, पोकारवु
गोहार (–रि, –री) स्त्री० रक्षण माटे बूम पाडवी ते पोकार (२) शोरबकोर
गौं स्त्री० [स] लाग, दाव (२) मतलब गरज –का यार=मतलबी
गौँघात पु० बरोबर लाग
गौ स्त्री० [स] गाय [गोखलो
गौख स्त्री० [स गवाक्ष] गोख बारी
गौखा पु० गोख (२) गायनु चामडु
ग़ौग़ा पु० [अ] (वि०–ग़ाई) घोंघाट कोलाहल, शोर (२) अफवा [पिटा
गौण वि०[स]ओछा के ऊतरता महत्त्वनु,
गौन पु० (प) गमन [एवी स्त्री
गौनहाई वि० स्त्री० जेनु आणु कर्युं होय
गौनहार स्त्री० 'गौनहाई' [धंधावाळी
गौनहार(–रिन,–री) स्त्री० गावाना
गौना पु० कन्याने वळाववी ते, आणु
ग़ौर पु० [अ]ग़ौर विचार,ख्याल ध्यान
ग़ौर तलब वि० [अ] विचारवा जेवु

गौरव पु० [स] मोटाई (२) भार, वजन (३) आदरमान

गौरी स्त्री० [स] गोरी स्त्री (२) पार्वती

गौरया स्त्री० एक जळपक्षी

गौहर पु० [फा] मोती

ग्यान पु० (प) ज्ञान

ग्यारस स्त्री० अगियारश

ग्यारह वि० अगियार, ११

ग्रंथ पु० [स] ग्रंथ, पुस्तक ०कर्ता, ०कार पु० ग्रंथलेखक

ग्रंथसाहब पु० शीखोनु धर्मपुस्तक

ग्रंथि स्त्री० [स] गांठ (२) बंधन

ग्रसना स० क्रि० ग्रसवु, पकडवु

ग्रस्त वि० [स] पकडायेलु, फसायेलु

ग्रह पु० [स] ग्रह तारो (२) ग्रहण

ग्रहण पु० [स] ग्रहवु–पकडवु के लेवु ते (२) सूर्यचंद्रनु ग्रहण

ग्रांडील वि० [इ ग्रॅन्जर] ऊंचु ने मोटु

ग्राम पु० [स] गाम

ग्रामीण, ग्राम्य वि० [स] गामडानु (२) गामडियु, गमार

ग्रास पु० [स] कोळियो (२) ग्रसवु ते

ग्राह पु० [स] ग्रहण (२) मगर

ग्राहक पु० घराक (२) ग्रहण करनार

ग्राही वि० [स] कबजियात करे एवु

ग्राह्य वि० [स] ग्रहण करवा योग्य

ग्रीष्म स्त्री० [स] ग्रीष्म ऋतु, उनाळो

ग्रीवा स्त्री० [स] गरदन

ग्रेज्युएट पु० [इ] ग्रॅज्युएट, स्नातक

ग्रेन पु० [इ] ग्रेन वजन

ग्लानि स्त्री० [स] अरुचि, अभाव, [खिन्नता

ग्लास पु० [इ] काच (२) 'गिलास'–प्यालो

ग्वार स्त्री० गवार

ग्वारपाठा पु० कुंवारपाठु

ग्वारफली, ग्वारी स्त्री० गवारफळी

ग्वाल, –ला पु० (स्त्री० –लिन) गोवाळ

ग्वडा पु० गाम पासेनी जगा

ग्वडे अ० पासे

घ

घँघरा पु० 'घघरा', घाघरो

घँघरी स्त्री० घाघरी

घँघोर(–ल)ना स० क्रि० प्रवाही हलावीने तेमां घोळवु (२) डखोळवु

घंटा पु० [स] घंट (२) कलाक (३) मोटु (भींतनु) घडियाळ

घंटाघर पु० टावर

घंटी स्त्री० नानो घंट (२) घूघरी (३) गळानो घोघरो (४) गळा वच्चे लटकती पडजीभ

घई स्त्री० (प) भमरो, वमळ (२) वि० [घेरु, ऊंडु

घघरा पु०, –री स्त्री० जुओ 'घाघरा, रा'

घट पु० घडो [स] (२) शरीर (३) स्त्री० घट कमी (४) वि० घटत थाड

घटक पु० [स] मध्यस्थ पंच (२) दलाल (३) घडो (४) एकम अवयव

घटका पु० छवटनो श्वास, घाघरो बोलवो ते

घटती स्त्री० घट कमी (२) पडती [(३) अप्रतिष्ठा

घटना अ० क्रि० घटवु, बनवु थवु (२) घटवु, बंधबेसवु लागु पडवु (३) ओछु थवु (४) स्त्री० घटना, बनाव

घटघड़ स्त्री० वधघट
घटवार पु० नदीघाटनु महसूल लेनार (२) हाडीवाळा (३) घाट पर दान लेनार ब्राह्मण
घटवारि(-लि)या पु० घाट ने तीथना ब्राह्मण-पंडा [गाड इ० नी)
घटा स्त्री० [त] घटा, जमावट (वादळ,
घटाना स० क्रि० घटाडवु, कम करवु
घटाव पु० घटाडो (२) नदीमा ओट
घटित वि० [त] थयलु बनलु [ऊन्टु
घटिया वि० हलकु सस्तु वढियानु
घटिहा वि० गठियु, लुच्चु (२) बदमाश
घटी स्त्री० कमी (२) 'घाटा', नुकसान (३) [स] घडी
घट्टा पु० घाटा, कमी (२) चीरा, फाट -खुलना=फाटवु चीरा पडवो
घट्ठा पु० (शरीर पर पडतु) आटण
घडघडाना अ०क्रि० गगडवु (नाम -हट स्त्री०) [मा ऊतरी जवु शरमावु
घडा पु० घडा घडो पानी पड जाना=
घडिया स्त्री० धातु गाळवाना अगीठी
घडियाल पु० घट घडियाळु (२)मगर
घडियाली पु० घट वगाडनार
घडी स्त्री० घडी, समय(२)वडियाळ घडी घडीकी खबर मागना=चालु चितामा रहेवु -में तोला, घडीमें मासा=झट बदलाया करतु
घडीसाज पु०घडियाळी(नाम,-जी स्त्री०)
घडौंची स्त्री० पाणीनु वासण राखवानी घाडी
घतिया पु० घातक (२) दगो देनार
घन पु०[स] घण, हथोडो (२) घन, वादळ (३) वि० घाटु घेरु (४) घन मापनु, नक्कर
घनघनाना अ०क्रि० गडगड अवाज थवा, गाजवु (नाम -हट स्त्री०)
घनघोर वि० बहु घेरु (२) पु० खूब गडगडाट, गर्जना
घनचक्कर पु० मूर्ख माणस (२) एक दारूखानु-जलेबी (३) चक्कर, फेरा -में आना या पडना=चक्करमा पडवु, मूझावु, गभडावु
घनसार पु० [स] कपूर
घना वि० (स्त्री० -नी) घन घाडु, गीच (२) नजीकनु (३) खूब, घणु
घनिष्ठ वि० [त] अति गाढ के घेरु
घने, घनेरा वि० घणु बहु, अपार
घन्नई स्त्री० माटीना हाल्ला के मोटा लावडानो बनावेला तरापा
घपची स्त्री० बाथ के हाथथी पकडवु ते -बांधना=बाथ भीडवी, बाथमा लेवु
घपला पु० गरबड, गोलमाल
घबडा(-रा)ना अ०क्रि० गभरावु (२) रघवाट थवा (३) मूझावु (४) स०क्रि० गभराववु
घबडा(-रा)हट स्त्री० गभराट
घमड पु० गर्व अभिमान शेखी -पर आना, होना=घमडमा आववु गर्व करवो
घमडी वि० अभिमानी घमडवाळु
घमका पु० धमधम अवाज (२) घुम्मो ठासो (३) 'घमसा', गरमी घाम
घमस स्त्री०, -सा पु० घाम, उकळाट (२) अधिकता [युद्ध
घम(-मा)सान पु० घमसाण भयकर
घर पु० घर, मकान (२) कुळ (३) कोठो, खानु, स्थान -का उजाला या चिराग=पुत्र, सतान -की मुर्गी

ढाल बराबर=निकटनी-घरनी वात वस्तुनी वदर न थवी घर घरका होना-हो जाना=माया मार्या फरवु -में भूजी भाग न होना=बहु गरीव हावु -सिर पर उठा लेना=डोहा करवु, उवमात मचाववा [अवाज थवी
घरघराना अ० क्रि० घर घरवु, घरर
घर-घाट पु० रगढग अवस्था [स्त्री
घरनी स्त्री०[प्रा घरणी]गृहिणी, घरणी,
घरफोरी स्त्री० कुटुवक्लेश करावनारी
घरउसा पु० यार, उपपति (स्त्री०-सी)
घरवार पु० घरवार, ठाम ठेकाणु, माल-मिलकत (२) घरसमार, कुटुवकवीलो
घरबारी पु० गहस्थ, घरससारी
घरवाला पु० घरवाळो, पति, घर मालिक (स्त्री० -ली)
घराऊ वि० घर सम्बन्धी(२)निजी घरनु
घराती पु० कन्यापक्षना लोक
घराना पु० घर खानदान, कुळ
घरू वि० जुओ 'घराऊ'
घरेलू वि० पाळेलु (२) 'घरू', घरनु खानगी (३) घेर बनेलु
घरौंदा, -धा पु० घर घर रमवा माटे बाळक बनावे छ ते घर
घम पु० [स] घाम, ताप
घर्रा(०टा) पु० कफ घररर बोले त
घलना अ० क्रि० छूटी जवु, फेकावु (२) मारामारी थवी
घलाघल, -ली स्त्री० मारामारी
घलुआ पु० खरीदनारने उपरथी छटनु वधारे आपवु त
घसिटना अ० क्रि० घसडावु
घसियारा पु० घास वेचनारो
घसीट स्त्री० घसरडवु त
घसीटना स० क्रि० घसरडवु, ढसरडवु
घस्सा पु० 'घिस्सा', घिस्सा
घहर(-रा)ना अ० क्रि० गजना जवी अवाज काढवो
घाँघरा पु० 'घाघरा'
घाटी स्त्री० गळु के अदरनी पडजीभ
घाई स्त्री० बाजु, तरफ (२) वार, 'दफा' (३) पाणानो वमळ, भमरो
घाऊघप वि० जुओ 'गाऊघप्प'
घाग, घाघ पु० भारे चतुर माणस
घाघरा पु० घाघरो
घाट पु० [स] जळाशयनो घाट, ओवारा (२) पहाड के पहाडी रस्ता (३) घाट, ढा, लाग
घाटवाल पु० जुओ 'घाटिया'
घाटा पु० घट, खोट, हानि [ब्राह्मण
घाटिया पु० 'घटवार', घाट के तीर्थनो
घाटी स्त्री० खीण, पर्वतो वच्चेनो पहाडी साकडो रस्तो
घात पु० [स] घा, प्रहार (२) घात, वध (३) स्त्री० लाग, दाव, सुवाग (४) खराब करवानो लाग ताकवो ते -चलाना=जतरमतरवु -पर चढना, -में आना=लागमा आववु -में फिरना =लागमा फरवु लक साधवी (खराब करवा) -लगना=लाग खावो, मोको मळवो
घातक वि० [स] मारनार (२) हिंसक (३) पु० हत्यारो (४) शत्रु
घातकी, घाती वि० घातक, हत्यारु
घान पु०, घानी स्त्री० [स घन] घाण, रावना दळवा खाडवा इ०मा एकसाथ लेवातो समूह (२) प्रहार [पीलवु
घानी स्त्री० घाण (२) समूह -करना=

घाम पु० सूयनो ताप, गरमी [मूख
घामड वि० घामथी पीडातु (पशु) (२)
घाय पु० घा, चाट, जखम
घायल वि० जखमी, घवायेलु
घाल,–ला पु० जुओ 'घलुआ' –न गिनना=तुच्छ समजवु
घालना स० क्रि० मारी नाखवु (२) घाल्वु, खोसवु (३) बगाडवु
घालमेल पु० घाल्मेल, गरबडसरबड (२) मेळ मिलन, सयोग
घाव पु० घाय, घा –देना=दुग्व देवु, आघात पहोचाडवो –पूजना, भरना =घा मटवा
घास स्त्री० घास तण चार–काटना, खोदना=घास कापवु, नकामु के व्यथ काम के महेनत करवी –खाना= पशु जेवु–वाजरु बनवु [पूजो
घास पात,–फूस पु० घास-पादडु, कचरो
घिग्घी स्त्री० डूसकु के भयथी खमचाता बोल्वु के न बोलवु ते –बँधना=डरथी मो बध थवु [प्रार्थना करवी
घिघियाना अ० क्रि० करुण अवाजे
घिचपिच स्त्री०सकडाश, जगानो तगी (२) वि० जुओ 'गिचपिच'
घिन स्त्री० घृणा अरुचि, ऊबको, सूग
घिनाना अ० क्रि० 'घिन' ऊपजवी
घिनावना, घिनौना वि० 'घिन'–घृणाजनक खराब
घिन्नी स्त्री०गरेडी 'घिरनी'(२)चक्कर
घिया स्त्री० दूधी, 'कद्दू'
घियाकश पु० कद्दूकश' छीणी
घिया-तरोई, –तोरई, –तोरी स्त्री० एक शाक गलकु (?)
घिरना अ० क्रि० घराई जवु, घरावु
घिरनी स्त्री० गरेडी (२) दारडाने वळ देवानी फीरकी
घिराई स्त्री० घरवु त (२) ढारने चारवा ल्ई जवु त के तेन महनताणु
घिराव पु० घेरावु ते (२) घरो
घिसना स०क्रि० घसवु (२) अ० क्रि० घसावु
घिसघि(–पि)स स्त्री० घालमेल्थी थतो विलव ढील, दीघसूत्रीपणु
घिसाई स्त्री० घसवु ते के तेथी पडतो कचरो के तेनी मजूरी
घिसाना,घिसवाना स०क्रि० घसाववु
घिस्सा पु० घिस्सा, घसरको (२) धक्को
घी पु० घी, घत –का कुप्पा लुढ़ना, –के कुप्पे लुढ़कना=भारे नुकसान थवु –का डोरा (देना)=घीना दोरो देवो (भात इ०मा) ऊनु घी नाखवु –के दीए जलाना या भरना=खूब माणवु सुखचेनमा रहवु –खिचडी होना=भारे प्रेम के दोस्ती या बनाव होवा
घी कुवार पु० कुवारनु पाठु
घुइँया स्त्री० अळवी कद
घुघची स्त्री० चनोठी रती
घुघनी स्त्री० कोई अन्न पलाळी ते तळीने थतु खाद्य घूघरी जवु
घुघरारे,–ले वि० वाकडिया (वाळ) (स्त्री० –री, –ली)
घुघरू पु० घूघरी (२) घूघरीवाळु पगनु घरेणु (३) जुओ घटका [गारियु
घुडी स्त्री० कपडानु गाळ गागडी जेवु
घुग्घी स्त्री० कामळाने निकोण वाळी बनावातु माथानु आढण
घुग्घू, घुघुआ पु० घुवड

घुघुआना अ० क्रि० घुवड पेठे घुघु बोलवु (२) बिलाडीनु घूरकवु
घुटकना स०क्रि० गटगटावी जवु, पीवु
घुटकी स्त्री० गळानी अन्ननळी
घुटना पु० घूटण –टेकना=घूटणे पडवु, तावे थवु घुटनोमें सिर देना=चिंता के शरमथी माथु नीचु करवु, पस्तावु
घुटना अ० क्रि० श्वास घूटावो (२) घूटावु (३) घसावु जेथी सुंवाळु थाय ने चळके घुट घुटकर मरना=खूब पीडाईने मरवु घुटा हुआ=बहु चालाक
घुटन्ना पु० जांघिया
घुटाई स्त्री० घूटवु के घसवु ते
घुट्टी स्त्री० बाळकने पाचन माटे पिवाडाती दवा –में पडना=गळथूथीमा पडवु, स्वभावमा होवु
घुड(–र)कना स० क्रि० घूरकवु, क्रोधथी घाटो काढीने कहेवु
घुडकी स्त्री० घूरकवु के वढवु ते
घुडचढा पु० घोडेसवार
घुडदौड स्त्री० घाडदाड [नोप
घुडनाल स्त्री० घोडा पर चडती एक
घुडबहल स्त्री०घोडवहल घोडानी वहेल
घुडसवार पु० घोडेसवार
घुडसार(–ल) स्त्री० घाडार तबेलो
घुन पु० अनाज वगेरेमा पडतो एक जीव –लगना=ए जीव पडवा (२) सडवु, खवावु
घुनघुना पु० घूघरो (रमवानो)
घुनना अ० क्रि० 'घुन'थी खवावु
घुन्ना वि० (स्त्री० –न्नी) क्रोध, द्वेष इ० मनमा दाबी राखनार
घुप वि० गाढु, घोर (अंधारु)
घुमक्कड वि० सहेलाणी, खूब घूमनार
घुमटा पु० माथु घूमे–चक्कर आवे ते
घुमड स्त्री० वादळा घरावा त
घुमडना अ० क्रि० वादळ घेरावा (२) एकठु थवु, छवावु ['घुमनी'
घुमडी स्त्री० घुमरी, चकरी (२)जुओ
घुमना वि० (स्त्री०–नी)जुओ 'घुमक्कड'
घुमनी स्त्री० गोळ गाळ फरी गबडी पड एवो पशुरोग [(३) जुओ 'घुमनी'
घुमरी स्त्री० चकरा (२)पाणीनो वमळ
घुमाना स० क्रि० घुमाववु फेरववु (२) कशामा लगाडवु
घुमाव पु० घूमवु के घुमाववु ते (२) फेर चक्कर(३)रस्तानो वळाक [अवाज)
घुमुर अ० घम्मर घम्मर (चक्कीनो
घुरकना स० क्रि० जुओ 'घुडकना'
घुरघुराना अ०क्रि० गळामाथी घर घुर अवाज नीकळवो
घुरना अ० क्रि० घोर अवाज थवो
घुलना अ० क्रि० ओगळवु (२) मळी जवु (३) क्षीण थवु (४) समय वीतवो (प्रेरक घुलवाना, घुलाना) घुल जाना =बहु कमजोर थवु घुल मिलकर= खूब हळी मळीने घुला हुआ=वृद्ध
घुसना अ० क्रि० घूसवु
घुसपठ स्त्री० प्रवेश गति
घुसाना, घुसेडना स० क्रि० घुसाडवु
घूघट पु० घूघट घूमटो –उठाना, –उलटना=घूमटो दूर करवा मो देखाडवु –करना,–काढ़ना, निकालना, –मारना=घूमटो ताणवो,लाज काढवी
घूघर पु० वाळनु वाकडियु जुल्फु
घूघरवारे(–ले) वि० जुओ 'घुघराले'
घूट पु० घूटडो –भरना, –लेना= घूटडो भरवो घूटडे घूटडे पीवु

घूटना स० क्रि० घूटडा उतारता पीवु
घूटा स्त्री० जुआ घूट्टी
घूँसा पु० ठूसा, मुक्का
घूक [स], घूघू पु० घुवड घुग्घू'
घूटना स०क्रि० जुआ 'घूटना (२)'चावव्
घूटर (गळु)
घूम स्त्री० जुआ घुमाव
घूमना अ०क्रि० फरवु,टहलवु(२)घूमवु,
भमवु
घूर(-रा) पु० कचरोपूजो कं त
नाखवाना जगा – उकरडो
घूरना अ० क्रि० गुस्सायी एकीटसे
जोया करवु (२) कुदृष्टि करवी
घूस स्त्री० लाच (२) छछूंदर (?)
घूसखोर वि० लाचखोर लांचियु
घृणा स्त्री० [स] अणगमो तिरस्कार,
नफरत
घृणित वि० [स] घृणापात्र
घृत पु० [स] घी
घृतकुमारी स्त्री० [स] कुवारपाठु
घेंटा पु० डुक्करनु बच्चु
घेघा पु० गळाना नळी (२) गळाना
सोजानो एक रोग
घेर पु० घेर, घेरावो परिघ
घेरना स०क्रि० घेरवु(२)खुशामत करवी
घेरा पु० घेर घरावो (२) घेरो (३)
वाडा के घरनी हद [घिराई'
घेराई स्त्री०, -व पु० घेर, घेरावो
घेवर पु० घेवर एक पक्वान
घोंघा पु० घोघो पाणीनो एक जाव
(२) वि० नि सत्त्व (३) मूर्ख
घोंटना स०क्रि० घूटडे घूटडे पीवु (२)
जुओ घोटना
घोंसला, घोसुआ पु० पक्षीनो माळो
घोसना स० क्रि० गोखवु
घोटना स० क्रि० सुवाळु के चमकतु
करवा घूटवु घसवु (२) घूटवु (३)
गोखवु (४) घडवु (५) गळु भीसवु
घोटाला पु० गोटाळो
घोडबच स्त्री० घोडावछ औषधि
घोडसार,-ल स्त्री० घोडासार, तबेलो
घोडा पु० घोडो ( ) घूटी (कपडा
माटे) –उठाना, –डालना, –फेंकना=
घोडो तेज करवो –खोलना = घोडो
छोडवो, साज वगर दूर करवु (२)
घोडो चोरवो –फेरना=घोडो पलाटवो
गोळ गोळ फेरववो –मारना=घोडो
मारी मूकवो
घोडा-नस स्त्री०एडी आगळनी धोरी नस
घोडिया स्त्री० नानी घोडी (२)
भीतनी खूटी
घोडी स्त्री० घोडी (२) लाकडानी
घोडी (३) वरपक्षनु लग्नगीत –चढ़ना
=घोडे चढवु परणवा जवु
घोर वि०[स]भयकर विकराळ (२)
गीच, दुर्गम (३) घेरु ऊडु (४) अति
खराब, पापी (५) अतीव, खूब (६)
स्त्री० घोर अवाज, गर्जना
घोल पु० घोळी ओगाळीने करेलु ते
घोलना स० क्रि० घोळवु
घोष पु० [स] मोटो अवाज (२) गोवाळ
के तेमनो वास [जाहेरात
घोषणा स्त्री० [स] गर्जना (२) ढंढेरो,
घोसी पु० घाची दूध वेचनार
(मुसलमान)
घौद पु० फळोनी लूम (केळानु) गोढ
घ्राण पु०, स्त्री० [स] सूघवु ते (२)
नाक (३) वास, बू

च

चक्रमण पु० [स] आम तम फरवु आटा मारवा ते
चग स्त्री० [फा] चग वाजु (२) पतग (३) पु० गजीफानी चग रमत (४) वि० [स] सरस, सुदर, चगु –उमहना, –चढना=चगनु, खूब जोर थवु –पर चढाना=वातचीत करीने–चगावीने मेळवी लेवु
चगा वि० (स्त्री० –गी) चग, चगु
चगुल पु० चगूल, पशु-पक्षीनो पजो (२) चुगल –में फँसना=चुगल्मा फसावु
चँगेर (री, लीं) स्त्री०वासनी छावडी के टोपली (२) मशक, पखाल (३) वाळकनु खोयु
चचरी स्त्री० भमरी (२) एक छद
चचरीक पु० [स] भमरो
चचल वि० [स] चचळ, अस्थिर (२) चपळ ०ता, ०ताई (प) -लाई स्त्री०
चचला स्त्री० [स] वीजळी (२) लक्ष्मी (३) एक छद
चचु, (०का, –चू) स्त्री० [स] चाच
चट वि० चालाक पहाचेल, पाकु
चड वि० [स] उग्र, तीव्र (२) भयकर (३) क्रोधी (४) पु० ताप
चडाशु पु० [स] सूरज
चडाल प०[स]चडाळ (२) नीच माणस
चडावल पु० सेनानो पाछलो भाग, 'हरावल'थी ऊलटो (२) पहेरगीर
चडिका, चडी स्त्री० [स] दुर्गा के काली देवी(२)त्रढकणी के ककशा स्त्री
चडू पु० चडूल, अफीणनी एक मादक वस्तु ०खाना पु० चडूल पीवाना अड्डो
चडूल पु० चडाळ पक्षी
चडोल पु० एक जातनी पालखी, मना
चद पु० [स] चद्र (२) वि० [फा] थोडुव (सख्यावाचक)
चदक पु० [स] चद्र (२) चादनी (३) एक घरणु (४) एक माछली
चदन पु० [स] सुखड के तनु थाड
चदनी स्त्री० (प) चादनी [अस्थायी
चद रोजा वि० [फा] थोडा दिवसन,
चँदला वि० 'गजा माथे तालवाळु
चँदवा पु० च दरवो
चदाँ अ० [फा] आटलु (२) आटली वार
चदा पु० चदा, चद्र (२) [फा] फड, फाळो (३) लवाजम
चँदिया स्त्री० खोपरी, तालकु (२) चानकी, नानो (छेवटे वधेला लोटनो) रोटलो
चद्र पु० [स] चादो ०कला स्त्री० चद्रनी कळा ०मा पु० चादो ०मौलि, ०शेखर पु० शकर
चद्रिका स्त्री० [स] चादनी [दवा
चद्रोदय पु० [स] चद्रनो उदय (२) एक
चपई वि० चपाना रगनु पीळु
चपक पु० [स] चपो [पनडवी
चपत बनना, होना=छू थई जवु, चलती
चँपना अ०क्रि० दवावु, चापवु (२) स०क्रि० दवाववु
चपा पु० चपो फूलझाड

चपू पु० [स] काव्यनो एक प्रकार
चँवर पु० चामर (२) घाडा हाथीना माथानी कलगी -ढलना = चामर ढोळावो ०ढार पु० चामर ढाळनार
चउ वि० चो समासमा 'चार' अथमा आवे छे उदा० चउरम, चउपाइ इ०
चक पु० चक्र, पैडु (२) 'चकई' रमकडु (३) चकवा पक्षी (४) जमीननो मोटो टुकडा (५) गामडु (६) अधिकार (७) वि० भरपूर (८) चकित
चकई स्त्री० चकवी, 'चका' नु स्त्री० (२) गोळ फेरववानु एक रमकडु
चकचकाना अ० क्रि० चमकु चरवु तकतकवु
चकचून वि० चूरेचूरा थयेलु चकचूर
चकचौंध स्त्री० जुओ 'चकाचौंध'
चकचौंधना अ० क्रि० तेजथी अजावु
चकती स्त्री० चकती (२) ढीगलो बादलमें चकती लगाना = असभव वात करवा मथवु
चकत्ता पु० चकामु (२) दात बठानु चिह्न (घा नहि) [चकित थवु
चक(-का)ना अ०क्रि० (प) चाववु
चकनाचूर वि० जुओ 'चकचून (२) बहु थाकेलु
चकफेरी स्त्री० चकरडी, परिक्रमा
चकबदी स्त्री० जमीनना भाग - पटा नक्की करवा ते
चकमक पु० [तु] चकमक पथ्थर
चकमा पु० थाप, फरेब (२) हानि
चकमाक पु० चकमक
चकमाकी वि० चकमकनु के चकमक वाळु (२) स्त्री० बदूक
चकर पु० (प) चक्कर (२) चकवा पक्षी
चकरबा पु० चक्कर, गूचवाडा (२) ऱगडो
चकरा वि० (स्त्री० -री) चोडु पहोळु
चकराना अ० क्रि० (माथु) घूमवु, चक्कर आववा (२) चकित थवु (३) स० क्रि० चकित करवु
चकला पु० रोटली वणवानी आडणी, चकलो (२) वश्यावाडा (३) चकलु, विभाग इलाको (४) घटी (५) वि० जुओ 'चकरा'
चकली स्त्री० गरेडी (२) आरसडी (३) वि० स्त्री० 'चकला' [मित्रोनो हामीजल
चकल्लस स्त्री० कचकच बघडो (२)
चकवा पु० चक्रवाक - चकवो पक्षी (स्त्री० -वी) [पक्षी चकवा
चका पु० चक्कर, पडु (२) चक्रवाक
चकाचक वि० (रव०) खूब, लथपथ, तरबाळ (२) स्त्री० तलवार इ०नी उपराउपरी अवाज के तेनी झडी
चकाचौंध स्त्री० तेज आगळ आख अजावी ते, 'चकचौंध'
चकाना अ० क्रि० (प) जुओ 'चकना'
चकाबू(०ह) पु० चक्रव्यूह, चक्कर
चकित वि० [स] चाकरु, विस्मित, गभरायेलु
चकुला पु० (प) चकला पक्षी
चकोटना स० क्रि० चूटी खणवी
चकोतरा पु० चकोतरु, पपनस
चकोर पु० [स] एक पक्षी (स्त्री० -री)
चक्कर पु० चक्र (२) फेर घर (२) गूचवाडो -काटना, मारना = फेरो मारवो
चक्का पु० पडु, चक्र
चक्की स्त्री० घटी (२) घूटणनी ढाकणी (३) वीजळी -पीसना = दळवु

चक्र पु० [स] चक्र, पडु (२) पाणीनु वमळ (३) कुभारनो चाक
चक्रधर, चक्रपाणि पु० [स] विष्णु
चक्रवाक पु० [स] चकवो पक्षी
चक्षु पु० [स] आख
चक्षुष्य वि० [स] आखने प्रिय के हितकर (२) पु० अजन
चख पु० चक्षु (२) [फा] झघडो, तकरार
चखचख पु० तकरार, बोलाबोली
चखना स०क्रि० चाखवु (प्रेरक **चखाना**)
चखाचखी स्त्री० 'चख', तकरार, लडाई
चगड वि० चालाक, होशियार
चचा पु० (स्त्री० **–ची**) काका, 'चाचा' **–बनाना**=वेर वाळवु
चचिया वि० काका बरोबरनु **–ससुर**= काकाजी **–सास**=काकीसासु
चचेरा वि० (स्त्री० **–री**) काकानु **–भाई**=काकाना दीकरो [दावीने)
चचोड(–र)ना स०क्रि० चूसवु (दातथी
चट अ० चट, झट **–कर जाना**= बधु खाई जवु (२) बीजानु उठावी जवु
चटक स्त्री० चमक (२) जलदी (३) अ० चट झट (४) वि० चमकतु (५) चपळ (६) मजेदार
चटकदार वि० लहेजतदार, स्वादु (२) मनोहर आकर्षक चमकतु
चटकन पु० 'चटकना', तमाचो
चटक(–ख)ना पु० तमाचा (२) अ०क्रि० चट अवाज करवो (३) चीरा पडवा ततडवु, तरडावु (४) खीलवु (फल) (५) चटी जवु, अणबनाव थवो
चटक(–ख)नी स्त्री० बारी बारणानी आकडी, 'सिटकनी'
चटक मटक स्त्री० हावभाव, नाच नखरा
चटका(–खा)ना स० क्रि० तोडवु, चीरवु (२) आगळीना टचाका बोलाववा (३) चट चट अवाज नीकळे एम करवु (४) चीडववु, गुस्से करवु **जूतियां चटकाना** = जूता घसडता–मार्या मार्या फरवु ['चटकदार'
चटकारा(–रेका), चटकीला वि० जुओ
चटनी स्त्री० चटणी
चटपट अ० झटपट, चटचट
चटपटा वि० लहेजतदार, मसालेदार
चटपटी स्त्री० तालावेली अधीराई (२) अकळामण
चटाई स्त्री० सादडी (२) चाटवु ते
चटाक(–ख) पु० आगळीनो टचाको
चटाका(–खा) पु० कडाका, टचाको, काई कठण तूटवानो अवाज **चटाकेका** =बहु तेज उग्र [(३) लाच आपवी
चटाना स० क्रि० चटाडवु (२) खवडाववु
चटापटी स्त्री० उतावळ (२) चेपी रोगथी टपाटप मरवु ते
चटावन पु० बाळकनो अन्नप्राशन संस्कार
चटियल वि० झाडपान वगरनु चोख्खु चट (मेदान)
चटोरा वि० चटूडु सवादियु (२) लोलुप
चट्टान स्त्री० मोटो पहोळो खडकनो पथ्थर, मोटी पहोळी शिला
चट्टा-बट्टा पु० रमकडानो समूह **एक ही थलीके चट्टे-बट्टे**=एक ज –मळना माणस **चट्टे-बट्टे लडाना**=आपसमा लडावी मारवु
चट्टी स्त्री० पडाव (२) स्लीपर जोडा (३) खोट नुकसान (४) दड **–धरना** =दड लगाववा **–भरना**=नुकसान भरी आपवु

चट्टू वि० 'चटोरा', स्वादिय्
चट्टत स्त्री० देवन चडावानी भट
चढ़ना अ० क्रि० चडवु चढ़ बढ़कर होना=चढियातु हावु चढ़ बनना= फावचु लाग खावो
चढ़ाई स्त्री० चडवु ते (२) चढाई (३) जडाव (४) पूजापा के नवद्य वगरे
चढ़ा उतरी स्त्री० चडउतर
चढ़ा ऊपरी, चढ़ाचढ़ी स्त्री० चडसा चडसी स्पर्धा हाट
चढ़ान स० क्रि० चडाववु (२)पी जवु
चढ़ाव पु० चडवु ते (२) चडाव (जेम के पहाडना, नदीना) (३) जुओ 'चढावा
चढ़ावा पु० लग्न वेळा वर बधूने आपे छे ते घरेणु (२) पूजापो (३) उत्साह हिमत –देना=उत्साह देवो, उत्तजवु
चतुरग वि० [स] चार अगवाळु (सेना इ०) (२) पु० शतरज [प्रवीण
चतुर वि० [स] चालाक होशियार (२)
चतुर्थ वि० [स] चोथु [विभक्ति
चतुर्थी स्त्री० [स] चोथ (२) चोथी
चतुर्दशी स्त्री० [स] चौदश
चतुर्दिक (–ग) पु० [स] चार दिशा (२) अ० चातरफ [आकृति (२) विष्णु
चतुर्भुज पु० [स] चार बाजुवाळी
चतुर्वर्ग पु० [स] चार पुरुषार्थ–धर्म, अर्थ, काम ने मोक्ष
चतुर्वर्ण पु० [स] चार वर्णो–ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य अने शूद्र ['चौकोना'
चतुष्कोण पु० [स] चार खूणिया आकृति
चतुष्टय पु० [स] चारनो समूह
चतुष्पद वि० (२) पु० [स] चोपगु
चदरिया स्त्री० (प) चादर
चद्दर स्त्री० चादर (२) धातुनु पतरु
चनक (–ख) ना अ० क्रि० गुस्से थवु, चडी जवु, तडकना
चना पु० चणा चनेका मारा मरना= बहु नबळु पडी जवु [अ० डाडु अमणु
चप वि० [फा] डाबु –व रास्त वि० (२)
चपकन स्त्री० एक जातनु अगरखु (२) टूक अगरखी बेसाडीने वासवानो कळ
चपक (–ट) ना अ० क्रि० जुओ 'चिपकना'
चपटा वि० जुओ 'चिपटा चपटु
चपडा पु० लाख–चपडालाख (२) वंदो
चपडा (–रा) स स्त्री० चपराशी–पटावाळाना पटानो तगती
चपडा (–रा) सी पु० चपरासी, पटावाळो
चपत स्त्री० तपट, तमाचो
चपती स्त्री० पट्टी, फूटपट्टी
चपना अ० क्रि० दबावु (२) शरमावु
चपनी स्त्री० चपणु (२) हाल्ली के घूटणनी ढाकणी
चपरना स० क्रि० (प) चोपडवु 'चिपडना
चपरास, –सी जुओ 'चपडास –सी'
चपल वि० [स] चपळ चचळ (२) पु० पारो
चपला स्त्री० [स] 'चचला' वीजळी (२) लक्ष्मी (३) जीभ (४) वि० स्त्री० चपळ (स्त्री०)
चपाट पु० सपाट खासडी
चपाती स्त्री० चपाटी रोटली
चपाना स० क्रि० चपना नु प्रेरक
चपेट स्त्री० [स] –टा पु० चपेट, थप्पड (२) आफत (३) आघात, धक्को
चपेटना स० क्रि० दबाववु (२) धमकाववु
चपेटा पु० जुओ 'चपेट'
चप्पल पु० चपल

चप्पा पु० चोथा भाग (२) थाडो भाग के जगा (३) चार आगळ जगा
चप्पी स्त्री० चपी
चप्पू पु० हलेसु, चाटवो
चबाना स० क्रि० चाववु
चबूतरा पु० चबूतरो, चोतरो (२) मोटु पालीस थाणु [नास्तो
चबेना पु० चवाणु –नी स्त्री० हाजरी,
चभोरना स० क्रि० झबोळवु
चमक स्त्री० चमक, काति, झळव (२) चसक –देना, –मारना = चमकवु –पडना = चसक आववी
चमक चादनी स्त्री० बनी ठनी रहेनारी नखरवाज स्त्री
चमक-दमक स्त्री० चमक (२) ठाठमाठ
चमकदार वि० चमकतु
चमकना अ० क्रि० चमकवु (२) चसक आववी के मारवी
चमकाना स० क्रि० चमकावव, चमकतु करवु (२) चोकाववु (३) चीडववु (४) चगाववु
चमकारा पु० चमकारा
चमकीला वि० चमकतु (२) शानदार
चमकौवल स्त्री० चमकाववु ते
चमगादड पु० चामाचीडियु
चमचमाना अ० क्रि० चमकवु (२) स० क्रि० चमकाववु
चमचा पु० [फा] चमचा (२) चीपियो –ची स्त्री० नानो चमचो के चीपियो
चमजु(–जो)ई स्त्री० चामजू (२) जू पठे वळगे त [=चामडु कमाववु
चमडा पु० चामडु (२) छाल –सिझाना
चमडी स्त्री० चामडी [आश्चर्य
चमत्कार पु० [स] अद्भुत घटना (२)
चमत्कृति स्त्री० [स] चमत्कार
चमन पु० [फा] बगीचो
चमर पु० [स] चमरी गाय (२) चम्मर
चमरख स्त्री० चमरखु (२) वि० चमरखा जेवी सुकलकडी (स्त्री)
चमला पु० भिखारीनु चपणु
चमार पु० चामडियो –रिन स्त्री० चमारण
चमारी स्त्री० चमारकाम (२) चमार स्त्री
चमू स्त्री० [स] सेना, फोज
चमेली स्त्री० चपेली फूलवेल
चमोटा पु०, –टी स्त्री० हजामनो चामडाना टुकडो [(३) जुओ चमोटा
चमोटी स्त्री० चाबुक (२) पातळी सोटी
चमौवा पु० रद्दी खासडु
चम्मच पु० चमचो के चमची
चय पु० [स] गलो, समूह, सग्रह
चयन पु० [स] सग्रह (२) चूटणी करवी ते
चर पु० [स] दूत जासूस (२) वि० अस्थिर, फरतु
चरई स्त्री० ढोरने चारो पाणी नीरवानं हाज के कूडी जेव स्थान, गमाण
चरक पु० [स] चर, दूत (२) जासूस (३) मुसाफर (४) चरक वद
चरकटा पु० चारो कापी लावनार
चरका पु० [फा] उझरडा के जरा के जखम (२) डाम (३) छळ, दगो
चरख पु० [फा चख] चक्र (२) रेंटियो (३) कुभारनो चाक (४) तोपनी गाडी (५) गोफण (६) खराद, सघाडो
चरखा(–खा) पु० चक्र (२) रटियो (३) रेंट (४) खराद (५) गरगडी (६) मायाकूटियु काम

चरखी(-खा) स्त्री० फरकडी, गरगडी इ० जवी फरनार वस्तु (२) लाढवाना चरखो (३) एक जातनु दारूखानु
चरचना स० क्रि० चन्दन आदि चरचवु -अर्चा करवी (२) पूजा करवी
चरचराना अ०क्रि० चचरवु(२)नाडानी पीडा थवी (३) जुओ 'चचना'
चरण(-न) पु० [स] पग (२) काव्यनु चरण (३) चोथो भाग [करनार
चरती पु० व्रतने दिवसे उपवास न
चरना अ० क्रि० (ढोरनु) चरवु (२) (१) चालवु, विचरवु [(३) चारो
चरनी स्त्री० चरो चराण (२) गमाण
चरपरा वि० तीखु (स्त्री० -री)
चरब वि० जुओ 'चब', तेज, तीखु (२) चरबी-चीकटवाळु
चरबाक,चरबाक वि०चालाक(२)नीडर
चरबी स्त्री० [फा] चरबी, वसा, मेद
चरम वि० [स] छवटनु, अंतिम
चरमराना अ० क्रि० चरड चरड शब्द करवा (जेम के जोडा, खाटला)
चरवाई,-ही स्त्री०ढार चारवानु काम के तेनी मजूरी, चराई
चरवाहा पु० ढार चारनार
चरस पु० पाणी काढवाना कोस (२) गांजाना चडस (३) जमीननु एक माप-२१०० हाथ
चरसा पु० भेस बळदनु चामडु(२)कोस
चरसी पु० कासियो (२) चडस पीनार
चराई स्त्री० जुओ 'चरवाई' (२) चरवा जगे कर
चरागाह, चरान पु० चरा, गोचर
चराचर वि० [स] चर अचर, स्थावर जंगम (२) पु० आखी सृष्टि
चराना स० क्रि० (ढोर) चराववु (२) मूर्ख बनाववु
चरिंदा पु० [फा] पशु, चरे ते
चरित, -त्र पु० [स] चरित्र, कथा
चरितार्थ पु० [स] कृतार्थ, सफळ
चरित्तर पु० चरीतर, नटखटपणु
चरी स्त्री० चराण जमीन (२) चारा माटेनी लीली जुवार (३) [स] जासूस स्त्री [तेनु वासण
चरु पु० [स] यज्ञनु-आहुतिनु अन्न के
चर्ख पु० [फा] आकाश (२) चक्र(३) रेंटियो (४) कुंभारनो चाक (५) चरख पशु
चर्खा पु० रेंटियो
चर्खी स्त्री० [फा] गरगडी, 'चरखी'
चर्च पु० [इं] गिरजाघर देवळ
चर्चक पु० [स] चर्चा करनार
चर्चा स्त्री० [स] चर्चा (२) वातचीत (३) अफवा [(२) अर्चा थयलु
चर्चित वि० [स] चर्चायेलु विचारायलु
चर्पट पु० [स] थपाट, गोल
चर्ब वि० [फा] सुवाळु, लीसु, चीकणु (२) स्थूल (३) तेज, चपळ
चर्ब-जबान वि० [फा] खुशामतियु
चर्बी स्त्री० [फा] चरबी
चर्म पु० [स] चामडु ०कार पु० चमार
चर्या, -र्य्या स्त्री० [स] आचरण (२) कामकाज, चालचलगत
चर्राना अ० क्रि० चररर अवाज थवो (२) ततडवु (३) चळ आववी, जोरथी इच्छा थवी
चर्वण पु० [स] चाववु ते (२) चवाणु
चर्वित वि० [स] चवाई गयलु
चल वि०[स]चळ, चंचळ(२) पु०पारा

चलकना अ० क्रि० चळावु, चमकवु
चलचलाव पु० जुओ 'चलाचली'
चलचाल वि० चचळ, अस्थिर
चलचित्र पु० [स] सिनेमा
चलता वि० चालु (२) चालाक (३) स्त्री० [स] चचळता ०पुरज़ा वि० होशियार, पहोचेल —बनना=चालतु थवु, जवु
चलती स्त्री० चलण, जोर, प्रभाव
चलन पु० [स] चाल (२) चलण (३) रिवाज ०सार वि० चलणी
चलना अ० क्रि० चालवु (२) नभवु, टकवु(३) पु० चाळणी चल निकलना =चालवा लागवु, चाली जवु चल बसना=मरवु
चलनी स्त्री० चाळणी
चलाऊ वि० चाले एवु, टकाउ
चलाकु वि० चालाक (नाम —की स्त्री०)
चलाका स्त्री० वीजळी
चलाचली स्त्री० चालती के नीकळती वेळानी तयारी के तेनी धमाल(२)मोत
चलान स्त्री० मोकलवानी के चालवा चलाववानी क्रिया (२) भरतियु, मोकल्या मालनी यादी(३) अपराधीने अदालतमा रजू करवा ते
चलाना स० क्रि० चलाववु [चळायमान
चलायमान वि० [स] चळ, अस्थिर,
चलावा पु० चाल रीत रिवाज (२) चालचलगत (३) आणु
चलित वि० [स] चळेलु, अस्थिर
चवन्नी स्त्री० चार-आनी
चवाई पु० निंदक (२) चुगलीखोर
चवाव* पु० चातरफ फेलानारी चर्चा, अफवा (२) बदनामी, निंदा
चशम, चशमा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चश्म स्त्री० [फा] आख
चश्मक स्त्री० [फा] आखना इशारा (२) चकमक, वाकाचाका, झघडा
चश्मदीद वि० [फा] साक्षात् जोयलु
चश्म-नुमाई स्त्री० [फा] आख वतावबा ते, धमकी [उपमा
चश्मपोशी स्त्री० [फा] चसमपोशी,
चश्म(—श्मे)बद स्त्री० बूरी,खराब नजर
चश्मा पु० [फा] चसमा (२) झरा
चसक स्त्री० चसक आव ते
चसकना अ० क्रि० चसक मारवी (२) चमका लागवा [=आदत पडवी
चसका पु० चसका, तलप, लत —पडना
चसना अ० क्रि० चोटवु, लागवु, वाझवु
चसपाँ वि० जुओ 'चस्पाँ'
चसम,—मा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चस्पाँ वि० [फा] चोटाडलु
चह पु० नदीनो डक्को (२) स्त्री० [फा चाह] खाडो
चहक,—कार स्त्री० कलरव
चहकना, चहकारना अ० क्रि० कलरव करवो (२) उमगथी खूब बोलवु
चहचहा पु० कलरव (२) ठिठियारी (३) वि० आनद करावनारु
चहचहाना अ० क्रि० जुओ 'चहकना'
चहना स० क्रि० (प) चाहवु इच्छवु (२) देखवु
चहबच्चा पु० पाणी भरी राखवानो खाडो के होज चहबचो (२) धन सताडवानु जमीन अदरनु भडकियु
चहर, ०पहर स्त्री० जुओ 'चहल, ०पहल'
चहल स्त्री० आनदोत्सव (२) कीचड (३) वि० [फा] 'चेहल', ४०
चहलक़दमी स्त्री० जुओ 'चेहलकदमी'

चहल-पहल स्त्री० धामधूम
चहला पु० 'चहल', कीचड
चहार वि० [फा] चार
चहारदीवारी स्त्री० कोट, वंडा, घेरा
चहारशंबा पु० [फा] बुधवार
चहारुम वि० [फा] चतुर्थांश (२) चायु
चहुँ,-हूँ वि० (प) चार चारेय
चहुँटना अ० क्रि० चोटवु
चहेटना स० क्रि० निचोड काढवा
चहेता वि० प्रिय, वहालु (स्त्री०-ती)
चहोरना अ०क्रि० छोडने एक जगाएथी बीजी जगाए चाडवा (२) संभाळ राखवी
चाई वि० धूर्त चालाक (२) ताल्वाळु
चाकना स० क्रि० आंकवु हद बांधवी (२) ओळखना निशानी करवी
चागला वि० चंग स्वस्थ (२) चतुर
चाचु पु० (प) चाच
चाटा पु० थप्पड (२) (प) मकोडा
चाँटी स्त्री० तबलानी चाट के तेनो अवाज (२) (प) कीडी मंकोडी
चाड वि० चंड, उग्र प्रबळ (२) स्त्री० भारे अगत्य, गरज (३) टको, थाभलो
चाडाल पु० [स] चंडाळ (२) क्रूर नीच कर्म करनार
चाद पु० चांदो (२) स्त्री० तालकु —का टुकडा=बहु रूपवान माणस —पर थूकना=कोई सज्जनने एब लगाडवा जता पोताने ज लागवी
चांदना पु० अजवाळु (२) चांदनी
चाँदनी स्त्री० चांदनी (२) बिछाववानी सफेद चादर (३) सफेद चदरवो
चाँदमारी स्त्री० बंदूकथी निशान ताकवानु शीखवु ते
चाँदी स्त्री० चांदी (२) ताल्लु, 'चाँद' (३) सारो आर्थिक लाभ —का जूता= लांच —काटना=खूब कमावु
चाद्र वि० [स] चंद्रनु —ने लगतु (२) पु० चंद्रकांत मणि (३) आदु (४) चांद्रायण व्रत [एक कठण व्रत
चांद्रायण पु० [स] महिनामा पूरु थतु
चाँप स्त्री० चांपवु – दबाववु ते (२) धक्का (३) प्रेरणा (४) बंदूकनी चांप
चाँपना स० क्रि० चांपवु दबाववु
चाँयँ चायँ, चाँवँ चाँवँ स्त्री० बकबक, बकवाद [लर, कुलपति
चासलर पु०[इ] युनिवर्सिटीनो चान्स
चाक पु० चाक चक्र, गरेडी इ० (२) [फा] चीरा (३) वि० चिरायल, फाटेलु
चाक वि० [तु] दृढ, मजबूत (२) चपळ, फूर्तीलु
चाकचक वि० सुरक्षित मजबूत
चाकचक्य पु० [स] चकचकाट,चळकाट
चाक चौबंध वि० हृष्टपुष्ट—दृढ़ भरावदार (शरीर)
चाकना स० क्रि० जुओ 'चाकना'
चाकर पु० [फा] नोकर, दास सेवक
चाकर(-रा)नी स्त्री०चाकरडी दासी
चाकरी स्त्री० [फा] नोकरी, सेवा
चाकी स्त्री० चक्की, घंटी
चाकू पु० [तु] चप्पु चाकु [प्रत्यक्ष
चाक्षुष वि० [स] चक्षु—आंख विष (२)
चाखना स० क्रि० चाखवु
चाचा पु० (स्त्री० —ची) 'चचा', काका
चाट स्त्री० तीखु खावानो चटको शाख (३) आदत, टेव (४) चटपटी चळ (५) तीखी चीज के फरसाण [जवु
चाटना स० क्रि० चाटवु (२) चट करी

चाटु पु० [स] प्रिय वात (२)खुशामद
चाटुकार पु० [स] खुशामत करनार
चाडी स्त्री० पीठ पाछळ निंदा,चूगली
चाढ़ा वि० (प) प्यारु (२)प्रेमी,आसक्त
चातक पु०[स]चातक पक्षी [चतुरता
चातुरी स्त्री०, –य पु० [स] चतुराई,
चादर स्त्री० चादर (२) दुपट्टा (३) पतरु (४) पाणीनो सपाट वहेतो प्रवाह –उतारना = बेआवरू करवु –ओढाना, –डालना = विधवाविवाह करवो –तानकर सोना = सोडो ताणीन – निरांते सूवु –देखकर पाव फलाना = मर्यादा समजी चालवु, गजामा रहीने खचवु –रहना = लाज आवरू रहेवी [चु० [स] धनुष
चाप स्त्री० चाल, पगलानो अवाज (२)
चापट,–ड स्त्री० 'चोकर', भूस, मरजना लोटनु चळामण (२) वि० चपटु (३) सपाट
चापना स०क्रि०चापवु दबाववु 'चापना'
चापल, –ल्य पु० [स] चपळता, चचळता चालाकी (२) उतावळ
चापलूस वि० [फा] खुशामतियु
चापलूसी स्त्री० [फा] खुशामत
चाब स्त्री० दाढ
चाबना स० क्रि० चाववु
[चाबी, –भी स्त्री० चावी (ताळा, घडियाळ, यत्र वगरेनी)
चाबुक पु० [फा] चाबुक, सोटो (२) वि० स्फूर्तीलु तेज
चाबुक सवार पु०[फा]घाडा पलोटनार, घाडो केळवनार (नाम, –री स्त्री०)
चाय स्त्री० चा ०दानी स्त्री० चादानी, कीटली ०पानी = चापाणी, नास्तो
चाय स्त्री० (प) जुओ 'चाव' ०... वि० (प) चाहक
चाय दानी, –पानी स्त्री०जुआ 'चाय'म...
चार वि० चार (२) थोडुक (२) पु... [स] चाल, गति –आखें होना=... नजर मळवी चारा फूटना = अध थवु... अन्तर वाह्य चार आख जवी
चारखाना पु० [फा] एक जातनु कपड...
चारजामा पु० [फा] घोडानु जीन-पलाण
चारण,–न पु० वदीजन, भाटचारण
चारदीवारी स्त्री० जुओ 'चहारदीवारी'
चारना स० क्रि० (प) चरावबु चारव...
चार-नाचार अ०[फा]निरुपाय–लाचार थईने, ना छूटके
चारपाई स्त्री० खाटलो –धरना, –पकडना, –पर पडना, –लेना = वीमारीथी पथारीवश थवु (२) सूवु –से लगना = वीमारीथी पथारीमाथी न उठावु [रूमाल के चादर
चारबाग पु० चोखडा बाग (२) चतुरगी
चारयारी स्त्री० एक सुन्नी सप्रदाय
चारशाबा पु० जुओ 'चहारशाबा'
चारा पु० चारो, घास (२)[फा]चारो, रस्ता उपाय
चारित्र,–त्र्य पु०[स]चरित,चालचलगत
चारु वि० [स] सुदर, प्रिय, मनोहर
चार्ज पु० [इ] कामनो भार, सुपरत (२) किंमत भाव (३) आरोप
चार्टर पु० [इ] सनद, परवाना, अधिकारपत्र [(३) दगा, छळ
चाल स्त्री० चाल, गति (२) ढग, रीत
चालचलन पु०, चालढाल स्त्री० चाल-चलगत, रीतभात

चालना स० क्रि० चाळवु (२) चलाववु हलाववु (३) अ० क्रि० पहेले जाणे जवु
चालबाज़ वि० कपटी, चालाक दगाबाज
चाला पु० रवानगी (२) वधू न पहली वार सासरेथी के पियरथी वळाववी ते (३) जवानु महुरत
चालाक वि० [फा] चतुर, होशियार (२) पहोंचेल, पक्कु –की स्त्री०
चालान पु० जुओ 'चलान
चालिया, चाली वि० जुओ 'चालवाज़'
चालीस वि० ४०, चाळीस ०वाँ वि० चाळीसमु (२) पु० मरण पछीनु चाळीस दिवसे थतु काम के विधि (मुसलमानोमा) 'चेहलुम'
चाव पु० चाह प्रेम (२) प्रबळ इच्छा, आतुरता (३) आनद उमग
चावल पु० चोखा (२) भात (३) चोखाभार ताल [ऊहेजत
चाशनी स्त्री० [फा] चासणी (२) चसको
चास स्त्री० खती
चासना अ० क्रि० खडवु
चासा पु० खेडुत
चाह पु० [फा] कूवो
चाह स्त्री० चाहना प्रेम (२) इच्छा (३) माग जरूर (४) (प) खबर
चाहक पु० (प) चाहनार प्रेमी
चाहत स्त्री० (प) चाह प्रेम
चाहना स० क्रि० चाहवु (२) मागवु इच्छा करवी (३) स्त्री० जरूर
चाहि अ० (प) –ना करता (चडियातु)
चाहिए, –य क्रि० उचित छे घट छे जोईए [(जमीन)
चाही वि० [फा] कूवावाळी कुवेतर
चाहे अ० गम तेम इच्छा मुजब

चिआ पु० आमलीनो कचूको
चिउँटा पु० 'चींटा', मकोडो
चिउँटी स्त्री० 'चींटी', कीडी –के पर निकलना = मरणतोल थवु
चिगना पु० पक्षीनु – खास करीने मरघीनु बच्चु
चिघाड स्त्री० चीस
चिघाडना अ० क्रि० चीस पाडवी
चितक वि० [स] चिंतन करनार विचारक
चितन पु० [स] विचारवु ते, मनन, ध्यान
चिंता स्त्री० [स] चिंतन (२) फिकर, विमासण
चिंतित वि० [स] चिंतामा पडेलु
चिंदी स्त्री० चीदरडा, टुकडो (कागळ के कपडाना)
चिउडा, –रा पु० पौआ 'चिडवा'
चिक स्त्री० [तु] चक (२) पु० कसाई (३) स्त्री० चसक झटको
चिकट वि० चीकटथी मेलु, मेल जामलु (२) चीकटु
चिकटना अ० क्रि० मेलु–चीकटु थवु
चिकन स्त्री० [फा] एक झीणु कापड
चिकना वि० [स चिक्कण] चीकणु (२) लपसणु (३) साफ, सुवाळु सुदर (४) माखणियु खुशामतियु (५) प्रेमी (६) पु० चीकट –घडा = निलज्ज चिकनी चुपडी बातें = मीठी मीठी कृत्रिम वात [पणु
चिकनाई, –हट स्त्री० चीकाश चीकणा-
चिकनाना स० क्रि० 'चिकना' करवु (२) अ० क्रि० 'चिकना' थवु, जुओ चिकना'
चिकनिया वि० छेलबटाउ – शोखीन
चिका(–क्का)र पु० चीत्कार चीस
चिकारना अ० क्रि० चीस पाडवी

चिकारा पु० सारगी जेवु एक वाद्य, चिकारी (२) चिकारडु–एक जगली जानवर

चिकित्सक पु० [म] वैद, दाक्तर

चिकित्सा स्त्री० [म] रोगनो इलाज, वैदु

चिकित्सालय पु० [स] इस्पिताल, दवाखानु

चिकुटी, चिकोटी स्त्री० चपटी (२) चूटी

चिकुर पु० [स] केश, वाळ

चिक्कण वि० [म] चीकणु

चिक्कार पु० जुओ 'चिकार'

चिक्कारा पु० 'चिकारा', चिकारडु

चिखुरी स्त्री० 'गिलहरी, खिसकोली

चिचडा पु०,–डी स्त्री० जुओ किलनी'

चिचियाना अ०क्रि० शारबकोर करवो, 'चिल्लाना'

चिजारा पु० कडियो

चिट स्त्री० चिठ्ठी रुक्को

चिटकना अ० क्रि० तडकवु, ततडवु, तरडावु (२) गुस्से थवु

चिटनवीस पु० चिटनीस [वि० सफेद

चिट्टा पु० खोटो उत्साह के हिंमत (२)

चिट्ठा पु० रोजमेळ चापडो (२) वार्षिक सरवयु (३) यादी (४) पगार के मजूरीनी रकम (५) बिल कच्चा चिट्ठा=पूरेपूरो हेवाल [पत्र

चिट्ठी स्त्री० चिठ्ठी, चिट' (२) कागळ

चिटठी-पत्री स्त्री० चिठ्ठी-पत्री, कागळ पत्र (२) पत्रव्यवहार

चिटठीरसा पु० टपाली

चिडचिडा वि० चीडियु, झट चिडानारु

चिडचिडाना अ० क्रि० चिडावु (२) ततडी जवु (३) वळना तड तड थवु

चिडवा पु० [म चिपिट] पौंआ

चिडा पु० चकलो, चकलीनो नर

चिडि(–रि)या स्त्री० पक्षी (२) पत्तानी एक भात –का दूध=अप्राप्य वस्तु, गगनकुसुम [पक्षीनु सग्रहस्थान

चिडियाखाना, चिडियाघर पु० पश

चिडिहार पु०(प) पारधी [पु० पारधी

चिडी स्त्री० पक्षी (२) चकली ०मार

चिढ स्त्री० चीड, गुस्सो, नफरत

चिढ़ना अ० क्रि० चिडावु

चिढाना स० क्रि० चीडववु

चित पु० [म] चित्त, मन (२) वि० एकठु करेलु (३) चीत, चत्तु

चितकबरा, चितला वि० काबरचीतरु

चितचोर वि० (२) पु० मनोहर, चित्त हरी ले एवु

चितरना स०क्रि०(प) चीतरवु, नकशी वगेरे काढवु

चितवन, चितौन स्त्री० नजर, दृष्टि –चढ़ाना=गुस्सानी दृष्टि करवी

चिता स्त्री० [स] चिता, चह

चिताना स० क्रि० चेतववु

चितारी पु० 'चितेरा', चितारो

चितावनी, चितौनी स्त्री० चेतवणी, 'चेतावनी'

चितेरा पु० चितारो

चित्त पु० [स] मन, अत करण

चित्ती स्त्री० डाघो, टपकु (२) नानी कोडी (३) चीतळ साप

चितौन स्त्री० जुओ 'चितवन'

चितौनी स्त्री० जुओ 'चितावनी'

चित्र पु० [स] चित्र, छबी, आकृति (२) चाल्ला के तिलक (३) वि० विचित्र, अद्‌भुत रगबेरगी –उतारना,–खींचना =चित्र काढवु के वर्णनादिथी स्प॰ करवु

चित्रकार पु०[स] चितारो -री स्त्री० चित्रविद्या
चित्रण पु० [स] चीतरवु ते
चित्रपट पु० [स] जना पर चीतर्यु होय ते (२) सिनेमा
चित्रविचित्र वि० [स] रगबेरगी (२) नकसादार [रगबेरगी
चित्रित वि० [स] चीतरेलु (२) चित्र,
चिथडा पु० चीथरु [अपमानवु
चिथाडना स०क्रि० चीरवु फाडवु (२)
चिदात्मा, चिदानद पु०[स] चतन्य, ब्रह्म
चिद्विलास पु० [स] माया लीला
चिनक स्त्री० बळतरा(जम के पेशाबमा)
चिनगारी, चिनगी स्त्री० तणखो चिणगारी
चिनिया वि० चिनाई चीननु (२) चीनी माटो जवु, सफद -कला=नानी जातनु केळु -बदाम=चिनाईसीग मगफळी
चिन्हार वि० परिचित(नाम,-री स्त्री०)
चिपक(-ट)ना अ०क्रि० चोटवु, वळगवु
चिपकाना स०क्रि० चाटाडवु लगाडवु
चिपचिपा वि० चीक्णु, चाटे एवु
चिपचिपाना अ०क्रि० चीकणु लागवु
चिपटा वि० चपटु
चिपडी,-री स्त्री० छाणु -पायना = छाणु थापवु [(२) पोपडी
चिप्पड पु० नानो चपटो ककडा चापडो
चिप्पी स्त्री० नानो 'चिप्पड
चिबुक पु०[स] ठोडी, हडपची, दाढी
चिमटना अ०क्रि० चोटवु (२) वळगवु (प्रेरक-चिमटाना)
चिमटा पु० चमठा चीमटो, चीपियो
चिमटी स्त्री० नाना चीपियो
चिमडा वि० जुओ 'चीमड'

चिरजीव वि०[स] चिरजीवी (२) पु० पुत्र (३) 'घणु जीवो' एवा आशीर्वाद
चिरतन वि० [स] पुरातन, प्राचीन
चिर वि० (२) अ० लावा वखतनु, जनु
चिरकना अ० क्रि० चरक्वु, जराक अघवु, जरा जरा घणी वार अघवु
चिरकीन वि० [फा] मलु, गदु
चिरकुट पु० फाटलु वस्त्र, चीथरु
चिरना अ०क्रि० ('चीरना' नु कमणि) फाटवु, चिरावु
चिरमि(०टी) स्त्री० चनोठी
चिरवाई स्त्री० चिरामण, चिराववु ते(२) पहला वरसाद पछीनी खड [चिराववु
चिरवाना स०क्रि० 'चीरना' नु प्ररक,
चिराँदा स्त्री० वाळ चामडु इ०वळवानी गध (२) वदनामी (३) वि० चीडियु, 'चिडचिडा'
चिरा अ० [फा] केम ? शा माटे ? चू व चिरा करना = चेचू करवु
चिराई स्त्री० जुओ 'चिरवाई'
चिराग़ पु० [फा] दीवा -जले=दीवा-वखत ०दान पु० दीवी -बत्तीका वक्त =दीवा-वखत, सध्या
चिराना स०क्रि० चिराववु (२) वि० प्राचीन, पुराणु [=बदनामी फलावी
चिरायँध स्त्री०जुओ चिरादा -फलना
चिरायता पु० करियातु
चिरायु वि० [स] चिरजीव, दीर्घायु
चिरिया पु० जुओ 'चिडिया'
चिरौंजी स्त्री० चारोळी
चिलक स्त्री० चळक (२) सणको
चिलकना अ०क्रि० चमक चमक थवु, चळकवु (२) सणको नाखवो (प्रेरक चिलकाना)

चिलग़ोजा पु० [फा] एक मेवो
चिलचिल स्त्री० अवरव [चीस पाडवी
चिलचिलाना अ०क्रि० चमकवु (२)
चिलडा पु० एक पकवान [वचळ
चिलबिला(–ल्ला) वि० 'चुलबुला',
चिलम स्त्री० [फा] चल्म
चिलमची स्त्री० [तु] अदर हाथ मो धोवानु एक वासण (२) चलम पीनार
चिलमन स्त्री० [फा] 'चिक', चक
चिल्लड पु० जुओ 'चीलर'
चिल्लपो स्त्री० शोरबकोर
चिल्लवाना स०क्रि० 'चिल्लाना'नु प्रेरक
चिल्ला पु०[फा] चाळीस दिवस के तनु व्रत के पुण्यपव (२) प्रसवना चाळीस दिवस (३) धनुषनी दारी –खींचना =चाळीस दिवस एकातमा ईश्वरो- पासनामा गाळवा –बाधना=चाळीस दिवसनु व्रत करवु चिल्लेका जाडा= खूब ठडी
चिल्लाना अ०क्रि० शार करवो बुमराण करवु ['चिल्लपो'
चिल्लाहट स्त्री० शोर करवा त,
चिहुँकना अ० क्रि० (प) चोकवु, चमकवु [(२) चाटवु
चिहुँटना स०क्रि० (प) चूटी खणवी
चिहुँटी स्त्री० चूटी, चीमटी (२) चपटी
चिह्न पु० [म] निशानी –ह्नित वि० चिह्नवाळु, अकित
चीं स्त्री० [फा] चहरा पर पडती करचोळी –ब-जबीं होना=गुस्मे थवु
चीं चपड स्त्री० सामे जवाब आपवो ते
चींटा पु० जुओ 'चिउँटा' (स्त्री० –टी)
चीक स्त्री० 'चीख', चीस (२) पु० कमाई (३) कीचड
चीकट वि० बहु मेलु (२) पु० तेलनो मेल (३) एक रेशमी वस्त्र
चीख स्त्री० चीस
चीखना अ०क्रि० चीस पाडवी
चीखना स० क्रि० 'चखना', चाखवु
चीज स्त्री०[फा] चीज, वस्तु (२) जणस (३) गायन के राग (४) विलक्षण के महत्त्वनी वस्तु [सरसामान
चीज वस्तु स्त्री० जणस भाव (२)
चीठी स्त्री० चिठ्ठी
चीड(–ढ) पु० चीडनु झाड
चीतना स०क्रि० चितवु, विचारवु (२) याद करवु (३) चीतरवु [साप
चीतल पु० एक जातनु हरण (२) चीतळा
चीता पु० चित्तो (२) चित्त
चीत्कार पु० [स] चाम, बुमराण
चीथडा(-रा) पु० चीथरु
चीथना स०क्रि०(कपड)फाडवु [उत्तम
चीदा वि० [फा] पसद करेलु, चूटल(२)
चीन पु० [म] वजा (२) मीलु (३) गारो (४) एक रेशमी वस्त्र (५) चीन देश
चीनना स०क्रि० जुओ 'चीह्ना'
चीना पु० चीनो, चीननो वतनी (२) वि० चीननु
चीनी स्त्री० खाड
चीह्ना स०क्रि० चीनवु, ओळखवु
चीपड पु० चीपडु
चीफ वि० [इ] मुख्य (२) पु० राजा; सरदार ०कमिश्नर, ०जस्टिस, ०जज इ० मा
चीमड वि० चवड, चामडा जवु
चीर पु० [म] वस्त्र (२) चाय (३) स्त्री० चीरवु ते
चीरना स०क्रि० चीरवु, फाडवु

चीरफाड स्त्री० वाढकाप (२) चीरवु फाडवु ते
चील स्त्री० [स चिल्ल] समडी पक्षी –का मूत=शशविषाण असभव वस्तु
चील झपट्टा पु० चील्हपट झडपी लेवु ते (२) एक बाळरमत [जतु
चीलर पु० गदा कपडामा पडतु जू जेवु एक
चील्ह स्त्री० चील समडी
चीवर पु० [स] सन्यासीनो चोळो, कथा (२) बौद्ध भिक्षुनु वस्त्र
चुगल पु० [फा] पजो (२) पकड (३) 'चगुल' चागळु [गल दाण
चुगी स्त्री० चपटी जटली वस्तु (२)
चुगी घर पु० टालनु नाकु
चुदी स्त्री० चोटली
चुधलाना अ०क्रि० जुओ 'चौधियाना'
चुधा वि० चूधळु चूखडु
चुधियाना अ० क्रि० जुओ 'चौधियाना'
चुबक पु० [स] लोहचुबक (२) घडानो फासो के गाळो (३) वि० कामी
चुबन पु० [स] चूमवु ते, बच्ची
चुबना स०क्रि० (प) 'चूमना', चूमवु
चुअना अ०क्रि० 'चूना', चूवु
चुआन स्त्री०खाई, नहेर [(२)चोपडवु
चुआना स०क्रि० चुवडावव टपकाववु
चुकदर पु० [फा] गाजर जेवु एक शाक
चुकना अ०क्रि० ('चूकना'नु रूपमणि) चूकवावु चूकतु थवु बाकी न रहेवु, पतवु (२) पूरु थवु (३) (प) चूकवु, चूकना
चुकरड पु० चाकळण साप
चुकाई स्त्री० चूकते थवु ते
चुकाना अ०क्रि० चुकावव [चुकादो
चुकौता पु० देवु चूकते थवु ते, दवानो
चुक्कड पु० कुलडी
चुग्द पु० [फा] घुवड, (२) उल्लु, मूर्ख
चुगना स०क्रि० (पक्षीनु) चगवु [निंदा
चुगल पु० –ली स्त्री० चाडी, चुगली
चुगलखोर प० [फा] चुगली करनारा (नाम –री स्त्री०)
चुगली स्त्री० जुओ 'चुगल' –करना, खाना, लगाना=चुगली करवी
चुगा पु० जुओ 'चोगा'
चुगाई स्त्री० चूगवु ते
चुगाना स०क्रि० पक्षीने दाणा नाखवा, चुगाववु
चुचकारना स०क्रि० (रज०) चूमवानो अवाज करी वाल्व, वहाल करवु
चुचकारी स्त्री० (चूमवाना) वचकारा
चुचाना अ० क्रि० चूवु, टपकवु
चुटकना अ०क्रि० चाबुक मारवी (२) चुटकी–चपटीथी तोडवु
चुटकी स्त्री० चपटी ( ) चूटी –भरना =चूटी खणवी –लेना=मश्करी करवी (२) टोणा मारवो, कटाक्ष करवा
चुटकुला पु० मजेदार वात (२) दवानो सारो नुसखो –छोडना = काई मजानी वात छडवी
चुटिया स्त्री० चोटली
चुटीला वि० चोट लागी के घा थयो होय एवु (२) सौथी उपरनु उत्तम
चुडल वि० 'चुडैल' घायल
चुडिहारा पु० (स्त्री०–रिन) चूडगर
चुडल स्त्री० चुडल
चुनचुना वि० चचणे एवु (२) पु० झाडामा नीकळतो करमियो
चुनचुनाना अ०क्रि० चणचणवु
चुनट(–न) स्त्री० करचली, गडी

चुनना स०क्रि० चूंटवु, पसंद करवु (२) वीणवु (३) सजवु, ठीकठाक करवु (४) (दीवाल इ०) चुणवु (५) चूंटवु (जेम के फूल) (६) कपडानी कल्ली करवी
चुनरी स्त्री० चूंदडी [प्रेरक
चुनवाना, चुनाना स०क्रि० 'चुनना' नु
चुनांचे अ० [फा चुनांचिह्] दाखला तरीके (२) एटले, अत
चुनाई स्त्री०, चुनाव पु० चूंटणी
चुनिंदा वि० चुनंदा, उत्तम, श्रेष्ठ
चुनी स्त्री० 'चुन्नी', चूनी
चुनौटी स्त्री० चूनानी डबी, चूनादानी
चुनौती स्त्री० उश्केरणी (२) आह्वान, पडकार
चुन्नी स्त्री० 'चुनी', चूनी (२) वहेर (३) अनाजनी कणकी
चुप वि० चूप, शांत, मूक (२) स्त्री० मौन —चाप, —चुप, —चुपाते=चूपचाप गुपचूप
चुपका वि० चूपकी राखनार, मौनी —करना=चूपकी राखवी, चूप थवु
चुपकेसे अ० चूपकीभेर, चूपचाप
चुपडना स०क्रि० चोपडवु, 'पोतना'
चुप्पा वि० (स्त्री०,—प्पी) जुओ 'चुपका'
चुप्पी स्त्री० चूपकी, मौन
चुब(—भ)लाना स०क्रि० ममळाववु
चुभकना अ०क्रि० डूबकी खावी
चुभकी स्त्री० डूबकी [चुभोना, प्रेरक)
चुभना अ० क्रि० भोंकावु (चुभाना,
चुभलाना स०क्रि० जुओ 'चुबलाना'
चुमकार पु० बचकारो
चुमकारना स०क्रि० प्रेमथी चूमवाना जेवो अवाज करवो बचकारवु
चुम्मा पु० चूमी, 'चूमा'
चुरकी स्त्री० चोटली
चुरना अ०क्रि० चडवु, मीझवु (२) छानगी मसलत करवी (३) पु० करमियो, 'चुनचुना'
चुरमुर पु० (रव०) दबावाथी थता अवाज, जम के चणानो, मूका पाननो
चुरमुरा वि० 'चुरमुर' अवाज करे एवु (जम के, पापड)
चुरमुराना अ०क्रि० 'चुरमुर' अवाज करी तूटवु (२) स०क्रि० तेवा अवाजथी तोडवु
चुराई स्त्री० चोरवु ते
चुराना स०क्रि० चोरवु (२) छुपाववु (३) उचित मनाय ते न करता तेमां कसर राखवी
चुरुट पु० [इं] चिरूट, एक विलायती बीडी
चुल(०चुली) स्त्री० खजवाळ
चुलचुलाना अ०क्रि० खजवाळ आववी
चुलबुला वि० चचळ (२) नटखट
चुलबुलाना अ०क्रि० 'चुलबुला' थवु (नाम, —हट स्त्री०)
चुलुक पु०[सं] चागळु (२) खूब कीचड
चुल्लू पु० अजलि, चागळु —भर पानीमें डूब मरना=ढांकणीमां पाणी घालीने डूबी मरवु, खूब शरमावु —में उल्लू बनना = जरा भाग के दारू पीने गाडु के बेभान थवु चुल्लूओ रोना = खूब रडवु
चुसकी स्त्री० चूसवु ते (२) घूंटडो
चुसना अ०क्रि० ('चूसना' नु कर्मणि) चुसावु (२) शोषावु, सार जतो रहेवो (३) खाली थवु
चुसनी स्त्री० बाळकनी धावणी के दूधनी शीशी

चुसाना स० क्रि० 'चूसना'नु प्रेरक (नाम, –ई स्त्री०)
चुस्त वि०[फा] तंग, फसेलु (२) चुस्त, दृढ, मजबूत (३) फूर्तिलु, तत्पर –(व) चालाक=चतुर, तेज (नाम,-स्ती स्त्री०)
चुहँ (–ह)टी स्त्री० चूंटी के चपटी, 'चुटकी
चुहचुहा (०ता) वि० चूनु रसयुक्त
चुहचुहाना अ०क्रि० रस टपकवा (२) पक्षीनु वाग्वु कलरव करवो
चुहटी स्त्री० जुओ 'चुहँटी
चुहल स्त्री० मजाक, हासी, ठठ्ठो
चुहलबाज वि० मश्करु, टोखळखोर
चुहिया स्त्री० उंदरडी
चू पु० चकलीनु चू चू (२) धीमा अवाज –चा=चूचा
चूंकि अ०[फा] क्योंकि एटला माटे के
चूंचरा पु०[फा] साम चूंचा के आनाकानी करवी ते (२) बहानु
चूचू अ० चकलीना अवाज
चूंदरी स्त्री० चूंदडी 'चूनरी'
चूक स्त्री०, भूल, चूकवु ते (२) पु० 'चूका', खाटियु शाक (३) वि० बहु खाटु खाटु चड [चोवु,
चूकना अ०क्रि० चूकवु, भूल करवी (२)
चूका पु० 'चूक', एक शाक–खाटियु
चूची स्त्री० चूचुक पु० [स] स्तन
चूजा पु० [फा] मरघीनु बच्चु
चूडा स्त्री० माथु (२) चोटली, कलगी (३) पु० चूडो ०करण, ०कर्म पु० वाळ उतारवानो एक संस्कार
चूडी स्त्री० पहेरवानी के ग्रामोफोननी चूडा चूडियां ठंडी करना या तोडना =विधवा थवु, चूडा भागवो चूडियां पहनाना=विधवाविवाह करवो चूडियां चढाना=हाथथी चूडी काढवी (–उतारना कहेवु अशुभ गणाय छे)
चूडीदार वि० चूडा जेवा वळ्यवाळु (२) पु० तेवो पायजामो
चूतड(–र) पु० धगडा, कूला –दिखाना =पीठ बतावबी, नासवु –पीटना, –बजाना=खूब खुश थवु
चून पु० चूण, आटो
चूनर,–री स्त्री० 'चुनरी', चूंदडी
चूना पु० चूनो (२) अ० क्रि० चूवु (३) नीचे पडवु, गरवु [चूनाना डब्बी
चूना(–ने)दानी स्त्री० 'चुनौटी',
चूनी स्त्री० 'चुनी', चूनी (२) कणकी –भूसी स्त्री० कूसका कणकी इ०, 'चोकर'
चूमना स०क्रि० चूमवु, चुंबन करवु
चूमा पु० चूमी चुंबन [चकचूर
चूर पु० चूरो (२) वि० तल्लीन (३)
चूरण,–न पु० चूरण, भूकी
चूरमा पु० चूरमु–एक पकवान
चूरा पु० चूरो, भूको
चूर्ण पु०[स] चूरण (२) अबील (३) धूळ (४) चूनो (५) काडी (६) वि० चूरो करायलु
चूल स्त्री० सालमा बेसाडवा तयार करेलो लाकडाना साधानो भाग (२) चणियारामा फरतो बारणानो छेडो (३) पु० [स] चोटली चूलें ढीली होना=साधा ढीला थई जवा, खूब थाकवु
चूल्हा पु० [स चुल्लि] चूलो
चूसना स०क्रि० चूसवु (२) शापण करवु
चूहडा(–रा) पु०, (स्त्री०–डी) भंगी

चूहा पु० उदर
चूहादान पु० उदरियु
चें स्त्री० चे अवाज ०चैं, ०पें स्त्री० चचेपेपे, बकवाद [जजनी चवर
चेंबर पु० [इ] सभागृह, ओरडो (२)
चें अ० [फा] शु ?
चेअर स्त्री० [इ] खुरशी ०मेन, ०मन पु० प्रमुख, सभापति
चेक पु० [इ] नाणाना चेक –काटना =चेक फाडवा के लखवा। [वळिया
चेचक स्त्री० [फा] शीतळामातानो रोग,
चेचक-रू वि० [फा] मा पर वळियाना चाठावाळु
चेटक पु० [म] दास सेवक (२) जादु के तेनो खेल (३) तमासो भवाई (४) उतावळ, जल्दी
चेटका स्त्री० स्मशान (२) चिता
चेटको पु० जादुगर, बाजीगर
चेटुवा पु० चकलानु बच्चु
चेटिका (–की), चेटी स्त्री० [स] दासी
चेत पु० चेतना, होश भान (२) चित्त
चेतन वि० [स] चेतनावाळु, जीवत् (२) पु० चैतन्य प्रभु आत्मा
चेतना स्त्री० [म] होश भान (२) चेतनपणु (३) बुद्धि (४) अ०क्रि० चेतवु, सावध थवु (५) स०क्रि० विलवु, विचारवु ['चितावनी'
चेतवनि, चेतावनी स्त्री० चेतवणी
चेना पु० चीणो
चेप पु० काई चीकणो रस चीकाश
चेर (–रा) पु० (प) चेला ( ) नोकर (स्त्री० चेरि (–री) नाम चेराई स्त्री०)
चेल पु० [म] वस्त्र [–ली)
चेला पु० चेला शिष्य (स्त्री० –लिन,
चेष्टा स्त्री० [म] चेष्टा, चाळा (२) प्रयत्न, कोशिश (३) काम (४) इच्छा
चेस पु० [इ] शेतरज (२) छापवाना बीबा गोठवेलु चोकठु
चेहरा पु० [फा] चहेरो (२) आगलो भाग (३) ओळखवानी चहेरा वगरेनी निशानी चेहरा (–रे) पर हवाइयाँ उडना=डर के गभराटथी चहेरानो रंग ऊडी जवो –बिगाडना=खूब मारवु –लिखना, –होना=फोजमा नाम लखाववु – भरती थवु
चेहरा कुशा पु० [फा] चित्रकार (नाम ०ई स्त्री०)
चेहराबदी स्त्री० [फा] चहेरा सिकल इ०नी विगत–ओळखवानी निशानीओ
चेहरा-मुहरा पु० सूरत, सिकल, चहेरा
चेहल वि० [फा] 'चहल', चाळीस
चेहल-कदमी स्त्री० जुओ 'चहलकदमी'
चेहलुम वि० (२) पु० [फा] जुओ 'चालीसवा'
चैत पु० चैत्र [ज्ञान (३) आत्मा
चैतन्य पु० [म] चेतन तत्त्व (२) चेतना,
चैती स्त्री० रवीपाक (२) वि० चैत्र सबधी
चैत्य पु० [म] घर (२) मदिर (३) चिता (४) बौद्ध विहार (५) गामनी भागोळना झाडानो समूह (६) बुद्ध के तेमना मूर्ति या भिक्खु
चैत्र पु० [म] चैत्र मास (२) वस्त्र
चैन पु० चेन –उडाना=मोज करवी
चैल पु० [म] कपडु
चैला पु० फाचरो
चैली स्त्री० भूसरी छाल, वहर
चैलेन्ज पु० [इ] पडकार, आह्वान, 'चुनौती'

चागा पु० वासनी भूगळी, जेवी के कलमदालीनी (२) मूख
चोगी स्त्री० धमणनी हवानी नळी
चोच स्त्री० चाच दो दो चाचें होना= बोलाबोली थवी -बंद करना=चूप थवु
चाडा पु० वेडवो वीरडो (२) माथु (३) चोटलो
चोथ पु० पादळो [उखाडवु
चोथना स०क्रि० फाडवु के ताडवु या
चाथर(-रा) वि० चूखट झीणी आख-वाळु (२) मूख [पठ बनावाय छे
चोआ पु० एक सुगंधी पदार्थ जे चूवा
चोकर पु० आटानु थुलामण-भूनु इ०
चोक्ष वि०[स] चारख (२) पवित्र (३) तीक्ष्ण तज (४) प्रशस्य (५) दक्ष
चोख(-खा) वि० जुओ 'चाक्ष'
चोगा पु० [तु चूगा] चागो झब्भो
चोचला पु० हावभाव, नखरा
चोज पु० मजाकनो गाल
चोट स्त्री० चोट, घा के आघात (२) टोणो (३) दाो 'वाखा' (४) वार 'दफा' -खाना=चोट लागवी -बचाना =घा चुकावतो तमाचो वचवु
चोट चपेट स्त्री० चाट घा
चोटा पु० (तमाकुनो) शीरो काकव
चोटी स्त्री० चाटली के चाटला (२) शिखर -करना=माथु ओळवु -का =उत्तम -दबना=लाचार थवु
चोटीवाला पु० भूतप्रेत इ०
चोट्टा पु० चाट्टो चार [जुओ 'चोब'
चोप पु० (प) रुचि (२) उमग (३)
चोप(-ब)दार पु० जुओ चोबदार'
चोब स्त्री० [फा] छडी (२) दडूको, दांडियो (३) जुओ चाबा'
चोबचीनी स्त्री० [फा] चोपचीनी-एक औषधि
चोबदार पु० [फा] छडीदार
चोबा पु० तबूनो वचलो दड के वास
चोर पु० [स] चोर, ठगो -पडना= चोरी थवी चोर आववा -पर मोर पडना=शरत माथे सवा शेर थवु -(मनमें) बठना=दिलमा शका के चारी होवी
चोरखाना पु० नानु के छूपु खानु, खच
चोर चकार पु० चोरचखार चार उठावगीर
चोरटा वि० चारट्ट चट्टट, चोर
चोरथन वि० दूध चोरतु-पूरु न देतु (ढोर) [फूटता दात
चोर दंत पु० वधारेना-पीडा करीने
चोर दरवाजा,-द्वार पु० छूपु द्वार
चोरना स०क्रि० चारवु, चुराना'
चोर-बाजार पु० काळु बजार
चोरमहल पु० रखातना महल-मकान
चोरमूग पु० गागडु मग
चोराचोरी अ० चारीछूपीथी, चूपकीथी
चोरी स्त्री० चारवु ते -लगना= चारीना आक्षेप आववा -लगाना= चारीनु आळ मूकवु
चोरी चोरी अ० जुओ 'चाराचोरी'
चोरी छिनाला पु० चोरी-यारी स्त्री० चारी न छिनाळ खराब काम
चोलना पु० 'चाला', फकीरना जामो
चोला पु० फकीरनो चाळो-लाबु मोटु जामा जवु पहरण (२) शरीर
चोली स्त्री० चाळी -दामनका साथ =खूब घनिष्ठ सबध
चौंआलीस वि० 'चौवालिस' चूवाळीस

चौंक स्त्री० चोक, चोकवु ते
चौंकना अ० क्रि० चोकवु
चौंतिस, चौंतीस वि० चात्रीस, ३४
चौंध स्त्री०आख अजावी त,'चकाचौंध'
चौंधियाना अ०क्रि० आख अजावी (२) न देखावु
चौंर पु० चमर, 'चँवर'
चौंर-गाय स्त्री० चमरीगाय [दारो
चौंरी स्त्री० चमरीगाय (२) चोटलानो
चौंसठ वि० चोसठ, ६४
चौ वि० चार (समासमा)
चौआ(-वा) पु० जुओ 'चौवा'
चौक पु० [स चतुष्क, प्रा चउक्क] चोक
चौकडा पु० कानमा पहेरवानु चोकडु
चौकडी स्त्री० फाळ, फलग (हरणनी) (२) चार जणनी चाकडी (३) चार घोडानो गाडी
चौकन्ना वि० सावधान (२) चोकेलु
चौकस वि० चोकस, सावधान,होशियार (नाम,-साई,-सी स्त्री०)
चौका पु० चोका (२) चोखडा टुकडो (३) गटलीनी आडणी (४) चोक्को (५) चार सरखी चीजानो समूह -देना, फेरना, लगाना=चोको करवो, लापवु -लगाना=सत्यानाश करवु
चौकी स्त्री० बाजठ के खुरशी (२) चाकी (३) नानी आडणी (४) पडाव, उतारो ०दार पु०चोकीदार,चाकियात
चौकोन (-ना,-र) वि० चोखडु, चतुष्कोण [ऊमरो
चौखट स्त्री० बारणानु चोकठु (२)
चौखटा पु० चोकठु, 'फ्रेम'
चौखानि स्त्री० चार प्रकारना (अडज, पिडज, स्वेदज, उद्भिज्ज) जीव
चौखूट पु० चारे दिशा (२) आखु भूमडल (३) अ० चापास, चोखूट
चौखूटा वि० चोखडु, 'चौकोना'
चौगान पु० [फा] गडीदडा के पोलो या ते रमवानु मेदान-चागान (२) नगाराना दाडिया
चौगिद अ० चामरदम
चौगुना वि० चोगणु
चौगोशिया वि०[फा] चोखडु,चतुष्काण
चौघड पु० 'चौभड', दाढ
चौघडा पु० चार खानावाळु पात्र-जव के पानना डब्बा, मसालानु पात्र इ०
चौचंद पु० बदनामी, निंदा -पारना= निंदा करवी
चौडा वि० चाडु, पहोळु
चौडाई(-न) स्त्री० चोडाई, पहोळाई
चौतरफा अ० चोतरफ
चौतरा पु० चातरा, चबूतरो
चौताल पु० मृगातनो चोताल (२) होळीनु एक गीत [चाथो भाग
चौथ स्त्री० चाथ तिथि (२) चाथाई-
चौथ(-था)पन पु० चोथी-वृद्ध अवस्था, वुढापो घडपण
चौथा वि० चाथु (स्त्री० -थी)
चौथाई स्त्री० चोथाई-चाथो भाग
चौथिया पु० चोथियो ताव (२) चाथा भागनो हक्दार [एक विधि
चौथी स्त्री० लग्नने चोथे दिवसे थता
चौदस स्त्री० चौदश तिथि
चौदह वि० चौद, १४
चौधराइ,-त स्त्री०,-ना पु० चोधरीनु काम के पुरस्कार
चौधरानी स्त्री० चोधरीनी स्त्री
चौधरी पु० चोधरी, मुखी, आगेवान
चौप(-पा)ई स्त्री० चापाई छद

चौपट वि० चारे बाजु खुल्लु, अरक्षित (२) बरबाद नष्ट, सत्यानाश खतम
चौपटा वि० सत्यानाश करनार
चौपड स्त्री० सोकठाबाजी, 'चोसर'
चौपाई स्त्री० जुओ 'चोपाई'
चौपाया पु० चोपगु
चौपाल पु० चार बाजूथी खुली एवी बठक (२) गामलोकने बेसवानो चोतरो -चोरा (३) एक जातनी पालखी
चौफेर अ० चोफेर, चोतरफ
चौवा(-बे) पु० जुओ 'चौबे'
चौबाइन स्त्री० चोबानी स्त्री
चौबारा पु० उपला माळनी चारे बाज खुल्ला मेडी (२) खुल्ली बठक (३) अ० चारेथी बार
चौबीस वि० चोवीस, २४
चौबे पु० एक ब्राह्मणनी जात, चोबा
चौभड स्त्री० 'चोघड', दाढ [(मकान)
चौमंजिला वि० चार मजला के खंडोवाळु
चौमासा पु० चोमासु
चौमासिया वि० चोमासामां थनारु (२) पु० चोमासा पूरता राखेलो नोकर
चौमुहानी स्त्री०, चौरस्ता, चौराहा पु० चार रस्ता
चौर पु० [स] चोर
चौरस वि० सपाट, सरखु (२) चोरस
चौरसाना स०क्रि० बराबर सरखु के चोरस करवु
चौरा पु० चोरो (चोतरा, बठक, देव-दवीने सतनु स्थानक) (स्त्री०-री)
चौराई स्त्री० जुओ चौलाई
चौरानवे वि० चोराणु, ९४
चौरासी वि० चोराशी, ८४ (२) पु० ८४ लाख योनि, लखचोराशी (३) पगमां बांधवाना घूघरा
चौराहा पु० चार रस्ता
चौलाई स्त्री० चोळाई शाक
चौवन वि० चोपन, ५४
चौवा पु० हाथनी चार आंगळी (२) चार आंगळ माप (३) चोक्को (४) चोपगु
चौवालीस वि० चूंवाळीस, ४४
चौसर पु० चोसर-सोगटाबाजी [रस्ता
चौहट्ट,-ट्टा पु० चौटु, चौक (२) चार
चौहत्तर वि० चुमोतेर, ७४
चौहद्दी स्त्री० चोपासनी सीमा [चोगणु
चौहरा वि० चोहरु-चार वडु (२)
चौहान पु० चोहाण क्षत्रिय
च्युत वि० [स] पडलु, भ्रष्ट -ति स्त्री० पडती, भ्रष्टता (२) भूल, चूक

छ

छग पु० (प) उछग गाद
छँटना अ०क्रि० छटा, विणाई जवु (२) कपाईने अलग थवु (३) अलग, छूटु पडवु
छँटनी स्त्री० (काममाथी) दूर करवु ते
छँडना स०क्रि० (प) छाडवु, छोडवु (२) छडवु (३) अ०क्रि० ओकवु
छद पु० [स] इच्छा (२) काव्यनो छद (३) छळ, कपट (४) हाथनु एक घरेणु
छ, छ वि० छ, ६
छकडा पु० शकट, गाडु
छकना अ०क्रि० धरावु (२) नशाथी चकचूर बनवु, छकवु (३) छक थवु

छकाछक वि० खूब तृप्त (२) छलोछल भरेलु (२) नशामा चकचूर
छकीला वि० छकेलु मदमस्त
छक्का पु० छक्को (२) छकडु (३) होशकोश सूधबूध छक्के छूटना=सूधबूध जती रहेवी (२) हिंमत हारवी
छक्कापंजा पु० दावपेच कूडकपट
छगडा पु० (स्त्री० -डी) छग, बकरो
छगन पु० नानु बाळक (प्यारना शब्द) ०मगन पु० हमता खलता प्यारा बाळको
छगुनी स्त्री० टचली आगळी
छछिआ(-या) स्त्री० छाश (२) छाश देवानु मापियु के वासण
छछूंदर पु० छछूंदर(२)एक दारूखानानी चीज -छोडना=झघडो ऊभो करवा
छजना अ० क्रि० छाजवु (२) शोभवु
छज्जा पु० छजु [छूटवु
छटकना अ०क्रि० छटकवु, छूटीने भागवु
छटपटाना अ०क्रि० बेचेन थवु, तरफडवु (२) आकुलव्याकुल थवु [आतुरता
छटपटी स्त्री० चटपटी बेचेनी (२)
छटाक स्त्री० नवटाक, (पाका) शेरना १६मो भाग [(३) ल्ट सेर
छटा स्त्री० [स] शोभा खूबी(२)वीजळी
छठ स्त्री० छठ तिथि
छठवां, छठा,-ठा वि० छठ्ठु छडे(-ॅ) -छमासे=कोई वार घण दिवसे
छठी स्त्री० छठ्ठी जन्म पछीनो छठ्ठो दिवस -का दूध निकालना=दम के ठूस काढवी -का दूध याद आना=एवु हेरान थवु के बाळपणनु सुख याद आवे
छड स्त्री० धातु के लाकडानो दडूको
छडा पु० पगना छडो (२) वि० छडु एकाकी
छडिया पु० दरवान, छडीदार
छडी स्त्री० लाकडी (२) धजा
छत स्त्री० मकाननी के ओरडानी छत (२)छतनो चदरवो(३)पु०(प)क्षत,घा
छतगीर(-री) स्त्री० चदरवा
छतरी स्त्री० छत्री (२) मंडप (३) समाधिना स्थान परनो मंडप
छतनार वि० फेलायेलु घटादार (झाड)
छतियाना स०क्रि० छाता पास लेवु (२) बंदूक ने फोडवा छाती पास लगाववी
छतीसा वि० चतुर (२) धूर्त
छत्ता पु० छत्री (२) मधपूडो
छत्तीस वि० छत्रीस, ३६ [छतीसा'
छत्तीसा पु० हजाम (२) वि० जुओ
छत्तीसी स्त्री० भारे बदमास स्त्री, छिनाळ
छत्र पु०[स] छत्री (२) (राजानु) छत्र
छत्रपति पु० [स] राजा
छत्री पु० क्षत्री (२) वि० छत्रधारी
छद पु०[स] ढांकण (२) छाल (३) पांख
छदाम पु० पसाना चोथो भाग
छद्म पु० [स] छळ कपट (२) छूपा वश, छुपाववु ते (३) बहानु
छन(०क) पु० क्षण 'छिन'
छनकना अ०क्रि० छमकारा थवो (२) चमकवु, भडकवु (३) छमकवु, छन छन थवु
छनना अ० क्रि० चळावु (२) गळावु (३) छणावु (४) तळावु (५) पु० गळणु
छप स्त्री० छब एवो पाणीनो अवाज
छपछपना अ० क्रि० छबछबवु (२) स० क्रि० छबछबाववु
छपना अ०क्रि० छाप पडवी (२) छपावु
छपरख(-खा)ट स्त्री० छप्परखाट
छपरी,-रिया स्त्री० छापरी, झूपडी

छपाई स्त्री० छाप, छापकाम(२)छपामण
छपाका पु० छबाको
छप्पन वि० ५६ संख्या
छप्पय पु० छप्पो
छप्पर पु० छापरु —पर रखना=माथु के अलग राखवु, छोडवु —फाडकर देना=घर बेठे मळवु—पहोंचवु —रखना=दोष देवो
छबडा पु० छाबडु टोपलु
छबि स्त्री० शोभा, सुंदरता
छबीला वि० छबीलु रुपाळु
छब्बीस वि० छवीस, २६
छमना स०क्रि० (प) क्षमा करवी
छमा(०ई) स्त्री० (प) क्षमा
छमाही वि० छ मासिक
छय पु०खय, क्षय, नाश [घा पर मीठु)
छरछराना अ०क्रि० चचरवु (जम के
छरना अ० क्रि० झरवु टपकवु (२) छळवु, ठगवु [(२) तेज, फूर्तिलु
छरहरा वि० (स्त्री०,–री) पातळु,हलकु
छरोरा पु० उझरडो
छर्दन पु० छर्दि स्त्री० [म] ऊलटी
छर्रा पु० बदूकनो छरो (२) झांझरनो घूघरो
छल पु०[म] छळ, कपट (२) ठगवु ते
छलक(०न) स्त्री० छाल्कु,छलकावु ते
छलकना अ०क्रि० छलकावु
छलकाना स०क्रि० छलकाववु
छलछद, छलछात, छलछिद्र पु०, छल-छाया स्त्री० कपट चालबाजी
छलछलाना स०क्रि० छल छल अवाज थवो (२) छलकावु (पाणी इ०)
छलना स०क्रि० छतरवु (२)स्त्री० छळ
छलनी स्त्री० चाळणी —में डाल छाजमें उडाना=रज गज करवु, वातनु वतेसर करवु
छलाग स्त्री० छलग
छलाई स्त्री० (प) कपट, छतरपिंडी
छलाना स०क्रि० 'छलना'नु प्रेरक
छलावा पु० (भूतप्रेत) देखा दई अलोप थवु ते
छलित वि० [म] छेतरायेलु
छलिया,छली वि० कपटी छळ करनार
छलोरी स्त्री० नहियु पाकवु ते, नखमा छाला पडवा के ते पाक ए रोग
छल्ला पु० छल्लो, वींटी
छवना पु० (स्त्री० —नी) जुओ 'छौना'
छवाई स्त्री० छावु ते के तेनी मजूरी
छवाना स०क्रि० 'छाना'नु प्रेरक [छबी
छवि स्त्री०[म] शोभा(२) तेज प्रभा(३)
छवया पु० छापरु छानारो
छहरना अ०क्रि० जुओ 'छहराना
छहराना अ०क्रि०(प) राखरावु फेलावु (२) स०क्रि० फलाववु
छहिया स्त्री० छांह' छाया
छागना स०क्रि०(डाळी) तोडवी रापवी
छागुर पु० छ आगळियो
छाछ स्त्री० छाश
छांट स्त्री० ऊलटी (२) काटवु के अलग करवु ते के तेम करेलो वस्तु
छाटना स०क्रि० कापीने जुदु करवु (२) अलग करवु जुदु पाडवु (३) साफ करवु
छाडना स०क्रि० छाडवु
छाद स्त्री० ढोरना पग बाधवानी रसी
छादना स०क्रि० जकडवु, बाधवु
छांव, छाह स्त्री० छाया छाह न छूने देना=पास न आववा देवु छाह बचाना =पास न जवु

छाक स्त्री० तप्ति (२) छाव, नशा
छाग पु० [म] बकरो
छाछ स्त्री० छाश, 'छाँछ'
छाज पु० छपड़ (२) छाज (३) छजु
 –सो दाढ़ी=मोटी दाढा छाजों मेह
 बरसना=मुसळधार वरसाद थवो
छाजन स्त्री० कपडुं, वस्त्र (२) छाज,
 छाप (३) एक रोग
छाजना अ०क्रि० (प) छाजवु, घटवु
छाता पु० छत्री (२) बिलाडीना टाप
छाती स्त्री० छाती (२) दिल (३) हिंमत
छात्र पु० [स] विद्यार्थी, शिष्य
छात्रवृत्ति स्त्री० [स] शिष्यवृत्ति
छात्रालय, छात्रावास पु०[स] छात्रालय,
 हॉस्टेल [निनु साधन
छादन पु० [स] छावु, ढांकवु ते के
छान स्त्री० छापरु (२) जुओ 'छाँद'
छानना स० क्रि० चाळवु (२) अलग
 करवु, छूटुं पाडवु (३) तपासवु
छानबीन स्त्री० बराबर तपास के विचार
छानबे वि० छनु ९६
छाना स०क्रि० छावु (२) बिछाववु (३)
 अ०क्रि० प्रसरवु [छाप, असर
छाप स्त्री० छाप, चिह्न मारको (२)
छापना स०क्रि० छापवु
छापा पु० छाप (२) छापु बीबु (३)
 हाथना थापो (४) छापो
छापाखाना पु० छापखानु 'मतबा'
छायल पु० स्त्रीनु एक वस्त्र छायल
छाया स्त्री०[स] छायो (२) पडछायो,
 प्रतिबिंब
छार पु० खार (२) छार, राख के धूळ
 –खार करना=खतम नष्टभ्रष्ट करवु
छाल स्त्री० झाडनी छाल(२)एक मीठाई
छालना स० क्रि० 'छानना', चाळवु,
 साफ करवु
छाला पु० छाल (२) फोल्ला
छालिया पु० कासानु छाल, छालियु (२)
 जुओ 'छाली'
छाली स्त्री० सोपारी
छावनी स्त्री० छाज (२) छावणी
छावा पु० [स शावक] बच्च (२) पुत्र
छि,छि अ० छा एवो तिरस्कारनोउद्गार
छिकनी स्त्री० छींक लावे एवी एक
 वनस्पति
छिगुनी स्त्री० टचली आंगळी
छिछरा वि० छीछरु [छिछोर(–रा)नं]
छिछोरा वि० छीछरु, पामर, क्षुद्र [नाम
छिटकना अ०क्रि० चोतरफ वाखरवु
 (प्रेरक छिटकाना) [राना प्रेरक)
छिडकना स०क्रि० छाटवु (छिडक
छिडकाई स्त्री० छाटवु ते के तेनी मजूरी
छिडकाव पु० छटकाव
छिडना अ०क्रि० शरू थवु, छेडावु
छितराना अ०क्रि० वीखरवु, वेरावु(२)
 स०क्रि० वेरवु, विखेरवु
छिदना अ०क्रि०छेदावु,मोकावु(छिदाना
 प्रेरक) [नजर (२) छिद्राळु
छिदरा वि० वीखरायेलु, छूटु (२)
छिद्र पु० [स] काणु (२) दोष
छिन पु० (प) क्षण, छन'
छिनक अ० (प) क्षण वार, जरा वार
छिनकना स०क्रि० नाक नसीकवु (२)
 भडकवु, छळवु
छिनना अ०क्रि० छिनावु हरण थवु
छिनरा वि० पु० छिनाळवो, व्यभिचारी
 (स्त्री०, –री) [छीननानु प्रेरक
छिनवाना, छिनाना स०क्रि० छिनवाववु,

छिनार,-ल स्त्री० छिनाळ –ला पु० छिनाळ व्यभिचार
छिन्न वि० [म] छेदायेलु, भागेलु
छिन्नभिन्न वि०[प]नष्टभ्रष्ट अस्तव्यस्त
छिपकली स्त्री० घराळी [हावु
छिपना अ०क्रि० छीपवु,छुपावु,ढवायलु
छिपा छिपी अ० छूपी रीते चूपकीथी, चूपचूप
छिपाना स०क्रि० छुपाववु (२) ढांकवु
छिपा रुस्तम वि०पु० असाधारण शक्तिवाळु पण अजाण्यु के छूपु माणस (२) उपरथी सारु पण अंदरथी खराब (माणस)
छिपाव पु० छुपाववु त
छिपे छिपे अ० छूपु छूपु
छिबडा पु० छावडु –डी स्त्री० छावडी
छिमा स्त्री० (प) क्षमा
छिया स्त्री०छी,मळ(२)घृणित चीज(३) वि० गदु –छरद करना=छीछी करवु
छिलका पु० फळनु छाडु–छाल छोल्टु
छिलना अ०क्रि० छिलावु, छोडु कढावु (२) छोलावु उझरडा भरावा
छींक स्त्री० छीकवु त के छींक –आना, मारना, लेना=छींक खावी –होना= अपशुकन थवा
छींकना अ०क्रि० छींकवु छींकते या छींकने पर नाक कटना=नाना गुना माटे भारे सजा थवी कीडी पर कटक थवु
छींट स्त्री० छांट, सीकर(२)छींट कपडु
छींटना स०क्रि० जुओ 'छितराना'
छींटा पु० छांटो (२) छांटा–थाडो वरसाद(३) आक्षेप,टोणो –छोडना, देना=टोणा मारवा [(बाळभाषा)
छी अ० जुओ छि (२) स्त्री० छी, मळ
छीका पु० [म शिक्य] शीकु, 'सींका'
छीछडा पु० मांसनो रद्दी टुकडो
छीछा लेदर स्त्री० दुर्दशा, बहाल
छीजना अ०क्रि० क्षीण थवु, घटवु
छीटा पु० वांसनो टोपलो–छावडु
छीतना स०क्रि० डखव (२) मारवु
छीदा वि० छिदरा', छिद्राळु (२) आछु, छूटु छूटु, पातळु
छीन वि० (प) क्षीण
छीन झपट स्त्री० जुओ 'छीनाझपटी'
छीनना स०क्रि० छीनवु झूटवु(२)छूटु करवु (३) (घटी) टांकवी
छीना खसोटी, छीनाछीनी, छीनाझपटी स्त्री० (जार झपटथी) छीनवी लेवु ते
छीप स्त्री० छीप सीप (२) छाप, डाघ चिह्न (३) डाघ पडी जाय एवो एक त्वचारोग (४) माछलो पकडवानी लाकडी
छीपी पु० छीपा
छीमी स्त्री० फळी, सीग [(प) क्षीर
छीर स्त्री० कोर, किनार 'छोर (२)पु०
छीलना स०क्रि० छीलवु छोलवु
छीलर पु० (पाणीनो) छछरो खाडो
छुआछूत स्त्री० स्पर्शास्पर्शनो ख्याल(२) अछूतने अडवु ते
छुआना स०क्रि०'छूना'नु प्रेरक, 'छुलाना'
छुईमुई स्त्री० लजामणीनो छोड
छुचछा वि० जुओ 'छूछा' [घरेणु
छुच्छी स्त्री० नानी नळी (२) नाकनु एक
छुट वि० 'छोटा'नु समासना आवतु रूप (२) अ० (प) सिवाय विना, छाडीने
छुटकारा पु० छुटकारा, मुक्ति
छुटपन पु० नानपण बाल्यावस्था
छुटपुटा पु० समीसांज, सध्या

छुट्टा वि० छूटु, मुक्त, एकलु [राखवी
छुट्टी स्त्री० रजा, छटी –मनाना=रजा
छुड़वाना, छुडाना स०क्रि० छोडववु (२) नूर भरी पामल लेवु
छुतिहा वि० अस्पृश्य (२) पतित (३) पु० सुरोखार, 'थोरा'
छुपना अ०क्रि० जुओ 'छिपना'
छुपाला स०क्रि० जुओ 'छिपाना'
छुरा पु० छर (२) अस्तरो (३) [म] चूनो
छुरा(–रे)बाज़ी स्त्री० छरा ऊडवा–तेनी मारामारी थवी ते
छुरी स्त्री० छरी नाना छरो –कटारी रहना वे होना=वेर होवु, झघडा थता रहेवो
छुला(वा)ना स०क्रि० 'छूना'नु प्रेरक
छुहारा पु० खारेक [(३) निधन
छूछा वि० खाली पोलु (२) निसत्त्व
छू पु० मंत्र भणी फूक मारवानो शब्द –मंतर होना=छूमंतर–अलोप थई जवु
छूछा वि० जुओ 'छूछा'
छूट स्त्री० छुटकारा, मुक्ति (२) रजा, अवकाश, छुट्टी (३) लेणदेणमा जती कराती – छूट अपाता रकम (४) कोई काम करवानु भूलथी रही जवु, गफलत
छूटना अ०क्रि० छूटवु मुक्त थवु (२) ऊपडवु चालवा मांडवु (३) छूटु–अलग पडवु (४) नियम के व्रत तूटवु (५) रस छूटवा (६) बाकी बचत रहेवु (७) काम करातु रही जवु–भूल थवी (८) फारेग थवु प्रकार बनवु
छूत स्त्री० अडवु ते स्पर्श (२) अस्पृश्यनो स्पर्श (रोग गदका वगरेना) (३) वळगण –का रोग=चेपी रोग
छूतछात स्त्री० छुआछूत'
छूना अ०क्रि० स्पर्श थवो (२) स०क्रि० स्पर्शवु
छूरा,–री जुओ 'छुरा,–री'
छेंकना स०क्रि० छेकवु (२) रोकव, थाभाववु (३) घेरवु
छेक पु० छेद, छिद्र
छेटा स्त्री० (प) हरकत, रुकावट
छेड स्त्री० छेडव ते (२) खीज
छेड-खानी, छेड-छाड स्त्री० खीजववु के छछेडवु ते के तेवी वात
छेडना स०क्रि० छेडवु, सतावबु (२) खीजववु (३) मश्करी करवा (४) खोदवु (५) 'छिडना', शरू करवु (६) फोल्लो फाडवा
छेद पु० [स] काणु, छिद्र
छेदना स०क्रि० छिद्र करवु, कापवु, छेदवु
छेना पु० दूध फ वीने वढाता मावा (२) स० क्रि० छेदवु (ताड इ०)
छेनी स्त्री० छीणी, टाकणु
छेम पु० (प) क्षेमकुशळ
छेरना अ० क्रि० छेरवु
छेरी (–ली) स्त्री० बकरी
छेव पु० छेद, घा (२) पडनार दुख
छेवना स० क्रि० छेदवु (२) चिह्न करवु जीव पर छेवना=जान जोखममा नाखवो
छया पु० (प) छयो, वहालो छोकरो
छल पु० (प) 'छैला', छल
छल चिकनियाँ, छल छबीला वि० छल छबीलो, शोखी
छला पु० छेल, शोखी माणस
छोकडा(–रा) पु० छोकरा (२) नोकर
छोकडी(–री) स्त्री० छोकरा
छोटा वि० छोटु, नानु (२) तुच्छ, सामान्य

छोटामोटा वि० नानुं साधारण
छोटा हाज़िरी स्त्री० सवारना नास्ता
छोड़ चिट्ठी, छोड़ पट्टा स्त्री० फारगती
छोड़ना स० क्रि० छोडवुं छोड़ छोड़कर =छोडी दईने
छोड़वाना, छोड़ाना स० क्रि० छोडाववु
छोप पु० जाडो लेप (२) बचाव, छुपाववुं ते [ढांकी दव
छोपना स०क्रि० लेप करवो (२) ढांकवुं
छोभ पु० (सं) क्षोभ (अ०क्रि० –ना)
छोर पु० सामो छेडो (२) धार किनारो
छोरना स० क्रि० छोडवुं (२) हरी लेवुं
छोरा पु० छोरो, छोकरो (स्त्री० –री)
छोराछोरी स्त्री० [illegible]
छोआरी स्त्री० नानी [illegible]
छोलना स० क्रि० (१) छोलवुं 'छीलना'
छोह पु० ममता प्रेम (२) दया
छोहरा पु० छोकरो छोरो छोकरा (स्त्री० –रिया, –री)
छोहा वि० स्त्री० (१) स्त्री गाठाना टूंका
छौंक स्त्री० वघार –ना स० क्रि० वघारवुं
छौना पु० पशुनुं बच्चुं
छौलदारी स्त्री० जुओ 'छोलदारी'

ज

जकात पु० [इं] जंक्शन मळवानुं स्टेशन
जंग स्त्री० [फा] जंग युद्ध (२) पु० जुओ 'जंग', काट
जंग पु० [फा] लोढाना काट
जंग-आवर वि० [फा] जुओ 'जंगजू'
जंगजू वि० [फा] लडायक, वीर
जंगम वि० [सं] जंगम चर
जंगल पु० वन वेरान रण [रानी
जंगली वि० जंगलनुं के त्यां मळतुं के थतुं,
जंगला पु० [पो जंगिला] जाळी
जंगार पु० [फा] जंगाल, तांबाना काट
जंगारी वि० जंगाली जंगालना रंगनु
जंगी वि० फोजी, जंग–लडाईनुं के तेने लगतुं (२) मोटुं ०लाट पु० सरसेनापति
जंगी पु० [फा] झंगबारना वतनी हबसी
जंघा स्त्री० [सं] जांघ
जंचना अ० क्रि० जाचना नु कर्मणि (२) ठीक लागवुं गमवुं (३) मालूम पडवुं, लागवुं
जंचा वि० बराबर तपासेलुं (२) अचूक
जंजाल पु० जंजाळ खटपट (२) मजाक ताप
जंजाली, –लिया वि० जंजाळी (२) खटपटी
जंजार स्त्री० [फा] जंजीर सांकळ के बेडी (२) बारणानी सांकळ ०खाना पु० कंदखानुं
जंट, ०मजिस्ट्रेट पु० [इं जाइंट] जॉइंट मॅजिस्ट्रेट –टी स्त्री० ते पद
जंतर पु० यंत्र ओजार (२) तावीज, मादळियुं (३) वेधशाळा (४) वीणा
जंतर मंतर पु० जादुमंत्र (२) वेधशाळा
जंतरी स्त्री० पंचांग (२) जुओ 'जंता (३) पु० जादुगर [–यंत्र
जंता पु० जतरडुं तार खेंचवानुं ओजार
जंती स्त्री० नानुं जंतरडुं
जंतु पु० [सं] जंतु जीव, जीवडुं
जंत्र पु० यंत्र (२) तावीज (३) ताळुं
जंत्री पु० वीणा (२) स्त्री० पंचांग, 'जंतरी'

०अवस्ता पु० इराननो प्राचीन
पा के तेमा लखायेलो पारसी धर्मग्रंथ
रा पु० जाँता', माटी घटी (२) यत्र
(–बू) पु० [म] जावु फळ के झाड
बुक पु० [स] माटु पारस जावु (२)
शियाळ
बूर पु० [फा] जबूरो, एक नानी
तोप (२) तोपनी गाडी
जभ पु० [स] दाढ (२) जडबु (३) बगासु
जँभाई स्त्री० बगासु –लेना='जँभाना'
अ० क्रि० बगासु खावु
जई स्त्री० जव जेवु एक अन्न (२) 'जवारा'
जईफ वि० [अ] जइफ, वृद्ध (३) दुबळ
–उल्-बयान, जईफुल बयान=बयान
करवामा दुबळ (वि० स्त्री० –फा)
(नाम –फी स्त्री०) [पराभव
जक स्त्री० [फा] हार (२) हानि (३)
जक स्त्री० जक, हठ (२) धून, लगनी
(३) पु० यक्ष (४) कजूस
जकड स्त्री० जकड, पकड, सकजो
जकडना स० क्रि० जकडवु बाधवु (२)
अ० क्रि० अग अकडावु, जकडावु
जकात स्त्री० [अ] जकात कर (२)
आयातवेरो (३) दान, खेरात
जकाती पु० जुओ 'जगाती' [पवित्रता
जकावत स्त्री० [अ] बुद्धिमत्ता, नेकी,
जकी वि० [अ] बुद्धिमान, नेक, पवित्र
जखम, जख्म [फा] पु० जखम घा
(वि० –मी, –खमी)
जखामत स्त्री० [अ] स्थूलता, जाडपण
जखीम वि० [अ] स्थूल, जाडु
जखीरा पु० [अ] जखीरो, सग्रह (२)
'नसरी' फूलझाड फळझाडना उछेरनी
जगा

जखम, –खमी जुओ 'जखम'
जग पु० जगत, दुनिया
जगजगा वि० झगझगतु (०ना अ०क्रि०)
जगत स्त्री० कूवानो चोतरफनो परथाळ
(२) पु० जगत, दुनिया
जगतसेठ पु० बहु धनवान माणस
जगती स्त्री० [स] पृथ्वी, दुनिया
जगदीश पु० [म] परमेश्वर
जगना अ० क्रि० जागवु (२) थगवु
जगमग, –गा वि० झगमगतु
जगमगना अ० क्रि० जगमगवु
जगमगाहट स्त्री० झगमगाट
जगह स्त्री० जगा (२) मोका, अवसर
जगात पु० जकात
जगाती पु० जकातदार के तेनु काम
जगाना अ० क्रि० जगाडवु
जघन पु० [स] पेढु (२) थापो, कूला
जघन्य वि० [स] छेल्लु (२) नीच,
हल्कु (३) निंद्य
जचगी स्त्री० [फा] प्रसूति, सुवावड
जचना अ० क्रि० जुओ 'जँचना'
जच्चा स्त्री० [फा] प्रसूता स्त्री
जच्चाखाना पु० [फा] प्रसूतिगृह
जज पु० [इ] जज, न्यायाधीश
जजमान पु० यजमान [परिणाम
जजा स्त्री० [अ] प्रतिकार (२) फळ,
जजिया पु० [अ] दड (२) जजिया–वेरो
जजी स्त्री० जजनु पद के काम या
तेनी कचेरी
जजीरा पु० [फा] जजीरा बेट
जजीरा नुमा पु० [अ] द्वीपकल्प
जजब पु० [अ] आकर्षण (२) शोषण
जजबा पु० [अ] आवेश (२) प्रबळ इच्छा
जज्बाती वि० भाव के इच्छा सबधी

जटना स० क्रि० ठगी लेवु
जटल स्त्री० गप, बकवाद
जटा स्त्री० [स] वाळनी जटा
जटित वि० [स] जडित, जडेलु
जटिल वि० [स] जटावाळु (२) गूचायेलु, अटपटु [विद्ध (३) कठण
जठर पु० [स] पेट हाजरी (२) वि०
जठराग्नि स्त्री० [स] जठरनो अग्नि
जड वि० [स] निर्जीव, अचेतन (२) मूर्ख (३) मूगु के बहेरु
जड स्त्री० मूळ मूळियु (२) पायो –जमना,–पकडना = जमना', दृढ थवु
जडना स०क्रि० जडवु बेसाडवु (२) मारवु ठोकवु (३) चाडी खावी कही देवु
जडहन पु० डागर
जडावर पु० [हिं जाडा] गरम कपडा
जडिया पु० जडवानु काम करनार
जडी, ०बूटी स्त्री० जडीबूटी, वनस्पति औषधि
जत अ० (प) जेटलु
जतन पु० यत्न प्रयत्न –नी वि० जतन करनार (२) चतुर
जतलाना, जताना स० क्रि० जणाववु (२) अगाउथी सूचववु
जति, –ती पु० यति, सन्यासी
जत्था पु० जथो, समूह (२)मडळी जूथ
जत्था(–त्थे)दार पु० जथानो नायक
जत्थाबदी स्त्री०दळवधी जूथ बाधवु ते
जथा अ० (प) यथा, जम (२) स्त्री० धन पूजी (३) पु० जथो 'जत्था'
जद अ० (प) यदि, जो (२) ज्यारे यदा
जदपि अ० यद्यपि जोके [चाटनु लक्ष्य
जद स्त्री० [फा] चाट मार(२) हानि(३)
जदल पु० [अ] जग, युद्ध [भाग बनलु
जदा वि० [फा] जद –हानि के चाटनु
जदीद वि० [अ] नवु, नवीन
जदुनाथ, जदुपति जदुराई पु० श्रीकृष्ण
जद्द स्त्री० [अ] प्रयत्न, कोशिश (२) पु० दादा (३) वि० ज्यादा वधु (प)
जद्दपि अ० (प) यद्यपि, जोके
जद्दबद्द पु०खराब –न कहेवा जेवी वात
जद्दी वि० [अ] बापदादानु
जद्दोजेहद स्त्री० [अ] दोडधाम, प्रयत्न
जन पु० [स] माणस (२)लोक(३)सेवक
जनक पु०[स]पिता(२)वि०पेदा करनार
जन स्त्री० [फा] स्त्री (२) पत्नी ०मुरीद वि० पत्नीवश
जनखा वि० [फा] नपुसक
जनता स्त्री० [स] जनसमाज लोक
जनन पु० [स] उत्पत्ति
जनना स० क्रि० जणवु (२) पेदा करवु
जननी स्त्री० [स] माता
जनम पु० जन्म (२) जिंदगी
जनमना अ० क्रि० जनमवु, पेदा थवु
जनमघूटी स्त्री० गळथूथी
जन-मुरीद वि० [फा] पत्नीवश
जनरल पु० [इ] सेनापति (२) वि० आम, साधारण
जनरव पु० [स] जनवाद, अफवा (२) लोकनिंदा लोकापवाद
जनवरी स्त्री० जानुआरी मास
जनवाई स्त्री० जुओ 'जनाई'
जनवाना स० क्रि० 'जनना' (जणवु) नु, 'जानना (जाणवु)नु प्रेरक
जनवास(–सा) पु० जानीवासो
जनश्रुति स्त्री०[स]अफवा लोकवायका
जनसख्या स्त्री० [स] वस्ती

जनाइ स्त्री० दाई के तेनी मजूरी
जनाज़ा पु० [अ] शब (२) जनाजो, (मुसलमान)मडदु लई जवानी खाटली
जनानखाना पु० [फा] जनानो, अंतपुर
जनाना स० क्रि० जुओ 'जनवाना'
जनाना वि० [फा] स्त्रीओनं (२) नपुमक (३) निवळ (४) पु० वायला, हीजडो (५) जनानो, जनानखानु
जनाब पु० [अ] श्रीयुत महेरबान, महाशय (आदरसूचक पूर्वग) ०आली पु० [अ] जनाबे आली –बा स्त्री० श्रीमती
जनाबे मन=मान्य महोदय, जनाबे आली
जनाव पु० जणाववु ते, सूचना
जनि अ० (प) ना नहीं, मत
जनु अ०(प) यथा, जेम (२) जाणो, मानो
जनून पु० [अ] झनून, उन्माद –नी वि०
जनूब स्त्री० [फा] दक्षिण दिशा –बी वि०
जनेऊ(–व) पु० जनाई
जनेत स्त्री० (प) जान, 'बरात'
जनेव पु० जुओ 'जनऊ'
जन्न पु० [अ] ख्याल, विचार, (२) भ्रम
जन्नत स्त्री० [अ] स्वर्ग –(–ते) अदन पु० स्वर्गनो बाग जेमां मनुष्य प्रथम हतो मनाय छे –ती वि० स्वर्गवासी (२) जाल्यु, भोळु, भलु
जन्म पु० [स] जनम (२) जनमारो ०कुडली स्त्री० जन्माक्षर
जन्मना अ० क्रि० जनमवु
जन्मातर पु० [स] बीजो जन्म, पुनर्जन्म
जन्माष्टमी स्त्री० [स] गोकळआठम
जन्य वि० [स] जन्मववी (२) देश के जाति सबंधी (३) पेदा थयलु
जप पु० [स] जप मंत्रनु रटण ०तप पु० पूजापाठ व्रत उपवासादि
जपना स० क्रि० जपवु (२) यज्ञ करवो
जपनी स्त्री० माळा (२) गौमुखी
जफर पु० [अ] जीत (२) लाभ
जफा स्त्री० [फा] सखताई (२) जुलम (३) कष्ट ०कश वि० सहनशील [अवाज
जफीर(–ल) स्त्री० [अ] सीटी के तेनो
जब अ० ज्यारे –कभी=चाहे त्यारे –कि=ज्यारे –तब=क्यारेक क्यारेक
जबडा प० जडबु ०तोड वि० जडबातोड
जबर वि० [अ] 'जबरा', जबरु (२) मजबूत (नाम –ई स्त्री०) [बळवान
जबरदस्त वि० [फा] जबरजस्त, मजबूत,
जबरदस्ती स्त्री० [फा] जोरजुल्म, अत्याचार, बलात्कार (२) अ० बळजोरीथी
जबरन् अ० [फा] बळपूर्वक
जबरा वि० जबरु (२) पु० जिन्ना पशु
जबल पु० [अ] पहाड
जबह पु० [अ] झबे, कतल, वध
जबहा पु० साहस, हिंमत
जबान स्त्री० [फा] जीभ (२) भाषा
जबानजद वि० [फा] सौनी जीभे होय तेवु प्रसिद्ध
जबानदराज वि० [फा] लाबी जीभनु गमे तेम – अनुचित बकनार
जबानदा वि० [फा] भाषाना पंडित –दानी स्त्री० [साक्षी
जबानबदी स्त्री० [फा] मौन (२) लखेली
जबानी वि० [फा] मौखिक (२) मोढामोढ
जबून वि० [फा] बूरु, खराब, अप शुकनियाळ [जबूनी स्त्री०)
जब्त पु० [अ] जप्त करवु ते (नाम
जब्बार वि० [फा] 'जब्र करनार
जब्र पु० [अ] जबरदस्ती, सख्ती, जुल्म

जब्र ‹ अ० [अ] जुओ जब्रन्
जब्र व मुकाबला पु० [अ] बीजगणित
जमघट पु० जमाव भीड [कूवा
जमजम पु० [अ] काबा पासना पवित्र
जमजमी स्त्री० [अ] जमजम' कूवाना पवित्र जळनु पात्र [थवु
जमना अ०क्रि० जामवु ठरवु, एकत्र
जमपट स्त्री० यूवानु चक्कर
जमहूर पु० [अ] जनसमूह प्रजा(२)राष्ट्र
जमहूरियत स्त्री० [अ] लोकशाही
जमहूरी वि० [अ] प्रजाकीय राष्ट्रीय –सल्तनत=प्रजातंत्र
जमा वि०[अ] जमा, एकठु जमा थयेलु (२) स्त्री० पूजी धन (३) महेसूल (४) सरवाळो (५) (व्या) बहुवचन (६) समूहवाचक नाम
जमा-खर्च पु० आवक ने खर्च
जमाअत स्त्री० [अ] जुओ 'जमात' –नी वि० सामुदायिक
जमाई पु० जमाई, दामाद' (२) स्त्री० जमाववु ते के तेनी मजूरी
जमा(०अ)त स्त्री० जमात, टुड समूह (२) श्रेणी दरज्जा
जमाद पु०[अ जिमाद]पथ्थर जेवा पदार्थ (२) वरसाद वगरनो देश (३) कजूस
जमादात स्त्री० [अ] पथ्थर माटी वगेरे पदार्थ
जमादार पु०[फा] जमादार सिपाईनी टुकडीनो वडो नायक
जमानत स्त्री०[अ] जमानत,जामिनगीरी
जमानतन् अ० [अ] जामिनरूपे
जमाना पु० [अ] समय (२) लाबो समय, जमानो
जमाना स० क्रि० जमाववु
जमानासाज वि० [अ+फा] जमानो जोई चालनार, चालाक
जमाबदी स्त्री० [फा] जमाबदी के ते अगेनु तत्सबंधी पत्रक
जमामार वि० बीजानु धन दबावी पाडनार के लई लेनार
जमाल पु० [अ] सुन्दरता (वि०–ली)
जमालगोटा पु० नेपाळो
जमाव,०डा पु०, ०ट स्त्री० जमाव,भीड
जमीकद पु० सूरण [–री स्त्री०)
जमीदार पु० [फा] जमीनदार (नाम,
जमींदोज वि० [फा] जमीनदोस्त
जमीन स्त्री० [फा] जमीन भूमि (२) पथ्थरी (वि०–नी) –आसमानके कुलाबे मिलाना=खूब शेखी मारवी –का पबद होना=मादीमा मळवु मरी जवु –चूमने लगना=गबडीन जमीन पर पडी जवु नीचु पडवु –देखना=पडवु,गबडी जवु –पकडना=(कुस्तीमा)जमीन साथे वळगी रहवु (२)निराते रहेवु –बाधना =भूमिका तयार करवी –से पीठ न लगना=चेन न पडवु
जमीमा पु०[अ] परिशिष्ट जुओ'क्रोडपत्र'
जमीर पु०[अ]मन(२)विवेक(३)सर्वनाम
जमील वि० [अ] सुदर 'जमाली' (वि०स्त्री०–ला)
जमुरद पु० [फा] 'पन्ना–हीरो, पनु –दी, –दीन वि० (२) पु० पन्नानो रग ते रगनु लीलु
जमुहाना अ०क्रि०बगासु खावु,'जभाना'
जमयत स्त्री०[अ] जमात समूह (२) सघ शाति (३) फोज
जमयतुल उलेमा स्त्री० [अ] उलेमा–मौल्वीओनु मडळ

जमोगना म० क्रि० हिसाब तपासवा (२) समयनमा त्रीजान माक्षी आपवा (३) देवाना जामिन आपवा
जम्म वि० [अ] सूत्र (२) वधु
जम्हाई स्त्री० बगासु
जम्हाना अ० क्रि० जुओ 'जमुहाना'
जयती स्त्री० (महापुरुषनो) जन्मतिथि (२) धजा
जय स्त्री० [म] जीत, फतेह
जर पु० जरा घडपण (२) विनाश (३) (प) जळ पाणी (४) ज्वर, ताव (५) स्त्री० 'जड, मूळ
जर पु० [फा] जर पसो (२) सोनु
जरकस(-सी) वि० सोनाना तारकसब-वाळु, कसबी [खरीदेलु
जर-खरीद वि० [फा] (पसा आपीने)
जरखेज वि० [फा] फळद्रुप, जरखोज (नाम -जी स्त्री०)
जरगर पु० [फा] सोनी
जरगा पु० [तु जग] जिर्गा 'जिरगा'
जरठ वि०[म] वृद्ध, घरडु (२) कठोर, ककश [(२) वि० कसबी
जरतार प० सोना चादीना तार कसब
जरतु(-दु)श्त पु० जरथुष्ट्र (वि०-ती)
जरद वि० जुओ जर्द' [पीळा घाडो
जरदा पु० [फा] खावानी तमाकु (२)
जरदार वि० [फा] पसादार, घनिक
जरदालू पु०[फा] जरदाळु एक सूका मेवो
जरदी स्त्री० जुओ 'जर्दी' (२) इडा अदरनो पीळो रस
जरदुश्त पु० जुओ 'जरतुश्त'
जरन(-नी) स्त्री० (प) जलन', दाह
जरना अ० क्रि० जळवु बळवु
जरपरस्त वि० [फा] लोभी कजूस
जरब स्त्री० [अ] आघात, चोट (२) गुणाकार (३) तबला पर थाप
जरबख़ाना पु० [फा] टकशाळ
जरबफ्त पु०[फा] कसबी रेशमी कपडु
जरबाफ पु० जरदोज, तारकसबवाळो
जरबीला वि० भभकदार, नदर
जरबुल मसल स्त्री० [अ] कहेवत
जरमन सिलवर पु० जमन सिल्वर धातु
जरर पु० [अ] हानि (२) आघात
जरस पु० [अ] घट
जरा वि०[अ] जरा, थोडु -सा=जराक
जरा स्त्री० [म] घडपण
जराअत स्त्री०[अ] खेती के तेनी पेदाश
जराफत स्त्री०[अ] मजाव(२)बुद्धिमत्ता
जराफतन् अ० [अ] मजाकमा
जराफा पु० [अ] जिराफ 'जिराफा'
जरायम पु० [अ 'जुर्म'नु ब०व०] जनक विध गुना
जरायु पु० [म] गर्भनी ओर ०ज वि० ओर साथे जन्मतु (प्राणी)
जरिया पु० [अ] कारण सबब (२) सबध, लाग (३) उपाय, मदद
जरी स्त्री० जरी-कसब (२) वि० जरीनु कसबी [माणस
जरीफ [अ] जरीफ--मजाकी के समजदार
जरीब स्त्री० [फा] जमीन मापवानी साकळ
जरूर वि०[अ जुरूर] जरूरी, आवश्यक (२) अ० जरूर (नाम, ०त स्त्री०)
जरूरी वि० जरूरनु, आवश्यक
जर्क बर्क वि० [फा] झलकदार
जर्जर,-रित वि० [स] जरीगयलु जीर्ण
जर्द वि० [फा] 'जरद पीळु ०चोब स्त्री० हळदर (-र्दी स्त्री०)

जर्दालू पु० जुओ 'जरदालू'
जर्फ न० [अ] वासण (२) पात्रता, बुद्धिमत्ता समज (३) व्याकरणे स्थान वाचक क्रियाविशेषण
जर्फीयत स्त्री०[फा] पात्रता योग्यता
जर्ब स्त्री० जुओ 'जरब'
जर्ब-उल मसल स्त्री०[अ] कहेवत (२) वि० जाणीतुं सर्वविदित
जर्रा पु० [अ] अणु कण
जर्रार वि०[अ] बहादुर (२) विशाळ सेना (नाम –री स्त्री०)
जर्राह पु० [अ] सरजन शस्त्रवैद
जर्राही स्त्री० [अ] शस्त्रवैदु
जलधर पु० जळधर रोग
जल पु० [स] पाणी
जलक स्त्री० [अ जल्क] हस्तमैथुन
जल खावा पु० जलपान, नास्तो
जलचर पु०[स] जळचर प्राणी –री स्त्री० माछली [सता शख छीप इ०
जलज पु [स] कमळ (२) माछली (३)
जलजला पु० [फा] धरतीकंप
जलडमरूमध्य पु० [स] सामुद्रधुनी
जलद, जलधर पु० [स] वादळ मेघ
जलधि पु० [स] समुद्र
जलन स्त्री० दाह,ज्वलन(२)ईर्षा दाझ
जलना अ०क्रि०जळवुं बळवुं जला बला, जला भुना=बहु गुस्सामां आवेलुं जले पावकी बिल्ली=अहीं तहीं फर्या करती –अस्थिर स्त्री जले फफोले फोडना =दाझ काढवी बळी बधारे सतावबुं
जलपान पु० [स] नास्तो
जलप्रपा पु० [स] परब प्याऊ
जलप्रपात पु० [स] धोध
जलयान पु० [स] वहाण, जहाज
जलवा पु० जुओ जल्वा
जलसा पु० [अ] (गायन वादनना) जलसो (२) अधिवेशन बेठक, समारंभ
जलहरी स्त्री जळाधारीक लिंगनी बेठक
जलाना स० क्रि० बाळवुं, बाळवुं
जलापा पु० बळापो रोग (दुःखनी)
जलाल पु०[अ] तेज (२) प्रभाव –ली वि० तेजस्वी (२) पु० एक फकीर संप्रदाय
जलालुका स्त्री० [स] जळो
जलाव पु० समीर आथाके त चडवाते
जलावतन वि०[अ] निर्वासित, देशपार थयेलुं (नाम,–नी स्त्री०)
जलावन पु० बळतण इंधण [विगरे
जलाशय पु० [स] जळाशय–नदी, तळाव
जलाहल वि० जळमय जळरवाकार
जली वि०[अ] चारवा मोटा (अक्षर)
जली-कटी, जली भुनी (वात)=द्वेष के क्रोधादिथी कहेली वात
जलील वि०[अ] तुच्छ (२) अपमानित
जलूस पु० जुओ 'जुलूस'
जलेबी स्त्री० जलेबी मीठाई
जलोदर पु० [स] जळधर रोग
जलौका स्त्री० [स] जलालुका, 'जळो'
जल्द अ० [अ] (नाम, ल्दी स्त्री०) जल्दी, झटपट ०बाज़ वि० [फा] काममां जल्दी करनार
जल्प,०न पु०[स] लवारो, बकवाद, डिंग
जल्पना स०क्रि०लवारो, बकवाद करवो
जल्लाद पु०[अ] फांसियो घातक (२) क्रूर घातकी माणस
जल्वा पु०[अ] शोभा, वैभव, 'जल्वा'
जव पु० जव, 'जौ' (२) [स] गति, वेग
जवनिका स्त्री० पडदो

जवामर्द वि० [फा] बहादुर, जवरु, मरद (नाम –र्दी स्त्री०)
जवान वि०[फा] जुवान (२) बहादुर (३) पु० युवक (४) योद्धो, सिपाई (नाम, –नी स्त्री०)
जवाब पु०[अ] जवाब, उत्तर, सामेथी प्रतिक्रिया (२) जाड, मुकाबलानी वस्तु (३) नोकरी छूटवानी आज्ञा –तलब करना = वातनु कारण पूछवु जवाब मागवो
जवाब-तलब वि० [फा] जेनो जवाब लेवानो होय ते (नाम –बी स्त्री०)
जवाब दावा पुं० [अ] प्रतिवादीनी कैफियत [जवाबदार
जवाब-देह वि०[फा](नाम –ही स्त्री०)
जवाबी वि०[फा] जवाब संबंधी (जेम के, कार्ड तार इ०)
जवार पु०[अ]आसपासनी जगा पडोस (२) स्त्री० जुवार (३)झंझट जंजाळ
जवारा पु० (जवना) जवारा
जवाल पु० [अ] अवनति (२) आफत
जवास, सा पु० जवासो–एक औषधि
जवाह(–हि)र पु०[अ] झवेर, रत्न
जवाहरात पु० [अ] झवेरात
जशन, जश्न पु०[फा] उत्सव जल्सो (२) हर्ष
जस पु० जश, कीर्ति (२) अ० (प) 'जसा', जेवु [जाडाई
जसामत स्त्री०[अ] शरीरनी स्थूलता,
जसीम वि० [अ] जाडु, स्थूल
जस्त स्त्री० [फा] कूदको, छलंग
जस्ता पु० जसत –स्तई वि० जसतना रंगनु [त्यां अनेक जगाए
जहँ अ० 'जहां', ज्यां (प) –तहँ=ज्यां
जहँड(–डा)ना अ०क्रि० खोटमां पडवु (२) फसावु, छेतरावु
जहद स्त्री० [अ] कोशिश [(२) थाकवु
जहदना अ०क्रि० 'जहदा'–कीचड थवो
जहदा पु० खूब कादवकीचड
जहन पु० जुओ 'जिहन'
जहन्(–न्नु)म पु०[अ]जहन्नम,नरक ०रसीद वि० नरके गयलु –मी वि० नरके जनारु
जहमत स्त्री० [अ] जहमत मुसीबत
जहर स्त्री० [फा] झेर (वि० ०दार, –री,–रीला)
जहल पु० [अ] अज्ञान, नादान
जहां अ० ज्यां (२) पु० [फा] 'जहान'नु समासनु रूप –तहां=ज्यां त्यां, अनेक जगाए –का तहां=ज्यांनु त्यां,तेने स्थाने
जहां दीदा पु०[फा]भारे अनुभवी माणस
जहांपनाह पु०[फा] बादशाह, सम्राट
जहाज पु०[अ] जहाज वहाण –का कौआ=जुओ 'जहाजी कौआ'
जहाजी वि० वहाण अंगनु (२) पु० खलासी –कौआ=एक ज जगाए– ठेरना ठेर रहेतो माणस (२) भारे पाको पहोंचेल माणस –डाकू=चांचियो
जहान पु० [फा] संसार जगत
जहानत स्त्री० बुद्धिमत्ता, समजशक्ति
जहालत स्त्री०[अ] अज्ञानता, नादानी
जहिआ,–या अ० (प) ज्यारे, 'जब'
जहीं अ० (प) ज्यां जहीं
जहीन वि० [अ] बुद्धिमान
जहीर वि०[अ] सहायक (२) कमजोर
जहूर पु० [अ] जाहेरात प्रकाश
जहेज पु०[अ] वरने विवाहमां अपातु धन ०, देज

जह्र प० [फा] जहर, झर –(ह्र) कातिल=हळाहळ विष [खूब यातना
जा कनी स्त्री०[फा] मरणकाळनी पीडा
जाग,–घ स्त्री० जाघ माथळ
जागडा,–रा ु० भाट चारण
जागर पु० शरीर (२) हाथपगनु जोर ०चोर=आळसु, हाडकानु हराम
जागरा पु० जुओ जागडा
जागलू वि० जगली गमार
जाघ स्त्री० जुओ जाग'
जाघिया पु० पहेरवाना जाधियो (२) मल्लमनो एक कसरत
जाच स्त्री० तपास
जाचना स०क्रि० तपासवु (२) जाचवु
जात(–ता) पु० दळवाना माटा घटो
जाब पु० (प) जावु फळ
जाबव पु० [म] जाबु (२) सोनु
जा फिशानी स्त्री० [फा] खूब महनत
जा वि० [फा] वाजवी, उचित (२) स्त्री० जगा
जा म० (प) जे, 'यह'
जाई स्त्री० दीकरी (२) जाई वेल
जाकड पु० जागड दीधलो माल
जाकि(–के)ट स्त्री० [इ] जाकीट
जाग्र पु०[फा] कागडा [(३)जगा,स्थान
जाग पु०याग,यज्ञ(२)स्त्री०(प)जागवु त
जागना अ०क्रि० जागवु ऊठवु (२) सावध थवु चेतवु [उजागरा
जागरण पु० जागवु त जागति (२)
जागरित वि०[म] जाग्रत (२) जागरण
जागरूक वि० [म] जागत, सचेत
जागीर स्त्री०[फा] बक्षिस के इनाममा मळेली जमीन ०दार पु०जागीरदार ०दारी, जागीरी स्त्री० अमीरी

जागति स्त्री० [स] जागवु त
जाग्रत वि०[स] जागतु (२) सावधान
जाचक पु० याचक मागनार(२)मागण
जाचना स०क्रि० याचवु, मागवु
जाज(–जिम) स्त्री०[तु]जाजम–बिछानु
जाजरूर पु० [फा] जाजरू
जाजिब पु० [अ] शाहीचूस (२) वि० आकर्षक
जाजिम स्त्री० जुओ 'जाजम'
जाज्वल्य,०मान वि० [स] प्रकाशतु, तेजस्वी [तळावनो वच्चेनो स्तंभ
जाठ पु० कालुनो वचलो लट्ठो (२)
जाडा पु० शियाळो (२) ठडी
जाडय प० [स] जडता (२) मूर्खता
जात स्त्री० जाति नात (२) वि० [स] जन्मेलु
जात स्त्री० [अ] जात, देह
जातपात स्त्री० नातजात, ज्ञाति, वर्ग
जाति स्त्री०[स] जात, कुल, वंश (२) वर्ण नात (३) राष्ट्र (४) जात,प्रकार ०पाति स्त्री० 'जातपात', नातजात ०वर पु० सहज वेर
जाती वि० वयक्तिक (२) पोतानु
जात्रा स्त्री० यात्रा –त्री पु० यात्री
जाद राह पु० [अ] रस्तानो खर्च
जादू पु० [फा] जादु चमत्कार (२) जतरमतर (३) नजरबंद (४) मोहिनी, आकर्षण –डालना,मारना=जादु करवा
जादूगर पु०[फा] जादु करनार (नाम, –री स्त्री०)
जान स्त्री० जाण खबर(२)[फा]प्राण जान (३) बळ(४)सार –आना=नवमा जीव आववा –के लाले पडना=आवी बनवु –पडना=जीवित आववी(२)सबर

पडवी –पर खेलना=जाननी परवा न करवी –से गुजर जाना, –से जाना= मरवु
जानकार वि० जाणकार (२) तज्ञ
जानकारी स्त्री० जाण (२) निपुणता
जान-जोखिम, जान-जोखो स्त्री० जाननु जोखम [जानकीजीवन
जानकी जान (–नि) पु० रामचंद्र,
जान-जा, जाने जा वि०अति प्रिय, जान जेवु व्हालु
जानदार वि० जानवाळु, जीवत (२) हिंमतवाळु (३) पु० जीव, प्राणी
जानना स० क्रि० जाणवु –बूझना= जाणवु समजवु
जान निसार वि० [फा] जान दे एवु, वफादार –री स्त्री०
जान पहचान स्त्री०जानपिछान,परिचय
जान-फिशानी स्त्री०[फा] तनतोड श्रम
जानबख्शी स्त्री०[फा] प्राणदान क्षमा
जान बाज वि० [फा] बहादुर, वीर –जी स्त्री० वीरता, साहस
जान बीमा पु० जिंदगीनो वीमो
जान(–न)मन वि० जुओ 'जानजा'
जा नमाज स्त्री०[फा] नमाजनु आसन मुसल्ला
जान लेवा वि०जान लेएवु, जानी दुश्मन
जानवर पु०[फा] प्राणी पशु (२) मूर्ख
जा-नशीन वि० [फा] वारस [जणवु
जाना अ०क्रि० जवु (२) स०क्रि० (प)
जानिब स्त्री०[अ] तरफ बाजु दिशा ०दार वि०[फा] पक्षपाती तरफदार ०दारी स्त्री० [फा] पक्षपात
जानी वि०[फा] जान जोड मबबवाळु (२) प्राणप्रिय
जानु पु० [म] घूंटण (२) जांघ
जानू पु० [फा] जुओ 'जानु'
जाने-अनजाने = जाण्ये अजाण्ये
जाने-जाँ, जाने-मन वि० जुओ 'जानजाँ', 'जानमन'
जापा पु० जुओ 'सौरी'
जाफ पु० थाक (२) मूर्छा, बेहोशी
जाफत स्त्री० जाफत, मिजबानी, 'जियाफत'
जाफरान पु० स्त्री० [अ] केसर
जा-ब-जा अ० [फा] ठेर ठेर
जाबिर वि०[फा] अत्याचारी, जालिम
जा बेजा अ० [फा] टाणेकटाण
जाब्ता पु० [अ] कायदो, नियम (२) जाप्तो, बंदोबस्त –दीवानी पु० दीवानी कायदो –फौजदारी पु० फोजदारी कायदो ['जामुन' (३) [फा] प्यालो
जाम पु० याम, पहोर (२) जांबु,
जामगी(–गिरी) पु० स्त्री० [फा] जामगरी
जामदानी स्त्री०[फा] जामा–कपडानी (चामडानी) पेटी (२) एक जातनु वारीक कापड [जुओ 'जामुन'
जामन पु० दहीं माटेनु मेळवण (२)
जामा पु०[फा] जामो (२) वि०[अ] कुल सब जामेसे बाहर होना=खूब गुस्से थवु
जामा-मसजिद स्त्री० जुमामस्जिद
जामाता,–तु (प) पु० [स] जमाई
जामिन,०दार पु०[अ] जामीन,बीजानी जोखमदारी पोता उपर क्बूलनार, जवाबदार (नाम, –नी स्त्री० जामिनगीरी)
जामुन पु० जांबु के जांबुडो

जामुनी वि० जांबुडिया रंगनुं
जामे जम, जामे-जमशेद पु० [फा] ईराननां बादशाह् जमशेदनो जादुई प्यालो ['जा' जगा
जाय अ० वथा (२) स्त्री० [फा]
जायका पु०[अ] जायको खावापीवानो स्वाद के लहेजत (वि० –केदार)
जायचा पु० [फा] जन्मोत्री
जायज वि० [अ] उचित
जाय ज़रूर पु [फा] 'जा जरूर जाजरू
जायजा पु० [अ] तपास (२) इनाम
जायद वि०[अ] वधारेपडतं नकामुं, फालतु
जायदाद स्त्री० [फा] माल मिल्कत ०आबाई स्त्री० पितृकी जायदाद ०ग़ैरमनकूला स्त्री० स्थावर मिल्कत ०मकफूला स्त्री० गीरो मूकेली मिल्कत ०मनकूला स्त्री० जंगम मिलकत
जाय नमाज स्त्री० [फा] मुसल्ला, नमाजनी चटाई
जायफल पु० जायफळ – एक औषधि
जायज वि० [फा] पडती थतुं नाश पामतं, पायमाल
जाया स्त्री० [स] पत्नी स्त्री
जाया वि० [फा] बरबाद नष्ट
जार पु० [स] यार व्यभिचारी
जार पु० [इ] रशियाना जार(२)[फा] 'जा',जगा,स्थान(३)वि० रात दुःखी (४) अ० पूर –व क़तार=सतत
जारी स्त्री० जारकर्म यारी (२) वि० [अ] चालु, वहेतुं
जारी स्त्री० [फा] रोवुं ते रोकळ
जारूब पु० [फा] झाडु [गा, युक्ति
जाल पु०[अ जअल]खोटुं,खोटी बनावट,
जाल पु०[स] जाळ, जाळा (२) जाळुं
जालदार वि० जाळीदार, जाळीवाळुं
जालसाज वि०[फा] दगाबाज कपटी –ज़ी स्त्री० दगो
जाला पु० करोळियानं जाळुं (२) जाख पर बाझतं जाळु–एक रोग (३)पाणीनुं एक मोटुं माटीनुं वासण [जुल्मी
ज़ालिम वि०[अ]जालिम,जुलम करनार,
जाल्या वि० 'जाल'–दगो करनार, 'जालसाज़' (२) पु० माछीमार
जाली स्त्री० जाळी (२) वि० [फा] बनावटी कपटी ०दार वि० जाळीवाळुं ०लेट(–लो)ट पु० एक जातनुं जाळीदार कपडुं
जावन पु० जुओ 'जामन
जावित्री स्त्री० जावत्री
जाविया पु० खूणो
जावेद वि० [फा] स्थायी दीर्घजीवी
जासु स० (प) 'जिसको', जने
जासूस पु० [अ] छूपो बातमीदार, गुप्तचर –सी स्त्री० तेनुं काम
जाह पु०[अ] उच्च पद (२) प्रतिष्ठा गौरव ०व जलाल पु० जाहोजलाली, वैभव [त्यागी माणस
जाहिद पु० [अ] जाहेद, धर्मनिष्ठा,
जाहिर,०ज़हूर वि०[अ] जाहेर, प्रगट, खुल्लुं [करनारु
जाहिरदार वि० [फा] मात्र देखाडो
जाहिरदारी स्त्री० [फा] मात्र देखाव के ते अर्थेनुं काम के वात
जाहिर-बीं वि०[फा] उपरनुं ज जानार, तेने ज महत्त्व आपनार (नाम, –बीनी स्त्री०) [अने बहार
जाहिर व बातिन अ० [फा] अंदर

जाहिरा अ० [अ] जाहरमा, प्रत्यक्ष, देखवामा
जाहिरी वि० वाह्य, उपरनु, प्रत्यक्ष
जाहिल वि० [अ] मूर्ख (२) अभण
जाहिली,-लियत स्त्री० [अ] अज्ञान, मूर्खता, अभणता।
जिंक पु० [इ] जमतनो खार
जिंद पु० [अ] जीन, झड, भूत
जिंदगी,-गानी स्त्री० [फा] जिंदगी, जीवन आयु
जिंदा वि० [फा] जीवत् (२) प्रफुल्ल, खीलेलु (३) सळगती (आग)
जिंदा दिल वि०[फा] खुश मिजाज (२) हसमुखु (३) रसिक, विनोदी (नाम, -ली स्त्री०)
जिंदाबाद श० प्र० [फा] जीवतु रहो
जिंस स्त्री०[फा] प्रकार (२) जणस, चीज (३) सामग्री (४) अनाज
जिंसवार पु० [फा] तलाटीनु फसल इ०नु एक पत्रक (२) वि० वर्ग प्रमाणे -री स्त्री० वर्गीकरण
जिआना स० क्रि० (प) जिवाडवु 'जिलाना [वातचीत
जिक्र पु०[अ] जिकर, चर्चा, उल्लेख
जिक्र-मजकूर पु०[अ] चर्चा, वातचीत
जिगर पु०[फा] जीव (२) कलेजु (३) हिंमत (४) सत्त्व, सार
जिगरा पु० जिगर, छाती, हिंमत
जिगरी वि०[फा] जिगरनु (२) दिलोजान
जिच, च्च स्त्री०[फ़] लाचारी, विवशता
जिजिया पु० जुओ जजिया
जिज्ञासा स्त्री०[स] जाणवानी इच्छा -सु वि० [वि० [स] जितायेलु
जित अ० (प) जे वाजु, 'जिधर' (२)
जितना वि० जटलु [प्रेरक
जिताना स०क्रि० जिताडवु,'जीतना'नु
जितेंद्रिय वि०[स] इंद्रियोने जीतनार
जिद,-द्द स्त्री०[अ] ऊलटी के विरुद्ध वात (२) जिद, हठ -चढ़ना,-पकडना, -पर आना=जिद्द चडवु -दन अ० हठपूर्वक -द्दी वि० हठीलु
जिधर अ० ज्या जे वाजु
जिन पु० [अ] भूतप्रेत (२) [स] जन तीर्थकर (३) म० 'जिस' नु व०व०
जिना पु० [अ] व्यभिचार
जिनाकार वि०[फा] व्यभिचारी -री स्त्री० [वळात्कार करनार
जिना बिल जब्र पु० [अ०] स्त्री पर
जिनि अ० मत, नहि
जिनिस,०वार जुओ 'जिंस,०वार'
जिबह पु० जुओ 'जबह'
जिमन पु०[अ] संबंध, अनुसंधान (२) 'दफा' कायदानी कलम
जिमनास्टिक पु०[इ] कसरत (साधनो द्वारा करातो)
जिमनेशियम पु० [इ] व्यायामशाळा
जिमाना स०क्रि० जमाडवु, 'जीमना'नु प्रेरक
जिमि अ० (प) जेम जेवी रीत
जिम्मा पु०[अ] जुम्मो जवाबदारी(२) देखरेख रक्षण
जिम्मादा(-वा)र [फा], जिम्मेदार वि० जुम्मेदार (नाम, -री स्त्री०)
जिय पु० (प) मन चित्त, जीव
जियरा पु० जीव, जीवडो
जिया,-यान पु०[फा] घट, तोटो, खोट
जिया स्त्री० [अ] प्रकाश, तेज, कांति
जियादती स्त्री० [फा] ज्यादती

जियादा वि०[अ] वधारे बहु, ज्यादा
जियान पु० नुक०। 'ज़ियाँ'
जियाना स०क्रि० जिवाडवु (२)पाळवु
जियाफत स्त्री०[अ] जाफत, मिजबान
जियारत स्त्री०[अ] दर्शन(२)तीर्थयात्रा
जियारती वि०[फा] दर्शनार्थी(२)यात्री
जियारा स्त्री० जिंदगी (२)आजीविका (३) साहस हिंमत
जिरगा पु० [फा] जुओ जरगा
जिरह स्त्री० [अ जुर्ह] चर्चा वाद-विवाद (२) ऊलटतपास
जिरह स्त्री० [फा] बख्तर बगतर
जिराअ(-य)त स्त्री०[अ]जुओ'ज़राअत'
जिराफा पु० जुओ 'ज़राफा'
जिम पु० [अ] जतु 'जम'(इ)
जिला स्त्री०[अ] चमक, प्रकाश (२) मांजीने रगडीने चमकाववु ते पालीस करना, देना=पालीस करवी ढाळ चडाववो, चमक आपवी
जिला पु० [अ] जिल्लो ०दार पु० जुओ जिलेदार'
जिलाकार,जिलासाज पु०'जिला'करनार
जिलाना स०क्रि० जिवाडवु (२)पाळवु पोषवु
जिलेदार पु० [फा] (जमीनदारनु) महेसूल उघरावनार अमलदार (२) नहेरखाताना एक नोकर
जिल्द स्त्री०[अ] खाल चामडी (२) पुस्तकनी बाधणी (३) पुस्तक ग्रथ
जिल्दबद, जिल्दसाज पु० [फा] बुक-बाइडर (नाम, -दी, -जी स्त्री०)
जिल्लत स्त्री०[अ] अपमान, बआबरू (२) दुर्दशा -उठाना या पाना=अप-मानित थवु
जिस स० जा नु विभक्ति माटेनु रूप
जिस्म पु० [फा] जिसम देह
जिस्मानी वि० [अ] शारीरिक
जिहन पु०[अ] समज बुद्धि (२) याद-दास्त -खुलना=बुद्धि खीलवी -लडाना =खूब विचार मगज दोडाववु
जिहाद पु [अ]जेहाद धर्मयुद्ध -दी वि०
जिहालत स्त्री० जुओ जहालत'
जिह्वा स्त्री० [स] जीभ
जी पु० जीव (२) अ० जी -करना= हिंमत करवी (२) जीव घालवो, इच्छवु -का बुखार निकलना=जीवना कढापो बळापो इ० नीकळी जीव ठरवो -खट्टा या फीका होना=मन फरी जवु, घणा थवी। चिंता थवी -जानसे=पूरा दिलथी पूरी शक्तिथी -टगा रहना या होना=चिंता थवी -डूबना=चित्त व्याकुल थवु -पर आ बनना=जीवी बनवु -पर खेलना=जीव जोखममा नाखवो -पानी होना,-पिघलना=दिल पीगळवु दया आववी -बढना=हिंमत उत्साह वधवो, खुश थवु -बिखरना, -मतलाना=विह्वळ के बेहोश थवु -बिगडना=गभरामण थवी जीव चूथावो -बुरा होना= ऊलटी थवी (२)घणा के अभाव थवो -भर आना=दिल भराइ आववु दुख-दया ऊभरावां -भरना=धरावु संतोष थवो -भरभरा उठना=आवेगथी मन उत्तेजित थवु -मालिश करना=जीव गभरावो (२) ऊलटानी हाजत थवी करवी -से उतर जाना=मनथी ऊतरी जवु -से जाना=मरी जवु -होना-मरजी होवी

जाग्रा पु०[फा] कलगी, तोरो, शिरपच
जीजा पु० मोटी बहेननो वर
जीजी स्त्री० मोटी बहेन
जीत स्त्री० जीत, फतेह (२) लाभ, सफळता
जीतना स०क्रि० जीतवु फतेह पामवु
जीता वि० जीवतु **जीती मक्खी निगलना**=जाणीबूजीने अयोग्य के अन्यायी काम करवु **जीते जी**=जीवता, हयातीमा **जीते मरते**=कोई रीते, खूब मुश्केलीथी
जीता जागता वि० जीवतु जागतु, सतेज
जीता लोहा पु० लोहचुंबक
जीन पु० [फा] घोडानु जीन (२) एक जाडु जीननु कपडु
जीनत स्त्री० [फा] शोभा, शणगार
जीनपोश पु० [फा] जीन परनु कपडु
जीनहार अ० [फा] 'हरगिज' कदापि
जीना अ०क्रि० जीववु जीवतु रहेवु, जीवन गाळवु
जीना पु० [फा] जीनो सीडी
जीभ स्त्री० जीभ (२) कलमनु अणियु **–भी** स्त्री० ऊलियु (२) अणियु
जीभा, जीभीचाभा पु० ढोरनो एक रोग
जीमना स०क्रि० [स जिम्] जमवु
जीमूत पु०[स] वादळ, मेघ (२) पहाड
जीय पु० जीव, 'जी'
जीर [स], **–रा** [फा] पु० जीरु
जीर्ण वि० [स] जूनु, जरजरी गयेलु
जीर्णोद्धार पु० [स] जूना पुराणानु समारकाम
[वायु
जील स्त्री० धीमो अवाज (२) तबलानु
जीवत वि०[स] 'जीता', जीवतु जागतु
जीव पु०[स] जीव, प्राण (२) प्राणी
जीवजंतु पु० [स] जीवडा, जिवात, कीडीमकोडी इ०
जीवट पु० हिंमत, बहादुरी, छाती
जीवन पु०[स]जीवन, जिंदगी **–भरना**=जीवन गुजारवु
जीवनमूरि स्त्री० जीवनमूळ
जीवनी स्त्री० जीवनचरित
जीवरा पु० (प) जीवडो, जीव
जीवसू स्त्री०[स] जनी संतति जीवती होय एवी स्त्री
जीवाजून पु० जीवजंतु प्राणीमात्र
जीवाणु पु० [स] सूक्ष्म जीवजंतु
जीवात्मा पु० [स] जीव, देही
जीविका स्त्री०[स] आजीविका, रोजी
जीवित वि०[स] जीवतु (२)पु० जीवन
जीवन्मुक्त वि० [स] जीवतो छता मुक्त, ज्ञानी
जीस्त स्त्री० [फा] जिंदगी जीवन
जीह(–हा,–ही) स्त्री० (प) जीभ
जुंबिश स्त्री० [फा] चाल, गति (२) प्रवेश हिलचाल
जुआँ स्त्री० 'जू', ज
जुआ पु० धूसरी (२) घंटीनो हाथो (३) जुवा, जूगटु **०खाना, ०घर** पु० जुगारनो अड्डो
जुआचोर पु० ठग, धुतारो
जुआडो(–री) पु० जुओ 'जुआरी'
जुआर स्त्री० जुओ 'ज्वार' (२) पु० जुओ 'जुआरा
जुआर भाटा पु० जुओ 'ज्वार भाटा'
जुआरी पु० जुगारी
जुई स्त्री० नानी जू (२) एक कीडो
जुकाम पु०[अ]सळेखम,शरदी **मेंढकोको जुकाम होना**=न थई शके एवु बनवु

जुग पु० युग (२) जाड, युगल (३) जूथ दळ –जुग=मदासाळ
जुगजुगाना अ०क्रि० नवका मारवो, यकृत्वु (२) दशा सुधरवी [क्षता
जुगत स्त्री० युक्ति उपाय(२)व्यवहार
जुगनी स्त्री० जुगनू पु० आगियो (२) गळानु रामपगला जवु घरेणु
जुग्राफिया पु० [अ] भूगाळ
जुगल वि० युगल जाडु
जुगवना, जुगाना स०क्रि० साचवीने सभाळीन राखवु, नागरवु
जुगालना अ०क्रि० वागोळवु
जुगाली स्त्री० वागोळवु त
जुज पु०[फा] भाग हिस्सा (२) ८ के १६ पानाना थारडो फाम [क्पडु
जुजदान पु० [अ+फा] पुस्तक वाधवानु
जुजबदी स्त्री०[फा] जुमबाधण।,अनेक फाम सीवीने पुस्तक वाधव नी रीत
जुजवी वि० [फा] जूज थाडु
जुझाऊ वि० युद्ध सबधी
जुझाना स०क्रि० यूध एम करवु
जुझार वि० यूझ एव लडवैर, बहादुर
जुट स्त्री० जाडा (२) जथो टोळी
जुटना अ०क्रि० जोडाव मळवु एकत्र थवु सगठित थवु
जुटाना स०क्रि० 'जुटना' नु प्ररक
जुट्टो स्त्री० वलरा पडा झूडा (२) गठठो (३) थप्पी
जुठारना स०क्रि० जूठु छाडवु छाडवु
जुठिहारा पु० एठु खानार
जुडना अ०क्रि० जोडावु 'जुटना'
जुडपित्ती स्त्री० शीळस–एक त्वचारोग
जुडवा वि० जोडियु (२) पु० जोडियु जन्मेलु वाळक
जुडवाना स०क्रि० जुओ 'जु ाना' (२) जुआ 'जाडवाना'
जुडाई स्त्री० जुओ 'जोडाई
जुडाना अ० क्रि० ठडु व शात थवु (२) तप्त थवु (३) स० क्रि० ठडु पाडवु (४) तप्त करवु
जुतना अ०क्रि० हळ के गाडीए जोतरावु, जातान जाडाव–लागी जवु
जुताई स्त्री० जुआ 'जोताई'
जुतियाना स०क्रि० जाडाटव (२) भारे अपमान करव
जुदा वि०[फा] जुदु अलग(२)दूर,फारेग
जुदाई स्त्री०[फा] वियोग छूट थवु ते
जुनून [फा] जनून पागलपण –नी वि०
जुन्नार पु० [अ] वस्ती के जनोई
जुन्हाई स्त्री० चादनी ज्योत्स्ना
जुफ्त वि०[फा] बकी (२) पु० जोडा युग्म
जुब्बा पु० [अ] फकीरनो झभ्भो
जुमरा पु०[अ] जथो भीड (२) फोज
जुमला पु०[अ] पूरु वाक्य (२) जुमलो, कुल सरवाळो (३) वि० कुल वधु
जुमहूर,–रियत,–री [अ] जुओ जमहूर, –रियत –री
जुमा पु० [अ] शुक्रवार –जुमा आठ दिन=थोडा दिवस चद राज
जुमा मस्जिद स्त्री० शुक्रवारनी नमाज पढवानी–मोटी मस्जिद [गुरुवार
जुमा(-मे)रात स्त्री० [अ जुमअरात]
जुरअत स्त्री०[अ] जुरत हिंमत, साहस
जुर पु०(प) ज्वर ०झुरी स्त्री० धीकडी (२) तावना टाढ
जुरना स०क्रि० (प) जुओ 'जुडना'
जुरमाना पु० जुओ 'जुर्माना
जुराफा पु० [अ जुर्राफ] जिराफ पशु

जुरूफ पु० [अ 'ज़फ' नु ब०व०] वासण-कूसण
जुरूर, जुरूरी [अ] जुओ 'ज़रूर,-री'
जुर्म पु० [अ] गुनो अपराध
जुर्माना पु० [फ] दंड
जुर्रा पु० [फा] बाज पक्षी (नर)
जुर्राब स्त्री० [तु] पगनां मोजो
जुल पु० छळ कपट ०बाज वि० धूर्त, कपटी ०बाजी स्त्री० कपट, दगो
जुलाई स्त्री० [इं] जुलाई मास
जुलाब पु० जुओ 'जुल्लाब'
जुलाल वि० [अ] स्वच्छ (पाणी)
जुलाहा पु० [फा जौलाह] वणकर (स्त्री०, -हिन)
जुलूस पु० [अ] गाजतेवाजते पर आववुं ते (२) सरघस के उत्सवनी धामधूम
जुल्फ स्त्री० [फा] वाळनी लट-जुल्फुं
जुल्म पु०[अ]जुलम अत्याचार,अन्याय -टूटना=आफत आववी -ढाना=जुलम करवो (२) भारे करवी
जुल्मत स्त्री० [अ] अंधारुं
जुल्मात स्त्री० [अ] अंधारी जगा
जुल्मी वि० [फा] जुलमी अत्याचारी
जुल्लाब पु० [अ] जुलाब, दस्त रेच
जुवा पु० जुवा, जूंसरूं (२) जुओ 'जुआ'
जुवारी पु० जुओ 'जुआडी'
जुस्तजू स्त्री०[फा]जुस्तेजू तपास शोध
जुहार स्त्री० जुहार प्रणाम
जुहारना स०क्रि० जुहार करवो, प्रणाम करवा (२) मदद मागवी
जुहा स्त्री० [स यूथी] जूई 'जूही'
जू स्त्री० जू कानों पर जू रेंगना= स्थितिनुं भान थवुं चेतवुं -की चाल =बहु धीमी चाल
जूआ पु० जुओ 'जुआ'
जूजू पु० बाळकने डरावनारो हाउ
जूझना अ०क्रि० झूझवुं,लडवुं(२)लडतां प्राण आपवा [(४) [इ] दाप
जूट पु०[म] जूडो(२) जटा (३) अंबोडो
जूठ वि० जुओ 'जूठा'
जूठन स्त्री० एठुं खावानुं जूठण
जूठा वि० [स जुष्ट] (स्त्री०-ठी) एठुं, छांडेलुं
जूडा पु० जूट, वाळनो अंबोडो
जूडी स्त्री० टाढियो ताव
जूता पु० जूतुं जोडो
जूताखोर वि० निलज्ज, शरम वगरनुं
जूती स्त्री० (स्त्रीनो) जोडो, जूतुं
जूतीकारी, जूती पजार स्त्री० जोडाथी मारपीट
जून पु० समय (२) तृण घास (३)[इं] जून मास (४) वि० (प) जूनुं, पुराण
जूरर पु० [इं] जूरीनो सभ्य
जूरी पु० [इं] फोजदारी केसनुं पंच, जूरी (२) जुओ 'जुट्टा'
जूस पु० [म जूष] दाळनुं ओसामण के सूप(२)[फा जुफ्त स०युक्त]बेकी संख्या
जूस-ताक पु०एकीबेकी रमवानुं एक द्यूत
जूह पु० जूथ, समूह (२) थूसरु
जूही स्त्री० [स यूथी] जुओ 'जुहा'
जूभ,०ण पु०, -भा स्त्री० [स] बगासुं (२) आळस
जेंवन पु० भोजन जमण ['जवना'
जेंवना स०क्रि० [स जेमन] जमवुं,
जे स० 'जो'नु ब०व०, जेओ
जेइ, जेउ(ऊ) स० 'जो', जे
जेठ वि० ज्यष्ठ, मोटुं (२) पु० स्त्रीनो जेठ (३) जेठ मास

जेठा वि० (वि०स्त्री०-ठी) ज्यष्ठ, मोटु (२) साथ। सरम (नाम ०ई स्त्री०)
जेठानी स्त्री० जेठाणी
जेठी वि० जेठन् (२) जेठ मासनु (३) स्त्री० एक जातनो कपास (४) वि० स्त्री० जुओ 'जेठा'
जेठीमधु स्त्री० जठीमध 'मुलेठी'
जेठौत(-ता) पु० जठनो छोकरो (स्त्री० -ती) [पु० जीतनार
जेता वि० 'जितना' जटलु (२) [म]
जेतिक, जेते(-तो) वि० (प) 'जितना जेटलु
जेना स०क्रि० जमवु
जेब स्त्री० [अ] जेब खीसु
जेब स्त्री०[फा] जब शोभा, सुदरता -व जोनत = शाभा सजावट
जेब(-बा) वि०[फा] योग्य छाजतु(२) शोभादायी। (समासने अते)
जेबकट पु० खीसाकातरु
जेबघडी स्त्री० खीसानु घडियाळ
जेबदार वि० [फा] सुदर, शोभीतु
जेबा वि० जुआ 'जब' ०इश, ०ई स्त्री० सुन्दरता, शाभा
जेबी वि० खीसानु (२) घणु नानु
जेर स्त्री० ओर आवल'
जेर वि० [फा] नीचेनु ऊतरतु (२) जर परास्त (३) पु० फारसी लिपिनु एक चिह्न
जरपाई स्त्री०[फा]हल्का स्त्रीना जाडा
जरबार वि० [फा] दुखी, दबायलु (नाम, -री स्त्री०) [माठी दया
जेर-व-जबर पु०[फा] ससारना सारो
जेल, ०खाना पु० जल, केदखानु
जेलर पु० [इ] जेल्ना एक अमल्दार
हिं-१४
जेवना स० क्रि० 'जमना, जमवु
जवनार स्त्री० जमणवार (२) रसोई, भोजन
जेवर पु० [फा] आभूपण, घरेणु
जेवर,-री स्त्री० रसी, दोरी
जेवरात पु०('जेवर नु ब०व०) ववेरात
जेहन पु० 'जहन', बुद्धि, समज
जेहि स० (प) जन (२) जेनाथी
जतून पु० [अ] जेतूननु झाड
जन, जनी पु० जन, श्रावक [(३) श्रेष्ठ
जयद वि० [अ] बळवान (२) खब मोटु
जल पु० [अ] नीचेनो भाग -में=नीचे
जसा वि० (स्त्री० -सी) जवु जसेका तसा=पूर्ववत, जमनु तेम
जसे अ० जम जसे तसे=जम तेम करीने
जसो वि० (प) जुओ 'जसा'
जो अ० जेम, जेवी रीते, 'ज्या'
जोक स्त्री० जळो
जो स० जे (२) अ० (प) जो, यदि
जोइ, जोइया स्त्री० जारु, स्त्री
जोख स्त्री० जाख तोल वजन
जोखना स० क्रि० जोख तपासवु, विचारवु (२) जाखवु तोल्वु
जोख(खि)म, जोखो स्त्री० जोखम, 'खतरा' [यागीपणु
जोखिता स्त्री०(प)योषिता, पत्नी (२)
जोग पु० योग (२) वि० योग्य, जोगु (३) अ० जोग, -ने माटे
जोगडा पु० जागटा नक्ली जोगी
जोगन(नी) स्त्री० योगिनी, जागण
जोगवना स०क्रि० जुओ 'जुगवना'
जोगिया वि० गरु रगनु (२) जागी सबधी (३) पु० जागियो, योगी (४) जुओ 'जागडा', जागिया

जोगी पु० योगी (२) एक भिक्षुक जात
जोगीडा पु० एक प्रकारनु गायन के राग के ते गानार वर्ग
जोटा पु० जोटो, 'जोडा'
जोटी स्त्री० जोडी(२)जोडीदार, साथी
जोड पु० सरवाळो के ते करवानी क्रिया (२)जो गणनी जगा,सांधो(३)जोडेलो वस्तु (४) समानता, बराबरी
जोड तोड पु० दावपेच, युक्ति
जोडन स्त्री० मेळवण, 'जावन'
जोडना स०क्रि० जोडवु, सांधवु (२) एकठु करवु, सरवाळो करवो (३) जोतरवु (४) सळगाववु
जोडवा वि० जोडवु (बाळक)
जोडा पु० (स्त्री० –डी) जोडी, जोटो (२) जोडा (३) पूरो पहेरवेश
जोडाई स्त्री० जोडवु ते के तेनी मजूरी (२) चणतर [(३) बेल के घोडा-गाडी
जोडी स्त्री० जोडी (२) मगदळ-जोडी
जोत स्त्री० ज्योत (२)त्राजवानु दामणु (३) खेड के ते पूरती जमीन
जोतना स०क्रि० जोतरवु (२) खेडवु
जोताई स्त्री० 'जोतना'–ए काम के तेनी मजूरी [आगळनो)
जोति स्त्री० जोत घीनो दीवो (देव
जोती स्त्री० जुओ 'जोति' (२) लगाम (३) त्राजवानी 'जोत'–दामणु
जोफ पु० [अ ज़अफ] ढापो, घडपण (२) निबळता
जोबन पु० जोबन युवानी (२)सुदरता (३) रोनक (४) स्तन छाती
जोम पु०[अ] उमग उत्साह (२)जोम शक्ति (३) अभिमान गुमान
जोया वि० [फा] ढूढनार, खोळनार
जोर पु०[फा] जोर, ताकात, बळ, वेग, तेजी (२) मेहनत, श्रम (३) काबू, अधिकार (वि० ०दार, –रावर) जोरो पर, जोरोसे = जोरथी, खूब वेगथी जोरो पर होना=जोर पर आववु के होवु [जोरी
जोर जुल्म पु०[फा] जोर जुलम, बळ
जोर शोर पु०[फा] खूब जोर के वेग
जोराजोरी स्त्री० जबरदस्ती (२) अ० जोरथी, बळजबरीथी
जोरावर वि०[फा] जोरावर, बळवान (नाम –री स्त्री०) [जोर
जोरी स्त्री०(प) जोडी (२)'जोरावरी',
जोरू स्त्री० जोरू, पत्नी
जोलाहा पु० जुओ 'जुलाहा'
जोश पु० [फा] जोस, आवेग जुस्सो (२) ऊभरो –खाना=ऊभरो आववो, ऊकळवु –देना=पाणी साथे उकाळवु –व–खरोश=खूब जोरशोर, धामधूम
जोशन पु० [फा जौशन] हाथनु एक घरेणु (२) कवच
जोशांदा पु० [फा] क्वाथ काढो
जोशीला वि० जोशवाळु जोश भरेलु
जोह,०न स्त्री० खोळ तपास (२) राह, वाट (३) कृपादृष्टि महेरबानी
जोहना स०क्रि० जोवु (२) राह जोवा (३) खोळवु
जोहरा पु०[अ जुहर] गुरु–बृहस्पति ग्रह
जोहार पु० 'जुहार', प्रणाम
जौं अ० जो (२) जुओ 'ज्यां'
जौ पु० जव (२)अ० (प) जो (३)ज्यारे
जौक़ पु० [अ] भीड, गरदी
जौक़ पु० [अ] आनद –से=सुखपूर्वक
जौक शौक पु० [अ] मोजशोख

जौजा स्त्री० [अ] जोरु, पत्नी
जौन स० (प) जे (२) पु० यवन
जौप अ० (प) 'जौं', जो यदि
जौर पु० [अ] जुल्म, अत्याचार
जौहर पु० [अ] रत्न (२) सार (३) विशेषता, खूबी
जौहर पु० [जीव+हर] जौहर जमोर के तेनी चिता
जौहरी प० [फा] झवेरी
ज्ञात वि०[प] जाणेल ०व्य वि०जाणवा योग्य **–ता** पु० जाणनार
ज्ञाति स्त्री० [स] नात
ज्ञान पु० [प] जाण बोध समज, साक्षात्कार **–नी** वि० ज्ञानवान **–नेंद्रिय** स्त्री० ज्ञान माटेनी इंद्रिय **–छाटना**=पोतानु ज्ञान बतावबा लांबीपहोळी वातो ठोकवी
ज्ञापन पु० [स] जणाववु ते, निवेदन
ज्ञेय वि० [स] ज्ञातव्य जाणवा जेवु जाणी शकाय एवु
ज्या स्त्री०[स]धनुषनी पणछ(२)पृथ्वी
ज्यादती स्त्री० [फा] अधिकता (२) अत्याचार, बळात्कार
ज्यादा वि० जुओ 'ज़ियादा', वधारे
ज्यान पु० (प) जुओ 'ज़ियान'
ज्याफत स्त्री० जुओ 'ज़ियाफत'
ज्यामिति स्त्री० [प] भूमिति
ज्यू, ज्यों अ० जेम जेवी रीते (२) 'जसे ही', जरु जे क्षण, ज्या

ज्येष्ठ वि० [स] मोटु, वडु (२) पु० जेठ मास
ज्यो अ० जुओ ज्यू **–का त्यो**=जेम होय तेम **–ज्यो**=जेम जेम, जे क्रमे **–त्यो**=ज्या त्या–जेम तेम करीने **–ही** =जवु, जे क्षण
ज्योति स्त्री० [प] प्रकाश (२) जोत
ज्योतिक पु० (प) जोषी [जोष
ज्योतिर्विद्या स्त्री०[प] ज्योतिष विद्या,
ज्योतिष पु०[प] जोष ज्योतिष विद्या **–षी** पु० जोषी
ज्योतिष्पथ पु० [स] आकाश
ज्योतिष्मान वि० [प] प्रकाशवाळु
ज्योत्स्ना स्त्री०[प] चांदनी के तेनी रात
ज्यो(–ज्यौं)नार स्त्री०रसोई(२)जाफत
ज्योहत,–र पु० जौहर
ज्यौं अ० (प) जो, यदि
ज्यौनार स्त्री० जुओ 'ज्योनार'
ज्वर पु० [स] ताव [(२) स्पष्ट
ज्वलत वि०[प] प्रकाशमान जळहळतु
ज्वलन पु० [प] दाह बळवु ते (२) आग (३) ज्वाळा
ज्वार स्त्री० जुवार (२) जुआळ, भरती
ज्वारभाटा पु० भरतीओट
ज्वारी पु० जुओ 'जुआरी'
ज्वाल पु०, **–ला** स्त्री०[स]झोळ,ज्वाळा (२) आंच, ताप
ज्वालामुखी पु० ज्वाळामुखी पर्वत (२) स्त्री० एक देवी

झ

झक(-ख)ना अ०क्रि० जुओ 'झींखना', झखवु
झकार स्त्री०[प] झणकार, 'झाकार'
झकारना स०क्रि (२)अ०क्रि० झणणण अवाज करवो के थवो
झखाड पु० घीच कांटावाळी वाडी के वृक्ष, व्यावळ (२) रद्दी झाडझाखरानो समूह
झखट स्त्री० 'चापट', चपट
झझन पु० [प] झणकार, 'झकार'
झझनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ झकारना
झझर स्त्री० 'झज्झर', पाणी ठंडु करवानु क जालनु माटानु वासण
झँझरा वि० काणा काणावाळु,जाळीदार
झँझरी स्त्री० जाळी, जाळावाळा बारी
झझा,०निल,०वात पु०[प] वटोळियो, आंधी
झझी स्त्री० फूटी कोडी
झँझोडना स०क्रि० झझडवु, झटकाथी हलावववु (जम के झाटन)
झडा पु० झडा, ध्वज झडे पर चढ़ना= फजेत के बदनाम थवु
झडा बरदार पु० झडा लईने चालनार
झडी स्त्री० नानो झडा
झँडूला पु० (वाळना) बाधा उतार्या वगरनु बाळक (२) घटादार झाड
झप पु० [न] उछाळो, छलग
झँपना अ०क्रि० छुपानु ढकावु (२) ऊछळवु, कूदवु (३) धसवु 'लपकना' (४) जुओ 'झपना

झँपरी,-रिया स्त्री० (प) (पालखीनो) ओढा, ढाकण
झपान पु० (पहाड चडवाना) डोळी
झँपोला पु० नानु छाबडु, 'झाबा'
झँवराना अ०क्रि० काळु पडवु, झखवावु (२) चीमळावु, करमावु
झँवा पु० 'झावा', झामरो, खूब पकवेला ईंट के ठीकरानो टुकडो ज हाथपग घसवा वपराय छ
झँवाना अ०क्रि० जुओ 'झँवराना' (२) स०क्रि० 'झँवा'-झामराथी घसवु
झँसना स०क्रि० त्वु, छतरी लेव
झइँ(-ईं) स्त्री०'झाई', पडछायो,अंधारु
झक स्त्री० जक, धून (२) वि० साफ, चोख्खु
झकझक स्त्री० रवझक, नकामी तकरार
झकझका वि० झगमगतु, चळकतु ०ट स्त्री० झगझगाट चळकाट
झक्झार पु० झटको, धक्को (२) वि० चमकतु [(२) ढाळवु
झकझोरना स०क्रि० खखरवु झाटकवु
झकझोरा पु० झटको, धक्को
झकना अ०क्रि० जक करवो (२) गुस्सामा अणघटतु बालवु [बळवु
झकाझक वि० खूब साफ, चोख्खु चट (२)
झकोर(-रा) पु० हवानो सपाटो के लहरो (२) झटको
झकोरना अ०क्रि० हवानी लहरी चालवी
झक्कड वि० जबरो, 'बक्की' (२) पु० भारे आंधी

झक्की वि० जक्की, हठालु
झख स्त्री० गिजारत(२) दुःख रडवु ते
(३)पु०माछली –मारना=व्यर्थ मारवी
झखना अ०क्रि० (१) जुओ चखना (२)
खिजाव (३) दुःख रडवु
झगड(–र)ना अ०क्रि० तकरार, लडवु
झगडा(–रा)पु० तकरार टंटो ०फसाद,
०बखेडा ०टंटाफिसाद रगडो –मोल
लेना=नाहक तकरार वहोरवो
झगडालू वि० तकरारी
झगा पु० बाळकनो जामो के ढोलु कुरतु
झज्झर स्त्री० जुओ झझर
झज्झी स्त्री० जुओ चमक [नमक
झझक,०न स्त्री० चमकावु ते (२) भडक,
झझकना अ०क्रि० चमकावु (२) चमकवु
(३) खिजावु (प्रेरक झझकाना)
झझकारना स०क्रि० वढवु (२) तुच्छ-
कारवु धुतकारवु
झट,०पट अ० झट, तरत तावडतोब
झटकना, झटकारना स०क्रि० झाटकवु
झाटको मारवो
झटका पु० झटको (२) सपाटो, 'झोंका'
(३) रोग शाक इ०नो सपाटो
झटिति अ० [सं] झट
झड स्त्री० झडी (२) पु० व के वधारे
वळनु एक जातनु ताळु
झडना अ०क्रि०खरवु गरवु(२)साफ थवु
झडप स्त्री० झपाझपी(२) क्रोध आवेश
(३) आगनी झपट –झाळ
झडपना अ०क्रि० जोरथी हल्लो करवो
(२) लडवु (३) झडपी लेवु
झडपाझडपी स्त्री० झपाझपी बाथबाथा
झड(–र)बेरी स्त्री० रानी बोर
झडाझड अ० लगातार (२) झटपट

झडी स्त्री० वरसादना पडा( )सपाटा,
रमझट
झनक,–कार स्त्री० जुओ झणकार
झनकना अ०क्रि० घणझणवु
झनकार स्त्री० जुओ झनक
झनकारना स०क्रि० (१) अ०क्रि जुओ
झणकारना [झणणावयु
झनझनाना अ०क्रि०घणणवु( )स०क्रि०
झनझनी स्त्री० झिणझिणी, घणघणी
झप अ० चप झट
झपक स्त्री० पलकारा (१) ऊघनु झोकु
झपकना अ०क्रि झाकु खावु–ऊघवु (२)
जुओ झेंपना
झपकी स्त्री० पलकारो (२) झोकु
झपट स्त्री० हल्लो हुमलो सपाटो
झपटना अ०क्रि० हल्लो करवो तूटी
पडवु (२) स०क्रि० झपाटामा लेवु
झपट्टा पु० जुओ 'झपट
झपना अ०क्रि० जुओ चपकना' 'झेंपना
झपाझपी स्त्री०पडापडी,उतावळ जल्दी
झपेट स्त्री० जुओ 'झपट
झपेटना स०क्रि० झडप। लेवु दबाववु
झपेटा पु०सपाटो हल्लो(२)भूतनो झपट
झप्पान पु० जुओ 'चपान'
झप्पानी पु० चपान ऊचकनारो
झबरा, झबुआ वि० लाबा लाबा वाळ-
वाळु, जाफरियु (पशु)
झब्बा(–ब्बा)पु० घरेणा के कपडाने छेडे
लटकतु रखातु शोभानु फूमतु के गुच्छ
झमक स्त्री० चमक(२)झमकार,ठणको
झमकना अ०क्रि० चमकवु(२)चमकथी
चालवु नाचवु
झमझम अ० खूब चपानो अवाज(२)छम
छम अवाज(३)चमक चमक (चळकवु)

झमर झमर अ० झरमर झरमर
झमाका पु० झणका, ठणको
झमाझम अ० 'झमझम' वगाना अवाज
झमूरा पु० (रीछ इ०) जाफरिय पशु, वाजीगरना जवूरो
झमेला पु० बखडो, झघडो (२) भीड —लिया वि० झघडाखार
झर स्त्री०[स] वरणु (२) वरसादनी झडी (३) समूह, झुड (४) थाच, झोळ
झरना पु० झरणु (२) अ०क्रि० वरव
झराझर अ० सतत लगातार, जोरथी
झरी स्त्री० झरणु (२) वर लागो
झरोखा पु० झरूखो [क्रोध
झल पु० दाह आच (२) तीव्र इच्छा (३)
झलक स्त्री० झळक, चमक (२) छाया, आभास ०दार वि०
झलकना अ०क्रि० झळकवु, चळकवु (२) आभास थवा, देखावु
झलका पु० फोल्लो [झळझळ झगमग
झलझल स्त्री० चमक, झळमठ (२) अ०
झलझ(—म)लाना अ०क्रि० झगमगवु जळहळवु (२) स०क्रि० झळकाववु (नाम —हट स्त्री०)
झलना स०क्रि०(हवा नाखवा) हलाववु वीझवु (२) अ०क्रि० आम तेम हालवु (३) 'झालना' न कर्मणि
झलमल पु० जुओ 'झलझल
झलमला वि० झगझगतु, चमकतु ०ना अ०क्रि० जुओ 'झलझलाना'
झलार पु० झाडी, गाढ वन
झल्ला पु० टोपलो (२) वि० पातळु, गाढु नहि एवु [चीडववु
झल्लाना अ०क्रि० चिडावु(२)स०क्रि०
झव पु० [स] माछलु (२) मगर

झांई स्त्री० पटछाया (२) दगा (३) चहेरा पर पडी जतु काळु चकामु —बताना = दगा देवो
झाक स्त्री० छूप डोकियु करवु त ('ताकझांक'मा वपराय छे)
झाकना अ०क्रि० आडमा के छूपु जावु (२) डोकावु
झांका पु० झरूखो [दश्य (३) परूवो
झाकी स्त्री० 'झाक', जोवु त, थाखी(२)
झागला वि० ढोलु, रमतु (वस्त्र इ०)
झांझ स्त्री० झाझ, छवलीका (२) झाघर (३) क्रोध, दाझ (४) दुष्टता, 'शरारत'
झाझट स्त्री० चपट पघडो
झाझन(—र) स्त्री० वाझर—पगनु घरेणु
झाझर वि० (प) भागलु, जीर्ण, तूटचु फूटचु
झाझरी स्त्री०झाझ, छवलीका(२)झाथर
झाट स्त्री० घाटु
झांप स्त्री० ऊघ (२) पडदो, चक (२) कोई जातनु ढाकण
झापना स०क्रि० ढाकवु (२) शरमाववु
झावना स०क्रि० झावा थी — झामरायी घसीन (हाथ पग इ०) धावु [मुस्त
झावर(—रा) वि० काळु (२) मेलु (३)
झांवली स्त्री० आखनो इशारो—नखरु
झावां पु० जुओ 'झँवा'
झासना स०क्रि०ठगवु दगा देवो, छतरवु
झांसा(०पट्टी) पु० छतरपिंडी, धाखा वाजो, दगो —देना=दगो देवो, छतरवु
झांसू पु० दगावाज
झाग पु० गाज, फीण
झाड पु० छाड (धुगा जवो) (२) वाड (३) चुमर (४) स्त्री० झाडवु ते
झाडखड पु० वन

झाड झखाड पु० याड-यावरा, जुआ 'यखाड'
झाडन स्त्री० कचरोपूजा (२) कचरो यापटवानु क्पडु-यापटिय
झाडना स०क्रि० दूर करवु (२) वालो फकवो (३) याडव
झाड फानूस पु० युमर हाडी, काचना प्याला इ० (रागरी माट)
झाड फूक स्त्री० मत्रथी झाडवु के फूकवु ते
झाड बुहार स्त्री० वाळयूड सफाई
झाडा पु० जुआ 'नाडफूक' (२) झाडो, तपास (३) विष्टा या दस्त (४) नाजरू **-जाना**=झाडे-जाजरू जवु **-फिरना** =नाड फरवु
झाडी स्त्री० नानु याडवु जा (२) याडी
झाडू पु० याडु सावरणी (२) पूछडियो तारो ०कश, ०वरदार, ०वाला पु० याडुवाळो, भगी **-देना**=सावरणी फरववी, वाळवु **-फिरना**=झाडु फरी जवु बधु साफ जनम थवु **-फेरना**= खतम करी दवु **-मारना**=नाडु मारवु अनादर करवो अवगणी काढवु
झापड पु० यापट, थप्पड
झाबर पु० कळण भूमि (२) 'याबा'
झाबा पु० टोपलो
झाम पु० क मोटी कादाळा
झामक पु० [म] जुओ 'थेंवा
झायँझायँ स्त्री० झणकार (२) नीरव जगामा काने पडता नू यकारना शब्द
झार स्त्री० झाळ आच (२) दाह (३) बळतरा, ईर्षा (४) पु० समूह (५) वि० एकमात्र (६) कुल ममस्त
झारना स० क्रि० ओळवु (२) जुआ 'झाडना
झाल पु० झाम, छबलीका ( ) स्त्री० तीखाट (३) ल्हेर, मोज (४) वर्षानी यडी क हली (५) झाळवु त
झालना स०क्रि० झा उवु 'रेण करवु
झालर स्त्री० यूर (२) याम, छवलीका
झावँझावँ स्त्री० वकवाद (२) जक कजियो
झिझक स्त्री० चाकव के पाछा पडवु ते
झिझकना अ०क्रि० जुआ 'झयकना'
झिझकारना स०क्रि० जुओ 'यझकारना' (२) 'झटकना
झिडकना स०क्रि० याटकव, वढवु
झिडकी स्त्री० याटकणी ठपको (२) झटको
झिडझिडाना अ०क्रि० वढव गुस्सो करवो
झिनझिनी स्त्री० यनयना ययणी
झिपना अ०क्रि० शरमावु, झपना' (प्रेरक झिपाना)
झिरझिरा वि० क्षीण, वारीक (क्पडु)
झिलँगा पु० याला जेवो खाटलो
झिलमिल स्त्री० यबूकतो प्रकाश (२) वि० झबूका मारतु
झिलमिला वि० पाखु आछु, जाळीदार (२) चमकतु (३) अस्पष्ट
झिलमिलाना अ०क्रि० चमक चमक थवु, झबूकवु (२) स०क्रि० म कावव के तेम थाय एम हलावव [चक
झिलमिली स्त्री० वारीनु खडखडियु (२)
झिल्ली स्त्री० पातळु पारदशक पड (२) [म] झिल्ली, तमरु [आरणु
झींक(-का) पु० घटीनु एक वारनु
झींखना अ०क्रि० (२) रु०जुओ याखना
झींगा पु० एक जातना माछला के जोवडु
झींगुर पु० झिल्ली, तमरु
झींसी स्त्री० फरफर (वर्षा)

झीखना अ० क्रि० खिजावु, ढगु(२)दुःख रडवु (३) पु० त क्रिया (४) आपवीती
झीना वि० झीणु (२) काणा काणा- वाळु (३) दुबल
झील स्त्री० सरोवर (कुदरती)
झीलर पु० नानु सरोवर
झीवर पु० धीवर, ीमर, माछी
झुंझलाना अ० क्रि० धूधवाव, चिडावु —हट स्त्री० धूधवाट, खीज, चीड
झुंड पु० जुथ, समूह, टोळु
झुकना अ० क्रि० झूकवु, लटकवु, नीचं थवु (प्रेरक झुकाना)
झुकनी स्त्री० पीडा, दुःख
झुकाव पु० झूकवु ते (२) ढाळ (३) झोक
झुटपुटा पु० (साज सवारनो) मध्यानो वखत
झुट्टग वि० जाफरा के जटावाळु
झुठलाना स० क्रि० जूठु ठरावबु—पाडवु (२) जूठु कही छतरवु
झुठाई स्त्री० जूठापणु असत्य
झुठाना, झुठालना स० क्रि० 'झुठलाना'
झुनक स्त्री० घणकार (अ० क्रि० झुनकना)
झुनझुना पु० बाळकनो घूघरो
झुनझुनी स्त्री० झणझणी, खाली
झुपरी स्त्री० (१) झूपडी
झुमका पु० झूमवु (२) झूमणु—एक घरेणु
झुर(—रा)ना अ० क्रि० झूरवु चिंताथी दुःखी थवु (२) सुकावु
झुरमुट झालु, टोळु (२) गुटपुट शरीरने ढाकी लेवु ते (३) थाड पादडाथी ढकायेलो जगा, घीच झाडी
झुराना अ० क्रि० सुकावु (२) झुरना', झूरवु दुःख के भयथी गभरावु (३) दूबळा पडवु (४) स० क्रि० सूकववु
झुर्री स्त्री० चामडीनी करचली
झुलना पु० झूलो, हीचको (२) स्त्रीना एक ढीलो कवजा—'झूला'
झुलसना अ० क्रि० उपर उपरथी दाझवु जेथी काळ पडी जाय (२) स० क्रि० तेवी रीते शेकवु, दझाडवु
झुलाना स० क्रि० झुलाववु (२) धक्का खवडाववा, ील करवी
झूंझल स्त्री० 'झुंझलाहट', चीड, क्रोध
झूंझना अ० क्रि० 'जूझना', झूझवु
झूठ पु० जूठ असत्य —सच कहना या लगाना=पाचुजूठु कही फसाववु (२) साचाजूठा करवा के कहवा
झूठमूठ अ० अध्धर, फाकट
झूठा वि० जठु (२) नकली (३) एठु, जूठा'
झूम स्त्री० झाकु, ऊंघ
झूमका पु० जुओ 'झुमका'
झूमड झामड पु० खोटो प्रपच—जजाळ
झूमना अ० क्रि० झाका खावा, झूलता डोलवु (२) (वादळ) झझूमवु
झूमर पु० माथानु एक घरेणु (२) काननु झूमणु 'झुमका (३) गरबा जवु फरीने गावानु एक गीत के तेवो नाच
झूर वि० शुष्क सूकु (२) खाली, नकामु (३) एठु (४) स्त्री० झूरवु ते
झूलन प० हीडोळानो उत्सव
झूलना अ० क्रि० झूलवु (२) कोई काममा वधु पडया रहेवु — लटक्या करवु (३) वि० झूलतु (४) पु० झूलणा छद
झूला पु० झालो हीडोळो (२) झूलतो पुल (३) बे बाजु बाधी सूवा माटे करातो झोलो (४) गामडानी स्त्रीओना एक झूलतो ढीलो कबजा
झेंपना, झेपना अ० क्रि० शरमावु, लाजवु

झेर स्त्री० (प)वार, विरुव (२) चघडो
झेल स्त्री० तरवामा हाथपग हलाववा ते (२) हिलोळी (३) वार विरुव
झेलना स०क्रि० खमव, सहन करवु (२) तरवामा हाथपगथी पाणी कापवु (३) ढकेलवु
झाक स्त्री० झाक 'चुकाव' (२)जोरनो धक्का (.) पाण.रा हिलाळा
झाकना स०क्रि० नाकव, पटक्वु (२) धकेल्व ठेल्वु [(३) होचको
चोका पु० धक्का झपाटा (२) झाकु
झाकी स्त्री० जवाबदारा बोजा, जोखम
झोझ पु० पक्षाना माळो (२) अमुक पक्षाना गळानी ल्वडनी थेली
झोझल स्त्रा० जुओ चूयल
झोटा पु० लावा वाळनु झुड (२)हीचका नाखवा माट देवाता धक्को
झापडा पु० (स्त्री०–डी) झूपडु
झोपा पु० चूमखु, गुच्छ
झोझ पु० जुओ 'चाच'
झोझा पु० पेट, हाजरी
झोरना स०क्रि० धक्का दई हलावव् ढ़ाळवु, चझटवु (२) झाटकवु
झोरी(–ली) स्त्रा० झोळ।
झोल प० शरवा के सूा जवो वानी (२) धातुनो गिलेट (३) कपडा के कागमा पडता झल झालो (४) भूल (५) राख, भस्म (६) गभ (७) वि० ढीलु तग नहि वु (८) नकाम खराब
झोला प० झाळो (२) माधुनो चब्बो (३) झटको
झोली स्त्री० जुआ 'चारी
झौंसना अ०क्रि० जुआ 'चुलमना
झौड(–र) पु० चघडो रक्झक (२) वढवु ते
झौरे अ० पासे, नजीक (२) साथे
झौवा पु० टापऊ। (तुवेरनो साठीनी)
झौहाना अ०क्रि० घूरक्वु, जारथी वढवु

ट

टक पु० टाकभार (२) टाक्णु (३) कादाळ (४) कुहाडा (५) सिक्का
टक पु०[इ टॅ क]तळाव(२)बखतर गाडी
टकण,–न पु०[स]'कणखार(२)रेणवु ते
टॅकना अ०क्रि० टकावु ('टांक्ना' नु कमणि) [मजरी
टॅकाई स्त्री० टाकवानी क्रिया के तेनी
टका(–को)र पु० धनुषना टकार
टका(–को)रना स०क्रि०(धनु)टकारवु की स्त्रा० टाका
टकोर,०ना जुओ 'टकार०ना
टको(–कौ)री स्त्री० सोना चादानो नाना काटो
टॅगडी स्त्री० टगडा टागा पग –पर उडाना=नगडा मारवा
टॅगना अ०क्रि० टगाव् ल्टकवु(२) ० वळगणा वे त कामनो दारा
टॅगारी स्त्री० कुहाडा [तयार
टच वि० नीच नठार (२) कजूस (३)
ट घट पु०पूजापाठ इ०ना आडबर-ढाग
टटा पु०टटो चघड (२)माथाकूट,पचात
टडर पु० [इ टॅडर] भावतालनु टॅडर

टड(-ड)ल पु० मजरोनो जमादार, मुकादम (२) नायुदो, टडेल
टक स्त्री० टस टक टक नजर –बांधना =एकटसे ताकवु
टकटकाना स०क्रि० एकटसे ताकवु (२) टक टक अवाज करवा
टकटकी स्त्री० टस एक नजर –बांधना =एकटसे ताकवु
टकटो(०र,०ल)ना स०क्रि० जुआ 'टटोरना
टकराना अ०क्रि० टक्कर खावी,ठोकरवी अफळावु (२) स०क्रि० अफाळवु
टकसार(-ल) स्त्री० टकशाळ –बाहर =न चालना (सिक्का) (२) अशिष्ट (शब्द या प्रयोग)
टकसाली वि० टकशाळनु (२) खरु (३)शिष्ट,सवसमत (४) पु० टकशाळी –टकशाळनो उपरी
टका पु० जूना सिक्को, रूपियो (२) टको, ढबु (३) धन –सा जवाब देना =कोरु परखावयु,साफ ना कहेवी –सा मुँह लेकर रह जाना=झांखा पडवु, शरमावु टका(-के)सी जान,टकासा दम=एकलो माणस
टकासी स्त्री० रूपिये बे व्याज
टकी स्त्री० 'टकटकी', टस
टकुआ पु० त्राक
टके(-क)त वि० टकावाळु धनी
टकोर स्त्री० टकोर (२) डंका के नगारा पर ठपकार (३) टकार (४) शेक
टकोरना स०क्रि० 'टकोर' करवी ते
टकोरा पु० टकोरो–डंका नगारानो ठपकार
टकौरी स्त्री० जुआ 'टकौरी

टक्कर स्त्री० टक्कर, अथडामण (२) ठोकर –का वि० बरोबरियु, समान
टखना पु० घूंटी, गुल्फ
टगर पु० [म]टंकणखार(२)खेल,क्रीडा (३)तगरनु झाड(४)वि० 'टगरा', वांकु
टगरा वि० वांकु
टटका वि० तात्कालिक, ताजु, नवु
टटडी स्त्री० खापरी [घई गयलु
टट जिया वि० अत्यत गरीब, निधन
टटुआ पु० टटवु, टट्टु
टटोर(-ल)ना स०क्रि० स्पर्श करीने तपासवु के ढूंढवु (२) पारखवु (नाम, टटोल स्त्री०)
टट्टर, टट्टा पु० वांस इ०नु टाटु
टट्टी स्त्री० टट्टी, टाटु (२) चक (३) पातळी दीवाल (४) पायखानु –की आड (या ओट)से शिकार खेलना= कोई विरुद्ध छूपी चाल चालवी के बूरु काम करवु धोखेकी टट्टी=जथा लोक फसाय एवी वात के वस्तु –में छेद करना=शरम छोडीने बनव,लोकलाज छोडवी –लगाना=आड करवी, वच्चे आववु (२) भीड करवी
टट्टू पु० टटवु –पार होना=डंको पार थवो टट्टु चाली जवु भाडेका टट्टू =खाधियो
टन,०टन स्त्री० टन टन अवाज
टनकना अ०क्रि० टन टन वागवु के खखडवु (२) रही रहीने (माथामा) दद नाखवु
टन टन स्त्री० टन टन अवाज
टनटनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० टन टन करवु के थवु
टनमन(-ना) वि० स्वस्थ,तदुरस्त,चगु

टनाका पु० टन टन अवाज (२) वि० मक्त (नाप) [वि० ताजु, पुष्ट
टनाटन स्त्री० टन टन, टनटनियु (२)
टनेल पु० [ ] टनल, बोगदु
टप पु० गाडीनी छत्री जे पाडी के चडावी शकाय (२) पाणीनु टब (३) स्त्री० टप टप टपकवानो अवाज (४) मळक जेवु दद -से=टप दईने, चट
टपक स्त्री० टपकवु ते (२) टप टप पडवानो अवाज (३) सळक जेवु दद
टपकना अ०क्रि० टपकवु (२) गरवु (जेम के, पाकु फळ) (२) टप दईने- आचितु आवी पडवु के गरवु
टपका पु० टाकवु ते के टपकेलो वस्तु (२) पाकीन खरेलु फळ (करी) (३) सळक जेवु दद [पडवु ते
टपकाटपकी स्त्री० टपोटप टपकवु के
टपना अ०क्रि० टापना, खाधा पीधा विना तप्या करव-बेठा रहेवु हेरान थवु
टपाटप अ० टपाटप चपाचप चटपट
टपाना स०क्रि० 'टपना नु प्रेरक
टप्पा पु० उछाळो फलग (२) टप्पो, वच्चेनो फासलो (३) टक्कर जेम के वाल वच्चे टक्कर खाता जाय छे ते (४) टप्पा गायन
टब पु० [इं] 'टप पाणीनु टब
टब्बर पु० कुटुंब, खानदान
टमटम स्त्री० एक प्रकारनी घोडागाडी
टमाटर पु० टमेटु 'टामेटो
टर स्त्री० कडवु के कर्कश वोलवु ते (२) देडकानु बोलवु (३) हठ
टरकना अ०क्रि० टळवु खसवु हठवु (प्रेरक टरकाना)
टरटराना अ०क्रि० ट ट-बकबक करवु
टरटरी स्त्री० बकवाट
टर(-ल)ना अ०क्रि० टळवु (२) हठवु
टर्रा वि० अविनीत ने कठोर बोलनार उद्धत
टर्राना अ०क्रि० उद्धत जवाब देवो
टरू पु० टर्रा'-माणस (२) देडको
टल्ला पु० टल्लो, टिल्ला, ठोकर, धक्को
टल्लेनवीसी स्त्री० टल्ले चडाववानी होशियारी बहानु
टस स्त्री० भार चीज खसवानो अवाज -से मस न होना=जरा पण न चमकवु
टसक स्त्री० चसक (अ०क्रि० टसकना)
टसर पु० टसर रेशम
टसुआ पु० आसु, टिसुआ
टहना पु० (स्त्री० -नी) डाळ, शाखा
टहल स्त्री० सेवाचाकरी (२) कामधंधो -बजाना=सेवाचाकरी करवी
टहलना अ०क्रि० टहलवु, फरवु टहल जाना=खसी जवु
टहल्नी स्त्री० दासी, नोकरडी
टहलुआ, टहलू पु० सेवक, दास
टहलुई स्त्री० 'टहल्नी' दासी
टहोका पु० धक्को के लात चटको धक्को
टांक स्त्री० टाक वजन (२) टाक अणियु (३) किंमतनो अडसट्टो अदाज (४) सीववानो टाको [माणस
टांकर पु० वदमाश, लुच्चो लफंगो
टांकना स०क्रि० टाका मारवा, सांधवु (२) टाकणा-थी लेवु, टपकावनु (३) साथे जोडवु (४) टागवु, लटकाववु (५) (पटो) टाकवो
टांका पु० पथ्थरनु टाकणु (२) पाणीनु टाकु (३) (सांधणनो के घानो) टाको (४) थागडु

टाकी स्त्री० मान टाकणु(२)फळ चाखवा कपातो उगठो (३) पाणीनी टाकी
टांग स्त्री० टाग, पग –अडाना=नकामी डखल करवी, माथु मारवु –तले से (या नीचे से) निकलना=हारवु –पसार कर सोना=पोड ताणाने–निराते सूवु
टांग(–घ)न पु० टागग, पहाडो टट्टु
टागना स०क्रि० टागत टिंगाग्वु
टागा पु० कुहाडो (२) टागो गाडी
टागी स्त्री० कुहाड।
टाघन पु० जुआ 'टागन'
टांच स्त्री० जुआ 'टाका ३, ४ अथ (२) काममा फाच मारवी ते (३) वि० तक नाक देनार, ऊधो मतिनु
टाचडा वि० जुआ 'टांच'
टांचना स०क्रि० जुओ 'टाकना'
टांट पु० खोपरी
टाठ(–ठा) वि० कठार(२) दृढ,मजबूत
टांड स्त्री० खेडूतना माळा के तेना जवी कोई रचना (२) मोईना टोल्ला (३) सामान मूकवाना अभराई, 'परछत्ता'
टाडा पु० वणजारानी पोठ के माल,टाडु
टाय टाय स्त्री० टें टें नकामो बकवाद –फिस=धामधूम खूब पण फळ काई नहि, खालो डफाम [मथाळ
टाइटिल स्त्री०[इ] उपाधि, लकाब(२)
टाइप पु०[इ] बीबु ०राइटर पु० टाइपराइटर यत्र –पिस्ट पु० टाइप करनार
टाइफायड पु०[इ] टाइफाईड, मुदतियो ताव
टाइम पु०[इ] समय, वखत ०टेबुल पु० टा मटबल ०पीस पु० [इ] घडियाळना ड ो
टाई स्त्री० [इ] नेकटाई गलपटो
टाउन हाल पु० [इ] टाउन हाल
टाट पु० टाट, गूणपाट (२) साहुकारना बठक (३) नात, जमात, बिरादरी' –उलटना=देवाळ का वु –में पाटका बखिया=मळ दगग्ना साज
टाटक वि० जुआ 'टटका'
टाटबाफी स्त्री० भरतकाम
टाटर पु० टाटु (२) 'टांट, खोपरी
टाटी स्त्री० टाटु
टान स्त्री० ताण, 'तनाव, खच
टानना स०क्रि० ताणवु
टाप स्त्री० घाडानी खरी के तेनो अवाज
टापना अ०क्रि० घोडाए पग पछाडवो (२) आम तेम फाफा मारवा के राह जाता लपवु, टपना'
टापा पु० मेदान (२) छलग कूदका (३) ढाकवा माटेना टापलो
टापू पु० टापु, बेट
टामन पु० टूमण, धतरमतरना टुचका
टार(–ल)ना स०क्रि० जओ 'टालना'
टारपीडो पु० [इ] टार्पीडो बोट
टाल स्त्री० माटा ढग (२) टाळवु ते (३) लाकडा भूसा इ०नी दुकान
टालटूल स्त्री० टाळवानी युक्ति, बहानु
टालना स०क्रि० टाळवु
टालमटूल स्त्री० जुआ 'टालटूल'
टाली स्त्री० ढारना गळानी घटडी
टावर पु० [इ] टावर, घटाघर'
टिंडा पु० एक शाक
टिकट पु० टिकिट
टिकटिक अ० घडियाळनी टकटक
टिकठी स्त्री० टिपाई (२) फटका मारवा माट गुनेगारन बाधवानी घाडी के फासीनो माचडो (३) ठाठडी

टिकडा पु० (स्त्री० –डी) गाळ चपटा टुकडा (२) बाटी
टिकना अ०क्रि० टकवु
टिकली स्त्री० टीकडा (२) टाल्डी
टिकस पु० टॅक्स, कर
टिकाऊ वि० टकाउ
टिकान स्त्री० टकवानु ठेकाण के टकवु ते
टिकाना स०क्रि० टकाववु
टिकाव पु० टकाव [(३) टल्डा
टिकिया स्त्री० टाकडी ( ) एक पकवान
टिकैत पु० टिकायत–गादीनो कुवर (२) नायक सरदार
टिकोरा पु० आंबाना मरवो [टीटला
टिक्कड पु० माटा टीकडी (२) टिक्कड
टिक्का पु० टीका, तिलक
टिक्की स्त्री०टीकडी –जमना,–जना, –लगना=टीकडा लागवी फावयु
टिघलना अ०क्रि० जुओ 'टघरना'
टिचन वि०[इ एट शन]तैयार [शकवु
टिटकारना स०क्रि० (सुन) च्चकारवु,
टिटिह,–हा पु० नर टिटोडा पक्षी –हरी स्त्री० टिटोडी [(२) राक्कळ
टिटिहारोर पु० टिटियारो कळाहोळ
टिट्टिभ पु० [स] टिटोडी
टिड्डा पु० तीतीघोडो
टिड्डी स्त्री० तीड ०दल पु० मोटु झुड
टिप टिप स्त्री० टपक टपक टपकवु ते
टिपका पु० टपकु बुद
टिपवाना स०क्रि० टीपना प्रेरक
टिपारा पु० कलगीवाळा मुगट
टिप्पणी,–नी स्त्री० टीपणी टाको
टिप्पन पु० टीपण (२) जन्माक्षर –नी स्त्री० जुओ 'टिप्पणी'
टिफ(-फि)न स्त्री०[इ]बपारनो नास्तो
टिमटिमाना अ०क्रि० दीवो झाखो बळवो के बुझाता पहेला टमटमवु
टिरफिस स्त्री०टडपड,टफामभर विरोध
टिर्राना अ०क्रि० जुओ 'टर्राना'
टिलिया स्त्री० नानी मरघी के बच्चु
टिल्ला पु० टल्लो, धक्का –ल्लेनवीसी स्त्री० जुओ टल्लेनवीसी
टिसुआ पु० 'टसुआ' आसु
टिहुनी स्त्री० घटण (२) कोणी
टींटीं अ० पोपटनो अवाज
टीकना स०क्रि० टीका–तिलक करवु (२) टाक–निशानी करवी
टीकरा पु० टकरा (–री स्त्री०)
टीका पु० तिलक चाल्लो (२) सगाई कयानो के राज्याभिषेकनो चाल्लो (३) डाघो, चिह्न (४) रसी मुकाववी ते, 'इजक्शन' (५) [स] टीका
टीडी स्त्री० टिड्डी तीड [या इन्जा
टीन पु०[इ] कलाई–टिन के तेनु पतरु
टीप स्त्री०टीपवु ते(२)टाप गाठ(३) गावामा ऊचो सूर (४) जन्मपत्री
टीपटाप स्त्री० टापटीप
टीपन पु० टिप्पन, जन्माक्षर
टीपना स०क्रि० टीपवु (२) दबाववु, चापवु (३) टीप करवी (४) स्त्री० 'टीपन', जन्माक्षर
टीबा पु० टीबो टेकरो
टीमटाम स्त्री० टापटीप
टील स्त्री० नानी मरघी 'टिलिया'
टीला पु० टीबो, टेकरो, टींबो (२) डुगरो
टीस स्त्री० चसक, 'टसक' –ऊठना, –मारना=चसको मारवो के नाखवो
टीसना अ०क्रि० चसको नाखवो

टुटा(-डा) वि० टूटु, ठूठु
टुइल स्त्री० 'ट्विल' कपडु
टुक अ० थाड, जरा [भिखारी
टुकडगदा पु० टुकडा मागी खानार,
टुकडतोड पु० आश्रित, परापजीवी
टुकडा पु० टुकडो -तोडना=बीजा पर निर्वाह करवो -सा जवाब देना=साफ ना पाडवी [मडळी
टुकडी स्त्री० नाना टुकडा (२) टुकडी,
टुच्चा वि० तुच्छ, क्षुद्र, हीन
टुटका पु० टुचको, मंत्रनो प्रयोग
टुटपुंजिया वि० थोडी पूंजीवाळु, तूटेलु
टुटरूँ पु० होलो
टुटरूँ टू स्त्री० होलानी बोली (२) वि० एकलु (३) दुबळ ने पातळु (माणस)
टुनगा पु०, (टुनगी स्त्री०) डाळीनो आगळनो-कूपळवाळो भाग
टुनहाया पु० जुओ 'टोनहाया
टुगना स०क्रि० करडी के करपी खावु (जेम के कूपळ) (२) धीरे धीरे करपीने खावु [पर होय छे ते
टूड पु० मच्छर वगेरेने वे मछा जेवु मो
टूडी स्त्री० डूटी (२) डूटा फणगो
टूक, टूकर पु० टुक टुकडो
टूका पु० टुकडो (२) भीख
टूट स्त्री० तूटी अलग पडेलो टुकडो (२) तूटवु ते (३) लखाणमा रही गयेलो भाग ज पछी उमेराय छे (४) पु० तोटो, घट
टूटना अ०क्रि० तूटवु (२) तूटी पडवु, हल्लो करवो टूट टूट कर बरसना= मुसळधार वरसवु
टूटा वि० तूटलु (२)कमजोर(३)निर्धन
टूटाफूटा वि० तूटयुफूटयु
टूठना अ०क्रि० (प) तूठवु, प्रसन्न थवु
टूठनि स्त्री० (प) सनाष, प्रसन्नता
टूम स्त्री० घरेणु (२) महण, 'ताना'
टूसी स्त्री० फूलनी कळी [वकवाद,टेंटें
टें स्त्री० पोपटनी बोली -टें=खाली
टेंगना(-रा) स्त्री०एक जातनी माछली
टेंट स्त्री० आटी (२) कपासनु जाडवु
टेंटी स्त्री०'करील'-करडा कं तनु करडु
टेंटुवा पु० टोटा गळाना हडिया
टें स्त्री० जुआ 'ट'मा, टट [घोडा
टेउकी स्त्री०,-कन पु० टकण, टवानी
टेक स्त्री० टक, टेरा (२) हठ (३) आदत
टेक(-का)न पु०, टेकनी स्त्री० टको, टेकण
टेकना स०क्रि० टेकवु, टका आपवा व लेवा माथा टेकना=प्रणाम करवा
टेकर(-रा) पु० टेकरो [-तनो चोतरा
टेकान पु० टकण, थाभला (२) विसामो
टेकी वि० टेकोलु टेववाळु (२) जिद्दी
टेकुआ पु० त्राक (२) टेकानु लाकडु
टेकुरी स्त्री० दोरडु भागवानी फरकडी के तकली
टेघरना अ०क्रि० पीगळवु, ओगळवु
टेढबिढ़गा वि० वाकुचूकु
टेढा वि० वाकु (२) कठण, मुश्केल (३) उद्धत -पडना या होना=गरम थवु, 'टर्राना' टेढ़ी खीर=अघरु काम टेढी सीधी सुनाना=माठु-माठु समळाववु (नाम टेढ़ाई स्त्री०)
टेढ़ामेढ़ा वि० वाकुचूकु
टेढ़े अ० सीधु नहि, वाकमा फरमा टेढ़े जाना=गवथी वतवु
टेना स०क्रि० धार काढवा पथ्थर प घसवु (२) मूछ मरडवी

टेनिस स्त्री० [इ] टनिस रमत
टेबुल पु० टबल, मज
टेम स्त्री० दीवानी टश (२) टाइम समय
टेर स्त्री० ऊचो अवाज (२) पोकार, हाक
टेरना स०क्रि० ऊचे अवाजे गावु के वाल्व हाक मारवी
टेरा वि० वाडु (२) पु० पडदो
टेलिग्राम पु० [इ] तार
टेलीफोन पु० (इ) टेलिफोन के तनु यत्र
टेव स्त्री० टव आदत ल्त
टेवना स०क्रि० जुओ टना
टेवा स्त्री० जनमानी
टेवया पु० धार काढनारा
टेसू पु० केसूडो के तेनु फूल (२) बाळकोनो (नवरात्रना) एक उत्सव
टक्स पु० [इ] कर, वरो
टक्सी स्त्री० [इ] टॅक्सी मोटर
टनरी स्त्री० [इ] टॅनरी चर्मालय
टोट स्त्री० चाच
टोटी स्त्री० नाळवु (जम के झारीनु) (२) नळनी चकली के टोटी
टोक,०टाक स्त्री० टाकणी, खणखोद
टोकना पु० टोपलो (२) मोटो हाडो– देगडो (३) स०क्रि० टोकवु –नी स्त्री० टोपली (२) नाना हाडो
टोकरा पु० टोपलो छाबडु
टोकरी स्त्री०टोपली छाबडी(२)बटलोई
टोटका पु० टुचको जादुमतर, टुटका' –करने आना=आवीन तरत जता रहवु
टोटल पु०[इ] कुल सरवाळो –मिलाना =सरवाळो करवो

टोटा पु० कारतूस (२) घट, तोटो
टोनहा(०या)पु०टुचको करनारा–भूवो
टोना पु० टुचको, जादु (२) विवाहनु एक जातनु गीत (३) स०क्रि० हाथथी स्पर्शी जावु, 'टटोलना'
टोप पु० टापो, मोटी टोपी (२) टोप लोढानी लश्करी टोपी
टोपा पु० टोपा (२) टोपला (३) मोटो टाको टेभो
टोपी स्त्री० टोपी (२) बदूक फोडवानी टोपडी कॅप ०वाला पु० टोपीवाळा –गोरो [टाको
टोब (–वा,–भा) पु० टोपा, टभो
टोल स्त्री० टोळी (२) पाठशाळा (३) पु० [इ] रस्ताना कर, टोल
टोला पु० लत्तो वास महोल्लो (२) रोडु, पथरा के इटनो कक्डो
टोली स्त्री० नाना महोल्ला (२) टोळी
टोवना स०क्रि० जुओ 'टोना'
टोह स्त्री०खोळ तपास(२)खबर,सभाळ
टोहना स०क्रि० खोळवु (२) जुओ 'टटोलना
टोहाटाई स्त्री० जुओ 'टोह'
टोही,–हिया वि० 'टोह' करनार के राखनार
ट्रक पु० [इ] ट्रक, पेटी
ट्रस्ट पु० [इ] ट्रस्ट, न्यास, सुपरत –स्टी पु० [रस्तो
ट्राम,०वे स्त्री०[इ] ट्राम गाडी के तेनो
ट्रेन स्त्री० [इ] रेलगाडी –छूटना स्टशनेथी गाडी ऊपडवी

ठ

ठठ वि० ठूठ (झाड)
ठठार वि० खाली, पोलु
ठड(–ढ) स्त्री० ठंडी, टाढ
ठड(–ड)क स्त्री० ठंडी, टाढ (२) शांति, तृप्ति
ठडा(–ढा) वि० ठडु शीतळ, टाढु (२) प्रसन्न, खुश (३) शांत, निरांतवाळु –मुलम्मा पु० वना तपाव्ये करातो गिलट –होना = ठडु पडवु, मरी जवु ठडी आग=हिम (२) बरफ ठंडी मार=मूढ–छूपी मार ठंडी सांस = दुखी श्वास, आह ठंडे ठंडे = खुशी-आनंदमां (२) टाढे पहोर (३) चूपचाप
ठढ, ०क, –ढा जुओ अनुक्रमे 'ठड, ०क, –डा'
ठढाई स्त्री० शरीरनी गरमी शमावे एवी दवा के मसालानु पीणु (२) रगडेली भांग
ठढी वि०स्त्री० ठंडी (वस्तु) (२) स्त्री० बळिया –ढलना=बळिया नरम पडवा –निकलना=बळिया नीकळवा
ठक स्त्री० ठोकवानो अवाज (२) (प) हठ (३) वि० चकित स्तब्ध
ठकठक स्त्री०ठकठक अवाज(२)खटखट
ठकठाना स० क्रि० ठक ठक करवु खटखटाववु
ठकुरसुहाती स्त्री० खुशामत
ठकुराइन स्त्री० ठकराणी(२)क्षत्रियाणी (३) वाळंद
ठकुराई स्त्री० ठकराई, ठकरात
ठकुरानी स्त्री० ठकराणी (२) राणी
ठकुरायत स्त्री० ठकरात
ठग पु० ठग, धुतारो –लगना=ठगनो उपद्रव होवो [ठगी
ठग(–गा)ई स्त्री० ठगाई, ठगबाजी,
ठगना स०क्रि० ठगवु (२) अ०क्रि० ठगावु (३) चकित थवु ठगासा= आश्चर्यचकित
ठगनी, ठगिन(–नी) स्त्री० ठगणी के ठगनी स्त्री
ठगाई,–ही स्त्री० जुओ 'ठगई'
ठगाना अ०क्रि० ठगावु छेतरावु
ठगिन,–नी स्त्री० जुओ 'ठगनी'
ठगी स्त्री० ठगनु काम के ठगविद्या
ठगोरी स्त्री० ठगविद्या जेवी करामत के माहिती, जादु
ठट(–ठ) पु० ठठ, भीड (२) हार, पंक्ति (३) ठाठ सजावट –लगना= ठठ जामवी
ठटना स०क्रि० ठराववु (२) सजवु (३) अ०क्रि० ठेरवु थोभवु (४) सजावु
ठट(–ठ)री, ट्ठी स्त्री० हाडपिंजर(२) कोई वस्तुनु खोख, फरमो (३) ठाठी
ठट्ट पु० जुओ 'ठट'
ठट्ठी स्त्री० जुओ 'ठटरी'
ठट्ठा पु० ठठ्ठो, मश्करी
ठठ पु० ठठ, भीड
ठठकना अ०क्रि० जुओ 'ठिठकना'
ठठरी स्त्री० जुओ 'ठटरी'

ठठाना स०क्रि० ठारवु, ठाठा मारवा (२) अ०क्रि० मारवा हसवु
ठठेरा पु० कसारा ठठेरे ठठेरे बदलाई =जवा माणस तवो व्हेवार ठठेरेकी बिल्ली=किट वा था न गभरानार
ठठेरी स्त्री० कसारण (२) कसाराकाम
ठठोल पु० मस्करा (२) मस्करा
ठठोली स्त्री० मस्करी
ठग,–ढा वि० जड ऊभु –ढिया पु० ऊभा माटा साडणियो
ठनक,–कार स्त्री० ठणकारो
ठनकना अ०क्रि० ठणकवु, ठण ठण– खणण अवाज करवा, ठगठणवु, खणखणवु (२) चमका नाखवा
ठनगन स्त्री० मगळ प्रसग द.पु लेनार वधारे न्या करे छे त हठ
ठठठन गोपाल पु० ठणठण गापाळ, नकामा वस्तु के निर्धन खाली माणस
ठनठनाना स०क्रि० ठठणावव, ठोकवु, वगाडवु (२) अ०क्रि० 'ठनकना'
ठनना अ०क्रि० प्रारभ थवो (२) राव थवो ठरवु (३) तयार थवु
ठनाका पु० ठणकारो
ठपका पु० ठस धक्को, आघात
ठप्पा पु० कोई पण बीबु के तेनी छाप (२) नक्सीदार फूलगोटो, थप्पो
ठमक स्त्री० ठमकनी चाल मका (२) थमचावु ते [चालवु (२)थमचावु
ठमकना अ०क्रि० ठमकवु मकाथी
ठयना स०क्रि० दढनाथी शरू करवु के करवा लागवु (२) रावव (३) अ०क्रि० स्थिर थवु, जुओ ठनना
ठरना अ०क्रि० ठरवु ठडीथा अकडावु (२) खूब ठडी पडवी

ठर्रा पु० जाडु सूतर (२) महुडी दारू
ठवनी स्त्री० उभवा ऊठवानी रीत
ठस वि० ठस, गज्जड (२) ठासे, सगान (३) आळसु (४) बरावर न खखडतो (रूपिया) (५) कजूस [नगरु
ठसक स्त्री० ठसका राफ (२) ठमका,
ठसका पु० सूकी उधरस ।मा (२) ठावर, ठस
ठसाठस अ० ठसाठस बरोबर ठासीने
ठस्सा पु० ठस्सो सरा ठसक
ठहरना अ०क्रि० ठरव थाभवु (२) रवु, नवका थवु, बनवु
ठहराव पु० ठराव,निश्चय (२)स्थिरता
ठहरौनी स्त्री० विवाहमा लवडदेवडनो राव [हसवु
ठहाका पु० अट्टहास –लगाना=खडखड
ठा, ०ई स्त्री०, ०उँ पु० ठाम जगा (२) अ० पासे
ठाठ वि० नीरस (२) वसूकेल
ठावँ पु०,स्त्री० ठाम, स्थान (२)समीप (३) स्त्री० बदूकनो ठा अवाज
ठाव पु० ठाम, स्थान
ठासना स०क्रि० ठासवु (२) रोकवु (३) अ०क्रि० ठासवु, त्रासवु
ठाकुर पु० ठाकोरजी (२) ठाकोर, जमीनदार (३) स्वामी धणी
ठाकुरद्वारा पु०,ठाकुरबाडी स्त्री० मदिर
ठाट(–ठ) पु० ठाठ (२) टाटु (३) अधिकता (४) साधनसामग्री, साज –बदलना = नवा रूपरग धारण करवा (२) नवो पेंतरो रचवा –मारना = मोज करवी
ठाट-बाट पु० ठाठमाठ (२) आडबर
ठाटर पु० ठाठमाठ (२) टाटियु 'टाट'

ठाढ़ा वि० तद्दन मोधु ऊधु–ऊभु, खडु, टटार (२) स्हु, हृष्टपुष्ट
ठान स्त्री० कायनो आरंभ, प्रस्थान (२) ठराव, दृढ निश्चय
ठानना, ठाना स० क्रि० तत्पर थई आरंभवु (२) ठरावव् नक्की करवु
ठाम पु० ठाम ठवाण, जगा
ठार पु० ठार, खूब ठडी के हिम
ठाला पु० बकार। (२) कमाणीनो अभाव (३) वि० ठालु, बेकार
ठाली वि० ठाल, बेकार, खाली
ठिगना वि० ठीगणु गट्टु
ठिकाना पु० ठेकाणु (२) म० क्रि० ठरावव्
ठिठकना अ० क्रि० खमचावु, खचकावु
ठिठरना, ठिठुरना अ० क्रि० टाढे ठठरवु
ठिनकना अ० क्रि० ड्सका खाई रावु
ठिर, ०न स्त्री० 'ठार, खूब ठडी
ठिरना अ० क्रि० जुओ 'ठरना'
ठिलना अ० क्रि० ठेलावु (२) धसवु [घडा
ठिलिया स्त्री० ठिल्ला पु० गागर, नानो
ठिठुआ वि० ठालु, बेकार 'निठल्ला'
ठिल्ला पु० जुओ 'ठिलिया'
ठीक वि० सारु यथार्थ (२) योग्य (३) अच्छु (४) स्थिर, पाकु नक्की (५) अ० ठीक, बराबर (६) पु० निश्चय, ठराव —देना = मनमा नक्की करवु
ठीकठाक पु० नक्की, ठीकठाक करलु त, बदोबस्त (२) ठराव (३) वि० बराबर
ठीकरा पु० ठीकरु (सिर पर) —फोडना = दोष माथे नाखवो —होना = खूब खच थवु
ठीकरी स्त्री० ठीकरी (२) चलमनो तवो
ठीका पु० ठेको, कराट (२) पटो, इजारो
ठीकेदार पु० ठेकादार

ठीहा पु० गादा (२) ठाम, स्थान (३) हद (४) जमीनमा दाटलु डामचु, जे उपर वस्तु मूकी सुतार वगेरे काम करे छ
ठुंठ पु० थाडनु ठूठु (२) ठूठा
ठुकना अ० क्रि० ठोकावु (२) मार खावो (प्रेरक, ठुकवाना)
ठुकराना स० क्रि० ठोकर मारवी [ठुर्री
ठुड्डी स्त्री० चिबुक, दाढी, 'ठाड। (२) जुआ
ठुमक, ०ठुमक वि० ठमक ठमक, ठमकतु
ठुमकना अ० क्रि० ठमकवु
ठुमकी स्त्री० पतगनी ठुमकी
ठुमरी स्त्री० ठुमरी गायननी चाल (२) गप, अफवा [नहि
ठुर्री स्त्री० गागडु दाणो जे शेक्य फूल
ठुसना अ० क्रि० ठासावु
ठुसाना स० क्रि० ठासावव
ठूठ पु० जुआ 'ठुठ'
ठूठा वि० ठूठु (थाड के माणस)
ठूसना, ठूसना स० क्रि० ठासवु
ठेंगना वि० ठीगणु
ठेंगा पु० अगूठो (२) सोटो डडो —दिखाना = साफ ना कहवी ठिंगो करवो
ठेंठी (—पी) स्त्री० काननो मल (२) (काननो) दाटा
ठेकना स० क्रि० टेकवु (२) टकवु, ठरवु
ठेका पु० टको (२) तबलानो ठको (२) ठोकर (४) ठरवानु ठेकाण (५) जुआ 'ठीका' [पर्ण ठकवा त
ठेकाई स्त्री० कपडाने छापवामा काळा
ठेकी स्त्री० टेको, आशरो (२) विसामो करवा ते
ठेकेदार पु० जुआ 'ठीकेदार'
ठेठ वि० शुद्ध (२) बिल्कुल, पूरु (३) स्त्री० बाली —से = ठठथी, शरूथी

ठेलना स०क्रि० ठेलवु धकेलवु

ठेला पु० ठेलो (२) ठेलागाडी (३) धक्काधक्की

ठस स्त्री० ठस [illegible]

ठसा स्त्री० ठ[illegible] ठाम ठेकाण

ठाद स्त्री० ठार [illegible]

ठाकना, ठोकना स०क्रि० ठारवु —बजाना = [illegible] परखवु

ठावर स्त्री० ठेस [illegible] (२) [illegible] आगळ [illegible] —उठाना = [illegible] दुख सहवु —खाना लेना = ठोकर खावी

ठाडा, —ढा स्त्री० [illegible], [illegible]

ठार पु० ठार [illegible] (२) [illegible]

ठोस वि० [illegible], पोलु नहि (२) दृढ (३) [illegible] दर्गी, [illegible]

ठासा पु० ठसो, आंगळी [illegible]

ठौर पु० ठाम [illegible] (२) अवसर ०ठिकाना पु० ठामठेकाण —न आना = [illegible] आववो —रखना = ठार [illegible] —रहना = ठार थई मरी जवु

ठौर कुठौर अ० ठेकाण (२) [illegible] [illegible], [illegible]

ड

डक पु० डंक (२) चामडी ढाल

डका पु० [स ढक्का] डंको डकेकी चोट कहना = डंको पाटीने कहेवु

डगर पु० डांगर, ढोर [के डासळो

डठल पु० डंठा स्त्री० नाना छोडनु थड

डड पु० दडा (२) दडनो कसरत (३) दड —डालना = दड करवो —पडना = दड थवु नुकसान थवु —पेलना = दड पीलवा [माणस

डडपेल पु० पहेलवान (२) बळवान

डडवारा पु०, —री स्त्री० फरती दीवाल के कोटनो वडो [व तरफनी दीवार

डडा पु० दंडो, सोटो, लाठी (२) वडो

डंडिया पु० दड—कर वसूल करनार (२) स्त्री० एक जातनी साडी

डंडियाना स०क्रि० डांडियु करवा सीववु

डडी पु० दडी, साधु (२) स्त्री० डांडी नाना दंडो (३) दांडी (४) हाथो दस्तो —मारना = तोलवामा हाथचालाकीथी दांडी नमावी देवी

डंडोरना स०क्रि० (१) ढंढेरी पूरवो (२) [illegible]

डडौत अ० (१) दडवत्

डवर पु० [स] आडंबर (२) विस्तार

डबेल पु० [इ] कसरतनी मगदळ

डंवाडोल वि० जुओ डांवाडोल

डस पु० डंख (२) डंखनी जगा

डंसना स०क्रि० डसना, डसवु

डकार पु० ओडकार (२) वाघ सिंहनी गर्जना —न लेना = परायु धन चुपचाप हजम करी जवु [गर्जवु

डकारना अ०क्रि० ओडकार खावो (२)

डकत पु० डाकु लूटारो

डकती स्त्री० डकैती, लूटफाट

डग पु० डगलु, पगलु —देना, भरना = डगलु भरवु आगळ चालवु —मारना = पग उपाडवा जल्दी चालवु

डगड(—म)गाना, डगडोलना अ०क्रि० डगमगवु लथडवु

डगडोर वि० डामाडोळ, डगुमगु

डगना अ०क्रि० जुओ डिगना

डगमगाना अ॰क्रि॰ डगमगवु
डगर स्त्री॰ रस्तो, माग
डगरा पु॰ 'डगर' (२) छावडु
डटना अ॰क्रि॰ लागवु, मडवु, जारी रहेवु **डटकर खाना**=खूब पेट भरीने खावु **डटा रहना**=जाग्या रहेवु,न हटवु
डट्टा पु॰ हूकानो मेर (२) ट्टा
डढार(-रा) वि॰ दाढ के दाढीवाळु
डढियल वि॰ लाबी दाढीवाळु
डपट स्त्री॰ वढवु ते (२) घाडानी रपेट –जोरदार चाल [काढवो
डपटना स॰क्रि॰ वढवु, ऊचा अवाज
डपोरसख पु॰ डिग मारनार (२)डफोळ
डफ(॰ला) पु॰ डफ (२)चग एकवाजु
डफली स्त्री॰ खजरी
डफाली पु॰ डफ वजावनार (२)डवगर
डब पु॰ थेली, खीस
डबडबाना अ॰क्रि॰ डबडब आसु आववा
डबरा पु॰ पाणीनु खावडु के हाज या कुड
डबल वि॰[इ] बमणु (२) जाडु स्थूल (३) पु॰ पसो
डबी,-बिया स्त्री॰ डबी
डबोना स॰क्रि॰ 'डुबाना', डबोववु
डब्बा पु॰ डब्बो (२) गाडीनो डब्बो
डब्बू पु॰ पीरसवानो डूघो
डमरू पु॰ डमरु डाक्लु
डमरूमध्य पु॰ स गीभूमि
डर पु॰ डर, भय [(प्रेरक डराना)
डर(॰प)ना अ॰ क्रि॰ डरवु, बीवु
डरपोक वि॰ बीकण डरकण
डरावना वि॰ डरामणु, भयानक, बिहामणु
डरावा पु॰ डरावबा कहेलो वात (२) (खतरजो) चाडियो
डल पु॰ 'डला' टुकडो, गागडो
डलना अ॰क्रि॰ पडवु, नखावु [प्रेरक
डलवाना स॰क्रि॰ नखाववु, 'डालना'नु
डला पु॰ गागडो (२)करडि ये के छाबड
डलिया पु॰ 'डला', छावडु
डली स्त्री॰ गागडी (२) सोपारी
डसना स॰क्रि॰ डसवु, करडवु (डसाना, डसवाना प्रेरक)
डहकना स॰क्रि॰ ठगवु, छेतरवु (२) अ॰क्रि॰ विलाप करवो (३) दु खथी डसका भरवा, डसकवु
डहकाना स॰क्रि॰ खावु, गुमाववु (२) अ॰क्रि॰ ठगावु (३) स॰क्रि॰ ठगी लेवु, छेतरवु [आनदी
डहडहा वि॰ ताजु, लीलु (२) प्रसन्न,
डहडहाना अ॰क्रि॰ (वनस्पतिनु) लाल ताजु होवु (२) प्रसन्न होव
डहना अ॰क्रि॰ बळवु (२) दाझे बळव (३) स॰क्रि॰ बाळवु (४) दु खी करव
डहर स्त्री॰ डगर', रस्तो
डाक स्त्री॰ डाक नग नीचे जडातु त्राबा सोनानु पातळु पतरु (२) ऊल्टी, ओक
डाकना स॰क्रि॰ ओळगवु, कूदीने पार करवु (२) अ॰क्रि॰ आकवु
डाग पु॰ जगल (२) डाग, लाठी
डागर पु॰ 'डगर', चोपग (२)तेनी लाश (३) वि॰ सूकलु, दूबळु (४) गमार मूर्ख
डाट स्त्री॰ वाबू वश (२) धमकी
डाटना स॰क्रि॰ वढवु, धमकाववु
डाड पु॰ दडो (२) हलेसु (३) सीमा, हद (४) दड, जुरमाना
डाडना अ॰क्रि॰ दड करवो
डांडा पु॰ जुओ 'डाड' १ थी ३
डाडा-मेंडा पु॰, –डी स्त्री॰ बे मालकी वच्चेनी हद (२) थगडो, अणबनाव

डांडी स्त्री० दाडा
डांवरा पु० (स्त्री० –री) छोकरा, पुत्र
डांवा(–वां)डोल वि० डामाडाळ,अस्थिर
डाइ(–कि)न स्त्री० डाकण
डाक स्त्री० टपाल, टपालनु (२) 'डाँक', ऊलटी ०खाना,०घरपु०टपालनी आफिस ०गाडी स्त्री० मेलगाडी ०बंगला पु० मुसाफरी बंगलो ०महसूल पु०टपाल खर्च ०मुंशी पु० पोस्टमास्तर ०व्यय पु० टपालखर्च [डाँकना'
डाकना सक्रि० (२) अक्रि० जुओ
डाका पु० डाको, धाड
डाकाजनी स्त्री० धाड पाडवी ते,डकाटी
डाकिन,–नी स्त्री० डाकण
डाकिया पु० टपाली
डाकी स्त्री० ऊलटी (२) वि० खाउधरु
डाकू पु० लूटारो(२)वि० डाकु खाउधरु
डाक्टर पु० [इ] दाक्तर –री स्त्री० तेनी विद्या के काम
डाट स्त्री० टको (२) दाटो (३) डाट'
डाटना सक्रि० दाटो मारवो (२) 'डाटना (३) डटकर खाना', खूब खावु (४) जोर करीने धकेलवु
डाढ़ स्त्री० दाढ दांत (२) वडवाई –गरम होना=बरोबर के सारु खावानु मळवु (२) लांच मळवी
डाढ़ना सक्रि० (प) दहवु, बाळवु
डाढा स्त्री० दावानळ (२) ताप
डाढ़ी स्त्री० दाढी –छोडना, –रखना= दाढी राखवी–वधारवी –पेटमें होना =नानी उमरमा मोटानी समज होवी –फटकारना=दाढी पर हाथ फेरवी संतोष के उत्साहनो भाव बताववो
डाबर पु० नीची जमीन (२) तळावडु
(३) हाथ धोवानु वासण, 'चिलमची' (४) मेलु पाणी [(२)लीलु नारियेळ
डाभ पु० दर्भ डाभ (२) आंबाना मोर
डामर पु० [स] धामधूम (२) ठस्सो (३) चमत्कार (४) डामर [मजा
डामल स्त्री० जनमटीप काळापाणीनी
डामाडोल वि० डामाडोळ अस्थिर
डायन स्त्री० डाकण [डाइनेमो
डायन(–ना)मो पु० [इ] वीजळीनो
डायरी स्त्री० [इ] नोंधपोथी रोजनीशी
डार(–ल) स्त्री० डाळ (२) 'डलिया', छाबडु
डालना सक्रि० नाखवु
डालर पु० [इ] अमेरिकन सिक्को के नाणु
डाली स्त्री० डाळी (२) जुओ 'डलिया'
डावरा पु० जुओ 'डावर'
डासन पु० (प) बिछानु, पाथरणु
डासना सक्रि० बिछाववु
डासनी स्त्री० खाटलो, पलंग
डाह स्त्री० दाह (२) ईर्षा
डाहना सक्रि० बाळवु (२) सताववु
डिंगर पु० ढोरनो डेरो
डिंगल वि० नीच (२) स्त्री० रजपूतानानी चारणी भाषा [शेखरकोर
डिंब पु० [स] इंडु (२)दंगाफिसाद (३)
डिंभ पु० दंभ, घमंड (२) [स] बच्चु के बाळक (३) मूर्ख
डिगना अक्रि० डगवु (प्रेरक डिगाना)
डिगरी स्त्री० डिग्री पदवी (२) हुकमनामु, 'डिक्री' ०दार पु० जेना पक्षमां हुक्मनामु थाय ते
डिठार, डिठियारा वि० देखनार, देखतु
डिठौना पु० नजर न लागे माटे कराबु काळु टपकु

डिपटी पु० डप्युटी – नायब अमलदार
डिपाजिट पु०[इ] अनामत, डिपाझिट
डिपार्टमेन्ट पु० [इ] विभाग, खातु
डिपो पु०,स्त्री० [इ] गोदाम, भंडार
डिप्टी पु० जुओ 'डिपटी'
डिबिया स्त्री० डब्बी
डिब्बा पु० डबो (२) एक बाळरोग
डिभगना स०क्रि० (२) माहित करवु, 'उहकना'
डिमडिमी स्त्री० डुगडुगी डिंडिम
डिम(-मु)रेज पु० [इ] डामरेज – तना पसा (-लगना)
डिमाई स्त्री० [इ] कागळनु एक कद
डिलिवरी स्त्री०[इ] टपालनी वहेंचणी
डिविडेंड पु०[इ] शेरनु व्याज, डिविडंड
डिसमिस वि० [इ] रद बरतरफ
डिस्ट्रिक्ट पु० [इ] जिल्लो
डिस्पेंसरी स्त्री० [इ] दवाखानु
डींग स्त्री० डिंग शेखी –हांकना = डिंग मारवी, शेखी बकवी
डीठ स्त्री० दृष्टि नजर (२) समज
डीठना अ०क्रि० देखावु (२) स०क्रि० देखवु के देखाडवु [जादूगर
डीठबंद पु० नजरबंधी के ते करनार
डीमडाम स्त्री० ठाठमाठ, धामधूम
डील पु० कद (२) डिल, शरीर
डीलडौल पु० शरीरनु कद, काठु
डीह पु० वस्ती गाम(२)ऊजड गामनी जगा (३) ग्रामदेवता
डुक,-क्का पु० धुम्मो
डुगडुगी, डुग्गी स्त्री० डुगडुगी, ढोलकी
डुबकी स्त्री०डूबकी 'गोता'(२)वडोमा नखाता चणाना लोटनी वडी (-खाना, –देना, –मारना, –लगाना, –लेना)
डुबाना स०क्रि० डुबाडवु ('डूबना'नु प्रेरक)
डुबाव पु० डुबाय एटलु ऊंडाण
डुबोना स०क्रि० जुओ 'डुबाना'
डुब्बी स्त्री० डूबकी [चलाववु
डुलाना स०क्रि० डोलाववु, हलाववु,
डूगर पु० डुंगर (२) टेकरो
डूँगा पु० डूंघो, एक जातनो चमचो
डूबना अ०क्रि० डूबवु, बूडवु
डेंडसी स्त्री० काकडी जेवु एक शाक
डेग पु० देग, देगडो ०ची स्त्री० नानो देग
डेड़हा पु० डेडव, साप
डेढ़ वि० दोढ –ईंटकी मसजिद बनाना =मळतीने काम न करवु, अतडु रहेवु –चावलकी खिचडी पकाना=बधाथी भाईनी जुदी चाकी करवी, बधाथी जुदा पडवु
डेढ़ा वि० दोढु (२) पु० दाढाना आंक
डेपुटेशन पु०[इ] डेप्युटेशन, प्रतिनिधि मंडळ लई जवु ते
डेरा पु० डेरो पडाव (२) तंबू इ० पडाव नाखवानो सामान (३) घर –पडना=डेरो नखावो
डेल(-ला) पु० रोडु
डेल्टा पु० [इ] नदीनो डेल्टा
डेला पु० आंखनो सफेद डोळो (२) रोडु (३) ढारनो डरो
डेलिगेट पु० [इ] प्रतिनिधि
डेवढ़ा वि० 'डेढ़ा', दोढु(२) पु० दाढाना आंक [दरवाजो
डेवढ़ी स्त्री० डेली, दोढी (२) फाटक,
डेसिमल पु० [इ] दशांश
डेस्क पु० [इ] ढाळियु मेज

डना पु० पास
डागर पु० डुगर
डागा पु० दांडा (स्त्री० –गी)
डोई(–ही) स्त्री० ड़ाया डूपा
डोकरा पु० डामो ड़ारा (स्त्री०–री)
डोज पु० स्त्री० [इ] दवानी मात्रा
डोडा पु० मोटु जीडवु
डोडी स्त्री० नीम्बु
डोब(–बा) पु० डूबका
डोम(०डा) पु० एक अस्पृश्य जात
डोम काग,–कौआ पु० मोटो कागडो
डोमनी, डोमिन स्त्री० डोम स्त्री
डोर स्त्री० [फ] दोर दोरी –पर लगाना=रस्ता पर आणवु
डोरा पु० दोरो (२) लीटी –डालना=(रजाई इ० ना) दोरा नाखवा (२) प्रेममां फसाववु–आकर्षवु
डोरिया पु० दोरियु वस्त्र
डोरी स्त्री० दोरी (२) पाश बंधन
डोल पु० डोल बाल्टी (२) हींडोळो (३) डोळी (४) वि० चचल
डोलची स्त्री० डोलचु नानी डोल
डोलडाल पु० हरवु फरवु ते (२) दिशाए जवु ते

डोलना अ०क्रि० हालवु डोलवु (२) फरवु
डोला पु० मेना (२) हाचकानो हल्लो –देना=कन्या आपवी –निकालना=कन्याने वळावरी
डोली स्त्री० डोळी
डोही स्त्री० जुओ डोई
डौंडी स्त्री० दांडी पिटाववी ते –देना, बजाना=दांडी पिटाववी
डौआ पु० लाकडानो कडछो
डौल पु० ढंग ढब, रीत (२) रूपरेखा ढांचो (३) युक्ति, उपाय –डालना=रूपरेखा के ढांचु तयार करवु –बांधना, –लगाना=उपाय के तजवीज करवी –पर लाना=ढंगमां आणवु, ठीक स्वरूप घडवु
डौलदार वि० सुंदर घाटनु
ड्योढा वि० दोढ (२) पु० दोढो डेलो
ड्योढी स्त्री० जुओ डेली ०दार, ०वान पु० दरवान
ड्राइंग स्त्री० [इ] ड्राइंग चित्रकाम
ड्राइवर पु० [इ] गाडी हांकनार (जेम के रेलना मोटरना)
ड्राम पु० [इ] प्रवाहीनु एक माप
ड्रिल स्त्री० [इ] ड्रिल, कवायत

ढ

ढँकन पु० ढकना ढांकण
ढंग पु० ढंग (२) उपाय, युक्ति (३) ढोंग दंभ –का=ढंगवाळु, चतुर
ढंगी वि० चतुर चालाक पाकु
ढंढार पु० गाळ, आंच (२) बादल
ढँढोरची पु० ढंढेरो पीटनार
ढँढोरना स०क्रि० ढूंढवु खोळवु

ढँढोरा पु० ढंढेरो
ढँपना, ढकना अ०क्रि० ढंकावु छपावु (२) स०क्रि० ढांकवु छुपाववु (३) पु० ढांकणु
ढई स्त्री० धरणु, त्रागु –देना=धरणु धरीने बेसवु
ढकनिया, ढकनी स्त्री० ढांकण ढांकणी

ढका पु० धक्का, फुरजा (२) मोटु ढाल (३) (प) धक्का
ढकेलना सक्रि० धकेलवु [-लीवु
ढकोसना सक्रि० एकमाये सूब ढाचवु
कोसला पु० ढाग, पाखंड
ढक्कन पु० ढाकण
ढक्का पु० मोटु ढाल, नगारु
चर पु० साहित्यसामग्री (२) वखेरा (३) ढाग, आडबर
ढढा वि० वडाळ ने मोटु (२) पु० खाखु, रूपरेखा (३) जूठो 'ठाठ'
ढपना अक्रि० (२) पु० जुआ 'ढंपना'
ढब पु० ढब, ढग, रीत (२) आदत प्रकृति (३) युक्ति
ढयना अक्रि०(दीवाल इ०)नसी आववु -पडवु (२) ध्वस्त-जमीनदास्त थवु
ढरकना अक्रि० ढळवु ढाळावु
ढरका पु० ढोरने काई पावानी नाळ
रकी स्त्री० वणवानो काठलो
ढर्रा पु० रस्तो, मार्ग (२) युक्ति, उपाय (३) ढग, चाल, टेव
लकना अक्रि० ढळवु, ढोळावु (२) गबडवु (प्रेरक ढलकाना)
ढलका पु० आखनो एक रोग
ढलना अक्रि० ढळवु, ढोळावु (२) गबडवु (३) बीबामा ढळावु (४) चमर ढोळावो
ढलवा वि० भरतर ढाळेल [प्रेरक
ढलवाना, लाना सक्रि० 'ढालना'नु
लाई स्त्री० ढाळवानु काम के मजूरी
ढहना अक्रि० 'ढयना' वसवु (ढहवाना, ढहाना प्रेरक)
ढाक(-प)ना सक्रि० ढाकवु [खरडो
ढाचा पु० बीबु फरमो (२) योजना
ढापना सक्रि० ढाकवु
ढास पु० ठासो, सूकी खासी [वावो
सिना अक्रि० ठासवु, सूका खासी
ढाई वि० अढी -घडीकी आना=मोत आववु -घडीकी बादशाहत करना= चार घडीनु चादरणु हावु (२) वर राजा थवु
ढाक पु० पलाशनु झाड, खाखरा (२) मोटु एक ढोल -के तीन पात=सदाय सरखु (निधन)
ढाटा पु० बुकानी
ढाड(-ढ़) स्त्री० राड, चीस, गर्जना -मारना=पोक मूकीने रडवु
ढाढ़(-र)स पु० धय, दिलासो, धीरज (२) हिंमत, दृढता -बंधाना=धय के हिंमत आपवी
ढाढ़ी पु० एक गवया जात(स्त्री०-ढिन)
ढाना सक्रि० घसावी पाडवु, गबडावी नाखवु, 'ढाहना'
ढाबर वि० मेलु, गदु (पाणी)
ढारना सक्रि० जुओ 'ढालना'
ढाल स्त्री० ढाल (२) पु०,स्त्री० ढळ, उतार (३) ढग रीत, ढाळो
ढालना सक्रि०ढाळवु (आसु के आकार) (२) ढोळवु, रेडवु (३) दारू ढीचवो
ढालवाँ, ढालू वि० ढळतु, ढाळवाळु
ढासना पु० अठीगण, तकिया
ढाहना सक्रि० जुओ 'ढाना'
ढिंढोरा पु० ढढेरो के ते पीटवानु ढोल (-पीटना, -बजाना) [तट, किनारा
ढिग अ० पासे (२) स्त्री० किनार (३)
ढिठाई स्त्री० धृष्टता, निलज्जता, अघटित साहस [(२) लोढानो चाकी
ढिबरी स्त्री० दीवानो खडियो के कोडियु
ढिमका स० (स्त्री०-की) फलाणु अमुक

ढिलढिला वि० ढीलुंराचु (२) पाणा जवु षातळ [ढालु करवु ते
ढिलाई स्त्री० ढीलाश (२) सुस्ती (३)
ढिलाना स०क्रि० 'ढीलना' नु प्रेरक
ढिल्लड वि० ढील करनारु, मद, ढीलु
ढीचूढीचू अ० गधडाना अवाज – हाची होंची
ढीठ(–ठा) वि० धीट धृष्ट (२) साहसिक
ढीम पु० ढीमचु (पथ्थर के माटीनु)
ढीमर पु० ढेक्वा (कूवामाथी पाणी खचवाना)
ढील स्त्री० जुओ ढिलाई' –देना=ढीलु मूकवु जाप्ता के पकड ढीला करवा
ढीलना स०क्रि० ढीलु करवु (२) छोडवु
ढीला वि० ढालु
ढुडवाना स०क्रि० ढूंढना' नु प्रेरक
ढुढी स्त्री० हाथ (२) बाय
ढुकना अ०क्रि० घूसवु (२) आडमा सतावु
ढुरहुरी, ढुर्री स्त्री० पगदडी, पगथी
ढुलकना अ० क्रि० गवडवु (प्रेरक ढुलकाना)
ढुलना अ०क्रि० ढळवु (२) रेडावु ढोळावु (३) तरफ चूकवु, अनुकूळ थवु (४) आम तेम डालवु
ढुला(–लवा)ई स्त्री० भार वही जवा –'ढोना –ते काम के तेनी मजूरी
ढुला(–लवा)ना स० क्रि० 'ढोना' नु प्रेरक [वताई रहेवु ते (–लगना)
ढूका पु० काई जावा जाणवा छूपा
ढूढ स्त्री० तपास, ढूढवु ते
ढूढना स०क्रि० ढूढवु, खोळवु
ढूका पु० जुओ ढूका
ढूढ़िया पु० ढूढिया जन
ढूह(–हा) पु० ढगलो (२) टेकरो

ढक पु० जळनु एक पक्षी
ढेंकली स्त्री० ढकवो (२) पाणीना ढेक्वा जवी यक्तिनो खाडणियो (३) गोटमडु
ढेंकी स्त्री० 'ढक्ली', एक जातनो खाडणियो
ढेंढ, ढेढ पु० कागडो (२) एक हल्की जाति (३) मूख (४) कपासनु जीडवु
ढेंप(–पी), ढेप(–पी) स्त्री० ढपु, 'ढला' ढेबुआ(–वा) पु० पमो
ढेर पु० ढर ढग (२) वि० खूब –करना =मारी नाखवु, ठार करवु –हो रहना या जाना=मरी जवु (२) थाकीन लोथ थई जवु
ढेरी स्त्री० ढगला
ढेलवास स्त्री० गोफण
ढेला प० ढपु ढगल। दगडु –चौथ= दगडाचोथ भादरवा सुद ४
ढया स्त्री० अढाशरियो (२) अढिया
ढाग पु० ढाग दभ, पाखड ०बाज –गी वि० ढागी ०बाजी स्त्री० ढोग
ढाढ पु० कपास इ०नो दोडा
ढोढ़ी स्त्री० नाभि डूटी [(२) ठोकरो
ढोटा(–टौना) पु० (स्त्री० –टी) पुत्र
ढोना स०क्रि० भार वहवो (२) उठावीने लई जवु
ढोर पु० ढार, चोपगु
ढोरना स० क्रि० (प) ढोळवु
ढोरी स्त्री० ढाळवु के ढळवु ते (२) धन, लगनी
ढोल पु० ढोल, नगारु (२) काननो पडदो
ढोलक,–की स्त्री० ढोलकी नानु ढाल
ढोलकिया पु० ढोलकावाळो
ढोलना पु० ढोलना आकारनु मादळियु
ढोलनी स्त्री० पाळणु खोयु

ढोला पु० सडली वस्तुमां पडेलो धोळो कीडा–इयळ (२) गामनी सीमनुं निशान (३) देह, शरीर (४) मूर्ख–जड माणस (५) पति (६) एक पंजाबी गीत-प्रकार
ढोलिया पु० 'ढालिया' ढोलवाळो
ढोली स्त्री० २०० पाननी थोकडी (२) मश्करी
ढोव पु० नजराणुं, भेट
ढौंचा पु० साडा चारनो आंक
ढौरी स्त्री० धून, रटण

त

तंग वि० [फ़ा] तंग –आना, होना = थाकी जवुं, कायर, हेरान थई जवुं –करना = सतावबुं हाथ तंग होना = हाथ भीडमां होवा [वाळ
तंग-ख़याल वि० [फ़ा] संकुचित विचार-
तंगदस्त वि० [फ़ा] (नाम, –स्ती स्त्री०) कंजूस (२) गरीब [कंजूस
तंगदिल वि० [फ़ा] साकडा मननुं (२)
तंगहाल वि० [फ़ा] गरीब (२) संकटग्रस्त
तंगी स्त्री० [फ़ा] ताण टांच (२) गरीबी (३) दुःख
तंज़ पु० [अ] टोणो, व्यंग [मलमल
तंज़ेब स्त्री० [फ़ा] एक जातनुं झीणुं सरस
तंड,०व पु० (प) तांडव, नाच
तंडु (–दु)ल पु० तांदुल, चोखा
तंतमंत पु० जंतरमंतर
तंतु पु० [सं] तांतणो, दोरो (२) वंशवेला (३) करोळियानुं जाळुं
तंतुवाय पु० [सं] वणकर, ताती
तंत्र पु० तंत्रशास्त्र (२) प्रबंध व्यवस्था, बंदोबस्त, काबू (३) तंतु, दोरो (४) वस्त्र के तेनो वणवानी सामग्री के वणकर (५) सेना (६) समूह
तंत्री स्त्री० वीणा, सितार इ० तंतुवाद्य के तेनो तार (२) रस्सी दोरडुं (३) नाडी (४) पु० तंतुवाद्य वगाडनार
तंदुरुस्त वि० [फ़ा] तंदुरस्त, नीरोगी (नाम –स्ती स्त्री०)
तंदुल पु० तंडुल, तांदुल, चोखा
तंदूर पु० [फ़ा तनूर] एक प्रकारनी गोळ भठ्ठी, जेमां रोटली शेकाय छे (वि० –री) [प्रयत्न, खंत
तदेही स्त्री० [फ़ा तनदिही] मेहनत,
तंद्रा स्त्री० [सं] सुस्ती, घेन ०लु वि०
तंबाकू पु० तमाकु ०गर, ०तमाकुवाळो
तंबीह स्त्री० [अ] चेतवणी, नसीहत
तंबू पु० तंबु, डेरो [तंबूर वगाडनारो
तंबूर पु० [फ़ा] एक जातनुं ढोल ०ची पु०
तंबूरा पु० तंबूरो
तंबोल पु० खावानुं पान, तांबूल
तंबोली पु० तंबोळी पानवाळो
तअज्जुब पु० [अ] ताजुबी आश्चर्य
तअन पु० [अ] तानो, महेणुं
तअल्लुक़ पु० [अ] संबंध (२) आधार
तअल्लुक़ (–का) पु० [अ] अनेक गामनी जमीनदारी (२) तालुको ०(–के) दार पु० तालुकदार
तअस्सुब पु० [अ] तासुबी, धर्माधता
तआरुफ़ पु० [अ] परिचय, पिछान
तआला वि० [अ] सर्वश्रेष्ठ (उदा० खुदा ताला) [माटे
तई (प्रत्यय) प्रति, तरफ (२) अ० वास्ते,

तद्दनात वि० [१०] जुआ तनात
तई स्त्री० जल्वाना क्डई
तउ अ० (१) तापण, तथापि
तक अ० सुधी, पयत
तकइमा पु०[अ तकिम्मा]अगज 'वजेट'
तकदार स्त्री० [अ] तकदार नसाव
०वर वि० भाग्यवान [लवु
तकना अ०क्रि० ताकवु, तावु (२) शरण
तकबार स्त्री० [अ] आदर के प्रशसा करवा त (२) ईश्वरस्तुति (३) अल्लाहा अकबर के एवा सूत्र वारवार वालवु ते
तकब्बुर पु० [अ] अभिमान घमड
तकमाल स्त्री० [अ] पूर्णता
तकरार स्त्री [अ] झगडा (२) विवाद
–री वि० तकरार करनार
तकरीब स्त्री०[अ] समीपता (२) शुभ अवसर
तकरीबन अ० [अ] प्राय लगभग
तकरीर स्त्री०[अ] वातचीत (२) भाषण
तकरीरन अ० [अ] मोढ मौखिक
तकहर पु० [१] –री स्त्री० निमगूर
तकला पु० यात्र (स्त्री० –ली)
तकलीद स्त्री० [अ] अनुकरण नकल
तकलीदी वि० [अ] नकली बनावटा
तकलीफ स्त्री०[अ] तकलीफ कष्ट, पीडा
तकल्लुफ पु०[अ] शिष्टाचार (२) ठ, डाठ दमाव
तकवा पु० [अ] सदाचार
तकवियत स्त्री [अ] ताकात दवी त पुष्टि समर्थन
तकसाम स्त्री० [अ] वहेचणी (२) भागाकार
तकसार स्त्री० [अ] कसूर भूल
तकाजा पु० [अ] तकादा (२) वचन प्रमाण करवा कहेवु ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट, 'थकान'
तकावी स्त्री० [अ] तगावी
तकिया पु०[फ] आशीकु (२) तकिया (३) फकीरनो तकियो (४) आशरो, भरोसा
तकिया कलाम पु० वातचीतमा केटलाक अमुक शब्द के शब्दो वारवार कहे छे ते उदा० छो समजाने
तकियादार पु०[फ] कबर के तकियावाळा फकीर
तकुआ पु० त्राक
तक्र पु० [१] छाश
तखमीनन अ०[अ] अदाजथी लगभग
तखमीना पु० [अ] अदाज अनुमान
तखलिया पु० [अ] एकान्त स्थल
तखफीफ स्त्री० [अ] कमी, न्यूनता
तखल्लुस पु० [अ] लेखक के कविनु उपनाम
तखमीर पु० [अ] विजय
तखसीस स्त्री०[अ] विशेषता खासियत
तख्त पु०[फा] राजानु सिंहासन (२) पाट
तख्त ताऊस पु० [फा] तख्तताऊस, मयूरासन [तख्त
तख्त-नशीन वि० [फा] राजगादी पर
तख्ता पु०[फा] पाटियु (२) पाट (३) पा, पग थाळ (४) ठाठडी –उलटना = पायमाल करवु –हो जाना = अकडावु
तख्ती स्त्री० तख्ता (२) नाना पाटियानो टुकडो (३) स्लेट लखवानु पाटियु
तगडा वि० तगडु, जाडु हृष्टपुष्ट
तगदमा पु० जुओ 'तकइमा'
तगमा पु० जुओ तमगा

तग़ब्बुर पु० [अ] मोटा भार फरफार
तगादा पु० तगाद।, 'तकाज़ा'
तग़ाफ़ल प० [अ] उपक्षा, बेदरकारी
तग़ार पु० [अ] तग़ारी स्त्री० चणवा माटे चूना क गारा तैयार करवानी जगा (२) तगारु
तचना अ०क्रि० तपवु, गरम थवु
तज पु० तज के तेनु झाड
तज़किरा पु० [अ] चर्चा
तजना स०क्रि० तजवु, छोडवु
तजम्मुल पु०[अ] शणगार (२) शोभा
तजर(-रु)बा पु० [अ] अनुभव (२) अजमायश, प्रयाग ०कार पु० अनुभवी माणस ०कारी स्त्री० अनुभव
तजल्ली स्त्री०[अ] प्रकाश (२) ईश्वरी नूर, जे मूसाने पर्वत पर मळेलु
तजवीज़ स्त्री०[अ] मत (२) फसलो, निर्णय (३) बदोबस्त, तजवीज
तजावुज़ पु० [अ] मर्यादानु उल्लंघन हद पार करवी ते
तजुर्बा प० जुओ 'तजरबा'
तज्जार पु०[अ] 'ताजिर'नु ब०व०
तज्ञ वि० तज्ज्ञ, तत्त्वज्ञ, ज्ञानी
तट पु [प] काठो, किनारो (२) अ० पासे नजीक
तटनी स्त्री० (प) तटिनी, नदी
तटस्थ वि० [म] पास रहेनार (२) निष्पक्ष निरपेक्ष [तड पडवा ते
तड पु० नातनु तड,विभाग ०बदी स्त्री०
तडकना अ०क्रि० तडकवु, फाटवु (२) तडूकवु गुस्से थवु (३) तडका'-वघार देवो
तडका पु० सवार (२) वघार (३) तडको
तडप स्त्री० तलप, कूदको (२) तडपवु -दुःखी थवु ते, वेडो (३) वीजळीनो चमकारो।
तडप(-फ)ना अ०क्रि० दुःखथी तडफवु
तडफडाना अ०क्रि० तडफडवु, बचेन थवु (२) स०क्रि० पजववु, सतावधु
तडफना अ०क्रि० 'तडपना', तडफवु
तडबदी स्त्री० तड बधाई जवा ते
तडाक(०फडाक) अ० तडाकभडाक, तुरत, तडाक दईने [तरत
तडाका पु० तडाको (२) अ० तडाक,
तडाग पु० [स] तळाव
तडातड अ० तडफड, उपराउपरी
तडावा पु० उपरनो राफ के भभको
तडित,-ता स्त्री० वीजळी
तडी स्त्री० धाप तमाचो (२) बहानु
ततारना स०क्रि० गरम पाणीथी धावु
ततया स्त्री० 'भिड', भमरी
तत्काल अ० [स] तरत त्यारे-त ज वखते -लीन वि० त्यारनु
तत्त पु० (प) तत्त्व
तत्ता वि० (प) तप्त, गरम
तत्ताथेई स्त्री० ताताथई ए नाचनो बोल
तत्तोथबो पु० वच्चे पडी पतावी पाडवु ते
तत्पर वि० [स] तत्पर, तयार (२) चतुर, निपुण
तत्त्व पु [प] तत्त्व, रहस्य ०ज्ञ, ०ज्ञानी, ०दर्शी पु० फिलसूफ, तत्त्वने जाणनार
तत्त्वावधान पु० [स] देखरेख, नजर
तत्र अ० [स] त्या
तथा अ०[स] अने (२) ते प्रमाणे तेम
तथापि अ० [स] तोपण, छता
तथव अ० [स] तेम ज
तथ्य पु० [स] सत्य साचु, खरु
तद(-दन)तर अ० ते पछी, ते उपरात

तदनुरूप वि० [स] तेने मळतु, तेवु
तदनुसार अ० [स] तेम, ते प्रमाणे
तदपि अ० [स] तोपण, तथापि
तदबीर स्त्री०[अ] उपाय, युक्ति (२) यत्न प्रयास ०ए सल्तनत स्त्री० राज्यप्रबंध, राजवहीवट
तदरीज स्त्री० [अ] क्रमिकता
तदरीस स्त्री० [अ] भणाववु ते
तदर्थ अ० [स] ते माटे (२) खास, 'अँड हाक'
तदा अ० [स] त्यारे
तदाकार वि०[स] तेवु ज, तद्रूप तल्लीन
तदाबीर स्त्री [अ] 'तदबीर'नु ब०व०
तदारुक पु० [अ] बदोबस्त (२) दंड, सजा (३) शोध तपास
तदुपरात अ०[स] ते उपरात, वळी
तद्भव वि०[स] मूळमाथी बनेल (शब्द)
तद्रूप वि० [स] तेवु ज तदाकार [तेवु
तद्वत अ०[स] तेमज तरीजेम (२) वि०
तन पु०[फा] तन देह (२) अ० (प) तरफ —को लगना=असर पडवी (२) (खास क) शरीरने फाववो —देना= ध्यान देवु तन देवु
तनकीह स्त्री [अ] तपास (२) मुकद्दमाना तपासमा जेवा मुद्दा, इस्यु
तनख्वा(—ख्वा)ह स्त्री० [फा] तनखो, पगार ०दार पु० पगारदार
तनजन अ०[अ] कटाक्षमा महेणा रूपे
तनजीम स्त्री० तझीम सगठन
तनजेब स्त्री०[फा] एक जातनु मलमल कपडु [पडती
तनज्जुल पु०[अ] —ली स्त्री० अवनति,
तनतनहा अ० [फा] साव एकलु
तनतना पु० [अ] रोफ (२) क्रोध
तनतनाना अ०क्रि० रोफ के क्रोध देखाडवा
तनदिह वि०[फा] तन दईने काम करनार
तनदिही स्त्री० जुओ तदेही
तनना अ०क्रि० तणावु (२) अक्कड के टटार थवु (३) गर्व के क्रोधथी रोसमा के अक्कड रहेव
तनय पु०[स] छोकरो, पुत्र —या स्त्री० पुत्री ['तनाना'
तनवाना स०क्रि० 'तानना'नु प्रेरक,
तनसीख स्त्री०[अ] रदबातल करवु ते
तनसीफ स्त्री०[अ] दुभागवु—अधवारव ते (२) भाग पाडवा त
तनसुख प० एक जातनु कापड
तनहा वि०[फा] तन्हा, एकलु एकाकी
तनहाईस्त्री०[फा]एकाकीपणु(२)एकात
तना पु०[फा] झाडनु थड (२) अ० तरफ, तन [थर, शत्रुता
तनाजा पु०[अ] झघडो (२) अदावत,
तनाना स०क्रि० तनवाना', तणाववु
तनाब स्त्री०[अ] तबू बाधवानी रसी
तनाव पु०तणाव्रुत, ताण(२)दोर रस्सा
तनावर वि० [फा] मोटु (२) जबरु
तनावुल पु०[अ] ग्रहण करवु ते (२) खावु ते [कवाजु शरीर लेवु ते
तनासुख पु०[अ] विनाश (२) रूपातर
तनासुल पु० [अ] प्रजोत्पत्ति
तनि(०क) वि० थोडु जरा
तनिया स्त्री० लगोटी (२) काछडो (३) चोळी [तनिया (३)अ० तनिक
तनी स्त्री० कपडानी कस (२) जुओ
तनु पु० स्त्री० [स] शरीर, बदन (२) वि० पातळु कृश (३) कोमळ, नाजुक (४) थोडु

तनुज पु०[प] पुत्र –जा स्त्री० पुत्री
तनूर पु० [अ] जुओ 'तन्दूर'
तनय पु० (प) तनय, पुत्र
तनया स्त्री० (प) तनया, पुत्री
तन्ज़ीम स्त्री० [अ] जुओ 'तनज़ीम'
तन्ना पु० ताणो
तन्नाना अ०क्रि० तणावु (२) अक्कड थवु
तन्नी स्त्री० राजवाना दामणा
तन्मय वि०[त] तद्रूप तल्लीन, एकाग्र
तप पु० [त] तप (२) ताव
तपन पु०[त] तपवु ते गरमी (२) सूर्य (३) स्त्री० गरमी, दाह, ताप
तपना अ०क्रि० तपवु, गरम थवु (२)तप करवु [ते, तपस्या
तपश्चर्या, तपस्या स्त्री० [म] तप करवु
तपस्वी पु०[त] तप करनार (२) दीन, बिचारु, गरबडु (माणस)
तपाक पु०[फा] आवेश जोश (२) वेग
तपाना स०क्रि० तपाववु 'तपना'नुप्रे क
तपिश स्त्री० [फा०] गरमी
तपी पु० तपस्वी, तप करनार
तपेदिक पु०[फा] क्षयरोग [मलेरिया
तपेलरज़ा पु० [फा] टाढियो ताव,
तपोधन वि० [प] तपस्वी
तपोबल पु० [त] तपनु बळ
तपोवन पु० [प] तप करवानु वन, तपस्वीनो आश्रम [(३) क्रोधे भरायेलु
तप्त वि०[स] तपेलु गरम (२) दुःखी
तफ़ज़ील स्त्री० [अ] श्रेष्ठता मोटाई
तफ़तीश स्त्री० [अ] तपास
तफ़रक़ा पु०[अ तफरिक]अंतर फरक (२) फासलो (३) वियोग
तफ़रीक स्त्री०[अ] वहेंचणी (२) वर्गीकरण (३) फरक (४) बादबाकी

तफ़रीह स्त्री०[अ] खुशी, प्रसन्नता (२) हासी (३) सहेल ०न् अ० हासीखेलमां
तफ़सील स्त्री०[अ] तफसीर, विगतवार वर्णन (२) टीका, 'तफसील'
तफ़ावत पु० [अ] फरक, अंतर (२) दूर पडवु ते, फासलो
तब अ० ते वखते, त्यार (२) तेथी
तबअ स्त्री० [अ] प्रकृति (२) छाप, महोर (३) ग्रंथनी आवृत्ति
तबई वि० [अ] प्राकृतिक
तबक पु० [अ] पृथ्वीनो उपर नीचे वसातो लोक (२) तबक, तासक (३) (सोनाचांदीनो) वरख ०गर पु० वरख बनावनार
तबका पु०[अ] तबक्को, कक्षा, दरज्जो, (२) तह, थर (३) लोकसमूह (४) मकानना माळ [पु० धर्मांतर
तबदील वि०[अ] बदलायलु ०मज़हब
तबदीली स्त्री०[फा] फेरफार (२) बदली
तबद्दु(–द्दु)ल पु०[अ] जुओ 'तबदीली'
तबर पु० [फा] कुहाडी (२) फरसी
तबर्रा पु०[अ] घृणा, धिक्कार [तबरुक
तबर्रुक पु०[अ] आशीर्वाद (२) परसाद,
तबल पु०[फा] मोटु ढोल (२) नगारु
तबलचो, तबलिया पु० तबलची
तबला पु०[अ] तबलु –लिया पु० तबलची
तबलीग़ पु० [अ] तबलीघ, धर्मांतर करावबु ते
तबस्सुम पु० [अ] मंद हास्य
तबाक़ पु०[अ] एक मोटो थाळ, तबक
तबादला पु०[अ] 'तबदीली', परिवर्तन
तबाशीर स्त्री०[अ] वासलोचन औषधि
तबाह वि०[फा] बरबाद, नष्ट (नाश, –ही स्त्री०)

तबीअत स्त्री०[अ] तबियत मन, प्रकृति (२) मिजाज (किसी पर) तबीअत आना = चाहवुं –फडक उठना = खूब उत्साही के प्रसन्न थवुं –लगना=चाह पेदा थवी (२) ध्यान चोटवुं
तबीअतदार वि०[फा] समजदार (२) भावुक, रसिक
तबीब पु० [अ] हकीम
तबेला पु० तबलो घोडाघर
तब्दील,–ली जुओ तबदील –'ली
तभी अ०एज वखते त्यारे ज( )तेथी ज
तमचा पु० [तु] तमंचो, पिस्तोल
तम पु०[सं] तमस्, अंधारु(२)तमोगुण
तमअ स्त्री०[अ]इच्छा(२)लालच लोभ
तमक पु० जोस तीव्रता (२) क्रोध (३) [सं] दम रोगनो एक प्रकार
तमकना अ०क्रि० आवेश के क्रोधमा आववुं तपवुं
तमगा पु०[तु] चांद चंद्रक (२) महोर
तमचु(–चा)र पु०(सं) कूकडो मरघो
तमतमाना अ०क्रि० ताप के क्रोधथी चहेरो लाल थवो
तमद्दुन पु० [अ]नागरिकता(२)संस्कृति
तमन्ना स्त्री० [अ] इच्छा आतुरता
तमलेट पु० जुओ 'तामलेट
तमसील स्त्री० [अ]उदाहरण(२)उपमा
तमस्खुर पु० [अ] हासी
तमस्सुक पु० [अ] दस्तावेज
तमहीद स्त्री० [अ] भूमिका प्रस्तावना
तमा(–मा)चा पु० [फा] तमाचो –जडना=तमाचो मारवो [इच्छा
तमा स्त्री०[अ तमअ]लालच, लाभ(२)
तमाकू पु० तमाकु –चढ़ाना, –भरना =चलम के हुक्को भरवो
तमाचा पु० जुओ 'तमांचा'
तमादी स्त्री० [अ] लेणदेण के दावानी मुदत जवी ते
तमाम वि० [अ] तमाम बधुं, कुल (२) पूरु संपूर्ण –करना = पूरु करवु (२) मारी नाखवुं –होना = पूरु थवुं (२) मरी जवुं
तमाल पु० [सं] एक झाड
तमाशगीर, तमाशबीन पु०[फा]तमासो जोनार (२) रंडबाज, व्यभिचारी
तमाशा पु० [फा] तमासो खेल (२) कौतुक, आश्चर्य
तमाशाई पु० [अ] तमासो जोनार
तमिल स्त्री० तामिल भाषा
तमी स्त्री० [सं] रात (२) हळदर
तमीज स्त्री० [अ] सारासार विवेक (२) पारख, पिछान (३)ज्ञान(४)अदब
तमोगुण पु० [सं] प्रकृतिना त्रणमाना एक गुण तामस –णी वि०
तमोर,–ल पु० (सं) तांबुल, पान
तमोली पु० तंबोळी (स्त्री० –लिन)
तय वि० [अ] समाप्त(२)निश्चित(३) निर्णीत, फसलो करेलुं
तरंग स्त्री० [सं] पाणीनी लहरी, मोजुं (२) उमंग, लहर (३) विचारनो तरंग
तरंगिणी स्त्री० [सं] नदी
तरंगित वि०[सं] लहेरो खातुं डोलतुं ऊछळतुं [मनस्वी
तरंगी वि०[सं] तरंगवाळुं (२) ल्हेरी,
तर वि०[फा] भीनुं (२) चीकटवाळ, मालदार (३) स्त्री० काकडी
तरकश,–स पु० [फा] तरकस भाथो
तरका पु० [अ] वारसो
तरकारी स्त्री० [फा] शाक (२) (हिंदु लोकमां) मांस

तरकीब स्त्री० [अ] मळ (२) रचना (३) युक्ति
तरक्की स्त्री० [अ] आबादी, उन्नति
तरखान पु० सुतार [ण (३) अटापण
तरखीब स्त्री० [अ] उत्तजन (२)उश्केरवु
तरजना अ०क्रि० डरव( )गुस्सावा थवु
तरजीह स्त्री० [अ] महत्त्व दव् ते
तरजुमा पु० [अ] तरजुमा, भाषांतर
तरजुमान पु०[अ] तरजुमा करनार (२) वक्ता
तरणि पु०[स] सूर्य (२)स्त्री० नाव,हाडी
तरतीब स्त्री० [अ] क्रम, व्यवस्था
तरतीबवार अ० क्रमवार [पापी
तर दामन वि० [फा +अ] अपराधी (२)
तरदीद स्त्री०[अ] खडन (२) रदियो
तरद्दुद पु [अ] चिंता, फिकर, अदेशो
तरना अ०क्रि० तरवु (२)स०क्रि० तळवु
तरपर अ० उपर नीचे ( )एक पछी एक
तरफ स्त्री०[अ] बाजु (२) पक्ष ०दार वि० पक्षपाती ०दारी स्त्री० तरफेण, पक्षपात
तरफैन पु०[अ 'तरफ नु ब०व०] बेउ पक्ष
तरब स्त्री० [अ] प्रसन्नता, खुशी
तर बतर वि०[फा] भीजायरु भीनु,तर
तरबियत स्त्री०[अ] तालीम, केळवणी (२) पालनपोषण, उछेर
तरबूज पु० तर्बूज, तरबूच
तरमीम स्त्री०[अ] सुधारो, 'संशोधन'
तरल वि० [स] चपळ, चचळ (२) प्रवाही (३) पोलु
तरवर पु० (प) तरुवर मोटु झाड
तरवरिया,-हा पु० तलवार चलावनार
तरवा पु० जुओ 'तल्वा'
तरवार स्त्री० तरवार, समशेर
तरस पु० दया -खाना=(कोई पर) दया खावी
तरसना अ०क्रि० तरसवु,तलसवु,झखवु
तरह स्त्री०[अ] तरह, भात, प्रकार (२) ज°, पायो (३) रीत, ढग (४) युक्ति, उपाय (५) हाल, दशा (६) पादपूर्ति माटे आपेलु पाद -देना=जवा दवु, टाळवु, ध्यान न आपवु
तरहटी स्त्री० तळेटी (२) नीचो जमीन
तरहदार वि०[फा] सुदर बनावटनु (२) शोखीन [रवाब
तराई स्त्री० तळेटीनो प्रदेश (२)हाडनी
तराजू पु० [फा] त्राजवु
तराबोर वि० तरबोळ
तरारा पु० छलग, कूदको
तरावट,-त [अ तरावत] स्त्री० भीनाश (२) तर भोजन [प्रकार (३)ढग
तराश स्त्री०[फा] काप (२) रचनाना
तराशना स०क्रि० कापवु
तरियाना स०क्रि० नीच-तळे करवु के बेसाडवु (२) ढाकवु, छुपावु (३) अ०क्रि० नीचे ठरवु
तरी स्त्री० भीनाश (२) ठडक (३) भीनाशभूमि (४) 'तराई', तळेटी (५) [म] होडी
तरीका पु०[अ] रीत, ढब (२) प्रणाली (३) उपाय तरीको
तरु पु० [स] झाड
तरुण वि०[स] जुवान (२) नवु -णाई स्त्री० तरुणपणु -णी स्त्री० युवती
तरुन वि० (प) तरुण -नाई स्त्री० -नापन, -नापा पु० युवावस्था
तरे अ० तळे, नीचे
तरेटी स्त्री० तळेटी, 'तराई'

तरेरना स०क्रि० तरेह थवु, गुस्सामा गसा ततडाववो
तरोई स्त्री० जुओ तुरई'
तर्क पु० [अ] त्याग (२) [स] तर्क विचार दलील (३) टाणो कटाक्ष
तरकश पु० [फा] तरकस भाथो
तर्की पु० [स] तर्क करनार
तर्कमवालात पु० [अ] असहकार
तर्ज प [अ] प्रकार तरेह (२) रीत ढग (३) रचना
तर्जन प [स] डगाववु, धमकाववु ते (२) क्रोध (३) तिरस्कार ०गार पु० डाट-फटकार धाकधमकी
तर्जना स०क्रि० धमकावबु वढवु
तर्जनी स्त्री०[स]अगूठा पासनी आगळी
तर्जुमा पु० [अ] तरजुमा तरजुमो
तर्पण पु० [स] तृप्त करव ते (२) तर्पण करवानो विधि – जलांजलि
तबूज पु० [फा तरबुज] तडबूच
तर्रार वि० [अ] वाचाळ (२) चपळ
तल पु०[स] तळियु (२) सपाटी (३) हथेळी (४) तळ नीचनो भाग (जेम के माळ, मजलो)
तलक अ० 'तक' लगी सुधी
तल्कीन स्त्री०[अ] शिखामण, समजाण
तलख वि० जुओ तल्ख'
तलछट स्त्री० प्रवाही नीचे ठरतो काप के काटडा
तलना स०क्रि० तळवु
तलपट वि० 'चौपट' नष्ट बरबाद तळियाझाटक [स्त्री० बरबादी
तलफ़ वि०[अ] जुओ 'तलपट' –फी
तलफना अ०क्रि०जुओ'तल्पना' तल्फनु
तलफ्फुज पु० [अ] उच्चारण

तलब स्त्री० [अ] तपास शोध (२) तल्प इच्छा (३) जरूर, माग (४) पगार (५) बोलाववु ते –करना= पासे बोलावव ०गार, ०दार वि० चाहनार इच्छुक ०दास्त, ०नामा पु० समस [अदालतन अपातो सरत
तलबाना पु [फा] साक्षीओ बोलाववा
तलबी स्त्री०[अ] माग (२) बोलाववु ते
तलबेली स्त्री० तालावेली तलपटी
तलवा पु० पगनु तळियु –सुजलाना= मसाफरीमा जवानु थवु (२)पग गामरो होवो–मुसाफरीनी आदत पडी जवी तलवे चाटना=अति खुशामत करवी तलवे छलनी होना=खूब चालीने तळिया चाळणी थई जवा तलवों से आग लगना=भार क्रोध चढवो
तलवार स्त्री०[फा] तरवार खडग
तल्हटी स्त्री० तळटी
तला पु० तळियु (२) सखतळी
तलाक पु० [अ] तल्लाक फारगती
तलातम पु० [अ] मोटु मोजु लोढ
तलाफी स्त्री०[अ] निवारण, प्रायश्चित्त (२) नुकसानीनी भरपाई
तलाव पु० 'तालाब' तळाव
तलाश स्त्री०[तु] तपास खोज (२) जरूर, आवश्यकता
तलाशी स्त्री० [फा] तपास, खोळ
तली स्त्री० तळियु (२) तळिये ठरेलो कचरो 'तलछट'
तले अ० तळ, नीचे ०ऊपर अ० तळ उपर (२) ऊलटपूलट
तलेटी स्त्री० तळियु (२) तळटी
तलया स्त्री० तलावडी
तलोंछ स्त्री० जुओ 'तलछट'

तल्ख वि०[फा] कडवु (२) बेस्वाद (३) अप्रिय [माळ, मजलो
तल्ला पु० अस्तर (२) सखतळी (३)
तल्ली स्त्री० सखतळी 'तला'
तवक्का स्त्री० [अ तवक्कुअ] आशा
तवक्कुफ पु० [अ] विलंब, वार
तवक्कुल पु० [अ] ईश्वरश्रद्धा (२) परमार्थ दृष्टि
तवज्जह स्त्री०[अ] ध्यान (२) कृपादृष्टि
तवना अ०क्रि०, तवावु, तपवु [जनमवु
तवल्लुद स्त्री० [अ] जन्मेलु -होना=
तवा पु० तवो -सा मुह होना=काळु मोढु थवु, तवेकीबूँद=क्षणवार टकनारु (२)जेनाथी जराय तृप्ति न वळे एवु
तवाजा स्त्री०[अ] आदर (२) आतिथ्य
तवाना वि० [फा] बळवान (नाम,-नाई)
तवायफ स्त्री० [अ 'ताइफ'नु ब व] वेश्या (२) तायफो (गानार बजावनारनी टोळा)
तवारा पु० (प) ताप ताव
तवारीख स्त्री० [अ] इतिहास -खी वि० [अ] ऐतिहासिक
तवालत स्त्री० [अ] लंबाई(२)अधिकता (३) झंझट आपत्ति
तवील वि० [अ] लांबु
तवेला पुं० [अ तवेल] तबेलो
तशखीस स्त्री०[अ] ठराव (२) रोगनु निदान
तशदीद स्त्री०[अ] कठोरता सखताई अत्याचार (२) लखनमा अक्षरनु द्वित्व सूचववा फारसी लिपिमा वपरातु चिह्न
तशद्दुद पु० [अ] 'तशदीद' कठोरता
तशफ्फी स्त्री० [अ] सात्वन (२) संतोष
तशबीह स्त्री०[अ] उपमा (२) उदाहरण
तशरीफ स्त्री० [अ] मोटाई, महत्त -लाना=पधारवु -रखना=विराजवु
तशरीह स्त्री०[अ] टीका, टिप्पण (२) शरीरशास्त्र
तशवीश स्त्री० [अ] फिकर चिंता
तश्त पु० [फा] थाळी, टाट (२) जाजरूनु तस्तानु
तश्तरी स्त्री० [फा] रकाबी
तस वि० (२)अ० (प) तवु 'तसा'
तसकीन स्त्री० [अ] तसल्ली, दिलासो
तसदाअ(०ह) स्त्री० [अ] माथु दुखवु ते (२) तस्दी [समयन (३) साक्षी
तसदीक स्त्री०[अ]सत्यता (२)प्रामाण्य,
तसद्दक पु० [अ] दान (२) बलिदान
तसनीफ स्त्री० [अ]ग्रंथ-रचना, पुस्तक लेखन [दिखाडा, दंभ
तसन्ना पु० [अ तसन्नुअ] आडंबर
तसफिया पु० जुओ 'तस्फिया'
तसबीह स्त्री० [अ] तसबी, माळा
तसमा पु०[फा]चामडानो पटो -खींचना =गळु दबावी देवु गळ फासो नाखी मारवु -लगा न रखना=गळु उडावी देवु
तसरुफ पु० [अ] खर्च (२) उपयोग (३) चमत्कार
तसला पु० तासळु (स्त्री० -ली)
तसलीम स्त्री०[अ] सलाम प्रणाम (२) स्वीकृति
तसल्ली स्त्री०[अ]तसल्ली दिलासा(२) धीरज -दिलाना=दिलासा आपवा
तसवार स्त्री० [अ] छबी चित्र -उतारना, -खींचना, -निकालना= छबी के चित्र पाडवु -बन जाना= साव बनी जवु
तसव्वुफ पु० [अ] जुओ 'तसौवुफ'

तसव्वुर पु०[अ] ख्याल कल्पना (२) मूर्त (३) ध्यान [ध्यान तपासवु ते
तसहीह स्त्री०[अ] शुद्ध करवु ते(२) मूळ
तसू(–स्सु) पु० तसु
तसौवुफ पु० तसव्वुफ गूढवाद सूफी-वाद (२) ईश्वरपरायणता [स्त्री
तस्कर पु०[स] चोर –री स्त्री० चोरी
तस्दीक स्त्री० जुओ 'तसदीक'
तस्फिया पु० [अ] साफ व स्वच्छ करवु ते (२) झघडानो निपटारो
तहँ(०वाँ,–हाँ) अ० तहाँ, त्या
तह स्त्री०[अ] थर (२) पातळु पड (३) तळियु (४)गडी –करना=गडी करवी वाळवु –का सच्चा=साचा दिलनु (माणस) –की बात=गुप्त वात–रहस्य –तक पहुँचना=मर्म पामवो –तोडना=झघडो पताववो –देना (किसी चीजको)=थर लगाववो उपर चोपडवु
तहकाक(–कात) स्त्री०[अ] शोधखोळ
तहकार स्त्री० अपमान बेआबरू
तहखाना पु० [फा] भोयरु
तहजीब स्त्री० [अ] शिष्टाचार (२) सभ्यता संस्कृति [सभ्य
तहजीब यापता वि० [अ+फा] शिष्ट
तहत पु० [अ] अखत्यार (२) अधीनता
तहत उस्सरा स्त्री० [अ] पाताळ
तह दर्ज वि० [फा] बिल्कुल नवु
तहपेच पु० [फा] पोतानु
तहफ्फुज पु०[अ] बचाव रक्षण सलामता
तहबद पु०[फा] तहमत(–द) स्त्री०लुगी
तहरीक स्त्री० [अ] आंदोलन (२) उश्केरणी (३) प्रस्ताव ठराव
तहरीर स्त्री०[अ] लेखन शैली के लेख
तहरीरी वि०[फा] लिखित(जेम के पुरावो)
तहलका पु० [अ] मोत (२) बरबादी (३) हिलचाल खळभळाट
तहलील स्त्री० [अ] पीगळवु ते (२) पचवु ते [(३) खजानो
तहवील स्त्री० [अ] सुपरत (२)अनामत
तहस नहस वि० बरबाद मेदानमेदान
तहसीन स्त्री० [अ] तारीफ प्रशंसा, शाबाशी
तहसील स्त्री०[अ] महेसूल उघराववु ते (२) तहसील तालुको के महेसूल (३) महेसूलनी वचेरी ०दार पु० [फा] मामलतदार महालकारी
तहसीलना स० क्रि० वसूल करवु उघराववु
तहाँ अ० त्या तहाँ
तहाना स० क्रि० लपेटवु [दरकार
तहाशा पु० [अ] डर बीक (२) परवा
तहियाँ,–याँ अ० (प) त्यारे ते वखते
तहाँ अ० त्या ज, तहीं ज 'वहाँ'
तही वि० [फा] रहित खाली जेम के तही दस्त=खाली हाथनु निर्धन तही-मग्ज=मूर्ख
तहोबाला वि०[फा] ऊधुचत्तु(२)बरबाद
ताई अ० जुओ ताइ
तागा पु० 'टाँगा' टांगो घोडागाडी
ताण्डव पु० [स] ताडव नृत्य पुरुषनु नृत्य
तात,०डी स्त्री० तात (२) ततु दोरी (३) पणछ (४) साळनु राच –सा= बहु दूबळु पातळु
ताँता पु० पंक्ति हार –बाधना=हार करवी हारमा ऊभा रहेवु
ताँती स्त्री० पंक्ति (२) ओलाद, पेढी (३) पु० वणकर

तान्त्रिक वि०[स]तन्त्र सबधी (२) पु० तत्रविद्या–यत्रमत्र जाणनार
तावा पु० ताबु धातु [पु० तवाळी
ताबूल पु० [स] पान पानबीडो –ली
ता अ० [फा] तक', सुधी (२)[स]वि० उपरथी भाववाचक नाम बनावतो प्रत्यय [उपासना
ताअत स्त्री० [अ] सेवाचाकरी (२)
ताईं अ० प्रति, पास, तरफ
ताई स्त्री० मोटी काकी (२) तावली (३) टाढियो ताव [टेको
ताईद स्त्री० [अ] तरफदारी समर्थन,
ताऊ पु० मोटा काका
ताऊन पु० [अ] प्लेग, मरकी
ताऊस पु०[अ] मोर (२) ताऊस वाद्य –सी वि० मोर जेवु के तेना रगनु
ताक पु० [अ] ताकु (२) वि० एकी (३) अद्वितीय अजोड –पर धरना या रखना=पडचु रहेवा देवु काममा न लेवु –भरना=(पीर के देव इ०नी) मानता पूरी करवी
ताक स्त्री० ताकवु ते (२) स्थिर दृष्टि (३) ताक तक, लाग (४) नजारा –में रहना=लाग जोता रहेवु –रखना, लगाना=लाग ताकवो
ताक-जुफ्त पु०[फा] हाथमा कोडी इ० राखी रमाती एकीबेकीनी रमत
ताक झाक स्त्री०वारवार के छूपु जोवु ते
ताकत स्त्री०[अ] ताकात, शक्ति बळ
ताक़तवर वि० [फा] ताकातवाळु बळवान
ताकना स०क्रि० ताकवु, एकीटसे जोवु (२) ध्यानथी जोवु विचारवु (३) पहेलेथी जोई राखवु (४) जोता रहेवु नजर राखवी, सभाळवु
ताक़ा पु० [अ] ताका, कपडानु 'थान'
ताकि अ० [फा] जेथी करीने
ताकीद स्त्री० [अ] ताकीद, चेतवणी –करना=ताकीद आपवी
ताकीदन् अ० ताकीदथी आग्रहपूर्वक
ताकीदी वि० [अ] ताकीदनु, जरूरी
ताख़ीर स्त्री० [अ] वार, विलब
ताग(–गा) पु० तागडो दोरो
तागडी स्त्री० कदोरो (२) केडनो दोरो
तागना स०क्रि० (गोदडा इ०मा) दोरा नाखवा [पहेरावाय छे)
तागपाट पु०गळानु एक घरेणु(विवाहमा
तागा पु० 'ताग', दोरो
ताज पु० [अ] बादशाहनो मुगट (२) कलगी (मोर,मरघा इ०नी)(३)आग्रानो ताजमहाल ०दार पु० बादशाह
ताजगी स्त्री०[फा] ताजगी ताजापणु
ताजन,–ना पु० चाबुक, कारडो
ताज़ा वि० [फा] ताजु तरत थयेलु, नवु लीलु (२) थाक वगरनु, प्रफुल्ल (३) वासी नहि, तरतनु साजु
ताजा दम वि० [फा] तत्पर तयार
ताज़ियत स्त्री० [फा] मरणनो दिलासो देवा जवु ते उठमणु
ताज़िया पु० [अ] ताजियो, ताबूत
ताजियाना पु० चाबुक साटको के तेना फटकानी सजा
ताजिर पु० [अ] वेपारी
ताज़ी पु० [फा] अरबी घोडा (२) स्त्री०अरबी भाषा [सभ्यता, विवेक
ताज़ीम स्त्री० [अ] ताजीम, अदब,
ताज़ीमी सरदार पु० प्रतिष्ठावान–मोटो सरदार [वि० फोजदारी
ताज़ीर स्त्री० [अ] दड, सजा –री

ताजीरात स्त्री० [अ] फाजदारी कायदानो सग्रह –हिंद=हिंदना फाजदारी कायदा
ताज्जुब पु० [अ] 'तअज्जुब' ताजुबी
ताड पु० ताडनु झाड
ताडना स०क्रि० मारवु, पीटवु मारी ठोकी हठाववु (२) समजी जवु कळी जवु पामा जवु (३) स्त्री० मारपीट धाकधमकी [झाड
ताडी स्त्री० ताडी (२) एक नानु ताडनु
तात पु०[स] तात पिता (२) वहालनु सबोधन–बटा जेवु
ताता वि० तातु, तपेलु गरम
तातायेई स्त्री० नृत्यनो बोल–तातायई ताताथया
तातील स्त्री० [अ] रजा छुट्टी
तात्कालिक वि० [स] तात्काळिक ते वखतनु
तात्त्विक वि०[स] तत्त्व के तत्त्वज्ञान सबधी (२) यथार्थ वास्तविक
तात्पर्य पु०[स] अर्थ आशय मतलब भावार्थ (२) तत्परता
तायेई स्त्री० तातायेई
तादात्म्य पु०[स] अभेद एकरूपता
तादाद स्त्री० [अ] सख्या गणतरी
तादृश वि० [स] तेवु तेना जेवु
ताधा स्त्री० तातायेई
तान स्त्री० ताणवु ते, खेच (२) सगीतनी तान, आलाप
तान पु० [अ] ठपका ताणा, महेणु निंदा (किसी पर) **तान तोडना**= (कोईनु) बूरु बोलवु [नाखवु
तानना स०क्रि० ताणवु खेंचवु (२) केदमा
तानपूरा पु० तानपूरा तबूरा
तान बान पु० (प) जुओ 'ताना बाना'
ताना पु० ताणा (२) स०क्रि० तावबु तपाववु (३) पु० [अ] ताणा महेणु
ताना-बाना पु० ताणो-वाणो –**करना**= नकामा अहीतही भटकवु के फेरा खावा
तानारीरी स्त्री० साधारण गावु ते
तानाशाही स्त्री० आपखुदी सरमुखत्यारी
तानी स्त्री० ताणी ताणानु सूतर
ताप पु० [स] ताप गरमी (२) ताव (३) कष्ट पीडा
तापतिल्ली स्त्री० प्लीहानो रोग
तापना अ०क्रि० तापवु (२) स०क्रि० फूकी मारवु नाश करवु
तापमान प०[स] ताप के तावनु माप, तेनो डिग्री
तापयत्र पु० [स] थरमामीटर
तापस पु० [स] तपस्वी (२) बालो –सी स्त्री० तपस्वी स्त्री
तापस्वेद पु० [स] काई रीते गरमी आपी निपजावेलो परसवो
ताफ्ता पु० [फा] ताफतो टाफेटा
ताब स्त्री०[फा] ताप (२) चमक (३) शक्ति (४) धय
ताबडतोड अ० लगातार एक पछी एक, (२) चट झट ताबडतोब
ताबदान पु० [फा] बारी के प्रकाश माटनी जाळी
ताबा,–बे वि० [अ ताबिअ] ताबामा रहेतु आधीन आश्रित
ताबीर स्त्री० (स्वप्ननु शुभ अशुभ) फळ
ताबूत पु०[अ] जनाजा' ठाठडी (२) ताबूत, ताजिया
ताबेदार वि० ताबामा रहेनार (२) पु० नोकर –**री** स्त्री० नोकरी

ताम पु० तामस, क्रोध (२) तमस, अंधारु (३) वि० भीषण (४) पु० [स] दोष विकार (५) दुःख (६) [अ] भोजन, खावु ते

तामजान, तामझाम, तामदान पु० एक प्रकारनी खुल्ली पालखी-खुरशी-घाटनी डाळी

तामड़ा वि० तांबाना रंगनु [टमलर

तामले(-लो)ट पु० [इ टब्लर] टिननु

तामस वि०[स]तमोगुणी (२) पु० तमोगुण, क्रोध (३) अंधकार अज्ञान मोह

तामसी स्त्री० अंधारी रात (२) महाकाळी (३) वि० स्त्री० तमोगुणी

तामिल स्त्री० तामिल भाषा, 'तमिल' (२) ते बोलनार लोक

तामीर स्त्री०[अ] बांधकाम (मकाननु)

तामीरी वि० [फा] रचनात्मक

तामील स्त्री० [अ] (आज्ञा) पालन अमल करवो ते [आनाकानी

ताम्मुल पु० [अ] संदेह दुविधा

ताम्र पु० [स]तांबु ०पत्र पु०ताम्रलेख

तायफा पु० स्त्री० [फा] वेश्या (२) गानारनी के वेश्यानी मंडळी (३) फिरका जथो

तायर प० [अ] ऊडनार (२) पक्षी

ताया पु०(स्त्री०ताई)'ताऊ' मोटाकाका

तार पु० धातुनो, वाद्य इ०नो तार(२) वीजळीनो तार के ते द्वारा मोकलाता संदेशो (३) तंतु, तार (४) वि० तार (स्वरनु) -उभरा, चढना या बँधना= वेत बेसवो बरोबर गोठवावु

तारक पु०[स]तारो(२)तारनार,उद्धारक

तारकश प० तारकस तार खेंचनारा -शी स्त्री० तेनु काम के धंधो

तारघर पु० तार-ऑफिस

तारण पु० [स] तारवु ते, उद्धारण

तारतम्य पु० [स] ओछावत्तापणा मुजबनो क्रम

तारना स० क्रि० तारवु, उद्धारवु

तारपीन पु० टर्पेटाईन [तार

तार-बर्की पु० वीजळीथी खबर देनारा

तारा पु०[स] तारा -गिनना=ऊंघ वगर रात काढवी -टूटना=तारो खरवो **तारे तोड लाना**=भारे के चालाकीनु काम करवु ०पथ पु० आकाश

ताराज पु० [फा] लूटफाट (२) ताराज थवु ते नाश, खुवारी

तारिक वि० [अ] त्यागी [(२) काळु

तारीक वि०[फा] (नाम, -की) अंधारु

तारीख स्त्री० [फा] महिनानी तारीख (ईस्वी के इस्लामी पचांगनी) -डालना =तारीख नाखवी-नक्की करवी (कोई काम माटे) -पडना=तारीख पडवी-नक्की थवी

तारीफ स्त्री०[अ] लक्षण (२) विशेषता, गुण (३) वर्णन (४) तारीफ प्रशंसा

तारुण्य पु० [स] जुवानी

तार्किक पु०[स]तर्कशास्त्री(२)तत्त्ववेत्ता

ताल पु० संगीतनो ताल (२) ताळी (३) हथेळी (४) मंजीरा (५) ताळ (६) तळाव (७) ताडवृक्ष -ठोंकना =लडवाने आह्वान देवु

तालअ पु० [अ] नसीब भाग्य [विगर

ताल-बेताल अ० टाणे-कटाणे ठेकाणा

तालमेल पु० ताल-सुर मेळववो ते (२) योग्य अवसर (३) बरोबर योजना, तालमेल -खाना=ताल के मेळ खावो, संयोग लागवा

ताला पु० ताळु ०कुंजी स्त्री० ताळा-कूंची (२) एक वाळरमत
तालाब पु० तळाव
तालाबेली स्त्री० 'तलबेली' जालावेली
तालिका स्त्री० कूंचा (२) सूची अनुक्रमणिका (३) यादी [मागनार
तालिब पु०[अ] शोधनार (२) पूछनार
तालिब इल्म पु० [अ] विद्यार्थी
ताली स्त्री०[स] कूंची (२) ताळी (३) नाळी (४) नानु ताल'-तळावडी —पीटना, बजाना=हसी काढवु —बज जाना=हमवामा जवु
तालीफ स्त्री०[अ] सग्रह-ग्रथ रचवा ते (२) व वच्चे मेळ क एकता करवी ते
तालीम स्त्री० [अ] शिक्षण केळवणी
तालु(-लू) पु० ताळवु —में दांत जमना=खराब ग्हाडा आववा —से जीभ न लगना=बाल्या करवु जीभ नाली न रहेवी
तालुका पु० तालुको [पमादार
तालेवर वि० [फा] नाल्योन नमीबदार
तात्लुक पु० जुआ तअल्लुक'
ताव पु० ताप गरमी (२) अधिकार के सत्तानो गव (३) गुस्सा (४) ताव (कागळ) ता —आना=जाईए तेवु तपवु (२) गुस्से थवु —खाना=गग्म थवु —देना=गरम करवु मूंछो पर ताव देना=मूछ पर ताल देवा —चढना =परम इच्छा थवी
ताव भाव पु० लाग माका
तावर,-री स्त्री० ताप गरमो (२)ताव
तावान पु०[फा] नुकसानीनी भरपाई दड
तावीज पु० [अ तअवीज] तावीज
ताश(-स) पु० [अ]एक प्रकारनु वस्त्री कपडु (२) गजीफा
तासा(-सा) पु० [अ तास]नानु तासु
तासीर स्त्री० [अ] असर प्रभाव फळ, परिणाम गुण
तासु स० (प) तेन [उससे'
तासू (-सा) स० (प) त वड वे प्रत्य,
तास्सुब पु० जुआ तअस्सुब
ताहम अ० [फा] तापण
ताह(-हि)री स्त्री०[अ] एक प्रकारनी खीचडी
तितिडी स्त्री० [स] आमली
तिकडम पु० तिकडम युक्ति चालाकी ०बाज,-मी वि० तिकडम करनार
तिकोन(-निया) वि० त्रिकोण
तिक्की स्त्री० पत्तानी तीरी—तरियो
तिक्त वि० [स] तीखु (२) कडवु
तिखाई स्त्री० तीखाश तीखापणु
तिगुना वि० तगणु
तिजरा पु० जुआ 'तिजारी'
तिजारत स्त्री०[अ]वेपार वेपारोजगार
तिजार पु० तिजारी स्त्री० त्रीजे दिवसे आवतो ताव
तिजोरी स्त्री० लोढानी तिजोरी
तिडी बिडी वि० छिन्नभिन्न अस्त व्यस्त वेरणछेरण
तित अ० (प) त्या (२) ते बाजु
तितर बितर वि० वेरणछेरण आमतेम, अस्तव्यस्त
तितली स्त्री० पतगियु
तित-लौकी स्त्री० कडवी तूमडी के दूधी
तितारा पु० त्रण तारनु वाद्य
तितिक्षा स्त्री० [स] सहनशीलता (२) क्षमा —क्षु वि० त गुणवाळु

तितिम्मा पु० [अ] बचत, परिशिष्ट
तिते वि० (प) 'उतने', एटलु
तितेक वि० (प) 'उतना', एटलु
तित अ० (प) त्या
तितया पु० भमरी
तितो वि० (प) 'उतना', एटलु
तित्तर-बित्तर वि० जुओ 'तितर-बितर'
तिथि स्त्री०[स] मिति दशी तारीख ०पत्र पु० पचाग
तिदरी स्त्री० त्रण बारणावाळो ओरडो
तिधर अ० त्या 'उधर' [धोर
तिधारा पु० [स त्रिधार] एक जातनो
तिन स० [प] 'तिस' नु ब० व०
तिनक(-ग)ना अ० क्रि० चिडावु
तिनका पु० तृण (२)तणखलु -तोडना =सबध तोडवो (२) नजर न लागे एम करवु के इच्छवु (स्त्री बाळकने करे छे ते) तिनकेको पहाड करना = रजनु गज करवु [टेबल, त्रिपाई
तिपाई स्त्री० त्रण पायानी घोडी के
तिफ्ल पु० [अ] बच्चु, बाळक
तिबाबत स्त्री० [अ] तबीबी, वैदु
तिबारा अ० त्रीजी वार
तिब्ब स्त्री० [अ] हकीमी -ब्बिया, -ब्बी वि० हकीमी सबधी
तिमि अ० (प) तेम तेवी रीते
तिमिर पु० [स] अधारु
तिमुहानी स्त्री० त्रण मो-माग के फाटकवाळु स्थान
तिय(-या) स्त्री० त्रिया स्त्री
तिरकुटा पु० त्रिकटु सूठ मरी न पीपर
तिरछ(-छा)ई स्त्री० तीरछापणु
तिरछा वि० तीरछु वाकु कतरातु
तिरछाना अ० क्रि० तीरछु थवु कतरावु
तिरछौहाँ वि० जरा तारछु
तिरछौहें अ० त्राक्षी, वक्रतापूर्वक
तिरना अ० क्रि० तरवु
तिरनी स्त्री० घाघरानु नाडु
तिरपट वि० तीरछु (२) कठण, मुश्केल
तिरपन वि० त्रेपन, ५३
तिरपाई स्त्री० त्रिपाई
तिरपाल पु० छापराना छाजना साठी वगेरे (२) डाणनी ताडपत्री
तिरमिरा पु० आखे अधारा आववा के खूब प्रकाशमा अजावु ते (२) पाणी उपर चीकटनु बुद
तिरमिराना अ० क्रि० आखो अजावी
तिरयाक(-क) पु० [अ] सापनो महोरो (२) सव रोगनी रामबाण दवा
तिरस्कार पु० [स] अपमान, अनादर (२) धिक्कार [तरछोडायेलु
तिरस्कृत वि० [स] अपमानित,
तिरानवे वि० त्राणु, ९३
तिराना स० क्रि० तरावबु (२) तारवु
तिरासी वि० त्र्यासी, ८३
तिराहा पु० त्रिभेटो
तिरिया स्त्री० (प) स्त्री
तिरेन्दा पु० समुद्रमा तरतु रखातु नीचेना पहाड के विघ्ननु निशान, 'बाय' (२) जाळमा माछली फसाई एम बतावनार तरतु रखातु चिह्न
तिरोधान, तिरोभाव पु० [स] अदृश्य थई जवु ते [(२) ढकायलु
तिरोभूत, तिरोहित वि० [स] अदृश्य
तिर्यक वि० [स] तीरछु वाकु (२) पु० पशुपक्षी
तिलगा पु० अग्रेजी फोजनो देशी सिपाई
तिलगाना पु० तलगण देश

तिल पु० [स] तल
तिलक पु० [स] तिलक, टीलु
तिलकुट पु० तलनी एक मीठी वानी
तिल्दानी स्त्री० दरजानी थली जेमा सोयदारा इ० राख त
तिलपट्टी,तिलपपडी स्त्री० तल्मावळी
तिलमिल स्त्री० जुआ तिरमिरा
तिलमिलाना अ०क्रि०जुआ तिरमिराना' (२) दु ख पीडाथी गभरावु तडफडवु
तिलवा पु० तलनो लाडु
तिलशकरी स्त्री० तल्मावळी [जादुई
तिलस्म पु०जादु चमत्कार –स्मी वि०
तिलहन पु० तेली वियाना छोट
तिलाजलि स्त्री०[स] मतात्माने अपाती तलनी अजलि तिलोदक
तिला पु० [अ] सोनु (वि०–लाई)
तिलाक पु० जुआ 'तलाक' [पटा–तला
तिल्ला पु० खेस पाघडी वगेरनो कसबी
तिल्ली स्त्री० प्लीहा (२) तल
तिशना पु० [अ] तानो महणु
तिश्ना वि० [फा] तरस्यु अभिलाषी
तिस स० (प) उस' 'ता' नु विभक्ति पूर्वेनु रूप [छता
तिस पर त उपरात वळी (२) तोपण
तिसरायत स्त्री०त्रीजु – त्राहित हावु ते तटस्थता
तिसरत पु० त्रीजा – तटस्थ माणस
तिहत्तर वि० तातर, ७३
तिहरा वि० 'तहरा त्रवडु (२) त्रीजी वारकु ०ना स०क्रि० 'तिहरा' करवु
तिहवार पु० [स तिथिवार] तहेवार
तिहाई स्त्री० त्राजो भाग (२) फसल
तिहाउ,–व पु० (प) क्रोध
तिहारा,–रो स० (प) तमारु
तिहि स० (प) तहिं तने [एक थाप
तिहैया पु० त्राजा भाग (२) तवलानी
तीक्ष्ण वि० [स] तीणु धारोर धार के अणीवाळु (२)तीखु, तीव्र, आकरु (३) कुशाग्र चकोर
तीखा वि० तीखु (२) तीक्ष्ण
तीज स्त्री० ताज ततीया (तिथि)
तीजा वि० त्राजु (२) पु० मरणनो त्रीजो दिवस
तीतर पु० तेतर पक्षी
तीता वि० तीखु (२) तिक्त कडवु
तीन वि० त्रण –तेरह करना = वर-विखर–अस्तव्यस्त करवु –पाच करना = वघडा क पचातनी वात करवी
तीनत स्त्री० [अ] प्रकृति स्वभाव
तीमार पु०[फा] वरदासचाकरी सेवा
तीमारदार वि० [फा] सहानुभूतिवाळु (२) रोगानी वरदास करनार
तीमारदारी स्त्री० (रोगीना) वरदास, मावजत
तीय(–या) स्त्री० स्त्री आरत
तीरदाज पु० [फा] बाणावळी –जी स्त्री० धनुर्विद्या
तीर पु० [स] काठो किनारो (२) [फा] वाण ०गर पु० तीर बनावनार
तीरथ तीथ पु० तीर्थ यात्रानी जगा
तीली स्त्री०सळी क तार(२)पगनी पिंडी
तीव्र वि० [स] अतिशय (२) उग्र आकरु तेज (३) तीखु
तीस वि०त्रीस –दिन, तीसो दिन=हमेश
तीसरा वि० त्रीजु
तीसी स्त्री० अळसी (२) फळ गणवानु (१५०नु) एक मान [पु० पवत
तुग वि० [स] ऊचु (२)उग्र प्रचड (३)

तुड पु०[स] मुख मा (२) चाच (३) सूढ
तुद वि० [फा] तुड चडाउ, उग्र (२) विकट घार (३) पु० [स] पेट, फाद
तुदिल, तुदल(-ला) वि० [स] मोटा पट-फादवाळु
तुबा पु० कडवु तूमडु (२) तुंबीपात्र -बी स्त्री० तूमडी
तुक स्त्री० टूक, तूक -जोडना= जोडकणा जवी रद्दी कविता करवी
तुकबदी स्त्री० जोडकणु काव्यना गुण विनानी हलकी कविता
तुकमा पु०[फा] घुडी-बोरियानु नाकु
तुकार स्त्री० तुकारा
तुकारना स०क्रि० तुकारवु [जाणनार
तुक्कड पु० जोडकणा-'तुकबदी' रची
तुक्कल स्त्री० तुक्कल-मोटी पतग
तुक्का पु० [फा] तुक्को बूठु बाण
तुख्म पु० [अ] तुखम, बीज
तुगयानी स्त्री०[अ] (नदीनु) पूर [अल्प
तुच्छ वि० [स] हलकु शूद्र (२) नजीवु,
तुजुक पु० [तु] शोभा (२) कानून (३) आत्मकथा (प्राय बादशाहनी)
तुझ स० 'तू'नु विभक्ति पूर्वेनु रूप
तुझे स० 'तू'नु ४ थी तथा बीजीनु रूप
तुडवाना, तुडाना स०क्रि० तोडावबु (२) मोटा सिक्कानु परचरण करावबु
तुडाई स्त्री० तोडवानु काम के तेनी मजरी
तुतरा वि० (प) तोतडु
तुतरा(-ला)ना अ०क्रि० तोतडावु
तुनक वि० [फा] नाजुक (२) कमजोर
तुनक मिजाज वि०[फा] जरामा उछेदाई जाय एवा स्वभावनु
तुफग स्त्री० [फा] हवाई बदूक
तुफल पु० [अ] साधन -से=द्वारा, वडे, -ने लईने
तुम स० तमे [तूमडु
तुमडी स्त्री० तूमडी पात्र(२)वगाडवानु
तुमुल वि० [स] घोर, भीषण, भारे(२) पु० घाघाट
तुम्हारा स० तमारु
तुम्हे स० तमने 'तुमको'
तुरग,०म पु० [स] घोडा
तुरत अ० तरत, जलदी
तुरज पु० बिजोरु (२) शाल, आरखा वगेरे पर करातु भरतकाम
तुर पु० वणातु जतु कपडु लपेटवानो साळनो भाग-तोर
तुरई स्त्री० तूरियु के तेनो वेलो
तुरग पु० [स] तुरग, घोडा
तुरत अ० तुरत, तरत [सीववु ते
तुरपई(-न) स्त्री० दोरो भरी आटीने
तुरपना स० क्रि० दोरो भरी ओटीने सीववु (प्रेरक तुरपवाना, तुरपाना)
तुरबत स्त्री० [अ] कबर
तुरही स्त्री० तुराई वाजु
तुराई स्त्री० तळाई गादलु (२) अ० तरत, जल्दी
तुरीय, तुर्य वि० [स] चोथु, चतुर्थ
तुर्की-ब-तुर्की जवाब देना=राकडो -बरोबर उत्तर देवो
तुर्रा पु० [अ] तोरो (२) कलगी (३) वि० [फा] अदभुत [कठार
तुर्श वि० [फा] (नाम,-र्शी) खाटु (२)
तुर्शाना अ०क्रि० खटावु
तुलना स्त्री० तुलना सरखामणी (२) अ० क्रि० तोळावु (३) गाडीना पडा आजवा (४) तयार थवु

तुल्वा पु० ब० व० [अ] विद्यार्थीगण
तुलवाई स्त्री० ताळवानी मजूरा (२) पडा आजवानी मजूरी
तुलवाना स० क्रि० तोलाववु
तुलसी स्त्री० [स] तुळसी
तुला स्त्री० [स] त्राजवु काटो (२) तुलना (३) एक राशि
तुलाई स्त्री० रजाइ (२) ताळवानी मजूरी के क्रिया
तुलूअ पु० [अ] (सूर्यादिनो) उदय
तुल्य वि० [स] बरोबर समान
तुवर पु० तुवर 'तूर'
तुष,-स पु० [स] अनाजनु भूस फोतरु (खास चोखानु)
तुषार पु० [स] बरफ (२) झाकळ (३) वि० बरफ जेवु ठडु [स्त्री० सताप
तुष्ट वि० [स] तृप्त सतुष्ट -ष्टि
तुस पु० -सी स्त्री० जुओ तुष
तुहमत,-ती जुओ तोहमत -ती'
तुहफा पु० जुओ 'तोहफा
तुहिन पु [स] जुओ तुषार
तू स० जुओ 'तू' [नानु तूमडु
तूबा,-बडा पु० तूमडु -बी स्त्री०
तू स० तु तू तडाक, तू तुकार, या तू तू म म करना=सामसामे तुता करीन बोलाचाली करवी
तूण,-णीर पु० [स] बाणनो भाथो
तूत पु० [फा] एक फळझाड शहतूत
तूती स्त्री० [फा] एक पक्षी (२) ततूडी (किसीकी) -बोलना = कोईनु चालवु- गज थावो नक्कारखानेमें तूतीकी आवाज=कदर न पामती नानी वात
तूदा पु [फा] ढगलो (२) हदनी निशानी पाळी (३) बाध
तूफान पु० [अ] तोफान (२) तहोमत (३) आफत (४) भारे मोटु पूर रेल (वि० -नी)
तूमडी स्त्री० तुबडी तुबडा
तूम-तडाक स्त्री० [फा] ठाठमाठ गजावट
तूमना स० क्रि० पीजवु विखरवु (२) भेद खुल्लो करवो
तूमार पु० [अ] बातनो व्यय विस्तार लांबु पुराण (-बांधना स० क्रि०)
तूर पु० नगारु (२) तुराई वाजु (३) स्त्री० तुवर
तूल पु० [अ] लबाई विस्तार (२) [स] रू कपास -देना=लबाववु -खोचना=ढील थवी
तूलतवील वि० लाबुपहोळु विस्तृत
तूस पु० जुओ तुस (२) [अ] उत्तम पशमीना के कामळी
तृण पु० [स] घास -गहना, पकडना =दीनता देखाडवी मोमा तणखलु लेवु -टूटना=नजर लागे एवु सुदर होवु -तोडना=सबध छोडवो (२) नजर न लागवा माटे उपाय करवा
तृतीय वि० [स] त्रीजु -या स्त्री० त्रीज (२) त्रीजी विभक्ति
तृप्त वि० [स] धरायेलु सतुष्ट -प्ति स्त्री० सताप धरपत
तृषा स्त्री० [स] तरस (२) लालच लोभ -षित वि० तरस्यु [तरस
तृष्णा स्त्री० [स] लालच कामना (२)
तें (प्रत्यय) द्वारा थी (२)-ना करता (३)-माथी
तेंतालि(-ली)स वि० तताळीस, ४३
तेंतो(-ति)स वि० तेत्रीस ३३
तेंदुआ पु० चित्ता जेवु एक हिंसक प्राणी

ते (प्रत्यय) जुओ 'तें' (२) स०[स] तेओ
तेइ(-इ)स वि० तवीस, २३
तेग स्त्री० [अ] तलवार
तेगा पु० खाडु, कटार
तेज़ वि०[फा] तेज,तीक्ष्ण, उग्र,(२) माघु
तेज पु०[स] तेज, प्रकाश ०स्वी वि० तेजवाळु (२) प्रभावशाळी
तेजाब पु०[फा] तजाव, ॲसिड -बी वि० तेजाव सबधी
तेजी स्त्री०[फा] तेजी, उग्रता उतावळ (२) भावनी तेजी
तेजोमय वि०[स] तेजस्वी, प्रकाशवान
तेतालीस वि० 'तेंतालीस' ४३
तेरस स्त्री० तेरश तिथि
तेरह वि० तेर, १३ -हीं स्त्री० तेरमु
तेरा स० तार तेरी सी=तारा लाभ मतलवनी वात (प)
तेरे अ०(प) 'से' न प्रति-एवा अथमा
तेल पु० तेल (२) लग्ननी एक विधि-पीठी चोळवानी -उठना, -चढना= पीठीनी विधि थवी
तेलहन पु० तेली वो
तेलिन स्त्री० तलीनी स्त्री, घाचण
तेलिया वि० तेल्यि (२) पु० तेल जेवो एक रग
तेली पु० तेली घाची
तेवन पु० वाग (२) खेल क्रीडा
तेवर पु० गुस्सानी नजर (२) आखनी भमर -चढना=क्रोधनी आख थवी -बदलना या बिगडना=मिजाज जवो
तेवहार पु० तहेवार 'त्योहार'
तेशा पु० [फा] वासलो
तेहरा वि०, तेहराना स०क्रि० जुओ तिहरा, तिहराना'
तेहवार पु०तहेवार, 'तिहवार', त्योहार'
तेहा पु० गुस्सा (२) शेखी, घमड
तेहि स० (प) एने, तेने
तेही वि० 'तहा'-गुस्सा के घमडवाळु
तैंतालीस वि० 'तेंतालास', ४३
ततीस वि० तेत्रीस, ३३
तै अ० एटलु (२) पु० [अ] फेंसला (३) समाप्ति (४) वि० जुओ 'तय'
तैनात वि० [अ तअय्युनात] नियत मुक्रर (नाम, -ती स्त्री०)
तैयार वि०[अ] तयार (२) हृष्टपुष्ट (नाम, -री स्त्री०)
तरना अ०क्रि० तरवु (प्रेरक तराना)
तराक वि० तरवामा कुशळ, तारा
तल पु० [स] तेल
तश पु०[अ] क्रोध, गुस्सो
तसा वि० तवु तसे अ० तेम
तो अ० [प] 'त्यों' तेम के त्यारे
तोद स्त्री० फूलेलु पेट, दुद फाद
तोदल वि० दुदाळु, फादवाळु
तोदी स्त्री० नाभि, दूटी
तो अ० तो (२) स० (प) ताह
तोड पु० ताडवु ते (२) नदीनु जारथी वहेतु वहेण (३) दहीनु पाणी (४) तोड निकाल करवानो उपाय
तोडना स०क्रि० तोडवु, भागवु (प्रेरक तोडवाना)
तोडा पु० पगनो तोडो (२) १००० रू राखवानी थेली (३) नदीनो काठो (४) पलीता (५) चकमकथी आग करवानो लोढानो ककडो
तोतई वि० तोताना रगनु, पोपटियु
तोतरा(-ला) वि० तोतडु
तोतरा(ला)ना अ०क्रि० तोतडावु

तोता पु० [फा] तोतो, पोपट (२) बदूकनो घोडो **–पालना**=कोइ व्यसन के व्याधि हावो हाथोके तोते उड जाना =व्हब गभराई जवु **तोतेकी तरह आखें फेरना या बदलना** = ('बमुरव्वत होना) बशरम बनवु
तोताचश्म पु०[फा]बशरम(नाम,–श्मी)
तोती स्त्री० मेना (२) रखात
तोदा पु० जुओ 'तूदा'
तोप स्त्री० [तु] ताप ०**खाना** पु० तोपखानु ०**ची** पु० ताप चलावी जाणनार
तोफा वि० 'ताहफा' सुदर उमदा **–फगी** स्त्री० खूबी सुदरता
तोबडा पु० नावरा **–चढाना**=नावरो चडाववा ना बोल्वु
तोबा स्त्री०[अ तौबह]पश्चात्ताप फरी न करवानी प्रतिना **–करना**=तोबा पाकारवी फरी नहि कर एम कहेवु **–तिल्ला करना या मचाना**=रडता के नम्र बनीने तावा पोकारवी **–तोबा** =कोई खराब काम विषे धणा के न थाओ एवो भाव बतावबा 'राम राम' जवा अयनो उदगार **–बुलवाना**=तोबा पाकरावबी
तोय पु० [स] पाणी
तोर पु० तूर' तुवेर (२) स० (प)तारु
तोरई स्त्री० जुओ 'तुरई' तूरियु
तोरण पु० मकाननो मुख्य दरवाजो (२) तोरण
तोरी स्त्री० जुओ 'तोरई' तूरियु
तोलना स०क्रि० तोळवु जोखवु (२) तोलन करवु विचारवु(३)पडु आजवु
तोला पु० ताला वजन
तोलिया पु० जुआ 'तौलिया'
तोशक स्त्री० [तु] रूनी गादी
तोशदान पु०[फा]भाथानी थेली के बचकी, कारतूसनी सिपाहीनी थेली
तोशा पु० [फा] वटेशरी, भाथु
तोशाखाना पु० [तु +फा] वस्त्रादिनो अमीर वगेरेना भडार, ताशाखानु
तोष पु० [स] सतोष **–षित** वि० सतोषायलु
तोहफगी स्त्री० [फा] उत्तमता
तोहफा वि० [अ तुह्फ] उमदा, तोफा उत्तम (२)पु० भट उपहार
तोहमत स्त्री० [अ] तहोमत
तोहमती वि० तहोमत मूकनार
तोहि स० (प) तने
तौंस स्त्री० तापथी लागती सखत तरस
तौंसना अ०क्रि० 'तौंस'–तरस लागवी
तौंसा पु० सखत गरमी
तौ अ० (प) तो (२) अ०क्रि० हतु
तौक पु० [अ] गळानु एक घरेणु (२) काठलो (३) चपरास
तौकीर स्त्री० [अ] आदर सन्मान
तौफीक स्त्री० [अ] ईश्वरकृपा (२) श्रद्धा (३) शक्ति ताकात
तौबा स्त्री० [अ] जुओ 'तोबा'
तौर पु०[अ] ढग रीत, चाल प्रकार (२) दशा हालत
तौर-तरीक(–का)पु०[अ] चालचलगत वर्तणूक रहेणीकरणी
तौरा(–री,–रे)त पु० तोरत, यहूदी-ओनो धर्मग्रथ ज मूसाने प्रगट थयेलो जनो करार
तौल पु० [स] त्राजवु (२) स्त्री० तोल, वजन (३) तोळवु ते, 'तौलाई'

तौलना स०क्रि० जुओ 'तोलना'
तौला पु० तालाट (२) महुडी, दारू (३) माटलु
तौलाई स्त्री० तोळवु ते के तेनी मजूरी
तौलिया स्त्री०, पु० टुवाल
तौसीअ स्त्री० [अ] विस्तार, लबाण
तौसीफ स्त्री० [अ] प्रशसा, स्तुति
तौहीद स्त्री० [अ] एकेश्वरवाद, ईश्वर एक छ एवी मान्यता
तौहीन(-नी) स्त्री० [अ] अपमान, अनादर, बेआबरू
त्यक्त वि० [स] तजायेलु
त्याग पु०[स] छोडवु ते, त्याग बलिदान
त्यागना स०क्रि० तजवु, छोडवु
त्यागी वि०[स] छोडनार (२) वैरागी
त्याज्य वि० [स] छोडवा जेवु
त्यागपत्र पु० [स] राजीनामु
त्यो अ० तेवी रीते तेम (२) तत्काल
त्योरुस पु० बे वष पूर्वेनु के बे वष पछी आवनारु वष
त्योर पु०, त्योरी स्त्री० जुओ 'तवर' तोरी
त्योहार पु० तहेवार -मनाना-तहेवार पाळवो के ऊजववो
त्योहारी स्त्री० तहेवारने दहाडे बाळको, नोकर वगेरेने मीठाई इ० अपाय ते बोणी के भेट
त्यौनार पु० ढग, रीत, 'तौर'
त्यौर पु०, -री स्त्री० जुओ 'त्योरा'
त्रपा स्त्री० [स] लज्जा शरम [समूह
त्रय वि०[स] त्रण -यी स्त्री० त्रणना
त्रयोदशी स्त्री० [स] तेरश
त्रस रेणु पु० [स] झीणी रजोटी
त्रसित, त्रस्त वि०[स] भयभीत डरेलु (२) पीडित
त्राण पु० [स] रक्षण, बचाव
त्राता(०र) पु० [स] रक्षक
त्रास पु० [स] डर (२) पीडा
त्राहि क्रि० [स] बचावो रक्षण करो
त्रि वि० [स] त्रण ०काल पु० त्रण काळ ०कोण पु० त्रिकाण आकृति ०गुण पु० प्रकृतिना त्रण गुणा
त्रिज्या स्त्री० [स] वर्तुलनी त्रिज्या
त्रिदोष पु० [स] सनेपात, मूझारो
त्रिधा अ० [स] त्रण रीते
त्रिपथ पु०[स] त्रण माग-कम, ज्ञान न भक्ति (२) त्रिभेटो ०गा स्त्री० गगा
त्रिपिटक पु०[स] त्रण प्रकारना बौद्ध धमग्रथोनु साहित्य
त्रिपिताना अ०क्रि० (प) धरावु, तप्त थवु (२) स०क्रि० तृप्त करवु
त्रिपुड,-ड्र पु० [स] त्रिपुड तिलक
त्रिफला स्त्री० [स] त्रिफळा चूण
त्रिपुटी स्त्री०[स] त्रणनो समूह (२) नानी इलायची
त्रिभुज पु० [स] त्रिकोण
त्रिमूर्ति पु०[स] ब्रह्मा विष्णु न शिव ए त्रण
त्रिय,-या स्त्री० (प) स्त्री
त्रियामा स्त्री० [स] रात्रि
त्रिविध वि० [स] त्रण प्रकारनु
त्रिवेणी स्त्री०[स] त्रण नदीनो सगम, प्रयाग
त्रुटि,-टी स्त्री० ऊणप खामी भूल
त्वचा स्त्री० [स] चामडी
त्वरा स्त्री०[स] झडप, उतावळ -रित वि० झडपी वेगवान

थ

थव (–भ) पु० थभ, थाभलो (२) टेको (स्त्री० –भी)
थभन पु० स्तंभन थभवु ते
थभना अ० क्रि० थभवु थमना
थकना अ० क्रि० थाकवु(२) धीमु पडवु, रोकावु (३) घडपणथी अशक्त थवु (४) मुग्ध थवु
थकान स्त्री० थकावट थाक
थका मादा वि० थाकेलु
थकाव(–ह)ट स्त्री० जुओ थकान
थकित वि० थाकेलु (२) मुग्ध [दहीनो
थक्का पु० जामलो थर पोपडी, जेम के
थगित वि० स्थगित (२) शिथिल
थन पु० थान (चोपगानु) आचळ
थनी स्त्री० अजागलस्तन
थनत पु० गामनो मुखी के तलाटी
थपकना स० क्रि० थाबडवु
थपकी स्त्री० थाबडी
थपडा पु० टपलो
थपडी स्त्री० ताळी (२) टपली
थपथपाना स० क्रि० थाबडवु
थपुआ पु० नळियु (छतु गोठववानु जरा चपटु होय छ ते) [धक्को मारवो
थपेडना स० क्रि० थपाटवु थप्पड के
थपेडा पु० थप्पड (२) धक्का आघात
थमना अ० क्रि० थभवु थोभवु
थर स्त्री० थर पड
थरथराना अ० क्रि० थरथरवु
थरथराहट,थरथरी स्त्री०थथरवु ते,कप
थरमामीटर पु० [इ] थरमामीटर
थमस पु० [इ] थरमास
थर्मामीटर पु० [इ] थरमामीटर
थर्राना अ०क्रि० जुओ 'थरथराना'
थल पु० थळ, स्थळ (२)(कठण) जमीन (३) रण (४) वाघ सिंहनी बोड
थल्कना अ० क्रि० ल्थडी ल्ची पडी चूलवु (२)जाडु शरीर ल्थडपथड थवु
थलचर पु० स्थळचर जीव
थलथल वि०लथडपथड चूल्तु(क्रि०–ना)
थलवेडा पु० नाव थोभवानी जगा–घाट
थवई पु० कडिया (२) स्थपति
थहर(–रा)ना अ०क्रि० थरथरवु डरथी कापवु [अदाज काढवो
थहाना स०क्रि० ऊडाण मापवु (२)
थाग स्त्री० चोर डाकुनु गुप्त स्थान(२) तपास खोज –लगाना=तपास करवी
थापला पु० सामणु (झाडनु) थाणु
था अ० क्रि० हतु (स्त्री० –थी)
थाती स्त्री० थापण सघरा(२) अनामत
थान पु० थान, स्थान (२) देवदेवीनु थानक (३) गमाण के तबेलो (४) थान, ताको (५) सख्या
थाना पु० थाणु
थानेदार पु० थाण(–ण)दार
थानत पु० थानकनो देवता, ग्रामदवता
थाप स्त्री० तबलानी थाप (२) थप्पड (३) प्रतिष्ठा (४) सोगन
थापा पु० थापो पजानी छाप (२) छापनु बीबु क फरमा
थापी स्त्री० थापडी (कडियानी)

थाम पु० थामलो (२) वहाणनो मस्तूल
थामना स०क्रि० थभाववु, रोकवु (२) पकडवु (३) मदद करवी
थाल पु० थाळ, मोटो थाळी
थाला पु० थाणु, क्यारु
थाली स्त्री० थाळी –का बगन=आम के तेम, लाभ जाई गबडनार
थाह स्त्री० ऊडाईनु तळियु (२) हद
थाहना स०क्रि० जुओ 'थहाना'
थिगली स्त्री० थीगडु
थिति स्त्री० स्थिति
थिर वि० स्थिर, स्थायी
थिरकना अ०क्रि० थनथन नाचवु, ठमकवु
थिरना अ०क्रि० (प्रवाही) हाल्यनु स्थिर थवु (२) कचरो नीचे ठरवा के तथी प्रवाही नीतरवु
थुक्का फजीहत स्त्री० निंदा ने तिरस्कार
थुडी स्त्री० थू थू करवु ते धिक्कार –थुडी करना=धिक्कारवु
थूक पु० थूक थूका सत्तू सानना=थोडी ज सामग्रीथी मोटु काम उपाडवु
थूकना अ०क्रि० थूकवु (२) स०क्रि० निंदा करवी
थूथन पु०,–नी स्त्री० (ऊट घोडा इ०नु) लावु मोढु
थून स्त्री० जुओ 'थूथन' (२) 'थूना'
थूनी स्त्री० थाभलो (२) टेका
थूवा पु० माटीनो लादो के मोटो टेकरा
थूहर पु० थूवर, थुवेर
थेई थेई स्त्री० थेई थेई नाचवानो बोल के ताल
थेगली स्त्री० जुओ 'थिगली'
थैला पु० थेला –करना=मारीने ढीला करी देवो ['रोकडिया', कशियर
थैली स्त्री० थेली, कोथळी ०दार पु०
थोक पु० थोक, ढगलो, जथो ०दार पु० जथाबध वेपारी
थोडा (–र, –रा) वि० थोडु –बहुत= थोडुक –सा=थोडु, जरा
थोथ स्त्री० पोलापणु, निःसारता
थोथरा, थोथा वि० (स्त्री०–थी) खाली, पोलु (२) नकामु निःसार
थोपडी स्त्री० धोल
थोपना स०क्रि० थापवु (२) जुओ 'छोपना'
थोबडा पु० जुओ 'थूथन'
थोर वि० थोडु (२) पु० थोरियो

द

दग वि० [फा] दिंग चकित स्तब्ध –रह जाना, –होना=चकित थवु
दगई वि० दगो करनार, झगडाळु (२) प्रचड
दगल पु० [फा] कुस्ती (२) अखाडो (३) समूह दळ (४) मोटु भारे गादलु के गादी
दगा पु० दगो तोफान
दड पु० [स] लाकडी (२) शिक्षा सजा (३) दड कसरत –देना=दडवु
दडना स०क्रि० दडवु सजा करवी
दडप्रणाम पु०, दडवत् स्त्री०, पु० दडवत् प्रणाम
दडी पु० [स] यमराजा (२) सन्यासी (३) राजा (४) द्वारपाळ

दत पु० [स] दान, बक्षिस, स्वा

दंतिया स्त्री० म्हूडी नाना दांत
दंतुर वि० (स्त्री०—रा) दांतवाळु दांतवु
दद स्त्री० दाफ, दराज, दुःख
दराज
दराराद [फा] दाराने (जवाब आराना)
दराज पु० फाल्गुन डाळ
दरता पु० [फा] धाक, जादु
दप पु० [स] पार, डाळ डाग (२)
गर्व अभिमान घमंड —पी वि०
दभाला पु० [स] वज्र
दंवरी स्त्री० पाने वळवा फरती सळु
करव ते दांयँ
दम पु० [स] डर दाबवा (२)
आभार व्यय
दंष्ट्रा स्त्री० [स] मोटा दांत
दइ पु० दइ दर दरद —वा घाला,
दई मारा वि० व्यसनसोय
दक्रियानूस पु० [अ] एक अत्याचारी
अरबी बादशाह —सी वि० प्राचीन
(२) घणु घरडु (३) जुनवाणी
दकीक वि० [अ] बारीक पातळु (२)
नाजुक (३) कठण
दकीका पु०[अ]बारीकाई (२)कठिनता
कोई दकीक्रा बाकी न रखना=बधा
उपाय करी चूकवु
दक्खिन पु०दक्षिण दखण (वि० —नी)
दक्ष वि० [स] चतुर प्रवीण कुशळ
दक्षिण वि०[स] जमणु (२) दक्षिणमां
आवलु (३)अनुकूळ(४)पु०दक्षिण दिशा
दक्षिणा स्त्री० [स] दक्षिण दिशा (२)
दक्षणा — दान
दक्षिणायन पु०[स]सूर्यनी दक्षिण गति
दक्षिणापथ पु० [स] विंध्य ने नर्मदानी
दक्षिणनो प्रदेश, दक्षिण हिंद
दखल पु० [अ] अधिकार कबजो (२)
भाग, हस्तक्षेपगीरी भाग (३)हाथ,
प्रवेश —देना=मध्ये पडवा —रखना=
पगपेसारो होवो
दखल दिहानी स्त्री० [फा] कबजा—
अधिकार अपाववो ते
दखलनामा पु० [फा] अधिकार के
कबजाहक आपतु सरकारी आज्ञापत्र
दखिन पु० दक्षिण दिशा
दखिनहा वि०दक्षिणनु दखणातु दखणी
दखील वि०[अ] अधिकारी कबजदार
दखीलकार पु०[फा]जमीन पर आछामा
आछा १२ वरस कबजा धरावनार
दगड पु० (युद्धनु) मोटु नगारु
दगदगा पु०[अ]डर भय (२) दगदगा,
वसवसो (३) एक जातनु फानस
दगना अ०क्रि०(बंदूक इ०) फूटवु (२)
दझवु बळवु
दगर(—रा) पु० विलंब ढील
दगल पु० [अ] दगो (२) बहानु
दगल(—ला) पु०, —ली स्त्री० जाडो
मोटो डगलो
दग़लफसल पु० [अ] दगो फटको
दगहा वि० डाघवाळु (२) पु० डाघु
दग़ा स्त्री० [अ] दगो, कपट [कपटी
दग़ादार, दग़ाबाज वि०[फा] दगाखोर,
दगैल वि० डाघावाळु (२)पु० दगाबाज
दग्ध वि० [स] बळेलु दाझेलु
दचक स्त्री० धक्को हडसलो, हेलो
दचकना अ० क्रि० धक्को के हडसलो
लागवो तेथी दबावु
दचका पु० दचक', हडसेलो, हेलो

दच्छिन वि० दक्षिण
दढ़ियल वि० दाढीवाळु
दतवन स्त्री० दातण, 'दतुअ(-व)न'
दतिया स्त्री० जुओ 'दँतिया'
दतुअ(-व)न, दतौन स्त्री० दातण
दत्त वि०[स] आपलु (२) पु० दत्तक पुत्र
दत्तक पु० [स] दत्तक पुत्र
ददा पु० दादा (२) स्त्री० दाया, धाव
ददिया(-हा)ल पु० दादानु कुळ के घर
ददिया ससुर पु०, (-सास स्त्री०) दादा-ससरा
दवौडा(-रा) पु० ढीमणु (जेवु के मच्छर करडवाथी थाय)
दद्रु पु० [स] दराज, दादर
दधि पु० [स] दही (२) (प) समुद्र
दनदनाना अ० क्रि० 'दनदन' अवाज करवो (२) आनन्द करवो
दनादन अ० धणण अवाज साथे (तोप-खानु छूटवु)
दनुज वि० [स] दानव राक्षस
दपट स्त्री० ठपको, वढवु ते
दपटना स०क्रि० वढवु, ठपको आपवो
दफ स्त्री० [फा] डफ, नगारो
दफ़अतन् अ०[अ] अचानक, एकाएक
दफतर,-री,-रीखाना जुओ 'दपतर, -री,-रीखाना'
दफली स्त्री० [अ दफ्तीन] पूठु, पत्तु
दफन पु० [अ] दाटवु ते (मडदु)
दफनाना स०क्रि० दफन करवु, दाटवु
दफ़ा स्त्री० [अ दफ़अ] वार(२)कायदानी कलम (३) वि० दूर करेलु
दफादार पु० एक फोजी अमलदार, टुकडीनो नायक
दफ़ीना पु० [अ] दाटेलो खजानो
दफ्तर पु० [फा] दफतर (कार्यालय, कागळिया) (२) सविस्तर वृत्तांत
दफ्तरी पु०[फा] दफतरी (२) चोपडा बांधनार बुक बाइंडर ०खाना पु० चोपडा बांधवानु स्थान (२) दफतर -दाय लय [अदबग
दबग वि० प्रभावशाळी, दाबवाळु (२)
दबक स्त्री० दबावु, छुपावु के सकोच पामवु ते (२) धातुने टीपीने तार करवानी क्रिया
दबकगर पु० धातुना तार बनावनार
दबकना अ० क्रि० डरथी छुपावु (२) स०क्रि० धातुने चपटी करवा पाटवु
दबका पु० धातुना टीपीने करेला तार
दबगर पु० डबगर
दबना अ०क्रि० दबावु (प्रेरक दबवाना)
दबदबा पु० दबदबो दमाम, भपको
दबाना स० क्रि० दबाववु
दबाव पु० दबाण -डालना=दबाववु
दबीस्तॉ पु० [फा] निशाळ
दबीज वि० [फा] जाडु माटु, घाटु
दबीर पु० [फा] कारकुन, मुनशी
दबैल वि० दबायेलु, कोईना दाब के डर तळे हाय एवु
दबोचना स० क्रि० एकदम पकडीने दबाववु (२) सताडवु
दम पु०[फा] श्वास दम (२) पळ (३) फोसलामणी -के दम=क्षणभर -ग्नो मत होना=जीवतो नर भद्रा पामे -घुटना=श्वास घूटावो -घोंटकर मारना=गळु दबावी मारवु (२) खूब दुःख देवु -तोडना=छेल्लो श्वास लेवा -देना=दगा देवो, छतरवु -नाकमें आना=खूब हेरान थवु -फूलना=श्वास

खूब के भारे चाल्वो –भरना=दम भरावववो अभिमान न विश्वासथी वहेवु –मारना=थाक खावो (२) बोलवु –मारना, लगाना=(चलम इ० नो)दम खचवो –सूखना=प्राण सुकावा

दमक स्त्री० चमक

दमकना स०क्रि० चमकवु दमकवु

दमकल स्त्री०, –ला पु० पप डकी, ववा (२) गुलाबदाना

दमखम पु० [फा] दृढता (२) प्राण

दमचूल्हा पु० लाढानी सगडी

दमझासा पु० छळकपट [विह्व सस्तु

दमडी स्त्री० दमडी पसो –के तीन=

दमदमा पु० [फा] मारचो, रतीना थेलानु कामचलाउ रक्षण

दमदार वि०[फा] दमवाळु(२) मजबूत (३) तज [जूठी आशा

दम दिलासा पु०,–पट्टी स्त्री० पटामणी,

दमन पु०[स]दमवु ते दवाण(२)काबू

दम-बदम अ० वारवार हरघडी

दमबाज वि०[स]फोसलावनारु बहाना बतावनारु

दमसाज पु० [फा] दिलाजान दोस्त

दमा पु० [फा] दमनो रोग

दमाद पु० जमाई, 'दामाद'

दमादम अ० लगातार लागलागट

दमामा पु० [फा] ढोल, नगारु

दमी वि० दमियल (२) गाजानो दम खेचनार

दयनीय वि० [स] दयापात्र

दया स्त्री० [स] दया कृपा करुणा

दयानत स्त्री०[अ] साची दानत ईमान

दयानतदार वि०दानतवाळु, ईमानदार (ताम, –री स्त्री०)

दयार पु० [अ] प्रदेश (२) देव दारु

दयामय, दयार्द्र, दयालु वि० [स] दयाळु

दयावना वि० दयामणु दयापात्र

दर पु० [स] दर काणु गुफा (२) डर (३) शख (४) स्त्री० दर, भाव (५) किंमत कदर (६) पु० [फा] द्वार (७) अ० अदर मही

दरअसल अ० [फा+अ] खरु जोता, वस्तुत [आयात

दर आमद स्त्री० [फा] आगमन (२)

दरकना अ०क्रि० चिरावु फाटवु तरडावु

दरका पु० फाट चीरा (२) चीरो नाखे एवा फटका [दरकना'

दरकाना स०क्रि० चीरवु (२) अ०क्रि०

दरकार वि०[फा]जरूरी(२)स्त्री०जरूर

दरकिनार अ० [फा] दूर, अलग

दरकूच अ० [फा] सतत कूच करता

दरख्त, दरख्त पु० [फा] झाड

दरखा(–ख्वा)स्त स्त्री० [फा] अरजी, विनती (२) दरखास्त, प्रस्ताव

दरगाह स्त्री० [फा] दरबार कचेरी, डेली (२) दरघा, मकबरो

दरगुजर वि० [फा] दरगुजर, माफ (२) अलग [एवा अथमा

दर-गोर श०प्र० 'जा जहानममा मर'

दरज वि० जुओ 'दज'

दरज स्त्री० जुओ 'दज'

दरजन पु० 'दजन डझन

दरजा पु० [अ] 'दर्जा, दरज्जो (२) नक्षा, वग (३) हाल्त स्थिति (४) मकाननो माळ

दरजी पु० [फा] दरजी, 'दर्जी'

दरद पु० 'दद', दरद, पीडा (२) दया, करुणा

र, दरबदर अ०[फा] जगा जगाए
रा वि० रवादार, यीणु नहि एवु
दराना स०क्रि० भरडा जेवु थाय
म पीसवु के कूटवु
पन पु० दपण, अरीसो —नी स्त्री०
नानो अरीसा
र-परदा अ०[फा] गुप्त गते, पडदामा
र-पेश अ० [फा] सामे आगळ
र-प अ० [फा] (कोईनी) पूठे
रव पु० द्रव्य, धन
दरवदर अ० [फा] जुओ 'दरदर'
दरबा पु० पक्षी राखवानु खानादार
साखु, कबूतरखानु
दरबान पु० [फा] दरवान, द्वारपाळ
—नी स्त्री० दरवाननु काम
दरबार पु०[फा] राजसभा (२) राजा
दरमन पु० [फा] दवा, इलाज
दरमा पु० वासनु टाटियु
दरमाहा पु० [फा] दरमायो
दरमियान पु० [फा] मध्य, वच (२)
अ० दरमियान [मध्यस्थ, पच
दरमियानी वि०[फा] मध्यनु (२) पु०
दरवाजा पु० [फा] दरवाजो
दरवेश पु०[फा] फकीर साधु [जेवु
दरवेशाना वि०[फा] दरवेश–फकीरना
दरवेशी स्त्री० [फा] फकीरी
दरसना अ०क्रि० देखावु (२) स०क्रि०
देखवु [हकीकतरूपे
दर हक़ीकत अ० [फा+अ] खरु जोता,
दरहम वि० [फा] अव्यवस्थित
दरहम-बरहम वि० वेरण छेरण (२)
गुस्से थयेलु [अ० खूब
दराज वि०[फा] लाबु, विस्तृत (२)
दराज स्त्री० चीरो (२) मेजनु खानु

दरार स्त्री० चीरा, फाट
दरारा पु० जुओ 'दरेरा'
दरिंदा पु० [फा] हिंसक पशु
दरिद्र वि० [स] गरीब, कगाळ
दरिया पु०[फा] नदी (२) दरिया ०ई
वि० दरिया के नदी सबधी
दरियाए-शोर पु० [फा] समुद्र (२)
काळापाणी
दरियादिल वि०[फा] उदार —ली स्त्री०
दरियाफ्त वि० [फा] मालूम, ज्ञात
दरिया-बरामद, दरिया-बरार पु०[फा]
नदीनु भाठु [क्षीण
दरियाव पु० नदी
दरी स्त्री० शेतरजी (२) [स] गुफा
दरीखाना पु०[फा] घणा द्वारवाळु घर
के महेल, दरीखान (२) शाही दरबार
दरीचा पु०[फा] (स्त्री० —ची) बारी
(२) झरूखा
दरीदा वि० [फा] फाटलु
दरीबा पु० पाननु बजार
दरूद स्त्री०जुओ 'दुरूद [(३)पश्चात्ताप
दरेग़ पु०[फा] दुख (२) कमी, कसर
दरेरना स०क्रि० रगडवु, पीसवु
दरेरा पु० धक्को, धप्पो (२) पाणीना
प्रवाहनु जोर
दरोग़ पु० [अ] असत्य
दरोग़ हलफी स्त्री०[अ] साचु बोलवाना
सोगन खाईनेय जूठु बोलवु ते
दरोग़ी वि० जूठु बोलनार
दर्ज वि० [अ] लखेलु
दर्ज स्त्री० [फा] चीरो, फाट
दर्जन पु० दरजन डझन
दर्जा पु० [अ] दरज्जो
दर्जी पु०[फा](स्त्री०—र्जिन) दरजी,सई

दद पु०[फा] दरद पीडा (२) दया सहानुभूति [दद करे एवु करुणाजनक
दद-अंगेज, -आमेज, -नाक वि० [फा]
दद खाना=दया करवी-खावी
दद-मद, दर्दी वि०[फा] दरदी दुःखी (२) दयावान
ददुर पु० [स] देडको
दर्द-सरी स्त्री०[फा] माथाकूट महेनत
दप पु० [स] गर्व अहंकार
दपण पु० [स] आरसो
दभ पु०[स] दरभ एक वनस्पति
दर्मियान पु० जुओ 'दरमियान'
दर्रा पु०[फा] खीणनो माग घाटी
दशक पु० [स] प्रेक्षक [तत्त्वज्ञान
दर्शन पु०[स] जोवु ते (२) फिलसूफी
दर्शनीय वि०[स] जोवा जेवु सुदर
दर्शाना स०क्रि० दर्शाववु
दर्शित वि० [स] दर्शावेलु
दस पु० अभ्यास भणवु ते
दल पु० [स] दल पादडु (२) दळ घनता कद (३) दळ सेना (४) पक्ष (५) (दाळना दाणानी) फाड
दलकना अ०क्रि० चिरावु (२) कपवु (३) स०क्रि० डरावदु
दलदल स्त्री० कळण भूमि (२)कादव कीचड -में फँसना=आफतमा फसावु मुश्केलीमा आववु
दलदला वि० कळणवाळु
दलदार वि० दळदार जाडु
दलन पु० [स] नाश सहार
दलना स०क्रि० दळवु (२) नाश करवो
दलबदी स्त्री०पक्ष के टोळी बाधवी ते
दलमलना स०क्रि० मसळी नाखवु कचरी नाखवु, नाश करवो
दलहन पु० द्विदळ
दलाल पु०दलाल मारफतियो मध्यस्थ -ली स्त्री० दलालीनु काम के मळतर
दलित वि० [स] दळायेलु कचडायेलु दबायेलु
दलिया पु० थूलीना दळेला ककडा
दलील स्त्री० [अ] तर्क चर्चा
दलेल स्त्री० सजारूप सिपाहीने करवी पडती कवायत -बोलना=तेवी सजा फरमाववी
दव पु० [स] दावानळ दव
दवनी स्त्री० पगर 'दँवरी
दवा,०ई स्त्री०[फा] दवा औषध ओसड
दवाखाना पु० [फा] दवाखानु
दवाग्नि(०न) स्त्री० (प) दावाग्नि दव
दवात स्त्री० [अ] दात खडियो
दवा दरपन पु०,दवादारू स्त्री०दवादारू, इलाज [अ० हमेश
दवाम पु०[अ] सदा स्थायी रहेवु ते (२)
दवामी वि० [अ] कायमी, स्थायी -बदोबस्त=कायमी महेसूलपद्धति
दश(-स) वि० दस १०
दशन पु० [स] दात
दशम वि०[स] दसमु ०लव पु० दशाश
दशहरा पु० दशेरा विजयादशमी
दशा स्त्री० [स] दशा हालत स्थिति
दश्त पु० [फा] जगल
दस वि० जुओ दश
दसना अ०क्रि० बिछावु, पथरावु (२) स०क्रि० पाथरवु (३) डसवु
दसी स्त्री० कपडानी दशी
दस्तदाज वि० [फा] दखल दनार
दस्तदाजी स्त्री० [फा] हस्तक्षेप, दखल
दस्त पु० [फा] दस्त जुलाब (२) हाथ

दस्तक स्त्री०[फा] बोलाववा दरवाजो खखडाववो ते (२) महेसूल (३)महेसूल के कर वसूल करवानु हुकमनामु
दस्तकार पु० [फा] हाथकारीगर
दस्तकारी स्त्री० [फा] हाथकारीगरी
दस्तखत पु० [फा] दसकत, हस्ताक्षर
दस्तगीर वि०[फा] मददगार, सहायक
दस्त निगर वि० [फा] कोईना दान तरफ ताकनार, गरीब
दस्त-पनाह पु० [फा] चीपिया
दस्त पाक पु० [फा] टुवाल, रूमाल
दस्त-ब-दस्त अ० [फा] हाथाहाथ
दस्तबरदार वि० [फा] क्शा परथी पोताना अधिकार उठावी लेनार
दस्तबस्ता अ०[फा] हाथ जोडीने
दस्तमाल पु० [फा] हाथरूमाल
दस्तयाब वि० [फा] हस्तगत प्राप्त
दस्तरखा (-ख्वा) न पु०जमवाना भाणा नीचे पथराती चादर के कपडु
दस्तरस स्त्री० [फा] शक्ति (२) पहोच
दस्ता पु० [फा] दस्तो(हाथो के वागळनो घा) (२) पत्र गोटो (३) मूठीभर वस्तु
दस्ताना पु० [फा] हाथनु मोजु
दस्तार स्त्री० [फा] पाघडी
दस्तावर वि० [फा] रेचक
दस्तावेज स्त्री० [फा] दस्तावेज
दस्ती वि० [फा] हाथनु (२) स्त्री० मशाल (३) नानो दस्तो
दस्तूर पु० [फा] धारो रिवाज (२) पारसी दस्तूर
दस्तूरी स्त्री० दलाली, कमिशन
दस्यु पु० [स] चोर डाकु (२) एक अनार्य जाति [[फा] दस १०
दह पु० ह्रद धरो (२) कुड (३) वि०
दहक स्त्री० दाह (२) ज्वाळा
दहकना अ०क्रि० तपवु, बळवु
दहकान पु० [अ] गामडियो
दहन पु० [फा] मो (२)[स] दहन, दाह
दहना अ० क्रि०बळवु(२)स०क्रि०बाळवु
दहर पु० [स ह्रद] जुओ 'दह' (२) [फा] जमानो, युग (३) [स] भाई (४) छछूदर ऊदरडी
दहरिया पु० [अ] नास्तिक
दहल स्त्री० भयनो कप-ध्रुजारी
दहलना अ०क्रि० भयथी कपवु
दहला पु० पत्तानो दस्सो-दहेलो
दहलीज स्त्री० [फा] ऊमरा -झाकना =काई कामने माटे ऊमरो घसवा जवु
दहशत स्त्री० [फा] दहेशत डर
दहा पु० [फा दह] मोहरमनो महिनो के तेना प्रथम १० दिवस (२) ताजिया
दहाई स्त्री० दशक
दहाड स्त्री० गजना (२) चीस
दहाडना अ०क्रि० गजवु(२)चीस पाडवी
दहान पु० [फा] मो (२) काणु
दहाना पु० [फा] मोढु द्वार (२)नदीनो सगम-मुख (३) मोरी गटर
दहिना वि० (स्त्री०-नी)जमणु,'दाहिना'
दहिने अ० जमणी तरफ -होना= अनुकूल के प्रसन्न थवु
दही पु० दही, दधि
दहुँ अ० अथवा (२) कदाच
दहडी स्त्री० (दहीनी) दोणी
दहेज पु० [अ जहेज] देज
दहोतरसो वि० एकसो दस, ११०
दा [फा] 'जाणनार' ए अर्थनो प्रत्यय उदा० कद्र-दाँ=कदरदान (२) वार दफा जेम के 'एकदा'

दांक स्त्री०, ०ना अ०क्रि० जुओ दहाड' '०ना'
दांत पु० दांत (२) दांतो –काटी रोटी=भारे मत्री –किरकिरे होना=हारा जवु पाछु पडवु –खट्टे करना, –तोडना =खूब पजववु, बराबर हराववु –तले उंगली दबाना=आश्चर्यचकित थवु –दिखाना=दांत काढवा हसवु (२) डरावबु –पर मल न होना=खूब गरीब होवु –बजाना=खूब टाढ़ी लागवी –बठना=दांत भिडाई जवा (मूर्छा इ०मां) –लाना या लगाना=खूब इच्छा थवी (२) बर लेवाना विचार करवा दांतो पसीना आना =खूब श्रम पडवा दांतोमें जीभ-सा होना=दुश्मनोथी घेरायला रहवु
दांता पु० दांता
दांताकिटकिट, दांताकिलकिल स्त्री० झघडा वाग्युद्ध (२) गाळागाळी
दांती स्त्री० दांतरडु (२) बत्रीस दांतना समूह बत्राशी [पगर रखवु
दांना स०क्रि०मसळवु करवा बळद फेरववा
दापत्य पु० [सं] दंपतीधर्म पतिपत्नी संबंध
दांयें स्त्री० जुओ 'देंवरी'
दांवें पु० दाव 'दावें ०पेच पु० दावपेच
दावनी स्त्री० माथाना दामणी–घरेणु
दांवरी स्त्री० दोरी
दाई वि०स्त्री० दाहिनी' जमणी
दाई स्त्री० दाई धाव –से पेट छिपाना =जाणकारथी काई छुपाववु
दाऊ पु० मोटाभाई [(निवासी)
दाक्षिणात्य वि० (२)पु० [सं] दक्षिणनु
दाक्षिण्य पु० [सं] सभ्यता विवेक
दाख स्त्री० द्राक्ष [जावेलु
दाखिल वि० [अ]दाखल थयेलु, अंदर
दाखिल-खारिज पु० [फा] दफ्तरमां हकदारनु नाम चडाववु ते
दाखिल-दफ्तर वि० [फा] विचार पर न लेता दफ्तरमा नाखेलु
दाखिला पु०[अ]प्रवेश (२)नोंधणी, रसीद
दाग पु० दाह –देना=दाह देवा(मडदाने)
दाग पु०[फा] (वि० –दार) डाघ (२) चिह्न (३) चाभाडु चाळ के जखम (४) दु:ख शोक (५) कलंक एब ०दार वि० डाघावाळु
दागना स०क्रि० डांभवु गळाववु (२) डाम देवा(३)तप के निशानी पाडवी
दागबेल स्त्री० जमीन पर कादाळी के चूनाथी करातु निशान (सडक पायो इ० करवामा)
दागी वि० डाघवाळु (२) कलंकित
दाज(–झ)न स्त्री० (प) दाझवु ते
दाज(–झ)ना अ०क्रि० (प) दाझवु
दाडिम पु० दाडम, अनार
दाड़ स्त्री० दाढ ['दहाडना'
दाड़ स्त्री०, ०ना अ० क्रि० जुओ
दाढ़ी स्त्री० दाढी के तेना वाळ
दाता,०र पु० [सं] दान देनार
दातु(–तो)न स्त्री० दातण
दाद स्त्री० दादर दराज (२) [फा] दाद न्याय ०ख्वाह वि० फरियादी –चाहना=दाद मागवी –देना=न्याय करवा (२) वखाणवु
दादनी स्त्री०[फा] देवु (२) उपलक अपाती रकम एडवान्स' बधाणी'
दादफरियाद स्त्री० [फा] न्यायनी मागणी, फरियाद

दादा पु० दादो, पितामह (२) मोटाभाई
दादी स्त्री० दादा मा (२) पु० दाद मागनार फरियादी
दादुर पु० (प) देडको [वस्तु (२) दाण
दान पु० [स] दान देवु ते के तेना
दानव पु०[स] राक्षस –वी वि० राक्षसी
दाना पु० [फा] दाणा (२) अनाज –दुनका=थोडु अन्न [बुद्धिमत्ता
दाना वि० [फा] बुद्धिमान ०ई स्त्री०
दानापानी पु० दाणापाणी, अन्नजळ
दानिश स्त्री० [फा] बुद्धि, समज
दानिस्त स्त्री० [फा] जाण, खबर
दानिस्ता अ० [फा] जाणी जोईने
दानी वि०[स] दाती, सखी, उदार
दानेदार वि० [फा] दाणादार, रवादार
दाप पु० [स दर्प, प्रा दप्प] अहंकार (२) जोर (३) दाव (४) क्रोध
दाब स्त्री० दाव, काबू के दबाव (२) पु० [अ] रोफ दबदबो
दाबना स० क्रि० दाबवु दबावव‍ु
दाभ पु० दाभ, दर्भ
दाम पु०[फा] जाळ फासो (२) दाम, पसो (३) [स] रसी, दोरी, दामणु
दामन पु०[फा] दामन कपडानो नीचलो भाग–कोर के पालव(२)पहाड नीचेनी जमीन तळेटी [(२) दावो करनार
दामन-गीर पु०[फा] पीछो पकडनार
दामनी,–री (प) स्त्री० रसी दामणु
दामिनी स्त्री०[स] वीजळी(२) दामणी वघी
दामाद पु० [फा] जमाई
दामी वि० कीमती (२) स्त्री० कर
दायज (–जा) पु० जुओ 'दहेज'
दायभाग पु०[स] वडीलोपार्जित वारसो
दायम अ० [म] सदा [जन्मटीप
दायम-उल् हब्स, दायमुल्हब्स पु० [अ]
दायर वि०[अ] जारी, चालु –करना =(दावा कोरटमा) दाखल करवो
दायरा पु० [अ] गाळ वर्तुळ (२) मडळी, टोळी, डायरो
दायाँ वि० जुओ 'दाहिने'
दायें अ० जुओ 'दाहिने'
दार स्त्री०[फा] शूळी के फासी (२) पु० [अ] जगा (३) घर (४) वि० [फा] 'वाळु' अथवा प्रत्यय
दारक पु० [स] पुत्र, बेटो [तज
दार(–ल)चीनी स्त्री०[फा] दालचीनी,
दार-मदार, दार-व मदार पु० [फा] मदार आश्रय (२) अवलबन
दारिद्र (प) –द्र्य [स] पु० गरीबाई
दारु पु० [स] लाकडु (२) देवदार (३) सुथार [कठोर, तीव्र
दारुण वि० [स] भयकर, घोर (२)
दारुलखिलाफत पु०[अ] खलीफानु घर (२) राजधानी
दारुल्शफा पु० [अ] इस्पिताल
दारू स्त्री०[फा] दवा (२) दारू, शराब
दारू दरमन पु०[फा] उपाय, इलाज, दवा
दारोगा पु० [फा] तपास राखनारो अमलदार ०ई स्त्री० तेनु काम के होद्दो
दाल स्त्री० दाळ –गलना=दाळ गळवी कायमा फावव‍ु
दालचीनी स्त्री० जुओ 'दारचीनी'
दालमोठ स्त्री० दाळनु एक चवाणु
दालान पु० [फा] वरडो ओसारो
दालिम पु० दाडम
दावँ पु० दाव, वारी (२) लाग, मोको
दावँना स० क्रि० जुओ 'दाँना'
दावरी स्त्री० जुओ 'दावरा'

दाव पुं०[सं] वन (२) दव (३) अग्नि
दावत स्त्री०[अ] नोतरु (२) मिजबानी
दावा स्त्री० दावानळ दव
दावा पुं०[अ] दावो हक अधिकार (२) फरियाद 'नालिश' (३) निश्चयथी के दृढतापूर्वक कथन करवु ते
दावागीर, दावा(-व)दार पुं० [फा] हकदार दावो करनार
दावात स्त्री० दवात खडियो
दास पुं०[सं] नोकर चाकर –सी स्त्री०
दास्तान स्त्री०[फा] हेवाल वृत्तान्त (२) कथा किस्सो (३) वर्णन
दास्य पुं० [सं] दासत्व चाकरी
दाह पुं०[सं] दाह बळतरा जलन (२) बळवु ते [सतावनु पजववु
दाहना स० क्रि० दाहवु बाळवु (२)
दाहिना वि० जमणु (२) अनुकूळ
दाहिने अ० जमणी बाजू
दिअली स्त्री० माटीनो नानो दीवो
दिआ पुं० दीया दीवो
दिक स्त्री० [सं] दिशा [पुं० क्षय रोग
दिक वि०[अ] हेरान (२) बीमार (३)
दिक्कत स्त्री० [फा] मुश्केली (२) हेरानगत
दिखना अ० क्रि० देखावु
दिखल्वाना स०क्रि० देखाडाववु
दिखलाई स्त्री० देखाडवु ते के तेनु काम
दिखलाना स० क्रि० देखाडवु
दिखाई स्त्री० दर्शन देखवु के देखाडवु ते
दिखाऊ वि० देखाउवु (२) देखवामात्र देखाडा पूरतु
दिखाना स० क्रि० देखाडवु
दिखाव पुं० देखव ते (२) देखाव
दिखावटी वि० देखाडा पूरतु

दिखावा पुं० देखाडो, आडंबर
दिगंत पुं०[सं] क्षितिज(२)बधी दिशाओ
दिगंबर पुं०[सं] एक जैन संप्रदाय (२) शंकर (३) वि० नग्न
दिगर वि० [फा] बीजु अन्य
दिग्दर्शकयंत्र पुं० [सं] होकायंत्र 'कंपास'
दिग्दर्शन पुं० [सं] सामान्य परिचय, रूपरेखा
दिग्विजय स्त्री० [सं] संपूर्ण विजय
दिग्व्यापी वि०[सं] चार बाजु व्यापलु
दिठाना अ० क्रि० नजर लागवी
दिठौना पुं० जुओ 'डिठौना'
दिन पुं० [सं] दिवस –डूबना=सूर्य आथमवो –पडना=खराब दहाडा आववा मकट आववु –फिरना, बहुरना=पाछा सारा दहाडा आववा
दिनकर पुं० [सं] सूर्य [कार्यक्रम
दिनचर्या स्त्री० [सं] रोजनु कामकाज–
दिनांत पुं० [सं] संध्या समासांज
दिनांध वि०[सं] दिवसे न देखतु (२) पुं० घुवड
दिनाई पुं० दराज
दिनां वि० जूनु पुराणु घणा दिवसनु
दिनेश पुं० [सं] सूर्य [देखावु ते
दिनौंधी स्त्री० दिनांधता दिवसे न
दिमाग पुं०[अ] दिमाक भेजु (२) गर्व –लडाना=भेजु वापरवु –गी वि० भेजावाळु के तेने लगतु ['०दारी'
दियानत,०दारी स्त्री० जुओ 'दयानत,
दियारा पुं० नदीनु भाठु (२) 'दयार' प्रदेश
दियासलाई स्त्री० दीवासळी
दिरमान पुं० [फा दर्मान] उपचार, चिकित्सा –नी स्त्री० वैदु(२)पुं० वैद

दिल पु०[फा] दिल, हृदय (२) मन –के फफोले फोडना=दिल ठालवी जीव हळवो करवो –थोडा करना=मनमा ओछु आववु–लागवु, रज थवो –देना =दिल देवु, प्रेम करवो –बुझना= दिलमा उत्साह के उमग न रहेवो –भरके=मन मान्यु [मनोहर

दिलकश, दिलकुशा वि०[फा] आकपक,

दिलगीर वि० [फा] नाखुश उदास, खिन्न –री स्त्री० [बहादुर

दिलचला वि० छातीचलु, साहसिक (२)

दिलचस्प वि०[फा] (नाम,–स्पी) मन लागे एवु आकपक

दिल-जदा वि० [फा] दु खी खिन्न

दिल जमई स्त्री०[फा] तसल्ली, दिलासो

दिल-जला वि० दु खी

दिल जोई स्त्री०[फा] जुओ 'दिल-जमई'

दिल-दादा वि० [फा] प्रेमी, आशक

दिलदार वि०[फा] उदार (२) प्रेमपात्र प्रिय –री स्त्री०

दिलबर वि०[फा] प्रिय दिल हरनारु

दिलबस्तगी स्त्री० [फा] दिल लागवु ते प्रेम (२) मनोरजन

दिलबस्ता वि० [फा] आसक्त प्रेमी

दिलरुबा वि० [फा] प्रेमपात्र प्यारु

दिलवाना स० क्रि० अपाववु

दिलवाला वि०उदार (२) दिलेर बहादुर

दिलशाद वि० [फा] प्रसन्न आनदी

दिलसोज वि० [फा] दिल्सोजी–हमदर्दीवाळु –जी स्त्री० हमदर्दी

दिला पु० [फा] हे दिल !

दिलाना स० क्रि० देवडाववु

दिलारा वि० [फा] प्रिय माशूक

दिलावर वि०[फा] बहादुर (२) उदार

दिलावेज वि०[फा] सुदर, मनने गमे तेवु (नाम, –जी स्त्री०) [आश्वासन

दिलासा पु० [फा] दिलासो धीरज,

दिली वि० [फा] दिलनु हार्दिक

दिलेर वि०[फा] 'दिलचला' (नाम,–री)

दिल्लगी स्त्री० मश्करी ०बाज पु० मश्करो

दिवस पु० [स] दहाडो [पु० सूय

दिवा पु०[स] दिवस (२) दीवो ०कर

दिवाला पु० देवाळु –निकालना, –मारना=देवाळु काढवु

दिवालिया पु० देवाळियो

दिवाली स्त्री० दिवाळी

दिव्य वि०[स] दैवी, अद्भुत (२) दापतु

दिश,–शा स्त्री० [स] दिशा

दिष्ट पु०, –ष्टि स्त्री०[स] भाग्य, नसीब

दिसबर पु० डिसेबर मास

दिसावर पु० देशावर [बहारनु (माल)

दिसावरी वि० देशावरथी आवतु,

दिहदा वि० [फा] दाता, दानी

दिहाडा पु० बूरी हालत (२) दहाडो

दिहात पु० 'देहात' गामडु

दीक्षा स्त्री०[स] गुरुमत्र लेवो त (२) यज्ञ

दीखना अ० क्रि० देखावु

दीगर वि० [फा] जुओ 'दिगर'

दीठ स्त्री० दृष्टि नजर (२) नजर लागे ते (३) कृपादृष्टि –उतारना या झाडना=नजर उतारवी –जलाना =नजर उतारवा राईमरचा बाळवा

दीठबद पु०, –दी स्त्री० नजरबधी, जादू

दीद स्त्री० [फा] दशन

दीदा पु०[फा] आख (२) दृष्टि (३) धष्टता –लगना=ध्यान लागवु दीदेका पानी ढल जाना=निलज्ज बनी जवु दीदे निकालना=आखो काढवी

दीदार पु०[फा] देदार दर्शन, देखाव
दीदा रेज्री स्त्री०[फा] (नीणा काममा) आखो ताणवी क फोडवी ते
दीदी स्त्री० मोटी वहन
दीन वि० [म] गरीव, नरम
दीन पु०[अ] धर्म मजहब ०दार वि० धर्म पर आस्थावाळु धार्मिक
दीन दुनिया स्त्री० आलोक ने परलोक
दीनानाथ पु० गरीवनो वेली, ईश्वर
दीनार पु० [म] एक प्राचीन सानयो — सिक्को (२) एक घरेणु
दीप पु० [स] दीवा
दीपक पु०[स] दीवो (२) वि० उत्तेजक (३)प्रकाश करएवु (४)भूर उघाडे एवु
दीप्त वि० [स] प्रकाशित प्रज्वलित तजस्वी —प्ति स्त्री० प्रकाश तेज
दीबाचा पु०[फा] दीबाचो प्रस्तावना
दीमक स्त्री० [फा] ऊधई
दीयट पु० जुओ दीवट [राणो करवो
दीया पु० दीवा —ठडा करना = दीवो
दीयासलाई स्त्री० दीवासळी
दीर्घ वि०[स] लाबु (२) मोटु ०दर्शी वि० दीर्घ दृष्टिवाळु ०दृष्टि स्त्री० लाबी नजर ०सूत्र(त्री) वि० कोई काममा वहु ढीलु कातनार
दीर्घायु वि० [स] दीर्घ आयुष्यवाळु
दीर्घिका स्त्री०[स] नानु जळाशय-तळाव
दीवट स्त्री० दीवी
दीवा पु० दीवो
दीवान पु० [अ] दीवान (२) काव्य-संग्रह (३) राजसभा मोटो ओरडो
दीवान आम पु० [अ] दीवानेआम राजदरबार [बेठक
दीवानखाना पु० [फा] दीवानखानु
दीवान-खास पु० [अ] दीवानखास, खास राजदरबार [स्त्री० गाडपण
दीवाना वि०[अ] दीवानु गाडु —नगी
दीवानी स्त्री० दीवानी कचेरी (२) दीवानगीरी (३) वि० स्त्री० गाडी
दीवार(-ल) स्त्री० [फा] दीवाल
दीवार-गीर पु०[फा] दीवालनी अदरनो चाडा जेवी बनावट
दीवाली स्त्री० 'दिवाली' दिवाळी
दीसना अ०क्रि० (प) दीसवु देखावु
दुद पु० (प) द्वद्वयुद्ध (२) उधमात, धमाल (३) बेनु द्वद्व—जोडी (४) नगारु
दुदुभि,-भी स्त्री० [म] नगारु, डको
दुबा पु० [फा] घेटो
दुःख पु०[म] क्लेश कष्ट पीडा ०द, ०दायी, ०प्रद वि० दुख द एवु —खित, —खी वि० दुखी दुखमा पडलु
दुःसह वि०[म] कठण सहेवु मुश्केल
दुःसाध्य वि०[स] करवु के मटवु मुश्केल
दु वि० 'दो' नु समासमा आवतु रूप उदा० 'दुविधा' 'दुअन्नी'
दुआ स्त्री० [अ] दुवा, आशिष (२) विनती —करना = विनती करवी —कहना = आशिष आपवी —लगना = आशिष फळवी
दुआबा पु० [फा दोआब] दोआव
दुई स्त्री० द्वैतभाव —का परदा = अज्ञान के मायानो पडदो
दुकडा पु० जोटो (२) दोकडो
दुकान स्त्री०[फा] दुकान —बढाना = दुकान वधाववी, बध करवी —लगाना = दुकान माडवी [—री स्त्री० वेपार
दुकानदार पु०[फा] दुकानवाळो वेपारी
दुकाल पु० दुकाळ

दुकेला वि० (स्त्री० –ली) बेकलु
दुकेले अ० बेकल साथे कोईने लईने
दुक्कड पु० तवला जेवु एक वाजु
दुक्का वि० बेकलु (२) जोडकु
दुक्की स्त्री० दूरी (गजीफानी), दूओ
दुख पु० दुःख
दुखडा पु० दुखडु (२) आपवीती
दुखना अ० क्रि० दुखवु पीडा थवी
दुखाना स०क्रि० दुखाडव, पीडा करवी
दुखानी वि०[अ]आगना जोरथी चालतु
दुखारा,–री वि०(प) दुखी दुखियारु
दुखी,–खिया,–खियारा वि० दुखी पीडित
दुख्तर स्त्री० [फा] दीकरी पुत्री
दुगई स्त्री० ओसरी वरडो
दुगदुगी स्त्री० गळानो खाडो (२) गळानु एक घरेणु ['दूना'
दुगना, दुगुण(–न) (प), वि० बमणु
दुग्ध पु० [स] दूध
दुचद वि० जुओ 'दुगना'
दुचित(–त्ता) वि० अस्थिर चित्तनु (२) सदेहमा पडेलु [त्ता (२) सदेह
दुचिताई, दुचित्ती स्त्री० चित्तनी अस्थि
दुज्द पु०[फा]चोर (स्त्री०–ज्दी=चोरी)
दुज्दीदा वि०[फा] चोरेलु –निगाहे =कोई न देखे तेम जोनारी आखो
दुटूक वि० खडित तूटक –बात= साफ रोकडी के खरी वात
दुत अ० धुत तुच्छकारना उद्‌गार
दुतकार पु० धुत्कार
दुतकारना स० क्रि० धुत्कारवु
दुतर्फा वि० (स्त्री० –र्फी) बे तरफनु
दुति स्त्री० (प) द्युति, तेज
दुति(–ती)या स्त्री०(प)बीज, द्वितीया
दुदामी स्त्री० एक जातनु सुतराउ कपडु
दुध मुख,–मुहा वि० जुओ 'दूधमुहा'
दुध हँडी, दुधाडी स्त्री० दूधनी हाल्ली
दुधार, दुधल वि० दुधाळ दूझणु (२) दूधवाळु
दुधिया वि० दूधवाळु के दूध जेवु धोळु
दुनाली वि० स्त्री० बेनाळी (बदूक)
दुनियवी, दुनियाई वि० दुन्यवी, ससारी
दुनिया,–या स्त्री० [अ दुया] दुनिया –के परदे पर=आखी दुनियामा
दुनियादार वि० ससारी (२) व्यवहार-चतुर (३) पु० गहस्थ –री स्त्री०
दुनियासाज वि०[फा] मतलबी, स्वार्थी
दुया स्त्री० [अ] जुओ 'दुनिया'
दुपट्टा पु० बे फाळनी ओढवानी चादर (२) दुपट्टो खेस –तानकर सोना= निराते सूवु निश्चित होवु ['दोपहर'
दुपहर(–रिया, –री) स्त्री० बपोर,
दुफसली वि० रवी अने खरीफ बनमा पाकतु (२) सदिग्ध [(२) चिंता
दुबधा स्त्री० दुविधा, सशय, अस्थिरता
दुबला,०पतला वि० दूबळु कमजोर
दुबारा अ० बीजी वार 'दोबारा'
दुबाला वि० बमणु 'दोबाला'
दुभाषिया पु० दुभाषियो [(मकान)
दुमजिला वि० बे खड के मजलानु
दुम स्त्री० [फा] पूछडी –के पीछे फिरना=कड केडे फरवु –दबा जाना =डरीने भागवु –में घुसना=गब थई जवु हठी जवु –में घुसा रहना= खुशामत करता रहवु –हिलाना= पूछडी पटपटाववी [पूछडानो पटो
दुमची स्त्री० [फा] घोडाना साजनो
दुमदार वि० पूछडियु, पूछडीवाळु

दुमाता स्त्री० खराब के सावकी मा
दुमुहा वि० बे मावाळु (२) कपटी
दुरंत वि० [स] अपार (२) दुगम (३) बहु मोटु प्रचड
दुरदुराना स०क्रि० दूर दूर करवु अप मानपूर्वक हठाववु हाकवु (कूतरा माटे)
दुरमुस पु० कूवा जेवु ठोकवानु ओजार
दुराग्रह पु० [स] खोटो आग्रह हठ
दुराचरण, दुराचार पु० [स] खराब आचार – चालचलगत
दुरात्मा पु० [स] दुर्जन
दुरादुरी स्त्री० छुपाववु ते
दुराना अ० क्रि० दूर थवु (२) छुपावु (३) स०क्रि० दूर करवु (४) छोडवु (५) छुपाववु
दुराव पु० दूरतानो भाव (२) कपट
दुराशय पु०[स] दुष्ट – खोटो आशय के इरादो
दुराशा स्त्री०[स] खोटी के व्यर्थ आशा
दुरित पु०[स] पाप (२) वि० पापी
दुरुपयोग पु०[स] खोटो, अयोग्य उपयोग
दुरुस्त वि० [फा] दुरस्त (२) योग्य उचित
दुरुस्ती स्त्री० [फा] दुरस्ती सुधारो
दुरूद स्त्री० [फा] दुआ, आशीर्वाद
दुरूह वि० [स] कठण दुर्गम
दुर्ग स्त्री० [स] खराब वास (२) पु० सचळ (३) डुगळी
दुर्ग पु० [स] किल्लो
दुर्गति स्त्री०[स] नठारी गति दुर्दशा
दुर्गम वि०[स] जवामा के समजवामा कठण के मुश्केलीवाळु
दुर्गुण पु० [स] खराब गुण, एब
दुर्घट वि० दुःसाध्य बनवु कठण
दुर्घटना स्त्री० [स] आफत दुःखद बनाव के अकस्मात
दुर्जन पु० [स] खराब – दुष्ट माणस
दुर्दशा स्त्री०[स] खराब दशा बूरी हालत
दुर्दैव पु० [स] दुर्भाग्य कमनसीब
दुर्बल वि० [स] दूबळु कमजोर
दुर्बोध वि० [स] समजवामा कठण
दुर्भाग्य पु० [स] दुर्दैव कमनसीब
दुर्भिक्ष पु० [स] दुकाळ
दुर्मति स्त्री०[स] कुमति दुर्बुद्धि (२) वि० कुमतिवाळु
दुर्रा पु० [फा] कोयडा चाबुक
दुर्लक्ष्य पु०[स] खोटो बूरो उद्देश (२) वि० न जोई शकाय एवु जोवु मुश्केल
दुर्लभ वि० [स] मळवु मुश्केल (२) अनोखु विरल
दुर्वचन पु० [स] गाळ [कठण
दुर्वह वि०[स] असह्य वहन करवामा
दुर्व्यवस्था स्त्री० [स] गेरव्यवस्था
दुर्व्यवहार पु० [स] गेरवर्तणूक
दुलकी स्त्री० घोडानी रवाल
दुलत्ती स्त्री० चोपगानी पाछला बे पगनी लात [एक सच्चर
दुलदुल पु०[अ] पेगंबरने भेट मळेलु
दुलराना स०क्रि० बाळकने लाड करवु (२) अ०क्रि० बाळकनी जेम प्रेममा खेल करवा
दुलह, हिन स्त्री० नववधू नवी वहु
दुलहा पु० वर 'दूल्हा –हिन स्त्री०
दुलाई स्त्री० थोडा रूवाळी रजाई
दुलार पु० लाड, प्रेम [गेल करवु
दुलारना स०क्रि० लाड करवु प्रेमथी
दुलारा वि० (स्त्री०, –री) लाडकु
दुली(–ल)चा पु० (प) गलीचो

दुशवार,-री जुओ 'दुश्वार,-री'
दुशाला पु० दुशालो, कीमती शाल
दुश्चरित वि० [स] दुराचारी (२) पु० दुराचार
दुश्नाम स्त्री० [फा] गाळ
दुश्मन पु० [फा] शत्रु, वेरी
दुश्मनी स्त्री० शत्रुता, वेर
दुश्वार वि०[फा] (नाम,-री) कठण, मुश्केल (२) दु सह
दुष्कर वि०[स] करवु कठण, अघरु
दुष्कर्म पु० [स] बूरु काम, पाप
दुष्काल पु० [स] दुकाळ
दुष्ट वि० [स] खराब, पापी, अधम
दुसह वि० (प) दु सह असह्य
दुसार(-ल) अ०(प) आरपार, सासरु
दुसूती स्त्री० मोद जेवु चोतारु एक बिछानु [मुश्केल
दुस्तर वि०[स] तरी जवु-पार करवु
दुस्सह वि० [स] असह्य
दुहता पु० दौहित्र पुत्रीनो पुत्र 'दोहता'
दुहना स० क्रि० दोहवु
दुहनी स्त्री० [स दोहनी] दोणी
दुहरा पु० दोहरो
दुहराना स० क्रि० जुओ 'दोहराना'
दुहाई स्त्री० दोहवु ते के तेनी मजूरी (२) दुहाई आण (३) घोषणा -देना =आण देवी -फिरना=आण वतवी (२) ढढेरो पिटावो
दुहाग पु० दुर्भाग्य (२) रडापो
दुहागिन स्त्री० विधवा
दुहागी वि० दुर्भागी
दुहिता स्त्री० [स] दीकरी, पुत्री
दुहेला वि० दोह्यलु, मुश्केल, कठण
दूई स्त्री० [स] जुदाई, द्वैत
दूकान स्त्री० जुओ 'दुकान' ०दार पु० दुकानवाळो
दूज स्त्री० 'दुतिया', बीज (तिथि)
दूजा वि० बीजु
दूत पु०[स] सदेशा लई जनार, खपिया (२) जासूस, चर -तिका,-ती स्त्री० दूत स्त्री, प्रेमीओ वच्चे सदेशा इ० कग्नारी
दूध पु० दूध -उतरना=छातामा दूध भरावु -का दूध और पानीका पानी करना=चोखो न्याय तोळवो -की मक्खीकी तरह निकालना, निकालकर फेंक देना=तुच्छ समझी दूर करवु
दूध पिलाई स्त्री० धाव (२) लग्ननी एक विधि
दूध पूत पु० धन अन सतति
दूध-मुहा, -मुख वि० धावणु
दून स्त्री० बमणापणु(२)पु०खीणनो भाग -की लेना या हाकना=गप हाकवी
दूना वि० बमणु बे गणु
दूब स्त्री० दरो घास
दू-बदू अ० [फा] सामसामे
दूभर वि० कठण, अघरु
दूरदेश वि०[फा] दूरदर्शी, अगमचेता वाळु -शी स्त्री० अगमचेती
दूर अ० [स] आघे, वेगळ (समय के स्थळमा) -की कहना=भारे सूक्ष्म के समजनी वात कहेवी -की सोचना= दीघदृष्टिथी विचारवु
दूरकी बात स्त्री० बारीक, वठण के भविष्यनी वात
दूर दराज वि०[फा] दूर दूर, बहु दूर
दूर-दशक, दूर-दर्शी वि० [स] दूरदेश, दीघदृष्टिवाळु

दूरबीन स्त्री० [फा] दूरदर्शक यंत्र
दूरी स्त्री० दूरत्व, अंतर
दूर्वा स्त्री० [सं] दरो घास
दूल्ह, दूल्हा पु० वर (२) पति
दूषण पु० [सं] दोष, खाड, एब
दूषित वि० [सं] दोषवाळु बूरु खराब
दूसरा वि० बीजु
दृक(–ग) पु० [सं] आंख दृष्टि
दृढ वि०[सं]स्थिर मक्कम मजबूत,पाकु
दृढाना अ०क्रि० दृढ थवु (२) स०क्रि० दृढ करवु
दृश्य पु०[सं] देखाव (२) वि०जोवा जवु
दृष्ट वि०[सं] प्रत्यक्ष जोयेलु जाणेलु
दृष्टांत पु० [सं] दाखलो उदाहरण
दृष्टि स्त्री०[सं] नजर, जोवु ते (२) ख्याल अनुमान (३) मत समज
दृष्टिकोण पु० [सं] दृष्टिबिंदु
दृष्टिपथ पु०[सं] दृष्टिमर्यादा, जोवामां आवतु क्षेत्र [जोवामां आववु ते
दृष्टिपात पु० [सं] नजर पडवी ते,
देउ(–व)र पु० देवर दियेर
देखना स० क्रि० देखवु जोवु (२) तपासवु (३) पारखवु (४) समजवु–विचारवु (५) वाचवु –भालना=जोवु तपासवु –सुनना=जाणवु करवु खबर मेळववी देखते देखते=आंखो सामे (२) जातजोतामां देखते रह जाना=जोता ज रही जवु, छक थवु
देखभाल, देखरेख स्त्री० देखरेख, संभाळ
देखाऊ वि० खाली देखाडावाळु कृत्रिम
देखादेखी स्त्री० दर्शन देखावु ते (२) अ० देखादेखी, बीजानु जोईने
देखाव पु०, ०ट स्त्री० देखाव ठाठमाठ
देग पु०[फा]देगडा(रसोईमां वपराय ते)
देगचा पु० [फा] नानो देग–देगडो
देगची स्त्री० देगडी
देन स्त्री० दान, देवु ते
देनदार पु० देणदार, देवादार [देवु
देना स०क्रि० देवु आपवु (२)पु० देणु,
देय वि० [सं] आपवा योग्य [समय
देर(–री) स्त्री०[फा] ढील वार (२)
देरपा वि० [फा] टकाऊ मजबूत
देरीना वि० [फा] प्राचीन जूनु
देव पु० [सं] देव, सुर (२) पूज्य व्यक्ति माटे आदरसूचक शब्द (३) [फा] राक्षस
देवठान पु० देवऊठी एकादशी
देवता पु० [सं] देव सुर
देवदार पु० देवदारनु झाड के लाकडु
देवधुनि, देवनदी स्त्री० [सं] गंगा नदी
देवनागरी स्त्री० नागरी के बाळबोध लिपि
देवपथ पु० [सं] आकाश
देवभाषा स्त्री० [सं] संस्कृत भाषा
देवभूमि स्त्री० [सं] स्वर्ग
देवमंदिर पु०[सं]देवळ, मंदिर देवालय
देवर पु० [सं] दियेर
देवरानी स्त्री० देराणी (२) इंद्राणी
देवर्षि पु०[सं]देवोमां ऋषि–नारद इ०
देवल पु० देवळ मंदिर(२) [सं] पूजारी
देववाणी स्त्री०[सं] संस्कृत भाषा (२) आकाशवाणी
देवस्थान पु० [सं] देवळ, मंदिर
देवांगना स्त्री०[सं] देवनी स्त्री (२) अप्सरा
देवा वि० (समासने अंते) देनार, जेम के पानीदेवा (२) देवादार ऋणी
देवान पु०दीवान, वजीर(२)राजदरबार

देवानांप्रिय पु०[स] बकरो (२) मूर्ख
देवालय पु० [स] देवळ, मन्दिर
देवी स्त्री० [स] देवी (२) पटरानी
देश(-स) पु०[स] देश मुलक (२) स्थान जगा
देशनिकाला पु० देशनिकालनी सजा
देशभाषा स्त्री० [स] अमुक देश के प्रदेशनी भाषा
देशांतर पु०[स] देशावर बीजो देश
देशी(०य) वि०[स] देशनु के तेने लगतु
देस पु० देश, मुलक -सी वि० देशी
देसवाल वि० देशनु स्वदेशी
देसावर पु०[फा] 'दिसावर' देशावर
देह स्त्री० [स] देह, शरीर (२) पु० [फा दिह] देहात गाम (३) वि० देनार (समासमा) जेम के, जवाबदेह
देहक़ान पु०[फा] गामडियो, ग्रामवासी (२) खेडूत -नियत स्त्री० गामडिया-पणु -नी वि० गामडानु गामडियु ग्रामीण
देहरा पु० देव देवालय(२)मनुष्य शरीर
देहरी,-ली स्त्री० [स] ऊमरो
देहांत पु०[स] मरण [गाम
देहात पु०[फा 'दिह नु ब०व०]'दिहात',
देहाती वि० [फा] देहातनु 'देहक़ान'
देही पु० [स] आत्मा देहधारी
दैत्य पु०[स] दानव असुर (२) अति मोटो बळवान माणस
दैनदिन अ०[स] प्रतिदिन, रोज (२) वि० रोजनु -नी स्त्री० डायरी, रोजनीशी
दैन पु० दैन्य दीनता (२) स्त्री० 'देन', देवु ते भेट (३) वि० देनारु जेम के सुखदैन (४) दिन-दिवस सबधी
दैन पु० [अ] दण, देवु
दैनदार पु० [फा] देणदार, देवादार
दैनिक वि० [स] रोजिंदु रोजनु
दैन्य पु० [स] दीनता
दैव वि० [स] देवने लगतु (२) पु० नसीब (३) ईश्वर (४) आकाश
दैवज्ञ पु० [स] जोशी
दैवयोग पु० स नसीबना सयोग
दैवात् अ० [स] दैववशात्
दैविक वि० [स]दैवताइ(२)आधिदैविक
दैवी वि०[स] 'दैविक' (२) आकस्मिक
दैहिक वि०[स] देह सबंधी, शारीरिक
दो वि०[फा] बे (आ अर्थमा समासमा 'दु' जेम पण आवे छे) [प्रदेश
दोआब,-बा पु०[फा] बे नदी वच्चेनो
दोउ,-ऊ वि० (प) बन्ने बेउ [मनुष्य
दोग़ला पु० [फा] जारज के वर्णसंकर
दोचंद वि० [फा] 'दुचन्द', बमणु
दो-चार स्त्री०[फा] केटलाक, बे चार
दोचित्ता वि०, दोचित्ती स्त्री० जुओ दुचित्ता,-त्ती'
दोजख़ पु० [फा] दोजख, नरक
दोज़ानू अ० [फा] घूंटणिये (बेसवु)
दोतरफ़ा अ० [फा] जुओ 'दुतर्फा'
दोतला,-ल्ला वि० बे खड के माळनु (मकान)
दोतारा पु० बेतारु वाद्य
दोन पु० दोआब (२) खीण (३) नदीओनो सगम
दोना पु० (स्त्री०,-नी) द्रोण, दडियो
दोनो वि० बन्ने [बपोर
दोपहर पु०, -रिया स्त्री० 'दुपहर',
दोफसली वि० जेमा बे फसल लेवाय तेवु
दोबारा अ० [फा] जुओ 'दुबारा'

देवानांप्रिय पु०[स] बकरो (२) मूर्ख
देवालय पु० [स] देवळ, मन्दिर
देवी स्त्री० [स] देवी (२) पटराणी
देश(-स) पु०[स] देश मुलक (२) स्थान, जगा
देशनिकाला पु० देशनिकालनी सजा
देशभाषा स्त्री० [स] अमुक देश के प्रदेशनी भाषा
देशांतर पु०[स] देशावर, बीजो देश
देशी(०य) वि०[स] देशनु के तेने लगतु
देस पु० देश मुल्क -सी वि० देशी
देसवाल वि० देशनु स्वदेशी
देसावर पु०[फा] 'दिसावर' देशावर
देह स्त्री० [स] देह शरीर (२) पु० [फा दिह] देहात गाम(३)वि० देनार (समासमा) जेम के, जवाबदेह
देहकान पु०[फा] गामडियो ग्रामवासी (२) खेडूत -नियत स्त्री० गामडिया पणु -नी वि० गामडानु गामडियु ग्रामीण
देहरा पु० देरु देवालय(२)मनुष्य शरीर
देहरी,-ली स्त्री० [स] ऊमरो
देहांत पु०[स] मरण [गाम
देहात पु०[फा 'दिह नु ब०व०] दिहात'
देहाती वि० [फा] देहातनु 'देहकान'
देही पु० [स] आत्मा, देहधारी
दैत्य पु०[स] दानव असुर (२) अति मोटो बळवान माणस
दैनंदिन अ०[स] प्रतिदिन, रोज (२) वि० रोजनु -नी स्त्री० डायरी रोजनीशी
दैन पु० दैन्य दीनता (२) स्त्री० 'देन', ते भेट (३) वि० देनारु, जेम के (४) दिन-दिवस संबंधी
दैन पु० [अ] देण, देवु
दैनदार पु० [फा] देणदार, देवादार
दैनिक वि० [स] रोजिंदु, रोजनु
दैन्य पु० [स] दीनता
दैव वि० [स] देवने लगतु (२) पु० नसीब (३) ईश्वर (४) आकाश
दैवज्ञ पु० [स] जोशी
दैवयोग पु० [स] नसीबनो संयोग
दैवात् अ० [स] दैववशात्
दैविक वि० [स] दैवताई (२) आधिदैविक
दैवी वि०[स] 'दैविक' (२) आकस्मिक
दैहिक वि०[स] देह संबंधी, शारीरिक
दो वि०[फा] बे (आ अर्थमां समासमां दु' जेम पण आवे छे) [प्रदेश
दोआब,-बा पु०[फा] बे नदी वच्चेनो
दोउ,-ऊ वि० (प) बन्ने बेउ [मनुष्य
दोगला पु० [फा] जारज के वर्णसंकर
दोचंद वि० [फा] 'दुचन्द', बेगणु
दो चार स्त्री०[फा] कटलाक बे चार
दोचित्ता वि०, दोचित्ती स्त्री० जुओ दुचित्ता,-त्ती'
दोजख पु० [फा] दोजख, नरक
दोजानू अ० [फा] घूंटणिये (बेसवु)
दोतरफा अ० [फा] जुओ 'दुतर्फा'
दोतला,-ल्ला वि० बे खंड के माळनु (मकान)
दोतारा पु० बेतारु वाद्य
दोन पु० दोआब (२) खीण (३) नदीओनो संगम
दोना पु० (स्त्री०,-नी) द्रोण दडियो
दोनों वि० बन्ने [बपोर
दोपहर पु० -रिया स्त्री० 'दुपहर',
दोफसली वि० जेमा बे फसल लेवाय तेवु
दोबारा अ० [फा] जुओ 'दुबारा'

दोवाला अ० [फा] दुवारा 'दूना'
दोभाषिया पु० दुभाषिया [शानल्ला
दोमजिला अ०[फा] जुआ दुमजिला,
दोयम वि [फा] दुय्यम दूयम बीजु
दोरंगा वि० दोरंगा बन तरफनु —गी
स्त्री० दोरंगापणु (२) छळ
दोरसा पु० एक जातना पानना तमाकु
(२) वि० बे रस के स्वादवाळु दोरसे
दिन = स्माना महिना
दोराहा पु बे रस्ता ज्यां फंटाय ते
दोहत्था वि० जना बेउ बाजु नरत्वा
रा के बे वट्टा हाय तवु (२) एक बाजु
एक ने बीजी बाजु बीजा रंगवाळु
दाल(—ला) पु [न] हाडाळा रोचका
(२) डळा
दोगला पु० [फा] नामवार
दोग पु० [फा] नभा [—डी]
दोशीजा स्त्री०[फा] कुंवारिका (नाम
दोष पु० [स] भूल चूक (२) खाट,
खामी (३) वांक (४) एब लांछन
(५) गुनारना अप दोष ते दरक
दोषारोपण पु० [स] दोष देवो ते
आळ आरोप [स्त्री० दोस्ता
दास पु० (१) दोष (२) दोस्त ०दारा
दोमूता वि० चालाक (२) स्त्री० 'दुमूता'
दोस्त पु० [फा] दोस्त मित्र [दोस्ता
दोस्ताना वि०[फा] दोस्तानु (२) पु०
दोस्ती स्त्री० [फा] दोस्ती मैत्री
दोहा स्त्री० रजात उपपत्ती
दोहना पु० दुहनां दोहन
दोहद स्त्री०[स] गर्भवतीनी इच्छा—
दोहद (२) गर्भनु चिह्न के गर्भावस्था
दोहन पु [स] —नी स्त्री० दोहवु ते
(२) दूधना दोणा

दोहरना अ०क्रि० बेवडावु (२) स०क्रि०
जुओ दोहराना'
दोहरा वि० बेवडु (२) पु० दोहरा
दोहराना स०क्रि० बेवडवु (२) बीजी
वार करवु के कहवु
दोहा पु० दोहरो दुहो
दोहाई स्त्री० जुओ दुहाई'
दौरा स्त्री० जुओ 'दँवरा'
दौड स्त्री० दोड दोडवु ते (२) प्रयत्न
( ) सिक्टनी रन'
दौडधूप स्त्री० दोडधाम खूब परिश्रम
दौडना अ० क्रि० दोडवु [उतावळ
दौडादौडी स्त्री० दोडादोड त्वरा
दौडान स्त्री० दोड (२)वेग(३)फेरा वारो
दौना पु० एक छोड (डमरो) (२)
जुओ दोना'
दौर पु०[अ] दोर (सत्ता मनका) (२)
भ्रमण फेरो (३) वार दफा (४)
काळचक्र जमानो
दौरदौरा पु० प्रबळता सत्ता
दौरा पु० भ्रमण करवु ते प्रवास (२)
फेरो आंटो —सुपुर्द करना=न्यायार्थ
जज पासे मोकलवु
दौरान पु० [फा] भ्रमण फेरो (२)
वारो (३) जमानो
दौरी स्त्री० टोपली छाबडी
दौर्बल्य पु० [स] दुर्बळता नबळाई
दौर्भाग्य पु० [स] दुर्भाग्य
दौर्मनस्य पु०[स] मननी खराब दशा
(२) शोक निराशा
दौलत स्त्री० [अ] दोलत धन
दौलतखाना पु० [फा] घर मकान
(मानार्थे वपराय छे)
दौलतमद वि०[फा] धनवान दोलतवाळु

देवानाप्रिय पु०[स] बकरो (२) मर्ख
देवालय पु० [स] देवळ मदिर
देवी स्त्री० [स] देवी (२) सतारी
देश(-स) पु०[स] दश मुल्क (२) स्थान, जगा
देशनिकाला पु० दशनिकालनी सजा
देशभाषा स्त्री० [स] अमुक देश के प्रदशनी भाषा
देशातर पु०[स] देशावर बीजो देश
देशी(०य) वि०[स] देशनु के तेने लगतु
देस पु० देश, मुल्क -सी वि० देशी
देसवाल वि० दशनु, स्वदेशी
देसावर पु०[फा] 'दिसावर' देशावर
देह स्त्री० [स] दह शरीर (२) पु० [फा दिह] देहात, गाम (३) वि० देनार (समासमा) जेम के, जवाबदेह
देहक़ा पु०[फा] गामडियो, ग्रामवासी (२) खेडूत -नियत स्त्री० गामडियापणु -नी वि० गामडानु गामडियु ग्रामीण
देहरा पु० देरु देवालय(२)मनुष्य शरीर
देहरी,-ली स्त्री० [स] ऊमरो
देहात पु०[स] मरण [गाम
देहात पु०[फा दिह नु ब०व०] दिहात,
देहाती वि० [फा] दहातनु 'देहकान'
देही पु० [स] आत्मा, देहधारी
दत्य पु०[स] दानव असुर (२) अति मोटा बळवान माणस
दनदिन अ०[स] प्रतिदिन, राज (२) वि० रोजनु -नी स्त्री० डायरी रोजनीशी
दन पु० दन्य दीनता (२) स्त्री० देन', देवु ते भेट (३) वि० देनारु, जेम के सुखदैन (४) दिन-दिवस सबधी
दन पु० [अ] देण, दवु
दैनदार पु० [फा] देणदार दवादार
दनिक वि० [स] राजिदु, राजनु
दन्य पु० [स] दीनता
दैव वि० [स] देवने लगतु (२) पु० नसीब (३) ईश्वर (४) आकाश
दयज्ञ पु० [स] जाशी
दैवयोग पु० स नसीबना सयाग
दवात् अ० [स] दववशात्
दविक वि० [स]देवताई(२)आधिदविक
दवी वि०[स] 'दविक' (२) आकस्मिक
दहिक वि०[स] देह सबधी, शारीरिक
दो वि०[फा] बे (आ अथवा समासमा 'दु' जेम पण आवे छे) [प्रदेश
दोआब,-बा पु०[फा] बे नदी वच्चेनो
दोउ,-ऊ वि० (प) बन्ने बेउ [मनुष्य
दोगला पु० [फा] जारज के वणसकर
दोचद वि० [फा] 'दुचन्द', बगणु
दो चार स्त्री०[फा] केटलाक बे चार
दोचित्ता वि०, दोचित्ती स्त्री० जुओ दुचित्ता,-त्ती'
दोजख पु० [फा] दोजख नरक
दोजानू अ० [फा] घूटणिये (बेसवु)
दोतरफा अ० [फा] जुओ 'दुतर्फ़ा'
दोतला,-ल्ला वि० बे खड के माळनु (मकान)
दोतारा पु० बेतारु वाद्य
दोन पु० दोआब (२) खीण (३) नदीओनो सगम
दोना पु० (स्त्री०,-नी) द्रोण, दडियो
दोनो वि० बन्ने [बपार
दोपहर पु० -रिया स्त्री० 'दुपहर',
दोफसली वि० जमा बे फसल लेवाय तेवु
दोबारा अ० [फा] जुओ 'दुबारा'

धकेलू, धकल वि० धक्को देनार, धकेलनार
धकमधक्का पु० धक्काधक्की, खूब भीड
धक्का पु० धक्का हडसेलो (२) आघात हानि (३) संकट विपत्ति
धक्कामुक्की स्त्री० धक्कामुक्की मारपीट
धगड,–डा पु० यार, उपपति व्यभिचारी –डी स्त्री० कुलटा स्त्री
धज स्त्री० सुंदर रचना के ढंग ['धज'
धजा स्त्री० धजा, वावटो (२) जुओ
धजीला वि० सुंदर
धज्जी स्त्री० चीदरडी के लांबी पट्टी धज्जियां उडाना=चीरा के टुकडा करी नाखवा (२) कशु बेहाल करी नाखवु
धड पु० शरीरनु धड (२) झाडनु थड (३) धड अवाज
धडक स्त्री० दिलनी धडक (२) भय
धडकन स्त्री० धडक धडक थवु ते
धडकना अ०क्रि० धडकवु (२) धड अवाज थवो [इ०नो चाडियो
धडका पु० जुओ 'धडक' (२) खेतर
धडटूटा वि० कमरमाथी वळेलु (२) कूबडु खूंधु
धडल्ला पु० धडाको धडल्लेसे,–के साथ =कशी रुकावट विना (२) वधडक
धडा पु० त्राजवानो धडो (२) पक्ष –बांधना=धडो करवो (३) कलंक लगाडवु [धडाकावंध चटपट
धडाका पु० धडाका, धडाक्से अ०
धडाधड अ० (रव०) तूटवा के पडवानो अवाज (२) लगातार, जल्दी
धडाम पु० धब—धबावानो अवाज
धडी(–री) स्त्री० चार के पांच पाका शेरनो एक तोल (२) पानथी के रंगथी होठ पर तेनी पडती रेखा
धत अ० धत् धुत्
धत स्त्री० लत बूरी आदत
धतकारना स०क्रि० धुत्कारवु
धता वि० धत करायेलु धुत्कारेलु –करना या बताना=भगाडवु, धत् करी काढवु [गांडा जेवु फरवु
धतूर,–रा पु० धतूरो –खाए फिरना=
धधक स्त्री० आगनी झाळ, आंच, भभूक्वु ते [धग लागवु–बळवु
धधकना अ०क्रि० (अग्नि) भडके धग
धन पु० धन (२) गायोनु धण
धनक पु० जुओ 'धनुक (२) सोनेरी रूपेरी नानी पटीनी फीत के किनार
धनकटी स्त्री० लणणीनो समय (२) एक कापड
धनकुबेर पु० खूब धनवान माणस
धनतेरस स्त्री० आसो वद तेरस–धनतेरश
धनधान्य पु०[सं] धन अने धान्य–संपत्ति
धनधाम पु० धनदोलत अने घरबार
धनवंत, धनवान, धनाढ्य, धनिक वि० [सं] पसादार, तवंगर
धनिया पु० धाणा [स्वामी
धनी वि०[सं] धनवान (२) पु० धणी;
धनुआ पु० धनुष (२) पींजण
धनुई स्त्री० नानो 'धनुआ'
धनुक पु० धनुष (२) इंद्रधनुष
धनुक्बाई स्त्री० धनुर्वा
धनुर्विद्या स्त्री० [सं] धनुषनी विद्या
धनुष,–स पु० [सं] बाणनु धनुष्य
धन्ना पु० धरणु, नागु
धन्नासेठ पु० मोटो धनी आदमी
धन्य वि०[सं] कृतार्थ भाग्यशाळी (२) अ० शाबाश वाहवाह

दौहित्र पु०[स] दाहित्र, 'नाती' (स्त्री० -त्री) [शोभा
द्युति (०मा) स्त्री०[स] तेज, काति (२)
द्यूत पु० [स] जूगटु [प्रकाशनारु
द्योतक वि० [स] दर्शावनारु (२)
द्रव पु०[स] द्रववु–आगळवु ते (२) प्रवाही के पीगळलु त (३) वि० प्रवाही, पीगळेलु [(२) वहेवु
द्रवना अ०क्रि० (प) द्रववु पीगळवु
द्रव्य पु०[स] पसा, नाणु (२) वस्तु, पदार्थ
द्रष्टा वि०[स] देखनार (२) पु० आत्मा
द्राक्षा स्त्री० [स] द्राक्ष, अगूर
द्रावक वि० [स] पिगळावनारु
द्राविड वि०[स] द्राविड देशनु द्राविडी
द्रुत वि० [स] उतावळु, झडपी (२) पीगळेलु -ति स्त्री०
द्रुम पु०[स] झाड (२) पारिजातक वृक्ष
द्रोण पु०[स] दडियो (२) होडी (३) कागडो (४) द्रोणाचार्य -णि, -णी स्त्री० नानो द्रोण [द्रोह करनारु
द्रोह पु०[स] दगो वेरभाव -ही वि०
द्वद, द्वद्व [स] पु० युग्म, जोडु (२) बे वच्चे युद्ध (३) झघडा (४) दुविधा, शका
द्वय वि०[स] बे (२) पु० युग्म, द्वक
द्वादशाह पु० [स] बारमु
द्वादशी स्त्री० बारश तिथि
द्वार पु०[स] बारणु, दरवाजो (२) उपाय, साधन
द्वारपाल पु० [स] द्वारपाळ, दरवान
द्विज पु०[स] ब्राह्मण (२) अडज प्राणी
द्वितीय वि०[स] बीजु -या स्त्री० बीज
द्विदल पु०[स] कटोळ, दाळ (२) वि० बे दळ के फाडवाळु
द्विधा अ०[स] बे प्रकारे (२) बे भागमा
द्विरद पु० [स] हाथी
द्विरेफ पु० [स] भमरो
द्वीप पु०[स] बेट, टापु [(३) चीड, गुस्सा
द्वेष पु०[स] ईर्षा, झेर (२) वेर, शत्रुता
द्वै वि० (प) बे बेउ
द्वैत पु० [स] बपणु, भेद, जुदाई
द्वैध पु० [स] विरोध (२) बमण्यु राज्यपद्धति 'डायर्की'

ध

धगर पु० भरवाड, आहीर
धध, ०क, ०र पु० (प) पचात झझट (२) कामधधानो आडबर [रहेनार
धधकधोरी पु० खूब कामनी धमालमा
धंधला पु० ढोग (२) बहानु छळकपट
धधा पु० धधो, कामकाज उद्यम
धँसना अ०क्रि० अदर खचो–पेसी जवु
धँसान स्त्री०, धंसाव पु० अदर पसी जवु ते (२) कळण जमीन
धक स्त्री० हृदयनी धडक (२) अ० अचानक, एकाएक [धगधगवु (आगथी)
धकधकाना अ० क्रि० धडकवु (२)
धकधकी स्त्री० जुआ 'धुकधुकी'
धकपकाना अ०क्रि० हृदय धडकवु डरवु
धकपेल, धकाधकी स्त्री० धक्काधक्की
धकियाना, धकेलना स०क्रि० धकेलवु, धक्को दवो
धकेलना स०क्रि० धकेलवु, हडसेलवु

धकेलू, धकल वि० धक्को देनार, धकेलनार
धक्कमधक्का पु० धक्काधक्की खूब भीड
धक्का पु० धक्को हडसेलो (२) आघात, हानि (३) संकट विपत्ति
धक्कामुक्की स्त्री० धक्कामुक्की, मारपीट
धगड,-डा पु० यार, उपपति व्यभिचारी
-डी स्त्री० कुलटा स्त्री
धज स्त्री० सुंदर रचना के ढंग ['धज'
धजा स्त्री० धजा वावटो (२) जुओ
धजीला वि० सुंदर
धज्जी स्त्री० चीदरडी के लांबी पट्टी
धज्जियां उडाना=चीरा के टुकडा करी नाखवा (२) कशु बेहाल करी नाखवु
धड पु० शरीरनु धड (२) झाडनु थड (३) धड अवाज
धडक स्त्री० दिलनी धडक (२) भय
धडकन स्त्री० धडक धडक थवु ते
धडकना अ०क्रि० धडकवु (२) धड अवाज थवो [इ०ना चाडियो
धडका पु० जुओ 'धडक' (२) खेतर
धडटूटा वि० कमरमांथी वळेलु (२) कूबडु खूंधु
धडल्ला पु० धडाका धडल्लेसे,-के साथ =करी रुकावट विना (२) बेधडक
धडा पु० वजननो धडो (२) पक्ष -बांधना=धडो करवा (३) कलंक लगाडवु [धडाकाबंध झटपट
धडाका पु० धडाका, धडाकेसे क्रि०
धडाधड अ० (रव०) तूटता के पडवानो अवाज (२) लगातार जल्दी
धडाम पु० धब—धबाकानो अवाज
धडी (-री) स्त्री० चार के पांच पाना धारनो एक तोल (२) पानथी के रंगथी होठ पर तेनी पडती रेखा
धत अ० धत् धुत्
धत स्त्री० लत बूरी आदत
धतकारना स०क्रि० धुत्कारवु
धता वि० धत् करायेलु, धुत्कारेलु -करना या बताना=भगाडवु, धत् करी काढवु [गाडा जवु फरवु
धतूर,-रा पु० धतूरो -खाए फिरना=
धधक स्त्री० आगनी झोळ, आंच, भभूकवु ते [धग लागवु-वळवु
धधकना अ०क्रि० (अग्नि) भडके धग
धन पु० धन (२) गायोनु धण
धनक पु० जुओ धनुक (२) सोनेरी रूपेरी नानी पटीनी फीत के किनार
धनकटी स्त्री० लणणीनो समय (२) एक कापड
धनकुबेर पु० खूब धनवान माणस
धनतेरस स्त्री० आसो वद तेरस-धनतेरश
धनधान्य पु० [सं] धन अन धान्य-संपत्ति
धनधाम पु० धनदोलत अने घरबार
धनवत, धनवान, धनाढ्य, धनिक वि० [सं] पसादार, तवंगर
धनिया पु० धाणा [स्वामी
धनी वि० [सं] धनवान (२) पु० धणी;
धनुआ पु० धनुष (२) पींजण
धनुई स्त्री० नानो धनुआ
धनुक पु० धनुष (२) इंद्रधनुष
धनुर्वाई स्त्री० धनुर्वा
धनुर्विद्या स्त्री० [सं] धनुषनी विद्या
धनुष,-स पु० [सं] बाणनु धनुष्य
धन्ना पु० धरणु त्रागु
धन्नासेठ पु० मोटा धनी आदमी
धन्य वि० [सं] कृतार्थ भाग्यशाळी (२) अ० शाबाश वाहवाह

धयवाद पु०[स] शाबाशी, प्रशसा के तेनो बोल
धप स्त्री० धब अवाज (२) धप्पो
धप्पा पु० धप्पो (२) नुकसान
धब्बा पु० धाबु डाघ
धमक स्त्री० धम दईने पडवानो अवाज, धमकारो (२) आघात
धमकना अ०क्रि० धम अवाज करवो (२) (माथु) दुखवु आ धमकना= आवी पहोंचवु
धमकाना स०क्रि० धमकाववु डराववु
धमकी स्त्री० धमकी, डर
धमधूसर वि० जाडु बेडोळ (माणस)
धमना स०क्रि० धमवु पवन फूकवो
धमनी स्त्री० [स] लोहीनी नाडी
धमाका पु० धबाको, 'धमक'
धमाचौकडी स्त्री० धमाचकडी
धमाधम अ० लगातार धम धम (२) स्त्री० धमाधम (३) मारामारी
धमार स्त्री० धमाल (२) धमार ताल के होळीनु एक गीत
धरणि,-णी स्त्री० [स] पृथ्वी
धरता पु० धारण करनार (२) देणदार
धरती स्त्री० धरती पृथ्वी
धरन स्त्री० धारण करवु ते (२) धारण पाटडो (३) धरणु
धरना स० क्रि० धरवु पकडवु (२) रखात राखवी (३) गीरो मूकवु (४) पु० धरणु आगु
धरहरा पु० मिनारा
धरा स्त्री० [स] धरती पृथ्वी
धराऊ वि० कीमती खास अवसर माटे साचवी रखातु
धराहर पु० जुओ 'धरहरा'
धरित्री स्त्री० [स] धरती, पृथ्वी
धरी स्त्री० जुओ 'धडी'
धरोहर स्त्री० अनामत राखलु ते
धर्म पु०[स] धर्म, सप्रदाय (२) फरज कर्तव्य (३) गुण, लक्षण
धर्मधक्का पु० धरमधक्का
धर्मपत्नी स्त्री० [स] विवाहित स्त्री
धर्मशाला स्त्री० [स] धरमशाळा, मुसाफरखानु [जेम क स्मृति
धर्मशास्त्र पु० [स] धर्म बतावतो ग्रथ,
धर्मात्मा वि०(२)पु० [स] धर्मिष्ठ पुरुष
धर्मासन पु०[स] न्यायासन, न्याया धीशनी बेठक
धर्मिष्ठ वि० [स] धर्मवान, धार्मिक
धर्षण पु०[स] अनादर (२) आक्रमण
धव पु० [स] पति (२) पुरुष [गाय
धवल वि०[स] धोळु -ली स्त्री० धोळी
धवाना स०क्रि० दोडाववु
धसकना अ०क्रि० धसा पडवु नीचे बेसी पडवु (जमीन इ०नु)
धाधल स्त्री० धाधळ (२) दगा फरेब
धांस स्त्री० तमाकु मरचा इ०नो तेज गध
धासना अ०क्रि० (पशुओनु) खाखारवु
धाइ, धाई स्त्री० धाव दाई
धाक स्त्री० धाक भय, डर -बांधना =धाक पाडवी के जमाववी
धागा पु० दोरो, 'तागा'
धाड स्त्री० धाड, हल्लो (२) धाडु टोळु
धाडस पु० जुओ 'ढाढस'
धात स्त्री० धातु (२) वीर्य [पालक
धाता पु०[स] ब्रह्मा (२) वि० धारक,
धातु स्त्री० [स] खनिज धातु (२) शरीरनी धातु (३) क्रियापदना धातु

धातुवाद पु० [स] रसायण, तांबानु सोनु बनाववानो कीमियो
धात्री स्त्री० [स] धाव (२) माता
धान पु० डांगर
धानी वि० धान-डांगरना आछा लीला रंगनु (२) स्त्री० शेकेला जव के घउं (३) आछो लीलो रंग
धान्य पु० [स] अनाज धान
धाप स्त्री० मेदान (२) लंबाइनु एक माप (एक बे माईल जवडु) (३) तृप्ति
धापना अ०क्रि० धरावु तृप्त थवु (२) दोडवु धावु (३) स० क्रि० धरववु
धाबा पु०मकाननु धाबु के तेमांनी ओरडी
धा-भाई पु० दूधभाई
धाम पु०[स] धाम स्थान(२)तीर्थस्थान
धामिन स्त्री० धामण साप
धाय स्त्री० धात्री धाव
धार पु० उधार देवु (२) धाधमार वरसाद(३)स्त्री० धारा(४)शस्त्रादिनी धार (५) किनारो छेडो [देवादार
धारक वि०[स] धारण करनार (२)
धारण पु०[स]धरवु पहेरवु के अंगीकार करवु ते (२) उधार करवु ते
धारणा स्त्री०[स] निश्चय (२) समज बुद्धि (३) याददास्त स्मृति
धारा स्त्री०[स] धार शेड (२) झरणु प्रवाह (३) धारो कायदो
धारासभा स्त्री०[स]धारा घडनारी सभा
धारी स्त्री० लीटी रेखा (२) समूह
धारीदार वि० लीटीदार लीटीवाळु
धारोष्ण वि०[स] तरत दोहेलु (दूध)
धार्मिक वि० [स] धर्मने लगतु (२) धर्मवान [धोवी
धावक पु० [स] हलकारो खेपियो (२)
धावा पु० आक्रमण, हल्लो (२) दोट -बोलना=हल्लो करवा कहेवु -मारना =दोडवु उतावळ करवी
धिंग(-गाई) स्त्री० धींगामस्ती
धिंगा पु० जुओ धींग
धिंगाई स्त्री० (प) जुओ धिंग
धिआन पु०(प) ध्यान -ना स०क्रि० ध्यान करवु
धिकना अ०क्रि० (प) धीकवु तपवु
धिक्कार पु०[स] फिटकार तिरस्कार
धिक्कारना स० क्रि० धिक्कारवु, तुच्छकारवु
धिय,-या स्त्री० कन्या पुत्री
धिराना अ०क्रि० धीरज राखवी (२) धीरु के धीमु थवु (३) स० क्रि० धमकाववु डराववु
धींग पु० लठ्ठ माणस (२) वि० धिंगु, लठ्ठ (३) दुष्ट पाजी
धींगडा(-रा) पु० धींग' (२) बदमास, गुंडो दुष्ट माणस
धींगा वि० जुओ 'धींग'
धींगाधींगी, धींगामुश्ती स्त्री० बदमाशी (२) धींगामस्ती तोफान
धींवर पु० धीवर ढीमर माछी
धी स्त्री०[स] बुद्धि (२) जओ 'धीदा'
धीजना स०क्रि०(प) स्वीकारवु मानवु (२) अ०क्रि० धीरज धरवी (३) संतोषावु राजी थवु
धीदा,-य,-या स्त्री० कन्या पुत्री
धीम(-व)र पु० ढीमर माछी
धीमा वि० धीमु
धीय,-या स्त्री० जुओ 'धीदा'
धीर वि०[स]धैर्यवान (२)पु०(प)धैर्य
धीरज पु० (प) धैर्य धीरज

घोरे क्रि०वि० धीरेथी, धीमेथी
घीवर पु० [स] ढीमर, माछी
घुआं(-वां) पु० जुओ 'धुआं'
धुगार स्त्री० वघार
धुगारना स०क्रि० वघारवु
धुव(-ध) स्त्री० धूध, दृष्टिनी झाख (२) धळ ऊडीने थतो अंधकार
धुधका पु० धुमाडो नीकळवानु वाकु धुमाडियु
धुधकार पु० अधकार (२) गडगडाट, गजना ['धुधला' थवु
धुधरा(-ला)ना अ० क्रि० धूधळावु,
धुंधला वि० काळाश पडतु (२) धूळना रंगनु, धूधळवु (३) अस्पष्ट
धुंधली स्त्री० जुओ 'धुध'
धुंवां पु० जुओ 'धुआं'
धुआं पु० धुमाडो धुएंका धौरहर= जरामा नाश थनार वस्तु धुएंके बादल उडाना = भारे गप हाकवी -निकालना या काढ़ना=शखी मारवी -सा मुह होना=मोढु पडी जवु, शरमावु
धुआंकश पु० आगवोट (२) धुमाडियु
धुआधार वि० धुमाडाथी भरपूर (२) काळु (३) घोर [वगडवो
धुआंना अ०क्रि० धुमाडो पेसी स्वाद
धुआंरा पु० 'धुआकश', धुमाडियु
धुआस स्त्री० मरचानी धूणी करवी ते (२) जुओ धुवास' [पाछु थवु ते
धुकड पुकड पु० गभराट के तेथी आघु-
धुकधुकी स्त्री० हृदय के तेनी धडक (२) डर काळजानो फफडाट (३) हडियो
धुज पु०, -जा स्त्री०(प) ध्वज, धजा
धुतकार स्त्री० 'दुतकार', धुत्कार
धुतकारना स०क्रि० जुओ 'दुतकारना'
धुन स्त्री० धन -का पक्का=आरभलु न छोडे एवा
धुनकना स०क्रि० जुओ 'धुनना'
धुनकी स्त्री० पीजण
धुनना स०क्रि० पीजव (२) मारवु पीटवु (३) वार वार कहेवु (४) कांई काम कर्ये ज जवु
धुनि स्त्री० (प) ध्वनि, अवाज
धुनियां पु० पीजनार, पींजारो
धुपेली स्त्री० 'अंभोरी', अळाई
धुर पु० धुरा (२) भार, (३) धर, शरूआत (४) अ० बरोबर, बिलकुल -सिरसे=तद्दन शरूथी, धरमूळथी
धुरवा प० मेघ, वादळ
धुरा पु० धरी (स्त्री० -री)
धुरीण वि० धुरधर अग्रेसर
धुरें(-लें)डी स्त्री० धुळटी
धुरेटना स०क्रि०(प) धूळथी रगदोळवु
धुर्रा पु० रज, धूळ, कण धुर्रे उडाना =धूळ काढवी, खब मारवु (२) छिन्न भिन्न करवु
धुलना अ०क्रि० धोवावु
धुलवाना, धुलाना स०क्रि० धोवडाववु
धुलाई स्त्री० धोवु ते के तेनी मजूरी
धुलेंडी स्त्री० धुळटी
धुवन पु० [स] अग्नि
धुवां पु० जुओ 'धुआं'
धुवास स्त्री० अडदना लाट
धुस्स पु० माटीनो ढेर (२) नदीनो बंध
धुस्सा पु० धूसो जाडो कामळो
धूध स्त्री० जुओ 'धुध'
धूआ पु० धुमाडो 'धुआं'
धूत वि० (प) धूत धतारु
धूतना स०क्रि० (प) धूतवु, ठगवु

धूधू अ०(रर) देवता जारथी बळवाना-धग धग अवाज
धूना पु० लावार मं तनु झाड
धूना स्त्री० गायुरा धूणी (२) धूप
धूप पु० [म] धूप (२) स्त्री० ताप
–चढ़ना या निकलना = ताप थयो, दहाडो चडवो –दिखाना = तडक नाखवु –में बाल या धूप सफेद करना=विना थाई रयें जावन वातवु
धूपघडी स्त्री० छायायत्र
धूपछांह स्त्री० धूपछांव, तडकाछायडा (२) एक जातनु रगडु
धूपदान पु० –नी स्त्री० धूपदानी,धूपियु
धूपबत्ती स्त्री० धूपसळी अगरबत्ती
धूम पु० धुमाडा [म] (२) स्त्री० धूम, धमाल
धूमकेतु पु० [म] पूछडिया तारा
धूम धडक्का पु०, धूमधाम स्त्री० धामधूम ठाठमाठ [धूघळु
धूमल [म] –ला वि० जुआ 'धुधला',
धूम्र पु०[म] धुमाडा (२) धूप–लोबान (३) वि० धुमाडीना रगनु
धूर,–रि स्त्री० (प) धूळ
धूरधान पु० धळना ढग
धूरधानी स्त्री० धूळधाणी(२) धूरधान'
धूर्जटि पु० [म] शकर
धूर्त वि० [म] लुच्चु पाकु (२) धुताऱु
धूल,–लि [म]स्त्री० धूळ ०धानी स्त्री० धूळधाणा, विनाश
धूवां पु० 'धुवां [तेमा रगदोळायलु
धूसर,–रा,–रित वि० धूळना रगनु के
धृति स्त्री०[म]धीरज धय(२)स्थिरता
धृष्ट वि० [स] उद्धत, उद्दड
धेनु स्त्री० [स] गाय
धेला,–लघा पु० अधेला, अर्धो पयो
धेली स्त्री० अधेली, आठ आना
धेना स्त्री० टेव आदत (२)तामपयो
धेय पु० [म] धारज धारण
धोया पु० [म] (माटीना) ओरो [दाळ
धोइ स्त्री० छोडा विनाना अडदमगनी
धोकड,–डा वि० जाडु पाडु
धोखा(–खा) पु० धोखो दगो (२) भ्रम भूल –उठाना=भ्रममा पडवो हानि उठाववी –खाना=ठगावु (२) भ्रममा पडवु –देना=छळवु (२) भ्रममा नाखवु धोखमें, धोखेसे= भूलथी अजाणमा
धोखेबाज वि० धूत कपटी [क्रिया
धोती स्त्री० धोतियु के साडी(२)धोतानी
धोना स०क्रि० धोवु धो बहाना= धोई काढवु न रहेवा दव
धोब पु० धो धोवाणु त
धोबिन स्त्री० धोबण धोबी पु० धोबी
धोरी पु० बळद (२) मुख्य धुरधर
धोरे अ० (प) पास –धोरे=आसपास
धोवन स्त्री०धोवण धोता नीकळलु पाणी
धौंक स्त्री० धमणनी फूक (२) ताप लू
धौंकना स०क्रि० फूकवु(धमणथी) धमवु
धौंकनी स्त्री० फूकणी के धमण
धौंताल वि० धूनवाळु (२) चालाक(३) साहसिक (४) हृष्टपुष्ट मजबूत
धौंस स्त्री० धमकी (२) धाक (३) 'धोखा' छळ ०पट्टी स्त्री० छळकपट
धौंसना स०क्रि० धमकावबु (२)मारवु (३) धाक दवी
धौंसा पु० रामढोल (२) बळ, शक्ति
धौरा वि० धाळु
धौराहर पु० मिनारो, बुरज

धौल स्त्री० धोल (२) नुकसान
धौलधक्का, –धकड, धौल-धप्पड पु० धोलधपाट धोलधक्को मारपीट
धौला वि० धोळु (नाम, –लाइ स्त्री०)
ध्यान पु० [स] एकाग्र चिंतन एकाग्रता
ध्याना स० क्रि० (प) ध्याव‍ु ध्यान करवु
ध्यानी वि० [स] ध्यान करनारु, ध्यानशील
ध्येय वि० [स] ध्यानने योग्य (२) पु० लक्ष्य
ध्रुव वि० [स] स्थिर अडग, निश्चित (२) पु० ध्रुव तारो के पृथ्वीनी धरीनो ध्रुव
ध्वस पु० [स] नाश, बरबादी
ध्वज पु० [स], –जा स्त्री० ध्वज, झडो, वजा निशान
ध्वन्य पु० [स] व्यग्यार्थ

न

नग पु० नग्नता (२) गुह्येंद्रिय (३) [फा] प्रतिष्ठा (४) लज्जा, शरम
नग धडग, –मुनगा वि० साव नागु
नगा वि० नागु [पण–तपास
नगा झोली स्त्री० पूरेपूरी–नागु करीने
नगा-बुगा वि० साव नागु
नगा-बुच्चा, नगा बूचा वि० गरीब निधन
नगा-लुच्चा वि० नागुटाट, बदमाम
नँगियाना स० क्रि० नागु नवस्त्रु करवु (२) साव लूटी ‍वु
नदन पु० [स] पुत्र (२) वि० आनददायक
नदिनी स्त्री० [स] पुत्री (२) नणद (३) पत्नी (४) कामधेनु
नदी पु० [स] शिवनो पोठियो
नदेऊ, नदोई पु० नणदाई
नदोला पु० नानी नाद –कूडी जुओ 'नाद'
नबर पु० [इ] अक सख्या (२) लाखडना थार–गज
नबरदार पु० गामनु महेसूल उघरावनार
नबरी वि० नबर लगालु (२) प्रसिद्ध –गज=३६ इचनो मापवाना गज –सेर=बगाळा पाका शेर
न अ० [स] ना, नही (२) प्रश्नार्थ वाक्यमा 'ने, ना' एवा अर्थमा दा त तुम जाओगे न ?
नई वि० स्त्री० 'नया'नु स्त्री० नवी
नककटा, नकटा वि० (स्त्री० –टी) नकटु बेशरम
नकघिसनी स्त्री० नाकलीटी
नकचढा वि० खराब मिजाजनु, चीडियु
नक़द पु० [अ] नगद धन (२) वि० नगद (३) अ० रोकडेथी, नगद आपीने
नक़द दम अ० [अ] एकलु
नकदी स्त्री० रोकडु नाणु (२) जनु महेसूल रोकडमा आपवानु होय तेवी जमीन 'जिनसी'थी ऊलटु
नकब स्त्री० [अ] चोरे भीतमा पाडलु खातर –देना, –लगाना=खातर पाडवु, (चोरनु) कापवु
नक़ब ज़न पु० [फा] खातर पाडनार (नाम –नी स्त्री०)
नक-बेसर स्त्री० नकवसर–नाकनी नथ
नकरा पु० [अ नक्र] (व्या) सामान्य नाम

नक़ल स्त्री० [अ] नकल (२) अनुकरण (३) चाळा पाडवा ते (४) हास्यरसनी आकृति के टुचको
नक़लची पु० [फा] बहुरूपियो
नकलनवीस पु० [फा] नकलियो कारकुन
नकली वि० बनावटी जूठु
नकश पु० जुओ 'नक्श'
नकशा पु० [अ] जुओ 'नक्शा'
नकसीर स्त्री०नसकोरा –भी न फूटना =जराय तकलीफ के हानि न थवी
नक़ाब स्त्री० [अ] माटु ढांकवा माथ ओढातु (स्त्रीन) कपडु (२) घूमट
नकार पु० नन्ने इ कार ०ना अ०क्रि० नकारवु ना पाडवी [–रची'
नकारा –रची पु० जुओ 'नक्कारा,
नक्काश,–शी जुओ नक्काश –शी'
नकाशना स० क्रि० नक्शा करवी
नकियाना अ०क्रि० नाकमा बोल्वु (२) नाकमा दम आववो (३) स० क्रि० नाकमा दम आणवा
नकीब पु० [अ] नकीब, छडीदार (२) भाट-चारण [कुलरहित
नकुल पु० [स] नाळियो (२) वि०
नकेल स्त्री० ऊंटनी नाथ
नक्का पु० (सा५नु) नाकु [नगारखानु
नक्क़ारख़ाना पु० [फा] टकारखानु,
नक्क़ारची पु० [फा] नगारु वजावनार
नक्कारा पु० [फा] नगारु, नोबत
नक्क़ाल पु०[अ]नकल करनार(२)भाड
नक्क़ाश पु० [अ] नक्शी करनार
नक्क़ाशी स्त्री० [अ] नक्शी
नक्कू वि० लाबा नाकवाळु (२) सौथी ऊंधु वर्तनार (३)पोताने मोटु माननार
नक्द पु० [अ] जुओ 'नक्द' –नगद
नक्ल स्त्री० [अ] जुओ 'नकल'
नक्श वि० [अ] चीतरलु अकायेलु के ल्खायलु (२) पु० चित्र (३) महोर, छाप (४) तावीज [(३) हाल, दशा
नक्शा पु० [अ] नकशो(२)चित्र आकृति
नक्शी वि० नक्शादार
नक्षत्र पु० [स] तारो तारानु नक्षत्र के अमुक मन्डळ
नख पु० [स] हाथपगना नख (२) स्त्री० [फा] पतगनो दोर
नखलिस्तान पु०[फा]जुओ नखिलस्तान'
नख़रा पु० [फा] नखरु (२) चचळता –रीला,–रेबाज़ वि० नखराखोर
नख़वत स्त्री० [अ] घमड शखी
नख़ास पु० [अ नख्खास] गुलाम के पशुआनु बजार
नखी पु० [स] नखवाळु हिस्र प्राणी –वाघ चित्तो इ० [खारेकनु झाड
नख्ल पु० [अ] झाड (२) खजूर–
नखिलस्तान पु० रणद्वीप (२) खजूरनु वन के बगीचो [नग पर्वत
नग पु० [फा] नग रत्न (२) [स]
नगण्य वि० [स] तुच्छ [स्त्री
नगनी स्त्री० नानी छोकरी (२) नागी
नगर पु० [स] मोटु गाम शहेर
नगरी स्त्री० [स] नगर शहेर (२) पु० नगरवासी
नगाडा(–रा) पु० नगारु
नगी(–गी) [फा]पु०नग रत्न नगीनो
नगीच अ० नजदीक नजीक
नगीना पु० [अ] नगीनो रत्न (२)वि० ठीक जडलु [गायन
नग़्मा पु० [अ] मधुर स्वर (२) राग,
नग्न वि० [स] नागु उघाडु

नचना अ०क्रि० (प) नाचवु (२)वि० नाचण नाचनारु

नचनि(-वैं)या पु० नाचनार, नत्यकार

नचाना स०क्रि० नचववु (२) ऊचुनीचु करवु, पजववु

नजदीक वि०[फा]नजदीक,नजीक,पासे

नजदीकी वि० [फा] नजीकनु (२) स्त्री० समीपता

नज्म स्त्री० [अ नज्म] कविता

नजर स्त्री० [अ] नजर, दृष्टि (२) खराब नजर (३) भेट, नजराणु -आना=देखावु -उतारना=नजर उतारवी -पर चढ़ना=नजरमा आववु, पसद के ठीक लागवु -पडना= नजरे पडवु -लगना=नजर लागवी

नजर-अदाज वि० [फा] ध्यान के नजरमा नहि अवेलु उपेक्षित

नजरबद वि० नजरकेदमा राखेलु (२) पु० नजरबधीना खेल

नजरबदी स्त्री० नजरकेद(२)नजरबधी

नजर-बाग पु० [अ] मोटा मकान के महेलनी आसपास ने सामे रखातो -घर जाडेनो बाग [तपासा जवु ते

नजर सानी स्त्री० [अ] फरीथी जोई के

नजर हाया वि० नजर लगाडनार

नजराना अ०क्रि० नजर लागवी (२) स०क्रि० नजर लगाडवी (३) [अ] नजराणु, भट

नजला पु० [अ]नजलो-एक राग,शरदी

नजाकत स्त्री० [फा]नाजुकता

नजात स्त्री० [अ] मुक्ति, छुटकारा

नजामत स्त्री० [अ] जुओ 'निजामत'

नजारत स्त्री० [अ] नाजरपणु

नजारा पु० [अ] दृश्य (२) नजर

नजासत स्त्री० [अ] मेल, गदकी (२) अपवित्रता

नजिकाना अ०क्रि०(प) नजीक पहोचवु

नजिस वि०[अ]मलु(२)अशुद्ध, अपवित्र

नजीक अ० (प) नजीक, पासे

नजीर स्त्री०[अ] उदाहरण, दष्टात

नजूम पु० [अ] नुजूम', ज्योश, ज्योतिष विद्या (२) 'नज्म'नु ब० व०

नजूमी पु० [फा] जोषी, 'नुजूमी'

नजूल पु० [अ] सरकारी जमीन (२) 'नजला' राग

नज्जार पु० [अ] सुतार

नज्म स्त्री० [अ] तारो [जुओ 'नज्म'

नज्म स्त्री०[अ] प्रबध, बदोबस्त (२)

नट पु० [स] नाचनार के नाटक करनार (२) एक राग

नटखट वि० चचळ, उधमातियु (२) नटखट, धूर्त, पाकु [नटनी स्त्री

नटनी, नटिन(-नी), नटी स्त्री० नटीके

नत वि० [स]नमेलु(२)(प) जुओ 'नतु'

नतर(-रु), **नतु** अ० नहितर, नहि तो

नतिनी स्त्री०'नातिन ,दीकरानी दीकरी

नतीजा पु० [अ]नतीजा, फळ;परिणाम

नतु अ०(प) नही ता नीकर

नतैत पु० नातीला, सगा

नत्थी स्त्री० पिन के दोरायी जोडेला कागळो (२) एकसाथ नाथलु के जोडलु ते

नथ,०**नी** स्त्री० नाकनी नथ

नथना पु० नसकोरु नाकना आगलो भाग (२) अ०क्रि० नथावु (३) एक साथे जोडावु ‹ बधावु

नद पु०[स] मोटी नदी

नदामत स्त्री०[अ] शरम(२)पस्तावो

नदारद स्त्री०[फा] गेब, अलोप
नदी स्त्री०[स] नदी –नाव सयोग = नसीब जागे मळी जवु ते [लोभी
नदीदा वि०[फा नादीद]नहि देखेलु (२)
नधना अ०क्रि० जोडावु (वळद, घोडानु)
ननंद,ननद स्त्री० नणद (पु० ननदोई= नणदाई) [घर
ननसार स्त्री०, ननिहाल पु० नानानु
नन्हा वि०नानु –सा=नानुदीक
नन्हाई स्त्री० (प) नानपण (२) मानम
नपाई स्त्री० मापवानु काम के तेनु महेनताणु
नपुसक पु० [स] बायला, हीजडा
नफख पु० [अ] आफरा
नफर पु०[अ]एक जण व्यक्ति(२)नाकर
नफरत स्त्री० [अ] घृणा –आमेज वि० [अ +फा] घृणाजनक
नफरी स्त्री०[फा]एक दिवसनी मजूरी (२) शाप बददुवा
नफसानफसी स्त्री०जुओ 'नपसानफ्सी'
नफा पु० नफो, फायदो –उठाना, –करना=नफो मेळववा के थवा
नफाक़ पु० जुओ 'निफाक़'
नफासत स्त्री० [अ] उत्तमता नफीस' हावु ते
नफी स्त्री० [अ] अभाव न हावु त (२) दूर करवु ते (३) नकार, इन्कार
नफीर वि० [अ] नफरत–घृणा करनार (२) स्त्री० फरियाद, पोकार
नफीरी स्त्री० [अ] एक वाद्य नफरी
नफीस वि० [अ] उमदा (२) सुदर (३) स्वच्छ
नफ्स पु०[अ] प्राण, आत्मा (२) सत्त्व, तत्त्व (३) कामवासना (४) नफ्स, दम
०कुश वि० सयमी वासनात्यागी
०परस्त वि० विषयी, भोगी
नफ्सानफ्सी स्त्री० स्वाथ, पातपोतानी चिता, 'आपाधापी'
नफ्सानियत स्त्री० [फा] स्वार्थीपणु (२) इद्रियाराम कामुकता
नफ्सी वि० पातानु वयक्तिक
नबात स्त्री० [अ] शाकभाजी
नबातात स्त्री० [अ] नबात नु ब०व० लीलातरी शाकभाजी
नबी पु० [अ] ईश्वरना दूत, पगबर
नबेडना स०क्रि० निवडा आणवो
नबेडा(–रा) पु० निवेडो फसलो
नब्ज स्त्री०[अ] नब्ज, नाडी –छूटना, –न रहना=नाडी वध थवी, मरी जवु
नब्बाज पु० [अ] नाडी जोनार, वद, हकीम
नब्बे वि० नेवु ९० सख्या
नभ पु०[स] नभ, आकाश (२) वादळ (३) वर्षा (४) पाणी
नम वि०[फा] (नाम, –मी स्त्री०) भीनु
नमक पु० [फा] निमक लूण –अदा करना=उपकारनो बदलो चूकववो –फूटकर निकलना = निमकहरामीनी शिक्षा मळवी –मिच मिलाना या लगाना=मीठु मरचु भभराववु
नमकख्वार वि० [फा] लूण खानार
नमकहराम वि० [फा] बवफा निमक- हराम कृतघ्न [निमकहलाल
नमकहलाल वि०[फा]वफादार कृतज्ञ,
नमकसार पु० [फा] ज्या मीठु बन के नीकळे ते जगा
नमकीन वि० [फा] मीठावाळु के खारु (२) सुदर (३) पु० मीठावाळी वानी

नमदा पु० [फा] नमदा, दबावीने करेलु जाडु गरम कपडु
नमन पु० [स] नमवु ते, नमस्कार
नमना अ०क्रि० (प) नमवु
नमस्कार पु० [स] नमन, प्रणाम
नमस्ते=तमने नमु छु–प्रणाम
नमाज़ पु० [फा] नमाज (श प्र –अदा करना, –गुज़ारना, –पढ़ना) –कज़ा होना=वखत परनी नमाज न पडवी
नमाज़ी पु० [फा] नियमथी नमाज पढनार(२)धार्मिक माणस(३)मुसल्लो
नमाज़े जनाज़ा, नमाज़े मयत स्त्री० [फा] मरण वखते शब आगळ पढाती नमाज [तावे करवु
नमाना स०क्रि० (प) नमाववु (२)
नमिश(–स) स्त्री० [फा नमिश्क] दूधमाथी तयार कराती एक वानी
नमी स्त्री० [फा] भीनाश
नमूद स्त्री० [फा] प्रगट थवु ते (२) निशान, चिह्न [उदय थयेलु
नमूदार वि० [फा] प्रगट जाहेर (२)
नमूना पु० [फा] नमूनो
नम्र वि० [स] नमेलु (२) नम्र, विनयी
नय पु० [स] नीति, न्याय (२) नम्रता (३) स्त्री० (प) नदी
नयन पु० [स] नेत्र आख ०पट पु० आखनी पलक, पलकारो
नयना, –नी स्त्री० आखनी कीकी
नयनू पु० नवनीत माखण (२) एक जातनु मलमल कपडु
नया वि० नव नवीन
नयाबत स्त्री०[अ] नायबपणु मददनीश के मुनीम हावु ते
नयाम पु० [फा] तलवारनु म्यान
नर पु० [स] पुरुष (२) वि० नरजातिनु
नरक पु० [स] नरक, दोजख (२) गदी जगा
नरकट पु० सरकट के वरु [गुलछडी ?
नरगिस स्त्री०, पु० [फा] एक फूलझाड,
नरद स्त्री० [फा नर्द] सोगटु के महोरु
नरदवाँ, नरदा पु० मेला पाणीनी मोरी
नरम वि० नरम, ढीलु (२) आळसु (३) कोमळ मुलायम (–माई, –मी स्त्री०)
नरमा पु० नरमो कपास, देवकपास
नरमाना स०क्रि० नरम करवु (२) शात के धीमु करवु (३) अ०क्रि० नरम के शात या धीमु थवु
नरमी स्त्री० जुओ 'नर्मी'
नरसिंगा,–घा पु० तत्तूडा जेवु वाजु
नरसो अ० जुओ 'अतरसो'
नरिया पु० नळियु
नरी स्त्री० वणाटना काठलानी कोकडी (२) [फा] बकरीनु नरम चामडु
नरेली स्त्री० नारियळनी, काछली
नर्त्तक पु०[स] नट, नाचनार (२) चारण वदाजन –की स्त्री०
नर्द स्त्री० [फा] जुओ 'नरद'
नर्म वि०[फा] जुओ 'नरम' (२) [स] पु० नर्म, विनोद हास्य
नर्मी स्त्री० [फा] नरमाश
नल स्त्री० [ड] धाव (२) रागीनी वरदास करनार [नळराजा
नल पु० [स] पाणी इ० नो नळ (२)
नला पु० पढुमानी पशावनी नळी (२) हाथ के पगनु लाबु हाडकु (नळा)
नलिन पु०[स] कमळ (२) जळ
नलिनी स्त्री० [स] कमलिनी, कमळनु सरोवर (२) नदी

नली स्त्री० नळी भूगळी
नलुआ पु० नाना नळ
नवबर पु० नवेम्बर मास
नव वि०[स] नव ९ सख्या (२) नवु
नवनीत पु० [स] माखण
नवमी स्त्री०[स] नाम
नवरात्र पु० [स] नारता [स्वच्छ
नवल वि०[स] नवु (२) सुदर (३)
नवसप्त पु०[स] (९+७) साळ शणगार
नवाई वि०(प) नवान (२) स्त्री०विनय, नम्रता
नवाज वि०[फा] कृपा करनार, दयाळु (*समासमा*) *०ना स०क्रि० दया करवी*
नवाजिश स्त्री०[फा] नवाजिश कृपा बक्षिस
नवाना स०क्रि० नमावव् (२) नम्र करवु
नवान्न पु० [स] नवु अनाज के ते वापरवाना प्रारभना उत्सव
नवाब पु०[अ] मुसलमान राजा के तेनो सूबा (२) अमीर (३) एक इल्काब
नवाला पु०[अ] नवाला कोळियो
नवासा पु०[फा] (स्त्री०–सी) दौहित्र
नवासी वि० ८९ नव्यासी
नवाह पु०[स] नव दिननो के वाई सप्ताह (२) [अ] आसपासनो प्रदश
नविश्त स्त्री०[फा] कागळ लेख (२) दस्तावेज
नविश्ता वि० [फा] लिखित (२) पु० विधि भाग्य [मौलिक
नवीन वि० [स] नवु (२) विचित्र (३)
नवीस पु०[फा] लखनार लखक **–सी** स्त्री० नवीस'न काम
नवेला वि०(स्त्री०**–ली**)नौजवान(२)नवु
नवोढ़ा स्त्री०[स] नववधू युवती
नशा पु० [अ नश्श] नशा के तनी चीज **–किरकिरा हो जाना**=नशानी मजा वच्चे बगडवी (आखोमें)**नशा छाना**=नशा चडवा
नशा-खोर, नशा(–शे)बाज वि० [फा] नशो करवानी टेववाळु
नशापानी पु० नशा न तनी सामग्री
नशीन वि० [फा] बेसनार (समासमा उदा तख्तनशीन) **–नी** स्त्री०
नशीला वि० मादक (२) कफ चडेलु
नशेब पु० [फा निशब] नीचाण (२) नीची जगा के जमीन
नशोनुमा पु० [अ] नश्व' चडती
नश्तर पु०[फा]नस्तर **–देना, –लगाना** =नस्तर मूकवु वाढकाप करवो
नश्व पु० [अ] उन्नति, चडती वृद्धि
नश्वर वि० [स] नाशवत
नष्ट वि० [स] नाश पामलु (२) दुष्ट, अधम [खानाखराब थयलु
नष्टभ्रष्ट वि० [स] खतम बरबाद
नस स्त्री० नस रग रेसा
नसतालीक पु० जुओ नस्तालीक'
नसना अ०क्रि० नासवु (२) नाश पामवु
नसब पु० [अ] कुळ खानदान (पितपक्षनु) (२) वशावळा
नसर स्त्री० जुओ नस्र
नसल स्त्री० जुओ नस्ल'
नसवार स्त्री० छीकणी
नसाना, नसावना अ०क्रि० नाश पामवु
नसी(–से)नी स्त्री० निसरना निसरणी
नसीब पु० [अ] दव भाग्य **०जला** वि० फटला नसीबवाळ
नसीबवर वि० [अ] नसीबदार [हवा
नसीम स्त्री० [अ] ठडा धीमी मजदार

नसीहत स्त्री० [अ] नसियत, शिखामण, सारी सलाह
नसेनी स्त्री० जुओ 'नसीनी' [व्यवस्था
नस्क़ पु० [अ] दस्तूर, धारा (२)
नस्ख पु० [अ] नक्ल (२) अरबी लिपिना एक मराड
नस्ता स्त्री०[स] पशुना नाकनो वेध जेनाथी त नथाय छे
नस्तालीक़ पु०[अ] उर्दू फारसी लिपिनो (हाथे लखातो) एक सुदर मराड
नस्ति(-स्तो)त पु० [स] नाथवाळु-नाथेलु पशु [(झडो, तवु इ०) ते
नस्य पु० [अ] राधवु, खडु करवु
नस्य पु०[स] छीकणी (२)पशुनी नाथ
नस्योत पु०[स] जुओ 'नस्तित'
नस्र स्त्री० [अ] गद्य लखाण
नस्ल स्त्री०[अ] नसल, वश, जाति (२) सतति, ओलाद
नस्सार पु० [अ] 'नस्र'—गद्य लेखक
नहँ,-ह पु० नख
नहछू पु० विवाहना एक विधि
नहर स्त्री०[फा] नहेर
नहरनी स्त्री० [स नखहरणी] नराणी
नहरी वि०[फा] नहरनी (जमीन)
नहरुआ पु० नारु के वाळानो रोग
नहला पु० पत्तामा नव्वो के नेलो
नहलाना स०क्रि० नवडाववु
नहस वि०[अ] अशुभ अपशुकनियाळ (२) पु० अपशुकन
नहान पु० स्नान के तनु पव
नहाना अ०क्रि० नाहवु
नहार पु० [अ] दिवस (२) वि० निराहार, नयणा कोठावाळु —तोडना =नास्तो करवो
नहारी स्त्री० [फा] नास्तो
नहीं अ० ना, नहि ०तो अ० एम न होय के थाय तो, नहि तो, नीकर
नहीफ वि०[अ]मुफ्लकडी, दूबळु-पातळु
नहूसत स्त्री० [अ] उदासीनता (२) अशुभता
नाऊँ पु० नाम ०गाँऊँ पु० नामठाम
नाँगा वि० नागु (२) पु० नागडो बावा
नाधना स०क्रि० लघवु ओळगवु
नाठना अ०क्रि० नाश पामवु [निराय छ
नाँद स्त्री० माटीनु मोटु कूडु जमा पशुन
नाँवँ पु० नाम
ना अ० ना, नही (२) (फा) 'अ' पठे नकार सूचवतो उपसर्ग जेम के नाउम्मेद इ०
नाइत्तिफाक़ी स्त्री०[फा]विरोध मतभेद
नाइन स्त्री० नाईनी स्त्री, वाळदण
नाई स्त्री० समानता (२) अ० बरोबर
नाई,-ऊ पु० नाई, हजाम
नाउम्मेद वि० [फा] नाउमेद निराश —दी स्त्री० निराशा [धाडो इ०)
नाकद वि० नहि पलाटेलो (बळ,
नाक स्त्री० नाक (२) वि० [फा] पूर्ण अथमा समासने अते उदा० दर्द नाक (३) [स] पु० नाक स्वग —का बाल=नजीकनो मित्र के सलाहकार —रगडना=खूब दीन बनी जाजीजी करवी —सिनकना = नाक नसीकवु —सिकोडना = नाक मरडवु नाकों आना=खूब हेरान थवु नाको चने चबवाना = खूब पजववु
नाखडा पु० नाकनो एक रोग
नाक़दर, नाक़द्र वि०[फा] क़दर वगरनु, अगुणज्ञ (नाम —री, —द्री स्त्री०)

नाका पु० नाकु, दरवाजा, चावी (२) सावनु नाकु -छेकना, -बांधना= नाकु रोकवु
नाका(-के)बंदी स्त्री० [फा] नाकु रोकवु ते पहेरा(२)रु०नाकेदार सिपाई
ना-क़ाबिल वि०[फा]अयोग्य नालायक
ना-काम वि० [फा] नकामु खराब
ना-क़ामयाब वि० [फा] अफळ व्यर्थ
नाकारा वि० [फा] नकामु (२) अयोग्य
नाक़िस वि० [अ] अधूरु (२) खराब
नाकिह पु [अ] नका-विवाह करावनार – काजी
नाक़ूस पु० [अ] शंख
नाकेबंदी स्त्री० जुआ 'नाकाबंदी'
ना-ख़लफ़ वि० [फा] खराब नालायक (पुत्र कपूत)
नाख़ुदा पु० [फा] नाखुदा नाविक
नाख़ु(-ख़ू)न पु० [फा] नाखुन, नख (२) खरी
नाख़ूना पु० [फा] आंखना एक रोग (धोळा डाळामां लाल थाय छे)
नाख़ुश वि० [फा] नाराज, अप्रसन्न -शी स्त्री०
नाग पु० [स] नाग साप (२) हाथी -खेलना=जीवना जोखमवाळु काम करवु
नागफनी स्त्री० फाफडा थाटनो थूवर
नागफेन पु० [स] अफीण
नागबेल स्त्री० नागरवेल
नागर वि० [स] नगरनु शहेरी (२) चतुर, काबेल (३) पु० नागरिक
नागरबेल स्त्री० नागरवेल
नागरमोथा पु० नागरमोथ घास
नागरिक वि० [स] नगरनु, शहेरी (२) पु० नगरवासी [शहेरी स्त्री
नागरी स्त्री० [स] देवनागरी लिपि (२)
नागवल्ली, -ल्लरी स्त्री० [स]नागरवेल
ना गवार (-रा) वि० [फा] असह्य(२) अप्रिय (३) पचवामां भारे
नागहाँ अ० [फा] अचानक
नागहानी वि० [फा] आकस्मिक (२) स्त्री० अचानक थाय ते
नागा पु०[अ]रूच गेरहाजरी नियमित कायमां भंग खाली गाळो
नागा पु० नागो बावो
नागाह अ० [फा] अचानक [नागण
नागिन स्त्री०नागण(२)पीठ पर वाळनी
नाच पु० नृत्य (२) खेल क्रीडा ०कूद स्त्री० खेलकूद, नाच तमासो
नाचना अ० क्रि० नाचवु
नाचाक़ वि० [फा] नबळु ढीलु बीमार
नाचाक़ी स्त्री० [फा] बीमारी (२) अणबनाव,वैमनस्य [लाचार विवश
नाचार वि० [फा] (नाम -री स्त्री०)
नाचीज़ वि० [फा] तुच्छ हीन
नाज पु० अनाज (२) खावानु
नाज़ पु० [फा] नखरां हावभाव (२) नाज लाड (३) गर्व [सुंदर स्त्री
नाज़नीं(-नीन) स्त्री० [फा] नाजनीन,
नाज़रीन पु० जुओ 'नाज़िरीन'
नाज़ां वि० [फा] 'नाज' -गर्ववाळु
ना जायज़ वि० [अ+फा] अनुचित
नाज़िम वि० [अ] प्रबंध करनार (२) पु० राज्यव्यवस्थापक (मुसलमान काळमां)
नाज़िर पु० [अ] कोर्टनो नाजर (२) निरीक्षक (३) भडवो

नाज़िरीन पु० [अ 'नाज़िर' नु ब०व०] प्रेक्षकगण (२) अणनार [अवतरनार
नाज़िल वि० [फा] नीच ऊतरनार-
नाज़ुक वि० [फा] नाजुक, कामळ (२) पातळु, बारीक (३) सूक्ष्म (४) घट कथळे के तूटे एवु (५) जोखमवाळु, ०दिमाग, ०मिज़ाज वि० जरामा चिडाई जाय एवु
ना-ज़ेब(-बा) वि० [फा] बेडाळ (२) अयोग्य
नाटक पु० [स] नाटक, रूपक –किया, –की पु० नट नाटक करनार –कीय वि० नाटक सबधी
नाटना अ०क्रि० प्रतिज्ञाभग थवु, फरी जवु (२) स०क्रि० ना पाडवी, कबूल ना करवु
नाटा वि० नीचु, गट्टु [अभिनय
नाट्य पु० [स] नटविद्या, नत्य अने
नाठना अ० क्रि० नासवु (२) जुओ 'नाँठना' (३) स०क्रि० नाश करवो
नाठा पु० वारस वगरनो माणस
नाड स्त्री० गरदन नाड
नाडा पु० नाडु (घाघरा इ०नु के लाल)
नाडी स्त्री०[स] शरीरनी नाडी(२)नळी
नात पु० (प) नातो सबध (२)सबधी
ना-तजरबाकार वि०[फा] बिनअनुभवी
नातमाम वि० [अ + फा] अधूरु अपूण
नातर (–रि,–रु) अ० (प) नहोतर *नहा ता नतर* [गमार
नातराश वि० [फा] असभ्य अनघड
नातवा वि०[फा] कमजोर अशक्त नात-वान वानी स्त्री० अशक्ति कमजोरी
नाता पु० नाता सबध के सगाई
नाताक्त वि० [फा] नातवान, ताकात वगरनु –ती स्त्री० कमजोरी
नातिका पु० [अ] वाचा
नाती पु० (स्त्री०नतिनी, नातिन) पुत्रनो के पुत्रीना पुत्र
नाते अ० सबधथी (२) माटे, वास्ते
नातेदार वि० सगु, सबधी
नाथ पु० [स] स्वामी, धणी, मालिक (२) स्त्री० ढारनी नाथ
नाथना स० क्रि० नाथवु
नाद पु० [स] ध्वनि, अवाज
नादाँ,-दान वि०[फा] नादान, अणसमजु –दानी स्त्री० अणसमज
नादार वि० [फा] गरीब, अकिंचन –री स्त्री० गरीबाई
नादिम वि० [अ] शरमिंदु लज्जित
नादिया पु० नदी पोठियो [उत्तम
नादिर वि० [फा] अद्भुत अद्वितीय,
नादिहद वि० [फा] (नाम, –दी स्त्री०) लेणु न देनार–न चूकवनार [स्वस्थ
ना दुरुस्त वि० [फा] ठीक नहि एवु अ
नाधना स० क्रि० (बळ, घडा) जोडवु, जोतरवु (२) शरू करवु
नान स्त्री० [फा] नान, रोटी
नानकीन पु०एक जातनु सुतराउ कापड
नान खताई स्त्री० [फा] नानखटाई
नानपाव स्त्री० पाउरोटी
नानबाई पु० [फा नानबा] नान–रोटी बनावी वेचनार
नाना पु० नानो, मातामह (२) [अ] फुदीना (३) अ० [स] नाना प्रकारनु (४) अनेक
नानिहाल पु०नाना नानीनु घर के स्थान
नानी स्त्री० नानी मातानी मा–दादी –याद आना, मर जाना=मातिया मरी जवा दु खमा के सकटमा फसावु

ना-नुकर पु० इन्कार, ना पाडवी ते
नाह, –हा त्रि० (प) नानु छाटु (२) वारीक, पातळु (३) क्षुद्र, हलकु
नाप पु० माप (२) मापवु ते के तेन परिमाण
नाप-जोख, नाप-तोल स्त्री० मापवु के जोखवु ते के तेनु परिमाण
नापना स० क्रि० मापवु
नापसंद वि० [फा] अप्रिय अणगमतु
नापाक वि० [फा] अपवित्र गंदु मेलु –की स्त्री० अपवित्रता
ना-पायदार वि० [फा] पाया वगरनु, अध्धर अस्थिर –री स्त्री०
नापास वि० नापास असफळ (२) अमान्य
नापित पु० [स] नापित वाळंद
नापैद वि० [फा] पेदा न थयलु (२) अलभ्य
नाफ स्त्री० [फा] नाभि
नाफरमा पु० [फा] नाफरमान आज्ञा न माननार –मानी स्त्री० न मानवु ते
नाफहम वि० [फा] नासमजु मूरख –मी स्त्री० नासमज मूर्खता
नाफा पु० [फा] कस्तूरी मगनी नाभिनी कस्तूरीनी थेली (२) वि० [अ] नफाकारक, लाभदायी
नाबदान पु०[फा] मोरी गटर
नाबालिग वि० [अ +फा] सगीर कमसिन
ना-बीना वि०[फा] अंध
ना बूद वि० [फा] नष्ट, नाबूद
नाभि,–भी स्त्री०[स] डूंटी (२) पैडानी नाभि (३) कस्तूरी
ना मंजूर वि० [फा] नाकबूल अस्वीकृत
नाम पु०[स] नाम (२) [फा] नामना, कीर्ति ०क वि० नामे (समासमां)
नाम-आवर वि०[फा] नामवर, प्रसिद्ध
नामए ऐमाल पु० [फा +अ] ऐमाल-नामा कारकिर्दी
नामक वि० [स] जुओ नाम मां
नामजद वि० [फा] प्रसिद्ध (२) नाम जेनु दाखल कराय के देवाय होय एवु (नाम ०गी स्त्री०)
नामदार वि०[फा] नामवर प्रसिद्ध
नामधराई स्त्री० बदनामी
नामधारी वि० [स] नामे नामक
नामधेय पु० [स] नाम
नामनिशान पु० [फा] चिह्न, पत्तो, ठेकाणु [जगत
नामरूप पु० [स] नाम अने रूप दृश्य
नामर्द वि० [फा] डरपोक बायलु (नाम –र्दी स्त्री०) [रनार
नामलेवा पु० वारस मरण पछी नाम
नामवर वि० [फा] प्रसिद्ध नामी (नाम –री स्त्री०)
नामशेष वि० [स] गत नष्ट मृत
नामहदूद वि० [फा] बेहद
नामांक, कित वि० [स] जेनी पर नाम लखायेलु के कोतरायलु होय तेवु
नामा पु० [फा] पत्र (२) ग्रंथ
ना माकूल वि० [फा +अ] अयोग्य
नामा निगार वि० [फा] खबरपत्री
ना मालूम वि० [फा] अज्ञात अजाण मालूम न होय एवु
नामी वि० [फा] नामीचु प्रसिद्ध,
नामी गिरामी वि० [फा] घणु प्रसिद्ध; नामांकित
ना मुनासिब वि०[फा] अयोग्य अघटित

ना मुआफिक वि० [फा] माफक ना आव एव प्रतिकूळ
नामुमकिन वि० [फा] असभव
ना-मुराद वि० [फा] निराश निष्फळ
नामूस स्त्री० [फा] इज्जत (२) शील, स्त्रीनु शियळ (३) लज्जा
नामूसी स्त्री० [फा] नामोशी, बेआबरू
ना मेहरबान वि० [फा] अकृपाळु, महर वगरनु
नामो निशान पु० [फा] नामनिशान
नामौजू वि० [फा] अयोग्य, गेरवाजवी
नायक पु० [स] नेता आगेवान सरदार (२) अधिपति, मुख्य (३) कथा, काव्य वगेरेनु मुख्य पात्र [नायिका
नायका स्त्री० वेश्याना मा, कूटणी (२)
नायन स्त्री० नाई स्त्री, वाळदण नाइन'
नायब पु० (२) वि० [अ] मददनीश, सहायक (नाम, ०त, –बी स्त्री०)
नायाब वि० [फा] अप्राप्य दुलभ (२) श्रेष्ठ
नायिका स्त्री० [स] मुख्य स्त्री-पात्र (२) युवती [नारगी रगनु
नारगी स्त्री० नारगी फळ (२) वि०
नारजी वि० [फा] नारगी रगनु
नार स्त्री० गरदन (२) नारी (३) वणकरनो काठलो (४) पु० नाळु (५) नाडु (६) [अ] अग्नि
नारा पु० नाडु (२) [अ] घाप पोकार (३) विजयघाष
नाराज वि० [फा] गुस्से थयेलु खफा (२) नाखुश (नाम ०गी स्त्री०) [हुक्को
नारियल पु० नारियेळ के काछलीनो
नारियली स्त्री० काछली के तेनो हुक्को
नारी वि० [अ] नार'–अग्नि सबधी (२) स्त्री० [स] नारी, स्त्री
नारू पु० नहरुआ', नारु
नाल स्त्री० [स] नाळ, दाडी के नळी, बदूकनी नाळ इ० (२) पु० बाळकनी नाळ (३) [अ] घाडाना नाळ (४) अ० (प) नजीक, पासे
नालकी स्त्री० पालखी [जडनार
नालबद पु० [फा] जोडा के घोडान नाळ
नालाँ वि० [फा] रोनार, रोईने फरियाद करतु (२) हरान, 'तग'
नाला पु० पाणीनु नाळु (२) [फा] रोककळ (३) शार बुमराण [अधम
नालायक वि० [फा] अयाग्य (२) नीच,
नालिश स्त्री० [फा] फरियाद
नाली स्त्री० नीक (२) मारी
नावँ पु० नाम
नाव स्त्री० होडी नाव
नावक पु० (प) नाविक (२) [फा] एक खास तीर
ना वक्त वि० [फा] कसमयनु
नावर, रि स्त्री० (प) नावडी, होडी
नावाकिफ वि० [फा] अजाण, (नाम, नावाकिफियत स्त्री०)
ना-वाजिब वि० [फा] गेरवाजबी अयोग्य
नाश स्त्री० [अ नअश] लाश, शब (२) ठाठडी
नाश पु० [स] नाश, सहार ०क, ०कारी वि० नाश करे एवु
नाशपाती स्त्री० [तु] नासपाती
नाशाद वि० [फा] दु खी नाराज (२) कमनसीब
नाश्ता पु० [फा] नास्तो, हाजरी
नास स्त्री० सूघीने लेवानी दवा (२) छीकणी
ना-सजा, ०वार वि० [फा] अनुचित

नासदार पु० छीकणीना उरी
नासमझ वि० (नाम, –झी स्त्री०) अणसमजु मूर्ख
नास(स)ह वि०[अ नासिह] नसिहत देनार, सलाहकार, उपदेशक
नासा, –सिका स्त्री० [स] नाक
नासाज वि०[फा] विरोधी प्रतिकूळ(२) बीमार (नाम –जी स्त्री०) [हराम
ना सिपास वि० [फा] कृतघ्न निमक
नासूर पु० [अ] नडानु छिद्र, जमाथी ऊडर्या पर नाचळथा करे,–एवा राग
नासेह वि० [अ] जुआ नासह'
नास्तिक वि० [स] ईश्वर इ०मा न माननार, अश्रद्धाळु [दुष्ट (३) नीच
नाहजार वि० [फा] बदचालनु (२)
नाह पु० (प) नाथ
नाहक वि० [फा] विना कारण नकामु
नाहमवार वि०[फा] असमान, ऊचुनीचु
नाहर पु० वाघ (२) सिंह
नाहरू पु० जुआ 'नारू'
नाहीं अ० नहि ना
निंदक पु० [स] निंदा करनार
निंदना स० क्रि० निंदवु निंदा करवी
निंदा स्त्री० [स] बदगाई, वगोवणी
निंदरिया स्त्री० (प) नीदर ऊघ
निंदासा वि० ऊघ भरायलु, 'उनीदा
निंबू पु० 'नीबू' लींबु
निंदित वि० [स] निंदायलु दूषित वूरु
निंद्य वि० [स] निंदाने पात्र, खराब
निंब पु० [स] लीमडा नीम'
नि शक वि०[स]शका के डरवगर वेशक
नि शेष वि० [स] पूरपूरु, बधुय
नि श्रेयस पु० [स] मोक्ष कल्याण
नि श्वास पु० [स] निश्वास, निसासो
नि सकोच वि० [स] वगर सकोच, बेधडक [नावारस
नि सतान वि० [स] सतानरहित,
नि सदेह, नि सशय वि० [स] नि शक, बेशक
नि सीम वि० [स] असीम बेहद, अपार
नि स्पृह वि० [स] निष्काम निर्लोभ
नि स्वार्थ वि० [स] स्वार्थ वगरनु
निअमत स्त्री० [अ०] जुआ निआमत
निअर अ० (प) पासे (२) वि० समान
निअराना अ० क्रि० (प) नजीक आववु
निआमत स्त्री० [अ] दुर्लभ के कीमती वस्तु (२) स्वादिष्ट भाजन (३) धन-दौलत सुख
निकदन पु० [स] नाश सहार खातमा'
निकट वि० [स] नजीकनु (२) अ० नजीक पास
निकम्मा,निकर्मा वि० नकामु(२)आळसु
निकर पु०[स] ढग, समूह (२) पु०, स्त्री० [इ] जाघिया, चड्डी
निकलना अ०क्रि० नीकळवु
निकलवाना स०क्रि०'निकालना'नु प्ररक
निकसना अ०क्रि० (प) नीकळवु
निकाई स्त्री० भलाई (२) सुदरता (३) जुआ 'निराई नीदामण
निकाज वि० नकामु (२) नवरु, काम विनानु
निकाना स०क्रि० जुओ 'निराना'
निकाब स्त्री० जुआ 'नकाब'
निकालना स०क्रि० (बहार) काढवु (२) निकाल करवो
निकाला पु० निकाल बहार काढवु ते
निकास पु० [स] निकाल (२) मूळ, ऊगम (३) नीकळवानु द्वार

निकासी स्त्री० रवानगी, जवु त (२) परदेशनी निकास (३) आय, लाभ, नफा (४) खपत उपाड
निकाह पु०[अ] निका लग्न –करना, पढ़ाना, बांधना = लग्न करवु
निकुंज पु० [स] लतामंडप
निकृष्ट वि०[स] तुच्छ हलकु, ऊतरतु
निकेत,०न पु०[स] स्थान धाम घर
निकौनी स्त्री० खेतरनीदवु त, नादामण
निक्षेप पु० [स] फकवु ते (२) छोडवु त (३) थापण न्यास
निखड वि० मध्य, बरोबर वचलु
निखट्टू वि० ठेकाणा वगरनु, रखडल (२) नकामु, आळसु
निखरना अ०क्रि० साफ थवु, नीखरावु
निखरी स्त्री० चोखडियात–घीनी रसाई
निखार पु० स्वच्छता सफाई (२) सजावट [साफ के पवित्र करवु
निखारना स०क्रि० निखारवु धावु
निखालिस वि० निखालस, शुद्ध
निखिल वि० [स] सघु, अखिल [घटवु
निखु(खू)टना अ०क्रि० (प) खूटवु
निखोट वि० खाटाई के दोष वगरनु (२) अ० बेलाशक विना सकोच
निगदना स०क्रि० गोदडा इ०मा दोरा नाखवा [नाखवा ते
निगदा पु० [फा] बखिया (२) दोरा
निगड स्त्री० [स] निगड, बेडी (२) हाथीना पगनी स कळ
निगम पु० [स] वद (२) माग (३) बजार (४) वेपार रोजगार –मागम पु० वेद वगरे शास्त्रो [जोनार
निगरा वि० [फा] निरीक्षक (२) राह
निगरानी स्त्री०[फा] देखरेख, निरीक्षण
निगल्ना स० क्रि० गळवु (२) गटाप करी जवु
निग(-गा)ह स्त्री० जुओ 'निगाह'
निग(-गा)हवान पु० [फा] देखरेख राखनार, रक्षक
निगार पु० [फा] चित्र (२) भरतकाम
निगाली स्त्री० हूकानी नह
निगाह स्त्री० [फा] नजर, दृष्टि (२) महेरबानी, कृपादृष्टि (३) ध्यान, देखरेख ०वान वि० जुओ 'निगहवान'
निगुरा वि० नगरु, गुरुमंत्र वगरनु
निगूढ वि० [स] गढ, अति गुप्त
निगोडा वि० अभागी अनाथ (२) नघराळ (३) दुष्ट
निग्रह पु० [स] राकवु, अटकाववु ते, दमन (२) बधन सजा
निघरघट वि० नहि घरनु के नहि घाटनु (२) निलज्ज –देना=निलज्ज थई खाटी सफाई करवी
निघरा वि० जुओ 'निगोडा'
निचय पु० [स] चय समूह (२) निश्चय
निचला वि० नीचल (२) निश्चल
निचाई स्त्री० नीचाण (२) नीचता
निचान स्त्री० नीचाण (२) ढाळ
निचिंत वि० निश्चित
निचुडना अ०क्रि० निचवावु
निचोड(–र) पु० निचोड सार, तात्पर्य
निचोड(–र)ना, निचोना स० क्रि० निचोववु
निचोल पु० [स] उपवस्त्र (२) ओढणी (२) घाघरा
निचौहा वि० नीचे नमेलु के करेल –ह अ० नीचे
निछक्का पु० एकात

निछावर स्त्री० माथे उतारीने दान कराती वस्तु (२) न्योछावर करेलु-बलिदान (काई उपर) –होना=(कोईने माटे) बलिदान थवु –मरवु
निछोह (–ही) वि० प्रेमरहित (२) निदय
निज (जी,०वा) वि० निज, पातानु (२) साचु यथाथ (३) खास, मुख्य निज करके=अवश्य जरूर
निजकारी स्त्री० भागमा खडाती जमीन
निजा पु० [अ] झघडो तकरार
निजाम पु० [अ] बदोबस्त (२) निझाम
निजी वि० जुओ 'निज'
निजु,–जू वि० (प) निज खास पातानु
निव्द अ० [फा] पासे (२) सामे
निथरना अ०क्रि० चुडाईने साफ थवु वधु खरी पडवु
निठल्ला (–ल्लू) वि० ठाल्, कामधधा वगरनु
निठाला पु० बेकारी नवराश ठालापणु
निठुर वि० निष्ठुर निदय
निठौर पु० बूरी जगा कथोल (२) दुदशा –पडना=हाल थवा
निडर वि० नीडर (२) साहसिक
निढाल वि० ढालु अगावत (२) उत्साहरहित मद [(२) ढाळ
नितब पु० [म] (स्त्रीना) कूलो थापो
नित अ० नित्य रोज सदा
नितराम अ० [म] सदा सवदा नक्की
नितात वि० [स] अतिशय खूब (२) बिल्कुल तद्दन
नित्य वि० [न] सनातन अमर (२) अ० सदा ०कम पु० राजना काम के तेना विधि ०प्रति, ०श अ० राज
नियरना अ०क्रि० नीतरवु
निथार पु० नितार, नीतरल साफ प्रवाही के नीतरीने नीचे बेसे ते
निथारना अ०क्रि० नितारवु
निदरना स०क्रि० (प) निरादर करवा
निदर्शन पु० [स] दृष्टात दाखलो (२) प्रदर्शन
निदाघ पु० [स] उनाळा (२) ताप
निदान पु० [म] कारण (२) रोगनु कारण के तेनी परख (३) अत, छेडा (४) वि० नीचेनु ढल्ली कोटिनु (५) अ० अते आखरे [चिंतन–ध्यान
निदिध्यासन पु० [म] निरतर ऊडु
निदेश पु० [म] आदेश आज्ञा
निद्रा स्त्री० [म] ऊघ ०लु वि० ऊघणशी –द्रित वि० ऊघेलु
निधडक अ० बेधडक
निधन पु० [स] अत मरण
निधन (–नी) वि० निधन
निधान पु० [स] आश्रय स्थान आधार (२) निधि भडार
निधि स्त्री० [स] भडार खजानो (२) समुद्र (३) कुबेरना नव रत्न (४) नवनी सख्या
निनरा वि० जुओ 'निनार'
निनाद पु० [स] नाद अवाज
निनानवे वि० नव्वाणु ९९ –के फेरमें आना या पडना=धननी धूनमा पडवु
निनार (–रा) वि० (प) निराळु जुदु अलग दूर
निनावा पु० मो के जीभ आवा जवी त तथी थता फोल्ला इ० (२) वि० जे वस्तुनु नाम लेवु खराब गणातु हाय ते ['ननिहाल'
निनौरा पु० नानीनु घर खडमाभाळ,

निन्ना(–न्या)नवे वि० जुओ 'निनानवे'
निपजना अ०क्रि० नीपजवु, उत्तन्न थवु
निपजी स्त्री० (प) नीपज (२) लाभ
निपट अ० नीपट, केवळ, बिल्कुल (२) खूब
निपटना अ०क्रि० जुओ 'निवटना'
निपटा(–टे)रा पु० जुओ 'निवटारा'
निपात पु० [स] पतन, पडती (२) मृत्यु, नाश
निपीडन पु०[स]पीडवु–दु खी करवु ते
निपुण, –न (प) वि० [स] प्रवीण, कुशळ चतुर [नि सतान
निपुत, निपूत(–ता) वि० अपुत्र,
निफरना अ०क्रि० आरपार नीकळवु (२) स्पष्ट थवु
निफल वि० (प) निष्फळ
निफाक पु [अ] विरोध (२) वेर (३) अणबनाव
निफोट वि० स्पष्ट, साफ शरत
निबध पु० [स] निबंध, लेख (२) बंधन
निबधन पु० [स] बंधन (२) व्यवस्था, प्रबंध, नियमन
निब स्त्री० [इ] अणियु (होल्डरनु)
निबकौरी स्त्री० लीबोळी 'निबौरी'
निबटना अ०क्रि० छूटवु (२) पूरु थवु (३) निवेडो आववो (४) परवारवु (जेम के शौचादि) [आणवा
निबटाना स०क्रि० पूरु करवु के निवेडो
निबटा(–टे)रा, निबटाव पु० समाप्ति (२) निवडा फेंसलो
निबरना अ०क्रि० ऊगरवु छूटवु, मुक्त थवु (२) पूरु थवु (३) ऊकलवु निवडा आववो
निबल वि० (प) निबळ
निबह पु० समूह
निबहना अ०क्रि० पार पामवु (२)नभवु
निबहुर वि० (प) ज्या गय पाछु नथी अवातु एवी (जगा–यमद्वार)
निबाह पु० निभाव, गुजारो [चलाववु
निबाहना स०क्रि० 'निभाना', नभाववु,
निबिड वि० [स] घन, गाच, घाडु
निबेड(–र)ना स०क्रि० छोडाववु (२) निवडा आणवा
निबेडा(–रा) पु० निवेडो, फेंसला (२) अन्त, पार (३) मुक्ति
निबौरी(–ली) स्त्री० लीबोळी
निभना अ०क्रि० नभवु (प्रेरक निभाना)
निभृत वि० [स] अचळ, स्थिर (२) एकांत शांत, निर्जन (३) गुप्त, सताडेलु (४) नम्र, धीर
निमत्रण पु० [स] नोतर [आमंत्रित
निमन्त्रित वि० [स] बोलावेलु, नोतरेलु,
निमकौडी स्त्री० जुओ 'निबकौरी'
निमग्न वि० [स] अदर डूबेलु, लीन मग्न तन्मय
निमज्जन पु० [स] डूबकु मारवु ते
निमाज स्त्री० नमाज, बदगी
निमाना वि० नीचु, ढळतु(२)नरम;भोळु
निमित्त पु० [स] कारण हेतु (२) चिह्न लक्षण (३) शुकन (४) अ० लीधे, माटे सारु [(२)पळ,क्षण
निमि(मे)ष पु०[स] आखनो पलकारो
निमीलन पु० [स] बिडावु के संकोचावु ते (२) पलकारो (२) मरण
निमेष पु० जुओ 'निमिष' [एक वानी
निमौना पु० लीला चणा के वटाणानी
निम्न वि० [स] नाचेनु नीचलु (२) नीचाणवाळु ०गा स्त्री० नदी

नियता पु० [प] नियामक –मण पु० नियमन काबू [निश्चित
नियत वि० [म] नक्की थयेलु के करेलु,
नियति स्त्री० [स] नियत थवु ते (२) भाग्य, नसीब [विधि
नियम पु० [म] नियम नियत व्यवस्था
नियमन पु० [म] नियममा राखवु ते काबू
नियमित वि०[म]नियमवाळु नियमबद्ध
नियर, नियराना जुओ निअर' 'निअराना'
नियाज स्त्री०[फा] इच्छा (२) आजीजी (३) कृपा (४) भेट –हासिल करना =मोटानी सेवामा हाजर थवु
नियाज नामा पु० [फा] कृपापत्र (कागळमा वपराय छे) [प्रबधक
नियामक पु० [म] नियममा राखनार
नियामत स्त्री० जुओ 'निआमत'
नियार पु०सोनीना दुकाननो पूजो कचरो
नियारा वि० न्यारु अलग
नियारिया पु० धूळधोयो
नियुक्त वि० [स] नीमलु (२) नक्की करेलु ठरावेलु –क्ति स्त्री०निमणूक
नियोग पु० [म] नियुक्त करवु ते (२) प्रेरवु ते आना
नियोजक पु० [म] नियुक्त करनार –न पु० नियुक्त करवु ते
निरकुश वि०[म]काबू बहारनु स्वच्छदी
निरतर वि० (२) अ० [म] सतत, लगातार (२) सदा
निरध वि० भारे अध (२) महामूख
निरभर वि० [म] अभण
निरख पु० जुओ 'निख'
निरखना स० क्रि० (प) नीरखवु जोवु
निरगुन वि० (प) निगुण, गुणातीत (२) दुगणी [निणय
निरजोस पु० [म निर्यास] निचोड (२)
निरधार पु०(प) नक्की ठराव निश्चय ०ना स० क्रि० निरधारवु
निरना, –न, –न्ना वि० नयणा कोठावाळु उपवासी
निरपना त्रि० (प) परायु
निरपराध वि० [म] निर्दोष बेगुना
निरपवाद वि० [म] अपवाद रहित (२) निर्दोष [अलग तटस्थ
निरपेक्ष वि० [म] नि स्पृह (२) स्वतत्र,
निरम(-मा)ना स० क्रि० (प) निर्माण करवु बनाववु रचवु
निरमोल, –लिक वि० (प) अमूल्य
निरथक वि० [म] नकामु
निरवद्य वि० [म] अनिंद्य निर्दोष
निरवधि वि० [स] अमर्याद, अपार
निरवयव वि० [स] निराकार (२) अवयव विनानु [उकेल फसलो
निरवार पु० छुटकारो (२) बचाव (३)
निरस वि० [म] नीरस रस विनानु
निरसन पु० [म] दूर करवु के फेकवु ते (२) उकेल निराकरण (३) नाश
निरहकार,निरहम् वि०[स]निरभिमानी, अहकाररहित नम्र
निरा वि० (स्त्री०–री)शुद्ध, केवळ नर्यु
निराई स्त्री० नीदामण
निराकरण पु० [स] उकेल फेंसलो (२) खडन, निरसन [ईश्वर ब्रह्म
निराकार वि० [स] निराकार (२) पु०
निरादर पु० [म] अनादर अपमान
निराधार वि० [म] आधार विनानु (२) पाया विनानु अध्धर

निराना स० क्रि० नींदवु 'निपाना'
निरापद वि० [स] आपत्ति के पीडा विनानु निर्विघ्न सुरक्षित [परायु
निरापन वि० (प) जुओ 'निरपना',
निरामय वि० [स] नीरोग तंदुरस्त
निरामिष वि० [स] मांस रहित (२) शाकाहारी
निराला पु० एकांत जगा (२) वि० एकांत (३) निराळु (४) अजोड,उत्तम
निराश वि० [स] निराश नाउमेद –शी,–स वि०(प)निराश –शा स्त्री०
निराहार वि० [स] उपवासी भूख्यु
निरिंद्रिय वि० [स] इंद्रिय वगरनु
निरिच्छ वि०[स]इच्छा रहित, निस्पृह
निरीक्षक पु० [स] निरीक्षण – देखरेख राखनार
निरीक्षण पु० [स] देखरेख तपास
निरीह वि०[स]निरिच्छ(२)उदासीन शांत
निरुत्तर वि० [स] उत्तर वगरनु, उत्तर न आपी शकाय एवु (२) उत्तर न आपी शकनारु, चूप थयलु
निरुद्ध वि० [स] रोकेलु बाधलु
निरुपयोगी वि०[स]नकामु खप वगरनु
निरुपाय वि०[स]लाचार, उपाय वगरनु
निरूपण पु० [स] स्पष्ट रजू करवु ते वर्णन (२) अवलोकन तपास
निरोग, –गी वि० नीरोगी तंदुरस्त
निरोध पु०[स]रोकवु ते, प्रतिबंध निग्रह
निर्ख पु० [फा] भाव दर [करवो ते
निर्खबंदी स्त्री० [फा] भाव नक्की
निर्गंध वि० [स] गंध वगरनु
निर्गम पु० [स] बहार जवु ते निकास
निर्गुण वि० [स] गुणातीत (२) खराब दुर्गुणी –णिया पु० निर्गुण ब्रह्मना उपासक
निर्जन वि० [स] एकान्त, सूनु
निर्जल वि० [स] निर्जळ, पाणी विनानु
निर्जीव वि० [स] अचेतन, जीव वगरनु
निर्झर पु० [स] झरो
निर्णय पु० [स] निश्चय, ठराव, फेंसलो
निर्णायक वि० [स] निर्णय करनारु
निर्णीत वि० [स] नक्की नियत
निर्दय वि० [स] क्रूर, दयाहीन
निर्दिष्ट वि० [स] नक्की, निश्चित बतावलु [बतावबु ते, वर्णन
निर्देश पु० [स] आज्ञा (२) उल्लेख
निर्दोष वि० [स] दोषरहित बेकसूर
निर्धन वि० [स] गरीब, अकिंचन
निर्धार पु० [स] निरधार, निश्चय ०ना स०क्रि० निरधारवु –रित वि० नक्की थयेलु के करेलु
निर्बल वि० [स] निबळ, नबळु
निर्बुद्धि वि० [स] मूर्ख, बुद्धि वगरनु
निर्बोध वि० [स] अजान अणसमजु
निर्भय वि० [स] नीडर
निर्भर वि० [स] भरपूर, भरेलु (२) आश्रित अवलंबित
निर्भीक वि० [स] नीडर
निर्भ्रम वि० [स] भ्रमरहित, निश्चित (२) अ० बेलाशक बिना संकोच
निर्भ्रांत वि० [स] भ्रम के संशय विनानु
निर्मम वि० [स] ममता वगरनु
निर्मल वि० [स] निर्मळ, स्वच्छ (२) पवित्र, निष्कलंक
निर्मली स्त्री० अरीठीनु झाड के अरीठु
निर्माण पु० [स] रचना बनाववु ते
निर्माल्य पु० [स] देवने चडावेली वस्तु

निर्मित वि० [स] निर्माण थयेलु के करेलु
निर्मूल वि० [स] निमूळ, मूळ के आधार विनानु
निर्मोक पु० [स] सापनी कांचळी (२) चामडी
निर्मोह(–ही) वि० [स] मोहरहित
निर्यात पु० [स] निकास थता माल
निर्यातन पु० [स] बदलो प्रतिकार
निर्यास पु० [स] वनस्पतिमांथी झरता के काढाता रस (२) गुंदर
निर्लज्ज वि० [स] बेशरम लाज वगरनु
निर्लिप्त वि० [स] लेपाया वगरनु अनासक्त
निर्वंश वि० [स] नि संतान उच्छेदियु
निर्वाचक पु०[स] चूंटनार मताधिकारी मतदार
निर्वाचन पु० [स] चूंटणी [जावक
निर्वाचित वि० [स] चूंटायेल चूंटणीमा
निर्वाण पु०[स] मुक्ति (२)अंत समाप्ति
निर्वासन पु० [स] देशनिकाल (२) नाश वध
निर्वाह पु० [स] निवाह गुजारो (२) टकवु–नभवु ते निभाव (३) पालन (४) समाप्ति
निर्विकार वि० [स] विकाररहित
निर्विघ्न वि० (२) अ०[स] विघ्न विनानु के विना
निर्विवाद वि० [स] बिनतकरारी
निर्वीर्य वि० [स] वीरता के बल वगरनु निस्तेज
निर्वैर वि० [स] वेररहित
निर्व्याज वि० [स] सरळ निष्कपट
निलज,–ज्ज वि० (प) निलज्ज ०ई, ०ता स्त्री० (प)निलज्जता –जी वि० स्त्री० बदारम (स्त्री)
निलय पु० [स] स्थान (२) रहेठाण घर
निलाम पु० नीलाम, लिलाम, हराजी
निलहा वि० नीलनु – गळी साथ संबंधवाळु
निवर्तन पु० [स] निवारण (२) पाछु जवु ते
निवह पु० [स] समूह जुथ
निवाज वि० नवाज़ कृपाळु
निवाजना स० क्रि० निवाजवु कृपा करवी
निवाजिश स्त्री० कृपा दया
निवाड(–र) स्त्री० खाटलानी पाटी (२) कूवानु चक्कर जमवट
निवाडा स्त्री० एक नानी होडी
निवार स्त्री० जुओ निवाड (२) कूवानु चक्कर (३)पु० [स] मारिया जवु एक धान
निवारक वि० [स] निवारण करनार –ण,–न पु०रोकवु के दूर करवु ते (२) छुटकारो –ना स० क्रि० (प) निवारवु
निवाला पु० जुओ नवाला कोळियो
निवास पु० [स] रहेठाण (२) घर –सी वि० रहवासी [बूचु
निविड वि०[स] घन गाढ घाडु (२)
निविष्ट वि० [स] एकाग्र (२) अंदर पठेलु के स्थिर थयेलु प्रविष्ट
निवृत्त वि० [स] छूटु के फारेग थयेलु (२) मुक्त –त्ति स्त्री० छुटकारो मुक्ति
निवेदक वि० [स] निवेदन के विनंति करनार [(२) समर्पण
निवेदन पु० [स] विनती नम्र रजूआत
निवेश पु० [स] पडाव डेरो (२) घर (३) विवाह
निशंक वि० नि शंक नीडर
निशा स्त्री० [स] रात
निशस्त स्त्री० [फा] बेठक

निशा स्त्री० [स] रात्रि ०**कर** पु० चद्र ०**चर** पु० राक्षस (२) शियाळ (३) भूतप्रेत (४) चार
निशाखातिर स्त्री० सतोष, निरात
निशात वि० [स] धार काढेलु, तीक्ष्ण (२) स्त्री० [अ] आनद, सुख, खुशी
निशान पु० [फा] चिह्न (२) वावटो (३) लक्ष्य ताकवानु नेम – एधाण
निशानची पु०[फा] निशान–झडो लई चालनार, झडाधारी
निशान देही, दिही स्त्री०[फा] माणसनी निशानी आपवी–ओळखाववु ते के तेनी परेड
निशान-पट्टी स्त्री० चहेरा वगेरेनी ओळख के तेनो निशानीओ
निशान-बरदार पु० [फा] निशानची
निशाना पु० [फा] ताकवानु निशान, एधाण **–बाधना, –साधना**=निशान ताक्वु **–मारना, –लगाना**=निशान वींधवु
निशानी स्त्री० याद राखवानु चिह्न स्मारक (२) चिह्न निशान
निशास्ता पु० [फा] घउ पलाळी तेने वाटीने करातो एक वानी
निशित वि०[म] धारदार तेज, तीक्ष्ण
निशिदिन, निशिवासर अ०[स] रात-दिवस हमेश
निशीथ पु०, **–थिनी** स्त्री० [स] रात
निश्चय पु० [म] ठराव, निर्णय (२) दृढ विचार के सकल्प
निश्चल वि० [स] अचळ स्थिर
निश्चित वि०[स] चिंता रहित बेफिकर
निश्चित वि० [म] नक्की थयलु के करलु
निश्चेष्ट वि०[स] चेष्टारहित, बेहोश, अचेत (२) स्थिर, निश्चल [कल्याण
निश्रेयस पु० नि श्रेयस, मोक्ष, परम
निश्वास पु०[स] श्वास बहार काढवो ते, निसासो [चोक्स
निश्शक वि० [स] नक्की शकारहित,
निश्शेष वि०[म] पूरेपूरु, काई बाकी रह्या विनानु [तलवार
निषग पु० [स] तीरनो भाथो (२)
निषाद पु० [स] भील के माछी जवी एक प्राचीन जाति (२) 'नी' स्वर
निषिद्ध वि० [म] मना करायेलु (२) खराब दूषित
निषेध पु० [स] मनाई, बाधा (२) इन्कार, ना पाडवी ते [दिल्नु
निष्कपट वि० [स] कपटरहित, साचा
निष्कर्ष पु० [स] निचोड, सार
निष्कलक वि०[स] कलकरहित, शुद्ध
निष्काम वि० [म] कामनारहित, अनासक्त [व्यर्थ नकामु
निष्कारण वि० (२) अ०[स] अकारण,
निष्क्रिय वि०[स] क्रियारहित, निश्चेष्ट
निष्ठा स्त्री०[स] श्रद्धा, विश्वास (२) वफादारी (३) स्थिरता निश्चय
निष्ठुर वि०[स] कडक, कठोर (२) क्रूर
निष्णात वि० [स] प्रवीण पारगत
निष्पक्ष वि० [स] पक्षरहित, तटस्थ
निष्पत्ति स्त्री०[स] अत, समाप्ति (२) सिद्धि परिणाम [फलरूप
निष्पन्न वि० [स] समाप्त–पूरु थयलु,
निष्पाप वि० [स] पापरहित
निष्प्रभ वि० [स] निस्तेज
निष्प्रयोजन वि०[स] प्रयोजन विनानु हेतुरहित (२) व्यर्थ नकामु

निष्प्राण वि० [स] प्राणरहित, बळ व जोर वगरनु
निष्फल वि० [स] निष्फळ व्यर्थ
निसवत स्त्री०[अ] निस्बत संबंध (२) विवाहनी वात, सगाई (३) तुलना
निसवती वि० संबंधी
निसवती भाई पु० बनेवी के साळो
निसर्ग पु० [स] स्वभाव प्रकृति (२) कुदरत सृष्टि (३) दान [स्त्राओ
निसवाँ स्त्री० [अ निसा नु व० व०]
निसाँ(-सा)स पु० (प) निसासो श्वास उच्छ्वास
निसा स्त्री० (प) निशा रात्रि (२) संतोष तृप्ति (३) पु० नशो
निसाब पु० [फा] पूंजी मूडी (२) अभ्यासक्रम
निसार पु०[अ] जुओ 'निछावर (२) न्याओवर (३) वि० निःसार
निसास पु० (प) निसासो (वि०-सी)
निसोठो वि० निःसत्त्व नीरस
निसे(-स)नी स्त्री० निसरणी
निसोत वि० (प) शुद्ध
निस्तत्त्व वि० [स] तत्त्व वगरनु
निस्तब्ध वि०[स] साव स्तब्ध स्थिर
निस्तार पु०[स] पार ऊतरवु ते (२) उद्धार मोक्ष [मुक्त
निस्तीर्ण वि० [स] पार ऊतरेलु (२)
निस्तेज वि० [स] तेज वगरनु फीकु
निस्पंद वि० [स] स्पंदरहित स्थिर, अचल [वगरनु
निस्पृह वि० [स] स्पृहा-लोभलालच
निस्फ वि० [अ] अरधु
निस्फानिस्फ वि० [फा] अरधोअरध
निस्बत स्त्री० [अ] जुओ 'निसबत'
निस्संदेह वि०[स] संदेह वगरनु नक्की
निस्सार वि०[स] सार वगरनु निःसत्त्व
निस्सीम वि० [स] असीम अपार
निस्स्वार्थ वि० [स] स्वार्थरहित
निहंग वि० निःसंग एकाकी (२)एकल, नमारमूडु (३) पु० [फा] मगर ग्राह -लाडला वि० मावापना लाडथी वगडेलु (छोकरु)
निहत वि० [स] नष्ट हणायेलु
निहत्था वि० शस्त्रहीन (२) गरीब
निहाँ वि० [फा] छूपु गुप्त
निहाई स्त्री० निहाउ पु० एरण
निहायत वि० [अ] खूब बेहद अत्यंत
निहार पु० [स] आस झाकळ
निहारना स०क्रि० (प) निहाळवु
निहाल वि० [फा] न्याल, कृतकृत्य
निहाली स्त्री० [फा] गादी (२) निहाई
निहित वि०[स] राखेलु स्थापेलु(२)छूपु
निहोरना स०क्रि० (प) वीनववु (२) मनाववु (३) कृतज्ञ थवु
निहोरा पु० (प) उपकार (२)विनंति (३) आशरो भरोसो
नींद, ०डी(-री) (प) स्त्री० निद्रा ऊंघ -उचटना, -खुलना, -टूटना = ऊंघ ऊडी जवी जागवु -पडना = ऊंघ आववी -लेना = सूवु, ऊंघवु
नींदना स० क्रि० नींदवु (२) निंदवु निंदा करवी
नीक(-का), नीको [फा] वि० भलु, अच्छु (२) सुंदर
नीके अ० ठीक रीते बरोबर
नीकोई स्त्री० [फा]भलाई(२)सुंदरता
नीग्रो पु० [इ] हबसी
नीच वि० [स] नीचु, अधम, हलकट

नीचा वि० (वि० स्त्री० -ची) नीचु, ढळतु ०ई स्त्री० नीचाण -खाना= नीचु जावु-नीचु पडवु, हारवु, शरमावु -दिखाना=नीचु नमाववु हरावव मानभग करवु नीचु जावडाववु -देखना=जुओ 'नीचा खाना'

नीचा ऊँचा वि० ऊचुनीचु(२)सारुनरसु (३) सुखदुःख (४) लीलीसूकी

नीचू वि० चूतु न होय एवु (२) नीचु

नीचे अ० नीचे 'ऊपर' थी ऊलटु

नीज अ० [फा] उपरातमा पण, वळी

नीठि स्त्री० अरुचि, अनिच्छा (२)अ० जेम तेम करीने मुश्केलीथी

नीड पु० [स] पक्षीनो माळो

नीति स्त्री०[स]ढग रीत (२) आचार के वतननो नियम न्याय कायदो

नीपजना अ०क्रि०(प)नीपजवु, पदा थवु

नीबी स्त्री०(प)नीवी नाडु केडनो वध

नीबू पु० लीबु के लीबाई

नीबू निचोड वि० भारे कजूस

नीम पु० लीमडो (२) वि० [फा] जडधु

नीमचा पु० [फा] खाडु, कटार

नीम जाँ वि० [फा] अधमूउ, मृतप्राय

नीमटर वि० अधकचरु

नीम रजा वि० थोडी-अर्धी रजा

नीम रोज पु० [फा] बपोर

नीम(-मा)स्तीन स्त्री० नीचे पहेरवानु अर्धी बायनु एक कुरतु के बडी

नीम हकीम पु०[फा] अधकचरो वद्य हकाम

नीमा पु०[फा] नीमो-एक पहेरवश

नीमास्तीन स्त्री० जुआ 'नीमस्तीन

नीयत स्त्री०[अ]नयत, भावना दानत

नीर पु०[स]पाणी(२)फोल्ला इ०माथी नीकळतु प्रवाही ०ज पु० कमळ (२) मोती [वगरनु

नीरद पु० [स] वादळ (२) वि० दात

नीरस वि०[स] रस वगरनु फीकु (२) पु० दाडम

नीरोग वि० [स] नीरोगी, तदुरस्त

नील वि०[स] गळीना रगनु नीलु (२) पु० गळीनो छोड (३) भूरा-काळा रगनु चकामु-सोळु [पक्षी

नीलकठ प०[स] शिव(२) मोर(३)चास

नीलम पु० [फा] नीलमणि पु० [स] लीलम रत्न

नीला वि० नीला रगनु

नीला थोथा पु०[स नालतुत्थ] मोरथुथु

नीलाम पु० लिलाम

नीलाम्बुज, नीलोत्पल [स], **नीलोफर** पु० [फा] नील कमळ

नीवँ, नीव स्त्री० पायो -जमाना, डालना या देना = पायो नाखवो

नीवि,-वी स्त्री०[स] नाडु (२) कमरना बधनी गाठ (३) मूडी मुद्दल

नीहार पु० [स] जुओ 'निहार'

नुक़ता पु० [अ] टपकु, बिंदु, नुक्तो

नुक्ता पु०[अ] सूक्ष्म वात (२) दोष (३) रहस्य ०चीं वि० नुक्तेचीन दोष शाधनार छिद्र जोनार ०चीनी स्त्री० [फा] नुक्तचीनी [सफेद रग

नुकरा पु० [अ] चादी (२) घोडानो

नुक़्ल पु० जुओ 'नुक्ल'

नुक़सान पु०[अ] नुकसान कमी, खोट घट -भरना = नुकसान भरी आपवु

नुकीला वि० नाकदार अणीदार (२) सुदर

नुक्कड पु० अणी (२) खूणो नीकळेलो हाथ ते, ढको
नुक्का पु० 'नोक', नोख, अणी नीकळतो छेडो ०टोपी स्त्री० पातळी नोखवाळी एक जातनी टोपी
नुक्ल पु० [अ] एक जातनी मीठाई (२) नशा पर खावानु ते (३) नास्तो
नुक्स पु० [अ] दोष, ऊणप
नुचना अ०क्रि० ऊखडवु (२) उझरडावु (प्रेरक–नुचवाना)
नुजूम पु० [अ] नजूम ज्योतिष
नुजूमी पु० [अ] नजूमी जोशी
नुतफा, नुत्फा पु० [अ] वीर्य (२) औलाद –ठहरना=गर्भ रहेवो
नुनख(–खा)रा वि० मीठावाळु 'नमकीन
नुनना स०क्रि० लणवु कापणी करवी
नुनेरा पु० जुओ 'नोनिया'
नुमा वि० [फा] देखातु', दर्शक' के 'समान' अर्थमा समासमा उदा० 'खुश नुमा'
नुमाइंदा पु० [फा] प्रतिनिधि –दगी स्त्री० प्रतिनिधित्व
नुमाइश स्त्री० [फा] प्रदर्शन (२) सजावट ठाठमाठ [खाली देखावडु
नुमाइशी वि० [फा] दखाडा पूरतु
नुमाई स्त्री० [फा] दखाडवु ते
नुमाया वि० [फा] जाहेर, प्रत्यक्ष
नुसखा पु० [अ] नुसखो –बाधना= नुसखा प्रमाणे दवा आपवी
नूतन वि० [स] नवु (२) ताजु (३) अनोखु
नून पु० लूण मीठु –तेल =मीठु मरचु वगेरे घरना सामान
नूपुर पु० [स] झाझर
नूर पु० [अ] तेज प्रकाश काति ०का तडका पु० प्रात काळ ०चश्म पु० प्यारा पुत्र ०चश्मी स्त्री० प्यारी पुत्री ०बाफ पु० वणकर
नूरानी वि० [अ] नूरवाळु चमकदार (२) सुदर [एक पगबर
नूह पु० [अ] (बाईबलमा वतावला)
नृ पु० [स] नर माणस
नृत्य पु० [स] नाच
नृदेव पु० [स] ब्राह्मण २) राजा
नृप, ०ति, –पाल पु० [स] राजा
नृशंस वि० [स] दुष्ट क्रूर निर्दय
नेअमत स्त्री० [अ] जुओ 'निआमत'
नेई(–ई) स्त्री० नीव, पायो
नेक वि० [फा] नेक भलु शिष्ट (२) अ० थोडु जरा
नेकचलन वि० सदाचारी (नाम, –नी स्त्री० सदाचार)
नेकनाम वि० [फा] प्रसिद्ध प्रख्यात (नाम, –मी स्त्री०)
नेकनिहाद वि० [फा] सुशील चारित्रवान
नेकनीयत [फा] वि० नेक नयतवाळु, उच्चाशयी (नाम, –ती स्त्री०)
नेकवख्त वि० [फा] नसीबदार (२) सुशील (नाम –ख्ती स्त्री०)
नेकी स्त्री० भलाई सज्जनता (२) उपकार, हित ०बदी स्त्री० भलु-बूरु हितअहित –और पूछ पूछ? =भलु करवामा पूछवु नु?
नेग पु० लग्न के उत्सवने अगे सबधीओ तथा नोकरोने अपातु दापु के लागो
नेगचार, नेगजोग पु० 'नेग'नो रिवाज
नेगी पु० 'नेग' नु हकदार
नेगीजोगी पु० 'नेगी' वसवाया

नेजा, [फा] नेजाल पु० (प) नेजो, भालो (२) नेजु, निशान ०बरदार पु० भालावाळो के राजानो निशानची
नेडे(-रे) अ० (प) नजीक, पासे
नेत पु० निरधार, ठराव (२) सकल्प (३) स्त्री० नैयत
नेता पु० [स] नायक, आगवान
नेती स्त्री० वलोणानु नेतरु
नेत्र पु० [स] आख (२) नतरु
नेनुआ(-वा) पु० एक शाक-गलकु
नेपथ्य पु०[स] वेशभूषा (२) रगभूमिनो पाछळनो भाग [परावबानो
नेफा पु०[फा] लेंघो इ०नो नेफो-नाडु
नेम पु० नियम (२) रिवाज (३) धर्मक्रिया
नेमत स्त्री० जुओ 'निआमत'
नेमधरम पु० पूजापाठ इ० धर्मविधि
नेमि स्त्री०[स] पडानो घेराव परिघ (२) कूआना काठो (३) काठो किनारो
नेमी वि० नेमथी रहेनार नियम पाळनार ०धरमी वि० पूजापाठ वगेरे नियमथी करनार 'नेमधरम'वाळु
नेरा, नेरे अ० (प) नेरु, पासे 'नियर'
नेवग पु० (प) 'नेग', दस्तूर, रिवाज
नेवज पु० नवद्य, भोग
नेवत(ता) पु० 'न्योता', नोतरु
नेवतना स०क्रि० नोतरवु
नेवर पु० नूपुर (२) वि० खराब बूरु (३) स्त्री० घोडाना बे पग अथडाईने वागवु ते
नेवला पु० नोळियो
नेवाज वि० जुओ 'निवाज' [(३) डख
नेश पु० [फा] नोक अणी (२) काटो,
नेशकर पु० [फा] शेरडी
नेश्तर पु० [फा] नस्तर

नेस्त वि० [फा] अस्तित्व वगरनु ०नाबूद वि० नष्टभ्रष्ट, खेदानमेदान
नेस्ती स्त्री० [फा] न होवु त अभाव (२) आळस (३) नाश [तल घी इ०
नेह पु० (प) स्नेह प्रम (२) चीकट
न स्त्री० [फा] वासनी नळी के वासळी (२) हूकानी नेह
नै स्त्री० (प) नदी (२) नीति, नय
नैचा पु० [फा] नैचो, हूकानो मेर ०बद पु० नैचो बनावनार ०बदी स्त्री० तेनु काम
नैतिक वि० [स] नीति सबधी
नैन पु० (प) नयन
नैनसुक(-ख) पु० नेनसूक कपडु
ननू पु० 'नयनू' माखण
नपुण्य पु० [स] निपुणता, कुशळता
नमित्तिक वि० [स] निमित्तने लईने थतु के करातु खास विशेष
नयर पु० [अ] खूब चळकतो तारो
नयरे-असगर पु० [अ] चद्रमा
नैयरे-आजम पु० [अ] सूर्य
नैया स्त्री० (प) नाव, होडी
नैयायिक पु० [स] न्यायशास्त्री
नरग पु०, नरगी स्त्री०[फा] चालबाजी (२) जादु -ए-जमाना = जमानानो पलटो समयनो खेल, पलटो के जादु
नैराश्य पु० [स] निराशा
नैऋत, -त्य वि० [स] नऋत्य कोण सबधी -ती स्त्री० नऋत्य खूणो के दिशा
नवेद्य पु० [स] (देवनो) नवेद
न-शकर स्त्री० [फा] शरडी
नष्ठिक वि० [स] निष्ठावाळु
नसर्गिक वि० [स] कुदरती, प्राकृतिक

नसा वि० (प) 'अनस', अनिष्ट खराब
नहर पु० पियर [पग बाधवानो रसी
नोइनी, नोई स्त्री० दाहता वसते गायना
नोक स्त्री० [फा] नाक छडा अणी
०झोक स्त्री० ठाठमाठ सजावट (२) व्यग कटाक्ष (३) छडछाड ०दार वि० नाकवाळु अणीदार (२) शानदार ०पलक स्त्री० चहेरानी सजावट ०पान पु० जाडाना रूपरग तथा मजबती इ० —कानाकी स्त्री० जुओ 'नाक्झोक' —की लेना = छाटव वेडशी हाकवी —दुम भागना = जीव लईने नासवु —वनाना = सजावट करवी, सजवु —रह जाना = आबरू रहेवी [खेंची क झूटवी लेवु त
नोच स्त्री० छीनवी के उखाडी या
नोच-खसोट स्त्री० छानवी के झूटवी लेवु ते लूट
नोचना स०क्रि० उखाडी नाखवु (२) उझरडवु (३) झूटवी लेवु
नोट पु० [इ] रुपियानी नोट (२) चिठ्ठी (३) नोध टीपणी
नोटिस स्त्री० [इ] सूचना जाहेरात
नोन पु० लूण, 'नून' ०चा पु० अथाणु (प्राय केरीनु) (२) खारी जमीन
नोना पु० लूणो (२) वि० खारु (३) सुदर सलूणु
नोनिया पु० खारी माटीमाथी मीठु बनावनार (२) स्त्री० लूणीनी भाजी
नोनी स्त्री० लूणीनी भाजी (२) खारी —लूणी माटी (३) वि० स्त्री० जुओ 'नोना'
नौ वि० नव ९ (२) [फा] नवु (३) स्त्री० [अ] रीत, प्रकार (४) [स] नौका —दो ग्यारह होना = अगियारा गणी जवु
नौकर पु० [फा] (स्त्री० —रानी) नोकर सेवक ०शाही स्त्री० सरकारी नोकरोना दोरवाळु राज्यतत्र —री स्त्री० नोकरी सेवा चाकरी —रीपेशा पु० नोकरियात माणस
नौका स्त्री० [स] होडी
नौज अ० न करे नारायण —ए अधमा थपराय छे [—नी स्त्री०)
नौजवान वि० [फा] नवयुवक (नाम
नौजी स्त्री० लीची
नौता वि० नवु नौतम (२) पु० 'योता'
नौना अ०क्रि० 'नवना' नमवु
नौ निहाल पु० [फा] नवो ऊगतो छोड (२) नवजुवान
नौबत स्त्री० [फा] नोबत (२) वारी प्रसग (३) दशा —आना = दशा आववी —गुजरना = वखत वीतवो के माको जतो रहेवो —झडना = नोबत वागवी —बजना = आनदउत्सव थवो (२) प्रताप के दोरनो डको वागवो ०खाना पु० टकोरखानु —ती, —तीदार पु० चाकीदार द्वारपाळ (२) नोबतवाळो
नौ-बरार पु० [फा] नदी हठवाथी मळती नवी जमीन, जे उपर पहेलु महेसूल लागे
नौमी स्त्री० नोम नवमी
नौरोज पु० [फा] नवराज पारसी वेसतु वर्ष (२) तहेवार
नौलखा पु० नवलख खूब कीमती
नौशा पु० [फा] नोशाह, वरराजा —शी स्त्री० नववधू
नौसत पु० जुओ 'नवसप्त', सोळ शृगार
नौसरा पु० नवसर हार

नौसरिया वि० धूत, चालबाज
नौसादर पु०[फा नौशादर]नवसार,खार
नौसिख(-खिया,-खुआ)वि० शिखाउ, काचु नवुसवु
नौसेना स्त्री० [स] नौकासैन्य
नौहा पु०[अ] 'मातम', मरणना शोक
न्यग्रोध पु०[स] वड के शमीनु झाड
न्यस्त वि० [स] छोडलु (२) न्यास करेलु, अनामत राखेलु
न्याति स्त्री० (प) ज्ञाति, जात, नात
न्यामत स्त्री० जुओ 'निआमत'
न्याय पु०[स] इनसाफ (२) न्यायशास्त्र (३)नीति कायदो (४) धडारूप दृष्टात
न्यायाधीश पु०[स] जज न्याय करनार
न्यायालय पु० [स] अदालत, कचेरी
न्यायी वि० [स] न्यायथी वर्तनार
न्याय्य वि० [स] न्यायी, न्याययुक्त
न्यारा वि० न्यारु जुदु (२) दूरनु (३) अनोखु निराळु
न्यारिया पु० जुओ 'नियारिया
न्यारे अ० न्यारु, अलग, दूर
न्याव पु० न्यायी वात (२) न्याय
न्यास पु० [स] थापण, ट्रस्ट, अनामत (२) त्याग
न्यून वि० [स] कम, बाकी, खूटतु (२) नीच, हल्कु
न्योछावर स्त्री० जुओ 'निछावर', न्योछावर करवु के थवु ते
न्योतना स०क्रि० नोतरवु [भोजन
न्योतनी स्त्री० मगळ प्रसग करातु
न्योतहरी पु० नोतरे आवेल, आमन्त्रित माणस
न्योता पु० नोतरु (२) चाल्लो (३) मिजबानी, भोजन
न्योला पु० 'नवला', नोळियो
न्योली स्त्री० हठयोगनी नौलीनी क्रिया
न्हान पु० (प) स्नान -ना अ०क्रि० (प) नाहवु

प

पक पु० [स] कादव ०ज पु० कमळ -किल वि० कीचडवाळु
पक्ति स्त्री० [स] लीटी(२)हार,पगत
पख पु० पास (२) पीछु -जमना= वहेकवु वठव -लगना=पाखो आववी पक्षी जम वेगवान थवु
पँख(-खु)डी स्त्री० पाखडी
पखा पु० पखो वीजणा -करना= पखो नाखवो ०कुली पु० पखो खेंचनार के नाखनार माणस
पखी पु० पक्षी (२) पतगियु(३)स्त्री० नानो पखो
पँखुडा पु० खभा ने हाथनो साधो, पाणोठु (?)
पँखुडी स्त्री० फूलनी पाखडी
पँखेरू पु० पखरु, पक्षी [(२) अपग
पग, पगा, पगु [स] वि० पगु लगडु,
पगत(ति) स्त्री० पक्ति(२)जमणवार के तेनी पगत, धाल (३) सभा
पगा,-गु वि० जुओ 'पग' -गुल वि० पगु लगडु
पच वि० [स]पाच(२)पु० पच, लवाद
पचक पु० [स] पाचनो समूह (२) पाच अशुभ नक्षत्रनु जूथ

पचकी दुहाई=सौने अन्याय सामे के मदद माटे पोकार
पचकी भीख=सौना आशीर्वाद
पचता स्त्री०, **-त्व** पु० [स] मत्यु
पचनामा पु० पचनामु
पचम वि० [स] पाचमु (२) चतुर (३) सुदर (४) पु० 'प' स्वर **-मी** स्त्री० पाचम (२) पाचमी विभक्ति
पँचमेल वि० पाच के अनेक वस्तुओना मेळवाळु सळभेळ
पँचरग, -गा वि० पचरगी
पचाग पु० [स] टीपणु करण, तिथि, नक्षत्र, याग अने वार ए बतावतु-पचाग (२) पाच अगवाळु काई पण
पचानन पु० [स] सिंह (२) शिव
पचानबे वि० पचाणु ९५
पचायत स्त्री० पच (२) पचात विवाद **-ती** वि० पचनु के ते सबधी
पछी पु० पखी पक्षी
पज वि० [फा] पाच **०गान, ०वक्ती** पु० पाच वखतनी नमाज **०रोजा** वि० थोडा दिवसनु अस्थायी **०हज़ारी** पु० पाच हजारनी सेनानो होद्दो (मुसलमान काळमा)
पजर पु० [स] पाजरु (२) हाडपिंजर
पजरोज़ा, वि०, **पजहज़ारी** पु० जुओ 'पज' मा
पजा पु० पाचनो समूह (२) [फा] हाथनो पजो **-करना, -लडाना**= हाथना पजानी आगळीओ मिलावीने जोर अजमाववु **पजे झाडकर पीछे पडना या चिमटना**=केड बाधीने लागवु
पजारा पु० पीजारो
पँजीरी स्त्री० पजरी पचाजीरी
पजेरा पु० वासण साधनारो
पडल वि० (प) पडु पीळु (२) पु० पिंड, शरीर
पँडवा पु० पाडो (वच्चु)-पाडु
पडा पु० तीथनो पूजारी के ब्राह्मण
पडाइन स्त्री० 'पडा नी के 'पडा' जातनी स्त्रा
पडाल पु० मडप
पडित पु० [स] पडित, विद्वान
पडिताइन, पडितानी स्त्री० पडिताणी
पडिताऊ वि० पडितना जेवु, पडितियु
पडुक पु० होलो पक्षी (स्त्री०, **-की**)
पडुर पु० पाणीनु परडवु डेडवु
पँतीजना स०क्रि० पीजवु
पँतीजी स्त्री० पीजण
पथ पु० माग, रस्तो (२) धमनो पथ -सप्रदाय **-थी** पु० पथे जनार के पथनु अनुयायी
पद स्त्री० [फा] नसियत, उपदेश
पदरह, पद्रह वि० पदर १५
पदार पु०[फा]'पद' लेनार (जुओ 'पद')
पप पु०[इ] पप बवो (२) पिचकारी
पँवरना अ०क्रि० तरवु (२) ताग काढवो तपासी जोवु
पँवर,-रि स्त्री० (प) 'ड्योढी' डली दरवाजो **-रिया** पु० दरवान **-री** स्त्री० 'ड्योढी' (२) पावडी चाखडी
पँवाडा,-र पु० [स प्रवाद] पवाडो कीर्तिकथा वीरगाथा [दूर करवु
पँवारना स०क्रि० हठाववु फेंकी दवु,
पसारी पु० मसालानो वेपारी गाधी
पँसुरी,-ली स्त्री० पासळी 'पसली'
पसेरी स्त्री० पाचशेरी

पकड स्त्री० पकडवु ते के तेनी क्रिया या रीत (२) ग्रहण (३) समज
पकड-धकड स्त्री० धरपकड
पकडना स०क्रि० पकडवु (२) राखवु, थाभावबु
पकना अ०क्रि० पाकवु (२) सीझवु
पकवान पु० पाकी–तळीने करेली वानाओ
पकवाना स०क्रि० पकाववु
पकाई स्त्री० पाकवु ते के पकाववानी मजूरी
पकाना स०क्रि० पकाववु, पाकवा मूकवु, पाकवा देवु [जेवी वानी
पकौडा पु० (स्त्री० –डी) पकोडी, वडा
पक्का वि० पाकु, पाकेलु (२) पक्कु (३) स्थिर टकाउ –खाना, पक्की रसोई=घीमा करली रसोई
पक्व वि० [स] पाकेलु, पाकु –क्वान पु० राघेलु अन्न (२) पकवान –क्वाशय पु० होजरी
पक्ष पु० [स] पक्ष, बाजु तरफ (२) पाख (३) पखवाडियु ०पात पु० वग तरफदारी
पक्षाघात पु० [स] लकवो
पक्षी पु० [स] पखी (२) वि० –पक्षनु (समासमा)
पक्ष्म पु० [स] पापण 'बरुनी'
पख स्त्री० [फा] शरत (२) पचात लफरु (३) झघडो (४) दोष भूल
पख स्त्री० जुओ 'पख' (२) पक्ष 'पाख' पखवाडियु
पखडी स्त्री० पाखडी 'पँखुडी'
पखवाडा, –रा पु० पखवाडियु
पखान पु० (प) पाषाण
पखाना पु० जुआ 'पाखाना' (२) (प) उपाख्यान, कथा
पखारना अ०क्रि० पखाळवु धोवु
पखाल स्त्री० पाणीनी पखाल(२)धमण ०पेटिया पु० दुदाळो–बहु खानार माणस –ली पु० पखाली भिस्ती
पखावज स्त्री० पखवाज, पखाज –जी पु० ते वगाडनार
पखिया पु० झघडाळु, बखेडियु माणस
पँखुडी (-री) स्त्री० पाखडी [नजीक
पखुरा,–वा पु० बगलनो भाग(२)पास,
पखेरू पु० पखेरु, पक्षी
पग पु० पग, 'पाव' (२) डगलु पगलु ०डडी स्त्री० पगदडी पगथी, केडी
पगडी स्त्री०पाघडी –उतारना=बेइज्जत करवी (२) ठगवु (किसीके साथ) पगडी बदलना=मत्री करवी
पगना अ०क्रि० तरबोळ–रसबस थवु
पगरा पु० पगलु डगलु(२)(प)प्रभात
पगला वि० पागल, गाडु ०ना अ०क्रि० गाडु थवु –ली वि० स्त्री०
पगहा पु० [स प्रग्रह] जुओ 'पघा'
पगा पु० दुपट्टो (२) पाग, पाघडी (३) जुओ 'पघा'
पगार पु० चार तरफनी हद-दीवाल (प)(२)पग नीचेनी धूळ के कचरायलु ते(३)पार कराय एवु जळाशय के नदी
पगाह स्त्री० [फा] सूरज नीकळवानो समय सवार [करवु
पगुराना अ०क्रि० वागोळवु (२) हजम
पगोडा पु० बौद्ध मदिर
पघा पु० ढोर बाधवानु दोरडु
पच स्त्री० हठ आग्रह (२) समासमा 'पाच' अथमा जेम के, 'पचरगा'

पचड़ा पु० पचट बखेडो
पचन पु०[स] पचवु—हजम थवु ते
पचना अ०क्रि० पचवु हजम थवु (२) थाकी जवु
पचपन वि० पचावन ५५
पच मरना=काम करी करीने थाकी जवु
पचमेल वि० जुओ 'पंचमल' पचराउ
पचरंग पु० चोक पूरवानी सामग्री
पचरंगा वि०पचरंगी(२)पु०पूरेलो चोक
पचहत्तर वि० ७५, पचोतेर
पचहरा वि० पांच-वेवडु
पचास वि० पचास ५०
पचासा पु० पचास नगनो समूह
पचासी वि० पंचासी ८५
पचीस वि० पचीस २५ —सी स्त्री० '२ 'ना समूह पचीसी
पचोतेर सौ पु० एकसो पांच १०५
पच्चड़(–र) स्त्री० साल के सांधो इ० कांई सखत करवा मराती फाचर
पच्ची स्त्री० पच्चर फाचर (२) जडवानी वस्तु
पच्चीकारी स्त्री० जडवानु काम
पच्छ(–च्छि)म पु० पश्चिम
पछड़ना अ०क्रि० पछडावु, पाछा पडवु
पछताना, पछतावना [प] अ० क्रि० पस्तावु
पछतावा पु० पस्तावो
पछना पु० चीरवा फाडवानु अस्त्र
पछवा वि० पश्चिम बाजुनु पश्चिमी
पछाह पु० पश्चिम दिशा तरफनो देश
पछाहिया, पछाही वि० पश्चिमनु पाश्चात्य
पछाड़ स्त्री० बेहोश थईने पडवु ते —खाना=बेहोश थईने पडवु
पछाड़ना स० क्रि० पछाडवु
पछिताना अ०क्रि० (प) 'पछताना' पस्तावु —वा पु० (प) पस्तावो
पछीत स्त्री० घरनी पछीत—पाछलो भाग के त्यांनी भीत
पछेवड़ा पु० पछेडो मोटी चादर
पछोड़ना स०क्रि० ऊपणवु झाटकवु
पजारना स०क्रि० (प) प्रजाळवु बाळवु
पजावा पु० [फा] ईंटना भठ्ठो
पजीर वि० [फा]पसंद, अनुकूल, कबूल माननार—ए अथमा(समासमां) दा त दिल पजीर=मनपसंद इस्लाह-पजीर =सुधारवा लायक
पजूसण पु० जनोना पजूसण
पझमुरदा वि० [फा] करमायलु
पट पु० पट वस्त्र (२) कमाड (३) पडदो —उघडना, खुलना=देवना दरवाजा ऊघडवा —पडना=धीमु पडवु न चालवु [क्रि० दईने फाटवु
पटकना स०क्रि० पटकवु (२) अ०क्रि० पटकनी(–निया), पटकान स्त्री० पटकवु ते पटक [खेस
पटका पु० कमरे बांधवानो फटको के
पटतर पु० समानता (२) उपमा
पटतारना स०क्रि० सपाट—सरखु करवु
पटना अ० क्रि० सरखु—एकसमान थवु (२) बने बनतु आववु के सहमत थवु (३) चूकते थवु
पटपर वि० सपाट सरखु
पटबीजना पु० आगियो
पटरा पु० चोखडु घडेलु पाटियु —कर देना=मारी झूडी सपाट करी देवु (२) खलास करी देवु
पटरानी स्त्री० पटराणी

पटरी स्त्री० पाटियु (२) पगथी फूटपाथ (३) लखवानु पाटियु –जमना या बैठना=बेनु पाटियु बरोबर गाठवु, मन मळवु
पटल पु० [स] पडदा, ढाकण (२) आखनु पडळ (३) समूह टोळु
पटवा पु० पटवो (स्त्री० **पटइन**)
पटवारी पु० तलाटी (नाम, **पटवारगिरी**)
पटवास पु० [स] तबू, डेरो (२) स्त्रीनी सूथणी
पटसन पु० शण
पटह पु० [स] दुदुभी, नगारु
पटा पु० पट्टो, सनद (२) सोदो
पटाना स०क्रि० पिटावी करी बरोबर कराववु (२) चूकते करवु (३) अ० क्रि० शात बेसवु
पटापट अ० पटोपट लगातार झटपट
पटाव पु० 'पाटना'–ए क्रिया (जुओ 'पाटना') [(२) पाटी स्लेट
पटिया स्त्री० पथ्थरनो चोखडो टुकडो
पटीलना स०क्रि० पटाववु, समजावी लेवु (२) पूरु करवु
पटु वि०[स]प्रवीण, चालाक, होशियार
पटुआ(–वा) पु० 'पटसन', शण
पटुली स्त्री० हीचकानु पाटियु
पटुवा पु० जुओ 'पटुआ'
पटेबाज, पटैत पु० पटाबाज
पटे(–टै)ला पु० समार 'हेगा' (२) कुस्तीनो एक दाव [भूगळ
पटैला पु० जुओ 'पटेला' (२) कमाडनी
पटोर पु० पटोळु–रेशमी वस्त्र –**री** स्त्री० रेशमी साडी
पट्ट पु०[स] सिंहासन (२) पट्टी (३) ताम्रपट (४) वि० मुख्य
पट्टन पु० [स] शहर, मोटु–पाटनगर
पट्टा पु० पट्टो
पट्टी स्त्री० पाटी, स्लेट (२) पाठ, बोध (३) खाटलानी ईस (४) पट्टी (कपडा कागळ इ०नी) (५) पक्ति, हार (६) माथाना पटिया (७) 'पत्ती', भाग
पट्टीदार पु० भागियो –**री** स्त्री० भाग, भागीदारी
पट्टू पु० एक गरम जाडु कपडु पट्टु
पट्ठा पु० जुवान (२) पठ्ठो–लट्ठ माणस (३) कूलो (४) स्नायु
पठन पु० [स] पढवु के भणवु ते
पठनेटा पु० पठाणनो छोकरो
पठान पु० पठाण –**निन** स्त्री०पठाण स्त्री
पठाना स०क्रि० पाठववु, मोकलवु
पठानी स्त्री० पठाण स्त्री (२) पठाणपणु (३) वि० पठाणने लगतु
पठिया स्त्री० ['पट्ठा' नु स्त्री०] पठ्ठी, जुवान स्त्री
पडछती(–त्ती) स्त्री० जुओ 'परछत्ती'
पडत स्त्री०, **पडता** पु० पडतर किंमत
पडताल स्त्री० तपास **०ना** स०क्रि० तपास करवी
पड(–र)ती स्त्री० पडतर जमीन (२) अनाज वावलवा माटेनी चादर के कपडु –**उठना**=पडतरनी खेती थवी –**छोडना**=पडतर छाडवी –**लेना**= 'पडती' थी वावलवु [पडथा रहवु
पडना अ०क्रि० पडवु **पडा होना**=
पडपडना अ०क्रि० मरचा इ० थी जीभ बळवी–चचरवी
पडपोता पु० प्रपौत्र
पडरा(–वा) पु० पाडु (नर)
पडरी स्त्री० 'पडिया', पाडी

पडवा पु० जुओ 'पडरा' (२) स्त्री० पडवो तिथि
पडिया स्त्री० पाडी ('पडवा'नु स्त्री०)
पडि(-रि)वा स्त्री० पडवो, 'पडवा'
पडोस पु०पडोश **-करना**=पडोशी थवु
पडोसी पु० (स्त्री० **-सिन**) पडोशी
पढ(-ढ़)त स्त्री० पढवु ते (२) जादुमंत्र
पढ़ना स० क्रि० भणवु (२) वाचवु (३) गोखवु [पद्धति
पढाई स्त्री० भणतर (२) भणाववानी
पढाना स०क्रि० भणाववु (२) शीखववु समजाववु (३) पक्षीने पढाववु
पढा लिखा वि० भणेलु, शिक्षित
पण पु० पण प्रतिज्ञा (२) जुगटु, बाजी के तेमा मूकेली चीज (३) मूल्य, किम्मत (४) करार शरत
पण्य पु० [स] दुकान (२) बजार (३) सोदो के तेनी चीज
पतग पु० [स] सूय (२) पक्षी (३) कनक्वो (४) पतगियु
पतगा पु० पतग (२) पतगियु
पत स्त्री०पत आबरू,इज्जत **-उतारना, -लेना**=लाज लेवी [ऋतु
पतझड, पतझाड(-र) स्त्री० पानखर
पतन पु० [स] पडवु ते (२) पडती अधोगति (३) नाश
पत-पानी स्त्री० पत प्रतिष्ठा लाज
पतर वि० पातळु (२)पु० पत्र पादडु (३) पतराळु
पतरी स्त्री० पतराळु
पतला वि० पातळु **-पडना**=दुदशामा हावु **-हाल**=दुदशा
पतलून पु० पाटलून
पतवार(-री, -ल) स्त्री० सुकान कण
पता पु० पत्तो (२) सरनामु **पतेकी बात**=रहस्य खोलती वात **-निशान** =नामनिशान
पताई स्त्री० खरेला पादडानो ढग
पताका स्त्री० [स] धजा निशान
पतार, -ल पु० (प) पाताळ
पतावर पु० सूका पादडा
पतिंग पु० पतगियु
पति पु० [स] धणी स्वामी
पतिआ(-या)ना स० क्रि० पतियार करवो पतीजवु
पतिआ(-या)र पु० पतियार, विश्वास
पतित वि०[स]पडेलु, हारेलु अधोगति पामलु भ्रष्ट **०पावन** वि० पतितने पावन करे एवु पवित्र (२) पु० ईश्वर
पतियाना स०क्रि० जुओ 'पतिआना'
पतियार,-रा (प) पु० जुओ 'पतिआर'
पतिव्रत पु० पति प्रत्ये अनन्य प्रेम **-ता** स्त्री० पतिव्रतवाळी स्त्री
पतीज(-न)ना स०क्रि० (प) पतीजवु, 'पतिआना
पतीरी स्त्री०एक जातनी सादडी-चटाई
पतील वि० पातळु [वि० 'पतील
पतीला पु०[फा]एक वासण तपेलु (२)
पतीली स्त्री० नानो पतीला' तपेली, हाडी
पतुरिया स्त्री० 'पातुर', वेश्या [पडियो
पतोखा पु० पडिया **-खी** स्त्री० नानो
पतोह,-हू स्त्री० पुनवधू
पत्तन पु० [स] नगर
पत्तर प० पतरु (२) जुआ 'पत्तल'
पत्तल स्त्री० पतराळु (२) पतराळी
पत्ता पु० पान पादडु (२) पत्तु (३) धातुनु पतरु **-हो जाना**=छू थई जवु

पत्ती स्त्री० नानु पान (२) पांखडी (३) भाग
पत्तीदार पु० हिस्सेदार
पत्थर पु० पथ्थर –की लकीर=स्थिर, स्थायी –पर दूब जमना=असमव काम थावु –पड़ना=नष्टभ्रष्ट थई जवु
पत्थर-चटा पु० कूपमडूक के कजूस माणस (२) एक जातना माप
पत्थर-पानी पु० वरसाद–तोफान के आंधीनो समय
पत्थर फोडा पु० पथ्थर फाडनारो
पत्नी स्त्री०[स] भार्या, विवाहित स्त्री ०व्रत पु० पोतानी स्त्री पर अनन्य प्रेमनु व्रत
पत्र पु०[स] कागळपत्र (२) छापु (३) पांदडु (४) पतरु (५) पानु, पृष्ठ
पत्रकार पु० [स] छापु चलावनार, अखबार-नवीस
पत्रव्यवहार पु० [स] चिठ्ठीपत्र
पत्रा पु० पचाग, टीपणु (२) पृष्ठ
पत्रिका स्त्री० [स] पत्र (२) मासिक जेवु छापु, चोपानियु
पथ पु० [स] मार्ग, रस्तो
पथरना स०क्रि० पथ्थर पर घसी धार काढवी पथरी पर चडाववु
पथराना अ०क्रि० पथ्थर जेवु (कठण के स्तब्ध) थई जवु
पथरी स्त्री० [स] पथ्थरियु–पथ्थरनु वासण, कटोरा इ० (२) पथरीनो रोग के धार काढवानी पथरी
पथरीला वि० (स्त्री० –ली) पथ्थरवाळु
पथरौटा पु०, –टी स्त्री० पथ्थरियु, 'पथरी'
पथिक, पथी पु०[स] वटमार्गु मुसाफर
पथेरा पु० इंटो पाडनार, दलवाडी
पथ्य वि०[स] अनुकूल, हितकर (२) पु० पत्याण
पद पु०[स] पग (२) पगलु, कदम (३) होद्दा (४) श्लोकनु चरण (५) शब्द (६) भजननु पद
पदक पु०[स] चाद (२) देवनु पगलु
पदवि, वी स्त्री०[स] उपाधि, खिताब (२)होद्दो, दरज्जा (३)परिपाटी, पद्धति
पदाति,०क, –तीय पु०[स] पायदळना सिपाही (२) पदु (३) नाकर, अनुचर
पदाधिकारी पु०[स]अमलदार,आफिसर
पदाना स०क्रि० पदाववु, खूब पजववु के ठूस काढवी
पदार पु० [स] पगरज
पदार्थ पु०[स] चीज वस्तु ०विज्ञान पु० 'फिजिक्स' ०विद्या स्त्री० पदार्थो विषे तत्त्वज्ञान
पदावली स्त्री० पदोनो–भजनाना सग्रह
पदेन अ० [स] पदनी रूए
पद्धति स्त्री० [स] प्रथा, रीत विधि
पद्म पु०[स] कमळ (२) चिह्न –पद्मिनी स्त्री० कमळनु सरोवर (२) उत्तम स्त्रीना एक प्रकार
पद्य पु० [स] छदमा लखाण कविता
पधराना स०क्रि० पधराववु, पधारवा कहेवु [स्थापना
पधरावनी स्त्री० पधरामणी, मूर्तिनी
पधारना अ०क्रि० पधारवु, आदरथी आववु के जवु [पु०पण प्रतिज्ञा
पन (प्रत्यय) पणु उदा० लडकपन (२)
पनकपडा पु० घाया पर बाधवानु भानु कपडु
पनघट पु० पणघट, पाणीनो घाट

पनच स्त्री० पणछ
पनचक्की स्त्री० पाणीथी चालती चक्की
पनडुब्बा पु० मरजीवो (२) पाणीमा डूबी माछली पकडनार पक्षी
पनडुब्बी स्त्री० सब-मॅरीन –पाणीनी अंदर चालती नाव (२) एक पक्षी
पनपना अ०क्रि० पाणी मळता फरी लीलु थवु (२) फरी साजु थवु
पनभता पु० मांदो भात
पनभरा पु० पाणी भरनारो पाणियारो –रिन स्त्री०
पनवाडी पु० पानवाळो तंबोळी
पनवारा पु० जुआ 'पत्तल'
पनस पु० [स] फणस
पनसारी पु० जुआ 'पसारी
पनसाल स्त्री० पाणीनी परब
पनसेरी स्त्री० जुओ पसेरी
पनह(–हा)रा पु० पाणियारा
पनहा पु० कपडानो पनो (२) मर्म भेद
पनहाना स०क्रि० (आचळन) दूध दोहवा माटे दारूमा पपाळवो
पनहारा पु० (स्त्री० –रन, –रिन, –री) जुओ पनहरा
पनहो स्त्री० जोडा
पना पु० पनु एक पेय
पनाती पु० प्रपौत्र–पौत्रना पुत्र
पनार, –रा, –ला पु० जुओ 'परनाला' –री, –ली स्त्री० नानो मोरी नीक
पनाह स्त्री० [फा] रक्षा (२) शरण
पनिया वि० पाणीनु के तेमा थतु (२) पु० पाणी ०ना स०क्रि० पाणी पावु सींचवु ०सोत वि० झरण फूटे एवु बहु ऊडु [पाणी संबंधी
पनिहा वि० पाणीनु के पाणीवाळु के
पनीर पु० [फा] फाडेला दूधनी एक वानी –चटाना=खुशामत करीने काम काढवु –जमाना=आगळ पण फायदा रहे एवी रीत काम लेवु
पनीला वि० पाणीपावु (२) फीकु (३) पाणीमा थतु के रहेतु
पनग पु० [स] साप
पन्ना पु० एक जातनो हीरो
पन्नी स्त्री० पित्तळ के कलाईनो वरख, जे वस्तुनी उपर शोभा माटे चोटाडाय छे (२) पु० [फा] एक जातनो पठाण ०साज पु० 'पन्नी' बनावनारो
पपडा पु० पापडा(स्त्री० –डी) –छोडना =पापडो वाळवो
पपीता पु० पपया के पपयु
पपीहा पु० पपया चातक
पपोटा पु० पोपचु
पबारना स०क्रि० (प) फरवु
पब्लिक स्त्री० [इ] जनता लोक (२) वि० आम सार्वजनिक [वाळ
पय पु० [स] पाणी (२) दूध ०द पु०
पयना वि० जुआ पना' [नदी
पयस्विनी स्त्री० [स] गाय बकरा(२)
पयादा पु० पायदळ सैनिक (२) वि० पगे चालतु 'पदल'
पयान पु० प्रयाण
पयाम पु० [फा] पेगाम संदेशा
पयार, –ल पु० पराळ –झाडना= नकामी माथाकूट करवी
पयोज पु० [स] कमळ
पयोद पु० [स] वादळ
पयोधर पु० [स] वादळ (२) स्तन (३) जळाशय (४) पर्वत
पयो(नि०)धि पु० [स] समुद्र

परच अ० [स] वळी तथा (२) परन्तु
परतु अ० [स] पण, किंतु, छता
परपरा स्त्री० [स] अनुक्रम, प्रणाली (२) सतति, वश
पर पु० [फा] पीछु के पाख (२) अ० पछी (३) परतु, पण (४) वि० [स] पारकु (५) उत्तम परम [परोपकारी
परकाजी वि० परनु काज–काम करनार,
परकार, –ल पु० [फा] कपास
परकाला पु० सीडी, जीनो (२) [फा] टुकडो (३) चिनगारी
परकीय वि० [स] पारकु पराय़ु
परकोटा पु० कोट, किल्लो
परख स्त्री० पारख परीक्षा कसोटी
परखना स० क्रि० पारखवु (२) प्रतीक्षा के वाट जोवी
परगना पु० [फा] परगणु, अमुक गामडानो भाग ०दार पु० परगणानो अमलदार [जवु (२) टेव पडवी
परचना अ०क्रि० परिचय थवो हळी
परचा पु० परिचय (२) पारख, परीक्षा (३) पुरावो साबिती (४) [फा] कागळनो ककडो (५) पत्र (६) प्रश्नपत्र
परचाना स०क्रि० परिचय करवो, हळतु करवु (२) टेव पाडवी
परचून पु० सीधुसामग्री
परचूनी पु० मोदी •
परछत्ती स्त्री० अभराई (२) दीवाल जोडेनु एकढाळियु–छापरु [पोंकणु
परछन स्त्री० वरने पाकवानी क्रिया
परछना स०क्रि० पाकवु
परछाईं स्त्री० पडछायो
परजा स्त्री० प्रजा (२) वसवाया (३) जमीनदारना वसावेला खेडूतो
परजाता पु० पारिजातक
परजौट पु० मकाननी जमीननु भाडु
परतत्र वि०[स] पारकाने ताबे परवश
परत स्त्री० थर (२) गडी [पटो
परतला पु० तलवारनो के चपरासनो
परती स्त्री० जुओ 'पडती'
परतौ पु०[फा] प्रकाशनु किरण (२) पडछायो
परथन पु० जुओ 'पलेथन'
परदा पु०[फा] पडदो (२) लाज, मर्यादा (३) छुपाववु ते, आड, ओझल (४) हार्मो- नियम इ०नो पडदो के स्वरनु स्थान
परदादा पु० दादानो बाप [रहेतु
परदानशीन वि०[फा] पडदा के आझल्मा
परदेश पु०[स] बीजो के पारको देश
परनाना पु० नानानो बाप [रलो
परनाला पु० 'पनाला' मारी(२)धारा,
परपराना अ०क्रि० (जीभ पर) चचरवु, 'पडपडना'
परपाजा पु० दादानो पिता, प्रपितामह
परपोता पु० जुओ 'पडपोता'
परब पु० पव, टाणु, तहेवार
परवाल पु० आखनी पापणनो रोग (२) प्रवाल
परम वि०[स] सौथी ऊचु मुख्य उत्तम
परमल पु० जुआर घउना दाणानु एक चवाणु
परमाणु पु० [स] अति नानो अणु
परमात्मा पु० [स] ईश्वर
परमान्न पु० [स] खीर
परमायु स्त्री० [स] आयुषनी अवधि
परमार्थ पु० [स] परम वस्तु (२) मोक्ष –र्थी वि० मुमुक्षु
परमेश, –श्वर पु० [स] परमेश्वर प्रभु

परला वि० (स्त्री० –ली) त तरफनु
परले दरजे या सिरेका=हद पारनु
नूब (२) परम कोटिनु
परवर, –ल पु० जुआ परवल'
परवर वि० [फा](समासमा अते)पालक
परवरदा वि० [फा] पालित पळायेलु
परवर दिगार पु० [फा] पालनहार, प्रभु
परवरिश स्त्री० [फा] पालनपोषण
परवरदा
परवल पु० परवळनु शाक के वेलो
परवश, –श्य वि० [स] पराधीन परतत्र
परवस्ती स्त्री० परवरशी पालनपोषण
परवा स्त्री० पडवो (२) [फा] परवा
दरकार चिंता गरज
परवान पु० सढनो दाडो (२) (प)
प्रमाण –चडना=मोटु–उमरलायक
थवु (२) सफळ थवु
परवानगी स्त्री० [फा] रजा आज्ञा
परवाना पु० [फा] परवाना आज्ञापत्र
(२) पतगियु
परवाह स्त्री० परवा दरकार, चिंता
परशु पु० [स] फरसी
परस पु० (प) स्पर्श (२) पारसमणि
परसना स० क्रि० स्पर्शवु (२) पीरसवु
परस पखान पु० (प) पारस पाषाण
–स्पर्शमणि
परसा पु० जुओ 'परोसा'
परसाल अ० गये के आवते वर्षे
परसो अ० परम दिवसे
परस्त वि० [फा] पूजक (समासने अते
उदा बुतपरस्त)
परस्तिश स्त्री० [फा] पूजा उपासना
परस्पर अ० [स] आपसमा अरसपरस
परहुमा पु० [फा] कलगी

परहेज पु० [फा] परज, करी बाधा
(२) सयम बूरा कमथी दूर रहेवु ते
–करना, –रखना=परेज राखवी
परहेजगार वि० [फा] परहेज'वाळु–
परेज राखनार (२) सयमी
परांठा पु० परोठा', चोपडु
परा स्त्री०[स] परा वाणी (२) वि०
स्त्री० परम उत्तम
पराकाष्ठा स्त्री०[स] छेल्ली हद, आखर
पराक्रम पु० [स] बळ बहादुरी (२)
पुरुषार्थ, साहस –मी वि०
परागदा वि०[फा] विखरायेलु(२)वेहाल
पराग पु०[स] फूलनी रज (२) धूळ
(३) चदन ०केसर पु० फूलनु केसर–
वचला ततु
पराङमुख वि०[स] विमुख प्रतिकूल
पराजय पु० [स] हार
पराजित वि० [स] हारेलु के हरावेलु
परात स्त्री० पराज अमुक घाटनी कथरोट
परात्पर वि० [स] सौथी परम (२) पु०
परमेश्वर
पराधीन वि० [स] परवश परतत्र
पराना अ०क्रि० (प) पलायन करवु
परान्न पु० [स] पारकु अन्न के भाजन
पराभव पु०[स] हार (२) तिरस्कार
पराभूत वि०[स] हारेलु (२) तिरस्कृत
परामर्श पु०[स] विचार (२) सलाह
परायण वि०[स] तल्लीन, तत्पर
पराया,–वा वि० परायु (स्त्री० –ई)
परार वि० (प) परायु (२) पु० पराळ,
'पयाल
परावर्त(०न) पु०[स] पाछु फरवु ते
(२) अदलोबदलो, विनिमय
परास्त वि०[स] हारेलु के हरावलु

पराह्ण पु० [स] तीजो पहोर, साज
परिंदा पु० [फा] परिंदु, पक्षी
परिकर पु० [स] कदोरो (२) समूह, वद (३) पलग (४) परिवार (५) नोकरचाकर
परिकरमा, परिक्रमा स्त्री० परकमा
परिक्रम,०ण पु०[स] फरवु ते (२) चार तरफ फरवु ते परिक्रमा
परिखा स्त्री०[म]कोटनी चोगरदम खाई
परिगणन पु०, **–ना** स्त्री० [स] पूरी गणतरी के अडसट्टो
परिगणित वि०[स] गणतरीमा आवलु के लीधेलु, गणायेलु
परिग्रह पु०[स] ग्रहण करवु ते, अगीकार (२) धन वगेरेनो सग्रह (३) लग्न (४) पत्नी (५) परिवार
परिघ पु०[स] आगळा (२) भोगळ जेवु एक शस्त्र, गदा (३) घर मकान (४) दरवाजो [(२) लक्षण
परिचय पु०[स] ओळखाण, जाणकारी
परिचर पु०[म] सवक, अनुचर
परिचर्या, –रजा (प) स्त्री० [स] सेवाचाकरी
परिचायक पु०[म] परिचय करावनार
परिचारक पु० [स] सवक (२) देवनो पूजारी [पूजारण
परिचारिका स्त्री० [स] दासी (२)
परिचित वि०[स] जाणीतु, ओळखीतु
परिच्छद पु०[म] ढाकण आच्छादन
परिच्छेद पु० [स] भाग, खड (२) प्रकरण (३) सीमा, हद
परिछन पु० जुओ 'परछन'
परिछाहीं पु० जुओ 'परछाइ'
परिजन पु०[स]परिवार(२)नोकरचाकर
परिज्ञात वि०[म] बरोबर जाणेलु –न पु० पूरु ज्ञान के जाण
परिणय पु०[स] विवाह लग्न
परिणाम पु० [स] फळ (२) रूपातर (३) विकास (४) आखर, अत
परिणीत वि० [स] परणेलु
परिताप पु० [स] गरमी, ताप (२) दुःख शोक पस्तावो
परितुष्ट वि० [स] खूब तुष्ट–सतुष्ट (२) प्रसन्न, खुश –ष्टि स्त्री० सतोष (२) प्रसन्नता [स्त्री० परितुष्टि
परितृप्त वि० [स] परितुष्ट –प्ति
परितोष पु० [स] परितुष्टि, सतोष
परित्यक्त वि० [स] त्यजायलु, तरछोडायेलु –क्ता वि०स्त्री० त्यजायली (स्त्री)
परित्याग पु० [स] त्याग –गी वि० त्यागी –ज्य वि० तजवा योग्य
परित्राण पु०[म] बचाव रक्षण (२) शरीर परना वाळ
परिध पु० परिधि परिघ
परिधन (प), **परिधान** पु०[स] पहेरवु ते (२) पोशाक (३) धोतियु इ० नाच पहेरवानु वस्त्र
परिधि पु०[स] परिघ (२) नियत माग के कक्षा (३) पोशाक
परिपथ,०क,–थी पु०[स] मार्गमा वच्चे पडनार, शत्रु
परिपक्व वि०[स] बरावर,पाकेलु–पाकु (२) अनुभवी प्रौढ, प्रवीण
परिपाक पु० [स] बरावर पाकवु के तयार थवु ते, पूर्णता (२) निपुणता (३) फळ, परिणाम [रात, चाल
परिपाटी स्त्री०[स]क्रम प्रणाली पद्धति

परिपालन पु० [स] पालणपोषण (२) रक्षा (३) पाळवु-अमलमां आणवु ते
परिपुष्ट वि० [स] खूब पुष्ट
परिपूर्ण वि० [स] पूरेपूरु संपूर्ण
परिप्रश्न पु० [स] जिज्ञासा प्रश्न
परिभ(-वा)व पु०[स]अनादर अपमान
परिभाषा स्त्री०[स] स्पष्ट कथन (२) लक्षण व्याख्या (३) परिभाषा
परिभ्रमण पु०[स] आम तेम फरवु-टहेलवु ते (२) परिधि (३) गोळ गोळ फरवु ते
परिमल पु० [स] सुवास सुगंध
परिमाण पु०[स] माप तोल, मात्रा
परिमार्जन पु० [स] बराबर धोवु के मांजवु ते (२) एक मीठाई
परिमित वि०[स] मर्यादित मितासर (२) अल्प [सीमा, हद
परिमिति स्त्री०[स]माप परिमाण (२)
परिया पु० दक्षिण भारतनी एक अस्पृश्य जात
परिरंभ,०ण पु०[स]आलिंगन भेटवु ते
परिवर्तन पु०[स] फेरफार (२) फेरो चक्कर (३) अदलोबदलो विनिमय
परिवा स्त्री० प्रतिपदा पडवो, 'पडिवा
परिवाद पु०[स] निंदा कूथली **-दी** वि० निंदक
परिवार पु०[स] आवरण ढांकण (२) म्यान कशानु घर (३) कुटुंबकबीलो बाळबच्चां (४) आश्रित नोकरचाकर वगेरे
परिवृत वि०[स] चार तरफ घेरायेलु के ढंकायलु **-ति** स्त्री०
परिवृत्त वि० [स] ऊलटुसूलटु (२) घेरायेलु **-त्ति** स्त्री०
परिवेष,०ण पु०[स] पीरसवु ते(२)घेर, परिघ (३) कोट, किल्लो (४) प्रकाशनु चक्कर्डु हलो [भ्रमण
परिव्रज्या स्त्री० [स] संन्यास (२) परि-
परिव्राज,०क,-ट पु० [स] संन्यासी
परिशिष्ट वि०[स] बाकी बचेलु (२) पु० पुस्तकनु परिशिष्ट
परिशीलन पु० [स] अनुशीलन ऊंडो विचार के अभ्यास
परिशोध,०न पु०[स] पूर्ण शुद्धि (२) देवु पूरु के चूकते करवु ते
परिश्रम पु० [स] श्रम महेनत (२) थाक **-मी** वि० महेनतु
परिश्रांत वि०[स] थाकेलु ढीलु मांदु
परिषद स्त्री० [स] सभा (२) समूह
परिष्कार पु०[स] संस्कार शुद्धि (२) सफाई स्वच्छता (३) सजावट
परिस्तान पु० [फा] परीओना मुल्क
परिस्थिति स्त्री० [स] आसपासना अवस्था दशा
परिहरण पु०[स] लई लेवु ते (२) त्याग
परिहार पु० [स] त्याग (२) उकेल उपाय निवारण (३) कर इ० नी माफी छूट
परिहास पु०[स] खेल हांसी मजाक
परी स्त्री०[फा] अप्सरा (२) सुंदर स्त्री
परीक्षा स्त्री० [स] तपास कसोटी **-क्षक** पु० तपासनार **-क्षण** पु० तपासवु ते **०र्थी** पु० परीक्षामां बेसनार
परीजाद, परीरू वि० [फा] अति सुंदर
परीशान वि० **-नी** स्त्री० जुओ 'परेशान,-नी'
परुष वि०[स] कठोर ककरा कडक शुष्क (२) निष्ठुर निर्दय

परे अ० पेले पार, पार (२) बाद, पछी (३) बहार, पर, अतीत –कहना ='दूर हठो', 'खसो' एवु कहेवु –बिठाना = हरावव्, मात करवु
परेई स्त्री० मादा पारेवु [जोवी
परेखना स०क्रि० (प) परीक्षवु (२) राह
परेग स्त्री० नानी खीली
परेट,–ड पु० सिपाहीनी परेड, कवायत
परेता पु० दोरो ऊपेटवानी फरकडी के फाळको
परेवा पु० पारेवु
परेशान वि० [फा] हेरान, दुःखी, व्याकुल (नाम, –नी स्त्री०)
परो अ० जुओ 'परसो' [बहारनु
परोक्ष वि० [स] अज्ञात, छूपु, नजर
परोना स०क्रि० (प) परोववु, 'पिराना'
परोपकार पु०[स] बीजानु भलु करवु ते,परहित ०क,–री वि० परहितकारक
परोल पु० [इ] पेरोल, केद के पहेरामांथी छूट
परोसना स०क्रि० पीरसवु
परोसा पु० एक जणनु भाणु पिरसण
परोहना पु० वाहन सवारी
परोहा पु० कोस, 'चडस'
पर्चा पु० [फा] जुओ 'परचा'
पर्जन्य पु० [स] वरसाद
पर्ण पु० [स] पादडु पान
पर्दा पु० जुओ 'परदा'
पर्पट पु० [स] पापड
पर्यंक पु० [स] पलग
पर्यंत अ० [स] लगी सुधी (२) पु० समीप पास (३) अंतिम सीमा
पर्यटन पु०[स] भ्रमण आम तेम फरवु ते
पर्यवसान पु० [स] अंत (२) निश्चय
पर्याप्त वि० [स] पूरतु, 'काफी' (२) समर्थ, सशक्त [(२) प्रकार
पर्याय पु० [स] ए ज अर्थनो बीजो शब्द
पर्व पु० [स] अवसर (२) उत्सव (३) भाग, खड
पर्वत पु० [स] पहाड –ती वि० पर्वतनु के त्या रहेतु, धतु के त सबधी
पर्वरिश स्त्री० जुओ 'परवरिश'
पर्वा, ०ह स्त्री० जुओ 'परवाह'
पर्हेज पु०, ०गार वि० जुओ 'परहेज, ०गार'
पलग पु० पलग, खाटलो –तोडना= आळसु मूता पडया रहेवु –लगाना= खाटलो पाथरवो
पलगपोश पु० पलगनी चादर
पलगडी, पलगिया स्त्री० नानो पलग –खाटलो
पल पु० [स] पळ, क्षण (२) पलक
पलक स्त्री० [फा] पलक, क्षण (२) पोपचु –बिछाना=प्रमथी स्वागत करवु –मारना=पोपचु पटपटाववु –लगना=पलकवु (२) ऊघ आववी
पलक-दरिया (०व) वि० अति उदार दानी [खूब भीड
पलटन स्त्री० लश्करनी पलटण (२)
पलटना स०क्रि० पलटवु, बदलवु
पलटा पु० पलटो, फरफार (२) बदलो
पलटनिया पु० पलटणनो सिपाई
पलटे अ० बदले अवेजमा [पालडु
पलडा(–रा) पु० त्राजवानु पल्लु–
पलथी स्त्री० 'पाल्थी', पलाठी
पलना अ०क्रि० पालन थवु पलावु (२) हृष्टपुष्ट थवु
पलरा पु० जुओ पलडा

पलवाना स०क्रि० पलवाववु (पालना नु प्रेरक)
पलवारी पु० नाविक खलासी
पलस्तर पु० प्लास्टर ०कारी स्त्री० प्लास्टर करवु ते –ढीला होना, –बिगडना=बहु हेरान थवु
पला पु० पळ (२) पल्लु
पलान पु० घोडा इ०नु पलाण ०ना स०क्रि० पलाणवु
पलाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० पलायन करवु के कराववु
पलायन पु० [स] नासवु–भागवु ते
पलित वि० [स] वृद्ध (२) धोळु (वाळ) (३) पु० पळियु
पली स्त्री० पळी
पलीता पु० [फा] तावीज मतरेलो कागळ लपेटीने करातु मादळियु (२) पलीतो –ती स्त्री० नानो पलीतो
पलीद वि० [फा] गदु (२) नापाक (३) पु० भूत पलीत
पलुहना अ० क्रि० (प) पागरवु पल्लववु 'पनपना' (पलुहाना–प्रेरक)
पलेट स्त्री० प्लेट टाका –डालना= प्लेट मारवो–भरवो
पले(–लो)थन पु०अटामण –निकलना =खूब मार खावो के हेरान थवु आटो नीकळवा
पलोटना स० क्रि० पग दाबवा (२) अ०क्रि० कष्टथी तडफडवु
पलोथन पु० जुओ 'पलेथन'
पल्लव पु० [स] कूपळ (२) पालव (३) कडु कण ०ना अ०क्रि० पल्लववु पागरवु –वित वि० पागरेलु
पल्ला अ० दूर (२) पु० पल्लो छेटु (३) त्राजवानु पल्लु (४) कमाड (५) त्रण मण (६) [फा] पल्लो पालव (७) वि० जुओ 'परला' –छूटना= छुटकारो मळवा –पसारना=पालव –खोळो पाथरवो मागवु पल्ले पडना =मळवु पल्ले बाधना=जवाबदारी सोपवी
पल्ली स्त्री०[स]नानु गामडु (२)घरोळी
पल्लेदार पु० अनाज तोलनार के ते वही जनार
पवन पु० [स] वायु हवा (२) श्वास ०चक्की स्त्री० पवनथी चालता चक्की ०चक्र पु० वटोळियो
पवनी स्त्री० वसवाया
पवाई स्त्री० जोडा के पावडीनी जोडीमानु एक (२) घटीनु एक पड
पवाना स०क्रि० 'पाना' नु प्रेरक
पवित्र वि० [स] निमळ, पुनित (२) पु० वर्षा घी, मध दभ इ० जे पवित्र गणाय छे –त्रित वि० पवित्र थयलु के करायेलु
पशम स्त्री० [फा] पशम ऊन (२) बहु तुच्छ वस्तु –मीना पु० पशमीनो कापड
पशु पु० [स] चोपगु जानवर ०पति पु० शिव ०पाल(०क) पु० पशु पाळनार ०राज पु० सिंह
पशेमान वि० [फा] पस्तायलु (२) लज्जित (नाम –नी स्त्री०)
पश्चात अ० [स] पछी बाद (२) पश्चिममा
पश्चात्ताप पु० [स] पस्तावो अफसोस
पश्चिम पु० [स] पश्चिम दिशा (२) वि० पछीनु –मी वि० पश्चिमनु –मोत्तर पु० वायव्य कोण

पश्तो स्त्री० [फा] पठाणोनी भाषा
पश्म स्त्री० [फा] जुओ 'पशम'
पश्मीना पु० [फा] पशमीनो
पषार(-ल)ना स०क्रि० (प) पखाळवु धोवु [वि० जराक
पसग,-गा,-घा पु० 'पासग' धडो (२)
पसद वि० [फा] गमतु अनुकूल (२) स्त्री० पसदगी रुचि -दा पु० मासनी एक वानी -दीदा वि० सारु गमतु (२) पसद करेलु
पस अ० [फा] पछी (२) अते (३) तेथी
पस-अदाज पु० [फा] सकट के घडपण माटेनो धनसग्रह
पसखुरदा पु० [फा] एठवाड
पस पा वि० [फा] पाछ हठनार ०ई स्त्री० पीछहठ हार
पसर पु० ढोरनु पसर-रात चरे ते (२) अर्धी पोश-पसलो
पसरना अ०क्रि० प्रसरवु फेलावु
पसरहट्टा पु० हाट, बजार (गाधीओनु)
पसरू पु० [फा] नोकर, अनुचर
पसली स्त्री०पासळी -फडकना=मनमा जोश आववु, उत्साह होवो
पसाउ पु० (प) प्रसाद कृपा
पसाना स०क्रि० ओसाववु [फेलावो
पसार(-रा) पु० प्रसरवु ते, प्रसार,
पसारना स०क्रि० प्रसारवु फेलाववु
पसारा पु० जुओ 'पसार'
पसारी पु० जुओ 'पसारी'
पसाव(०न) पु० आसामण
पसिजर पु० पेसेन्जर (उतार के गाडी)
पसीजना अ०क्रि० झरवु (२) पीगळवु
पसीनापु० पसीनो परसेवो पसीने पसीने होना=परसेवाथी रेबझेब थई जवु
पसुरी,-ली स्त्री० पासळी
पसूजना स०क्रि० सीधा दोराथी साववु
पसेरी स्त्री० पाचशेरी
पसेउ,-व पु० पसीना, परसेवो
पसोपेश पु० [फा पस-व-पश]आघापाछी दुविधा आनाकानी (२) लाभालाभ
पस्त वि०[फा] नीचु नीचाणवाळु (२) थाकेलु (३) परास्त (४) नीच कोटिनु
पस्तक़द वि० [फा] वामन, ठीगणु
पस्त हिम्मत वि० [फा] भीरु, डरपोक
पस्ती स्त्री०[फा] नीचाण (२) नीचता (३) भीरुता
पहँ अ० (प) पासे, नजीक
पहँसुल स्त्री० दातरडा जेवी पाटिय जडेली शाक कापवानी बनावट
पहचान स्त्री० पिछान, आळख
पहचानना स०क्रि० पिछानवु, ओळखवु
पहन पु० (प) पहाणो, पथ्थर (२) [फा]पाना, प्रेमथी माने दूध छूटवु ते
पह(-हि)नना स०क्रि० पहेरवु (पहन वाना, पहनाना स०क्रि० प्रेरक)
पह(-हि)नाव(-वा) पु० पहेरवेश (२) पोशाकनी भेट, पहेरामणी
पहपट पु० निंदा कूथली (२) शोर बकोर (३) दगो, छळ (४) एक जातनु स्त्रीगीत ०बाज वि० 'पहपट' मा कुशळ
पहर पु० प्रहर पहार
पहरना स०क्रि० पहेरवु
पहरा पु० पहेरा चोकी -देना=पहेरो भरवो चोकी करवा -पडना=पहेरा के चोकी हावी -बैठना=पहेरा बेसवा के लागवा
पहराना स०क्रि० पहेराववु -वा पु० जुआ 'पहनावा'

पह(–हि)रावनी स्त्री० पोशाकनी भेट, पहेरामणी
पहरो,–रू,–रेदार पु० पहेरदार
पहल पु० पहेल, बाजु पासु (२) पहेल प्रारभ ०दार वि० पासादार –निकालना = पासा पाडवा
पहलवान पु० [फा] पहेल्वान
पहला वि० पहेलु (स्त्री० –ली) [रहस्य
पहलू पु० [फा] पहेल, पासु पक्ष (२)
पहलू तिही स्त्री० [फा] उपेक्षा
पहले अ० पहेला –पहल अ० पहेल वहेलु सौथी नरूमा
पह(–हि)लौठा वि० (स्त्री० –ठी) पहला खोळानु
पह(–हि)लौठी स्त्री० पहेली प्रसूति
पहाड पु० पवत –कटना = भार सकट दूर थवु –टूटना = भारे सकट आववु
पहाडा पु० आकनो पाडो
पहाडी वि० पहाडनु के ते सबधी (२) स्त्री० नानो पहाड (३) एक रागणी
पहिचान स्त्री०, ०ना स० नि० जुओ 'पहचान, ०ना'
पहिन(–र)ना, पहिना(–रा)ना स० क्रि० जुओ 'पहनना, पहनाना'
पहिया पु० पइु ['पहरना पहराना'
पहिरना, पहिराना स० क्रि० [illegible]
पहिरावनि,–नी स्त्री० जुओ 'पहरा[illegible]'
पहिला वि० पहेलु (२) पद[illegible] –ले अ० पहेला
पहिलौठा,–ठी जुओ 'प[illegible]
पहुँच स्त्री० पहो[illegible] पहाचवु
पहुँचा पु० पहो[illegible]
पहुँचाना स०क्रि० [illegible]

पहुँची स्त्री० पहाची
पहुना पु० परोणा 'पाहुना' ०ई स्त्री० पराणाचाकरी
पहुप पु० (प) पुष्प फूल 'पुहुप'
पहुम,–मि,–मी स्त्री० पृथ्वी, 'पुहुमी'
पहेली स्त्री० समस्या उखाणो –बझाना = समजाय नहि एम ग्वावु लावु कहवु
पहलवी स्त्री० पहलवी भाषा
पाँ(०ई,०उँ) (प),०व पु० पग 'पाउँ'
पाईबाग पु० मकान आसपासनो (खानगी) नाना बाग
पाँक पु० पक कीचड
पाँख,०डा पु० पक्षीनी पाख
पाँखडी स्त्री० (फूलनी) पाखडी
पाखी पु० पक्षी पखी (२) प[illegible]
पाखुरी स्त्री० पाखडी
पाच वि० पाच, ५ ०वाँ वि० [illegible]
पाचा पु० सपाळी [illegible]
पाजना स०क्रि० [illegible]
पाजर पु० [illegible] पासळी [illegible]
पाँजी स्त्री० [illegible]
पाँडित्य [illegible]
पाँडु [illegible]
[illegible]

पाशु पु० [स] धूळ, रज ०ल वि० धूळवाळु (२) व्यभिचारी
पांस स्त्री० खेतरमा नाखवानु खातर ०ना स०क्रि० खातर नाखवु
पासा पु० [स पाशक] रमवानो पासो –उलटना=बाजी फरी जवी
पा पु०[फा] पग (प्राय समासमा)
पा-अदाज पु० [फा] पगलूछणियु
पाइप पु० [इ] पाईप, नळ [सीटी
पाई स्त्री० पाई नाणु (२) पाणनी ऊभी
पाउँ पु० पग, 'पाव'
पाउड पु०[इ] पाउड सिक्को के माणु
पाउडर पु० [इ] पाउडर, भूको
पाक वि० [फा] पवित्र (२) निर्दोष (३) पु० [स] राधवु–पक्ववु ते –करना, –होना=काई अनिष्टमाथी मुक्त करवु के थवु [खिस्सु
पाक(–के)ट पु० पाकीट, थेली के
पाक-दामन वि० [फा] पतिव्रता शीलवती (स्त्री)
पाकबाज वि०[फा] अति पाक–पवित्र
पाकर पु० पीपळनु (?) झाड
पाक साफ वि० तद्दन पाक (२) तद्दन (कशाथी) अलग – सबध रहित
पाकी स्त्री०[फा] पाक के पवित्र होवु ते
पाकीजा वि०[फा] पाक पवित्र, शुद्ध (२) सुदर (३) निर्दोष
पाकेट पु० पाकीट खिस्सु –मारना=लाच लेवी के आपवी
पाक्षिक वि०[स] पक्ष सबधी (२) पक्षपाती
पाखड पु० वेद विरुद्ध आचार (२) ढोंग –डी वि० पाखडवाळु
पाख पु० पक्ष पखवाडियु (२) मकानना कराना उपलो त्रिकोण भाग
पाखाना पु०[फा] पायखानु (२) मळ –फिरना=झाडे फरवु
पाग स्त्री० पाघडी (२) पु० चासणा ०ना स०क्रि० चासणीमा मूकवु
पागल वि०[स] पागल, गाडु ०खाना पु० गाडानु दवाखानु
पागुर पु० वागोळवु ते, 'जुगाली'
पाचक वि०[स] पचावे एवु (२) पु० रसोइयो –न पु० पचवु ते (२) पकाववु ते
पाछ स्त्री० चीरो, फाट
पाछना स०क्रि० चीरवु, फाट करवी, फाडवु
पाछल, पाछिल(–ला) वि० (प) पाछलु
पाछी,–छू,–छे अ०(प) पछी पाछळ
पा(०य)जामा पु० [फा] पायजामो, सूथणु
पाजी पु० दुष्ट, हलकु, खाटु
पा(०य)जेब स्त्री० [फा] नूपुर, झाझर
पाटबर पु० रेशमी वस्त्र
पाट पु० पहोळाई, जेम के धोतियानो पनो, नदीनो पट (२) चक्कीनु पडियु (३) रेशम (४) शण (५) राजपाट –सिंहासन (६) नदीनो पट (७) शिला के जाडु पाटियु जेम के धोबीनु (८) कूवा परनु चोकठु
पाटन स्त्री० छत –च्वी (२) पहेला माळ उपरनो मकाननो भाग (३) पाटण – गाम
पाटना स०क्रि० सपाट-समतल करवु (२) तृप्त करवु (३) खाडा पूरवा के अध्धर जवान अध्धर पुल जवी गोठवण करवी
पाटव पु० [स] पटुता, चालाकी

पाटवी वि० पटराणीनो (पुत्र), युवराज (२) रेशमी
पाटसन पु० जुओ 'पटसन'
पाटा पु० पाटलो (२) खेडूतनो समार
पाटी स्त्री० परिपाटी, रीत (२) श्रेणी पक्ति (३) पाटीगणित (४) पु० पाटी, स्लेट (५) खाटलानी ईस (६) लेसन
पाठ पु० [स] वाचवु ते के तेनो विषय (२) पाठ बोध [(३) उपदेशक
पाठक पु० [स] वाचक (२) शिक्षक
पाठशाला स्त्री० [स] विद्यालय निशाळ
पाठा वि० पठ्ठु हृष्ट पुष्ट
पाठी पु० [स] जुओ 'पाठक'
पाठ्य वि० [स] पठन करवा योग्य
पाड पु० किनार (२) माचडो (३) फासीनो माचडो (४) कूवा परनी जाळी
पाडा पु० पाडो महोल्लो (२) ँसनो पाडो
पाढ़ पु० सोनी इ०नी पाड (२) खेडूतनो चोकी करवा वेसवा माटेनो माळो
पाण पु० [स] वेपार (२) दाव बाजी (३) पाणि, हाथ
पाणि पु० [स] हाथ ०ग्रहण पु० लग्न ०ज पु० आगळी (२) नख
पात पु० [स] पतन (२) नाश (३) (प) पान पत्र [पापी
पातक पु० [स] पाप गुनो -की वि०
पातर,—ल स्त्री० पतराळु (२) वश्या (३) वि० पातळु
पातशाह पु० पादशाह
पाताबा पु० [फा] पगना मोजा (२) जोडानी सखतळी
पाताल पु० [स] पाताळ
पातिव्रत,—त्य पु० [स] पतिव्रतापणु
पाती स्त्री० (प) चिठठीपत्र (२) झाडना पान (३) लाज, शरम
पातुर,०नी स्त्री० पातर, वेश्या
पात्र पु० [स] वासण (२) नदीनु पात्र —पट (३) नाटकनु पात्र (४) वि० (नाम साथे समासमा)—ने योग्य
पाथ पु० (प) पथ माग [पीटवु
पाथना स०क्रि० घडवु (२) थापवु (३)
पाथर पु० (प) पथ्थर
पाथेय पु० [स] भाथु वटेसरी
पाद पु० [स] पग (२) चोथो भाग (३) खड भाग (४) पु० स्त्री० पादवु त [करवी
पादना अ०क्रि० पादवु वाछूट थवी के
पादप पु० [स] झाड
पादरी पु० ख्रिस्ती धमगुरु, पादरी
पादशाह पु० [फा] बादशाह राजा
पादाति,०क पु० [स] पायदळ सनिक
पादुका स्त्री० [स] पावडी (२) जोडा
पादोदक पु० [स] चरणामृत
पाद्य पु० [स] पग धोवा माटे पाणी
पाधा पु० उपाध्याय (२) पडित
पान पु० पान पण (२) खावानु पान (३) [स] पीवु ते (४) पीणु—पाणी, दारू इ० (५) शस्त्रने पाणी चडाववु ते ०गोष्ठी स्त्री० दारू पीनारी मडळी ०दान पु० पानना डबो
पान पत्ता पु० पानपट्टी (२) जुओ पानफूल' [पाखडी
पान-फूल पु० फूल नहि तो फूलनी
पाना स०क्रि० प्राप्त करवु पामवु
पानी पु० पाणी —का बतासा या बुलबुला=पाणानाप रपोटा जेवु क्षण-भगुर ते —छूना=झाडे फरी पाणी

लेवु —टूटना=पाणी खूब खूटवु (जळाशयमा) —देना=पाणी पावु (२) पितओने अजलि आपवी —पडना= वरसाद पडवो (२) (किसी पर)—पडना =शरमिदु थवु —पानी होना=खूब शरमावु —मरना=दोप के वाक होवो —लगना=(पाणीनी के बीजी खराब) असर थवी, पाणी लागवु

पानीदार वि० पाणीदार

पानीदेवा वि० अजलि आपनार—तपण करनार वारस

पाप पु०[म] पाप, कुकम —कटना=पाप टळवु—नाश थवु (२) झघडामाथी छूटवु —पडना=मुश्केल के कठण पडवु —मोल लेना=जाणीजोईने कशा झघडामा पडवु

पापड पु० खावानो पापड (२) वि० पातळु —बेलना=खूब महेनत करवी

पापाचार पु०[स]पापी आचार, दुराचार

पापात्मा, पापिष्ठ, पापी वि० [स] पापी दुराचारी

पा(०य)पोश पु० [फा] जोडा

पाप्मा पु०[स] पाप (२) वि० पापी

पा-प्यादा अ० [फा] पगवाळु, 'पदल'

पाबद वि० [फा] (नाम, —दी) बद्ध, केद (२) नियमित (३) नियमबद्ध

पामर वि०[फा] क्षुद्र नीच (२) पापी

पा(०य)माल वि०[फा] (नाम, —ली) पायमाल, बरबाद

पायँ पु० (प) पग ०चा पु० जुओ 'पायचा' ०ता, पु०, ०ती स्त्री० खाटलानी पागत 'पायँता'

पायदाज पु० जुओ 'पा-अदाज'

पायखाना पु०[फा] 'पाखाना' जाजरू

पायचा पु० [फा] 'पायँचा' लेघा के पायजामानी बाय

पायजामा पु० जुओ 'पाजामा'

पायजेब पु० जुओ 'पाजेब'

पायतख्त पु० [फा] राजधानी

पायताबा पु० [फा] पगनु मोजु

पायदार वि० [फा] टकाउ, मजबूत (नाम, —री)

पायपोश पु० जुओ 'पापोश

पायबद वि० [फा] जुओ 'पाबद' (नाम, —दी स्त्री०)

पायमाल वि०, —ली, स्त्री० जुओ 'पामाल', '—ली'

पायल स्त्री० नूपुर (२) जनमता पहेला पग बहार आव्या होय तेवु बाळक

पायस स्त्री०, पु०[स] खीर, दूधपाक

पाया पु०[फा] खाटला इ० नो पायो (२) स्तम (३) दरज्जो

पायाब वि० [फा] चालीने पार करी शकाय एवु छछरु (पाणी)

पारगत वि० [स] निपुण, निष्णात

पार पु० [स] छेडो अत (२) सामो किनारा

पारखी पु० पारेख परखनार

पारचा पु०[फा] टुकडो (२) कपडु (३) कूवाना मो पर मुकातु लाकडानु चोकठु

पारतन्त्र्य पु०[स] परतत्रता, गुलामी

पारद पु० [स] पारो

पारदशक वि० [स] आरपार जोई शकाय एवु

पारदर्शी वि० [स] दूरनु के छवटनु जोनार चतुर, दूरदर्शी

पारधी पु० शिकारी (२) हत्यारो

पारना स०क्रि० पाडवु

पारमार्थिक वि० [स] परमार्थ संबंधी परम सत्य
पारलौकिक वि० [स] परलोक संबंधी
पारस पु० पारसमणि (२) ईरान देश (३) पतराळी–पतराळा पर पीरसेलु भाजन
पारसा वि० [फा] सदाचारी धर्मनिष्ठ
पारसाई स्त्री० साधुता धर्मनिष्ठा
पारसी पु० पारसी लोक
पारसीक पु० पारस देश के तेनो निवासी
पारस्परिक वि०[स]आपसनु परस्परनु
पारा पु० पारो (२) [फा] टुकडा
पारायण पु० [स] समाप्ति (२) कोई पाठनो पारायण
पारावत पु० [स] कबूतर पारेवु (२) पर्वत (३) वानर
पारावार पु० [स] बेउ काठा (२) हद (३) समुद्र
पारिजात, ०क पु० [स] पारिजातक फूलझाड
पारितोषिक पु० [स] इनाम (२) वि० संतोष के प्रसन्नता आपे एवु
पारिभाषिक वि० [स] परिभाषावाळु खास अर्थवाळु
पारिषद पु० [स] सभासद (२) पार्षद अनुचर गण
पारी स्त्री० पाळी वारो
पार्थिव वि० [स] पृथ्वी संबंधी के तेमाथी थयेलु (२) पु० राजा
पार(–ला)मेन्ट स्त्री० [इ] देशनी वडी धारासभा
पार्श्व पु० [स] पासु बाजु (२) पासळी (३) पास समीपता
पार्षद पु० [स] पासे रहनार मंत्री के सेवक (२) सभासद
पार्सल पु० [इ] पारसल
पाल पु० सढनु कपडु (२) तंबू (३) स्त्री० (पाणीनी) पाळ (४) फळ पकाववा नाखवा ते
पालक पु० [स] पालन करनार (२) अश्वपाल (३) दत्तक पुत्र (४) पालक भाजी [भाजी
पालकी स्त्री० पालखी (२) पालखी
पालतू वि० पाळलु पोषेलु
पालथी स्त्री० 'पल्थी' पलाठी
पालन पु० [स] पाळवु के पोषवु ते (२) गायनु करेटु
पालना स०क्रि० पाळवु (२) पु० पाळणु
पालव पु० पल्लव, कामळ पान
पाला पु० झाकळ हिम (२) ठडी (३) संबंध, जोग (४) अखाडो **–मार जाना**=हिम पडवाथी नुकसान थवु **–पडना**=पाला पडवा व्यवहार बधावो **पाले पडना**=आशरे के वशमा पडवु
पालागन स्त्री० पायलागणु पायवंदन
पालान पु० जुओ 'पलान
पालित वि० [स] पालन करायेलु
पालिश स्त्री० [इ] पालीस चळकी के ते लाववानु साधन [पालिसी
पालिसी स्त्री० [इ] नीति (२) वीमानी
पाली स्त्री० पालि भाषा (२) पाळी वारी
पालू वि० जुओ पालतू'
पावॅ पु० पग
पावॅडा पु० पग मूकवा पाथरेलु वस्त्र
पावॅडी स्त्री० पावडी (२) जोडा
पावॅर वि० (प) पामर, क्षुद्र

पाव पु० पा–चोथो भाग (२) पाशेर
पावक वि० [स] शुद्ध के पवित्र करे एवु (२) पु० अग्नि (३) सदाचार (४) सूर्य
पावती स्त्री० पहाच, रसीद
पावदान पु० पग मूकवानी के चडवा माटे टेकववानी सवड के वस्तु
पावन वि० [स] पवित्र, पावक (२) पु० अग्नि (३) शुद्धि (४) पाणी
पावना स०क्रि० (प) जुओ 'पाना' (२) पु० लेणु
पावर पु० [इ] बळ, शक्ति ०स्टेशन, ०हाउस पु० वीजळीघर
पावली स्त्री० चारआनी
पावा पु० पाया (खुरशी इ० नो)
पावस पु० वरसाद
पाश पु० [फा] कपडु जरी जवु ते (२) टुकडो (३) [स] बध, बधन (४) फासो (५) जाळ, फादो
पाशव वि० [स] पशु सबधी के तेनु के तेना जेवु
पाशा पु० तुर्की सरदारनो इलकाब
पाशुपत वि० [स] पशुपति–शिवनु (२) पढीनु शैव
पाश्चात्य वि० पश्चिमनु के त्या आवेलु
पाषड पु० [स] पाखड मिथ्याधर्म, दभ –डी वि० दभी, पाखडी
पाषाण पु० [स] पथ्थर
पासग पु० [फा] धडो पाशग (किसीका) पासग भी न होना= मुकाबले बहु ऊतरतु होवु
पास पु० पास, बाजु (२) समीपता (३) अ० पासे (४) पु० [फा] पहेरो, चोकी (५) तरफदारी शरम (६) ख्याल लिहाज
पासना अ० क्रि० ढोरे पाहो मूकवो, 'पेहाना'
पास-पडोस पु० पासेनी जगा, पडाश
पासबान पु० [फा] पहेरेगीर (२) स्त्री० रखात –नी स्त्री० पहेरो, रक्षा, चोकी
पासा पु० पासो –उलटना, –पलटना =बाजी बगडवी, कथळवु –पडना =फाववु पोबार पडवु
पासी पु० [स पाशी] ताड छेदनारी एक अस्पृश्य गणाती जात (२) स्त्री० पाश
पाहँ अ० (प) जुआ 'पाहि'
पाहन पु० (प) पाषाण, पथ्थर
पाहरू पु० (प) पहेरगीर, रक्षक
पाहिँ,–हो अ० (प) पासे (२) प्रत्ये
पाहि [स] 'रक्षण करो' 'बचावो
पाहुना पु० परोणो, महेमान (२) जमाई –नी स्त्री० स्त्री-महेमान (२) परोणागत
पाहुर पु० भेट, नजराणु (२) चाल्लो
पिंग वि० [स] लालाश पडतु पीळु (२) छीकणी रगनु (३) पु० पाडो (२) कोळ, उदर
पिंगल वि० [स] 'पिंग', पिंगळ (२) पु० कपि (२) नोळियो (३) पिंगळ, छदशास्त्र के तेना ऋषि
पिंगला स्त्री० एक नाडी (योगविद्या)
पिंजडा पु० पाजरु पिंजर
पिंजन पु० [स] पीजण
पिंजर [स], –रा पु० पाजरु
पिंजरापोल पु० पाजरापोळ
पिंजिका स्त्री० [स] पूणी
पिंजियारा पु० पीजारो

पिंड पु० [स] गोळ पिंड (२) देह, शरीर –छोडना=तग न करवु न पजववु –पडना=पाछळ लागवु
पिंडज पु० [स] जरायुज जीव
पिंडरोग पु० [स] शरीरमा घर करीने लागेलो रोग (२) कोढ पत [कपवु
पिंडली स्त्री० पिंडी –हिलना=भयथी
पिंडा पु० पिंड (२) देह (३) पिंडो –पानी देना=सराववु
पिंडारा,–री पु० पीढारो
पिंडालू स्त्री० एक कद [गाळी
पिंडी स्त्री० नानो पिंड के पिंडो लोचो
पिअ पु० (प) पियु पति (२) वि० प्रिय
पिअ(–य)र वि० पीळु –राई स्त्री० पीळापणु
पिआ(–या)ज पु० प्याज डुगळी
पिउ पु० (प) पियु पति [कोयल
पिक पु० [स] कोकिल –की स्त्री०
पिघलना अ०क्रि० पीगळवु
पिघलाना अ०क्रि० पिगळाववु
पिचक स्त्री० पिचकारी –का पु० पिचकारो
पिचकना अ०क्रि० दबावु, गोवो पडवो दबावाथी वेसी जवु (प्रेरक पिचकाना)
पिचकारी, पिचकी स्त्री० पाणीनी सेड के ते मारवानु यत्र –छोडना= पिचकारी मारवी
पिच्चित, पिच्ची वि० दवायेलु वेठलु
पिच्छ(–च्छि)ल वि० [स] चीकणु लीसु
पिछडना अ०क्रि० पाछळ पडवु – रहेवु
पिछलगा,–गू पु० अनुयायी (२) नोकर
पिछलगी स्त्री० अनुयायी के नाकर होवु ते
पिछला वि० पाछलु (२) गत
पिछवाडा पु० मकान पछवाडना भाग के जमीन पछवाडु
पिछाडी स्त्री० पछाडीनो भाग (२) घोडानी पछाडी – पगनु दारडु
पिछौरा पु० पिछोडो पछेडो
पिछौरी स्त्री० पिछोडी (२) स्त्रीओनु उपरणु
पिटत स्त्री० मारपीट
पिटना अ०क्रि० पिटावु मार खावो (२) पु० थापडी (कडियानी) [मजूरी
पिटाई स्त्री० पीटवु के टीपवु ते के तनी
पिटारा पु० (वास-नतर इ० नो) पटी
पिटठी,–ठी स्त्री० जुओ 'पीठी
पिट्ठू पु० अनुगामी (२) खाधियो मददगार (३) रमतनो भेरु [वडु
पिठौरी स्त्री० पीठी'– वाटेली दाळनु
पितर पु० मृत पूवज पित
पितराई, –इँध स्त्री० पीतळनो काट
पितराना अ०क्रि० पीतळथी कटावु
पिता पु० [स] वाप ०मह पु० दादा
पितिया पु० काका ०नी स्त्री० काकी ०ससुर पु० काकोससरो ०सास स्त्री० काकीसासु [पु० काका
पित पु० [स] पिता (२) पितर ०व्य
पित्त पु० [स](शरीरनु) पित्त –उबलना या खौलना=पित्तो जवो –ढालना =ऊल्टी थवी के करवी [पित्तळ
पित्तल वि० [स] पित्त करे एवु (२) पु०
पित्ता पु० पित्ताशय (२) साहस हिमत – उबलना या खौलना=पित्तो जवो के ऊछळवो –मारना= क्रोध दबाववो
पित्ताशय पु० [स] पित्तनो सग्रह शरीरना जे अगमा रहे छे ते

पित्ती स्त्री० अळाई (२) एक पित्तरोग
पिदडी, पिद्दी स्त्री०, **पिद्दा** पु० एक पक्षी
पिधान पु० [स] ढाकण, आवरण(२) म्यान (३) कमाड
पिनकना अ०क्रि० ऊंघथी के अफीणना नशाथी झोका खावा
पिनकी पु० अफीणियो
पिपासा स्त्री० [स] तरस (२) इच्छा, लालच **–सित,–सी,–सु** वि० तरस्यु
पिपीलिका स्त्री० [स] कीडी [प्रिय
पिय(–या) पु० पियु पति (२) वि०
पियक्कड वि० (दारू तमाकु इ०) खूब पीनार–व्यसनी [–राई
पियर वि०, **–राई** स्त्री० जुओ 'पिअर,
पिया पु० (प) जुओ 'पिय
पियाज पु० जुओ पिआज'
पियादा पु० [फा] प्यादु–शेतरजनु (२) पदल सिपाई (३) (अदाल्तनो)सिपाई
पियादा पा अ० 'पदल', पगपाळु
पियार पु० एक झाड (२) प्यार (३) वि० प्यारु **–रा** (प) वि० प्यारु
पियाल पु० पियार' झाड
पिरकी स्त्री० फोल्ली
पिराना अ०क्रि० पीडावु, कष्टावु
पिरोजा पु० पीरोज–एक रत्न
पिरोना स०क्रि० परोववु
पिलना अ०क्रि० एकसाथे वशा पर तूटी पडवु (२) पिलावु
पिलपिला वि० अदरथी नरम ने भीनु
पिलपिलाना स०क्रि० दबाववु घोळवु (जेम के केरी)
पिलाना स०क्रि० पिवडाववु (२) पीवाने माटे आपवु (३) अदर भरवु
पिल्ला पु० कुरकुरियु
पिल्लू पु० इयळ
पिव पु० (प) पियु, पति
पिशवाज स्त्री० [फा] नाचती वखत पहेराय छे एवो एक जाननो घाघरो
पिशाच पु०[स] भूतप्रेतनी एक योनि
पिशुन वि० [स] चाडियु (२)नीच, दुष्ट
पिष्ट वि० [स] पीसेलु के पिसायलु
पिष्टपेषण पु० [स] तेनु ते फरी कह्या करवु ते [दळी खानारी स्त्री
पिसनहारी स्त्री० दळनार के दळणा
पिसना अ०क्रि० पिसावु दळावु (२) थाकीने लोथ थई जवु
पिसर पु० [फा] पुत्र
पिसवाना स०क्रि० पिसाववु
पिसाई स्त्री० पीसवु त के तेना मजूरी (२) कडी महेनत
पिसान पु० आटो, लोट
पिसौनी स्त्री० जुओ 'पिसाई'
पिस्तई वि० पिस्ताना रगनु
पिस्ता पु० [फा] पिस्तु
पिस्तौल स्त्री० पिस्तोल
पिस्सू पु० डास
पिहकना, पीकना अ०क्रि० टहुकवु
पिहित वि० [स] ढाकेलु छूपु
पींजना स० क्रि० पीजवु
पीक स्त्री० पानवाळु थूक **०दान** पु० पीकदानी
पीकना अ०क्रि० जुओ 'पिहकना'
पीका पु० कूपळ नवु कोमळ पान
पीच स्त्री० भातनु ओसामण
पीछा पु० पाछलो भाग (२) पीछो (३) पछीनो समय **–करना**=केड पडवु पीछो पकडवो **–पकडना**= पाछळ लागवु केडो पकडवो

पीछू (प), पीछे अ० पाछळ (२) पछीथी पीछे छोडना, –डालना = पाछळ मोकलवु (२) (धन) वचावी सघरवु
पीटना स०क्रि० पीटवु (२) टीपवु
पीठ पु० [स] आसन स्थान (२) केंद्र (३) स्त्री० शरीरनी पीठ –ठोकना =पीठ थावडवी शाबाशी के हिंमत आपवी –तोडना = नाहिंमत करवु
पीठा पु० एक वानी
पीठी स्त्री० पलाळीन पीसली दाळ
पीडक वि० [स] पीडा करनार, पीडनार –न पु० पीडवु ते (२) दबाववु ते
पीडा स्त्री० [स] दुःख व्यथा –डित वि० पीडायलु पीडामा आवेलु
पीढा पु० बसवाना पाटलो
पीढी स्त्री० पढी (२) नानो पाटलो
पीत वि० [स] पीळु (२) पु० पाळो रंग
पीतम पु० (प) प्रीतम पति
पीतल पु० पित्तळ धातु
पीतांबर पु० [स] पीळु वस्त्र (२) रेशमी पीतांबर (३) श्रीकृष्ण
पीदडी स्त्री० जुओ 'पिदडी
पीन वि० [स] जाडु हृष्टपुष्ट
पीनक स्त्री० अफीणियानु अडवडियु (२) झोका खावा ते [पीनस रोग
पीनस स्त्री० पालखी (२) पु० [स]
पीना स० क्रि० पीवु (२) दबाववु रोकवु अंदर राखवु जेम के वात, गुस्सो इ० (३) दारू पीवा
पीप(–ब) स्त्री० परु [लींडी-पीपर
पीपर(–ल) पु० पीपळो (२) स्त्री०
पीपा पु० पीप (पाणी इ०नु)
पीब स्त्री० 'पीप' परु
पीयूष पु० [स] अमृत (२) दूध
पीर स्त्री० (प) पीडा दुःख दरद
पीर पु० [फा] पीर, सिद्ध महात्मा (२) वृद्ध बुजुग (३) सोमवार ०जादा पु० पीरनु संतान ०नाबालिग वि० साठे बुद्धि नाठा एवु वृद्ध ०मुरशिद पु० गुरुमहाराज पूज्य गुरुजन
पीरी स्त्री० [फा] पीरपणु (२) वुढापो (३) चेला मूडवाना धंधो
पील पु० [फा] हाथी ०खाना पु० हाथीखानु ०पाव, ०पा पु० हाथीपगो रोग ०बान,०वान पु० महावत
पीलसोज पु० (प) दिवेट
पीला वि० पीळु (२) फीकु (३) पु० पीळो रंग पीली चिट्ठी = कंकोतरी पीली फटना = पोह फाटवो सवार थवु
पीलिया पु० कमळो
पीलू पु० एक कांटाळु झाड (२) इयळ (३) एक राग ['पीवर'
पीव स्त्री० परु पाच (२) जुओ वि०
पीवर वि० [स] जाडु स्थूल हृष्टपुष्ट
पीसना स० क्रि० पीसवु (२) कष्टी महेनत करवी (३) पु० दळणु
पीहर पु० पियेर 'मका
पुंख पु० [स] तीरनो छेडाना पीछावाळो भाग –खित वि० पीछावाळु (तीर)
पुंगव पु० [स] साढ (२) (समासना नामने अंते) तेमा श्रेष्ठ, जेम के नरपुंगव
पुंगीफल पु० [स] सोपारी
पुंछार पु० (प) मोर
पुंछाला पु० जुओ पुछल्ला'
पुंज पु० [स] राशि ढगलो
पुंड पु० टीलु तिलक

पुंडरीक पुं० [सं] धोळुं कमळ (२) रेशमनो कीडो (३) टीलुं तिलक (४) खांड साकर
पुंलिंग पुं० [सं] नरजाति (व्याकरण)
पुंश्चली स्त्री० [सं] वेश्या
पुंस पुं० (प) पुरुष नर [(२) दूध
पुंसवन पुं० [सं] सोळमानो एक संस्कार
पुंस्त्व पुं० [सं] पुरुषत्व (२) वीर्य
पुआ पुं० मालपूडो
पुआल पुं० 'पयाल', पराळ
पुकार स्त्री० पोकार (बूम के फरियाद)
पुकारना स०क्रि० पोकारवुं
पुखराज पुं० पोखराज मणि [पुख्तगी)
पुख्ता वि० [फा] दृढ मजबूत (नाम
पुचकार,–री स्त्री० बचकारो
पुचकारना स०क्रि० प्रेमथी बचकारवुं
पुचारा पुं० पोतुं के कूचडो (२) भीनुं पोतुं फेरववुं ते (३) पातळो लेप (४) खुशामत (५) उत्तेजन
पुच्छ पुं० [सं] पूंछडी 'दुम'
पुच्छल वि० पूंछडियुं, पूंछडीवाळुं ०तारा पुं० पूंछडियो तारो
पुछल्ला पुं० लांबुं पूंछडुं (२) पूंछडा जेम साथे लागेलुं ते (३) आश्रित
पुजना अ०क्रि० पूजावुं, 'पूजना'नुं कर्मणि
पुजवाना, पुजाना स०क्रि० पूजाववुं
पुजाई स्त्री० पूजवुं ते के तेनी मजूरी
पुजापा पुं० पूजापो
पुजा(–जे)री, पुजया पुं० पूजारी
पुट पुं० पट, पास (२) [सं] ढांकण (३) दडियो (४) औषधिनो संपुट
पुटकी स्त्री० पोटकी (२) अकस्मात मृत्यु (३) शाकमां घलातो चणानो लोट –पडना=गजब थवो
पुटी स्त्री० नानो दडियो के कटोरी (२) पडीकी (३) लंगोटी [माटे) लापी
पुटीन पुं० (काच इ० बारणामां जडवा
पुट्ठा पुं० थापानो उपरनो भाग (२) पुस्तकनी बांधणीनी पटी
पुठवार अ० पूठे, पाछळ
पुठवाल पुं० मददगार सागरीत
पुडा पुं० पडो, मोटुं पडीकुं
पुडिया स्त्री० पडीकुं के पडीकी –बांधना =पडीकुं वाळवुं
पुण्य पुं० [सं] सुकृत सारुं काम के तेनुं शुभफळ (२) वि० पवित्र शुभ ०वान वि० पुण्यशाळी ०श्लोक वि० पवित्र जीवनवाळुं (२) पुं० तेवो आदर्श पुरुष
पुण्याई स्त्री० पुण्यनुं फळ के पुण्यता
पुण्यात्मा पुं०[सं] पवित्र पुरुष धर्मात्मा
पुण्याह पुं०[सं] शुभ दिन मंगळ दिवस
पुतरा पुं०, –री स्त्री० (प) जुओ पुतला,–ली'
पुतला पुं० नर-पूतळी,ढींगलो (किसीका) पुतला बांधना=बदनामी करवी
पुतली स्त्री० ढींगली ०घर पुं० कारखानुं मिल
पुताई स्त्री० 'पोतना' परथी नाम
पुत्तली,–लिका स्त्री० [सं] पूतळी
पुत्र पुं० [सं] दीकरो ०वती स्त्री० पुत्रवाळी स्त्री ०वधू स्त्री० पुत्रनी वहु –त्रिका,–त्री स्त्री० दीकरी –त्रेष्टि स्त्री० पुत्रप्राप्ति माटेनो यज्ञ
पुदीना पुं० फुदीनो
पुन अ० [सं] फरी (२) उपरांत
पुनरपि अ० [सं] फरी पण [पुनर्जन्म
पुनरागमन पुं०[सं] फरी आववुं ते (२)

पुनरावृत्ति स्त्री० [स] फरी करवु के पढवु के आववु ते
पुनरुक्ति स्त्री० [स] फरी कहेवु ते
पुनर्जन्म पु० [स] फरी जनमवु ते
पुनर्निर्माण पु० [स] नवरचना
पुनर्भू स्त्री०[स] फरी परणेली विधवा
पुनि(-नी) अ० (प) पुन फरीथी
पुनीत वि० पवित्र पुनित
पुर वि०[फा] पूर्ण, भरेलु (समासमा पहेला पद तरीके पण जेम के पुर-असर = असरकारक पुर-जोश इ०) (२) पु० [स] नगर गाम (३) देह (४) घर [(स्त्री०-खिन)
पुरखा पु० पूर्वज (२) घरनो वृद्धजन
पुरचक स्त्री० 'पुचकार' वचकारो (२) उत्तेजन(३)उश्केरणी (४) समर्थन पक्ष
पुरज़ा पु० [फा] टुकडो (२) अवयव (३) अश भाग (चलता पुरज़ा=चालाक पाको माणस) [पूर्वजनु
पुरब(-बि,-बु)ला वि० पूर्वनु (२)
पुरबिया वि०पुरबियु पूर्वनु(स्त्री० ०नी)
पुरबि(-बु)ला वि० जुओ 'पुरबला'
पुरवट पु० पाणीनो कोस
पुरवना स०क्रि० (प) पूरवु भरवु, पूरु करवु (२) अ०क्रि० पूरु होवु (३)पूरतु के जोईतु होवु [पवन (३) कुलडी
पुरवा पु० नानु पुर – गाम (२) पूर्वनो
पुरवाई, पुरवया स्त्री० पूर्वनो वायरो
पुरश्चरण पु० [स] कार्यसिद्धि माटे करातु अनुष्ठान के विधि इ०
पुरसा वि० [फा] पूछनार
पुरसा पु० माथोडु माप (२) [फा] जुओ 'ताजियत'
पुरसिश स्त्री०[फा] पुरसीस पूछपरछ
पुरस्कार पु० [म] इनाम भट
पुरा अ०[स] पहेला, प्राचीन काळमा (२)स्त्री०पूर्व दिशा (३) नानु पुर गाम
पुराण वि० [स] प्राचीन जूनु (२) पु० पुराण ग्रथ [विद्या
पुरातत्त्व पु०[स] प्राचीन काळ सबधी
पुरातन वि० [स] प्राचीन जूनु
पुराना वि० पुराणु(२)स०क्रि० पुरावबु -घाघ = भारे चालाक अनुभवी
पुरिखा,-या पु० जुओ 'पुरखा
पुरी स्त्री० [स] पुरी नगरी (२) जगन्नाथ (३) [फा] पूर्णता पूरवु के भरवु ते (समासमा)
पुरीष पु० [स] विष्टा मळ
पुरुष पु०[स] नर माणस (२) आत्मा
पुरुषार्थ पु०[स] पुरुषना उद्देश के ते अर्थेनो उद्यम (२) सामर्थ्य बळ -र्थी वि० उद्यमी महेनतु
पुरोग,-गामी वि०[स] अग्रेसर, नायक
पुरोध,-धा,-हित पु०[स] गोर कुलगुरु
पुरोहिताई स्त्री० पुरोहितनु काम
पुर्ज़ा पु० जुओ 'पुरज़ा
पुर्तगाल पु० पोर्टुगल देश
पुल पु०[फा] पुल सेतु -टूटना=खूब वधवु (किसी बातका) -बाधना= अतिशयता करवी
पुलक पु०[स] अति आनद रोमाच -कित वि० रोमाचित
पुलटिस स्त्री० पोटीस
पुलपुला वि० अदरथी नरम ने पोचु
पुलपुलाना स०क्रि०नरम चीज दबाववी घोळवु (२) पोठीने चूसवु
पुलसरात पु०[फा] बहिश्तमा जवानो बारीक पुल

पुलाव पु० मास साथे थती चोखानी एक वानी
पुलिंदा पु० वडल, थोकडो
पुलिन पु० [स] रताळ नदीकिनारो (२) पाणी हठीने थती कापवाळी जमीन
पुलिस स्त्री० [इ] पोलीस ०मन पु० पोलीसनो सिपाई [परपरानी)
पुश्त स्त्री० [फा] पीठ (२) पेढी (वश-
पुश्तक स्त्री० [फा] घोडा गधेडानी पाछला पगनी लात
पुश्तनामा पु० [फा] वशावळी
पुश्त-पनाह पु० [फा] मददगार, टेको आपनार –ही स्त्री० मदद, टेको
पुश्ता पु० [फा] पुस्तो, बाध (२) जुओ 'पुट्ठा' (२) [एटलो भार
पुश्तारा पु० [फा] पीठ पर लेवाय
पुश्ती स्त्री० [फा] टेको (२) मदद (३) तरफदारी (४) तकियो
पुश्तैन स्त्री० वशपरपरा, पढी दर पढी
पुश्तैनी वि० [फा] वशपरपरा चालतु आवेलु के चालनारु
पुष्कर पु० [स] कमळ (२) तळाव (३) पाणी –रिणी स्त्री० तळावडी
पुष्कल वि० [स] पुष्कळ खूब (२) उत्तम (३) परिपूर्ण, भरपूर
पुष्ट वि० [स] खाईपीने ताजु (२) पोषायेलु (३) दृढ, मज
पुष्टई स्त्री० ताकात के पुष्टिना
पुष्टि स्त्री० [स] पोषण (२) थवु ते (३)
पुष्प पु० [स] पडे ते (३)
पुसाना अ०
ठीक लागवु

पुस्तक स्त्री० [स] चोपडी, 'किताब' –कालय पु० ग्रथालय –को, पुस्तिका स्त्री० नानी चोपडी, चोपानियु
पुह(–हु)प पु० (प) पुष्प
पुहुमी स्त्री० (प) पृथ्वी भूमि
पूछ स्त्री० पूछडी (२) पछवाडेनो भाग ०डी स्त्री० पूछडी
पूजी स्त्री० पूजी, धन (२) मूडी ०पति पु० मूडीदार, धनवान ०वाद पु० मूडीवाद
पूआ पु० पूडो के मालपूओ
पूग पु० [स] सोपारी के तेनु झाड (२) पुज, ढगलो (३) फणस के तेनु झाड –गी स्त्री० सोपारी के तेनु झाड
पूछ स्त्री० पूछवु त (२) तपास, खोळ (३) कोई पूछे ते, आदर, गणना
पूछता(–पा)छ स्त्री० पूछपरछ
पूछना स०क्रि० पूछवु ['पूछताछ'
पूछपाछ, पूछता(–पा)छी स्त्री० जुओ
पूजक पु० [स] पूजा करनार
पूजन पु० [स] पूजा पूजवु ते
पूजना स०क्रि० पूजवु, सेवा करवी (२) लाच आपवी (३) अ०क्रि० पूरु थवु (४) भरावु बराबर थवु
पूजनीय वि० [स] पूज्य, पूजाने पात्र
स्त्री उपासना, अर्चन
मर्यादा

पूनी स्त्री० पूणी
पूनव, पूनिउँ, पूनो,–न्यो स्त्री० पूनम
पूप पु० [म] माल्पूडो
पूय पु० [म] परु पाच
पूर पु० पूर भरती (२) पूरण (कचारी इ० नु)
पूरक वि० [म] पूर्ति करनार (२) पु० एक प्राणायाम [पूरवु ते
पूरण पु० [म] पूरु थवु के करवु ते
पूरण,–न वि० (प) पूण पूरु
पूरनपूरी स्त्री० पूरणपाळी
पूरनमासी स्त्री० पूर्णिमा
पूरना स०क्रि० पूरवु भरवु (२) पूरु करवु (३) अ०क्रि० पूरु थवु भरावु
पूरब पु० (२) वि० पूव ०ज पु० (प) पूवजन्म (२) प्राचीन जमानो ०ला वि० (प) प्राचीन पुराणु (३) पूव-नमनु –बी वि० पूवनु
पूरा वि० पूरु पूण भरेलु (२) पूरतु बधु
पूरी स्त्री० पूरी–एक वानी
पूण वि० [स] पूरु (२) परितृप्त (३) भरपूर (४) बधु ०मासी स्त्री० पूर्णिमा पूनम ०विराम पु० वाक्यनु ( ) चिह्न
पूर्णाहुति स्त्री० [स] यज्ञनी पूर्णाहुति (२) समाप्ति
पूर्णिमा स्त्री० [स] पूनम
पूर्ति स्त्री० [म] पूरु थवु ते समाप्ति (२) भरपाई खूटतु पूरु करवु ते
पूव वि० [स] पहेलानु (२) पुराणु जूनु (३) पूवनु (४) पु० पूवदिशा (५) अ० पूर्वे पहेला
पूवक वि० [स] ते साथे सहित (नाम साथे समासमा) [मोटो भाई
पूवज पु० [म] पूव पुरुष वडवा (२)
पूर्वापर वि० [म] पूव अने अपर आगळ पाछळनु (२) अ० आगळ पाछळ (नाम,–य पु०) [पहेलो भाग
पूर्वाह्,–ह्ण पु० [म] दिवसना पूव–
पूर्वी वि० पूवनु [अगाउ कहेलु
पूर्वोक्त वि० [म] पहेला–उपर क
पूला पु० पूळो (स्त्री० –ली)
पूस पु० पोष मास
पच्छक वि० [म] पूछनार जिज्ञासु
पृच्छा स्त्री० [म] प्रश्न सवाल जिज्ञासा
पृथक वि० [म] जुदु छूटु अलग –क्करण पु० अलग करवु के पाडवु ते
पृथिवी, पृथ्वी स्त्री० [स] धरती दुनिया
पृथु वि० [म] मोटु विशाळ विस्तृत (२) अगणित
पृष्ठ पु० [स] पीठ (२) उपरनी सपाटी (३) पाछळनो भाग (४) चोपडीनु पानु
पेंग स्त्री० हीचकानो हेल्लो –मारना =हीचकाने हेल्लो मारवो हीचवु
पेंडुकी स्त्री० होलो (२) जुओ 'गुझिया'
पेंदा पु०, पेंदी स्त्री० तळियु
पेंशन स्त्री० [इ] पेनशन निवृत्ति ०र पु० निवृत्त थयेलो
पेंसिल स्त्री० [इ] पनसिल
पेखना स०क्रि० (प) देखवु जोवु
पेच पु० [फा] पेच (स्क्रू, आटो, युक्ति वगेरे) –घुमाना=पेच मरडवो युक्ति करी पलटी नाखवु
पेचक स्त्री० [फा] दोरनी गूचळी (२) पु० [स] घुवड
पेचकश पु० [फा] पेचियु
पेचताब पु० [फा] दाझ मननो गुस्सो
पेचदार वि० जुओ 'पेचीदा'
पेचा पु० 'पेचक' घुवड

पेचिश स्त्री० [फा] मरडानो रोग
पेचीदा(–ला) वि० [फा] (नाम,–दगी) पेचवाळु (२) कठण आटीघूटीवाळु
पेट पु० पट (२) गभ (३) पेटु अदरनो भाग (४) मन –काटना=बचत करवा ओछु खावु –का पानी न पचना= रही के रोकाई न शकावु –का हलका =हलका पटनु क्षुद्र –गिरना=गभपात थवो –चलना=दस्त थवा –छूटना= दस्त थवो (२) पूछडु छूटवु –जलना =भूख लागवी (२) गुस्सो आववो –जारी होना=झाडा थवा –देना= मननी वात बतावववी –पानी होना= पातळो झाडो थवो (२) डरवु –पालना=जेम तेम गुजारो चलाववो पटियु पूरु करवु –पीटना=पेट कूटवु बेचेन थवु –में चूहे कूदना या दौडना = खूब भूख लागवी –में दाढी होना =बचपनथी होशियार होवु –में पाव होना=पाकु, पहोचेल होवु –में पानी न पचना=पेटमा वात न रहेवी –में पानी होना=गभरावु चिंतामा पडवु –में बल पडना=हसवाथी पट दुखवु –लगना = भूखथी पेट चोटी जवु –से होना = गभवती होवु
पेटक पु०[स] पेटी पटारो (२) 'ढेर'
पेटल वि० मोटा पेटवाळु दुदाळु
पेटवाली स्त्री० सगर्भा स्त्री
पेटा पु० पेटु अदरनो भाग(२)नदीनो पट (३) हिसाबनु पटु (४)घेराव सीमा
पेटार,–रा पु० पटारो
पेटार्थी,–र्थू वि० खाउधरु पटुडु
पेटी स्त्री० पटा (२) नानी पेटी
पेटू वि० जुआ पेटार्थी'

पेटेंट वि० [इ] पटट करावेलु (२) पु० कोई चीज इ० सरकारमा पेटट करावववी ते
पेट्रन पु० [इ] सरक्षक, समथक
पेट्रोल पु० [इ] मोटरनु पेट्रोल
पेठा पु० भूराकोळु (२)तेनी एक मीठाई
पेड पु० झाड –लगना = झाड ऊगवु के थवु के रोपावु
पेडा पु० पेंडो (२) कणकनो लूओ
पेडी स्त्री० झाडनु थड (२) धड
पेडू पु० पढु (२) गभाशय
पेन स्त्री० [इ] कलम
पेनी स्त्री० [इ] पन्स
पेन्शन स्त्री०[इ] नोकरीमाथी निवत्त थये मळतु वेतन ०र पु० ते पामनार
पेन्सिल स्त्री० [इ] सीसापेन
पेन्हाना अ०क्रि० पाहो मूकवो
पेय पु० [स] पीणु (२) पाणी (३) दूध (४) वि० पीवा योग्य
पेरना स०क्रि० पीलवु (२) पीडवु (३) प्रेरवु (४) मोकलवु
पेलना स०क्रि० घुसाडवु (२) धकेलवु
पेला पु० झघडो तकरार (२) गुनो कसूर (३) हल्लो, चडाई (४) घुसाडवु के धकेलवु ते
पेवस पु०, –सी स्त्री० करेटु तरतना वियायेला ढोरनु दूध
पेश अ०[फा] सामे आगळ –आना= थवु बनवु (२) व्यवहार के वतन करवु –चलना, जाना = जार चालवु
पेश-कब्ज स्त्री० [फा] कटारी
पेश-कश स्त्री० [फा] भेट बक्षिस
पेशकार पु०[फा] अदालतना गिरस्ते दार –री स्त्री० तेनु काम के पद

पेशखेमा पु०[फा] फोजनी आगळ जती टुकडी के आगळ रवाना थतो तेनो सामान
पेशगी स्त्री० [फा] कोई काम माटे अगाउथी अपाती रकम वानु
पेशतर अ० [फा] पहेला
पेशबद पु०[फा] घोडानी छाती परनो पटो जेथी जीन पाछळ सरे नहि
पेशबदी स्त्री०[फा] अगमचेती पहेलेथी सावधानी [मदद करनार मजूर
पेशराज पु० पथ्थर लावी आपी कडियाने
पेशवा पु० [फा] नेता सरदार (२) मराठा राज्यनो पेशवा ०ई स्त्री० तेनु पद के काय (२) जुओ 'अगवानी'
पेशवाज स्त्री०[फा] जुओ 'पिशवाज'
पेशा पु० [फा] पेशो धधा
पेशानी स्त्री०[फा] माथु (२) कपाळ (३) नसीब –पर बल लाना = मगज गुमाववु गुस्से थवु
पेशाब पु० पेशाब मूत्र (२) वीय ०खाना पु० मुतरडी
पेशावर पु०[फा] पेशावाळो, धधादार
पेशी स्त्री०[फा] रजूआत (२) सुनावणी (३) [स] पेशी 'टिश्यु'
पेशीन-गोई स्त्री० [फा] भविष्य कहेवु ते
पेश्तर अ० [फा] जुओ 'पेशतर'
पेग स्त्री० जुओ 'पग
पेजना पु०, –नी स्त्री० पगनु एक घरेणु
पेठ स्त्री० पेठ बजार
पेड पु० डगलु (२) रस्तो
पेडा पु० रस्तो (२) तबेलो (३) प्रणाली
पेत स्त्री० युक्ति पेतरो, दाव
पेतालीस वि० पिस्तालीस ४५
पेतीस वि० पात्रीस ३५
पेदा पु० –दी स्त्री० जुओ 'पदा,–दी'
पेसठ वि० पासठ, ६५
पे प्रत्यय – (सातमीनो) उपर (२) (त्रीजीनो) द्वारा (३) अ० प्रति, तरफ (४) पासे (५) पछी (६) पण
पेक पु० [फा] खपियो
पेकर स्त्री० [फा] चहेरो, सिकल
पेंकार पु० [फा] फेरियो के परचूरण मालनो नाना वेपारी
पेखाना पु० पायखानु
पेगम्बर पु० [फा] पेगबर –री वि० पेगबरनु (२) स्त्री० पेगबरनु काय
पेग पु० (प) पग कदम
पेगाम पु०[फा] पेगाम सदेशो –मी पु० दूत सदेशवाहक
पेज स्त्री० (प) प्रतिज्ञा पण (२) होड
पेजामा पु० पायजामो
पेजार स्त्री० [फा] पेजार जोडा
पेठ स्त्री० पेस प्रवेश (२) गति पहोंच
पेठना अ०क्रि० पेसवु
पेडी स्त्री० सीडी (२) कूवानु ओलण
पेतरा पु० पेंतरा पवित्रा (२) पगलु
पेत(–थ)ला वि० छछरु
पेतक वि० [स] पितानु के तेमना सबधी
पे-दर-पे अ० [फा] क्रमश (२) लगातार
पेदल वि० (२) अ० पगे चालतु, पगपाळु (३) पु० पायदळ
पेदा वि० [फा] पेदा उत्पन्न
पेदाइश स्त्री० [फा] पेदाश उत्पत्ति जन्म [स्वाभाविक
पेदाइशी वि० जनम साथेनु (२)
पेदावार,–री स्त्री०[फा] खेतीनी पेदाश
पेना वि० [स पण] तीक्ष्ण तेज (२) पु० बळद हाकवानो पराणो

पेनाना स०क्रि०धार काढवी [जमीन]
पमाइश स्त्री० [फा] मापवु ते (जेम के
पेमाना पु० [फा] धोरण
पर्या स्त्री० पग
पया पु० पाचो दाणा सोलु
पैर पु० पर पग (२) पगलु (३) पळु
–डालना=दखल करवी, हाथ घालवा
–तोडना=टागा तोडवा, थाकवु –भर
जाना=पग भराई जवा–थाकवु
–भारी होना=गभ रहेवो परो चलना
=पगे चालवु [साइकल
पर-गाडी स्त्री० पगनी गाडी, जेवी के
पैरना अ०क्रि० तरवु
परवी स्त्री० [फा] अनुसरण (२)
आज्ञापालन (३) परवी ०कार पु०
'परवी' करनार
परा पु० पगलु (२) पगनु एक घरेणु
(३) [इ] पॅरो, फकरो
पराई स्त्री० तरवु ते के तेनी कळा
पराक पु० तारो तरनारो
पराव पु० तरीने जवाय एवु ऊडु पाणी
पराशूट पु० [इ] ऊचेथी ऊतरवा
विमानी छत्री
पैरी स्त्री० खळामा एकठा करेला
डूडानो ढग के खळु करवु ते
परो वि० [फा] अनुयायी
परोकार पु० जुओ 'पैरवीकार'
पवद पु० [फा] थीगडु (२) झाडनी
कलम (३) मित्र सगो
पैवदी वि० कलमी (२) वणसकर
पैवस्त वि० [फा] (प्रवाहीथी) तरबोळ
पैशाच,–चिक वि० [स] घोर राक्षसी
पिशाच जेवु [चुगली दुष्टता
पैशुन,–य पु० [स] पिशुनता चाडी-

पंसना अ०क्रि० (प) पमवु
पसा पु० पसा (२) धन
पसेवाला पु० पसादार (२) सराफ
पसिजर पु० [इ] पेसेंजर, उतारु
पैहम अ० [फा] जुआ 'पैदर-प'
पहारी वि० पय–दूध ज पीने रहेनार
(साधु)
पो स्त्री० फूकानो के पादवानो अवाज
–बोलना=हारी जवु (२) देवाळु काढवु
पोकना अ०क्रि० छेरवु (२) डरवु (३)
पु० छेरवानो (पशुनो) रोग
पोगा पु० नळी (वास के धातुनी) (२)
वि० पोलु (३) मख
पोंछ स्त्री० पूछ, पूछडी
पोछना स०क्रि० धसवु लाहवु (२)
पु० तेने माटेनु कपडु
पोआ पु० सापनो कणो
पोइया स्त्री० [फा पाय] घोडानी
जोरदार रवाल
पोइस स्त्री० मपाटाबध दोडवु ते (२)
अ० पोईस हठो खमो
पोई स्त्री० पोईनी वेल (२) घउ बाजरी
इ०नो नानो छोड (३) शेरडीनी आख
पोखर(–रा) पु० तळाव (स्त्री० –री)
पोच वि० [फा पूच] तुच्छ (२)अशक्त
पोट स्त्री० पोटली (२) ढेर
पोटला पु० मोटु पोटलु
पोटली स्त्री० पोटली नानु पोटलु
पोटा पु० पेट (२) आखनु (उपलु)
पोपचु (३) छाती जोर(४)(चकलीनो)
पोटो–बच्चु
पोढा वि० [स प्रौढ] दृढ (२) कठण
पोढाना अ०क्रि० दृढ के कठण थवु (२)
स०क्रि० दृढ के कठण करवु

पात पु० जमीनमहेसूल, 'पाता' (२) [स] पशुपक्षीनु बच्चु (३) नानो छोड
पोतडा पु०'पूतडा' बाळातियु पोतडाके अमीर या रईस = अमीर खानदानना नशीमत
पोतदार पु० महेसूल जमा राखनार (२) खजानामा रूपिया पारखनार
पोतना स०क्रि० धोळवु लीपवु (२) पु० पोतु कूचडा
पोतला पु० 'पराठा' चापडु
पोता पु० पौत्र (२) महेसूल (३) पोतु
पोती स्त्री० पौत्री
पोथा पु० मोटु पोथु (२) कागळनी थोकडी —थी स्त्री० चोपडी
पोदना पु० वामन (२) एक नानु पक्षी
पोदीना पु० [फा] फुदीनो
पोना स०क्रि० (रोटलो) हाथे घडवो (२) परोववु (३) गूथवु
पोपपु०[इ]सौथी मोटो ख्रिस्ती धर्मगुरु
पोपला वि० दात वगरनु बोखलु (२) पोपलु पाचकण [के होवु
पोपलाना अ०क्रि० बोखु के पोपलु थवु
पोया पु० सापनु बच्चु कणो (२) नानो छोड के बच्चु [(२) पराई
पोर स्त्री० आगळ के आगळीनो वढो
पोल पु० पोलाण (२) अदरनु पोल
पोला वि० पोलु खाली
पोश पु० [फा] (समासमा) ढाकण उदा मजपोश (२) पोशाक
पोशाक, पोशिश [फा] स्त्री० पोशाक, पहेरवेश पोशाक बढाना = कपडा उतारवा
पोशीदा वि०[फा]गुप्त ढकायेलु —दगी स्त्री० गुप्तता, ढाकवु के छुपाववु ते
पोषक वि०[स] पोषनारु (२) सहायक
पोषण पु०[स]पोषवु ते पालन सहायता
पोष(स)ना स०क्रि०पोषवु पालन करवु
पोष्य वि० [स] पालनपोषण करवा योग्य ०पुत्र पु० दत्तक पुत्र
पोस पु० पालणपोषण करवा माटेनो आभार—कृतज्ञता ०पूत पु० दत्तक पुत्र
पोसना स०क्रि० पोषवु पाळवु
पोस्ट स्त्री०[इ]जगा नोकरी (२) टपाल
पोस्ट आफिस पु० [इ] डाकघर
पोस्ट काड पु०[इ] टपालनु पत्तु काड
पोस्ट माटम पु०[इ] मरण बाद करातो मडदानी चारफाड के ते तपास
पोस्ट मास्तर पु०[इ] पोस्ट आफिसनो वडो
पोस्टमन पु० [इ] टपाली
पोस्टर पु० [इ] जाहेरात माटे मोटो कागळ छपाय छे ते
पोस्टेज पु० [इ] टपालखर्च
पोस्त पु० [फा] छोडु (२) पोस अफीणनो दोडो (३) जुओ 'पोस्ता'
पोस्ता पु० अफीणनो छोड
पोस्ती पु०[फा] पोस्ती पोस उकाळी पीनार (२) आळसु
पोस्तीन पु०[फा] चामडानो (रूवाटी-वाळो) कोट के अमुक पोशाक
पोहना स०क्रि० 'पिराना' (२) छेदवु (३) अदर घूसवु
पौंडा, पौंड्रक पु०[स]जाडी मोटी शरडी
पौंरना अ०क्रि० 'परना' तरवु
पौ स्त्री० परब (२) रमतनु पो (३) पोह फा —बारह होना=पो पडवु (२) लाभनो लाग मळवो
पौआ(—वा) पु० पाशेरो

पौगड पु० [स] बाल्यावस्था (पाचथी दसेक वष उमरनी)
पौडर स्त्री० पाउडर
पौढ़ना अ०क्रि० जुओ 'झूलना' (२) पोढवु सूवु (प्रेरक **पौढ़ाना**)
पौत्र पु० [स] पुत्रनो पुत्र (२) वि० पुत्र सबधी **–त्रिकेय** पु० पुत्रीनो पुत्र **–त्री** स्त्री० पुत्रनी पुत्री
पौद स्त्री० छोड (२) धरु
पौदर स्त्री० पगदडी (२) रेंट के कोस या कोलुना बळदथी पडी जती वाट
पौदा,–धा पु० छोडवो
पौन वि० पोणु (२) पु०, स्त्री० पवन (३) प्राण (४) भूत **–चलाना** या **मारना** = जादु के टुचको करवो **–बिठाना** = भूत वळगाडवु
पौना पु० पोणाना आक (२) झारो
पौनार,–रि स्त्री० कमळनी दाडी
पौनी स्त्री० वसवाया (२) नानो 'पौना' – झारो
पौने वि० पोणु [[स] पुरनु
पौर स्त्री० जुओ 'पौरि' (२) वि०
पौरा पु० पगलु 'परा'
पौराणिक वि० [स] पुराणु (२) पुराणोनु के ते सबधी (३) पु० पुराणी, पुराणवेत्ता [(३) पावडी
पौरि,–री स्त्री० सीडी (२) डेली, खडकी
पौरि(–लि)या पु० पोळियो द्वारपाळ
पौरुष पु० [स] पुरुषत्व (२) बळ पराक्रम (३) उद्यम पुरुषार्थ [तेनु करेलु
पौरुषेय वि० [स] पुरुषनु के ते सबधी के
पौणमासी स्त्री० [स] पूनम
पौल पु० पोळ मोटो दरवाजा **–लिया** पु० जुओ 'पौरिया'
पौली स्त्री० 'पौरी', डेली (२) पगलु
पौवा पु० जुओ 'पौआ'
पौष पु० [स] पोष मास
पौष्टिक वि० [स] पुष्टि आपे एव
पौसर(–रा,–ला) पु० परब
पौहारी वि० जुओ 'पँहारी'
प्याऊ पु० परब
प्याज पु० पियाज, डुगळी
प्याजी वि० प्याजना रगनु आछु गुलाबी
प्यादा पु० [फा] पायदळ सिपाई, प्यादु (२) दूत खेपियो
प्यार पु० प्रेम वहाल **–रा** वि० प्यारु, वहालु
प्याला पु० [फा] वाडको **–देना**=शराब पीवा आपवो **–पीना** या **लेना**=शराब पीवो **–बहना**=गर्भपात थवो **–भरना** =आयुष पूरु थवु **–ली** स्त्री० वाडकी
प्यास स्त्री० तरस (२) प्रबल इच्छा **–बुझाना**=तरस छिपाववी **–लगना** =तरस लागवी
प्यासा वि० तरस्यु, पिपासु
प्यून पु० [इ] पटावाळो, सिपाई
प्योसर पु० करेटु (गायनु)
प्योसार पु० (प) पियर
प्रक(–ग)ट वि० [स] प्रगट, प्रत्यक्ष, खुल्लु जाहेर
प्रकरण पु० [स] पुस्तकनु प्रकरण, अध्याय (२) विषय, प्रसग (३) चर्चा वत्तात [जात भद
प्रकार पु० [स] रीत, तरेह (२)
प्रकाश पु० [स] तेज अजवाळु (२) विकास स्फोट, साफ समज (३) प्रसिद्धि
प्रकाशक पु० [स] प्रकाश करनार

प्रकीण वि० [स] मिश्रित (२) छूटुछवायु (३) विविध परचूरण (४) फेलायेलु विस्तृत [प्राकृतिक स्वाभाविक
प्रकृत वि० [स] असली खरु (२)
प्रकृति स्त्री० [स] स्वभाव मिजाज (२) कुदरत निसर्ग (३) जगतनो मूळ शक्ति माया
प्रकोप पु० [स] अधिक कोप (२) रागनु के काई वस्तुनु वधारपडतु जोर थवु ते—अतिशयता
प्रकोष्ठ पु० [स] मुख्य दरवाजा पासनी ओरडी (२) आगण वाडो
प्रक्रिया स्त्री० [स] क्रिया के तनी रीत—युक्ति विधि
प्रक्षालन पु० [स] धोवु ते
प्रक्षिप्त वि० [स] फकेलु (२) क्षेपक पछीथी घुसाडेलु के नाखलु
प्रक्षेप,०ण पु० [स] फेंकवु ते (२) प्रक्षिप्त होवु ते क्षेपक (३) भागीदारे नाखेली मूडी
प्रखर वि० [स] उग्र तीव्र तीक्ष्ण
प्रख्यात वि० [स] प्रसिद्ध मशहूर —ति स्त्री० कीर्ति
प्रगट वि० जुओ 'प्रकट' ०ना अ०क्रि० प्रगट के जाहेर थवु
प्रगल्भ वि०[स] प्रतिभावान चतुर (२) साहसिक निर्भय (३) उद्धत अमर्याद
प्रगाढ वि० [स] बहु गाढु (२) खूब बहु
प्रचड वि० [स] तेज उग्र प्रखर (२) प्रबळ जोरदार (३) भयकर
प्रचलन पु० [स] चलण रिवाज चाल
प्रचलित वि० [स] चालु रिवाज पडेलु
प्रचार पु० [स] फेलावो (२) चाल रिवाज

प्रचारक वि० (२) पु० प्रचार करनार
प्रचारना स०क्रि० फेलाववु प्रचार करवो
प्रचुर वि० [स] बहु खूब
प्रच्छन्न वि० [स] छपु ढाकेलु गुप्त
प्रजनन पु० [स] प्रजोत्पत्ति (२) जणवु के जणाववु (दाईए) ते (३) पिता
प्रजा स्त्री० [स] सतान परिवार (२) रयत
प्रजातत्र पु० [स] प्रजा द्वारा—तना प्रतिनिधियो चालतु राज्यतत्र लोकशाही राज्यव्यवस्था [(३) पिता
प्रजापति पु० [स] ब्रह्मा (२) राजा
प्रजावती स्त्री० [स] बहु प्रजावाळी स्त्री (२) सगभा (३) भाभी
प्रजासत्ता स्त्री० [स] प्रजातत्र ०क वि०
प्रज्ञ वि० [स] विद्वान जाणकार
प्रज्ञा स्त्री० [स] बुद्धि विवेकशक्ति ०चक्षु वि० ज्ञानी (२) अध
प्रज्वलन पु० [स] बळवु के सळगवु ते
प्रज्वलित वि० [स] बळतु धगधगतु
प्रण पु० पण प्रतिज्ञा
प्रणत वि० [स] नमेलु के नमन करतु (२) नम्र (३) पु० दास भक्त ०पाल पु० दास के भक्तनो पाळनार
प्रणति स्त्री० [स] नमन प्रणाम (२) नम्रता (३) विनती
प्रणय पु० [स] प्रेम (२) प्रेमपूर्वक विनती (३) विश्वास श्रद्धा (४) मोक्ष (५) प्रसव छुटकारो
प्रणयन पु० [स] रचना निर्माण
प्रणयी वि० [स] प्रेमपात्र प्रेमी (२) पु० पति (स्त्री० —यिनी)
प्रणव पु० [स] ओमकार (२) परमेश्वर
प्रणवना स०क्रि० प्रणामवु नमवु

प्रणाम पु० [स] नमस्कार –मी वि० प्रणाम करनार
प्रणाला स्त्री०[स]प्रथा, परपरा, रिवाज (२)शली रीत(३)पाणी जवानी नीक, 'नाळी' [अपण, भवित
प्रणिधान पु० [स] एकाग्रता ध्यान (२)
प्रणिपात पु० [स] प्रणाम पगे लागवु ते
प्रणीत वि० [स] रचित बनावेलु (२) मतरेलु (३) पु० मतरेलु पाणी
प्रणेता पु० [स] रचनार कर्ता
प्रताप पु० [स] प्रभाव, तेज बळ वीरता ०वान,–पी वि० प्रतापवाळु
प्रतारक वि० [स] ठगनार, छेतरनार
प्रतारण पु०, –णा स्त्री० ठगवु के छेतरवु ते
प्रतिचा स्त्री० धनुषनी प्रत्यचा
प्रति अ० [स] भणी, तरफ (२) स्त्री० प्रत नकल
प्रति(–ती)कार पु०[स]सामनो बदलो (२) उपाय इलाज [विरुद्ध
प्रतिकूल वि० [स] प्रतिकूळ नामाफक
प्रतिकृति स्त्री० [स] छबी प्रतिमा (२) नकल (३) प्रतिबिंब (४) प्रतिकार बदलो
प्रतिक्रिया स्त्री० [स] प्रतिकार (२) सामेथी परिणमती क्रिया, प्रत्याघात
प्रतिग्रह पु० [स] ग्रहण करवु ते (२) पाणिग्रहण विवाह (३) सामे थवु के जवाब आपवो ते [रुकावट
प्रतिघात पु० [स] प्रत्याघात (२) बाधा
प्रतिच्छाया [स], प्रतिछाई(–ह,–ही), प्रतिछाया स्त्री० पडछायो (२)प्रतिबिंब
प्रतिज्ञा स्त्री० [स] पण वचन शपथ एकरार
प्रतिदान पु०[स]परत करवु ते(२)बदला
प्रतिदिन अ० [स] रोज, नित्य
प्रतिद्वंद्वी पु० [स] सामवाळा, शत्रु (२) बराबरियो –द्विता स्त्री० विरोध, सामना
प्रतिध्वनि स्त्री० [स] पडघो
प्रतिनिधि पु० [स] प्रतिमा (२)–ने बदले काम करवाना अवेज-अधिकारवाळो
प्रतिपक्ष पु० [स] विरोधपक्ष (२) विरोधी प्रतिवादी, शत्रु –क्षी पु० विरोधी, शत्रु
प्रतिपत्ति स्त्री० [स] प्रतीति ज्ञान (२) प्रतिपादन समर्थन, निरूपण
प्रतिपदा स्त्री० [स] पडवो
प्रतिपन्न वि० [स] प्रतीत जाणेलु (२) साबित के नक्की थयलु (३) शरणे आवेलु
प्रतिपादन पु० [स] प्रतिपत्ति, समज (२) समर्थन, साबित के सिद्ध करवु ते
प्रतिपालक पु० [स] पालक, रक्षक –न पु० पालन रक्षण [परिणाम फळ
प्रतिफल पु० [स] छाया प्रतिबिंब (२)
प्रतिबंध पु०[स] मनाई (२) रुकावट, बाधा (३) प्रबंध, बदोबस्त ०क वि० प्रतिबंध करनार
प्रतिबंधु पु० [स] भाई समान ते
प्रतिबिंब पु०[स] पडछायो (२) प्रतिमा, छबी (३) अरीसा
प्रतिभा स्त्री०[स]असाधारण बुद्धिशक्ति
प्रतिभू पु० [स] जामिन
प्रतिमा स्त्री० [स] मूर्ति (२) प्रतिबिंब
प्रतियोगिता स्त्री०[स] हरीफाई होड (२) विरोध [भागीदार
प्रतियोगी पु०[स] शत्रु, हरीफ(२)साथी,

प्रतिलिपि स्त्री० [स] नकल, 'कॉपी'
प्रतिलोम वि० [स] ऊलटा क्रमवाळु (२) प्रतिकूळ (३) हलकु
प्रतिवाद पु० [स] सामे वाद – खडन के तेनी चर्चा या जवाव –दी पु० प्रतिवाद करनार (२) प्रतिपक्षी
प्रतिवास पु०[स]पडोश –सी पु० पडोशी
प्रतिवेश पु०[स]पडोश –शी पु० पडोशी
प्रतिशब्द पु० [स] पडघो
प्रतिशोध पु० [स] वदलो वेर
प्रतिषिद्ध वि०[स] निषिद्ध मना वर्ज्य
प्रतिषेध पु [स] निषेध मनाई (२)खडन
प्रतिष्ठा स्त्री०[स] स्थापना (२) मूर्तिनी स्थापना (३)यश आवरू(४)स्थान जगा
प्रतिष्ठान पु० [स] स्थापवु ते (२) देव इ० नी प्रतिष्ठा (३) स्थान, जगा
प्रतिष्ठित वि० [स] प्रतिष्ठा थयेलु के पामेलु [–र्धी पु० हरीफ
प्रतिस्पर्धा स्त्री० [स] स्पर्धा हरीफाई
प्रतिहत वि०[स] पाछु पडेलु रोकायेलु (२) निराश [प्रतिहारी
प्रतिहार पु०[स] दरवाजो द्वार (२)
प्रतिहारी पु० [स] द्वारपाळ
प्रतीक वि०[स] ऊलटु (२) विरुद्ध (३) पु० चिह्न (४)प्रतिरूप (५) अग अवयव
प्रतीकार पु० [स] जुओ 'प्रतिकार'
प्रतीक्षा स्त्री० [स] राह वाट (२) परिपालन भरणपोषण
प्रतीची स्त्री०[स] पश्चिम दिशा ०न, –च्य वि० पश्चिमनु
प्रतीत वि०[स]विदित ज्ञात समजायेलु –ति स्त्री० ज्ञान समज (२) विश्वास
प्रतीप वि० [स]ऊलटु सामेनु [पशी
प्रतुद पु० [स] चाचथी तोडीने खानार

प्रतोली स्त्री०[स] नानी सडक गली
प्रत्न वि० [स] प्राचीन पुराणु
प्रत्यचा स्त्री० [स] धनुषनी दोरी
प्रत्यक्ष वि०[स] आखा सामनु उघाडु (२) पु० प्रत्यक्ष प्रमाण
प्रत्यय पु०[स] प्रतीति विश्वास (२) पतीज (३) व्याकरणनो प्रत्यय
प्रत्यागत वि०[स] पाछु आवेलु
प्रत्यागमन प० [स] पाछु आववु ते
प्रत्याघात पु० [स] प्रतिक्रिया, टक्कर
प्रत्यावर्तन पु०[स] पाछु आववु ते
प्रत्याशा स्त्री० [स] आशा भरासो
प्रत्युत अ० [स] बल्के ऊलटु
प्रत्युत्तर पु०[स] उत्तरनो उत्तर पड-उत्तर [उपकार
प्रत्युपकार पु० [स] उपकार सामे
प्रत्यूष पु० [स] सवार (२) सूर्य
प्रत्येक वि० [स] दरेक
प्रथम वि०[स] पहेलु (२) मुख्य ०पुरुष पु० पहेलो पुरुष (व्याकरणमा)
प्रथा स्त्री० [स] रिवाज, रीत
प्रदक्षिण पु०, –णा स्त्री०[स] भक्तिथी चारे तरफ फरवु ते
प्रदर पु० [स] एक स्त्री-रोग
प्रदर्शक पु०[स] देखाडनार (२) जोनार प्रेक्षक –न पु० देखाडवु ते (२) जुओ 'प्रदर्शनी'
प्रदर्शनी स्त्री० प्रदर्शन 'नुमाइश'
प्रदान पु०[स] दान भेट (२) विवाह
प्रदायक वि० [स] देनार दाता
प्रदाह पु० [स] दाह बळतरा
प्रदीप पु० [स] दीवो (२) प्रकाश
प्रदीप्त वि०[स] प्रकाशित उज्ज्वळ
प्रदीप्ति स्त्री० [स] प्रकाश (२) चमक

णाम पु० [स] नमस्कार —मी वि० प्रणाम करनार
प्रणाली स्त्री०[स]प्रथा परपरा, रिवाज (२)शैली, रीत(३)पाणी जवानी नीक, 'नाळी' [अपण भक्ति
प्रणिधान पु० [स] एकाग्रता ध्यान (२)
प्रणिपात पु० [स] प्रणाम पगे लागवु ते
प्रणीत वि० [स] रचित बनावेलु (२) मतरेलु (३) पु० मतरेलु पाणी
प्रणेता पु० [स] रचनार कर्ता
प्रताप पु० [स] प्रभाव तज, बळ वीरता ०वान,—पी वि० प्रतापवाळु
प्रतारक वि० [स] ठगनार, छेतरनार
प्रतारण पु०, —णा स्त्री० ठगवु के छेतरवु ते
प्रतिचा स्त्री० धनुषनी प्रत्यचा
प्रति अ० [स] भणी तरफ (२) स्त्री० प्रत, नकल
प्रति(—ती)कार पु०[स]सामनो, बदलो (२) उपाय इलाज [विरुद्ध
प्रतिकूल वि० [स] प्रतिकूळ, नामाफक,
प्रतिकृति स्त्री० [स] छबी, प्रतिमा (२) नकल (३) प्रतिबिंब (४) प्रतिकार, बदलो
प्रतिक्रिया स्त्री० [स] प्रतिकार (२) सामथी परिणमती क्रिया, प्रत्याघात
प्रतिग्रह पु० [स] ग्रहण करवु त (२) पाणिग्रहण, विवाह (३) सामे थवु के जवाब आपवो ते [रुकावट
प्रतिघात पु० [स] प्रत्याघात (२) बाधा
प्रतिच्छाया [स], प्रतिछाई(—ह,—हीं), प्रतिछाया स्त्री० पडछायो (२)प्रतिबिंब
प्रतिज्ञा स्त्री० [स] पण, वचन शपथ एकरार
प्रतिदान पु०[स]परत करवु ते(२)बदलो
प्रतिदिन अ० [स] रोज, नित्य
प्रतिद्वद्वी पु० [स] सामवाळो, शत्रु (२) बरोबरियो —द्विता स्त्री० विरोध सामना
प्रतिध्वनि स्त्री० [स] पडघो
प्रतिनिधि पु० [स] प्रतिमा (२)-ने बदले काम करवाना अवेज-अधिकारवाळो
प्रतिपक्ष पु० [स] विरोधपक्ष (२) विरोधी, प्रतिवादी शत्रु —क्षी पु० विरोधी शत्रु
प्रतिपत्ति स्त्री० [स] प्रतीति, ज्ञान (२) प्रतिपादन, समर्थन निरूपण
प्रतिपदा स्त्री० [स] पडवा
प्रतिपन्न वि० [स] प्रतीत, जाणेलु (२) साबित के नक्की थयेलु (३) शरणे आवेलु
प्रतिपादन पु० [स] प्रतिपत्ति, समज (२) समर्थन, साबित के सिद्ध करवु ते
प्रतिपालक पु० [स] पालक, रक्षक —न पु० पालन रक्षण [परिणाम, फळ
प्रतिफल पु० [स] छाया, प्रतिबिंब (२)
प्रतिबध पु०[स] मनाई (२) रुकावट, बाधा (३) प्रबध, बदोबस्त ०क वि० प्रतिबध करनार
प्रतिबधु पु० [स] भाई समान त
प्रतिबिंब पु०[स] पडछायो (२) प्रतिमा, छबी (३) अरीसो
प्रतिभा स्त्री०[स]असाधारण बुद्धिशक्ति
प्रतिभू पु० [स] जामिन
प्रतिमा स्त्री० [स] मूर्ति (२) प्रतिबिंब
प्रतियोगिता स्त्री०[स] हरीफाई, होड (२) विरोध [भागीदार
प्रतियोगी पु०[स] शत्रु हरीफ(२)साथी

प्रणाम पु० [स] नमस्कार -मी वि० प्रणाम करनार
प्रणाली स्त्री०[स]प्रथा, परपरा, रिवाज (२)शली, रीत(३)पाणी जवानी नीक, 'नाळी' [अपण भक्ति
प्रणिधान पु० [स] एकाग्रता ध्यान (२)
प्रणिपात पु० [स] प्रणाम पगे लागवु ते
प्रणीत वि० [स] रचित बनावेलु (२) मतरेलु (३) पु० मतरेलु पाणी
प्रणेता पु० [स] रचनार, कर्ता
प्रताप पु० [स] प्रभाव, तज, बळ वीरता ०वान,-पी वि० प्रतापवाळु
प्रतारक वि० [स] ठगनार छेतरनार
प्रतारण पु०, -णा स्त्री० ठगवु के छेतरवु ते
प्रतिचा स्त्री० धनुषनी प्रत्यचा
प्रति अ० [स] भणी तरफ (२) स्त्री० प्रत, नकल
प्रति(-ती)कार पु०[स]सामनो बदलो (२) उपाय इलाज [विरुद्ध
प्रतिकूल वि० [स] प्रतिकूळ नामाफक,
प्रतिकृति स्त्री० [स] छबी प्रतिमा (२) नकल (३) प्रतिबिंब (४) प्रतिकार, बदलो
प्रतिक्रिया स्त्री० [स] प्रतिकार (२) सामथी परिणमती क्रिया प्रत्याघात
प्रतिग्रह पु० [स] ग्रहण करवु ते (२) पाणिग्रहण विवाह (३) साम थवु के जवाब आपवो ते [रुकावट
प्रतिघात पु० [स] प्रत्याघात (२) बाधा
प्रतिच्छाया [स], प्रतिछाई(-ह,-ही), प्रतिछाया स्त्री० पडछायो (२)प्रतिबिंब
प्रतिज्ञा स्त्री० [स] पण वचन, शपथ एकरार
प्रतिदान पु०[स]परत करवु ते(२)बदलो
प्रतिदिन अ० [स] राज, नित्य
प्रतिद्वंद्वी पु० [स] सामवाळो शत्रु (२) वगेवरियो -द्विता स्त्री० विरोध सामनो
प्रतिध्वनि स्त्री० [स] पडघो
प्रतिनिधि पु० [स] प्रतिमा (२) -न बदले काम करवाना अवेज-अधिकारवाळो
प्रतिपक्ष पु० [स] विरोधपक्ष (२) विरोधी प्रतिवादी शत्रु -क्षी पु० विरोधी, शत्रु
प्रतिपत्ति स्त्री० [स] प्रतीति ज्ञान (२) प्रतिपादन समर्थन निरूपण
प्रतिपदा स्त्री० [स] पडवो
प्रतिपन्न वि० [स] प्रतीत, जाणेलु (२) साबित के नक्की थयेलु (३) शरणे आवेलु
प्रतिपादन पु० [स] प्रतिपत्ति समज (२) समर्थन, साबित के सिद्ध करवु ते
प्रतिपालक पु० [स] पालक रक्षक -न पु० पालन रक्षण [परिणाम फळ
प्रतिफल पु० [स] छाया प्रतिबिंब (२)
प्रतिबध पु०[स] मनाई (२) रुकावट, बाधा (३) प्रबध, बदोबस्त ०क वि० प्रतिबध करनार
प्रतिबधु पु० [स] भाई समान ते
प्रतिबिंब पु०[स] पडछायो (२) प्रतिमा, छबी (३) अरीसो
प्रतिभा स्त्री०[स]असाधारण बुद्धिशक्ति
प्रतिभू पु० [स] जामिन
प्रतिमा स्त्री० [स] मूर्ति (२) प्रतिबिंब
प्रतियोगिता स्त्री०[स] हरीफाई, होड (२) विरोध [भागीदार
प्रतियोगी पु०[स] शत्रु हरीफ(२)साथी,

प्रतिलिपि स्त्री० [स] नकल, 'कापी'
प्रतिलोम वि० [स] ऊलटा क्रमवाळु (२) प्रतिकूळ (३) हलकु
प्रतिवाद पु० [स] सामे वाद – खडन के तेनी चर्चा या जवाब –दी पु० प्रतिवाद करनार (२) प्रतिपक्षी
प्रतिवास पु०[स]पडोश –सी पु० पडोशी
प्रतिवेश पु०[स]पडोश –शी पु० पडोशी
प्रतिशब्द पु० [स] पडघा
प्रतिशोध पु० [स] बदलो वेर
प्रतिषिद्ध वि०[स] निषिद्ध मना वर्ज्य
प्रतिषेध पु [स] निषेध मनाई (२)खडन
प्रतिष्ठा स्त्री०[स] स्थापना (२) मूर्तिनी स्थापना (३)यश आबरू(४)स्थान जगा
प्रतिष्ठान पु० [स] स्थापवु ते (२) देव इ० ना प्रतिष्ठा (३) स्थान जगा
प्रतिष्ठित वि० [स] प्रतिष्ठा थयेलु के पामेलु [–र्धी पु० हरीफ
प्रतिस्पर्धा स्त्री० [स] स्पर्धा हरीफाई
प्रतिहत वि०[स] पाछु पडेलु रोकायेलु (२) निराश [प्रतिहारी
प्रतिहार पु०[स] दरवाजो, द्वार (२)
प्रतिहारी पु० [स] द्वारपाळ
प्रतीक वि०[स] ऊलटु (२) विरुद्ध (३) पु० चिह्न (४)प्रतिरूप (५) अग अवयव
प्रतीकार पु० [स] जुओ 'प्रतिकार'
प्रतीक्षा स्त्री० [स] राह वाट (२) परिपालन भरणपोषण
प्रतीची स्त्री०[स] पश्चिम दिशा ०न, –च्य वि० पश्चिमनु
प्रतीत वि०[स]विदित ज्ञात, समजायेलु –ति स्त्री० ज्ञान समज (२) विश्वास
प्रतीप वि० [स]ऊलटु सामनु [पक्षी
प्रतुद पु० [स] चाचथी तोडीने खानार
प्रतोली स्त्री०[स] नानी सडक, गली
प्रत्न वि० [स] प्राचीन, पुराणु
प्रत्यचा स्त्री० [स] धनुषनी दोरी
प्रत्यक्ष वि०[स] आखो सामनु उघाडु (२) पु० प्रत्यक्ष प्रमाण
प्रत्यय पु०[स] प्रतीति विश्वास (२) पतीज (३) व्याकरणनो प्रत्यय
प्रत्यागत वि०[स] पाछु आवेलु
प्रत्यागमन पु० [स] पाछु आववु ते
प्रत्याघात पु० [स] प्रतिक्रिया टक्कर
प्रत्यावर्तन पु०[स] पाछु आववु ते
प्रत्याशा स्त्री० [स] आशा भरासो
प्रत्युत अ० [स] बल्के ऊलटु
प्रत्युत्तर पु०[स] उत्तरनो उत्तर पड-उत्तर [उपकार
प्रत्युपकार पु० [स] उपकार सामे
प्रत्यूष पु० [स] सवार (२) सूर्य
प्रत्येक वि० [स] दरेक
प्रथम वि०[स] पहेलु (२) मुख्य ०पुरुष पु० पहेलो पुरुष (व्याकरणमा)
प्रथा स्त्री० [स] रिवाज रीत
प्रदक्षिण पु० –णा स्त्री०[स] भक्तिथी चारे तरफ फरवु ते
प्रदर पु० [स] एक स्त्री रोग
प्रदर्शक पु०[स] देखाडनार (२) जोनार प्रेक्षक –न पु० देखाडवु ते (२) जुओ 'प्रदर्शनी'
प्रदर्शनी स्त्री० प्रदर्शन 'नुमाइश'
प्रदान पु०[स] दान भेट (२) विवाह
प्रदायक वि० [स] देनार दाता
प्रदाह पु० [स] दाह बळतरा
प्रदीप पु० [स] दीवो (२) प्रकाश
प्रदीप्त वि०[स] प्रकाशित उज्ज्वळ
प्रदीप्ति स्त्री० [स] प्रकाश (२) चमक

प्रदेश पु०[स] देशनो विभाग, प्रात (२) स्थान (३) वेंत माप
प्रदोप पु० [स] सूर्यास्त सध्याकाळ
प्रद्योत पु०[स] किरण (२) दीप्ति, चमक
प्रधान वि०[स] मुख्य (२) उत्तम (३) पु० सचिव वजीर (४) सृष्टिनु प्रधान वे मूळतत्त्व
प्रध्वस पु० [स] ध्वस नाश
प्रपच पु०[स] सृष्टिनो विस्तार, जजाळ (२) झझट वखेडो (३) ढाग छळ —ची वि० प्रपचवाळु
प्रपत्ति स्त्री०[स] अनन्य भक्ति (२) शरण लेवु ते [शरणागत
प्रपन्न वि० [स] प्राप्त पहोचेलु (२)
प्रपात पु०[स] धोध (२) ऊभी भेखड
प्रपितामह पु०[स] पडदादा, दादाना पिता
प्रफुल्ल वि०[स] खीलेलु (२) फूलेलु-फालेलु (३) प्रसन्न [निबध
प्रबध पु०[स] व्यवस्था, बदोबस्त (२)
प्रबल वि०[स] प्रबळ बळवान (२) उग्र, जोरदार [(३) प्रफुल्ल
प्रबुद्ध वि०[स] जागेलु चेतलु (२) ज्ञानी
प्रबोध,०न पु०[स] ज्ञान चेतना, जागृति (२) सात्वन दिलासो (३) चेतवणी
प्रबोधना म०क्रि० (प) जगाडवु चेतववु (२) दिलासो आपवो [अगियारश
प्रबोध(-धि)नी स्त्री० [स] देवऊठी
प्रभव पु०[स] जन्म उत्पत्ति (२) सृष्टि
प्रभा स्त्री० [स] तेज चमक प्रकाश
प्रभाकर पु०[स] सूय, चद्र के अग्नि
प्रभाकीट पु० [स] आगियो
प्रभात पु० [स] सवार —ती स्त्री० प्रभातियु
प्रभाव पु० [स] महिमा, प्रताप (२) शक्ति (३) दोरदमाम (४) असर
प्रभावित वि० [स] प्रभावमा आवलु
प्रभास पु० [स] तेज ज्योति
प्रभु पु० [स] स्वामी अधिपति (२) परमेश्वर
प्रभृति अ० [स] वगेरे, इत्यादि
प्रमत्त वि०[स] मस्त, नशामा चकचूर (२) पागल
प्रमदा स्त्री० [स] युवती प्रेमदा
प्रमाण पु० [स] साचा ज्ञाननु साधन (२) पुरावो, साबिती (३) परिमाण माप मर्यादा
प्रमाणपत्र पु० [स] योग्यता इ०नु खातरीपत्रक [प्रमाणवाळु
प्रमाणित वि० [स] साबित, सिद्ध,
प्रमाद पु० [स] सुस्ती, आळस (२) भूल भ्राति, गफलत (३) मद, नशो —दी वि० प्रमादवाळु
प्रमीला स्त्री०[स] तद्रा (२) शिथिलता
प्रमुख वि० [स] मुख्य, प्रधान (२) मान्य, अग्रेसर (३) अ० इत्यादि
प्रमेय वि०[स] जेनु ज्ञान के माप मळी शके एवु
प्रमेह पु० [स] एक मूत्ररोग
प्रमोद पु०[स] मजा, आनद, मनोरजन
प्रयत्न पु० [स] महेनत, कोशिश
प्रयागवाल पु० प्रयागतीर्थनो पडो
प्रयाण पु०[स] जवु के ऊपडवु ते (२) आक्रमण (३) आरभ
प्रयास पु० [स] प्रयत्न, महेनत
प्रयुक्त वि०[स] जोडायेलु लागल (२) काममा आणेलु, प्रयोजायेलु
प्रयुत वि०[स] सहित (२) मळेलु (३) पु० दस लाख, 'मिलियन'

ग पु०[स] काममा लेवु—वापरवु ते
२) अजमावी के वापरी जोवु त (३)
नलो दृष्टात (४) मननो प्रयोग
५) व्याजे धीरवु ते
ाक पु०[स] प्रयोग करनार
ोजन पु०[स] जय हेतु (२) मतलब
रज (३) उपयोग
व वि०[स] जति लाव (२) स्टवतु
ानार (३) सुस्त ढीलु (४) पु०
टवु ते (५) डाळी
य पु०[स] लय थवु त (२) ससारनो
विनाश —यकर वि० प्रलयकारी
ाप पु०[स] नकामो बकवाद ल्वारा
—पी वि० ते करनार
प,०न पु०[स] लेप मलम इ० के ते
वापटवु ते
ोभ,०न पु० [स] लोभ लालच
चना स्त्री० [स] वचना ठगाई
वचन पु० [स] स्पष्ट निरूपण के
विवरण(२)धम के नीति पर व्याख्यान
वर वि०[स] श्रेष्ठ मुख्य (२) पु०
सन्तान (३) अगरवत्ती (४) गोत्रना
प्रवतक मुनि
वतक पु० [स] सचालक (२) प्रथम
प्रवतावनार—चलावनार (३) मध्यस्थ
पच
वतन पु०[स] प्रवतवु क प्रवतावव ते
वाद पु०[स] वातचीत (२) कूथली
निदा (३) अफवा ऊडती वात
वास पु०[स] परदेश के त्या निवास
—सी वि० परदेशवासी —सित वि०
दशानिकाल थयेलु
वाह पु० [स] (पाणी इ०) वहेवु ते,
(२) वहेतु पाणी (३) नम प्रघात

प्रवाही वि०[स] वहेतु के वह एवु (२)
स्त्री० रेती
प्रविसना अ० क्रि० (प) प्रवेशवु
प्रवीण वि० [स] कुशळ होशियार
प्रवृत्त वि० [स] (काममा) लागलु के
लगाडेलु रोकायेलु
प्रवृत्ति स्त्री०[स] वलण रुचि झुकाव
(२) कामकाज (३) ससारनु कामकाज
के तेमा लागवु त [पहाव
प्रवेश पु०[स] दाखल थवु त (२) गति
प्रव्रज्या स्त्री० [स] सन्यास
प्रशसा स्त्री०[स] वखाण, तारीफ —सक
पु० वखाणनार (२) खुशामतियो
—सनीय वि० वखाणवा पात्र
प्रशस्त वि०[स] वखाणायलु उत्तम —स्ति
स्त्री० प्रशसा —स्य वि० प्रशसनीय
प्रशाखा स्त्री० [स] शाखानी शाखा
डाळखी
प्रश्न पु० [स] सवाल —श्नोत्तर पु०
सवाल जवाब (२) पूछपरछ
प्रश्रय पु० [स] आश्रय (२) टको
प्रसग पु०[स] अवसर मोका (२) मेळ
लाग (३) बनाव (४) प्रकरण विषय
प्रसन्न वि०[स] राजी खुशी (२) स्वच्छ
प्रसव पु०[स] जामवु ते प्रसूति (२)
सतान के फलफूल
प्रसाद पु०[स] कृपा, महेरबानी (२)
प्रसन्नता(३)निमळता(४)देवनो प्रसाद
प्रसादी स्त्री० प्रसाद (२) वि० कृपाळु
(३) निमळ [सचार गमन
प्रसार पु०[स] पसारो फेलावो (२)
प्रसिद्ध वि०[स] जाणीतु (२) शणगारेलु
—द्धि स्त्री० ख्याति (२) शणगार
प्रसुप्त वि०[स] ऊघेलु —प्ति स्त्री० ऊघ

प्रसू स्त्री० [स] जणनारी (२) माता
प्रसूत पु० प्रसूति बाद थतो स्त्री रोग, सुवारोग (२) संतान, प्रजा (३) वि० प्रसवेलु [खाटलावगं स्त्री
प्रसूता,-तिका स्त्री० [स] प्रसवथी
प्रसूति स्त्री०[स] जणवु ते प्रसव (२) उत्पत्ति (३) संतान प्रजा
प्रसून पु० [स] फळ के फूल
प्रसेद पु० (प) प्रस्वेद परसेवो
प्रस्ताव पु० [स] प्रसंग अवसर (२) चर्चा प्रकरण विषय (३) दरखास्त चर्चा माटेनो ठराव (४) प्रस्तावना
प्रस्तावना स्त्री० [स] आरंभ के ते माटेनु लखाण इ० उपोद्घात
प्रस्तुत वि०[स] प्रासंगिक, प्रसंगोचित उपस्थित
प्रस्थ पु० [स] पहाड परनो सपाट प्रदेश 'टेबल लॅन्ड' (२) पहाळो विस्तार
प्रस्थान पु० [स] जवु के ऊपडवु ते, प्रयाण (२) विजययात्रा
प्रस्वेद पु० [स] परसेवो [भाग
प्रहर पु० [स] पहोर दिवसनो ८ मो
प्रहरी पु० [स] दर पहोरे टकोरा मारनार चोकीदार पहेरावाळो
प्रहसन पु० [स] हासी मश्करी (२) एक प्रकारनु नाटक
प्रहार पु० [स] घा, मार
प्रहारना सं०क्रि० (प) प्रहार करवा (२) अस्त्र फेंकवु [कोयडो समस्या
प्रहेलिका स्त्री० [स] जुओ 'पहेली'
प्रांगण(-न) पु० [स] आंगणु चोक
प्रांजल वि० [स] सीधु, सरळ (२) साचु प्रामाणिक सालस [हाथवाळु
प्रांजलि वि० [स] दीनताथी जोडेला
प्रांत पु० [स] प्रदेश, इलाको (२) सीमा (३) किनारो, छेडा
प्रांतर पु० [स] बे स्थानो के वच्चेनो लांबो झाडपान वगरनो रस्तो के वेरान प्रदेश [तेने लगतु
प्रांतिक, प्रांतीय वि० [स] प्रांतनु के
प्रांशु वि० [स] ऊंचु
प्राइवेट वि० [इं] खानगी निजी
प्राका(-चो)र पु० [स] कोट, किल्लो
प्राकृत वि० [स] स्वाभाविक (२) भौतिक, प्राकृतिक (३) सामान्य लौकिक, मामूली (४) स्त्री० प्राकृत भाषा
प्राकृतिक वि० [स] जुओ 'प्राकृत'
प्राक् वि० [स] पहेलु पूर्व
प्राक्कथन पु० [स] शरूना बे बोल, प्रस्तावना
प्राक्तन पु० [स] नसीब (२) वि० प्राचीन पहेलानु [मत पद्धति
प्राक्सी स्त्री० [इं] प्राक्सी अवेज
प्राङ्मुख वि० [स] पूर्वाभिमुख
प्राची स्त्री० [स] पूर्व दिशा
प्राचीन वि० [स] पुराणु जूनु पूर्वनु
प्राचीर पु० [स] जुओ 'प्राकार'
प्राचुर्य पु० [स] प्रचुरता, बाहुल्य, अधिकता
प्राच्य वि० [स] पूर्वनु, प्राचीन
प्राज्ञ वि० [स] बुद्धिमान, विद्वान
प्राण पु० [स] वायु हवा (२) जीव (३) शक्ति बळ ०दंड पु० मोतनी सजा ०दान पु० जीवन आपवु ते (२) मोतथी कोईने बचाववु ते
प्राणांत पु० [स] मोत
प्राणी पु० [स] जीव (२) जंतु

प्रात [स] प्रात (प) पु० सवार (२) अ० सवार [परवारवु ते
प्रात कर्म प० [स] सवारमा शौचादिथी
प्रात काल प० [स] सवार
प्रात स्मरण प० [स] सवारनु ईश्वर स्मरण –णीय वि० पूज्य [आदि
प्राथमिक वि० [स] प्रारभिक शरूनु
प्रादुर्भाव पु० [स] अस्तित्वमा आववु के प्रगट थवु ते (२) उत्पत्ति
प्रादुर्भूत वि [स] प्रगट थयलु, हयातीमा आवेलु (२) उत्पन्न
प्रादेशिक वि० [स] प्रदेशनु के ते सबधी
प्राधान्य प० [स] मुख्यत्व (२) श्रेष्ठता
प्रापना स०क्रि० (प) पामनु प्राप्त थवु
प्राप्त वि० [स] मळलु के मेळवलु (२) पेदा थयलु के आवी मळलु ०काल पु० उचित समय (२) मरणकाळ
प्राप्तव्य, प्राप्य वि० [स] मेळववा योग्य
प्राप्ति स्त्री० [स] प्राप्त थवु ते (२) आवक मळतर (३) भाग्य
प्राबल्य पु० [स] प्रबळता जोर
प्रामाणिक वि० [स] प्रमाणसिद्ध (२) मानवा जवु (३) ठीक साचु
प्रामिसरी नोट पु० [इ] हूडी के चलणी नोट [घणु करीने
प्राय अ० [स] लगभग (२) बहुधा
प्राय(–यो)द्वीप पु० [स] द्वीपकल्प
प्रायश अ० [स] प्राय घणु करीने
प्रायश्चित्त पु० [स] पाप धोवा करातु कर्म [सामान्य
प्रायिक वि० [स] प्राय थाय एवु
प्रायोगिक वि० [स] नित्य प्रयोग के उपयोगमा आवतु
प्रायोद्वीप पु० [स] जुओ 'प्रायद्वीप'
प्रायोपवेश, ०न पु० [स] प्राणातक अनशनव्रत –शी वि० ते करनार
प्रारभ प०[स] शरूआत (२) उपाडलु काम –भिक वि० शरून आदि
प्रारब्ध पु [स] नसीब (२) वि० शरू थयलु के करायलु
प्रार्थना स्त्री०[स] विनती नम्र निवेदन (२) याचना मागणी (३) उपासना ईश्वर स्तुति (४) स० क्रि० (प) प्रार्थना करवी ०पत्र पु० निवेदन पत्र अरजी [याचनार उमेदवार
प्रार्थी वि०[स] प्रार्थना करनार इच्छुक
प्रालेय प० [स] जुओ 'प्रालेय'
प्राविट (प), प्रावृट,–ष,–षा [स] स्त्री० वर्षाऋतु
प्राशन पु० [स] अशन खावु ते
प्राशी वि०[स] खानार प्राशन करनार
प्राश्निक पु०[स] प्रश्नकार (२) सभाना सदस्य [लगतु के ते विषेनु
प्रासगिक वि०[स] प्रसग पूरतु के तेने
प्रासाद पु० [स] महेल
प्रासादिक वि०[स] दयाळु कृपाळु (२) सुदर सरस प्रसन्न
प्रासीक्यूटर पु०[इ] प्रासिक्यूटर वस कोर्ट आगळ मूकनार वकील
प्रास्पेक्टस पु०[इ] प्रास्पेक्टस सस्था के मडळीनु निवेदन के बोधपत्र
प्राहुण, ०क पु० [स] परोणो महेमान
प्रिंटिंग स्त्री० [इ] छपाई छापकाम ०प्रेस पु० छापखानु ०मशीन स्त्री० छापवानु यत्र प्रेस
प्रिंसिपल पु०[इ] प्रिंसिपाल आचार्य (२) मुद्दल
प्रियवद वि०[स] प्रिय लागे एवु बोलनार

प्रिय वि०[स] वहालु प्यारु (२) पु० स्वामी (३) जमाई (४) भलु हित
प्रिया स्त्री०[स] स्त्री (२) पत्नी (३) माशूक [स्त्री० प्रीति
प्रीत वि०[स] प्यारु, प्रिय (२) पु०,
प्रीतम पु० पति (२) वि० अति प्रिय
प्रीति स्त्री० [स] प्रेम स्नेह (२) खुशी प्रसन्नता ०भोज पु० प्रीति भोजन, जमण [प्रूफ
प्रूफ पु० [इ] साबिती (२) छापखानानु
प्रूम पु० दरियानी ऊंडाई मापवानी दोरीनो सीमाना गठठो
प्रेक्षक पु० [स] 'दर्शक' जोनार
प्रेक्षण पु० [स] आख (२) जोवु ते
प्रेक्षा स्त्री० [स] जोवु ते (२) नजर (३) प्रज्ञा
प्रेत पु० [स] मरेलो जीव (२) भूत (३) पहोचेल ने पूरो कजूस के स्वार्थी माणस
प्रेतकर्म पु० [स] अन्त्येष्टि मरण पछीनो वधो विधि
प्रेतगृह पु० [स] श्मशान के कबरस्तान के दखम इ०
प्रेतनी, प्रेता [स] स्त्री० पिशाचणी भूतडी
प्रेताशौच प० [स] सूतक शोक
प्रेती पु० प्रेतपूजक
प्रेम पु० [स] प्रीति वहाल, स्नेह
प्रेमिक वि० प्रमी –का स्त्री० प्रिया माशूक [(२) आशक
प्रेमी वि०[स] प्रेम राखनार के करनार
प्रेय(०स) वि० [स] प्रिय मनपसद
प्रेयसी स्त्री०[स] प्यारी स्त्री 'प्रमिका'
प्रेरक पु० [स] प्रेरनार प्रेरणा देनार
प्रेरणा स्त्री०[स] कायमा लगाडवु त (२) प्रोत्साहन, उत्तेजना, उश्केरणी (३) दबाण, धक्को
प्रेरित वि० [स] प्रेरायेलु
प्रेषक पु०[स] मोकलनार (२) प्रेरक
प्रेषण पु०[स] मोकलवु ते (२) प्ररणा
प्रेस पु० [इ] छापखानु के तेनु यत्र
प्रेसिडेन्ट पु० [इ] प्रमुख, सभापति
प्रोक्त वि० [स] कहवायेलु उक्त
प्रोग्राम पु०[इ] कायक्रम के तेनो पत्र
प्रोटेस्टेन्ट पु० [इ] प्रोटेस्टन्ट खिस्ती
प्रोत वि० [स] ओतप्रोत (२) छुपायलु
प्रोत्साह पु०[स] उत्साह उमग ०न पु० उत्साह के उत्तजना आपवा ते
प्रोफेसर पु० [इ] कॉलेजना अध्यापक
प्रोबेशन पु० [इ] नोकरीनो हगामो
प्रोमोशन पु० [इ] नोकरी के दरजामा उपर चडवु त
प्रोषित वि०[स] 'प्रवासी' परदेश गयल
प्रौढ वि० [स] आधेड उमरनु पीढ (२) परिपक्व पूरु अनुभवी समजु ठरेल
प्लक्ष पु० [स] पीपळानु झाड
प्लवग,०म पु०[स] वादरु (२)हरण मृग
प्लाट पु०[इ] प्लॉट जमीननो टुकडा, (२) नाटकनु वस्तु
प्लान पु० [इ] नकशो योजना
प्लावन प० [स] पाणीनी रेल (२) खूब धोवु ते (३) तरवु ते
प्लावित वि०[स] तरबोळ (२) प० रेल
प्लास्टर पु०[इ] मकाननु प्लास्टर (२) दाक्तरी प्लास्टर
प्लीडर पु० [इ] वकील
प्लीहा स्त्री० [स] बरोळ 'तिल्ली'

प्लुत पु० [स] 'पाई' घोडानी एक रवाल (२) प्लुत स्वर (३) वि० प्लावित तरबोळ

प्लेग पु० [इ] कोगळियु प्लेग रोग

प्लटफाम पु० [इ] प्लॅटफाम, फलाट

प्लटिनम पु० [इ] एक कीमती धातु

फ

फरु स्त्री० फाक चीरी

फरा पु० फाको (२) फाक चीरी

फकी स्त्री० फाकी

फग (प) फद,–दा प० फद ५धन जाळ कपट [फसावु

फदना अ०क्रि० (प) फदमा पडवु

फदवार वि० फदामा नाखनार

फदा पु० जुओ फद' –छुडाना= फदामाथी मुक्त करवु –देना, –लगाना=फदामा फसाववु –पडना, लगना=फदामा पडवु के फसावु

फदाना स०क्रि० फदमा नाखवु

फँसना अ०क्रि० फसावु (प्रेरक फँसाना)

फँसिहारा वि०फसावनार(स्त्री०,–रिन)

फक वि० [अ] फग सफेद (२) विवण

फक्किका स्त्री० [स] कोयडो प्रश्न (२) फसामणी

फकत अ० [अ] फक्त केवळ मात्र

फकीर पु० [अ] फकीर साधु (२) भिखारी (३) गरीब–निधन माणस –री स्त्री० फकीरपणु

फक्र स्त्री० [अ] दीनता (२) फकीरी (३) जरूर पूरती ज कामना होवी ते

फखर, फख्र [फा] पु० घमड शेखी

फखीर वि० [अ] घमडी शेखी मारनार [अ० गवपूवक

फख्र पु० [फा] जुआ 'फखर' –िखया

फगुआ पु० होळी (२) फाग –खेलना या मनाना=होळी रमवी रग गुलाल वगेरे नाखवा

फगुहारा पु० फगवा घेरयो

फज(–जि)र स्त्री० [अ] सवार

फजल पु० जुओ 'फज्ल'

फजा स्त्री० [अ] खुल्लु मेदान (२) शोभा

फजिर स्त्री० जुओ 'फजर'

फजिता प० –ती स्त्री० फजतो 'फजीहत'

फजीलत स्त्री० [अ] मोटाई श्रेष्ठता –की पगडी=विद्वत्तानु आदरमान

फजीहत,–ती स्त्री०[अ] फजेती दुदशा के बदनामी

फजूल वि० जुओ 'फुजूल' ०खच वि० उडाउ ०खर्ची स्त्री० अपव्यय उडाउपणु

फज्ल पु०[अ] अधिकता (२) कृपा दया

फट(–टि)क पु० (प) स्फटिक (२) अ० फट दईने वट

फटकन स्त्री० यटकामण उपणामण

फटकना स०क्रि० झाटकवु उपणवु –पछोरना=झाटकीन साफ करवु (२) बरोबर तपासीने जोवु

फटका पु० पीजणनो धोको (२) फट अवाज करवु ते

फटकार स्त्री० वढवु तं, झाटकणी ठपको **–खाना**=तफडवु (२) ठपको खावो **–बताना**=ठपको आपवो
फटकारना स०क्रि० फटकारवु(२)अटको मारी खखेरवु (३) पटकी पछाडीनं धोवु (४) मेळववु काढी लेवु (५) झटका साथे दूर फेकवु (६) साफ साफ ने सखत वात कहा चप करवु झाटकणी काढवी ठपको आपवो
फटना अ०क्रि० फाटवु [पहाचवु
फट पडना अ०क्रि० ओचितु आवी
फटफट स्त्री० फटफट अवाज(२)बकवाद **–होना**=बोलावाली के तकरार थवी
फटफटाना स०क्रि० फडफडाववु (२) बकवाद करवो
फटसे अ० फट दईने, झट
फटिक पु० (प) स्फटिक (२) सगेमरमर
फटा पु० फाट छेद (२) स्त्री० [म] मापनी फणा (३) गव, शेखी (४) छळ दगो **फटमें पाव देना**=काईना झघडामा वच्चे पडवु **फटे हालों रहना**=बूरी दशामा होवु
फट्टा,–ट्टा पु० वासनु खपाटियु (२) टाटियु **–उलटना, –लौटना**=देवाळु नीकळवु
फड स्त्री० जुगारखानु (२) दाव (३) सोदा करवानु वजार के जगा
फड पु० जुगारनो अड्डा के तेनो दाव (२) दुकानदारनी बेठक
फडकना अ०क्रि० फरकवु(२)थवथववु, ऊछळवु **फडक उठना या जाना**=राजी राजी थई जवु
फडनवीस पु० (मराठा काळमा) एक मोटो महेसूली के खजानानो अमलदार
फडफडाना स० क्रि० फफडाववु (२) अ०क्रि० फफडवु, डरवु (३)आतुर होवु
फडबाज़ पु० पोतान त्या बोलावी जुगार खेलावनार [फडियो, कणिया
फडिया पु० जुओ 'फडबाज़' (२)
फण पु०, **–णा** स्त्री० [स] सापनी फण ०धर, **–णी** पु० साप
फतवा पु० [अ] फतवो धर्मनी आज्ञा
फत(–ते)ह स्त्री० [अ फतह] फतह
फतिगा पु० ऊडनारु जीवडु (२) पतगियु
फतीलसोज़ पु० [फा] दीवी
फतीला पु० [अ] पलीतो
फतूर पु० 'फुतूर', फितूर (२) विघ्न, बाधा (३) दोष विकार
फतूरिया वि० फितूरी उपद्रवी
फतूह स्त्री० [अ 'फतह नु ब व] फतेह
फतूही स्त्री० [अ] सदरो (२) लूट के लडाईनो माल
फते, ०ह स्त्री० जुओ 'फतह'
फदकना अ०क्रि० फदफदवु खदखदवु
फन पु० फणा, फण
फन पु० [फा] खबी (२) विद्या, कळा कौशल्य (३) फद, छळ [सापनो)
फनकार स्त्री० फू अवाज (जेम के,
फनगना अ० क्रि० फणगा फूटवो
फनगा पु० फणगा अकुर (२) जुओ 'फतिगा'
फनस पु० फणस फळ
फना स्त्री० [अ] नाश, खुवारी (२) समाधिमा लीन थवु ते तादात्म्य
फना-फी-अल्लाह पु० [अ] ईश्वरमा तन्मय दशा
फनून पु० ब० व० जुओ 'फुनून'
फन्नी स्त्री० फाचर (२) साळना फणा

फफदना अ० क्रि० फदफदवु (२) जुओ 'फबकना'
फफसा पु० फेफसुं (२) वि० खाली फूलेलु पण अंदरथी पालु (३) फालु स्वादहीन
फफूंदी स्त्री० फुग
फफोला पु० फाडलो फफालो
फबकना अ० क्रि० (वाड छाड इ०) खील्व फूटवु वधवु
फबती स्त्री० समयने अनुकूळ वात (२) व्यंग कटाक्ष –उडाना=हांसी करवी –कसना, –कहना=कटाक्ष करवु
फबना अ०क्रि० शोभवु (नाम, फबन स्त्री०) [(नाम, –ओ)
फय्याज वि० [अ] उदार दानी दोलु
फर पु० [फा] शोभा सजावट
फरउन प० [अ] मार (२) मिसरनो एक अभिमानी नास्तिक बादशाह (२) अत्याचारी के घमंडी
फरउनी स्त्री० घमंड के दुष्टता [फानलो
फरक़ प० फरक फेर (२) अंतर,
फरक(०न) स्त्री० (आ) फरकवु ते
फरकना अ०क्रि० फरकवु (२) फरफरवु
फरजंद पु० [फा] संतान पुत्र –दी स्त्री० पुत्रभाव
फरज पु० जुओ 'फ़र्ज़'
फरज स्त्री० जुओ 'फर्ज'
फरजा पु० [फा] शतरंजनो वजीर (२) वि० जुओ 'फर्जी'
फरजाबंद पु [फा] शतरंजमां वजीरथी मात करवानो एक दाव
फ़रद स्त्री० [अ फ़र्द] व्यक्ति एक जण (२) यादी (३) खाळ गल्फ जवानु काई एक बाजुनु कपडु (४) वि० अजोड अद्वितीय
फरदा अ० [फा] आवती काले (२) स्त्री० कयामतनो दिन
फरफंद पु० दावपेच (२) फंद नखरा
फरफराना अ० क्रि० फरफरवु लहेरवु
फरबा वि०[फा]जाडु स्थूल शरीरवाळु (नाम, –बही स्त्री०) [फरमा-रवा
फरमा-गुज़ार पु० [फा] बादशाह
फरमा-बरदार वि० [फा] फरमान माननार [(२) बादशाह
फरमा रवा पु० [फा] फरमान करनार
फरमा पु० फरमो
फरमाइश स्त्री० [फा] फरमाश आज्ञा
फरमाइशी वि०[फा]फरमाव्या प्रमाणनु
फरमान पु० [फा] आज्ञा हुकम के तेनी सनद [करवी
फरमाना स० क्रि० फरमावबु आज्ञा
फरलांग पु० [इं] फर्लांग माइलनो आठमो भाग
फरवरी पु० फेब्रुआरी
फरवार पु० खळु –री स्त्री० खळा-मांथी वनवायल अपातु अन्न
फरवी स्त्री० ममरा
फरश पु० [अ फर्श] बिछानु (२) बेसवानी सपाट जमीन (३) फरसबंधी के पाकी बनावेली जमीन
फरशबंद पु० जुओ 'फर्श'
फरशी स्त्री० हूको (२)वि० फरसने लगतु
फरसा पु० फरसो परशु
फरसूदा वि० [फा] जरी-पुराणु रद्दी (२) थाकेलु (३) बेहाल [बुद्धिमत्ता
फरहत स्त्री [फा] शदकार (२)
फरह(०त) स्त्री०[अ] आनंद खुशी
फरहद पु० एक झाड [फरफरवु
फरहर(रा)ना अ० क्रि०

शुद चोख्खु (४) खीलेलु
[फा] खुश, आनंदी
धजा, पताका
[फा] शिल्पी पथ्थरफोडो
प्रसिद्ध प्रेमी व्यक्ति
मेदान खुल्ली जगा (२)
फराक(३)वि०जुओ 'फ़राख़'
०(प) जुओ फराख (२)
आ फ़राग़त
[फा] विस्तृत, लांबु पहोळु
[नहि–छूटा हाथवाळु
वि० [फा] खचमां कंजूस
०[फा] फेलावो विस्तार
ड, बहुलता (३) घोडानो तंग
त्री० [अ] छुटकारा (२)
(३) मळत्याग –जाना=
–पाना, होना=निश्चित थवु
वि०[फा] भुलायलु, विस्मृत
० [अ फ़र्ज़ नु ब० व०]
[नाठेलु
) वि० [अ फ़िरार] नासलु
०[फा] कांस देश के तनो
वि० –सी) [–मी=मग्रह]
०[फा] एकठु, जमा (नाम,
एक जातनो लेबा
०क्रि० वस्तु प्रथम पोतेन
के धत्तो
(३) अ०
तारवो
०[फा]
अन्दाज

फरी स्त्री० ढाल
फ़रीक़ पु० [अ] टोळी; जथो (२)
झघडानो कोई एक पक्ष ['मुद्दई'
फरीक़-औवल पु० [अ] केसनो वादी;
फरीक़-बदो स्त्री० [फा] तरफदारी
फरीक़-सानी पु०[अ] केसनो प्रतिवादी;
'मुद्दा-लेह'
फरीक़न पु० 'फ़रीक़' नु ब० व०
फ़रीजा पु० [अ] खुदानी फरमायेली
आज्ञा के फरज (नमाज, रोजा इ०)
फरुही स्त्री० नानो पावडो
फरेंद,–दा पु० पारस जांबु
फरेफ्ता वि०[फा] फरेबमां सपडायलुं
(२) आसक्त
फरेब पु०[फा] फरेब दगो कपट(२)
चालाकी ०कार,–बी वि० दगो देनार
०खुर्दा वि० छेतरायेलुं
फ़रो अ० [फा फ़िरो] नीचे, वशमां(२)
वि० नीच (३) शांत, शरमां आवेलुं
फ़रोक्त स्त्री० [फा फ़िरोख्त] वेचाण
फ़रोग पु० प्रकाश, चमक –पाना =
नामना मळवी
फ़रो-गुज़ाश्त स्त्री० [फा] उपेक्षा (१)
आनाकानी (३) भूल चूक
फ़रोख़ अ०[फा] नीच (२)पु० ...
[(नाम, –की)
[फ़िराग़] ...
[...
(२) ...
... (१)

फजंद पु० [फा] फरजंद, संतान
फजंदी स्त्री० [फा] पुत्रपणुं पुत्रभाव
–में लेना=दत्तक लेवुं (२) जमाई करवो
फर्जानगी स्त्री० [फा] बुद्धिमत्ता (२) विद्या (३) योग्यता गुण
फर्जाना वि० [फा] बुद्धिमान (२)पंडित
फर्जी वि० [फा] मानेलुं कल्पित (२) नामनुं ['फरद
फद स्त्री० (२) वि० [फा] जुओ
फदन (०फदन) अ० [फा] अलग अलग दर माणस
फर्राटा पु० वग तेजी
फर्रार वि० [अ] जारयो दोडनार
फर्राश पु० [अ] फरास (२) नोकर
फर्राश-खाना पु० [अ + फा] फरासखानुं
फरुख वि० [फा] सुंदर मनोहर (२) सरस
फश पु० [अ] जुओ 'फरश'
फर्शी स्त्री०(२)वि०[फा] जुओ फरशी'
फर्शी सलाम स्त्री० फरस सुधी नमीने करली सलाम कुर्निश [फळ
फल पु० [स] फळ (२)(हथियार इ०नुं)
फलक पु० [अ] फलक आकाश
फलका पु० फफोलो छालुं
फलदान पु०[स] सगाई करवानो विधि
फलदार वि० फळवाळुं (२)फळ एवुं, फलाद
फलन पु० [स] फळवुं ते
फलना वि० फळवुं (२) फलदायी थवुं
–फूलना=फूलवुंफालवुं
फलश(-स) पु० [स] फणस
फलसफा पु०[अ] फिलसूफी, 'फल्सफा'
फलसफी पु० फिल्सूफ, 'फल्सफी'
फलाँ,–लाना वि०[फा] फलाणुं अमुक
फलाँग स्त्री० फलंग (अ०क्रि०, ०ना)
फलाकत स्त्री०[अ] गरीबी (२) कष्ट
फलातू,–तून पु० प्लेटो अफलातून
फलाना वि० फलाणुं 'फलाँ'
फलार,–हार [स]पु० फलाहार फराळ
फलाली(–ले,–ल)न पु०[इं] फलालीन –गरम कपड
फलाहार पु० [स] जुओ 'फलार'
फलासिफा पु० [अ] फिल्सूफी
फलाह स्त्री०[अ] फतेह सफळता (२) सुख (३) परोपकार भलाई
फलाहत स्त्री० [अ] खेतीवाडी
फलित वि०[स] फळेलुं नीपजेलुं (२) पु० फळथाड –ताथ पु० सार निचाड
फली स्त्री० फळी सिंग
फलीता पु० पलीतो फतीला
फलेंदा, फलेंद्र [स] पु० जुओ फरदा'
फल्सफा पु० [अ] फिलसूफी तत्त्वज्ञान
फल्सफी वि० फिल्सूफ तत्त्वज्ञानी
फवायद पु० [अ] फायदा'नुं ब० व०
फव्वारा पु० फुवारो, 'फौवारा'
फसरुडा पु० पलाठो –मारना=पलाठो मारवो पलाठी वाळवी
फसकना अ०क्रि०(कपडुं) फसकवुं के बेसी जवुं (२) वि० फसके के बसी जाय एवुं
फसद स्त्री० जुओ 'फस्द'
फसल स्त्री०, फसली वि० जुओ 'फस्ल, फस्ली' [(वि० –दी)
फसाद पु०[अ] फिसाद टंटो तोफान
फसाना पु०[फा] कल्पित कथा (२) विवरण ०नवीस, ०निगार पु० कथाकार [भाषणनी शक्ति
फसाहत स्त्री० [अ] सुंदर वर्णन के

फसील वि० [अ] नगरनो कोट
फसीह वि०[अ] सुंदर वक्ता के वर्णनकार
फसू पु० [अ] जतरमतर 'टोटका'
फसूगर पु०[फा] जादुगर (२) जतर-मतर करनार भूवा
फस्ख पु०[अ] विचार बदलवो ते (२) तोडवु के रद करवु ते
फस्द स्त्री०[अ०] फस – नाडी खोलाववी ते –खोलना,–लेना=फस खोली लाही काढव (२) गाडपणनी दवा करवी
फस्ल स्त्री० [अ] फसल (ऋतु) के खेतीनी ऊपज (२) प्रथम प्रकरण (३) फासला (४) छळ दगो
फस्ली वि०[अ] फसली मोसमनु (२) पु० कालेरा ०कौआ पु० एक पहाडी कागडो (२) वि० मतलबी गरजन सगु ०बुखार पु० मलेरिया ०सन, ०साल प० अकबरे चलावेली एक सन
फस्ले-गुल, फस्ले-बहार स्त्री० [फा] वसंत ऋतु
फस्साद पु०[अ] फस खोलनार-तमाचो लाही काढवा नस्तर मूकनार
फहम स्त्री०[अ] ज्ञान, समज विवेक
फहमाइश स्त्री०[फा] समजण बोध, चतवणी (२) आना [(वि०,–बा)
फहमीद स्त्री० [फा] समज बुद्धि
फहरना अ०क्रि० फरकवु ऊडवु
फहरान स्त्री० फरकाववु ते –ना स०क्रि० फरकाववु, उडाडवु
फ़हरिस्त स्त्री० जुओ 'फ़ह्‌रिस्त'
फहश वि०[अ फुह्श] अश्लील (२) फूवड
फ़हीम वि [अ] फहमीदा' समजदार
फाँक स्त्री० 'फांस', चीरो (२) कपडा
फाँकना स०क्रि० फाकवु, फाको मारवो
फाँका पु० फाको –की स्त्री० फाकी
फाट पु० [म] काढो
फाट स्त्री० वहेंचणी ०ना स०क्रि० वहेंचवु (२) फाट के काढो बनाववा
फाड,–डा प० कमरनी ओटी, 'फेंट' –कसना, बांधना=कमर कसवी, काम माटे तैयार थवु –पकडना=बरोबर पकडवु
फाद स्त्री० उछाळो (२) पु०, स्त्री० फादो जाळ, पाश –मारना=जाळ पाथरवी [कूदी जवु ओळंगवु
फादना अ०क्रि० ऊछळवु (२) स०क्रि०
फास स्त्री० फास (२) पास, जाळ, फासो
फासना स०क्रि० फसावव
फासी स्त्री० पाश, फासो (२) फासी –पडना, –पाना=फासीनी सजा थवी, फासी मळवी
फाइल स्त्री०[इ] कागळो के सामयिकनी फाईल–एक साथे थयेला संग्रह
फाका पु०[अ] फाका, उपवास (२) गरीबी
फाक़ा-कश वि० [अ+फा] भूख्यु (२) निधन (नाम, –शी स्त्री०)
फाक़ा(–के)मस्त वि० [अ+फा] भूखे मरतु छता बेपरवा
फाखतई, फाख्तई स्त्री० हाला जवा-आछा जांबुडिया रग [हालो
फाखता, फाख्ता स्त्री०[ा] एक पंखी,
फाग पु० होळी के तेनु गीत
फागुन पु० फागण मास –नी वि० फागणनु [–रा वि० स्त्री०
फ़ाजिर वि०[अ] व्यभिचारी, बदमाश
फाजिल वि०[अ] वधारानु बाकी (२) विद्वान ०बाकी स्त्री० हिसाब नावकनु लेणु के देणु

फाटद १० मोटा दरवाजो (२) नाटक, सटाभण
फाटका पु० सट्टो —बाज वि० सट्टाखोर
फाडना स्त्री० फ फाडनो टुकडो (२) फाटेला दूधनु पाणी [वस्त्र
फाडना स० क्रि० फाडवु चीरवु अलग
फातिहा पु० [अ] प्रार्थना (२) फातिहा
फानी वि० [अ] नाशवंत भंगुर
फानूस पु० [फा] फानस (२) शीशानु झाड
फाम पु० [फा] रंग वर्ण
फायदा पु० [अ] फायदो लाभ नफो —मंद वि० फायदाकारक लाभप्रद
फायल वि० [इ फाइल] (जो) ता
फाया पु० जुओ 'फाहा' [फारगती
फारखती स्त्री० [फा फारिग+खती]
फारम पु० [इ] फार्म
फारमूला पु०[इ] सूत्र गुरुसूत्र नियम
फारस पु० [अ] ईरान पारसदेश —सी स्त्री० फारसी भाषा (२) वि० ईरानी
फारिग वि० [अ] फारग छूट
फारिग उल बाल वि० [।] सौ रीते सुखी निश्चित
फारूक वि० सारामारनु विवकी
फाल स्त्री० हळनी कोस [स] (२) कापली सोपारी (३) पु० फाळ ठलग
फाल स्त्री०[फा]पासाथी जोश जोवा ते
फालतू वि० वधारानु फालतु (२) नकामु
फालसई वि० फालसाना रंगनु
फालसा पु०[फा] फालसी के फालसु
फालिज पु० [अ] लकवो पक्षाघात
फालूदा पु०[फा] एक ठंडु मीठु पीणु
फाल्गुन पु० [स] फागण मास —नी स्त्री० एक नक्षत्र [नानो पावडा
फावडा पु० पावडो —डी स्त्री० पावडी
फाश वि [फा] प्रगट खुल्लु जाणीतु
फासफरस पु० [इ] फॉस्फरस एक मूळ पदार्थ [फासलो अंतर
फास(–सि)ला पु० [अ फासिला]
फासिद वि० [अ] फसाद करनार फसादी' (२) खराब दुष्ट
फास्ट वि० [इ] तेज वगवाळ
फाहा पु० पो तल अत्तर इ०नु पूमडु
फाहिश वि० [अ] व्यभिचारी (२) गंद अश्लील
फाहिशा स्त्री० छिनाळ [(३)डाणा
फिकरा पु० [अ] वाक्य (२) फकरो
फिकैत पु० ढाल लाकडी चलावी जाणनार फकनैत' [धर्मशास्त्र
फिकह स्त्री० [अ फिक्र] मुसलमाननु
फिक्र स्त्री०[अ]फिकर चिंता काळजी ०मंद वि० चिंतातुर
फिगार वि० [फा] घायल
फिचकुर पु० मोमांथी नीकळतु फीण (जेम के, मूर्छामा)
फिजूल वि० जुओ फजूल' [शाप
फिटकार स्त्री० धिक्कार (२) बददुआ,
फिटकारना स० क्रि० फिटकारवु
फिटकिरी स्त्री० फटकडी
फिटन स्त्री० फटन गाडी [कारीगर
फिटर पु० [इ] यंत्र फिट करनार
फिट्टा वि० फिटकार पामेलु
फिड्डा वि० एडीनो भाग बठेलो (जोडा)
फितना पु० [अ] झघडा दगो फितनो
फितरत स्त्री० [अ] स्वभाव, प्रकृति (२) चलता, ०न अ० स्वभावत
फितरती वि० [फा] धूर्त दगाबाज
फितरी वि० [फा] स्वाभाविक कुदरती
फितूर पु० जुओ 'फतूर'

फिदविया स्त्री० दासी, नोकरडी
फिदवी वि० [अ] आज्ञाकारी (२) पु० दास [आसक्त मुग्ध
फिदा वि० [अ] खूब खुश (२) गुलतान,
फिदाई पु० [अ] फिदवी दास (२) प्रमी [जतुनाशक दवा
फिनायल, फिनल पु० [इ] फिनाईल
फिन्नार अ० [अ] 'जा जहान्नममा'
फिरग पु० चादीनो रोग (२) युरोप गोरा फिरगीनो देश 'फिरगिस्तान'
फिरगी वि० गोराना देशनु (२) पु० तेना वतनी गोरो **–गिस्तान** पु० युराप गोराओनो मुलक [थयेलु
फिरट वि० विरुद्ध (२) लडवा सामे
फिर अ० फरी (२) पछी (३) ता पछी
फिरका पु० [अ] फिरको जमात सप्रदाय ०**बदी** स्त्री० दळबधी ०**वार,** ०**वाराना** वि० जमातनु साप्रदायिक
फिरकी स्त्री० फरकडी (२) फिरकी
फिरता पु० अस्वीकार (२) पाछु फरववु ते (३) वि० पाछु फेरवेलु (स्त्री० **–ती**)
फिरदौस पु० [अ] बाग (२) स्वग
फिरना अ०क्रि० फरवु (प्रेरक,फिराना)
फिरनी स्त्री० [फा] एक प्रकारनी चोखाना लाटनी खीर
फिरवाना स०क्रि० फेरवाववु
फिराक़ पु०[अ] वियोग (२) फिकर, चिंता (३) खोळ शोध [सतोष
फिराग़ पु०[अ] छुटकारो (२) खुशी (३)
फिरार पु० [अ] नासवु ते पलायन **–होना** = नासी जवु
फिरारी वि०[फा] जुओ 'फरार,–री'
फिरासत स्त्री० [अ] बुद्धिमत्ता
फिरिश्ता पु० [फा] फिरस्तो देवदूत
फिरोख़्त स्त्री० जुओ 'फरोख़्त'
फिर्का पु० जुओ 'फिरका'
फिल जुमला अ०[अ] टूकमा सारा‍ा के
फिलफिल स्त्री० मरी
फिल फौर अ० [अ] तरत
फिल-वाका –हकीकत अ०[अ] वस्तुत हकीकतमा
फिलस्तीन पु० पेलेस्टाईन देश
फिल हकीकत अ०[अ] हकीकत जोता, वस्तुत [अत्यारे
फिल-हाल अ०[अ] हमणा, आ वखत,
फिल्ली स्त्री० पगनी पिंडी
फिस अ० काई नही मीडु न्यथ
फिसड्डी वि० काममा मद ढीलु
फिसलन स्त्री० लपसवु ते
फिसल्ना अ० क्रि० लपसवु ढळी जवु
फिसाद पु० जुओ 'फसाद'
फिसाना पु० जुओ 'फसाना'
फिहरिस्त स्त्री० [फा] यादी 'फहरिस्त'
फी अ० [अ] दर प्रति एक ०**स** अ० जण दीठ
फीका वि० फाकु माळु
फी-ज़माना अ० [अ +फा] आजकाल, हालना समयमा
फीता पु० फीत कोर (२) (मापवाना) पट्टी (३) कागळो इ० बाधवानी पट्टी 'टेप'
फीरनी स्त्री० जुओ 'फिरनी'
फीरोज़ वि० [फा] विजयी, सफळ **–जी** स्त्री० विजय
फीरोज़ा पु० [फा] पीराज रग (वि० **–ज़ी**) [हाथीखानु
फील पु० [फा] हाथी ०**ख़ाना** पु०

फोलपा पु० [फा] हाथीपगो रोग
फील पाया पु० [फा] थाभलो
फीलवान पु० [फा] हाथीनो महावत
फीला पु० [फा] शतरजनो हाथी
फीली स्त्री० जुओ फिल्ली' [नेसवी
फीस स्त्री० [इ] फी —गना=फी
फी सदी अ० [अ +फा] सेकड
फी साल अ० दर साल – वरस
फुकना अ० त्रि पूक्ना' नु कमणि
फूकावु (२) पु० फूकणी (३) फुक्का मूत्राशय
फुकनी स्त्री० फूकणी (२) धमण
फुक(-का)रना अ० त्रि० फूफाडा मारवो फू करव (मापनु)
फुका(-कवा)ना स० क्रि० फूकावनु
फुकार पु० फूफाडो
फूकारना स० क्रि० जुओ 'फुकरना'
फुदना पु०, फुदिया स्त्री० फूमनु
फुसी स्त्री० वीणा फोल्ली
फुआरा पु० फुवारा
फुक्ना अ०कि० (२) पु० जुओ 'फुकना
फुक्नी स्त्री० जुओ 'फुकनी'
फुचडा पु० कपडा इ०माथी नीकळतु रुछु, फूमतु
फुजूल वि० [फा] जुओ 'फजल'
फुजूला पु० [अ] वस्तु काढी लेता रहता कचरो (२)शरीरमाथी नीकळतो थूक, गळफो झाडा, पशाव इ० मळ
फुट वि० एकाकी (२) अलग (३) पु० [इ] फूट – १२ इच
फुटकर,-ल वि० जुओ 'फुट' (२) फुटकळ विविध (३) छूटक
फुटका पु० फाडलो [टिप्पणी
फुटनोट पु० [इ] पाना नीचे अपाती
फुटपाथ पु० [इ] पगथी, फूटपाथ
फुटवाल पु० [इ] फूटवाल दडा
फुटमत पु० मतभद
फुटेहरा पु० धाणी जेवा फलेला शकला चणावगणा [नसीबनु
फुट्टैल वि० जुओ 'फुट' (२) फूटेला
फुतूर पु [अ] फितूर झघडो(२)वराबी
फुतूह स्त्री० [अ] जुओ 'फतूह'
फुत्कार पु० [स] फूफाडा [आववु
फुदकना अ०कि० ऊछळव् (२)उमगमा
फुदकी स्त्री० एक नानु पक्षी
फुनगी स्त्री० फणगो अकुर
फुनून पु [अ] 'फन' नु ब०व०
फुफदी स्त्री० नाडु
फुफकार पु० फुफवाटो (अ०कि०-ना)
फुफू स्त्री० जुओ फफी'
फुफेरा वि० फूआनु (स्त्री०-री)
फुप्फुस पु० [स] फफसु
फुर वि० (प) साचु सत्य
फुरकत स्त्री० [अ] वियोग
फुरती स्त्री० फूर्ति स्फूर्ति, तजी
फुरतीला वि० फूर्तिलु
फुरना अ०कि० (प) स्फुरवु (२) साचु सावित थवु सफळ थवु
फुरफुराना अ०त्रि० फरफरवु (२) स०त्रि० फफडाववु —हट स्त्री० फरफराट फफडाट
फुरसत स्त्री०[अ] फुरसद नवराश (२) राग मटवा ते आराम
फुरेरी स्त्री० छेडे पूमडु लपेटली सळा (२) रोमाच साथ कप –आना,–लेना =थरथरवु कापवु [०ला'
फुर्ती, स्त्री० ०ला वि० जुओ 'फुरती'
फुसत स्त्री० जुओ 'फुरसत'

फुलका पु० फफाला (२) फूलका–रोटली –की स्त्री० नानो फूलको
फुलझडी स्त्री० दारूखानानी फूलकणी के तारामडळ (२) पचातनी वात
फुलवर पु० फुलेवर रेशमी कापड
फुलवार वि० प्रफुल्ल, प्रसन्न
फुलवारी स्त्री० बगीचो (२) बागळनी फूलवाडी
फुलहारा पु० माळी
फुलौ वि० जुओ 'फरा'
फुलाना स० क्रि० फुलावबु
फुलाव पु० फलवु के फुलाववु ते
फुलिया पु० कानमा पहेरवानु फूल-घरेणु
फुलिसकेप पु० फूलसकॅप कागळ
फुलेरा पु० फूलोनी करेली छत्री
फुलेल पु० (फूलान्) सुगधीदार तेल
फुलेली स्त्री० फुलेलनी शाशी
फुलौरी स्त्री० एक जातनु भजियु
फुल्ल वि० [म] खीलेल प्रफुल्ल
फुवा(–हा)र स्त्री० जुओ 'फुहार'
फुस स्त्री० फूस एवा धीमो अवाज ०फुस स्त्री० गुसपुस वात ०से अ० धीरथी धीमेथी
फुसफुसा वि० फासफूसियु [बोलवु
फुसफुसाना अ० क्रि० गुसपुस धीमे धीमे
फुसलाना स० क्रि० फोसलाववु
फुहश वि० [अ] जुओ 'फहश'
फुहार स्त्री० पाणीनी झीणी छाट फरफर, फोरु
फुहारा पु० फुवारो (२) झीणी छाट
फूहो स्त्री० जुओ 'फुहार'
फूक स्त्री० फूक श्वास फूकवु ते –मारना=फूकवु
फूकना स०क्रि० फूकवु (२) फूकी मारवु
फूका पु० ढोरनु दूध खची काढवानी एक क्रूर युक्ति के ते माटेनी नळी (२) फोल्लो
फूद स्त्री०, –दा पु० 'फुदिमा', फूमतु
फूदफूदारा वि० फूमतावाळु
फूदा पु० जुआ 'फूद'
फूई स्त्री० जुआ 'फूही'(२) फूग, 'फफ्दी'
फूट स्त्री० फूट, फूटवु ते (२) भद तड (३) एक जातनी काकडी
फूटना अ० क्रि० फूटवु फूट फूटकर रोना=विलाप करवो फूटी आखों न भाना=वहु खराव देखावु–लागव
फूत्कार पु० [म] फूफाडो
फूफा पु० फुओ (स्त्री० –फी)
फूल पु० पुष्प (२) अस्थि फूल (३) फूल इ०नु भरतकाम –झडना=मीठा शब्दो बोलवा –पडना=वत्तीने मोगरा थवो
फूलगोभी स्त्री० फलावरनु शाक
फूलडोल पु० हीडोळानो उत्सव
फूलदान पु० फूलदानी
फूलदार वि० फूल इ०ना शणगारवाळु फूलवाळु
फूलना अ० क्रि० फूल आववा (२) खीलवु (३) फूलवु (४) प्रफुल्ल के गर्वित थवु (५) मा चडाववु रिसावु –फलना=खूब समद्ध थवु फूलवु फालवु –फाला=खुश खुश थवु
फूला(०फूला)फिरना = फुलाई जवु घमडमा फरवु क रहेवु (२) प्रसन्न थई फरवु फूला न समाना=आनदनो पार न रहेवा
फूली स्त्री० आखमा पडतु फूल
फूस पु० सूकु घास खड (२) छाजनु घास

फूहड,–र वि० फूवड ठाणा वगरनु (२) स्त्री० फवड स्त्री
फूही स्त्री० जुओ फूंगी फुहार'
फेंर स्त्री० फानु त
फेंकना स०क्रि० फकनु
फेंट स्त्री० यमरी नट व कमर (२) फटा'नी क्रिया
फेंटना स क्रि० फीन्न हलाववु
फेंटा प जुओ फन (२) फगा
फेंटी स्त्री० नूतरनी अटी (अटरण पर उतारली)
फेज प एक टापी (तुर्की घाटनी)
फेन पु० [स] फीण
फेनी स्त्री० सूतरफणी
फेफडा पु० फफनु
फेफडी,–री स्त्री० तरग के गरमीथी हाठ पर वळनी पापडी
फेर पु० फर (चक्कर तफावत) (२) दुविधा मूमवण (३) सशय (४) फरफार (५) उपाय युक्ति (६) लवटन्वड फरफार –खाना=फरावामा पडवु –बाधना=उपाय के तजवीज करवी –में आना या पडना=गूचवावु –में डाल्ना=गूचवयु
फरना स०क्रि० फरववु (२) पाछु लेवु के करनु
फेर पलटा पु० 'गौना' आणु
फेरफार पु० फेरफार परिवतन फरक (२) आघुपाछु करवु ते
फेरबदल पु० फेरफार बदल्नु त
फेरा पु० फेरो आटा चक्कर
फेराफेरी स्त्री० हेरफेर आमतेम फेरफार
फेरी स्त्री० फेरी (वेचवा माटे) (२) फेरा आटो ०वाला पु० फेरियो
फेल प [अ] काय (२) दुष्कम, फल (३) क्रियापद (४) वि० [इ] निष्फळ, नापास
फेल जामिना स्त्री० सारी चाल्नी जामीनगीरी
फलन अ० [ा] कायम्प [ढाी
फलो वि [अ] फम' वाळ (२) फलवाज,
फहरिस्त स्त्री० यादी 'फिहरिस्त'
फरनत प घा करवामा हाशियार फिरन
फक्टरो स्त्री०[इ] कोठी (२) कारखानु
फज पु०[ा] फायदा हित (२) भलाइ परापकार (३) फज परिणाम
फजआम पु० [अ] लाकहित
फयाज वि० जुओ 'फय्याज'
फयाजो स्त्री० जुओ 'फय्याजी'
फर स्त्री० वदूकनो बार
फलना अ०क्रि० फलावु (प्रेरक फलाना)
फलसूफ पु० [फा] फिल्सूफ (२) फजूलखच उडाउ (३) दगलबाज
फलसूफी स्त्री० अपव्यय (२) दगलबाजी
फलाव पु० फेलावो
फशन पु० [इ] फॅशन चाल रीत
फसल पु० [अ] न्यायाधीश (२) न्याय, फसला
फसला पु० [अ] फमला
फोक पु० नकामा कूचो (२) नीरस चीज
फोकट वि० फोगट तुच्छ नकामु मफत –का=फोगटियु मफतनु –में=मफतमा
फोकला पु० छोतरु छोडु
फोक्स पु० [इ] दूरबीन कॅमेरा इ०नु खास अमुक केन्द्रबिंदु –लेना=फाक्स मळववु

फोटो, ०ग्राफ पु० [इ] फोटो, छबी ०ग्राफर पु० छबी पाडनार ०ग्राफी स्त्री० तेनी कळा के विद्या
फोडना स० क्रि० फोडवु
फोडा पु० फोडलो —डिया स्त्री० फोल्ली
फोता पु० [फा] थेली (२) अडकाप (३) महेसूल (४) खजानो तिजोरी
फोतेदार पु० [फा] खजानची 'रोकडिया'
फोश वि० गद बीभत्स
फौआ(—व्वा)रा पु० फुवारो
फौक वि० [अ] उच्च श्रेष्ठ (२) पु० उच्चता
फौकियत स्त्री० [अ] श्रेष्ठता (२) उन्नति
फौज स्त्री० [अ] फोज लश्कर
फौजदार पु० [फा] सेनापति (२) फोजदार—अमलदार —री स्त्री० टटो, झघडो (२) फोजदारी अदालत
फौजी वि० [फा] फोजने लगतु
फौत वि० [अ] गत मृत (२) स्त्री० नाश (३) मृत्यु
फ़ौती स्त्री० [फा] मृत्यु (२) वि० मृत्यु सबधी
फौरन अ० [अ] तरत
फौरी वि० [अ] जलदीनु, तात्कालिक
फौलाद पु० [फा] पोलाद (वि० —दी)
फौवा(—व्वा)रा पु० [अ फ वार] फुवारो
फ़्रासीसी वि० फ्रान्सनु
फ़्राक पु० [इ] पहेरवानु फराक
फ़्रेम पु० [इ] चोकठु (२) छबीनी फ्रेम
फ्लूट पु० [इ] वासळी जेवु एक वाजु

ब

बक वि० वकु वाकु (२) दुर्गम (३) पु० बँक
बकनाल स्त्री० सोनीनी फूकवानी नळी
बँगला वि० बगाळी (२) स्त्री० बगाळी भाषा (३) पु० बगलो
बगाल पु० बगाळ देश —ली वि० बगाळी (२) स्त्री० ते भाषा
बचक पु० (प) वचक ठग —ना स्त्री० ठगाई वचना (२) स० क्रि० ठगवु
बछना स० क्रि० (प) वाछवु इच्छवु
बजर पु० ऊसर जमीन
बँटना अ० क्रि० 'बाटना' नु कर्मणि
बँटवारा पु० वहेचणी
बटा पु० गोळ के चोखडो नानो डबो
बँटाई स्त्री० वाटवु ते (२) भागनी खेती
बँटाना स० क्रि० 'बँटवाना'—वहेचाववु (२) मददमा लागवु हाथ बँटाना: हाथ देवा
बडल पु० [इ] बडल, पोटकु
बडा पु० एक कद, रतालु (?)
बँडेरी स्त्री० छापरानु माभनु लाकडु
बद पु० [फा] बधन, केद (२) बाध (३) आरखा इ०नी कस (४) कागळनी लाबी पटी (५) छप्पा जवी उर्दु कवितानु चरण (६) वि० बध करलु के थयेलु रोकावेलु के रोकेलु, वद्ध
बदगी स्त्री० [फा] गुलामी (२) प्रार्थना (३) सलाम
बदगोभी स्त्री० करमकल्लो, कोबी
बदनवार पु० तोरण

बदना स० क्रि० वदवु (२) स्त्री० बदना
बदर पु० बादरा (२) [फा] बदर –घुडकी, –नवकी=खाली डरावया माटे धमकाववु ते
बदरगाह पु० [फा] बदर
बदा प० [फा] दास सेवक (स्त्री० –दी)
बदा-नवाज वि० [फा] दास पर दया करनार दीनदयाळ
बदिश स्त्री० [फा] बाधवु ते (२) प्रबध (३) पतरो
बदी पु० [फा] केदी (२) भाट चारण (३) स्त्री० बधी धरणु (४) दासी (५) बधी केद बधन ०खाना, ०घर पु० कदखानु जेल ०वान प० केदी ०छोर पु० केदमाथी छोडावनार
बदूक स्त्री० [फा] बदूक –चलाना, –छोडना, –मारना, –लगाना=बदूक फाडवी –भरना=बदूक भरवी –छतियाना=बदूक फाडवा तयार थवु ०ची पु० बदूकवाळो
बदोबस्त पु० [फा] बदोबस्त प्रबध यवस्था (२) महसूलनी जमाबधी
बध पु० [स] बधन बेडी केद (२) पाणीना बध बाध (३) बाधवा –रसी इ०
बधक पु० गीरो मूकेली वस्तु, रहन'
बधन पु० [स] बाधवु ते (२) बध, बेडी, केद, रस्सी इ० [साधन
बधना अ० क्रि० बधावु (२) पु० बाधवानु
बधान पु० धारो बधी करार (२) पाणीना बाध (३) सम ताल
बधी स्त्री० नक्की प्रबध के कायदो 'बधज' बधावु ते [के स्वजन
बधु पु० [स] भाई भाडु (२) भाईबध
बंधुआ, –वा पु० बधायेलो ते केदी
बधज प० कशु नियामा बाधवु के बधावु ते बधामणी करार (२) बधी, प्रतिबध
बपुलिस स्त्री० सार्वजनिक जाजरून् स्थान
बब स्त्री० बम बम ध्वनि (२) नगारु
बबा [अ मबा] झरो (२) स्रोत तरगु
बँधाना अ० क्रि० (डा न) बाधडवु
बसखपूर, बसलोचन प० वासकपूर
बसरी, बसी स्त्री० वासळी वसी
बँहगी स्त्री० 'बहँगी', पाणीनो कावो, कावड
ब [फा] पूर्वग 'मं' जेम, सहित एवा अर्थमा उदा० बखाल बगैर इ०
बईद अ० [अ] दूर
बक पु० [स] बगलो (२) बकासुर (३) स्त्री० बकवु ते बकवाद लवारो ०झक, ०बक स्त्री० बकवाद
बक(–कु)चा पु० [तु बुकच] जुओ 'बकुचा' बचको
बकची स्त्री० बकुची' बचकी
बकझक स्त्री० बकवाद बक'
बक(–त)तर पु० बख्तर कवच
बकना स० क्रि० बकवु बोलवु बकवाद करवो –झकना=व्यर्थ बोलवु बकवाद करवो
बकबक स्त्री० बकवाद लवारो 'बक'
बकर ईद स्त्री० जुओ 'बक्र-ईद'
बकर-कसाव पु० बकरानु मास वेचनार
बकरना स० क्रि० एकरार करवो बकवु–बबडवु (२) पाप कबूल करी के कही देवु
बकरा पु० बकरो –री स्त्री० बकरी
बकरीद स्त्री० जुओ 'बक्र-ईद'
बकलस [इ बक्लस] बकल
बकला प० वल्कल (२) फळनु छोडु

स,–सी स्त्री० बकवाद,
–दी वि० बकवाद करनार
० पेटी, 'बॉक्स'
स०क्रि० वकवु (२) माफ
(प्रेरक बकसाना)
आ(–वा) पु० 'वकलस', बकल
न स्त्री० एक झाड
या पु० [अ] बाकी बचत
री स्त्री० बोल शब्द, मोमाथी
नीकळतो ध्वनि –फूटना=बोल के
शब्द नीकळवो
कावल पु० [फा] बबरची
बक़िया वि०[अ] शेष, बचेलु, परिशिष्ट
बकुचा पु० (स्त्री०–ची) बचको, पोटलु
बकेन(–ना) स्त्री० बाखडी गाय भेस
बकयाँ पु० घूटणिये चालवु ते
बकोटना स०क्रि० नखथी उझरडो भरवो
ब-क़ौल अ० [अ] कोल प्रमाणे
बक्कल पु० [स वल्कल] 'बकला', छाल
(२) छोडु
बक्काल पु० [अ] बकाल वाणियो
बक्र-ईद स्त्री० [अ] बकरी-ईद
बक्स पु० 'बकस', पटी
बखतर पु० जुओ 'बकतर'
बख़रा पु० [फा] भाग, हिस्सो
बखरी स्त्री० रहवा लायक (सारु) घर
बख़शीश, बखसीस (प) स्त्री० जुओ
'बख्शिश'
बखान पु० वर्णन (२) वखाण
बखानना स०क्रि० वर्णववु (२) वखाणवु
(३) गाळो भाडवी
बखार पु० अनाजनो कोठार के वखार
(स्त्री० –री=नानी वखार)
बखिया पु० [फा] बखियो, सिलाईनो
टाको –उधेडना=सा...
वातनो भेद उघाडो करवो
बखियाना स०क्रि० बखिया दई सीववु
बखीर स्त्री० शेरडीना रसमा रांधेला
भात [–ली स्त्री०)
बख़ील वि०[अ] वखील, कजूस (नाम
ब-ख़ुद अ० [फा] जाते, पोते
बख़ूबी अ०[फा] ख़ूबीथी, अच्छी तरेह
बखेडा पु० बखेडो, झघडो, (२) पचात,
झझट –डिया वि० झघडाळु बखेडो
करनार
बखेरना स०क्रि० विखेरवु
ब-ख़र अ० [फा] बरोबर, ख़ूबीथी
बख़्त पु० [फा] नसीब, भाग्य
बख़्तर पु० [फा] जुओ 'बकतर'
बख़्तावर, बख़्तियार वि० [फा]
भाग्यशाळी
बख़्शना स०क्रि० बक्षवु (२) त्यागवु (३)
क्षमा करवी
बख़्शिश स्त्री० [फा] बक्षिस (२)
उदारता (३) क्षमा
बग पु० बगलो
बगई स्त्री० बगाई
बग-छुट, बगटुट अ० जोरथी, सडसडाट
बगदना अ०क्रि० बगडवु (२) भूलवु (३)
भ्रष्ट थवु
बगमेल पु० बराबरी, स्पर्धा
बगर पु० महेल के मोटु मकान (२) घर
(३) आगणु
बगर(–रा) ना अ०क्रि० (प) फेलावु
वीखरावु
बगराना अ०क्रि० जुओ 'बगरना' (२)
स०क्रि० फेलाववु, विखेरवु
बगरी स्त्री० जुओ 'बखरी'

बग़ल स्त्री० [फा] बगल (२) पासु पडखु (३) पासेनु स्थान –गरम करना = महवास करवो –में = पासे (२) एक बाजु –में ईमान दबाना या रखना = बेईमानी करवी –में मुह डालना = शरमावु के शरमाववु –सूघना = पस्ताव –हो जाना = बाजुए खसी जवु

बग़लें झांकना = आम तम भागवा मथवु (२) गल्लातल्ला करवा बगले बजाना = कालावियो कटवी राजी राजी थवु

बगलगंध पु० बगलगामणी (२) बगलमा खराब पसीना नीकळवानो रोग

बगलबंदी स्त्री० बगलबंडी

बग(–गु)ला पु० बगलो (स्त्री०–ली)

बगला भगत पु० बगभगत

बगल्याना अ०क्रि० बगलमा–पासे थईने नीकळी जवु (२) स०क्रि० अलग करवु (३) बगलमा मारवु

बगली स्त्री० बगलानी मादा

बगली वि० [फा] बगलनु (२) स्त्री० बगलनु कपडु (३) दरजीनी थेली

बगार स्त्री० गायनी गमाण

बगारना स०क्रि० (प) जुओ 'बगराना'

बगावत स्त्री० [अ] बळवो (२) राजद्रोह

बगिया स्त्री०, बगीचा पु०, बगीचो नानो बाग

बगुला पु० बगलो

बगूला पु० बटाळियो

बगरी स्त्री० एक नानु पक्षी

बगैर अ० [अ] वगर विना

बग्गी,–ग्घी स्त्री० बगी गाडी

बघंबर, बघछाला पु० व्याघ्रचर्म

बघनहा(–हिया) पु० वाघनख

बघार पु० वघार के तेनो महेक –आना, –उठना = वघार बराबर थवो –देना = वघार करवो वघारवु

बघारना स०क्रि० वघारवु (२) योग्यता बहारनु बोलवु – छाटवु

बच स्त्री० वज औषधि (२) पु० (प) वचन [जवु

बचकाना वि० बच्चाने योग्य के बच्चा

बचत स्त्री० बचाव रक्षा (२) बचत, बचावलु ते शेष (३) नफो

बचन पु० वचन –डालना = मागवु याचवु [बोल्यु वहवु

बचना अ०क्रि० बचवु (२) (प) स०क्रि०

बचपन पु० बचपण नानपण

बचा पु० (प) बच्चा छोकरा

बचाना स०क्रि० बचाववु

बचाव पु० बचाव रक्षण

बच्चा पु० [फा] बच्चु (२) बाळक (३) वि० नादान बालिश

बच्चादान पु० [फा] गर्भाशय

बच्ची स्त्री० बची छोकरी

बच्चेकच्चे पु० ब० व० बच्चाकच्चा, बाळबच्चा

बच्चेदानी स्त्री० जुओ 'बच्चादान'

बच्छ पु० (प) वत्स छोकरा (२) वाछडा

बच्छा,–छ,–छडा पु० वाछडो

बछडी, बछिया स्त्री० वाछ[illegible]

बछेडा पु० घोडा[illegible]

बजनी पु० (राज) [illegible]

बजाना स०क्रि० [illegible] (शस्त्र) [illegible]

बजबजा[illegible]

बज[illegible]

[illegible]

बजरी स्त्री० काकरेट (२) कोटनो कागरो (३) बाजरी
बजा वि० [फा] उचित, ठीक, स्थाने –लाना=बजावबु करवु
बजा-आवरी स्त्री० [फा] कर्तव्य के आज्ञानु पालन
बजाज पु० [अ बज्जाज] कापडियो
बजाजा पु० [फा] बजाजानु–कापडिया-ओनु बजार कापड-बजार
बजाजी स्त्री० [फा] कापडनो वेपारधंधो
बजाय अ० [फा] बदले अवेजमा
बजार पु० (प) जुओ 'बाजार' –री, –रू वि० बजारु (२) सामान्य मामूली
बजाहिर अ० [फा] देखवामा, उपरथी जोता, उघाडु
बजुज अ० [फा] सिवाय (अमुक) छोडीने
बर्जे अ० वाग्य
बज्म स्त्री० [फा] सभा मडळी
बझना अ०क्रि० (प) बधावु (२) फसावु, गूचवावु
बझाव पु०, ०ट स्त्री० गूचवण, फसावु ते
बट पु० वट वड (२) वडु (३) वजन वाट (४) वळ (५) वाट रस्ता
बटखरा पु० वजन वाट
बटन स्त्री० आमळवु ते वळ (२) पु० [इ] बटन [पु० उपटण
बटना स०क्रि० वळ देवो आमळवु (२)
बट परा,–पार,–मार पु० वाटपाडु डाकु
बटला पु० मोटी वटलोई
बटली,–लोई स्त्री० वटलोई तावडी
बटवार पु० नाकेदार (२) पहरेगीर
बटवारा पु० वहेचणी वॅटवारा
बटाई स्त्री० वहचणी (२) भागे जमीन आपवी ते ०दार वि० भाग खेडनार
बटाऊ पु० वटमार्गु, मुसाफर –होना =चालवा माडवु
बटिया स्त्री० नानी गोळी
बटी स्त्री० गोळी
बटुआ(–वा) पु० जुओ 'बटुवा'
बटुरना अ०क्रि० टोळे वळवु, एकठु थवु
बटुवा पु० वाटवा (२) मोटी वटलोइ
बटेर स्त्री० एक पक्षी ०याज पु तेने पाळनार
बटोर पु० टोळु (२) ढगलो
बटोरना स०क्रि० समटवु, एकठु करवु
बटोही पु० मुसाफर, 'बटाऊ'
बट्टा पु० [म वार्त्त प्रा वट्ट] दलाली (२) तोटा, घट (३) खलना वट्टो
बट्टा खाता पु० डूबेली रकमनु खातु
बट्टाढाल वि० लीसु अने सपाट
बड स्त्री० बडबडाट, बकवाद बडशो (२) वडनु झाड (३) वि० 'बडा'नु समासमा आवतु रूप, जेम के 'बडभागी'
बडकौला पु० वडनो टेटो
बडप्पन पु० मोटाई महत्ता
बडबट्टा पु० वडनो टटो
बडबड स्त्री० बबडाट बकवाद
बडबडाना स० क्रि० बबडवु बकवाद करवो
बडबेरी स्त्री० 'झडबेरी' जगली बोर
बडबोल(–ला) वि० वडा मोटी वातो हाकनार बहुबोलु [भाग्यशाळी
बडभाग(–गी) वि० बडभागी महा
बडवा स्त्री० बडवा घोडी (२) वडवाग्नि
बडवाग्नि,–नल पु० वडवानळ
बडहन पु० एक जातनु अनाज
बडहर,–ल पु० एक झाड
बडहार पु० लग्न पछीनु महाभोजन

बडा पु० वडु (२) वि० वडु, माटु (उमर, कद, गुण इ० मा)
बडाई स्त्री० वडाई, मोटाई मान प्रतिष्ठा –**देना**=आदर करवो –**मारना** = शखी वकवी
बडा घर पु० केदखानु
बडा दिन पु० २५मी डिसेम्बर
बडा बोल पु० गवना बोल (२) डिंग
बडी स्त्री० वडी (२) वि० स्त्री० मोटी –**बडी बातें करना**=डिंग मारवी
बडी बात स्त्री० कठण के अघरु काम
बडी माता स्त्री० शीतळा बळिया
बडेरा पु० –**री** स्त्री० 'बॅंडरी माभ
बढ़ई पु० सुतार ०**गीरी** स्त्री० सुतारी
बढती स्त्री० वद्धि (२) चडती उन्नति
बढ़ना अ०क्रि० वधवु (२) उन्नति थवी (३) दुकान इ० वध थवु के दीवा बुझावा **बढकर चलना**=फुलावु घमड करवा
बढ़नी स्त्री० सावरणी बुहारी
बढाव पु० वद्धि (२) उन्नति
बढ़ावा पु० उत्तजन (२) उश्केरणी
बढिया वि० उत्तम
बढोतरा स्त्री० उत्तरोत्तर चडती (२) वतनमा नफिक वधारो
बणिक,–ज पु० वणिक वाणियो वेपारी
बत [अ] ०**क**(–**ख**) स्त्री० बतक
बत–कहाव पु० **बतकही** स्त्री० वातचीत (२) वादविवाद
बतचल वि० वकवाद करनार
बतबढ़ाव पु० वात वधवी ते झघडो
बतरस पु० वातचीतनो रस
बतलाना स०क्रि० 'बताना' बतलावु दखाडवु
बताऊँ पु० वेगण वताक
बताना स० क्रि० बतावबु, जणाववु कहेवु [(३) परपोटो
बताशा(–**सा**) पु० पतास (२) फूल्कणी
बतिया स्त्री० फळनो मरवो
बतियाना अ०क्रि० वातचीत करवी
बतियार स्त्री० वातचीत
बतीसी स्त्री०दातनी बत्रीसी –**दिखाना**= हसवु दात काढवा –**बजना**=खूब टाढ वावी [रीत
बतोला पु० चालाकी के छेतरपिंडीनी
बतौर अ०[अ] रीत प्रमाण ढगथी
बत्तक(–**ख**) स्त्री० बतक 'बतख'
बत्ति(–**त्ती**)**स** वि० बत्रीस ३२
बत्ती स्त्री० वाट दिवेट (२) दीवो (३) मीणवत्ती (४) पलीता –**दिखाना**= दीवो बतावबो –**देना**=पलीतो चापवो –**लगाना**=लगाडवु
बत्तीस वि० जुआ 'बत्तिस' –**सी** स्त्री० जुआ 'बतीसी
बत्न पु० [अ] पेट (२) गभ
बथुआ पु० बथवो–एक भाजी
बद स्त्री० बदलो अवेज (२) बद रोग (३) वि० [फा] खराब
बद अमली स्त्री अराजक अव्यवस्था, अशांति [अव्यवस्था
बद इंतजामी स्त्री० खराब प्रबंध
बदकार वि० [फा] खराब कुकर्मी व्यभिचारी –**री** स्त्री० दुराचार व्यभिचार [स्त्री०)
बद किस्मत वि० [फा] अभागा (–**ती**
बद-खू वि० खाटी टेव–टेव वाळु
बद-ख्वाह वि० [फा] अशुभ चाहनार 'खैर–ख्वाह' थी ऊलटु

बद गुमान वि० [फा] शक के वहेमनी दृष्टिवाळु (नाम, –नी स्त्री०)
बदगो वि०[फा] निंदक कूथली करनार ०ई स्त्री० निंदा कूथली
बद चलन वि० खराब चालचलगतवाळु (नाम, –नी स्त्री०) [(–नी स्त्री०)
बद-ज़बान वि० [फा] गाळो बोलनार
बदज़ात वि० [फा] नीच, हलकु
बदज़ेब वि० [फा] शोभारहित कदरूपु
बद तमीज़ वि० [फा] असभ्य अशिष्ट (–ज़ी स्त्री०) [वि० अति बूरु
बदतर वि० [फा] वधारे खराब –रीन
बद तहज़ीब वि० [फा] 'बदतमीज़' असभ्य (नाम, –बी स्त्री०)
बद दयानत वि० [फा] खराब दानतवाळु (नाम, –ती स्त्री०)
बद दुआ स्त्री० [फा] शाप
बदन पु० शरीर [फा] (२) वदन मुख –चुराना=शरमथी शरीर सकोचवु –टूटना=शरीर फाटवु –फलना= गडगमड थवा [स्त्री०)
बद नसीब वि० [फा] कमनसीब (–बी
बदना स०क्रि० वदवु कहेवु (२) ठराववु (३) शरत के होड बकवी (४) वदवु गाठवु [(नाम, –मी स्त्री०)
बद नाम वि० [फा] कलंकित बेआबरू
बदनीयत वि० [फा] बददानतवाळु बईमान (नाम, –ती स्त्री०)
बद-नुमा वि० [फा] कदरूपु बेडाळ
बद परहेज़ वि० [फा] परेज न राखनार अपथ्य करनार (नाम, –ज़ी स्त्री०)
बदबख्त वि० [अ] कमनसीब, दुर्भागी (नाम, –ख्ती स्त्री०) [वि० गंधातु
बदबू स्त्री० [फा] बदबो दुर्गंध ०दार

बद मआश [फा], बदमाश वि० बदमास, दुष्ट(२) लफंगु दुराचारी (–शी स्त्री०)
बद मज़गी स्त्री० [फा] अणबनाव, पडवाश (२) बेस्वादपणु
बदमज़ा वि० [फा] फीकु, बेस्वाद, खराब (२) मजा विनानु
बद-मस्त वि० [फा] नशाथी चकचूर (२) लंपट कामी (नाम, –स्ती स्त्री०)
बद माश वि० –शी स्त्री० अनुक्रमे जुओ 'बदमआश,–शी'
बद मिज़ाज वि०[फा] चीडियु, खराब मिजाज के स्वभावनु (नाम,–ज़ी स्त्री०)
बद रंग वि० [फा] बूरा, बगडी के ऊडी गयेला रंगनु (२) पु० पत्तामा ऊतरयी बीजा रंग (नाम, –गी स्त्री०)
बदर पु० [स] बोर के बोरडी (२) कपास के कपासिया
बदर अ० [फा] बहार –निकालना =हिसाबमा कोईनी जमावाकी काढवी
बदरनवीस पु० [फा] हिसाबनी भूला काढनार (नाम, –सी स्त्री०)
बदर रौ स्त्री० [फा] मोरी
बदरा पु० (प) वादळ (२) स्त्री० [स] कपास वण
बद राह वि० [फा] बदरस्ते चडेलु बूरु
बदरि,०का,–री स्त्री० [स] बोरडी
बदरौह वि० जुओ 'बदराह'
बदल(–ला) पु० [अ] बदलो (२) फरफार (३) अवेज
बद लगाम वि० [फा] बेलगाम निरंकुश
बदलना अ०क्रि० बदलावु फरवु (२) स०क्रि० बदलवु फेरववु (३) फर बदली के अदलाबदली करवी
बदला पु० जुओ 'बदल'

बदली स्त्री० वादळानी घटा (२) वदली
बदलीवल स्त्री० अदलाबदली
बद वजा वि० [फा] रीतभात के ढगधडा विनानु कढगु
बद शकल, बद सूरत वि०[फा] कदरूपु
बद शगून वि० अशुभ अपशकनियु (नाम, –नी स्त्री०) [(–कनी स्त्री०)
बद सलीका वि० [फा] कढगु फूवड
बद सलूकी स्त्री० [फा] बूरा खोटा व्यवहार के वतन
ब-दस्त अ० [फा] हाथ द्वारा मारफत
ब-दस्तूर अ० [फा] दस्तूर मुजब जमनु तम, यथापूव
बद हजमी स्त्री० [फा] अपचा अजीरण
बद हवास वि० [फ] बेबाकळु विकळ (२) बेहोश [बेहाल
बद हाल वि० [फा] बूरा हालवाळु,
बदा वि० नसीबमा लखायेलु नियत
बदान स्त्री० बदव त (जुओ 'बदना')
बदाबदी स्त्री० चडसाचडसी होट
बदाम पु०,–मी वि० जुओ 'बादाम,–मी'
बदी स्त्री० वदि कृष्णपक्ष (२) [फा] बदी बूराई [–ने लईने
ब दौलत अ० [फा] कृपाथी कारणथी
बद्दर(–ल) पु० वादळ
बद्दू पु० बदमास दुराचारी
बद्ध वि० [स] बाधेलु के बधायेलु ०कोष्ठ पु० बधकोश
बद्धी स्त्री० रसी दारी (२) एक घरेणु
बद्र पु० [फा] पूनमनो चादो
बध पु० बध
बधना स०क्रि बध करवो (२) पु० नाळचावाळु जळपात्र, जेवु के मुसलमान प्राय वापर छ
बधाई स्त्री० वृद्धि (२) बधाई, वधामणी (३) आनदोत्सव (४) धन्यवाद
बधावा(–वा) पु० वधामणी
बधिक पु० वध करनार (२) जल्लाद (३) शिकारी
बधिया पु० खस्सी करेलु पशु
बधिर वि० [स] बहेरु
बधू स्त्री० वधू वहु [(३) नववधू
बधूटी स्त्री० पुत्रवधू (२) सधवा स्त्री
बध्य वि० वध्य वधने पात्र
बन पु० वन
बनकर पु० वननी पेदाश
बनजर स्त्री० जुओ 'बजर'
बनजारा पु० वणजारा (२) वेपारी (–रन,–री स्त्री०)
बनत स्त्री० बनावट (२) मेळ बनवु ते
बनना अ०क्रि० बनवु बन जाना, पडना =सुयोग मळवो लाग खाई जवो बनकर=बनीठनीन बराबर –ठनना, –सँवरना=बनवुठनवु बना रहना =कायम रहेवु (२) जीवतु रहेवु
बनफशा पु० [फा] बनफ्शा, एक औषधिनी वनस्पति –फशई वि० बनफशाना रगनु
बनबिलाव पु० रानी बिलाडा
बनरा पु० बनडा (वर लग्ननु गीत)
बनरी स्त्री० वाडी कन्या
बनवारी पु० श्रीकृष्ण
बना पु० बनडा वर [बनातनु
बनात स्त्री० बनात कपडु –ती वि०
बनाना स०क्रि० बनाववु रचवु इ० (२) वीणवु (३) समारवु
बनाव(–बन)त पु० मगाइ करवा माटे जनमोतरी मळवी – बेसती आववी ते

बनाम अ० [फा] नामथी (२) प्रति, विरुद्धमा
बनाय अ० पूरेपूर अच्छी तरह
बनाव पु० बनावट, रचना (२) शणगार, बनवुठनवु ते (३) युक्ति
बनावट स्त्री० बनावट रचना (२) आडंबर देखाव –टी वि० नकली, कृत्रिम
बनावन पु० विणामण
बनाव सिंगार पु० बनवुठनवु ते
बनासपती स्त्री० (प) वनस्पति, शाक, घासपालो इ० ['बनजारा,–री'
बनिजारा पु०, –रिन,–री स्त्री० जुओ
बनिता स्त्री० वनिता, स्त्री
बनिया पु० वाणियो (२) मोदी
बनियाइन स्त्री० वाणियण (२) [इ बॅनियन] गजीफराक [मुकाबले
बनिस्वत अ० [फा] सरखामणीमा,
बनी स्त्री० वनखड (२) बाग नानु वन के वाटिका (३) नववधू (४) जुओ 'बन्नी' (५) पु० बनियो, वाणियो
बनीनी स्त्री० बनिया'नी स्त्री
बनेठी स्त्री० बनेटी
बनला वि० वननु जगली
बनात स्त्री० जुओ 'बनात'
बनी स्त्री० अनाजमा अपाती मजूरी
बपतिस्मा पु० [इ बॅप्टिझम] जलदीक्षा
बप(–पु)मार वि० बापने मारनार (२) सौने दगो देनार
बपु पु० (प) वपु शरीर
बपुरा वि बापडु बीचारु
बपौती स्त्री० बापीकी जायदाद–वारसो
बफारा पु० दवा नाखी बाफथी अपातो नास के ते दवा

बबकना अ०क्रि० भभूकी ऊठीने बोलवु
बबर पु० [अ] सिंह
बबुआ पु० (स्त्री० –ई) पुत्र के जमाई माटे लाडनु सबोधन, बाबु, बचु
बबूल पु० [स बब्बूर] बावळ
बबूला पु० जुओ 'बगूला' (२) परपोटो
बभूत स्त्री० भभूत, भस्म
बम पु० बॉम्ब (२) बम बम अवाज –बोलना या बोल जाना=ठठण गापाळ थवु
बमकना अ०क्रि० शेखी मारवी बडाई हाकवी (२) जुओ 'बबकना'
बमगोला पु० बॉम्बगोळो
बमचख स्त्री० शोरबकोर (२) धघडो
बमपुलिस पु० जुओ 'बपुलिस'
ब मुकाबला अ० [फा] समक्ष, सामे (२) विरुद्धमा (३) तुलनामा
बमूजिब अ० [फा] मुजब अनुसार
बयस स्त्री० वय, उमर
बयाज स्त्री० [अ] नोंध के तेनी चापडी
बयान पु० [फा] ब्यान हेवाल वर्णन
बयाना पु० [अ बआन] बानु 'पशगी'
बयाबान पु० [फा] बियाबान, जगल
बयार,–रि,–री स्त्री० (प) हवा, पवन –करना=पखा के पवन नाखवा
बर पु० वर (२) वरदान (३) बळ (४) वि० वर श्रेष्ठ
बर अ० [फा] उपर –आना,–पाना= वर आववु सफळ नीवडवु
बर-अक्स अ० [फा] ऊलटु
बर-आमद वि० [फा] जुओ 'बरामद'
बरई पु० तबोळी (स्त्री० –इन)
बरकदाज पु० [फा] मोटी लाठी के बदूकवाळो सिपाई बदूकची

बरकत स्त्री० [अ] बरकत, आबादी (२) एक वे एम गणतरीमा एक माटे वपराय छे (३) समाप्ति (शुभ-सूचक अथमा) (४) कृपा **–उठना**= बरकत न आववी पडती थवी घटवु **–देना**=बरकत पूरवी **–होना**=बरकत आववी

बरकती वि० बरकतवाळु

बरकना अ० क्रि० मटवु टळवु(२) हठवु दूर रहेवु

बर-करार वि० [फा+अ] कायम (२) मौजूद

बरकाज पु० विवाह

बरखास्त वि० [फा] (सभा) वीखरायलु (२) (नोकरी के काममाथी) दूर करायेलु बरतरफ (नाम, ०गी स्त्री०)

बरखिलाफ अ० [फा] प्रतिकूळ विरुद्ध

बर खुरदार पु० [फा] पुत्र (२) वि० खाधेपीधे सुखी (नाम, **–री** स्त्री०)

बरगद पु० वडनु झाड

बरछा पु० बरछो भालो

बरछैत पु० बरछो चलावो जाणनार

बरजना स०क्रि० रोकवु मना करवी

बरजबान वि० [फा] कठस्थ याद

बर जस्ता वि० [फा] बरोबर मचाट

बरजोर वि० जोरावर (२) अत्याचारी

बरजोरी अ० बळपूवक (२) स्त्री० जबरदस्ती

बरत पु० व्रत (२) बरत दोरडु

बरतन पु० वासण (२) वतन वर्ताव

बरतना अ०क्रि० वतवु (२) स०क्रि० वापरवु काममा लवु

बरतर वि० [फा] बहेतर, वधारे सारु

बरतरफ वि० [फा] बाजु मूकलु (२) अ० एक तरफ किनारे, अलग (नाम, **–फी** स्त्री०)

बरतरी स्त्री० [फा] श्रेष्ठता, साराई

बरताना स०क्रि० वहेंचवु

बरताव पु० वर्ताव वनन

बरतोर पु० वालताड–फाल्लो

बरदा पु० [तु] दास लडाईमा पकडेलो गुलाम

बरदा(–धा)ना स०क्रि० मादाने नर देखाडवा (२) अ०क्रि० मादा गाभणी थवी

बरदा-फरोश वि०[फा]गुलामनो वेपारी (नाम, **–शी** स्त्री० गुलामी वेपार)

बरदार वि० [फा] वही जनार

बरदाश्त स्त्री० [फा] खमवु ते सहन करवु ते

बरधा पु० बळद ['बरदाना'

बरधाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ

बरन पु० (प) वण रग (२) अ० वल्क

बरना स०क्रि० वरवु (२)अ०क्रि० बळवु

बरपा वि० [फा] खडु थयेलु मचेलु

बरफ स्त्री० 'बफ बरफ **–फानी** वि० बरफनु बरफवाळु

बरफी स्त्री० बरफी मीठाई

बरबर पु० बबर जातिना माणस (२) स्त्री० बडबडाट बकबक **–रियत** स्त्री० बबरता जगलीपणु

बरबस अ० बळपूवक (२) व्यथ

बरबाद वि० [फा] खुवार तबाह, नष्ट [नाम, **–दी** स्त्री०]

बर–मला अ०[अ] खुल्लामा सौनी साम

बर-महल वि० [फा] योग्य मौका परनु (२) अ० वखत पर, 'बरवक्त'

बरमा पु० (स्त्री० **–मी**) शारडी

बरमी पु० बर्मी ब्रह्मदेशवासी (२) स्त्री० ब्रह्मदेशनी भाषा (३) वि० तने लगतु (४) स्त्री० नानी शारडी
बर वक्त अ० [फा] बराबर वखत पर, वखतसर
बरवट स्त्री० प्लीहानो रोग
बरस पु० बरस ०गाठ स्त्री० वर्षगांठ
बरसना अ०क्रि० वरसवु बरस पडना =खूब गुस्से थई वढवु
बरसाइत स्त्री० वटसावित्री व्रत
बरसात स्त्री० वरसादनी ऋतु
बरसाती वि० वरसादने लगतु (२) पु० वरसादमा थतो एक जातनो फोल्लो (३) छत पर करातो अमुक ओरडो
बरसी स्त्री० वरसी, वार्षिक मतक्रिया
बर हक वि० [फा] हकनु (२) उचित (३) साचु [स्त्री०)
बरहना वि० [फा] नागु (नाम, –नगी
बरहम वि० [फा] गुस्से थयेलु (२) चकित
बरहा पु० पाणीनो ढाळियो (२) वरत (कोसनी)
बरही पु० मोर बर्ही (२) मरघो (३) स्त्री० जन्म पछी बारमा दिवसनी अमुक क्रिया (४) भारो बाधवानु दोरडु (५) लाकडानो भारो
बराडा पु० वरडो 'वरामदा'
बराडी स्त्री० ब्रान्डी दारू
बरा पु० खावानु वडु
बराक पु० [स वराक] युद्ध (२) वि० कगाळ गरीब बापडु (३) नीच
बरात स्त्री० जान –ती पु० जानयो
बरानकोट पु० [इ ब्राउनकोट] बुरानकोट
बराना अ०क्रि० वचवु अलग रहेवु (२) स०क्रि० वरव पसद करव चूटवु
बराबर वि० [फा] बराबर, समान (२) सरखु, सपाट (३) अ० लगातार, सतत (४) हमेश –करना=पूरु करवु –से निकलना=–नी पासेथी जवु
बराबरी स्त्री० [फा] समानता (२) सरसाई स्पर्धा, सामना
बरामद वि० [फा] बहार के सामे आवेलु, उपस्थित (२) स्त्री० जुओ 'गगबरार दियारा' (३) आमदानी
बरामदा पु० [फा] वरडो (२) छजु
बरामीटर पु० बॅरोमीटर
बराय अ० [फा] वास्ते माटे ०नाम =नामनु कहेवानु [लोढानु वडु
बरायन पु० विवाहमा वरने पहेरावातु
बराव पु० 'बराना'–वचवु ते निवारण
बरास पु० एक जातनु कपूर
बराह पु० वराह (२) अ० [फा] तरीके (३) द्वारा, मारफत
बरी स्त्री० वडी (२) वरपक्ष कन्याने वस्त्र वगेरे (लग्नविधि बाद) आपे छे ते (३) वि० (प) बली बळवान
बरी वि० [फा] मुक्त, छूटु
बरु अ० (प) भले, ठीक [उपनयन
बरुआ(–वा) पु० बडवो बटुक (२)
बरु(–रौ)नी स्त्री० पापण के तेनो वाळ
बरेंडा पु० छापरानो मोभारो
बरेखी,–च्छा,–पी स्त्री० सगाई विवाह सबध ठराववो ते
बरोक पु० सगाई कर्यानो चाल्लो
बरोह स्त्री० वडवाई
बरौनी स्त्री० जुओ बरुनी' [निज
बर्क स्त्री० [अ] वीजळी (२) वि० चपळ,
बर्कत स्त्री० जुओ 'बरकत'
बर्खास्त वि० जुओ बरखास्त'

[फा] झाडनु पान
० जुओ 'वरछा'
र्ना सं०क्रि० जुओ 'वरजना'
र्ना पु ०क्रि जुओ 'वरतना
र्छी पु ० जुओ 'वरतात्र'
जना स्त्री० जुओ वरदास्त
तना ि० [फा] वरफ
र्ताव बर्फीला वि० [फा] वरफनु
र्दाश्त त पु० [फा] वरफनो प्रदेश
र्फ स्त्री० जुओ 'वरफी'
र्फानी, [स] जुओ 'वरवर'
र्फिस्तां [अ] स्थळ जमीन (२) उत्त
र्फी स्त्र जम पु० [अ] महाद्वीप
बर पु ० [अ] चमकनु (२) वक
र पु० पळ
र ए अ क्रि० वकवु(२)ववडवु लवरी
र्राक f तितया' भमरी
तेज [फा] बुलद (२) बहु ऊचु
र्राना अ नाम -दी स्त्री०)
र्रॅ पु० वळ जामळ (२) आटो (३)
बलव वि गांठ (४) लचकवु-नूकवु त
श्रेष्ठ (ी कसर (६) [स] वल
बल पु० -खाना=वळ खावो समावा
आटो, र के खोट खावी-खमवी (३)
(५) क एठना'
शक्ति ० पराणी अगाउथी अपातु
(२) कस ना अ०क्रि० ऊकळवु (२)
वकावु
बलकट ि० [अ] कफ (वि० -मी)
बलक(ग न] बळद -दिया पु० गाय-
ऊमटवु रावनार
बलगम पु क्रि० वळवु
बलद पु० अ०क्रि० ववडवु, व्यथ ववडवु
बळद चा वाल्वु (नाम,-हट स्त्री०)
बलना अ

वलभी स्त्री० छत परनी कोटडी 'वरसाती
बलवत वि० (प) बळवान, जबरु
बल्वा पु० [फा] बळवो
बलवाई पु० बळवाखोर
बला स्त्री०[अ] बला (२) दुःख आफत (३) रोग -का=गजब भारे
बलाक पु० [स] बगलो
बलागत स्त्री० [अ] प्रसगोचित बोलवु त (२) जुवानी उमर पहोचवु त
बलाढ्य वि०[स] बळवान (२) पु० अडद
बलात्कार पु [स] जबरदस्ती अत्याचार
बलाय स्त्री० बला
बलि पु० [स] महेसूल करभार (२) भट (३) पूजापो (४) बळि भोग (५) स्त्री० सखी -जाना=वारी जवु
बलिदान पु० [स] बलिन अर्पण त्याग, कुरबानी
बलि(-ली)वर्द पु० [स] बळद
बलिष्ठ वि० [स] खूब बळवान
बली वि० [स] बळियु (२) स्त्री० जुआ 'वली
बलिहारी स्त्री० वारी जवु कुरबान थवु ते -जाना=वारी जवु -लेना= प्रेम बतावववा
बलीग पु० [अ] सरस वक्ता
बलुआ वि० रेतीवाळु रेताळ (स्त्री०-ई)
बलूत पु० [अ] एक झाड
बले अ० [फा] हा ठीक
बलैया स्त्री० बला (किसीकी) बलैया लेना=धन्यवाद के शुभाशिष बताववी
बल्कि अ०[फा] बल्क (२) परतु प्रत्युत
बल्गम पु० [अ] जुओ 'बल्गम'
बल्लम पु० सोटा दडो (२) बरछी (३) उत्त

बल्लमटेर पु० 'वॉलंटियर', स्वयंसेवक
बल्लम बर्दा(-रदा)र पु० अनुचर, छडीदार
बल्ला पु० सोटो, लाकडानो वळो (२) हलेसु (३) बॉलनु बॅट [हलेसु इ०
बल्ली स्त्री० नाना 'बल्ला', वळी,
बवॅडना अ०क्रि० भटकवु, रखडवु
बवडर पु० वटोळियो (२) आंधी
बवना स० क्रि० (प) वाववु, 'बोना' (२) विखेरवु
बवासीर स्त्री० [अ] हरसनो रोग
बशर पु० [अ] मनुष्य
बशारत पु० [अ] शुभ समाचार
बशाशत स्त्री० [अ] खुशी, प्रसन्नता
बशीर वि०[अ] 'बशारत', शुभ समाचार लावनार (२) सुंदर
बश्शाश वि० [अ] राजी, खुश
बसंत पु० वसंत –ती वि० वसंतनु क ते संबंधी
बसंदर पु० आग
बस अ० पूरतु काफी' [फा] (२) पु० वश, काबू (३) स्त्री० [इं] मोटर बस
बसन पु० 'वसन', वस्त्र
बसना अ०क्रि० वसवु, रहेवु (२) पु० वासण (३) वासळी, थली, काई लपेटीने राखवानु वस्त्र
बसर पु० [अ] निर्वाह, गुजारो
बसरो चश्म अ० [फा] राजीखुशीथी
बसवार पु० वघार
बसवास पु० वास, वसवाट
बसह पु० वृषभ बेल
बसा-औकात अ० [फा] वारंवार
बसारत स्त्री० [अ] दृष्टि (२) समज
बसीक(–ग)त स्त्री० वस्ती(२)वसवाट
बसीठ पु० दूत –ठी स्त्री० दूतकार्य
बसीना पु० (प) वास, रहेठाण
बसीरत स्त्री० जुओ 'बसारत'
बसूला पु० वासलो (स्त्री० –ली)
बसेरा वि० वसनार (२) पु० निवास (३) उतारो –री वि० (प) वसनार
बसया वि० (प) वसनार
बसौंधी स्त्री० वासूदी 'रबडी'
बस्ट पु० [इं] छाती सुधीनु बावलु
बस्ता पु० [फा] कागळपत्र इ०बांधवानु कपडु [जगा
बस्ती स्त्री० वस्ती के तेना वसवाटनी
बहॅंगा पु० मोटो बांगो, कावड (स्त्री० –गी)
बहकना अ० क्रि० बहेकवु, वठी जवु (२) फुलावु (३) बीजी वातमा पडी राजी थवु (बाळके) (प्रेरक, बहकाना)
बहत्तर वि० बोतेर ७२
बहन स्त्री० बहेन (२) वहन वहेवु ते
बहना अ०क्रि० वहेवु(२)वही–बहकी जवु
बहनापा पु० बहेनपणा
बहनेली स्त्री० बहेनपणी
बहनोई पु० बनेवी [शुभ कार्य
बहबूदी स्त्री०[फा] भलाई उपकार (२)
बहम अ०[फा] साथ जोड (२) (प) वहेम –पहुँचाना = आणी आपवु
बहर अ० [फा] माटे, सारु (२) पु० [अ बह्र] समुद्र [कोई रीते
बहर हाल अ०[फा] गम तम करीने,
बहरा वि० बहेरु (२) पु०[फा] नसीब; (३) हिस्सा
बहराना स०क्रि० बहार काढवु (२) (प) राजी करवु, दुःख भूल एम करवु (३) फोसलाववु

वहरावर वि० [फा] नसीनदार
वहरियाना स०क्रि० 'वहगना' वहार काढवु
वहरी वि० स्त्री० [फा] बहरी (२) स्त्री० वाज जेवु एक पक्षी (३) 'वहर – समुद्र सवधी
वहरो वि० (प) वहरा
वहल, –ली स्त्री० वहल रथ
वहल्ना अ०क्रि० चित्त प्रसन्न थवु
वहलाना स०क्रि० वहलाववु वहकाना' चित्त प्रसन करवु
वहलाव पु० वहलाववु त मनोरजन
वहली स्त्री० वहल 'वहल'
वहस स्त्री०[अ] वादविवाद चर्चा वास
वहसना अ०क्रि० वहस –चर्चा करवी
वहा पु० [फा] मूल्य किंमत
वहादुर वि० [फा] शूरवीर पराक्रमी नीडर –री स्त्री० शूरवीरता
वहाना स०क्रि० 'वहना'नु प्ररक (२) पु०[फा] निमित्त वहानु –बनाना= वहानु काढवु
वहार स्त्री० [फा] वहार भभको व आनद मजा(२)वसत ऋतु(३)विकास –पर आना, –पर होना = बहारमा आववु खील्वु [प्रसन्न स्वस्थ
वहाल वि० [फा] कायम पूववत (२)
वहाली स्त्री० [फा] वहाला कायम राखवु ते (२) वहानु
वहाव पु० प्रवाह वहेण [वहनापा'
वहिन स्त्री० वहन –नापा पु० जुओ
वहिरग वि० [स] वहारनु
वहिर,–रा वि० (प) बधिर वहेरु
वहिराना अ०क्रि० वहार हावु के थवु (२) स०क्रि० वहार काढवु

वहिला वि० वाझियु (ढार)
वहिश्त पु [फा] वहिस्त स्वग
वहिश्ती प० [फा] भिस्ती (२) स्वगमा रहनार (३) वि० स्वग सम्बधी
वहिष्कार प० [स] वहार करवु क काढव त वायकाट [यक्त
वहिष्कृत वि० [स] वहिष्कार करायलु
वही स्त्री० वही चोपडा
वहीर स्त्री० जनसमूह, भीड (२) फाज साथनो मददनीश नाकर वगरेनो वग के तेमनी सामग्री
वहु वि० [स] घण अनक
वहुज्ञ वि० [स] जाणकार तद्विद
वहुत वि० वहोत घणु अनक –करके =घणु करीने प्राय –कुछ = घणु सारी पठ –खूब = खव सरस
वहुताई (–त,–यत) स्त्री० वहुता, अधिकता [रीते
वहुतेरा स्त्री० वहोत (२) अ० अनक
वहुतेरे वि० सख्यामा वहु
वहुधा अ० [स] प्राय घणु करीने (२) अनक रीत
वहुमत पु० [स] वहुमती (२) अनक जुदा जुदा मत
वहुमूत्र पु० [स] पशाबना एक रोग
वहुमूल्य वि० [स] कीमती
वहुरना अ०क्रि० पाछु आववु (२) फरी मळवु [वधुमा
वहुरि अ० (प) फरी पुन (२) उपरात
वहुरिया स्त्री० नववधू कन्या
वहुरुपिया पु० वहुरूपी
वहुल वि० [स] वहु अधिक
वहुला,–ली स्त्री० [स] इलायची
वहुश्रुत वि० [स] विद्वान कुशळ

बहू स्त्री० वहु (पत्नी के पुत्रवधू) (२) कन्या, वधू
बहेडा पु० वहेडानु झाड
बहेतू वि० भटकतु रखडतु
बहेलिया पु० पारधी शिकारी
बहोरि अ० (प) 'बहुरि', फरी
बह्र पु० [अ] 'बहर', समुद्र
बह्रे-रवा पु० [फा] जहाज, वहाण
बाँ पु० (प) वार, वळा (२) अ० गाय वळदनो रव – बागरडवु ते
बाक पु० वाक – एक घरेणु (२) वाका-पणु, वळाक [छलवटाउ
बाँका वि० वाकु (२) बहादुर (३) वको
बाग स्त्री० [फा] पोकार (२) नमाझनो बाग (३) कूकडानो अवाज
बागड(-र) पु० बागड, ऊचो प्रदेश, जेवो के पजाबनो हरियाना
बागड वि० मूख वेवकूफ
बागर पु० जुओ 'बागड'
बागा पु० कपास
बाँगुर पु० जाळ, फादो [(३)बाकी रहेवु
बाचना स० क्रि० (प) वाचवु (२) बचवु
बाँझ स्त्री० वाझणी, वध्या
बाट स्त्री० वहेचणी (२) भाग
बाटना स० क्रि० वहेचवु (२) भाग पाडवा
बाटा पु० जुओ 'बाट' [असहाय
बाँडा वि० वाडु (पशु) (२) एकलु
बाद प० [फा बदा] मेवक, दास (स्त्री०-दी) [फणगी
बादा पु० वादो – झाडने थतो नकामो
बाँदी स्त्री० दासी लूडी
बाध पु० नदी इ० नो बध
बाधना स० क्रि० बाधवु (२) रोकवु (३) नक्की करवु
बाधनू पु० पहलेथी बाधेली अटकळ, मनसूबो (२) रगरेजनी बाधणी
बाधव पु० [स] बध भाई
बाबी स्त्री० ऊधई क मापनु घर
बास पु० बास -पर चढना = बदनाम के फजेत थवु -बजना = मारपीट थवी लाकडीओ चालवी बासों उछलना = खूब राजी थवु
बासला स्त्री० वासळी (वाद्य के रूपियानो)
बासुरी स्त्री० वासळी
बाह स्त्री० बाय (हाथ के कपडानी बाय) -गहना या पकडना = मदद करवी (२) परणवु -चढाना = बायो चडावीन लडवा तयार थवु -टूटना = खरी सहाय जवी -देना = मदद करवी -बुलद होना = साहसिक के उदार होवु
बाह-बोल पु० मदद के रक्षा करवानु वचन
बा अ० [फा] (पूवग) साथ सहित उदा० बा-अदब = विवेकपूवक बा असर = असरकारक प्रभावशाळी
बाइबिल स्त्री० बाइबल
बाइस प० [अ] कारण, सबब (२) वि० जुओ 'बाईस
बाइसिकल स्त्री० [इ] साइकल
बाई स्त्री० वायु (२) बाई
बाईस वि० २२, बावीस -सी स्त्री० बावीसी बावीसनो समूह
बाउर वि० (प) बावरु गाडु मूर्ख
बाएँ अ० जुओ 'बाय
बाक चाल वि० बहुबोलु वाचाळ
बाकर पु० [अ] मोटो विद्वान के धनी
बाक़र-खानी स्त्री० [अ] एक जातनी रोटी
बाकला पु० [अ] वटाणा जवी एक फळी

पु० बाद रम्ना (२) ताल्वान
गेट (२) गल्वाना यत्ता
म्ना गर्नि० वाग्व (२)जुओ 'वटना
५ म्या स्ना० वाटिका वाटी
टी स्ना० गाटी-राटी (२) गाली
र म्ग गान (२) धार
म्व -गानल त वडवानट
डा प तागा (म्या -डी)
तिस म्ना [उ] विगायती गाळी
गाम्नि
ने म्ना वानी वाटिका
गाढ स्ना० वद्धि ( ) रूढ (३) गाभ
नफा (४) मनन गम्र गान्व त
(५) गम्थादिनी गार -दगना=
मनन ताप छटवी
गाढी स्ना० बाढ वद्धि गाभ
गाण प [म] तीर
गात म्ना गात (२)प गात गात
-का धना पक्का या पूरा=प्रतिज्ञा
के वचन पालनार -का बतगड
करना=रजन गज बरव -पाना=
नाग वाताउवी -पाना=रहस्य
गमजी गर -बनाना=जर वान्व
( ) वनार गाउव
गातचात स्ना गानगान
गातिम त [र] गाता-गाता नात
( ) जन गण
वातिा [अ] अदरगु ( ) गतन
गातिग [अ] [ ] गत गराम
( ) गान गा
गा गा गा गा
गतु [ग गा , गा
गतुनिया आतुना

गाद प० वाद वोस (२) वाद हान
गारत (३) अ० गय 'वादि' (४)
वि वाद गम (१) प० [फा] वात
हवा (५) अ० [अ] गा पछा
गाद फग त [फा] भ्रमण [गघव
वादना म क्रि (प)मादविग रखा
वाद नुमा प० [फा] वायुगा गिा
वनानेनारु यत्र [गवक कनार
वाद फरोग प० [फा] गुणामति (२)
वादवान प [फा] वहाणना गा
गादर, -रु प० गान्ठ -उठना चढ़ना
=गान्ठ चडी आववा
वादला प वगवन वादर
वादशाह प [फा] राजा गुल्तान
-त म्ना वादशाही राज्यराठ -ही
म्ना बादशाहत (२)वि वादशाह
क नेन राज एवु [गार
वाद दस्त म्ना [फा] जावा ( )
वाग हवाई अ० [फा] गार फा
बागम प [फा] गाम (वि -मा)
गादि अ (प) गार गराम
वादियान प० [फा] गविग
वादी वि०[फा] वाग गरना ( )
गरनार (३) म्ना गातिरा
गाद गवा म्ना [फा]
वाव त ( )[त]
गावर वि [त] गा
गावरा गवि (२)गर
बाधा म्ना [त]
वार

बारजा पु० खडकीनो मेडो के छठेरो –अटारी अथवा वरंडो

बारतिय स्त्री० 'बारस्त्री', वेश्या

बारदान,–ना पु० [फा] बारदान (२) फोजनु सीधुसामान

बारना स०क्रि० वारवु रोकवु (२)बाळवु

बारनिश स्त्री० वानिश पालीस करवानो रोगान

बार बरदार पु० [फा] बोजा लई जनार मजूर (नाम,–री)

बारवधू, बार मुखी स्त्री० (प) वेश्या

बारयाब वि०[फा] मोटा माणस पासे जनार–पहोंचनार –बी स्त्री० पहोंच, प्रवेश गति

बारह वि० बार, १२ –बाट करना या घालना=बारेबाट–छिन्नभिन्न करी नाखवु –बाट जाना या होना=छिन्न-भिन्न–रफेदफे थवु

बारहखडी स्त्री० बाराखडी

बारहदरी स्त्री० (मंडप जेवी) चारे पास खुल्ली बेठक

बारहबान पु०खरु उमदा सोनु –ना,–नी वि० खरु (सोनु)

बारहमासा पु० बार महिनानु गीत

बारहमासी वि० बारमासी (२) हमेश लीलु रहेनार

बारह वफात स्त्री० [फा] बारेवफात, महमद पेगंबरना अंतिम मांदगीना बार दिवस

बारह-सिंगा पु० बारसींगु हरण

बारहीं स्त्री० 'बरही', बाळकना जन्म पछी बारमा दिवसनो उत्सव

बारा पु० [फा] वरसाद

बारा वि० बाळ, नानु (२) पु० बाळक –रेतें=बाळपणथी [कि, बारेमें

बारा पु० [फा] विषय, बाबत जेम

बारात स्त्री० 'बरात', जान, वरयात्रा –उठना=जान ऊठवी–चालवी

बारानी वि० [फा] वर्षा संबंधी (२) स्त्री० चोमासु खेती करानी जमीन (३) वरसादथी बचवा पहेरातु कपडु

बारामीटर पु० बॅरोमीटर, 'बरामीटर'

बारिक स्त्री० जुओ 'बारक', बराक

बारिश स्त्री०[फा] वरसाद (२) वर्षाऋतु

बारी स्त्री० बारी पाळी (२) वाडी, बगीचो (३) वाड (४) किनार, धार (५) शस्त्रादिनी धार (६) घर, मकान (७) वहाणनु बार (८) नादान छोकरी के युवती (९) पु० पडिया पतराळां बनावती एक जात बारीका (ज्वर)= पाळीथी आवतो (ताव)

बारीक वि०[फा] झीणु पातळु सूक्ष्म गूढ –की स्त्री० बारीकाई

बारीक-बीं, –बीन वि० [फा] बारीकाई जोनार के समजनार (नाम –नी स्त्री०)

बारू स्त्री० रेती, धूळ, 'बालू' ०दानी स्त्री० रेतदानी

बारूद स्त्री० [फा] बारूत, फोडवानो दारू ०खाना पु० दारूगोळानु गोदाम के भंडार

बारे अ० [फा] अंते, छवटे

वाल पु० [स] वाळ (२) वाळक (३) स्त्री० घउ इ०नु टूं (४) पु [फा] पास –खिचडी होना=वाळा वरता धोळा वाळ वधु होवा –न वावना = वाळ वाका न थवा –पकना वाळ धाळा थवा –वालरचना = माड माड वचवु
वालक पु [स] वाळक छोकरु (२) नादान
वालटी स्त्री० डाल [फोल्ला
वालतोड पु० वालतोडो एक जातनो
वालना स०नि० बाळवु सळगाववु
वालबच्चे पु० वाळबच्चा, परिवार
वालबोध वि० वाळक समजे एवु सरळ (२) स्त्री० वाळवोध लिपि
वालम पु० वहालम, पति, वल्लभ
वालम–खीरा पु० एक जातनी 'खीरा' –काकडी
वाल विवाह पु० [स] वाळलग्न
वाल विधु पु० [स] बीजनो चद्र
वाल सूय पु० [स] ऊगतो सूरज
वाला स्त्री० [स] बाळा, कन्या (२) नवयुवती (३) पत्नी
वाला अ० [फा] ऊचे उपर (२) वि० उपरनु उपलु –बाला = बारोबार, उपर उपर
वालाई वि० [फा] उपरनु (२) स्त्री० दूधनी मलाई (३) ऊचाई
बालाखाना पु० [फा] मेडो
बालापन पु० बाळपण
बाला बाला अ० जुओ 'बाला [फा] मा
बाला भोला वि० भोळु भाळु सीधु सादु
बालावर पु० [फा] एक जातनु अगरखु
बालार्क पु० [स] बालसूर्य
बालिका स्त्री० [स] छोकरी कन्या
बालिग पु [अ] उमरे पहोचेल जुवान
बालिश स्त्री० [फा] ओशीकु (२) वि० [स] अजाण, वगमज
बालिश्त स्त्री० [फा] वेत वित्ता
बालिस–ट्रेन स्त्री० आराम गाडी
बाली स्त्री० काननी वाळी–रडा (२) 'बाल,' डूडु (३) वालि वानर
बालीदगी स्त्री० [फा] वृद्धि विकास
बालीन पु० [फा] ओशीकु
बालुका स्त्री० बालू पु० रेती –की भीत = क्षणभगुर वस्तु
बालूदानी स्त्री० रेतदानी
बालूसा(–शा)ही स्त्री० एक मीठाई
बाल्य पु० [स] बाळपण
बाव पु० वायु (२) अपानवायु –गोला पु० गोळानो रोग
बा वज वि० [फा] सभ्य शिष्ट
बा वजूद अ० [फा] तोपण
बा वफा वि० [फा] वफादार
बावडी स्त्री० वाव
बावन वि० ५२ –गजका = पाकु खधु –तोळे पाव रत्ती = तद्दन ठीक –वीर = वहादुर
बावन(–ना) वि० वामन, ठीगणु
बावर पु० [फा] भरासो विश्वास
बावर(रा,–ला) वि० बावरु घेलु (२) मूर्ख
बावरची, बावर्ची पु० [तु] बवरची रसोइया ०खाना पु० रसोडु
बावर,–रा,–ला वि० बावरु गाडु (२) वायुना रोगवाळु
बावली स्त्री० वाव (२) ऊडी तलावडी
बावा वि० डाबु 'बाया' (२) प्रतिकूल
बाशिंदा पु० [फा] निवासी रहीश
बाष्प पु० [स] वाफ, वराळ (२) आसु (३) लोढु

बास पु० वास रहेठाण (२) वास, गंध (३) कपड़ु (४) स्त्री० वासना (५) आग
बासठ वि० ६२, बासठ
बासन पु० वासण
बासना स्त्री० वासना इच्छा (२) स०क्रि० (प) सुवासित करवु
बासमती पु० ए नामनी चोखानी जात
बासर पु० वासर वार दिवस(२)सवार
बासा पु० वीशी (२) वास, रहेठाण
बासिरा पु० [अ] दष्टि नजर
बासी वि० वासी —कढीमें उबाल आना=घडपणमा जुवानीनो उमंग थवो (२) कसमये काई वासना ऊठवी
बासी ईद स्त्री० ईदनो बीजो दिवस
बासी तिवासी वि० केटलाय दिवसनु (वासी)
बासी मुह अ० नयणे कोठे खाली पटे
बाहना स०क्रि० वही लावयु (२) हांकवु (३) खेडवु (४) हथियार चलाववु
बाहम मीअ०[फा]आपसमा अंदरोअंदर
बाहर अ० बहार (२) अलग वगळ —करना=दूर करवु
बाहरी वि० बहारनु (२) परायु (३) देखवामात्र उपरनु
बाहिज अ० (प) बाह्यत, बहारथी
बाहु पु० [स] हाथ
बाहुल्य पु० [स] बहु होवु ते, अधिकता
बाह्य वि० [स] बहारनु
बिंग पु० जुओ 'व्यंग्य' 'कटाक्ष'
बिंजन पु० (प) जुओ 'व्यंजन'
बिंदा स्त्री० वृदा गोपी(२)मोटो चांल्लो
बिंदी स्त्री० बिंदु मीडु (२) चांल्लो (३) टपकु
बिंदु पु० [स] बिंदु मीडु (२) टपकु
बिंधना अ०क्रि० वींधावु (२) फसावु
बिंब पु०[स] पडछायो, प्रतिबिंब (२) घिलोडु बिंबफळ
बिंबा,-बी स्त्री० घिलोडीना वेलो
बिआज पु० व्याज
बिआधि स्त्री० (प) व्याधि पीडा
बिआना स०क्रि० वावु जणवु(ढोर माट)
बिओग पु० (प) जुओ 'वियोग'
बिकट वि० 'विकट' विकराळ
बिकना अ०क्रि० वेचावु
बिकरार वि० विकराळ (२) विकळ व्याकुळ 'बेकरार'
बिकराल वि० 'विकराल', विकराळ
बिकल वि० जुओ 'विकल —लाई स्त्री० विकळता —लाना अ०क्रि० अकळावु
बिकवाना स०क्रि० वेचाववु
बिक(-ग)सना अ०क्रि०विकसवु,खीलवु
बिकाऊ वि० वेचाउ, वेचवा माटेन
बिकार पु० जुओ 'विकार'
बिकारी वि० जुओ 'विकारी (२) स्त्री० रूपिया इ०नी निशानी
बिख,०म पु० वख, झेर
बिक्री स्त्री० वेचाण वकरा
बिखरना अ०क्रि० वीखरावु
बिखराना, बिखेरना स०क्रि० विखरवु
बिगड(-र)ना अ०क्रि० बगडवु (२) क्रोधे भरावु (३) मामे थवु के न बनवु
बिगडेदिल पु० बगडेला दिलनु कुमार्गी (२) झघडाळु
बिगड(-राइ, र)ल वि० झघडाळु (२) जिद्दी (३) बगडेलु
बिगर अ० (प) बगर विना
बिगरना अ०क्रि० जुओ 'बिगडना
बिगर(-राइ)ल वि० जुओ 'बिगडैल'

विगल पु० जुओ 'विगुल'
विगसना अ०क्रि० (प) विकसवु खीलवु
विगहा पु० वीघु
विगाड पु० बगाड (२) खराबी बूराई (३) अणबनाव ०ना स०क्रि० बगाडवु
विगाना वि० जुओ बगाना
विगार पु० जुओ विगाड (२) स्त्री० जुओ 'बेगार'
विगारी स्त्री० जुओ 'बेगारी
विगुल पु० [इं] ब्यूगल ०र पु० ते वगाडनार ब्यूगलवाळो
विगूचन स्त्री० गूचवण, मूझवण (२) मुश्केली
विगूचना अ०क्रि० गूचावु, मूझावु
विगोना स०क्रि० (प) वगाडवु (२) छुपाववु (३) विताववु (४) भ्रममा नाखवु
विघन पु० (प) विघ्न
विच अ० जुओ बीच'
विचकना अ०क्रि० बावरवु (२) भडकवु
विचकाना अ०क्रि० वचकावु चिडावु (२) मो मरडवु [ते मध्यस्थी
विचविचाव पु० वधडामा वच्चे पडवु
विचरना अ०क्रि० विचरवु फरवु
विचलना अ०क्रि० चळवु डगवु (२) फरी जवु
विचला वि० वचलु
विचवई, विचवान (-नी) पु० झघडामा मध्यस्थ, वचलो माणस
विचारना स०क्रि० विचारवु (२) पूछवु
विचारा वि० विचार बेचारा'
विचारी पु० विचारवान विचारक
विचेत वि० अचेत बेहोश
बिच्छू पु० वीछी [क्रमणि
विछना अ०क्रि० विछावावु 'विछाना'नु

विछलन स्त्री० 'फिसलन' ल्पसवु ते लोभावु ते [ल्पसवु
विछल(-ला)ना अ०क्रि० फिसलना
विछा(०व)ना स क्रि० बिछाववु पाथरवु (२) मारीने जमीन पर सुवाडी दव (३) विगरव
विछावन प विछानु 'विछौना
विछावना स०क्रि जुओ विछाना
विछिआ, -या प पगना वीछिया
विछुआ (-वा) पु० वीछिया पगनी आगळीन घरणु (२) चुस्तक छुडा
विछुडन स्त्री० वछूटवु ते वियोग
विछुड(-र)ना अ० क्रि० जुदा पडवु वछूटवु विखूटा थवु
विछुवा पु० जुओ 'विछुआ
विछोई वि० विरही वियोगी
विछोडा पु० विरह (२) वछूटवु ते वियोग
विछोय (-ह) पु० विछोटा, वियोग
विछौना पु० विछानु (२) पथारी
विजन वि० एकल विजन एकात
विजा (-ना) पु० वीझणा पखो
विजन पु० [फा] कत्लआम
विजली स्त्री० वीजळी -कडकना = आकाश गजवु
विजाती वि० विजातीय बीजी जातनु
विजान वि० (प) अनाड अजाण
विजूका (-खा) पु० (खेतरमा मुकातो) चाडियो [वि० जोर वगरनु
बिजोरा पु० 'बिजौरा बिजोरु (२)
बिजौरा पु० बिजोरु
बिज्जु स्त्री० वीजळी
बिज्जू पु० रानी बिलाडा जवु एक पशु
बिट पु० विट वश्य (२) पक्षीनी अघार, बीट

विट्ठल पु० विठ्ठल, प्रभु
विटारना स०क्रि० वटाळवु गदु करवु
विटिया स्त्री० बेटी (लाडवाचक)
विठाना स०क्रि० जुआ 'बैठाना'
विड पु० 'विट' अघार (२) विड
लवण – मीठु
विडर वि० विखरायेलु (२) नीडर
विडरना अ०क्रि० विखराई जवु (२) डरवु
विडाल पु० [स] बिलाडी
विढयना स०क्रि० वघारवु सघरवु
वित पु० वित्त, धन (२) शक्ति (३) कद
वितरना स०क्रि० वहेचवु
विताना स०क्रि० वितावvु, गुजारवु
वित्त पु० वित्त, धन-दोलत
वित्ता पु० वेंत
वियकना अ० क्रि० चकित थवु (२) मोहवु
वियरना अ० क्रि० (प) विखेरावु छूटु
छूटु थवु
विया स्त्री० (प) व्यथा
विदकना अ०क्रि० फाटवु चिरावु (२)
घायल थवु (३) डरवु
विदकाना स० क्रि० 'विदकना' नु प्रेरक
विदर पु० विदर्भ देश (२) एक उपधातु
विदरी स्त्री० 'विदर'नु धातुकाम ०साज
पु० ते करनार कारीगर
विदा स्त्री० [अ विदाअ] विदाय, जवु ते
विदाई स्त्री० विदाय थवु ते के तेनी
आज्ञा के ते वेळा कई आपवु ते,
विदायगीरी
विदून अ० [फा] वि–
विदेस पु० वि–
विदृत स्त्री० [अ वि–
क–ट (२) आफ–(
विध स्त्री० रीत,

ब्रह्मा (३) जमा उधारनो हिसाब
–मिलाना = हिसाब मेळववो
विधना पु० विधाता, ब्रह्मा (२) अ०क्रि०
(प) वींधावु छदावु
विन अ० विना, विण (२) [अ] पु० पुत्र
विनई वि० (प) विनयी, नम्र
विनऊ स्त्री० (प) विनय
विनती स्त्री० विनती, अरज
विनन स्त्री० वणवु के वीणवु ते (२)
वणाट के विणामण
विनना स०क्रि० वीणवु (२) वणवु
विनय स्त्री० विनय [पामवु
विनस(-सा)ना अ०क्रि० (प) विनाश
विनसाना स०क्रि० विनाश करवो (२)
अ०क्रि० जुओ 'विनसना'
विना अ० विना (२) [अ] स्त्री० पायो
(२) जड, मूळ (३) आरंभ
विनाई स्त्री० 'विनना'-वणवु के वीणवु ते
विना-बर अ० [फा] आथी आ माटे
विनावट स्त्री० वणाट
विनौला पु० कपासियो
विपत(–ता,–ति,–द,–दा) स्त्री०
विपत्ति, दुःख
विफरना अ०क्रि० वीफरवु
विय– मापु
वि–
वि– ०० पण – 'यथार्थ'
वि– म एक–
वि–
वि– [स्त्र
वि– (
वि–
वि–

बियाना स०क्रि० जुओ 'बियाना'
बियाबान पु० [फा] जुओ 'बयाबान'
बियारी (-रू,-लू) स्त्री० (रातनु) वाळु
बिरग वि० रागनी (२) रंग विनानु
बिरज पु० [फा] बिरंज (२) पीतळ
बिरजी वि० [फा] पीतळनु
बिरगिट स्त्री० बिगाड ज्ञातिनी पतन
बिर(-रि)छ पु० (प) वृक्ष
बिरता पु० शक्ति बळ ताकात
बिरथा अ० (प) वृथा [प्रसिद्ध
बिरद पु० नाम यश -दत वि० नामी
बिरध वि० (प) वृद्ध -धाई स्त्री० -धापन पु० घडपण
बिरमना अ०क्रि० बिरमवु अटकवु (२) विराम करवो (३) मोहवु
बिरयाँ वि० [फा] शेकेलु
बिरयानी स्त्री० [फा] मासनी एक वानी (चोखामा शकेला मास साथ करातो)
बिरला वि० विरल काक
बिरवा पु० छोड (२) झाड
बिरवाही स्त्री० बाग वाडी
बिरह पु० विरह, वियोग -हा पु० विरह के तेनु एक गीत -ही वि० विरही
बिराजना अ०क्रि० बिराजवु बेसवु (२) शोभवु
बिरादर पु० [फा] भाई (२) भाईबध ०जादा पु० भत्रीजो ०जादी स्त्री० भत्रीजी [बिरादरीनु
बिरादराना वि० [फा] भाई जेवु (२)
बिरादरी स्त्री० [फा] भाईचारो (२) एक जातिना समूह, नात
बिराना स०क्रि० चीडववु, सामे मोंघी चाळा करवा (२) वि० जुओ 'बेगाना'
बिरिया स्त्री० समय, वेळा (२) वार फेरो

बिरूद वि० दुरूह ऊधु माटु
बिरूप पु० विरूप टीका ०ना अ०क्रि० विरूप करवा माडु करवु
बिल पु० [अ] बिवर दाफ (२) [इ] माल्यनु बील (३) कायदानो खरडो
बिलगुन्द स० [अ] तद्दन पूरे मात्र
बिलखना अ० क्रि० विलाप करवा लागु (२) दुःखी थवु (३) नवाचानु
बिलग वि० अलग जुदु (२) पु० बिलगाव जुदाई
बिलगाना अ० क्रि० अलग थवु (२) स० क्रि० अलग करवु
बिलगाव पु० अलगापु जुदाई
बिल्टी स्त्री० रेलव रसीद
बिलनी स्त्री० माटीना घरवाळी काळी भमरी (२) आखनी आजणी
बिलपना अ० क्रि० विलाप करवो
बिलफेल अ० [अ] हमणा अत्यारे
बिलबिलाना अ० क्रि० कीडा सदबदवा (२) व्याकुळ थईने बकवु के रोवु
बिलम पु० विलब ढील
बिलमना अ० क्रि० विलबवु रोकावु थोभवु के मोडु करवु [बलवलवु
बिललाना अ० क्रि० विलाप करवो
बिलल्ला वि० मूख, गमार
बिलवाना स० क्रि० नष्ट करवु, विलय करवु के करावबु (२) छुपाववु मताडवु
बिलसना अ० क्रि० विलसवु झळकवु
बिला अ० [अ] वगर विना, उदा० बिला-नागा = सतत लगातार बिला शक = वेलाशक, जरूर बिला शत = वगर शरते
बिलाई स्त्री० बिल्ली (२) कूवामा नाखवानी बिलाडी (३) बारणु बध करवानी आकडी

बिट्ठल पु० विठ्ठल, प्रभु
बिटारना स०क्रि० वटाळवु गदु करवु
बिटिया स्त्री० बेटी (लाडवाचक)
बिठाना स०क्रि० जुओ 'बठाना'
बिड पु० 'बिट', अघार (२) बिड लवण—मीठु
बिडर वि० विखरायेलु (२) नीडर
बिडरना अ०क्रि० विसराई जवु (२) डरवु
बिडाल पु० [स] बिलाडी
बिढवना स०क्रि० वधारवु सघरवु
बित पु० वित्त धन (२) शक्ति (३) कद
बितरना स०क्रि० वहेंचवु
बिताना स०क्रि० वितावबु, गुजारवु
बित्त पु० वित्त, धन-दोलत
बित्ता पु० वेंत
बिथकना अ० क्रि० चकित थवु (२) मोहवु
बिथरना अ० क्रि० (प) विखेरावु, छूटु छूटु थवु
बिथा स्त्री० (प) व्यथा
बिदकना अ०क्रि० फाटवु, चिरावु (२) घायल थवु (३) डरवु
बिदकाना स० क्रि० 'बिदकना' नु प्रेरक
बिदर पु० विदर्भ देश (२) एक उपधातु
बिदरी स्त्री० 'बिदर' नु धातुकाम ०साज पु० ते करनार कारीगर
बिदा स्त्री० [अ विदाअ] विदाय जवु त
बिदाई स्त्री० विदाय थवु ते के तेनी आज्ञा के ते वेळा काई आपवु ते, विदायगीरी
बिदून अ० [फा] विना, वगर
बिदेस पु० विदेश, परदेश
बिद्दत स्त्री० [अ विदअत] खराबी (२) कष्ट (३) आफत (४) जुल्म (५) दुदशा
बिध स्त्री० रीत प्रकार (२) विधि, ब्रह्मा (३) जमा उधारनो हिसाब —मिलाना = हिसाब मेळववो
बिधना पु० विधाता ब्रह्मा (२) अ०क्रि० (प) वीधावु छेदावु
बिन अ० विना, विण (२) [अ] पु० पुत्र
बिनई वि० (प) विनयी नम्र
बिनउ स्त्री० (प) विनय
बिनती स्त्री० विनती अरज
बिनन स्त्री० वणवु के वीणवु त (२) वणाट के विणामण
बिनना स०क्रि० वीणवु (२) वणवु
बिनय स्त्री० विनय [पामवु
बिनस(-सा)ना अ०क्रि० (प) विनाश
बिनसाना स०क्रि० विनाश करवो (२) अ०क्रि० जुओ 'बिनसना'
बिना अ० विना (२) [अ] स्त्री० पायो (२) जड, मूळ (३) आरभ
बिनाई स्त्री० 'बिनना' -वणवु के वीणव ते
बिना-बर अ० [फा] आथी आ वास्ते
बिनावट स्त्री० वणाट
बिनौला पु० कपासियो
बिपत(-त्ता,-त्ति,-द,-दा) स्त्री० विपत्ति, दु ख
बिफरना अ०क्रि० वीफरवु
बिबर पु० विवर, काणु
बिबस वि० विवश
बिबा(-बा)ई स्त्री० पग फाटवा ते
बिबाक वि० जुओ 'बेबाक'
बिबाकी स्त्री० बाकी न रहेवु-चूकते करवु ते (२) समाप्ति
बिबि वि० (प) द्वि बे [मन विना
बिमन वि० उदास, दु खी (२) अ०
बियर स्त्री० [इ] 'बीर' दारू
बिया पु० बियु बीज (२) वि० बीजु

बियाना स०क्रि० जुओ 'बिभाना'
बियाबान पु० [फा] जुओ 'बयाबान'
बियारी(र,-लू) स्त्री० (रातनु) वाळु
बिरग वि० रगबेरगी (२) रग विनानु
बिरज पु० [फा] बिरज (२) पीतळ
बिरजी वि० [फा] पीतळनु
बिरगिड स्त्री० ब्रिगड सेनानी पलटण
बिर(-रि)छ पु० (प) वक्ष
बिरता पु० शक्ति, बळ ताकात
बिरथा अ० (प) वथा [प्रसिद्ध
बिरद पु० नाम यश -दत वि० नामी,
बिरध वि० (प) वद्ध -धाई स्त्री० -धापन पु० वडपण
बिरमना अ०क्रि० विरमवु अटकवु (२) विराम करवो (३) मोहवु
बिरया वि० [फा] शकेलु
बिरयानी स्त्री० [फा] मासनी एक वानी (चोखामा शकेला मास साथे कराती)
बिरला वि० विरल कोक
बिरवा पु० छोड (२) झाड
बिरवाही स्त्री० बाग, वाडी
बिरह पु० विरह वियोग -हा पु० विरह के तनु एक गीत -ही वि० विरही
बिराजना अ०क्रि० बिराजवु, बेसवु (२) शाभवु
बिरादर पु० [फा] भाई (२) भाईबध ०जादा पु० भत्रीजा ०जादी स्त्री० भत्रीजी [बिरादरीनु
बिरादराना वि० [फा] भाई जेवु (२)
बिरादरी स्त्री० [फा] भाईचारो (२) एक जातिना समह नात
बिराना स०क्रि० चीडववु सामे मोघी चाळा करवा (२) वि० जुआ 'बेगाना'
बिरिया स्त्री० समय, वेळा(२)वार, फेरो
बिलद वि० बुलद ऊचु, मोटु
बिलब पु० विलब ढील ०ना अ०क्रि० विलब करवा मोडु करवु
बिल पु० [स] विवर काणु (२)[इ] मालनु बिल (३) कायदाना बिल
बिलकुल अ० [अ] तद्दन पूर साव
बिलखना अ० क्रि० विलाप करवो, रावु (२) दुखी थवु (३) सकोचावु
बिलग वि० अलग जुदु (२) पु० 'बिलगाव' जुदाई
बिलगाना अ० क्रि० अलग थवु (२) स० क्रि० अलग करवु
बिलगाव पु० अलगपणु जुदाई
बिलटी स्त्री० रेलव रसीद
बिलनी स्त्री० माटीना घरवाळी काळी भमरी (२) आखनी आजणी
बिलपना अ० क्रि० विलाप करवो
बिलफेल अ० [अ] हमणा, अत्यारे
बिलबिलाना अ० क्रि० कीडा सदबदवा (२) व्याकुळ थईने बकवु के रावु
बिलम पु० विलब ढील
बिलमना अ० क्रि० विलबवु, रोकावु, थोभवु के मोडु करवु [बिलबावु
बिललाना अ० क्रि० विलाप करवा,
बिलल्ला वि० मूख, गमार
बिलवाना स० क्रि० नष्ट करवु विलय करवु के करावबु (२) छुपाववु सताडवु
बिलसना अ० क्रि० विलसवु झळकवु
बिला अ० [अ] वगर, विना, उदा० बिला-नागा=सतत लगातार बिला शक=बेलाशक जरूर बिला शत= वगर शरत
बिलाई स्त्री० बिल्ली (२) कवामा नाखवानी बिलाडी (३) बारणु बध करवानी आवडी

बिलाना अ० क्रि० विलय पामवु
बिला-नागा अ० [अ] जुओ 'बिला'मा
बिलायत स्त्री० विलायत, परदेश
बिलार पु०विलाडो -री स्त्री० विलाडी
बिला शक, बिला शत अ [अ] जुओ 'बिला' मा
बिलियर्ड पु० [इ] एक विलायती रमत
बिलया स्त्री० 'बिल्ली' (२) छीणी
बिलोडना स० क्रि० वलोववु (२) अस्तव्यस्त करवु
बिलोन वि० लावण्यरहित, कदरूपु
बिलोना स०क्रि० वलोववु (२) वि० जुओ 'बिलोन
बिल् [अ] साथ, सहित अथवा शब्दना पूर्वग तरीके उदा० बिलकुल
बिल अक्स अ० [अ] एथी विरुद्ध-ऊलटु
बिल इरादा अ० [अ] इरादापूर्वक, जाणी जोईने
बिल् उमूम अ० [अ] साधारणत
बिल् जब्र अ० [अ] जबरदस्तीथी
बिल् जरूर अ० [अ बिलजरूर] जरूर
बिल् जुमला अ० [अ] कुल मळीने
बिल्-फर्ज अ० [अ] धारो के मानो के
बिल् फेल अ० [अ] आ समये अत्यारे
बिल मुकाबिल अ० [अ] तुलनामा, मुकाबले
बिल्मुक्ता वि० [अ] अचल निश्चित (२) पु० कायमी महेसूल
बिल्ला पु० बिलाडो (२) बिल्लो पदक
बिल्ली स्त्री० बिलाडी (२) बारण खुल्लु रारववानी कडी के ठेस वगरे
बिल्लौर पु० [फा] बिलोर (वि०-री)
बिवर(-रा)ना स०क्रि० वाळ ओळवा
बिवाई स्त्री० जुओ 'बिवाइ'
बिस पु० विष झेर
बिसभर पु० (प) विश्वभर (२) वि० सभाळी न शकाय एवु
बिसखपरा पु० घो जेवु एक झेरी प्राणी
बिसन पु० (प)व्यसन -नी वि० व्यसनी
बिसमउ,-य,-व पु० (प) विस्मय आश्चर्य [भूलवु
बिसमरना स०क्रि० (प) विस्मरण थवु,
बिसमिल वि० जुओ 'बिस्मिल'
बिसमिल्ला(०ह) पु० जओ 'बिस्मिल्ला'
बिसरना स०क्रि० वीसरवु, भूली जवु
बिसरात पु० (प) खच्चर
बिससना अ०क्रि० विश्वास करवो
बिस(-सा)हना स० क्रि० जुओ 'बिसाहना
बिसायंध वि० सडेलानी गधवाळु (२) स्त्री० सडेलानी गध वदवो
बिसात स्त्री० [अ] विसात, गणतरी शक्ति (२) शेतरज के बाजी रमवानु चीतरेलु कपडु (३) पाथरणु, जाजम(४) बिसात पूजी खाना पु० 'बिसाती' नी दुकान [दुकानदार
बिसाती पु० [अ] फुटकळ चीजोनो
बिसारना स० क्रि० विसारवु भूलवु
बिसारा वि० विषवाळ, झेरी
बिसास पु० (प) विश्वास -सी वि० विश्वासु
बिसाह पु० खरीदी [खरीदी, सादो
बिसाहना स० क्रि० खरीदवु (२) पु०
बिसाहनी स्त्री०, बिसाहा पु० सोदा
बिसियार वि० [फा] खूब अधिक
बिसुनना अ० क्रि० साथेलु नाकमा जवु
बिसु(-सू)रना अ० क्रि० (प) चिंता करवी (२) रोतल चहेरो करवो के धीमु रडवु (३) स्त्री० चिंता फिकर

बिसेसर पु० (प) विश्वेश्वर
बिस्कुट पु० [इ] बिस्किट
बिस्तर,-रा पु० पथारी बिस्तरा
बिस्तुइया स्त्री घराळी [माटे)
बिस्मिल वि० [अ] घायल (प्राय प्रेमी
बिस्मिल्लाह पु० [अ] श्रीगणेश आरंभ
बिस्वा पु० जमा वीघाना वीसमा भाग
बिस्वादार पु० भागिया (२) पेटा जमीनदार
बिस्वास पु० विश्वास
बिहग(०म) पु० विहगम पक्षी
बिहतर वि० [फा] बहेतर सारु
बिहतरी स्त्री० [फा] भलाई हित
बिहरना अ० क्रि० विहरवु विचरवु
बिहान पु०वहाणु प्रभात(२)आवती काल
बिहाना अ० क्रि० (प) वहवु वीतवु (२) स० क्रि० छाडवु त्यागवु
बिहाल वि० बहाल
बिहिश्त पु० [फा] बेहेस्त, स्वर्ग -का जानवर=मोर -का मेवा=अनार दाडम -की हवा=ठंडी सुगंधी हवा
बिही स्त्री० [फा] एक झाड ०दाना पु० 'बिही' ना फळना दाणा
बिहीन, बिहून (प) वि० विहीन रहित
बींडी स्त्री० उढाणी (२) बळगाडीमां आगळ जोडातो त्रीजो बळद के तेनु दोरडु
बींधना स० क्रि० वीधवु छेद पाडवा
बी स्त्री० बीबी स्त्री
बीका वि० वाकु, 'बाका
बीघा पु० वीघु
बीच पु० वच मध्य (२) आंतरो फरक (३)अ० वच्चे, अंदर -खेल=गुल्लेखुल्लु (२) अवश्य -बीचमें=वच्चे वच्चे
बीच-बचाव पु० जुओ 'बिचबिचाव'
बीचि स्त्री० वीचि लहर मोजु
बीचोबीच अ० वच्चोवच्च
बीछना स०क्रि० वीणवु चूटवु
बीछी, -छू पु० वीछी
बीज पु० [स] बी (२) मूळ (३) कारण, हेतु (४) वीर्य शुक्र [(५) बिजार
बीजक पु० [स] सूचि यादी (२) बी
बीजन, -ना पु० वीजणा
बीजरी स्त्री० (प) वीजळी
बीजा पु० बीज (२) वि० (प) बीजु
बीजो स्त्री० गोटली मीज
बीजु(०री) स्त्री० वीजळी
बीजू वि० बीज वाव्ये थतु, 'कलमी' थी ऊलटु (२) पु० 'बिज्जु' वीजळी
बीट स्त्री० अघार पक्षीनी विष्टा
बीड स्त्री० रूपियानी थोकडी
बीडा पु० पाननु बीडु -उठाना=बीडु झडपवु डालना, रखना=बीडु फरवु
बीडी स्त्री० पाननी के बीडीनी जोडी (२) दातनी मसी
बीतना अ०क्रि० वीतवु गुजरवु
बीता पु० जुओ 'बित्ता' वत
बीती स्त्री० वीतेलु ते वीतक
बीधना अ० क्रि० 'बिधना' वीधावु (२) स०क्रि० 'बीधना' वीधवु [वाजु
बीन स्त्री० बीन वाजु (२) मदारीनु
बीनना स०क्रि० वीणवु (२) वणवु
बीनाई स्त्री० [फा] आंखनी शक्ति दृष्टि
बीनी स्त्री० [फा] नाक
बीफ पु० गुरुवार
बीबी स्त्री० [फा] कुलीन स्त्री (२) पत्नी (३) 'सन्नारी' एवु सबोधन
बीभत्स वि० [स] गदु घृणित खराब

बीमा पु० [फा] वीमो ०कराई स्त्री० वीमानु प्रिमियम ०दार पु० वीमो उतारनार –करना=वीमो उतारवो
बीमार वि० [फा] बीमार, मादु
बीमारदार वि० [फा] बीमारनी बरदास करनार (नाम, –री स्त्री०)
बीमार-पुरसी स्त्री० [फा] बीमारनी खबर पूछवी त
बीमारी स्त्री० [फा] बीमारी, मादगी
बीर पु० वीरो, भाई (२) वीर पुरुप (३) स्त्री० (प) साहेवी
बीरन पु० वीरो, भाई
बीरबहूटी स्त्री० इद्रगोप जीवडु
बील वि० पोलु (२) पु० नीचाणवाळी भूमि
बीवो स्त्री० जुओ 'बीबी'
बीस वि० २०, वीस –बिस्वे=वीस वसा, घणु करीने, नक्की
बीसी स्त्री० वीसनो समूह बीसी, कोडी
बीहड वि० असमान, ऊचुनीचु (२) विकट
बुद स्त्री० वुद, टीपु, 'बूद
बुदकी स्त्री० टपकु, 'बिंदी' (२) डाघो
बुदिया, बुदौरी स्त्री० 'बूदी', एक मीठाई
बुदीदार वि० टपकावाळु [बोली
बुदेली स्त्री० बुदेलखडनी (हिंदीनी एक)
बुआ स्त्री० जुओ 'बूआ'
बुक स्त्री० चोपडी [इ] (२) एक जातनु कापड ०सेलर चोपडीओ वेचनार
बुक(–ग)चा पु० [तु] बचको गासडी पोटलु –ची स्त्री० बचकी, पाटली
बुकनी स्त्री० बूकणी भूकी चूण
बुक्का स्त्री० [स] हृदय
बुखार पु० [अ] ताव (२) बाफ वराळ (३) शोकक्रोधादिनो आवेग
बुखारात पु० ब व [अ] बाफ, वराळ
बुखल स्त्री० [ज] कजूसाई, कवीलता
बुगचा,–ची जुओ 'बुकचा,–ची'
बुगदा पु० [फा] कसाईनो छरो
बुग्ज पु० [अ] द्वेप, कीना वेर
बुज स्त्री० [फा] बकरी ०कसाब पु० कसाई [डर, भीरुता
बुजदिल वि० [फा] डरपोक –ली स्त्री०
बुजुग पु० [फा] बुजरग, वयोवद्ध (२) वडवो, पूवज (३) पूज्य व्यक्ति
बुजुगवार वि० [फा] वयोवद्ध
बुजुर्गाना वि० [फा] वयोवद्ध वडील के जवु के तेने योग्य
बुजुर्गी स्त्री० बुजरगी (जुओ 'बुजुग)
बुझ(–त)ना अ०क्रि० बुझावु, ओलावु
बुझा(–ता)ना स०क्रि० बूझववु (२) बुथवाववु
बुझारत स्त्री० हिसावकितावनी समज
बुडना अ०क्रि० वूडवु डूबवु
बुडबुडाना अ०क्रि० मनमा बडबडवु
बुड्ढा, बूढा वि० बुढ्ढु, वद्ध (नाम, बुढ़ाई स्त्री०,–पा पु० घडपण)
बुढाना अ०क्रि० वढु थवु
बुत पु० [फा] मूर्ति, प्रतिमा (२) प्रियतम, माशूक ०खाना पु० मदिर ०परस्त वि० मूर्तिपूजक ०परस्ती स्त्री० मूर्तिपूजा ०शिकन वि० [फा] मूर्तिभजक
बुतना अ०क्रि०, **बुताना** स०क्रि० जुओ अनुक्रमे 'बुझना, बुझाना'
बुताम पु० बटन बोरियु
बुत्ता पु० दगा (२) बहानु
बुदबुद(–दा) पु० परपोटा
बुद्ध वि० [स] जाग्रत थयेलु (२) ज्ञानी (३) पु० भगवान बुद्ध

बुद्धि स्त्री [सं] अक्कल, समज ०मत्ता, ०मानी स्त्री० समज
बुद्धू वि० मूर्ख बाघडु [ग्रह के वार
बुध पु० [सं] बुद्धिमान विद्वान (२) एक
बुनकर पु० वणकर
बुनना स० क्रि० वणवु (२) गूंथवु भरवु
बुनाई स्त्री० वणाट के वणकरी
बुनावट स्त्री० वणाटनो प्रकार
बुनियाद स्त्री०[फा] जड पाया (२) असल वात वास्तविकता
बुनियादी वि०[फा] पायानु आधाररूप मूळ असल [रोवु
बुबुकना अ०क्रि० जोरथी डूसका भरीने
बुबुकारी स्त्री० जोरथी रडवानो अवाज
बुभुक्षा स्त्री०[सं] भूख
बुभुक्षित, बुभुक्षु वि० [सं] भूख्यु
बुयाम पु० चीनी माटीनी बरणी
बुरकना स०क्रि० भभराववु
बुरका पु० बुरखा
बुरा वि० बूरु खराब –भला=भलुबूरु
बुराई स्त्री० बूरापणु (२) अवगुण (३) निंदा ०भलाई स्त्री० भलुबूरु काम
बुराक पु० [अ] कल्पित घोडो (एम मनाय छे के एनी पर बेसी पगंबर साहेब आकाशमां गया हता)
बुरादा पु० [फा] लाकडानो वेर
बुरुश पु० ब्रश पीछी के कूचडो इ०
बुर्का पु० [अ] जुओ 'बुरका'
बुर्ज पु० [अ] मकान किल्ला इ०ना बुरज (२) राशि नक्षत्र
बुद स्त्री०[फा] नफो लाभ (२) होड, शरत (३) शेतरंजमां फक्त राजा रहे एवी बाजी –देना=खोवु गुमाववु –मारना=मफतनी रकम लेवी
बुर्दबार वि०[फा] सहनशील (२) सुशील (नाम –री स्त्री०)
बुर्राक वि० जुओ 'बराक' [मकान
बलंद वि० (नाम –दी) ऊलद ऊंचु (२)
बुलबुल स्त्री० [फा] बुलबुल पक्षी
बुलबुला पु० बुदबुद परपोटो
बुलाक स्त्री०[तु] बुलाख–नथनु एक मोती
बुलाना स०क्रि० बोलाववु
बुला(–लौ)वा पु० नोतरु
बुलूग पु० [अ] बालिग थवु ते उमर पहोंचवु ते
बुल्ला पु० परपोटो
बुस पु० अनाजनु भूसु, 'भूसी'
बुहारना स०क्रि० बहोरवु वाळवु
बुहारा पु० सावरणो
बुहारी स्त्री० सावरणी
बूंद स्त्री० बुंद टीपु
बूंदाबांदी स्त्री० झरमर वरसतो–छांटा जेवा वरसाद फरफर [टीपु
बूंदी स्त्री० वळी मीठाई (२) 'बुंद',
बू स्त्री० [फा] वास गंध
बूआ स्त्री० फोई (२) मोटी बहेन
बूकना स० क्रि० पीसवु, दळवु (२) छांटवु बडाशो हांकवी
बूचडपु०कसाई ०खानापु०कसाईवाडो
बूचा वि० कान वगरनु (२) बूठु, कदरूपु
बूजना पु० [फा] वांदरु
बूझ स्त्री० बूज समज [(२) पूछवु
बूझना स०क्रि० बूझवु समजवु जाणवु
बूट पु० चणानो छोड के लीलो दाणो, पोपटा (२) [इं] बूट जोडा
बूटा पु० छोड (२) फूलवेल इ० वेलबुट्टो
बूटी स्त्री० जडी बुट्टी (२) भांग (३) झीणो वेलबुट्टो

बूडना अ०क्रि० बूडवु डूबवु
बूढा वि०घरडु वृद्ध —ढी स्त्री०डुढ्ढी स्त्री
बूढा, फू(-फू)स वि० अतिवद्ध
बूत, बूता पु० ‍बळ, शक्ति
बूदो बाश स्त्री० [फा] रहेठाण निवास
बूम पु० [अ] घुवड (२) स्त्री० [फा] जमीन
बूर स्त्री० लोटनु चाळण–भूसु —के ल्डडू=छेतरपिंडी, दगो
बूग पु० झाडनु वृक्ष
बहृत वि० [स] मोटु विशाळ
बेंग पु० देडको
बेंच स्त्री० [इ] बेन्च पाटली (२) न्यायासननी —न्यायाधीशोनी बेंच
बेंचना स०क्रि० वचवु 'बचना'
बेंट(–ठ) स्त्री० दस्तो हाथो मूठ
बेंत पु० नेतर के तनी सोटी 'वेत'
बेंदा पु० माथानु एक घरेणु (२) तिलक, चाल्लो
बेंदी स्त्री० माथानु एक घरेणु
बेंवडा पु० बारणानी भूगळ
बे अ० [फा] विना'ना अथना पूवग उदा० बईमान
बे-अत वि० अनत बहद
बे अकल वि० [फा] अक्ल वगरनु अणसमजु मूर्ख —ली स्त्री० मूर्खता
बे अदब वि० [फा] असभ्य, अविनयी उद्धत —बी स्त्री० अविनय
बे असल वि० [फा] निराधार (२) जूठु
बे-आब वि० [फा] पाणी वगरनु निस्तेज
बे-आबरू वि० [फा] अप्रतिष्ठित आबरू वगरनु ०ई स्त्री० बेआबरू, शरम
बे इतहा वि० [फा] असीम अपार
बे इसाफ वि० [फा] अन्यायी —फी स्त्री० अन्याय गेर इन्साफ
बे इज्जत वि० [फा] 'बेआबरू', अपमान पामेलु —ती स्त्री० अप्रतिष्ठा, अपमान
बे इल्म वि० [फा] अभण —ल्मी स्त्री० अभणता
बे ईमान वि० [फा] अधर्मी (२) अप्रामाणिक, बददानतवाळु, दगाबाज —नी स्त्री० अधर्मिता (२) दगो जूठ, बददानत
बे उज्र वि० [फा] काई करवामा खटको के बहानु जेने न नडे एवु
बे कद्र, —दर वि० [फा] बेआबरू (२) कृतघ्न [—रा स्त्री०
बे करार वि० [फा] बेचेन अशात
बेकल वि० विकल व्याकुळ (नाम,—ली)
बेकस वि० [फा] एकलु असहाय (२) गरीब कगाळ (नाम —सी स्त्री०)
बे-कसूर वि० जुओ 'बे-कुसूर'
बेकहा वि० कह्यु न माननार
बे-कानूनी वि० गेरकायदसर
बेकाबू वि० [फा] काबू खोई बठल, विवश (२) काबूमा न आव एवु
बेकौम, बेकार वि० नवरु(२)नकामु रद्दी
बेकायदा वि० [फा] अनियमित, कायदा विरुद्ध (नाम, —दगी स्त्री०)
बेकार वि० [फा] काम वगरनु नवरु(२) व्यर्थ नकामु —री स्त्री०
बे-कुसूर वि० [फा] निर्दोष, निरपराध
बेख स्त्री० [फा] जड मूळ —व बुनियाद =जडमूळ
बेखटक,—के वि०(२)अ० खटका–भय वगरनु बेधडक
बेखतर वि० [फा] निर्भय नीडर
बेखता वि० बेकसूर बेगुना निर्दोष

बेखबर वि०[फा] अजाण (२) बेभान (३) भान वगरनुं बेभान (नाम -री स्त्री०)
बेखुद वि० [फा] बेभान बेकाबू आपा बहार (नाम -दी स्त्री०)
बेखौफ़ वि० [फा] निडर बीक वगरनुं
बेख्वाबी स्त्री० [फा] अनिद्रा
बेग पु० वेग (२) [तु] बेग अमीर (३) [अं] बेग थेली
बेगम स्त्री० [तु] बेगम राणी महाराणी; -मी वि० बेगम संबंधी (२) उमदा
बे-गम वि० [फा] गम वगरनुं
बेगरज़ वि०[फा] गरज वगरनुं बेपरवा (२) व्यर्थ [(नाम -ज़ी स्त्री०)
बेगाना वि०[फा] परायुं (२) अजाण्युं
बेगार स्त्री०[फा] वेठ; -टालना = वेठ उतारवी [बेगार
बेगारी स्त्री०[फा] वेठियो वेठ करनार
बेगि अ० (प) वहेली जल्दी
बे गुनाह वि० [फा] वगर गुनानुं निरपराध निर्दोष (नाम -ही स्त्री०)
बे घर(-रा) वि० घरबार विनानुं
बेचक पु० वेचनार
बेचना स०क्रि० वेचवुं
बेचवाना, बेचाना स०क्रि० वेचाववुं
बेचारगी स्त्री० [फा] बीचारापणुं लाचारी, दीनता
बेचारा वि० [फा] बीचारुं असहाय दीन
बे चिराग वि० [फा] दीवा वगरनुं उज्जड (२) अपुत्र [स्त्री०)
बेचैन वि० बेचेन व्याकुळ (नाम, -नी
बेजड वि० जड-मूळ वगरनुं पायादार
बेज़बान वि० [फा] मूक (२) दीन
बेजा वि० [फा] ठेकाणा वगरनुं (२) अनुचित (३) खराब, बूरं
बेजान वि० जान वगरनुं मृत (२)निबळ
बेज़ाब्ता वि० [फा] बेकायदा, नियम विरुद्ध (नाम, -ब्तगी स्त्री०)
बेज़ार वि० [फा] नाराज (२) दुःखी; -री स्त्री०
बेजोड़ वि० अनोखुं (२) अजोड
बेटा पु० बेटो पुत्र; -बनाना = खोळे दत्तक लेवो
बेटा-बेटी स्त्री० बाळबच्चां संतान
बेटी स्त्री० दीकरी; -व्यवहार पु० विवाहसंबंध
बेठन पु० पोथी माटेनुं कपडुं वेष्टन
बेठिकाने वि० ठेकाणा वगरनुं (२) व्यर्थ
बेड़ा पु० तरापो (२) वहाणोनो समूह
बेड़ी स्त्री० बेडी जंजीर (२) नानी होडी के तरापो
बेडौल वि० बेडोळ बेढंग
बेढंग, -गा वि० बेढंगुं बदरूपुं
बेढना स०क्रि० घेरवुं, छोड इ० ने वाड बांधीने घेरवुं (२) ढोर हांकी जवां
बेढब वि० ढब ढंग वगरनुं
बेत पु० नेतर
बे-तकल्लुफ़ वि० [फा] सरळ चालना-वाळुं निर्व्याज (२) अ० साफसाफ, रुधडक (नाम, -फी स्त्री०)
बे तक्सीर वि० [फा] बेगुना निरपराध
बे-तमीज़ वि० [फा] अविवेकी बेअदबी
बे-तरतीब वि० [फा] अव्यवस्थित क्रम रहित (२) अस्तव्यस्त (नाम, -बी स्त्री०)
बे-तरह अ० [फा] बूरी तरेहथी (२) असाधारण रीते (३) खूब बेहद
बे-तरीका वि० (२) अ० [फा] अनुचित, नियम विरुद्ध
बे-तलब अ० [फा] विना माग्ये के कह्ये

बे-तहाशा अ० [फा] उतावळथी (२) अधीराईथी (३) विना समज्ये
बेताब वि० [फा] दुबळ (२) बेचेन (नाम, –बी स्त्री०)
बेतार वि० तार विनानु
बेतारका तार पु० 'वायरलेस' तार
बेताल पु० वैताल (२) भाट, चारण (३) वि० ताल वगरनु, 'वताला'
बेतुक,–का वि० मेळ के ढग वगरनु, कढगु 'बेढब'
बे-तौर अ०[फा] जुओ 'बेतरह', कढगु
बेद स्त्री० 'बेंत' नतर [फा](२)पु० वेद
बेदखल वि० [फा] कवजा के अधिकार रहित (नाम,–ली स्त्री०)
बेदन,–ना स्त्री० वेदना, पीडा
बेदम वि०[फा] मरेलु (२) अधमूउ (३) दम वगरनु
बेद मुश्क पु० [फा] एक फूलझाड
बेदरद, बेदर्द वि०[फा] कठोर हृदयनु निष्ठुर (नाम, –र्दी स्त्री०)
बेदाग वि० [फा] डाघ वगरनु (२) निष्कलक
बेदाना पु० सरस काबुली अनार (२) बेग्णा औषधि (३) वि० [फा] मूर्ख, बेवकूफ [बदाम
बे दाम वि० वगर पैसे मफत (२) पु०
बेदार वि० जागतु जाग्रत (नाम –री)
बेध पु० वध काणु
बेधडक वि० (२) अ० नि सकोच (२) नीडर (३) नि शक
बेधना स०क्रि० वीधवु
बेधम,–रम वि० धमभ्रष्ट
बे नजीर वि० [फा] अनुपम, अजोड
बेनट स्त्री० बयोनेट, सगीन
बे नमक वि०[फा] फीकु, लूण वगरनु
बे-नमूना वि० [फा] बेनमून, अजोड
बे-नवा वि०[फा] गरीब (२) फकीर
बे-नसीब वि०[फा] कमनसीब अभागी
बेना पु० वासनो पखो
बेनागा अ० सतत, लगातार
बे नियाज वि० [फा] सौथी पर (२) बेपरवा (नाम, –जी स्त्री०)
बेनी स्त्री० वेणी (२) त्रिवणी
बेनुली स्त्री० घटीनी माकडी
बेपरद, बेपर्द वि०[फा] पडदा वगरनु, खुल्लु (२) नग्न (नाम, बेपर्दगी)
बे परवा(०ह) वि० [फा] बेपरवा बेफिकर (२) अति उदार (नाम, ०ई, ०ही स्त्री०)
बेपार पु० वेपार –री पु० वेपारी
बेपीर वि० बीजानी पीड न समजनार, निष्ठुर निर्दय (२) [फा] पीर के गुरु वगरनु नगरु
बेपेंदी वि० तळिया वगरनु –का लोटा =डोचवा जेम अस्थिर के गवडता विचारनु [नकामु
बेफायदा वि० (२) अ० [फा] व्यर्थ,
बेफिक्र वि० [फा] बेफिकर (नाम, –क्री स्त्री०) [निर्मळ
बे बदल वि० [फा] अफर, नक्की (२)
बे बरकत वि० [फा] बरकत वगरनु –ती स्त्री० [स्त्री०)
बेबस वि० लाचार विवश (नाम, –सी
बेबहा वि० [फा] भारे किमतनु अमूल्य
बेबाक वि० [फा] चूकत थयलु (ऋण) (नाम –की स्त्री०)
बे-बाक वि० निर्भय नीडर (२) चूकते, बाकी वगरनु –की स्त्री० नीडरता

बे-बुनियाद वि० [फा] पाया वगरनु निर्मूळ
बे-ब्याहा वि० कुंवारु
बेभान वि० बभान, बेहोश
बेभाव अ० बेहद बेसुमार –नी पडवी =खूब मार पडवो [वगरनु
बेमजा वि० [फा] स्वाद के मजा
बेमन वि० मन विनानु
बेमरम्मत वि० [फा] जीर्ण, मरामत वगरनु तूटयुफूटयु (नाम –ती स्त्री०)
बेमहल वि० [फा] बेवखतनु
बेमालूम वि० [फा] अज्ञात गुप्त
बेमिलावट वि० भळसेळ विनानु शुद्ध
बेमिस्ल वि० अजोड अद्वितीय बेनमून
बेमुनासिब वि० [फा] अयोग्य, अनुचित
बेमुरव्वत वि० [फा] बेशरम, अविनयी (नाम, –ती स्त्री०)
बेमेल वि० मेळ वगरनु
बेमौका वि० बेवखतनु (२) पु० मोको न होवो ते बेवखत
बे-मौके अ० बेवखत
बेमौत अ० कमोते
बेर पु० बोर (२) स्त्री० वार फेरो
बेरस वि० रस के मजा विनानु नीरस
बेरहम वि० [फा] निर्दय (नाम, –मी स्त्री०)
बेरा पु० वेळा, समय (२) सवार (३) फेरो वार (४) 'बॅरर', नपरागी (५) बेडो, जुओ 'बेडा'
बेराह वि० [फा] आड [illegible] कुमार्गी (नाम –ही स्त्री०)
बेरुख वि० [फा] [illegible] फरबी बेसनार (२) [illegible]
बेरोक(०टोक) वि० [illegible]
बेरोजगार वि० [फा] बेकार नवरु (नाम –री स्त्री०)
बेरौनक वि० [फा] रोनक के शोभा वगरनु (नाम –की स्त्री०)
बेल पु० बीली के बीलु (२) स्त्री० वेल वेलो [निम्बुश
बेलगाम वि० [फा] बाग वगरनु
बेलचा पु० [फा] एक जातनी कोदाळी के पावडो [फा मजा वगरनु
बेलज्जत वि० [फा] लज्जत के स्वाद
बेलदार पु० [फा] पावडो चलावनार मजूर –री स्त्री० तेनु काम
बेलन पु० रोलर (रस्ता माट के बाई बनावा) (२) पीजणनो गाटीलो (३) वेलण [सं० वलन
बेलना पु० वेलण (२) स० क्रि० [illegible]
बेलपत्र पु० बिल्व-बीलीपत्र [illegible]
बेला पु० मोगरानु [illegible] (४) [illegible]
बेलाग वि० [illegible] लागलु (२) [illegible] साफ, [illegible] (६) [illegible]
बेलौस वि० [illegible] –सी स्त्री०)
[illegible]

बेशऊर वि० [अ] मूर्ख, अणसमजु (नाम, –री)
बेशक अ०[फा] बेशक, जरूर नि संदेह
बे-शरम,–र्म वि० [फा] बेशरम निलज्ज –र्मी स्त्री०
बेशी स्त्री० [फा] जुआ वश मा
बे-शुमार वि०[फा] खूब, शुमार विनानु
बेस पु० व्रग 'भस'
बेसन प० चणानो लोट –नी वि० 'बेसन नु (२) स्त्री० 'बेसन'नी पूरी
बेसबब वि०[फा] विना सबब अकारण
बेसबरा, बेसब्र[फा] वि० बेसबूर अधीरु
बेसब्री (–बरी) स्त्री० [फा] बेसबूरी अधीरता
बेसबूरी स्त्री० जुओ 'बेसबरी'
बेसमझ वि० समज वगरनु नादान, मूर्ख –झी स्त्री०
बेसर पु० खच्चर (२) बसर नथ
बेसरोसामान वि०[फा] गरीब कंगाळ
बे-सलीका वि० [फा] अशिष्ट असभ्य
बेसवा, बेसा स्त्री० वश्या, रंडी
बेसाख्ता वि० [फा] सहज कुदरती अकृत्रिम [खरीदवु
बेसाहना स०क्रि० जुओ 'बिसाहना
बे-सिलसिला वि० [फा] क्रमरहित अव्यवस्थित –ले अ०
बे-सुध वि० बेहोश, बेभान –धी स्त्री०
बेसूर(–रा) वि० बेसूरु (२) ववावतनु
बेसूद वि०[फा] व्यर्थ फायदा वगरनु
बेस्वाद वि० स्वाद विनानु खराब
बेहगम वि० कढंग बेडोळ [सार
बेह पु० वेह छिद्र (२) वि०[फा] भलु
बेहतर वि०[फा]बहेतर(२)अ० ठीक भले
बेहतरी स्त्री०[फा] उत्तमता (२) भलाई
बेहद वि० [फा] अपार असीम
बेहना पु० पीजारो
बेहमिय्यत वि० [फा] बेहया, बेशरम
बेह्या वि० [फा] बेशरम, निलज्ज, ०ई स्त्री० [हालवाळु –ली स्त्री०
बेहाल वि०[फा] बेचेन, व्याकुळ खराब
बेहिजाब वि०[फा] निलज्ज –बी स्त्री०
बेहिम्मत वि० नाहिंमत, डरपोक
बेहिस वि० [फा] निश्चेष्ट
बेहिसाब वि० [फा] बेहद, असंख्य
बेहुनर,–रा वि० हुनर कसब वगरनु
बेहुरमत वि०[फा]बेआबरू अप्रतिष्ठित –ती स्त्री०
बेहूदगी स्त्री० [फा] बेहूदापणु
बेहूदा वि०[फा] बेहूदु, अशिष्ट असभ्य
बेफ़िक वि०[फा] बेफिकर, चितारहित
बेहोश वि०[फा]बेभान बसूध –शी स्त्री०
बैंक पु० [इ] बॅंक
बैगन पु० वेगण वनाक
बैग(–ज)नी वि० वेगणना रगनु
बैंड पु० [इ] बॅंड वाजावाळा
बैं स्त्री० [अ] वचाण
बैआना पु० [अ] बानु 'बयाना'
बैकल वि० पागल, गांडु
बैग पु० [इ] बॅग थेली
बैगन पु० जुओ 'बगन
बैज(–जय)ती स्त्री० वजयंतीमाळा
बैज पु० [इ] 'बेज', बिल्लो [अडकाण
बैजा बजा नपु० ब०व० [अ] इंडा(२)
बैजवी वि० [फा] अंडाकार
बैजा पु० [फा] इंडु (२) अडकोण
बैट प० [इ] रमवानु बॅट
बैटरी स्त्री०[इ] वीजळीनी बॅटरी (२) तोपखानु
बैठक स्त्री० बठक

बठका पु० बेठक, दीवानखानु
बैठकी स्त्री० बेठकनी कसरत
बैठन स्त्री० बेसवु ते के तेनो ढग
बठना अ०क्रि० बेसवु
बैठे बठे, बठे बठाए अकारण(२)अचानक
बत स्त्री०[अ] बेत श्लोक (२) पु० (समासमा) घर स्थान
बत उल इल्म प०[अ]विद्यामंदिर,शाळा
बत उल खला, बतुलखला पु० [अ] पायखानु जाजरू
बत उल माल, बतुलमाल प० [अ] सरकारी खजानो (२) बिनवारसी माल
बत उल मुकद्दस, बतुलमुकद्दस पु०[अ] जरुसलेम [मक्का
बत उल हराम, बतुलहराम पु० [अ]
बत उल्ला, बतुल्लाह पु० [अ] काबा खुदानु घर
बतबाजी स्त्री०[फा] अतक्कडीनी रमत
बद पु० (स्त्री० –दिन) वद ०ई,–दाई स्त्री० वदु
बन अ० [अ] वच्चे, मध्ये
बैना पु० विवाह वगेरे शुभ निमित्ते मित्रादिने मोकलाती मीठाई इ० भेट
ब नामा पु० [अ] वेचाणखत
बैपार पु० वेपार –री पु० वेपारी
बरग वि० बॅरर'नु लेनारे नाणा आपवाना करीने मोकलेलु (पासल इ०)
बर पु० वेर शत्रुता [[इ] बराक
बरक(–ख) पु० [अ] लश्करी झडो (२)
बरा पु० [इ बॅरर] नोकर दास
बैराखी स्त्री० स्त्रीनु हाथनु एक घरेणु
बराग पु० वराग्य –गी पु० एक जातनो (वष्णव) साधु
बरिस्टर पु० [इ] बॅरिस्टर –री स्त्री०
बरी वि० वरी, विरोधी
बरूँ अ० [फा बेरूँ] बहार
बरूनी वि० [फा बेरूनी] बहारनु
बरोमीटर पु० [इ] बॅरामीटर
बल पु० बेल बळद (२) मग ०गाडी स्त्री० बळदगाडी
बलर पु० जुओ 'बायलर', बाइलर
बलून पु० [इ] बलून, गुबारो
बसत(–द)र पु० (प) वश्वानर अग्नि
बस स्त्री० (प) वय आयु उमर, जवानी (२) पु० वश्य (३) एक क्षत्रिय जाति
बसना अ०क्रि० (प) बेसवु
बैसर स्त्री० फणी
बसाख पु० वशाख
बसाखी स्त्री० लगडानी लाकडी (बगलमा राखी चालवानी)
बसा(०र)ना स०क्रि० (प) बेसाडवु
बोक(०रा) पु० बोकडा बकरो
बोआई स्त्री० वावणी के तेनी मजूरी
बोआना स०क्रि० ववडाववु
बोझ पु० बोजो
बोझना स०क्रि० बोजो लादवो
बोझ(–झि)ल वि० वजनदार भारे
बोझा पु० 'बोझ', बोजो ०ई स्त्री० लादवु ते के तेनी मजूरी –झिल वि० जुओ 'बोझल
बोट स्त्री० [इ] होडी (२) आगबोट
बोटी स्त्री० मासनो टुकडो
बोतल स्त्री० (मोटी) बाटली
बोदा वि० मूर्ख (२) जड मद (३) बोदु फोसफसियु [धीरज सतोष
बोध पु० [स] जाणवु ते ज्ञान (२)
बोधक वि० [स] बोध करावनार

बोधि, ०तरु, ०द्रुम, ०वृक्ष पु० [स] (गयानु) पीपळानु–बोधिवृक्ष
बोना स०क्रि० वाववु [गासडी
बोबा पु० (स्त्री०, –बी) स्तन (२)
बोय स्त्री० बू, गध
बोरना स०क्रि० बोळवु
बोरसी स्त्री० माटीनी सगडी
बोरा पु० थेलो, कोथळो, बोरो
बोरिया पु०[फा] सादडी (२) बिस्त्रो
बोरी स्त्री० नानो कोथळो, थेली
बोर्ड प०[इ] नामनु पाटियु (२) बोड, समिति, मडळ
बोल पु० बोल वचन
बोलचाल स्त्री० वातचीत, बोलवु चालवु ते, के तेवो सबध(२)बोलाचाली, झघडो
बोलता पु० प्राण, जीव (२) वि० वाचाळ
बोलती स्त्री० बालवानी शक्ति, वाचा
बोलना स०क्रि० बोलवु बोल जाना= खतम थवु, हारवु [चलण होवु ते
बोलबाला पु० स्याति, प्रसिद्धि (२)
बोलवाना स०क्रि० बोलाववु
बोलसर पु० बोरसळीनु झाड
बोलावा पु० 'बुलावा', नोतरु
बोली स्त्री० बोली, वाणी (२) हराजीनी मागणीनो बोल (३) मजाक
बोली-ठोली स्त्री० मश्करी मजाक
बोलीदार पु० गणोत के काई लख्या वगर मोढाना बोलथी जमीन खेडनार
बोवना स०क्रि० 'बोना', वाववु
बोवाई स्त्री० जुओ 'बोआई'
बोवाना स०क्रि० जुओ 'बोआना'
बोम पु० [अ] दबदबो, दमाम
बोसा पु० [फा] बोसा, चुबन [पुराणु
बोसीदा वि० [फा] दम वगरनु जरी
बोसो-कनार पु०[फा] चूमवु ने भेटवु ते
बोह स्त्री० डूबकी –लेना=डूबकी मारवी
बोहतान पु०[अ] खोटो आरोप, आक्षेप –जोडना=कलक लगाडवु
बोहनी स्त्री० बोणी, पहेलो सादो
बोहित पु० (प) नाव, होडी
बौंड स्त्री० (प) लाबी गयेली शाखा के लता ०ना अ०क्रि० 'बौड' पेठे वधवु
बौंडी स्त्री० छोड के वेलानु काचु फल
बौखल वि० पागल गाडु, बेबाकळु
बौखलाना अ०क्रि० गभराई जवु, गाडा जेवु थवु
बौछाड(–र) स्त्री० पाणी, वायु के कशानी झडी (२) टाणो कटाक्ष
बौडम,–हा वि० गाडु घूनी
बौद्ध पु०[स] बुद्धधर्मी (२) वि० बुद्ध विषेनु
बौना पु० वामन–ठींगणो माणस
बौर पु० आबानो मोर
बौरना अ०क्रि० मोरवु, मोर आववो
बौरहा, बौरा वि० बावरु पागल
बौराना अ०क्रि० बावरु–गाडु थवु
बौलाना अ०क्रि० जुओ 'बौखलाना'
ब्यवहर पु० करज, देवु –रिया पु० शराफ साहुकार
ब्याज पु० व्याज –जू वि० व्याजुकु
ब्याना स०क्रि० वियावु जणवु
ब्यापना अ०क्रि० व्यापवु
ब्यारी स्त्री०, ब्यालू पु० वाळु
ब्याल पु० व्याल, साप –ली स्त्री० सापण (२) वि० सापवाळो
ब्याह पु० विवाह, लग्न
ब्याहता वि० विवाहित
ब्याहना स०क्रि० विवाह करवो

ब्योत स्त्री० वेत, व्यवस्था वेतरण
ब्योतना स०क्रि० (क्पडु) वेतरवु
ब्योपार पु० वेपार -री पु० वपारी
ब्योरना स०क्रि० (प) वाळ आळवा
ब्योरा पु० विवरण वणन -रेवार अ० सविस्तर, विगतवार
ब्योहर पु० व्याजवटावना व्यवहार
ब्योहरिया पु० व्याजवटु करनार
ब्यो(-ब्यौ)हार पु० व्यवहार
ब्रज पु० व्रज
ब्रह्म पु० [स] मूळ सत्य परमात्मा
ब्रह्मचय पु०[स] ब्रह्मचारीनु व्रत पूरा इद्रियनिग्रह
ब्रह्मचारी पु० [स] कुवारा, ब्रह्मचय पाळनारा, प्रथम आश्रममा रहेनार-विद्यार्थी
ब्रह्मभोज पु० ब्राह्मणोने अपातु भोजन
ब्रह्मर्षि पु०[स] ब्राह्मण ऋषि (उत्तम कोटिना)
ब्रह्मसमाज पु० (राजा राममोहन राये चलावेलो) एक नवो सप्रदाय
ब्रह्माड पु०[स] विश्व, आखी सृष्टिनो गोळो
ब्रह्मास्त्र पु० [स] एक अमोघ अस्त्र
ब्राह्म वि० [स] ब्रह्म सबधी
ब्राह्मण पु०[स] चारमाना पहेलो वण
ब्रिगेड पु०[इ] सेनानी अमुक सख्यानी पल्टण
ब्रिटिश वि०[इ] ब्रिटन देशनु के ते सबधी
ब्रश पु० [इ] ब्रश [चावी
ब्रेक पु० [इ] गाडीनी ब्रेक - रोकवानी
ब्लाक पु० [इ] ब्लाक

भ

भग पु० [स] भागवु तूटवु ते (२) नाश, पराजय (३) टुकडा भाग (४) वाधा हरकत (५) तरग (६) स्त्री० भाग
भगड वि० भागनो व्यसनी भँगडी'
भँगरा पु० भागरो
भँगार पु० कूवा खादवा करेलो खाडा (२) घास इ० कचरो
भगी पु० भगी - एक नात के तेनो माणस (२) वि० भागवाळो
भगुर वि० [स] भागी जाय एवु (२) नाशवत (३) वाकु वळाकवाळु
भँगेडी वि० भागनो व्यसनी [नाश
भजन पु० [स] भागवु ते (२) ध्वस
भँजना अ०क्रि० भगावु, तूटवु (२) मोटो सिक्को वटाववो (३) भागवु बळ देवो
भँटा पु० भट्टा गोळ मोटु वेगण
भड पु० [स] भाड (२) वि० पाखडी
भँडफोड पु० भागफोड [हाटियु
भडरिया स्त्री० दीवालनु भडारियु-
भडा पु० भाड वामण (२) मम भेद -फूटना = भद खूल्वो घडो फूटवो
भडार पु० [स] भडार कोठार (२) पेट (३) रसोडु (४) खजाना
भँडारा पु० भडारो (साधुनो) (२) भडार (३) समूह (४) पेट
भडारी पु० भडारी कोठारी (२) खजानची (३) रसोइयो (४) स्त्री० नानु भडारियु - हाटियु

भँडोआ पु० भांड भवयानुं गीत के तेवी कविता
भँभाना अ०क्रि० (ढोर—गाय भेंसनुं) बागरडवुं, आरडवुं
भँवना अ०क्रि० भमवुं फरवुं, रखडवुं
भँवर पु० भमरो (जतु वे पाणीनो)
भँवरजाल पु० भ्रमजाळ, ससाऱ्चक्र
भँवरभीख स्त्री० भीख मागवा फरवुं ते
भँवरी स्त्री० पाणीनो भमरो (२) शरीर परना वाळना भमरो (३) फरी
भइया पु० भाई
भउजाई स्त्री० भोजाई, भाभी
भकभक अ० भगभग —काना अ०क्रि० भगभग थवुं
भकुआ(—वा) वि० मूर्ख, अणसमजु
भकुआना अ०क्रि० गभरावुं (२) बनवुं (३) स०क्रि० गभरावबुं के बनाववुं
भकोसना स०क्रि० गळचवुं ठासवुं, खावुं
भक्त वि० [स] भागेल (२) वहेंचेलु (३) अलग भागे करेलु (४) भक्तिवाळु (५) पु० भगत
भक्ति स्त्री० [स] भागवुं, वहेंचवुं ते (२) भाग, अग (३) सेवापूजा (४) श्रद्धा, विश्वास, प्रेमभाव
भक्ष पु० [स] भक्षण खोराक, आहार
भक्षक वि० [स] भक्ष करनार खानार
भक्षण पु० [स] खावुं ते (२) आहार
भक्ष(—ख)ना स०क्रि० (प) भक्षवुं, खावुं
भक्ष्य वि० [स] खावा जेवुं खाद्य (२) पु०, खोराक
भख पु० (प) भक्ष खोराक
भखना अ०क्रि० (प) भक्षवुं खावुं
भगदर पु० [स] भगदर रोग
भग पु० [स] भाग्य (२) ऐश्वर्य (३) स्त्रीयोनि [भूवो
भगत पु० भक्त, सेवक उपासक (२)
भगदड(—र) स्त्री० भागवु—नासवु ते
भगना अ०क्रि० भागवुं, नासवुं (२) पु० भाणेज
भगवत पु० (प) भगवान
भगवती स्त्री० [स] देवी (२) स्त्री (आदरसूचक)
भगवान पु० भगवान, प्रभु
भगाना स०क्रि० भगाडवु(२)हरण करवुं
भगिनी स्त्री०[स] बहेन ०य पु० भाणेज
भगीरथ वि०[स] अति भार के कठण (२) पु० राजा भगीरथ
भगेडू(—लु), भगोडा, भग्गू वि० भागेलु (२) कायर
भगौती स्त्री० (प) जुओ 'भगवती
भगौहा वि० जुओ 'भगेडू' (२) भगवुं, गरब
भग्गू वि० जुओ 'भगेडू'
भग्न वि०[स] भागेलु (२) हारेलु निराश
भचक स्त्री० लगडाश, खोडगावु ते
भचकना अ०क्रि० ल्गडावुं पग ल्हेकावो (२) चकित थवुं [तिनी कविता
भजन पु०[स] नामस्मरण, कीर्तन (२)
भजना स०क्रि० भजवुं स्तुति करवी (२) अ०क्रि० (प) भागवुं
भजनी पु० भजनिक
भट पु० [स] भट्ट योद्धो
भटकना अ०क्रि० भटकवुं, रखडवुं (२) रस्तो भूलवा भूलु पडवुं
भटई स्त्री० भाटाई खोटी खुशामत
भटा पु० 'भटा' भट्टो [अली सखी
भटू स्त्री० स्त्री माटे एक सबोधन (२)

भट्टा पु० इट इ० नो भठ्ठो
भटठी स्त्री० (दारू दवा इ०नी) भठ्ठी
भठियारा पु० धमशाळानो व्यवस्थापक (२) मुसलमानोनु राधनार-भठियारो
भठियाल पु० समद्रनी आट 'भाटा'
भडक स्त्री० चमक (२) भडक, बीक
भडक्दार, भडकीला वि० चमकतु (२) भडकामणु
भडक्ना अ०नि० भडक्वु (२) भडको थवो भभक्वु (३) गुस्से थवु
भडभड स्त्री० भड भट अवाज (२) बड बड वातो [करवो
भडभडाना अ०क्रि० भड भड अवाज
भडभडिया वि० गप्पी
भडभूजा पु० भाडभूजो
भडी स्त्री० खोटी उश्केरणी
भडआ पु० भडवो
भणना म०क्रि० (प) भणवु कहेवु
भतीजा पु० (स्त्री० –जी) भत्रीजो
भत्ता पु० भथ्थु
भदई स्त्री० भादरवानी फसल
भदेस,–सिल,भद्दा वि० कुरूप, कढगु
भद्र वि०[स] सभ्य (२) सारु, भलु (३) पु० कल्याण [ऊडती वात
भनक स्त्री०भणकारा, धीमो अवाज(२)
भनभनाना अ०क्रि० गुजारव करवो, गणगणवु –हट स्त्री० गुजारव, गणगणाट
भनाना अ०क्रि० त्रोधथी भभूक्वु
भबका पु० अक काढवानु वासण
भब्भ(–ब्भ)ड स्त्री० भीड धक्कधक्का
भभक स्त्री० ऊभरो उछाळो
भभकना अ०नि० ऊकळवु उछाळा मारवो (२) भभक्वु
भभकी स्त्री० खाली धमकी
भभरना अ०क्रि० (प) डरवु, गभरावु (२) भ्रममा पडवु भरमावु
भभूका पु० ज्वाळा घोळ
भभूत स्त्री० भभूती, भस्म
भयकर वि० [स] भयानक
भय पु० [स] डर बीक (२) नवा –खाना=डरवु
भयभीत वि० [स] डरलु
भयाना अ०क्रि० (प) भय पामवु बीवु (२) स०नि० डरावव्
भया नि० (प) 'हुआ थयु, बय (स्त्री० भई,–यी)
भयानक, भयावन(–ना), भयावह [स] वि० भयामणु भयकर
भर वि० पूर बरोबर उदा० दारभर (२) पु० भार –पाना=भरपाई थवी (२) ता थवु थाक्वु [वितन
भरण पु० [स] भरवु–पोषवु ते (२)
भरत पु० काम (२) कसारो
भरता पु० भरतनु शाक
भरतार पु० भरथार पति
भरती स्त्री० भरावु के उमेरावु ते (२) दाखल थवु ते –होना=दाखल थवु
भरना स०नि० भरवु पूरवु (२) अ०क्रि० भरावु पूरु थवु
भरनी स्त्री० 'ढरकी' साळनो काठलो
भरपाई अ० बराबर पूरेपूरु (२) स्त्री० भरपाई बाकी पूरी चूकते करवी ते
भरपूर वि० परिपूण (२) अ० बरोबर, पूरी रीत
भरपेट अ० पेट भरीने
भरम पु० सदह (२) भेद रहस्य –गँवाना=भेद खाल्वो

भरमाना स० क्रि० भरमाववु (२) भमाववु, रखडाववु (३) अ०क्रि० चकित थवु
भरमार स्त्री० खूब होवु ते
भरराना अ०क्रि० भडक दईने ओचित तूटी पडवु
भरसक अ० यथाशक्ति, बने तेटलु
भरसाई पु० भाडभूजानी भठ्ठी, 'भाड'
भरा वि० 'भर भरेलु पूरु
भराई स्त्री० भरवानी क्रिया के तेनु महेनताणु
भरापूरा पु० भर्युंभादर्युं सपन्न
भराव पु० भरावो, जमाव (२) भरवु ते
भरी स्त्री० तालो, रूपियाभार
भरोसा पु० भरोसो, विश्वास (२) आशा (३) आशरा
भर्त्ता(०र) पु० [स] पति स्वामी
भर्त्सना स्त्री० [स] निंदा, तिरस्कार फिटकार [स्त्री० भलमनसाई
भलमनसत, भलमनसाहत, भलमनसी
भला वि० भलु साह (२) पु० कल्याण
भले अ० ठीक, सारी रीते –ही =भलेने, छोने
भल्लु(-ल्लू)क पु० [स] रीछ
भव पु०[स] जन्म (२) ससार (३) शिव
भवदीय वि० [स] आपनु
भवन पु०[स] घर मकान (२) महेल, मोटु मकान
भवनीय वि०[स] थनारु, बननारु
भवितव्य पु०[स] अवश्य थनारु, नसीब
भविष्य वि०[स] 'भवनीय' थनार (२) पु० भविष्यकाळ
भव्य वि० [स] सुदर, शानदार भारे शोभावाळु (२) भावी (३) सत्य
भसना अ०क्रि० पाणी पर तरवु के तेमा डूबवु
भसम पु० भस्म, राख
भसमा पु० वाळो कल्प (२) लाट
भसुंड पु० हाथी
भसुर पु० स्त्रीनो जेठ
भसूड पु० हाथीनी सूढ
भस्त्रा,०का,–स्त्रिका स्त्री०[स] धमण
भस्म पु० [स] भस्म राख
भहराना अ०क्रि० ढसडाई पडवु, एका एक तूटवु
भाग स्त्री० भाग – एक कफी पदार्थ
भांज स्त्री० भागवु ते (२) सिक्का के नोटनु परचूरण
भांजना स०क्रि० भागवु तोडवु
भांजी स्त्री० काममा फाचर मारवी ते
भाटा पु० भट्टो, वेगण
भाड पु० भाडभवैयो(२)मश्करो,विदूषक
भांडा पु० भाड, वासण भाडे भरना= पस्तावु [खजानो
भाडागार, भाडार पु० [स] भडार,
भात, भाति स्त्री० रीत, प्रकार
भांपना स०क्रि० ओळखवु, पारखवु
भायँ भायँ पु० शायकारनो ध्वनि
भांवर स्त्री० परिक्रमा (२) लग्ननी चारीमा वरकन्या फेरो फरे ते
भा अ० (प) या, अथवा (२) स्त्री० [स] तेज
भाइ पु० (प) भाव, प्रेम (२) स्त्री० 'भाति', प्रकार
भाइप पु० (प) भाईचारो भाईबधी
भाई पु० भाई ०चारा पु० भाईचारो, दोस्ती
भाई-दूज स्त्री० भाईबीज

भाईवद पु० समानवधी, नातभाई (२) भाईपप मित्र
भाई बिरादर पु० नातभाई -री स्त्री० नात के स्वजनो नम
भाउ,-ऊ पु० (प) भाव हेत प्रेम
भाखना स०क्रि० (प) भाखवु कहेवु
भाखा स्त्री० (प) भाषा
भाग पु०[स] भाग हिस्सो(२)भागाकार
भाग पु० (प) भाग्य (२) कपाळ (३) सवार प्रात काल
भागड, भागदौड स्त्री० भागवु ते भगाण, 'भगदर'
भागना अ०क्रि० भागवु दोडवु नासवु
भागनेय, भागिनेय पु० [स] भाणो
भागी पु०[स] भागियो भागीदार (२) -नो हक्कदार अधिकारी
भाग्य पु० [स] नसीब [सस्या
भाजक पु० [स] भागाकारमा भाजक
भाजन पु० [स] वासण, पात्र (२) -ने योग्य, पात्र (समासमा)
भाज्य पु० [स] भागवानी रकम (२) वि० भागवा योग्य
भाजी स्त्री० शाकभाजी तरकारी
भाट पु० भाट चारण (२) खुशामतियो (३) स्त्री० नदीनु भाठु के किनारो के तेना पट
भाटा पु० ओट, भरतीथी ऊलटु
भाड पु० भाडभूजानी भठ्ठी -झोकना =नकामा के तुच्छ काममा वखत काढवो [(२) नकामु
भाडा पु० भाडु भाडेका टट्टू=क्षणिक
भात पु० खावानो-राधेलो भात
भाथा पु० तीरनो भाथो
भाथी स्त्री० धमण
भादो, -दौं, -व, -द्रपद [स] पु० भादरवो महिनो
भान पु० भानु भाण, सूय (२) [स] प्रकाश (३) भान खबर प्रतीति
भानजा पु० (स्त्री० -जी) भाणज
भानमती स्त्री० जादुगर स्त्री -का पिटारा=जादुगरनी करंडियो भरचूग
भाना अ०क्रि० भाववु गमवु (२) मालूम पडवु लागवु (३) शोभवु
भानु पु० [स] सूय
भाप,-फ स्त्री० वराळ बाष्प
भाभी स्त्री० भाभी भोजाई
भामा,-मिनी स्त्री० [स] स्त्री (२) क्रोधी स्वभावनी स्त्री [मूल्य
भाय पु० (प) भाई (२) भाव वत्ति,
भायप पु० भाईचारो
भाया वि० प्रिय, प्यारु
भार पु० [स] बोजो वजन (२) जवाबदारी
भारत पु० [स] महाभारत ग्रथ (२) हिंद देश -ती स्त्री० वाणी, भाषा -तीय वि० भारत देशनु के सबधी
भारी वि० भारे -भरकम=मोटु ने भारे भारेखम
भार्या,-र्ज्या स्त्री० [स] स्त्री पत्नी
भाल पु० [स] कपाळ (२) (प) भालो (३) 'भालू' रीछ
भालना स०क्रि० भाळवु बरोबर जावु तपासवु ('देखना' साथे प्राय वपराय छे) [चलावी जाणनार
भाला पु० भालो ०बरदार पु० भालो
भाली स्त्री० भालानु फळ भालोडियु (२) शूळ, काटो
भालु(०क),-लू,-लूक पु० रीछ

भाव पु० [स] होवु ते, हस्ती (२) मननो भाव–ख्याल, विचार, अभिप्राय मतलब (३) भाव, दर, किंमत (४) हेत, स्नेह, आदरमान
भावज स्त्री० भाभी
भावताव पु० भावताल
भावना स्त्री० [स] भाव, विचार, ख्याल (२) इच्छा (३) (प) अ०क्रि० भाववु गमवु फाववु 'भाना'
भावार्थ पु० [स] सार, मतलब
भाविक वि० [स] भावनाप्रधान, भावुक
भावी स्त्री० [स] भविष्य काळ (२) नसीब (३) वि० थनारु
भावुक वि० [स] जुओ 'भाविक'
भाषण पु० [स] व्याख्यान (२) वात-चीत, बोलवु ते
भाषांतर पु० [स] अनुवाद, तर्जुमो
भाषा स्त्री० [स] बोली, वाणी –षी वि० बोलनार (समासने अंते)
भाष्य पु० [स] विस्तृत विवरण के समजूती [कल्पना
भास पु० [स] प्रकाश (२) ख्याल,
भासना अ०क्रि० भासवु, लागवु, देखावु (२) प्रकाशवु
भास्कर पु० [स] सूर्य (२) अग्नि (३) दिवस (४) वि० प्रकाशतु
भिंगा(–जा)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिंडी स्त्री० भीडो–शाक
भिक्षा स्त्री० [स] भीख ०र्थी पु० भिखारी –क्षु(०क) पु० भिखारी (२) संन्यासी
भिखमंगा पु० भिखारी भीख मागनार
भिखार, –री पु० भिखारी –रिणी, –रिन स्त्री० भिखारण
भिगा(–गो)ना, भिजवना स० क्रि० भिजाववु, पलाळवु
भिजवाना स०क्रि० मोकलाववु
भिजा(–जो)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिड स्त्री० भमरी, 'बर्रे'
भिडना अ०क्रि० टक्कर खावी (२)लडवु (३) भिडावु, साथे साथ लागी जवु
भितरिया पु० भितरियो(वैष्णव मंदिरनो)
भितल्ला वि० भीतरनु (२) पु० अस्तर
भित्ति स्त्री० [स] भींत (२) भूमिका
भिदना अ०क्रि० भेदावु छेदावु घायल थवु (२) घूसी जवु
भिनकना अ०क्रि० बमणवु गणगणवु (२) घृणा थवी [बमणवु
भिनभिनाना अ० क्रि० 'भिनकना',
भिन(–नु)सार पु० प्रभात, सवार
भिनही अ० सवारे [अलग
भिन्न पु०[स] अपूर्णांक (२) वि० जुद
भियना अ०क्रि० (प) भय पामवु, डरवु
भिलनी स्त्री० भीलडी, भील स्त्री
भिलवाँ पु० भिलामु
भिल्ल पु० [स] भील
भिश्त(-स्त) स्त्री० वैहेस्त स्वर्ग
भिश्ती,–स्ती पु० भिश्ती
भिषक पु० [स] वैद
भिस्त स्त्री० जुओ 'भिश्त'
भिस्ती पु० जुओ 'भिश्ती'
भींग(–ज)ना अ०क्रि० जुओ 'भीगना'
भी अ० पण जेम के, 'म भी=हुम, हु पण (२) स्त्री० [स] भय
भीख स्त्री० भीख, मागवु ते
भीग(–ज)ना अ०क्रि० भीनावु पलळवु
भीटा पु० ऊंची टेकराळी जमीन
भीड स्त्री० भीड गिरदी (२) सकट

भीडभडक्का पु०, भीडभाड स्त्री० भीड, गिरदी
भींत स्त्री० भींत, दीवाल –में दौडना =गजा उपरवटनु काम करवु
भीत वि० [स] डरेलु बीनेलु –ति स्त्री० डर, बीक
भीतर अ० अदर (२) पु० अत करण (३) जनानखानु
भीतरका, भीतरी वि० अदरनु, गुप्त
भीति स्त्री० [स] जुओ 'भीत' मा
भीनना अ०क्रि० तरबोळ थवु भीजवु, भीनु थवु
भीना पु० बनेवी (२) वि० भीनु (३) आछु हल्कु (रग के वास)
भीम वि०[स] मोटु प्रचड(२)भयानक
भीर स्त्री० (प) जुओ 'भीड' (२) वि० भीरु डरपोक
भीरु वि०[स] डरपोक, कायर ०ता [स] ०ताई (प) स्त्री० कायरता
भील पु० भील जातिनो माणस
भीलनी स्त्री० 'भिल्नी' भीलडी
भीषण, भीष्म वि०[स] उग्र घोर (२) भयानक
भुई स्त्री० (प) भोय भूमि 'भुइँ'
भुइय(ह)रा पु० भोयरु
भुअना अ०क्रि० भूजावु शेकावु
भुडा वि० शीगडा विनानु (पशु) (२) (प) भूडु खराब
भुअग(०म) पु० (प) भुजग साप
भुअन पु० (प) भुवन
भुआर(–ल) पु० (प) भूपाल
भुइँ स्त्री० (प) जुओ 'भुई' ०कप, ०चाल, ०डोल पु० भूकप
भुक्खड वि० भूख्ये भुखाळवु (२) दरिद्र
भुक्त वि०[स] भोगवलु (२) खाधेलु –क्ति स्त्री० भोजन (२) उपभोग
भुखमरा वि० भूखे मरत –री स्त्री० भूखमरो
भुगतना स०क्रि० भोगववु सहवु (२) अ०क्रि० वखत के पूरु थवु (२) वीतवु
भुगतान पु० चुकादा फेसला पतावट
भुच्च(०ड) वि० मूख
भुजग पु० [स] साप
भुज पु० [स] हाथ भुजा ०ग पु० साप
भुजा स्त्री० [स] हाथ बाहु
भुजाली स्त्री० छरो कूकरी
भुजिया पु० उकाळेली डागरना चोखा (२) भजियु तळेलु शाक
भुजी स्त्री० भाजीनु तैयार शाक
भुट्टा पु० भुट्टो (२) जुवार बाजरीनु डूडु
भुनगा पु० पतगियु
भुनना अ०क्रि० भूजावु शेकावु (२) मोटा सिक्का के नाट वटाववी
भुनभुनाना अ०क्रि० (मनमा चिडाई) गणगणवु बबडवु
भुनाना स० क्रि० (मोटा सिक्का) वटाववो परचूरण करवु
भुरकना अ०क्रि० सुकाइने छूटु पडी जवु – भभरु थई जवु
भुरक(–कु)स पु० भूको चूण –निकलना =आदो नीकळवा (२) मार खामवु [=खूब मारवु पीटवु
भुरता पु० जुओ 'भरता' –कर देना
भुरभुरा वि० भभरु कण कण छूटु पडी जाय एवु [स०क्रि० भभराववु
भुरभुराना अ०क्रि० जुओ 'भुरकना (२)
भुलक्कड वि० भलकणु
भुलवाना, भुलाना स०क्रि० भुलाववु

भुलावा पु० भुलावो, भ्रम, भूलमा नाखे एवी युक्ति –देना = भुलावामा नाखवु
भुयग(०म) पु० (प) भुजग, साप
भुव स्त्री० (प) भू, पृथ्वी
भुवन पु० [स] जगत, लोक
भुवार(–ल) पु० (प) भूपाल
भुस पु०, –सौ (प) स्त्री० जुओ 'भूसा'
भूकना अ०क्रि० (कूतरानु) भसवु (२) व्यय थवु
भूंचाल, भूडोल पु० भूकप
भूजना स०क्रि० शेकवु (२) तळवु (३) सतावबु, दुख देवु
भूसना अ०क्रि० (प) भसवु
भू स्त्री० [स] भूमि, जमीन
भूआ(–वा) पु० रू (शीमळानु)
भूकप पु० [स] धरतीकप
भूख,–ख स्त्री० भख (२) इच्छा (३) ताण, तगी –मरना, भूखो मरना = भूखे मरवु
भूखण,–न पु० (प) भूपण
भूखा वि० भूख्यु [भूस्तर
भूगभ पु० [स] पथ्वीनो अदरनो भाग,
भूगोल पु० [स] पृथ्वीनो गोळो के तेनी विद्या – भूगोळ
भूचाल, भूडोल पु० भूकप
भूत वि० [स] थई गयेलु (२) पु० पचमहाभूत (३) प्राणी (४) भूतप्रेत (५) भूतकाळ
भूतल पु० [स] पृथ्वीनी सपाटी, भूतळ
भूति स्त्री० [स] थवु ते उत्पत्ति (२) वैभव (३) भभूति, राख
भूतिनी स्त्री० भूतडी
भूदेव पु० [स] ब्राह्मण [भगवान
[illegible]

भूनना स०क्रि० भूजवु शेकवु (२) तळवु
भूप,०ति,–पाल पु० [स] राजा
भूभल, भूभुरि (प) स्त्री० भरसाडना जेवी गरम राख, रेती, धूळ वगेरे
भूमि स्त्री० [स] जमीन ०का स्त्री० आमुख प्रस्तावना (२) पारवभूमि ०जीवी पु० खडूत
भूमिया पु० जमीनदार (२) ग्रामदेवता
भूमिहार पु० उत्तर हिंदनी एक जात
भूय(–र)सी दक्षिणा स्त्री० भूरसी दक्षिणा [(प)
भूर वि० भूरि बहु ०पूर वि० भरपूर
भूरा वि० कथ्यई के छीकणीना रगने मळतु 'ब्राउन'
भूरि वि० [स] बहु, खूब
भूजपत्र पु० [स] भोजपत्र
भूल,०चूक स्त्री० खामी चूक
भूलना स०क्रि० भूलवु वीसरवु (२) भूल खावी, भुलावामा पडवु
भलभुलैयां स्त्री० भुलभुलामणी (२) बहु गूचवाडावाळी वात के घटना
भूलोक पु० [स] पृथ्वी
भूवा पु० (प) जुओ 'भूआ'
भूषण पु० [स] शणगार, घरेणु
भूषा स्त्री०[स] शणगार, सजावट –षित वि० सज्ज, शणगारेलु
भूसा पु० भूसु घउ, जुवार इ०ना हूडा के डूणसानु गोतु कुशकी
भूसी स्त्री० जुआ 'भूसा' (२) कुशकी
भृग पु०[स] भमरो –गी स्त्री० भमरी
भृकुटी स्त्री० [स] आखनी भमर
भृत्य पु० [स] सेवक नोकर, दास
भेंगा वि० बाडु
भेंट स्त्री० भेट (मुलाकात के उपहार)

भेंटना स० क्रि० भटवु
भेंड,-उ पु० (ग) भद
भेक पु०[स]देडको -की स्त्री० देडकी
भेख(-ष,-स) पु० भग वेश
भेजना स०क्रि० मोकलव (प्रेरक भेजवाना) [भेजु खावु
भेजा पु०भेजु मगज -खाना,-पकाना=
भेड -डी स्त्री० घेटी ०चाल स्त्री० जुओ 'भेडिया धसान
भेडा पु० घेटो
भेडिया पु० वरु
भेडिया धसान पु० गाडरियो प्रवाह
भेडी स्त्री० 'भेड घेटी
भेद पु०[स]छूटु करवु के पडवु ते (२) रहस्य मम (३) फट ०क वि० भेद कर एवु
भेदडी स्त्री० रावडी
भेदन पु० [स] भेदवु त
भेदिया, भेदी पु० भेदु गुप्तचर
भेर,-रि,-री स्त्री० भेरी नगारु
भेली स्त्री० गोळनो (के कोई चीजनो) गोळो (२) सूरणनी गाठ
भेष(-स) पु० भेख, वेश
भेष(-स)ज पु० [स] दवा औषधि
भस स्त्री० भेंस -सा पु० पाडो
भक्ष पु० [स] भीख [भाणेज
भन(-ना,-नी) स्त्री० बहेन -ने पु०
भया पु० भाई ०चार(-रा) पु०, ०चारी स्त्री० भाइचारो ०दूज स्त्री० भाईबीज
भरव वि० [स] भयकर रुद्र (२) पु० शिवनो गण (३) एक राग -वी स्त्री० एक देवी के रागिणी
भषज,-ज्य पु० [स] दवा

भोंदना स० क्रि० भोकव, खामव
भोगाल पु माटो अथवा वाढवा माटेनु भूगळु
भोचाल पु० भूकप
भोंडा वि० भूडु, बेडोळ, कदरूपु
भोंदू वि० मूरख
भोपा,-पू पु० अजोननो सिसोटी
भोक्ता पु० [स] भोगवनार
भोग पु० [स] भोगववु ते (२) सुख, विलास (३) सभोग (४) सापनी फणा (५) देवनु नवेद्य
भोगना अ०क्रि० जुओ 'भुगतना'
भोगबधक पु० गीरो हक
भोगी पु० [स] भोग भोगवनार (२)साप (३) विषयासक्त [धनधान्य
भोग्य वि० [स] भोगववा जेवु (२) पु०
भोज पु० जमणवार
भोजन पु० [स] जमण (२) खोराक ०खानो स्त्री० (प), ०गृह पु०, ०शाला स्त्री०, -नाल्य पु० रसोडु ०भट्ट पु० खाउधरा
भोजपत्र पु० जुओ 'भूजपत्र'
भोजपुरी स्त्री० हिंदी भाषानी (विहार तरफनी) एक बोली
भोजविद्या स्त्री० इद्रजाळ बाजीगरी
भोज्य वि० (२) प० [स] खाद्य
भोट पु० भुतान देश
भोटिया पु० भुतानवासी (२) स्त्री० भुतानी भाषा -बदाम=आलु (२) मगफळी
भोथरा वि० बुठ्ठी धारवाळु
भोपा पु० मिल्नु भूगळु (२) मख
भोर पु० सवार प्रभात (२) (प) भ्रम (३) वि० (प) भोळु (४) मुग्ध, चकित

भोरा वि० (प) भोळु, 'भोर'
भोला वि० भोळु, सरळ (२) मूख
भोलाभाला वि० भोळुभाळु, साव भोळु
भौं स्त्री० जुओ 'भौंह' (२) अ० कूतराना अवाज
भौंकना अ०क्रि० जुओ 'भूकना', भसवु (२) वक वक करवु
भौंतुवा पु० एक जीवडु (२) हाथना एक रोग (३) घाणीनो बेल
भौंर पु० भमरा (२) पाणीनो भमरो
भौंरा पु० भमरा (२) एक रमकडु (३) भरवाडनो कूतरो (४) भोयरु
भौंरी स्त्री० भावर' चोरीमा वरकन्यानो फेरा (२) वाळनो के पाणीना भमरो
भौंह स्त्री० भमर भ्रुकुटी –चढाना, –ताननाःभमरो चटाववी गुस्से थवु –जोहनाःखुशामत करवी
भौंहरा पु० (प) भोयरु
भौगोलिक वि० [स] भूगोल विषेनु
भौचक वि० स्तभित चकित
भौज, भौजाई स्त्री० भोजाई भाभी
भौतिक वि०[स] पचभूत सबधी, जड पार्थिव (२) भूतप्रेत सबधी
भौम वि०[स] भूमि सबधी पार्थिव ०वार पु० मगळवार
भौमिक पु०[स] भूमिपति जमीनदार (२) वि० भूमि सबधी
भ्रश(–स) पु० [स] पतन, नाश
भ्रम पु०[स] भ्राति सदेह खोटा आभास
भ्रमण[स],–न (प) पु० भमवु–फरवु ते
भ्रमना अ०क्रि० (प) भ्रममा के भुलावामा पडवु (२) भमवु
भ्रमर पु० [स] भमरो
भ्रमी वि०[स] भ्रमित (२) चकित (३) भमतु
भ्रष्ट वि० [स] पतित खराब
भ्रात वि०[स] भ्रममा पडलु भूलेलु (२) गभरायेलु
भ्राति स्त्री०[स] भ्रम सदेह (२) भूल, मोह
भ्रात (प), –ता [स] पु० भाई
भ्रामक वि० [स] भ्रम करावे एवु
भ्रामर पु० [स] मध
भ्रुकुटि,–टी स्त्री० भ्रूकुटी भमर, भवु
भ्रू स्त्री० [स] आखनी भमर ०कुटि (–टी) स्त्री० भवु
भ्रूण पु० गभमानु बाळक

म

मगता(–न) पु० मागण भिखारी
मँगनी स्त्री० उछीनु लेवु ते (२) मागु
मगल पु० [स] कल्याण शुभ (२) मगळ ग्रह के वार (३) वि० शुभ
मगलसूत्र पु०[स] मगळनु काडे बधातु नाडु (२) स्त्रीनु मगळसूत्र
मगलाचरण पु० [स] आरभे मगळ करवा गवातु गीत के स्तुति
मगलामुखी स्त्री० वश्या
मगली वि० मगळ ग्रहनी कुडळीवाळ
मँगवाना, मँगाना स०क्रि० मगाववु
मँगेतर वि० जेनु काईन माटे मागु थयु होय तेवु मागु करायलु
मगोल प० (उत्तर एशियानी) मोंगोल जाति
मच,०क पु० मच, व्यासपीठ

मजन पु० दतमजन (२)(प) स्नान मज्जन
मँजना अ०क्रि० मजावु (२) अभ्यास होवो
मजना स०क्रि० (प) माजवु
मजर पु० [अ] दृश्य [माजर
मजरी स्त्री० [स] कूपळ (२) मोर,
मँजाई स्त्री० माजवु ते [माजारी
मजार पु० बिलाडो -री स्त्री० बिलाडी,
मजिल स्त्री० [अ] मजल उतारो पडाव (२) मकाननो खड -मारना=दूर मजल कग्वी (२) भारे मोटु काम करवु मुश्केली पार करवी
मजिलत स्त्री० [अ] पद, होद्दो
मजिष्ठा स्त्री० [स] मजीठ एक औषधि
मजीर पु० [स] चाघर नूपुर
मजु,०ल वि० [स] सुदर रम्य
मजूर वि० [अ] स्वीकारलु मजूर -री स्त्री० मजूरी समति
मजूषा स्त्री० [स] पटी डब्बा (२) मजीठ
मँझधार स्त्री० जुओ 'मझधार'
मँझला वि० मधलु वच्चेनु
मँझा पु० 'माझा' माजो (२) वि० मध्यनु -देना=दार पावो
मँझा (-झिया) ना स०क्रि० चालीने नदी पार करवी
मँझार (-रि) अ० (प) वचमा मोवार
मँथियाना स०क्रि० जुओ 'मँथाना'
मड पु० [स] भातनु ओसामण 'माड'
मडन पु० [स] माडवु, सजीने गोठववु ते ('खडन थी ऊल्टु)
मडप पु० [स] मडप, माडवो
मडर पु० (प) जुओ 'मडल'
मडरना स०क्रि० (प) चार बाजुयी घरवु
मँडरा (-ला) ना अ०क्रि० चक्कर चक्कर घूमवु (२) चोतरफ फरवु

मडल पु० [स] मडळ गोळ, चक्र (२) मडळी, समूह -लाकार वि० गोळ
मँडलाना अ०क्रि० जुओ 'मँडराना'
मडली स्त्री० मडळी, टोळी (२) पु० वग्नु झाड (३) सूय
मडलीक पु० माडळिक, राजा
मँडवा पु० माडवो मडप
मडित वि० [स] सज्ज शणगारेलु
मडी स्त्री० हाट मोटु बजार -लगना= बजार भरावु
मँडुआ पु० एक जातनु धान
मडूक पु० [स] देडको 'मेढक'
मत पु० (प) मत्रणा सलाह (२) मत्र
मतव्य पु० [स] मत विचार मान्यता
मतिक पु० [अ] तर्कशास्त्र
मत्र पु० [स] मत्रणा सलाह (२) मत्र (जपनो, वदनो इ०)
मत्रणा स्त्री० [स] सलाह मसलत
मत्री पु० [स] सलाहकार मसलत करनार (२) सचिव प्रधान ०मडल पु० प्रधान-मडळ कॅबिनेट
मथन पु० [स] वलोववु ते (२) ऊडी विचारणा के चिंतन
मथर वि० [स] मद सुस्त जड (२) पु० माखण (३) दूत
मद वि० [स] धीमु (२) ढीलु (३) ओछु उजळु (४) [फा] -वाळु अथवा प्रत्यय, जम के अक्लमद [एक बाजु
मँदरा,-ला वि० ठीगणु गटटु (२) पु०
मदा वि० मद धीमु के ढीलु (२) सस्तु (३) हल्की जातनु [आकाशगगा
मदाकिनी स्त्री० [स] एक नदी (२)
मदाग्नि स्त्री० [स] मद पाचनशक्ति
मदिर पु० [स] घर (२) देवमदिर

मदी स्त्री० भावतालनी मदी, सस्ताई
मद्र पु० [स] त्रण स्वर-सप्तकमानु पहेलु सप्तक (२) वि० गभीर (ध्वनि)
मशा पु०[अ] मनीषा, इच्छा (२) आशय
मसब पु०[अ] पद, होद्दो (२) कार्य
मसा स्त्री० जुओ 'मशा'
मसूख वि०[अ] रद करेलु बातल
मअदिन पु० [अ] धातुनी खाण
मअदिनियात स्त्री०[अ] खनिज, धातु
मअबूद पु० [अ] आराध्य ईश्वर
मअरूज वि०[अ] अरज करेलु निवेदित
मअलूल वि० [अ] तर्कसिद्ध (२) पु० निष्कर्ष, सार [रक्षा कर
मआज-अल्लाह श०प्र० [अ] ईश्वर
मआनी पु०[अ] मायनो, अर्थ, उद्देश
मआश स्त्री०[अ] आजीविका, निर्वाह
मआशरत स्त्री० [अ] समूहजीवन
मई स्त्री० मे महिनो
मक(-का)ई स्त्री० मकाई
मकडा पु० मोटी 'मकडी'
मकडी स्त्री० करोळियो
मकतब पु० [अ] मदरेसा, निशाळ
मकतल पु० [अ] कतलनु स्थान
मकता पु० [अ०] मक्तो गझलनी छल्ली कडी [लखेलु
मकतूब पु० [अ] पत्र, लेख (२) वि०
मकतूल वि० [अ] कतल करायेलु (२) प्रमी [प्रदेश
मकदूनिया पु०(सिकदरनो मेसिडोनिया)
मकदूर पु० [अ] मगदूर, शक्ति
मकनातीस पु० [अ] चुबक पथ्थर
मकफूल वि० [अ] गीरो रावेलु
मकबरा पु० [अ] मकबरो, रोजो
मकबूजा वि० [अ] कबजे करायेलु वश
मकबूल वि० [अ] कबूलेलु, मानेलु (२) सरस, प्रिय पसद करायेलु -लियत स्त्री० लोकप्रियता
मकरद पु० [स] पराग, फूलनु केसर -मध (२) भ्रमर
मकर पु० [स] मगर के ते राशि (२) माछली (३) [फा] जुओ 'मक्र' ०ध्वज पु० कामदेव ०सक्राति स्त्री० उतराण
मकरूज वि० [अ] करजदार
मकरूह वि० [अ] घृणापात्र, गदु ने खराब, नापाक
मकलूब वि० [अ] ऊधु, ऊलटु
मकसद पु० [अ] मकसद मुराद, आशय
मकसूद वि० [अ] धारेलु अभिप्रेत
मकसूम वि० [अ] विभक्त, वहेंचायलु (२) पु० तगदीर
मकाद स्त्री० [अ] पूछडु, गुदा
मकान पु० [अ] रहेवानु घर (२) इमारत -नात पु० ब०व० [अ]
मकाम पु० [अ] मुकाम, स्थान
मकाफात स्त्री० [अ] पापनु फळ (२) बदलो [करारनामु
मकाला पु० [अ] ग्रथ (२) प्रकरण (३)
मकु अ० (प) भले चाहे
मकुना पु० दात वगरनो हाथी (२) मूछ वगरनो-बडमूछो माणस
मकूला पु० [अ] कहेवत उखाणो
मकोडा पु० मकोडो
मकोय स्त्री० एक औषधि
मक्कर पु० जुओ 'मकर, मक्र' दगो
मक्का पु० मकाई (२) मक्का नगरी
मक्कार वि०[अ] फरेबी, दगाबाज, मक्करबाज (नाम, -री स्त्री०)
मक्खन पु० माखण

मक्खी स्त्री० माखी ०कागज़ पु० माखी मारवाना एक कागळ ०चूस वि० कजूस –छोडना हाथी निगलना= नानी भूलथी बचवु पण क्याक मोटी करी बेसवु –मारना=माखी मारवी, नवरा बेसी रहेवु

मक्र पु० [अ] 'मक्र', फरेब दगो

मक्षिका स्त्री० [स] माखी

मख पु० [स] यज्ञ

मख़ज़न पु०[अ] खजानो (२) शब्दकोष

मख़तूल पु० काळु रेशम –ली वि० तेनु बनेलु

मख़दूम पु० [अ] शेठ स्वामी सेव्य

मख़दूर वि० [अ] जोखम भरेलु

मखन पु० (प) माखण –निया पु० माखण वेचनार (२) वि० माखण काढी लीधेलु (दूध)

मख़फी वि० जुओ 'मख़्फी'

मख़मल स्त्री०[अ] मखमल कपडु –ली तेनु बनेलु के तेना जेवु

मख़मसा पु०[अ] प्रश्न के प्रसग झघडा

मख़मूर वि० [अ] नशामा चकचूर

मख़रज पु०[अ] मूळ ऊगम (२) शब्दनी व्युत्पत्ति (३) मा [सृष्टि

मख़लूक वि०[अ] रचेलु सृष्ट (२) स्त्री०

मख़लूकात स्त्री०[अ] सृष्टिना जीवजतु

मख़लूत वि० [अ] मिश्र

मख़सूस वि० [अ] खास विशेष

मख़ौल पु० मश्करी ठठठो

मख़ौलिया पु० मश्करा

मख़्फी वि० [अ] छूपु गुप्त

मग पु० (प) माग रस्ता

मगज़ पु० मगज (भेजु फळना गर) –खाना, –चाटना = मगज खावु भेजु पकववु ०चट वि० मगज खानारु, बोली बोलीने हरान करनारु ०चट्टी, ०पच्ची स्त्री० मगजमारी माथाझीक

मगज़ी स्त्री० मुगजी, गाट [लाडु

मगदल पु० मगदळ मगनो के अडदनो

मगन वि० मग्न, लीन डूबेलु (२) खुश राजी

मगफरत स्त्री० [अ] क्षमा माफी

मगफूर वि० [अ] मृत, स्वगस्थ

मगमूम वि० [अ] दुखी व्यथित उदास

मगर पु० मगर प्राणी ०मच्छ पु० मगर (२) मोटो मच्छ

मगर अ० [फा] पण परतु

मगरिब पु० [अ] पश्चिम दिशा –की नमाज = साजनी नमाज –बी वि० पश्चिमनु

मगरूर वि० [अ] मगरूर अभिमानी (नाम, –री)

मगलूब वि० पराजित हारेलु दबायेलु

मगस स्त्री० [अ] माखी (२) मधमाख

मगस(–सि)र पु० मागशर मास

मग्ज़ पु० [अ] मगज भेजु ०चट्टी, ०पच्ची स्त्री० मगजमारी ०रोग़न स्त्री० छीकणी

मग्ज़ी स्त्री० जुओ 'मगजी'

मग्न वि० [स] तन्मय, लीन (२) डूबेलु

मघवा पु० [स] इद्र [पीडा

मचक स्त्री० दबावबु ते के तेथी थती

मचकना स०क्रि० जोरथी हलावबु के दबावबु जेथी 'मच मच' थाय

मचना अ०क्रि० शोरबकोरवाळु काम शरू थवु (२) फेलावु मचबु, जामवु

मचल स्त्री० हठ

मचलना अ०क्रि० हठ करवी

मचला वि० जिद्दी (२) जाणीबूजीने न बोले एवु मीढु
मचलाना अ०क्रि० ऊलटी थवा जेवु लागवु (२) स०क्रि० 'मचलना'नु प्रेरक
मचवा पु० खाटलो के तेनो पायो (२) मछवो, नाव
मचान स्त्री० शिकारनी माची के खेतरनो माळो
मचाना स०क्रि० मचाववु जमाववु (कर्मणि, मचना)
मचिया स्त्री० पलगडी
मच्छ पु० मच्छ मोटु माछलु
मच्छड(–र) पु० मच्छर ०दानी स्त्री० 'मसहरी', मच्छरदानी
मच्छी, मछली स्त्री० माछली
मच्छी(–छली)मार पु० माछी
मछवा पु० माछीनो मछवो–होडी
मछुआ(–वा), मछेरा पु० माछी
मजकूर(–रा), मजकूर ए बाला वि० [अ] उपरोक्त, आगळ कहेलु मजकूर
मजकूरी पु० [फा] समन्स बजावनार पटावाळो के वेठीफ (२) गामनी सामान्य सहियारी जमीन
मजदूर पु० [फा] मजूर ०नी,–रिनी स्त्री० मजूरण –री स्त्री० मजूरी
मजनू वि० [अ] मजनू, प्रेमघेलु (२) दूबळा शरीरनु [वधस्थान
मजबह पु० [अ] ढ़ोरो कापवानी जगा,
मजबूत वि० [अ] दृढ, मजबूत (२) हृष्टपुष्ट, बळवान, तगडु –ती स्त्री०
मजबूर वि०[अ] लाचार, अवश ०न अ०[अ] लाचारीथी, नछूटके –री स्त्री० लाचारी, नाछूटको
मजमा पु०[अ] भीड के भीडनी जगा
मजमूआ पु० [अ] सग्रह (२) वि० सघरेलु ०जाबिता दीवानी पु० दीवानी केसना विधिनो कायदो, 'सिविल प्रोसीजर कोड' ०जाबिता फोजदारी पु० फोजदारी कामोना विधिनो कायदो, 'क्रिमिनल प्रोसीजर कोड'
मजमूई वि० [अ] कुल, बधु
मजमून पु०[अ] लेख के तेनो विषय –बाधना = गद्यपद्यमा नवु लखवु –मिलना, –लडना = बे जणनी कृतिना भाव मळता आववा
मजरअ पु० [अ] खेतर (२) गाम
मजरिया वि० चालु, जारी
मजरूआ वि०[अ] खेडीने वावेलु (खतर)
मजरूह वि० [अ] घायल जखमी
मजल स्त्री० जुओ 'मजिल' पडाव –मारना=लाबु चालवु (२) भार काम करी पाडवु
मजलिस स्त्री०[अ] सभा, मडळी (२) नाचनो जलसो (३) मिजलस –सी वि० सभा सबधी (२) पु० सभासद
मजलूम वि०[अ] जुलमनु भोग बनेलु
मजहका पु० [अ] मजाक हासी
मजहब पु० [अ] धर्म, सप्रदाय
मजहबी वि० [अ] धार्मिक (२) पु० भगीकाम करनार शीख
मजहूल वि०[अ]सुस्त आळसु (२)थाकेलु (३) अप्रसिद्ध (४) [व्या] सह्य (मे")
मजा पु०[फा] स्वाद (२) आनद सुख (३) मजाक –चखाना = गुना बदल सजा करवी [स्वा"
मजाक पु० [अ] मजाक (२) रुचि,
मजाकन् अ० [अ] मजाकमा, हांसीमां
मजाकिया वि० [अ] मजाकी, मश्करु

मजाज वि० [अ] बनावटी (२) पु० अधिकार, हक [प्रमाणे
मजाजन् अ० [अ] नियमसर कायदा
मजाजी वि० [अ] बनावटी (२) सासारिक
मजार पु० [अ] कबर समाधि के मक्बरो
मजारि, -री स्त्री० (प) माजारी, बिलाडी [बळ मगदूर
मजाल स्त्री० [अ] मजाल, ताकत
मजाहिब पु० [अ] मजहब नु ब०व०
मजिस्टर, मजिस्ट्रेट पु० [इ] मॅजिस्ट्रेट
मजिस्ट्रेटी स्त्री० मॅजिस्ट्रेटनु पद के तेनी कचेरी
मजीठ स्त्री० मजीठ एक औपधि -ठी वि० मजीठिय् लाल
मजीद वि० [अ] पवित्र (२) वडु (३) पु० कुरान [अधिक
मजीद पु० [अ] अधिकता (२) वि०
मजीरा पु० मजीरो [-री'
मजूर पु०, -री स्त्री० जुओ 'मजदूर,
मजेदार वि० [फा] मजानु (२)स्वादिष्ट (३) सरस -री स्त्री० स्वाद मजा
मज्जन पु० [स] स्नान [मज्जा
मज्जा स्त्री० [स] हाडकानी अदरनी
मझधार स्त्री० (नदीनी) मध्य धारा (२) मध्य वच
मझला वि० मझलु वच्चेनु
मझाना अ०क्रि० दाखल थवु पेसवु
मझार अ० (प) माझार, मध्ये
मझियारा वि० (प) मचलु वचलु
मझोला वि मचलु वचलु (२) मध्यम कदनु
मझोली स्त्री० एक जातनी बळदगाडी

मटक स्त्री० चाल, गति (२) मटका, लटकमटक
मटकना अ०क्रि० मटको करीने चालवु (२) आख मटमटाववी
मटका पु० मटकु, माटलु
मटकी स्त्री० मटकी, माटली (२) मटका, चाळो
मटकीला वि० लटकमटकवाळु
मटमॅगरा पु० वरध जवो एक लग्नविधि
मटमला वि० माटीना रगन
मटर पु० वटाणा
मटरगश्त पु०, -श्ती स्त्री० सहेल-सपाटो (२) फरवु त, सहेल
मटियाना स०क्रि० माटीथी माजवु (२) माटीथी ढाकवु (३) वात टाळवी, ध्यान पर न लेवी
मटियाफूस वि० साव फूस - नबळु
मटियामसान,मटियामेट वि० सत्यानाश नष्टप्राय 'मलियामेट'
मटियाला, मटीला वि० जुओ 'मटमला'
मटुका पु० मटकु -किया,-की स्त्री० मटकी
मट्टी स्त्री० 'मिट्टी' माटी
मट्ठर वि० सुस्त जड
मट्ठा, मठा पु० छाश [धाम
मठ पु०[स] साधु सन्यासीनो निवास-
मठरना पु० सोनी कसारानु एक ओजार
मठा पु० जुओ 'मट्ठा
मठाधीश पु०[स] मठनो मुख्य - महत
मठिया स्त्री० नानो मठ 'मठी' (२) एक जातनी चडी
मठी स्त्री० नानो मठ (२)पु० मठाधीश
मठोर स्त्री० वलोणानी गाळी
मडई स्त्री० नाना माडवा पणकुटी

मडवा पु० 'मँडवा', माडवो
मडआ पु० जुओ 'मँडआ'
मडया स्त्री० जुओ 'मडई'
मढ वि० अडियल (२) पु० मठ
मढना स०क्रि० मढवु [प्रेरक
मढ़वाना, मढ़ाना स०क्रि० 'मढ़ना' नु
मढाई स्त्री० मढामण
मढ़ी स्त्री० मढी, झूपडी (२) नानो मठ
मणि स्त्री०[स] मणि, रत्न ०धर पु० साप ०वध पु० काडु
मतग पु०[म] हाथी (२) वादळ -गी पु० हाथीनो सवार [पथ
मत पु०[स] मत, अभिप्राय (२) सप्रदाय,
मत अ० ना, नहि (२) स्त्री० (प) जुओ 'मति' [दृढ, पाकु
मतन पु० [अ] मध्य भाग (२) वि०
मतबख़ पु० [अ] रसोडु
मतबा पु० [अ] छापखानु
मतब्ब पु० [अ] दवाखानु
मतरुक वि० [अ] छोडायेलु, त्यक्त
मतलब पु०[अ] मतलब, आशय (२) अर्थ (३) स्वार्थ (४) सबध, लेवादेवा -गाठना,-निकालना=मतलब काढवी, ते सरे एम करवु -हो जाना=मतलब सरवो (२) बूरा हाल थवा (३) खतम थई जवु -बी वि० स्वार्थी
मतला पु०[अ] पूर्व दिशा (२) गजलनी पहेली बे कडी -साफ होना=आकाश चोख्खु थवु (२) मुश्केली दूर थवी
मतली स्त्री० ऊलटी थाय एवु थवु ते
मतलूब वि०[अ] चाहेलु इष्ट अभिप्रेत -बा वि०स्त्री० माशूक
मतवार (रा) (प), -ला वि० मदमस्त केफथी चकचूर (२) पागल
मतातर पु० [स] बीजो मत, मतभेद
मताधिकार पु० [स] मत आपवानो हक -री पु० मतदार
मतानत स्त्री० [अ] दृढता, मजबूती
मतालिब पु० 'मतलब' नु ब० व०
मति स्त्री० [स] बुद्धि (२) सलाह (३) इच्छा
मति, -त्ती अ० (प) 'मत', ना
मतीन वि० [अ] दृढ, पाकु
मतीरा पु० तडबूच
मतेई स्त्री० (प) सावकी मा
मत्कुण पु० [स] माकण
मत्त वि० [स] मस्त मदवाळु छकेल (२) प्रसन्न, खुश [नमवु
मत्था पु० माथु -टेकना=माथु नमाववु
मत्सर पु० [स] दाझ ईर्षा (२) क्रोध -री वि० ईर्षाळु
मत्स्य पु० [स] माछलु
मथन पु० [स] मथन, मथवु ते
मथना स०क्रि० मथवु वलोववु (२) नाश करवो (३) श्रमपूर्वक काई करवु
मथनी स्त्री० वलोणानी गोळी (२) वलोववु ते के तेनु साधन-वास
मथवाह पु० हाथीनो महावत
मथानी स्त्री० वलोववानो वास -पडना, -बहना=खळभळाट मचवो
मद स्त्री० [अ] विभाग (२) खातु (३) पु० [स] मद (४) वि० मत्त, मदवाळु
मदक स्त्री० अफीणना सत्त्वनो चलममा पीवानो एक पदार्थ
मदकची पु० मदक पीनार
मदक(-ग)ल वि०[स] मत्त, 'मतवारा'
मदख़ल वि०[अ] दाखल के जमा करेलु
मदख़ूला स्त्री० [अ] रखात

मदद स्त्री० [अ०] मदद, सहाय ०गार वि० सहायक
मदन पु० [स] कामदेव
मदफन पु० [अ] कबर के कबरस्तान
मदफूा वि० [अ] दाटेलु दफनावलु
मद(-दी)यून वि०[अ] देवादार ऋणी
मदरसा पु० मदरेसा शाळा
मदह स्त्री० [अ] प्रशसा तारीफ
मद होश वि० मदमत्त (नाम, -शी)
मदाखिल स्त्री० [अ] आमदानी
मदाखिलत स्त्री०[अ]अधिकार जमाववो ते (२) दखल करवी के रोकवु त ०बेजा स्त्री० अनधिकार प्रवेश के दखल
मदार पु० आकडो (२) [अ] मदार, आधार (३) एक पीरनु नाम
मदारात स्त्री० [अ] 'मदार नु ब०व०
मदारी पु० रीछ वानर इ०नो (सापनो नहि) खेल करनार मदारी
मदिरा स्त्री० [स] दारू
मदीय वि० [स] मारु
मदीयून पु० जुआ 'मदयून'
मदीला वि० नशो चडे एवु केफी
मदोन्मत्त वि०[स] मदथी भरेलु मदाध
मद्द पु०[अ]भरती(२)स्त्री० मद' खातु विभाग ०व जजर पु० भरतीओट
मद्देनजर वि० [फा] नजर सामे होय तेवु लक्ष्यमा लीधेलु
मद्धिम वि० मध्यम सारथी ऊतरतु
मद्धे अ० मध्ये वचमा (२) (ते) विषे बाबतमा, खाते
मद्य पु०[स] दारू ०प पु० दारूडियो
मद्रसा पु० [अ] जुओ 'मदरसा
मधु पु०[स] मध (२) दारू (३) वि० मीठ गळ्यु ०कर पु० भमरो ०करी स्त्री० भमरी (२) भिक्षा ०प पु० भमरा ०पक पु० पचामृत ०मक्खी ०मक्षिका स्त्री० मधमाख ०र वि० मीठु(२)सुदर, रुचिर(३)शात धीमु मद ०राज पु० भमरो
मधुरिमा स्त्री० [स] मधुरता
मधूक पु० [स] महुडो के महुडु
मध्य पु०[स] वच (२) वि० वचलु ०म वि० वचलु (२) पु० म स्वर (सगीत) ०मा स्त्री० वचली आगळी ०वर्ती वि० वचलु केन्द्रीय ०स्थ पु० तटस्थ पच (२) वि० मध्यमा आवेलु
मध्याह्न पु० [स] बपोर
मध्ये अ० [स] जुआ 'मद्धे'
मन पु० मन, चित्त (२) मण (३) (प) मणि (४) स्त्री० कूवानी फरती पाळ
मनका पु० मणको (२)गरदनानु करोडनी तरत ज उपरनु हाडकु
मनकूला वि०स्त्री०[अ]जगम(मिल्कत)
मनकूहा वि० [अ] परणेतर (स्त्री)
मन गढत वि० कपोल कल्पित कल्पी ज लीधेलु (२) स्त्री० कल्पना ज मात्र
मनचला वि० हिंमतवान नीडर (२) रसिक [इष्ट
मनचाहा, मनचीता वि० मनवाछित
मनजर पु० [अ] दृश्य देखाव
मनन पु० [स] चितन, ऊडा विचार
मनफी वि०[अ]कमी के बाद करेलु (२) (व्या) नकारवाचक [गमतु प्रिय
मनभाया,-वता,-वन वि० (प) मनने
मनमाना,-नता वि० मनगमतु फावतु (२) मनमान्यु खूब
मनमुटाव पु० अणबनाव वैमनस्य
मनमौजी वि० मोजी लहेरी

मनशा स्त्री० [अ] जुओ 'मशा'
मनसब पु०[अ] पद, होद्दो (२) अधिकार ०दार पु० अधिकारी -बी वि० पद सबधी [अ० [म] मनथी
मनसा स्त्री० जुओ 'मनशा', इच्छा (२)
मनसिज पु० [स] कामदेव
मनसूख वि० [अ] खोटु ठरावेलु, रद करेलु (२) त्यक्त छोडेलु (नाम, -खी)
मनसूबा पु०[अ] युक्ति (२) मनसूबो, इरादो -बांधना = युक्ति विचारी राखवी मनमा गाठवी राखवी
मनस्वी वि०[म] सारा मन के बुद्धिवाळु (२) मक्कम मनवाळु (३) मोजीलु, 'मनमौजी'
मनहर वि० मनाहर सुदर
मनहुँ अ० (प) माना के, जेम के
मनहूस वि०[अ] अशुभ अपशुकनियाळ (२) उदास, खिन्न -सी स्त्री०
मना वि० [अ] मना करेलु, निषिद्ध ०ई, ०ही स्त्री० मनाई
मनाक(-ग्) वि० [स] थोडु
मनादी स्त्री० जुओ 'मुनादी'
मनाना स०क्रि० मनाववु (२) स्वीकाराववु
मनावन पु० मनामणी रूठेलाने मनाववु ते
मनाही स्त्री० [अ] मनाई, निषेध
मनिहार पु० चुडगर ०न, -रिन, -री स्त्री० चुडगर स्त्री
मनी स्त्री०[अ] वीर्य (२) (प) मान अहकार (३) मणि
मनी आडर पु० [इ] मनी ऑडर
मनीषा स्त्री०[म] बुद्धि (२) इच्छा -षी पु० बुद्धिमान पडित
मनुआँ(-वा) पु० मन (२) मनुष्य
मनुज, -ष्य पु० [स] माणस
मनुसाई स्त्री०(प) माणसाई, पुरुषाथ
मनुहार स्त्री० विनती, प्राथना (२) मनाववु-राजी करवु ते (३) खुशामत
मनेजर पु० [इ] मॅनेजर, व्यवस्थापक
मनोकामना स्त्री०[स] इच्छा, मछा
मनोगत वि०[स] मननु, दिलमा आवेलु (२) पु० इच्छा, विचार (३) कामदव
मनोज पु० [म] कामदेव
मनोज्ञ वि० [म] मनोहर, सुदर
मनोनीत वि०[स] पसद करेलु, चूटेल 'निवाचित'
मनोरजक वि०[स] मनने राजी कर एवु -न पु० विनाद, मननो राजीपा
मनोरथ पु० [स] मनसूबा इच्छा
मनोरम वि० [म] रम्य, सुदर
मनोरा पु० गोबरना भीत चित्र जन शणगारी दिवाळी बाद स्त्रीओ त्या गीत गाय छे ने खेले छे ०झूमक पु० एक प्रकारनु गीत
मनोविकार पु० [स] मनना भाव के वृत्ति या आवेग
मनोविज्ञान पु० [म] मानमशास्त्र
मनोविश्लेषण पु० [स] चित्तना भावोनी समीक्षा 'साइको एनेलिसिस'
मनोवृत्ति स्त्री० [स] मननी के चित्तनी वृत्ति-भाव
मनोव्यापार पु० [म] चित्तनु कामकाज
मनोहर, मनोहारी वि० [स] मनहर, सुदर, आकषक
मनौती, मनत स्त्री० मानता बाधा -उतारना या बढाना = मानता पूरा करवी -मानना = मानता मानवा के राखवी
मञ्जर पु० [अ] जुओ मनजर

मन्नत स्त्री० जुओ 'मनोती

मन्वतर पु० [स] एक मनुना अधिकार-काल (२) दुकाळ

मन्सूख वि० [अ] जुओ 'मान्सूख

मन्सूब वि० [अ] सबधवाळु (२) जनु मागु थयु होय तेवु

मन्सूबा पु० [अ] जुओ मासूबा

मफरूर वि [अ] फरारी नासी क भागी गयला (गुनगार)

मफहूम प० [अ] मुद्दा वस्तु

मम स० [स] मारु ०कार पु० पोतानी मालमता ०ता स्त्री०, ०त्व पु० मारापणु अहकार (२) भाव हेत (३) माह

ममनून वि० [अ] कृतज्ञ, आभारी 'मश्कूर

ममियाना अ०क्रि०(बकरीनु) बें बें करवु

ममिया ससुर पु० मामोससरा

ममिया सास स्त्री० मामीसासु

ममियौरा प० मासाळ

ममेरा भाई पु० मामानो दीकरो

मम्वा पु० [अ] झरणु (२) उगम

मयक पु० मृगाक चद्र

मयद पु० मृगेंद्र सिंह

मय अ० [अ] जुआ 'म', साथे (२) स्त्री० [फा] दारू ०कदा, ०खाना पु० दारूनु पीठु

मयगल पु० (प) मगळ मदगळतो हाथी

मयस्सर वि० [अ] मळेलु प्राप्त

मया स्त्री० (प) माया

मयार वि० (प) मायाळु दयाळु

मयूख पु० [स] किरण (२) प्रकाश

मयूर पु० [स] मार

मरद पु० मकरद पराग

मरकज पु० [अ] केन्द्र, मध्यस्थान –जी वि० केंद्रीय, मध्यस्थ मुख्य

मरकत पु० [स] एक जातना हीरा

मरकद पु०[अ] सूवानो ओरडो(२)कबर

मरकना अ०क्रि० दबावु दबाईने तूटवु

मरकहा वि मारकणु (ढार–पशु)

मरकूम(–मा) वि० [अ] लखल

मर(–र)गजा वि० मल गदु चूथायेल (२) चावु

मरगूब वि० [अ] प्रिय (२) सुदर

मरगोल(–ला) प० [फा] सगीतनी गिटकीडी

मरघट पु० स्मशान [कुटेव

मरज पु० [अ मज] मरज रोग (२)

मरजिया, मरजीवा पु० मरजीवा (२) वि० मतप्राय अधमूउ (३) मरतु बचेलु

मरजी स्त्री०[अ] मरजी खुशी (२) आज्ञा (३) स्वीकार

मरण,–त पु० [स] मात, मृत्यु

मरतबा पु०[अ] मरतबो, मोभो (२) वारा, फेरो

मरतूब वि० [अ] भीनु

मरद पु०(प) मर्द पुरुष ०ई,–दानगी पौरुष –दाना वि० मरद सबधी

मरदुम पु०[फा] माणस ०शुमारी स्त्री० वस्तीगणतरी –मी स्त्री० मरदानगी

मरदूद वि० [अ] नीच तिरस्कृत

मरना अ०क्रि० मरवु

मरन पु०, मरनी स्त्री० मरण

मरनी करनी स्त्री० अत्येष्टि क्रिया

मरफा पु० [फा] ढाल मरफो

मरभुक्खा वि० जुओ 'भक्खड'

मरम प० मर्म रहस्य

मरमर पु०[अ]सगेमरमर आरसपहाण

मरम्मत स्त्री०[अ]मरामत, समारकाम –करना = ठोकवु मारवु
मरसा पु० एक शाक–भाजी
मरसिया पु०[अ]मरसियो, राजियो (२) मरणशोक
मरहट पु० (प) 'मरघट' स्मशान
मरहटा(–ठा) पु० (स्त्री० –ठिन) मराठो महाराष्ट्री –ठी स्त्री० मराठी भाषा (२) वि० मराठा संबंधी
मरहबा अ० [अ] शाबाश वाह वाह
मर(–ल)हम स्त्री० [अ] मलम
मरहला पु० [अ] जुओ 'मंजिल' –तय करना = कठण काम पूरु करवु
मरहून वि० [अ] गीरो मूकेलु
मरहूम वि० [अ०] स्वर्गस्थ
मराठा पु० मराठो, महाराष्ट्री –ठी स्त्री० मराठी भाषा
मरात स्त्री० [अ] स्त्री
मरातिब पु० [अ] 'मरतबा' नु ब०व० (२) क्रमिक अवस्थाओ पगला
मराल पु० [स] हंस
मरिच पु० [स] काळु मरी –चा पु० लाल मरचु [मा
मरियम स्त्री० [अ] कुमारी (२) ईशुनी
मरियल वि० खूब दुबळ
मरी स्त्री० महामारी
मरीचि स्त्री०[स] किरण (२) पु० एक ऋषि ०का स्त्री० मृगजळ –ची पु० सूर्य (२) चंद्र
मरीज़ पु० [अ] बीमार, मांदो
मरीना पु० मरीनो कापड
मरु पु०[स] रणभूमि [मोभारो
मरुआ(–वा) पु० डमरो (२) छापरानो
मरुत पु० [स] वायु
मरुद्विप पु० [स] ऊंट
मरुद्वीप पु० [स] रणद्वीप
मरुधर पु० मारवाड [भूमि, रण
मरुभूमि, मरुस्थ(थ)ल पु० [स] मरु
मरोड पु० पेटमा मरडावानी पीडा (२) मरडावु ते (३) क्रोध (४) गर्व –खाना = चक्कर खावु (२) गूंचवणमा पडवु –गहना = क्रोध करवो
मरोडना स०क्रि० मरडवु, आमळवु (२) दुःख देवु, पीडवु
मरोडा पु० मरोड, वळ (२) चूक, मरडो
मर्कट पु० [स] माकडु वांदरु –टी स्त्री० वांदरी
मर्ग पु० [फा] मरण
मर्गजार पु० [फा] लीलु मेदान
मर्ज़ पु० [अ] रोग, बीमारी
मर्ज़ी स्त्री० [अ] 'मरजी'
मर्तबा पु० [अ] जुओ 'मरतबा'
मर्तबान पु० अथाणा इ० नी बरणी 'अमृतबान' [माणस (३) पृथ्वी
मर्त्य वि० [म] मरणधर्मी (२) पु० मर्द पु० [फा] मरद, पुरुष, ०क पु० मरद (तुच्छकारवाचक) –र्दानगी स्त्री० मरदानगी –र्दाना वि० मरद विषेनु –र्दी स्त्री० मरदानगी
मर्दन पु० [स] चोळवु, मालिश करवु ते (२) ध्वंस नाश
मर्दानगी, मर्दाना, मर्दी जुओ 'मर्द' मा
मर्दुम पु०[फा] माणस ०शुमारी स्त्री० [फा] वस्तीगणतरी
मर्दुमी स्त्री० [फा] मरदानगी
मर्म पु०[म] रहस्य भेद (२) शरीरनो नाजुक भाग ०ज्ञ वि० मर्म जाणनार
ममर पु० जुओ 'मरमर'

ममवचन पु०[ग] गूढ वचन (२) मममा वो एवु वचन
मर्मी त्रि० ममा मम जाणनार
मर्या(-र्या)द (प), -दा [ग] स्त्री० हद सीमा (२) आवरू रीत
मलग पु० [फा] एक जातना फकीर
मल पु० [म] मळ मेल, विकार
मलऊन वि० [अ] निद्य शापित
मलक पु० [अ] देवदूत फिरस्ता
मल्का पु०[अ] प्रतिभा (२) दक्षता (३) स्त्री० महाराणी बेगम मलिका
मल्खम,मल्लखम पु०मल्लखम(कसरतना)
मलाजा वि० जुओ मरगजा
मल(-ला)गिरी पु० आछो कथ्थई रग
मलगोबा पु० [तुर्की] गदवा, मळ मेल (२) कचरापटी
मल्जूम वि० [अ] आवश्यक जरूरी
मलना स०त्रि० मसळव मदन करवु घसवु
मल्फूज पु० [अ] सतमहात्मा के धर्माचायनु वचन
मलबा पु० कचरापटी (२) रोडा मटोडु वगेरे (भागला मकानने) काटरडो
मल्बूस पु० [अ] पहेरवेश, पोशाक
मलमल स्त्री० मलमल वस्त्र
मलमास पु० [म] अधिकमास
मलय पु० [स] चदन (२) केरळ के मलबार देश ०ज पु० चदन -यानिल पु० मलयगिरिनो सुगधी पवन
मलवाना स०त्रि० चोळावबु घसावबु
मल्हम पु० जुओ 'मरहम' मलम
मलाई स्त्री० दूधनी मलाई (२) सार तत्त्व (३) 'मलना' परथी नाम
मलाट पु० जाडो पूठानो (ब्राउन) कागळ

मलागत स्त्री० [अ] थढबु ते (२) गदगी कचरो
मलार प० मल्हार राग
मलाल पु [अ] दुख (२) उदासीनता
मलाह प (प) मल्लाह नाविक
मलाहत स्त्री० [अ] शामळापण (२) चहरानी कांति
मलिद पु० (प) भमरा
मलिक पु० [अ] राजा (स्त्री० -का)
मलिन त्रि [म] मल गदु (२) पापी (३) धीमु म्लान
मलियामेट पु० सत्यानाश खुवारी
मलीदा पु०[फा] मलीदो चरमु (२) मुलायम ऊननु एक कापड
मलीन त्रि० (प) मलिन
मलूल त्रि०[अ] दुखी शोकातुर खिन्न (२) मादु बीमार (३) थाकेलु
मलेरिया पु० [इ] टाढियो ताव
मलोला पु० दुख (२) चिंता मलोले आना = दुख के पस्तावो थवा -खाना = सहेवु खमवु
मल्ल प०[स]मल कुस्तीबाज पहेल्वान ०भूमि, ०शाला स्त्री० अखाडो ०युद्ध पु० कुस्ती
मल्लार पु० [स] मल्हार राग
मल्लाह पु०[अ] माछी के हाडीवाळो -हिन स्त्री० माछण -ही स्त्री० माछीना धधा (२) वि० माछी विषेनु
मल्हराना, मल्हाना, मल्हारना स०क्रि० मलावबु लाड लडाववा
मवक्किल पु० [अ मुवक्किल] असील
मवाजिब पु० [अ] नियमथी मळे ते -महनतर, जम के पगार
मवाजी वि० [अ मुवाजी] कुल

मवाद पु० [अ] पाच, पर (२) रद्दी के गदा भाग

मवास पु०[स] आश्रय के रक्षानु स्थान (२) किल्ला, गढ [किल्लेदार

मवासी स्त्री० नाना गढ (२) पु०

मवेशी पु० [अ] ढोर जानवर

मवेशीखाना पु० ढोरनो तबेलो

मशक पु०[स] मच्छर (२) स्त्री०[फा] पाणीनी मशक ०कुटी स्त्री० मच्छर मारेनी चमरी ०हरी स्त्री०मच्छरदानी

मशकूक वि०[अ] शकवाळु, संदिग्ध

मशकूर वि०[अ] कृतज्ञ 'मश्कूर'

मशक्कत स्त्री० [अ] महेनत मजूरी, तकलीफ मशागत

मशगला पु० [अ] विनोद मनरंजन

मशगूल वि० [अ] मशगूल काममा रोकायेलु–मग्न (नाम, –ली स्त्री०)

मशरफ पु० [अ] ऊचु प्रतिष्ठानु स्थान

मशरिक पु० [अ] पूर्व दिशा (वि० –की)

मशरू पु० एक जातनु कपडु

मशवरत स्त्री० मशव(–वि)रा पु० [अ] सलाह, मसलत

मशहूर वि० [अ] जाणीतु प्रसिद्ध

मशा(–सा)न पु० मसाण स्मशान

मशाल स्त्री० [अ] मशाल ०ची पु० मशालवाळा [शेखी गर्व

मशीखत स्त्री० [अ] वडीलपणु (२)

मशीन स्त्री० [इ] यंत्र 'कल'

मशीर पु० [अ] सलाहकार

मश्क स्त्री० [फा] मशक पखाल

मश्क स्त्री० [अ] महावरा अभ्यास

मश्कूर वि० [अ] कृतज्ञ आभारी 'ममनून' [क अभ्यासवाळु

मश्शाक वि० [अ] कुशळ (२) महावरा

मस पु० मच्छर (२) [अ] स्पर्श (
स्त्री० ऊगती मूछ –भींजना=मूछ
वाळ फूटवो

मसक पु० (२) स्त्री० जुओ 'मश
(३) स्त्री० फसकी के फाटी जवु त

मसकना स०क्रि० जोरथी दबाववु जे
वस्तु फसकी–फाटी जाय (२) अ०क्रि
फसकी जवु फाटवु

मसकरा पु० मश्करो, 'मसखरा

मसक्ला पु० –लो स्त्री० मसक्ला
'मिस्कला'

मसका पु० [फा] मसका माखण (२
ताजु घी (३) दहीनु पाणी

मसकीन वि० (प) जुआ 'मिसकीन'

मसखरा पु० जुओ 'मश्खरा' –री स्त्री० मश्करी

मसजिद स्त्री० [अ] मस्जिद

मसनद स्त्री० [अ] मोटो तकियो (२) (अमीरनी) गादी [चीज

मसनूअ पु० [अ] कारीगरीनो बनावेला

मसनूई वि० [अ] बनावटी, नकली

मसदर पु० [अ] मूळ ऊगम (२) क्रियापदनो धातु

मसरफ पु० [अ] उपयोगिता

मसरूका वि० [अ] चोरीनु चोरेलु

मसरूफ वि०[अ]मशगूल,काममा लागेलु

मसरूर वि० [अ] प्रसन्न, खुश

मसल स्त्री० [अ] कहेवत लोकोक्ति

मसलख पु० [अ] कतलखानु

मसलन् अ० [अ] दाखला तरीके

मसलना स०क्रि० मसळवु (२) गूंदवु

मसलहत स्त्री०[अ] मसलत, सलाह, गुप्त सलाह करवी त

मसलहतन अ०[अ] सलाहभर, समजीने

मसला पु०[अ]विचारवाना विषय,प्रश्न
मसविदा पु० मसूदो, खरडो, 'मसादा
-बाधना=युक्ति के उपाय रचवो
मसहरी स्त्री० मच्छरदानी
मसा पु० मसा (२) मच्छर
मसाइब पु० [अ] मुसीबत' नु ब०व०
मसान पु० मसाण श्मशान (२) भूत-पिशाच -जगाना=स्मशानमा शवनो विधि करवो -पडना=शून्यकार थवु
मसाना पु० [अ] मत्राशय
मसानिया पु० मशाणियो चडाळ
मसानी स्त्री० डाकण
मसाफ पु०[अ] युद्ध (२) रणक्षेत्र
मसाफ्त स्त्री०[अ] अतर फासलो (२) श्रम [रामकूप
मसाम पु० [अ] चामडी परनु छिद्र
मसायल पु० [अ] 'मसला' नु ब०व० प्रश्नो समस्याओ
मसाल्हत स्त्री० मेळ के सधि करवी ते
मसाला पु० [फा] साधनसामग्री (२) मसालो -लेदार वि० मसालावाळु स्वादिष्ट [मापणी (२) मापवु ते
मसाहत स्त्री० [अ] मसात, जमीन
मसि स्त्री० [स] शाही (२) काजळ मेंश ०दानी स्त्री०, ०पात्र पु०शाहीनो खडियो ०बिंदु पु० नजर न लागे ते माटे करातु मेंशनु टपकु
मसि(-या)र पु० (प) मशाल -रा पु मशालची
मसीत(-द) स्त्री० मसीद
मसीह(-हा) पु० [अ] इशु ख्रिस्त (२) जीवनदाता ['मसीह' नु पद के काम
मसीहाई, मसीही पु० ख्रिस्ती (२)स्त्री०
मसूडा(-रा) पु० दातनु पढु
मसूर पु०, मसूरा स्त्री० [स] मसूरनी दाळ [ओरी
मसूरी(-रिका,-रिया) स्त्री० बळिया
मसूस, ०न (प) स्त्री० व्यथा पीडा
मसू(-सो)सना अ०क्रि०मनमा पीडावु अदर व्यथा थवी (२) अमळावु (३) स०क्रि० आमळव (४) निचोववु
मसौदा पु० मसूदो खरडो -गाठना, -बाधना=कोई काम करवानी युक्ति के योजना विचारवी
मसौदेबाज पु० युक्तिबाज चालाक
मस्कन पु० [अ] मकान घर
मस्करा (प) मस्खरा पु० [अ] मश्करो
मस्त वि० [फा] मग्न खुश प्रसन्न (२) मदथी मस्त
मस्तक पु० [स] माथु
मस्तगी स्त्री० [अ] एक जातनो गुदर
मस्ताना अ०क्रि० (२) स०क्रि० मस्त थवु के करवु (३) वि० [फा] मस्तानु
मस्तिष्क पु० [स] भेजु मगज
मस्ती स्त्री० [फा] मस्त थवु के होवु ते मद (२) पशु के वनस्पतिमाथी अमुक जे स्राव थाय छे ते
मस्तूर वि० [अ] गुप्त छूपु
मस्तूरात स्त्री०[अ]स्त्रीओ(२)सनारीओ
मस्तूल पु०[पो] वहाणनो कूवास्तभ, मुख्य स्तभ
मस्सा पु० मसो के मसानो रोग
महँ(-हुँ) अ० (प) मा महो
महँगा वि० मोघु (नाम, -गाई स्त्री०)
महँगी स्त्री० मोघवारी (२) दुकाळ
महत पु० मठाधीश (२) वि० श्रेष्ठ -ती स्त्री० महतनु पद
मह वि०(प) महा (२) अ० जुओ 'महँ'

महक स्त्री० महेक, वास (अ०क्रि० महकना, वि० महकदार, महकीला)
महकमा पु० [अ] खातु विभाग
महकीला वि० महकवाळु
महकूम (-मा) वि० [अ] हुकममा आवतु, [आधीन
महज़ वि० [अ] शुद्ध (२) अ० मात्र, केवळ
महज़-कैद स्त्री० [अ] सादी सजा आसान कैद
महज़र पु० [अ] सूचनापत्र, नोटिस
महत् वि० [स] मोटु महान
महता पु० गामनो मुखी (२) महेतो, मुनशी, लखनार
महताब स्त्री० [फा] चादनी (२) पु० चद्र
महताबी स्त्री० [फा] महताब, एक दारूखानु (२) चादनीमा बेसवा जवो चातरा (बाग के तळाव पासेनो)
महतारी स्त्री० माता
महत्त्व पु०, -त्ता स्त्री० मोटाई, श्रेष्ठता
महदी पु० [अ] मार्गदर्शक (ईमाम)
महदूद वि० [अ] हद बाधेलु मर्यादित
महफिल [अ] महेफिल, जल्सा
महफूज़ वि० [अ] सुरक्षित
महबस पु० [अ] जेल कैदखानु
महबूब वि० [अ] महेबूब, प्यारु (-बा वि० स्त्री० नाम -बियत, -बी स्त्री०)
महमह अ० मघमघ -हाना अ० क्रि० मघमघवु, महेकवु -हा वि० मघमघतु
महमूद वि० [अ] स्तुति पामेलु प्रशस्त -दी स्त्री० एक जातनु मलमल कपडु (२) एक जूनो सिक्को
महमेज़ स्त्री० [फा मिहमज] मिहमेज, घोडेसवारनी एडीनी लोढानी मेख
महर पु० मुखी मोटा (आदरवाचक शब्द) (२) [अ] मुसलमानोमा वर कन्याने आप ते देज के पल्लु (३) वि० (प) महेकतु, मघमघतु
महरम पु० [अ] नजीकनो सगो के मित्र (२) विवाहसबध न थई शके एवु सगु (३) स्त्री० स्त्रीना कबजानो छातीनो भाग
महरा पु० कहार, पालखी ऊचकनार (२) वि० मुख्य, प्रधान
महराज, -जा पु० महाराज, -जा
महराब स्त्री० महेराब, कमान
महरी स्त्री० 'महरा' नु स्त्री०
महरू वि० [फा] चद्रवदन
महरूम वि० [अ] वचित (२) कमनसीब -मी स्त्री०
महर्षि पु० [स] मोटा ऋषि
महल पु० [अ] महेल (२) अत पुर (३) मोटो ओरडो (४) अवसर, मोको (५) पत्नी, बेगम
महल्सरा स्त्री० [अ + फा] जनानखानु
महली पु० [अ] अत पुरनो चोकीदार व्यढळ
महल्ला पु० [अ] महेल्लो
महशर पु० [अ] कयामतनो दिवस -बरपा करना = भारे आदोलन करवु
महसूल पु० [अ] जमीन महेसूल (२) कर (३) भाडु [पडलु
महसूस वि० [अ] अनुभवेलु, मालूम
महसूसात स्त्री० ब०व० [अ] जाणी के अनुभवी शकाय एवा पदार्थो
महा वि० मोटु महान, श्रेष्ठ
महाजन पु० [स] महापुरुष (२) धनवान (३) शराफ (४) वाणियो
महाजनी स्त्री० शराफनो धधो (२) शराफना चोपडानी एक लिपि

महात्मा पु०[स] महा मोटो साधु पुरुष (२) संन्यासी
महान वि० [स] मोटु विशाळ
महानिद्रा स्त्री० [स] मोत मृत्यु
महानिशा स्त्री० [स] मधरात (२) प्रलयरात्रि
महानुभाव पु०[स] महापुरुष महाशय
महापथ पु०[स] राजमार्ग (२) मरण
महाप्रसाद पु०[स] जगन्नाथनो प्रसाद–भात (२) मांस [गाळवो ते
महाप्रस्थान पु०[स] मरण (२) हिमाळो
महाबत पु० [?] भय डर
महाभारत पु०[स] महाभारत के तेवो कोई मोटो ग्रंथ (२) महान युद्ध
महाभूत पु० [स] पंच भूत
महामना वि० [स] मोटा मनवाळु, महानुभाव
महामास पु०[स]गाय के मनुष्यनु मांस
महामारी स्त्री० कोगळियु, प्लेग इ० जेवा मोटो रोग
महायात्रा स्त्री० [स] मरण
महार स्त्री० [फा] ऊटनी नाथ
महारत स्त्री०[अ] अभ्यास महावरो (२) दक्षता
महारथ,–थी पु० [स] महान योद्धा
महाराज पु०[स] मोटो राजा (२) साधु संत ब्राह्मण इ० माटे आदरनो शब्द –ज्ञी,–नी स्त्री० महाराणी
महारोग पु०[स] कोढ इ० जेवा भारे के असाध्य रोग –गी पु० तेनो दरदी
महार्घ वि० [स] मोंघु
महाल पु०[अ 'महल'नु ब०व०] महेल्लो (२) महाल परगणु (३) भाग (४) मधपूडो
महावट स्त्री० महा महिनानु मावठु
महावत पु० हाथीनो महावत
महावर पु० अळतो (पगे चोपडवानो)
महावरा पु० जुओ 'मुहावरा'
महावरी स्त्री० 'महावर'नी गोटी
महाशय पु०[स] महानुभाव, सज्जन, 'जनाब'
महि स्त्री०[स] मही पृथ्वी(२)महिमा
महिमा स्त्री० [स] महिमा मोटाई, माहात्म्य
महिला स्त्री० [स] स्त्री
महिष पु०[स] पाडो (२) महिषासुर –षी स्त्री० भेंस (२) राणी
मही स्त्री०[स] पृथ्वी (२) देश स्थान (३) नदी (४) (प) छाश
महीधर पु० [स] पर्वत (२) शेषनाग
महीन वि० पातळु बारीक, झीणु (२) कोमळ धीमु (अवाज माटे)
महीना पु० महिनो (२) मासिक पगार (३) रजोधर्म महीनेसे होना=स्त्रीअे वेगळु बेसवु
महीप,०ति,–पाल पु० [स] राजा
महुँ अ० (प) 'महँ' मही
महुअर पु० [स मधुकर] महुवर के ते वजावी करातो एक खेल (२) स्त्री० एक जातनु घटु
महुआ,–वा पु० महुडो ०री स्त्री० महुडानु जंगल
महुवरि पु० जुओ महुअर
महुदा पु० जुओ महुआ
महूरत, –ति पु० (प) मुहूरत
महेंद्र पु० [स] विष्णु (२) इंद्र
महेर पु० अडचण पंचात
महेर,–रा पु० जुओ 'महेरी

महेरी स्त्री० दही के छाशमा राधेला अनाजनी एक वानी (२) वि० अडचण नाखनारु
महेश [स] ,-स (प)पु०शिव महादेव
महोक, -ख, -खा पु० एक पक्षी
महोगनी पु० [इ] एक झाड के तेनु लाकडु
महोत्सव पु० [स] मोटो उत्सव-[समारभ
महोदधि पु० [स] मोटो समुद्र
महोदय वि० [स] महाशय, 'जनाव'
महोला पु० (प) वहानु (२) दगो
मह्व वि० [अ] लीन गुलतान गरक (२) नष्ट
मह्वर पु० [अ मिह्वर] धरी (पडा इत्यादिनी)
मा स्त्री० मा ०जाई स्त्री० सगी वहन ०जाया पु० सगो भाई
माखी स्त्री० माखी 'मक्खी'
माग स्त्री० माग मागणी (२) वाळनी पाती, सेंथो -कोखसे सुखी रहना =सौभाग्यवती ने सतानवाळी रहेवु -पट्टी करना=सेंथो पाडवो ओळवु
मागटीका पु० सेंथा परनु एक घरेणु
मागन पु० मागवु ते भीख (२) मागण, भिखारी
मागना स०त्रि० मागवु
मागलिक वि० [स] मगळ, शुभ
मागल्य पु० [स] शुभ, कल्याण
माजना स०क्रि० माजवु (२) पतगनी दोरी पावी
माझ अ० (प) मा, अदर मोमार (२) पु० अतर आतरो गाळो
माझा पु० माजो के तेनी लूगदी (२) नदी वच्चेना टापु (३) झाडनु थड
माझी पु० माजी, होडीवाळो (२) मध्यस्थ, झघडो पतवनार
माट, -ठ पु० (प) माटलु
माड पु० भातनु ओसामण, मड
माडना स०क्रि० (प) मसळवु गूदवु (२) लेप करवो
माडलिक पु० [स] मडळनो राजा
माडव पु० माडवो मडप
माडा पु० आखनो एक राग, मोतियो (२) जुओ 'पराठा' (३) माडवो
माडी स्त्री० भातनु ओसामण (२) कपडाने कराता आर
मात वि० (प) मातु मत्त (२) मात थयेलु हारेलु ०ना अ०क्रि० मानवु -ता वि० मातेलु मत्त
मात्रिक पु० [स] मत्रवाळो मतरनार
माद स्त्री० वखोल, वोड (२) वि० मद, हलकु ऊतरतु (३) पराजित
मादगी स्त्री० [फा] बीमारी (२) थाक
मादा वि० [फा] मादु बीमार (२) मद, ढीलु (३) थाकेल
माद्य पु० [स] मदता
मांस पु० [स] मासमट्टी, गोस ०ल वि० मास भरेलु तगडु -साहारी वि० [मा मास खानार
माह,-हा,-हि,-हीँ,-है अ० (प) माही,
मा स्त्री० [म] मा (२) पु० [अ] पाणी (३) प्रवाही
माइका पु० पियर, 'नहर'
माई स्त्री० मा (२) मोटी स्त्री मा॰ आदरवाचक -का लाल=उदार दानी (२) बहादुर [पौष्टिक सरवा
मा उल् लहम पु० [अ] मासनो एक
मा-क्बल अ० [अ] आगी पहेलां

माकूल वि० [अ] सयुक्तिक उचित, योग्य (२) अच्छु (३) समजदार (४) वादविवादमा निरुत्तर के अनुकूल थयेलु के मानी लेनारु
माकूस वि० [अ] ऊलटु, ऊधु
माखन पु० माखण, 'मक्खन'
माखी स्त्री०(प) माखी (२)सानामुखी
माखूज वि० [अ] दोषित, आरोपी
माखूलिया पु० [फा] गाडपण
माघ पु०[स] माह महिनो –घी वि० ते मासनु
माछ पु० (प) माछली
माछी स्त्री० माखी [प्रसग
माजरा पु०[अ] हाल वृत्तात (२) बनाव
माजिद पु० [अ] बुजरग वडील
माजिया अ० [अ] पछीथी, आगळथी
माजिरत स्त्री० [अ] बहानु उजर
माजी वि० [अ] माजी थयेलु भूतपूर्व (२) पु० भूतकाळ
माजून स्त्री०[अ] (शक्तिनी दवावाळो) मीठा अवलेह (२) भागवाळी चासणीनु चकतु
माजूर वि०[अ] नकामु (२) असमर्थ
माजूल वि०[अ] रद करेलु (२) पदभ्रष्ट
माट प० माटु कूडु (रगनु) (२) माटलु
माटा पु० लाल मकोडो
माटी स्त्री० (प) 'मिट्टी' माटी
माणिक,–क्य पु० [स] माणक
मातग पु० [स] हाथी
मात स्त्री०[अ] मात थवु ते हार (२) वि० मात हारेलु –करना, देना = मात करवु –खाना = हारवु
मातदिल वि० [अ मुअतदिल] न बहु गरम के ठडु समशीतोष्ण

मातना अ०क्रि० मातवु (जुओ 'माता'मा)
मातबर वि० [अ मुअतबर] साचु, विश्वासपात्र इतबार लायक –री स्त्री० विश्वासपात्रता [शोक वगरे
मातम प० [अ] मरणनो शोक के
मातमदारी स्त्री० शोक पाळवो ते
मातमपुर्सी स्त्री० [फा] शोकमा सात्वन देवु ते दिलासा खरखरो
मातमी वि० [फा] शोकसूचक
मातहत वि० [अ] अधीन, ताबानु
मातहती स्त्री० [फा] अधीनता ताबो
माता स्त्री० मा (२) वि० मातु मस्त (अ०क्रि० मातना) [मामी
मातुल पु० [स] मामा –ली स्त्री०
मातृ स्त्री० स] माता ०का स्त्री० मा (२) धाव आया (३) सावकी मा ०भाषा स्त्री० स्वभाषा, मादरी जबान
मात्र अ० [स] केवळ, फक्त
मात्रा स्त्री० [स] माप, प्रमाण (२) स्वर के सूरनी मात्रा
मात्सर्य पु० [स] मत्सर, द्वेष
माथा पु० माथु –टेकना=माथु नमाववु प्रणाम करवा –ठनकना=काई खराब बनावनी आगळथी शका जवी ०पच्ची, ०पिट्टन स्त्री०माथा फोड मगजमारी
माथे अ० माथा उपर (२) आशरे भरोसे –पर बल आना, पडना=चहेरा पर क्रोधनी के दुःख इ०नी करचली पडवी – ते देखावा –मानना = स्वीकारवु माथे चडाववु अगीकार करवो –मारना=खूब मथवु
मादक वि० [स] केफी नशावाळु
मादन पु० [अ], –नियात स्त्री० जुओ 'मअदन', –'नियात

मादर स्त्री० [फा] मा ०जाद वि० [फा] सहोदर (२) नग्न (३) जन्मनु
मादरी वि० माता संबंधी –ज़बान= मातृभाषा
मादा, मादीन स्त्री० [फा] मादा, स्त्री जातिनु प्राणी
मादूम वि० [अ] नष्ट, हयाती वगरनु
माद्दा पु० [अ] मूळतत्त्व (२) योग्यता (३) पर, पाच
माद्दी वि० [अ] तात्त्विक(२)स्वाभाविक
माधव पु०[स] विष्णु (२) वशाख मास (३) वसंतऋतु –वी स्त्री० एक फूलवेल
माधुरी स्त्री०[स] मीठाश, मधुरता (२) शोभा (३) शराब
माधुर्य पु० [स] मधुरता (२) सुंदरता
माधो,–धौ पु० (प) माधव
माध्यम वि०[स] वच्चलु (२) पु० वाहन, साधन –मिक वि० मध्यनु
माध्याकर्षण पु० [स] गुरुत्वाकर्षण
माध्वी स्त्री० [स] शराब
मान पु०[स] तोल, माप (२) अभिमान (३) प्रतिष्ठा आबरू (४) क्रोध रोष
मानअ पु० [अ] मनाई (२) आपत्ति
मानचित्र पु० [स] नकशो
मानता स्त्री० 'मनौती', बाधा, मानता
मानदंड पु० [स] मापवानो गज
मानना स०क्रि० मानवु
माननीय वि०[स] मानने पात्र,आदरपात्र
मानमंदिर पु० [स] कोपभवन (२) वेधशाळा [मनामणु
मान मनौती स्त्री० मानता(२)रिसामणु
मानव पु० [स] माणस ०ता स्त्री० माणसाई ०शास्त्र पु० मानव विषेनु शास्त्र 'अँथ्रोपोलॉजी'
मानवी स्त्री०[स] नारी (२) वि० मानव संबंधी (३) [अ] मायना के अर्थ संबंधी (४) अंदरनु
मानस पु०[स] मन, चित्त (२) मान सरोवर (३) वि० मानसिक ०शास्त्र पु० मनोविज्ञान [सरोवर
मानसर,–रोवर पु० हिमालयना जाणीतु
मानसिक वि० [स] मानस संबंधी
मानसी स्त्री० मानस पूजा (२) वि० मानसिक
मानसून पु०[इ] चोमासु दरियाई हवा, जे वरसाद लावे छे
मानहुँ अ० (प) माना, समजो, जाणो
मानिंद वि० [फा] समान, बरोबर
मानिक पु० माणेक [सापारी
मानिकचंदी स्त्री० एक जातनी नानी
मानित वि० [स] आदरमान पामेलु मानवंतु [मानवती (स्त्री)
मानिनी वि०स्त्री०[स] अभिमानवाळी–
मानी स्त्री०[अ] अर्थ मायनो, मतलब (२) वि०[स] मानी अभिमानी (३) सन्मानित
मानुष वि०[स] मनुष्य संबंधी (२) पु० माणस –षिक वि० मानुष –षी वि० मानुष (२) स्त्री० स्त्री
मानूस वि०[अ] हळी गयेलु, प्रिय
माने पु० [अ] 'मानी', अर्थ
मानो,–नों,–नौं (प) अ० माना के जाणो के जेम के
मान्य वि [स] माननीय आदरपात्र
माप स्त्री० माप, प्रमाण
मापना स०क्रि० मापवु, 'नापना'
माफ वि० [अ मुआफ] क्षमा करायेल जतु करेलु (नाम, –फी स्त्री०)

माफ(-फि)क्त स्त्री० माफक हावु ते
अनुकूलता (२) मेळ मत्री [प्रमाणे
माफिक वि० [अ मुवाफिक] माफक,
माफी स्त्री० माफी क्षमा (२) महेसूल
माफ करेली जमीन [हाथ ते
माफीदार पु० माफी जमीन जन मळी
मा-बका वि०[अ] बचेलु अवशिष्ट
मा बाद अ०[अ] (कशानी) पछी बाद
माबूद पु० जुआ 'मअबूद'
मा-बन अ० [अ] दरमियान
मामलत स्त्री० [अ मुआमलत] मामला
झघडा (२) मुद्दा चर्चानो विषय
०दार पु० तहसीलदार'
मामला पु० [अ मुआमला] कामधधा
(२) व्यवहार के तेनो झघडा (३)
विवादनो प्रश्न (४) मुकद्दमो -करना
=सादो के फेंसलो करवो वात पाकी
करवी (२) अदालतमा केस करवो
मामा पु० मामा (२) स्त्री० [फा]
माता (३) नाकरडी दासी (४)
रसोइयण
मामाग(-गी)री स्त्री० [फा] 'मामा'
-दासीनु काम के पद
मामी स्त्री० मामी (२) दाप विषे
मा मा-ना कहेवु-ते ना मानवा
-पीना=पातानी भूल ध्यानमा न लेवी
मामू पु० मामा [मुकरर
मामूर वि० [अ] पूर्ण (२) नियुक्त,
मामूल पु० [अ] रीत रिवाज
मामूली वि० [अ] साधारण सामान्य
(२) नियमसरनु
मायका पु० पियर [मिश्रित
मायल वि० [अ] वळेलु झुकेलु (२)
मायह स्त्री० [फा] धन, पूजी, मिलकत
माया स्त्री० [स] माया लीला (२)
धन (३) माह, भ्रम ०विनी स्त्री०,
०वी पु० बहु चालाक के ठगारु
मायावाळु [(२) बनावटी
मायिक वि० [म] मायावी भ्रामक
मायूब वि० [अ] एबवाळु (२) खराब
मायूस वि [अ] निराश (नाम -सी)
मार स्त्री० मार मारवु ते (२) पु०
[स] मार मतान ०क वि० मारे
एवु घातक [माठी घटना
मारका पु० [अ] लडाई (२) भारे
मारका पु० मारका, निशान मारकेका
=महत्त्वपूर्ण
मारकाट स्त्री० लडाई खूनरजी
मारकीन पु नानकीन कपडु
मारखोर पु० [फा] एक जातनी बकरी
मारग पु० (प) मार्ग रस्ता -मारना
=वाट पाडवी लूटवु (रस्ते जता)
मारण पु० [स] मारवु ते (२) तन्त्र-
विद्याना एक प्रयोग
मारतौल पु० हथोडा
मारना स०क्रि० मारवु
मारपेच पु० पेच युक्ति चालबाजी
मार(-रि)फत अ० (२) स्त्री० जुओ
'मारिफत [मारामारी
मारामार अ० जलदीथी (२) स्त्री०
मारिफत स्त्री० [अ] ईश्वरनु ज्ञान
(२) परिचय ओळखाण (३) साधन
'जरिया (४) अ० मारफत द्वारा
मारी स्त्री० महामारी
मारुत पु० [स] वायु मरुत पवन
मारू पु० मारू राग (२) एक मोटु
नगारु (३) वि० मारु मारनारु (४)
हृदयवेधी कातिल

मारुफ वि०[अ] जाणीतु, प्रसिद्ध (२) (व्या) मूळ (मद)
मारे अ० –नु मार्यु मारणथी
मार्का पु० 'मारका' मारका, चिह्न
मार्केट पु० [इ] बजार
मार्ग पु० [स] रस्ता [मास
मार्गशिर, मार्गशीर्ष [स] पु० मागशर
मार्च पु०[इ] मार्च महिना (२) सनानी कूच [स्त्री० सावरणी
मार्जन पु०[स] मांजवु ते, सफाई –नी
मार्जार पु० [स] बिलाडी
मार्तंड पु० [स] सूर्य
मार्दव पु०[स] मृदुता, नम्रता, कोमळता
मार्फत अ० 'मारफत', द्वारा [ममज्ञ
मार्मिक वि०[स] मर्मवाळु, मर्मवेधी (२)
माल स्त्री० माळा (२) रेंटियानी माळ (३) पु०[अ] माल, धनमाल, साधन सामग्री (४) मालमलीदा (५) महेसूल ०अदालत स्त्री० महेसूली अदालत ०असबाब पु० सरसामान [माल
माल-ए-मुफ्त पु० [अ+फा] मफतियो
मालकंगनी स्त्री० मालकांगणी
मालकियत स्त्री० [अ] मालकी
मालखाना पु०[फा] वखार गोदाम भंडार
मालगाडी स्त्री० मालगाडी
मालगुजार पु० [अ+फा] जमीनदार –री स्त्री० महेसूल
माल गोदाम पु० स्टेशननी गोदी
मालदार वि० [फा] मालदार धनिक
मालन स्त्री० माळण
मालपु(–पू)आ, मालपूवा पु० मालपुडो
मालमताअ पु०[अ]मालमता धनदोलत
माला स्त्री० [स] माळा
मालामाल वि० खूब मालदार, अमीर
मालिक पु०[अ] मालिक, धणी, स्वामी (२) प्रभु (३) [म] माळी (४) घोरी –का स्त्री० मालण (२) माळा, हार
मालिखाना पु० [फा] मालिकीहक (२) वि० मालिकनु
मालिकी स्त्री० मालकी, 'मालकियत'
मालिनी स्त्री०[स] माळण (२) एक छंद
मालिन्य पु० [स] मलिनता, मलापणु
मालियत स्त्री०[अ] संपत्ति, पूंजी (२) किंमत (३) कीमती चीज
मालिया पु० [फा] महेसूल [चोळवु ते
मालिश स्त्री० [फा] मालिस, मर्दन,
माली पु०(स्त्री० –लिन,–लिनी)माळी (२) वि० [फा] माल संबंधी, आर्थिक
मालीदा पु० [फा] जुओ 'मलीदा'
मालूम वि० [अ] मालूम, जाणलु
मावस स्त्री० 'अमावस', अमास
मावा पु० सत्त्व (२) मड (३) मावो –निकालना = खूब मारवु
माश(–ष) पु० माष, अडद –मारना = अडद मतरी कोई पर नाखवा
माशा(–सा) पु० मासो आठ रती
माशा अल्लाह् श०प्र० [अ] ईश्वर बूरी नजरथी बचावो
माशूक पु० [अ] प्रेमपात्र व्यक्ति –का स्त्री० माशूक स्त्री –की स्त्री० माशूकना भाव –के हकीकी पु०अल्ला, प्रभु
मास्की पु० मशकवाळो भिस्ती
मास पु० [स] महिनो [कहेल
मासबक वि० [अ] पूर्वोक्त, पहेला
मा-सलफ वि० [अ] थई गयेल वितत
मासा पु० जुओ 'माशा

मासिक वि० महिनानु (२) पु० मासिक पगार [त (२) मुसा
मासियत स्त्री० [अ] आज्ञा न मानवी
मा सिवा अ० [अ] सिवाय
मासी स्त्री० मासी मौसी
मासूम वि [अ] निरपराध (नाम, –मियत स्त्री)
मास्टर पु [इं] मास्तर महेताजी –री स्त्री ०नु काम के पद
माह पु० [फा] चांदो (२) मास महिना
माहजर वि० [अ] मौजुद वर्तमान
माहत स्त्री० महत्ता मोटाई
माहताब पु० [फा] महताब चन्द्र के चांदनी –बी स्त्री० जुओ महताबी
माहर वि जुओ माहिर
माह-रू, माह रुखा वि० [फा] चंद्रमुखी
माहली पु० जुओ 'महली'
माहवार अ०(२)वि० मासिक माहवारी
माहवारी स्त्री० [फा] मासिक पगार (२)वि मासिक [(३)परिणाम
माहसल पु० [अ] उपज (२) प्राप्ति
माहात्म्य पु० [ग] महिमा गौरव
माँह(–हीं) अ० (प) माही मा अंदर
माहि(–ही)यत स्त्री० [अ] कोई वस्तुनु असली तत्त्व [वार, –री'
माहियाना वि० (२) पु० जुओ माह
माहिर वि० [अ] माहर माहितगार
माहिला पु० (प) जुओ 'मल्लाह'
माहीं अ० (प) जुओ 'माहिं [मासिक
माही स्त्री०[फा] माछली (२) वि०
माही-ख्वार पु० [फा] बगलो
माहीगीर पु० [फा] माछी
माही मरातिब पु० [फा] राजधानी आगळ हाथी पर चालता मान झंडा
माहीयत स्त्री० जुओ 'माहियत
माहुर पु० विष, झेर
माहौल पु० वातावरण, 'वायुमंडल'
मिंबर पु० [अ] मसीदमां ज्यां मुल्लां बेसीने उपदेश करे छे ते जगा
मिअयार पु०[अ] कसोटीनो पथ्थर (२) सोनाचांदी तोलवाना काटा (३) धारण
मिकदार स्त्री० [अ] परिमाण माप
मिकनातीस पु०[फा] जुओ 'मकनातीस'
मिकाडो पु० जापानना राजा
मिचकना अ०क्रि० आंख पलकवी– मटमटाववी [मिचावु
मिचना अ०क्रि० ['मींचना' नु कर्मणि]
मिचलाना अ०क्रि० मचलाना ऊलटी थवा जेवु थवु
मिजराब स्त्री० [अ] मिजराफ नखी
मिजाज पु०[अ] प्रकृति स्वभाव (२) शरीर के मननी दशा (३) अभिमान –आली,–शरीफ=मजामा छो ? एवो कुशळ प्रश्न –खराब होना, बिगडना =मनमा बाध नाराजी के अस्वस्थता इ० उत्पन्न थवु –न मिलना=अभिमानने लईने कोई साथ वातचीत करवुं नहि –पाना=स्वभावथी परिचित होवु –पूछना=तबियतनी खबर पूछवी
मिजाजदार, मिजाजी वि० मिजाजी भारे अभिमानी
मिझगा स्त्री० [फा] मिश्गां' नु ब०व०
मिश्गह स्त्री० [फा] आंखनु पोपचु
मिटना अ०क्रि० मटवु रद थवु के नाश पामवु के हयात न रहवु
मिटाना स०क्रि० 'मिटना नु प्रेरक'
मिट्टी स्त्री० जमीन (२) माटी, धळ (३) राख (४) शब लाश –करना

=माटी भेगु–धूळधाणी करवु –के मोल = पाणीने भावे, खूब सस्तु –देना = दफनाववु –पलीद या बरबाद करना = दुर्दशा करवी
मिट्टीका तेल पु० ग्यासतेल
मिट्ठी स्त्री० मीठी, चुंबन [बोलनार
मिट्ठू पु० पोपट (२) मीठु – मधुर
मिठबोला वि० मीठाबोलु
मिठलोना वि० कम मीठावाळु
मिठाई स्त्री० मीठाई (२) मीठाश
मिठास स्त्री० मीठाश
मिडिल वि० [इ] माध्यमिक (शाळा)
मिडिलची प० 'मिडिल' पास थयेलो
मित वि० [स] परिमित हदनी अंदरनु (२) थोडु ०भाषी वि० थोडाबोलु –ति स्त्री० माप, सीमा
मिती स्त्री० मिति, देशी तारीख
मित्र पु० [स] भाईबंध (२) सूर्य
मिथुन पु० [स] जोडु युगल (२) मैथुन, संभोग (३) एक राशि
मिथ्या अ० [स] फोगट व्यर्थ (२) असत्य, नाशवंत
मिनकार पु० [अ] चांच (२) सारडी
मिन जानिब अ० [अ] तरफथी बाजुथी
मिन जुमला अ० [अ] कुल बधामांथी
मिनट पु० [इ] मिनिट समय
मिनती स्त्री० जुओ मिन्नत विनंती
मिनमिन अ० गूगणाते के धीमे अवाजे –नाना अ०क्रि० तेवे अवाजे बोलवु (२) सुस्तीथी काम करवु
मिनवाल पु० [अ] वणायेलु कपडु लपेटवानो साळनो भाग तर
मिनहा वि० [अ] कापी लीधेलु घटाडलु
मिन्नत स्त्री०[अ] मिन्नतजारी आजीजी –मानना = बाधा राखवी [बालवु
मिमियाना अ०नि० बकराघेटानु बें बें
मिया पु०[फा] स्वामी शेठ के पति (२) महाशय (संबोधन)(३)मिया,मुसल्मान
मिया मिट्ठू पु० जुओ 'मिट्ठू' (२) मूर्ख
मियाद स्त्री० जुओ 'मीआद'
मियान पु०[फा] मध्य भाग (२) कमर (३) स्त्री० म्यान
मियाना वि०[फा] मध्यम कदनु (२) पु० म्यानो [भाग
मियानी स्त्री०[फा]पायजामानो वच्चेनो
मिरगी स्त्री० [स मर्गी] वायुथी मूर्छा आववानो एक रोग, अपस्मार
मिरचा पु० मरचु, 'मिर्च' [डगलु
मिरजई स्त्री० एक जातनु अंदर पहेरातु
मिरजा पु० [फा] अमीर-जादो (२) राजकुंवर (३) एक उपाधि
मिरात स्त्री० [अ] दर्पण
मिर्च स्त्री० मरचु (२) मरियु
मिर्रीख पु० [अ] मंगळ ग्रह
मिल स्त्री० [इ] कारखानु
मिलन पु० [स] मळवु ते [स्त्री०
मिलनसार वि० मळतावडु, सुशील –री
मिलना स०नि० मळवु (प्रेरक मिलाना)
मिलना-जुलना स०क्रि० मळता रहेवु
मिलनी स्त्री० लग्नमां वउ पक्षना लोक मळवानो एक विधि
मिला-जुला वि० मिश्रित
मिलान पु० मळवु के मळववु ते, मेळाप मिलन (२) मळतापणु, मुकाबला (३) मेळवी के बराबर छे के केम ते तपासी लेवु ते
मिलाना स०क्रि० मिलाववु, मेळववु

मिलाप पु० मळाप मेळ; ते (२)मित्रता
मिलाव पु०, ०ट स्त्री भळाण भेग
मिलिंद पु० [स] भमरो [भळतियापणु
मिली भगत स्त्री० एनी मतलब माटे
मिल्क स्त्री० [अ] जागीर(२)जमीनदारी
मिल्कियत स्त्री० [अ] मिल्क' (२) मिल्कत
मिल्की पु० [अ] मिल्क' वाळो (जुओ मिल्क)
मिल्लत स्त्री० मळ (२) मिलनसारपणु (३) [अ] पंथ संप्रदाय
मिशन पु० [इ] उच्च उद्देश के ते साधनार मंडळ ०री पु० पादरी
मिश्क पु० [फा] मुश्क कस्तूरी
मिश्र वि० [स] भेगु सळभळ
मिश्रण पु० [स] मिश्र करवु ते करतु ते
मिश्रित वि० [स] भळवेलु भगवाळु
मिष पु० [स] बहानु (२) छळकपट (३) दाझ (४) होड सरत
मिष्ट वि० [स] मीठु मधुर
मिष्टान्न पु० [स] मीठाई मिष्ट भाजन
मिस पु० मिष बहानु [-नी स्त्री०
मिसकीन वि०मिस्कीन गरीबडु निधन
मिसरा पु० [अ] मिसरो तूक चरण
मिसरी स्त्री० साकर (२)मिसरनी भाषा (३)वि० मिसरनु (४) पु० मिसरवासी
मिस(-सि)ल स्त्री० तुमार फाईल
मिसवाक स्त्री० [अ] दातण
मिसाल स्त्री० [अ] उपमा (२) उदाहरण (३) कहेवत
मिसिल स्त्री० जुओ 'मिसल'
मिस्कल(-ला) पु० [अ] मसकलो – एक ओजार
मिस्कीन वि० [अ] जुओ 'मिसकीन'
मिस्तर पु० [अ] लाकडामा लीटी साधी रहे ते माटे कागळ नीचे राखातु आंकेलु साधन [कडियो
मिस्तरी पु० मिस्त्री कारीगर–सुतार,
मिस्र पु० [अ] मिसर इजिप्त –स्री स्त्री० (२) वि० जुओ 'मिसरी' (२ थी ४ अर्थ) [फाईल
मिस्ल वि० [अ] बराबर समान (२)
मिस्सी स्त्री० दात रगवानु एक काळु मंजन [सामग्री
मिस्सी-काजल पु० सधवानी शणगार
मिहनत स्त्री० [अ] महेनत
मिहना पु० जुओ 'मेहना' महेणु
मिहराब स्त्री० [अ] जुओ 'मेहराब'
मिहिर पु० [स] सूर्य
मींगी स्त्री० बीना अंदरनो गर मीज
मींज(-ड)ना स० क्रि० मसळवु चूंदवु
मीआ(-या)द स्त्री० [अ] हद, अवधि (वि०, -दी)
मीज़ान स्त्री० [अ] सरवाळो (२) त्राजवु
मीटर पु० [इ] मापवाना मीटर
मीठा वि० मीठु मधुर
मीठा तेल पु० तलनु तेल
मीठा पानी पु० पीवानो 'लेमन
मीठी छुरी स्त्री० विश्वासघातक (२) कपटी [तबो मूढ मार
मीठी मार स्त्री० उपरथी जणाय नहि
मीत पु० (प) मित्र
मीन पु०[स] माछली (२) एक राशि –मेख निकालना = दोष काढवा
मीना पु० [फा] मीनो मीनाकारी
मीनाकार पु०[फा] मीनानो कारीगर –री स्त्री० तेनी कारीगरी [बजार
मीना बाजार पु० चाकसीनु दरदागीनानु

मीमांसक पु० [सं] मीमांसानो पंडित
मीमांसा स्त्री० [सं] एक दर्शन (२) गंभीर मनन ने विवेचन
मीनार स्त्री० [अ मनार] मिनारो
मीयाद,-दी स्त्री० जुओ 'मीआद,-दी'
मीर पुं०[फा] अमीर (२) धर्माचार्य (३) समासमां 'सौथी मोटुं वडुं' ए अर्थमां उदा० -अदल पु० वडो न्यायाधीश(४) शरतमां-हरीफाईमां पहेलो आवनार (५) पत्तामां राजा
मीरास स्त्री०[अ] वारसो (वि०,-सी)
मीरी स्त्री० अमीरी (२) पु० जुओ 'मीर'
मील पु० माईल
मुंगरा पु० मोगरो – मोटी मोगरी
मुंगरी स्त्री० ठोकवानी मोगरी
मुंड पुं०[सं] माथुं (२) वि० मूंडेलुं बोडुं (३) नीच, अधम [फकीर
मुंडचिरा पु० पोता पर घा करी मागतो
मुंडन पु० [सं] माथुं मूंडावुं ते
मुंडना अ०क्रि० माथुं मूंडावुं (२) लूटावुं के ठगावुं
मुंडा पु० तालियो बोडियो (२) मूंडाईने चेलो थयेलो ते, मूंडियो (३) वि० बोडुं कांई ते, जेम के, मुंडा (शींगडा वगरनो) बैल, (डाळ पान वगरनुं) वृक्ष, इ०
मुंडाई स्त्री० मूंडामण
मुंडिया पु० मूंडिया, साधु
मुंडी स्त्री० बोडी स्त्री विधवा (२) [म] पु० मूंडियो (३) हजाम
मुंडेर स्त्री० -रा पु० मकाननी छतनी सौथी उपरनी धारनी दीवाल
मुतकिल वि० जुओ 'मुतकिल'
मुतजिब वि० जुओ 'मुतखिब'
मुतजिम वि० जुओ 'मुतजिम'
मुतजिर वि० जुओ 'मुतजिर'
मुतही वि० जुओ 'मुतही'
मुंदना अ०क्रि० बुरावुं, ढंकावुं, बंध थवुं
मुंशियाना वि०[फा] मुनशीना जेवुं
मुंशी पु० [अ] मुनशी, लखनार
मुंसरिम पु० [अ] (दफतरनो) मुख्य कामदार, व्यवस्थापक -मी स्त्री० तेनुं काम के पद
मुंसलिक वि०[अ] साथे जोडेलुं के बीडेलुं
मुंसिफ पु०[अ] न्यायाधीश, मुनसफ (२) क्रिकेटनो 'अंपायर' -फाना वि० न्याययुक्त [कचेरी
मुंसिफी स्त्री० मुनसफनुं काम, पद के
मुंह पु० मों -छूना=उपर उपरथी, विवेकनुं कहेवुं -दर मुंह=सामे, रूबरू -देखेका = उपर उपरनुं देखाव पूरतुं -धो रखना, लेना=आशा छोडवी -निकल आना=चहेरो ऊतरी-पडी जवो (रोग कमजोरी के शरमथी) -पडना = (रहेवा) हिंमत होवी -पर पानी फिर जाना = चहेरा पर पाणी आववुं-खुश थवुं -पर रखना = चाखवुं (२) तमाचो मारवो -पर लाना = मुखथी कहेवुं – बणववुं -पाना = रूख-मरजी जोवी -पेट चलना = झाडा ऊलटी थवां -फलाना= (लोभथी) घणुं मागवुं लेवुं -भरके = मनमान्युं खूब -भरना = लांच आपवी -मुलाहजेका = परिचित -में थूक बिलोना = खाली थूंक उडाडवुं -लगना = माथे चडी लागवुं मों चढवुं -लगाना = मोढे चडाववुं
मुंह-अंधेरे,-उजाले अ० भरभाखळुं थयं, परोढिये

मुह अलरी वि० (प) मौखिक
मुहकाला वि० काळु मो करेलु वेआबरू
मुह छुट वि० जुओ 'मुह फट' (नाम, –टाई स्त्री०) [–री स्त्री०
मुहजोर वि० बहुबोलु (२) आखाबोलु
मुहतोड वि० जडबातोड (उत्तर)
मुहदिखाई स्त्री० नवी वहुनु मा जावानी गीत के त्यार तेर अपातु धन
मुहदेखा वि० देखाडा पूरतु, कृत्रिम
मुहफट वि० आखाबोलु
मुहबंधा पु० जन साधु (मा पर पट्टी बाधे त परथी) [एवु (सगु)
मुहबोला वि० कहेवानु, खरेखर नहि
मुहभर अ० सारी पेठे धराईने
मुहभराई स्त्री० लाच
मुहमागा वि० मामाग्यु
मुहामुह अ० छलोछल मो सुधी
मुहामुही स्त्री० बोलाबोली तकरार
मुहासा पु० जुवानीमा थतो खील
मुअज्ज(–ज्जि)न पु० मसीदनो अज्ञान पोकारनार [(माणस)
मुअज्जम वि० [अ] प्रतिष्ठित, मोटु
मुअज्जिज वि० [अ] इज्जतदार प्रतिष्ठित
मुअज्जिन पु० [अ] जुओ 'मुअज्जन'
मुअतदिल वि० [अ] जुओ 'मातदिल'
मुअतबर वि० [अ] जुओ 'मातबर'
मुअत्तल वि० [अ] (दड रूपे) अमुक समय कामथी बरतरफ करायेलु
मुअद्दिब वि० [अ] अदबवाळु विनयी
मुअद्दिब पु० [अ] अदब शीखवनार
मुअन्नस पु० [अ] मादा (२) स्त्रीलिंग
मुअम्मा पु० [अ] भेद रहस्य (२) गोटाळो
मुअय्यन वि०[अ]नक्की करेलु, निश्चित
मुअल्लक वि० [अ] लटकतु
मुअल्ला वि० [अ] सर्वोच्च (२) माय
मुअल्लिम वि० [अ] इल्म –ज्ञान देनार, शिक्षक –मा स्त्री० शिक्षिका –मी स्त्री० शिक्षकनो धधो
मुअस्सिर वि० [अ] असरकारक, प्रभावयुक्त
मुआफ वि०[अ]माफ (नाम –फी स्त्री०)
मुआफिक वि० [अ] माफक, अनुकूल (२) सरखु बराबर, जड मळतु –त स्त्री० माफक होव त
मुआफी स्त्री० [अ] माफी
मुआमलत स्त्री० [अ] जुओ 'मामलत'
मुआमला पु० [अ] जुओ 'मामला'
मुआयना पु० [अ] तपास निरीक्षण
मुआलिज पु० [अ] इलाज करनार
मुआलिजा पु० [अ] इलाज चिकित्सा
मुआवजा पु० [अ] मुआजव बदलो के महेनताणु या वळतर
मुआहदा पु० [अ] निश्चय करार
मुकत्ता वि० [अ] कापी करीने ठीक करेलु (२) सभ्य शिष्ट
मुकद(–द्द)मा पु० [अ मुकद्दमा] मुकदमो दावा –मेबाज वि० दावा लडवानु रसियु –मेबाजी स्त्री०
मुकद्दम वि० [अ] कदमी प्राचीन; पुराणु (२) जरूरी (३) पु० मुखी, नेता
मुकद्दमा पु० [अ] जुओ 'मुकदमा
मुकद्दर वि० [अ] गदु, मेलु (२) क्षुब्ध
मुकद्दर पु० [अ] नसीब
मुकद्दस वि० [अ] पाक, पवित्र
मुकम्मल वि० [अ] सपूर्ण

मुकरना अ०क्रि० मुकरी जवु क्हीन फरी जवु
मुकरब पु० घनिष्ठ मित्र [-मा]
मुकरम वि० [अ] समान्य, पूज्य (स्त्री०
मुकरर अ० [अ] बीजी वार, फरीथी
मुकरर वि० [अ] मुकरर नक्की थयल (२) नियुक्त (नाम, -री स्त्री०)
मुकर्रिर वि० [अ] वक्ता, 'तकरीर' के व्याख्यान करनार
मुकव्वियात स्त्री० [अ] पौष्टिक दवाओ
मुकव्वी वि० [अ] पौष्टिक
मुकाबला पु०[अ] साममामा आवी जवु ते, मुठभेड' (२)टरीफाई(३)मुकाबलो, तुलना (४) विरोध
मुकाबिल पु०[अ] हरीफ (२) विरोधी शत्रु (३) अ० सामे, आगळ
मुकाम पु० [अ मकाम] जगा, मुकाम उतारो (२) स्थान अवसर
मुकामी वि० स्थानिक (२) कायम
मुकिर वि०[अ] एकरार करनार साख (२) दस्तावेज लखनार
मुकुट पु० [स] मुगट, ताज
मुकुर पु० [स] दपण
मुकुल पु० [स] कळी -लित वि० कळीवाळु (२) अध खीलेलु (३) पलकतु (नेत्र)
मुकैयद वि० [अ] केद करायेलु
मुक्का पु० मुक्का घुम्मो -क्की स्त्री० मुक्केबाजी मुक्कामुक्कीनी लडाई (२) धीमी मुक्कीथी शरीरनी चपी
मुक्त वि०[स] छूटेलु छूटु बधनरहित
मुक्ता स्त्री०, ०फल पु०[स] मोती
मुक्ति स्त्री०[स] छूट छुटकारा मोक्ष
मख पु० [स] माढु

मुखडा पु० मुखडु, चहेरा
मुखतार पु०[अ]मुख्त्यार,एलची वकील
मुखतार-ए आम पु० [अ] मुख्त्यार नामावाळो, प्रतिनिधि
मुखतारनामा [अ+फा]पु०मुखत्यारनामु
मुखतारी स्त्री०[फा] 'मुखतार' नु काम के पद
मुखन्नस वि० [अ] नपुसक [सक्षिप
मुखफ्फफ वि०[अ] सक्षिप्त (२) पु०
मुखबध पु० [स] प्रस्तावना (प्रथना)
मुखबिर पु०[अ] जासूस -री स्त्री० जासूसी
मुखर वि०[स] वोलकणु(२)कडवाबोलु
मुखलिस वि०[अ] एकलु(२)अविवाहित
मुखलिसी स्त्री०[अ] छुटकारा मुक्ति
मुखशुद्धि स्त्री०[स] मुखवास (२) मो दात इ० साफ करवु ते [करेलु
मुखस्थ, मुखाग्र वि०[स] कठस्थ, मोढे
मुखातिब वि०[अ] कहेवा के साभळवा प्रवत्त थनार, सम्मुख थनार
मुखापेक्षा स्त्री०[स] कोईना मो सामे ताकवु ते आश्रितता
मुखापेक्षी पु० आश्रित, मुखापेक्षावाळो
मुखालिफ वि०[अ] विरोधी (२) शत्रु (३) ऊलटु ०त स्त्री० विरोध, शत्रुता
मुखासमत स्त्री० [अ] शत्रुता
मुखिया पु० मुखी नायक
मुखिल वि० [अ] खलेल पाडनार विघ्नकर [(२) भिन्न
मुख्तलिफ वि०[अ] जुदु जुदु विविध
मुख्तसर वि०[अ] मुखतसर टूकु (२) थोडु, अल्प ०न अ० टूकमा
मुख्तार पु० [ ] जुआ 'मुखतार'
मुख्य वि०[स] प्रधान गौण आगळ वडु

मुगदर पु० [स मुदगर] मगदळिया
मुगल पु०[फा] मागलनो वतनी (२) मोगल जाति ०ई वि० मोगलाई
मुगलाई वि० (२) स्त्री० मोगलाई
मुगलानी स्त्री० मोगल स्त्री (२) दासी (३) कपडा सीवनार स्त्री
मुगालता पु०[अ] छळ कपट, दगो (२) भूल, भ्रम
मुगीस वि० [अ] (दावामा) वादी
मुग्घम वि० मोघम अस्पष्ट –रहना= चूप रहवु (व्यक्तिए) (२) स्पष्ट न थवु
मुग्ध वि० [स] माहित (२) भोळु
मुचलका पु०[तु] मुचरको जामिनखत
मुछदर प० मोटो मुछाळा (२) कुरूप ने मख माणस
मुजक्कर पु० [अ] पुंलिंग (२) नर
मुजतर(०ब) वि०[अ] बचेन व्याकुळ
मुजदा स्त्री० जुओ 'मुझदा'
मुजफ्फर वि० [अ] विजयी
मुजबजब वि०[अ] गोटाळामा पडेलु अनिश्चित अस्थिर
मुजम्मत स्त्री०[अ मजम्मत] बूराई निंदा
मुजरा पु० [अ] जारी करेलु ते (२) मुजरे के मजरे करवु ते मजरो (३) मुजरो सलाम (४) वेश्यानु नाच वगरनु साद गायन
मुजरिम पु० [अ] आरोपी गुनेगार
मुजरत स्त्री०[अ मजरत] हानि नुकसान
मुजरद वि०[अ] कुवारु (२) एकल
मुजरब वि० [अ] अजमावेलु तपासेलु
मुजल्लद वि० [अ] 'सजिल्द –पूठानी बाधणीवाळु (पुस्तक) [मूर्तिमत
मुजस्स(–स्सि)म वि० [अ] साक्षात
मुजाअफ वि० [अ] मुजाफ्त बमणु
मुजायका पु० [अ] बाधा हरकत, नुकसान
मुजारा वि० [अ] समान बराबर
मुजाव–(वि)र प०[अ मुजावर] 'मजार' –कबर जेवा स्थाननो रक्षक के पूजारी
मुजाहिद प० [अ] जेहाद लडनार
मुजिब अ० मुजब प्रमाणे (२) पु० कारण हेतु
मुजिर वि० [अ] हानिकारक खराब
मुझ स० 'म'नु १ली तथा ६ठ्ठी विनानी विभक्तिआमा थतु रूप उदा० 'मुझको'
मुझदा स्त्री० [अ] शुभ खबर
मुझे स० मने ('म'नु २जी ४थीनु रूप)
मुटका पु० मुकटो रेशमी अबोटियु
मुटाई स्त्री० स्थूलता जाडपण (२) मोटाई अभिमान
मुटाना अ०क्रि० मोटा (शरीरे जाडा के अभिमानी) थई जवु
मुटासा वि० बेपरवा न घमडी
मुटिया पु० मजूर हेल्करी
मुट्ठा पु० मुठ्ठा (२) मूठ हाथो
मुट्ठी स्त्री० मुट्ठी (२)चपी –भरना = पग दाबवा चपी करवी
मुठभेड स्त्री० झघडा लडाई,अथडामण
मुठिया स्त्री० दस्तो, हाथा (२) मुठ्ठी
मुडना अ०क्रि० माडावु वळवु वाकु थवु
मुडहर पु० साल्लानो माथावटीनो भाग
मुडिया पु० मूडिया माथु मूडावेलो
मुतअद्दद वि० [अ] अनेक, कई
मुतअद्दी वि० [अ] चेपी (राग) (२) (व्या) सकर्मक
मुतअल्लिक वि० [अ] 'तअल्लुक –सबध रावतु (२) अ० ए सबध विष बाबत

मुतअल्लिकीन पु० [अ] सबधी लोको, सगासबधी आश्रित लोको

मुतकल्लिम वि० [अ] (व्या) बोलनार – पहेलो पुरुष [धूत

मुतफन्नी वि० [अ] पहोचेल, चालाक,

मुतफर्रिक वि० [अ] तफरके–अस्तव्यस्त थयलु (२) विविध, तरेहवार

मुतबन्ना पु० [अ] दत्तक पुत्र

मुतबर(–रि)क वि० [अ मुतबरक] मुबारक (२) पवित्र

मुतमइन वि० [अ] सतुष्ट (२) शात

मुतमौवल वि० [अ मुतमव्विल] धनी, अमीर [वादक, तरजुमो करनार

मुतरज्जिम वि० [अ मुतरजिम] अनु-

मुतरिब पु० [अ] गायक (नाम, –बी)

मुतलक अ० [अ] जरा पण, मुतल्ग

मुतलाशी वि० [अ] तलाश करनार

मुतवज्जह वि० [अ] ध्यान देनार

मुतवातिर अ० [अ] सतत, लगातार

मुतसद्दी पु०[अ] मुत्सद्दी, मुनशी, महेलो के प्रबध करनार [सहनशील

मुतहम्म(–म्मि)ल वि०[अ] सहिष्णु,

मुतहैयर वि० [अ] आश्चयचकित

मुताबिक अ०[अ] अनुसार प्रमाणे (२) वि० अनुकूल (नाम, मुताबिकत स्त्री०)

मुतालबा पु०[अ] बाकी मागती रकम–लेणु [स्वाध्याय

मुताला पु० [अ] भणवु ते अभ्यास,

मुतास्सिब वि० [अ] कट्टर चुस्त

मुतास्सिर वि०[अ] असर तळे आवेलु

मुताह पु०[अ] शिया मुसलमानोमा थतो अमुक अस्थायी विवाह [रखात

मुताही स्त्री० 'मुताह' करेली स्त्री (२)

मुत्तफिक वि०[अ] सहमत, एकमतवाळु

मुत्तसिल वि० [अ] पासेनु, सबद्ध

मुत्तह(–हि)द वि०[अ] जोडे मळेलु, सयुक्त

मुद पु० [स] हर्ष, आनद

मुदब्बिर पु०[अ] सलाहकार, अमात्य

मुदम्मिग वि० [अ] अभिमानी

मुदर्रिस पु०[अ] शिक्षक –सी स्त्री० शिक्षकनु काम

मुदल्लल वि०[अ] दलीलवाळु, तर्कसिद्ध

मुदल्लिल वि० [अ] दलील करनार

मुदाखलत स्त्री०[अ] जुओ 'मदाखिलत'

मुदाम अ० [अ] सदा (२) सतत

मुदामी वि० सदा हयात

मुदारात स्त्री० [अ] आगतास्वागता

मुदित वि० [स] राजी थयेलु प्रसन्न

मुद्गर पु० [स] मगदळ

मुद्दआ पु०[अ] मुद्दो अभिप्राय मतलब

मुद्दई पु० [अ] दावा करनार, वादी (२) शत्रु, मूदई (स्त्री० मुद्दया)

मुद्दत स्त्री० [अ] मुन्त अवधि (२) समय, अरसो

मुद्दा-अलेह, मुद्दालेह पु० [अ] प्रतिवादी

मुद्दया स्त्री० [अ] जुओ 'मुद्दई'मा

मुद्रक पु० [स] छापनार

मुद्रण पु० [स] छापवु ते

मुद्रणालय पु० [स] छापखानु

मुद्रा स्त्री० [स] छाप महोर (२) वीटी (३) टाईप, बीबु (४) अभिनयनी मुद्रा

मुद्राक्षर पु० [स] छापवाना अक्षर, बीबु

मुद्रायत्र पु० [स] छापखानानु यत्र

मुद्रिक,–का स्त्री० [स] वीटी

मुद्रित वि० [स] छापेलु (२) मीचेलु

मुधा अ० [स] वृथा (२) वि० व्यर्थ (३) असत्य

मुनकिर वि० [अ] इन्कार करनार (२) नास्तिक
मुनक्का पु० [अ] माटी किसमिस
मुनगा पु० गरगवा [वातरकाम
मुनब्बतकारी स्त्री० [अ] पथ्थर परनु
मुनसिफ पु० जुओ 'मुसिफ'
मुनहनी वि० [अ] वळेलु वाकु (२)मूवलु
मुनहरिफ वि० [अ] वक्र (२) विरोधी
मुनहसिर वि०[अ] आश्रित आधारवाळ
मुनाजरा पु० [अ] वादविवाद, चर्चा
मुनादी स्त्री० [अ] ढंढेरो
मुनाफा पु० [अ मुनाफअ] नफो
मुनासिब वि० [अ] मुनासब योग्य, ठीक (२) अ० प्रमाणे अनुसार
मुनीब(-म) पु० [अ] मुनीम (२) मददगार
मुनीश,-श्वर पु० [स] श्रेष्ठ मुनि
मुन्तकिल वि० [अ] स्थानांतर करेलु के थयेलु
मुन्तखिब वि०[अ] चूंटायल 'मनोनीत'
मुन्तजिम वि०[अ] 'इतजाम' करनार
मुन्तजिर वि० [अ] इतेजार
मुन्तही वि० [अ] पूण
मुन्ना पु०, -न्नी स्त्री० प्रिय प्यारा (नानाने माटे प्रेमनो शब्द)
मुफलिस वि० [अ] गरीब रक -सी स्त्री० गरीबाई
मुफसदा पु०[अ] फिसाद झगडा (२)दगा
मुफसिद वि०[अ] फिसादखोर उपद्रवी
मुफस्सल वि०[अ] विगतवार विस्तृत (२)पु० मुफसिल मुख्य नगर बहारना प्रदेश
मुफारकत स्त्री० [अ] जुदाई, वियोग
मुफीज वि०[अ] गुणकारक उपकारक
मुफीद वि०[अ] फायदेमद, लाभकारी
मुफ्त वि०[अ] मफतनु -में=मफत (२) व्यथ नकाम [मफतियापणु
मुफ्तखोर प० मफतियो -री स्त्री०
मुफ्ती वि० मफतनु (२) पु०[अ] मुफ्ती, मुसलमान धमशास्त्री
मुबतला वि० जुओ 'मुब्तला'
मुबद्दल वि० [अ] बदलायेल
मुबनी वि० [अ मबनी] आश्रित
मुबर्रा वि०[अ]पवित्र साफ (२) निर्दोष
मुबलिग प०[अ] रकम (धाती) (२) वि० कुल नक्की [अदलबदल
मुबादला पु० [अ] मावदलो अवेज
मुबादा अ० [फा] कदाच रखे ने
मुबारक वि०[अ] शुभ भलु मगळ ०बाद(-दी),मुबारकी स्त्री० धन्यवाद
मुबाल(-लि)गा पु०[अ] अतिशयोक्ति
मुबाह पु० [अ] (कुरानमा) विहीत शास्त्रविधियुक्त ['बहस
मुबाहिसा पु०[अ] वादविवाद चर्चा,
मुब्तदी पु०[अ] शिखाउ नवो विद्यार्थी
मुब्तला वि०[अ] (रोग के सकटमा) सपडायेल
मुमकिन वि० [अ] सभवित, शक्य
मुमतहिन पु०[अ] परीक्षक मुम्तहिन
मुमताज वि० [अ] माननीय
मुमलकत स्त्री० [अ मम्लुकत] राज्य सल्तनत
मुमानअत, मुमानिअ(-य)त स्त्री०[अ] मुमानियत मनाई निषेध
मुमानी स्त्री० मामी
मुमुक्षा स्त्री०[स] मोक्षनी इच्छा -क्षु वि० तेनी इच्छावाळु [उमेदवार
मुम्तहन पु०[अ] परीक्षार्थी परीक्षाना

मुस्तहिन पु० [अ] परीक्षक
मुरकना अ०क्रि० मरडावु वळवु, झूकवु (नाम, मुरक स्त्री०)
मुरगा पु० [फा मुग] (स्त्री०–गी) मुरघो
मुरगाबी स्त्री० मुरघावी जळकूकडी
मुरचग पु० मोरचग, माथी वगाडवानु एक वाद्य
मुरज पु० [स] मदग
मुरझाना अ०क्रि० करमावु (२) सुस्त के खिन्न थवु
मुरतकिब पु० जुओ 'मुतकिब'
मुरतहिन पु० जुओ 'मुतहि'
मुरतिद पु०[अ] इस्लाम छोडी देनार
मुरत्तब वि० [अ] क्रमबद्ध
मुरत्तिब पु० [अ] क्रममा गोठवनार
मुरदन पु० जुओ 'मुर्दा'
मुरदनी स्त्री० जुओ 'मुर्दनी'
मुरदा पु० जुओ 'मुर्दा'
मुरदार वि० [फा] मुडदाल, मत (२) अपवित्र (३) पु० लाश मडदु
मुरब्बा पु० [अ] मुरब्बो (२) समचोरस (३) वि० वग (सख्यानो)
मुरब्बी पु० [अ] वाली, वडील
मुरमुराना अ०क्रि० चरेचूरा थई जवु
मुरली,–लिका [स] –लिया (प) स्त्री० मोरली बसी
मुरव्वज वि०[अ]रिवाज पडेलु प्रचलित
मुरव्वत स्त्री० [अ] सज्जनता शील, सारमाणमाई (२) जुओ 'लिहाज'
मुरशिद पु० [अ] गुरु (२) पूज्य व्यक्ति
मुरस्सा वि० [अ] जडाउ नग जडेलु ०कार पु० नग जडनार कारीगर
मुर(–ल)हा वि० मूल नक्षत्रमा जन्मेलु (२) तोफानी (३) अनाथ

मुराद स्त्री० [अ] इच्छा अभिलाषा –पाना=मुराद बर आववी –मागना= मुराद पूरी करवा प्रार्थना करवी
मुरादी वि० [अ] मुरादवाळु
मुराफा पु० [अ] अपील (अदालतमा)
मुरासला पु०[अ मुरासिल] पत्र, कागळ
मुरासलात पु० [अ] 'मुरासला' नु ब व (२) पत्रव्यवहार
मुरीद पु० [अ] चेलो, शिष्य
मुरेठा पु० फेंटो, साफो
मुरौवज वि० जुओ 'मुरव्वज'
मुरौवत स्त्री० जुओ 'मुरव्वत'
मुर्ग पु० [फा] मुरघो –र्गी स्त्री० मुरघी
मुर्तकिब पु० [अ] अपराधी, गुनेगार
मुर्तहन वि० [अ] गीरो राखेलु
मुर्तहिन पु० [अ] गीरो राखनार
मुर्दन पु० [फा] मरण
मुर्दनी स्त्री० [फा] मरणना (मुख परना) चिह्न (२) मरणयात्रा के तेमा जवु ते
मुर्दा पु० [फा] मडदु
मुर्रा पु० मरडो
मुर्री स्त्री० दोरानी एक साथ (२) कपडानी कल्ली करी टगावता पहेला वळ आप छे ते (३) आमळीने करेली दिवेट के ओटी
मुर्शिद पु० [अ] जुओ 'मुरशिद'
मुलक पु० जुओ 'मुल्क' [हसवु
मुलकना अ०क्रि० (प) मलकवु धीमेथी
मुलकी वि० जुओ 'मुल्की'
मुलजिम वि० [अ] आरोपी, अपराधी
मुलतवी वि० [अ] जुओ 'मुल्तवी'
मुलमची पु० गिलेट चडावनार
मुलम्मा पु०[अ] गिलेट, ढोळ ०गर, ०साज पु० गिलेट करनार

मुलहा वि० जुओ 'मुरहा
मुलाक़ात स्त्री [अ] मळाप भेट (२) मेळ परिचय
मुलाकाती पु० मुलाकात लेनार अथवा परिचित व्यक्ति [मळनार
मुलाकी पु० [अ] मुलाकात लेनार,
मुलाजिम पु० [अ] नोकर सेवक
मुलाजिमत स्त्री० [अ] नोकरी सेवा
मुलायम वि० [अ] मृदु नाजुक (२) मद धीमु –करना=नरम, शात करवु –चारा=हलको खाराक (२) महेज वीजानी वालमा फसाय एवु (३) सुप्राप्य (४) नाजुक शरीरनु
मुलायम(–मिय)त [अ] मुलायमी स्त्री० मुलायमपणु
मुलाहजा पु०[अ] दखरेख (२) मलाजो, मर्यादा (३) आदरयुक्त नम्र वतन
मुलेठी स्त्री० जठीमध
मुलयन वि० [अ] रेचक
मुल्क पु०[अ] मुल्क देश (२) राज्य ०गीरी स्त्री० वीजा देश जीतवा ते ०दारी स्त्री० राज्यवहीवट शासन –ल्की वि० मुल्की दशी (२) लश्करीथी ऊलटु [मावूफ
मुल्तवी वि० [अ] मुलतवी स्थगित,
मुल्ला पु० [अ] मुल्ला (२) शिक्षक (मस्जिदनो) ०नी स्त्री० मुल्लानी स्त्री
मुवक्किल पु० [अ] वकीलनो असील
मुवज्जह वि० [अ] तकशुद्ध योग्य
मुवज्जिन पु० [अ] अजान वे बाग पोकारनार
मुवना अ०क्रि०(प)मरवु (प्रेरक मुवाना)
मुवर्रिख पु० [अ] इतिहासकार
मुवस्सिर वि० [अ] असरकारक
मुवाफक्त वि० [अ] जुआ 'माफक्त'
मुवाफिक वि० [अ] माफक अनुकळ(२) समान बराबर (३) योग्य, उचित
मुशज्जर पु० [अ] एक जातनु छापलु भातीगर कपड
मुशफिक वि० [अ] दयावान, महेरवान (२) दोस्त मित्र [मुशाबह'
मुशब्बह वि० [अ] समान तुल्य
मुशरफ वि० [अ] उच्च (२) माननीय
मुश(–ष)ल पु० [स] मूसळ, सावेलु
मुशाइ(–य)रा पु०[अ]जुआ 'मुशायरा'
मुशाबह वि० [अ] मळतु समान (नाम मुशाबहत स्त्री०)
मुशायरा पु० मुशायरो, कविसमेलन
मुशाहदा पु० [अ] देखवु ते दर्शन
मुशाहरा पु० [अ] मुसारो पगार
मुशाहिद वि० [अ] देखनार प्रेक्षक
मुशाहीर पु० [अ मशाहीर] मशहूर लोक
मुशीर पु० [अ] सलाहकार (२) वजीर
मुश्क पु० [फा] कस्तूरी (२) स्त्री० भुजा खभा कोणी वच्चेना हाथनो भाग मुश्कें कसना या बाधना= मुश्केटाट बाधवु
मुश्किल वि० [अ] मुश्केल (२) स्त्री० मुश्केली मुसीबत [परमेश्वर
मुश्किल कुशा पु० [अ +फा] दु खभजन
मुश्की वि०[फा] कस्तूरीना रगनु काळ (२) कस्तूरीवाळु
मुश्त पु० [अ] मूठी
मुश्तबह वि० [अ] सदिग्ध
मुश्तमिल वि०[अ] भेगु सामेल थयेलु समिलित जोडायलु
मुश्तरक,–का वि० [अ] सयुक्त भेगु
मुश्तरिक वि० [अ] भागीदार

मुश्तहर वि० [अ] प्रसिद्ध, प्रकाशित
मुश्तहिर वि०[अ] प्रकाशक, प्रसिद्धकर्ता
मुश्ताक वि० [अ] मुस्ताक, इच्छुक, आतुर, भारे कामनावाळु (२) शाखवाळु (३) आशक, प्रेमी
मुषल पु० जुओ 'मुशल' [मूठ
मुष्टि स्त्री०[स] मूठी (२) मुक्का (३)
मुसकराना अ०क्रि० मुस्कावु मद हसवु
मुसकराहट स्त्री० स्मित मुस्कावु ते
मुसकाना अ०क्रि० मुस्कावु, मरकावु
मुसजर पु० (प) जुओ 'मुशज्जर'
मुसद्दका वि०[अ] तपासेलु प्रमाणित
मुसद्दस पु० [अ] षटकोण (२) छप्पो
मुसद्दिक पु० [अ] तपासनार
मुसना अ०क्रि० चोरावु
मुसन्ना पु० [अ] नकल के पहोचनु अडधियु [लेखिका
मुसन्निफ पु०[अ] लेखक -फा स्त्री०
मुसप्फा वि० [अ] शुद्ध साफ
मुसब्बर पु० [अ] एक दवा
मुसम्मन वि० (२) पु०[अ] अष्टकोण
मुसम्मम वि० [अ] पाकु दढ
मुसम्मा वि० [अ] नामी नामवाळु
मुसम्मात स्त्री०[अ] श्रीमतीनी माफक स्त्रीओना नामनी साथ जोडाय छे उदा० मुसम्मात हमीदा (२) स्त्री
मुसरिफ वि० [अ] खर्चाळ उडाउ
मुसरत स्त्री० [अ] खुशी, आनद
मुसल्मान पु०[फा]इस्लामनो अनुयायी -नी वि० ते सबधी (२) स्त्री० सुन्नत (३) मुस्लिम स्त्री [मुसलमान
मुसलमीन पु० ['मुस्लिम'नु ब०व०]
मुसलसल वि० [अ] क्रमबद्ध क्रमिक
मुसलाधार अ० मूसळधार
मुसलिम पु० जुओ 'मुस्लिम' ०लीग स्त्री० ए नामनी सस्था ०लीगी पु० ते सस्थानो सभ्य
मुसलि(-ले)ह वि० [अ] सुधारक
मुसल्लम वि० [फा] मान्य, मजूर (२) साबूत अखड (३) पूरु, कुल
मुसल्लस पु० [अ] त्रिकोण
मुसल्लह वि० [अ] सशस्त्र
मुसल्ला पु० [अ] नमाजनो मुसल्लो
मुसवद्दा पु० 'मसविदा', मुसद्दो
मुसव्विर पु०[अ] चित्रकार -री स्त्री० चित्रकळा
मुसहर पु० एक जगली जातनो माणस -रिन स्त्री० तेनी स्त्री
मुसहिल वि० [अ] रेचक
मुसाफहा पु० [अ] मळती वखते मित्र जोड हाथ मेळववो ते
मुसाफिर पु० [अ] मुसाफर ०खाना पु० धरमशाळा ०गाडी स्त्री० रेल्वे ट्रेन ०त,-री स्त्री० [अ] मुसाफरी
मुसाल्हत स्त्री० [अ] जुओ 'मसाल्हत'
मुसावात स्त्री० [अ] बराबरी समानता
मुसावी वि० [अ] बराबर तुल्य (२) समातर (लीटी)
मुसाह(-हि)ब पु०[अ] साथी, हजूरमा रहेनार ०त,-बी स्त्री० सग साथ
मुसीबत स्त्री० [अ] मुश्केली कष्ट
मुस्कराना अ क्रि० जुओ 'मुसकराना -हट स्त्री० जुओ 'मुसकराहट'
मुस्किरात पु० [अ] मादक पदार्थो
मुस्तडा वि० हृष्टपुष्ट (२) बदमाश
मुस्तअफी वि० [अ] 'इस्तीफा'-राजीनामु देनार
मुस्तकबिल पु० [अ] भविष्यकाळ

मुस्तक्लि वि० [अ] दृढ, स्थिर (२) मुस्ताक मजबूत
मुस्तकीम वि० [अ] सीधु टटार
मुस्तगीस पु०[अ] दावेदार फरियादी
मुस्ततील पु० [अ] ल्यचारस
मुस्तनद वि० [अ] प्रमाणभूत
मुस्तफा वि०[अ] शुद्ध (२) पु० शुद्ध दुगुणरहित पुरुष [आगावाळु
मुस्तफीज वि०[अ] लाभ के उपकारनो
मुस्तफीद वि० [अ] फायदा चाहतु
मुस्तवी वि० [अ] समतल, सपाट
मुस्तस्ना वि०[अ] अलग पडनु जुदु (२) अपवादरूप [पात्र
मुस्तहक वि०[अ] अधिकारी, हक्दार
मुस्तहक्म वि० [अ] दृढ (२) गाजरी
मुस्तेमल वि०[अ] उपयोगमा आवतु–वपरातु [–दी स्त्री०
मुस्तद वि० [अ] तत्पर (२) चालाक
मुस्तौजिर पु०[अ] ठेकेदार, इजारदार –री स्त्री० ठेका इजारो
मुस्तौफी पु०[अ] अवेषक 'आडिटर'
मुस्बत वि०[अ] प्रमाणित सिद्ध (२) (व्या) हकारवाचक
मुहकम वि० [अ] दृढ पाकु
मुहकमा पु० [अ] महकमा खातु विभाग [ठीक सार
मुहक्कक वि०[अ]अजमावी जोयेलु (२)
मुहक्किक पु०[अ]परीक्षक अजमावनार
मुहज्जब वि० [अ] शिष्ट सभ्य
मुहतमिम पु० [अ] व्यवस्थापक
मुहताज वि० [अ] गरीब कगाळ (२) आश्रित (नाम,–जी स्त्री०) [जाणनार
मुहद्दिस पु० [अ] 'हदीस–धर्मशास्त्र
मुहन्दिस पु० [अ] गणिती
मुहब्बत स्त्री० [अ] महोबत प्रेम, चाह, दोस्ती –ती वि० प्रेमी
मुहम्मद पु० [अ] महम्मद पेगंबर (२) वि० अति प्रशसा पामेलु –दी वि० पेगबरने लगतु (२) मुस्लिम
मुहय्या वि० जुओ मुहैया
मुहर स्त्री० महोर छाप सील –करना =महोर मारवी
मुहरा पु० सामेनो – मारनो भाग (२) [फा] शेतरजनु महोरु –लेना=सामे आवीने लडवु
मुहरम पु० [अ] मोहरम हरजी वर्षनो पहेलो मास –की पदाइश=रोतल के शोकातुर चहेरानु माणस
मुहरमी वि० मोहरम अगेनु के लगतु (२) शोकदर्शक दुःखी ०सूरत पु० जुओ 'मुहरमकी पदाइश
मुहर्रिक वि० [अ] सचालक (२) नेता
मुहर्रिर पु० [अ] मुनशी महेतो कारकुन लहिया (नाम, –री)
मुहलत स्त्री० [अ] फुरसद (२) छुट्टी (३) अवधि महतल
मुहल्ला पु० [अ] महोल्लो
मुहसिन वि० [अ] उपकार करनार
मुहस्सिल वि० उघराणनार वसूल करनार (२) पु० पायदल सैनिक
मुहाजरत स्त्री० [अ] अलग थवु ते (२) हिजरत करवी ते
मुहाफजत स्त्री० [अ] हिफाजत' सभाळ रक्षा
मुहाफा पु० [अ] माफो रथ (स्त्री माटे)
मुहाफिज वि०[अ] हिफाजत करनार सरक्षक सभाळ लेनार ०खाना पु० दफतरखानु कागळ दस्तावेज सभाळी

रासवानु स्थान ०तन्त्री०रक्षा,सभाळ ०दफ्तर पु० दफ्तरी, 'रेकर्डकीपर'
मुहार स्त्री०[फा] ऊंटनी नकेल-नाथ
मुहाल वि० [अ] असंभव, अघरु
मुहावरा पु०[अ] महावरा, आदत (२) भाषानो रूढिप्रयोग वहेवार
मुहासरा पु० [अ] घेरो
मुहासिब [अ] हिसाबनीस (२) अन्वेषक (३) गणिती
मुहासिरा पु० जुओ 'मुहासरा
मुहासिल पु० [फा] आवक (सरकारी अने बीजी) (२) नफा
मुहिब्ब पु० [अ] दोस्त
मुहिम स्त्री० [अ] भारे काम (२) लडाई (३) चडाई आक्रमण
मुहीत वि० [अ] घेरो घालनारु (२) पु० घेरो
मुहीब वि०[अ महीब] डरामणु,भयानक
मुहूत पु०[स] शुभ घडी महुरत (२) अमुक समय – दिवसनो ३० मो भाग
मुहैया वि० [अ] तयार हाजर
मूग स्त्री० प० मग
मूगफली स्त्री० मगफळी
मूगा पु० परवाळु एक लाल रत्न
मूछ स्त्री० मूछ –उखाडना=अभिमान उतारवु मूछें नीची होना=मूछ नीची थवी, पाछा पडवु आबरू जवी मूछो पर ताव देना=मूछ पर ताल देवो मूछ मरडवी
मूज स्त्री० मुज घास
मूड पु० मुड माथु –चढाना=माढे चडाववु –मारना=माथाझीक करवी –मुडाना=सन्यासी थवु
मूंडन पु० मुडन मूडाववु ते
मूडना स०क्रि० मूडवु
मूडी स्त्री० माथु ०काटा पु० 'मूओ' अथनो स्त्रीओनो पुरुष माटे प्रयोग
मूदना स०क्रि० ढाकवु
मू, मूए पु० [फा] मुवाळो वाळ
मूक वि० [स] मूगु (२) विवश, लाचार
मूकना स०क्रि० (प) मूकवु, छोडवु
मका पु० मुक्का
मूछ स्त्री० 'मूछ मूछ
मूजिद वि०[अ]शोधक 'ईजाद करनार
मूजिब पु० [अ] कारण
मूजी वि० [अ] दुष्ट पीडा करनार
मूठ(–ठि,–ठी) स्त्री० मठी (२) दस्तो हाथो (३) मूठनो मन्त्रतन्त्र
मूड पु० मुड, माथु
मूढ वि० [स] मूख जड (२) गूढमूढ
मूढगभ पु० [स] गर्भमा वगाड-विनिया
मूत पु० मूत्र, मूतर
मूतना अ०क्रि० मूतरवु
मूत्र पु० [स] मूतर पेशाब
मूत्राशय पु० [स] फुक्को, शरीरनी मतरनी कोथळी
मूनिस पु० [अ] मित्र (२) मददगार
मू-ब-मू अ० [अ] वारीकाईथी (२) सौ वातोमा [(२) जडाबुट्टी
मूर पु०, मूरि(–री) स्त्री० मूळी मूळ
मूरख पु० (प) मूख अज्ञान
मूरत स्त्री० (प) मूर्ति
मूरि, –री स्त्री० जुओ मूर'
मूरिस प० [अ] मृत पूवज वारसो मूकी जनार
मूख पु० [स] अनान बेवकूफ
मूर्च्छा, –र्छा स्त्री० [स] बभान, बहाशी
मूर्च्छि(–र्छि)त वि० [स] मूर्छा पामेल

मूत वि० [स] मूत साकार नक्कर
मूर्त्ति स्त्री० [स] मूर्ति, आकृति (२) शरीर (३) नक्करपणु
मूर्त्तिमान वि० [स] साक्षात (२)साकार
मूढ, –ढ़ा पु० [स] माथु
मूल पु० [स] मूळ (२) पायो (३) मुद्दल मूडी (४) एक नक्षत्र
मूल धन पु० [स] रोकाण वेपारनी मूळ मूडी (२) रोकडु धन पूजी
मूली स्त्री० मूळो –गाजर समझना = भाजीमूळा समजवु तुच्छ लेखवु
मूल्य प० [स] मूल किंमत
मूल्यवान वि० [स] कीमती
मूष(०क) [स] –स पु० मूसा उंदर
मूसदानी स्त्री० उंदरियु
मूसना स०क्रि० चोरवु
मूसर(–ल) पु० मुसळ सांबेल
मूसलचंद पु० गमार, मूर्ख
मूसल(–ला)धार अ० मुसळधार(वर्षा)
मूसा पु० उंदर (२) [अ] मूसा पयगंबर
०ई पु० मूसानो अनुयायी यहूदी
मूसीकी स्त्री० [अ] संगीतशास्त्र
मृग प०[स] मृग हरण (२) जंगली कोई पशु
मृगचर्म पु० [स] हरणनु चामडु
मृगजल पु० [स] मृगतृषा,–ष्णा स्त्री० [स]मृगजळनो आभास, झांझवानां जळ
मृगनाभि, मृगमद पु०, मृगमदा स्त्री० [स] कस्तूरी
मृगमरीचिका स्त्री० [स] मृगतृष्णा
मृगया पु० [स] शिकार
मृगांक पु० [स] चंद्र
मृगी स्त्री० [स] हरणी (२) 'मिरगी'
मृणाल,–लिका स्त्री० [स] कमळदंड
मृणालिनी स्त्री० [स] कमळनु सरोवर
मृण्म(–न्म)य वि०[स] माटीनु बनेल
मृत वि०[स] मरेलु ०क पु० मरेलु मडदु (२) सूतक
मृत्तिका स्त्री० [स] माटी
मृत्यु स्त्री० [स] मरण
मृदंग पु० [स] मृदंग ढोल
मृदु वि०[स]मुलायम,कोमळ (२)प्रिय, मधुर (३) नरम
मन्मथ वि० [स] जुओ मण्मय
मृषा अ० [स] व्यर्थ नाहक (२) मिथ्या
में सा सातमीनो प्रत्यय (२) प० वारीनु य बोल्वु त
मेंगनी स्त्री० लींडी
मेंड स्त्री० जुओ मेड
मेंडक पु० जुओ मेडक
मेंधी,–धिका स्त्री० [स] मेंदी
मेंबर पु० [इं] सभासद सभ्य
मेअराज पु० [अ] सीडी
मेख स्त्री०[फा]मेख, खीली –मारना= मेख मारवी (२) मकानमा खातर पाडवु
मेखला स्त्री० [स] कदोरो
मेगजीन पु० [इं] सामयिक पत्र (२) 'बारूदखाना', दारूगोळानो भंडार
मेघ पु० [स] वादळ
मेघाडंबर पु०[स] मेघाडंबर, मेघगर्जना (२) मोटा तंबु
मेचक पु०[स] अंधार (२) वि० काळु
मेज स्त्री० [फा] मेज, टेबल
मेजबान पु० [फा] मिजबान, आतिथ्य करनार –नी स्त्री० आतिथ्य
मेट पु० [इं] मुकादम जमादार
मेटना स०क्रि० जुओ 'मिटाना'
मेड पु० पाळ बांध, पाळ

मेडल पु० [इ] चाद, चद्रक
मेडिया स्त्री० मढी, नानु घर
मेढक पु० मेंडक, देडको
मेढा पु० मेंढो, घेटो
मेढी स्त्री० त्रण लटमा गूथेली वेणी
मेथी स्त्री० [स] मेथी भाजी
मेथौरी स्त्री० मेथीनी भाजीनु वडु
मेद पु० [स] चरबी
मेदा स्त्री०[स] एक औषधि-मूळियु (२) [अ मेअद] पेट, जठर
मेदिनी स्त्री० [स] पृथ्वी
मेध पु० [स] यज्ञ
मेधा स्त्री० [स] बुद्धि, याददास्त
मेधावी वि० [स] बुद्धिशाळी
मेना स०क्रि० मावु, करमोववु
मेम स्त्री० मडम गोरी (२) गजीफानी राणी ०साहवा स्त्री० मडम साहेब
मेमना पु० घेटानु बच्चु
मेमार पु०[अ]कडियो (नाम,-री स्त्री०)
मेमो,०रन्डम पु०[इ] हकीकतनु टाचण (याद राखवा) [नामु, अरजीपत्र
मेमोरियल पु०[इ]स्मारक (२) हकीकत
मेय वि० [स] मापी शकाय एवु
मेयर पु०[इ] मोटा शहेरनी सुधराईनो प्रमुख [मिश्रित करवु
मेरवना स०क्रि० (प) मेळववु भेगु-
मेरा स० मारु (स्त्री० -री)
मेराउ(-व) पु० (प) मेळाप
मेराज स्त्री० [अ] (स्वर्गनी) सीडी
मेराव पु० जुओ 'मेराउ'
मेरी स० मारी (२) स्त्री० अहकार
मेरुदड पु० [स] करोडरज्जु
मेरे स० 'मेरा' साथे ब०व० शब्द के विभक्तिवाळो शब्द आवता थतु रूप
मेल स्त्री०[इ] टपाल (२) मेल गाडी
मेल पु०[स] मेळ, मळवु ते (२) एकता मेळ के बनवु होवु ते (३) मळतु होवु के आववु ते, बराबरी (४) प्रकार तरह (५) मिश्रण मेळववु ते -खाना, -बैठना, -मिलना=मेळ खावो, बनवु ०जोल, ०मिलाप पु० हेतसबध, प्रीति
मेला पु० भीड जमावट (२) मेळो ०ठेला, ०तमाशा पु० मळो -लगना = मेळो भरावो
मेली पु० साथी (२) वि० मळतावडु
मेव पु० एक मुसल्मान जाति-जाट
मेवा पु० [फा] सूको मेवा ०फरोश पु० मेवा वेचनार
मेष पु० [स] घेटु (२) एक राशि
मेशीन,०री स्त्री० [इ] मशीन, यत्र
मेहँदी स्त्री० मेंदी [मेघ बादळ
मेह पु० [स] प्रमेह रोग (२)वरसाद (३)
मेहतर पु०[फा] महापुरुष (२) नायक (३) महेतर भगी (स्त्री० -रानी)
मेहनत स्त्री० [अ] महेनत
मेहनताना पु० [अ+फा] महेनताणु
मेहनती वि० महनतु
मेहमान पु० [फा] महेमान, पराणा ०दार पु० परोणागत करनार ०दारी, -नी स्त्री० परोणागत
मेहर स्त्री० महेर कृपा ०बान वि० महेरबान, कृपाळु [के दया
मेहरबानी स्त्री०[फा] महरबानी, कृपा
मेहरा पु० स्त्री जेवो माणस बायलो
मेहराब स्त्री० [अ] महेराब, कमान ०दार,-बी वि० कमानवाळु कमान आकारनु [ओरत (२) पत्नी
मेहरारु, मेहरिया, मेहरी स्त्री० स्त्री,

मेह स्त्री० [फा] महर, कृपा (२) सहानुभूति (३) पु० सूरज ०बान वि०, ०बानी जुओ अनुक्रम 'मेहरबान–नी'
म स० हु
म स्त्री० [फा] दारू (२) अ० [अ] साथे
म-कश वि० [फा] दारूडियो –शी स्त्री० शराबखोरी
म-कदा, म-खाना पु० [फा] दारूनु पीठु
मका पु० 'मायका' पियर
म-ख्वार पु० [फा] दारूडियो –री स्त्री० शराबखोरी [मदगळ
मगल पु० मेगळ मस्त हाथी (२) वि०
मच पु० [इ] मॅच (जेम के क्रिकेटनी)
मटर पु० [इ] पदाथ (२) छापवानु ग्खाण
मत्री स्त्री० [स] दोस्ती [भापा
मथिली स्त्री० [स] सीता (२) मैथिली
मथुन पु० [स] सभोग
मदा पु० [फा] मदा
मदान पु० [फा] मेदान –छोडना = रणमाथी नासनु –जाना = जगल जवु –जीतना, –मारना = जीतवु फाववु –में आना = लडवा सामे आवी जवु
मदानी वि० मेदाननु के मेदान जेवु सपाट
मन पु० मीण (२) (प) मदन कामदेव ०फल पु० माढळ
मनसिल पु० एक धातु (दवाना कामनी)
मना स्त्री० [स मदना] मेना सारिका
मनेजर पु० [इ] मॅनेजर व्यवस्थापक
मॅयत स्त्री० [फा] मात (२) मडदु
मया स्त्री० माता
मयार पु० [अ] त्राजवु कसाटी धोरण (२) अभ्यासक्रम
मर स्त्री० (प) सापना झेरनु घेन
मल स्त्री० [स मलिन, प्रा मइल] मेल, गदकी (२) दोप, विकार
मल पु० [अ] मननु वलण झाक (२) चाह प्रेम (३) सुरमो आजवानी सळी
मलखोरा वि० मेलखाउ [मेलु गू
मॅला वि० मेलु गदु अस्वच्छ (२) पु०
मला कुचला वि० बहु मेलु [रुचि
मलान पु० [अ] 'मल' मननु वलण,
महर पु० (प) पियेर, महियर
मो अ० (प) मा अदर (२) म० 'म'–हु अथमा (माको, मोप, मारा' जेवा रूपोमा)
मोछ स्त्री० मूछ
मोढा पु० मूडो, सरकट इ० नु गोळ आसन (२) खभा
मो स० (प) मारु (२) जुओ 'मो' २ अथ
मोकल (–ला) वि० (प) मोकळु छूट वाळु छूटू
मोक्ष [स] –ख पु० (प) मुक्ति
मोखा पु० (प) नानी बारी के जाळियु
मोगरा पु० मोगरा (फूल)
मोगल पु० जुआ 'मुगल'
मोघ वि० [स] अफळ व्यथ
मोच स्त्री० शरीरना अगनी मचकाड
मोचन पु० [स] छोडवु ते छुटकारो
मोचना स० क्रि० (प) छोडवु
मोची पु० (जोडा सीवनार) मोची
मोछ स्त्री० मूछ (२) पु० (प) माश्र
मोज (–जि) जा पु० [अ मुअजिज़] मोजजो अदभुत करामत चमत्कार
मोजा पु० [फा] पगनु मोजु
मोजिजा पु० जुआ 'माजजा' [वास
मोट स्त्री० पोटली (२) पु० पाणीना
मोटर, ०कार स्त्री० [इ] मोटर गाडी

मोटरखाना पु० मोटरनु 'गॅरेज'
मोटरी स्त्री० (प) माटली, पोटली
मोटा वि० जाडु, स्थूळ (कद के दळमा) **–असामी** = मालदार माणस **–झोटा**= जाडु खद्दड (कपडु) **–ताजा** = जाडु, हृष्टपुष्ट, स्थूल **मोटी बात**=साधारण के सामान्य वात **मोटे तौर पर** = साधारणत **मोटे हिसाबसे** =अदाजथी
मोटाई स्त्री० जुओ 'मुटाई' मोटापणु (२) गर्व शेखी (३) दुष्टता **–चढ़ना** = वदमाश के गर्विष्ठ थवु
मोटाना अ०क्रि० जुओ 'मुटाना' (२) स०क्रि० जाडु करवु (बीजाने)
मोटिया पु० जाडु खद्दड कपडु (२) माटियो, कूली
मोठ स्त्री० मठ अनाज
मोड पु० वळवु ते के वळाक
मोडना स०क्रि० फरववु वाळवु (२) मोडवु मरडवु के (धार) कुठित करवी
मोडी स्त्री० (मराठीनी) एक लिपि
मोतकिद वि० [अ मुअतकिद] विश्वास करनार (२) कोई धर्मनो अनुयायी
मोतदिल वि० [अ] (गुणमा) न गरम न ठडु (दवा विषे) मध्यम
मोतबर, मोतमद वि०[अ] विश्वासपात्र
मोतमिद वि० [अ] विश्वास करनार
मोताद स्त्री० [अ मुअताद] (दवानी) *मात्रा प्रमाण*
मोतिया वि० मोती सबधी के तना जेवु (२)पु० एक जातनो मोगरो मोती-बेल
मोतियाबिंद पु० आखनो मातियो
मोती पु० मोती मुक्ता **–ढलकना**= रडवु **–पिरोना**=सुदर बोलवु (२)सुदर अक्षरे लखवु (३) रडवु **–रोलना**=वगर

महेनते व
=राजी
मोतीचूर
मोतीझ(
फोल्ली
मोती-बेल
मोती
मोथा पु
मोद पु०।
मोदक
मोदना
मह्कवु
मोदी पु
मो ोख
मोना स
करव
मोम पु०।
मतिनु
कोमळ
मोमबत्ती
मोमिन
मुसल
जात
मोमिया
भरीने
ठोसवु
मोमी
मोयन
मोण
मोर पु
स०

मोरचा पु० [फा] कट (लोढाना) (२) दपण परनो मल (३) रिसाती गाई (४) मारचो –खाना=कट खावो वगडवु –जीतना या मारना=लडाई मोरचो जीतवो –लेना=युद्ध करवु

मोरचाबदी स्त्री० [फा] मारचा बाधवा ते व्यूह

मोरछल पु० मोरना पीछानी चमर

मोरछली पु० बोरसली मोरसिरी (२) 'मोरछल' चमर ढाळनार

मोरन स्त्री० जुओ 'सिखरन'

मोरनी स्त्री० मोरडी ढेल

मोरपख, मोरपखा (प) पु० मोरनु पीछ

मोरमुकुट पु० मोरना पीछाना मुगट

मोरी स्त्री० मोरी, गटरनी नीक (२) (प) मोरडी

मोल पु० मूल्य किंमत –बढना=वधारे भाव थवो (२) मूलवबु –लेना=खरीदवु

मोल-तोल, मोल भाव पु० भावताल

मोल्ना पु० (प) मौलाना

मोलवी पु० 'मौलवी' मुल्ला

मोष पु० (प) मोक्ष छुटकारो

मोह पु० [स] भ्रम अज्ञान (२) वहाल, आसक्ति राग

मोहक वि० [स] मोह पमाडे एवु

मोहडा पु० पात्रनु मोढु (२) वस्तुनु मोढु– उपरनो के आगलो भाग

मोहतमिम पु० मुहतमिम' व्यवस्थापक

मोहताज वि० जुओ मुहताज

मोहन वि० [स] मोहक (२) पु० मोटन कृष्ण (३) मोहमा नाखवु ते

मोहनभोग पु० एक मीठाई–मोहनथाळ

मोहनमाला स्त्री० मोहनमाळा घरेणु

मोहना अ०क्रि० मोहवु, मोहमा पडवु (२) स०क्रि० मोहमा नाखवु भमाववु

मोह(-हि)नी स्त्री०[स] माया मोहिनी मोहमा नाखवु ते (२) वि स्त्री० मोहक

मोहपिच्छ स्त्री० जुओ मर्हापच्छ

मोहब्बत स्त्री० जुओ 'मुहब्बत' महोब्बत

मोहमिल वि० [अ मुहमिल] निरर्थक (२) छोडेल त्यक्त

मोहर स्त्री० [फा मुह्] महोर

मोहरा पु० जुओ मुहरा मोहरा (२) [फा] महोरु

मोहरी स्त्री० पग पासेनो पायजामानो भाग (२) नाळु मो (नागणव)

मोहर्रिर पु० जुओ मुहर्रिर

मोहलत स्त्री० जुओ मुहलत

मोहल्लिक वि० [अ मुहलिक] मारी नाखे एवु जीवलेण (रोग)

मोहमिन वि० जुओ 'मुहमिन'

मोहार पु० द्वार दरवाजो (२) मधमाख (मोटी) के तेनो पूडो

मोहि स० (प) मन

मोहित वि० [स] मोह पामलु

मोहिनी स्त्री० (२) वि० स्त्री० [स] जुओ मोहनी

मोही वि० [स] मोहवाळ लोभी

मौका पु० [अ] मोको समय लाग –तकना, –देखना=मोको जोवो –देना =मोको आपवो –पडना=समय आववो, जरूर लागवी –पत है=समय मळ ता

मौकूफ वि०[अ] मोकूफ बध पडेलु (२) रद के बरखास्त करेलु ( ) निर्भर आधारवाळु –फी स्त्री०

मौक्तिक पु० [स] मोती

मौख एक मसालो (२) [स] मुखथी
मौख पु०प – जूठ इ०
थतु पावि०[स] मोढेथी थतु 'ज़बानी'
मौखिक ौखिक परीक्षा – 'ओरल'
(२) म्त्री०[अ] मोज मजा (२) मोजु
मौज स्-जी) [मोजो
(वि० ु०[अ] गाम (२) खेतर, वाटा,
मौज़ा वि० मोजी मनस्वी, आनदी
मौजी वि०[अ] तोल करेलु(२)योग्य ठीक
मौजू विवि०[अ] मोजूद हयात हाजर
मौजूद ०गी स्त्री० मौजूद होवु त
तैयार वि०[अ] वतमानकाळनु प्रस्तुत
मौजूदात स्त्री० [अ] समस्त सृष्टि
मौजूदस्त्री० [अ] मोत मरण –का
मौत था=मोत याद करावे एवु काम के
तमाशा मोतनो खेल –के दिन पूरे
घटना=वगर मोते वहु दु खमा दहाडा
करवा (अपनी) मौत मरना=मोते
काढ्वु, स्वाभाविक मरण थवु
मरद स्त्री० जुओ 'मोताद'
मौतापु०[म] मौन चूपकी, मुनिव्रत (२)
मौन मौनी चूप
वि० पु० 'मोना', करडियो
मौना वि० मौनवाळु (२) पु० मुनि (३)
मौनीो 'मौना'-करडिया
ना पु० [स मुकुट, प्रा मउड] लग्नना
मौर (२) शिरोमणि सरदार (३) [स
मोडल, प्रा मउल] मोर मजरी
मुकुा स०क्रि० मार आववो मोरवु
मौरमी वि० [अ] वारसानु पतक
मौर्ख्य पु० [स] मूखता
मौर्व्य स्त्री० [स] धनुपनी प्रत्यचा
मौर्वीवी पु० [अ] मोल्वी मुल्ला (२)
मौलवी फारसीनो पडित ०गिरी स्त्री०
अरबीनु काम

मौलसिरी स्त्री० बोरसळी, बकुल
मौला पु० [अ] मित्र (२) धणी (३)
ईश्वर [मोलवी
मौलाना पु० [अ] मौलाना, मोटो
मौलि स्त्री०[म]जटा (२)माथु (३)मुगट
मौलिक वि० [स] मूलगत असली (२)
मूळ सवधी (३) साव नवीन
मौली पु० [म] मुगटधारी
मौलूद पु० [अ] जन्मेलु बालक (२)
महमद पेगवरनो जन्मोत्सव
मौस(–सि)म पु० जुआ 'मोसिम'
मौसा पु० मासो, मासीनो पति
मौसिम पु० [अ] मोसम, ऋतु (२)
योग्य समय ०गुल, ०बहार पु० वसत
ऋतु मौसिमे खिज़ा पु० पानखर ऋतु
मौसिमी वि० [अ] मोसमनु
मौसिया वि० मासी जेवु (२) पु०
'मौसा', मासा ०ससुर प० मामा
ससरो ०सास स्त्री० मासीसासु
मौसी स्त्री० मासी
मौसूफ वि० [अ] वणवेलु, उल्लेखल
मौसूम वि० [अ] नामवाळ, नामे (वि०
स्त्री० –मा)
मौसूल वि० [अ] मळलु, प्राप्त
मौसेरा वि० मसियाई मासीने लगत
म्यावँ, –व अ० म्याउ
म्यान पु० [फा] तल्वार वगेरनु म्यान
म्युनिसिपल्टी स्त्री० म्युनिसिपालिटी
म्यूजियम पु० [इ] सग्रहस्थान
म्यों अ० जुआ 'म्यावँ'
म्योंडी स्त्री० एक थाड [स्त्री०
म्लान वि०[न] करमायलु (२)मेलु –नि
म्लेच्छ प० [स] म्लेन्छ जातिनु माणस
(२) वि० नीच पापी
म्हारा स० (प) अमार

य

यंत्र पु० [स] यंत्र, मशीन ओजार (२) वाजु (३) तालु
यंत्रणा स्त्री० [स] तकलीफ पीडा
यंत्रमंत्र पु० [स] जादू जंतरमंतर
यंत्रालय पु० [स] कारखानु (२) छापखानु
यक वि० [फा] एक
यक-कलम वि० पूरु बुल (२) अ० एकसाथे एकझपट
यक-जबा, -बान वि० [फा] एकवचनी
यकजा अ० [फा] एकत्र एकठु
यक्जान वि० [फा] एकदिल, खब मळेला जीववाळु
यक्तरफा वि० [फा] एकतरफी
यक्ता वि० [फा] एकका अद्वितीय अजोड ०ई स्त्री० अद्वितीयता
यक बयक, यक बारगी अ० [फा] अचानक, अचितु
यक्मुश्त अ० [फा] एकसाथ
यक लख्त अ० [फा] एकदम, 'यक-कलम
यक्लौता वि० एकलो ज (पुत्र) -ती वि० स्त्री० एकली ज (पुत्री)
यक्सा वि० [फा] एकसरखु
यक्सू वि० [फा] एक ज तरफनु (२) एकाग्र (३) स्थिर ०ई स्त्री०
यकायक अ० [फा] एकाएक, अचानक
यकीन पु० [अ] विश्वास -आना = विश्वास पडवा -करना, जानना = विश्वास करवो -दिलाना = खातरी आपवी -लाना = विश्वास करवो मानवु
यकीनन अ० [अ] जरूर खातरीपूर्वक
यकीनी वि० [अ] निश्चित, खातरीबंध
यकुम वि० [फा] प्रथम पहेलु (२) स्त्री० पडवो पहेली तिथि
यकृत पु० [स] काळजु 'लिवर
यक्का वि० [फा] एक्को अजोड (२) एकलु (३) पु० एक्का गाडी
यक्ष पु० [स] एक देवयोनि
यक्ष्मा पु० [स] क्षय -क्ष्मी पु० क्षयरोगी
यख पु० [फा] हिम बरफ (२) वि० बहु ठंडु
यख्नी स्त्री० [फा] मासनो शेरवो
यगानगत, यगानगी स्त्री० [फा यगा] सगपण संबंध (२) मेळ एकता
यगाना वि० [फा] सगुसंबंधी (२) अजोड
यज्दान पु० [फा] ईश्वरनु नाम (वि० -नी)
यजन पु० [स] होम यज्ञ करवो ते, हवन
यजमान पु० [स] यज्ञ करनार -नी स्त्री० पुरोहितनु काम गोरपदु
यजुर्वेद पु० [स] यजुर् नामे वेद
यज्ञ पु० [स] होम, हवन
यज्ञसूत्र, यज्ञोपवीत पु० [स] जनोई
यति पु० [स] साधुसंन्यासी (२) योगी
यतीम पु० [अ] अनाथ ०खाना पु० अनाथालय -मी स्त्री० अनाथता
यतेंद्रिय वि० [स] जितेंद्रिय संयमी
यत्किंचित वि० [स] बहु थोडु जूज
यत्न पु० [स] प्रयत्न उद्यम (२) उपाय उपचार

याददाश्त स्त्री० [फा] स्मृति, यादगारत (२) याद राखवा माटे नोंधी लीधेलुं ते [आक्रमण
यान पु० [स] वाहन (२) चढाई
यानी(–ने) अ० [अ यानी] यानी अर्थात् एटले के
यापन पु० [स] वीतवु–गाळवुं ते
याफ्त स्त्री० [फा] प्राप्ति (२) आवक
याफ्तनी स्त्री० [फा] वावानुं लेणुं
याब [फा] (समासमां) प्राप्त करनार एवा अर्थमां उदा० काम-याब(नाम –बी)
याबू पु० [फा] टट्टू
याम पु०[स] पहोर – त्रण कलाक समय
यामल पु० [स] जोडकुं
यामाता पु० [स] जमाई
यामिक पु० [स] चोकीदार
यामिनी स्त्री० [स] रात्रि
यार पु० [फा] यार दोस्त (२) जार व्यभिचारी [यारबाज विषयी
यार बाश वि० [फा] मिलनसार (२)
यार मार वि० मित्रद्रोही
यारान पु० [फा] 'यार'नुं ब०व० यारो
याराना वि० [फा] मित्रतानुं मित्र जेवुं (२) पु० मैत्री (३) व्यभिचार
यारी स्त्री० [फा] मैत्री (२) व्यभिचार
याल स्त्री० [तु] गरदन (२) याळ (घोडा सिंह इ० नी)
यावर वि० [फा] मित्र सहायक मददगार –री स्त्री० मैत्री मदद
यावा वि० [फा] उटपटांग ढंगधडा वगरनी (वात) –होना = उल्लु बनवुं
यास स्त्री० [अ] निराशा (२) भय अंदेशो (३) पु० [स] प्रयास [जूई
यासम(–मी)न स्त्री० [फा] चमेली (२)

युक्त वि० [स] जोडायेलुं (२) योग्य ( ) –रीते सहित (समासने अंते)
युक्ति स्त्री० [स] उपाय तरकीब करामत (२) तर्क दाव
युग पु० [स] युग (२) जमाना ( ) युग्म –युग= घणुं लांबा मुद्दती घणा समय
युगपत अ० [स] एकीसाथे
युगल पु० [स] नर [युगपत्टा
युगांतर पु० [स] बीजा युग (२) क्रांति
युग्म पु० [स] युग्म जोड
युत वि० [स] युक्त सहित
युद्ध पु० [स] लडाई
युनिवर्सिटी स्त्री० [इ] विश्वविद्यालय
युरोप पु० [इ] युरोप
युरोपियन पु० जुओ 'यूरोपियन
युयुत्सा स्त्री० [स] लडवानी इच्छा (२) तनुता –त्सु वि० लडवा इच्छनार
युवक, युवा(०न) वि० [स] जवान
युवती स्त्री० [स] जुवान स्त्री
युवराज पु० [स] पाटवी कुंवर –ज्ञी तेनी पत्नी
युवा,०न वि० [स] जुओ 'युवक
यू अ० जुओ 'यों
यूक पु०, –का स्त्री० [स] जू
यूति स्त्री० [स] मेळ भळवुं ते
यूथ पु० [स] जूथ समूह
यथिका, यूथी स्त्री० [स] जूई
यूनान पु० यूनान देश
यूनानी वि० यूनाननुं (२) स्त्री० यूनाननी भाषा के वैदक-पद्धति
यूनिवर्सिटी स्त्री० [इ] युनिवर्सिटी
यूर(–रो)प पु० [इ] युरोप खंड
यूरिश स्त्री० [तु] हल्लो हुमलो
यूरोपीय, यूरोपियन वि० (२) पु० युरोपनुं के तेनो रहेवासी

यत्र अ० [स] ज्यां
यथा अ० [स] जेम, जेवी रीते [तेम ज
यथातथ्य अ०[स] आबेहूब, बरोबर
यथापूर्व अ०[स] जेमनु तेम, पहेलां पेठे
यथायोग्य अ०[स] घटारत, जेवु घटे तेम
यथार्थ वि०[स] साचु वाजबी (२) उचित
यथावत अ० [स] योग्य रीते (२) जेमनु तेम
यथाविधि अ० [स] विधिपूर्वक
यथाशक्ति, यथाशक्य अ० [स] बने तेटलु, शक्ति मुजब
यथासंभव अ० [स] बने त्यां सुधी
यथेच्छ, यथेष्ट अ०[स] इच्छा मुजब मनमान्यु
यथोक्त वि० [स] कह्या प्रमाणेनु
यथोचित वि० [स] योग्य घटित
यदा अ०[स] ज्यारे ०कदा अ० कदी कदी क्यारेक ['यद्यपि', जोके
यदि अ० [स] जो ०च, ०चेत अ०
यदृच्छा स्त्री०[स] स्वेच्छा (२) सहज के अकस्मात बनवु ते
यद्यपि अ० [स] जोके
यम पु० [स] निग्रह काबू (२) जम
यमज, यमल पु०[स] जोडका बाळक
यमी स्त्री०[स] यमनी बहेन-यमुना नदी
यमीन वि०[अ] जमणु (२) पु० जमणो हाथ (३) कसम, सोगन (४) बळ
यरकाना पु०[अ] कमळो, पांडुरोग
यल्गार स्त्री० [तु] हुमला, चडाई
यलदा स्त्री०[फा] लांबी अंधारी रात
यव पु० [स] जव धान्य
यवास पु० जवासो
यश पु० [स] जश, की
यशब, -म पु०[अ] एक
'संगे-यशब'
यशस्वी वि०[स] यशवाळ
यशी,०ल वि० (प) य
यष्टि,०का स्त्री० [स]
यसार पु० [अ] डाबो ह
संपत्ति (३) वि० डाबु
यह स० आ (विभक्तिना
थाय छे उदा० 'इसको'
'या' थाय छे 'याको')
यहां अ० अहीं
यही स० 'यह+हीं', आ
यहूद पु० पॅलेस्टाईन देश
यहूदी स्त्री -दी पु० 'यहू
यांचना स०क्रि० (प) या
या अ० [फा] वा अथव
याकूत पु० [अ] एक जा
याग पु० [स] यज्ञ
याचक पु० [स] मागनार
याचना स०क्रि० मागवु
स्त्री० [स] मागवु ते
यातना स्त्री० [स] पीडा
याता स्त्री० देराणी के जे
यातायात पु० [स] आवाग
यात्रा स्त्री० [स] प्रवास
जात्रा तीर्थाटन
यात्रावाल पु० तीर्थनो पंडा
यात्री पु० [स] यात्राळु
याथातथ्य, याथार्थ्य पु० [स]

रंगीला वि० आनंदी रंगानु रहरा (२) सुंदर, खूबसूरत
रंगया पु० जुओ 'रंगिया'
रच(०क) वि० रज थोडु जरा
रंज पु० [फा] दुःख गम (२) नाराजी अफसोस पस्तावो
रजक पु० [स] रंगरेज रंगारो (२) धोबी (३) वि० रंगनार (४) राजी करनार (५) स्त्री० [फा] ताप थवानुं फाडवा रंगातो थोडो दारू (६) [ला] उश्केरनारी वात
रंजन पु० [स] रंगवुं ते (२) चित्तनुं रंजन प्रसन्नता राजी थवुं ते
रंजिश स्त्री० [फा] रंज पामवुं ते अणबनाव
रंजीदा वि० [फा] नाराज रंजीदायल दुभायलु –दगी स्त्री०
रंडा स्त्री० [स] रांड विधवा
रंडापा पु० रंडापो वैधव्य
रंडी स्त्री० वेश्या गुणका ०बाज वेश्यागामी ०बाजी स्त्री० वेश्यागमन
रँडुआ (–वा) पु० विधुर
रति स्त्री० [स] खेल क्रीडा
रँदना स०क्रि० रंदवु रंदाथी छोलवु
रंदा पु० [फा] रंदो
रंधन पु० [स] रांधवुं ते रांधण
रंध्र पु० [स] काणु छिद्र (२) दोष
रंभा पु० कोश नराज (२) स्त्री० [स] एक अप्सरा (३) केळ (४) गायनु बांगरडवु ते (५) सुंदर स्त्री (६) वेश्या
रँभाना अ०क्रि० (गायनु) बांगरडवु
रँहचटा पु० चसको लाभलालच
रअय्यत स्त्री० [अ] रयत प्रजा (२) भाथिया खेडूत (३) नोकर अनुचर ०आजार वि० प्रजापीडक, अत्याचारी ०दार पु० हासल भरनार ०वारी स्त्री० एक महेसूल पद्धति
रइअत स्त्री० जुओ 'रअय्यत'
रई स्त्री० रवयो पानी वलोणी (२) रवा
रईस पु०[अ] जागीरदार तालुकदार (२) अमीर मोटो माणस
रउरे न० आप वाला पुरुष माननीय
रऊनत स्त्री० [अ] अभिमान
रअयत स्त्री० जुओ 'रअय्यत'
रक्बा पु० [अ] क्षेत्रफळ
रक्म स्त्री०[अ] लखवुं ते (२) छाप, महोर (३) रकम दागीना के धन (४) तरेह प्रकार (५) रकम संख्या
रक्मी पु० खाटे राहतथी रहेता भाथिया–एक जातना खेडूत
रक्षाव स्त्री० [अ] रकाब पगडुं
रक्षाबत स्त्री०[अ] रकाब होवुं ते, प्रसन्ना चपळा [( ) खवास
रकाबदार पु०[फा] रसोई (२)खानसामा
रकाबी पु०[फा] माटी थाळी 'परात
रका(–के)बी स्त्री० रकेबी
रकीक वि०[अ] पाणी जेवुं पातळु (२) कोमळ (३) दयाळु
रकीब पु०[अ] रकीब एकनी प्रियाना बीजा आशक
रकेबी स्त्री० जुओ 'रकाबी'
रक्त पु०[स] लोही (२) वि० रातुं लाल (३) रंगायलु (४) अनुरागवाळु
रक्तकंठ पु० [स] कोयल (२) रींगण
रक्तपात पु० [स] लोही रेडावु ते, खूनरेजी
रक्तपित्त पु० [स] पत, कोढ
रक्तबीज पु०[स] दाडम (२) एक राक्षस

ये स० ('यह' नु व०व०) आ बधा
येई स० (प) जुओ 'यही'
येऊ, –हू स० (प) आ पण 'यह भी'
येतो वि० (प) जुओ 'एतो', 'इतना'
यो अ० आम, आ प्रमाणे
योही अ० आम ज (२) व्यथ विना खास प्रयोजन
योग पु० [स] मळाप (२) याग दशन
योगरूढि स्त्री० [स] खास अथमा प्रचलित समास उदा० चद्रभाल
योगी पु० [स] योग साधनार जोगी
योग्य वि० [स] उचित वाजबी
योजन पु० [स] योजवु ते, (२) चार गाउ
योजना स्त्री० [स] गोठवण व्यवस्था, आयोजन
योद्धा पु० [स] योद्धो
योनि स्त्री० [स] देव, पशु इ० जाति (२) उत्पत्तिनु स्थान (३) स्त्रीनी योनि
योम पु० जुओ 'यौम'
यौं अ० (प) आम, आ रीते
यौत(–तु)क पु० [स] लग्ननी पहेरामणी देज पठण इ०
यौन वि० [स] योनि सबधी
यौम पु० [अ] दिवस
यौमिया पु० [अ] रोजी (२) वि० रोजनु (३) अ० रोज
यौवन पु० [स] जुवानी

र

रक वि०[स] गरीब निधन (२) कजूस
रग पु०[स] कलाई 'राग' (२) रगभूमि (३) रग (वण यार अथमा) [फा पण] –चूना या टपकना=नरजुवानीमा होवु –निखरना=चहेरा साफ न चमकतो होवो –मारना=जीतवु –रलना=लहेर करवी –लाना=प्रभाव के गुण दखाडवा
रगढग पु० हाल, दशा, स्थिति (२) चलन
रगत स्त्री० रग (२) मजा आनद (३) दशा
रगतरा पु० सतरु
रँगना स०क्रि० रगवु
रगबिरगा वि० रगबेरगी
रगमहल पु० [स] जुओ 'रगमहल'
रगभूमि स्त्री०[स] नाटकशाळा अखाडो के युद्धक्षेत्र (२) मच [जगा
रगमहल पु० आनद उत्सव माणवानी
रगर(–रे)ली स्त्री० मजा, लहेर, रास
रँगरूट पु० लश्करमा दाखल थनार
रँगरेज पु० [फा] रगरेज (स्त्री० –जिन)
रगरेली स्त्री० जुओ 'रगरली'
रगशाला स्त्री० [स] नाटकशाळा
रगसाज पु०[फा] रगारा (मकान इ०ना) (२) रग बनावनार –जी स्त्री० तेना धधा के काम [मजूरी
रँगाई,–वट स्त्री० रगवानु काम के तेनी
रगारग वि० [फा] रगबेरगी
रँगि(–गी)या पु० रगनार, रगारो
रगी वि० [स] रगीलु मोजीलु
रगीन वि०[फा] रगवाळु, रगित (२) रगीलु (३) मजेदार रसिक –नी स्त्री० 'रगीन' होवु ते (२) मजाक शणगार

रगीला वि० आनदी रंगीलु, ल्हेरी (२) सुदर, खूबसूरत
रंगया पु० जुओ 'रगिया
रच(०क) वि० रज थोडु जरा
रज पु० [फा] दुख खेद (२) नार अफसोस पस्तावो
रजक पु० [स] रगरेज रगारो (२) मेंदी (३) वि० रगनार (४) रजन करनार (५) स्त्री० [फा] ताप वडूर फाडवा रखातो थाडा दारु (६) [ला] उस्केरनारी वात
रजन पु० [स] रगवु त (२) चित्तनु रजन प्रसन्नता राजी थवु त
रजिश स्त्री० [फा] रज थामवु त अणबनाव
रजीदा वि० [फा] नाराज रजाडायल दुभायलु —दगी स्त्री०
रडा स्त्री० [स] राड विधवा
रंडापा पु० रडापो वधव्य
रडी स्त्री० वेश्या गुणका ०बाज वश्यागामी ०बाजी स्त्री० वश्यागमन
रंडुआ (–वा) पु० विधुर
रति स्त्री० [स] खल क्रीडा
रंदना स०क्रि० रदवु रदाथी छोल्वु
रदा पु० [फा] रदो
रधन पु० [स] राधवु त राधण
रध्र पु० [स] काणु छिद्र (२) दोष
रभा प० काश नरेश (२) स्त्री० [स] एक अप्सरा (३) केळ (४) गायनु बागरडवु ते (५) सुदर स्त्री (६) वेश्या
रंभाना अ०क्रि० (गायनु) बागरडवु
रेंहचटा पु० चसको लाभलाल्च
रअय्यत स्त्री० [अ] रयत प्रजा (२) साथिया खेडूत (३) नाकर अनुचर
०आजार वि० प्रजापीडक, अत्याचारी
०दार प० हाकम राजा ०वारी स्त्री० रयत महसूल पद्धति
रइअत स्त्री० जुआ रअय्यत'
रई स्त्री० रवयो नानी वलाणी (२) रवो
रईस प०[अ] जागीरदार तालुकदार (२) अमीर मोटो माणस
रउरे प० आप राजा पुरुषन मानवाचक
रऊनत स्त्री० [अ] अभिमान
रअयत स्त्री० जुओ रअय्यत
रक्बा पु० [अ] क्षत्रफळ
रकम स्त्री०[अ] लखवु त (२) छाप महोर (३) रकम नाणा क धन (४) तरह प्रकार (५) रकम सख्या
रकमी पु० कर्म राहनथा मळता माथिया – एक जातना खडूत
रकाब स्त्री० [अ] रकाब पगडु
रकाबत स्त्री० [अ] रकीब होवु त प्रमना वघडा [(२) खजाम
रकाबदार पु०[फा] कदोई (२)खानसामो
रकाबी पु०[फा] मोटी थाळी 'परात
रका(–के)बी स्त्री० रकेबी
रकीक वि०[अ] पाणी जेवु पातळु (२) कामळ (३) दयाळु
रकीब पु०[अ] रकीब एकनी प्रियानो बीजो आशक
रकेबी स्त्री० जुओ 'रकाबी
रक्त पु०[स] लोही (२) वि० रातु लाल (३) रगायलु (४) अनुरागवाळु
रक्तकठ पु० [स] कोयल (२) रीगण
रक्तपात पु० [स] लोही रेडावु ते खूनरजी
रक्तपित्त पु० [स] पत, कोढ
रक्तबीज पु०[स] दाडम (२) एक राक्षस

रक्तस्राव पु० [स] लोही वहेवु–नीकळवु ते
रक्ताश पु० दूषता रुग्न
रक्तालू प० [स] रताळु
रक्ति स्त्री० [स] प्रेम अनुराग (२) रती, रक्तिका
रक्तिका [स] रती वजन
रक्ष पु०[स] रक्षा (२) रक्षक (३) राक्षस
रक्षक पु०[स]रक्षा करनार (२) रखवाळ
रक्षण प०, रक्षा स्त्री०[स] बचाववु ते, पालन
रक्षागृह पु० [स] प्रसूतिगृह (२) चोकी
रक्षित वि०[स]रक्षा पामेलु (२)आश्रित
रक्स पु०[ ] नृत्य रक्से ताउस=मोर जवो नाच
रखना स०क्रि० राखवु रख छोडना= राखी मूकवु [एब दोष
रखना पु०[फा] बारी (२) खलेल (३)
रखना-अंदाज वि०[फा]विघ्न नाखनारु, अटचणकर्ता (नाम –जी स्त्री०)
रखनी स्त्री० रखात
रखला पु० जुओ रहँकला'
रखवाई,–ली स्त्री० रखेवाळी
रखवार,–ला पु० रखेवाळ
रखवाली, रखाई स्त्री० जुओ 'रखवाई'
रखाना स०क्रि० रखाववु (२) रक्षा करवी
रखे(–ख)ली स्त्री० रखात
रग स्त्री० [फा] रग, नस (शरीर के पाननो) –उतरना=जिद के क्रोध उतरवो –चढना=जिद के क्रोधे चढवु (२) रग चडवी–आघी पाछी थवो –दबना=दबावु मानवु कह्यामा के प्रभाव तळे आववु –फडकना= आंख फरकवी, अनिष्ट थवानी बीक थवी [नस
रगजा स्त्री० [फा] मोथी माटी–थोरी
रगड स्त्री० रगडवु, घूटवु के घसवु ते (२) रगड, भारे महेनत (३) रगडो झघडो, पचात (४) घसावाथी थतु चिह्न उभरडा –खाना=धक्का खावा रगडपट्टी थवी –देना=तग करवु –पडना=खूब महेनत पडवी
रगडना स०क्रि० रगडवु घसवु के घूटवु (२) खूब महेनतपूर्वक करवु (३) हेरान करवु (४) अ० क्रि० खूब महेनत करवी
रगडा पु० जुओ 'रगड' ०झगडा पु० लडाई टटो –देना=रगडवु घसवु
रगडान स्त्री० 'रगडा' रगडवु ते
रगदना स०क्रि० खदेडवु, दोडाववु
रगबत स्त्री० [अ] रुचि चाह इच्छा
रग रेशा पु० पादडानी नसो (२) शरीरनी रगरग–अदरना बधा अग
रचना स०क्रि० रचवु (२) स्त्री० [स] रचवु के रचायेलु ते बनावट कृति
रचनात्मक वि० [स] रचनाने लगत जेमा रचवानु -करवानु होय एवु अमली
रचयिता पु० [स] रचनार निर्माता
रचित वि० [स] रचेलु बनावेल
रज पु० [फा] अगूर
रज पु० [स] रजोगुण (२) स्त्रीना मासिक अटकाव (३) पराग (४) स्त्री० रज धूळनो कण
रजक पु० [स] धोबी –की स्त्री० धोबण
रजत स्त्री० [स] चादी (२) वि० धोळ

रजना स्त्री० [स] रंगवु (२) रचना
रजवाण पु० रजपाणी, नीडरता
रजस्वला वि० स्त्री० [स] अटकाव आवेलुं (स्त्री) [(२) जमीन
रजा स्त्री० [अ] रजा (मजूरी वगेरे)
रजाइ स्त्री० (ग) आज्ञा, हुकम
रजाई स्त्री० [फा] ओढवाना रजाइ
रजाकार पु० [फा] स्वयंसेवक (नाo)
रजामंद वि० [फा] सहमत (नाम -दी
रजिस्टर पु० [इं] दफतर
रजिस्ट्री स्त्री० रजिस्टर करावपुं ते
रजील वि० [अ] हलकट नीच, अधम
रजोगुण पु० [स] राजस प्रकृतिना एक गुण [ऋतुधर्म-अटकाव
रजोदर्शन, रजोधर्म पु० [स] स्त्रीना
रज्जाक पु० [अ] रोजी आपनार
रज्जु स्त्री० [स] दोरडा, रसी (२) लगाम
रज्म स्त्री० [फा] युद्ध
रट स्त्री० रटवु ते, रटन (२) पारायण
रटना स०क्रि० रटवु (२) गोखवु
रण पु० [स] युद्ध, जंग
रणसिंघा पु० रणशिंगु
रत वि०[स] मग्न आसक्त (२)पु० मैथुन
रतजगा पु० जागरण (उत्सवादिनु)
रतन पु० रत्न
रतनार(-रा) वि० रतूमडु
रतल स्त्री०[अ] शराबनो प्यालो (२) रतल वजन
रतालू पु० रताळु
रति स्त्री०[स]काम,आसक्ति(२)संभोग
रतूबत स्त्री० [अ] भेज भीनाश
रतौंधा पु०, -धी स्त्री० रतांधळापणु (वि० -धिया = रतांधळु)
रत्ती स्त्री० गुंजा, रती (२) रतीभार
रत्नाकर पु० समुद्र, रत्नाकर
रथी स्त्री० ठाठडी
रत्न पु० [स] रत्न मणि
रत्नाकर पु० [स] समुद्र
रथ पु० [स]रथ गाडी -वान सारथि
रद पु० [स] दांत [२] (४) वि० रद
रदबदल स्त्री० [अ] गेरवा, वाद
रदीफ स्त्री० [अ] गझलनां कडीओमां वारंवार आवता शब्द
रदीफ [अ] (२) गेरवा (३) जाडी
रद्दी वि० [अ+फा] अंतरप्रमाणे आवडु
रद्द वि०[अ] रद बातल (२) खराब नकामु रद्दी (३) स्त्री० उलटी
रद्दबदल पु० [अ] रदबदल फेरफार
रद्दा पु० [फा] थर पड -जमाना = जागीर मूकवा -रखना = आराम मूकवा (४) थर उपर थर चडावबा
(२) गारीन ढळा फरीवा लावु
रद्दी वि० रद्द (२)स्त्री० कागळनी पस्ती
रनबंका, रनबांकुरा पु० रणशूर, शूरवीर
रन(-नि)वास पु० रणवास राणी वास
रपट स्त्री० लपसवु ते (२) ढाळ उतार
(३) गांवी दाड रपटी (४) रिपोर्ट, सूचना निवेदन
रपटना अ०क्रि० लपसवु (२) रपटा -झपाटामां चालवु झपाटवु
रपट्टा पु० लपसवु ते (२) रपटी, झपाटा
रफ वि० [इ] काचु खरडारूप (२) खरबचडु [एक गरम रंग
रफल स्त्री० राइफल बंदूक (२)ओढवानु
रफा, रफादफा वि० [अ] दूर करेलु (२) निवृत्त शांत

रफाह स्त्री० [अ] सुख, आराम (२) परोपकार
रफीक पु० [अ] साथी, सहायक, मित्र
रफू पु० [अ] कपडु तूणवु ते
रफूगर पु० तूणनार, तूणियो –री स्त्री० तेनु काम
रफू-चक्कर वि० रफुचक्कर, गेब, [भागी गयेलु
रफ्त वि० [फा] गयेलु, गत
रफ्तनी स्त्री० [फा] बहार जवु ते (२) माल्नी निकास
रफ्तार स्त्री० [फा] चाल गति
रफ्ता रफ्ता अ० [फा] रफ्ते रफ्ते धीरे धीरे, क्रमश
रब पु०[अ]पालनपोषण करनार ईश्वर
रबड़(-र) पु० [इ] रबर
रबड़ना स०क्रि० घुमाववु चलाववु (२) प्रवाहीने घुमरडी खवडाववी (३) अ०क्रि० रखडवु, रग्वडवु
रबडी स्त्री० बासूदी
रबदा पु० चालवानो थाक (२) कीचड –पड़ना = खूब वरसाद थवो
रबा(-बा)ब पु० [अ] सारगी जेवु एक वाद्य –बिया पु० ते वगाडी जाणनार
रबी स्त्री० [अ रबीअ] वसत के ते ऋतुनी फसल – रबी पाक
रबी-उल् अव्वल पु० [अ] अरबी वर्षनो त्रीजो मास
रबी-उल आखिर, रबी-उस्सानी पु० [अ] अरबी वर्षनो चोथो मास
रबीब पु० [अ] आगळियो पुत्र (२) पालक पितानो पुत्र
रब्त पु०[अ] रफ्त, महावरा (२) मेळ सबध ०जब्त पु० मेळ खूब सबध –डालना = महावरो पाडवो, टेवावु
रब्बाब पु० जुओ 'रबाब'
रमक पु० प्रेमी, यार [त] (२) स्त्री० लहर, तरग
रमक स्त्री०[अ] अतिम श्वास (२) थोडा भाग (३) नशानी थोडी असर के रमकझमक (४) वि० थोडुक, जराक
रमकना अ०क्रि० हीडोळा पर झूलवु (२) डोलती चाले चालवु
रमज़ान पु०[अ] हिजरी सननो नवमो रोजानो मास
रमज़ानी वि० रमजानने लगतु के त मासमा जन्मेलु (२) भुखाळवु
रमण पु०[स] क्रीडा (२) सभोग (३) कामदेव (४) पति (५) वि० रमण करनार (६) प्रिय, सुदर
रमणी स्त्री० [स] (सुदर) स्त्री
रमणीक,–य वि०[स] सुदर, मनोहर
रमद पु० [अ] आख लाल थई जवानी एक बीमारी
रमना अ०क्रि० रमवु आनद के भोग विलास करवो (२) घूमवु, विचरवु (३) पु० रमणु चोगान के चरो (४) बाग के तेवु रम्य स्थान [एक विद्या
रमल पु०[अ] पासा नाखी जोष जोवानी
रमा स्त्री० [स] लक्ष्मी
रमाना स०क्रि० रमाडवु (२) मोहित करवु लोभाववु
रमीदगी स्त्री० [फा] घृणा, नफरत
रमीम वि० [अ] जीर्ण, जरीपुराणु
रमूज़ स्त्री० [अ 'रम्ज़' नु ब०व०] आखनो इशारो (२) रहस्य, झीणी वात
रमती स्त्री० खेतीमा सूढल्ना रीत के तेना दिवस
रमया पु० (प) राम, ईश्वर

रम्ज स्त्री० [अ] जुओ 'रमूज़'
रम्माल पु० [अ] रमली, (रमल-पासायी) जाप जोनार
रम्य वि० [स] मनोहर रमणीय
रम्हाना अ०क्रि० जुओ 'रँभाना'
रयन,-नि स्त्री० (प) रयणी रात
रया स्त्री० [अ] दभ देखाडो (२) दगा
रयासत स्त्री० जुओ 'रियासत'
रय्यत स्त्री० जुओ 'रअय्यत', रयत
ररकार पु० रकार 'र' ध्वनि
ररा वि० राड पाडे एवु झघडाळु (२) भारे मागण
रली स्त्री० मजा, आनद खेल
रव पु० [स] अवाज गुजारव
रवकना अ०क्रि० झपाटवु दोडवु (२) उमगमा आववु
रवन्ना पु० रवानगीना भरतिया जेवा कागळ (२) नाकेथी जवा देवानो परवानो – नाकानी रसीद
रवा वि०[अ] वहेतु (२) जारी, चालु (३) प्रचलित
रवा पु० दाणो कण (२) रवो (३) वि० [फा] उचित वाजवी
रवाज स्त्री०[फा] रिवाज चाल रीत
–देना = रिवाज पाडवो जारी करवु
–पकडना = रिवाज थवो जारी के चालु थवु
रवादार वि० सबध राखनारु (२) [कृणकीदार
रवानगी स्त्री०[फा] रवाना थवु ते प्रयाण
रवाना वि०[फा] मोकलेलु के गयेलु
रवाव,-बिया पु० जुओ रबाव,-बिया'
रवायत स्त्री० [अ] कहेवत (२) पुराणी कथा

रवा रवी स्त्री० जल्दी, उतावळ
रवि पु० [स] सूर्य (२) अग्नि (३) आकडो
रविश स्त्री० [फा] गति चाल (२) ढग रीत रवैश (३) क्यारीओमा वच्चे थई जती केडी के नाना रस्तो
रवैया पु० [फा] रवैया परिपाटी
रशीद वि० [अ] बोध पामेलु (२) सभ्य ने शिक्षित सस्कारी
रश्क पु० [फा] इर्षा दाझ
रश्मि पु० [स] किरण (२) दोरी, लगाम (३) पापण बगेरो'
रस पु० [स] स्वाद (२) मजा आनद (३) सार निचोड (४) धातुनी भस्मनी दवा
रसकोरा, रसगुल्ला पु० एक मीठाई
रसद वि० [स] रसप्रद (२) स्वादिष्ट (३) स्त्री० [फा] भाग वहेचणी (४) सीधुसामान (५) [अ] वधशाळा
रसदार वि० रसवाळु (२) स्वादिष्ट, मजेदार
रसना अ०क्रि० चूवु के झमवु या धीरे धीरे थरवु (२) रसमग्न के तन्मय थवु (३) स्त्री० [स] जीभ
रसनेंद्रिय स्त्री० [स] रसना जीभ
रसपति, रसराज(-य) पु० [स] चद्रमा (२) शृगार रस (३) पारो (४) वसत ऋतु [विलायती फळ
रसव(-भ)री स्त्री० [इ रासबेरी] एक
रसम स्त्री० जुओ 'रस्म
रसमसा वि० तरबोळ (२) रसमय
रसराज,-य पु० जुओ 'रसपति'
रसा वि० [फा] 'पहोचाडनार' ए अथमा शब्दने अते दा० त० 'चिठ्ठीरसा'

रफाह स्त्री० [अ] सुख, आराम (२) परोपकार
रफीक पु० [अ] साथी, सहायक, मित्र
रफू पु० [अ] कपडु तूणवु ते
रफूगर पु० तूणनार, तूणिया -री स्त्री० तेनु काम [भागी गयेलु
रफू-चक्कर वि० रफुचक्कर, गेब,
रफ्त वि० [फा] गयेलु, गत
रफ्तनी स्त्री० [फा] बहार जवु ते (२) मालनो निकास
रफ्तार स्त्री० [फा] चाल, गति
रफ्ता रफ्ता अ० [फा] रफत रफते, धीरे धीरे, क्रमश
रब पु०[अ] पालनपोषण करनार, ईश्वर
रबड(-र) पु० [इ] रबर
रबडना स०क्रि० घुमाववु, चलाववु (२) प्रवाहीने घुमरडी खवडाववी (३) अ०क्रि० रवडवु रखडवु
रबडी स्त्री० बासूदी
रबदा पु० चालवानो थाक (२) कीचड -पडना = खूब वरसाद थवो
रबा(-बा)ब पु० [अ] सारंगी जेवु एक वाद्य -बिया पु० ते वगाडी जाणनार
रबी स्त्री० [अ रबीअ] वसंत के त ऋतुनो फसल-रबी पाक
रबी उल-अव्वल पु० [अ] अरबी वर्षनो त्रीजो मास
रबी उल्-आखिर, रबी-उस्सानी पु० [अ] अरबी वर्षनो चोथो मास
रबीब पु० [अ] आगळियो पुत्र (२) पालक पितानो पुत्र
रब्त पु०[अ] रफ्त, महावरो (२) मेळ संबंध ०जब्त पु० मेळ, खूब संबंध -डालना = महावरो पाडवो टेववु
रब्बाब पु० जुओ 'रबाब'
रमक पु० प्रेमी, यार [त] (२) लहेर, तरंग
रमक स्त्री०[अ] अंतिम श्वास (२ भाग (३) नशानी थोडी ल रमकथमक (४) वि० थोडुक,
रमकना अ०क्रि० हीडोळा प (२) डोलती चाले चालवु
रमजान पु०[अ] हिजरी सनना रोजानो मास
रमजानी वि० रमजानने ल मासमा जन्मेलु (२) भुखा
रमण पु०[स] क्रीडा (२) कामदेव (४) पति (५) करनार (६) प्रिय, सुदर
रमणी स्त्री० [स] (सुंदर)
रमणीक,-य वि०[स] सुंद
रमद पु० [अ] आख लाल एक बीमारी
रमना अ०क्रि० रमवु, आ विलाम करवो (२) घूमवु पु० रमणु चोगान के च के तेवु रम्य स्थान
रमल पु०[अ] पासा नाखी
रमा स्त्री० [स] लक्ष्मी
रमाना स०क्रि० रमाडवु करवु, लोभाववु
रमीदगी स्त्री० [फा]
रमीम वि० [अ] जो
रमूज स्त्री० [अ 'र आखनो इसारो (२) र
रमती स्त्री० खेतीमा तेनो दिवस
रमया पु० (प) राम

रहनि,-नी स्त्री० जुओ 'रहन'
रहनुमा वि०[फा] मार्गदर्शक, राहबर
रहनुमाई स्त्री०[फा]मार्गदर्शन दोरवणी
रहबर वि०, -री स्त्री० जुओ राहबर,-री
रहम पु०[अ] रहम दया (२) गर्भाशय
रहमत स्त्री०[अ]रहेमत दया,महेरबानी
रहमान वि० [अ] दया करनार (२) पु० ईश्वर रहेमान
रहल स्त्री० जुओ रिहल [रवाल
रहवाल स्त्री० [फा रहवार] घोडानी
रहस पु० [स] रहस्य, छूपी वात (२) एकान्त (३) आनंद खेल
रहसना अ०क्रि० (प) आनंदवु राचवु
रहस्य पु० [स] छूपा भेद(२)मर्म, सार
रहाइश स्त्री० रहेणीकरणी (२) रहेठाण
रहाई स्त्री० 'रहन' (२) चेन आराम
रहावन पु० गामना द्वारने भगा थई बेसवानी जगा – पादर
रहा-सहा वि० जुओ 'रहना' मां
रहित वि० [स] विनानु हीन
रहिला पु० चणा
रहीम वि० [अ] रहेमवाळु महेरबान, कृपाळु (२) पु० ईश्वर
रांक वि० रंक, रांक गरीब सालस
रांग पु० 'रंग, कलाई
रांगा पु० सीसु
रांड स्त्री० रांड विधवा (२) रंडी, वश्या
रांध अ० पासे पडखामां
रांध पडोस पु० अडोशपडोश
रांधना स०क्रि० रांधवु पकावव
रांभना अ०क्रि० (गायनु) वागरडवु
राइ(-य) पु० राय राजा, दरबार
राइ(-य)ता पु० राईतु
राइफल स्त्री० [इ] राइफल बंदूक
राई स्त्री० राई तेजाना (२) राई जटलु माप -काई करना=राई जवडा टुकडा करवा -नोन उतारना=राई मरचा उतारवा-नजर उतारवी -से पर्वत करना=राईनो पर्वत-रजनु गज करवु
राउ पु० (प) राजा राय [वीर
राउ(-व)त पु० (प) क्षत्री सरदार,
राउ(-व)र पु० रणवास, जनाना (२) वि० (प) आपनु, रावर'
राकस पु० (प) राक्षस -सिन,-सी स्त्री० राक्षसी [-केश पु० चंद्र
राका स्त्री० [स] पूनमनी रात ०पति,
राक़िम वि० [अ] राकिम, लेखक
राक्षस पु० [स] दैत्य -सी स्त्री०
राख स्त्री० रख्या राखाडी
राखना स०क्रि० (प) रक्षवु, राखवु (२) रोकवु
राखी स्त्री० राखडी (२) राख, खाक
राखी-पूनो स्त्री० बळेव राखडीनी पूनम
राग पु० [स] गावानो राग (२) मननो राग – प्रेम, चाह (३) लालच इच्छा (४) ईर्षा मत्सर (५) लाल रंग -गिनी स्त्री० रागणी -गी वि० रागवाळु [इच्छावाळु
रागिब वि० [अ] रगबत- रुचि के
रागी वि० [स] जुओ 'राग' मां
राघव पु० [स] रामचंद्र
राचना स०क्रि० (प) रचवु बनाववु (२) अ० क्रि० रचावु बनवु (३) राचवु माणवु (४) रंगे रंगावु
राछ पु० वणकरनु राच (२) जान के सरघस (३) घंटीनो खीलडा

रसा स्त्री० [स] रसना (२) पृथ्वी (३) पु० रसा (४) वि० [फा] पहोचनार
रसाई स्त्री० [फा] पहोचवु ते (२) पहोच, प्रवेश (३) ओळख (४) धीरज सबूरी
रसादार वि० रसावाळु (शाक)
रसायन पु० [स] रसायण शास्त्र (२) भस्मवाळी औषधि
रसाल पु० [स] शेरडी (२) आंबा (३) वि० रसाळ, मीठु के सुंदर
रसाला पु० जुओ 'रिसाला' (२) स्त्री० [स] दहींनी एक वानी, 'सिखरन' (३) द्राक्ष (४) जीभ
रसाव पु० झमवु के चवु–'रसना'–ते
रसावर(–ल) पु० जुओ 'रसौर'–'वखीर'
रसिक वि० [स] रस पडे एवु रसयुक्त (२) रसज्ञ रसियु (३) प्रेमी विलासी
रसिया पु० रसियो (२) फागणमा गवातु एक प्रकारनु गायन
रसीद स्त्री० [फा] पहोचवु ते के तेनी पावती –करना = पहोचतु करवु (२) दइ देवु मारवु –काटना = रसीद फाडवी के आपवी
रसील (प), –ला वि० रसीलु (२) स्वादिष्ट (३) रसियु (४) छबीलु सुंदर
रसु(–सो)न पु० लसण 'लहसुन'
रसूम पु० [अ 'रस्म नु ब०व०] नियम धारा (२) धारा प्रमाण आपवाना लागा कर उदा० रसूम अदालत = अदालतमा केस करवा आपवु पडतु धन, कोर्ट फी
रसूल पु० [अ] पेगंबर, ईश्वरनो दूत –ली वि० रसूल संबंधी
रसोइया पु० रसोइया महाराज
रसोई स्त्री० रसोई (२) रसोडु
रसोईखाना, रसोई घर पु० रसोडु
रसोईदार पु० रसोइयो –री स्त्री० तेनु काम
रसोन पु० [स] जुओ 'रसुन
रसौत स्त्री० एक दवा
रसौता पु०, –ती स्त्री० वरसाद थता पहेला कराती वावणी
रसौर पु० जुओ 'वखीर'
रसौली स्त्री० रसोळी
रस्ता पु० जुओ 'रास्ता'
रस्म स्त्री० [अ] 'रसम', रिवाज (२) वर्तन, व्यवहार
रस्म उल खत पु० [अ] लिपि
रस्सा पु० रसो, जाडु दोरडु
रस्सी स्त्री० रसी दोरडी
रहँकला पु० रेकडी के तेवी (तोप लादवानी) नानी गाडी
रहँ(–ह)चटा पु० चसको लालसा
रहँट पु० [स आरघट्ट] रहेंट
रहँटा पु० (प) रेंटियो
रहँटी स्त्री० लोढवाना चरखो (२) दर महिने अमुक हप्ते आपवाना करीने अपातु उधार
रह स्त्री० 'राह' नु समासमा आवतु रूप दा० त० रहगुजार, रहजन इ०
रहचटा स्त्री० जुओ 'रहँचटा
रहजन पु० [फा] जुओ 'राहजन' –नी स्त्री० डकाटी लूट
रहन,–नि,–नी स्त्री० रहेणी के रहेवु ते
रहन सहन स्त्री० रहेणीकरणी
रहना अ०क्रि० रहेवु रहा जाना = रहेवावु (प्राय आ प्रयोग नकार माय)
रहा-सहा = थोडुघणु बचलु रहेलु

रहनि,–नी स्त्री० जुओ 'रहन'
रहनुमा वि०[फा] मागदशक राहवर
रहनुमाई स्त्री०[फा]मागदशन दोरवणी
रहबर वि०, –री स्त्री० जुओ 'राहबर,–री
रहम पु०[अ] रहेम दया (२) गर्भाशय
रहमत स्त्री०[अ]रहेमत दया,महरबानी
रहमान वि० [अ] दया करनार (२) पु० ईश्वर रहेमान
रहल स्त्री० जुओ 'रिहल' [रवाल
रहवाल स्त्री० [फा रहवार] घोडानी
रहस पु० [स] रहस्य छूपी वात (२) एकान्त (३) आनद खेल
रहसना अ०क्रि० (प) आनदवु, राचवु
रहस्य पु० [स] छूपो भेद(२)मम सार
रहाइश स्त्री० रहेणीकरणी (२) रहेठाण
रहाई स्त्री० 'रहन' (२) चेन आराम
रहावन पु० गामना ढारने भेगा थई वेसवानी जगा – पादर
रहा-सहा वि० जुओ 'रहना' मा
रहित वि० [स] विनानु हीन
रहिला पु० चणा
रहीम वि० [अ] रहेमवाळु महेरवान, कृपाळु (२) पु० ईश्वर
राक वि० रक, राक, गरीब सालस
राग पु० 'रग, कलाइ
रागा पु० सीसु
राड स्त्री० राड विधवा (२) रडी वश्या
राध अ० पासे पडाशमा
राध पडोस पु० अडोसपडाश
राधना स०क्रि० राधवु पकावयु
राभना अ०क्रि० (गायनु) बागरडवु
राइ(–य) पु० राय राजा दरवार
राइ(–य)ता प० राईत
राइफल स्त्री० [इ] राइफल बदूक
राई स्त्री० राई तेजानो (२) राई जेटलु माप –काई करना=राई जेवडा टुकडा करवा –नोन उतारना=राई मरचा उतारवा–नजर उतारवी –से पवत करना=राईनो पवत–रजनु गज करवु
राउ पु० (प) राजा, राय [वीर
राउ(–व)त पु० (प) क्षत्री सरदार,
राउ(–व)र पु० रणवास जनानो (२) वि० (प) आपनु 'रावर'
राकस पु० (प) राक्षस –सिन,–सी स्त्री० राक्षसी [–केश पु० चद्र
राका स्त्री० [स] पूनमनी रात ०पति,
राकिम वि० [अ] राकिम, लेखक
राक्षस पु० [स] दत्य –सी स्त्री०
राख स्त्री० रख्या राखोडी
राखना स०क्रि० (प) रक्षवु, राखवु (२) राकवु
राखी स्त्री० राखडी (२) राख, खाक
राखी-पूनो स्त्री० बळेव राखडीनी पूनम
राग पु० [स] गावानो राग (२) मननो राग – प्रेम, चाह (३) लालच, इच्छा (४) ईर्षा मत्सर (५) लाल रग –गिनी स्त्री० रागणी –गी वि० रागवाळु [इच्छावाळु
रागिब वि० [अ] रगवत – रुचि के
रागी वि० [स] जुआ 'राग' मा
राघव पु० [स] रामचद्र
राचना स०क्रि० (प) रचवु बनाववु (२) अ० क्रि० रचावु बनवु (३) राचवु माणवु (४) रगे रगावु
राछ पु० वणकरनु राच (२) जान के सरघम (३) घटीना खीलडा

राज पु० राज्य (२) राजा (३) कडियो
राज पु० [फा] रहस्य, मम
राजकर पु० [स] जुआ 'राजस्व'
राजकाज पु० राज्यव्यवस्था, राज्यनु कामकाज नीति इ० [सबधी
राजकीय वि० [स] राजा के राज्य
राजकुंअर (प), राजकुमार [स] पु० राजकुवर, राजपुत्र
राजगद्दी स्त्री० राजगादी, राजपाट
राजगीर पु० 'राज', कडियो –री स्त्री०
राजत पु० [स] रजत, चादी (२) वि० चादीनु [तनी सजा
राजदड पु० [स] राज्यनु शासन के
राजदूत पु० [स] एलची
राजद्रोह पु० [स] राज्य के राजा सामे काम करवु ते
राजधानी स्त्री० [स] राज्यनु पाटनगर
राजना अ०कि० (प) राजवु शाभवु (२) विराजवु [रायणनु थाड
राजन्य पु० [म] राजा (२) क्षत्रिय (३)
राजपथ पु० [स] धोरी रस्तो, राजमाग
राजपूत पु० राजपुत्र, रजपूत –ताना प० रजपूताना प्रदेश
राजबाहा पु० सौथी मोटी–मुख्य नहेर, जेमाथी नानी फूटती जाय
राजभक्त पु० [म] राजा के राज्यनु भक्त, वफादार –क्ति स्त्री०वफादारी
राजभवन पु० [स] राजानो महेल
राजभाग पु० एक अनाज (२) बपोरनु (ठाकोरजीने धरातु) नवेद्य
राजमहल पु० राजमहेल
राजमाग पु० [स] जुओ 'राजपथ'
राजरोग पु० [स] क्षय
राजर्षि पु० [स] क्षत्रिय ऋषि
राजश्री स्त्री०[म] राज्यलक्ष्मी, राजाना विभूति
राजस वि० [स] रजागुणी (२) पु० क्रोध, गुस्सा [सत्ता
राजसत्ता स्त्री० [स] राजा के राज्यनी
राजसभा स्त्री० [स] राजानी सभा, दरबार (२) राज्यनी सभा–ससद
राजसूय पु० [स] (सम्राटनो) एक प्रकारनो यज्ञ
राजस्व पु० [स] राजाने आपवानो कर
राजहस पु० [स] एक प्रकारना हस
राजा पु० [स] राजा, नप ०धिराज पु० महाराजा, सम्राट [(२) राई
राजि(–जी) स्त्री० [स] पक्ति हार
राजिक पु० [अ] अन्नदाता (२) ईश्वर
राजिका स्त्री० [स] जुओ 'राजि' (२) अळाई [शोभतु
राजित वि० [स] विराजेलु (२) राजतु,
राजी स्त्री० [स] जुआ 'राजि
राजी वि० [अ] राजी समत (२) नीरोग (३) राजी खुश (४) सुखी (५) स्त्री० 'रजामदी सहमता ०खुशी स्त्री० क्षेमकुशळ
राजीनामा पु०[फा] (वादी प्रतिवादीना) झघडानी पतावटनु सुलेहनामु
राजीव पु० [स] कमळ
राज्ञी स्त्री० [स] राणी
राज्य पु०[स] राजानो देश (२) शासन, हकूमत, सत्ता
राज्यतत्र पु०[स] राज्यनु तत्र, शासनप्रथा
राज्यपाल पु०[स] राज्यप्रदेशना गवनर
राज्यव्यवस्था स्त्री०[स] राजकारभार
राज्याभिषेक पु० [स] राजगादी पर बेसाडवु त क तनो विधि

राहु(-हु)ल पु० राजा, मोटो राजा
राह वि० नाद भद (२) रावच
राता(-ता) पु० राजा राजा
रात स्त्री० रात्रि
राता वि० (१) रात रातुं (४) रात
रातिब पु०[अ] रातब राजनुं खाध
राघु (खास घोडा रात खावानुं)
रातुल पु० रता रत्न
रात्रि-त्री स्त्री० [स] रात
राधना सक्रि० (१) आराधवु
रान स्त्री० [फा] जांघ
राना पु० राणा राजा
रानी स्त्री० राणी (२) राजाणी स्वामिनी
राब स्त्री० गळनी राब उकाळी मध
जेवा रस कर छ ते पदार्थ
राबडा स्त्री० रबडी बाजूरी
रावता, राबिता पु०[अ] मेळ (२) संबंध
राम पु०[स] रामचंद्र (४) ईश्वर ( )
वि० [फा] मगन (८) आधारित
-करना = ताबे करवं -करण होना =
ताबे थवु (२) मरी जवं
राम-कहानी स्त्री० लांबी रामायण लांबु
वर्णन
राम-जना पु० एक वर्णसंकर जाति
-नी स्त्री० गुणका वेश्या
रामतराई स्त्री० भीडा
रामतारक पु० [स] ॐ रामाय नम
ए राममंत्र [रामजयता
रामनवमी स्त्री०[स] चैत्र सुद नोम-
रामनामी पु० रामनाम छापेलु कपडुं
रामनौमी स्त्री० रामनवमी
रामरज स्त्री० गोपीचंदन-पीळी माटी
रामरस पु० मीठु (२) भाग
राम राम पु० प्रणाम (२) स्त्री० भेट,
मुलाकात -करना = भेट मुलाकातथवी
-हो जाना = मरी जवं
रामशाला स्त्री०[स] रामायणनी स्थानु
रामनी ए नानु नाटक
रामसनेही पु० एक धर्म संप्रदाय
रामा स्त्री०[स] स्त्री रमणी-सुंदर स्त्री
रामानंद पु० (रामानंद प्रवर्तित) एक
धर्म संप्रदाय
राय स्त्री०[अ] मत अभिप्राय सलाह
-कायम करना = ठराववु
राय पु० राजा (४) सरदार (२) भाट
रायगाँ वि० [फा] व्यर्थ नकाम
रायज वि० [अ] प्रचलित चालु
रायता पु० रायतुं रायतु
रायल वि० [इं रायल] शाही राजाना
(४) स्त्री० कागळ (रायल)
रायसा पु० रासो
रार पु० रार झघडो तकरार
राल स्त्री०[स] राळ (२) [स लाला]
लाळ थूक -गिरना, चूना, टपकना=
लाळ पडवी
राव पु० राजा (४) सरदार अमीर
रावटी स्त्री० नानो तंबू-राटी (२)
नानो छापरो के गुंबजी अटारी
रावत पु० जुओ रावत
रावर पु० (२) वि० जुओ 'राउर'
रावल पु० राजा रावळ (२) (१)
'रावर', अंत पुर
रावी पु०[अ] रिवायतना कहेनार के
कथनार
राशि स्त्री०[स] ढगलो (२) नक्षत्रना
राशि
राशा पु०[अ] लांचिया रुशवत लेनार
राष्ट्र पु० [स] देश राज्य, 'कौम'

राज पु० राज्य (२) राजा (३) कडियो
राज़ पु० [फा] रहस्य, मर्म
राजकर पु० [स] जुओ 'राजस्व'
राजकाज पु० राज्यव्यवस्था, राज्यनु कामकाज नीति इ० [सबधी
राजकीय वि० [स] राजा के राज्य
राजकुँअर (प), राजकुमार [स] पु० राजकुवर, राजपुत्र
राजगद्दी स्त्री० राजगादी, राजपाट
राजगीर पु० 'राज', कडियो –री स्त्री०
राजत पु० [स] रजत, चादी (२) वि० चादीनु [तेनी सजा
राजदड पु० [स] राज्यनु शासन के
राजदूत पु० [स] एलची
राजद्रोह पु० [स] राज्य के राजा सामे काम करवु ते
राजधानी स्त्री० [स] राज्यनु पाटनगर
राजना अ०क्रि० (प) राजवु, शाभवु (२) विराजवु [रायणनु थाड
राजन्य पु० [स] राजा (२) क्षत्रिय (३)
राजपथ पु० [स] धोरी रस्तो राजमार्ग
राजपूत पु० राजपुत्र रजपूत –ताना पु० रजपूताना प्रदेश
राजबाहा पु० सौथी मोटी–मुख्य नहेर, जेमाथी नानी फूटती जाय
राजभक्त पु० [स] राजा के राज्यनु भक्त, वफादार –क्ति स्त्री०वफादारी
राजभवन पु० [स] राजानो महेल
राजभोग पु० एक अनाज (२) बपोरनु (ठाकोरजीने धरातु) नवेद्य
राजमहल पु० राजमहल
राजमार्ग पु० [स] जुओ 'राजपथ'
राजरोग पु० [स] क्षय
राजर्षि पु० [स] क्षत्रिय ऋषि
राजश्री स्त्री०[म] राज्यलक्ष्मी, रा विभूति
राजस वि० [स] रजागुणी (२) क्रोध, जुस्सो [
राजसत्ता स्त्री० [स] राजा के रा
राजसभा स्त्री० [स] राजाना दरबार (२) राज्यनी सभा–स
राजसूय पु० [स] (सम्राटना) प्रकारनो यज्ञ
राजस्व पु० [स] राजान आपवानो
राजहस पु० [स] एक प्रकारनो
राजा पु० [स] राजा, नृप ०धिराज महाराजा, सम्राट [(२)
राजि(–जी) स्त्री० [स] पक्ति, ह
राज़िक पु० [अ] अन्नदाता (२) ईश
राजिका स्त्री० [स] जुओ 'राजि' (अळाई [शाभ
राजित वि० [स] बिराजलु (२) राज
राजी स्त्री० [स] जुओ राजि
राज़ी वि० [अ] राजी समत (२ नीरोग (३) राजी, खुश (४) मुख (५) स्त्री० रजामदी', सहमता
०खुशी स्त्री० क्षमकुशळ
राज़ीनामा पु०[फा] (वादी प्रतिवादीना) झघडानी पतावटनु सुलेहनामु
राजीव पु० [स] कमळ
राज्ञी स्त्री० [स] राणी
राज्य पु०[स] राजाना देश (२) शासन, हकूमत सत्ता
राज्यतत्र पु०[स] राज्यनु तत्र, शासनप्रथा
राज्यपाल पु०[स] राज्यप्रदेशना गवनर
राज्यव्यवस्था स्त्री०[स] राजकारभार
राज्याभिषेक पु० [स] राजगादी पर वेसाडवु ते के तेना विधि

राटु(-तु)ल पु० कपाण, माटा काटा
राड वि० नीच, क्षुद्र (२) कायर
राणा(-ना) पु० राणो राजा
रात स्त्री० रात्रि
राता वि० (प) रातु लाल (२) रंगेलु
रातिब पु०[अ] रातब राजनु बाधलु नीधु (प्राय हाथी वगर पगुनु)
रातुल पु० जआ राटुल
रात्रि,-त्री स्त्री० [स] रात
राधना स०क्रि० (प) आराधवु
रान स्त्री० [फा] जाघ
राना पु० राणा राजा
रानी स्त्री० राणी (२)गठाणी स्वामिनी
राब स्त्री० गरडीना रसन उकाळी मध जवा कर उ ते पदार्थ
राबडी स्त्री० रवडी, बासूदी
राबता, राबिता पु०[अ] मेळ (२)सबध
राम पु०[स] रामचद्र (२) ईश्वर (३) वि० [फा] नवम्र (४) आनदित -करना = ताबे करवु -शरण होना = नाशु थवु (२) मरी जवु
राम-कहानी स्त्री० लाबु रामायण, लाबु वणन
राम जना पु० एक वणसकर जाति -नी स्त्री० गुणका वश्या
रामतरोई स्त्री० भीडो
रामनारक प० [स] रा रामाय नम' ए राममत्र [रामजयती
रामनवमी स्त्री०[स] चत्र सुद नोम-
रामनामी पु० रामनाम छापलु कपडु
रामनौमी स्त्री० रामनवमी
रामरज स्त्री० गोपीचदन-पीळी माटी
रामरस पु० मीठु (२) भाग
राम राम प० प्रणाम (२) स्त्रा० भेट, मुलाकात -करक = भारे मुश्केलीथी -हो जाना = मरी जवु
रामलीला स्त्री०[स] रामायणनी कथानु -रामना लीलानु नाटक
रामसनेही पु० एक वष्णव सप्रदाय
रामा स्त्री०[स] स्त्री, रमणी-सुदर स्त्री
रामावत पु० (रामानद प्रणीत) एक वष्णव सप्रदाय
राय स्त्री०[अ] मत अभिप्राय सलाह -कायम करना = ठरावबु
राय पु० राजा (२) सरदार (३) भाट
रायगा वि० [फा] व्यय नकामु
रायज वि० [अ] प्रचलित, चालु
रायता पु० 'राइता' रायतु
रायल वि० [इ रायल] शाही रानवी (२) स्त्री० रायल कद (कागळनु)
रायसा पु० रासा
रार पु० राड वघडा तकरार
राल स्त्री०[स] राळ (२) [स लाला] लाळ थूक -गिरना, चूना, टपकना= लाळ पाळवी
राव पु० राजा (२) सरदार अमीर
रावटी स्त्री० नाना तबू-डेरा (२) नानी छापरी के खुल्ली अटाळी
रावत पु० जुआ 'राउत'
रावर पु० (२) वि० जुओ 'राउर'
रावल पु० राजा रावळ (२) (प) रावर', अत पुर
रावी पु०[अ] कथावाता कहनार के लखनार
राशि स्त्री०[स] ढगला (२) नक्षत्रनी राशि
राशी पु०[अ] लाचियो रुशवत लेनार
राष्ट्र पु० [स] देश राज्य 'कौम'

राज पु० राज्य (२) राजा (३) कडिया
राज पु० [फा] रहस्य, मम
राजकर पु० [स] जुओ 'राजस्व'
राजकाज पु० राज्यव्यवस्था, राज्यनु कामकाज, नीति इ० [संबधी
राजकीय वि० [स] राजा के राज्य
राजकुँअर (प), राजकुमार [स] पु० राजकुवर, राजपुत्र
राजगद्दी स्त्री० राजगादी, राजपाट
राजगीर पु० 'राज', कडियो -री स्त्री०
राजत पु० [स] रजत, चादी (२) वि० चादीनु [तेनी सजा
राजदड पु० [स] राज्यनु शासन के
राजदूत पु० [स] एलची
राजद्रोह पु० [म] राज्य के राजा सामे काम करवु ते
राजधानी स्त्री० [स] राज्यनु पाटनगर
राजना अ०क्रि० (प) राजवु शोभवु (२) विराजवु [रायणनु झाड
राजन्य पु० [स] राजा (२) क्षत्रिय (३)
राजपथ पु० [स] धोरी रस्तो राजमार्ग
राजपूत पु० राजपुत्र रजपूत -ताना पु० रजपूताना प्रदेश
राजबाहा पु० सौथी मोटी-मुख्य नहेर, जेमाथी नानी फूटती जाय
राजभक्त पु० [स] राजा के राज्यनु भक्त, वफादार -क्ति स्त्री०वफादारी
राजभवन पु० [स] राजानो महेल
राजभोग पु० एक अनाज (२) बपोरनु (ठाकोरजीने धरातु) नवेद्य
राजमहल पु० राजमहेल
राजमार्ग पु० [स] जुओ 'राजपथ'
राजरोग पु० [स] क्षय
राजर्षि पु० [स] क्षत्रिय ऋषि

राजश्री स्त्री०[स] राज्यलक्ष्मी, राज विभूति
राजस वि० [स] रजागुणी (२) [illegible] क्रोध, गुस्सो [illegible]
राजसत्ता स्त्री० [स] राजा के राज्य
राजसभा स्त्री० [स] राजाना सभ दरबार (२) राज्यनी सभा-संसद
राजसूय पु० [स] (सम्राटनो) ए प्रकारनो यज्ञ
राजस्व पु० [स] राजाने आपवानो कर
राजहस पु० [स] एक प्रकारना हंस
राजा पु० [स] राजा, नृप ०धिराज पु० महाराजा, सम्राट [(१) राई
राजि(-जी) स्त्री० [स] पंक्ति, हार
राजिक पु० [अ] अन्नदाता (२) ईश्वर
राजिका स्त्री० [स] जुओ 'राजि' (२) अळाई [शोभत
राजित वि० [स] विराजलु (२) राजत
राजी स्त्री० [म] जुओ 'राजि
राजी वि० [अ] राजी समत (२) नीरोग (३) राजी, खुश (४) सुखी (५) स्त्री० 'रजामदी' सहमती ०खुशी स्त्री० क्षेमकुशळ
राजीनामा पु०[फा] (वादी प्रतिवादीना) झघडानी पतावटनु मुलेहनामु
राजीव पु० [स] कमळ
राज्ञी स्त्री० [स] राणी
राज्य पु०[स] राजाना देश (२) शासन, हकूमत, सत्ता
राज्यतंत्र पु०[स] राज्यनु तंत्र शासनप्रथा
राज्यपाल पु०[स] राज्यप्रान्तना गवर्नर
राज्यव्यवस्था स्त्री०[स] राजकारभार
राज्याभिषेक पु० [स] राजगादी पर बेसाडवु ते क तेनो विधि

राटु(-टु)ल पु० त्याण, माटा काटा
राड वि० नीच क्षुद्र (२) रामर
राणा(-ना) पु० राणा राजा
रात स्त्री० रात्रि
राता वि० (प) रात लाल (२) रंगाउ
रातिब पु०[अ] रातब गजनु धाधक
नीणु (प्राय हाथी रगरे पशुनु)
रातुल पु० जुओ राटुल
रात्रि,-त्री स्त्री० [स] रात
राधना स०क्रि० (प) आराधवु
रान स्त्री० [फा] जाघ
राना पु० राणा राजा
रानी स्त्री० राणा (२) ठाणी स्वामिनी
राब स्त्री० गरडीना रसन उकाळी मध
जेवो करे छ त पदार्थ
राबडी स्त्री० रबडी , बासूदी
राबता, राबिता पु०[अ] मळ (२) संबंध
राम पु०[स] रामचंद्र (२) ईश्वर (३)
वि० [फा] मजबूर (४) आसक्त
-करना = तावे करवु -नाम होना =
तानु थवु (२) मरी जवु
राम-कहानी स्त्री० लांबु रामायण लांबु
वणन
रामजना पु० एक वणसकर जाति
-नी स्त्री० गुणका वश्या
रामतरोई स्त्री० भींडो
रामतारक प० [स] रा रामाय नम '
ए राममंत्र [रामजयती
रामनवमी स्त्री०[स] चैत्र सुद नोम -
रामनामी पु० रामनाम छापेलु कपडु
रामनौमी स्त्री० रामनवमी
रामरज स्त्री० गोपीचदन-पीळी माटी
रामरस पु० मीठु (२) भांग
राम राम प० प्रणाम (२) स्त्री० भेट,
मुलाकात -करक = मार मुदालीथी
-हो जाना = मरी जवु
रामलीला स्त्री०[स] रामायणनी कथानु
रामनी लीलानु नाटक
रामसनही पु० एक वष्णव सप्रदाय
रामा स्त्री०[स] स्त्री रमणी-सुन्दर स्त्री
रामावत पु० (रामानन्द प्रणीत) एक
वष्णव सम्प्रदाय
राय स्त्री०[अ] मत अभिप्राय सलाह
-कायम करना = ठरावबु
राय पु० राजा (२) सरदार (३) भाट
रायगाँ वि० [फा] व्यर्थ नकामु
रायज वि० [अ] प्रचलित चालु
रायता पु० 'राइता' रायत
रायल वि० [इ रायल] शाही राजवी
(२) स्त्री० रायल कद (कागळनु)
रायसा पु० रासा
रार पु० राड, झघडा तकरार
राल स्त्री०[स] राळ (२) [स लाला]
लाळ थूक -गिरना, चूना, टपकना =
लाळ पडवी
राव पु० राजा (२) सरदार, अमीर
रावटी स्त्री० नाना तंबू-डेरा (२)
नानी छापरी के सुल्ली अडाळी
रावत पु० जुओ 'राउत'
रावर पु० (२) वि० जओ 'राउर'
रावल पु० राजा रावळ (२) (प)
'रावर', अत पुर
रावी पु०[अ] कथावार्ता कहेनार के
लखनार
राशि स्त्री०[स] ढगलो (२) नक्षत्रनी
राशि
राशी पु०[अ] लांचिया रुशवत लेनार
राष्ट्र पु० [स] देश, राज्य 'कौम'

राष्ट्रपति पु० [स] देशना राज्यनो अध्यक्ष [(२) एक भाषा
राष्ट्रभाषा स्त्री० [स] आखा राष्ट्रनी
राष्ट्रीय वि०[स] राष्ट्रनु के तेने लगतु
रास पु० [अ] भूशिर (२) पशुओनी संख्या जाड वपराय छे उदा० 'चालीस रास बैल'=चालीस बळद (३) स्त्री० लगाम (४) वि० [फा रास्त] अनुकूळ, ठीक [(२) रासमंडळी
रास पु०[स] रासक्रीडा के तेनु गीत
रास स्त्री० राशि, ढग (२) नक्षत्र राशि (३) दत्तक (४) व्याज ०नशीन वि० दत्तक लीधलु
रासना पु० जुओ 'रास्ना'
रासभ पु०[स]गधेडो –भी स्त्री० गधेडी
रासायन,–निक वि०[स] रसायन सबधी
रासिख वि० [अ] दृढ, पक्कु
रासो पु० रासा–वीररसनु एक काव्य
रास्त वि०[फा] ठीक साचु वाजबी (२) सीधु सरळ (३) अनुकूळ
रास्तगो वि० [फा] साचु कहेनार
रास्तबाज वि० [फा] साचु, ईमानदार –जी स्त्री० सच्चाई ईमानदारी
रास्ता पु० [फा] रस्तो (२) उपाय (३) प्रथा, चाल –कटना=रस्ता कपावो –काटना=चालवामा कोईनी आडे ऊतरवु –देखना=वाट जोवी –बताना=रस्ते पडवानु–जवानु कहेवु (२) दोरवु मार्गदर्शन करवु
रास्ना पु० [स] एक औषधि
राह स्त्री०[फा] राह, रस्ता –ताकना, –देखना=वाट जोवी –पडना=रस्ता पडवो (२) जवु रस्ते पडवु (३) (प) लूटवु वाट पाडवी –लगना=रस्तो पकडीने के वडे वडे चालवु (२) धाक लागवो
राहखर्च पु० [फा] वाटखरची
राहगीर पु० [फा] वटमार्गु, मुसाफर
राहगुजर पु० [फा] सडक, रस्तो
राहचलता पु० 'राहगीर'(२)रस्ते जना–आहित माणस
राहजन पु०[फा]लूटारा, डाकु, वाटपाडु
राहजनी स्त्री० [फा] लूट, धाड
राहत स्त्री० [अ] सुख आराम
राहदार पु०[फा]नाकु लेनार, नाकदार
राहदारी स्त्री० [फा] रस्तानो कर, नाकु
राहबर पु० [फा] मार्गदर्शक, भोमियो –री स्त्री० मार्गदर्शन
राह व रब्त, राह व रस्म स्त्री० [फा +अ] मेळ बनाव
राह रस्म पु०, राह रीति स्त्री० लेण देण व्यवहार सबध
राहिन पु० [अ] गीरो राखनार
राहिब पु० [अ] एकांतवासी, त्यागी
राही पु० [फा] वटमार्गु
राहोरब्त, राहोरस्म पु० जुओ 'राह व रब्त' 'राह व रस्म'
रिंगना अ०क्रि० जुओ 'रेंगना'
रिंद पु०[फा] नास्तिक (२) स्वच्छन्दी (३) वि० मस्त मदमस्त
रिदा वि० निरकुश उद्दाम
रिआ(–या)यत स्त्री० [अ] नरम के दयाभर्यो व्यवहार (२) कमी, छूटछाट (३) ख्याल विचार
रिआयती वि० [अ] रिआयत' वाळ
रिआया स्त्री० [अ] रयत
रिकशा पु० [इं] रिक्षागाडी
रिकाब स्त्री० जुओ रकाब'

रिकाबी स्त्री० जुओ 'रकाबी'
रिक्कत स्त्री० [अ] दया कृपा
रिक्त वि०[स] खाली शून्य (२) निधन
रिच्छ पु० (प) रीछ
रिज़क पु० [अ रिज़्क] रोजी निवाह
–मारना = निर्वाहमां बाधा नाखवी
रिज़र्व वि० [इ] खास अंकित
रिज़्वान पु०[अ] स्वर्ग के तेनो दारोगा
रिज़ाली स्त्री० रजाळुपणु नीचता
रिझा(व०)ना स०क्रि० रीझववु प्रसन्न के राजी करवु
रिझाव पु० रीझववु ते प्रसन्नता
रिटायर वि० [इ] निवृत्त 'रिटायर्ड'
रिद्धि स्त्री० [स] समृद्धि ऋद्धि
रिपु पु० [स] शत्रु दुश्मन
रिपोर्ट स्त्री० [इ] हेवाल ०र पु० खबरपत्री [(३) मोटाई
रिफ़अत स्त्री०[अ] ऊंचाई (२) उन्नति
रिमझिम अ० वरमर वरमर (वरसवु) (२) स्त्री० वर्षानी फरफर
रियह पु० [अ] फेफसु
रिया स्त्री०[अ] छळकपट ०ई, ०कार वि० कपटी धूर्त, दगाबाज
रियाज़ पु०, ०त स्त्री०[अ] परिश्रम महेनत (२) तप (३) अभ्यास
रियाज़ी स्त्री० [अ] गणित ज्योतिष इ० विद्याओ गणितविद्या
रियायत स्त्री० जुओ 'रिआयत'
रियासत स्त्री० [फा] राज्य हकूमत (२) वैभव अमीरी –ती वि० 'रियासत' संबंधी [शरीरना वायु
रियाह स्त्री० [अ 'रीह'नु ब० व०]
रिवाज पु०[अ] धारो प्रथा, चाल
रिवाल्वर पु० [इ] तमंचो पिस्तोल
रिश्ता पु० [फा] नातो, संबंध
रिश्तेदार पु०[फा] सगो संबंधी –री स्त्री० सगाई संबंध
रिश्वत स्त्री०[अ] लांच ०खोर वि० लांचियु
रिस स्त्री० रीस गुस्सो ०हा वि० रीसाळ
रिसाना अ०क्रि० रिसावु गुस्से थवु
रिसानी स्त्री० (प) रीस
रिसाल पु० राज्यनो कर [काम
रिसालत स्त्री० [अ] पयगंबरी (२) दूतनु
रिसालदार पु० [फा] रसाल्दार
रिसाला पु०[फा] घोडेसवारोनो रसालो (२) नानी चोपडी–चोपानियु मासिक वगेरे जेवु
रिहल स्त्री०[अ] पुस्तक राखवानी घोडी
रिहलत स्त्री०[अ] कूच रवानगी (२) मरण परलोकगमन
रिहा वि० [फा] मुक्त छूटु
रिहाइश स्त्री० जुओ 'रहाइश'
रिहाई स्त्री० [फा] छुटकारो मुक्ति
रींधना स०क्रि० 'रांधना' रांधवु
री अ० अली (सखीनु संबोधन)
रीछ पु० रीछ (स्त्री० रीछनी)
रीझ स्त्री० रीझवु–राजी थवु ते खुशी
रीझना अ०क्रि० रीझवु राजी थवु (२) मुग्ध थवु, मोह पामवु
रीठा पु०, रीठी स्त्री० अरीठी के अरीठु
रीढ़(–ढ़) स्त्री० करोड मेरुदंड
रीत,–ति स्त्री० जुओ 'रीति'
रीता वि० रिक्त खाली
रीति स्त्री०[स] रीत ढंग (२) प्रथा, रिवाज (३) शैली
रीम स्त्री०[इ] कागळनु रीम (२) परु
रीर स्त्री० जुओ 'रीढ़'

रीस स्त्री० 'रिस', क्रोध (२) ईर्ष्या, दाझ (३) स्पर्धा, बराबरी –करना= बराबरी करवी, स्पर्धवु
रीसना अ०क्रि० रिसावु, गुस्से थवु
रीह स्त्री० [अ] अपानवायु (२) वा, वायु
रुज पु० एक वाद्य
रुंड पु० [स] धड
रुंदवाना स०क्रि० 'रौंदना' नु प्रेरक
रुंधना अ०क्रि० रुंधावु ('रूँधना' नु कर्मणि)
रुअव पु० जुओ 'रोआब'
रुआ पु० (प) 'रोआं', रूवु राम
रुआ(–वा)ब पु० जुओ 'रोआब'
रुकना अ०क्रि० रोकावु, अटकवु
रुकाव पु० ०ट स्त्री० रोकाण बाधा, अंतराय विघ्न
रुक्का पु० [अ] रुक्का, चिठ्ठी
रुक्न पु० [अ] स्तंभ
रुक्म पु० [स] सोनु
रुक्ष वि०[स] लूखु शुष्क (२) कठोर
रुख़ पु०[फा] गाल (२) मो (३) मो पर जणाती मननी इच्छा (४) कृपादृष्टि (५) शेतरजनु महोरु – हाथी (६) अ० तरफ बाजूए
रुखदार वि०[फा] पडतो, घटतो (भाव)
रुखसत स्त्री०[अ] आज्ञा (२) रवानगी (३) छुट्टी रजा [अपातु धन
रुखसताना पु०[फा] विदाय देती वेळा
रुखसती स्त्री०[अ] विदाय वळाववु ते
रुखसार पु० [फा] गाल कपोल
रुखाई स्त्री० रूक्षपणु, शुष्कता (२) कठोरता
रुखानी स्त्री० सुतारनी फरसी
रुग्ण वि० [स] मादु, बीमार
रुचना अ०क्रि० रुचवु, गमवु
रुचि स्त्री०[स] इच्छा, भाव (२) भूख
रुचिकर वि० [स] सुंदर प्रिय (२) भूख उघाडे एवु [पीडा
रुज पु०, रुजा स्त्री० [स] भाग (२) राग
रुजी वि० बीमार, रोगी [लागेलु
रुजू वि०[अ] कशामा प्रवृत्त थयेलु–
रुठ पु० क्रोध, गुस्सो
रुठना अ०क्रि० 'रूठना' रूठवु
रुठाना स०क्रि० रूठववु नाराज करवु
रुतबा पु०[अ] होद्दो पद (२) प्रतिष्ठा
रुदन पु० [स] रोवु ते
रुद्ध वि०[स] रोकायेलु, बंध घेरायेलु
रुद्र वि० [स] भयानक (२) पु० शंकर के तेना गण [(जनी माळा बने छे)
रुद्राक्ष पु० [स] एक वृक्ष के तेनु बीज
रुद्राणी स्त्री० [स] पार्वती
रुद्री स्त्री० शिवनी स्तुतिनु एक स्तोत्र
रुधिर पु० [स] लोही [रणकार
रुनझुन, रुनुकझुनुक स्त्री० रूमझूम करतो
रुपना अ०क्रि० रोपावु 'रोपना' नु कर्मणि
रुप(–प)या पु० रूपियो (२) धन संपत्ति ०पसा पु० धन संपत्ति
रुपहरा, ला वि० रूपेरी चांदी जेव
रुबा वि० [अ] चोथो भागनु
रुबाई स्त्री०[अ] रुबायत एक चरण
रुमाल पु० जुओ रूमाल
रुमाली स्त्री० पट्टावाळो त्रिकोणाकार लंगोट (२) मगदळनो एक दाव
रुरुआ पु० एक जातनो मोटो घुवड
रुलाई स्त्री० रोवु ते रुदन
रुलाना स०क्रि० रडाववु (२) रोवडाववु नष्ट के खराब करवु
रुवा पु० शीमळानु रू

रुबाव पु० जुओ 'राआर'
रुष्ट वि०[म] राष भरायलु नाराज
रुसवा वि० [फा] बदनाम (नाम
रुसवाई स्त्री०) [विश्राम
रुसूज पु० [अ] दृढता (२) मळ (३)
रुसूम पु० व० व० [अ] जुओ 'रसूम
रुसूल पु० जुओ 'रसूल'
रुस्त वि०[फा] तानानवाळु मजबूत (२) बहादुर (३) स्त्री० ऊगवु ते
रुस्तम पु० [फा] प्रसिद्ध फारसी पहलवान (२) बहादुर वीर छिपा रुस्तम = दसवामा सीधासादो पण खरेखर रुस्तम जेवा बहादुर छूपु रत्न रुस्तमका साला = (व्यंग) बडु बहादुर
रुस्तमी स्त्री० बहादुरी (२) जबरदस्ती
रुहजान पु० वलण रुचि वृत्ति
रुहेला पु० रोहिला जातनो पठाण —लखड पु० रोहिलखड
रूँगटा पु० जुओ रागटा' [करवी
रूँधना स०क्रि० रूधवु (२) घेरवु वाड
रू पु०[फा] मो (२) कारण सबब —से = रूए अनुसार मुजब
रूई स्त्री० रू (२) रू जेवु रुछु ०दार वि० रू भरेलु
रूईदगी स्त्री० [फा] वनस्पति
रूईदार वि० जुओ 'रू' मा
रूए स्त्री०[फा] 'रू' चहेरा (२) कारण
रूएदाद स्त्री० [फा] जुओ रूदाद'
रूक्ष वि० [स] जुओ 'रुक्ष'
रूख,०डा पु० (प) वृक्ष झाड
रूखा वि० लूखु रूक्ष सूकु (२) नीरस (३) कठोर (४) उदासीन वरागी —पडना, —होना = लाजशरम छोडवी

रूखासूखा वि० लूखुसूकु, सादु साधारण, जाडु पातळु (खावानु)
रूठ (प) ०न स्त्री० रूठवु ते क्रोध
रूठना अ०क्रि० रिसावु [वि० स्त्री०
रूड,—डो (प) वि० रूडु सुदर —डी
रूढ वि०[स] आरूढ चडेलु (२) पेदा थयेलु (३) रूढ चालु (४) गमार जड
रूढि स्त्री०[स] चडवु ते (२) जन्म, उत्पत्ति (३) रूढि चाल रिवाज
रूदाद स्त्री० समाचार हेवाल (२) दशा हाल (३) वर्णन (४) अदालतमा थेयेलु कामकाज
रूनुमाँ वि०[फा] जाहेर प्रगट खुल्लु —माई स्त्री० मो बतावबु ते मोजाणु
रूप पु०[स] रूप आकार (२) यश (३) सूरत सिकल (४) सुदरता (५) (प) रूपु —भरना = नप लेवो रूप धरवु
रूपक पु०[स] नाटकनो एक प्रकार (२) एक काव्यालकार (३) रूप मूर्ति प्रतिकृति
रूपजीविनी स्त्री० [स] वेश्या
रूपरग पु०[स] सिकल चहेरा रूप
रूपरेखा स्त्री० [स] खोखु आकार, टूको चितार
रूपा पु० रूपु चादी
रूपोश वि०[फा] छूपु गुप्त (२) मो छपावी भागी छूटेलु
रूप्य वि०[स] रूपाळु सुदर (२) पु० रूपु ०क पु० रूपियो
रूबकार पु०[फा] रूबरू करवु ते (२) हुकमनामु —री स्त्री० केसनु काम काज-सुनावणी
रूबराह वि०[फा] सज्ज तयार (२)

रूबरू अ० [फा] माढामोढ, प्रत्यक्ष, समक्ष
रूबाह स्त्री० [फा] शियाळ ०बाजी स्त्री० लुच्चाई धूतता [ओरडी
रूम पु०[फा] तुकस्तान (२) [इ] रूम,
रूमाल पु० [फा] मोनो रूमाल (२) (माथे के केडे बधाता) रूमाल
रूमाली स्त्री० जुओ 'रुमाली'
रूमी वि० [फा] 'रूम'–तुकस्ताननु
रूरा वि० रूडु सरस सुदर
रू-रिआ(-या)यत स्त्री० [फा + अ] पक्षपात, तरफदारी
रूल पु० [इ] नियम (२) लीटी (३) आकणी 'रूलर स्त्री०)]
रू शनास वि०[फा]परिचित (नाम,–सी
रूस पु० [फा] रशिया (वि० –सी)
रूसना अ०क्रि० रूठवु रापावु
रू सफेद वि०[फा] गोरु (२) खूबसूरत (३) आबरूदार (४) निर्दोष [घाम
रूसा पु० अरडूसो (२) एक सुगधीदार
रूसियाह वि० [फा] काळा मोनु (२) पापी (३) वदनाम (नाम, –ही स्त्री०)
रूसी स्त्री० रशियन भाषा (२) माथानो खोडो (३) वि० रशियान्
रूसे अ० रूए (जुओ 'रू' मा)
रूह स्त्री०[अ] आत्मा (२) सत्त्व सार
रूहानी वि० [अ] आत्मानु के ते सबधी आध्यात्मिक
रेंकना अ०क्रि० भूकवु
रेंगटा पु० खोलवु
रेंगना अ०क्रि० धीरे धीरे, कीडीनी जेम, चाल्वु (२) पेटे चाल्वु
रेंट पु० लीट शेडा
रेंड पु० एरडो –डी स्त्री० एरडी
रेंरें अ० ऊ ऊ करतो गेवानो अवाज
रे अ० ए ! ओ ! (नाना माटे सबोधन)
रेख स्त्री० रेखा, लीटी (२) निशाना (३) नवी फूटती मूछ –आना,–भींजना या भीनना=मूछ फूटवी मूछ आववा
रेखता पु०[फा] रेखतो, एक प्रकारनी गजल के काव्यनो ढाळ
रेखा स्त्री० [स] लीटी (२) आकार ०गणित पु० भूमिति ०चित्र पु० 'स्केच'
रेग स्त्री० [फा] रती
रेगजार पु०[फा] रण रेतीन मेदान
रेगमाल पु० [फा] रेतियो कागळ
रेगिस्तान पु० [फा] रेतीनु रण
रेचक वि०[स] रेच करे एवु (२) पु० एक प्राणायाम
रेचन पु०[स] रच जुलाब के तेनी दवा
रेजगारी, रेजगी स्त्री० आनी बेआनी वगेरे परचूरण, खुरदो
रेजा पु०[फा] नानो टुकडो (२) कडिया कामनो मजूर (३) रेजो, मोनीनी धातु गाळवानी नळी
रेजिश स्त्री०[फा] गरदी सळखम
रेजीमेन्ट स्त्री० [इ] पलटन सेनानो एक भाग
रेट पु०[इ] भाव दर (२) गति, चाल
रेडियम पु० [इ] एक कीमती धातु
रेडियो पु०[इ] रेडिया यत्र के तनु नाम
रेणु,०का स्त्री० [स] रज (२) धूळ (३) रेती
रेत स्त्री० रेती (२) रेतीनु मदान (३) पु० [स] वीर्य (४) पारो
रेतना स०क्रि० रेतडीथी घनवु
रेता पु० रेती के रेतीनु मदान (२) माटी

रेतो स्त्री० रतडो वानम (२) नदी के दरियाना रेताळ विनारा
रेतीला वि० रताळ
रेफ पु० [स] 'र'नो रफ–तनु चिह्न
रेब पु०[अ] दुविधा शका (२) शक, संदेह [रेल्गाडी
रेल स्त्री०[इ] रग्व क तनो पाटो (२)
रेल स्त्री० रेलवु–वहवु त प्रवाह (२) भीड, ०ठेल स्त्री० जुआ 'रलपेल'
रेलगाडी स्त्री० आगगाडी
रलना स०क्रि० धकेल्वु (२) खूब खाव (३) अ०क्रि० ठसाठस भरावु
रेल्पेल स्त्री० खूब भीड (२) भरमार, अधिकता [रेल्वे खातु
रेलवे स्त्री० [इ] रेल्नी सडक (२)
रेला पु० रेलो (२) हुल्लो (३) धक्कम धक्का, भीड
रेवड पु० बकरा घटानु टोळु
रेवडा पु० रेवडी जेवा मोटो टुकडा
रेवडा स्त्री० खावानी रेवडी –क फेरमें आना=गालचमा पडवु, ल्लचाई जवु
रेशम पु०[फा] रेशम–एक तनु –मी वि० रेशमनु [वि० रेसावाळु
रेशा पु०[फा] रेसो, तलु ०(-शे)दार
रेह स्त्री० खारी माटी ऊस
रेहन पु० [फा] गीरो [राखनार
रेहनदार पु०[फा] गीरवीदार गीरो
रेहननामा पु० [फा] गीरो-खत
रेहल स्त्री० जुओ 'रिहल'
रदास पु० रहीदास भक्त (२) चमार
रैन(–नि) स्त्री० (प) रात
रयत स्त्री० रयत प्रजा, 'रिआया'
रहर पु० झघडो टटो
रोंग,०टा पु० रूवु रोम

रोंगटी स्त्री० अणची, रमतमा जाणु जाल्वु ते
रोआब पु० 'रुअब' राफ
रोउँ(–आँ) पु० (प) रूवु राम
रोक स्त्री० रोकवु त (२) अटकाव रोकाण (३) मनाई (४) पु० रोकड
रोक टोक स्त्री० रोकवु त, मनाई निषध
रोकड स्त्री० नगद–रोकडा रूपिया के धन के पूजी
रोकडवही स्त्री० रोकड हिसाबना चोपडा
रोकडिया पु० खजानची रोकड लेनार मुनीम 'कॅशियर
रोकना स०क्रि० रोकवु
रोग पु० [स] बीमारी व्याधि
रोगन पु० [फा रोगन] रोगान
रोगनी वि० रोगानी, रोगान करेलु
रोगिया, रोगी [स]वि० रोगवाळु मादु
रोचक वि०[स] रुच एवु गमतु (२) पु० भूख (३) केळ
रोज पु०[फा] दिवस (२) अ० रोज
रोजगार पु० [फा] धधो (२) वेपार –चमकना=धधामा लाभ थवो
रोजगारी पु० [फा] वपारी
रोज नामचा पु०[फा] डायरी रोजनीशी
रोज ब रोज अ०[फा] दररोज, प्रतिदिन
रोजमर्रा अ०[फा] रोज, नित्य (२) वि० व्यवहारमा चाल्तो (भाषा)
रोजा पु० [फा] रोजो (२) उपवास
रोजाखोर पु०[फा] रोजा न करनार
रोजादार पु० [फा] रोजो करनार
रोजाना अ० [फा] रोज, हमेश
रोजी स्त्री० [फा] रोजी ०दार पु० रोजीवाळो

…धानी पु० [फा] दिवस के मासनी
मजूरी राजी के पगार
…ट पु० जाडो मोटो रोटला–भाखरो
…टी स्त्री० रोटली (२) रमोई –दाल
…लना = निवाह थवो [विघ्न पाडवु
…ा पु० राडु –अटकाना, –डालना=
…सी पु० [स] स्वग (२) पृथ्वी
पु० धनुष्यनी दारी (२) [फा]
…रडु के (आतरडानी बनली) तात
अ०क्रि० रोवु रडवु (२) चिडावु
…दु ख मानवु (३) वि० रोतल
…० –नी) (४) पु० दु ख, खद
…ा = शोक फेलावो ककळाट थई
–पीटना=खूब रडवु छाती कूटवी
…नी स्त्री० रोवु ते दु खशोक
…०क्रि० रोपवु वाववु
…रोपाई स्त्री० रोपणी
…आव रोफ –जमाना = (काई
…क मारवो के पाडवो –में
…भाव के भीतिमा आवी जवु
…० [अ] प्रभाव रोफ
…० प्रभाव–रोफवाळु
…] रूवु [कि ते पथ
…क पु०[इ] रोमन कॅथलिक
[स] ऊननु कपडु
…लता स्त्री०[स] रोमनी
…करीने पेट परनी)
रोमाच पु०[स] रूवा
…ा ते के तेवी ऊर्मि
…स] रोमाच अनुभवतु
['रोमराजी'
स्त्री० [स] जुओ
…रोम –खडा होना=
…ढ़ा न होना = वाळ

वाको न थवो –पसीजना=दया आववी
रोर,–ल स्त्री० रोळ, कळाहोळ (२)
धमाल आदाल्न
रोला पु० रोळ शोरबकोर(२)धमसाण
रोली स्त्री० कंकु
रोवनी धोवनी स्त्री० जुओ 'रोनी धानी'
रोवासा वि०(स्त्री० –सी)रडु रडु थयलु
रोशन वि० [फा] प्रकाशमान (२)
प्रसिद्ध (३) जाहेर प्रगट
रोशन-चौकी स्त्री० शरणाई
रोशन-दान पु०[फा] प्रकाश आववानी
बारी
रोशन दिमाग़ पु०[फा] उत्तम दिमाग
वाळो (२) छोकणी
रोश(-स)नाई स्त्री० [फा] रुशनाई,
शाही (२) जुओ 'रोशनी'
रोश(-स)नी स्त्री० [फा] अजवाळु
प्रकाश (२) दीवो के तेनो प्रकाश
–का मीनार = दीवादांडी
रोष(-स) पु० [स] गुस्सो चीड
रोसनाई, रोसनी जुओ अनुक्रमे
'रोशनाई रोशनी'
रोह पु०[म]चडवु ते(२)अकुर(३)कळी
रोहण पु०[स] चडवु ते (२) ऊगवु के
अकुर फूटवा ते
रोहिणी स्त्री०[स] गाय (२) एक नक्षत्र
रोहित वि० (२) पु० [स] लाल रग
रौंद स्त्री० कचडवु ते (२) 'राउड',
चक्कर
रौंदना स०क्रि० पगथी कचडवु
रौ स्त्री० गति चाल (२) वेग (३)
पाणीनो प्रवाह (४) धून (कशी वातनी)
रौग़न पु०[फा] रोगान पोलिश –नी
वि० रोगान करेलु

रोज़न पु० [फा] छिद्र, बाकु (२) बारी
रोज़ा पु० [अ] रोजा उपवास (२) मकबरा
रौताइन स्त्री० रावनी स्त्री ठकराणी
रौताई स्त्री० रावपणु ठकराई
रौद्र वि० [स] रुद्र भयानक (२) पु० एक काव्यरस
रौनक स्त्री० [अ] रोनक शोभा

रौप्य वि० [स] रूपानु, रूपेरी (२) पु० रूपु चांदी
रौरव पु० [स] एक महा नरक
रौरे स० (प) तमे आप (आदरवाचक)
रौला पु० गोळो घोंघाट धमाल
रौगन वि० [फा] जुओ रोगन
रौगनी स्त्री० [फा] जुओ रोगनी'
रौहाल स्त्री० (प) घोडानी रवाल

ल

लक स्त्री० लंका (२) [स] कमर
लक्लाट पु० 'लाला बलाय' एक जातनु जाडु कापड
लग स्त्री० काछडी (२) पु० [स] यार
लग पु० [फा] लगडापण (२) वि० लगडु –करना, –खाना=लगडावु
लँगड, डा वि० लगडु
लँगडा(रा)ना अ०क्रि० लगडावु
लगर पु० [फा] वहाणनु लगर (२) तोफाना कारन गळे बधायेलु लाकडु डेरा (३) सदाव्रतनी जगा (शीखोनु लगर) (४) पहेलवाननो लगोट (५) वि० भारे वजनदार (६) लँगड' लगडु (७) नटखट, तोफानी –उठाना= लगर उठाववु वहाण रवाना थवु –करना, –डालना, –फेंकना= लगर नाखवु लागरवु –बाधना= पहेलवाननु काम करवु (२) ब्रह्मचर्य लेवु –लँगोट कसना या बाधना= लडवा तयार थवु
लगरखाना पु० [फा] शीख लगर
लगरगाह पु० [फा] लगर नाखवानी–लागरवानो जगा

लगरदार वि० [फा] भारे
लगूर पु० वानरा के तेनी पूछडा
लगूल पु० लागूल, पूछडी
लँगोट(–टा) पु० लगोट कच्छ
लँगोटबन्द पु० ब्रह्मचारी
लँगोटिया यार पु० लगोटिया मित्र
लँगोटी स्त्री० कौपीन लगोटी –पर फाग खेलना=थोडु जोर छता बहु करवु
लघन पु० [स] लाघवु ते उपवास
लठ वि० मूरख जड
लँडूरा वि० बाडु (पक्षी)
लतरानी स्त्री० [अ] गप्पी डींग मोटी मोटी वातो ठोकवी ते
लप पु० लम्प दीवो [(२) पु० यार
लपट वि० [स] कामी विषयी दुराचारी
लब पु० [स] लब रेखा (२) वि० लाबु
लबकर्ण पु० [स] बकरो (२) गधेडो (३) हाथी (४) वि० लाबा कानवाळु
लबग्रीव पु० [स] ऊट
लबतडग वि० लाबु ताड जेवु
लबर पु० नबर ०दार पु० जुओ नबरदार', महालकरी

लबा वि० लांबु (२) ऊंचु (माणस) –करना=(माणसने) रवाना करवु (२) जमीन पर लांबु करी दवु
लबाई(–न) स्त्री० लंबाई, लबाण
लंबा चौडा वि० लांबुपहोळु, विस्तृत
लबाना स०क्रि० लंबाववु
लंबी वि० स्त्री० लांबी –चौडी हांकना =गप मारवी –तानकर सोना,–तानना =निरांते ऊंघ थईने बेफिकर बनीने सूवु –सांस भरना, लेना=निसासो नाखवो
लंबू वि० लबूश (लांबो माणस)
लंबोतरा वि० वधारे लांबु–लंबायेलु
लंबोदर पु० [स] गणपति
लंबोष्ठ पु०[स] ऊंट (२) वि० लांबा ओठवाळु
लअन तअन स्त्री०[अ] गाळा ने टोणा
लऊक पु० [अ] अवलेह चाटवानी दवा
लकडबग्घा पु० जरख प्राणी
लकडहारा पु० कठियारो
लकडा पु० लाकडानु डीमचु
लकडी स्त्री० लाकडु (२) बळतण, ईंधण(३)लाकडी –चलना=लाकडीनी मारामारी थवी –देना=मडदु बाळवु –सा=लाकडा जेवु पातळु दूबळु, सुकलकडी –होना=लाकडा जेवु सुकु थई जवु
लकदक पु०[फा] साफ (घास के झाड पान विनानु) वेरान मेदान
लकब पु० [अ] इलकाब पदवी
लकलक पु०[अ] सारस पक्षी लगभग (२) वि० बहु दूबळु पातळु नाजुक
लकलका पु०[फा] वारवार जीभ काढी हलाववी ते (२) महाकांक्षा (३) दमाम, रोब (४) सारसनी बोली
लक्क-व-दक्क पु०[अ] उज्जड वेरान मेदान
लकवा पु०[फा] लकवो रोग –मारना =लक्वो थवा
लकसी स्त्री० जुओ 'लग्गा'
लक्का पु० [अ] चहरा (२) एक पक्षी
लकीर स्त्री०लीटी –का फकीर=विना समज्ये जूनाने वळगी रहेनार चीलेचलु –पर चलना=जूनाने वळगीने चालवु –पीटना=वगर समज्ये रूढिने वळगवु ['वडहर'
लकुच,–ट पु० एक झाड के तेनु फळ
लकुट(–टी) स्त्री० लाकडी
लक्कड पु० लाकडानु मोटु डीमचु 'लकडा'
लक्का पु०[अ] 'ल्का', एक पक्षी लक्की
लक्खी वि० लाखी, लाखना रंग[illegible] पु० लखपति
लक्त वि०[स] लाल [लक्षण, [illegible]
लक्ष वि०[स] लाख (२) पु० लक्ष्य
लक्षण पु०[स] गुण धर्म (२) चि[illegible] निशानी (३) व्याख्या (४) ल[illegible] आचरण [शब्दश[illegible]
लक्षणा स्त्री० [स] लक्ष्यार्थ बता[illegible]
लक्षित वि०[स] लक्षमां आवेलु (चिह्नित (३) धारेलु के कल्पेलु
लक्ष्मी स्त्री०[स] धन (२) लक्ष्मीद[illegible]
लक्ष्य पु०[स] उद्देश, हेतु (२) निश[illegible]
लखन पु० (प) लक्ष्मण
लखपति,–ती पु० लक्षाधिपति
लखलखा पु०[फा] मूर्छा दूर करना[illegible] एक सुगंधी वस्तु
लखलुट वि० उडाउ अपव्ययी(आदमी)

लच्छा पु० दोरनो लच्छो (२) हाथ के पगनु एक घरणु [लाख
लच्छि स्त्री० (प) लक्ष्मी (२)पु० लाग,
लच्छी स्त्री० दोरीनो लच्छो (२) (प) लक्ष्मी [लच्छावाळी (वानी)
लच्छेदार वि० मजेदार (वात) (२)
लछमन पु० लक्ष्मण
लजना अ०क्रि० 'लजाना', लाजवु
लजाना अ०क्रि० लाजवु, शरमावु (२) स०क्रि० लजववु
लजाऊ(-लू) पु० लजामणीना छाड
लजीज वि०[अ] लहेजतदार, स्वादिष्ट
लजीला, लजोहा, लजौहाँ वि० लज्जाळु
लज्जत स्त्री० [अ] लहेजत, मजा, स्वादनो आनद [लाज मर्यादा
लज्जा स्त्री०[स] शरम, सकोच (२)
लज्जालु पु०[स] लजामणी 'लजालू' (२) वि० लज्जाळु
लट स्त्री० माथानी लट (२) गूचवायेला लटिया (३) अग्निनी झाळ -पडना =वाळ गूचावा [(२) लटको
लटक स्त्री०,०न पु० लटकवु ते लचक
लटकना अ०क्रि० लटकवु लडवडवु (२) लचकवु नमवु झूकवु
लटका पु० चाल, हीडछा (२) लटको (३) वातवातमा लहको इ० करवु ते-तेवी कृत्रिमता (४) नाना मत्रोपचार के नुसखा
लटकीला वि० लटकावाळु लचकनु
लटकौआ(-वा) वि० लटकतु
लटना अ०क्रि० थाक के कमजोरीथी ल्टी जवु, नरम पडवु (२) (प) लोभावु लटटु थई जवु
लटपट,-टा वि० लपटु, ढालु (२) भागतूटपु (शब्द माट) (३) पावलू (४) अस्तव्यस्त
लटपटाना अ०क्रि० (नाम, लटापटी, लटपटान)लथडावु के अडवडिया खावा (२) लपटावु [शण, 'पटसन'
लटिया स्त्री० सूतरनी आटी ०सन पु०
लटी स्त्री० जूठी वात, गप (२) वेश्या
लटूरी स्त्री० वाळनी लट
लटटू पु० भमरडो -होना=(कोई पर) लटटु थवु लोभावु के आसक्त थवु
लट्ठ पु० लठु, मोटी लाठी ०बाज वि० लाठी चलावी जाणनार -लिये फिरना=लठु लईने फरी वळवु, सखत विरोध करवा
लट्ठमार वि० लठ मारनार (२) अप्रिय न कठोर (वात के वचन)
लट्ठा पु० जाडु मोटु लाकडानु डीमचु के पाटडो के थाभलो (२) एक जातनु जाडु कपडु (३) ५॥ वारनु जमीननु एक माप
लठैत पु० लाठी चलावी जाणनार
लडत स्त्री० लडाई सामना
लड स्त्री० लटी सेर, माळा, लट
लडक(-का)ई स्त्री० छोकरवाद
लडक खल पु० छोकरानो खेल सहेलु के साधारण काम
लडकबुद्धि स्त्री० नादानी छोकरमत
लडका पु० छोकरो (२) पुत्र
लडका-वाला पु० सतान, परिवार
लडकी स्त्री० छोकरी (२) पुत्री
लडको(-कौ)री वि० स्त्री० धावणा छोकरावाळी (स्त्री)
लडखडाना अ०क्रि० लथडावु लडथडावु
लडना अ०क्रि० लडवु

लब पु० [फा] होठ (२) थूक, लाळ (३) किनारा
लबड धोधा स्त्री० नकामो धमाल (२) गाटाळो, जबर (३) लबाडीपणु
लबरेज अ० [फा] जुओ 'लबालब'
लबलबी स्त्री० बदूकना घाडो
लब व लहजा पु०[फा] बोलवानी रीत
लबादा पु०[फा] एक लाबो स्थल डगलो
लबार वि० लबाड, जूठो (२) गप्पी
लबारी वि० लबाडी(२)स्त्री०लबाडीपणु
लबालब अ० [फा] ठठ काना सुधी—छलाछल (भरेलु)
लबी स्त्री० शरडीना रसनी राब
लबे-गोर वि०[फा]घार नजीक पहोचेलु, मरणने काठे आवेलु
लबेद पु० वेदमा नहि एवु पण लाकाचारनु वचन
लबेदा पु० डगोरो
लब्ध वि०[स] प्राप्त मळलु के मळवलु
लब्ध प्रतिष्ठ वि०[स] प्रतिष्ठा पामेलु, प्रतिष्ठित
लब्धि स्त्री०[स] प्राप्ति (२) भागाकार
लब्बक अ०[अ] लब्बेक, 'सेवामा हाजर छु एवा उदगार
लभ्य वि०[स] मळववा जवु के मळे एवु
लमतडग वि० जुओ 'लबतडग'
लमधी पु० वेवाईनो बाप
लमहा पु० [अ] क्षण, जरा वार
लय पु०[स] लीन थवु ते (२) विनाश (३) स्त्री० सगीतनो लय
लरजना अ०क्रि० कपवु हालवु(२)डरवु
लरजा पु० [फा] कप (२) भूकप
ललक स्त्री० प्रबळ के ऊडी इच्छा लालच
ललकना अ०क्रि० ललचावु
ललकार स्त्री० पडकार, आह्वान
ललकारना स०क्रि० पडकारवु
ललचना अ०क्रि० ललचावु
ललचाना स०क्रि० ललचाववु
ललन पु०[स]'लला',प्रिय बाळक के पति
ललना स्त्री० [स] स्त्री (२) जीभ
लला पु० प्रिय पुत्र के नायक या पति (सबोधन) (स्त्री०, —ली)
ललाई स्त्री० लाली
ललाट पु० [स] कपाळ
ललाना अ०क्रि० इच्छा के लालच करवी, मेळववा आतुर बनवु
ललाम वि०[स] सुदर (२) लाल (३) पु० रत्न
ललामी स्त्री० सुदरता (२) लाली
ललित वि०[स] सुदर मनोहर(२)प्रिय
लली स्त्री० 'लला' नु स्त्री०
लल्ला पु० जुओ 'लला'
लल्लो पु० जीभनो लाला—जीभ
लल्लो चप्पो,-पत्तो स्त्री० खुशामत
लवग पु० [स] लविंग
लव पु०[स] अल्प प्रमाण (२) 'लवा' पक्षी (३) लविंग जायफळ [सुदर
लवण पु०[स] मीठु (२) वि० खार (३)
लवन पु० [स] लणणी कापणी
लवना स०क्रि० लणवु कापवु (२) वि० (प) जुओ 'लाना'
लवनि(—नी) स्त्री० लणणी (२) माखण
लवलीन वि० तल्लीन, मग्न
लवलेश(—स) पु० [स] जरा पण सबध के अश
लवा पु० एक पक्षी (२) लावा' धाणा
लवाई स्त्री० जुओ 'लुनाई' (२) (प) तरत वियायली गाय

लवाउमा, लवाजिम (–मा, –मात) [अ] पु० पावना गावा (मरनामान ( ) नहना सामग्री
लवारा पु० वारा
लवाहक पु [अ] सगा सबधी (२) नाग
लश्कर पु०[फा] ल्कर (२) छावणी (३) मग्गाजाता टुकडा –री वि० फाजी (२) पु० सिपाइ सनिक (३) मलाना
लशु(–सु)न पु० [स] लसण
लश्कर,–री जुआ 'लश्कर–री'
लस पु०[स] चीकाश के चीकणी वस्तु (२) आकर्षण ०दार वि० चीकणु
लसना स०क्रि० चाटाडवु चिपकाववु (२) अ०क्रि० लसवु शोभवु चळकवु
लसम वि० खोटु जूठु दूषित
लसलस वि० चीकणु
लसी स्त्री० जुओ 'लस' (२) लाभ, फायदानी नजर (३) संबंध (४) दूध पाणीनु शरबत
लसीला वि० चीकणु (२) रसीलु मदर
लसुन पु० जुओ 'लशुन'
लसुनिया पु० लसणियो हीरो
लस्टम पस्टम अ० गमे तम करीने
लस्त वि० थाकेलु (२) अशक्त
लस्सान वि० [अ] वाताडियु [ठाग
लस्सी स्त्री० चीकाश 'लसी' (२) छाछ
लहँगा पु० घरदार घाघरा
लहक स्त्री० लहेकवु त (२) ल्ळक चमक
लहकना अ०क्रि० लहेकवु (२) चमकवु
लहकौर(–रि) स्त्री० वरकन्या अरस परस खवडावे ते विधि
लहजा पु०[अ] गावा बोलवामा लहेका–आरोहअवरोह
लहजा पु० [अ] लहेजा पळ क्षण
लहजा व लहजा अ० पळे पळे क्षण क्षण
लहद स्त्री० [फा] कबर घोर
लहनदार वि० लेणदार
लहना स०क्रि० लहवु मेळववु (२) पु० लेणु
लहबर पु० एक जातनो मोटो घोडो– अगरखु (२) घडो
लहमा पु० लहेजा, क्षण
लहर स्त्री० लहर तरंग (२) मजा उमंग (३) वांकीचूकी चाल (४) चसक के झेर पछे चडवु ते –देना, –मारना =चमका मारीने पीडा थवी (२) वाकु-चूकु चालवु –लेना=समुद्रनी लहेरोमा नाहवु [सालु डोलवु
लहर(–रा)ना अ०क्रि० लहेरवु लहेरो
लहर-पटोर पु० –री स्त्री० रेशमी वस्त्र
लहरा पु० लहर, मोजु के मजा
लहराना अ०क्रि० जुओ 'लहरना' (२) स०क्रि० लहेराववु
लहरि,–री स्त्री० लहरी मोज –रिया पु० लहेरियु वस्त्र
लहलहा वि० भर्युभादयु (२) प्रफुल्ल फूल्युफाल्यु (अ०क्रि०, ०ना)
लहसुन पु० [स लशुन] लसण
लहालोट वि० आनंदमग्न (२) मुग्ध, लट्टु थयेलु [(भाई माटे)
लहुरा वि० (स्त्री० –री) लघु, नानु
लहू पु० लोही ०लुहान वि० लोहीलुहाण
लहेरा पु० रंगरेज (रेशमनो)
लाँक स्त्री० (प) 'लंक' कटि, कमर
लांग स्त्री० काछडी [वादरो
लांगु(–गू)ल पु० [स] पूछडी –ली पु०
लांघना स०क्रि० ओळंगी जवु लघवु

लाच स्त्री० लाच, 'घूस' [निशानी
लाछन पु० [स] कलक, डाघो (२)
ला अ० [अ] नकार दर्शावतो पूर्वग
उदा० लाचार, ला इलाज
लाइ पु० लाय, अग्नि
लाइ(-य)क वि० लायक योग्य,उचित
लाइ(-य)ची स्त्री० इलायची
लाइन स्त्री० [इ] लीटी (२) हार
लाइब्रेरी स्त्री० [इ] पुस्तकालय
ला इलाज वि०[फा] असाध्य, निरुपाय, लाचार
ला इल्म वि० [फा] अज्ञान, अभण
लाइसेन्स पु० [इ] परवानो
लाई स्त्री० जुओ 'लावा' (२) [फा] एक रेशमी वस्त्र (३) धावळी जेवु एक जातनु गरम वस्त्र
लाई-लुतरी स्त्री० चाडीचुगली (२) चुगलीखोर स्त्री
ला उबाली वि० [फा] स्वच्छदी (२) बेफिकर (३) भमतु, रखडतु
ला-कलाम वि०[अ] निस्सदेह निश्चित
लाक्षणिक वि०[स] लक्षणवाळु के लक्षण सबधी
लाक्षा स्त्री० [स] लाख, 'लाह'
लाख वि० (२) पु० लाख सख्या (३) स्त्री० लाख -टकेकी बात=खूब महत्त्वनी वात [रगनु
लाखी पु०(२)वि० लाखनो रग के ते
लाग स्त्री० सबध (२) लाग, आधार (३) प्रेम (४) लाग युक्ति (५) विवाहनु दापु (६) जुओ 'लाग डॉट'
लाग-डाट स्त्री० शत्रुता (२) प्रतिस्पर्धा
लागत स्त्री० पडतर खर्च
लागर वि०[फा]दूबळु सूकलु(नाम,-री)
लागि,-गे अ० (प) लईन, लीध कारणथी (२) लगी, सुधी (३ वास्ते, माटे
लाग वि० लागु, लागे एवु लागु पडतु
लाघव पु० [स] लघुता, अल्पता हलकापणु
लाचार वि० [फा] विवश, निरुपाय -री स्त्री०
लाज स्त्री० शरम (२) पु०[स] जुओ 'लाजा' (३) खस, वीरणनो वाळो
लाजवद पु०[फा] एक जातनो नील-भूरो हीरो (वि० -र्दी)
ला जवाब वि०[फा] अनुपम(२)निरुत्तर
ला-ज़वाल वि०[अ] अविनाशी, नित्य
लाजा स्त्री०[स] चावा (शेकेला) (२) धाणी
लाज़िम वि०[अ] जरूरी, अनिवार्य (२) लाजम, योग्य (३) (व्या) अकर्मक (क्रि०) (४) पु० फरज कर्तव्य
लाज़िमा पु० जुओ 'लवाजमा'
लाज़िमी वि० [अ] आवश्यक, जरूरी
लाट(-ठ) स्त्री० मोटो ऊचो थाभलो (२) पु० लाट, जथ्थो (३) लाट साहेब
लाटी स्त्री० (प) होठ जीभनु सुकावु त -लगना=तेवु थवु
लाठी स्त्री० लाकडी, डडो -चलना= लाठी चालवी, मारपीट थवी -बाधना =जोडे लाठी लेवी
लाड पु० लाड लालन, वहाल -करना, -लडाना=लाड लडाववा
लाड चाव पु० प्यार वहाल
लाडलडता, लाडला वि० लाडालु प्यारु
लाडा पु० वर -डी स्त्री० लाडी वधू
लाडू पु० लाडु, लाडवो

लात स्त्री० पा र तो लात पाटु –जाना=दूगणा ढार लात मारी दूध न दवु –मारना=(लात मारी) दूर करवु, छोडवु
लातर स्त्री० जून जूनिय
लातीनी स्त्री० [अ] लटिन भाषा
ला-तादाद वि०[फा] बेसुमार असख्य
लाद स्त्री० लादव त (२) पट (३) आतरड
लादना स०क्रि० लादव (वजन) भरवु, सडावु [नवी एवु
लादवा वि०[अ] लाइलाज जनी दवा
लादी स्त्री० लादडा लादवाना भार –दिया पु० जनी उपर लाय त (ढार)
लान,०तान पु० ०त, ०त मलामत स्त्री० [अ लअनत] ल्यानत धिक्कार, तुच्छकार
लानती वि० [फा] ल्यानतन पात्र
लाना स०क्रि० लावनु लई आवव (२) सामे रावव रजू करवु
ला-पता वि० पत्ता वगरनु गुम, गेब
लापरवा(०ह) वि० [फा] बदरकार
लापरवाई,–ही स्त्री० [फा] बेदरकारी
लाफ स्त्री० [अ] आत्मस्तुति शखी डिंग ०जन वि० शखी मारनार ०जनी स्त्री० [फा] शखी मारवी त
लाबत स्त्री० [अ] लावा रस
लाबुद्द वि०[अ] जरूरी आवश्यक (२) निश्चित नक्की (३) लाचारीथी न चालय
लाभ प०[स] प्राप्ति (२) फायदो नफा
लाम पु० [फा] सना लश्कर
ला मकान वि० [फा] मकान के स्थान वगरनु (२) पु० ईश्वरनु स्थान स्वग
लाम-काफ पु० [फा] मम्मापच्चा अपनब्द
लामज,–ज्जर [स] पु० खस वीरण
ला मजहब वि०[फा] मजहब रहित नास्तिक –वी स्त्री०
लामज्जक पु० [स] जुआ लामज
लामा पु० तिबटना लामा–सौथी मोटो धमगुरु
ला मानी वि० [फा] निरथक व्यथ
ला मिसाल वि०[फा] अजोड, अद्वितीय
लाय स्त्री० (प) झाळ (२) लाय अग्नि
लायक वि०[अ] लायक योग्य गुणवान –का स्त्री० लायकात
लायची स्त्री० जुआ लाइची'
लार स्त्री० लाळ (२) लार,हार वनार' –आना,–टपकना=मामा पाणी आववु लालच थवी –लगाना=मधलाळ लगाडवी
लारी स्त्री० मोटर बस क लारी (मालगाडी)
लाड पु० [इ] लाड, अमीर
लाल वि० लाल रातु (२) माधवी लाल (३) पु० वहालु बाळक के माणस लला' (४) पुत्र (५) स्त्री० लाळ, 'लार' (६) (प) लालच (७) पु० लाल माणक (८) एक पक्षी
लालच पु० लालसा लोभ इच्छा
लालची वि० लालचु लोभी
लालटेन स्त्री० दीवो, फानस
लालडी,(–री) स्त्री० पु० (नयमा होतु) एक लाल नग
लालन प०[स] लाड लडाववा ते (२) प्यारु बाळक
लालना स०क्रि० (प) लाड लडाववा

व दारू [काढनार
शक्कड पु० वातनो उटपटाग अथ
मिच स्त्री० लाल मरचु
पु० गडगूचु
स्त्री०[स] लाभ लालच इच्छा
पु०[फा] एक लाल रगनु फूल
स्त्री० [स] लाळ
पु० मानवाचक शब्द, जम क
लजपतराय (२) वाळक माटे
सबोधन [लाडियु
त वि० [स] ललचायलु (२)
वि०[स] प्यारु (२) पाळेलु, पोपलु
पु० [स] ललितता, सुदरता
स्त्री० [स] लाली, लालाश
स्त्री० लालाश (२) आबरू
लालसा —पडना = (काई
) लालसा थवी—तरसवु
'लवा' पक्षी (२) आड राखी
कण (३) स्त्री० आग, आच
रडु, वरत —चलाना = कोस
पाणी पावु
० कोस के ते खचवानो (एक
मय (२) [स] 'लाव पक्षी
०[स] खारु (२) पु० छीकणी
० [स] सुदरता, मनोहरता
राश
वि० पलीतो चापवाने तयार
तोपची [ललणी
० लावणी छद (२) लाणा
वि० जुआ 'ला उवाली (२)
माणस (३) स्त्री० वेपरवाई
[सामग्री इ०
पु० सना ने तनी जोड रहेती

लावा पु० 'लाजा, धाणी (२) [इ]
लावा रस
लावा-परछन पु० विवाहनो एक विधि
(कन्यानो भाई तमा होय छ)
ला वारिस पु० [अ] वारस वारनु
माणस (वि० —सी)
लाश स्त्री० [फा] मडदु शब
ला-शरीक वि०[अ] एक अद्वितीय (प्रभु)
लासा पु० 'लस' गुदर के एवा
चीकणो पदाथ
ला-सानी वि०[अ] अद्वितीय अजोड
लास्य पु० [स] नृत्य, नाच
लाह स्त्री० लाख (२) पु० (प) लाभ,
फायदो [निभर, आश्रित
लाहक वि०[अ] जोडायलु सबद्ध (२)
ला हल वि० [अ] हल न थाय एवु,
कठण, दुसाध्य
ला हासिल वि०[अ] निरथक नकामु
लाहू पु० (प) जुआ 'लाह'
लाहौल पु०[अ] भूतप्रेतादिने भगाडवा
बोलाता अरबी वाक्यना पहेला शब्द
—पढना, —भजना = ए मत्र भणवा
लिंग पु०[स] चिह्न (२) जाति (३)
पुरुषनु लिंग (४) शिवलिंग
लिंगायत पु० एक शव पथ के तनो
अनुयायी
लिंगी पु० चिह्नवाळा (२) आडबरी
लिंट पु० [इ] घा पर बाधवानु एक
जातनु कपडु
लिए अ० माटे वास्ते
लिक्खाड पु० भारे मोटो लेखक (व्यगमा)
'लिक्षा स्त्री० [स] लीख
लिखत स्त्री० लिखित, लख

लिखना स०क्रि० लखवु (प्रेरक लिखाना)
लिखाई स्त्री० लखवु ते के तेना ढब के मजूरी (२) लेख
लिखापढी स्त्री० लखापट्टी, पत्रव्यवहार (२) कशान लखी लई नक्की करवु ते
लिखावट स्त्री० लखवानी रीत(२)लिपि
लिखित वि० [स] लखेलु लेखी (२) पु० लखत लखाण
लिटाना स०क्रि० लेटना नु प्रेरक
लिट्ट पु०बाटी (सीधो आग पर शेकेला) भाखरो
लिथडना अ०क्रि० लथबथ थवु रगदोळावु
लिपटना अ०क्रि० लपटावु (२) गळे वळगवु (३) तन्मय थईने काई काममा पडवु (प्रेरक, लिपटाना स०क्रि०)
लिपना अ०क्रि० लीपावु धोळावु के रगावु 'लीपना' नु कर्मणि
लिपाई स्त्री० लीपवु ते के तेनी मजूरी
लिपाना स०क्रि० 'लीपना' न प्रेरक
लिपि स्त्री०[स] अक्षराना चिह्न के ते लखवानी रीत ०बद्ध वि०[स]लखेलु
लिप्त वि०[स] लीपेलु (२) लेपायेलु आसक्त
लिप्सा स्त्री० [स] लोभ, लालच
लिफाफा पु०[अ]परबीडियु(२)उपरनो आडबर (३) देखावडा पहेरवेश -खुल जाना=भेद उघाडा पडवा -बनाना= ठाठ के आडबर करवा
लिफाफिया वि० आडबरी
लिबडी स्त्री० कपडालत्ता ०बरतना, ०बारदाना पु०निर्वाहनी साधनसामग्री
लिबास पु० [अ] लेबास पोशाक
लियाकत स्त्री०[अ]लायकात लायकी
लिल्लाह अ०[अ] ईश्वरना नामथी
लिवाना स०क्रि०लवडावव(२)लवडावव्
लिवाल पु० खरीदनार के लेनार लवाल करनार
लिहाज प०[अ]ख्याल कोई वातनु ध्यान (२) विवेकमर्यादा अदब
लिहाजा अ०[अ] एटला वास्ते माटे
लिहाडा वि० नीच (२) खराब
लिहाडी स्त्री० निंदा हासी [रजाई
लिहाफ प० [अ] ओढवानु गादड के
लीक स्त्री० लीटी (रेखा के हद) (२) चीलो(३)पडेली प्रथा रूढि -खिचना =अटल के दृढ निश्चय करवो (२) मर्यादा बाधवी -खींचकर=नक्की(२) जोर दईने -पीटना=रूढि प्रमाणे चालवु चीले चालवु
लीख स्त्री० (माथानी) लीख
लीचड वि० नकामु वेकाम (२) लेण देणमा ठीक न होय एवु
लीची स्त्री० एक झाड के तेनु फळ
लीझी स्त्री० कूचो (२) वि० नकामु निस्सार
लीडर पु० [इ] नेता
लीतडा(रा) पु० जूना फाटलो जोडो
लीथो,०ग्राफ पु० [इ] शिलाछाप
लीद स्त्री० (पशुनी) लाद
लीन वि० [स] गरक तल्लीन
लीपना स०क्रि० लीपवु -पोतना = लीपवु गूपवु लीप पोतकर बराबर करना = सत्यानाश वाळवु
लीमू पु० लीबु 'नीमू'
लील वि० नील भूरु
लीलना स०क्रि० गळवु गळे उतारवु
लीला स्त्री०[स] खेल क्रीडा नाटक (२) वि० नील भूरु

लुंगाडा पु० लफंगो
लुंगी स्त्री० पहरवानी लुंगी (२)हजामनो रुमाल जे पग पर रखाय छ (३) स्त्री० एक पक्षी
लुंचन पु० [स] वाळ टूंपी काढवा ते
लुंज,०पुंज वि० हाथपग वगरनु (२) ठूंठु (झाड)
लुंड पु० धड कबंध
लुंडमुंड वि० हाथपग के माथा वगरनु (२) पान वगरनु, ठूंठु
लुंडा वि० पांख के पूंछडी वगरनु (पशु पक्षी) (२) पु० सूतरना पिंडो के कोकडी [उवाडियु
लुआठा पु०, –ठी स्त्री० खारियु
लुआव पु०[अ] जुओ 'लासा' (२) थूंक
लुक स्त्री० 'लूक', झोळ (२) पु० (माटीना वासण पर करानी) पालिश, वार्निश ०दार वि० लुक' पालिशवाळु
लुकठी स्त्री० जुओ 'लुआठा'
लुकनत स्त्री० [अ] तोतडापणु
लुकना अ०कि० सतावु छूपवु
लुक्मा पु० [अ] कोळियो –करना= खाई जवु
लुकसाज पु० पालिश करेलु चामडु
लुकाना अ०कि० जुओ 'लुकना' (२) स०कि० तेनु प्रेरक
लुगडा(–रा) पु० लूगडु कपडु
लुगडी(–री) स्त्री० जुओ लुगरी'
लुगत स्त्री० [अ] भाषा, बोली (२) शब्दकोश
लुगदी स्त्री० लूगदी पिंडो
लुगरा पु० जुओ 'लुगडा' (२) वि० चुगलीखोर, निंदक [निंदा चुगली
लुगरी स्त्री० जूनी फाटेली साडी (२)
लुगाई स्त्री० स्त्री, ओरत
लुग्रात स्त्री०['लुगत' नु व०व०]शब्दकोश
लुगवी वि० [अ] शाब्दिक
लुच्चा वि० दुराचारी, लफंगु, बदमाश
लुटना अ०कि० लूंटावु (२) बरबाद थवु
लुटिया स्त्री० नानी लोटी –डुबाना= जुओ 'लोटा डुवाना'
लुटेरा पु० लुटारो [लुढकाना)
लुढकना अ० कि० गबडवु (प्रेरक,
लुतरा वि० चुगलीखोर, निंदक
लुत्फ पु०[अ] मजा आनंद (२) रुचि, स्वाद (३) दया, कृपा
लुनना स०कि० लणवु [लावण्य
लुनाई स्त्री० लणणी के तेनी मजूरी (२)
लुनेरा पु० लणनार [पामेलु
लुप्त वि०[स] गुप्त, गेब अलोप लोप
लुबरी स्त्री० प्रवाही नीचे ठरतो कचरो
लुब्ध वि०[स] लोभायेलु (२) मोहित (३) पु० लुब्धक
लुब्धक पु० [स] व्याध शिकारी
लुब्बे लुबाब पु० [अ] सार सत्त्व
लुभाना अ०कि० लोभावु ललचावु के मोहावु (२) स०कि० लोभाववु
लुरकी स्त्री० काननी वाळी
लुरी स्त्री० तरतनी वियायली गाय
लुहार पु० 'लोहार' लोढाना कारीगर
लुहारिन स्त्री० लुहारण
लुहारी स्त्री० लुहारण (२) लुहार काम
लू स्त्री० तापनी लू –चलना,–बहना= लू वावी –मारना, लगना=लू लागवी
लूक स्त्री० अग्निनी झाळ (२) लू (३) खरतो तारो –लगाना=आग लगाडवी
लूका स्त्री० आगनी झाळ (२) खारियु –री स्त्री० तणखो चिनगारी

लूगड पु० लूगडु (२) चादर
लूगा पु० लूगडु वस्त्र
लूट स्त्री० लूट ०खसोट, ०खूद, ०पाट, ०मार स्त्री० लूटफाट, डाको
लूटना स०क्रि० लूटवु लूट खाना=लूटी खावु लूट पाटना, लूट मारना=लूट-फाट करवी
लूत,-ता [स] स्त्री० कराळिया
लून पु० लूण, 'लान', माळु
लूनना स०क्रि० लुनना लणवु
लूला वि० टूठ हाथ वगरनु
लूलू पु० [फा] हाउ (२) मूर्ख
लेंड पु० लीडु, बाधला नीकळता मळ
लेंडी स्त्री० [म लड] लीडी क लीडु
लेंहड(-डा)पु० समूह लगर (पशु माटे)
ले अ० लईने शरू करीने 'लकर
लेइ अ० सुधी लगी
लेई स्त्री० लाही ०पूजी स्त्री० सवस्व
लेकिन अ० [अ] पण परतु
लेक्चर पु०[इ] भाषण ०बाज़ी स्त्री० भाषण कूदवु त (२) खूब भाषण करवु त वक्तवाद -झाडना=भाषण झूडवु
लेख पु०[म] लिपि (२) लखाण (३) हिसाब, नामु
लेखक पु० [स] लखनार
लेखन पु०[स] लखवु ते (२) हिसाब करवा ते (३) आलेखन
लेखनी स्त्री० [स] कलम लेखण
लेखा पु० हिसाब नामु (२)स्त्री०[म] रेखा (३) लिपि (४) लखवु समज गणतरी ०पत्तर पु० ०बही स्त्री० हिसाबना चोपडा -डेवढ करना=हिसाब बरोबर के चूकते करवो (२) नाश करवु -पूरा या साफ करना=हिसाब पूरा के चूकते करवो
लेखिका स्त्री० [स] स्त्री लखक
लेखित वि० [म] लखी लखायलु
लेख्य वि०[म] लखवा जवु (२)पु० लेख (३) दस्तावेज
लेज़(-ज़ि)म स्त्री० [फा] लेजीम
लेटना अ०क्रि० लेटवु सूवु (प्रेरक, लेटाना)
लेटर पु०[इ]पत्र ०बक्स पु० टपालपेटी
लेन पु० लेवु ते (२) लेण ०दार पु० लेणदार
लेनदेन पु० लेणदेण
लेना स०क्रि० लेवु (आडे)हाथो लेना=छडा टाणा मारी शरमाववु-पखवाणु पाडवु (कानमें) लेना=साभळवु लेना एक न देना दो=कशी लेवादेवा नथी लेनेके देने पडना=लेवाने बदले देवु पडवु लाभने बदले हानि थवी
लेप पु०[स] लेप चोपडवानो मलम
लेपन पु० [स] लेप करवो ते
लेपना स०क्रि० लीपवु लेपन करवु
ले-पालक पु० दत्तक पुत्र
लेफ्टिनेंट पु०[इ] मददनीश (२) एक लश्करी होद्देदार
लेबुल पु०[इ] लेबल नामठामनी चिठठी
लेबोरेटरी स्त्री० [इ] प्रयोगशाळा
लेमनेड पु० [इ] लेमनेड पोणु
लेरुआ,-रा पु० वाछड [माटी
लेव पु० लेप (२) कटेवाळो (३) गार
लेवा पु० जुओ लेव (२) कादव (३) ढोरनु वावलु (४) वि० (समासने अते)-लेनार जम के, 'नामलेवा
लेवा देई स्त्री० लेणदेण
लेवाल पु० जुओ 'लिवाल'

लेश वि० [स] जरा अल्प (२) पु० निशान (३) अणु सूक्ष्म अंश
लेसना स०क्रि० लगाडवु बाळवु (२) लेप करवा, 'पातना' (३) चाटाडवु (४) अहींनु तहीं कहीन लडाडवु चुगली करवी
लेहड़ा पु० लार लांबी हार
लेहन पु० [स] चाटवु ते
लेहाजा अ० जुओ 'लिहाज़ा
लेहाफ पु० जुओ लिहाफ
लेह्य वि०[स] चाटवा जेवु (२) पु० चाटण अवलेह
लैंप पु० [इ] 'लॅम्प, दीवो
लै अ० (प) सुधी लगी पर्यन्त
लैटिन स्त्री०[इ] लॅटिन भाषा, लातीनी'
लैत व लअ़न, लैतोलाल पु०[अ] बहानु, (वात के काई) टाळवु ते
लैन स्त्री० [इ लाईन] लीटी (२) हार (३) सिपाईओनी रहवानी बराक
लैल स्त्री० [अ] रात्रि [रातदिन
लैल व नहार, लैलोनिहार पु० [अ]
लैसंस पु० [इ] लाइसन्स, परवानो
लैस वि० [इ ?] तयार कटिबद्ध (२) पु० किनार (कपडा पर लगाववानी)
लों अ० (प) जुओ 'लौं'
लोंदा पु० लोंदा, लचको
लोई स्त्री० कणकनो लूओ (२) एक जातनी कामळी (३) पु० (प) लोक
लोकवा पु० कयाने पहली वळावता साथ दासी जाय ते -ड़ी स्त्री० तेम जनारी दासी
लोक पु०[स] विश्वनो भाग-भुवन (२) संसार पृथ्वी (३) लोका जनता
लोकना स०क्रि० झीलवु (२) अद्धर उठावी लेवु वच्चेथी ज उठाववु
लोकमत पु० [स] लोकोनो मत
लोकसभा स्त्री० [स] लोकोना प्रतिनिधिनी सभा [मन
लोकांतर पु०[स] परलोक -रित वि०
लोकाचार पु०[स] लोकव्यवहार के रूढि-चार
लोकाट पु० एक फळ के तेनो छोड
लोकापवाद पु०[स] बदनामी, अपकीर्ति
लोकायत पु०[स] चार्वाक दर्शन (२) आ लोकमां ज माननार
लोकैषणा स्त्री०[स] स्वर्ग के कीर्तिनी वासना
लोकोक्ति स्त्री० [स] कहेवत
लोकोत्तर वि०[स] अलौकिक असाधारण
लोखर पु० हजाम के लुहारनां ओजार
लोग पु०ब०व० लोको
लोगाई स्त्री० (प) जुओ 'लुगाई'
लोच स्त्री० लचक (२) कोमळता (३) पु० अभिलाषा (४) बाळवु लुंचन
लोचन पु० [स] आंख -भर आना= आंसु आवी जवा
लोट स्त्री० लोटवु-आळोटवु ते
लोटना अ०क्रि० लोटवु, आळोटवु (२) सूवु 'लेटना' आराम करवो लोट जाना=बेहोश थवु(२)मरी जवु लोट पोट करना='लेटना' आराम करवो लोट हो जाना, होना=गांडु थई जवु (२) मोही पडवु आशक होवु
लोटा पु० लोटो -डुबाना=बधु बगाडी मूकवु (२) बट्टो लगाडवो
लोटिया, लोटी स्त्री० नानो लोटो लोटी
लोढना स०क्रि० लोढवु (२) चूंटवु नोंढवु

टा पु० लिलनो आटानो पदार्थ
—डालना=रगडवु नाश करवु
डाडाल वि० चंचल चलायमान
डिया पु० नानो लाडो
र स्त्री० लाच लार —गिरना=लाच
पडवा चाकाना थई जवु मन थवु
—डालना=लाच पाडवी मागे नाखवु
विडा पु० लाननो लानो
पपोच वि० लारनी लाच थई गयेल
धि स्त्री० (प) लाच
ाद(—र) स्त्री० एक वाद
ान पु० लूण मीठु (२) लावण्य
ाना वि० मीठावाळु खारु (२) लावण्य
मन्त (३) पु० दाळानो लूणो (४)
नाग माटो
ानार पु० माठानो अगार
ानिया पु० अगरिया
ोना स्त्री० लणानी भाजी
ाप पु०[स] लापावु ते (२) नाश क्षय
ापत स्त्री०[अ] पूतळी ढीगली (२)
चिन ०बाज पु० कठपूतळीना नाचना
तमाशा करनार
ोबान प० [अ] लोबान धूप
ोबिया पु०[फा] शाकनी एक फळी
लोभ पु० [स] लालच
लोभना अ०क्रि०(प) लोभावु ललचावु
लोभित वि० [स] लोभायेलु लुब्ध
लोभी वि० [स] लोभवाळु लालचु
लोम पु० [स] वाळ (२) राम रूवु
लोमडी स्त्री० लाकडी शियाळ
लोय पु० (प) लोइ, लोक (२) स्त्री०
चाळ आच
लोय(०न) पु० (प) लोचन आख
लोरी स्त्री० हालरडु

लाल वि [स] चंचळ चपळ (२) अस्थिर
अधीर (३) ललचायेलु लुब्ध
(४) आतुर उत्सुक [गादिय
लालक पु [स] लालन (२) वाना
लाला स्त्री [स] जाम (२) एक
स्मर [भनि उभुर
लालुप वि [स] लोभी लालचु (२)
लावा स्त्री आतुरता (२) ला' पक्षी
लोष्ट पु० [स] ढेफु (२) पथ्थर
लाहडा पु० लाढार एक पात्र —डी
स्त्री लाढी जवु पात्र
लोह प [स] लाढु ०कार प लुहार
लोहा पु० लोह लाड (२) हथियार
(३) लोढान औजार —बजना=युद्ध
थवु (किसीसे) —मानना=हारवु
(किसीसे) —लेना=लडवु
लोहाना अ०क्रि लोढानो पास लागवो
लोहार पु० लुहार —रिन स्त्री
लोहार(—रि)न स्त्री० लुहारण
लोहारी स्त्री० 'लुहारी' लुहारकाम
लोहित वि०[स] लाल (२) पु० लाही
(३) मगळ ग्रह
लोहिया पु० लोढानो वपारी (२)
मारवाडीना एक जात
लोहू पु० लोही
लौं अ० (प) लगी सुधी
लौंग पु० लविंग
लौंडा पु० छोकरा (२) वि० नादान
(स्त्री०, —डी,—डिया)
लौंडी स्त्री० लूडा (२) छाकरी
लौंद पु० अधिक मास
लौंदा पु० लादा 'ला ।'
लौ स्त्री० आगनी झाळ (२) ध्यान
लाग (३) लगनी, चाह (४) आशा

–उठना = झाळो नीकळवी –लगना = लगनी लागवी
लौआ पु० जुओ 'कद्दू'
लौकिक वि०[सं]लोक संबंधी सांसारिक
लौकी स्त्री० दूधी
लौज पुं०[फा] बदाम के तेनी बरफी –जात, –जियात स्त्री० बदामनो हल्वो –जीना पु० बदाम पिस्ता-वाळी एक मीठाई
लौट स्त्री० पाछु आववु ते
लौटना अ०क्रि० पाछु आववु (२) ऊलटु थवु (नाम, लौट स्त्री०)
लौट-पौट स्त्री० ऊंधुं सूलटुं करवु ते (२) बंने बाजू सरखु छापकाम
लौट फेर पु० फेरफार, परिवर्तन
लौटाना स०क्रि० पाछु आपवु (२) उलटाववु, फरववु
लौटानी अ० पाछा फरती वखत
लौना पु० 'लौनी' लणी (२) ढोरना आगळ पाछळना पग बांधती रसी (३) (प) वि० लवण सुदर
लौनी स्त्री० लणणी, कापणी (२)(प) माखण
लौलीन वि० (प) जुओ 'लवलीन'
लौस पु०[अ] संबंध (२) मळ (३) कलंक
लौह पु०[सं]लोह(२)स्त्री०[अ]लाकडानु पाटियु (३) पुस्तकनु मुखपृष्ठ
ल्यारी पु० वरु, भडिया'

व

वंक वि०[सं] वांकु (२)पु० नदीनो वांक
वंकट वि० वांकु (२) विकट
वंकनाल पु०, –ली स्त्री० सुषुम्णा नाडी
वंकिम वि० [सं] वांकु
वंग पु०[सं] वंग बंगाळ (२) सीसु (३) वेंगण (४) कपास
वंचक वि० [सं] धूर्त ठगारु
वंचन पु०, –ना स्त्री० [सं] ठगाई छेतरवु ते
वंचना स०क्रि० वांचवु (२) छेतरवु (३) स्त्री० जुओ 'वंचन' मां
वंचित वि०[सं] छेतरायलु (२) रहित, विनानु [लागता प्रत्यय
वंद [फा] 'वाळु' ए अर्थमां शब्दने अंते
वंदन पु०, –ना स्त्री०[सं] प्रणाम (२) स्तुति (३) पूजन
वंदनीय, वंद्य वि०[सं] वंदनने योग्य पूज्य
वंदीगृह पु० बंदीगृह जेल
वंदीजन पु० [सं] बंदीजन
वंद्य वि० [सं] जुओ 'वंदनीय
वंश पु० [सं] वांस (२) कुल, जाति
वंशज, वंशधर पु०[सं] संतान, ओलाद
वंशलोचन पु०[सं] वांसलोचन ओषधि
वंशावली स्त्री०[सं] वंशनी सूचि
वंशी स्त्री०[सं] बंसी वांसळी
वंशीवट पु०[सं] वृंदावननो वंसीवट
व अ० [फा] अने [वरना'
व-इल्ला अ०[अ] नहीं तो, अगर ना,
वक पु० [सं] वक बगलो
वकअत स्त्री०[अ] ताकात (२) शाख आबरू (३) किंमत महत्व

वकाया पु० ब०व० [अ] बनावो के तेनी खबरा [मननी स्थिरता
वकार पु० [अ] शील चारित्र्य (२)
वकालत स्त्री०[अ] वकीलात, वकीली (२) प्रतिनिधित्व
वकालतन अ० [अ] वकील द्वारा
वकालतनामा पु०[फा] वकीलातनामु
वकीअ वि०[अ] आबरूदार (२) ऊंचु, बुलद
वकील पु०[अ] वकील (२) राजदूत
वकुल पु० [स] बकुलनु झाड
वकूअ (आ) पु०[अ] घटना बनाव
वक्फ पु० [अ] ज्ञान समज
वक्त पु० [अ] वखत
वक्तन्-फवक्तन, वक्त बवक्त अ० [अ] कोई कोई वार वखत वखते
वक्तव्य पु०[स]जाहेर निवेदन,'स्टेटमेन्ट' (२) वि० निंद्य, टीकापात्र, कहेवा जेवु
वक्ता पु०[स] बोलनार व्याख्याता
वक्तता स्त्री०, –त्व पु०[स] भाषण के तेनी छटा
वक्त्र पु० [स] मो
वक्फ पु० [अ] वक्फ–वमादा माल मिल्कत ०नामा पु० दानपत्र
वक्फा पु० [अ] छुट्टी आराम
वक्र वि०[स] वाकु (२)पु० नलीना वाक
वक्रोक्ति स्त्री० [स] एक अलकार व्यग टोणो
वक्ष, –क्ष स्थल पु० [स] छाती
वगर अ० 'अगर' यदि जो
वगरना अ० नही तो, अगर ना
वगरह, वगरा अ०[अ] वगेर इत्यादि
वचन पु० [स] बोल कथन (२) व्याकरणनु वचन
वजद पु० [अ वज्द] अति हृपनी मस्त दशा [वजनवाळ
वजन पु०[अ] वजन भार ०दार वि०
वजनी वि० [फा] वजनदार, भार
वजह स्त्री०[अ]कारण हेतु(२)ढग, रीत
वजा पु० [अ] पीडा दरद
वजा स्त्री०[अ] बनावट रचना (२) दशा हाल (३) ढग नीति (४) प्रसव जणवु ते
वजादार वि०[फा] सरस रचनावाळु, सुदर (२) फॅशनवाळु (३) नीति-रीतिमा मक्कम
वजादारी स्त्री० [फा] सुदरता (२) फॅशन (३) नीतिरीतिमा मक्कमता
वजारत स्त्री०[अ] वजीरपदु के तेनी कचेरी
वजाहत स्त्री०[अ] सुदरता (२) भव्यता (३) मोटाई आबरू [कहेवु ते
वजाहत स्त्री० [अ] विस्तार करीने
वजीफा पु० [अ] वजीफो विद्वान विद्यार्थी के त्यागी वगरेने दानमा अपाती वृत्ति (२) जप के पाठ
वजीर पु०[अ] वजीर प्रधान (नाम री)
वजू पु० [अ वुजू] वजू नमाज पहेला करातो शौचविधि
वजूद पु०[अ वुजूद] सिद्धि सफळता (२) अस्तित्व, हयाती (३) देह शरीर –पाना=स्थपाव, हयातीमा आववु –में लाना=हयातीमा आणवु स्थापवु
वजूहात स्त्री० [वजह नु ब०व०] कारणो
वज्द पु० [अ] जुओ 'वजद'
वज्र पु० [स] इन्द्रनु अस्त्र (२) वि० अति कठण के मजबूत
वट पु० [स] वड 'बरगद'

वटी,–टिका स्त्री० [स] गाळी
वटु,०क प० [स] वटुक छोकरा
वणिक प० [स] वाणिया
वतन पु०[अ] पोतानु स्थान–जन्मभूमि
वतन-परस्ती स्त्री० [फा] देशभक्ति
वतनी वि० [फा] स्वदेशनु
वतीरा पु० [अ] रगढग पद्धति
वत्स पु० [स] वाछडो (२) छोकरो
वत्सर पु० [स] वरस साल
वत्सल वि० [स] वत्स प्रत्ये वहालवाळु
वदती स्त्री० [स] वात कथा
वदतोव्याघात पु० [स] कहेली वातथी विरुद्ध पाछु कहेवु ते
वदन पु० [स] मुख
वदान्य वि० [स] भारे दानी, उदार
वदि [स] –दी अ० वद कृष्ण पक्षमा
वदीअत स्त्री० [अ] अनामत
वध पु० [स] हत्या कतल, नाश
वधू,०टी स्त्री० [स] कन्या (२) वहु (३) पुत्रवधू
वध्य वि० [स] वधने पात्र
वन पु० [स] जगल
वनचर, वनचरी पु०[स] वनमा फरनार (२) जगली पशु के माणस
वनमाला स्त्री० [स] वनना फूलोनी माळा –ली पु० कृष्ण
वनराज पु० [स] सिह
वनराजि,–जी स्त्री०[स] वन के वनोना समूह (२) वननी पगदडी
वनवास पु०[स] वस्ती छोडी वनमा रहेवा जवु ते –सी पु० वनवास करनार
वनस्पति स्त्री० [स] झाडपान इ०
वनिता स्त्री० [स] स्त्री
वनी स्त्री० [स] नानु वन
वनेचर पु० जुओ 'वनचर [वट्टी
वनौषध,–धि स्त्री० [स] जगली जडी
वन्य वि०[स] वननु तेमा थतु (२) जगली
वपन पु० [स] वाववु ते (२) मूडवु–वतु करवु ते
वपु पु० [स] शरीर, देह
वफा स्त्री० [अ] वफा प्रामाणिकता, ईमानदारी (२) सुशीलता ०दार वि० प्रामाणिक ईमानदार (२) स्वामी भक्त (३) राजभक्त ०दारी स्त्री०
वफात स्त्री० [अ] मरण
वफद पु० [अ] प्रतिनिधिमडळ डेप्युटेशन
वबा स्त्री० [अ] कॉलेरा, प्लेग जेवी महामारी [(३) ईश्वरी कोप
वबाल पु० [अ] भार, बोजो (२) आफत
वमन पु० [स] ऊलटी
वमनी स्त्री० [स] जळो
वमि स्त्री० [स] ऊलटीनो एक रोग
वय क्रम पु० [स] वय उमर
वय सधि स्त्री०[स] बाळपण ने जवानी वच्चेनो काळ
वय,०स् [स] पु० उमर
वयस्क वि०[स] उमरनु (समासमा) (२) उमर पहोचेलु मगीर मटलु
वयस्य पु० [स] सखा मित्र (२) वि० समान वयनु लगोटिया
वयोवृद्ध वि० [स] घरडु
वरच अ० [स] वल्के (२) परतु
वर [फा] वि० वाळु ए अर्थना प्रत्यय उदा० हुनरवर' (२) पु० [स] वर, पति (३) वरदान (४) वि० उत्तम
वरक पु० [अ] सोनाचादीना वरख (२) पुस्तकनु पानु ०साज पु० वरख बनावनार –की वि० वरखनु वरखवाळु

वल्कल पु०[स] झाडनी छाल के तेनु वस्त्र -ली पु० न पहेरनार
वल्द पु० [अ] पुत्र (वल्दे, बिन' ए अथमा दस्तावजमा वपराय छे)
वल्दियत स्त्री० बापनु नाम दई परिचय आपवो ते-खानदान
वल्मीक पु० [स] ऊधईनो राफडो
वल्लभ वि०[स] अति प्रिय (२) पु० पति (२) प्रिय जन -भा स्त्री० पत्नी (२) प्यारी स्त्री
वल्लरि,-री स्त्री० [स] वेल, लता
वल्लाह अ० [अ] ईश्वरना सोगन खरेखर [जाणे
वल्लाह आलम [अ] दव जाणे, कोण
वल्ली स्त्री० [स] वल, लता
वश पु०[स] काबू, अधिकार प्रभुत्व (२) इच्छा ०वर्ती वि० वशमा रहनार
वशा स्त्री०[स] स्त्री (२) गाय (३) वध्या स्त्री के गाय (४) नणद
वशिता स्त्री०, -त्व पु० [स] वश अधीनता [तेनो मत्र के जादू इ०
वशीकरण पु० [स] वशमा आणवु ते के
वश्य वि० [स] परवश आधीन
वसत पु०[स] वसत ऋतु -ती वि० आछा पीळा रगनु
वसअ,०त स्त्री०[अ] विस्तार, फेलावो (२) क्षेत्रफळ (३) वधात सामर्थ्य
वसति,-ती स्त्री०[स] वास रहठाण घर (२) वस्ती (३) रात्रि
वसन पु० [स] वस्त्र (२) वसवु ते
वसमा पु०[अ] वाळना कल्फ -करना =कल्फ लगाववो
वसवास पु०[अ]वसवसो, भ्रम, आशका, सदेह -सी वि० शकावाळु सशयात्मा
वसह पु० (प) वृषभ, बल
वसी पु०[अ] वारस जन नामे वसियत करी होय ते
वसीअ वि० [अ] विस्तृत चाडु
वसीअ(-य)त स्त्री० [अ] वसियत वारसा व्यवस्था ०नामा पु० वारसा खत
वसीक वि० [अ] दृढ, मजबूत, टकाउ
वसीका पु० [अ] वकफना दस्तावज
वसीला पु०[अ] वसीलो सबध सहाय के आशरो (२) रस्तो कार्यसिद्धिनो माग
वसुधरा स्त्री० [स] पृथ्वी
वसु पु०[स] धन (२) रत्न के सोनु (३) (आठ) वसु देव ०दा,०धा पृथ्वी
वसूल वि०[अ] मळेलु प्राप्त, चूकत करेलु -पाना=मेळववानु मळवु
वसूली स्त्री० वसूलात वसूल करवु के करवानु ते प्राप्ति
वस्त पु०[अ] मध्यभाग (२) [अ०] वच्चे (वि० -स्ती)
वस्ति स्त्री० [स] वस्ति पेडु
वस्तु स्त्री०[स] वस्तु चीज पदार्थ ०त अ० खरेखर साचु जोता
वस्त्र पु० [स] कपडु
वस्फ पु० [अ] गुण विशेषता, खूबी
वस्ल पु० [अ] मिलन (२) मृत्यु
वस्साफ वि०[अ] प्रशसक, वखाणनार
वह स० ते (२) वि० पेलु
वहदत स्त्री० [अ] एकता
वहदानियत स्त्री० [अ] एकता (२) अद्वितीयता
वहन पु०[स] वही जवु-लई जवु ते
वहम पु०[अ] वहम, शका (वि० -मी)
वहश पु० [अ] जगली जानवर

वहशत स्त्री०[अ] जगलीपणु, असभ्यता (२) गाडपण (३) चचळता, अधीराई (४) डर भय, भयकरता
वहशी वि०[अ] जगली, असभ्य (२) अधीर चचळ
वहा अ० त्या [तेना अनुयायी
वहाबी पु० एक मुसलमान सप्रदाय के
वहीं अ० त्या ज
वही स० [वह ही] त ज (व्यक्ति) (२) स्त्री० [अ] खुदानो पगाम
वहीद वि० [अ] अनुपम अजोड
वह्नि पु० [स] अग्नि
वाछनीय वि० [स] इच्छवा योग्य
वाछा स्त्री० [स] इच्छा कामना
वाछित वि०[स] इच्छलु [ऊलटी
वात वि०[स] ऊलटी थयेलु (२) पु०
वाति स्त्री० [स] ऊलटी
वा अ०[स] अथवा, या (२) [अ] हाय, हा (३) स० (प) 'वह'नु व्रज भाषानु रूप जम के 'वाको' 'वाने'
वाइज पु० [अ] धर्मोपदेशक, वायेज
वाइदा प० [अ] वायदा 'वादा'
वाक् स्त्री० [स] वाचा वाणी
वाकअ वि०[अ] बननारु थनारु (२) आवेलु स्थित
वाकई वि० [अ] यथार्थ, साचु (२) अ० खरेखर साचे, वस्तुत
वाकफियत स्त्री०[अ] वाकेफगारी जाण (२) परिचय [समाचार
वाकया पु० [अ वाकिअ] बनाव (२) 'वाका वि० जुओ वाकअ' -होना=बनवु
वाकिफ वि० [अ] वाकेफ
वाकिफकार वि० वाकफगार प्रवीण
वाक्फियत स्त्री०[अ]जुओ वाकफियत
वाक्य पु० [स] वचन, वाक्य
वागीश पु०[स]ब्रह्मा(२)कवि(३)वक्ता
वागीश्वरी स्त्री० [स] सरस्वती
वागुरा स्त्री०[स] जाळ फादा [वदा
वाग्जाल पु०[स] वातोनी जाळ वाचना
वाग्दत्त वि०[स] जन आपवानी वात थई होय एवु [वचन
वाग्दान पु०[स] कन्यानी सगाई करवानु
वाग्दोष पु०[स] बोलवामा भूल (२) गाळ निदा [बृहस्पति (३) पडित
वाग्मी प० [स] अच्छु बोलनार (२)
वाग्विलास पु० [स] वातोना आनद
वाड्मय पु० [स] साहित्य (२) वि० वाचा सबधी
वाच, -चा स्त्री० [स] वाणी [बोलनार
वाचक त्रि०[स] सूचक (२)पु० शब्द (३)
वाचन पु० [स] वाचवु ते [जगा
वाचनालय पु० [स] छापा वाचवानी
वाचा स्त्री० [स] वाणी ०बद्ध वि० वचनथी बधायेलु [बोलनारु
वाचाट, -ल वि० [स] वाचाळ अति
वाच्य वि०[स] कहेवा जेवु(२) वाचकथी बतावाय एवु
वाच्यार्थ पु० [स] शब्दार्थ
वाज पु०[अ] उपदेश (२) धार्मिक कथा
वाजा वि० [अ] बनावनार
वाजिब वि०[अ] योग्य, वाजबी (२) पु० वृत्ति वतन [कार्यो
वाजिबात स्त्री० ब०व० [अ] आवश्यक
वाजिबी वि० [अ] वाजबी योग्य
वाजिह वि०[अ] मालूम प्रतीत (२) खुल्लु स्पष्ट -होना = मालूम पडवु

वाजी पु० [स] घोडा
वाजीकरण पु० [स] दवाथी शक्ति वधारवी ते – तवो प्रयाग
वाट प० [म] वाट रस्तो (२) वाडो
वाटिका स्त्री० [स] वाडी वगीचो
वाडव,–वाग्नि,–वानल पु० [स] वडवानल
वाणिज्य पु० [स] वेपार
वाणी स्त्री०[स] वोल वचन, वाचा
वात पु० [स] वायु
वातायन पु० [स] वारी (२) झरूखो
वातावरण पु० [स] पृथ्वीनी चामेर हवाना पट छ त (२)आसपासनी स्थिति
वातुल वि० [स] गाडु पागल
वात्सल्य पु० [स] वहाल स्नेह
वाद पु०[स] शास्त्रीय कोई दलील के मान्यता 'इझम
वादन पु०[स] वाजु के ते वगाडवु ते
वादा पु०[अ] वायदो करार, वचन –खिलाफी करना=वायदाथी विरुद्ध करवु –वफाई करना=वायदो पूरो करवो
वादित्र पु० [स] वाजु वाजित्र
वादी स्त्री०[अ] पहाडो वच्चेनी खीण (२)[स] (अदालतमा) वादी फरियादी
वाद्य पु० [स] वाजु [आश्रम
वानप्रस्थ पु० [स] निवृत्तिनो – त्रीजो
वानर पु०[स] वादरु –री स्त्री० वादरी
वापस वि०[फा] पाछु –करना=पाछु आपवु –होना=पाछु फरवु (२) पाछु अपावु [पाछु फरवु त
वापसी वि० पाछु फरतु–वळतु(२)स्त्री०
वापी,–पिका स्त्री० [स] वाव
वाफिर वि० [अ] खूब, पुष्कळ
वाफी वि०[अ] पूरतु, जोईए तेटलु
वाबस्ता पु०[फा] वावस्तु, सगु, सबधी
वाम वि०[स] डावु (२) ऊल्टु, विरुद्ध (३) वाकु, खराव (४) सुदर, प्रिय
वामन वि०[स] गटटु (२) पु० गट्टा
वामा स्त्री० [स] स्त्री
वाय अ०[फा] हाय अधनो उदगार
वायव्य वि०[स] वायु सबधी (२) पु० उत्तर-पश्चिम खूणो [कागडी
वायस पु०[स] कागडा –सी स्त्री०
वायु पु०[स] पवन, हवा ०कोण पु० वायव्य खूणा ०मडल पु० वातावरण ०यान पु० अॅरोप्लन
वारट पु० [इ] वारट, हुक्मनामु ०गिरफतारी पु० पकडवानु वारट ०तलाशी पु० जगा तपासवानु वॉरट ०रिहाई स्त्री० छोडवानु वारट
वारवार अ० [स] फरी फरी
वार पु०[स] दिवस (२) वखत वेळा, वारो (३) वारण, रोकवु त (४) नदीना किनारो
वार पु० वार हल्लो चोट (२) वि० [फा] अनुक्रम सूचक प्रत्यय जम के माहवार (३) तवु के ते वाळु सूचवतो प्रत्यय जम के सजावार
वारण पु०[स] वारवु ते(२)मनाई, निषध (३) हाथ [फिसाद, मारामारी
वारदात स्त्री०[अ] दुघटना (२) दगो-
वारना स०क्रि० आवारवु (२) पु० ओवारणु वारने जाना=वारी जव
वारनिश स्त्री० [इ] वानिश, राग
वारपार पु० (नदीनो) आ पारथी पार, पूरा विस्तार (२) अ० पारोपा
वारफेर स्त्री० वलि, न्योछावर करेलु

वारफ्ता वि० [फा] बेखुद मस्त, आत्मामां लीन –फ्तगी स्त्री० 'बेखुदी'
वारमुखी, वारवधू, वारस्त्री, वारवनिता, वारांगना स्त्री०[स] वेश्या
वारा पु० करकसर (२) लाभ (३) वि० सस्तुं (४) (व्रजमां) वाळुं 'वाला' ए अर्थनो प्रत्यय(५)वारी गयेलुं न्योछावर
वारा-न्यारा पु० फैसला, निवेडो
वारि पु०[स] पाणी ०ज पु० कमळ
वारित वि०[स] वारेलुं रोकेलुं मना करायेलुं
वारिद वि० [अ] आवनार (२) पु० महेमान (३) दूत (४) [स] वादळ
वारिधि पु० [स] समुद्र
वारियाँ स्त्री० वारी जवुं ते न्योछावर
वारिस पु० [अ] वारस
वारीफेरी स्त्री० बाधा के अशुभ दूर करवा माथे फेरवीने उतारवुं ते
वारुणी स्त्री० [स] दारू
वारे-न्यारे होना = खूब फायदो थवो
वार्ड पु० [इ] वॉर्ड विभाग लत्तो
वार्डर पु० [इ] (जेलनो) वॉर्डर
वार्ता, र्त्ता स्त्री०[स] वात खबर (२) अफवा (३)विषय प्रकरण(४)वातचीत
वार्ता(र्त्ता)लाप पु० [स] वातचीत
वार्द्धक्य पु० [स] घडपण (२) वृद्धि
वार्षिक वि०[स] वर्षनुं के तेने लगतुं (२) दरेक वर्षनुं (३) वर्षा ऋतुनुं
वाला 'वाळुं' अर्थनो प्रत्यय (स्त्री०वाली)
वाला वि० [फा] उच्च, श्रेष्ठ
वालिद पु० [अ] पिता
वालिदा स्त्री० [अ] माता
वालिदैन पु० ब० व० [अ] मावाप
वालुका स्त्री० [स] रेती

वावला पु०[अ] रोकक्ळ (२)शोरबकोर
वाष्प पु०[स] वाष्प, वराळ (२) आंसु
वासंती स्त्री० [स] जूई वेल
वास पु०[स] वास घर के रहेठाण (२
सुवास, सुगंध
वासक पु०, –का स्त्री०[स] अरडूसी
वासकेट पु० स्त्री०[इ] जुओ वास्कट
वासना स्त्री०[स] इच्छा, आशा, चाह
वासर पु० [स] वार दिवस
वासव पु० [स] इंद्र
वासा स्त्री० [स] जुओ 'वासका'
वासिक वि० [अ] दृढ पाकुं
वासिल वि०[अ] वसूल थयेल मळेलुं
०बाकी स्त्री० [अ] वसूल बाकी
०नवीस पु० वसूल बाकीनो हिसाब
नीस, वसूलदार
वासिलात स्त्री० कुल वसूल
वास्कट पु० स्त्री० [इ] वास्कोट
वास्तव वि० [स] वास्तविक, खरु
यथार्थ (२) पु० वस्तुतः यथार्थ तत्त्व
०में अ० खरुं जोतां
वास्तविक वि० [स] वास्तव खरु
वास्ता पु०[अ] संबंध लेवादेवा –पडना
= काम पडवुं संबंधमां आववुं
वास्तु पु०[स] घर मकान (२) ते
योग्य जगा [विद्या–इजनेरी
वास्तुविद्या स्त्री०[स] मकान करवानी
वास्ते अ० [अ] माटे सारु
वाह अ० [फा] वाह ! उद्गार
वाहक पु० [स] वहन करनार
वाहन पु०[स] सवारी' गाडी इ०साधन
वाहवाही स्त्री० वाहवाह प्रशंसा
वाहिद वि० [अ] एकमात्र (२) पु०
ईश्वर (३) (व्या) एकवचन

वाहिनी स्त्री० [स] सेना (२) नदी
वाहिब वि० [अ] क्षमाशील दयालु
वाहिम वि० [अ] वहेम के कल्पना करनारु कल्पनाशील
वाहिमा स्त्री० [अ] कल्पनाशक्ति
वाहियात वि० वाहियाद नकामु (२) खराब, बूरु
वाही वि०[अ] नवरु, नकामु (२) सुस्त ढीलु (३) मूर्ख (४) बेहूदु (५) [स] वही–लई जनारु, वाहक
वाही नबाही वि० वेहूदु (२) ढगधडा वगरनु (३) स्त्री० तेवी वातो
विकट वि० [स] कठण, मुश्केल (२) वाकु (३) भयकर
विकराल वि०[स] विकराळ, भयकर
विकल वि०[स] व्याकुळ वेचेन (२) कलारहित (३) व्यग, खडित
विकलित वि०[स] व्याकुळ (२) दु खी
विकल्प पु०[स] भ्राति (२) ऊल्टी–विपरीत कल्पना (३) विविध कल्पना
विकसना अ०क्रि० विकसवु खीलवु
विकार पु०[स] बदलावु के बगडवु ते (२) रोग दोष (३) वासना
विकास पु० [स] खिलवणी फेलावो
विकीर्ण वि०[स] वीखरायेलु (२) विख्यात
विकृत वि०[स] विकारवाळु वगडेलु, दोषित –ति स्त्री० विकार, दोष
विकेट पु० [इ] क्रिकेटनी विकेट
विक्टोरिया स्त्री०[इ] चार पडानी एक जातनी वगी
विक्रम पु०[स] ताकात, बळ –मी वि० बळवान (२) विक्रमने लगतु
विक्रय पु० [स] वेचाण
विक्रात वि० [स] पराक्रमी, वीर
विक्री स्त्री० वेचाण (२) वकरो
विक्रेता पु० [स] वेचनार
विक्षिप्त वि०[स] फेंकेलु (२) व्यग्र, विह्वळ
विक्षुब्ध वि०[स] क्षोभ पामेलु, अशात
विक्षेप पु०[स] फकवु ते (२) व्यग्रता (३) विघ्न
विक्षोभ पु०[स] क्षोभ अशातता, उद्वेग
विख पु० (प) वख वेर (२) वि० [स] नकटु, नाक विनानु
विख्यात वि०[स] जाणीतु, प्रसिद्ध –ति स्त्री० प्रसिद्धि
विगध वि० [स] निर्गंध (२) गधातु
विगत वि०[स] गयेलु, वीतेलु पहेलानु
विगति स्त्री० [स] दुर्गति खराबी
विगर्हण पु०, –णा स्त्री० [स] निंदा, तुच्छकार [(२) खरत्व
विगर्हित वि०[स] निंदित, तुच्छकारायेलु
विगलित वि०[स] पीगळेलु, ढीलु पडलु
विगुण वि० [स] गुणहीन
विग्रह पु०[स] शरीर (२) युद्ध, झघडो
विघटन पु०[स] विगठन, सगठन मटी जवु ते
विघ्न पु० [स] अडचण, खलल
विचक्षण वि०[स] चतुर, वुद्धिमान (२) निपुण, प्रवीण
विचरना अ०क्रि० विचरवु, हरवु-फरवु
विचल,–लित वि०[स] अस्थिर, चलित
विचार पु०[स] ख्याल, समज मननो निश्चय [(२) न्यायाधीश
विचारक पु०[स] विचार करी जाणनार
विचारणा स्त्री० [स] विचारवु ते
विचारणीय वि०[स] विचारवा योग्य के तेम करवानी जरूरवाळु
विचारना स०क्रि० विचारवु

विचारालय पु० [स] न्यायाधीशनी कचेरी, अदालत
विचिकित्सा स्त्री० [स] शक, सदेह
विचित्र वि० [स] अद्‌भुत आश्चयकारक (२) सुदर (३) चित्रविचित्र
विच्छिन्न वि०[स] छदाईने छूटु पडेलु (२) छूटु भिन्न, अलग जुदु
विच्छेद,०न पु० [स] कापवु के अलग करवु व थवु त
विछलना अ० क्रि० चळवु 'फिसलना'
विछोह पु० वियोग, विच्छेद (वि०-ही)
विजन वि० [स] एकात निजन (२) पु० वाजणो
विजना पु० (प) विजन वीजणो
विजय स्त्री० [स] फतह जीत
विजया स्त्री० भाग (२) विजयादशमी
विजयी वि० [स] जीतनार
विजात वि० [स] कुजात वणसकर जारज [जातिनु
विजाति, -तीय वि० [स] जुदी भिन्न
विजारत स्त्री० [अ] जुओ वजारत
विजिगीषा स्त्री० [स] जीतनी इच्छा -षु वि० त इच्छावाळु
विजिट स्त्री० [इ] मुलाकात
विजित वि० [स] जितायेलु
विजेता पु० [स] जीतनार
विजोग पु० (प) वियोग
विजोर वि० कमजोर (२) पु० बिजोरु
विज्जु स्त्री० वीजळी
विज्ञप्ति स्त्री०[स] विनती (२) जाहेरात (३) नोटिस सूचना
विज्ञान पु०[स] कोई विषयनु खास ज्ञान के शास्त्र -नी पु० तेनो जाणकार
विज्ञापन पु० [स] जुओ 'विज्ञप्ति'
विट पु०[स] लपट (२) लुच्चा धूत
विटप पु० [स] झाड के तेनी शाखा
विडबना स्त्री०[स] मश्करी (२) नकल, अनुकरण [करवु (२) भगाडवु
विडारना स०क्रि० वरणछेरण, नष्ट भ्रष्ट
विडाल पु०[स] बिलाडी -ली स्त्री०
वितडा स्त्री०[स] नकामी-खाटी दलील के वाद
वितत वि० [स] फलायलु, विस्तृत
वितथ,-थ्य वि०[स] असत्य जूठु, मिथ्या
वितरण पु० [स] दान (२) वहचणी
वितरना स०क्रि० (प) वहचवु
वितरेक, वितिरिक्त अ० (प) सिवाय व्यतिरिक्त [शका
वितर्क पु०[स] विशेष के वधु तर्क (२)
वितल पु० [स] एक पाताळ
वितान पु० [स] फेलावा विस्तार
वितुड पु० [स] हाथी
वित्त पु० [स] धन सपत्ति
विथकना अ०क्रि० (प) थाकवु ढीलु थवु (२) मोह के आश्चर्यथी चूप थई जवु
विथकित वि० (प) थाकेलु
विथराना, विथारना स०क्रि० (प) वधे पाथरवु – फलाववु [व्यथित
विथा स्त्री० (प) व्यथा -थित वि०
विथारना स०क्रि० जुओ विथराना'
विदग्ध वि० [स] कावेल चतुर होशियार (२) दाझेलु
विदरना अ०क्रि० फाटवु चिरावु (२) स०क्रि० फाडवु विदारवु
विदा स्त्री० [अ] विदाय
विदाई स्त्री० विदाय (२) विदायगीरी के त्यारे अपातु धन
विदारण पु० [स] विदारवु-चीरवु ते

विदारना स०क्रि० विदारवु, चीरवु
विदारी स्त्री० एक कठरोग (२) एक जातनु कद (३) वि०[स] विदारे–फाडे एवु
विदाही वि० [स] दाही, दाहक
विदित वि० [स] जात, जाणलु
विदिश,–शा स्त्री०[स] बे दिशा वच्चेना खूणो
विदीर्ण वि० [स] फाटेलु, चीरेलु (२) [नष्ट
विदुर वि०[स] चतुर, दक्ष (२) पु० तेवो पुरुष
विदुषी स्त्री० [स] विद्वान स्त्री
विदूर वि० [स] घणु दूर
विदूषक पु०[स] अति विषयी माणस (२) मश्करा
विदूषना स०क्रि० दोष देवा (२) सतावव‌ु (३) अ०क्रि० दु खी थवु
विदेश प० [स] परदेश
विदेह वि० [स] देह वगरनु (२) पु० [जनक राजा
विद्ध वि० [स] वीधायलु
विद्यमान वि० [स] हयात मोजूद
विद्या स्त्री० [स] (काई खास) ज्ञान, जाणकारी
विद्यार्थी पु०[स] विद्या भणनार, छात्र
विद्यालय पु० [स] शाळा
विद्युत् स्त्री०[स] वीजळी (२) सध्या
०मापक पु० वीजळी मापवानु यत्र
विद्रुम पु० [स] कूपळ (२) परवाळु
विद्रोह पु०[स] बळवो सामे थवु ते
विद्वत्ता स्त्री० [स] पडिताई
विद्वान पु० [स] पडित जानी
विद्वेष पु०[स] द्वेष वेर –षी,–ष्टा वि० [वेरी

विधम(–र्म) पु०
धम के गुण विनानु
परधर्मी (२) धमभ्र
विधरा स्त्री० [स]
विधाता पु०[स] ब्रह्मा
प्रबधक
विधान पु० [स] वि
कथन, उक्ति (३)
०परिषद स्त्री० उ
०सभा स्त्री० नीचल
विधायक वि० [स]
रचनार, नियामक
विधि स्त्री० [स]
शास्त्रोक्त व्यवहार (३
दव –बठना = मळ
विधु पु० [स] चद्र (
विधुर वि० [स] दु खी
पु० राडेलो
विधेय वि० [स] कहे
विध्वस पु० [स] ना
अनादर (३) शत्रुला
नाश करनार
विध्वस्त वि० [स] ना
विनत वि० [स] वळे
विनीत, नम्र (३) शि
विनति,–ती,–तडी स्त्री०
नमवु–झूकवु ते
विनम्र वि० [स] अति
विनय स्त्री० [स] नम्र
शिष्टता (२) शिक्षण
अनुनय –यी वि० वि
विनश(–स)ना अ०क्रि०

विनष्ट वि०[स] नाश पामेलुं नष्ट भ्रष्ट
विनसना अ०क्रि (प) जुओ विनशना
विनसाना अ०क्रि०(प) विनसना (२) स०क्रि० बगाडवुं
विना अ० [स] वगर सिवाय
विनाथ वि० [स] अनाथ [सरदार
विनाश पु०[स] खुवारी नाश हानि
विनासना स०क्रि०(प) जुओ विनसाना
विनिमय पु०[स] बदलो साटु (२) गीरो
विनियोग पु० [स] उपयोग लपमा ल्वु ते (२) प्रवेश [मुशील
विनीत वि०[स] विनयी सभ्य नम्र
विनु अ० (प) विना
विनोद पु०[स] कौतुक गमत हासी खेल —दी वि० विनोदवाळु [गोठवणी
विन्यास पु० [स] रचना सजावट
विपक्ष पु० [स] सामेनो–विरुद्ध पक्ष (२) वि० सामेनुं विरुद्ध —क्षी पु सामावाळिया
विपत्ति स्त्री०[स] सकट आफत (२) दु खदशा (३) मुश्केली पचात —वहना =दु ख आवी पडवु
विपथ पु० [स] कुमार्ग आडो रस्तो
विपद,—दा स्त्री०[स] विपत्ति आफत
विपन्न वि०[स] दु खी विपत्तिमा आवेलु
विपरीत वि०[स] ऊलटु ऊधु, अवळु, प्रतिकूल
विपर्यय, विपर्यास पु०[स] ऊलटु, अवळु सवळु थवु ते (२) भ्रम [अस्तव्यस्त
विपर्यस्त वि०[स] विपर्यय पामेलु (२)
विपाक पु०[स] परिपक्व दशा, फळ (२) दुर्दशा (३) स्वाद
विपात पु० [स] विनिपात नाश
विपादिका स्त्री०[स] पगना एक रोग
विपिन पु [स] वन, जंगल (२) उपवन बाग
विपुल वि०[स] खूब पुष्कळ (२) मोटु
विपुला स्त्री० [स] धरती पृथ्वी
विप्र पु [स] ब्राह्मण
विप्रलंभ पु [स] वियोग (२) छळ धारो
विप्लव पु० [स] बळवो उत्पात (२) पाणीनी रेल (३) नाश
विफल वि [स] फळरहित नष्ट नकामु
विबुध पु [स] विद्वान ( ) देव (२) देव
विबोध पु०[स] जागरण ( ) शोधमां आवव ते सावधानी (३) ज्ञान बोध
विभक्त वि० [स] छूटं भाग पाडेलु के वहेचेलु
विभक्ति स्त्री [स] वहेंचणी विभाग (२) व्या०नी विभक्ति कारक
विभव पु०[स] धन संपत्ति ऐश्वर्य (२) मुक्ति [राजा
विभाकर पु०[स] सूर्य (२) अग्नि (३)
विभाग पु०[स] हिस्सो भाग (२) खातु
विभाजन पु०[स] विभाग करवा ते (२) वहेंचणी (३) भाजन पात्र
विभात पु० [स] प्रभात, सवार
विभाति स्त्री० [स] शोभा, प्रभा
विभावरी स्त्री०[स] रात (२) तारा भरेली
विभिन्न वि०[स] भिन्न जुदु (२) विविध
विभु वि०[स] सर्वव्यापक (२) पु० प्रभु
विभूति स्त्री०[स] ऐश्वर्य, वैभव, समृद्धि
विभूषण पु०[स] भूषण, शणगार, शोभा
विभेद पु० [स] भेद, प्रकार, फरक (२) छेद काणु
विभ्रम पु०[स] भ्रम, शक (२) गभराट (३) भ्रमण फेर
विभ्राट पु० [स] सकट, झघडो

मत पु०, –ति स्त्री०[स] विरुद्ध मत [विम्र
(२) असमति
मन,०स्क वि०[स] अनमनु, उदास,
वमर्श,०न पु० [स] विचार, विवचन,
समीक्षा
विमल वि० [स] निमळ, स्वच्छ
विमाता स्त्री० [स] सावकी मा
विमान पु०[स] हवाई वाहन (२) रथ
विमुक्त वि०[स] मुक्त, स्वतत्र, छूटु
(२) रहित
विमुक्ति स्त्री० [स] मुक्ति स्वतत्रता
विमुख वि०[स] विरुद्ध, सामनु प्रतिकूळ
विमुद वि० [स] अप्रसन्न, उदास
विमूढ वि० [स] मूढ अति मोहमा
पडलु जड [(२) रहित
वियुक्त वि०[स] विखूटु छूटु अलग
वियोग पु०[स] छूट पडवु त (२) विरह
वियोगान्त वि०[स] अशुभान्त (नाटक
इ०) [रगीनु
विरग वि०[स] खराब रगनु (२) विविध
विरचि पु० [स] ब्रह्मा
विरक्त वि० [स] वैराग्यवाळु, निवृत्त
(२) विमुख, अलग
विरक्ति स्त्री०[स] वैराग्य उदासीनता
विरचित वि०[स] रचायेलु, बनेलु
विरत वि०[स] विशेष रत–लीन (२)
विरतिवाळु, विरक्त
विरद पु० [स विरुद] बिरुद ख्याति
विरदावली स्त्री० बिरदावली, यशगान
विरल वि०[स] अलग अलग छूटु (२)
दुलभ (३) अल्प
विरस वि० नीरस, फीकु अप्रिय
विरसा पु० 'वारसा' वारसो
विरह पु०[स] जुदाई, वियाग के तेनु
दुःख –हिणी स्त्री० विरहवाळी स्त्री
–ही पु० विरहवाळो
विराग पु०[स] वैराग्य –गी वि० वैरागी
विराजमान वि०[स] शोभीतु (२) हयात
विराजना अ०क्रि० विराजवु शोभवु
(२) विराजवु, बेसवु (३) हाजर होवु
विराट वि० [स] बहु मोटु (२) पु०
विश्वरूप, विभु [आराम
विराम पु०[स] विरमवु, थोभवु त
विरासत स्त्री०[अ] जुओ 'वरासत'
विरुद पु० [स] ख्याति, प्रशस्ति
विरुदावली स्त्री०[स] जुओ 'बिरदावली'
विरुद्ध वि० [स] सामु, प्रतिकूळ
विरूप वि०[स] कुरूप (२) कदरूपु
विरेचक वि०[स] रेचक, 'दस्तावर' –न
पु० रेच के तेनी दवा
विरोचन पु०[स] सूर्य (२) चद्र (३)
अग्नि (४) प्रकाश, चमक
विरोध पु०[स] अणबनाव प्रतिकूळता
(२) सामे होवु के थवु ते शत्रुता
विरोधाभास पु०[स] विरोधनो आभास
एक अर्थालकार [सामेवाळु शत्रु
विरोधी वि०[स] सामेनु प्रतिकूळ (२)
विर्द स्त्री०[अ] नित्यनु काम, दैनिक काम
विलब पु०[स] ढील मोडु थवु ते (२)
लटकवु त [लटकवु
विलबना अ०क्रि० विलब करवो (२)
विलबित वि०[स] लटकतु (२) ढीलमा
पडतु विलबवाळु
विलक्षण वि० [स] अपूर्व असाधारण
विलखना अ०क्रि० जुओ 'बिलखना'
विलग वि० (२) पु० जुओ 'बिलग'
विलगाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० जुओ
'बिलगाना'

विलपना अ०क्रि० विलाप करवो,विलपवु
विलाप पु० [स] रोवु कक्ळवु ते
विलायत पु०, स्त्री० [अ] पारको क दूरना दश –ती वि० परदेशी
विलायती बगन पु० टोमेटा
विलास पु० [स] लहर, मजा (२) एशआराम, सुखभोग (३) शृगारना हावभाव के चेष्टा [(२) वेश्या
विलासिनी स्त्री०[स] युवती कामिनी
विलासी वि०[स] विलासप्रिय कामी, एशआरामी
विलीन वि०[स] लीन, अलोप थयेलु (जम क आगळीने के मळी जईने)
विलेप,०न पु०[स] लेप के त करवो ते
विलोकन पु० [स] जोवु, तपासवु के निहाळवु त
विलोचन पु० [स] आख [(२) विघ्न
विलोप,०न प०[स] लोप करवु ते नाश
विलोम वि०[स] ऊलटु सामनु (२) पु० साप
विलोल वि०[स] लाल, अस्थिर चचळ
विल्व पु०[स] विलव बीलु के बीली ०पत्र पु० विल्वपत्र
विवक्षा स्त्री०[स] बोलवानी इच्छा (२) अथ मतलब आशय
विवक्षित वि०[स] अभिप्रत अपक्षित (२) पु० प्रयोजन उद्देश आशय
विवर पु०[स] काणु (२) गुफा (३) बोड
विवरण पु०[स] विस्तारथी कहेवु त वणन बयान [रहित
विवर्ण वि० [स] वर्ण (रग के जाति)
विवत पु०[स]आकाश(२)समूह(३)भ्रम
विवश(–स) वि०[स] लाचार अवश
विवस्त्र वि० [स] वस्त्ररहित, नाग
विवाद पु०[स] वाग्युद्ध (२) सामा वाद के मत (३) झघडा
विवाह पु०[स]लग्न –हित वि० परणेलु
विवाहना स०क्रि० परणवु 'ब्याहना'
विविक्त वि०[स] एकलु, एकात (२) शुद्ध, पवित्र
विविध वि० [स] अनेक जातन
विवृत वि०[स] खुल्लु पहाळु विस्तृत
विवेक पु०[स] सारानरसानी समज के तेनी शक्ति –की वि० विवेकवाळ
विवेचन पु०[स] अवलोकन, परीक्षा, के मीमासा सारासारनु निरूपण
विशद वि० [स] स्पष्ट साफ (२) चाख्खु स्वच्छ (३) सफेद
विशारद वि०[स] प्रवीण, दक्ष कुशळ
विशाल वि० [स] विशाळ मोटु
विशिष्ट वि० [स] विशेष खास, असाधारण
विशुद्ध वि०[स] शुद्ध, निमळ, चाख्खु, पवित्र –द्धि स्त्री० शुद्धता पवित्रता
विशूचिका स्त्री० [स] कालेरा राग
विशृखल वि० [स] क्रम के बधन विनानु
विशेष वि०[स] वधु (२) खास (३) असाधारण (४) पु० भेद तफावत (५) अधिकता, वधारो (६) खास गुण
विशेषज्ञ वि०[स] खास जाणनार तज्ज्ञ
विशोक वि०[स] शोकरहित (२) पु० अशोक वृक्ष
विश्रभ पु० [स] विश्वास (२) प्रम
विश्रांति स्त्री०, विश्राम पु०[स] आराम थाक [स्त्री० प्रख्याति
विश्रुत वि०[स] विख्यात प्रसिद्ध –ति
विश्लिष्ट वि० [स] पृथक छूटु (२) ढीलुं (३) ...

वण

षण पु० [स] छूटु करवु ते, विकरण

वभर पु० [स] भगवान, प्रभु

व पु० [स] सृष्टि, ब्रह्मांड

द्यालय पु०युनिवर्सिटी,विद्यापीठ

विश्वसनीय, विश्वस्त वि०[स] विश्वास-पात्र [ब्रह्म

विश्वात्मा, विश्वाधार पु०[स] ईश्वर,

विश्वास पु०[स] भरोसो श्रद्धा, यकीन –जमाना,दिलाना=विश्वास पेदा करवो

विश्वासघात पु० [स] दगो, धोखो

विश्वासी पु०[स] विश्वास करनार (२) विश्वासपात्र

विश्वेदेव पु० [स] अग्नि

विश्वेश,–श्वर पु० [स] ईश्वर

विश्वकोश पु०[स] एन्साइक्लोपीडिया', सवसग्रह

विष पु० [स] वख, झेर –की गाठ =उपद्रवकारी के पचातनु घर

विषण्ण वि० [स] खिन्न, दु खी

विषधर पु० [स] साप

विषमत्र पु०[स] झेर उतारवानो मत्र

विषम वि०[स] असमान (२) कठण, मुश्केल (३) पु० सकट [वासना

विषय पु० [स] बाबत, वस्तु (२) काम-

विषयक वि० [स] (समासमा) अमुक विषय सबधी

विषयी वि०[स] कामी, भोग विलासी

विषासक्त वि० [स] विषयुक्त

विषाण पु०[स] शीगडु (२) हाथीदात

विषाद पु० [स] शोक खेद दु ख

विषालु वि० [स] झेरी

विषुव,०त् पु०[स] रात दिवस बराबर थाय ते समय

विषुव(०त्)रेखा पु०[स] विषुववृत्त

विषला वि० झेरी

विष्टा,–ष्ठा स्त्री० [स] गू

विष्टि स्त्री० [स] वेठ (२) मजूरी

विष्ठा स्त्री० जुओ 'विष्टा'

विष्णु पु० [स] एक हिंदु देव ०पदी स्त्री० गगा नदी [(२) दगो

विसवाद पु० [स] असगतता, विरोध

विसदृश वि०[स] असमान, ऊलटु, जुद

विसर्ग पु०[स] त्याग (२) दान (३) शौच, मळत्याग (४) मोक्ष (५) लिपिनो ( ) विसर्ग

विसर्जन पु०[स] छोडवु ते (२) बरखास्त करवु ते, अत

विसर्प पु०[स] एक जातनो ताव (खस खूजली साथे) [मृत्यु

विसर्पी वि० [स] चेपी

विसाल पु०[अ] सयोग (२) सभोग (३)

विसूचिका स्त्री० [स] कॉलेरा

विस्तार पु० [स] फेलावो

विस्तीर्ण, विस्तृत वि०[स] फेलायलु, विस्तारवाळु [फाल्ला

विस्फोट पु०[स] फूटवु ते (२) झेरी

विस्फोटक वि०[स] फूटे एवु (२) पु० तवो पदार्थ

विस्मय पु० [स] आश्चर्य, अचबो

विस्मरण पु० [स] वीसरवु ते

विस्मित वि०[स] आश्चर्ययुक्त, चकित

विस्मृत वि० [स] वीसरायलु –ति स्त्री० विस्मरण

विहग(०म), विहग पु० [स] पक्षी

विहान पु० सवार, प्रभात

विहार पु०[स] विचरवु–फरवु त (२) रति क्रीडा (३) बौद्ध विहार–मठ

विहित वि० [स] निश्चित के निर्देश करायेलु
विहिन वि० [स] रहित विनानु
विह्वल वि० [स] वेचेन गभरायेलु, व्याकुल
वीक्षण पु० [स] जावु त
वीचि,-ची स्त्री० [म] माजु, तरग
वीज पु० [स] वाज
वीजन [पु०] वीजणा, पखो
वीणा स्त्री० [स] एक वाद्य ०पाणि स्त्री० सरस्वती (२) पु० नारद
वीत वि०[म] वीतलु निवृत्त रहित
वीथि,०का,-थी स्त्री०[स] हार, पवित (२) रस्तो (३) सूयमाग [योद्धो
वीर वि०[स] बहादुर(२)पु० भाई (३)
वीरगति स्त्री०[स] युद्धमा मरनारनी (उत्तम) गति, स्वग
वीरशय्या स्त्री० [म] युद्धक्षेत्र
वीरान वि० [फा] वरान उज्जड (नाम, -नी स्त्री०)
वीराना पु०[फा] वेरान जगा, जगल
वीय,-र्य पु० [स]वीरता शौय(२) शुक्र
वुकूअ,-आ पु० [अ] जुओ 'वकूअ'
वुकूफ पु० [स] जुओ वकूफ'
वुजू पु० [अ] जुओ 'वजू'
वुजूद पु० जुओ 'वजद' ['वसअत'
वुमअ, वुसअत स्त्री०[अ] जुओ 'वसअ',
वुसूल वि०,-ली स्त्री०जुओ वसूल -ली'
वृत्त पु०[म] डाटु (२) स्तननी डीटडी
वृताक पु० [स] वताक रीगण
वद पु० [म] टाळु
वक पु० [म] वरु
वक्ष पु० [स] झाड [(३) गोळ वतुल
वृत्त पु०[स]वत्तात चरित्र(२)समाचार
वृत्तात पु० [म] वृत्त खबर, हवाल
वृत्ति स्त्री० [म] जीविका धधो (२) मननी वत्ति, वलण मनाव्यापार
वथा अ० [म] व्यथ फोगट
वद्ध वि० [स] घरडु [(३) अभ्युदय
वद्धि स्त्री० [म] वधव त (२) व्याज
वश्चिक पु० [स] वीछो
वृषभ पु० [स] साढ के बळद
वृषल पु० [म] शूद्र (२) पापी
वृष्टि स्त्री० [स] वरसाद
वेग पु० [म] त्वरा झडप
वेणि,-णी स्त्री० [स] चाटलो (२) प्रवाह धारा
वेणु पु० [स] वास (२) वासळी
वेतन पु० [म] मजूरी पगार
वेताल पु० [म] वताळ भूत
वेत्ता पु० [म] जाणकार
वेत्र पु० [स] नेतर [चारनो सकेत
वेद पु०[स] वद ग्रथ (२) ज्ञान (३)
वेदना स्त्री० [स] पीडा दुख
वेदवाक्य पु०[म] वदनु प्रमाणभूत वाक्य
वेदाग पु० [म] वेदना छ अग
वेदात पु०[स] अतिम ज्ञान एक दशन
वेदि,०का,-दी स्त्री०[स] यज्ञनी वदी
वेध पु०[म] वीधवु ते (२) काणु (३) खगोळना ग्रह नक्षत्रादि जोवा ते ०शाळा स्त्री० खगाळ निहाळवानी प्रयागशाळा
वेपथु पु० [म] कप ध्रुजारी
वेला स्त्री० [स] वळा समय (२) समुद्रकिनारो (३) मर्यादा
वेल्लि,-ल्ली स्त्री० [म] वली लता
वेश पु० [म] पहेरवेश पोशाक (२) भेस, रूप

वेशभूषा स्त्री० [स] पहरवेश
वेश्म पु० [स] घर, मकान
वेश्या स्त्री० [स] गुणका, रंडी
वेष्टन पु० [स] लपटवानु–बाधवानु कपडु बाधण (२) पाघडी, फेंटो
वकल्पिक वि० [स] अनिश्चित (२) आ के ते विकल्पवाळु मरजियात
वकुठ पु० [स] विष्णुलोक, स्वग
वगन पु० [इ] भारखानाना डबो
वचित्र्य पु० [स] विचित्रता
वज्ञानिक वि०[स] विनान सवधी (२) पु० विनानवत्ता
वतनिक पु० [स] पगारदार नोकर
वताल,–लिक पु०[स] वदीजन स्तुति करनार
वद पु० वद्य (२) [स] विद्वान
वदक पु० आयुर्वेद वदु–वदनी विद्या
वदग्ध्य पु० [स] विदग्धता, चातुरी
वद्य पु० [स] वद, वदु करनार ०क पु० जुआ 'वदक [ठीक रीतसरनु
वध वि०[स] विधि के कानून मुजबनु
वधव्य पु० [स] रडापो
वनतेय पु० [स] गरुड (२) अरुण
वपार पु० वेपार –री पु० वेपारी
वभव पु० [स] ऐश्वय महिमा (२) धनदोल्त [शत्रुता
वमनस्य पु०[स] अणवनाव (२) वर
वमात्र(-त्रेय) वि०[स] सावकु 'सौतेला'
वर पु० [स] वर, झेर द्वेष [बदलो
वरशुद्धि स्त्री०[स] वेर लेवु ते, वरनो
वयाकरण पु०[स] व्याकरण शास्त्री
वरागी पु० वराग्यवाळो (२) एक जातनो साधु
वराग्य पु० [स] वराग विरक्ति
वरि,–री पु० [स] वरी, शत्रु
ववाहिक वि०[स] विवाह सबधी (२) पु० ससरो
वशाख पु० [स] वशाख मास
वशेषिक पु०[स] छमानु एक दशनशास्त्र
वश्य पु० [स] चारमाना एक वण
वश्वानर पु० [स] अग्नि
वषम्य पु० [स] विषमता, असमानता
वष्णव पु० [स] विष्णुपथी
वसा वि० तेवु ते जातनु –से अ० तेम, ते रीत [मतदार
वोट पु० [इ] मत ०दाता, ०र पु०
व्यग,–ग्य पु० [स] कटाक्ष
व्यजन पु०[स] क, ख इ० अक्षर (२) निशानी (३) खानपाननी वानी के शाक अथाणु चटणी इ०
व्यजना स्त्री०[स] प्रगट करवानी शक्ति
व्यक्त वि० [स] प्रगट
व्यक्ति पु० [स] जण, कोई एक (२) कोई व्यक्त पदाथ [लीन उद्यमी
व्यग्र वि० [स] व्याकुल (२) काममा
व्यजन पु० [स] वीजणो, पखो
व्यतिक्रम पु०[स] ऊलटा क्रम (२) विघ्न
व्यतिरिक्त अ० सिवाय, 'अलावा' (२) वि० [स] भिन्न सिवायनु
व्यतिरेक पु०[स] अतिरेक, वद्धि (२) भद, जुदाई ऊलटापणु
व्यतीत वि० [स] वीतेलु, गत
व्यतीपात पु० [स] भारे उत्पात (२) ज्यातिषमा एक खास याग
व्यथा स्त्री० [स] पीडा दु ख
–व्यथित वि०[स] दु खी व्यथा पामेल
व्यभिचार पु०[स] दुराचार छिनाळवु –री वि० व्यभिचार करनार

व्यय पु० [स] खपत खर्च
व्यर्थ वि० [स] नकामु, फोगट
व्यलीक वि० [स] अप्रिय (२) दुःखद (३) पु० अपराध (४) दुःख
व्यवधान पु०[स] आंतरा पडदा (२) अलग पडवु ते, विच्छेद (३) अंत
व्यवसाय पु०[स] धंधा रोजगार (२) अभिप्राय मतलब -यी वि० धंधावाळु
व्यवस्था स्त्री०[स] प्रबंध, गोठवण (२) नियम [करनार मॅनेजर
व्यवस्थापक पु० [स] व्यवस्थानु काम
व्यवस्थित वि० [स] व्यवस्थावाळु नियमित
व्यवहार पु० [स] वर्तन (२) धंधो रोजगार (३) प्रथा रिवाज (४) केस मुकद्दमा [समष्टि)
व्यष्टि स्त्री०[स] एकल व्यक्ति (ऊलटु--
व्यसन पु०[स] दुःख विपत्ति (२) टेव शोख (३) कुटेव (४) विषयासक्ति -नी वि० व्यसनवाळु
व्यस्त वि० [स] जुओ 'व्यग्र
व्याकरण पु० [स] भाषाना शब्दो वगरेना नियमनी विद्या
व्याकुल वि० [स] व्यग्र गभरायेलु
व्याख्या स्त्री०[स] स्पष्टीकरण टीका
व्याख्याता पु०[स] व्याख्यान करनार
व्याख्यान पु० [स] भाषण विवेचन
व्याघात पु०[स] विघ्न (२) घा, प्रहार
व्याघ्र पु० [स] वाघ
व्याज पु०[स] छळ, कपट (२) ढोंग वार (३) मूडीनु व्याज
व्याध पु०[स] शिकारी (२) वि० दुष्ट
व्याधि स्त्री०[स] रोग बीमारी (२) पचात ववट
व्यापक वि० [स] फेलायेलु
व्यापना स०क्रि० व्यापवु प्रसरवु, फेलावु
व्यापार पु० [स] काम धंधो (२) वेपार रोजगार
व्यापारी पु०[स] वेपारी सोदागर (२) वि० व्यापार संबंधी
व्याप्त वि०[स] व्यापेलु प्रसरेलु -प्ति स्त्री० प्रसार फेलावु ते
व्यायाम पु० [स] कसरत [दुष्ट
व्याल पु०[स] साप (२) वाघ (३) वि०
व्यालू स्त्री० पु० वाळु
व्यावहारिक वि० [स] व्यवहारनु के ते विषेनु (२) वहेवारु
व्यासंग पु० [स] अति नाद व्यसन
व्याहार पु० [स] वाक्य
व्युत्पत्ति स्त्री० [स] भाषाना शब्दोना ऊगम के तेनी विद्या
व्युत्पन्न वि० [स] विद्वान पंडित
व्यूह पु०[स] वृंद समूह (२) सेनानी खास रचना-मारचो (३) परिणाम
व्योम पु० [स] आकाश (२) वादळ
व्रज पु०[स] जवु ते (२) समूह टोळु (३) व्रज प्रदेश [(३) हुमलो
व्रज्या स्त्री०[स] फरवु ते (२) रणभूमि
व्रण पु० [स] घा जखम [उपवास
व्रत पु० [स] आचारनो नियम (२)
व्रतिक, व्रती, व्रत्य पु० [स] व्रतवाळो व्रतधारी (२) ब्रह्मचारी
व्रीडा स्त्री० [स] लज्जा शरम
व्रीहि स्त्री० [स] चोखा डांगर

वेशभूषा स्त्री० [स] पहेरवेश
वेश्म पु० [स] घर, मकान
वेश्या स्त्री० [स] गुणिका, रंडी
वेष्टन पु० [स] लपेटवानुं-बांधवानुं कपडुं, बांधण (२) पाघडी, फेंटो
वैकल्पिक वि० [स] अनिश्चित (२) आ के ते विकल्पवाळुं मरजियात
वैकुंठ पु० [स] विष्णुलोक स्वर्ग
वैगन पु० [इ] मालखानानो डब्बो
वैचित्र्य पु० [स] विचित्रता
वैज्ञानिक वि०[स] विज्ञान संबंधी (२) पु० विज्ञानवेत्ता
वैतनिक पु० [स] पगारदार, नोकर
वैताल,-लिक पु०[स] बंदीजन, स्तुति करनार
वैद पु० वैद्य (२) [स] विद्वान
वैदक पु० आयुर्वेद वैदुं-वैदानी विद्या
वैदग्ध्य पु० [स] विदग्धता, चातुरी
वैद्य पु०[स] वैद वैदुं करनार ०क पु० जुओ 'वैदक [ठीक रीतसरनुं
वैध वि०[स] विधि के कानून मुजबनुं
वैधव्य पु० [स] रंडापो
वैनतेय पु० [स] गरुड (२) अरुण
वैपार पु० वेपार -री पु० वेपारी
वैभव पु० [स] ऐश्वर्य, महिमा (२) धनदोलत [शत्रुता
वैमनस्य पु०[स] अणबनाव (२) वेर,
वैमात्र(-त्रेय)वि०[स] सावकुं सौतेला'
वैर पु०[स] वेर झेर द्वेष [बदलो
वैरशुद्धि स्त्री०[स] वेर लेवुं ते वेरनो
वैयाकरण पु०[स] व्याकरण शास्त्री
वैरागी पु० वैराग्यवाळो (२) एक जातनो साधु
वैराग्य पु० [स] वैराग, विरक्ति
वैरि,-री पु० [स] वेरी, शत्रु
वैवाहिक वि०[स] विवाह संबंधी (२) पु० ससरो
वैशाख पु० [स] वैशाख मास
वैशेषिक पु०[स] छमानुं एक दर्शनशास्त्र
वैश्य पु० [स] चारमानो एक वर्ण
वैश्वानर पु० [स] अग्नि
वैषम्य पु० [स] विषमता, असमानता
वैष्णव पु० [स] विष्णुपंथी
वैसा वि० तेवुं, ते जातनुं -से अ० तेम, ते रीते [मतदार
वोट पु० [इ] मत ०दाता, ०र पु०
व्यंग,-ग्य पु० [स] कटाक्ष
व्यंजन पु०[स] क, ख इ० अक्षर (२) निशानी (३) खानपाननी वानी के शाक अथाणुं चटणी इ०
व्यंजना स्त्री०[स] प्रगट करवानी शक्ति
व्यक्त वि० [स] प्रगट
व्यक्ति पु०[स] जण, कोई एक (२) कोई व्यक्त पदार्थ [लीन उद्यमी
व्यग्र वि० [स] व्याकुल (२) काममां
व्यजन पु० [स] वींजणो, पंखो
व्यतिक्रम पु०[स] ऊलटो क्रम (२) विघ्न
व्यतिरिक्त अ० सिवाय, 'अलावा (२) वि० [स] भिन्न, सिवायनुं
व्यतिरेक पु०[स] अतिरेक वृद्धि (२) भेद जुदाई ऊलटापणुं
व्यतीत वि० [स] वीतेलुं गत
व्यतीपात पु० [स] भारे उत्पात (२) ज्योतिषमां एक खास योग
व्यथा स्त्री० [स] पीडा, दुःख
व्यथित वि०[स] दुःखी, व्यथा पामेलुं
व्यभिचार पु०[स] दुराचार छिनाळवुं -री वि० व्यभिचार करनार

शजरा पु० [अ] वंश (२) वंशवृक्ष ( )तलाटीनो खेतरोनो नकशो
शठ पु०[स] पाको ठग लुच्चो माणस
शण(–न) पु० शण 'सन
शत वि० [स] सो १०० [(२) सकु
शतक पु० [स] सोनो समूह सैकडो
शतधा अ०[स] सो रीत सैकडो प्रकारे
शतरज स्त्री [फा] शतरज
शतरजी स्त्री० [फा] शतरजी (२) शतरज रमवाना खानानु कपडु (३)पु सरस शेतरज रमनार जाणनार
शताब्दी स्त्री०[स] सदी सो वरस
शतायु वि०[स] सो वरसनु चिरजीव
शतावधान प० [स] सो अवधान के तेनी शक्तिवाळो माणस –नी पु० तेवो माणस (२) स्त्री० शतावधानन काम के शक्ति
शत्रु पु [स] दुश्मन सामवाळो
शदीद वि० [अ] भारे खूब सखत
शद्द पु०[अ] जोर भार (२) तशदीद – अक्षरनु द्वित्व ०द मद, –द्दो मद प० ठाठमाठ धामधूम
शद्दा पु० [अ] ताबूतनो धडो
शनवा वि०[फा] साभळनार सुणनार ०ई स्त्री० सुनावणी [परिचय
शनास्त स्त्री० [फा शिनाख्त] पिछान,
शनास वि० [फा शिनास] पिछाननार (समासमन अत) –सा वि पिछाननार –साई स्त्री० पिछान
शनि पु०[स] एक ग्रह (२) एक वार के दिवस (३) कमनसीब
शन अ० [स] धीमे
शपथ पु० [स] सोगन
शफक स्त्री० [अ] सध्या के उपानी लाली –का टुकडा=खूब सुदर –फूलना = प लाली फेलावी
शफकत स्त्री [अ] कृपा महेरबानी
शफा स्त्री [अ शिफा] तदुरस्ती आरोग्य ०खाना पु० दवाखानु
शफी वि० [अ शफीअ] वच्चे पडी पतावट करनार
शफीक वि० [अ] दयाळु मेहरबान
शफ्फाक वि [अ] स्वच्छ ( ) पारदर्शक
शब स्त्री० [फा] रात [(–री)
शब-कोर वि [फा] रताधळ (नाम,
शबनम स्त्री०[फा] झाकळ ओस ( ) पातळो बारीक मलमलनी एक जात
शबनमी स्त्री० [फा] मच्छरदानी
शब बरात स्त्री० [फा] एक इस्लामी तहेवार [खूबसूरती
शबाब पु० [अ] यौवन जुवानी (२)
शबाहत स्त्री [अ] सूरत सिकल
शबिस्तान पु० [फा] सूवानो ओरडो अत पुर
शबीना वि०[फा] रातनु वासी (२) पु० रातमा पूरु करवानु काम, दा०त० कुराननो पाठ
शबीह स्त्री० [अ] चित्र छबी
शबेकद्र स्त्री० [फा +अ] रमजान मासनी २७मी तारीखनी रात (एम मनाय छे के त्यारे खुदा जुए छे के कोण भारी बदगी करे छे)
शबे तार, शबे-तारीक स्त्री० [फा] अधारी रात [चादनी रात
शबे माह, शबे माहताब स्त्री० [फा]
शबोरोज अ०[फा] रातदिवस हरदम
शब्द पु०[स] अवाज, ध्वनि (२) शब्द वचन बोल वाणी

श

शकना अ०क्रि० (प) शंका करवी
शंकर पु० [स] महादेव, शिव
शंका स्त्री० [स] संशय, डर –कित वि० शंकावाळु
शंकु पु०[स] पाली, खूंटी (२) शंकु आकार
शंख पु० [स] शंखलो –फूंकना = जाहेर करवु –बजना = जीत थवी –बजाना = राजी थवु (फावसाजी)
शजरफ पु०[फा] 'शिंगरफ', हिंगळोक
शठ पु० शठ हीजडा (२) बेवकूफ
शंड(–ढ) पु०[स] षंढ नपुंसक(२)सांढ
शंबर पु० [स] युद्ध
शंभु पु० [स] शिव [मास
शअबान पु०[अ] शाबान, अरबी ८मा
शऊर पु०[अ] शहूर अकल आवडत (२) काम करवानी रीत, पद्धति
शऊरदार वि० शहूरवाळु, कावेल
शकट पु०[स] गाडु (२) भार वाजा
शकर स्त्री० [फा] 'शक्कर', खांड
शकरकंद पु० शकरियु
शकरपारा, –ला पु० शकरपारा, एक वानी (२) एक फळ [कलह
शकररंजी स्त्री० मीठो वघडो, प्रेम-
शकल स्त्री० [अ शक्ल] सिकल, चहेरा रूप (२) उपाय रस्तो
शकाब्द पु० [स] शालिवाहनना शक संवत [सिकलवाळु
शकील वि० [फा] रूपाळु, सुंदर
शकुंत पु० [स] पक्षी
शकुन पु०[स] शुकन, शुभ पळ(२)प
–देखना, –विचारना = शुकन जोवा
शकुनि पु०[स]पक्षी(२)दुर्योधननो माम
शक्क पु० [अ] चीरो, फाट
शक्कर स्त्री० खांड
शक्की वि० शकवाळु शंकाशील
शक्त पु० [स] सशक्त समर्थ
शक्ति स्त्री०[स] बळ ताकात (२) देवी
शक्तु पु० [स] सक्तु, साथवो
शक्य वि०[स] बनी शके एवु संभवित
शक्र पु० [स] इंद्र
शक्ल स्त्री० [अ०] जुओ 'शकल'
शख्स पु०[अ] शख्स माणस व्यक्ति
शख्सियत स्त्री० [अ] व्यक्तित्व
शख्सी वि०[अ] एक जणनु व्यक्तिगत
शग़ल पु० [अ शग़्ल] वेपार, कामधंधो (२) विनोद मनोरंजन
शग़ाल पु० [अ] शृगाल, शियाळ
शगुन पु० शुकन (२) सगाई थयाना चांल्ला इ० करवानो विधि –लेना = शुकन जोवा
शगुनिया पु० शुकन जोई खानार साधारण जोषी
शगुफ्ता वि० [फा] खीलेलु प्रफुल्ल (नाम, –फ्तगी)
शगून, शगूनिया जुओ शगुन शगुनियो
शगूफा पु० कळी (२) फूल (३) विलक्षण काई नवी घटना
शचि, –ची स्त्री० [स] इंद्राणी
शजर(–रा) पु० [अ] वृक्ष, झाड

शजरा पु० [अ] वक्ष (२) वंशवृक्ष ( )तलाटीनो खेतरोनो नकशो
शठ पु०[स] पाको, खधो लुच्चो माणस
शण(-न) पु० शण 'सन'
शत वि० [स] सो, १०० [(२) सकु
शतक पु० [स] सोनो समूह सैंकडो
शतधा अ०[स] सो रीते सेंकडो प्रकारे
शतरज स्त्री० [फा] शेतरज
शतरजी स्त्री० [फा] शतरजी (२) शेतरज रमवाना खानानु कपडु (३)पु० सरस शेतरज रमी जाणनार
शताब्दी स्त्री०[स] सकु, सो वरस
शतायु वि०[स] सो वरसनु चिरजीव
शतावधान प० [स] सो अवधान क तनी शक्तिवाळो माणस -नी पु० तवो माणस (२) स्त्री० शतावधाननु काम के शक्ति
शत्रु पु० [स] दुश्मन सामवाळो
शदीद वि० [अ] भारे, खूब सखत
शद्द पु [अ] जोर भार (२) तशदीद – अक्षरनु द्वित्व ०व मद, -द्दो मद प० ठाठमाठ धामधूम
शद्दा पु० [अ] तावूतनो चडा
शनवा वि०[फा] साभळनार, सुणनार ०ई स्त्री० सुनावणी [परिचय
शनाख्त स्त्री० [फा शिनाख्त] पिछान,
शनास वि० [फा शिनास] पिछाननार (समासनअत) -सा वि० पिछाननार -साई स्त्री० पिछान
शनि पु०[स] एक ग्रह (२) एक वार के दिवस (३) कमनसीब
शनै अ० [स] धीम
शपथ पु० [स] सोगन
शफक स्त्री० [अ] सध्या क उषानी लाली -का टुकडा = खूब सुदर -फूलना = ए लाली फेलावी
शफकत स्त्री० [अ] कृपा महरबानी
शफा स्त्री० [अ शिफा] तदुरस्ती आरोग्य ०खाना पु० दवाखानु
शफी वि० [अ शफीअ] वच्चे पडी पतावट करनार
शफीक वि० [अ] दयाळु महरबान
शफ्फाक वि०[अ] स्वच्छ (२) पारदशक
शब स्त्री० [फा] रात [-री)
शब-कोर वि० [फा] रताधळु (नाम,
शबनम स्त्री०[फा] झाकळ ओस (२) पातळा बारीक मलमलनी एक जात
शबनमी स्त्री० [फा] मच्छरदानी
शब बरात स्त्री० [फा] एक इस्लामी तहेवार [खूबसूरती
शबाब पु० [अ] यौवन जुवानी (२)
शबाहत स्त्री० [अ] सूरत सिकल
शबिस्तान पु० [फा] सूवानो ओरडा अत पुर
शबीना वि०[फा] रातनु वासी (२) पु० रातमा पूरु करवानु काम, दा०त० कुराननो पाठ
शबीह स्त्री० [अ] चित्र छबी
शबेकद्र स्त्री० [फा +अ] रमजान मासनी २७मी तारीखनी रात (एम मनाय छे के त्यारे खुदा जुए छे व काण मारी वदगी करे छे)
शबे तार, शबे तारीक स्त्री० [फा] अधारी रात [चादनी रात
शबे माह, शबे माहताब स्त्री० [फा]
शबोरोज अ०[फा] रातदिवस हरदम
शब्द पु०[स] अवाज, ध्वनि (२) शब्द वचन बोल वाणी

शहू पु० [फा] शाह, बादशाह (२) वरराजा (३) वि० श्रेष्ठ, उत्तम (४) स्त्री० शेह, प्रभाव
शहजादा पु०[फा] शाहजादो, राजकुंवर
शहजोर वि० [फा] बळवान
शहतीर पु० [फा] ऊभो पाटडो
शहतूत पु०[फा] एक फळझाड–शेतूर
शहद पु०[अ] मध –लगाकर चाटना = मध मूकीने चाटवु
शहना पु० [अ] कोटवाळ (२) खेती-वाडानो रखेवाळ
शहनाई स्त्री० [फा] शरणाई, नफेरी
शहबाला पु० [फा] वर जोडे जतो नानो छोकरो
शहमात स्त्री०[फा] शहमात करवु ते
शहर पु० [फा] शहेर, नगर
शहर-पनाह स्त्री०[फा] कोट शहेर-कोट
शहर-बदर वि० [फा] शहेर बहार काढेलु, बहिष्कृत
शहरयार पु०[फा] एक मोटो बादशाह (२) शहेरनो रक्षक के सहायक
शहराती वि० शहरी [शहेरीपणु
शहरियत स्त्री० [फा] नागरिकता
शहरी वि० [फा] शहेरी, नागरिक
शहवत स्त्री०[अ] शहेवत, कामातुरता
शहादत स्त्री०[अ] साक्षी (२) साबिती (३) साक्षी थवु ते (४) शहीदी
शहाना वि०[फा] शाही, राजवी (२) उत्तम (३) पु० एक राग
शहाब पु० [फा] एक जातनो घेरो लाल रग (वि० –बी)
शहीद पु०[अ] धर्म अर्थे प्राण आपनार
शांकर वि०[स] शंकर सबधी
शांत वि०[स] चूप मूगु (२) स्थिर, अचचल (३) ढीलु, थाकेलु (४) तृप्त सतुष्ट, ठडी प्रकृतिवाळु
शांति स्त्री० [स] शातता
शाइस्तगी स्त्री० [फा] शिष्टता, सभ्यता (२) सारमाणसाई
शाइस्ता वि०[फा] शिष्ट सभ्य (२) भलु, नम्र
शाक पु० [स] 'साग', शाकभाजी
शाक़(–का) वि०[अ] कठण, मुश्केल (२) असह्य [एक शाखा
शाकल पु०[स] टुकडो (२) ऋग्वेदनी
शाकाहार पु० [स] मासनो नहि, शाकपान अनाजनो आहार –री वि० ते ज आहार करनार के ते विषनु
शाकिर वि०[अ] कृतज्ञ (२) सतोषी
शाकी वि०[अ]फरियादी(२)चुगलीखोर
शाक्त वि० [स] शक्ति सबधी (२) पु० शक्ति-पूजक
शाख स्त्री० [फा] शाखा (२) शीग –निकालना = दोष काढवो (२) एक-माथी बीजु काम काढवु
शाखदार वि०[फा] शाखा के शीगवाळु
शाख साना पु० जणबनाव के झघडो या पचात (२) शक, सदेह (३) कलक, एब
शाखा स्त्री० [स] डाळी (२) अग विभाग फाटो
शाखामृग पु० [स] वानर
शाखी पु०[स] झाड (२) वि० शाखा वाळु शाखानु [–खी स्त्री०)
शागिर्द पु०[फा] शिष्य चेलो (नाना
शाज़ वि० [अ] विलक्षण, अनोखु
शाज़-व नादिर अ० [अ] कदी कदी, क्यारेक क्यारेक [कसोटीनो पथ्थर
शाण पु०[स] जुओ 'सान', सल्ली (२)

शातिर वि० [अ] दक्ष निपुण (२) पु० शेतरज रमी जाणनार
शाद वि०[फा] खुश राजी (२) पूर्ण भरलु [शाबाश
शाद बाश अ० [फा] राजी रहा (२)
शादमान वि० [फा] राजी खुश
शादाब वि० [फा] भर्युभादर्यु
शादियाना पु० [फा] खुशीना वाजा वागे ते (२) मुबारकबादी के तेने अगे अपाती भेट [ल्ग्न
शादी स्त्री० [फा] खुशी आनद (२)
शाद्वल वि०[स] हरियाळु लीलु (२) पु० लील घास
शान स्त्री०[अ] ठाठमाठ भपको उटा (२) भव्यता (३) शक्ति, वभव (४) प्रतिष्ठा (किमीकी) शानमें = कोई मोटाना मबधमा
शानदार वि० [फा] भव्य भभकदार 'शान वाळु [भपको ठाठ
शान-शौकत स्त्री० [अ] शानसोगात
शाना पु०[फा] कधो खभो (२) कामकी
शाप पु० [स] श्राप बददुवा
शापित वि० [स] शाप पामेलु
शाफा पु० [फा] दवावाळी दिवेट के बत्ती धामा मुकाय छे ते
शाफी वि० [फा] 'शफा'-आरोग्य आपनारु [आधेड वयनो पुरुष
शाब पु० [अ] २४थी ४० उमरनो-
शाबाश अ० [फा] धन्य ! वाह !
शाब्द,-ब्दिक,-ब्दी वि० [स] शब्द सबधी (२) शब्दोमा कहेलु मौखिक
शाम स्त्री०[फा] साज (२) अतकाळ (३) पु० सीरिया देश -का फूलना = सध्यानी लाली फेलावी -की सुबह करना = आखी रात जागवु -सुबह करना = सवारनी साज करवी - टाळवु ढील करवी
शामत स्त्री०[अ] कमनसीब (२) दुदशा (३) आफत, विपत्ति -का घेरा या मारा = दुदशामा सपडानार-आवेलु
शामत-जदा वि० [फा] कमनसीब अभागियु
शामती वि० कमनसीब [तबू
शामियाना पु०[फा] नमियानो मोटो
शामिल वि० [फा] सामेल साथे मळेलु ०हाल वि० सुखदु खनु साथी
शामी स्त्री० दस्ता के हाथाने छेडे पहेरावाती खोळी (२) वि० सीरिया देशनु ०कबाब एक जातनो कबाब- मासनो वानी
शाम्मा पु० [अ] सूघवानी शक्ति
शायक पु०[स] सायक बाण (२) तलवार
शायक वि० [अ] शोखीन
शायद अ० [फा] कदाच
शायर पु० [अ शाइर] कवि -रा स्त्री० स्त्री-कवि -री स्त्री० कविता
शाया वि० [अ] प्रगट जाहेर (२) छपावेलु प्रकाशित [पीडनार
शायी वि०[स] (समासमा अते) सूनार
शारग पु० [स] सारग
शारगी स्त्री० [स] सारगी
शारद वि० [स] शरद ऋतु सबधी (२) पु० वर्ष (३) वादळ
शारदा स्त्री०[स] विद्यादेवी सरस्वती
शारदी,०य वि० [स] शरद सबधी
शारिका स्त्री० [स] मेना
शारीर,-रिक वि०[स] शरीर सबधी
शार्दूल पु० [स] सिंह (२) वाघ

ाल पु० [स] सालनु झाड (२) स्त्री०
[फा] ओढवानी शाल [फरनार
शालदोज प०[फा] शाल पर भरतकाम
शालबाफ पु०[फा] शाल वणनार (२)
एव जातनु रेशमी वस्त्र –फ्री स्त्री०
शालनु वणाटकाम [स्थान, जगा
शाला स्त्री०[स] शाळा, निशाळ (२)
शालि पु० [स] डागर [सदाचारी
शालीन वि०[स] नम्र विवेकी(२)शिष्ट;
शावक पु० [स] पशुनु बच्चु
शाश्वत वि० [स] नित्य, सनातन
शासक पु० [स] हाकेम, राज्यकर्ता
शासन पु० [स] राज्य, हकूमत (२)
शास्त्र, आज्ञा (३) दड सजा
शासित वि० [स] शासन पामेलु
शास्ति स्त्री० [स] शासन (२) शिक्षा
शास्त्र पु० [स] धर्मशास्त्र (२) कोई
विषयनु प्रमाणबद्ध ज्ञान
शास्त्री पु० [स] शास्त्र जाणनार
शास्त्रीय वि०[स] शास्त्र सबधी (२)
शास्त्रशुद्ध
शाहशाह, शाह शाह पु०[फा] शहेनशाह
शाहशाही स्त्री० शहेनशाहपणु (२)
शाहवट, चोख्खो वहेवार [बहु मोटु
शाह पु०[फा] राजा, बादशाह (२)वि०
शाहजादा पु०[फा] शाहजादो, राज-
कुवर –दी स्त्री० राजकुवरी
शाहराह पु० [फा] राजमार्ग
शाहाना वि० (२)पु० जुओ 'शाहाना'
शाहिद पु०[अ]शाहेद,साक्षी(नाम,–दी)
शाही वि०[फा] बादशाही; बादशाहने
रगतु
शिगरफ पु० हिंगळोक (वि०×–फी)
शिबी स्त्री० [स] शिंग, फळी

शिबी धान्य पु० [स] द्विदळ, दाळ
शिकजा पु० [फा] सकजो शिकजेमें
खिचवाना=खूब कष्ट देवडाववु
शिकन स्त्री०[फा] दबावाथी के वीर्ज.
रीते पडती गडी
शिकम पु०[फा] पट (२) अदरनो भाग
शिकमी वि० [फा] पेटनु (२) पेटा,
अदरनु ०काश्तकार पु०[फा] साथियो
शिकरा पु० [फा] शकरो बाज
शिकवा पु० [अ] शिकायत, फरियाद
शिकस्त स्त्री० [फा] हार, पराजय –देना=
–खाना=हार खावी, हारवु
हरावबु
शिकस्ता वि०[फा] तूटघु फूटघु, भागलु
(२) घसडी नाखेलु (लखाण) –स्तगी
स्त्री० तूटघु-फूटघु होवु ते
शिकायत स्त्री० [अ] फरियाद (२)
चाडीचुगली (३) रोग, बीमारी
शिकायती वि० 'शिकायत' करनार (२)
जमा 'शिकायत' होय तेवु
शिकार पु० [फा] पशुपखी खेलमा
मारवा ते, मृगया (२) शिकारनु
पशुपखी (३) भक्ष, भोग
शिकारी पु०, वि० शिकार करनार
शिकेब पु० [फा] सतोष
शिक्षक पु० [स] भणावनार, मा
शिक्षण पु०[स] भणतर, केळवणी
भणाववु ते, अध्यापन [पाठ,
शिक्षा स्त्री० [स] शिक्षण (२)
शिक्षार्थी पु० [स] विद्यार्थी
शिक्षित वि० [स] केळवायेलु
शिखड पु०[स] मोरनु पीछु (
शिखडी पु० [स] मोर, (२)
शिखर पु० [स] टोच, शृ

शिखरन स्त्री० दही घाट इ०नु एक पेय
शिखा स्त्री० [स] चाटली, 'शिखड'
शिखी पु० [स] जुओ 'शिखडी'
शिगाफ पु० [फा] चीरो नस्तर (२) फाट (३) काणु छेद
शिगुफ्ता वि०, शिगूफा पु० जुओ अनुक्रमे 'शगुफ्ता', 'शगूफा'
शित वि० [स] क्षीण दूबळु (२) धारदार, तेज [तरत
शिताब अ० [फा] सिताबाथी, जल्दी
शिताबदार वि० उतावळु
शिताबी स्त्री० [फा] उतावळ
शिथिल वि० [स] ढीलु पोचु (२) धीमु मद (३) आळसु (४) थाकेलु
शिद्दत स्त्री० [अ] तेजी जोर (२) अधिकता [पारख
शिनाख्त स्त्री० [फा] जुओ 'शनाख्त',
शिनास (-सा) वि० [फा] जुओ 'शनास'
शिफर पु० [फा सिपर] ढाल
शिर पु० [स] माथु (२) मथाळु (३) शिखर ['शराकत भागीदारी
शिरकत, शिराकत स्त्री० [अ] जुओ
शिरहन पु० ओशीकु
शिरा स्त्री० [स] न्हानी नस नाडी
शिराकत स्त्री० जुओ 'शिरकत'
शिरीष पु० [स] एक वृक्ष के तेनु फूल
शिरोधार्य वि० [स] माथे चडाववा जेवु पूज्य मान्य
शिरोमणि पु० [स] श्रेष्ठ व्यक्ति
शिरोज, -रुह पु० [स] माथाना वाळ
शिर्क पु० [अ] ईश्वर जेवु बीजाने मानवु ए पाप (इस्लाममा)
शिला स्त्री० [स] पथ्थरनी छाट पथरो
शिलाजित पु० स्त्री० शिलाजित औषधि
शिलालेख पु० [स] पथ्थर पर कातरेलो लेख [एक सिक्को
शिलिंग पु० [इ] विलायती नाणानो
शिलीमुख पु० [स] भमरो (२) बाण (३) मूर्ख (४) युद्ध
शिल्प पु० [स] हुनरकळा कारीगरी ०कार, -ल्पी पु कारीगर
शिव पु० [स] भलु कल्याण (२) शकर
शिवरानी, शिवा, शिवानी स्त्री० पार्वती
शिवालय, शिवाला पु० शिवालय महादेव (२) मदिर
शिविका स्त्री० [स] झोळी पालखी
शिविर पु० [स] शिबिर छावणी डेरो (२) कोट किल्लो
शिशिर पु० [स] ठडी के तेनी ऋतु शियाळो ०कर पु० चद्रमा
शिशु पु० [स] बाळक बच्चु
शिश्न पु० [स] पुरुषनी गुह्येद्रिय
शिष्ट वि० [स] सभ्य सुशील ०मडल पु० प्रतिनिधि मडळ डेप्युटेशन
शिष्टाचार पु० [स] शिष्ट न उचित वे सभ्य गणातो आचार
शिष्य पु० [स] चेला (२) विद्यार्थी
शिस्त पु० नियमबद्ध वर्तन डिसिप्लिन'
शिस्त स्त्री० [फा] माछली पकडवानो काटो (२) निशान लक्ष्य
शिहाब पु० [अ] ज्वाळा (२) खरतो तारो
शीआ (-या) पु० [अ] मुसलमानोनो शिया सप्रदाय
शीकर पु० [स] सीकर पाणीनी फरफर
शीघ्र वि० [स] तरत जलदी चटपी
शीत वि० [स] ठडु (२) पु० शियाळो ०कर पु० चद्र
शीतल वि० [स] शीतळ ठडु

तला स्त्री० [म] शीतळा, बळिया
र पु०[फा] दूध, क्षीर –व शकर= दूध अने साकर पठे सूब मळेलु
शीर खिश्त स्त्री० [फा] एक युनानी दवा–रेच
शीरखोर(–रा), शीरख्वार [फा] वि० दूध पीतु–धावणु (बाळक)
शीर गम वि० [फा] साधारण गरम, कोकरवायु
शीर बिरज स्त्री०[फा] खीर, दूधपाक
शीरमाल स्त्री० [फा] एक जातनी खमीरनी रोटी
शीरा पु०[फा] शरवत (२) चासणी
शीराजा पु०[फा] पुस्तकनी बाघणीनी पट्टी के त्यानु सीवण(२)व्यवस्था, प्रबंध
शीरीं वि०[फा] शीरीन, मीठु(२)प्यारु
शीरीनी स्त्री०[फा] मीठाश(२) मीठाई
शीर्ण वि० [स] तूटेलु फूटेलु जीर्ण
शीर्ष पु० [स] शिर, माथु
शीर्षक पु० [म] मथाळु (२) माथु
शील पु० [म] वर्तन चारित्र्य (२) स्वभाव, प्रकृति
शीश पु० माथु
शीशम पु० [फा] सीसम
शीशमहल पु० [फा] काचथी जडेलो महेल –का कुत्ता=पागल, गाडु
शीशा पु०[फा] काच (२) दर्पण (३) काचनी बनेली वस्तु, शीशो ०बाशा वि० अति कामळ, नाजुक
शीशी स्त्री० शीशी, बाटली –सुंघाना= क्लॉरोफॉम आपवु [मद
शुंठि–ठी स्त्री० [म] सूंठ
शुंड पु०[स] हाथीनी सूंढ के तने गळतो
[illegible] स्त्री० [म] सूंढ (२) शराब
शुंडी पु० [स] हाथी (२) दारूवाळो
शुआअ स्त्री० [अ] सूर्यकिरण
शुक पु०[म] पोपट –की स्त्री० मेना
शुकराना पु०[फा] शुक्राना, कृतज्ञता, आभार
शुकी स्त्री० [म] मेना
शुकोह पु० [अ] दबदबो, प्रताप
शुक्का पु० [अ] शाही फरमान
शुक्ति स्त्री० [स] छीप
शुक्र पु०[म] शुक्र तारो के वार(२)वीर्य
शुक्र पु० [फा] आभार
शुक्र(–क्रिया) पु० [फा] [–री) 'धन्यवाद'
शुक्रगुजार वि० आभारी, कृतज्ञ (नाम, शुक्रिया पु० जुओ 'शुक्र –अदा करना =आभार मानवो
शुक्ल वि०[म] धोळु ऊजळु (२) पु० अजवाळियु (३) चांदी (४) माखण
शुग्ल पु० [अ] जुओ 'शगल'
शुगु(–गू)न पु० शुकन
शुग्ल पु० [अ] जुओ 'शुग्ल', 'शगल'
शुचि वि० [स] शुद्ध, पवित्र (२) साफ, चोख्खु
शुजा,०अ वि० [अ] वीर, बहादुर
शुजाअत स्त्री० [अ] वीरता
शुतुर पु० [फा] उष्ट्र, ऊंट
शुदनी स्त्री०[फा] भविष्यनी वात, भावी
शुदबुद स्त्री०[फा] कोई विषयनु थोडुक ज्ञान के समज–सूधबूध
शुदा वि०[फा] थई चूकेलु गयुगुजयु(२) थयेलु (समासमा) उदा० 'तयशुदा'
शुद्ध वि०[म] चोख्खु साफ, निर्दोष
शुद्धि स्त्री० [म] चोख्खाई (२) साफ के पवित्र थवु ते
शुफा पु० [अ] पडास

शुबहा पु० [अ] शक (२) वहेम, भ्रम
शुभ वि०(२)पु०[स] सारु, भलु, कल्याण
शुभा पु० जुओ 'शुबहा' (२) स्त्री०[स] शोभा
शुभ्र वि० [स] सफेद धोळु
शुमार पु०[फा] गणतरी लेखु, हिसाब (२) सख्या (३) शुमार अदाज
शुमाल स्त्री० पु०[अ] उत्तर दिशा —ली वि० उत्तरनु
शुमूल वि० [अ] पूरु कुल, बधु
शुरू पु०[अ] शरूआत आरभ(२)ऊगम
शुल्क पु० [स] मूल्य फी
शुश्रूषा स्त्री०[स] सेवाचाकरी, बरदास
शुष्क वि० [स] सूकु नीरस, लूखु
शुस्त-व शू स्त्री०[फा] नाहवुधावु ते (२) धोई करी शुद्ध करवु त
शुस्ता वि० [फा] धायेलु (२) स्वच्छ
शुहदा पु० [अ] बदमाश (२) गुडा
शुहरत स्त्री० [अ], शुहरा पु० जुओ 'शोहरत, शोहरा'
शूकर पु०[स] सूवर भूड वराह
शूद्र प०[स] चोथा वण के तेना माणस
शून्य पु०[म] मीडु (२) आकाश (३) वि० खाली
शूप पु० [स शूप] सूपडु 'सूप'
शूम वि० [अ] खराब (२) अभागी (३) सूम कजूस
शूर,०वीर वि०[स] बहादुर वीर
शूल पु०[स] शूळ काटा (२) शूळी (३) पीडा चूक (४) त्रिशूळ
शूल्पाणि पु० [स] शिव
शूली पु०[स] शिव (२) स्त्री० शूळी (३) शूळ, पीडा [(२) नम श्रेणी
शृखल पु०, —ला स्त्री० [स] साकळ बेडी
शृग पु०[स] टोच शिखर (२) शीगडु
शृगार पु० [स] शणगार सजावट
शृगारना स०क्रि० शणगारवु, सजवु
शृगारहाट स्त्री० वेश्यावाडो
शृगारित वि०[स] शणगारेलु, शगारवाळु
शृगारिया पु० देवना शणगार सजनार (२) बहुरूपिया
शृगाल पु० [स] शियाळ
शेख पु० मुसल्माननी एक जात (२) पीर, इस्लामनो धर्माचार्य
शेखचिल्ली पु० [फा] शेखचल्ली, मूख
शेखर पु०[स] शिखर टाच (२) शीश, माथु (३) मुगट
शेखी स्त्री० [फा] बडाइ अभिमान, घमड —बघारना, —मारना, —हाकना = शाखी मारवी [गप्पी
शेखीखोर, शेखीबाज वि०[फा] घमडी,
शेफ्ता वि० [फा] आसक्त, आशक (नाम, —फ्तगी)
शेयर पु० [इ] शेर (कपनीनो)
शेर पु० [फा] वाघ (२) भारे बहादुर, साहसिक माणस ०दिल पु० बहादुर
शेरनी स्त्री० वाघण
शेरपजा पु० वाघनखनु शस्त्र
शेर-बबर पु० [फा] सिंह
शेरवानी स्त्री० उत्तर हिदनी अमुक ढबनो कोट
शेवा पु०[फा] रीत, ढग (२) दस्तूर प्रथा
शेवाल पु० सेवाळ सेवार'
शेष पु०[स] बाकी बचत (२) शेषनाग (३) वि० बाकी रहेलु
शै स्त्री०[अ] चीज वस्तु (२) भूतप्रेत
शैख पु० [अ] जुओ 'शेख' (२) सरदार
शैतनत स्त्री० [अ] शैतानियत

...तान पु० [अ] शेतान (२) भूतप्रेत (३) दुष्ट माणस (४) क्रोध, खोटाई इ० दुर्गुण —का बच्चा=नीच दुष्ट माणस —की आंत=बहु लांबी वस्तु (नाम के वि०, —नी)

शैथिल्य पु० [स] शिथिलता, ढीलाश

शैदा वि० [फा] शयदा, आशक

शैल पु०[स] पर्वत (२) वि० पत्थरनु (३) कठण ०जा स्त्री० पार्वती

शैली स्त्री० [स] ढब, रीत

शैलेंद्र पु० [स] हिमालय

शैलेय वि० [स] पथ्थरनु (२) पहाडी

शैव वि०[स] शिव विषेनु (२) पु० शिवनो भक्त के तेना धर्मनो अनुयायी

शैवलिनी स्त्री० [स] नदी

शैवाल पु० [स] सेवाळ

शैशव पु० [स] बाळपण

शोक पु० [स] खेद, दुःख

शोख वि०[फा] धीट धृष्ट(२) नटखट (३) चपळ (४) (रंगमां) चटकदार (नाम,—खी)

शोच पु०[स] चिंता विमासण (२) दुःख, [शोक

शोचनीय वि०[स] दुःखद, चिंताजनक

शोण वि०[स] लाल (२) पु० लाल रंग

शोणित पु० [स] लोही

शोथ पु० [स] सोजो

शोध पु० [स] शुद्धि (२) दुरस्ती (३) पतावट, अदा करवु ते (४) शोध, तपास, खोळ

शोधक पु०[स] शोधनार (२) सुधारनार

शोधन पु०[स] शुद्ध-साफ करवु ते (२) शोधवु ते, तपास खोळ (३) विरेचन

शोधना स०क्रि० शुद्ध करवु (२) शोधवु

[illegible] पु०[फा] धोवु ते के तेनी मजूरी

शोबदा पु० [अ शअबद] जादु (२) दगाफटको

शोबा पु० [अ शुअब] खातु, शाखा

शोभन वि० [स] शोभतु, सुंदर (२) शुभ, मंगळ

शोभना स्त्री०[स] सुंदरी (२) अ०क्रि० [(प) शोभतु

शोभा स्त्री० [स] कांति सुंदरता

शोभायमान वि० [स] शोभीतु, सुंदर

शोभित वि० [स] शोभावाळु, सुंदर

शोर पु०[फा] क्षार (२) शोरबकोर. ०गुल पु० शोरबकोर, घांघाट

शोरबा पु० [फा] मेरवो

शोरा पु० एक खार (सूरोखार) शोरेकी पुतली=बहु गोरी स्त्री

शोरापुश्त वि० [फा] बघडाळु

शोरिश स्त्री० [फा] शोरबकोर (२) झघडो (३) खळभळाट

शोरीदा वि० [फा] व्याकुळ, विकळ

शोरीदा-सर वि० [फा] पागल

शोला पु० [अ] आगनी झाळ, गोलो

शोला-खू वि० उग्र स्वभावनु

शोला-रू वि० बहु सुंदर

शोशा पु० [फा] अदभुत वात (२) व्यंग्य —छोडना=बघडो खडो करे एवी वात करवी

शोष पु० [स] सोस तरस

शोषण पु० [स] शोषवु ते

शोहदा पु० व्यभिचारी लफंगो (२) गुंडो

शोहरत स्त्री०[अ], शोहरा पु० ख्याति प्रसिद्धि (२) अफवा

शौक़ पु०[अ] शोख, हाम (२) वलण, [शोक

शौकत स्त्री० [अ] शान ठाठ (२) ताकत (३) रोफ प्रभाव

शौक़िया वि० शोखवाळु (२) अ० मानथी

शौकीन वि० नाखोर (नाम,–नी स्त्री०)
शौच पु० [स] शुद्धता पवित्रता (२) जंगल जवु ते प्रात कर्म [स्त्री
शौत स्त्री० 'सौत, शाव, पतिनी बीजी
शौर्य पु० [स] शूरवीरता
शौहर पु० [फा] स्वामी मालिक
श्मशान पु० [स] मसाण
श्मश्रु पु० [स] दाढी मूछ
श्याम वि०[स] काळु (२) पु० श्रीकृष्ण
श्यामल वि० [स] काळु शामळु
श्यामा स्त्री० [स] युवती (२) कोयल (३) अंधारी रात [बनेवी
श्याल पु० शियाळ (२)[स] साळो के
श्येन पु० [स] बाज पक्षी [आस्था
श्रद्धा स्त्री० [स] निष्ठा विश्वास
श्रद्धालु वि० [स] श्रद्धाळु
श्रद्धेय वि० [स] पूज्य श्रद्धापात्र
श्रम पु० [स] महेनत (२) थाक
श्रम-कण पु० [स] परसेवानु टीपु
श्रमजल पु० [स] परसेवा
श्रमजीवी वि० [स] महेनत मजूरी करीने जीवनार (२) पु० मजूर
श्रमण पु० [स] बौद्ध साधु यति
श्रमित वि० [स] थाकेल
श्रमी वि०[स] महेनतु (२) श्रमजीवी
श्रवण पु०[स] –न पु० (प) कान (२) साभळवु ते
श्रव्य वि० [स] साभळवा योग्य
श्रात वि०[स] थाकेलु (२) शात सयमी
श्राति स्त्री०[स] थाक विश्राम
श्राद्ध पु० [स] पितओनु तर्पण
श्राप पु० शाप
श्रावक पु०[स] जैन के बौद्ध धर्मी (२) वि० साभळनार

श्रावण पु० [स] श्रावण मास –णी स्त्री० बळेव
श्राव्य वि [स] श्रव्य साभळवा योग्य
श्री स्त्री०[स] लक्ष्मी (२) शोभा (३) विभूति एश्वर्य
श्रीखड पु० [स] चंदन (२) शिखंड
श्रीफल पु०[स] नारियळ [आभूषण
श्रीमत वि० धनिक (२) पु० श्रीमान् एक
श्रुत वि० [स] साभळेलु
श्रुति स्त्री० [स] वेद (२) कान
श्रेणी स्त्री [स] पक्ति हार(२)परपरा
श्रेय पु०(२)वि० [स] भलु कल्याण
श्रेयस्कर वि०[स] भलु करे एवु शुभ
श्रेष्ठ वि० [स] उत्तम
श्रेष्ठी पु० [स] शेठ
श्रोता पु० [स] साभळनार
श्रोत्र पु० [स] कान (२) वेद
श्रौत वि० [स] श्रुति सबधी
श्लथ वि० [स] ढीलु नरम
श्लाघा स्त्री० [स] तारीफ
श्लील वि० [स] सारु शुभ
श्लेष पु० [स] सयोग (२) आलिंगन (३) एक अलकार–द्विअर्थी शब्दप्रयोग
श्लेष्मा पु० [स] श्लेष्म कफ
श्लोक पु० [स] सस्कृत पद्यनी कडी (२) कीर्ति प्रशसा
श्वपच पु० [स] चडाळ
श्वशुर पु० [स] ससरो
श्वश्रू स्त्री० [स] सासु
श्वान पु० [स] कूतरा
श्वास स्त्री० [स] श्वास दम (२) प्राण
श्वासकास पु० [स] दम अने खासी
श्वेत वि०[स] सफेद (२) पु० सफेद रग (३) चादी

ष

षड,-ढ पु० [स] षढ, हीजडो
षट् वि० [स] ६ छ सख्या
षट्क पु० [स] छकडु, छनो समूह
षट्कम पु०[म] खटकम (ब्राह्मणोना)
षट्चक्र पु०[म] शरीरना छ चक्र (२) षड्यत्र, कावतरु
षट्तिला स्त्री०[स] महा वद एकादशी
षट्पद पु० [स] भमरो —दी स्त्री० भमरी (२) छप्पो, छ चरणनु पद
षड् वि० [म] छ (समासमा)
षडग प० [स] वेदना छ अग
षड्ज पु० [म] सगीतनो 'स' स्वर
षड्दशन पु० [स] छ शास्त्र (साख्य योग, न्याय इ०)
षड्यत्र पु० [म] कावतरु (२) जाळ, फादो
षड्रस पु०[म] खाटु, खारु इ० छ रस
षड्रिपु पु० [स] काम, क्रोध, लाभ, मोह, मद, मत्सर ए छ शत्रुआ
षडानन पु० [म] कार्तिकेय
षष्टि वि० [म] ६०, साठ
षष्ठ वि०[स] छट्ठु —ठी स्त्री० छठ (२) जन्म पछी छठ्ठो दिवस (३) छठ्ठी विभक्ति
षाण्मासिक वि० [स] छमासिक
षोडश वि०[स] सोळमु (२) सोळ, १६
ष्ठीवन पु०[स] थूकवु ते (२) थूक

स

सँइतना स०क्रि० लीपवु, अवाट करवो
सकट पु०[म] दु ख विपत्ति, आफत (२) खीणनो के साकडो रस्तो
सकर पु० [प] भेळपेळ, मिश्रण
सँकरा वि० साकडु (२) पु० साकड कष्ट
सँकराना स०क्रि० सकडाववु
सक्ल स्त्री० साकळ के साकळी
सकलन पु०[म] सग्रह, एकठु करवु ते
सकलित वि० [म] एकठु करेलु
सकल्प पु०[म] इरादो निश्चय, ठराव
सकीण वि०[म] सकुचित (२) सकीण, मिश्र (३) क्षुद्र (४) पु० मिश्र राग (५) सकट
सकीतन पु०[स] गुणगान (२) वणववु ते
सँकुचना अ०क्रि० सकोचाववु
सकुचित वि०[स] सकाच पामलु (२) साकडु नानु क्षुद्र
सकुल वि०[स] परिपूण भरपूर (२) पु० समूह
सकेत प० [स] इशारा (२) चेष्टा (३) चिह्न
सँकेलना स०क्रि० सकेलवु समटवु
सकोच पु०[स] अचकावु ते, लज्जा, शरम
सँकोचना स०क्रि० सकाचवु
सकोची वि० [स] सकाचायेलु (२) सकोचवाळु शरमाळ

सक्रमण प० [म] एकमाथी बीजामा जवु ते, प्रवेश गमन
सक्राति स्त्री० [स] (एकमाथी बीजी राशिमा) प्रवेश, गमन
सक्रामक वि० [स] चेपी (रोग)
सक्षिप्त वि०[स] टूकु सारभूत ०लिपि स्त्री० लघुलिपि
सक्षेप पु० [स] टूकाण, सार
सखिया पु० सोमल के तेनी भस्म
सख्या स्त्री० [स] आकडो गणतरी
सग अ० साथे सगाथे (२) पु०[फा] पथ्थर (३) [स] सोबत मिलन
सगटन पु० अलग होय तेने एकत्र बाधवु ते के तेम करी तैयार करातु तत्र
सगठित वि० सगठन करायेलु एक-त्रित करीने रचायेलु [साधुनो मठ
सगत स्त्री० सग सगति (२) उदासी
सगतरा पु० सतरु
सग-तराश पु० [फा] पथ्थरफोडो
सगति स्त्री० [स] सग साबत
सगतिया, सगती पु० गवैयानो साजिंदो —साथी
सग दिल वि० [फा] कठण दिलनु क्रूर कठोर (नाम —ली स्त्री०)
सग पुश्त पु० [फा] काचबा
सगम पु० [स] मळवु ते मिलन
सग मसर पु० [फा] सगेमरमर, आरसपहाण
सगमूसा प०[फा] एक जातना काळो लासा कीमती पथ्थर [पथ्थर
सग-यश्ब पु०[फा] एक लीलो कीमती
सगरजा पु०[फा] नाना पथ्थरो रोडु
सग लाख पु०[फा] पहाडी स्थान (२) वि० कठण नठार
सग साज पु० [फा] लीथाना पथ्थरने ठीक करनार
सग सार पु०, —री स्त्री० [फा] 'सगसारी'—पचइटाळीनी सजा
सग सुरमा पु०[फा] सुरमा बनाववाना पथ्थर
सगाती पु० सगाथी (२) दोस्त
सगी पु० साथी सोबती (२) स्त्री० एक जातनु कपडु (३) वि० [फा] पथ्थरनु सगीन
सगीत पु० [स] गायन, वादन इ०
सगीन वि०[फा] (नाम,—नी) पथ्थरनु (२) सगीन मजबूत टकाउ (३) विकट, अटपटु (४) पु० बदूकनु सगीन
सगृहीत वि० [स] सघरायेलु
सगे असवद पु० [फा+अ] काबानो पवित्र काळो पथ्थर
सगे पारस पु० पारसमणि
सग्रह पु० [स] सघरा सचय
सग्रहणी स्त्री० [स] एक राग
सग्रहालय पु० [स] सग्रहस्थान
सग्राम पु० [स] युद्ध लडाई
सघ पु० [स] समूह जूथ (२) मडळ
सघटन पु० सगठन (२) [स] मेळाप सयाग [सहारवु
सघ(—घा)रना स०क्रि० (प) सघारवु,
सघष,०ण पु०[स] झपाझपी अथडामण
सघात पु०[स] समूह (२) सघ जूथ (३) आघात
सघाती पु० [स] साथी
सघार पु० (प) सहार
सघारना स०क्रि०(प) जुआ सघरना'
सघाराम पु०[स] बौद्ध मठ क विहार
सचय पु०[स] ढर ढगलो (२) सग्रह

सचरना अ०क्रि० (प) जवु, नीकळवु
सचार पु० [स] जव ते, गति प्रवेश
सचालक पु० [स] मचालन करनार, [प्रबध व्यवस्था
नियामक
सचालन पु० [स] चलाववु ते (२)
सचित वि०[प] एकठु थयेलु के करेलु
सजात वि० [स] पदा थयेलु जन्मेलु
सजाफ स्त्री०[फा], सजाव पु० सजाप
झूल, कोर (२) मगजी गोट —फी
वि० कोर के गोटवाळु
सजीदा वि०[फा] गभीर, धीर शात
(२) समजु (नाम,—दगी)
सजीवन पु०[स] फरी जीवतु थवु के
करवु ते —नी स्त्री० तेम कर नारी
एक औषधि
सजोइल वि० सुसज्ज (२) एकत्रित
संजोउ, सजोग पु० (प) सयोग
सज्ञा स्त्री०[प] नाम (२) चेतना हाश
सझा स्त्री० सध्या [खूब जाडु
सड पु० साढ ०मुसड वि० साढ जेवु,
संडसा पु० साणसो (स्त्री०,—सी)
सडा वि० जुओ 'सड मुसड'
सडास पु० डटणजाजरू
सत पु० साधु पुरुष, महात्मा
सतत वि० [स] फेलायेलु (२) अ०
सतत, लगातार (३) स्त्री० (प) सतति
सतति स्त्री० [स] सतान बाळबच्चा
सतप्त वि०[प] खूब तपेलु (२) दुखी
सतरा पु० सतरु, नारगी
सतरी पु० सत्री पहेरगीर [वश
सतान पु० स्त्री० [स] सतति, औलाद
सताप पु०[स] पीडा कष्ट (मानसिक)
सतापना स०क्रि० पीडवु सतावvu
सती अ० (प) बदले, वती

सतुष्ट वि०[स] सतोष पामेलु, धरायेलु,
राजी
सतोष पु० [स] तृप्ति, धरपत —षी
वि० सतोषवाळु
सत्री पु० जुओ 'सतरी'
सथा स्त्री० पाठ, लेसन
सदर्भ पु० [स] निबध लेख कृति
सदल पु० [फा] चदन
सदली वि० चदनना रगनु आछु पीळु
सदिग्ध वि० [स] सदेह के शकावाळु
सदीपन पु० [स] उद्दीपन उत्तेजित
करवु ते (२) वि० उत्तेजक
सदूक पु० [अ] सदूक पटी
सदूकचा पु०, सदूकची(—डी) स्त्री०
नानी पेटी
सदूर पु० सिदूर
सदेश पु०[स] सदेशो (२) एक बगाळी
मी ठाई —शा पु० सदेशा
संदेसा पु० सदेशो, कहेवडावेला खबर
संदेसी पु० सदेशो लई जनार दूत
सदेह पु० [स] शका सशय
सदेह-दोल(—ला) पु० सशयनो हीडाळो
दुविधा
सदोह पु० [स] समूह टोळु
सधना अ०क्रि० सधावु जोडावु
सधान पु०[स] साधवु ते, सधाण (२)
खोज तपास
सधानना स०क्रि० (बाण) साधवु
सधाना पु० सधानु, अथाणु
सधि स्त्री० [स] जोडावु के जोडवु ते
(२) कालकरार [सध्यापूजा
सध्या स्त्री०[स] साज सायकाळ (२)
सन्यास पु० [स] ससारत्याग —सी
पु० त्यागी वैरागी बावा

सपत्ति स्त्री० [स] धनदोलत (२) एश्वय (३) पूणता
सपद,–दा स्त्री० [स] सपत्ति वभव
सपन्न वि० [स] –वाळु युक्त (२) सपत्तिवाळु (३) सिद्ध पूण
सपक पु०[स] स्पश, सबध (२) ससग मिलाप (३) मिश्रण
सपा स्त्री० [स] वीजळी
सपात पु०[स] एकसाथे के उपराउपर पडवु ते सगम ससग
सपादक पु० [स] छापानो तत्री (२) मेळवनार के तैयार या पेदा करनार
सपादन पु०[स] छापु चलाववु ते (२) करवु ते प्राप्ति [करेलु
सपादित वि० [स] सपादन थयलु के
सपुट पु० [स] पात्राकार वस्तु (२) पडिया (३) डब्बा (४) खोबो अजलि (५) फूलनी पादडी वच्चेनो पात्राकार भाग (६) बे शकोरानो सपुट
सपूण वि०[स] बधु पूरेपूरु (२) पूरु समाप्त ०त, ०तया अ० बराबर, पूरेपूरी रीते [–रिन)
सँपेरा पु० सापनो मदारी (स्त्री०,
सँपोला पु० सापोलियु –लिया पु० 'सँपेरा', मदारी
सप्रति अ० [स] अत्यार हाल्मा
सप्रदान पु० [स] आपवु ते दान भेट दीक्षा (२) (व्या०मा) चोथी कारक विभक्ति
सप्रदाय पु० [स] पथ धम (२) रीत चाल प्रथा
सप्राप्त वि०[स] ठीक मेळवेलु के मळेलु
सबध पु०[स] नातो सपक जोडाण (२) सयोग मळ (३) सगाई, सगपण
सबधी वि०[स] सबधवाळु विषन (२) पु० सगु
सबत् पु० सवत, साल [सयक्त
सबद्ध वि०[स] सबधवाळु जोडायलु
सबल पु० वटशरी [स] (२) सामल
सबोधन पु०[स] सबोधवु–जगाडवु क पोकारवु ते के तेनी उक्ति (२) (या०)आठमी विभक्ति [क्रमणि
सभर(–ल)ना अ०क्रि० 'सँभालना नु
सभव पु०[स] शक्यता (२) जन्म ०त अ० कदाच [शक्य होवु
सभवना अ०क्रि० (प) सभववु, बनवु
सभार पु०[स] सचय ढर (२) साज सामग्री [जाळवणी
सँभार पु० (प) सभाळ दखरेख
सँभारना स०क्रि० जुओ 'सँभालना' (२) सभारवु याद करवु
सँभाल स्त्री० सभाळ दखरेख
सँभालना स०क्रि० भार उपाडवो (२) पडतु रोकवु टेकववु (३) सभाळवु
सभावना स्त्री० [स] सभव शक्यता (२) आदरभाव
सभावित वि० [स] सन्मानित (२) कल्पेलु विचारेलु अनुमान करेलु
सभाषण पु०[स] वार्तालाप, वातचीत
सभूय अ० [स] साथे भागमा
सभूय समुत्थान पु० [स] भागीदारीथी थतु काम
सभोग पु०[स] उपभोग (२) मैथुन
सभ्रम पु०[स] गभराट (२) भ्रम भूल
सभ्रात वि०[स] गभरायलु (२) भ्रममा पडलु [मतवाळु
समत वि० [स] अनुकूळ साथमा
समति स्त्री०[स] अनुकूळ मत मजूरी

समान पु० [स] आदर, मान
समेलन पु० भेगा मळवु ते, सभा
सयत वि० [म] काबू के सयममा राखेलु (२) सयमी
सयम पु० [म] काबू वश दमन
सयमी वि० [म] सयम राखनार सयमवाळु
सयुक्त,–त वि० [स] जाडायलु (२) सहित, समन्वित [जोग, लाग
सयोग पु० [म] मेळ, मिलाप (२)
सयोजक पु०[म] जाडनार (२) (सभा इ० नु) आयोजन करनार प्रवधक
सयोजन पु० [स] जोडवु ते (२) आयोजन प्रवध
सरक्षक पु०[स] रक्षण करनार वाली
सरक्षण पु०[म] रक्षा सभाळ, देखरेख
सरक्षित वि० [म] सभाळेलु रक्षामा लीधेलु के राखलु
सलग्न वि० [स] साथ लागेलु सबद्ध
सलाप पु० [स] वार्तालाप 'सभाषण'
सवत्, सवत्सर पु० [स] वष साल
सँवरना अ०क्रि० 'सँवारना' नु कमणि
सँवरिया वि० (प) शामळ, कृष्ण
सवद्ध(–ध)क वि० [स] वधारे एवु
सवद्ध(-ध)न पु० [म] वधारो वृद्धि
सवाद पु० [स] वातचीत (२) खबर समाचार ०दाता पु० खबरपत्री
सवादी वि० [स] मेळवाळु मळतु (सगीतमा)
सँवारना स०क्रि० सजवु (२) समारवु, ठीक करवु (३) बरोबर क्रमथी राखवु
सवाहन पु०[म]वही जवु के पहाचाडवु ते
सविदा स्त्री० [म] ठेका, कट्राक्ट
रचना (३) बधारण ०सभ बधारणसभा
सवेद,०न पु० [स] सुखदुख अनुभव (२) ज्ञान, प्रतीति
सशय पु० [स] शका, सदह
सशयालु वि०[स] शकाशील, व
सशयित वि०[स] शकावाळ स
सशयी वि० [म] शका करनार
सशोधन पु० [म] शुद्धि सफाई सुधारो (जेम के ठरावमा) (३) आदि) अदा करवु ते
सशोधित वि० [म] सुधारेलु
सशोधी वि० [म] सुधारनार
सश्रय प०[स] आश्रय, शरण, सह
सस,०इ,०य, ससा पु० (प) सशय
ससग पु० [स] स्पश सबध, सा
ससा पु० जुओ 'सस सशय
ससार पु० [स] दुनिया, जगत (२ घरससार (२) प्रपच, माया
ससारी वि० [म] ससारनु के तेन लगतु लौकिक [मरणना फेर
ससृति स्त्री० [स] ससारचक्र जन्म
ससृष्ट वि०[स] साथेनु मिश्रित (२) सबद्ध (३) सामेल
सस्करण पु० [म] सुधारवु के ठीक करवु ते (२) पुस्तकनी आवृत्ति
सस्कार पु०[म] मन पर पडती छाप के असर के ते द्वारा थती केळवणी (२) शुद्धि सुधारो (३) (सोळ) धार्मिक आचार [केळवायलु
सस्कारी वि० [म] सस्कारवाळु,
सस्कृत वि०[स] सस्कार पामेलु, शुद्ध (२) स्त्री० सस्कृत भाषा

सस्था स्त्री०[म] स्थिति (२) व्यवस्था (३) मडळ, तत्र
सस्थान पु० [म] स्थिति, मुकाम निवास (२) हयाती [प्रव्रतव
सस्थापक पु० [म] स्थापना करनार
सस्थापन पु० [म] स्थापवु त
सस्मरण पु० [म] सभारणु
सहत वि० [म] सयुक्त, एकठु (२) नक्कर
सहति स्त्री०[म] समूह (२) रच मळ
सहरना अ०क्रि० नाश थव (२) स०क्रि० सहारवु
सहार पु० [न] नाश, वध अत
सहारक वि० [म] सहार करनार
सहारना स०क्रि० सहारवु नाश करवो
सहिता स्त्री० [म] वद सहिता (२) सग्रह (३) सहति सघ
सआदत स्त्री० [अ] सदभाग्य
सई स्त्री० [अ] प्रयत्न
सईद वि० [अ] शुभ सारु
सऊबत स्त्री० [अ] मुश्केली आफत
सकट पु० शकट गाडी
सकता पु०[अ] मूछाना राग मृगी (२) कवितामा यतिभग —पडना = यतिभग थवा
सकना अ०क्रि० शकवु
सकपकाना अ०क्रि० अचरज पामवु (२) अचकावु (३) शरमावु
सकरकदी स्त्री०, सकरकन पु० शक्करियु सकरकद
सकरना अ०क्रि० सकारना' नु कमणि
सकरपाला पु० सकरपारो
सकरिया पु० शक्करियु
सकल वि० [म] सकळ बधु
सकलात पु० रजाई (२) भेट
सकाना अ०क्रि० (प) गभा आणवो वहमावु (२) सकाच के डरमा पडवु
सकाम वि० [म] कामनावाळ
सकारना स०क्रि० स्वीकारवु (२) शिकारव [दलाला
सकारा पु० हूडाना शिकारणी—तनी
सकारे अ० सवार [सकील)
सकालत स्त्री० [अ] भारपणु (जुआ
सकिलना अ०क्रि० सरकवु सपसव (२) सकडावु सकोचाव (३) थवु बनवु
सकील वि०[अ] पचवामा भार (२) वजनदार (नाम, सकालत)
सकुच,—चाई स्त्री० सकोच शरम
सकुचना अ०क्रि० सकोच करवो, शरमावु
सकुचाई स्त्री० सकोच, शरम
सकुन पु० शकन (२) पक्षी
सकुनी स्त्री० पक्षी
सकून पु० जुआ सुकून [निवास
सकूनत स्त्री०[अ] सुकूनत रहठाण
सकृत अ० [म] एक वार (२) सदा; सवदा (३) तरत
सकेलना स०क्रि० एकत्र करवु सकेलवु
सकोरा पु० शकोरु 'कसारा'
सक्का पु० [अ] भिस्ती
सक्त वि०[म] आसक्त (२) सलग्न
सक्ति स्त्री० (प) शक्ति बळ
सक्तु,०क पु० सत्तु
सक्फ पु० [अ] मकाननी छत
सक्रिय वि० [म] क्रियावाळ
सखरा पु०, सखरी स्त्री० सखडी; बोटाय एवी रसोई दाळभात जेवी
सखा पु० [म] मित्र

सखावत स्त्री०[अ] दान (२) उदारता
सखी स्त्री० [प] साहली
सखी वि० [अ] सखी, दानी, उदार
सखुआ पु० शाल वृक्ष, 'साखू'
सखुन पु० [फा] वातचीत (२) बाल वचन सुखन (३) काव्य
सखुन-चीन वि० [फा] चुगलीखोर
सखुन तकिया पु०[फा] जुओ 'तकिया कलाम [-दानी)
सखुन दाँ वि० काव्यरसिक (नाम,
सखुन परवर वि०[फा] वचन पाळनार (२) हठीरु मूढाग्रही
सखुन-दानास, सखुन-सज पु० [फा] 'सखुन-काव्य के वातचीतनो मम समजनार, ममन
सखुन साज पु० [फा] काव्य रचनार (२) वनावीने जूठी वात कहेनार (नाम, -जी स्त्री०) [कठण
सख्त वि०[अ] सखत, कडक, कठोर,
सख्ती स्त्री० सखताई, कडकाई (२) तंगी (३) जुलम
सख्य पु० [स] मत्री दोस्ती
सग पु० [फा] कूतरो
सगडी स्त्री० नानी गाडी
सग(-गा)पन पु० सगपण सगा होवु ते
सगपहती स्त्री० शाकपादडु नाखीने करेली दाळ
सगवग वि० (प) लथपथ, तरबोळ
सगवगाना अ०क्रि० तरबोळ थवु (२) गभरावु
सगरा,-रे,-रा ि
सगभ वि० [प] २)
पु० सगो भाई
सगर्भा स्त्री वेजी

सगल,-ला वि० (प) समग्र, वधु
सगा वि० सगु, सबंधी (२) सहोदर
सगाई स्त्री० सगाई, वेविशाळ (२) सगानो संबंध (३) नातरा जवु उतरतु मनातु लग्न
सगीर वि० [अ] नानु सगीर सिन= सगीर नानी उमरनु
सगुण वि० [स] गुणियल (२) पु० साकार (ब्रह्म)
सगुन पु० (प) शुकन (२) सगुण
सगुनिया पु० शुकन जोनार-जोशी
सगुनौती स्त्री० शुकन जोवा ते
सगोत,-ती, सगोत्र[प] पु० एक गोत्रनु (२) सगु
सग्गड पु० भार खेंचवानु गाडु
सघन वि० घन, गीच
सच वि० साचु (नाम, -चाई)
सचमुच अ० खरेखर साचे साचमाच
सचराचर वि०[स] स्थावर अने जंगम, बधु (२) पु० विश्व
सचाई स्त्री० सच्चाई सत्यता
सचान पु० सीचाणो बाज
सचित वि०[स] चितावाळु फिकर करतु
सचिक्कण वि० खूब चीकणु
सचिव पु०[स] मित्र (२) मंत्री (३) अमात्य, प्रधान वजीर
सचिवालय पु०[स] सचिवनु दफतर- कार्यालय [खबरदार
सचेत वि० जावतु जागत (२) सावध
व० [स] चेतनवतु जीवतु
साचु (२) साचु बोलनार,
तचाई
[प] सत

सज स्त्री० सजावट (२) शोभा
सजग वि० सावधान जाग्रत सावन
सजदार वि० सुंदर
सजधज स्त्री सजावट ठाठमाठ
सजन पु० स्वजन (२) प्रीतम पति
सजना अ०क्रि० सजावु शणगारवु (२) शोभवु (३) स०क्रि० सजवु
सजनी स्त्री० सखी (२) प्रिया
सजल वि० [स] जळ सहित भीनु (आंसुवा) [व तना मजूरी
सजवाई स्त्री० सजाव सजवु सजाववु ते
सजा [फा], सजाइ स्त्री सजा, शिक्षा
सजाति,–तीय वि० [स] एक जातिनु
सजाना स०क्रि० सजाववु बराबर ठीक यथेन गोठववु
सजायाफ्ता वि० [फा] सजा पामेल्
सजायाब वि० [फा] सजापात्र (२) सजा पामेलु
सजाव पु० खूब उकाळेला दूधनु दही (२) सजावट सजाववु ते
सजावट स्त्री० सजावट शोभा (२) सज्जता, तयारी
सजावल पु० [तु सजावुल] कलेक्टर कर उघरावनार अमलदार
सजावार वि०[फा] सजावार योग्य (२) सजावार सजापात्र
सजीला वि० छलबटाउ (२) सुदर
सजीव वि० [स] जीवतु (२) पु० जीव प्राणी
सजीवन पु०, –नी स्त्री० सजीवनी
सजूरी स्त्री० एक मीठाई
सज्ज वि० [स] सज्ज तयार
सज्जन पु० [स] सारा माणस
सज्जा स्त्री० शय्या (२) सजावट
सज्जादा पु० [अ] मुसल्ला नमाजनी ... (२) फकीरनो तकिया
सज्जित वि०[स] सज्ज थयेल के कराये...
सज्जी स्त्री० ०खार पु० साजीखार
सज्ञान वि [स] समजण (२) बुद्धिमान
सटक स्त्री० सटक। जवु ते छटक (२) लांबी वळा शकनी नळी हुक्कानी नेह (३) चाबुक नेवी पातळी सोटी साटका
सटकना अ क्रि० सटकवु छटका ज...
सटका पु० चाबका चाबुक
सटकाना स क्रि सटकाववु सोटी ... सटका (साटका)थी मारव
सटकारा वि० लांबा सुवाळा (वाळ)
सटकारी स्त्री० पातळी सोटी साटक...
सटक्का पु० साटको (२) सपाटो झपट –मारना=झपाटो मारवो
सटना अ०क्रि० व चोंटाना पडस... बराबर साथे व्यवस्था क गोठवाव...
सटपट स्त्री० दुविधा गूचवण सपटामणी
सटपटाना अ०क्रि० गूचवावु सपटावु
सटर पटर वि० तुच्छ मामूली (२) स्त्री० सटरपटरियु व नकामु काम...
सटसट अ० चट चट चप चप
सटाना स०क्रि० जोडवु चध बेसाड...
सटीक वि० टीका सहित [स] (२) बराबर ठीक
सटोरिया पु० सटोडियो 'सट्टेबाज'
सट्टा पु० सट्टो (२) सादो करार
सट्टा-बट्टा पु० युक्ति चालबाजी (२) मळ...
सट्टी स्त्री० हाट बजार –मचाना=... शारबकार मचाववा –लगाना=व... रमण भमण करवु
सट्टेबाज पु० सटोडियो
सठ पु० शठ, ०ता शठता

सठियाना अ०क्रि० माठ वपना थवु (२) साठे बुद्धि नासवी
सठेरा पु० साठी, 'मठी'
सडक स्त्री० सडक रस्ता
सडन स्त्री० सडवु ते सडो
सडना अ०क्रि० सडवु बगडवु
सडसठ वि० सडसठ ६७
सडाई(-यँ)ध स्त्री० सडेलानो दुर्गंध
सडासड अ० सडासड उपराछापरी
सडियल वि० सडेलु (२) रद्दी (३) तुच्छ
सत वि० (प) शत सो
सत पु० सच्चाई **-पर चढना**=सती थवु **-पर रहना**=पतिव्रता रहेवु
सतत वि० [स] चालु लगातार
सतनजा पु० सात अनाजनो खीचडो
सतप(-पु)तिया स्त्री० एक शाक के तेना वेला
सतफेरा पु०, **सतपदी, सतभौरी** स्त्री० सप्तपदी विवाहना सात फेरा
सतमासा पु०गर्भाधानने सातमे मास थतो विधि (२) सातमे महिने अवतरेलो ते
सतरज स्त्री० शेतरज रमत
सतरजी स्त्री० शतरंजी
सतर स्त्री०[अ] लीटी (२) हार कतार (३) वि०[स] वांकु (४) क्रोधे भरायलु
सत(-त्त)रह वि० सत्तर १७
सतराना अ०क्रि० चिडावु गुस्से थवु
सतर्क वि०[स]सावध जाग्रत(२)तर्कयुक्त
सतसई स्त्री० सतसाई सप्तशती
सतह स्त्री०[अ] सपाटी तल क्षेत्रफळ
सतहत्तर वि० सित्तोतेर ७७
सतहीं वि० [फा] 'सतह'ने सपाट
सताइश स्त्री० [फा सिताइश] प्रशंसा
सता(०व)ना स०क्रि० सताववु पजववु
सता(-त्ता)सी वि० ८७, जुओ 'सत्तासी'
सती स्त्री० [स] सती स्त्री (२) मृत पति साथ सती थनारी स्त्री
सतुआ पु० सत्तु साथवो
सतून पु० [फा] स्तंभ, थांभलो
सतोगुण पु० सत्त्वगुण
सत् पु० [स] सत्य ब्रह्म (२) वि० सत्य नित्य (३) सारु
सत्कर्म पु० सारु पुण्य काम
सत्कार पु० [स] सन्मान आदर
सत्त पु० सत्त्व सार
सत्तर वि० सित्तेर, ७०
सत्तरह वि० सत्तर १७
सत्ता स्त्री०[स] हयाती (२) अधिकार (३) पु० गंजीफानो सत्तो
सत्ताईस वि० सत्तावीस २७
सत्तानवे वि० सत्ताणु ९७
सत्तार पु० [अ] ईश्वर
सत्तावन वि० ५७
सत्तासी वि० सित्यासी, ८७
सत्तू पु० सत्तु साथवो **-बांधकर पीछे पडना**=कशा पाछळ लागी जवु-मंडवु
सत्त्व पु० [स] सत्त्व सार
सत्य पु० [स] साच (२) वि० साचु
सत्यवाद पु०[स] साचु बोल्वु के तेने वळगीने चाल्वु ते **-दी** वि० सत्यवादी साचु
सत्यसंध वि० [स] सत्य-वचनी
सत्याग्रह पु०[स] सत्यने खातर आग्रह राखी झूझवु ते
सत्यानास पु० सत्यानाश खवारी
सत्यानासी वि० सत्यानाश करनार
सत्र पु० [स] यज्ञ (२) अन्नक्षेत्र (३) टर्म भणतरनु सत्र

सत्रह वि० 'सतरह' मत्तर, १७
सत्वर वि० [स] जल्दी, तरत
सत्संग पु० [स] सारी के साधुजननी सोबत
सथरी स्त्री० साथरो घासनी पथारी
सथिया पु० साथियो (२) शस्त्रवैद
सद वि० (प) ताजु (२) अ० सद्य तरत (३) स्त्री० आदत टेव
सद वि० [फा] सो शत १००
सदका पु०[अ] दान (२) कोईने माथे उतारीने रस्ते मुकाय ते, उतार –**उतारना,–करना**=(दाणा इ०)माथे उतारवु **सदके जाना**=वारी जवु कुरबान थवु
सदन पु० [स] धाम स्थळ घर
सदफ स्त्री० [अ] मोतीनी छीप
सदमा पु० [अ] आघात धक्को (२) दुःख –**उठाना**=दुःखवु घा वेठवो –**पहुँचना**=आघात लागवो
सदय वि० [स] दया सहित दयाळु
सदर वि०[अ सद्र]प्रधान मुख्य प्रमुख (२)पु० केन्द्रस्थान(३)रुशाना आगलो भाग (४) सभानो प्रमुख ०**आला** पु० नाना न्यायाधीश ०**दरवाजा** पु० खास दरवाजा ०**नशीन** पु० सभापति ०**बाज़ार** पु० मोटु के खास बजार
सदरी स्त्री० [अ] सदरा बंडी
सदसत,–द वि०[स] सत्य असत्य, सारु नरसु के साचु जूठु
सदस्य पु० [स] सभ्य सभासद
सदहा वि० [फा] सकडा अनेक
सदा स्त्री०[अ] प्रतिध्वनि पडघो (२) अवाज शब्द (३) पोकारनो शब्द
सदा अ० [स] हमेश
सदाकत स्त्री० [अ] सत्य
सदाचरण, सदाचार पु०[स] सारु शुभ वर्तन [धर्मिष्ठ
सदाचारी वि० [स] सारा वर्तनवाळु,
सदाफर,–ल वि० सदा फळतु (२) पु० उमरडो (३) नारियळी (४) बीली
सदाबरत, सदावत पु० सदाव्रत अन्नक्षत्र
सदा बहार वि० हमेशा खीलेलु रहे एवु (२) सदा लीलु रहेनार
सदारत स्त्री०[अ]सदरपणु सभापतित्व
सदावत पु० सदाव्रत अन्नक्षत्र
सदाशय वि० [स] शुभ आशयवाळु
सदा सुहागिन स्त्री० वेश्या (व्यंग्य)
सदी स्त्री० [फा] सैकु शताब्दी
सदृश वि०[स] मळतु जेवु समान
सदेह वि० [स] देह सहित
सदैव अ० [स] सदाय हमेश
सदोष वि०[स] दोषवाळु (२) गुनेगार
सद्गति स्त्री०[स] शुभ गति(मरणबाद)
सद्गुण पु०[स] सारो गुण के लक्षण
सद्द अ० (प) सद्य तरत हमणा (२) स्त्री० [अ] आड दीवाल
सद्धर्म पु०[स] सारो धर्म (२) बौद्ध के जैन धर्म [अस्तित्व
सद्भाव पु०[स] सारो भाव मळ (?)
सद्य अ० [स] हमणा तरत
सद्र पु० [अ] जुओ सदर
सधना अ०क्रि० सधावु (प्रेरक सधाना)
सधर्म वि०[स] समान धर्म के गुणवाळु
सधवा स्त्री० [स] सौभाग्यवती स्त्री
सन पु० शण (२) वि० स्तब्ध सूम (३) [अ] सन, साल
सनअत स्त्री० [अ] कारीगरी कळा-कौशल्य (२) उद्योग, धंधो

सनक स्त्री० धून मननु घेलु (२) झनून **–चढ़ना, –सवार होना**=धून आववी घेलु लागवु

सनकना अ०क्रि० पागल थवु [करवो

सनकारना स०क्रि० सनकारवु, इशारो

सनद स्त्री०[अ] प्रमाणपत्र के प्रमाण **–दी** वि० प्रमाणवाळु [प्रमाणित

सनद याफ्ता वि० [फा] सनद पामेलु,

सनदी वि० [फा] सनदवाळु

सनना अ० क्रि० पलळीने एक सरखु थवु (जेम के, आटो) (२) कशामा मळी के लीन थई जवु तरबोळ थवु (३) पदु थवु

सनम पु०[अ] मूर्ति (२) प्रिय पुरुष

सनसनाना अ०क्रि० सणसणवु सणसण अवाज करवो ['सनसनी'

सनसनाहट पु० सणसणाट (२) जुओ

सनसनी स्त्री० चझणाट (२) सनसनाटी

सनहकी स्त्री०[अ सनहक](मुसलमानोमा प्राय वपरातु) माटीनु एक वासण

सना स्त्री० [अ] वखाण, स्तुति (२) जुओ 'सनाय'

सनाअत स्त्री० जुओ 'सनअत'

सनातन वि०[स]हमशनु चिरतन **–नी** पु० सनातन धर्मनो माणस

सनाथ वि० [स] साधार नाथ के धणीवाळु

सनाय स्त्री० सोनामुखी

सनाह पु० कवच बखतर

सनीचर पु० शनिश्चर शनिवार

सनीचरी स्त्री० शनिनी दशा

सनेह पु० (प) स्नेह, प्रेम हेत **–ही** वि० स्नेही [सरनु झाड

सनोबर पु० [अ] सनूबर, चीडनु के

सन्न वि० सूम शून्य, 'सन'

सन्नाटा पु० शून्यता, नीरवता (२) एकात (३) स्तब्धता (४) हवाना सणसणाट (५) वि० नीरव (६) एकात **–खींचना या मारना**=एकदम चूप थई जवु **सन्नाटेमें आना**=स्तब्ध थई जवु [पासे होव ते

सन्निधि स्त्री० [स] पडोश, निकटता,

सन्निपात पु०[स] एकसाथ पडवु के अफळावु त (२) त्रिदोष रोग

सन्निविष्ट वि०[स] साथे बेठेलु एकठु (२) स्थापलु (३) दाखल थयलु

सन्निवेश पु०[स] सनिवेश समीप (२) आसन जगा

सन्निहित वि० [स] पासनु (२) पास राखलु (३) तत्पर तयार

सन्मान पु० [स] आदर-सत्कार

सन्मुख वि० [स] सामे, मोढामोढ

सपक्ष वि० [स] पक्षनु, सहायक (२) पु० मित्र [पत्नी सहित

सपत्नी स्त्री० [स] शोक(स्त्री) ०क वि०

सपथ पु० शपथ सागन [थवु

सपन,–ना पु० स्वप्न **–होना**=दुलभ

सप(–फ)रदाई पु० नाचनारी साथना साजना माणस साजिदा

सपरना अ०क्रि० पूरु थई शकवु

सपराना स०क्रि० पूरु करवु, आटोपवु

सपरिकर वि० [स] अनुचरो इ०ना ठाठ साथे

सपाट वि० सपाट एकसरखु

सपाटा पु० सपाटो सपाटो

सपिंड वि० [स] एक गोत्रनु–सगोत्र

सपुद स्त्री० [फा सिपुद] सुपरत सोपण

सपुदगी स्त्री० सोपवु ते सुपरत करवु ते

सपूत पु० सुपुत्र -ती स्त्री० सपूतनी मा (२) सपूत होवा ते
सपेत(-द) वि० सफेद
सपेरा पु० सापवाळो मदारी [सच
सपला, सपाला पु० सापोलियु साप
सप्त वि० [स] सात ७
सप्तक पु० [स] सातनु जूथ
सप्तपदी स्त्री०[स] लग्नना सप्तपदी-एक विधि [सातम
सप्तम वि० [स] सातमु -मी स्त्री०
सप्तर्षि पु०[स] सात ऋषिनु मंडळ (२) एक नक्षत्र [तेटलु व्रत इ०
सप्ताह पु०[स] सात दिवसनी मुदत के
सफ स्त्री०[अ] पंक्ति, हार (२) फरस
सफगोल पु० इसपगोळ
सफदर वि० [अ] वीर योद्धा
सफर पु०[अ] सफर मुसाफरी (२) अरबी बीजा मास
सफरदाई पु० जुओ 'सपरदाई'
सफर मैना स्त्री०[इ सपर ॲन्ड माईनर] सेनानी आगळ रस्ता इ० करनार सिपाहीवर्ग
सफरा पु० [अ] पित्त
सफरी वि०[अ] सफरमा कामनु (२) पु० सफर-खर्च [कामियाब
सफल वि० [स] फळवाळु सार्थ
सफहा पु० [अ] सफो पानु
सफा वि०[अ] साफ (२) पाक पवित्र (३) लीसु सपाट
सफाई स्त्री० सफाई स्वच्छता (२) मामलानी पतावट ताड [सत्यानाश
सफाया पु० सफाचट-पूरू थइ जवु ते(२)
सफी वि०[अ] साफ (२) पवित्र (३) पु० एक फारसी फकीर
सफीना पु०[अ] अदालती समंस (२) नोधपोथी (३) होडी
सफीर स्त्री० पक्षीना गलानो के नळ वगाडवानी सीटी
सफीर पु० [अ] एलची राजदूत
सफूफ पु० [अ सुफूफ] चूर्ण भूको
सफेद वि० [फा सुफेद] सफेद धोळु (२) कोरु लख्या वगरनु
सफेदपोश पु० सफेद कपडावाळो (२) शिष्ट माणस यात्र
सफेदा पु० [फा] सफेदो (२) एक जातनी केरी (३) धोळी छालवाळु एक झाड
सफेदी स्त्री० सफेदी धोळाश(२)चूनानी धोळनु ते -आना = घरडु थवु वाळ धोळा थवा [स्त्री० क्रूरता
सफ्फाक वि०[अ] क्रूर घातकी -की
सब वि० सौ बधु (२) पूरु साफ
सबक पु० [अ] पाठ शिखामण (२) शिक्षा -देना,-पढाना = पाठ शीखववो (२) शिक्षा करवी -पढना, -पाना, -लेना = धडो लेवो
सबकत स्त्री० [अ] बीजाथी आगळ के विशेष होवु ते -करना, -ले जाना = आगळ वधी जवु टपी जवु
सबका सब वि० बधु ज पूरेपूरु
सब कुछ वि० एकेएक बधु ज
सबत करना = (कागळ दस्तावेज पर) सही दस्कत (के महोर) करवी
सबद पु० (प) शब्द वाणी
सबब पु०[अ] कारण हेतु (२) साधन
सबर पु० सबूर 'सब्र (२)वि०(प)सबळ
सबल वि० [स] सबळ (२) सेनायुक्त
सबा स्त्री०[अ] (सवारनी) पूर्वनी हवा
सबात पु० [अ] स्थिरता दृढता

स्त्री० [अ] सडक, रस्तो (२)
युक्ति (३) पत्र
[फा] माटीनो घडो
पु० [फा] नाना 'सबू'
० [अ] साबूती सगीनता,
(२) साबिती प्रमाण
० जुओ 'सवरा'
वि०[फा] पाचु ताजु (फळफूल
(२) लीलु -बाग दिखलाना=
काम काढी लेवा मोटी मोटी
ओ दखाडवी
दम वि० अपशुकनियाळ पगला-
-मी स्त्री०
वि० अभागी
त वि० सदभागी -ती स्त्री०
पु०[फा] हरियाळी (२) सबजी,
[जगा
जार पु० खूब लीलोतरीवाळी
स्त्री०[फा] जुओ 'सब्जा' (२)
भाव [रुखवु
०[अ] लेख खरडो -करना=
पु० कोरा, नराज
[अ] सबर धीरज -आना,
ा=धीरज धरवी खामोश रहेवु
=धीरज आपवी (किसीका)
ा=कोईन कष्ट दीधाना फळ
-रखना=खामोशी राखवी
स्त्री० [स] मेळावडो समेलन
पु० सभानु स्थान ०पति पु०
प्रमुख ०सद पु० सभ्य
०[स] सभा सबधी (२) शिष्ट
री (३) पु० सभासद ०ता स्त्री०
ा (२) सुधारो सस्कारिता
वि० [स] उचित ठीक

समत पु०[स] सीमा, हद (२) वि०
समस्त वधु
समद पु० [फा] एक उमदा जातना घोडा
सम(-मु)दर पु० समुद्र
सम वि०[स] समान, सरखु (२) पु०
सगीतनो सम ताल (३)[अ सम्म] झेर
समअ पु० [अ] कान
समअ-खराशी स्त्री० [फा] नकामी
वातोथी कान फाडवा के माथु खावु त
समकक्ष वि० [स] समान कक्षानु,
बराबरियु
समकालीन वि०[स] एक ज समयनु
समकोण पु०[स] काटखूणो (२) वि०
सरखा खूणावाळु
समक्ष अ० [स] साम रूबरू
समग्र वि० [स] कुल, बधु
समझ स्त्री० समज बुद्धि ०दार वि०
समजणु -पर पत्थर पडना=
समजमा ना उतरवु -ना समजवु
समझना स०क्रि० समजवु
समझाना स०क्रि० समजाववु
समझाव,-वा पु० समजण
समझौता पु० समजूती आपसमा
समजीन आणलो निकाल
समतल वि० [स] सपाट
समता स्त्री० [स] समानता
समदना अ०क्रि० (प) प्रेमथी मळवु,
भेटवु (२) भेट करव आपवु
समधियाना पु० पुत्र के पुत्रीनु मोसाळ
समधी पु० पुत्र के पुत्रीनो ससरो, वेवाई
समन पु० [अ] मूल्य किमत (२)
[इ] अदालतनो समन्स (२) स्त्री०
[फा] चमेली [एकीकरण
समन्वय पु० [स] सयोग, मिलन

समन्वित वि० [स] संयुक्त भगु
समय पु० [स] काळ वखत (२) युग जमानो
समर पु० [स] युद्ध
समर(-रा) पु० [अ] परिणाम, फळ (२) लाभ बदलो
समर्थ वि०[स]बळवान शक्त(२)योग्य
समयव वि० समर्थन के टका आपनार
समर्थन पु० [स] टको पुष्टि
समर्पण पु०[स] आपवु के सोंपी दवु ते
समर्पित वि०[स] निवेदित समर्पण थयेलु
समवाय पु० [स] निकट साथ (२) समूह टोळु
समवेत वि०[स] एकठु थयेलु, एकत्रित
समष्टि स्त्री० [स] कुल समूह
समसाम स्त्री० [अ] नागी तलवार
समस्त वि०[स] बध कुल (२) संयुक्त
समस्या स्त्री०[स] कायडो मुश्केल प्रश्न ( ) काव्यपूर्ति माटेनी छल्ली कडी
समा पु० समय समो जमानो ऋतु -बंधना=(संगीत जगर) ग्बु थवु के लोक छक थड जाव
समा पु०[अ] आसमान आकाश (२) जुओ समा (२) स्त्री० [स] साल
समाअत स्त्री० [अ] साभळवु ते
समाई स्त्री० समावश गुजाश (२) वि० [अ] साभळेलु कोईनु कहलु
समागत वि० [स] आवेलु पधारेलु एकठु मळेलु
समागम पु०[स] मळवु ते भेट साथ
समाचार पु० [स] खबर ०पत्र पु० वर्तमानपत्र छापु
समाज पु०[स] समुदाय (२) मडळ संघ
समादर पु० [स] आदरमान
समाधान पु० [स] निवेडो, पतावट (२) शांति संतोष
समाधि स्त्री० [स] तल्लीनता (२) योगनु एक अंग (३) अंतिम क्रियानी जगा पर करातु स्मारक मकान राजा
समान वि०[स] सरखु बराबर (२) पु० शरीरना पाच वायुमानो एक
समाना अ०क्रि० समावु (२) स०क्रि० समाववु भरवु
समापक वि०[स] समाप्त-पूरु करनार
समापन पु० [स] समाप्त के पूरु करवु ते [स्त्री० अंत
समाप्त वि० [स] पूरु खतम -प्ति
समारंभ पु० [स] (धामधूम साथे) आरंभ उत्सव
समारोह पु० [स] समारंभ
समालोचक पु०[स] गुणदोषनी समीक्षा करनार अवलोकनकार -न पु०, -ना स्त्री० समीक्षा अवलोकन
समावर्तन पु० [स] परवारीने पाछु फरवु ते जेम के, विद्या पूरी करीने
समाविष्ट वि० [स] समावायेलु
समावी वि०[अ] आसमानी आकाशीय
समावेश पु० [स] अंदर समाववु ते समास [शब्दोनो समास
समास पु०[स] संग्रह भेगु थवु ते (२)
समाहार पु०[स] समूह ढग (२) मिलन
समिति स्त्री० [स] कमिटी नानु मंडळ के सभा
समिध,-धा स्त्री० [स] (यज्ञनु) इंधण
समीकरण पु० [स] समान करवु ते (२) गणितनु समीकरण [विवेचन
समीक्षा स्त्री०[स] समालोचना सम्यक
समीचीन वि० [स] योग्य ठीक

समीप अ० [स] पासे निकट ०वर्ती वि० पासेनु
समीर,०ण पु० [स] वायु पवन
समुदर पु० समुद्र, 'ममदर'
समुचित वि० [स] वाजबी योग्य
समुच्चय पु० [स] ढग, समूह
समुझ स्त्री० (प) समज ०ना स०क्रि० (प) समजवु
समुदाय पु० [स] समूह, जथा
समुद्र पु०[स] दरियो ०गा स्त्री० नदी
समुहा वि० सामेनु (२) अ० साम सन्मुख [थवु
समुहाना अ०क्रि० सामे आववु, सन्मुख
समूचा वि० समूचु, बधु
समूम स्त्री० [अ] लू, ऊनो-गरम वा
समूर पु०[स] साबर हरण (२) [अ] शियाळ जेव एक पशु के जेनु रुवाटीदार चामडु [सकारण
समूल वि०[स] मूळ साथे समूळु (२)
समूह पु०[स] टाळु, समुदाय (२) ढगलो
समृद्ध वि०[स] मातबर मालदार (२) भयुभादयु -द्धि स्त्री० सपत्ति
समेटना स०क्रि० समेटवु एकठु करवु
समेत अ० [स] सहित, साथे
सम(०या),-यो पु० (प) समय
समोना स०क्रि० पाणी समाववु
समौरिया वि० समोवडियु समान उमरनु [समति
सम्मत वि० [स] समत -ति स्त्री०
सम्मान पु० [स] सन्मान आदर
सम्मिलन पु० [स] समिलन मेळाप
सम्मिश्रण पु० [स] समिश्रण भेगु करवु ते
सम्मुख अ० [स] सन्मुख साम
सम्मेलन पु० [स] समागम मळावडो
सम्मोह पु० [स] समोह, मोह भ्रम
सम्यक् वि० [स] बराबर योग्य
सम्राज्ञी स्त्री०[स] सम्राटनी महाराणी
सम्राट पु०[स] चक्रवर्ती राजा बादशाह
सयानपत स्त्री०, सयानप, ०न पु० शाणपण (जुओ 'सयाना')
सयाना वि० शाणु समजु, चतुर (२) चालाक, पहोचेल (३) उमरे पहोचेलु
सरजाम पु०[फा] प्रबध तयारी (२) सामान असबाब (३) छेवट अजाम
सर पु०[फा]शिर (२) टोच (३) पत्तानो सर (४) वि० सर-ताबे करलु, पराजित (५) अ० -पर (६) साम
सर-अजाम पु०[फा] जुओ 'सरजाम'
सरकडा पु० सरपट जेवी एक वनस्पति, सरकट [दारूनो नशो
सरक स्त्री० 'सरकना'-परथी नाम (२)
सरकना अ०क्रि० सरकवु खसवु (२) नियत समयथी मोडु थवु-मुहूर्त खसवु (३) काम नभवु के चालवु [एवु
सरकश वि० [फा] उद्धत (२) सामे थाय
सरका पु० [अ] चोरी तफडंचो ०बिलजब्र पु० डकाटी
सरकार स्त्री०[फा] राजसत्ता हकूमत (२) पु० सूबा जिल्लो (३) मालिक -करना, -चढ़ना=कोरट कचरीए चडवु ने फरियाद करवी
सरकारी वि० सरकारनु, के तेन लगतु
सरकारी कागज पु० सरकारी कागळिय (२) पैसानी नोट [(२) शिक्षा, दड
सरकोबी स्त्री० [फा सर+कोब] दमन
सरखत पु० [फा] भाडाचिठ्ठी (२) ऋण चूकते कर्यानी पहोच

सरग पु० (प) स्वर्ग
सरगना पु० [फा] नेता आगेवान
सरगम पु० संगीतनी सारीगम
सरगरदा वि०[फा] गभरायेलु हेरान
सरगरम, सरगम वि० [फा] जोशीलु (२) उत्साही ( ) तत्पर चालाक (नाम –मी, –र्मी स्त्री०)
सरगश्ता वि०[फा] दुर्दशामा सपडायेल् बेहाल (नाम, –श्तगी)
सर गुजश्त स्त्री०[फा] आपवीती (२) वर्णन (३) जीवनचरित
सर गोशी स्त्री० [फा] कानफूसिया
सरघा स्त्री० [म] मधमाख
सर चश्मा पु०[फा] नदीनो उगम (२) पाणीनो झरो
सरजद वि० प्रगट जाहेर
सर जमीन स्त्री०[फा] देश (२) जमीन
सरजा पु० सिंह (२) सरदार
सरजोर वि० [फा] जबर (२) शिरजोर (३) जुओ 'सरकश (नाम, –री)
सरणी स्त्री० [म] रस्तो (२) पगदंडी
सरताज पु०[फा] सर्वश्रेष्ठ शिरताज
सरतान प० [अ] करचलो
सर-ता-पा अ० [फा] माथाथी पग लगी आदिथी अंत लगी
सरता-बरता पु० वहेंचणी –करना= सहकारथी काम करवु
सरद वि० जुओ सर्द'
सरदई वि० जुओ 'सर्दई
सर-दर अ० सरासरी (२) एक छेडथी
सर-दर्द पु० माथानु दरद पीडा
सरवा पु०[फा] एक जातनु खडबूच
सरदार पु० [फा] नायक (२) अमीर (३) शीख माटे मानवाचक शब्द –री स्त्री० सरदारपणु
सरदी स्त्री० जुओ 'सर्दी
सरन पु० (प) शरण आशरो
सर नविश्त स्त्री०[फा] नसीब तकदीर
सरना अ०क्रि० सरवु चालवु (२) निपटवु (३) नभवु चाली जवु
सरनाम वि० [फा] नामीच प्रख्यात
सरनामा प० [फा] (लखाण) मथाळु शीर्षक (२) सरनामु
सरपंच पु० पंचायतनो प्रमुख
सरपट अ० पूरपाट पुरजोश
सरपत(–ता) पु० [म शरपत्र] सरपट, कुश जेवु छाजनु घास
सरपरस्त वि०[फा] संरक्षक (नाम–स्ती)
सरपें(–पे)च पु० शिरपेच कलगी तोरो
सरपोश प०[फा] थाळी इ० ढांकवानो रूमाल के ढांकणु [(नाम, –शी)
सर फराज वि०[फा] प्रतिष्ठित मोटु
सरफा पु० जुओ सर्फा
सरबधी पु० बाणावळी
सर बराह(०कार) प०[फा] सरभरा करनार व्यवस्थापक (२) मुकादम
सर बराही स्त्री०[फा]सरभरा बंदोबस्त
सरबस पु० (प) सर्वस्व बधु
सर ब सर अ० [फा] पूरु आद्यन्त
सर बस्ता वि० [फा] छूपु गुप्त
सर-बाज वि०[फा] जानना जोखमथी वर्तनार वीर बहादुर [नामावदार
सर-बुलंद वि० [फा] प्रतिष्ठित (२)
सरमद वि० [अ] शाश्वत नित्य
सरमस्त वि० [फा] मस्त मदमस्त
सरमा स्त्री०[स] देवनी कूतरी (वेदामा) (२) कूतरो (३) पु० [फा] शियाळो

सरमाया पु०[फा]मूडी(२)संपत्ति ०दार पु० मूडीवाळो ०दारी स्त्री० मूडीवाद
सरल वि० [स] सरळ, सीधु सहलु
सरवत स्त्री० [अ] समृद्धि वभव
सरवर पु० सरदार [फा] (२) (प) सरोवर (२) तुलना
सरवरि स्त्री० (प) तुलना
सरवरी स्त्री० [फा] सरदारी
सरवरे-कायनात पु० [फा] सृष्टिनो सरवर-नेता (२) महमद पेगबरनो एक इल्काब
सरवाक पु० काडियु शकोरु
सरवान पु० तबू
सरविस स्त्री० [इ] नोकरी (२) सेवा
सरवे पु० [इ] जमीननी मापणी
सरशार वि० [फा] नशाथी चकचूर (२) मदमत्त (नाम, -री)
सरस वि०[स] रसवाळु (२) भीनु (३) सारु, सुदर (४) रसिक, मजदार
सरसई स्त्री० सरवा जेम वेसतु नानु फळ (२) (प) सरसता, सौंदय (३) सरस्वती नदी
सरसठ वि० सडसठ ६७
सरसना अ०क्रि० लीलु थवु, फूटवु
सरसब्ज वि०[फा]हरियाळु भयुभादयु
सरसर पु० सरसर गतिना ध्वनि (जेम के हवा साप इ० नो)
सरसराना अ०क्रि० सरसर जवु के वहेवु -हट स्त्री० तेनी क्रिया
सरसरी अ० सरसर झटझट
सरसाई स्त्री० सरसता सुदरता (२) सरसाई चडियातापणु
सरसाम पु० [फा] सन्निपात मूझारो
सरसार वि० मग्न (२) चकचूर
सरसिज,-रुह पु० [स] कमळ
सरसी स्त्री० [स] तळावडी
सरसेटना स०क्रि० वढवु, झाटकवु
सरसो स्त्री० सरसव
सरस्वती स्त्री०[स]विद्यादवी(२)वाणी
सरह पु० तीड (२) पतगियु
सरहग पु० सनिक (२) सेनापति (३) काटवाळ (४) वि० उद्दड
सरहज स्त्री० माळावली
सरहटी स्त्री० एक छाड
सरहद स्त्री० [फा+अ] सरहद, सीमा -दी वि० सरहदनु के ते सबधी
सरहरी स्त्री० एक छोड [चिता
सरा स्त्री० 'सराय, धमशाळा (२) (प)
सराई स्त्री० शकारु
सराध पु० श्राद्ध
सराप पु० शाप ०ना स०क्रि० शाप देवा
सरापा अ० [फा] जुओ 'सर-ता-पा'
सराफ प०[अ सर्राफ]शराफ नाणावटी (२) सोना चादीना वेपारी ०खाना पु० बॅंक [(२) बॅंक
सराफा पु० सराफी (२) सराफ-बजार
सराफी स्त्री० सराफना धधा व्याजवट
सराब पु० [अ] मृगजळ
सराबोर वि० तरबोळ साव पलळेल
सराय स्त्री० [फा] सराई धमशाळा -ए-फानी स्त्री० फानी दुनिया -के कुत्ता=मतलबी स्वार्थी -की भटियारी =झघडाळु-बेशरम स्त्री
सरायत स्त्री० घूसवु ते, प्रवश (२) असर, प्रभाव
सराव पु० शकोरु
सरावग(-गी) पु० श्रावक जन
सरासर अ०[फा]सरार सरासर हर

सरासरी स्त्री०[फा] जल्दी उतावळ (२) सरेराश अंदाज (३) अ० जल्दी (४) सरासरी अंदाजथी
सराह स्त्री० (प) स्तुति प्रशंसा
सराहत स्त्री०[अ] टीका (२) स्पष्टता
सराहना स्त्री० सराह स्तुति (२) स०क्रि० सराहवु वखाणवु –नीय वि० स्तुतिपात्र
सरि वि० सरखु, समान (२) स्त्री० [स] झरणु (३) नदी सरिता [समुद्र
सरित,–ता स्त्री० [स] नदी –त्पति पु०
सरियाना स०क्रि० ठीकठाक करीने एकठु करवु समटना'
सरिश्त स्त्री०[फा] स्वभाव (२) गुण (३) वि० मिश्रित
सरिश्ता पु० [फा सररिश्त] कचेरी (२) कार्यालयनु खातु दफ्तर
सरिश्तदार पु० सिरस्तेदार (२) खातानो मोटो जमादार –री स्त्री० तेनु काम
सरिस वि० (प) सदश समान
सरीअ वि०[अ] जल्दी करनार उतावळु
सरीखा वि० सरखु समान
सरीफा पु० जुओ 'शरीफा' [गादी
सरीर पु० (प) शरीर (२) [अ] तख्त,
सरीह वि० [अ] स्पष्ट, खुल्लु
सरीहन अ०[अ] सरेतोर जाहेर छडेचोक
सरुज वि० [स] रोगी
सरुष वि० [स] रोषमा आवेलु
सरूप वि०[स] साकार (२) रूपवान
सरूर पु० जुओ सुरूर' [सरियाम
सरेआम अ०[फा] जाहेर खुल्लखुल्ला
सरेख,–खा वि०(प) लायक समजणु
सरे-दस्त अ०[फा] हमणा ज अबघडी (२) हाल पूरतु 'फिलहाल
सरेनौ अ [फा] तद्दन नवेसरथी
सरे-बाजार अ०[फा] छडेचोक सरेबजार
सरेराह पु० [फा] धोरी रस्तो (२) अ० रस्ता उपर [एक झाड
सरो पु [फा] बागमा नाखवा माटेनु
सरोकार पु० [फा] संबंध लेवादेवा
सरोज पु [स] कमळ
सरोजना स०क्रि० (प) प्राप्त करवु
सरोद पु [फा] एक तंतुवाद्य (२) गानतान
सरोरुह पु [स] कमळ
सरोवर पु० [स] तळाव
सरोश पु० [फा] पयगंबर फिरस्तो
सरोष वि० [स] जओ सरुष
सरो सामान पु० सरसामान
सरौता पु० सरोता सूडी
सर्कस पु० [इ] सरकस खेल
सर्का पु० [अ] जुओ सरका'
सर्किट हाउस पु०[इ] सरकारी उतारो
सर्किल पु०[इ] गामोनु मंडळ 'सर्कल'
सर्क्यूलर पु० [इ] परिपत्र
सर्ग पु० [स] अध्याय प्रकरण (२) सर्जन सृष्टि (३) त्याग (४) (प) स्वर्ग
सर्गुन वि० (प) सगुण [शस्त्रवैद
सर्जन पु०[स] निर्माण उत्पत्ति (२) [इ]
सर्जन्ट, सर्जेन्ट पु०[इ] सारजंट पोलीस
सर्जरी स्त्री० [इ] शस्त्रवैदु
सर्टिफिकेट पु० [इ] प्रमाणपत्र
सर्द वि०[फा] ठंडु शीतळ (२) ढीलु मंद (३) नामरद निर्वीर्य
सर्द मिजाज वि० ठंडु उत्साह वगरनु (२) शुष्क सहानुभूति वगरनु
सर्दी स्त्री०[फा] 'सर्द' परथी नाम (२) शरदी, मळखम (३) शियाळो

सप पु०[म] साप ०काल पु० गरुड
सर्पिणी स्त्री०[स] सापण (२) एक वेल
सर्पि,०स् पु० [स] घी
सफ पु०[ज] व्यय, खरच (२) व्याकरण
सर्फा पु० [अ] खरच वापर व्यय
सर्फी वि० [अ] वैयाकरणी
सबस वि० (प) सवस्व
सर्राफ पु० [अ] जुओ 'सराफ'
सर्राफा पु० जुओ 'मराफा'
सव वि० [म] बधु
सवकाम पु०[म] सौ कामनाओ पूरी करनार (२) शिव
सवग्रास पु० [स] सग्रास ग्रहण
सवजनीन वि० [म] सावजनिक
सवज्ञ वि० [स] वधु जाणनार (२) पु० प्रभु
सवतत्र वि०[म] वधा शास्त्रोने मान्य
सवत अ०[स] वधी तरफथी के रीते
सवतोभाव,–वेन अ०[म] 'भली भाति' सौ रीते वरावर
सवत्र अ० [स] वधे
सवथा अ० [स] बधी रीते
सवदा अ० [स] सदा
सवरी स्त्री० (प) शवरी, रात्रि
सवश अ० [स] बधी – पूण रीते
सवस्व पु०[म] बधु, कुल मालमत्ता
सवप पु० [स] सरसव
सर्सों पु० सरसो सरसव
सलई स्त्री० चीडन् थाड के तेनो गुदर
सलग(–ज)म पु० जुओ 'शलग्रम'
सलज्ज वि० [स] लज्जावाळु
सलतनत स्त्री०[अ] सल्तनत (२) प्रबध, गोठवण (३) आराम, निरात
सलना अ०क्रि० साल पडवु वीधावु
सलफ वि० [अ] गत व्यतीत
सलब वि० [अ सल्व] बरबाद, नष्ट
सलमा पु० सोनाचादीनो तार
सलवात स्त्री० [अ] रहेम, शुभेच्छा (२) गाळ [पायजामो
सलवार स्त्री० [फा] एक जातना
सलहज स्त्री० जुओ 'सरहज
सला स्त्री० [अ] नोतरु, आमत्रण
सलाई स्त्री० पातळा सळियो (२) दीवासळी
सलाख स्त्री० सळियो [एक भाजी
सलाद पु०[इ] क्चुबर तरीके खवाती
सलाबत स्त्री० [अ] दढता मजबूती
सलाम पु०[अ] सलाम वदन –दना= सलाम करवी –लेना=सामे सलाम करवी सलाम झीलवी [रक्षा
सलामत वि० [अ] सुरक्षित –ती स्त्री०
सलामत रवी स्त्री० [अ+फा] मध्यम माग (२) मापसर खरच
सलामी स्त्री० सलामनी रीत सलाम करवी ते
सलार पु० एक पक्षी
सलाह स्त्री०[अ] भलाई सदाचार (२) सलाह सूचना (३) इच्छा विचार ०कार,–ही पु० सलाह आपनार –हि(–ही)यत स्त्री० भलाई योग्यता
सलिल पु० [स] पाणी
सलीका पु० [अ] ढग रीत (२) कुशळता होशियारी (३) सभ्यता (४) वतन रीतभात ०दार, ०मद वि० सलीका वाळु
सलीता पु० एक जातनु गजिया जवु कपडु
सलीपर पु० स्लीपर जोडा
सलीब स्त्री०[अ] शूळी (२) धिरती शाख

सलीम वि० [अ] ठीक, सारु (२) तदुरस्त (३) साफ दिलनु (४) शात धीर
सलीम उत्तबा वि० [अ] कोमळ दिलनु (२) धीर गभीर (३) बुद्धिमान
सलीस वि० [अ] सुगम सरळ
सलूक पु० [अ] वतन रीतभात (२) मळ (२) भलाई नकी
सलोतर पु० सालोत्रीनी विद्या ढोर वदु
सलोतरी पु० सालोत्री [सुदर
सलोना वि० लूण-मीठावाळु (२) सलूण
सलोनो पु० बळेव, रक्षाबधननो तहेवार
सल्ख स्त्री० [अ] सुद वीज
सल्तनत स्त्री० जुओ सलतनत
सल्ब वि० [अ] जुओ 'सलब'
सल्लम पु० जाडु कपडु-गजियु
सवत (-ति) स्त्री० 'सौत' शोक सपत्नी
सवन पु० [स] प्रसव [उमरनु
सवयस,-स्क वि० [स] समवयस्क सरखी
सवया स्त्री० [स] सखी, साहेली
सवर्ण वि० [स] सरखा वर्ण के जातिनु
सवा वि० एक उपर पा
सवाई वि० सवायु (२) स्त्री० सवाया व्याजनो दर
सवाद पु० (प) स्वाद
सवाब पु० [अ] पुण्य (२) भलाई
सवार पु० [फा] घोडेसवार (२) वि० आरूढ उपर चडलु
सवारी स्त्री० [फा] सवार थवु ते के तेनु वाहन (२) वरघोडो (३) वाहनमा बेसनार व्यक्ति
सवाल पु० [अ] प्रश्न (२) मागणी -लात पु० ब०व० [अ] सवालो
सवाली पु० [फा] मागणी करनार
सविकल्प वि० [स] सशय के दुविधावाळु
सविता पु० [स] सूर्य [कानूनभग
सविनय अवज्ञा स्त्री० [स] सविनय
सवेरा पु० सवार, प्रभात
सवैया पु० सवा शेरनु वजन (२) सवाना आक (३) सवैया छद
सव्य वि० [स] डाबु (२) जमणु (३) विरुद्ध
सशक वि० [स] साशक
ससि,०धर पु० (प) शशी चद्र
ससुर पु० ससरा
ससुराल स्त्री० सासरी
सस्ता वि० सस्तु सस्ते छूटना = थोडामा के थोडी महेनते पतवु [सस्तु करवु
सस्ताना अ०क्रि० सस्तु थवु (२) स०क्रि०
सस्ती स्त्री० सस्तापणु
सस्त्रीक वि० [स] साथे पत्नी के स्त्रीवाळु
सस्य पु० [स] धान्य अन्न
सहँगा वि० (प) सोघु सस्तु
सह वि० [स] साथे सहित
सहकार पु० [स] आबो (२) साथ मळी काम करवु ते साथ (३) मददगार
सहकारी पु० [स] साथी मददनीश -रिता स्त्री० साथ मदद [थवु ते
सहगमन पु० [स] साथ जवु ते (२) सती
सहगामिनी स्त्री० [स] सती थनार स्त्री
सहगामी पु० [स] साथे जनार अनुयायी
सहगौन पु० (प) सहगमन
सहचर पु० [स] साथी मित्र (२) सेवक
सहचरी स्त्री० [स] सखी (२) पत्नी
सहज वि० [स] स्वाभाविक (२) सहेलु (३) पु० सगो भाई सहोदर
सहत पु० 'शहद' मध
सहदानी स्त्री० (प) निशानी, चिह्न
सहधर्मिणी स्त्री० [स] पत्नी [जागणु
सहन पु० [स] सहेवु ते (२) [अ] चोक,

सहना स०क्रि० सहवु, वठवु भोगववु
सहनीय वि० [स] सह्य
सहपाठी पु० [स] सहाध्यायी
सहभोज,०न पु० सहभोजन
सहभोजी पु० सहभोजन करनार
सहम पु०[फा] भय डर (२) संकोच ०नाक वि० भयानक
सहमत वि०[स] समत सरखा मतवाळु
सहमना अ०क्रि० डरवु (प्रेरक सहमाना)
सहयोग पु० [स] सहकार
सहर पु० [अ] सवार, प्रभात (२) [अ सिह्] जादु (३) अ० धीमे धीमे मद गतिए
सहर जज वि०[अ+फा] चोर उठावगीर
सहर गही स्त्री० 'सहरी' सरगी
सहरा पु०[अ] खाली मेदान (२) जंगल (३) रण ०ई वि० जंगली
सहरी स्त्री० शफरी माछली (२) सरगी रोजामा करातो मळसकानो नास्तो
सहल वि० [अ] सहेलु
सहलाना स०क्रि० थाबडवु धीरेथी पंपाळवु या घसवु के हाथ फरववो (२) गलीपची करवी (२) अ०क्रि० गली थवी के वलूर आववी
सहवास पु०[स] साथ रहेवु ते (२) मैथुन
सहस,-स्र वि० [स] हजार
सहसा अ० [स] एकदम
सहस्र वि० [स] हजार
सहाइ (-ई,-उ) पु० सहाय मददगार
सहाध्यायी पु० [स] साथे भणनार
सहानुभूति स्त्री [स] हमदर्दी सामाना दु खथी दु खी थवु ते
सहाब पु० [अ] वादळु
सहाबा पु० [अ] मित्र दोस्त
सहाय पु० [स] मदद (२) सहायक
सहायक वि०[स] सहाय के मदद करनार
सहायता स्त्री० [स] मदद
सहायी वि० [स] सहायक
सहार पु० सहन (२) सहनशीलता
सहारना स०क्रि० सहवु, खमवु
सहारा पु० सहाय मदद (२) आशरा, हूफ
सहालग पु० लगनगाळो
सहावल पु० साहुल, ओळवो
सहिजन पु० [स शाभाजन] सरगवो
सहित अ० [स] साथे [निशानी
सहिदान,-नी स्त्री० (प) 'सहदानी',
सहिष्णु वि० [स] सहनशील, वठी जाणे एवु [शुद्ध (२) स्त्री० सही दस्तत
सही वि० [अ सहीह] साचु, प्रामाणिक,
सही भरना = मानी लेवु
सहीफा पु०[अ] पुस्तक (२) सामयिक
सही सलामत वि० [अ] सारी हालत-वाळु स्वस्थ, नीरोग [सलामत
सही-सालिम वि० बराबर पूरु (२) सही
सहीह वि० [अ] स्वस्थ दुरस्त
सहूलत [अ] सहूलियत स्त्री० सहेलाई (२) अदब विनय, विवेक
सहृदय वि० [स] भली लागणीवाळु दयाळु हमदद
सहेजना स०क्रि० सभाळीने तपासवु के जाई लेवु (२) कहीं समजावीने सोंपवु
सहेट,-त पु० प्रेमीओने मळवानु सकेत-स्थान
सहेतुक वि० [स] हेतुपुवक
सहेली,-लरी स्त्री० (प) साहेली सखी
सहैया वि० सहनार (२) पु० (प) सहायक
सहो पु० [अ सहव] भूल चूक
सहोदर पु० [स] सगा भाई

सह्य वि० [स] सही शकाय एवु
सह्वन् अ० [अ] भूल्थी
साई पु० स्वामी (२) प्रभु (३) फकीर
साकड पु० साकळ(२) साकळु (३) वि०
साकडु तग
साकडा पु० पगन साकळु
साकर,–ल स्त्री० साकळ
साग वि० [स] अग सहित
साग स्त्री० बरछी जवु एक शस्त्र
सागी स्त्री० जुआ 'साग (२) गाडीना
हाकनारने बेसवानो जगा के तेनी
नीचे काई मूकवा रखाती ठाळी
सागोपाग वि० [स] पूरेपूरु
साच वि० साच, सत्य
साचला वि० साचकलु सत्यवादी
साचा प० साचा बीबु फरमा साचेमें
ढालना=बहु सुदर बनाववु
साचो पु० पाथी आकारनी छपाई
साझ स्त्री० (प) साज सध्या
साझला पु० एक हळ साज सुधीमा
खेडी शकाय एटला जमीन
साझी स्त्री० देवमदिरमा कराती फूलनी
सजावट
साट स्त्री० माटी के कायडो यातना सोळ
साटा प० साटा (२) साठो (शेरडानो)
साटिया पु० ढाल पीटनार
साटी स्त्री० साटा (२) मळ (३) बदलो
साठ पु० साठा (२) पगनु साकळ
साठ-गाठ स्त्री० गाठ मेळाप (२)
अनुचित गुप्त सबध
साड पु० साढ गोधा
साडनी स्त्री० साढणी
साडा पु० साढा [सवार
साडिया पु० वगवाळु ऊट (२) साढणीनो

सात्वन पु०, –ना स्त्री० [स] दिलासो,
शाताप शाति [साधवु (२) साधवु
साधना स० क्रि० (प) निशाना करवा (२)
साप पु० साप (स्त्री० सापिन) –उतारना
=सापनु झेर उतारवु कलेज पर साप
लोटना=भारे दु:ख थवु –का पाव
देखना=अशक्य मार्ग मथवु –के मुहमें
=जोखम के खतरामा –सूघ जाना=
मरी जवु (साप करडवाथी)
साप्रत अ० [स] अत्यारे हमणा (२)
वि० अर्वाचीन अत्यारनु
साप्रदायिक वि०[स] सप्रदायनु के ते
सबधी
साबरी स्त्री० जादूगरी
साभर पु० साभर सरोवर के तमाथी
पकवातु मीठु (२) बटसरी भाथु
सामुहे अ० साम
सावत पु० (प) सामत योद्धा
सावत्सरी स्त्री [स] सवत्सरी वार्षिक
मरणतिथि
सावर वि० (प) शामळ
सावला,–लिया वि० शामळ काळाश
पडतु (२) पु० श्रीकृष्ण
सावा पु० सामो धान्य
सास स्त्री० सास श्वास(२) दमनो रोग
–उखडना, –टूटना=श्वास ऊपडवो
के तूटवा (मरती वखते) –चढना,
–फूलना=श्वास चडवा –लेना=
सास खावा विराम लेवा
सासत स्त्री० श्वास लेवानी मुश्केली
(२) सासता मासा मुश्केली
सासत घर पु० जलना काळी कोटडी
अधेरी [पीडवु
सासना स० क्रि० (प) शासन करवु,

सासा पु० सास दम (२) प्राण, जिंदगी (३) सशय, सासो (४) ङर, दहेशत –चढ़ना=फिकर थवी –पडना=शक जवो –रहना=अदेशो होवो
सासारिक वि०[स]ससार मनधी ऐहिक
सास्कारिक वि० [स] सस्कार मबधी
सास्कृतिक वि०[स] सस्कृति के सुधारा सबधी
सा वि० पु० जवु समान उदा 'चादसा'
साअ(–इ)त स्त्री० [अ] एक कलाक (२) पळ (३) महुरत
साइका स्त्री० [अ] वीजळी
साइकिल स्त्री० [इ] बाइसिकल
साइनबोर्ड पु० [इ] नामनु पाटियु
साइस स्त्री० [इ] विज्ञान, शास्त्र
साइया पु० (प) साई स्वामी प्रभु
साइ(–य)र पु० [अ] जुओ 'सायर
साइ पु० जुओ 'साई
साई स्त्री० बानु पशगी'
साईस पु० [फा] सईस रावत –सी स्त्री० तेनु काम के धधो
साक(–ग) प० शाक [थड
साक स्त्री० [अ] पगनी पिडी (२) थाडनु
साकचेरि स्त्री० मेंदी
साकट,–त पु० शाक्तपथी (२) छाटको के दुष्ट नगरा माणस [स्मारक
साका पु० शक सवत (२) कीर्ति के तनु
साकार वि०[स]मूत, स्थूल (२)रूपवान
साकिन वि०[अ]निवासी रहेवासी (२) खोडो अक्षर, जेम के 'द
साकी पु० [अ] दारू पानार (२) प्रेमीनु सबोधन (स्त्री० साकिन)
साकेत,०न पु० [स] अयोध्या
साक्षर वि० [स] भणेलु
साक्षात अ० [स] प्रत्यक्ष
साक्षात्कार पु०[स] भेट, मुलाकात (
प्रत्यक्ष ज्ञान [शाह
साक्षी [स] शाहद (२) प्रेक्षक (३) स्त्र
साक्ष्य पु० [स] साक्षी शाहदी
साख पु० साक्षी, शाहेद (२)साख आब
साखना स०क्रि० (प) साख पूरवी
साखा स्त्री० (प) शाखा (२) घटा
खीलडा
साखी पु० साक्षी देनार (२) स्त्री० साक्ष
(३) साखी काव्य –पुकारना=साक्ष
आपवी
साखू पु० शाल वक्ष [वात
साख्त स्त्री० [फा] बनावट (२) कल्पित
साग पु० तयार करेलु शाक (२)
भाजीपालो
सागपात पु० लूखुसूकु भोजन
सागर पु० [स] दरिया
सागर पु० [अ] प्यालो (शराबनो) ०कश
वि० दारू पीनार
सागवन पु० साग 'सागौन
सागू(–गो) पु० एक झाड जमाथी
सागुचोखा बनावाय छ
सागूदाना पु० सागुचोखा साबुदाणा
सागो पु० जुओ 'सागू
सागौन पु० साग 'सागवन
साज प० [फा] साज सजावटनी
सामग्री ०गार वि० ठीक अनुकूळ
०सामान पु० जुओ 'साज व सामान'
साजन पु० स्वामी (२) ईश्वर (३) सज्जन
साजना स०क्रि० (प) सजावु [सबध
साज बाज पु० तयारी (२) मेळ सूब
साज-व-सामान पु०[फा] साजसरजाम
सामग्री (२) ठाठमाठ

साजिदा पु०[फा] साजिदा सपरनार
साजिश स्त्री० [फा] मळ सप (२) दावपेच पज्यत्र
साझा पु० भाग हिस्सा
साझी, साझेदार पु० भागिया, हिस्सेदार
साट पु० जुओ 'सांट'
साटन पु० साटीन कपड
साटना स०क्रि० जुओ 'सटाना
साटमार पु० हाथीना साठमारी करनार
साठ वि० ६० सख्या
साठा पु० साठा (२) वि० साठ उमरनु
साठी पु० एक धान
साडी स्त्री० साडी
साढे(-ढे)साती स्त्री० साडा सात वर्ष, मास के दिवसनी (अशुभ) दशा
साढ़ी स्त्री० अषाढनु वावेतर (२) दूधनी कावरी (३) साडी
साढ़ पु० साढु, साळीनो वर
साढ़े वि० साडा उदा० साढचार
साढ़ेसाती स्त्री० जुओ साढसाती
सात वि० ७ -परदेमें रखना=खूब सभाळीने के सताडीन राखवु -पाच =चालाकी धूतता -राजाओकी साक्षी देना=वाई बाननी सत्यता पर खूब जोर देवु -समुद्र पार=अति दूर सातो भूल जाना=होशकोश न रहेवा भान जवु
सात-फेरी स्त्री० लग्नना सात फेरा
सातला पु० एक जातनो थुवर
सात्त्विक वि० [स] सत्त्व गुण सबधी (२) सत्य (३) पवित्र
साथ पु० साथ सघात (२) मेळ सबध (३) अ० साथ -ही=एनी साथ, उपरात -ही साथ=साथे साथे
साथरा पु० साथरा सादडी
साथी पु० साथनी मित्र (स्त्री० -थिन)
सादगी स्त्री०[फा] सादाई(२) सरळता नि कपटता
सादा वि० [फा] साद(२)एकज निर्भेळ (३) सरळ सादीसीधा रचना क बनावटन (४) निष्कपट (५) भोळ नम्र
सादिक वि० [अ] साच (२) सफाइ ठ -आना=पातिव्रत थव [नीकळनार
सादिर वि० [अ] जारी चालु होनार (२)
सादृश्य पु० [स] समानता बराबरा
साध पु० साधु (२) सज्जन (३) स्त्री० इच्छा
साधक पु०[स] साधना करनार योगी तपस्वी(२)मत्रतत्र करा जाणनार भूवा
साधन पु०[स] ओजार उपकरण (२) उपाय (३) साधवु ते
साधना स्त्री०[स]साधवु ते(२)आराधना (३) स०क्रि० साधवु [ओजार
साधनी स्त्री० सपाटी जावानु लेवल'
साधारण वि० [स] सामान्य (२) सहेल मामूली
साधु वि०[स]सार(२)पु० सत सज्जन भलो माणस (३) बावो मुनि
साधुवाद पु० [स] 'साधु साधु' कही शाबाशी आपवी ते
साधू पु० जुओ साधु
साध्य वि०[स]साधी शकाय के सधे एवु
साध्वी स्त्री० [स] साधु स्त्री
सानद वि० [स] आनदपूर्वक
सान पु० सल्ली अस्त्रो घसवानी पथरी -देना, धरना=पथरा पर अस्त्रो चडाववा धार काढवी ['समना')
सानना स०क्रि० सनना नु प्रेरक (जुओ

सानिज पु०[अ] रचनार (२) कारीगर
सानिहा पु०[अ] दुघटना माठा बनाव
सानी स्त्री० पाणीमा पलळी पशुने अपातु खाण(२)वि०[अ]बीजु 'दूसरा' (३) जोडियु समान साथी
सानु पु०[स] शिखर टोच (२) अत
सान्निध्य पु०[स]पासे होवु ते निकटता
साप पु० (प) शाप [निर्दोष
साफ वि० [अ] चोख्खु (२) स्पष्ट (३)
साफल्य पु० [स] सफळता, कृतार्थता
साफा पु० [अ] साफो फेंटो (२) पाघडी ( ) पहेरवाना कपडा धोवा ते –देना=धूरयु राखवु (कोई हेतुने लईने पचुने)
साफी स्त्री० [अ] हाथरूमाल (२) साफी चलम पीवाना कपडानो ककडो (२) भाग गाळवानो रूमाल
साबका पु० जुओ 'साबिका
साबत वि० साबूत
साबिक वि० [अ] पूर्वनु पुराणु
साबिक दस्तूर अ० पूर्ववत यथापूर्वम
साबिका पु०[अ] पिछान (२) लेवादेवा सबध (३) वि० जुओ मात्रिक' –पडना=सबधमा आववु
साबित वि [अ] साबूत आखु पूर्ण (२) ठीक बराबर (३) [फा] साबित
साबिर वि०[अ]सबूर करनार खामोश
साबु(–बू)न पु० [अ] साबु
साबूत वि० [फा] अखड पूरपूरु (२) स्थिर कायम
साबूदाना पु० साबुचोखा
साबून पु० जुओ 'साबुन' ०साजी स्त्री० साबुकाम–तनो धधा [मिळ
सामजस्य पु०[स]योग्यता औचित्य(२)
सामत पु०[स] सरदार माडलिक (२) योद्धो [मानो एक–समजावट
साम पु० [स] सामवेद (२) चार उपाय
सामग्री स्त्री० [स] सरसामान (२)साधन
सामना पु० सम्मुख थवु के आववु ते(२) सामनो साम थवु ते (३) सामनो भाग
सामने अ० सामे सम्मुख
सामयिक वि० [स] समयसरनु (२) समय सबधी के अमुक समयनु
सामर्थ्य पु०[स] समर्थता शक्ति ताकत
समा पु० [अ] श्रोता
सामाजिक वि० [स] समाज विषेनु
सामान पु०[फा]सामान साधनसामग्री –करना=तयारी करवी –बनना= तयारी थवी [पु० समानता
सामान्य वि०[स]साधारण मामूली(२)
सामिष वि०[स] आमिष–मास साथनु
सामीप्य पु० [स] समीपता निकटता
सामुदायिक वि०[स] समुदाय–समूहनु के तेने लगत
सामुहा,–हें अ० (प) साम सम्मुख
सामूहिक वि० [स] समूहने लगतु
साम्य पु० [स] समता सरखापणु
साम्राज्य पु०[स] शहनशाही, सल्तनत
सायकाल पु० [स] साज सध्या
सायक पु० [स] बाण (२) तलवार
सायत पु० जुओ 'साअत' [बाछटिय
सायबान पु० [फा साय बान] मायबान
सायर वि० [अ साइर] बधु कुल (२) अवशिष्ट बाकी (३) पु० जकात
सायल पु०[अ] प्रार्थनाकर्ता (२) मागण
साया पु०[फा] छाया, छायडो (२) भूत प्रेत (३) असर छाया (४) [इ शमीज] स्त्रीआनु घाघरा जेवु एक वस्त्र

सायुज्य पु० [स] एक–विलीन थई जवु ते नवु जोडाण
सारग पु०[स] मृग (२) एक राग (३) एक धनुष्य (४) कमळ (५) वि० (प) सरग सुंदर
सारगिया पु० सारगीवाळो
सारगी स्त्री० एक तनुवाद्य
सार पु०[स] निचोड सत्व (२) वि सारवाळ मुख्य [जम दार
सारज(–जें)ट प०[इ] (गोरो) पोलीस
सारटिफिकट पु० [इ] प्रमाणपत्र
सारथि पु० [स] रथना हांकेडु
सारना स०क्रि० (प) सारवु साधवु पूरु करवु (२) शोभाववु सजवु
सारवान पु० [फा] ऊट पर बेसनार
सारभाटा पु० ओट (समुद्रनु पाणीना)
सारमेय पु० [स] कूतरा
सारल्य पु० [स] सरळता
सारस पु०[स] एक पक्षी (२) कमळ –सी स्त्री० सारसनी मादा
सारस्वत वि [स] सरस्वती सबधी
साराश पु० [स] सार निचोड
सारा वि० सारु बधु पूरु (स्त्री० –री)
सारिका स्त्री० [स] मेना पक्षी
सारूप्य पु० [स] एकरूपता
साजट पु० [इ] जुओ सारजट
सार्टिफिकेट पु० [इ] सर्टिफिकेट
सार्थ त्रि०[स]अर्थवाळु [गुणकारी
सार्थक त्रि [स] सार्थ (२) सफळ (३)
सार्द्र वि० [स] आर्द्र भीनु
सार्वजनिक वि०[स] सौ कोईनु जाहेर
सार्वत्रिक वि० [स] सर्वत्र होय एवु
सार्वभौम पु०[स] चक्रवर्ती राजा (२) वि० बधी भूमिने लगतु
सार्वराष्ट्रीय त्रि० [स] अनेक राष्ट्रो साथ सबधवाळु आतरराष्ट्रीय
साल स्त्री० वींधवु ते (२) साल छेद (३) सालवु ते पीडा (४) पु० [फा] साल वर्ष
सालक त्रि सालनारु एवु पीडक
सालखुर्दा वि [फा]पुराणु जूनु(२)घरडु
साल गिरह स्त्री० [फा] सालगरह वर्षगाठ [स्त्री० वार्षिक हेवाल
साल-तमाम पु०[फा] वर्षनो अत –मी
सालन प० मसालेदार शाक (मासवाळु)
सालना अ त्रि० सालवु (२) स०क्रि० साले एम करवु ( ) मांडवु
साल-नामा प०[फा] पत्रनो वार्षिक अक
साल-ब-साल अ० [फा] हर साल
सालरस प० [स] राळ
सालस पु० [अ] 'सालिस' पच (२) वि [स] आळसु
सालसी स्त्री० लवादी पचायत
सालहा साल अ० [फा] वर्षो सुधी घणा वखत सुधी [स्त्री० शाळा
साला प० साळो (२) साला (गाळ) (३)
साला(–लिया)ना त्रि [फा] वार्षिक
सालार पु०[फा]नेता ०जग पु० सेनापति
सालिक पु० [अ] यात्राळु (२) धर्मिष्ठ माणस
सालिम वि० [अ]सपूर्ण पूरु(२)तदुरस्त
सालियाना वि० जुओ सालाना
सालिस वि०[अ] त्रीज (२) पु० पच मध्यस्थ सालस
साली स्त्री० साळी(२)दर साल गणोतथी अपाती जमीन (३) दर साल अपात अमुक लागो [विपरीत
सालू पु० एक लाल वस्त्र (मगळ कायम

ालेह त्रि० [अ सालिह] नेक, भलु (२) सदाचारी (३) नसीबदार (स्त्री० –हा)
ालोक्य पु० [स] एक लोकमां साथे रहेवु तेवी एक प्रकारनी मुक्ति
ावत पु० सामत
ाव पु० जुओ 'साहु'
ावकाश वि० [स] अवकाश सहित (२) पु० अवकाश, फुरसद (३) अवसर
ावचेत त्रि० सावध खबरदार –ती स्त्री० सावधानी [खबरदार
ावधान वि० [स] सावचेत होशियार,
ावन पु० श्रावण (वि० –नी)
ाष्टांग वि० [स] आठे अंग सहित
ास स्त्री० सासु
ासनलेट प० एक जातनु कपड
ासा स्त्री० (प) संशय (२) श्वास
ासु स्त्री० (प) जुओ 'सास'
ासुर पु० ससरो (२) सासरी
ाह पु० शाह शेठ (२) 'साहु'
ाहचय पु० [स] साथ सोबत
ाहु(-हि)नी स्त्री०(प) सेना(२)साथी
ाहु(–हि)ब पु० मित्र (स्त्री० साहिबा) (२) मालिक (३) ईश्वर (४) साहेब लोगो (५) सन्माननु संबोधन
ाहुब सलामत स्त्री० [स] सामसामे य जय – प्रणाम
ाहवी त्रि० साहबनु (२) स्त्री० साहबी
ाहस पु० [स] हिंमत (२) उतावळ रीने कूदी पडवु ते जल्दबाजी (३) अभिचार, लूट जेवु कुकर्म –सिक, सी वि० साहस करे एवु
ा पु० लग्नमुहूर्त के तेनी पत्रिका
ाह्य पु० [स] सहाय मदद
ाहित्य पु० [स] वाङ्मय (२) मिलन
०कार पु० साहित्य रचनार –त्यिक वि० साहित्य संबंधी
साहिनी स्त्री० जुओ साहनी
साहिब पु० [अ] जुओ 'साहब'
साहिर पु० [अ] जादुगर
साहिल पु० [अ] किनारो, तट
साही स्त्री० साहुडो
साहु,–हू पु० साधुपुरुष (२) साहुकार
साहुल पु० ओळंबो 'सहावल'
साहू पु० जुओ 'साहु'
साहूकार पु० साहुकार मोटो वेपारी
साहूकारा पु० साहुकारी, शराफी (२) साहुकारोनु बजार
साहेब पु० जुओ 'साहब'
सिंकना अ०क्रि० सेकावु
सिंकोना पु० [इं] एक वृक्ष (जमाथी क्विनाईन बने छे) [सिंगडान पात्र
सिंगडा पु० फोडवानो दारू राखवानु
सिंगरफ पु० हिंगळोक –फी वि० तेना रंगनु
सिंगल पु० रेलवेना हाथ, सिगनल
सिंगा पु० रणशिंगु
सिंगार पु० शृंगार (२) शणगार(३)शोभा
सिंगारना स०क्रि० (प) शणगारवु
सिंगारदान पु० शणगार सजवानी वस्तुओनी पेटी
सिंगार हाट पु० वेश्यावाडो
सिंगारिया, सिंगारी पु० देवना शणगार सजनार पूजारी
सिंगिया पु० एक झेरी मूळियु
सिंगी पु० जुओ 'सिंगा' (२) स्त्री० खराब लोही चूसीने खेंचवानी नळी
सिंगौटी स्त्री० जुओ सिंगारदान'
सिंघ पु० (प) सिंह

सिंघाडा पु० [स शृंगाटक] सिंगाडु –डी स्त्री० शिंगाडीनु तळाव
सिंचन पु०[स] पाणी छाटवु के पावु ते
सिंचाई स्त्री० खतरने पाणी पावु ते
सिंचाना स०क्रि० खतर पवडाववु
सिंजाफ पु० [फा सजाफ] सजाफ कपडाना गाट, जोटेली किनार
सिंदूर पु०[स] ककु जेवा लाल भूको ०दान पु० लग्नविधिनी एक गीत –रिया,–री वि० सिंदूरना रगनु
सिंदो(–धो)रा पु० जुओ सिधोरा
सिंधी स्त्री० सिंधनी भाषा (२) वि० सिंधनु (३) पु० सिंधना वतनी
सिंधु पु० [स] दरियो
सिंधुर पु० [स] हाथी
सिंधूरा पु० सिंधुडो राग
सिंधोरा पु० (सिंदूर राखवानी) लाकडी
सिंबी स्त्री० [स] छीमी' फळी
सिंह पु०[स] केसरी (२) एक राशि ०द्वार पु० मुख्य दरवाजो ०नी, –ही स्त्री० सिंहण
सिंहल प० [स] लका –ली स्त्री० लकानी भाषा (२) वि० लका विषेन
सिंहावलोकन पु० [स] सारांशनी समालोचना [आसन
सिंहासन पु०[स] तख्त देव के राजानु
सिंही स्त्री० [स] सिंहण
सिअरा वि० (प) शीतळ (२) पु० छायो (३) शियाळ [सिलाना
सिआ(–या)ना स०क्रि०(प)सिवडाववु
सिआ(–या)र पु० शियाळ(स्त्री०–री)
सिकंजबीन स्त्री० [फा] लीबु के सरकानु एक शरबत
सिकदरा पु० रेलवेना हाथ सिग्नल
सिकडी स्त्री० बारणानी साकळ (२) गळानी साकळी–एक घरेणु
सिकता स्त्री०[स] रेती के रेताळ जमीन
सिकत्तर पु० सेक्रेटरी मत्री
सिकली स्त्री० [अ सक्ल] सराणियानु काम ०गर पु० सराणियो
सिकहर पु० [स शिक्य+घर] शीकु
सिकुडन स्त्री० सकटावु ते सकोच (२) गडी सिकन
सिकुड(–र)ना अ०क्रि०सकडावु सकोचाव (२) गडी पडवी [सिकडाववु
सिकोडना स०क्रि तग के भेगु करवु
सिकोरा पु० 'सकोरा' शकोरु
सिकोली स्त्री० टोपली
सिकोहो वि० पराक्रमी वीर
सिक्का पु० [अ] सिक्का ०जन पु० सिक्का पाडनार कारीगर –जमना या बठना=अधिकार स्थापित थवो (२) राफ पडवो
सिक्ख, सिख स्त्री० शीख शीख (२) पु० शिष्य (२) शीख नानकपथी
सिक्त वि० [स] सीच्यु भीजायेलु
सिख पु० (२) स्त्री० जुओ सिक्ख
सिखरन स्त्री० शिखरन दही खाडनी एक मीठी प्रवाही वानी
सिखलाना, सिखाना स०क्रि० शिखवाडवु
सिखावन पु० शिखामण शाख
सिखी पु० (प) शिखी' मोर
सिगडी स्त्री० सगडी (२) चूलो
सिगनल पु० [इ] सिग्नल' हाथ
सिगरा(–रो) वि० (प) सघळु बध (स्त्री० –री)
सिगरेट पु० [इ] विलायती बीडी
सिगरो वि० (प) सघळु

सिगार पु०[इं] विलायती माटी बीडी, 'चिरूट'
सिचान पु० (प) शकरबाज
सिजदा प०[अ] सिजदा, प्रणाम, वंदन
सिजल वि० सुंदर, देखावडु
सिझना अ०क्रि० सीझवु, चडवु पाकवु
सिझाना स०क्रि० सीझववु, चडववु, राधवु [दस्तापडी
सिटकिनी स्त्री० कमाड वारीनी
सिटपिटाना अ०क्रि० सपटावु, दबावु (२) धीमु पडवु (३) मूझावु, सपटावु
सिट्टा पु० जुवारनु डूडु
सिट्टी स्त्री० वाचाळपणु -भूलना= सपटावु, गभरावु
सिठनी स्त्री० लग्ननु फटाणु
सिठाई स्त्री० फीकापणु 'सीठापन
सिड स्त्री०, ०पन(-ना) पु० गाडपण, उमाद(२)धून ०विल्ला वि० गाडु(२) मूर्ख सिड सवार होना=गाडपण धावु
सिडी वि०पागल(२)धूनी (स्त्री० -डिन)
सितंबर पु० सप्टेम्बर मास
सित वि०[स] श्वेत धोळु (२)पु० शुक्ल पक्ष (३) चादी (४) खाड
सितम पु० [फा] जुलम, अत्याचार ०गर पु० जुलमी, सितम गुजारनार ०कश, ०जदा, ०रसीदा वि० [फा] सितमनु भोग बनलु सितम ढाना, तोडना=जुलम करवो
सिताइश स्त्री०[फा] धन्यवाद शाबाशी (२) आभार, 'शुक्रिया'
सिताब अ० [फा शिताब] जलदी झट -बी स्त्री० शीघ्रता
सितार पु० सतार वाद्य ०बाज पु० सितारियो ०बाजी स्त्री० तेनी विद्या के कळा
सितारा पु०[फा] सितारा, तारा (२) सोनाचादीना बिंदी-टीलडा (३)नसीब, भाग्य -चमकना, -बुलंद होना= नसीब ऊघडवु -भारी होना=दशा बेसवी
सितारा-ए-हिंद? सितारा-दा पु० [फा] जोशी
सितारिया पु० सितारियो, सतार वगाडी जाणनार
सितुई,-ही स्त्री० छीप सीप
सितून पु० [फा] स्तभ (२) मिनारा
सिदका पु० जुओ 'सदका' खेरात
सिदरी स्त्री० त्रण दरवाजा के कमान-वाळा ओरडो के वरडो
सिदिक् वि० जुओ 'सिद्दीक'
सिदक पु० [अ] सत्यता
सिद्दीक वि० [अ] सत्यनिष्ठ
सिद्ध वि० [स] सधायेलु सफळ (२) पुरवार के साबित थयेलु पाकु (३) साधनानु फळ पामेलु [एवु स्थान
सिद्ध-पीठ पु० [स] ज्या साधना झट फळे
सिद्धरस पु० [स] पारो
सिद्धांत पु०[स] सिद्ध - पाकी प्रमाणित वात, वस्तु के निर्णय
सिद्धाई स्त्री० सिद्ध होवु ते सिद्ध दशा
सिद्धि स्त्री० [स] सिद्धता साधना फळवी ते
सिधाई स्त्री० सीधापणु [सरवु
सिधारना अ०क्रि० सिधाववु जवु (२)
सिन पु० [अ] उमर अवस्था (२) साल (३)[स] शरीर (४) पाशाक (५) वि० सफेद (६) काणु
सिनक स्त्री० लीट नाकनो मेल
सिनकना अ०क्रि० नाक नसीकवु
सिन-बुलूगत पु० [अ] उमरे पहोचवु ते (२) युवानी

सिन रसीदा वि० [फा] वृद्ध घरडु
सिनान पु० [फा] भाला, तार न० नी अणी [मडळ
सिनेट स्त्री०[इ] युनिवर्सिटीन नियामक
सिनेमा पु० [इ] चलचित्र
सिन्नी स्त्री० मीठाइ (प्राय खुशीमा के देवना प्रसाद तरीके वहेंचाय ते)
सिपर स्त्री० [फा] आड ओथ (२) ढाल ०दारी स्त्री० रक्षण
सिप(-पा)ह स्त्री० [फा] सेना
सिप(-पा)हगरी स्त्री०[फा] सिपाईगीरी
सिपह सालार पु० [फा] सेनापति
सिपाई,-ही पु० [फा] सनिक (२) चपरासी ( ) पालीस
सिपारस स्त्री० -सी वि० जुआ अनुक्रमे सिफारश,-शी [अध्याय के खंड
सिपारा पु० [फा सीपारा] कुराननो
सिपा(-फा)रिश स्त्री० सिफारस
सिपास स्त्री०[फा] धन्यवाद आभार
सिपाह,०गरी स्त्री०[फा] जुओ अनुक्रम सिपह ०गरी
सिपाहियाना वि० [फा] सिपाही जेवु
सिपाही पु० [फा] जुओ 'सिपाई'
सिपुर्द वि० [फा] सापेलु ०गी स्त्री० सुपरत हवाला ०नामा पु० तनु खत
सिप्पा पु० युक्ति उपाय (२) प्रभाव -भिडाना, लडाना = युक्ति लगाववी
सिप्रा स्त्री० [स] भस (२) एक नदी
सिफत स्त्री०[ ] विशेषता (२) लक्षण गुण स्वभाव (३) (व्या०मा) विशेषण
सिफर पु० [इ साइफर] शून्य मीड
सिफलगी स्त्री०[फा] 'सिफला' मा जुओ
सिफला,-ली वि०[अ] सिफल हलकु क्षुद्र (२) छीछरु (नाम, -लगी)
सिफा स्त्री० शिफा आरोग्य
सिफारत स्त्री०[फा] सफीर -राजदूतनु काम
सिफारिश स्त्री० [फा] सिफारस
सिफारिशी वि० सिफारसवाळु (२) जना सिफारस करी होय तेन लगतु ०टट्टू पु० सिफारसथी ज पद पर पहोचेल माणस
सिम(-मि)टना अ० क्रि समेटावु निपटाव (२) नरमाव सकोचावु ( ) गन्ना के करचालो पग्वा
सिमरन पु० (प) स्मरण
सिमरना स०क्रि (प)समरवु सुमिरना'
सिमिटना अ०क्रि० जुओ सिमटना
सिमे ट पु० [इ] (चणवाना) सिमेंट
सिम्त स्त्री० [अ] दिशा बाजु
सिय,-या स्त्री० (प) सीता
सियरा वि० (प) शीतळ (वि० स्त्री०, -री नाम, -राई स्त्री०)
सिया स्त्री० (प) सीता
सियादत स्त्री [अ] सरदारी आगवानी (२) हकूमत
सियाना वि० शाणु समजणु (२) स०क्रि० जुओ सिआना'
सियापा पु० स्त्रीआनु रोवु कूटवु ते
सियार(-ल) पु० शियाळ (स्त्री० -रिन,-री)
सियाला प० शियाळो
सियासत स्त्री० [अ] राजव्यवस्था
सियासी वि० राजद्वारी राजकीय
सियाह वि० [फा] काळु (२) अशुभ ०कार वि० बदकार खराब दुराचारी ०कारी स्त्री० दुराचार पाप
सियाहत स्त्री० [अ] सफर मुसाफरी

सियाहा पु० [फा] हिसाबनो चोपडो रजिस्टर (गणोत इ० नु) ०नवीस पु० ते लखनार के राखनार [काळापणु
सियाही स्त्री० शाही, रोशनाई (२)
सिर पु० शिर माथु **–आंखो पर बठाना** = आदर करवो **–आंखो पर होना**=माथे चढाववु मानव **–आना**=भूत आववु **–ओखलीमें देना**=मुश्केलीमा पडवु **–धरना, बाधना**=(स्त्रीनु) माथु आळवु **–के बल जाना**=आदरथी कांई पासे जवु **–खपाना**=खूब महेनत–माथाझीक करवी **–खाना**=माथु खावु, खाली माथाकूट कराववी **–खाली करना**=खाली नकामी माथाकूट करवी **–जोडना**=एक बनवु सप करवो **–थोपना**=माथे मारवु के आढडवु **–नगा करना**=बेआबरू करवु **–पर छप्पर रखना**=माथे बावरी वधारवी (२) माथे बोजो–जवाबदारी नाखवी **–पर पाव रखकर भागना**=जीव लईने नासवु **–पर पाव रखना**=उद्धत बनवु **–पर हाथ फेरना**=वश करवु **–मुडाते ही ओले पडना**=प्रारंभमा ज विघ्न नडवु **–से कफन बाधना**=जान हथेळीमा लेवो **–से खेलना**=जुओ 'सिर जाना' **–से पानी गुजरना**=मुसीबतनी – सहवानी हद आववी. **–होना**=पीछो पकडवो
सिरकटा वि० शिर कपायेलु के कापनारु
सिरका पु० [फा] सरको
सिरकी स्त्री० सरकटनी साटी के तेनी बनेली सादडी के छज
सिरजनहार पु० सजनहार प्रभु
सिरजना स०क्रि० (प) सजवु रचवु
सिरताज पु० मुगट (२) सरदार, शिरोमणि
सिरतान पु० जमीनदार
सिर-ता-पा अ० जुओ 'सर-ता-पा'
सिरदार पु०(प) सरदार **–री** स्त्री० सरदारी
सिरधरा(–रू) पु० आगेवान, नायक
सिरनामा पु० जुओ 'सरनामा'
सिरनेत पु० पाघडी (२) कलगी
सिरपाव पु०सरपाव भेट अपातो पोशाक
सिरपें(–पे)च पु० पाघडी
सिरपोश पु० माथानु ढांकण–टोप इ०
सिरफूल पु० माथानु एक घरेणु
सिरबद पु० साफो, फेंटो
सिरबदी स्त्री० माथानु एक घरेणु
सिरमौर पु० जुओ 'सिरताज'
सिरवा पु० खळामा वावलवा माटेनु वस्त्र **–मारना**=ते वडे वावलवु
सिरस पु० एक झाड
सिरहाना पु० पथारीनो माथानो भाग
सिरा पु० छेडो, अंत (२) (लबाई के अतना) छेडानो भाग (३) अणी (४) शिरा नाडी (५) पाणीनो ढाळियो
सिरेका=अव्वल दरज्जानु
सिरा(०व)ना स०क्रि० ठडु करवु (२) वतीत करवु (३) अ०क्रि० ठडु के निरुत्साह थवु (४) वीतवु पसार थवु
सिरावन पु० (खेतरनो) समार
सिरावना स०क्रि० (२) अ०क्रि०(प) 'सिराना'
सिरिश्ता, सिरिश्तेदार जुओ सरिश्ता, सरिश्तेदार
सिरोपाउ (प), **–व** पु० जुओ 'सिरपाव'

सिरोही पु० शिराही प्रदेश (२) तल्वार (३) स्त्री० एक पक्षी
सिर्का पु० जुआ सिरका [एकलु
सिफ अ० [अ] फक्त, केवळ (२) वि०
सिल स्त्री० शिला पथर (२) निशातरा (३) पु० शिलाछ खेतरमा वेरायेला दाणा वीणी निर्वाह करवा ते (४) [अ] क्षयरोग
सिलगना अ क्रि० मळगवु
सिलपट वि बरोबर सपाट (२) चोपट' सत्यानाश
सिलफ(-ऊ)ची स्त्री० हाथमा धावानु वासण चिल्मची [पत्थर
सिलबट्टा पु० निशातरा ने वाटवाना
सिलवट स्त्री० गडी, सिकुडन
सिलवाना स०क्रि मिवडाववु सिलाना
सिलसिला पु० [अ] सिलसिला क्रम परम्परा (२) साकळ (३) व्यवस्था (४) वंशपरपरा (५) वि० भीनु (६) लपसण
सिलसिलेवार वि० क्रमिक क्रम प्रमाणे सिलसिलाबध व्यवस्थित
सिल(-ला)ह पु० [अ] हथियार ०खाना पु० शिलखानु शस्त्रागार ०पोश, ०बद वि० शस्त्रसज्ज
सिलहार,-रा पु० शिलोछ वृत्तिवाळो
सिलहिला वि० सिलसिला' लपसणु चीकणु कादववाळु [शिलाछ
सिला स्त्री० शिला (२) पु० सिल
सिला पु०[अ] बदलो अवेज (२) इनाम
सिलाई स्त्री० सीवणकाम के तेना दव के मजूरी
सिलाना स०क्रि० जुओ 'सिलवाना'
सिलावट पु० सलाट [जुओ सिल्ह'
सिलाह,०खाना,०पोश,०बद पु० [अ]
सिलाहबाज पु०[फा] हथियार बनावनार
सिलाही पु० [अ] सनिक सिपाही
सिलि(-ली)पट पु० (रेत्नो) सल्पाट
सिलिया स्त्री० एक जातनो इमारती पथर
सिलेट स्त्री० स्लेट पाटी
सिलौट(-टा) पु० सिल' निशातरो -टी स्त्री० नानो निशातरो
सिल्ली स्त्री० सलाना अस्तानी पथरी
सिवई स्त्री० घउनी सव 'सिवया
सिवा(०इ,०य) अ० [अ] सिवाय
सिवान पु० हद सीमा (२) भागाळ
सिवार स्त्री० शवाल शेल
सिवाल पु० स्त्री० सिवार सवाळ
सिवाला पु० शिवालय महादेव
सिविल वि०[इ] मुलकी (२) नागरिक सबधी (३) सभ्य -लियन पु० मोटा मुल्की अमलदार आइ सी एस
सिसकना अ०क्रि० डूसका भरवा (२) छाती धडकवी जीव गभरावो (३) कशा माटे तलसवु [सीत्कारवु
सिसकारना अ०क्रि० सिसकारो भरवो
सिसकारी,सिसकी स्त्री० डूसकु (२) सिसकारा -भरना, -लेना=स्मकु भरवु
सिहर(-रा)ना अ०क्रि० थथरवु (डर के ठडाथी) (२) रूवा खडा थवा
सिहरी स्त्री० ध्रुजारी कप (२) रोमाच
सिहाना अ० क्रि० ईर्षा करवी (२) हरीफाई करवी ( ) स० क्रि० आतुर भावे जोवु लालच करवी
सीक स्त्री० ताड मुज वगरेनु सकतु के पातळी सळी के सळेखडु (२) नाकनु एक घरेणु

सींका पु० पातळी गद्दी जेवी डूस
सींकिया वि० सळगडा जवु पातळु,मूफलु
(२)पु० एक जातनु बारीक कपडु
सींग पु० शिगडु —फटाकर बछडामें
मिलना=माटा छता बाळकमा भळवु
—समाना=ठेकाणे पडवु
सींगरी स्त्री० (शाकनी) एक फळी
सींगी स्त्री० शिगडु वाद्य (२) मराव
लाही चूसवानी भूगळी(३)एक माछली
सींच स्त्री० सींचवु ते
सींचना स०क्रि० पाणी पावु (२) सिंचवु
सींचाई स्त्री० (पाड इ० ने) पाणी
पावु ते [=जार बतावयु
सींव, सींव पु० (प) सीमा, हद —चरना
सी वि०स्त्री० 'सा'नु स्त्री०, जवी
सीकर पु० [स] छाटा, फरफर
सीकल स्त्री० जुओ 'सकल' (२)पु०
धावा पर पाकेली धेरी माग
सीकस पु० ऊपर, खारा जमीन
सीकाकाई स्त्री० शिकाकाईनु झाड
सीकुर पु० घउ मकाई वगेरेना डूडाने
छेडे हाय छे ते फूमताना रेसा
सीख स्त्री० शीख सलाह, शिखामण
—लेना=शीखवु [पातळा सळियो
सीख स्त्री० [फा] लाढानी शीख—
सीखचा पु० [फा] सळियो
सीखना स०क्रि० शीखवु [पुरुष
सीगा पु० [अ] भाग ख्यातु (२) (व्या)
सीज(—झ) स्त्री० सीझवु ते (जुओ
सीजना') [(२) मधावु
सीज(—झ)ना अ०क्रि० सीझवु चडवु
सीट स्त्री० गप्पु मारवु ते (२)[इ] बेठक
सीटना स०क्रि० गप्पु मारवु ठोकवु
सीटपटांग स्त्री० गप डिग
सीटी स्त्री० सिसोटी —दना=सीटी
वगाडवी
सीठना पु०, सीठनी स्त्री० फटाणु
सीठा वि० फाकु नीरस
सीठी स्त्री० कूचा रस काढ्या पछीना
रहेता कूचा, नि सत्त्व चीज
सीड स्त्री० भीनाश के भीनाशभूमि
सीढी स्त्री० सीडी, निसरणी
सीतलपाटी स्त्री० एक उमदा जातनी
सुवाळी चटाई (२) एक जातनु कपडु
सीतल बुकनी स्त्री० सत्तु (२) सतवाणी
सीताफल पु०[स] सीताफळ, 'शरीफा'
सीत्कार पु० [स] सिसकारो
सीथ पु० (प) भातना दाणा
सीद पु०[स] व्याज खावु ते, व्याजवट्टु
सीदना अ०क्रि० दु खी थवु
सीध स्त्री० सीधु होवु ते (२) निशानी
सीधा वि०(२)पु० सीधु सीधी उँगलियों
घी नहीं निकलता=ढीलाशथी काम
नथी सरतु सीधी सुनाना=सीवसाधु
—रोकडु सभळाववु
सीधा-सादा वि० भोळु सरळ
सीधे अ० सीधी रीते सीधु
सीन पु०[इ]दृश्य ०सीनरी स्त्री० नाटक
नी रंगभूमिनो शणगार, सजावट इ
सीना स०क्रि० सीववु —पिरोना=
सिलाई के भरतकाम वगर करवु
सीना पु० [फा] सीनो, छाती
सीना-जोर वि० [फा] शिरजोर,
जबरदस्त (नाम, —री)
सीना-बंद पु० [फा] स्त्रीनो चाळी
सीना-सिपर अ०[फा] सामी छातीए
सीनियर वि० [इ] मोटु उपरनु
(दरज्जा के वयमा)

सीनी स्त्री० [फा] थाळी तासक
सीप पु० छीप के तनी अदर रहेतो जतु
सीप सुत, सीपिज प० मोती
सीपी स्त्री० सीप छीप
सीमत पु०[स] स्त्रीना सथा पाता (२) अघरणी (३) सीमानी लीटी (४) शरीरना हाडकाना साधो –तिनी स्त्री० स्त्री नारी [धनदोलत
सीम स्त्री० [फा] रूप चादी (२)
सीम,–मा स्त्री० सीमा हद –वाडना, –चरना,–चापना = पारकानी जमीनन् दबाण करवु
सीमाब पु० [फा] पारो
सीमित वि० सीमावाळु मर्यादित
सीमी वि० [फा] 'सीम –चादीनु
सीमोल्लघन पु० [स] सीमा के हद ओळगवी ते
सीय स्त्री० 'सिय' सीता
सीर स्त्री० सहियारी केजेमा जमीनन्धार पाते जात खेती करतो होय एवी जमीन (२) रक्तगिरा (३) पु० [स] हळ –में = एकमाथे मळीने
सीरत स्त्री०[अ] प्रकृति टेव (२) गुण विशेषता –न अ० स्वभाव के गुणथी
सीरनी स्त्री० 'शीरीनी मीठाई
सीरा पु० [फा शीर] चामणी (२) शीरा
सील स्त्री० 'सीड जमीननी भीनाश(२) पु० [इ] सील महोर
सीला पु० सिला [उछ(२)वि० भीनु
सीवक पु० [स] सीवनार दरजी
सीवन पु०,स्त्री०[स] सावबु ते सिलाई
सीवनी स्त्री० [स] नाथ
सीस पु० शीश माथ (२) [स] सीसु
सीस(०क) [स] सीसा पु० नामु धातु
सीसम पु० शीशम लाकडु
सीसमहल प० जुओ शीशमहल
सीसा प० सीस (२) (प) 'शीशा' काच
सीसी स्त्री० सीसका
सीसो पु० सीसम शीशम
सीह पु० जुआ 'साही [प्रत्यय
सु (प) 'सा –जी के ५मी विभक्तिना
सुघनी स्त्री० छीकणी [प्रेरक
सुघाना स०क्रि० सघाडवु सूघना नु
सुडमुसुड प० (प) हाथी
सुडा स्त्री० सूढ –ल पु० हाथी
सुदर वि० [स] रूपाळु (२) सारु –री स्त्री० सुदर स्त्री
सुधिया स्त्री० सूढिय जार
सुबा पु० वादळी (२) तोपनी नळी पर बीटाळात कपड ( ) गाढामा काणु पाडवानु ओजार
सुअ(–व)न पु० (प) सुत पुत्र
सुअर पु० सूअर सूवर भूड
सुआ पु० सूआ सूडा पोपट (२) सोया मोटा सोय
सुआमी पु० (प) स्वामी
सुआ(–वा)र पु० (प) रसोइया
सुआसिन(–नी) स्त्री० (प) सुवासण
सुई स्त्री० 'सूई सोय
सुकडना अ०क्रि० जुओ सिकुडना'
सुकर वि० [स] सहेल सुसाध्य
सुकरात पु० सॉक्रेटीस
सुकूत पु० [अ] मौन ख मोशी(२)शाति
सुकून पु० [अ] स्थिरता(२)मननी शाति
सुकूनत स्त्री० [अ] जुआ सकूनत
सुकृत,–त्य पु० –ति स्त्री० [स] पुण्य शुभ कर्म
सुक्कान प० [अ] 'सुकान पतवार'

सुखडी वि० सुक्कडा (२) पु० जमा बाळक सुकाई जाय एवो एक बाळरोग
सुख पु० [स] सुख, चेन, आराम ०कर, ०द वि० सुख करे के आपे एवु
सुखदास पु० एक अनाज
सुख(-खु)न पु० जुओ 'सखुन'
सुखमन स्त्री० (प) सुषुम्णा नाडी
सुखलाना, सुखाना स०क्रि० सुकाववु
सुखारा,-री वि० (प) सुखी
सुखाला वि० (प) सुखदायी
सुखावह वि० [स] सुखद
सुखिआ, -या, सुखी वि० सुखियु
सुखुन पु० जुओ 'सखुन
सुगध पु० [स] सुवास खुशबो
सुगधि,-धी पु० [स] सुगध (२) वि० सुगधीदार
सुगधित वि० [स] सुगधीदार
सुगधी वि० (२) पु० जुओ 'सुगधि'
सुगत पु० [स] बुद्ध भगवान
सुगति स्त्री० [स] सारी शुभ गति
सुगना, सुग्गा पु० तोतो पोपट
सुगम वि० [स] सहेलु आसान
सुगुरा पु० सदगुरु पासेथी मत्र पामेल
सुग्गा पु० पोपट शुक [सुसाध्य
सुघट वि० [स] सुदर (२) सुकर
सुघटित वि० [स] सुदर सुघड
सुघड(-र) वि० सुघड सुदर (२) निपुण ०ता स्त्री०
सुघडा(-रा)ई, स्त्री० सुघडापा पु० सुघडता, सुदरता (२) निपुणता
सुचाना स०क्रि० ('सोचना'नु प्रेरक) विचारवा प्रेरवु (२) सूचववु
सुचाल स्त्री० सदाचार (वि०, -ली)
सुचित (प), -त्त [स] वि० निश्चित शात (२) निरातवाळु (३) एकाग्र
सुचेत वि० सचेत सावध
सुजन पु०[स] सज्जन (२) (प) स्वजन
सुजनी स्त्री० [फा सोजनी] एक जातनु बिछानु
सुजातिया वि० (प) स्वजातिनु
सुजान वि० सुजाण शाणु (२) पु० (प) प्रभु (२) पति के प्रेमी
सुज्ञ वि० [स] समजणु (२) विद्वान
सुझाना स०क्रि० सुझाडवु बताववु
सुझाव पु० सुझाडवु ते, सूचना, सलाह
सुठ,-ठार,-ठि वि० (प) सुष्ठु सुदर
सुडकना अ०क्रि० सड अवाजनी साथे खेचवु, लेवु पीवु वगेरे
सुडसुडाना अ०क्रि० सड सड करवु (जेम के नाकनु के हूकान)
सुडौल वि० सुदर सुघटित
सुढग पु० सारो ढग (२) वि० 'सुढग वाळु ढगीलु
सुढर वि० (प) दयाळु (२) सुदर
सुढार,-रु वि (प) सुदर सुघड
सुत पु० [स] पुत्र
सुतरा अ० [स] तेथी (२) अति खूब
सुतरी(-ली) स्त्री० सूतळी दोरी
सुत(-तु)ही स्त्री० जुओ 'सुतुही'
सुता स्त्री० [स] पुत्री
सुतार पु० सुथार (२) मगवड (२) वि० अच्छु उत्तम [सुतारकाम
सुतारी स्त्री० मोचाना सोयो (२)
सुतुही स्त्री० सीप
सुतून पु० स्तभ थाभलो
सुथना पु०, सुथनी स्त्री० जुओ 'सूथन'
सुथरा वि० सूथरु स्वच्छ साफ

सुदशन पु० [स] सुदशन चक्र (२) वि० सुदर
सुदि,-दी स्त्री० अजवाळियु
सुदूर वि० [स] घणु दूर
सुद्दा पु०, सुद्दी स्त्री० [अ सुद्द] पटना जूना सूका मळ
सुद्धा(-द्धा) अ० सुध्धा समत साथे
सुध स्त्री० सूध सुधबुध=सूधबूध भान
सुधरना अ०क्रि० सुधरव
सुधराई स्त्री० सुधरवु ते सुधारो (२) सुधारखानी मजूरी [धार्मिक
सुधर्मा,-र्मी वि० [स] धमपरायण
सुधवाना अ०क्रि० सुधरावव
सुधा स्त्री०[स] अमृत (२) पाणी (३) पृथ्वी (४) दूध (५) पुत्री के पुत्रवधू (६) घर (७) मध (८) चूना
सुधाई स्त्री० सीधापणु
सुधाकर पु० [स] चद्र [छोनार)
सुधाकार पु० [स] कडियो (चूनाथी
सुधार पु० सुधारो ०क पु० सुधारो करनार [(प) सुधारनार
सुधारना स क्रि० सुधारवु (२) वि०
सुधारा वि० (प) सीधु, निष्कपट
सुधी पु० [स] विद्वान पडित
सुन वि० जुओ 'सुन [सम भद
सुन गुन स्त्री० उडती वात अफवा (२)
सुनति स्त्री० (प) सुनत
सुनना स०क्रि० सुणवु साभळवु
सुनबहरी स्त्री० हाथीपगानो राग
सुनवाई स्त्री० साभळवु ते (२) सुनावणी
सुन(-न)सान वि० सूमसाम निजन के उज्जड (२) पु० 'सन्नाटा' सूमसाम
सुनहरा(-री,-ला) वि० सोनेरी
सुनाई स्त्री० जुओ 'सुनवाई'
सुनाना स०क्रि० सभळाववु
सुनार पु० सोनी (स्त्री० -रिन,-री)
सुनारी स्त्री० सोनारण (२) सोनीकाम ( ) [स] सारी सुदर स्त्री
सुनावनी स्त्री० मृत्युनी खबर आववी ते के ते आव्ये करातु स्नान
सुन्न पु० शून्य मीडु (२) वि० निश्चेष्ट, अचेत [धमक्रिया
सुन्नत स्त्री० [अ] एक मुसलमानी
सुन्नमान वि० जुओ सुनसान
सुन्ना पु० शून्य मीडु [सप्रदाय
सुन्नी पु० [अ] एक मुसलमान धम
सुपक वि० (प) जुओ सुपक्व
सुपक्व वि० [स] सारी रीते पक्व (२) पु० पाको केरी
सुपच पु० (प) श्वपच चाडाळ
सुपत वि०(प) सारी पतवाळु प्रतिष्ठित
सुपथ पु० [स] सारो रस्तो सदाचार
सुपन(-ना) प० सपनु -नाना अ०क्रि० (प) स्वप्न आववु
सुपरडट, सुपरिटेंडेंट [इ] पु० कचेरी के खाताना अध्यक्ष अमलदार
सुपात्र पु० [स] योग्य व्यक्ति
सुपारी स्त्री० सोपारी
सुपास पु० आराम सुख निरात
सुपुत्र पु० [स] (सारो) पुत्र सपूत (२) वि० सुपुत्रवाळु
सुपुद, सुपुदगी जुओ 'सपुद', सपुदगी
सुपूत पु० सपूत -ती स्त्री० सपूत होवु ते (२) सपूतवाळी स्त्री
सुपेत,-द वि० सफेद -ती,-दी स्त्री० सफेदी
सुपदा पु० सफेदो

सुप्त वि० [स] सूतलु, ऊघेलु -प्ति स्त्री० ऊघ शयन
सुफरा पु० [अ] दसतरखान (२) 'ट्रे', मोटी परात [सुपद, -दी'
सुफेद वि०, -दी स्त्री० जुआ अनुक्रम
सुफूफ पु० [अ] जुआ 'सफूफ' चूर्ण
सुबह स्त्री० [अ] सवार प्रात काळ ०दम, ०सवेरे, ०सुबह अ० वहेली सवारे
सुबहा स्त्री० जपमाळा
सुबहान वि० [अ] पवित्र -अल्ला, -तेरी कुदरत=हर्ष के अचबो प्रगट करनारु सबोधन - वाह! धन्य!
सुबास(०ना) स्त्री० सुवास सुगध
सुबि(-बि)धा स्त्री० सगवड अनुकूळता
सुबिस्ता, सुबीता पु० जुआ 'सुभीता'
सुबुक वि० [फा] हलकु, कम वजननु (२) सुदर रूपाळु
सुबुक दस्त वि० [फा] फूर्तिलु, चपळ
सुबुकी स्त्री० [फा] हल्कापणु (२) अपमान तुच्छकार [घडा (गरावली)
सुबू स्त्री० जुआ 'सुबह' (२) पु० [फा]
सुबूत पु० जुआ 'सबूत
सुबोध वि० [स] सुबुद्धिवाळु (२) समजवु सहेलु (३) पु० सारो बोध के समज
सुभग वि० [स] सुदर मनोरम (२) भाग्यवान (३) सुखद
सुभट पु० [स] मोटो योद्धो
सुभाइ(-उ, य, व) पु० (प) स्वभाव
सुभाग,-गी,-ग्य [स] सारा भाग्यवाळु नसीबदार
सुभान, ०अल्ला जुआ 'सुबहान
सुभाय,-व पु० (प) स्वभाव
सुभाय,-यी वि० [स] मारु मीठु
सुभाषित पु०[स] सारो बोल के वचन
सुभिक्ष पु० [स] सुकाळ
सुभीता पु० सरळता, सगाई (२) सुयोग, सवड अनुकूळता
सुम पु० [फा] पशुनी खरी 'टाप
सुमति स्त्री० [स] सारी बुद्धि
सुमन पु० [स] फूल
सुम(-मि)रन पु० (प) स्मरण
सुम(-मि)रना स०क्रि० (प) स्मरवु
सुम(-मि)रनी स्त्री० नानी (२७ दाणानी) जपमाळा
सुयश पु० [स] सारी कीर्ति, नामना
सुयोग पु० [स] सारो मोको, जोग
सुरग वि० [स] सदर, सारा रगवाळु (२) पु० सारो रग (३) हिंगळोक (४) स्त्री० फूटती के फोडवानी सुरग (५) चारनु खातर
सुर पु० [स] देव
सुर पु० सूर अवाज -में सुर मिलाना= हाजी हा करवु गायु गावु
सुरअत स्त्री०[अ] तेजी स्फूर्ति जल्दी
सुरकना स०क्रि० सीसका साथ खचवु
सुरख,-खा वि० जुओ 'सुर्ख
सुरखाब पु० [फा] 'चकवा' चातक -का पर लगना=विशेषता होवी
सुरखी स्त्री० ईंटना चूरा-मिश्राळो (२) जुआ 'सुर्खी
सुरज पु० (प) सूरज सूर्य
सुरत पु० [स] रतिक्रीडा
सुरत(-ता) स्त्री० ध्यान सरत
सुरती स्त्री [illegible] जरदो-तमाकु
सुरदार [illegible]
धुनी [illegible]
पु० [illegible]

सुरपुर पु० [सं] देवलोक स्वर्ग
सुरबहार पु० एक तंतुवाद्य
सुरभि पु० [सं] वसंत ऋतु (२) स्त्री० गाय (३) सुगंध (४) वि० सुवासित (५) सुंदर ०त वि० सुगंधादार
सुरभी स्त्री० [सं] सुगंध (२) गाय
सुरमई वि० [फा] सुरमाना रंगनुं भूरुं नील (२) स्त्री० एक पक्षी (३) पु० 'सुरमई' रंग
सुरमचू पु० सुरमो आंजवानी सळी
सुरमा पु० [फा] आंखनो सुरमो -देना, -लगाना = सुरमो आंजवो
सुरमादानी स्त्री० सुरमो राखवानी शीशी के तेनुं पात्र
सुर(०व)स पु० ताणा करवानी पातळी लाकडी (जेनाथी जाग नखाय छे)
सुरसती स्त्री० (प) सरस्वती
सुरसरि, ०त, ०ता, -री स्त्री० गंगानदी
सुरसुराना अ० क्रि० सरसर (इयळ के पट) चालवुं (२) खजवाळ आववी (नाम, -हट स्त्री०)
सुरा स्त्री० [सं] मद्य दारू ०घर पु० दारूनी भठ्ठी ०वार पु० दारू गाळनार कलाल
सुराख पु० छेद काणुं
सुराग पु० [तु] भाळ पत्तो
सुरागरसा वि० भाळ काढनार
सुराज,-ज्य पु० [सं] सारुं राज्य (२) स्वराज्य
सुराप,-पी वि० दारू पीनार
सुराही स्त्री० [अ] माटलो सुराई ०दार वि० सुराईना घाटनुं
सुरीला वि० सुरीलुं मधुर
सुरख वि० प्रसन्न राजी (२) 'सुर्ख'
सुरखरू वि० जुओ सुरख
सुरूर पु० [फा] आनंद (२) नशानी आछी लहेर - [illegible]
सुरत(-ति) स्त्री० ख्याल
सुर्ख वि० पु० [फा] लाल (२) लाल रंग (३) रतो [illegible] (४) प्रतिष्ठित
सुर्खरू वि० [फा] तेजस्वी (२) यशस्वी
सुर्खी स्त्री० [फा] लाली (२) लेख वगेरेनुं मथाळुं (३) लोही
सुर्ता वि० समजु होशियार
सुलग अ० [illegible] (सुलगाना)
सुलगना अ० क्रि० सळगवुं लागवुं (प्रेरक
सुलझन स्त्री० सूत्र उकेल (गूंचनो)
सुलझना अ० क्रि० रस्तो सूझवो गूंच उकलवी (प्रेरक सुलझाना)
सुलझाव पु० जुओ सुलझन
सुलटा वि० सूलटुं
सुलतान पु० [अ] महाराजा बादशाह -ना स्त्री० सुलताननी बेगम के माता -नी वि० सुलताननुं (२) स्त्री० बादशाही (३) एक रेशमी वस्त्र
सुलफ वि० नरम मुलायम लचीलुं
सुलफा पु० [फा] सुल्फो नशावाळी तमाकु (२) चरस
सुलफेबाज वि० गांजो या चरस पीनार
सुलभ वि० [सं] सहेलाइथी मळे एवुं (२) सुगम सरळ
सुलह स्त्री० [अ] सुलेह संधि ०नामा पु० सुलेहनामुं कोलकरार
सुलाना स० क्रि० सोनानुं प्रेरक सुवाडवुं
सुलेमान पु० [अ] यहूदीओना प्रसिद्ध राजा सालोमन -नी वि० सुलेमान [illegible] (२) पु० एक जातनो घोडो

सुवन,-नारा पु० (प) जुओ 'सुजन'
सुवण पु० [स] सोनु (२) वि० सारा वे गानेरी रगनु
सुवा पु० सूडा पोपट
सुवार प० (प) जुओ 'सुआर'
सुवास पु०[स] सुगध (२) सुदर घर
सुवासित वि० [स] सुगधीदार
सुवासिनी स्त्री० सुवासण स्त्री (२) पियेर रहेती युवती स्त्री
सुविधा स्त्री० जुओ 'सुविधा'
सुशील वि०[स] शीलवान,चारित्र्यवान
सुश्रूषा स्त्री० [स] सेवाचाकरी
सुषमना,-नि स्त्री०(प) सुषुम्णा नाडी
सुषमा स्त्री० [स] परम शोभा
सुषुप्ति स्त्री० [स] निद्रानी दशा
सुषुम्ना स्त्री० [स] एक नाडी (योगमा)
सुष्ट वि० दुष्ट नहि एवु भलु नेक
सुष्ठु अ० [स] ठीक सारी रीते
सुसग पु० [स] सत्सग सारी सोबत
सुसगत वि० [स] बराबर सगत सयुक्तिक -ति स्त्री० सारी सोबत (२) सगतता
सुस,-सा स्त्री० (प) बहेन
सुसकना अ०क्रि०(प) जुओ 'सिसकना'
सुसताना अ०क्रि० श्वास के थाक खावा आराम करवो
सुसर(-रा) पु० ससरो
सुसराल स्त्री० 'ससुराल' सासरी
सुसा स्त्री० जुओ 'सुस
सुस्त वि० [फा] कमजोर दुबळ (२) मद आळसु ढीलु
सुस्ताना अ०क्रि० जुओ 'सुसताना
सुस्ती स्त्री० [फा] सुस्तपणु
सुस्थ वि०[स] स्वस्थ तदुरस्त(२)सुख
सुहेगा वि० सापु सस्तु
सुहबत स्त्री० सोबत, 'सोहबत'
सुहबती पु० सगाती मित्र
सुहाग पु० सुहाग, सौभाग्य (२) लग्न प्रसगनु वरनु वस्त्र के वरपक्षनी स्त्रीओनु गीत -उतरना=सौभाग्य टळवु, विधवा थवु
सुहाग(-गि)न स्त्री० सुहागण, सौभाग्यवती
सुहागा पु० टकणखार (२) साहागा', समार
सुहागिन(-नी) जुओ 'सुहागन'
सुहाता वि० समाय एवु, सह्य (२) मजेदार (३) काकरवरणु (पाणी)
सुहाना अ०क्रि० साहावु शाभवु (२) फाववु, सारु लागवु
सुहाया वि० (प) सोहीतु, शाभीतु
सुहारी स्त्री० पूरी
सुहाल पु० एक पक्वान
सुहावना वि० सोहामणु सुदर (२) अ०क्रि० जुओ सुहाना'
सुहृद पु० [स] मित्र
सुहेला वि० सोहलु शाभीतु सारु
सूघना स०क्रि० सूघवु
सूघा पु० पाणी सूघा सूघीने जमीननु पाणी बतावनार (२) जासूस
सूठ स्त्री० 'सोठ' सूठ
सूड स्त्री० हाथीनी सूढ
सूस स्त्री० जुओ 'सूस'
सू अ० [फा] तरफ भणी बाजु
सूअर पु० सूवर शूकर भूड ०नी, -री स्त्री० तेनी मादा भूडण
सूआ पु० सोयो (२) पूक सूडा

सूई स्त्री० सोय (२) घडियाळना जेवो कोई पण काटा –का फावडा या भाला बनाना=रजनु गज करवु सूइया नाज पिरोना=बहु कजूसी करवी
सूकर पु० [स] सूअर, भूंड –री स्त्री०
सूका पु० पावली (२) वि० सूकु –की स्त्री० लाच
सूक्त पु० [स] वेदन सूक्त–मत्रोनु जूथ (२) सुवाक्य (३) वि० सारी रीते कहेलु
सूक्ति स्त्री० [स] सुवाक्य सारो बोल
सूक्ष्म वि० [स] बारीक झीणु ०दर्शक यत्र पु० सूक्ष्म पदार्थ जोवानु यत्र ०दर्शी वि० तीणु जोई शकनार, कुशाग्रबुद्धि
सूखना अ०क्रि० सुकावु
सूखा वि० सूकु शुष्क लूखु (२) पु० सुकवणु, दुकाळ (३) सूको जरदो (४) पाणी वगरनी सूकी जगा
सूचक वि० [स] सूचवतु बतावतु (२) पु० सोय (३) दरजी [चेतवणी
सूचना स्त्री० [स] सूचववु ते नोटिस
सूचि स्त्री० [स] सोय (२) इस्टापडी कडी (३) यादी [सूढ
सूचिका स्त्री० [स] सोय (२) हाथीनी
सूचित वि० [स] सूचवायेलु
सूची पु० [स] चाडियो के गुप्तचर (२) स्त्री० सोय (३) यादी
सूच्यार्थ पु० [स] व्यग्यार्थ
सूजन(–नी) स्त्री० सूज सोजो –ना अ०क्रि० सूजवु फूलवु
सूजा पु० 'सूआ', सोयो
सूजाक पु० [फा] एक मूत्ररोग
सूजी स्त्री० रवो जाडा लोट (२) सोय (३) पु० दरजी
सूझ-बूझ स्त्री० समज, सूझ
सूझना अ०क्रि० सूझवु, देखावु
सूट पु० [इ] पहेरवानु 'सूट'–कोटपाटलून
सूत पु० सूतर (२) दोरा
सूतक पु० [स] प्रसव, जन्म (२) अशौच (जन्म-मरणनु) –की वि० सूतकवाळु
सूतना अ०क्रि० (प) सूवु
सूता पु० 'सूत' सूतर (२) स्त्री० [स] प्रसूता स्त्री
सूतिका स्त्री० [स] सुवावडी ०गार, ०गृह, ०भवन पु० प्रसूतिगृह
सूती वि० सूतरनु (२) स्त्री० सीप
सूत्र पु० [स] सूतर दोरो (२) टूक वचन के वाक्य (३) तत्र, व्यवस्था
सूत्रकार पु० [स] सूत्र रचनार (२) सुथार (३) वणकर [मुख्य नट
सूत्रधार पु० [स] नाटकनो नायक,
सूत्रपात पु० [स] शरूआत
सूथन(–नी) स्त्री० स्त्रीओनी सूथणी
सूथार पु० सुथार
सूद पु० [फा] लाभ (२) व्याज –दर सूद=व्याजनु व्याज
सूदी वि० व्याजुकु
सूधा वि० (प) सीधु
सूधे अ० (प) जुओ 'सीधे'
सून पु० [स] प्रसव (२) पुत्र, फळ, कळी इ० (३) (प) शून्य (४) वि० सूनु ०सान वि० जुओ 'सुनसान'
सूना वि० सूनु (२) पु० एकात जगा (३) स्त्री० [स] पुत्री
सूप पु० सूपडु (२) [स] सूप–एक पेय वानी ०क, ०कार पु० रसोइयो ०डा पु० सूपडु
सूफ पु० [अ] ऊन के गरम कपडु (२) काळी शाहीना खडियामा रखातु कपडु

सूफियाना वि०[फा] जुओ 'सोफियाना'
सूफी पु० [अ] सूफीवादी माणस (२) सादो साधु माणस
सूबा पु०[फा] प्रांत देशनो भाग (२) सूबो, सूबेदार –ेदार पु० सूबो (२) अमुक दरज्जानो पोलीस के सैनिक
सूम,०ड़ा वि० कंजूस
सूर पु० सूरदास (२) वि० शूर (प) (३) पु० सूवर (४) [अ] कयामतने दिवसे वागनारुं एक वाजुं (५) [फा] खुशी, आनंद (६) लाल रंग
सूरज पु० सूर्य ०मुखी पु० एक फूल (२) एक जातनुं दारूखानुं –को दीपक दिखाना = स्वयं जे प्रसिद्ध के गुणी होय तेनो परिचय कराववो –पर थूकना या धूल फेंकना = निर्दोष के पवित्रने लांछन लगाडवुं
सूरत स्त्री० [अ] शिकल, रूप (२) रस्तो, उपाय (३) हाल दशा –दिखाना = मों बताववुं सामे आववुं –बनाना = रूप काढवुं, वेश बदलवो (२) मों मरडवुं –बिगडना = चहेरो फीको पडवो निस्तेज थवुं [बाह्यत
सूरतन अ० [अ] देखवामां उपरथी,
सूरत परस्त वि० [फा] सौंदर्य-पूजक (२) बुत परस्त [पण उपरथी देखावडुं
सूरत हराम वि० [फा] अंदरथी निस्सार
सूरति स्त्री० (प) सूरत (२) स्मृति
सूरन पु० सूरण
सूरमा (–वाँ) पु० शूर, वीर योद्धो
सूरा पु० सूरदास अंध (२) अनाजमां पडतुं एक जीवडुं (३) [अ] कुराननुं प्रकरण
सूराख पु० [फा] सुराख छिद्र
सूर्य पु०[सं] सूरज –ग्रस्त पु० सूर्य आथमे ते –र्योदय पु० सूर्य ऊगे ते
सूल पु० शूळ, मूळ
सूली स्त्री० शूळी (२) फांसी
सूस (०मार) पु० 'सूस' एक जळचर
सूहा पु० एक जातनो लाल रंग (२) एक संकर राग (३) वि० लाल
सृगाल पु० [सं] शियाळ (२) डरपोक के दुष्ट माणस
सृजक वि० (प) सर्जक पेदा करनार
सृजन पु० (प) सृष्टि, सर्जन ०हार पु० सर्जनहार
सृजना स०क्रि० (प) सरजवुं, पेदा करवुं
सृष्ट वि० [सं] सरजेलुं रचेलुं (२) त्यजेलुं
सृष्टि स्त्री० [सं] जगत, विश्व (२) सर्जन (३) त्याग
सेंक स्त्री० शेक, शेकवुं ते
सेंकना स०क्रि० शेकवुं
सेंगर पु० शाकनी एक फळी के तेनो एक छोड (२) बावळनी परडी (३) एक अनाज (४) एक रजपूत जात
सेंत स्त्री० खर्च वगर – मफत थवुं ते
सेंतमें, सेंत मेंत अ० मफत (२) व्यर्थ
सेंदुरा वि० सिंदूरियुं (२) पु० सिंदूरनी डबी [फूल झाड
सेंदुरिया वि० सिंदूरियुं (२) पु० एक
सेंदूर पु० सिंदूर –चढ़ना = स्त्रीए परणवुं
सेंध स्त्री० दीवालमां खातर पडे ते बाकुं –लगाना = कोचीने खातर पाडवुं
सेंधना अ०क्रि० भीतमां खातर पाडवुं
सेंधा पु० सिंधव
सेंधिया वि० खातर पाडु (चोर) (२) पु० ग्वालियरनो सिंधिया

सेंवई स्त्री॰ घउनी शेव
सेंहुड पु॰ जुओ 'सेहुंड'
सेकंड पु॰[इ] पळ मिनिटनो ६०मा भाग
सेक पु॰ [स] माचवु – छाटवु त
सेक्रेटरी पु॰ [इ] मंत्री [कचेरी
सेक्रेटेरियेट पु॰[इ] सरकारी मंत्रीओनी
सेख पु॰ (प) शेष (२) शंख
सेखा पु॰ सींगा', विभाग
सेज,–ज्या स्त्री॰ (प) शय्या, पथारी
सेजपाल पु॰ शयनगृहनो रक्षक
सेटना स॰क्रि॰ गणतरीमा लेवु मानवु
सेठ पु॰ शेठ (स्त्री॰ –ठानी)
सेढ़ पु॰ (वहाणनु) सढ
सेढा पु॰ शेडा लींट
सेतु पु॰ [स] पुल बध
सेन पु॰ श्येन बाज (२) स्त्री॰ (प) सैन्य
सेना स्त्री॰ [स] सैन्य ॰नी, ॰पति पु॰ सेनाधिपति
सेना स॰क्रि॰ (प) सेववु
सेनी स्त्री॰[फा] अमुक थाळी के रकाबी
सेनी स्त्री॰(प) बाजनी मादा (२) श्रेणी
सेनेट स्त्री॰ [इ] जुओ 'सिनेट
सेफ पु॰ [इ] तिजोरी
सेब पु॰ [फा] सफ, सफरजन 'सेव
सेम पु॰ पापडी के वालोळ
सेमई स्त्री॰ सेंवई सेव (घउनी) (२) वि॰ आछा लाला रंगनु
सेमर पु॰ कळण भूमि (२) (प) जुओ 'सेमल
सेमल पु॰ शाल्मली झाड
सेमा पु॰ मोटी पापडी के वालोळ
सेर पु॰ शेर (वजन) (२) शेर सिंह (३) वि॰ [फा] तृप्त संतुष्ट
सेरवा पु॰ 'सेरा –खाटलानु नानु लाकडु
सेरा पु॰ खाटलानु माथा आगळनु लाकडु (२) पायेली जमीन
सेराना अ॰क्रि॰ (प) ठडु थवु ठरवु (२) मरवु
सेराब वि॰ [फा] पाणीथी तरबोळ, पाणी पीधेलु
सेरी पु॰ (प) शेरी रस्तो (२) स्त्री॰ [फा] तृप्ति, मनाप
सेल पु॰ बरछो भालो
सेला प॰ सेलु शालु
सेली स्त्री॰ नानो 'सेल –भालो (२) योगी साधु इ नी गळानी एक माळा
सेव पु॰ चणानी सेव(२)'सेब' सफरजन (३) स्त्री॰ (प) सेवा
सेवइ स्त्री॰ जुओ सेंवई'
सेवक पु॰ [स] सेवा करनार
सेवकाई स्त्री॰ सेवा
सेवती स्त्री॰ [स] धोळा गुलाबनो छोड
सेवन पु॰ [स] सेववु – सेवा करवी ते
सेवा स्त्री॰ [स] चाकरी (२) पूजा
सेवा टहल स्त्री॰सेवा चाकरी खिदमत
सेवाधारी पु॰ पूजारी
सेवा-बदगी स्त्री॰ पूजापाठ सेवापूजा
सेवार(–ल) स्त्री॰ शेवाळ
सेविंग(–ग्स) बैंक पु॰ [इ] बचत राखवानी बैंक
सेविका स्त्री॰ [स] सेवक स्त्री
सेवी वि॰ [स] सेवन करनार
सेवैया स्त्री॰ सेवोनो दूधपाक
सेव्य वि॰ [स] सेवापात्र
सेशन पु॰ [इ] अधिवेशन, बेठक (२) सत्र (३) सेशन कोरट–कचेरी
सेसर पु॰ पत्तानी एक बाजी (२) जाळ
सेसरिया पु॰ जाळमा फसावनार, कपटी

सेह वि० [फा] त्रण (प्राय समासमा) ०खाना पु० त्रण माळनु मकान ०पाई स्त्री०, ०पाया पु० तिपाई
सेहत स्त्री० [अ] आरोग्य (२) रोगमाथी मुक्ति (३) सुखचेन, राहत (४) (भूलोनी) शुद्धि
सेहत-खाना पु० पायखानु
सेहत नामा पु० शुद्धिपत्रक
सेह-माही वि० त्रमासिक
सेहर पु० [अ सिहर] जादु, इद्रजाळ
सेहरा पु० वरराजानो खूप —रे जलवेकी वि० परणेतर
सेहशबा पु० [फा सिहशब] मगळवार
सेही स्त्री० [स सेधा] 'साही' साहुडी
सेहुँड पु०, सेहुँडा स्त्री० 'सेंहुड', थोर
सेहुआँ पु० एक चमरोग, करोळिया
संगर पु० बावळनो परडो
संतना स०क्रि० (खतथी) एकठु करवु
सैंतालि(-ली)स वि० सुडताळीस ४७
सैंति(-ती)स वि० साडत्रीस ३७
सैंदूर वि० [स] सिंदूरना रगनु
सैंधव पु० [स] सिंधव (२) सिंधनो निवासी के घोडो (३) वि० सिंधनु के सिंधु-समुद्रनु
सै पु० [स शत, प्रा सय] गुजराती 'सें —सो जेम वपराय छे उदा 'सोरह सैं इकतीस'
सैकडा पु० सेंकडो सको
सैंकडे अ० सेंकडे 'प्रति शत'
सैकडो वि० सेंकडो अनक सो (२) घणु
सैकत वि० [स] रेताळ रेतीनु [काम
सैकल पु० [अ] सिकलीगर-सराणियानु
सैक़लगर पु० [अ] सराणियो सिक्लीगर
सैथी स्त्री० वरछी, भालो
सैद पु० शिकार (२) [अ] सैयद
सैदानी स्त्री० सयद स्त्री
सैन स्त्री० (प) इशारो (२) सन्य (३) श्येन, बाज
सैनभोग पु० मदिरोनो शयनभोग
सैनासैनी स्त्री० सामसामे इशारा करवा ते
सैनिक पु० [स] योद्धो सिपाही (२) वि० सेना विषेनु [(प) सन्य
सैनी पु० 'नाई' वाळद (२) स्त्री०
सैनू पु० एक जातनु कपडु
सैन्य पु० [स] सेना, फोज
सैफ स्त्री० [अ] तलवार
सैफा पु० [फा] कागदीनु एक ओजार
सैयद पु० [अ] नेता सरदार (२) पेगबरनो वशज, ते जातिनो माणस —वा, —दानी स्त्री० सयद स्त्री
सैया पु० स्वामी
सैयाद पु० [अ] शिकारी [करनारो
सैयार पु० [फा] खूब सर-सहेल
सैयारा पु० [अ] (आकाशना) ग्रह
सैयाल वि० [अ] प्रवाही पाणी जेवु
सैयाह वि० [अ] यात्री सफर करनार
सैयाही स्त्री० [अ] सफर यात्रा
सैर स्त्री० [फा] सेर मोज खातर फरवु ते सहेल (२) मजा आनद (३) मोज खातर पयटन जवु ते
सैरगाह पु० स्त्री० सहेल करवानी मजानी सुदर जगा
सैर सपाटा पु० सहेलसपाटा
सैल पु०, स्त्री० [अ] प्रवाह वहेण
सैला पु० फाचरो (२) फाचर के चीर (३) दडो दस्तो
सैलानी वि० सहेलाणी लहेरी

सलाव पु० [फा] रेल (पाणीनी)
सलावा पु० पाणीमा डूबी गयेलो पाव
सलाबी स्त्री० [फा] भीनाश (२) नदीनी रेलथी सींचाती जमीन (३) रेल (४) वि० रेल संबंधी
सली स्त्री० नानो 'सला' (जुओ 'सला')
सें प्रत्यय 'से' या 'सें'नु पद्यनु रूप
सेंचर-नमक पु० संचळ [ऊंडीदार
सेंटा पु० सोटो लाठी ०बरदार पु०
सेंठ स्त्री० सूंठ -ठौरा पु० सुवावडमा खवाती सूठ वसाणानी एक वानी
सेंध (-धा) वि० सुगंधीदार (२) पु० एक सुगंधी पदार्थ (तेलमा नखातो)
सोंपना स०क्रि० सोंपवु, 'सौंपना'
सो स० ते (२) अ० तेथी अंत
सोआ(-या,-वा) पु० एक शाक सुवा
सोई स० (प) 'वही', ते ज, 'सोय'
सोखना स०क्रि० शोषी लेवु, चूसवु
सोख्तनी स्त्री० [फा] सूकु लाकडु
सोख्ता पु०[फा] शाहीचूस कागळ (२) वि० [फा] बळेल दग्ध
सोगद स्त्री० जुओ 'सौगद'
सोग पु०(प) शोक -गी वि० शोकमा पडेलु शोकवाळु (स्त्री० -गिनी)
सोच पु० विचारवु ते (२) चिंता (३) शोक पस्तावो
सोचना अ०क्रि० विचारवु ते (२) चिंता करवी (३) खेद करवो
सोचविचार पु० 'समझ-बूझ' बधी रीतनो -पूरो विचार
सोज पु० [फा] बळतरा (२) दुःख
सोज स्त्री० सोज सोजो
सोजन स्त्री० [फा] सोय
सोजाँ वि० [फा] दुःखद करुण
सोजिश स्त्री०[फा] सोजो (२) जुओ 'सोज'
सोझ(-झा) वि० (प) सीधु, सरळ
सोडा पु०[इ] सोडा क्षार ०वाटर पु० सोडानु एक पेय
सोढर वि० मूर्ख ढ
सोत(ता) पु० स्रोत झरणु
सोदर वि०(२)पु० [स] सहोदर (भाई)
सोध,०न पु० (प) शोध तपास (२) चूकते, अदा थवु ते
सोन पु० (प) सोनु (२) शोण नदी
सोनकेला प० सोनेरी केळु
सोनचिरी स्त्री० नटी नर्तकी
सोनहरा(-ला) वि० सोनेरी
सोना प० सोनु (२) अ०क्रि० सूवु ऊंघवु (३) अंगे झराणी चडवी सोनेका घर मिट्टी होना=खेदानमेदान थई जवु सोनेकी चिड़िया=धनिक मालदार सोनेमें घुन लगना=असंभव वस्तु बनवी सोनेमें सुगंध=उत्तम चीजमा वळी उत्तमता [माक्षिक
सोनामक्खी स्त्री० एक उपधातु-सुवर्ण
सोनार, सोनी पु० 'सुनार', सोनी
सोपान पु० [स] सीडी
सोपारी स्त्री० जुओ 'सुपारी'
सोफता पु० एकांत अलग जगा (२) फुरसद [कि आसन
सोफा पु०[इ] गादीवाळी एक खुरशी
सोफियाना वि० सुफी संबंधी (२) सादु पण सारु लागत सुफियाणु
सोम पु० [स] चंद्र (२) सोमवार (३) सोमरसनी वेल (४) अमृत (५) पाणी
सोमवारी वि० सोमवारनु (२) स्त्री० सोमवती अमास

सौंगध पु० [स] जत्तरियो (२) सुगध (३) वि० सुगधीदार (४) स्त्री० जुओ 'सौंगद'
सौगात स्त्री० [तु] सोगात भट
सौगाती वि० भेट तरीके शोभे एवु उत्तम, नमूनेदार, विरल
सौधा वि० (प) साधु सस्तु
सौच पु० (प) शौच
सौचि,०क पु० [स] दरजी
सौज स्त्री० (प) साज, सामग्री
सौजन्य पु०[स] सज्जनता भलमनसाई
सौजा पु० शिकारनु प्राणी शिकार
सौड पु० जुओ 'साड
सौत(०न,०नि,–तिन) स्त्री० सपत्नी शोक 'सवत' 'सौक
सौतिया डाह स्त्री० शोको वच्चेनी ईर्षा (२) भार ईर्षा
सौतेला वि० सावकु शोकनु शोक सबधी (स्त्री० –ली)
सौदा पु० [अ] सादो (२) सोदानी चीज माल (३) वपार (४) पागलपणु गाडपण (५) धून (६) वि० काळु
सौदाई पु० पागल गाडा धूनी
सौदागर पु० [फा] सोदागर वेपारी (नाम –री)
सौदाम(–मि)नी स्त्री० [स] वीजळी
सौदा-सुलुफ,–सुल्फ पु० सोदो करवानी चीजो
सौदा सूत पु० व्यवहार
सौध पु० [स] महल भवन (२) चादी
सौनन पु० जुओ सौदन'
सौभग पु० [स] सद्भाग्य (२) सुख (३) धनदोलत (४) सौदर्य
सौभागिनी स्त्री० [स] सौभाग्यवती
सौभाग्य पु० [स] सदभाग्य (२ सधवापणु (३) शुभ, भलु ०वत स्त्री० सधवा [(३) चा
सौन्द वि० [स]सुदर(२)कोमळ म
सौर वि० [स] सूर्य सबधी (२) पु [अ] वळद के साढ (३) स्त्री० (प सोड चादर [वि० सुगधीद
सौरभ पु० [स] सुगध (२) केरी (
सौरी स्त्री० प्रसूतिघर, प्रसवस्थान
सौरीय, सौर्य वि० [स] सूर्य सबध सूर्यनु
सौवर्चल पु०[स] सचळ 'सोचर नम
सौष्ठव पु० [स] उत्तमता (२) सुदर (३) चातुर्य
सौसन पु० [फा] एक फूलझाड
सौसनी वि० [फा] सोसनी जाबुडि रगनु
सौहँ स्त्री० (प) सोगन (२) अ० सा सन्मुख 'सौह
सौहाद, –र्द्य पु० [स] मित्रता दो
सौहीं अ० (प) 'सौहँ', सामे
सौहृद पु० [स] मित्रता (२) सुह
स्कध पु० [स] खभो (२) थड (अध्याय खड (ग्रथनो)(४) समूह
स्कभ पु० [स] थभ (२) प्रभु
स्कालर पु० [इ] छात्र विद्यार्थी
स्कीम स्त्री० [इ] योजना
स्कूल पु०[इ] शाळा –ली वि शाळ के ते सबधी
स्क्रू पु० [इ] पेचवाळो खीलो
स्खलित वि० [स] पडेलु (२) प
स्टाप पु० [इ] स्टॅम्प टिकिट छाप महोर
स्टाक पु० [इ] स्टाक मालनो (२) गरनो मूडी (४) भडार गा

स्पश पु० [स] अडक्वु ते, सपक
स्पर्शी वि० [स] स्पशनार
स्पष्ट वि० [स] साफ, चोख्खु, उघाडु
–ष्टीकरण पु० चाखवट [अध्यक्ष
स्पीकर पु० [इ] वक्ता (२) पालमेंटनो
स्पृश्य वि० [स] जडकी शकाय एवु
स्पष्ट वि० [स] स्पशायेलु
स्पहणीय वि० [स] स्पहा करवा जेवु
स्पहा स्त्री० [स] इच्छा, कामना
स्पही वि० [स] स्पहा करनारु
स्प्रिंग स्त्री० [इ] कमान ०दार वि० कमानवाळु
स्फटिक पु० [स] विलोरी काच (२) एक जातनो मणि (३) फटकडी
स्फुट वि० [स] खीलेलु (२) स्पष्ट खुल्लु (३) फुटकळ [कि स्फुरवु ते
स्फुर, ०ण पु०, ०णा स्त्री० [स] कपवु
स्फुलिंग पु० [स] तणखो चिनगारी
स्फूर्ति स्त्री० [स] स्फुरवु ते (२) उत्साह आवेग [(२) फूटवु ते (३) फोल्लो
स्फोट पु० [स] स्फुट थवु ते खुलासो
स्फोटक पु० [स] फोल्लो
स्फोटन पु० [स] फूटवु के फाटवु ते (२) स्फुट करवु ते [ति, जप
स्मरण पु० [स] यादगास्त (२) स्मरवु
स्मरणीय वि० [स] याद करवा जेवु
स्मशा(–सा)न पु० मसाण, स्मशान
स्मारक वि० [स] याद करावतु (२) पु० तेवी वस्तु [तेनु अनुयायी
स्मार्त वि० [स] स्मतिशास्त्र सबधी के
स्मित पु० [स] मद हास्य [याद
स्मृत वि० [स] स्मरण करलु (२) पु०
स्मृति स्त्री० [स] स्मरण (२) स्मतिशास्त्र

स्यदन पु० [स] रथ (२) वि० सरकतु
स्यात अ० [स] कदाच 'शायद
स्यानप(०न) पु० शाणपण डह
स्याना वि० शाणु डाह्यु (२) पहोंचेलु 'वयस्क
स्यापा पु० जुआ 'सियापा' –पड रडवु कूटवु (२) सूमसान थई
स्याम वि० (प) श्याम काळु (२ सियाम देश ०ल वि० शामळु ० पु० शामळियो कृष्ण
स्यार(-ल) पु० शियाळ 'सिया
स्याल पु० जुओ 'श्याल (२) [स] स –ली स्त्री० साळी
स्याह वि० जुओ सियाह
स्याही स्त्री० शाही (२) श्यामत
स्यो, स्यो अ० (प) साथे, जाड
स्रक,–ग,–ज पु०, स्त्री० फूलमाळ
स्रव,०ण पु० [स] स्रववु–झरवु के के टपकवु ते
स्रष्टा पु० [स] सजनहार प्रभु
स्राप पु० (प) शराप शाप [गभ
स्राव पु० [स] स्रववु के स्रव ते
स्रावक, स्रावी वि० [स] स्रव कराव
स्रोत पु० [स] प्रवाह धारा ०स्व ०स्विनी स्त्री० नदी
स्लीपर पु० [इ] गल्पाट (२) अमुक ज
स्लेट स्त्री० [इ] पथ्थरपाटी
स्व वि [स] पोतानु (२) पु० मिल
स्वक,–कीय वि० [स] पोतानु (२) मिलकत (३) मित्र सगु
स्वच्छ वि० [स] चोख्खु साफ
स्वजन पु० [स] पोतानु सगु के सब माणस

स्वतंत्र वि० [स] स्वाधीन, मुक्त
स्वत अ० [स] आपमेळे, स्वयम
स्वतोविरोधी पु० [स] पोते ज पोताना वस्तुनो विरोध करनार, वदतो-व्याघातवाळु
स्वप्न पु० [स] स्वप्नु (२) मूवु ते
स्वभाव पु० [स] प्रकृति, तासीर
स्वय अ० [स] जाते पाते
स्वयभू पु० [स] जाते थनार (प्रभु, कामदेव, ब्रह्मा इ०)
स्वयवर पु०[स] इच्छापूर्वक परणवु ते लग्ननो एक प्रकार [स्त्री
स्वयवरा स्त्री०[स] स्वयवरथी परणनार
स्वयसिद्ध वि० [स] आपमेळे सिद्ध
स्वयसेवक पु० [स] स्वेच्छाए-खुशीथी सेवा करनार
स्वर पु०[स] सूर अवाज (२) अक्षरनो एक प्रकार
स्वराज्य पु० [स] स्वराज
स्वरित वि० [स] स्वरयुक्त (२) पु० त्रणमाथी वचला उच्चारनो स्वर
स्वरूप पु०[स] आकार रूप (२) आत्मा
स्वरोद प० एक ततुवाद्य
स्वर्ग पु० [स] देवलोक ०वास प० मरण ०वासी वि० मृत मरहूम -र्गीय वि० स्वर्गवासी (२) स्वर्ग जेवु-उत्तम
स्वर्ण पु०[स] सोनु ०कार पु० सोनी
स्वर्धुनी स्त्री० [स] गगा नदी
स्वल्प वि० [स] अति थोडु
स्वसा स्त्री० [स] बहेन
स्वसुर पु० ससरो -राल स्त्री० सासरी
स्वस्ति अ० [स] 'भलु थाओ' एवु आशीवचन
स्वस्तिक पु० [स] साथियो
स्वस्थ वि०[स] तदुरस्त (२) शात, स्थिर
स्वाग पु० स्वाग बनावटी वेश (२) तमाशा, खेल -बनाना, -भरना, -लाना=वेश लेवो
स्वागी पु० बहुरूपी, स्वाग काढी पेट भरनारो
स्वात पु० [स] अत करण (२) मरण
स्वागत पु० [स] आवकार
स्वातन्त्र्य पु० [स] आझादी, स्वतत्रता
स्वाति,-ती स्त्री० [स] एक नक्षत्र
स्वाद पु०[स] जीभना रस (२) लहेजत, मजा (३)(प) इच्छा -दिष्ट, -दिष्ठ वि० अति स्वादवाळु
स्वादी वि०[स] स्वाद माणनारु रसिक
स्वादु वि० [स] स्वादवाळु
स्वाधीन वि० [स] पोताना काबुनु स्वतत्र स्वायत्त
स्वाध्याय पु० [स] अभ्यास मनन
स्वान पु० (प) श्वान कूतरु (२) [स] अवाज
स्वाप पु० [स] ऊघ
स्वापत पु०[स] ऊघाडवु ते (२) तेवु एक अस्त्र [कुदरती
स्वाभाविक वि०[स] स्वभाव मुजबनु
स्वामित्व पु० [स] धणीपणु मालकी
स्वामिनी स्त्री० [स] धणियाणी
स्वामी पु० [स] धणी मालिक पति
स्वायत्त वि० [स] स्ववश स्वतत्र ०शासन पु० स्थानिक स्वराज
स्वार्थ प०[स] वाच्यार्थ (२) पोतानो मतलब के गरज के हेतु (२) वि० स्वार्थी -र्थी वि० [मतनी)
स्वास्थ्य पु०[स] स्वस्थता (तन के

स्वाहा अ०[स] हवन करवानो उद्गार (२) स्त्री० अग्निनी पत्नी
स्वीकार पु०[स] अगीकार मानवु के कबूल करवु–स्वीकारवु ते –य वि० स्वीकारवा जेवु [स्वीकार
स्वीकृत वि०[म] स्वीकारेलु –ति स्त्री०
स्वेच्छा स्त्री० [स] मरजी पातानी इच्छा ०चार प० स्वच्छद ०सेव पु० स्वयसेवक
स्वेद पु०[स] परसेवो [(२) स्वच्छ
स्वैर त्रि० [स] मनमाजीलु मनप
स्वैरिणी स्त्री० [स] कुल्टा स्त्री
स्वैरी वि० [स] स्वैराचारी स्वच्छ –रिता स्त्री० स्वच्छदता

ह

हक स्त्री० हाक पाकार [बोलवु
हँकड(–र)ना अ०क्रि० पडकारीने
हकराव,–वा पु० होकारा, पाकारीने– हाक मारीने बोलावबु ते (२) नातरु
हँकवा पु० वाघने हाकाहाक करी शिकारी पासे लाववो ते
हँकाई स्त्री० हाकवु ते के तेनी मजूरी
हँकाना स०क्रि० हाक मारवी (२) हाकवु
हँकार स्त्री० होकारो ताणीने बोलाववु ते बूम –पडना=होकारा पडवो हाक वागवी [पडकार
हकार पु० (प) अहकार (२) हुकार
हकारना स०क्रि० जारथी बोलावबु पोकारवु (२) आह्वान करवु
हकारना अ०क्रि० होकारा करवो गजवु
हकारा पु० हाकारा (२) नोतरु आमत्रण
हगाम पु० [फा] वखत मोसम (२) जुओ 'हगामा' [(२) भीड
हगामा पु०[फा] हगामो हल्लो तोफान
हजार पु० [फा] माग (२) ढग रीत
हटर पु० [इं] एक जातनी चाबुक (–जमाना, –करना, –लगाना)
हडा पु० हाडो देगडो
हँडिया, हडी स्त्री० हाडी हाल्ली
हत अ०[स] खेद, अफसासना उदग
हता पु० [स] हणनार [खा
हँफनि स्त्री० हाफ –मिटाना=था
हस पु०[स] हस पक्षी (२) सूय (जीवात्मा
हँसतामुखा पु० हसमुखा आदमी
हँसन स्त्री० हसवु ते हास्य
हँसना अ०क्रि० (२) स०क्रि० हसवु
हँसनि स्त्री० (प) हसवु ते
हसनी स्त्री० हसणी हस मादा
हँसमुख वि० हसमुख (२) विनाद टीखळी [हाडकु के घरे
हँसली स्त्री० गळानी हासडी–ते नाम
हँसाई(–य) स्त्री० हसवु ते (२) हा
हँसाना स०क्रि० हसाववु
हँसाय स्त्री० (प) जुआ 'हँसाई'
हसिना स्त्री० हसणा हसी
हँसिया स्त्री० दातरडु
हसी स्त्री० [स] हस मादा
हँसी स्त्री० हास्य (२) ठाना –छूटना

स्वतंत्र वि० [स] स्वाधीन, मुक्त
स्वतः अ० [स] आपमेळे, स्वयम
स्वतोविरोधी पु० [स] पोते ज पोतानी वस्तुनो विरोध करनार, वदतोव्याघातवाळु
स्वप्न पु० [स] स्वप्नु (२) मूवु ते
स्वभाव पु० [स] प्रकृति, तासीर
स्वयं अ० [स] जाते, पाते
स्वयंभू पु० [स] जाते थनार (प्रभु, कामदेव, ब्रह्मा इ०)
स्वयंवर पु०[स] इच्छापूर्वक परणवु ते लग्ननो एक प्रकार [स्त्री
स्वयंवरा स्त्री०[स] स्वयंवरथी परणनार
स्वयंसिद्ध वि० [स] आपमेळे सिद्ध
स्वयंसेवक पु० [स] स्वेच्छाए-खुशीथी सेवा करनार
स्वर पु०[स] सुर, अवाज (२) अक्षरनो एक प्रकार
स्वराज्य पु० [स] स्वराज
स्वरित वि० [स] स्वरयुक्त (२) पु० नणमाथा वचला उच्चारनो स्वर
स्वरूप पु०[स] आकार रूप (२) आत्मा
स्वरोद प० एक ततुवाद्य
स्वर्ग पु० [स] देवलोक ०वास पु० मरण ०वासी वि० मत मरहूम -र्गीय वि० स्वर्गवासी (२) स्वर्ग जेवु-उत्तम
स्वर्ण पु०[स] सोनु ०कार पु० सोनी
स्वर्धुनी स्त्री० [स] गंगा नदी
स्वल्प वि० [स] अति थोडु
स्वसा स्त्री० [स] बहेन
स्वसुर पु० ससरो -राल स्त्री० सासरी
स्वस्ति अ० [स] 'भलु थाओ' एवु आशीवचन
स्वस्तिक पु० [स] साथियो
स्वस्थ वि०[स] तदुरस्त (२) शात, स्थिर
स्वांग पु० स्वांग बनावटी वेश (२) तमाशा, खेल -बनाना, -भरना, -लाना=वेश लेवो
स्वांगी पु० बहुरूपी स्वांग काढी पेट भरनारा
स्वांत पु० [स] अंतःकरण (२) मरण
स्वागत पु० [स] आवकार
स्वातंत्र्य पु० [स] आझादी स्वतंत्रता
स्वाति,-ती स्त्री० [स] एक नक्षत्र
स्वाद पु०[स] जीभना रस (२) लहेजत, मजा (३)(प) इच्छा -दिष्ट, -दिष्ठ वि० अति स्वादवाळु
स्वादी वि०[स] स्वाद माणनारु रसिक
स्वादु वि० [स] स्वादवाळु
स्वाधीन वि० [स] पोताना काबुन स्वतंत्र स्वायत्त
स्वाध्याय पु० [स] अभ्यास मनन
स्वान पु० (प) श्वान कूतरु (२) [स] अवाज
स्वाप पु० [स] ऊंघ
स्वापन पु०[स] ऊंघाडवु ते (२) तेवु एक अस्त्र [कुदरती
स्वाभाविक वि०[स] स्वभाव मुजबनु
स्वामित्व पु० [स] धणीपणु मालकी
स्वामिनी स्त्री० [स] धणियाणी
स्वामी पु० [स] धणी मालिक, पति
स्वायत्त वि० [स] स्ववश स्वतंत्र ०शासन पु० स्थानिक स्वराज
स्वार्थ पु०[स] वाच्यार्थ (२) पोतानी मतलब के गरज के हेतु (२) वि० स्वार्थी -र्थी वि० [मतलबी
स्वास्थ्य पु०[स] स्वस्थता (तन के

स्वाहा अ०[स] हवन करवानो उद्गार (२) स्त्री० अग्निनी पत्नी
स्वीकार पु०[स] अगीकार, मानवु के कबूल करवु–स्वीकारवु ते –य वि० स्वीकारवा जेवु [स्वीकार
स्वीकृत वि०[स] स्वीकारेलु –ति स्त्री० स्वेच्छा स्त्री० [स] मरजी पोतानी इच्छा ०चार प० स्वच्छद ०ी पु० स्वयमवक
स्वेद पु०[स] परसेवो [(२)स्वच
स्वैर वि० [स] मनमाजीलु, मनप
स्वैरिणी स्त्री० [स] कुलटा स्त्री
स्वैरी वि० [स] स्वैराचारी स्वच्छ –रिता स्त्री० स्वच्छदता

ह

हॅक स्त्री० हाक पोकार [ग्राल्व्
हॅकड(–र)ना अ०क्रि० पडकारीने
हॅकराव,–वा पु० हाकारा पाबारीन– हाक मारीने बोलावव ते (२) नोतरु
हॅकवा पु० वाघन हाकाहाक करी शिकारी पासे लाववा ते
हॅकाई स्त्री० हाकव ते के तेनी मजूरी
हॅकाना स०क्रि० हाक मारवी (२) हाकवु
हॅकार स्त्री० होकारा ताणीन बोलावव ते बूम –पडना=हाकारा पडवो हाक वागवी [पडकार
हकार पु० (प) अहकार (२) हुकार,
हॅकारना स०क्रि० जोरथी बोलावव पोकारवु (२) आह्वान करवु
हकारना अ०क्रि० होकारा करवो गजवु
हकारा पु० हाकारो (२) नोतरु आमत्रण
हगाम पु० [फा] वखत मोसम (२) जुओ 'हगामा [(२) भीड
हगामा पु०[फा] हगामो हल्लो तोफान
हजार पु० [फा] माग (२) ढग गीत
हटर प० [इ] एक जातनी चाबुक (–जमाना, –मारना, –लगाना)
हडल प० 'हॅडल' हाथा
हडा पु० हाडो देगडा
हडिया, हडी स्त्री० हाडी हाल्ली
हत अ०[स] खेद अफसोसना उद्
हता प० [स] हणनार [ख
हॅफनि स्त्री० हाफ –मिटाना=थ
हस पु०[स] हस पक्षी (२) सूय (जीवात्मा
हॅसतामुखो पु० हसमुखो आदमी
हॅसन स्त्री० हसवु ते हास्य
हॅसना अ०क्रि० (२) स०क्रि० हस
हॅसनि स्त्री० (प) हसवु ते
हसनी स्त्री० हसणी हस मादा
हॅसमुख वि हसमुख (२) विना टीखळी [हाडकु के घ
हॅसली स्त्री० गळानी हासडी–ते नाम
हॅसाई(–य) स्त्री० हसवु ते (२) हा
हॅसाना स०क्रि० हसावव
हॅसाय स्त्री० (प) जुओ 'हॅसाई'
हसिना स्त्री० हसणी हसी
हॅसिया स्त्री० दातरडु
हसी स्त्री० [स] हस मादा
हॅसी स्त्री० हास्य (२) हासी –छूटना हसवु आववु

हंसुआ(–वा) पु० जुओ 'हंसिया'
हंसोड़(–र) वि० हासीखोर, मजाकी
हंसो(–सौ)हां वि० हसमुख (२) हासीखोर
हक पु० हृदय धड़कवु ते ०वक वि० चकित ०वक वि० हक्का-बक्का'
हक(–क्क) वि० [अ] हक, योग्य, वाजबी (२) साचु (३) पु० अधिकार (४) फरज (५) न्यायी के वाजवी वात के पक्ष (६) खुदा
हकतल्फी स्त्री० [अ] अन्याय
हकताला पु० [अ] परमेश्वर खुदा
हकदक वि० जुओ 'हक' मां
हक़दार वि० [फा] हकवाळु अधिकारी
हकनाहक अ० हकनाक, नाहक, वगर फायदे (२) फरजियात, बळजोरीथी (३) पु० न्यायान्याय, सत्यासत्य
हकबक वि० जुओ 'हक' मां
हकबकाना अ०क्रि० गभरावु
हकला(०हा) वि० तोतडु बोलतु
हकलाना अ०क्रि० तोतडावु
हकलाहा वि० जुओ 'हकला'
हकश(–शु)फा पु० [अ] कोई जमीन जायदाद वेचाण पर होय तो तेने खरीदवानो पहेला हक कोईने होवो ते
हक शिनासी वि० [फा] कदरदान (२) न्यायी (३) आस्तिक (नाम, –सी)
हक़शुफा पु० [अ] जुओ 'हकशफा'
हकारत स्त्री० [अ] घणा (२) बेआबरू
हक़ीकत स्त्री० [अ] हकीकत, असल के साची वात, तथ्य
हक़ीकतन् [अ] हकीकतमें अ० वस्तुताए खरु जोता [सगु पोतानु
हकीकी वि० [अ] असली मूळ (२)
हकीम पु० [अ] विद्वान; ज्ञानी (२) तबीब, युनानी वैद –मी स्त्री० हकीमनु काम के विद्या
हक़ीयत स्त्री० जुओ 'हक्कियत'
हक़ीर वि० [अ] दूबळु (२) तुच्छ
हक़ूक़ पु० ब० व० [अ] हको, अधिकारो
हकूमत स्त्री० जुओ 'हुकूमत'
हक्क पु० जुओ 'हक'
हक्का अ० [अ] ईश्वरना सोगन
हक्काक पु० [अ] हीरा पर जडावकाम करनार
हक्क़ानी वि० [अ] ईश्वर संबंधी (२) खुदा परस्त –नि(–नी)यत स्त्री० अध्यात्म
हक्का-बक्का वि० गभरायेलु चकित
हक्कियत स्त्री० [अ] हकदारी हक-अधिकार होवो ते
हक़्क़े-तस्नीफ़ पु०[अ +फा] 'कॉपीराईट', लेखकनो अधिकार
हगना अ०क्रि० अघवु झाडे फरवु
हगास स्त्री० अघवानी हाजत, अघा –लगना = हाजत थवी
हगोड़ा वि० वारे वारे अघतु
हचकना अ०क्रि० आचको, उछाळो हेल्लो इ० लागवु
हचका, हचकोला पु० आचको धक्को, उछाळो (गाडी खाटला वगेरेमां बसतां लागे छे ते)
हज प० मक्कानी हज
हज़ पु०[अ] सद्भाग्य (२) खुशी (३) मजा लहेजत
हजम पु० (२) वि० जुओ 'हज़्म'
हजर प० [अ] पथ्थर

हजरत पु०[अ] महात्मा के महापुरुष माटे संबोधन (२) (व्यंग्यमां) दुष्ट के पाजी माणस ०सलामत पु०[अ] बादशाहनुं 'हुजूर' जेवुं संबोधन
हजरे-असवद पु०[अ] काबानो पथ्थर
हजा स० [अ] आ, 'यह'
हजाब पु० जुओ 'हिजाब'
हजा(-ज्जा)म पु० जुओ 'हज्जाम'
हजामत स्त्री०[अ] मूंडाववुं ते -बनाना हजामत करवी (२) [ला] लूटवुं (३) मारवुं कूडवुं
हजार वि०[फा] हजार १००० (२) हजारो, अनेक (३) अ० गमे तेटलुं
हजार-पा पु० [फा] कानखजूरो
हजारहा वि० [फा] हजारो, बहु ज
हजारा पु०[फा]हजारीगोटो(२) फुवारो
हजारी पु० [फा] हजार सिपाईनो नायक-सरदार ०बजारी वि० सव साधारण मामूली
हजीमत स्त्री० [अ] हार, पराजय
हजूम पु० जुओ 'हुजूम'
हजूर पु० हजूर (जुओ 'हुजूर')
हजूरी पु० हजूरियो, अनुचर (२) वि० हजूर-दरबारने लगतुं
हजो स्त्री० [अ] निंदा
हज्ज पु० [अ] हज मक्कानी यात्रा
हज्जाम पु० [अ] हजाम (नाम,-मी)
हज्म वि० [अ] हजम पचेलुं (२)पु० पाचन हजमियत
हट(-ठ) स्त्री० हठ जिद्द
हटक, ०न स्त्री० मनाई रुकावट
हटकना स० क्रि० अटकाववुं रोकवुं मना करवी
हट(-ड)ताल स्त्री० हडताल पाकी
हटना अ०क्रि० हठवुं खसवुं
हटवा पु० हाटवाळो दुकानदार
हटवाई स्त्री० (प)दुकानदारी
हटवार पु० (प) दुकानदार
हटाना स०क्रि० हटाववुं
हट्ट पु० [स] हाट बजार
हट्टा कट्टा वि० हृष्टपुष्ट स्थूळ
हट्टी स्त्री० दुकान
हठ पु० [स] हठ जिद्द
हठना अ०क्रि० (प) हठ करवी (२) दृढ प्रतिज्ञा लेवी
हठी(०ला) वि० हठीलुं जिद्दी (२) दृढप्रतिज्ञ टेकीलुं
हड स्त्री० हरड
हडकंप पु० खळभळाट
हडक स्त्री० हडकवा (वि० -हडकाया) -उठना=हडकवा लागवो
हडकना अ० क्रि० हडकवा लागवो, कशा माटे खूब तलसवुं
हडकाना स०क्रि० हडकायुं के रघवायुं के आतुर करवुं तरसाववुं
हडगाया वि० हडकायुं [एक पक्षी
हडगिल्ल, हडगीला पु० (बगला जेवुं)
हडताल स्त्री० पाकी
हडप वि० गब दईने खाधेलुं के गेब करेलुं -करना=हजम करी जवुं उडावी जवुं [करना
हडपना स०क्रि० हप करी जवुं 'हडप
हडफूटन स्त्री० हाडकामां थतुं कळतर
हडबड स्त्री० उतावळनो रघवाट
हडबडाना अ०क्रि० हडबडवुं उतावळ करवी रघवावुं (२) स०क्रि० उतावळ करवा कहेवुं
हडबडिया वि० उतावळियुं रघवाटियुं

हडवडी स्त्री० जुओ 'हडबड'
हडावरि,-ल स्त्री० (प) हाडकानी माळा के माळखु
हड्डा पु० भमरी 'वर'
हड्डी स्त्री० हाडकु (२) (ला) कुळ, खानदान -उखडना=हाडकु ऊतरी जवु
हत वि० [स] हणायलु घायल
हतक, हतक इज्जती स्त्री० बेआबरू मानभंग वदनक्षी
हतना स०क्रि० (प) हणवु मारवु
हता अ०क्रि०(प) हतु('होना'ना भूतकाळ)
हताश वि० [स] निराश नाउमद
हत्ता अ०[अ] त्या सुधी एटली हदे के
हत्थ पु० (प) हाथ
हत्था पु० हाथा दस्ता (२) केळानु घाड -मारना=हाथ मारवो चारवु
हत्थि पु० (प) हाथी
हत्थी स्त्री० हाथो दस्तो
हत्थे अ० हाथमा -चढना=हाथमा आववु हाथे चढवु [पचात वधडो
हत्या स्त्री०[स] खून घात वध (२)
हत्यारा पु० हत्यारो [घातकी
हत्यारी स्त्री० हत्यानु पाप(२)वि०स्त्री०
हथ पु० समासमा वपरातु 'हाथ'नु रूप
हथउधार पु० जुओ 'हथफेर' अर्थ ३
हथकडा पु० हाथचालाकी
हथकडी स्त्री० हाथकडी [एवु
हथछूट वि० हाथनु छूटु-झट मारी बेसे
हथनाल स्त्री० हाथी पर रखाती तोप
हथनी स्त्री० हाथणी
हथफेर पु० वहालमा हाथ फेरववो-पपाळवु ते (२) हाथ मारी जवानी चालाकी (३) थोडा दिवस माटे उछक लवाती के देवाती रकम
हथलेवा पु० लग्ननो हस्तमेळाप
हथवास पु० नाव चलाववाना सरसामान
हथवासना स०क्रि० काई चीजना वापर शरू करवो
हथसार स्त्री० हाथीखानु हस्तीशा
हथिनी स्त्री० हाथणी
हथिया पु० हाथियो, हस्त नक्षत्र
हथियाना स०क्रि० हाथमा-कबजा लेवु (२) हाथ मारी जवु उडावी ले
हथियार पु० शस्त्र (२) ओजार ०बंद वि० हथियार बंध सशस्त्र
हथेरी(-ली) स्त्री० हथेळी (२) रोटियानो हाथो
हथौटी स्त्री० हथोटी हस्तकौशल्य (२) कशामा हाथ नाखवो ते
हथौडा पु० हथोडो (स्त्री० हथौडी)
हद स्त्री० [अ] सीमा (२) अंत ०समाअत स्त्री० जुओ 'हद्द समाअत'
हदफ पु० [अ] निशान लक्ष्य
हदिया पु० [अ] भेट उपहार
हदीस स्त्री० [अ] हजरत महमदना वचनो तथा कार्यनो संग्रह -खींचना= सोगन खावा
हद्दद स्त्री० [अ] 'हद्द'नु ब०व०
हद्द स्त्री० [अ] हद सीमा
हद्दे समाअत स्त्री० [अ] कचेरीमा दावो दाखल करी देवानी नक्की अवधि
हद्दे सियासत स्त्री० [अ] न्यायाधीशना अधिकारनी हद
हनन पु० [स] हणवु ते वध
हनना स०क्रि० (प) हणवु मारवु
हनु स्त्री० [स] दाढी हडपची
हनोज अ० [फा] अत्यार सुधी

हफ-नजर [फा] श० प्र० = ईश्वर करे ने नजर न लागे
हफ्त वि० [फा] सात सात
हफ्त इकलीम [फा + अ] स्त्री० सात देश आखा संसार [शनिवार
हफ्ता पु० [फा] हफ्तो सप्ताह (२)
हफ्ताद वि० [फा] सत्तर १७
हबकना अ०क्रि० करडवा के बचकु भरवा मो फाडवु (२) स०क्रि० करडवु
हबन्नक वि० [अ] मूर्ख बेवकूफ
हबर-द(-ह)बर अ० झटपट जलदी
हबश,-शा पु० जुओ 'हब्श' -शी पु० जुओ हब्शी'
हबीब पु० [अ] मित्र (२) प्रियजन
हबूब पु०ब०व० [अ] दाणा(२) गोळीओ
हब्बा पु० [अ] अनाजनो दाणो कण (२) दाणा जेटलु जराक चपटी
हब्बा डब्बा पु० उटाटियु—एक बाळरोग
हब्श पु० [अ] आबिसीनिया देश
हब्शी पु०[अ] 'हब्श' देशनो रहेवासी हबसी [होवाथी थतो घाम
हृस पु० [अ] केद बंधन (२) पवन न
हम स० अमे (२) आपणे (३) पु० हमडो, अहता (४) अ० [फा] साथे (५) समान (समासमा उदा० हमदर्दी हमदीन)
हम-असर वि० [फा] समकालीन
हम आहंग वि०[फा] एकसाथे बधानी जाडे बोलनार (नाम, -गी)
हम उम्र वि० [फा] समान उमरनु
हम-कदम वि०[फा] साथे चालनार साथी
हम कलामी स्त्री० [फा] वातचीत
हम चश्म वि०[फा] सरखा दरज्जावाळु
हमजिंस वि० [फा] सजातीय
हम-जुल्फ पु० [फा] साढु
हमजोली पु० समोवडियो साथी
हमदम पु०[फा] दिलोजान, घनिष्ठ मित्र
हमदद पु० [फा] सहानुभूति राखनार -र्दी स्त्री० सहानुभूति
हम-नफ्स, हम नशीन वि०[फा] साथी
हम निवाला वि०[फा] साथे खानार-पीनार [जोडीदार
हम पल्ला वि० [फा] बरोबरियु
हम-पाया वि०[फा] बरोबरियु सरखा पदवाळु
हम पियाला वि० [फा] एक प्याले पीनार साथे खानारपीनार
हम पेशा वि० [फा] एक धंधावाळु
हम मकतब वि० [फा] सहाध्यायी
हमराह अ० [फा] साथे सगाथे
हमल पु० [अ] हमेल गर्भ
हमला पु० [अ] हुमलो (२) आघात प्रहार
हमला-आवर वि०[फा] हुमलो करनार आक्रमणकारक
हमवतन प० [फा] देशबंधु देशभाइ
हमवार वि० [फा] सपाट समतल
हमशीर(-रा) स्त्री० [फा] बहेन
हम सबक पु० [फा] सहाध्यायी
हमसर वि० [फा] समान जोडीदार बरोबरियु (नाम, -री)
हम साज पु० [फा] मित्र
हमसायगी स्त्री०[फा] पडोशी होव ते
हमसाया पु० [फा] पाडोशी
हमसिन वि० [फा] समोवडियु
हमहमी स्त्री० जुओ हमाहमी
हमा वि० [फा] कुल बधु पूरु
हमाकत स्त्री० [अ] मूर्खता अणसमज

हमा-त्तन अ० पगथी माथा सुधी (२) आखु, बधु
हमाम पु० जुओ 'हम्माम' [पराई
हमाम-दस्ता पु० हमामदस्तो, खाडणी-
हमारा स० अमारु (२) आपणु
हमाल पु० जुओ 'हम्माल'
हमा-शुमा वि० [फा] मारा तमारा जवा सामान्य (लोक)
हमाहमी स्त्री० पातपाताना स्वार्थनी खेंचताण अहमहमिका
हमें स० हमको' अमने (२) आपणने
हमेल स्त्री० जुओ 'हुमेल'
हमेव पु० (प) अहम, अहता
हमेशा अ० [फा] हमेशा (नाम, हमेशगी)
हम्द स्त्री० [अ] ईश्वरस्तुति
हम्माम पु० [अ] 'हमाम', स्नानगृह नावणियु (२) गरम पाणीनो बवो
हम्माल पु० [अ] 'हमाल', कुली
हय पु० [स] घोडो [करवो
हयना स०क्रि० (प) वध करवो नाश
हया स्त्री० [अ] लाज शरम
हयात स्त्री० [अ] हयाती (२) जिंदगी
हयादार, हयामद वि० [फा] शरमवाळु लज्जाळु
हर पु० [स] शिव (२) वि० (समासने अंते) हरनारु (३) [फा] दरेक
हरकत स्त्री० [अ] गति (२) चेष्टा वतन व्यवहार (प्राय अनिष्ट) (३) स्वर के तेना झबर, झेर, पेश इ० चिह्न
हरकारा पु० [फा] हलकारो कासद (२) टपाली
हरख पु० (प) हर्ष आनंद ०ना अ०क्रि० हरखावु -खाना अ०क्रि० हरखावु (२) स०क्रि० हरखाववु

हरगिज अ०[फा] क्दी, कदापि, हरगि
हरचंद अ० [फा] जोके, यद्यपि (अनेक वार
हरज(-जा) पु० जुओ 'हर्ज'
हरजाई वि० [फा] ज्या त्या भटक (२) स्त्री० कुलटा, भटकण स्त्री
हरजाना पु०[फा] नुकसाननी भरपा
हरण पु०[स] हरवु-लई लेवु ते ((गणितमा)भागाकार
हरता धरता पु० कर्ताहर्ता पू अधिकारी
हरताल स्त्री० एक उपधातु -फेरना -लगाना=खतम करवु बगाडी नाखवु
हरद,-दी स्त्री० हळदळ 'हल्दी'
हर दिल-अजीज वि०[फा] हरेकने प्रिय, सर्वप्रिय, लोकप्रिय
हरना स०क्रि० हरवु, लई लेवु (२) पु० (प) हरण 'हिरन'
हरनी स्त्री० हरणी, मृगली
हरफ पु० 'हर्फ' (किसी पर)-आना=(कोई पर) एक अक्षर पण आववो कसूर नीकळवी -उठाना= अक्षर वाचता आवडवु -बनाना= मरस अक्षर काढवा (२) दस्तावेजमा कपटथी फरफार करवो -बैठाना= बीबा गोठववा
हरफगीर पु० टीकाखोर दोषदृष्टिवाळु
हरफगीरी स्त्री० खणखोद टीकाखोरी दोष देख्या करवा ते
हरफत स्त्री० जओ हिरफत'
हर फन-मौला पु० हरेक काममा आवडतवाळो-होशियार [फळ
हरफा रेवडी स्त्री० एक झाड के तेनु
हरबराना अ०क्रि० जुओ 'हडबडाना'

हरबा पु०[अ] हथियार, शस्त्रास्त्र (२) चडाई हुमलो [पु० अधेर अराजक
हरबोग वि० गमार(२)मूख जडसु (३)
हरम ्० [अ] जनानो अत पुर (२) स्त्री० रखात(३) लडी दासी ०खाना पु० जुओ 'हरमसरा'
हरमजदगी स्त्री० हरामजादापणु, दुष्टता बदमाशी [खानु
हरमसरा स्त्री० [अ] अत पुर, जनान
हरवल स्त्री० खडूतने उधार के उछीनी अपाती रकम (२) (प) पु० जुओ 'हरावल'
हरवली स्त्री० सेनानी आगेवानी
हरवाह(–हा) पु० खेडूत 'हलवाह' –ही स्त्री० तेनु काम के मजूरी
हरसिंगार ्० पारिजातकनु झाड
हरहट, हरहा वि० हरायु
हरहाई वि० स्त्री० हराई (गाय)
हरा वि० लीलु (२) ताजु (३) काचु (फळ, दाणो इ०) (४) पु० लीला रग –बाग=खोटी आशा आपती–खाली वात [हारवु ते
हराई स्त्री० हळवा चास (२) हार,
हराभरा वि० लीलु ताजु (२) हरियाळु
हराम वि० [अ] हराम निषिद्ध (२) पु० निषिद्ध वस्तु (३) अधम, पाप (४) व्यभिचार –करना=रगु करवान रळण करी भूरगु –होना=मुश्कल थवु [करनार (२) व्यभिचारी
हरामकार वि० [फा] हराम काम
हरामखोर वि० [फा] आळसु हरामनु खानार (२) कृतघ्न
हराम-जादा पु० वर्णसकर (२) हरामी बदमाश (स्त्री० –दी)

हरामी वि० व्यभिचारथी उत्पन्न (२) हरामी बदमास
हरारत स्त्री० [अ] गरमी (२) धीकडी जीण ज्वर [आगलो भाग
हरावल पु० [तु] 'हरोल', सेनानो
हरास पु० [फा हिरास] डर, आशका (२) खेद दुख (३) निराशा
हरासत स्त्री० जुओ 'हिरासत
हरासा वि० जुओ 'हिरासा' [लीलु
हरि पु०[स] विष्णु (२) वादरू (३) वि०
हरिआ(–या)ली स्त्री० हरियाळी (२) झाड छाड इ० लीलोतरीनो विस्तृत समूह –सूझना=बधे आनद आनद देखावो
हरिजन पु० [स] प्रभुभक्त (२) अस्पृश्य मनाती एवी जातिनो माणस
हरिण(–न) पु० [स] हरण –णी (–नी) स्त्री० हरणी
हरित वि० [स] लीलु (२) पु० लीलो रग
हरिद्रा स्त्री० [स] हळदर
हरिन पु०, –नी स्त्री० जुओ अनुक्रम हरिण, –णी'
हरियाली स्त्री० जुओ 'हरिआली'
हरिवासर पु० [स] रविवार (२) एकादशी
हरि(–री)स स्त्री० [स हलीषा] हळनु लावु लाकडु जेमा धूसरी बधाय छे
हरीकन पु० [इ] एक जातनु फानस
हरीतकी स्त्री० [स] हरडे
हरीफ पु० [अ] सामावाळियो
हरीरा पु० [अ] रावडा जेवु एक पेय
हरीस स्त्री० जुओ 'हरिस' (२) वि० [अ] लालचु (३) ईर्षाळु
हरुअ(–आ) वि० (प) हलकु

हरुए अ० (प) हळवे, धीमेथी के चुपचाप [हरफो

हरूफ पु० [अ 'हर्फ' नु ब० व०] अक्षरो,

हरे,–रे अ० (प) 'हरुए', हळवे, धीमे

हरेक वि० हरएक', दरेक

हरो(–रौ)ल पु० हरोल जुओ 'हरावल'

हर्ज पु० [अ] अडचण, विघ्न (२) हानि, नुकसान

हर्जाना पु० जुओ हरजाना'

हर्ता पु० [स] हरनार [अव्यय

हर्फ पु० [अ] हरफ, अक्षर (२) नामयोगी

हर्फगीर वि० दोषदर्शी [अक्षर

हर्फ-ब-हर्फ अ० [अ] अक्षरश अक्षरे-

हर्ब स्त्री० [अ] लडाई

हर(–र्रे) स्त्री० हरड

हर्रा पु० मोटी हरड

हर्राफ वि०[अ] पाकु चालाक पहोंचेल

हर्रे स्त्री० हरडे [हरखायलु, राजी

हर्ष पु०[स] आनद हरख –र्षित वि०

हल पु० [स] हल

हल पु०[अ] उकेल फसलो –करना= फेंसलो करवो, उकेलवु (२) भळे के मळी जाय एम करवु –होना= उकेलावु (२) भळवु मळी जवु

हलकप पु० हिलचाल आदोलन (२) खळभळाट

हलक पु० हलक कठ गळु –के नीचे उतरना=पेटमा जवु (२) गळे ऊतरवु समजावु

हलकई स्त्री० हलकाश हलकापणु (२) वि० नीचापणु वट के शोभाने हानि

हलकना अ०क्रि० हेलारे चडवु लहेरो खावी [हलकु पाडवु अपमानवु

हलका वि० हलकु (२) नीचु –करना=

हलका पु० [अ] गोळाकार वृत्त (
परिघ (३) मडळ, समूह (४) गामा
ग्रास समूह, गोळ [कदाळ

हलकान वि० जुओ 'हैरान' हला

हलकाना स०क्रि० हल्ले चडावबु (
अ०क्रि० हलकु थवु

हलकारा पु० जुओ 'हरकारा'

हलकोरा पु० हलकारो, तरग

हलचल स्त्री० खळभळ, उपद्रव –पडन
–मचना=धाधळ मचवी, खळभळवु

हलद हात स्त्री० पीठी चोळवान
विवाहनो विधि

हलदिया पु० कमळानो रोग

हलदी स्त्री० हळदर –उठना, –चढन =पीठी चढवी –लगना=विवाह थवा –लगे न फिटकरी=मफत वगर खरचे

हलफ पु० [अ] कसम, सोगन –उठाना =सोगन खावा

हलफन् अ० [अ] सोगनथी

हलफा पु० लहेर मोजु हेलारो

हलफी वि० [फा] सोगनपूर्वक

हलब(–भ)ल स्त्री० जुओ 'हलचल'

हलराना स०क्रि० (बाळकने) हाथ पर लई झुलावबु

हलवा प० [अ] शीरो हलवे माडसे काम=केवळ पोतानो मतलब

हलवाई पु० [अ] कदोई (स्त्री० –इन)

हलवाह(–हा) पु० [स] हळजोडु खडूत

हलहलाना स०क्रि० जोरथी हलावबु हचमचाववु

हलाक वि० [अ] मरेलु (२) थाकेलु (३) नाश पामेलु [नाश

हलाकत, हलाकी स्त्री०[अ] मोत (२)

हलाकान वि० जुओ 'हलकान'

हलाकानी स्त्री० हैरानगत परेशानी
हलाकी(—कू) वि० मारा घातक, अत्याचारी
हलाहला पु० ताड विष
हलाल वि०[अ] कुरानथी विहित (२) पु० खावा माटे विहित पशु (३)बीजनो चंद्र —करना=पशु करवु हणवु
हलाल का वि० हरामनु था ऊलटु वाजबी रीत मळेलु के मळलु
हलालखोर पु० प्रामाणिकतायी महेनत मजूरी करनार (२) भंगी
हलीम वि०[अ]सहनशील शांत(२)पु० मोहरममां करातु एक मासनु भोजन
हली(—ले)सा पु० हलेसु 'चप्पु'
हलूक स्त्री० हलकी ऊलटी
हलोरना स० क्रि० हेलारे चडाववु (२) ऊपणवु (३) संघरवु एकठु करवु
हलोरा पु० हेलारा मोज, 'हिलोरा'
हल्क पु० [अ] गळु (२) गरदन
हल्द,—ल्दी स्त्री० जुओ 'हल्दी' ०हात स्त्री० जुओ 'हलद हात'
हल्ला पु० शोर कोलाहल (२) लडाईनी हाक (३) हल्लो हुमलो
हवन पु० [सं] होम यज्ञ
हवन्नक वि० जुओ 'हबन्नक'
हवलदार पु० हवालदार
हवस स्त्री०[फा] लालच (२) इच्छा, [तृष्णा
हवा स्त्री०[अ]हवा वायु (२) भूतप्रेत (३) आबरू शाख (४) इच्छा चाह (५) वासना —उखडना=शाख जवी —उडना=खबर फेलावी —करना= पखो नाखवो —बँधना=नामना थवी (२) शाख होवी —बताना=उडावी देवु टाळवु, ठिंगो बतावयो —बिगडना=चेपी रोग फेलावो (२) चाल बगडवो के खराब विचार फेलावा (किसाकी) —लगना=संगनो प्रभाव पडवो —हो जाना=नष्ट थता रहेवु ऊडी जवु
हवाई वि० हवानु, हवा संबंधी (२) तरंगी अधर (३) स्त्री० एक दारू-खानु (मुह पर) हवाइयाँ उडना= चहेरो फीको पडी जवो
हवाई अड्डा पु० विमानमथक ॲरोड्रोम
हवाई जहाज पु० विमान ॲरोप्लेन
हवाखोरी स्त्री०हवा खावा जवु ते सहेल
हवागीर पु० दारूखानु बनावनार
हवाचक्की स्त्री० पवनचक्की
हवादान पु० हवा आववा रखाती जाळी
हवादार वि० [फा] हवावाळु खुल्लु (२) इच्छावाळु (३) प्रेमी
हवापरस्त वि० [अ+फा] इंद्रियारामी
हवापानी पु० आबोहवा
हवारी पु० [अ] ईशुना (बार) साथी
हवाल पु० हाल दशा (२)खबर हेवाल
हवालदार पु० (अमुक दरज्जानो) फोजी के पोलीस सिपाई
हवाला पु०[अ] साक्षी प्रमाण (२) उदाहरण दाखलो (३) हवालो सुपरत
हवालात स्त्री० [अ] हवाले करवु ते (२) काची केद हाजतमां राखवु ते के तेनी जेल
हवाली स्त्री० [अ] आसपासनी जगा
हवास पु०[अ] इंद्रियो (२) होश भान —गुम होना=होशकोश ऊडी जवा
हवास बाख्ता वि० [अ+फा] जुओ 'हक्काबक्का
हवि पु० [सं] यज्ञनी—हवननी सामग्री

हवेली स्त्री०[अ] हवेली (२) स्त्री, पत्नी
हव्वा स्त्री० [अ] बावा आदमनी स्त्री, 'Eve' (२) पु० हाउ [विभव
हशमत स्त्री०[अ] गौरव, मोटाई (२)
हशर पु० जुओ 'हश्र'
हश्त वि० अष्ट, आठ
हश्तुम वि० आठमु
हश्र पु० [अ] कयामतनो दिन, हशर (२) शोक, आक्रंद (३) शोरबकोर
हश्शाश वि० [अ] खूब प्रसन्न, राजी –बश्शाश = खूब खुश
हसद पु० [अ] ईर्षा द्वेष
हसन पु०[स] हसवु ते (२) हासी, विनोद
हसब पु० [अ] 'नसब'थी ऊलटु (मातृपक्षनु) कुळ वश [खानदान
हसब नसब पु० [अ] मावापनु कुळ–
हसरत स्त्री० जुओ 'हस्रत'
हसीन वि० [अ] सुदर, खूबसूरत
हसूल पु० जुओ 'हुसूल'
हस्त पु० [स] हाथ (२) सूढ (३) एक नक्षत्र [(२) जिंदगी
हस्त(–स्ती) स्त्री० [फा] हस्ती, हयाती
हस्तक्षेप पु० [स] दखल
हस्तगत वि०[स] हाथमा आवेलु, मळेलु
हस्ताक्षर पु० [स] दस्कत, सही
हस्तामलक पु० [स] मेळववु, हस्तगत करवु सहेलु ते
हस्ती स्त्री० [फा] जुओ 'हस्त' (२) पु० [स] हाथी
हस्ते अ० द्वारा मारफत
हस्ब अ० [अ] अनुसार प्रमाण
हस्रत स्त्री० [अ] हसरत, शोक, अप्राप्तिनु दु ख (२) कामना लालच
हहर स्त्री० कपारी (२) डर
हहरना अ० क्रि० कापवु, थथरवु (२) डरवु (३) चावचु (४) अदेखाई करवी
हा अ० हा –करना = हा कहेवी (२) समत थवु –में हा मिलाना = हाजियो भणवो, हाजा हा करवु
हाँक स्त्री० हाक, बोलाववा माटे बूम –देना, मारना, लगाना = हाक मारवी –पुकार कर कहना = बधा सामे भय सकोच वगर कहेवु
हाकना स०क्रि० हाकवु (२) हाक मारवी
हाँगा पु० हाजा, शरीरनी ताकात (२) जबरदस्ती –छूटना = हाजा वछूटवा, कमजोर के नाहिंमत थई जवु
हागी स्त्री० 'हामी', हा, समति –भरना = हा पाडवी
हाडी स्त्री० हाल्ली (२) दीवानी हाडी
हाप(–फ)ना अ०क्रि० हाफवु
हाँफा पु०, –फी स्त्री० हाफ
हाँसी स्त्री० 'हँसी' हास्य (२) हासी
हाइड्रोजन पु० [इ] एक वायु
हाइफन पु०[इ] एक विरामचिह्न ()
हाई स्त्री० दशा, हाल (२) ढग, रीत (३) वि०[इ] ऊचु मोटु (दा० त० हाई कोट पु०, –स्कल पु०)
हाऊ पु० हाउ, 'हौवा
हाकिम पु० [अ] हाकेम, अमलदार
हाकिमी वि०(२)स्त्री० हाकेमी हकूमत
हाजत स्त्री०[अ] हाजत, जरूर (२) चाह (३) पहेरो केद 'हवालात' –में देना या रखना = पहेरामा राखवु
हाजती स्त्री० पेशावपाणी माट रोगी पासे रखातु वासण (२) वि० हाजतवाळु [पाचनक्रिया
हाजमा पु० [अ] पाचनशक्ति के

हाजा स० [अ] आ यह'
हाजिम वि०[अ] पाचक पचावे एवु
हाजिर वि०[अ] हाजर उपस्थित (२) हयात, विद्यमान (३) (व्या) बीजो (पुरुष) [(नाम, -री)
हाजिर जवाब वि०[अ] हाजरजवाबी
हाजिरी स्त्री०[अ] हाजरी (२) बपोरनी हाजरी – नास्तो [आवेल
हाजी पु०[फा] हज करनार के करी
हाट स्त्री० हाट बजार के दुकान -करना=दुकान काढवी (२) वजार करवा जेवु
हाटक पु०[स] सोनु (२) वि० सोनेरी
हाड पु० हाडकु
हाता पु० [अ इहात] वाडो आगणु (२) प्रात सूबा' (३) सीमा (४) वि० (स्त्री० -ती) (५) अलग, दूर करेलु
हातिम पु० [अ] चतुर आदमी (२) उस्ताद तज्ञ (३) हातिमताई के तेना जेवो दानी [(३) हाथो
हाथ पु० शरीरनो हाथ(२)दाव(रमतनो)
हाथपाव फूलना=डर के शाकथी गभरावु
हाथपान पु० हाथपहाचियु–एक घरेणु
हाथा पु० हाथो (२) हाथनो थापो
हाथापाई, हाथाबाही स्त्री० हाथपगथी मारामारी धोलधापट
हाथी पु० गज हस्ती, हाथी
हाथीखाना पु० हाथीखानु
हाथीपाव पु० हाथीपगानो रोग
हाथीवान पु० महावत
हाथोहाथ अ० हाथोहाथ (२) जोत-जोतामा -लेना=बहु आदरमान करवु
हाद(-दि)सा पु० [अ हादिसा] दुघटना, आपत्ति (२) अकस्मात
हादिस वि० [अ] नवु (२) नश्वर
हादिसा पु० [अ] जुओ 'हादसा'
हादी पु० [अ] नेता मागदशक
हानि स्त्री० [स] नुकसान (२) नाश
हाफिज पु० [अ] कुरान कठस्थ होय एवो मुसलमान
हाफिजा पु० [अ] स्मरणशक्ति
हामिद वि० [अ] प्रशसक गुणगान करनार
हामिल वि० [अ] हमाल बोजो ऊचक नार के वहा जनार [वती
हामिला वि०[अ] स्त्री० भारेवाई गभ-
हामी स्त्री० हा स्वीकार (२) वि० [अ] हिमायती, समथक -भरना = हा पाडवी स्वीकारवु
हाय स्त्री० दु ख के पीडा (२) अ० तेनो उदगार [-देना = हरावव‍ु
हार स्त्री० पराजय -खाना = हारवु
हारना अ० क्रि० हारवु पाछु पडवु
हारमोनियम पु० [इ] पेटीवाजु
हारसिंगार पु० जुओ 'हरसिंगार
हारे दर्जे अ० विवश-लाचार थईने
हाद पु० [स] प्रम दया (२) मम (३) वि० हृदय सबधी
हार्दिक वि० [स] हृदय सबधी दिली
हाल स्त्री० हालवु ते हल्न (२) पु० पडानी लोढानी वाट (३) [इ] हाल
हाल पु०[अ] हाल दशा (२) खबर, समाचार (३) विवरण वणन (४) कथा चरित्र (५) (`या) वतमान काळ (६) ईश्वरमा तल्लीनता (७) अ० हाल् हमणा
हाल्का वि० नवु ताजु हाल्नु
हालडोल पु० हालवु ते (२) हिलचाल

हालत स्त्री०[अ] दशा हालत परिस्थिति
हालमें अ० थोडा वखतथी, हालमा
हालरा पु० हीचाळो के हीचको
हालाकि अ० [फा] जोके यद्यपि
हाला पु०[अ] कुंडळ वर्तुल (२) चंद्रनी चारकोर देखातो गोळ (३) स्त्री० [स] दारू
हालात पु० [अ] हाल'नु ब०व० [समाचार
हालाहल पु० हळाहळ, झेर
हाली अ०[अ] जलदी तरत (२) वि० हाल'नु वतमान (३) पु० चलणी नाणु
हाव पु०[स] चेष्टा, नखरु (शृंगारनु)
हावन स्त्री० [फा] खांडवानी खाडणी
हावन-दस्ता पु० [फा] खाडणी पराई, हमामदस्तो
हाव-भाव पु० [स] चेष्टा नखरा
हावला-बावला वि० हावरु बावरु, घेलु
हावी वि०[अ] कुशळ दक्ष (२) वधी तरफथी वशमा राखनारु
हाशिया पु०[अ] कोर धार (२) गोट मगजी (३) हांसियामा करेली नोंध —चढाना = मरचु मीठु भभराववु रसिक करवा वातने वधारवी
हास पु०[स] हास्य (२) उपहास मजाक
हासिद वि०[अ] हसद'–ईर्षा करनारु
हासिल वि० (२) पु० [अ] हासल मळेलु लाभ (३) वद्दी (गणितमा)
हासिल-कलाम अ० [अ] साराश के तात्पय के
हासिल-जमा पु० [अ] सरवाळो
हासिल-जब पु०[अ] गुणाकार गुणनफल
हासिल-तक्सीम पु० [अ] भागाकार
हास्य पु० [स] हसवु ते (२) मजाक (३) वि० हसवा जेवु हास्यजनक

हाहाकार पु० [स] (शोक, दु… इ० नी लागणीथी) हाहा करवु …
हाहाठीठी, हाहाहोही स्त्री० हाहाही…
हाही स्त्री० काई मळववा हाय हा… करवु ते —पडना = हाय हाय थवी
हाहू पु० हाहो, शोर
हिकरना अ० क्रि० हणहणवु
हिंकार पु० वाछडाने बोलाववा गाय वागरडे ते के वाघनो अवाज
हिंग, —गु [स] पु० हींग के तेनु झाड
हिंडोरा (प), —ल, —ला पु० हिंडोळो (२) पारणु (३) चगडोळ
हिंदवाना प० तडबूच
हिंदवी स्त्री० [फा] हिंदीभाषा
हिंदसा पु०[अ] गणित (२) रेखागणित (३) रकम, सख्या (४) (ब०व०) आक
हिंदी वि० [फा] हिंदनु के तेने लगतु (२) पु० हिंदनो वतनी (३) स्त्री० हिंदी भाषा
हिंदुस्तानी वि० [फा] जुओ 'हिंदी'
हिंदू पु० हिंदु
हिंदोल पु० [स] हिंडोळो (२) एक राग
हिंदोस्तान पु० [फा] हिंदुस्तान
हिमत स्त्री० 'हिम्मत' बहादुरी धय —पडना = हिंमत होवी
हिमती वि० हिंमतवान
हियाँ अ० (प) अहीं 'यहाँ'
हिंव,—वार पु० हिम बरफ
हिंस स्त्री० (प) घोडानो हणहणाट
हिंसक वि० [स] घातक हिंसावाळु
हिंसना अ०क्रि० (प) हणहणवु (२) स०क्रि० हिंसा करवी मारवु
हिंसा स्त्री० [स] घात वध नाश
हिंस्र वि० [स] हिंसक

हिअ(–आ) पु० 'हिय' हृदय
हिक्मत स्त्री० [अ] विद्या, कळा (२) हिकमत,युक्ति(३)हकीमी,युनानीवैदक
हिकमत अमली स्त्री० [अ] चालाकी होशियारी (२) कूटनीति
हिकमती वि० हिक्मतवाळ
हिकायत स्त्री० [अ] कहाणी वात
हिकारत स्त्री० जुआ 'हकारत
हिक्का स्त्री० [स] हेडकी
हिचक स्त्री० आनाकानी घडभाज समजावु ते
हिचकना, हिचकिचाना अ० क्रि० अचकावु आनाकानी करवी (२) हेडकी आववी
हिचकिचाहट स्त्री० जुआ 'हिचक
हिचकी स्त्री० हेडकी
हिजडा,–रा पु० हीजडो
हिजरा पु० [अ+फा] वियोग हिज्र
हिजरी पु० [अ] मुसलमानी संवत
हिजाब पु० [अ] पडदो (२) शरम
हिज्जे पु० [अ] जोडणी –करना= वादविवाद के नुक्तचीनी करवी –पकडना=भूल काढवी
हिज्र पु० [अ] वियोग
हिज्र(–जर)त स्त्री० [अ] हिजरत
हित पु०[स] लाभ फायदो (२) भलु (३) मित्र (४) हेत (५) अ० –ने माटे, सारु [हितकारी होवु
हितवना अ०क्रि० (प) हेत होव
हिताई स्त्री० नातो संबंध
हिताना अ०क्रि०(प) जुआ 'हितवना
हितेच्छु, हितैषी वि०[स] हित चाहनार हिती' [मित्र (३) संबंधी
हिती(–तु,–तू) पु० हितेच्छु (२) स्नेही
हिदायत स्त्री० [अ] शिखामण (२) आदेश आज्ञा
हिनहिनाना अ०क्रि० हणहणवु
हिना स्त्री० [अ] मेंदी
हिनाई वि० [अ] हिनाना–मेंदीना रंगनु लाल (२) मेंदीवाळु [देखरेख
हिफाजत स्त्री०[अ] जाळवणी संभाळ,
हिफ्ज अ०[अ] कंठस्थ मोढे (२) पु० हिफाजत संभाळ (२) अदब
हिफ्जे सेहत पु० [अ] स्वास्थ्यनी रक्षा
हिब्बा पु० [अ] इनाम (२) दान
हिम पु०[स] बरफ (२) ठंडी के टाढी ऋतु (३) चं. (४) चंदन ०उपल, ०कण पु० करा [राखवानी वासळी
हिमयानी स्त्री०[अ] रूपिया कमर बांधी
हिमाकत स्त्री० [अ] मूर्खता बेवकूफी
हिमाद्रि पु० [स] हिमालय
हिमामदस्ता पु० हमामदस्तो खाडणी-पराई 'हावनदस्ता'
हिमायत स्त्री० [अ] तरफदारी पक्ष करवो ते (२) रक्षण, वालीपणु देखरेख (वि० –ती) [–ती
हिम्मत स्त्री०, –ती वि० जुओ 'हिंमत,
हिय(–या,०रा) पु० हृदय हैयु (२) छाती –हारना=हिंमत हारवु हियेका अंधा=हैयाफूटु मूर्ख अज्ञान
हिया अ० जुओ 'हियां'
हिया,०व पु० हिंमत छाती
हिरण्य स्त्री० [स] सोनु [जवु
हिरन पु० हरण –हो जाना=नासी
हिरनौटा प० हरणनु बच्चु
हिरफत स्त्री० [अ] हाथकारीगरी (२) हुनरकळा (३) धंधोरोजगार (४) चालाकी (५) चालबाजी

हिरमजी स्त्री० [अ] लाल माटी, रगी
हिराना अ०क्रि० गव थवु खोवावु (२) मटवु, टळवु (३) स०क्रि० भूली जवु
हिरास स्त्री० [फा] जुओ 'हरास
हिरासत स्त्री० [अ] चोकी पहेरो (२) नजरकेद
हिरास। वि० [फा] भयभीत (२) निराश
हिफत स्त्री० जुओ 'हिरफत
हिस स्त्री० [अ] लालच, लोभ (२) इच्छानो आवग (३) स्पर्धा –करना, –छूटना = ललचावु
हिर्साहिा वि० लालचु [चडी जईने
हिर्साहिर्सी अ० देखादेखी, स्पर्धा पर
हिर्सी वि० [फा] लालचु [मोजु
हिल्कोर(–रा) पु० हेल्कारो हलारो
हिल्कोरना स०क्रि० हेल्कारो मारवो
हिलग स्त्री० सबध (२) ओळख (३) प्रम मेळ
हिलगना अ०क्रि० टगावु लागी रहेवु (२) फसावु वाझवु (३) हळी जवु ओळखावु (प्रेरक हिलगाना)
हिलना अ० क्रि० हालवु (२) हळवु गोठवु –मिलना = हळवुमळवु
हिलाना स०क्रि० हलावववु डोलाववु
हिलाल पु० [अ] बीजनो चद्र
हिलोर,–रा,–ल पु० हिलोळो हेलारो –लेना = हेलारा खावा [चडाववु
हिलोरना स०क्रि० हिलोळवु हिलोळे
हिलो(–ल्लो)ल पु० जुओ हिलोर
हिल्म पु०[अ] सहनशीलता (२) नम्रता
हिल्लोल पु० [स] जुओ हिलोर,–ल'
हिवचल, हिवर पु० हिंवार' बरफ
हिस स्त्री० [अ] होश भान (२) गति चेष्टा

हिसका पु० ईर्षा (२) देखादेखी इच्छा थवी ते स्पर्धा
हिसका हिसकी स्त्री० स्पधा
हिसाव पु०[अ] गणना (२) गणितनो दाखलो (३) नामु (४) रीत ढग (५) लेखु, स्याल
हिसाब किताब पु०[अ] हिसाबकिताब आवक खरचनो हिसाव (२) ढग चाल वतन
हिसाब वही स्त्री० नामानो चोपडो
हिसाबी वि० हिसाबवाळु (२) हिसाब राखीन चालनारु [किल्लो गढ
हिसार पु० [अ] शहरनो कोट (२)
हिस्सा पु०[अ] हिस्सो भाग अग, अश
हिस्सा रसद अ० [फा] हिस्सा प्रमाण
हिस्सेदार पु०[फा] भागिया भागीदार
हिहिनाना अ०क्रि० जुओ हिनहिनाना'
हींग स्त्री० हिंग
हींस स्त्री० हिसारव हीसारव हणहणाट
हींसना अ०क्रि० हीसारवु हणहणवु
ही अ० ज (२) (प) अ०क्रि० 'होना'नु भूतकाळ स्त्री० रूप (व्रज भाषा)
हीक स्त्री० हेडकी (२) सूक्ष्म दुगध
हीठना अ०क्रि० (प) पासे जवु (२) पहाचवु
हीन वि०[स] हीणु नीचु हलकु (२) रहित विनानु (३) त्यक्त
हीन पु० [अ] समय वखत
हीन हयात अ०[अ] आजन्म उमरभर (२) स्त्री० जीवनकाल [०रा–या'
हीय,०रा,–या पु० (प) जुओ 'हिय
हीर पु० हीरो [स] (२) हीर सत्त्व सार
हीरा पु० हीरो
हीरा-कसीस पु० हीराकसी

होलतन अ०[अ] युक्तिथी बहानाथी छेतरीन
होला पु०[अ] बहानु मिष (२) निमित्त कारण ०हवाला प० बहानु
होला-गर,-बाज,-साज वि० चालाक फरेबी बहानु काढनार
होला हवाला पु० [अ] बहानु
हुकार पु० हुकारो पडकार, गर्जना
हुकारना अ०क्रि० होंकारवु ठपको दवो (२) हुकारो करवो गजवु
हुंकारी स्त्री० हकारा हा कहेवु ते
हुडा भाडा पु० महसूल इ० बधु आपीने माल पहोचाडवानो ठको
हुंडार पु० वरु
हुडा(-डिया)वन स्त्री० हूडियामण
हुडी स्त्री० हूडी -करना=हूडी लखवी
हु अ० (प) 'भी' पण सौ जेम के राम हु=राम पण
हुआना अ०क्रि० शियाळनु बोलवु
हुकुम पु० हुकम
हुकूक पु० [अ] 'हक न व०व० जुओ 'हकूक'
हुकूमत स्त्री०[अ] हकूमत सत्ता शासन
हुक्का पु०[अ] हूको (तमाकुनो) ०पानी हूकापाणीनो वहेवार सबध
हुक्काम पु० [अ 'हाकिम' नु व०व०] हाकेम -अमलदार-वग
हुक्म पु० [अ] हुकम
हुक्म उदूली स्त्री० [अ] हुकमना अवगणना [फरमान
हुक्म-नामा पु० [अ+फा] हुकमनामु
हुक्म बरदार वि० [अ+फा] आज्ञाकारी
हुक्म रा वि० [अ+फा] हुकम देनार, शासक
हुक्मी वि० [अ] अचूक अटल (२) आज्ञाकारी (३) अ० सदा
हुचकी स्त्री० हेडकी 'हिचकी'
हुजरा पु० [अ] हुजरो आरडी (२) मसीदनी एकात ध्यान माटेनी ओरडी
हुजूम पु० [अ] 'हुजूम, भीड 'मजमा
हुजूर पु० [अ] 'हजूर -एवु सबोधन (२) हजूर, हाजरी समक्षता (३) दरबार कचेरी
हुजूर वाला पु० [अ] जनाब श्रीमान
हुजूरी पु० [अ] हजूरियो नोकर (२) दरबारी (३) वि० सरकारी हजूरनु
हुज्जत स्त्री० [अ] खाली तकरारजी, दलीलबाजी (२) झघडो तकरार (वि० -ती)
हुडकना अ०क्रि० टळवळवु दु खी थवु, बीव (बाळक एकलु पडे तेथी)
हुडदग पु० धमाचकडी धाघल
हुत अ०क्रि० (प) हतु (२) वि० [स] होमायेलु
हुताशन पु० [स] अग्नि
हुति(-ते) अ० (प) द्वारा थी (२) तरफथी (त्रीजी न पाचमी विभक्तिना अर्थमा)
हुदहुद पु० [अ] एक पक्षी
हुदूद स्त्री०[अ] हदूद हद्द'नु व०व०
हुदूद-अरबा स्त्री० [अ] चतु सीमा चार बाजूनी हद
हुन पु० [स हून] सोनामहोर (२) सोनु
हुनर पु० [फा] हुनर कारीगरी (२) कौशल चातुरी (३) गुण [कुशळ
हुनर मद वि० [फा] हुनरी, व्यसनी
हुनूद पु०[अ] 'हिंदू नु व०व० [मरजी
हुब स्त्री० प्रेम (२) दोस्ती (३) इच्छा

हुगाव पु० [अ] 'हबूब' परकोटो
हुब्ब पु० [फा] प्रेम, मैत्री, 'हुब'
हुब्बुल्वतन, हुब्बे वतन स्त्री० [अ] देशप्रेम
हुमक(-ग)ना अ०क्रि० ऊछळवु (२) छलंग मारवा पग पर जोर देवु
हुमा स्त्री० [फा] हुमा नामनु एक काल्पनिक पक्षी [हुमायु बादशाह
हुमायू वि०[फा] शुभ, मुबारक (२)पु०
हुमेल स्त्री० [। हमाइल] 'हमेल', सिक्का वगेरेनी गळानी एक माळा
हुरदंग(-गा) पु० जुओ 'हुडदंग'
हुरमत स्त्री० [अ] मान, आबरू
हुलकना अ०क्रि ऊलट थवी, ओकवु
हुलकी स्त्री० ऊलक (२) कालेरा
हुलसना अ०क्रि० हुलवु, उल्लसवु (२) ऊल्सवु ऊभरावु ऊमटवु
हुलसी स्त्री० 'हुलास', उल्लास, उमग
हुलास पु० उल्लास (२) ऊलट (३) स्त्री० छीकणी
हुलिया पु० [अ] चहेरो रूप आकार के तेनु वर्णन -कराना, -लिखाना = पोलीसमा माणसनी ओळख माटे तेन वर्णन आपवु [ढगो
हुल्लड पु० हल्लो, होहा (२) तोफान
हुवदा वि० [फा] स्पष्ट जाहेर 'रोशन'
हुश अ० चूप करवा माटेनो एक उद्गार
हुस्न प० [अ] उत्तमता, खूबी (२) हुसन कांति, खूबसूरती
हुस्ने महफिल पु० एक जातनो हुक्को
हूँ अ० हा (२) अ०क्रि० छु, होना नु पहेला पुरुषनु ए० व० नु रूप
हूँकना अ०क्रि० हुंकारो करवो गजवु (२) डूसकु भरवु
हूँठा पु० [हि हूँठ=साडा त्रण] ऊठाना आक [ति (३) गोद टोकवा करवु ते
हूँस स्त्री० ईर्षा (२) बूरी नजर लागवी
हूँसना स०क्रि० नजर लागे एम करवु, टोकवु (२) टोकवु 'कोसना'
हूक स्त्री० हृदयना पीडा, शूळ
हूकना अ०क्रि० दुखवु (२) शूळ जेवी पीडाथी चाकवु
हूठा पु० डिंगा टिक्को -देना = डिंगो करवो, टिक्का बतावयो
हूदा वि० [फा] वाजबी, ठीक
हूबहू ।०[अ] आबेहूब, बिलकुल मळतु
हूर स्त्री०[अ] हूरी अप्सरा (२) वि० खूब सुंदर
हूल स्त्री० अणीदार वस्तु भाकवु-हुलावी देवु ते (२) शूळ, पीडा
हूलना स०क्रि० हुलावी दवु खोसवु
हूश वि० असभ्य, जगली
हूहा स्त्री० होहा शोरबकोर
हृत वि० [स] हरायेलु लई लीधेलु
हृदय पु० [स] शरीरनु हृदय (२) अंतःकरण दिल
हृद्य वि०[स] प्रिय, गमतु (२) हार्दिक, दिली [जाडु, लष्ठ
हृष्ट वि०[स] खुश राजी ०पुष्ट वि०
हू हू पु० आग भडभड बळे तेनो अवाज
हेंगा पु० पाटो समार (खेतीनो)
हे अ० [स] हे एवो उद्गार
हेकड वि० हृष्टपुष्ट, स्थूल (२) जबर (३) 'उद्दड उजड्ड' (नाम -डी)
हेच वि० [फा] नजीवु पामर (२) नकामु, असार (३) हिचकाट
हेचकारा वि० [फा] नकामु निरर्थक
हेठा वि० हदु तुच्छ के नीचु

हेठी स्त्री० हेठु पडवु ते मानहानि
हेतु पु० [स] इरादो प्रयोजन (२) कारण
०वाद पु० तर्कविद्या (२) नास्तिकवाद
हेत्वाभास पु० [स] तर्कदोष
हेमंत पु० [स] छमांनी एक ऋतु
हेम पु० [स] सोनु (२) हिम बरफ
हेय वि० [स] त्याज्य खाटु खराब
हेरंब पु० [स] गणपति
हेरना स०क्रि० (प) ढूंढवु खोळवु (२) हेरवु निहाळवु (३) समजवु विचारवु
हेरना फेरना स०क्रि० हेरफेर करवी बदलवु के अहींनु तहीं करवु
हेरफेर पु० चक्कर (२) वात लांबी लांबी करवी ते (३) दावपेच (४) हेरफेर फेरफार (अने आपले बेउ अर्थमां)
हेराना स०क्रि० 'हेरना'नु प्रेरक (२) अ०क्रि० गेब थवु न रहेवु अभाव होवो के नष्ट थवु (३) फीकु के मंद पडवु (४) लीन – तन्मय थवु
हेराफेरी स्त्री० हेरफेर अदलबदल
हेल पु० छाणा वगरेनी हेल
हेलना स०क्रि० हासीखेल करवां (२) स०क्रि० हलवु अवगणवु
हेलमेल पु० मेळ मित्राचारी (२) संग साथ (३) परिचय
हेला पु० हल्लो चडाई (२) हल्ला धक्को (३) एक वार लई जवाय एटली खेप (४) भंगी (५) स्त्री० [स] अवज्ञा (६) केलि खेल
हेलिन,–नी स्त्री० भंगी स्त्री
हेली स्त्री० (प) हे अली! (सखी)
है अ० हे! (२) अ०क्रि० 'होना'नु व० व०, वर्तमानकाळनु रूप
हैदिल पु० [इं] हैंडल हाथो

है अ०क्रि० होना नु ए० व०, [...]काळनु रूप
हैकड वि० जुओ 'हेकड'
हैकल स्त्री० [अ] घोडाना गळा[...] (२) तावीज (३) जुओ हुम[...] चहेरो सिकल
हैज पु० [अ] स्त्रीनो रजोध[...]
हैजा पु० [अ] कॉलेरा
हैफ अ० [अ] हाय अफसो[...]
हैबत स्त्री० [अ] हेबत हवक[...]
हैबत-जदा वि० [फा] हबताइ[...]
हैबत नाक वि० [फा] भयंकर
हैम वि० [स] सोनेरी सोना[...] संबंधी (२) बरफवाळु ०वत[...] पार्वती (२) गंगा
हैयत स्त्री० [अ] खगोळविद्य[...]
हैरत स्त्री० [अ] हेरत अच[...]
हैरत-अंगेज वि० [फा] आश्चय[...]
हैरान वि० [अ] हेरान परेशा[...] आश्चर्यचकित (नाम –नी)
हैवान पु० [अ] हेवान पशु (२[...]
हैवानियत स्त्री० [अ] हेवानियत
हैवानी वि० हेवान पशु जेवु
हैसबस पु० [अ] 'पहेस' विवा[...]
हैसियत स्त्री० [अ] हेसियत [...] शक्ति (२) आर्थिक दशा ध[...] (३) दरज्जो कक्षा
हों अ०क्रि० 'होना'नु व०व० [...]
होंठ पु० होठ –काटना, –च[...] होठ करडवा साथ पाट क[...]
हो अ० हे अहो (२) अ०क्रि[...] होना नु बीजा पुरुष वि[...] बाजो पुरुष व०व० [...] रूप

होटल पु० [इ] होटेल, वीशी के नास्तापाणीनी दुकान
होड स्त्री० होड, शरत (२) स्पर्धा (३) हठ -बदना, -लगना=होड बकवी
होडावादी, होडाहोडी स्त्री० चडसा-चडसी, होड
होतव(-व्य) पु०, -व्यता स्त्री० (प) थनार भावी, 'होनहार'
होता पु०[स] हवन करनार, पुरोहित
होनहार वि० हानार, भावी (२) श्रेष्ठ नीवडनार, सारा लक्षणवाळु (३) पु० भावी, नियत
होना अ०क्रि०होवु, थवु होकर रहना= जरूर थवु हो बठना=थई पडवु बनी बेसवु (२) स्त्रीनु दूर बेसवु
होनी स्त्री० पेदाश उत्पत्ति (२) हाल, वृत्तात (३) भावी के सभवित घटना
होम पु० [स] हवन, यज्ञ
होमना स०क्रि० होमवु यज्ञमा नाखवु
होरसा पु० ओरसियो
होरहा पु० चणाना छोड के पोपटो
होरा(-ला) पु० [स होलक] चणाना जोळो (२) 'होरहा', पोपटा
होरिल पु० तरत जन्मेलु बाळक
होरी,-ली स्त्री० जुओ होली
होला स्त्री० (शीखानी) होळी (२) पु० जुओ 'होरा
होली,-लिका [स] स्त्री० होळी के तेनु गीत
होल्ड-गाल पु०[इ] होल्डाल-बिस्तरो
होल्डर पु० [इ] कलम
होश पु०[फा] होश, चेतन (२) याद सूधबूध (३) समज -की दवा करना =होश ठेकाणे आणवा -दग होना= आश्चर्यथी दग थवु -दिलाना=याद देवडाववु
होशमद वि० [फा] समजदार
होश(०व)हवास पु० [फा+अ] होशकोश
होशियार वि० [अ] समजु चालाक अकलवाळु (२) सावध, सजाग (नाम, -री स्त्री०)
होस्टल पु० [इ] 'हॉस्टेल', छात्रालय
हौं अ०क्रि० छु, 'होना' नु पहेलो पुरुष, ए० व०, वतमानकाळनु रूप (२) स० (व्रज) हु
हौ अ०क्रि० छ 'होना नु बीजो पुरुष, ए० व०, वतमानकाळनु रूप
हौआ(-वा) पु० हाउ, 'हव्वा'
हौज(-द) पु० [अ हौज] होज
हौवा पु० होद्दो, अबाडी
हौल पु० [अ] डर दहशत -पठना, -बठना=दहशत लागवी डर पेसवो
हौलजौल पु० उतावळ के तेथी थतो रघवाट के गभराट
हौल दिल पु० [फा] दिल धडकवु ते के तेनो रोग (२) वि० डरी गयेलु के डरपोक (३) गभरायेलु व्याकुळ
हौल-दिला वि० 'हौलदिल, डरपाक के गभरायेलु
हौल्नाक वि० [फा] भयानक
हौली स्त्री० दारूनी दुकान
हौलू वि० 'हौलदिल' डरपोक झट डरे [एवु
हौले अ० धारेथी आस्ते (२) हल्के हाथे
हौवा स्त्री० जुओ 'हव्वा'
हौस स्त्री० [अ हवस] प्रबळ इच्छा (२) होस उमग उत्साह
हौसला पु०[अ] होस उत्साह उमग (२) साहस हिंमत -निकालना=

हाम पूरी थवी –पस्त होना=होस शमी जवी जोर ठडु पडवु
हौसला-मद वि०[फा] होसीलु उत्साही के साहसी उमगी
ह्रद पु०[स] तळाव के सरावर (२) ध्वनि
ह्रदिनी स्त्री० [स] नदी
ह्रस्व पु०[स] वामन ठीगणो (२) वि० लघु टूकु
ह्रास पु० [स] क्षय पडती (२) कमी, न्यूनता
ह्री स्त्री० [स] शरम लज्जा
ह्लाद,०न पु० [स] आह्लाद आनद
ह्वाँ अ० (प) 'वहा' त्या
ह्विस्की स्त्री० [इ] विस्की दारू
ह्वेल पु० [इ] वहेल माछली

हिन्दी पाठावली — दूसरी किताब

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अजारिया

यह संग्रह हिन्दीकी तीसरी परीक्षाके लिअे है। अिसमें पाठों और व्याख्याओंमें भाषाकी सरलता और रोचकताका खास खयाल रखा गया है।

की० १–४–० डाकखर्च ०–५–०

हिन्दी पाठावली — तीसरी किताब

सपा० गिरिराजकिशोर, नानुभाओी बारोट

हिन्दी भाषाका अच्छा अभ्यास करनेवालोंके लिअे यह गद्य-पद्य-संग्रह बड़ा अुपयोगी सिद्ध होगा। अिसमें हिन्दी भाषी और अहिन्दी-भाषी दोनों लेखकों और कवियोंको जगह दी गअी है।

की० १–८–० डाकखर्च ०–६–०

गद्य-संग्रह

सपा० गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

यह संग्रह 'हिन्दी सेवक' की परीक्षाके लिअे तैयार किया गया है। हिन्दीके प्रसिद्ध लेखकोंके सिवा गुजराती और मराठी भाषी लेखकों और विचारकोंके लेख भी अिसमें शामिल किये गये हैं।

की० २–८–० डाकखर्च ०–१३–०

हिन्दी कहानी संग्रह—भाग १

संपादक गिरिराजकिशोर

चुनी हुअी आठ कहानियोंका संग्रह, कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०–८–० डाकखर्च ०–२–०

हिन्दी कहानी संग्रह—भाग २

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अजारिया

हिन्दीकी सात सुन्दर कहानियोंका संग्रह कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०–९–० डाकखर्च ०–३–०

हिन्दी कहानी संग्रह — भाग ३

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अजारिया

यह संग्रह हिन्दी विनीत परीक्षाके लिअे है। अिसमें छः प्रसिद्ध कहानी लेखकोंकी अुत्तम रचनायें ली गअी हैं।

की० ०–१०–० डाकखर्च ०–४–०

नाटक खेल

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अजारिया

ये नाटकी नाटक पाठकोंको हिन्दी सीखनेमें बड़े मददगार होंगे। अिनकी भाषामें प्रवाह और चलतापन है। सरलता अिनका खास गुण है।

की० ०–६–० डाकखर्च ०–२–०

मुनाजाते बेवा

सपा० गिरिराजकिशोर

यह अुर्दूके प्रसिद्ध कवि मौलाना अल्ताफहुसेन हालीके काव्यका नागरी रूपान्तर है। अिसमें भारतीय विधवाकी व्यथाका जितना सच्चा और मार्मिक चित्रण है, मानो किसी विधवाने ही अिसे लिखा हो।

की० ०–५–० डाकखर्च ०–२–०

चुपकी दाद

सपा० गिरिराजकिशोर

यह मौलाना हालीकी दूसरी सुन्दर पुस्तक है। अिसमें अुन्होंने लोगोंको समझाया है कि स्त्रियोंका समाजमें क्या स्थान है, अुनकी कितनी बडी जिम्मेदारियां हैं और अिन्हें वे पूरा कर सकें अिसके लिअे अन्हें शिक्षा देना कितना जरूरी है।

की० ०–३–० डाकखर्च ०–२–०

आधुनिक हिन्दी कविता

सपा० नानुभाओ बारोट, गिरिराजकिशोर

अिस पुस्तकमें नागरी और अुर्दू लिपिमें लिखी गअी 'खडी बोली'की आधुनिक कविताओंका सग्रह किया गया है। हिन्दी-अुर्दूकी मिलीजुली आसान शैलीमें लिखनेवाले आधुनिक युगके लगभग सभी प्रतिनिधि कवियोंकी रचनाओंके नमूने अिसमें आ गये हैं।

की० १–०–० डाकखर्च ०–४–०

प्राचीन हिन्दी कविता

सपा० — गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

यह सग्रह राष्ट्रभाषाके अभ्यासके खयालसे तैयार किया गया है। कवियों और अुनकी रचनाओंके चुनावमें यह बात ध्यानमें रखी गअी है कि असे कवियों और काव्योंको लिया जाय जो समाज पर अपना असर छोड गये हैं। कुछ प्रसिद्ध अहिन्दी भाषी सन्तोंकी रचनायें भी अिसमें ली गअी हैं।

की० १–१०–० डाकखर्च ०–५–०

भूल-सुधार

लेखक गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

अिस पुस्तकके नामसे ही पता चलता है कि यह गुजरातमें हिन्दी सीखनेवालोंको बोलने और लिखनेकी भूलोंसे बचानेके लिअे तैयार की गअी है। भाषाशास्त्रकी दृष्टिसे अिसका लाभ गुजरातीके सिवा अन्य भाषा भाषियोंको भी मिलेगा।

की० १–०–० डाकखर्च ०–४–०

प्राप्तिस्थान — नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद-१४